विश्वभारती

वार्षिक प्रतिवेदन 2015-16

शान्तिनिकेतन

2016

॥ यत्र विश्वं भवत्येकनीडम् ॥

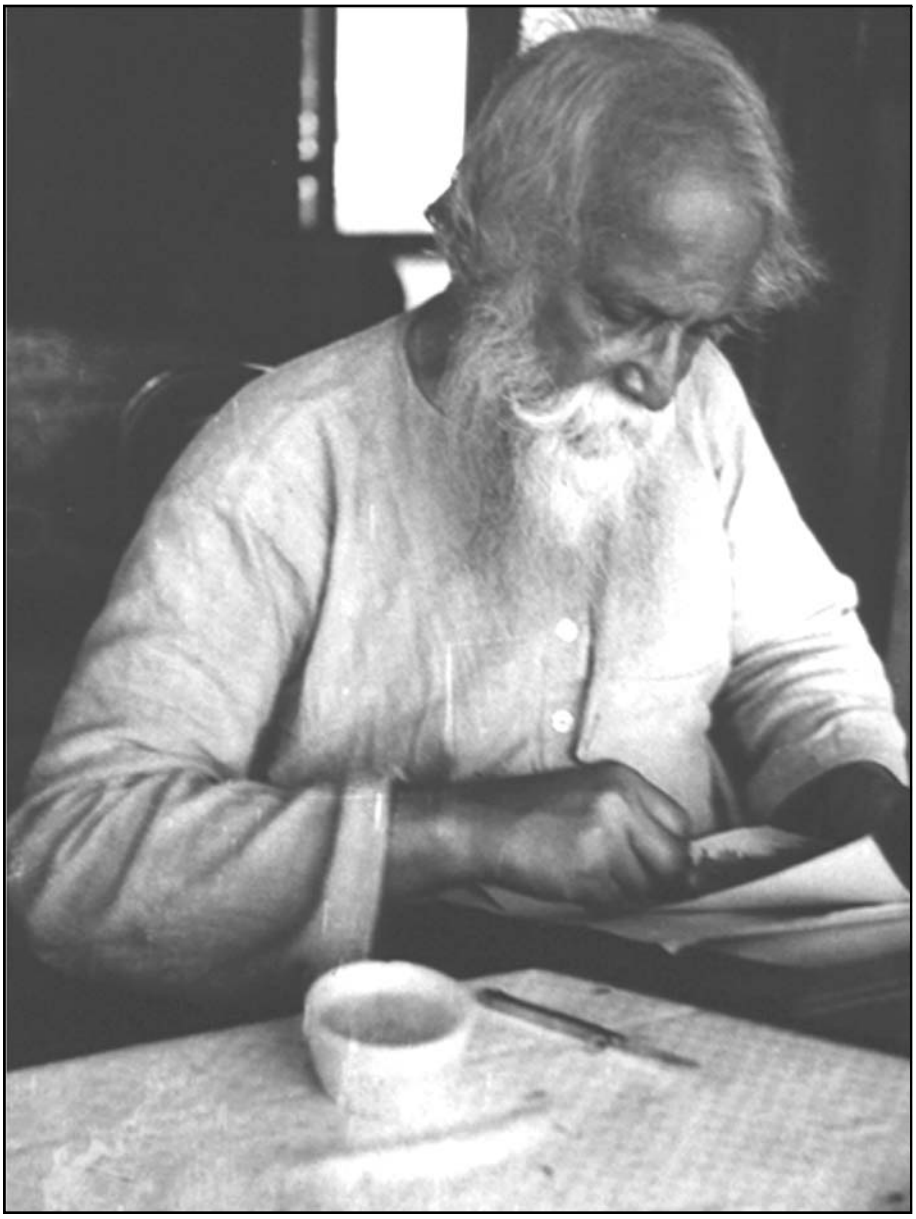

''विश्वभारती भारत का प्रतिनिधित्व करता है जहाँ अतुल्य ज्ञान का भण्डार है जो सभी के लिए है। विश्वभारती भारत की अद्भुत संस्कृति के प्रसार एवं दूसरों से उनके सर्वश्रेष्ठ को ग्रहण करने की अपनी प्रतिबद्धता का भी समर्थन करता है।''—रवीन्द्रनाथ टेगोर

आचार्य
श्री नरेन्द्र मोदी
उपाचार्य
प्रो. स्वपन कुमार दत्ता

विश्व-भारती

(1951 के विश्व-भारत ऐक्ट)
XXIX के अन्तर्गत भारत के संसद द्वारा स्थापित
वाइड नोटिफिकेशन
नम्बर : 40-5/50 जी. 3
डीटी. 14 मई, 1951)
संस्थापक
रवीन्द्रनाथ टैगोर

शान्तिनिकेतन - 731235
जिला : बीरभूम, पश्चिम बंगाल, भारत
फोन : 91-3463-262 451/161531
फैक्स : 91-3363-262672
ई.मेल : वाइस-चैंसलर@विश्व-भारती. एसी.इन
वेबसाईट : डब्लूडब्लूडब्लू.विश्व-बारती.एसी.इन

भूमिका

मैं 2015-16 वार्षिक वृत्तान्त की भूमिका प्रस्तुत करने में गर्व का अनुभव कर रहा हूँ। गत वर्ष के वृत्तान्त का अनुकरण करते हुए विश्वविद्यालय के सम्पूर्ण विकास तथा सकारात्मक उन्नति की व्याख्या करते हुए हम आनन्दित है।

'यात्रा-विश्वम् भवतयेकनीदम' (ऐसी दुनिया जहाँ एकल घोंसले पर आशियाना बनाया जाता है) के सिद्धान्त के आधार पर विश्व-भारती, राष्ट्रीय महत्ता के साथ-साथ एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में भी दृष्टिगोचर होती है। वार्षिक वृत्तान्त विश्व-भारती के स्त्रोतो तथा संघठित अंश की विभिन्न क्रियाकलापों का सूचक है।

राष्ट्रीय कर निर्धारित तथा प्रमाणित संघ द्वारा विश्व-भारती को अप्रैल 2015 में विश्वविद्यालय साक्षात्कार में स्वीकृत कर लिया गया है। हमारी संचय संस्था, दि युनिवर्सिटी ग्रैन्ट्स् कमिशन (यूजीसी) के आदेशानुकूल एनएएसी विकास किया गया। पहले के कुछ असफल पहलुओं के बाद विश्व-भारती शासकीय विभाग ने कुछ विशेष प्रभाव को सहज बनाया। उच्च श्रेणी की अप्राप्ति के कारण यद्यपि हमें पहले निराशा हुई, परतु बाद में हमें यह अहसास हुआ कि भविष्य को उन्नत करने हेतु आत्मविश्वासी बनाने के लिए यह एक जागरण-स्वर था। आशा है कि आनेवाले समय में हमारी तैयारी अधिक बेहतर होगी। नैशनल इंस्टिट्यूट रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ), उच्च शिक्षा विभाग, मानवी द्रव्यसाधन विकास के मंत्रित्व, भारत सरकार द्वारा विश्वविद्यालय की श्रेणी में सम्मिलित करने के लिए विश्व-भारती ने एक सफलतम प्रस्ताव जारी किया।

सार्वभौमिक संस्था के रूप में विश्व-भारती के प्रति गुरुदेव का भी दृष्टिकोण है, जहाँ विश्व की संस्कृतियों का पारस्परिक मिलन होता है। सांस्कृतिक, विद्योपार्जित तथा भौगोलिक राजनीतिक विद्योपार्जित कार्यक्रम के पारस्परिक कल्याण हेतु ''बंगलादेश भवन'' की स्थापनाा के लिए बंगलादेश सरकार से इस विश्वविद्यालय को पच्चीस करोड़ रूपये गृहीत हैं। विश्व-भारती की समाज के कल्याण की वचनवद्धता श्रीनिकेतन के कार्यक्रमों में भी प्रकट होती है। विश्व-भारती को एक सशक्त विकसित जन-समुदाय कोशिका उपलब्ध है। इस विकसित जनसमुदाय तथा ग्रामीण पुनर्निर्माण कार्यक्रम के अंतर्गत विश्व-भारती को पच्चीस गाँव प्राप्त है। ग्रामवासियों को आत्मविश्वासी बनाने के लिए प्रोत्साहित करने का विचार युवा-संघ, महिला समिति, ब्रती बालक संस्था, ग्राम्य पुस्तकालय, स्वयं-सेव संघ, शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण तथा अन्य गठित संस्थाओं द्वारा प्रस्तावित है।

हमारी सक्रियता को सुगम तथा बढ़ाने के लिए विभिन्न शासकीय परिमाण को लक्षित किया जा रहा है। शांतिनिकेतन, श्रीनिकेतन में स्थापित टैगोर के सिद्धान्तों के प्रति वचनवद्धता श्रेष्ठता, समर्पण, मानवता तथा समाज के प्रति हमारी स्वार्थहीन सेवा का उदाहरण है।

स्वपन कुमार दत्त
उपाचार्य

अनुक्रम

अध्याय - 1	
ब्रह्मचर्य आश्रम से विश्वभारती तक	1
वित्त	5
प्रशासनिक कार्मिकों का विवरण	6
अध्याय - 2	
भाषा भवन	9
बांगला विभाग	10
अंग्रेजी और अन्य आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग	15
हिन्दी विभाग	26
संस्कृत, पाली एवं प्राकृत विभाग	31
उड़िया विभाग	37
अरबी उर्दू एवं इस्लामी विभाग	43
भारत-तिब्बत विभाग	43
संथाली विभाग	46
मराठी विभाग	52
असमिया विभाग	53
जापानी भाषा विभाग	54
चीनी भाषा विभाग	57
बौद्ध अध्ययन केंद्र	60
विद्या भवन	62
अर्थशास्त्र एवं राजनीतिशास्त्र विभाग	63
भूगोल विभाग	77
प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग	82
इतिहास विभाग	86
मानव विज्ञान विभाग	88
पत्रकारिता एवं जन-संचार केन्द्र	90
शिक्षा भवन	96
भौतिक विज्ञान विभाग	97
रसायन विज्ञान विभाग	107
गणित विभाग	125
प्राणी विज्ञान विभाग	135
वनस्पति विज्ञान विभाग	145
स्टैटिस्टिक्स विभाग	163
कम्प्यूटर एवं प्रणाली विज्ञान विभाग	167
पर्यावरण अध्ययन केन्द्र	173
बायो टेक्नोलॉजी विभाग	178
गणित शिक्षा केन्द्र	183
समाकलित विज्ञान एवं शोध केन्द्र	184
कला भवन	187
डिजाइन विभाग	189
मूर्तिकला विभाग	192
चित्रकला विभाग	195
लेखाचित्र कला विभाग	200
कला-इतिहास विभाग	202
नन्दन संग्रहालय	205
संगीत भवन	206
हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत विभाग	207
रवीन्द्र संगीत गवेषणा केन्द्र	210
विनय भवन	215
शिक्षा विभाग	215
शारीरिक शिक्षा विभाग	224
पल्ली संगठन विभाग	229
ग्रामीण विस्तार केन्द्र	229
शिल्प सदन	231
समाज कार्य विभाग	236
पल्ली चर्चा केन्द्र	242

पल्ली शिक्षा भवन 245

ए.एस.ई.पी.ए.एन. विभाग 248

फसल सुधार, बागबानी एवं कृषि सांख्यिकी विभाग 255

कृषि विस्तार, कृषि अर्थशास्त्र और कृषि सांख्यिकी विभाग 266

पौधा संरक्षण विभाग 294

माध्यमिक तथा उच्च माध्यमिक संस्थाएँ

पाठ-भवन 306

शिक्षा-सत्र 308

अन्य शैक्षणिक केन्द्र 312

रवीन्द्र भवन 312

ग्रंथन विभाग 318

राजमाषा (हिन्दी) प्रकोष्ठ 322

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय संहति केन्द्र 323

कृषि आर्थिक अनुसंधान केन्द्र 325

अ.जा/अ.ज.जा. प्रकोष्ठ का मूल्य निर्धारण प्रतिवेदन 327

केन्द्रीय पुस्तकालय 328

युनिवर्सिटी स्पोर्टस् बोर्ड 336

नारी शिक्षा अध्ययन केन्द्र 337

अध्याय - 3

शैक्षणिक कार्यक्रम 341

अध्याय - 4 345

अध्याय - 5

परिसर विकास 369

अध्याय - 6

विश्व विद्यालय वित्त 380

शैक्षणिक संशोधन 382

परिशिष्ट-ए

नयी नियुक्तियाँ 385

परिशिष्ट-बी

भवनों/विभागों/सदनों के अध्यक्ष 386

परिशिष्ट-सी

विश्वविद्यालय के कार्यवाहक 387

परिशिष्ट-डी

विभाग के अध्यक्ष 389

परिशिष्ट-ई

शैक्षणिक कर्मचारीगण 391

परिशिष्ट-एफ

संसद सदस्य 422

परिशिष्ट-जी

कर्मसमिति के सदस्यों की सूची 427

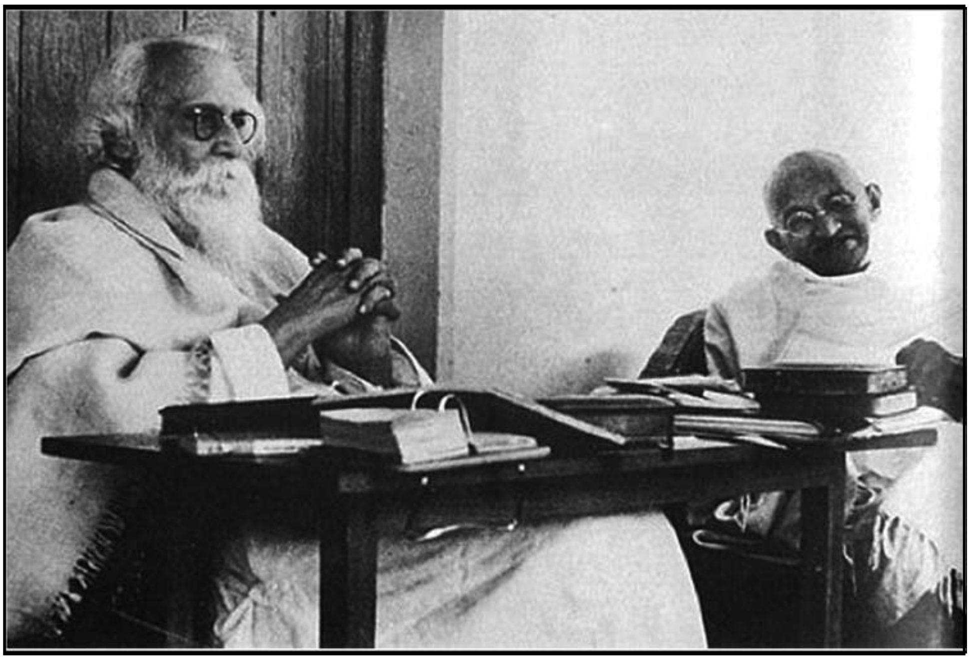

विश्व-भारती से ब्रह्मचर्य आश्रम : एक छोटे विद्यालय का एक अंतर्राष्ट्रीय-स्तुति शिक्षा का केन्द्र में रूपान्तरण का एक इतिहास

विश्व-भारती जो एशिया के पहले नोबेल राजकीय रवीन्द्रनाथ टैगोर के सपनों के सभा को संक्षेप करता है, पवित्र शिक्षा को देने के लिए युक्त हुआ जैसे कि उपनिषद में अंकित है ''स्जॅऽय विघॅाय या विमुक्तॅऽाय'' (वह जो ज्ञान निस्तार करता है) एक बहुत शुद्ध शुरुआत थी। 1863 में, देवेन्द्रनाथ टैगोर, कवि के पिता और उन्नसवीं शताब्दी बंगाल कला-कौशल के एक हर्ब्रींगर वीरभूम जिले के मरूस्थल मिट्टी में शुरुआती भूमि के दाम 20 रूपये पर बीस बीघा जमीन का अधिकार लिया और शांतिनिकेतन आश्रम स्थापित किया। 1888 में, उन्होंने आश्रम की व्यवस्था के लिए एक ट्रस्ट कार्य चलाया और इसे योगा के उद्देश्य के लिए समर्पित किया। पूर्णरूप से तब के शिक्षा व्यवस्था के प्रतिकूल और इसके शिक्षा के तरीके के प्रतिकूल जिसको उन्होंने यांत्रिक आत्मविहिन और अप्रेरक सुनिश्चित किया, रवीन्द्रनाथ ने एक विद्यालय स्थापित किया। शांतिनिकेतन ब्रह्मचर्य आश्रम 23 दिसम्बर, 1901 को पाँच विद्यार्थियों के साथ अस्वीकार्य उद्देश्य की उपलब्धि के साथ, जनवरी, 1924 के विश्व-भारती बुलेटिन के द्वारा विज्ञापन की तरह :

''बच्चों की एक समीति सस्था को एक शिक्षा जिसको जीवन से अलग नहीं किया जायेगा, जहाँ बच्चे एक बड़े परिवार के सदस्य हो जायेंगे और सभा के व्यापार को अपने तरह आदर करते हैं और जहाँ वे लोग रहेंगे और स्वतंत्रता, सामान्य विश्वास और खुशी के वातावरण में बड़े होंगे।''

अंग्रेजी हैजेमॉनी द्वारा परिचित शिक्षा व्यवस्था के केन्द्रित अस्वीकार करने में जो बेवकूफ किरानियों के समूह की उत्पत्ति पर बीन बजाता है, अंग्रेजी राज अप्रतिद्वन्द्विता बनाने पर झुकाव, रवीन्द्रनाथ ने एक नयी पढ़ने-लिखने की व्यवस्था परिचित करायी जहाँ कक्षायें खुले वायु में होती थी, जहाँ मनुष्य और प्रकृति एक जल्द हार्मोनियस रिश्ते में प्रवेश करते हैं। 20 वर्ष बाद पैट्रिक गिदेस की एक चिट्ठी में, उन्होंने निश्चय किया।

''मैं केवल इस एक साधारण अभिप्राय की शिक्षा जीवन से अलग नहीं। कभी भी नहीं अलग होना चाहिए के साथ शुरु किया।''

पवित्र शिक्षा का तथ्य जो एक 'पूर्ण' व्यक्ति को पोषित करेगा हमारे प्राचीन भारतीय उपनिषदीय लेखिका जो संसारी सफलता के बंधन से आत्मा के दृढ़ता का धर्मोपदेश दिया रवीन्द्रनाथ के द्वारा मन में धारित किया गया था। उनके स्त्रोत सीमित थे लेकिन उनके आदर्श नियम से भटके नहीं थे। 1917 के दौरान, एक भारतीय सभ्यता केन्द्र का आदर्श धीरे-धीरे आकारित हो रहा था। केन्द्र 'विभिन्न सभ्यताओं के स-सहायक शिक्षा के लिए'' अंकित किया जायेगा। 23 दिसम्बर, 1918 को, विश्व-भारती का संस्थापक पत्थर कवि-शिक्षक द्वारा दबा हुआ था। अपने छोटे भाषण में उन्होंने संस्था के उद्देश्य और विषयों को बताया :

''विश्वविद्यालय का प्राथमिक कार्य युक्ति का निर्माण कार्य और ज्ञान विभाजित होना चाहिए। व्यक्ति एक साथ लाये जाने चाहिए और पूर्ण अवधि उन्हें देना चाहिए केवल मानसिक बुद्धि सम्बन्धी जिज्ञासा के लिए ही नहीं, बल्कि जीव-सम्बन्धि उत्पत्ति साथ ही और शिक्षा। इस सभ्यता के बसन्त का बाढ़ होना चाहिए, स्वावलम्बी और आवश्यक''।

विश्व-भारती 16 मई, 1922 में पंजीकृत हुआ था। ब्रह्मांड के चारों तरफ से विद्वान विश्व-भारती को अभी तक के ग्लोबल सभ्यता और शिक्षा का केन्द्र बनाने की शुरूआत किये। ब्रह्मचर्य विद्यालय 1924 के दौरान विश्व-भारती पूर्वा विभाग कहलाया और 1925 से पटना भवन ऑफ विश्व-भारती हो गया।

1921 में, उन्नति करते हुए अध्ययन का विभाग स्थापित हुआ था, जो 1926 में विद्या भवन नाम से पुन: जाना गया। 1919 से कला भवन में संगीत और कला पढ़ाया जा रहा था। जो अंतिम में दो संस्थाओं में विभाजित हो गया जो कि है कला और संगीत भवन 1933 में।

उनके आरंभिक वर्षो में शिलाईदाहा और शाहजादपुर में उनके ठहराव के दौरान, रवीन्द्रनाथ ग्रामीण जीवन के कष्ट और दर्द को अनुभव कर सकते थे, गरीबी और नजरअंदाज में तर्क। इस दुखित घटना की व्यवस्था को खत्म करने के लिए, रवीन्द्रनाथ व्यवसाय सम्बन्धी शिक्षा की व्यवस्था को परिचित के रुप में एक नया योजना शुरू किये जो ग्रामीण लोगों को स्वालम्बी बनायेगा। इस विषय के साथ 6 फरवरी 1922 को विश्व-भारती कृषि और गाँव निर्माण विभाग लियोनार्ड एलर्मीस्ट के प्रेरित नेतृत्व के अन्तर्गत सुरूल में शुरू हुआ था। कुछ समय बाद यह श्रीनिकेतन के नाम से जाना गया (सफलता का निवास)। इस संस्था को स्थापित करने में पवित्र तरकीब गाँवो में अपने पूर्णता में जीवन को वापस लाना था और ग्रामिणों को अपने प्रवृत्ति के लिए स्वकेन्द्रित बनाता है।

1924 में, अन्य विद्यालय ''शिक्षा'सात्रा'' स्थापित हुआ था जो अंतिम में 1927 में श्रीनिकेतन में स्थापित हो गया था।

चीना-भवन भारत और चीन के बीच में उम्र-पुरातन सभ्यता बंधन खिंचाव के उन्नत मानसिक के साथ 14 अप्रैल 1937 में गुरुदेव द्वारा एक निरीक्षण विभाग के रूप में उद्घाटित हुआ था। प्रोफेसर तान यून-शान के जा थके हुए उत्साह और प्रयत्न ने एक नये साइनो-भारतीय सभ्यता सभा का तरुपंक्ति विश्व-भारती द्वारा खोला। 1994 में, निप्पोन-भवन के स्थापना ने जापानी भाषा और सभ्यता में बढ़ते हुए अध्ययन की वृद्धि में एक अन्य पंख लगा दिया।

हिन्दी-भवन की स्थापना पत्थर सी.एफ. एण्ड्रीउज और क्षितिमोहन सेन द्वारा दबा हुआ है और 31 जनवरी 1939 को पंडित बनारसीदास चतुर्वेदी के मुक्त प्रयास ने हिन्दी भवन के निर्माण की पूर्णता के साथ फल दिया।

मई में, 1951 विश्व-भारती केन्द्रीय विश्वविद्यालय और ''राष्ट्रीय महत्व का एक संस्था'' का अवस्था स्वीकार किया था।

अत:, जो साधारणत: एक विद्यालय की तरह शुरू हुआ था, रूकावट के अधिकता के बीच एक लम्बे रास्ते के चबूतरे के बाद-आर्थिक, शासित या जो भी वो हो सकते थे में आज बहुत अनुसरण और अनुशासन के साथ एक आधुनिक विश्वविद्यालय में फैल गया है जो हमेशा बेहतरीनता और अन्वेषित चरित्र के उपज की वृद्धि करेगा।

शांतिनिकेतन जो शांति का निवास और श्रीनिकेतन एक सुन्दरता का निवास- यह दो युक्त विश्व-भारती को इथरियल सुन्दरता, स्थिरता और पाठशालिक कम्पनता का एक स्थान बनाता है।

आज संस्थायिक आकार

विश्व-भारती, 1951 के सांसदिक एक्ट के अनुसार, के पास परिदर्शिका की तरह भारत के राष्ट्रपति, और प्रधान के रूप में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल है। भारत के राष्ट्रपति विश्वविद्यालय के आचार्य और उपाचार्य की नियुक्ति करते हैं। 1951 का एक्ट, सांसद द्वारा बनाये गये निश्चित संशोधन के साथ और विश्व-भारती का कानून व्यवस्था विश्व-भारती विश्वविद्यालय के कार्यो और शक्तियों और इसके निर्मित अधिकारियों के आधार का निर्माण करता है। विश्व-विद्यालय के मुख्य निर्णय-निर्मित शाखायें हैं सामसद, कर्मा समीति, शिक्षा समीति, आर्य समीति और विभिन्न संस्था सभा और पाथ समीति।

विश्वविद्यालय के पास निम्नलिखित संस्थायें हैं,

नाम: शांतिनिकेतन में

भाषा-भवन (भाषाओं, साहित्य और सभ्यता का संस्था)

विद्या -भवन (सामाजिक विज्ञान का संस्था)

शिक्षा भवन (विज्ञान का संस्था)

कला - भवन (बेहतरीन कलाओं का संस्था)
संगीत भवन (संगीत, नृत्य और नाटक का संस्था)
विनय भवन (शिक्षा का संस्था)
रवीन्द्र भवन (टैगोर अध्ययन, अजायबघर और आर्चीव्स का संस्था)
पठ भवन (प्राथमिक, द्वितीय और उच्च द्वितीय शिक्षा का संस्था)

श्रीनिकेतन में :

पाली समगठन विभाग (ग्रामीण पुनर्निर्माण का संस्था)
पाली शिक्षा भवन (कृषि विज्ञान का संस्था)
शिक्षा सात्रा (प्राथमिक, द्वितीय और उच्च द्वितीय शिक्षा का संस्था)

कोलकाता में

ग्रंथन विभाग (प्रकाशन विभाग)

इसके अलावा, विश्व-भारती एग्रो-इकोनोमिक रिसर्च सेन्टर (एक निरीक्षण केन्द्र विश्व भारती के साथ जुड़ा कृषि मंत्रालय द्वारा प्रर्वतक) के कार्यो की भी देख-रेख करता है और कम्प्यूटर केन्द्र, जो एक कार्य केन्द्र की तरह कार्य करता है। जो दोनों पाठशालिक और शासन विभाग की सहायता करता है, इसके पाठशलिक कार्यो को करने की युक्ति में।

सामाजिक यौगिक निरीक्षण और अन्य क्रियायें

सामाजिक यौगिक निरीक्षण कार्य को इंसानियत, भौतिक और सामाजिक विज्ञान में वृद्धि करने के लिए कदम उठाये गये थे और कमजोर भागों के क्रियाओं को बढ़ाने की जरूरत है।

ऊपर के साथ मिले हुए क्रियाओं का एक पुनर्विचार नीचे दिया गया है :

शिक्षा-भवन द्वारा ढँके निरीक्षण के मुख्य क्षेत्र पौधे और औषधि-युक्त पौधे, फसल-पोषण, जंगलीकरण, मछली-विज्ञान, परमाणु निरीक्षण, पर्यावरण प्रदूषण संबंधित कृषि उत्पादन और मछलीकरण और उद्योग प्रदूषण भी, पौधों की मुक्ति करण और कुछ बहुजनव्यापकों का पहचान युक्त है। जन्तु विज्ञान का विभाग दो के साथ मुख्य सहायक योजना के अन्दर यू.जी.सी द्वारा मुख्य सहायक विभाग के रूप में आविष्कारित हुआ है। शिक्षा और निरीक्षण का आघात क्षेत्र नाम मछली विज्ञान और पर्यावरण विज्ञान।

एग्रो-एकोनोमिक रिसर्च सेन्टर ने निरीक्षण कार्य लिया जो संबंधित है (ए) बिहार में कृषि वृद्धि में अ-सरकारी संस्थाओं की भूमिका (ब) कृषि वस्तुओं संबंधित कार्य और इनपुट सप्लाई का व्यापार (सी) कृषि और ग्रामीण वृद्धि में अकेंद्रित योजना (डी) कृषि वृद्धि पर सब्सिडी का प्रभाव (ई) सीमित और छोटे कृषि क्षेत्र का आर्थिक जीवन-योग्यता (एफ) वृद्धि और इनपुट सप्लाई पर मुख्य ध्यान के साथ कृषि व्यापार (पश्चिम बंगाल)।

पाली समगठन स्व-मदद और स्व-केन्द्र के द्वारा शांतिनिकेतन और श्रीनिकेतन के चारो तरफ गाँव में कार्य-रत योजना जैसे मात्रा साहित्य योजना, युवक शिक्षा, योजनायें ब्राती बालक और युवा संस्था, ग्रामीण लाइब्रेरी कार्य, क्राफ्ट विकास और ट्रेनिंग इत्यादि द्वारा लिये गये के द्वारा ग्रामीण जीवन के पुर्नउत्पत्ति के लिए लाने की इच्छा रखते हैं मुख्य रूप से नीची जाति और नीची प्रजाति और अन्य नीचे दरों द्वारा घेरित क्षेत्रों में।

पाली चर्चा केन्द्र (ग्रामीण अध्ययन का केन्द्र) अपना ध्यान ग्रामीण क्षेत्रों में ''ऑपरेशन बार्गा'' के गहरे अध्ययन के साथ एण्टी-पोवर्टी योजनाओं पर केन्द्रित किया, कृषि उत्पत्ति और कृषि व्यापार आईसीएआर के अन्तर्गत और जाति संबंधित समूहों के भाषा भ्रष्टाचार और सभ्यता दुविधा में अध्ययन, मुख्य रूप से संथाल समूह।

पाली शिक्षा भवन (कृषि विज्ञान का संस्था) लिया (अ) यूएसडीए और आईसीएआर के अन्तर्गत वीड काबू पर ऑल इण्डिया को-ओरडिनेटेड रिसर्च प्रोजेक्ट (ब) नोसिल रिसर्च प्रोजेक्ट ऑन वीड कंट्रोल ऑन राइस (सी) ऑयल-सिड रिसर्च स्कीम (डी) विभिन्न फसलों पर नीम सार का प्रभाव (ई) एनआरओईआर के अन्तर्गत प्रकृति, गठन और कुडों के उपयोग पर एक ग्रामीण दर सर्वे और (एफ) फसलों की वृद्धि, कृषि अर्थशास्त्र पर सिंचाई और नाइट्रोजन का प्रभाव कृषि क्षेत्र की वृद्धि के लिए बड़े स्तर, जुट, गन्ना, सरसों के बीच उत्पत्ति विश्व-भारती के प्रवर्तक के अन्दर, के आविष्कार द्वारा। ऊपर के अलावा, सामाजिक यौगिक योजनायें पौधा सुरक्षा विभाग द्वारा लिये गये युक्त है (ए) इंटिग्रेटेड पेस्ट मैनेजमेंट (बी) पोस्ट-हार्वेस्ट पैथोलोजी (सी) निमैटोड इकोलोजी, इत्यादि। राज्य सरकार के साथ सम्मिलित होके एक मिट्टी जाँचक लेबोरेटरी भी स्थापित हुआ है, चावल फसल के उत्पादन के संबंध में लैटेराइटिक मिट्टी में प्राप्त मिट्टी फॉसफोरस और पोटैसियम के गणना के लिए सक्षम मिट्टी जाँच विधि की वृद्धि करना।

सामाजिक कार्य का विभाग सामाजिक यौगिक क्षेत्रीय अध्ययन के योजनाओं का संस्थापक किया है जेसे (ए) ड्रॉप-आउटस टू ज्वाइन स्कूल्स (बी) स्वास्थ्य केन्द्रों के कार्यो का उपयोग (सी) सहायक बैंको द्वारा कृषि और उद्योग में खर्च (डी) सामाजिक तनाव में परिवार (ई) एससी/एसटी समूह और अन्य निम्न जातियों के लिए स्व-रोजगार जो ग्रामीण जनसंख्या के हैं और शारीरिक रूप से विकलांगों के लिए मुख्य योजनायें। यह आगे पड़ोसी गाँवों में अन्य सरकारी संस्थाओं से सम्मिलित होकर एक समूह-आधारित पुनर्निवेशन को शुरु किया।

इन्सानियत संस्था और सामाजिक विज्ञान ने दर्शनशास्त्र, धर्म, इतिहास, अर्थशास्त्र, राजनीतिक विज्ञान और विभिन्न भाषाओं, दोनों भारतीय और विदेशी में निरीक्षण योजनायें लिये चर्चा हो सकता है बंगाली, संस्कृत, पाली और प्राकृत, पर्सियन, उर्दू, हिन्दी, संथाली, उड़िया, तमिल, मराठी, तिब्बतन, चाइनिज, जापानिज, रासियन इत्यादि का। बौद्ध साहित्य और धर्म पर मुख्य अध्ययन चीनी भाषा एवं सभ्यता और भारतीय-तिब्बतन अध्ययन के विभाग में जारी रहा। उनके पास पुराने मैन्यूस्क्रीप्ट का एक बड़ा स्टोर गृह है। उड़ीसा विभाग ने उड़ीसा के फॉकलोर के मुख्य अध्ययन को लिया है। निप्पोन भवन जो कि जापानी अध्ययन एवं सभ्यता केन्द्र भारत और जापान के बीच जापान से आर्थिक सहयोग के साथ सभ्यतायिक योजनाओं की ओर पुन:चल पड़ा है।

इसके साथ, दि इंदिरा गांधी सेन्टर फॉर नेशनल इंटिग्रेशन ने करीकुलम वृद्धि पर वर्कशॉप और सेमिनार आयोजित किया, अध्ययन के विषय की तरह सेकेण्डरी और हाइयर सेकेण्डरी विद्यालयों में कैसे राष्ट्रीय इंण्टिग्रेशन का सभ्यता लिया जा सकता है ये निश्चित करने के लिए।

बी.एस.सी. और एम.एस.सी. दरों पर कम्प्यूटर विज्ञान में नियमित करीकुला के अलावा, यहाँ एक स्वतंत्र कम्प्यूटर केन्द्र चिन्हित श्रेष्ठता का है जो विश्व-भारती को नियमित अभ्यास और कम्प्यूटेशन सुविधायें देता है, दोनों पाठशालिक और शासित, कम्प्यूटर सभ्यता की पीढ़ी को बढ़ाने के लिए। कम्प्यूटेशन सुविधायें निम्नलिखित विभागों में भी उपलब्ध है: अंग्रेजी, वनस्पति विज्ञान, कला भवन, गणित, पाली शिक्षा भवन, भौतिक शास्त्र, रवीन्द्र भवन, जन्तु विज्ञान, और एग्रो-इकोनोमिक रिसर्च सेन्टर।

चर्चा विद्यार्थियों के विकसित क्रियाओं की भी हो सकती है, जो एक मुख्य और सामाजिक-अर्थशास्त्र महत्व द्वारा चिन्हित किये गये। ये सब एनसीसी, एनएसएस, भौतिक शिक्षा, और कार्यो और व्यवहारों के नियमित योजनाओं के रूप में आयोजित हुए थे, जो युक्त हुए शिक्षा एक्सकर्सन से जो युक्त ग्रामीण क्षेत्रों को लोगों के साथ संबंध बढ़ाते है, मुख्य रूप से नीची जाति और प्रजाति से घिरे हुए। इन विकसित क्रियाओं के गुण सामाजिक कार्य, पर्यावरण की सुरक्षा, इरेडिकेशन ऑफ इलिट्रेसि प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल ड्रग नशा के खिलाफ कैम्पेन की तरह के भी साथ संबंधित है।

ऊपर वाले विश्वविद्यालय द्वारा सामाजिक यौगिक निरीक्षण इसके संस्थापक रवीन्द्रनाथ टैगोर के सपनों के साथ जुड़े ट्यून

में की वृद्धि के लिए लिये गये कदमों को विस्तृत दृश्य देता है, जो सामाजिक यौगिक शिक्षा योजना द्वारा भारत में सामाजिक वृद्धि के लिए देखा।

आर्थिक व्यवस्था :

विश्वविद्यालय दिनों दिन हो रहे खर्चे के लिए लगभग पूरे रूप से यू.जी.सी.ग्रांन्टस पर निर्भर करता था, जिसका एक मुख्य भाग वेतन की प्रकृति में है इत्यादि शिक्षक और अ-शिक्षक स्टाफ के लिए। मेन्टेनेंस ग्रान्ट (2015-2016) यू.जी.सी. से स्वीकार किया और है 21506.00 लाख रूपये 2014-2015 के दौरान 19,716.35 लाख रूपये के ट्यून के असल खर्च के खिलाफ।

अध्याय-1

३१.०३.२०१६ के अनुसार श्रेणीगत प्रशासन कर्मचारी

ग्रुप	सामान्य	एस0सी0	एस0टी0	ओ0बी0सी0	पी0एच0
	पु0 स्त्री	पु0 स्त्री	पु0 स्त्री	पु0 स्त्री	पु0 स्त्री
ए	52 06	08 -	02 -	04 01	- -
बी	139 24	22 02	17 04	03 02	- -
सी	235 31	49 04	11 -	11 02	03 -
एमटीएस	127 15	77 20	12 10	09 02	01 -

विश्वविद्यालय एक नजर में

छात्रों की कुल संख्या : 9114 (पुरुष - 5023 स्त्री - 4091)

कुल अध्यापन कर्मचारी : 656 (प्रोफेसर 165, संयुक्त प्रोफेसर-97, सहायक प्रोफेसर-267, सहायक व्याख्याता - 127)

कुल प्रशासन प्रबन्ध कर्मचारी : 895

ग्रुप ए : 73, ग्रुप बी - 203, ग्रुप स (एमटीएस सम्मिलित 616)

कुल अध्यापन कर्मचारियों का अनुमोदित पद (प्रोफेसर, 70, संयुक्त प्रोफेसर 153, सहायक प्रोफेसर 414, सहायक व्याख्याता-159)

कुल अनुमोदित प्रशासन प्रबन्ध कर्मचारी (ग्रुप ए-93, ग्रुप बी- 262, ग्रुप सी (एमटीएस सम्मिलित) 1445

31-03-2016 के अनुसार प्रशासन कर्मचारी कम्पोजिशन

	सामान्य	एस0सी0	एस0टी0	ओ0बी0सी0	पी0 एच0
पुरुष	553	156	32	27	04
स्त्री	76	26	14	07	-

भाषा-भवन

(भाषा, साहित्य एवं संस्कृति का संस्थान)

भाषा-भवन 2015-2016 का वार्षिक प्रतिवेदन

भाषा-भवन-भाषा साहित्य एवं संस्कृति का संस्थान, दस प्रमुख भाषा विभाग, दो केन्द्रों और तीन भाषा इकाइयों को समावेश करता है, यह संस्थान फरवरी 2010 में शुरू किया गया था। भाषा-भवन का कार्यालय सन् 2011 ई० पूर्व विद्या भवन के इमारत से चीन भवन के पीछे कर्मचारी आवास में अस्थाई रुप में स्थान्तरित कर दिया गया। सन् 2014 ई० में भाषा-भवन, भाषा और विद्या भवन के द्वारा सामान्य संसाधन सुविधा के रुप में प्रयोग हेतु पूर्वपल्ली के नये भवन में स्थान्तरित कर दिया गया।

भाषा-भवन, भाषा, साहित्य और संस्कृति के अपने घटक विभाग में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर नियमित पाठ्यक्रमों के साथ ही एम० फिल० और पी० एच डी० कार्यक्रमों को भी प्रदान करता है। भाषा-भवन अंशकालीन भाषा पाठ्यक्रम में द्विवर्षीय, एक वर्षीय डिप्लोमा एवं एक वर्षीय एडवांस डिप्लोमा, 17 भारतीय और विदेशी भाषाओं में प्रमाण-पत्र प्रदान करता है। वे मुख्य रूप से नियमित छात्रों, विश्वभारती के कर्मचारी सदस्यों और स्थानीय निवासियों के लिए खोले गये हैं। विदेशी छात्रों को साहित्य एवं कुछ भाषाओं में भारतीय शास्त्रीय के ऊपर एक वर्षीय संबद्ध सामयिक पाठ्यक्रम प्रदान किया है। संस्कृत विभाग पांडुलिपि ज्ञान के ऊपर छ: मासिक पाठ्यक्रम प्रदान करता है।

चीन भवन, चायनिज भाषा के विभाग में और हिन्दी भवन, हिन्दी भाषा के प्रत्येक-प्रत्येक प्रतिष्ठित अनुभाशीय पुस्तकालय में क्रमश: लगभग 45000 और 35000 पुस्तकें हैं। भाषा-भवन में भ्रमणशील प्रोफेसर और विद्वान विश्वभर से घूमने के लिए आते हैं, जहाँ वे अपने विचारों को अन्वेषण के नये क्षेत्र में स्वतंत्र रुप से आदान-प्रदान करते हैं और वे भाषा विकास हेतु महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। भाषा-भवन निरन्तर बौद्धिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से राष्ट्रीय एकता एवं विश्व शांति की दिशा में उन्नति का वचन देता है।

भाषा-भवन शैक्षणिक सत्र 2010-2011 से अपनी स्नातक पाठ्यक्रमों में एक सहायक/ बैकल्पिक विषय के रुप में तुलनात्मक अध्ययन शुरु किया है। इस शैक्षणिक-सत्र में, भाषा-भवन के शैक्षणिक परिषद के द्वारा तुलनात्मक साहित्य में एम० ए० की प्रस्तावित पाठ्यक्रम को अनुमोदित किया और अब भाषा-भवन में आगामी शैक्षणिक-सत्र 2015-16 से तुलनात्मक साहित्य के सभी नये स्नातकोत्तर कार्यक्रम को शुरु किया गया है। इस विषय में एम० फिल० और पी० एच० डी० के कार्यक्रम को पहले से ही पिछले शैक्षणिक सत्र में शुरु किया गया है।

भाषा-भवन के कार्यालय को बुद्धिमता के साथ प्रशासनिक कर्मचारियों द्वारा चलाया जाता है। श्री सोमेने साहा भाषा-भवन के अनुभागीय अधिकारी हैं। श्री गणेश घोष वरिष्ठ कार्यालय सहायक हैं, शेख महिउद्दीन कार्यालय सहायक हैं, जब कि श्री अमर कर्मकार भवन अभिलेख रक्षक, श्री रंजन रश्मि सेनापति चपरासी और पूर्णकालिक कार्यकर्ता के रुप में श्री अशोक दास अपने कार्य का निर्वहन कर रहे हैं। श्री सुबीर गोस्वामी भाषा-भवन में अस्थाई कर्मचारी के रुप में सेवारत हैं।

एक ही छत्र के अन्तर्गत विदेशी भाषा और पारंपरिक भाषा के अध्ययन और अध्यापन का कार्य चल रहा है। गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा स्थापित भाषा-भवन एक ऐसा सांस्कृतिक केन्द्र है, जहाँ पूर्वी और पश्चिमी सभ्यता की बैठक से सर्वोत्तम ढंग से सांस्कृतिक पहलुओं के आदर्शों को पूरा किया जाता है।

बंगला विभाग

छात्रों का नाम जिन्होंने यू०जी०सी० / सी एस आई आर / नेट / सेट / रेट परीक्षा में उत्तीर्ण किया :

जे आर एफ के साथ नेट : (2)

नेट : (3)

रेट : (5)

विभागीय अध्ययन गोष्ठी आदि (वक्ता, अध्ययन गोष्ठी का शीर्षक, दिनांक) :

ए. 27 नवम्बर, 2016 : प्रोफेसर सबुजकाली सेन ने 'रवीन्द्रनाथ स्मृति वक्तृता" विषय पर अपना वक्तव्य दिया।

बी. 11 से 13 जनवरी 2016 : देरेजियो मेमोरियल कॉलेज, 24 परगना (उ०) के साथ शैक्षणिक विनिमय कार्यक्रम को संचालित किया।

सी. 5 फरवरी, 2016 : टी डी भी कॉलेज, रानीगंज, बर्दवान के साथ शैक्षणिक विनिमय कार्यक्रम को संचालित किया।

डी. 15 फरवरी 2016 : आइमरे बांघा (ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय) हंग्री ते रवीन्द्र चर्चा' के ऊपर संयुक्त रुप से उद्यान गृह रवीन्द्र भवन और बंगाली भाषा विभाग के द्वारा अपना वक्तव्य रख गया।

ई. 11 और 12 मार्च 2016 : प्रेसीडेन्सी विश्वविद्यालय, कोलकाता के बंगाली भाषा विभाग के साथ शैक्षणिक विनिमय कार्यक्रम को संचालित किया।

विकास के लिए भविष्य की योजनाओं के एक संकेत के साथ संबंधित भवन / सदन / विभाग के विकास के ऊपर एक संक्षिप्त इतिहास :

(ए) हम लोग बंगाली भाषा एवं साहित्य, लोक साहित्य अध्येयता संगीत सहित अन्त: अनुशासन संबंधी, चलचित्र कला और वास्तु कला सामाजिक इतिहास, दर्शन शास्त्र, अनुवाद अध्ययन आदि के विभिन्न क्षेत्र में नये ज्ञान के अन्वेषण को चाहते हैं।

किसी भी अन्य प्रासंगिक सूचना जो विभाग के प्रमुख की राय में योग्य प्रतिवेदन है, उसे शामिल होना चाहिए।

वास्तव में बंगाली विभागीय पुस्तकालय को सीधे पुस्तकों एवं पत्रिकाओं को खरीद करने का अधिकार नहीं है। ये सभी विश्व विद्यालय के केन्द्रीय पुस्तकालय द्वारा निगरानी किया जाता है। विभागीय पुस्तकालय को प्राथमिकता एवं आवश्यतानुसार पुस्तकों, पत्रिकाओं और नियतकालीन पत्रिकाओं को खरीदने के लिए न्यूनतम प्रावधान होना चाहिए। इसके अतिरिक्त विभाग इस बात पर बल दिया है कि विभागीय पुस्तकालय की व्यवस्था को सुचारु रुप से चलाने के लिए एक स्थायी पुस्तकालयाध्यक्ष (लाइब्रेरियन) की आवश्यकता है। विभाग पिछले दो वर्षो से एक सुसज्जित विभागीय पुस्तकालय संगोष्ठी (सेमिनार) के लिए आवेदन कर रहा है।

मृणालकान्ती मंडल

सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला आदि

2 मार्च, 2016 : फकीर मोहन, प्रेमचंद ओर बंकिमचन्द्र : 'एक तुलनात्मक अध्ययन' विषय पर उड़िसा साहित्य एकाडमी के द्वारा एक संगोष्ठी आयोजित किया गया और राज्य स्तर के व्यासकवि फकीर मोहन स्मरूति समसाद ने उड़िसा के भुवनेश्वर में एक आमंत्रित वक्ता के रुप में वक्तव्य दिया)

13 जनवरी, 2016 : कलकत्ता विश्वविद्यालय के बंगाली विभाग द्वारा रिफ्रेशर्स कोर्स में एक संसाधन व्यक्ति (विशेषज्ञ) के रुप में वक्तव्य दिया।

प्रकाशन :

पत्रिकाओं में लेख

'राजनैतिक ओ अमलतांत्रिक किसे : भागीरथ मिश्र, केएक्टी रामयो गलपेर दर्पन' स्नातकोत्तर बंगला विभाग पत्रिका, रिसर्च जर्नल (खोज पत्रिका), भोल XIX (आई एस एस एन : 2554-3977), राँची विश्वविद्यालय

अमल कुमार पाल

सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला आदि

9 जनवरी, 2016 : कलकत्ता विश्वविद्यालय के बंगाली-विभाग के द्वारा रिफ्रेशर कोर्स पर एक सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें एक संसाधन व्यक्ति (विशेषज्ञ) के रुप में 'स्वाधीनता - उत्तर पर्व बंगला साहित्य इतिहास' विषय पर अपना वक्तव्य दिया।

16 मार्च, 2016 : विश्वभारती के टैगोर स्टडीज यूनिट के द्वारा ओरिएंटल प्रोग्राम :में 'रवीन्द्रनाथेर शिक्षा चिन्ता विषय के ऊपर संसाधन व्यक्ति के रुप में अपना वक्तव्य दिया।

प्रकाशन

पुस्तकें

'सुन्दर वने सात बतसार' (ईडी) कमलिनी, कोलकाता, अप्रैल 2015।

'कथार अरले कथा' (नये विस्तृत संस्करण), लालमती, कोलकाता, फरवरी 2016, आई एस बी एन : 978-93-81174-84-3

पत्रिका में लेख

उपेन्द्र किशोर व तत्कालीन केएक्टी शिशु-किशोर पाठ्य पत्रिका, लालपरी नीलपरी (आई एस एस एन: 2394-5656), दिसम्बर 2015

'बालक ओ रवीन्द्रनाथ', अन्तर्बाह (आई एस एस एन : 2278-7380, मई 2015

अपर्णा राय

सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला आदि

24 सितम्बर 2015 : शरत् सेंटेनरी कॉलेज, धानखाली, हुगली के द्वारा ' बंगला भाषा राम कहानी : पुनर्विवेचना परिसर' विषय पर एक राष्ट्रीय स्तर का संगोष्ठी आयोजित किया गया, रिसोर्स परसन (संसाधन व्यक्ति) के रुप में एक कागज (पेपर) प्रस्तुत किया गया।

19 मार्च 2016 : रायगंज विश्वविद्यालय पं0 बंगाल के द्वारा ' प्रकाशानार शतवर्षे चारिपदा इबांग श्रीकृष्ण कीर्तन' विषय पर एक राष्ट्रीय स्तर पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया और एक संसाधन व्यक्ति के रुप में एक कागज प्रस्तुत किया)

प्रकाशन

पुस्तकें

'पुरातनी नारी : धर्म समाज व साहित्य', बंगीय साहित्य सम्साद, कोलकाता, जनवरी 2016, आई एस बी एन : 978-93-85131-12-7

'कवि विनोदिनी इबांग', बंगीय साहित्य सम्साद, कोलकाता, जनवरी 2016 आई एस बी सन : 978-93-85131-13-4

पत्रिका में निबंध

'भक्ति, नारीतवेर विनिरमन व बंगीय बैष्णव पराशरे', दशादिशी (आई एस एस एन : 2320-3153), सितम्बर 2015।

'बंगालीनीर कविता भुवने बीस शताकेर शेष पंचाश बछर', जिजनाशा, जनवरी 2016।

पुस्तकों में निबंध

'बंगीय साहित्य रामकथार अनिसरिजन : एक्टी पत्रिका' सम्मेलन शुरु हुआ (आई एस एस एन : 978-93-82477-07-

5), अगस्त 2015

मनवेन्द्रनाथ साहा

सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला आदि ।

14 नवम्बर 2015 : 'शतोवर्षे विजन भट्टाचार्य', उत्तरान, बोलपुर गनानत्या, बोलपुर द्वारा आयोजित हुआ और एक वक्ता के रुप में भाग लिए।

9 दिसम्बर 2015 : 'शक्ति चट्टोपाध्याय की कविता', कृष्णा कॉलेज, ब्रह्मपुर, मुर्शिदाबाद के बंगाली विभाग द्वारा आयोजित हुआ और एक वक्ता के रुप में भाग लिए।

प्रकाशन

पत्रिका में लेख

'तीर्थदर्शन : रवीन्द्रनाथ, इजेनस्टीन, चलचित्रो व अननाइना प्रसंग' रवीन्द्र भिक्षा,
भी बी, अगस्त 2015

'वीरेन्द्र चट्टोपाध्यायेर कबिता, शक्ति चट्टोपाध्यायेर पैडीज, : द्रोहे; प्रेमे, दलने' जलश्री (आई एस एस एन 2249-7447), पांडु, गोहाटी असम, अक्टूबर, 2015

'बंग मानुषेर संगहोति : 'मृनाल सेनेर सिनेमा', सेलुलायड, भवानीपुर फिल्म सोसाइटीज् जर्नल, कोलकाता, नवम्बर, 2015।

पुस्तक के अध्याय में लेख

'रवीन्द्रनाथेर ''घरे बाइरे'' : उपन्यास थेके चलचित्र : घरे बाइरे, आदि शीतल चौधरी, प्रज्ञा विकाश, कोलकाता

आतनु ससमल

सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला आदि ।

1. 29 मार्च, 2016 : 'रवीन्द्र साहित्येर पठनतार', रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय के टैगोर के ऊपर अध्ययन एवं अन्वेषण केन्द्र द्वारा यूजीसी स्पांसर्ड अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया और एक पेपर प्रस्तुत किया गया।

2. 9 दिसम्बर 2015 : पुस्तक मेला समीति के द्वारा आयोजित बोलपुर पुस्तक मेला मैदान में 'ताराशंकर उपन्यास व छोटोगल्पों' शीर्षक के ऊपर एक वक्तव्य दिया गया।

प्रकाशन

पुस्तक

'रवीन्द्रनाथेर नारी भावना व अनन्यो', सप्तर्षि कोलकाता दिसम्बर 2015, आई एस बी एन : 9789382706939

पत्रिकाओं में लेख

'आधुनिक चैतन्य साहित्य' दशादिशी (आई एस एस एन : 2320-3153) अप्रैल- सितम्बर 2015

'निर्वाचितो बंगला गल्पे चालीस - पंचासेर बंगाली जीवनेर केयक्टी प्रसंग : डांगा देश विभाग जीवन', (आई एस एस एन : 2319-8389), जुलाई 2015

मनवेन्द्र मुखोपाध्याय

सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला आदि ।

15-16 मार्च 2016 : रवीन्द्रभारतीय विश्वविद्यालय के बंगाली विभाग द्वारा 'बंग कथा साहित्य : उन्नीस बीस' के ऊपर एक यूजीसी स्पांसर्ड अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें संसाधन व्यक्ति के रुप में रोमांस आर उपन्यास : बंगला साहित्येर अनातशील तनापोरेन' शीर्षक के ऊपर एक पेपर प्रस्तुत किया गया।

29-30 मार्च 2016 : सिलचर के असम विश्व विद्यालय के बंगाली विभाग (यू जी सी-एस ए पी डी आर एस-11) के द्वारा 'बंगाली साहित्य और संस्कृति, कनटेक्स्ट ऑफ चेंजिग वर्डभ्यू: 'थ्यूरी ऐंड प्रैक्टिस' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें संसाधन व्यक्ति के रुप में प्रसंग बंगला साहित्य : वर्ग प्रस्ताव व तत्व प्रस्ताव' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया गया

प्रकाशन

पुस्तकें

'रवीन्द्रनाथ : आश्रय व आश्रय' गंगचील, कोलकाता, जुलाई 2015, आई एस एस एन 978-93-84002-58-9 'बंकिम उपन्यास समीक्षा' (अमित्र सुदन भट्टाचार्य के साथ संयुक्त रुप से प्रकाशित हुआ) रत्नावली, कोलकाता जनवरी 2016, आई एस बी एन : 978-93-81329-60-3

पत्रिका में लेख

'कवि सुनिल गंगोपाध्याय: सत्तार बिम्ब-प्रतिबिम्ब', परि कथा (आई एस एस एन 2231-2986) दिसम्बर 2015,

'रवि ठाकुरेर काली ठाकुर', जलारका (आई एस एस एन: 2249-8331), शरदीया 1422बी एस

'रामकुमारेर कथाकतार आसार', चतुरांगा, वैशाख-आश्विन 1422 बी एस भिन्नरुचि तिन्ती रवीन्द्र समालोचना', शिलादित्य, नवम्बर 2015

पुस्तक अध्याय में लेख

'संपर्केर रसायन : रवीन्द्र रामानंद', रवीन्द्र बालाये विद्वजन, भी बी ग्रंथ विभाग, फरवरी 2016, आई एस बी एन : 978-81-7522-632-6

'तुलसीदास, रवीन्द्रनाथ, सतिनाथ' (हिन्दी में अनुवाद किया गया) भारतीय भाषाओं में रामकथा : बंगला भाषा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2015, आई एस बी एन : 978-93-5229-052-9

मानिक बंदोपाध्याय : एक्टी असमपूर्णा जीवनेर खसरा' साहित्यि का निर्वाचितो प्रबंध संकलन, अक्टूबर 2015, स्यास।

विश्वजीत रे

सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला आदि ।

3 दिसम्बर 2015 : बोलपुर कॉलेज द्वारा आयोजित किया गया, रवीन्द्रनाथ टैगोर के ऊपर यूजीसी स्पांसर्ड राष्ट्रीय संगोष्ठी में रवीन्द्रनाथ टैगोर के ऊपर 'फैक्ट ऐण्ड ट्रूथ' पर एक पेपर प्रस्तुत किया गया।

22 फरवरी 2016 : रानीगंज के टी डी भी कॉलेज द्वारा एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें 'बंगाली भाषा के वर्तमान और भविष्य' के ऊपर एक पेपर प्रस्तुत किया गया।

प्रकाशन

पुस्तक

'पंककथा अथवा रतिविलास', सप्तर्षि, कोलकाता, नवम्बर 2015, आई एस बी एन : 9789382706182

पत्रिका में लेख

'सिलांगर बंगाली प्रकाशक', 1778 ग्रंथ चर्चा (आई एस एस एन : 2349-6843), जून 2015

पुस्तक में लेख प्रकाशित हुआ

'दुकथा इन बंगाली नियेे द्वारा कौशिक राय चौधरी' सप्तर्षि, कोलकाता जनवरी 2016, आई एस बी एन : 9789382706311

मिलन कांति विश्वास

सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला आदि ।

31 मई 2015 : अलीह विश्व विद्यालय, कोलकाता के बंगाली विभाग द्वारा आयोजित हुआ अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी जिसमें 'बंगला उपभाषा चर्चार नानादिक विषय के ऊपर और 'बंगला साहित्य उपभाषा प्रयोग के वैचित्र पर वक्तव्य दिया गया
23 अप्रैल 2015 : आसाननगर एम एम टी कॉलेज के बंगाली विभाग द्वारा 20 से 23 अप्रैल 2015 तक ' जन्मो सप्तवर्षे अद्वैत मालाबारमन' के ऊपर यूजीसी स्पांसर्ड राष्ट्रीय स्तर का संगोष्ठी आयोजित किया गया और 'जन्मो शतवर्षे अद्वैत मालावारमन चर्चा' के ऊपर व्याख्यान दिया गया।

प्रकाशन

पुस्तक

अभिजीत भट्ट, डेज् प्रकाशक, कोलकाता ने सुयंक्त रुप से प्रकाशित किया गया 'अग्रंथीतो अद्वैत मालाबारमन' जनवरी 2016

पत्रिका में लेख

'रवीन्द्रनाथ व सबुज पत्र' अन्तर्बाह (आई एस एस एन : 2278-7380), नवम्बर 2015 'रवीन्द्र-नाटक व लोक लोकयात्रा ओइटिया' रवीन्द्र भिक्षा, रवीन्द्र भवन, भी बी, जुलाई 2015

'सुन्दरवन अंचलेर कृषि कर्मा : लोक संस्कारित आलोक, उज्जैन, कूच बिहार, अगस्त 2015

'जन्म शतवर्षे अद्वैत मालावारमन चर्चा' जन्मशतवर्षे अद्वैत मालाबारमन, बंगाली विभाग ए० जे० सी० बोस कॉलेज, कोलकाता, जनवरी 2016

'रथेर राशि: प्रतिवाद भिन्नोसुर', संस्कृति, सिलचर, असम, फरवरी 2016।

अंग्रेजी और अन्य आधुनिक यूरोपियन भाषा-विभाग

अंग्रेजी और अन्य आधुनिक यूरोपियन भाषा-विभाग

२. छात्रो के नाम जो यूजीसी / नेट/स्लेट/परीक्षा ३ में योग्यता प्राप्त किये

(i) बिभाश विष्णु चौधरी : यूजीसी जेआरएफ विदेशी राष्ट्रीय 2015 हेतु

(ii) श्रीजीत साहा : यूजीसी नेट - जिआरएफ, जून 2015

(iii) सुकान्त राय : यूजीसी नेट, दिसम्बर 2015

विभागीय संगोष्ठी (वक्तागण, संगोष्ठी का शीर्षक, दिनांक) (केवल प्रतिष्ठित बाहरी वक्ताओं)

(i) ऑक्सफोर्ड विश्व विद्यालय यूके के प्रोफेसर अमल चटर्जी द्वारा संचालित हुआ, एक दिवसीय खुला कार्यशाला, सृजनात्मक लेखन के ऊपर, दिनांक 30 जनवरी 2016 को।

(ii) 29 फरवरी से। मार्च 2016 तक 'साहित्य, सीमा ओर पहचान' विषय पर एक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसके समन्वयक देवव्रती बंदोपाध्याय और अमृत सेन थे एवं वक्ता थे-प्रोफेसर बाशवी फ्रसर, प्रोफेसर नेइल फ्रसर, प्रोफेसर हिमाद्री लहिरी, प्रोफेसर अमित भट्टाचार्य, डॉ० आनंद महानंद, डॉ० अंगुसुमन कार डॉ० निलंजना देव।

(iii) 17 मार्च 2016 को 'रवीन्द्रनाथ और प्राचीन साहित्य के ऊपर विश्वभारती के संस्कृत विभाग के पूर्व प्रोफेसर कल्पिका मुखर्जी ने एक वक्तव्य दिया।

(iv) 17 मार्च 2016 को सरबन विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर शार्मिला राय पोमोट द्वारा 'सर्वभौमवाद के प्रति' संकर संस्कृति के तत्व और पिटर ब्रुक का महाभारत (फिल्म और परिचर्चा का झुकाव) पर व्याख्यान दिया गया।

(v) कल्याणी विश्वविद्यालय ने आयोजित किया एक दिवसीय व्याख्यान जिसमें अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर श्रबनी चौधरी ने 'बंगाल में शेक्सपीयर' विषय पर व्याख्यान दिया।

(vi) 21 मार्च 2016 को आयोजित हुआ विश्वभारती में, जिसमें प्रोफेसर अभिजीत सेन द्वारा थियेटर में शेक्सपीयर के बारे में पढ़ा गया।

(vii) 28 मार्च 2016 को बर्दवान विश्वविद्यालय के प्रो० हिमाद्री लहिरी ने एक दिवसीय व्याख्यान, इट्स विषय पर आयोजित किया।

(viii) 28 मार्च, 2016 को लेखिका सुतापा बसु द्वारा 'डॉगले' पर एक दिवसीय व्याख्यान का प्रतिपादन।

(ix) 18.03.2016 : अन्तर्राष्ट्रीय हास्यास्पद दिवस की प्रत्याशा उत्सव पर भारत के अन्तर्राष्ट्रीय मित्र फ्रांसीसी महावाणिज्य के दूत उपस्थित थे।

केवल राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी इत्यादि शिक्षक / शोधार्थियों ने विवरण के साथ उपस्थित हुए (अधिकतम दो प्रति शिक्षक)

अभिजीत सेन

27-28 नवम्बर 2015 : तुर्क हंसदा लैप्सा हेमब्राम महाविद्यालय, मल्लारपुर में आयोजित यूजीसी राष्ट्रीय स्तर के संगोष्ठी में '19वीं सदी के बंगाली शेक्सपीयर के दो चेहरें' विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किये।

3-4 दिसम्बर 2015 ''भारत में शेक्सपीयर रेसपोंसेस फ्रॉम दि एकाडमिया'' शेक्सपीयर पर सैद्धान्तिक विज्ञान और मोड संचालित सत्र में भाग लिए एवं व्याख्यान दिये, एक राष्ट्रीय स्तर के संगोष्ठी में महिलाओं की आवाज को सुनो और जो सुना नहीं गया विक्टोरिया संस्थान (कॉलेज) कोलकाता अंग्रेजी विभाग ने सेठ सूरजमल जालान गर्लस् कॉलेज कोलकाता के

साथ सहयोग में इलिजा वेथन और जैकोवियन थियेटर और इंडियन क्लास रुम के संदर्भ में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

अमृत सेन

16-17 अप्रैल 2015 : भाग लिए, एक सत्र की अध्यक्षता किये और एक पेपर प्रस्तुत किया '' ए स्काट्समैन इन वार'' विषय पर

मालदा कॉलेज, मालदा में 'महान युद्ध की यादें और पत्र' पर आई सी एच आर में प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

अनन्या दत्त गुप्ता 3-15 जुलाई, दुरहम विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम ने फुरीयस बैटरी एंड पीटीफुल मास्कर : जार्ज गैस क्वाईंग'स दि स्रावयले ऑफ एंटव्रेप और दि रेनाइज्सेन्टस सीज नैरेटिभ, सीटीज ऐण्ड सीटीजन्स: व इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल ऐण्ड अरली माडर्न स्टडीज् के ऊपर सत्रहवींशदी सम्मेलन, अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

16-17 अप्रैल 2015, मालदा कॉलेज, मालदा के इतिहास और अंग्रेजी के स्नातकोत्तर विभाग ने 'बरट्रांड रसेल ऐण्ड पैसीफिज्म : ए नोट आन दि प्राबलेम ऑफ कांसीसटेन्सी' , दि ग्रेट वार (1914) इन मेमोरिज ऐण्ड लेटर्स, आई सी सी आर - स्पांसर्ड अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

देवब्रती बंदोपाध्याय

अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन : 20-23 दिसम्बर 2015 : वडोदरा और रेवेनसा विश्वविद्यालय कटक, 'दि फोरम आन कानटेम्पोरेरी थ्यूरी द्वारा पुन: सृजन प्रकृति संस्कृति के द्वारा : रवीन्द्रनाथ टैगोर के तरीके के विषय पर सत्रहवाँ अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया एवं एक पेपर प्रस्तुत किया गया और अधिवेशन की अध्यक्षता भी की गई।

19-21 फरवरी 2016 : गुरु गोविन्द सिंह इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली (विश्व के बहु मानव जातीय के अध्ययन के लिए समाज) ने ''प्रथा की ओर : साहित्य, समाज और राजनीति' विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन आफ् मेलो आयोजित किया गया और एक पेपर प्रस्तुत किया गया ''एक्सप्लोरिंग दि फ्यूचर इन सेटवुड्स ट्राइलौजी : आफ् लिटरेरी रिलेभेन्स ? दलित साहित्य पर अधिवेशन की अध्यक्षता की गयी।

दीपांकर राय

10 अक्टूबर 2015 : नंदन आर्ट गैलरी एवं कला का इतिहास विभाग, कला भवन, विश्वभारती, के द्वारा संयुक्त रुप से आयोजित किया गया और वॉल्टर वेन्जामीन ऐण्ड दि आइडिया ऑफ मेकेनिकल रिप्रोडक्शन'' शीर्षक पर एक कागज प्रस्तुत किया गया।

12-15 जनवरी 2016 : जादवपुर विश्वविद्यालय कोलकाता ने भारतीय साहित्य का अनुवाद के लिए केन्द्र के साथ मिलकर, सेन्टर फॉर कन्पेरेटिभं लिटरेचर, विश्व भारती द्वारा रवीन्द्रनाथ के निबंध साहित्य पर बंगला-इंग्लिश में 'शकुन्तला' का अनुवाद किया और भाग लिया।

गौतम घोषाल

20 फरवरी 2016, मेलो, अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन नई दिल्ली में प्रथा की ओर : साहित्य, समाज और राजनीति के ऊपर हुआ और ''दि इन्फ्लुएन्स ऑफ इण्डियन तांत्रिक कल्ट आन शेलेज् प्रोभेथस अनवाउन्ड : एन एप्रोच थ्रू श्री अरविन्दो' पर एक पेपर प्रस्तुत कया गया और अधिवेशन की अध्यक्षता की गई।

इन्द्रानी दास

24-27 सितम्बर 2015 : जामिया मिलिया इस्लामिया विश्व विद्यालय और दि इटालियन इंस्टिट्यूट ऑफ कल्चर नई दिल्ली द्वारा भारत में इटली भाषा के शिक्षकों के लिए एक शार्ट रिफ्रेशर कोर्स आयोजित किये और उसमें सम्मिलित हुए।

20-24 फरवरी 2016 को ढाका में अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इटालिएन्डर बंगला भाषा व साहित्य चर्चा' के एक पेपर के साथ भाग लिए।

निलंजन चक्रवर्ती

जनवरी, 16-17, 2016 : भाषा-भवन, विश्वभारती रवीन्द्र भवन विश्वभारती और आई सी एस एस आर, सी आई आई एल, यूजीसी, सी एल ए आई के सहयोग में सेण्टर फॉर कम्पेरेटिभ लिटरेचर, भाषा भवन द्वारा कम्पेरेटीभ लिटरेचर एट क्रास रोड ऑफ कल्चर एंड सोसाइटी के ऊपर एक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया, ''लैंग्वेज पैनेल में भाग लिया गया।

जनवरी 18-19, 2016 : आई सी एस एस आर स्पांसर्ड अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''यूरोपियन एक्सपेन्सन ऐण्ड फ्रेंच ट्रेबल नैरेटिभ्स ऑफ सेवेनटिंथ ऐण्ड एटीन्थ सेंचुरीज् पर एक पेपर प्रस्तुत किया गया।

रॉमित रॉय :

3 फरवरी 2016 : 'रवीन्द्र नाथ टैगोर और जर्मनी पर वक्तव्य रखने के लिए इन्स्टिट्यूट ऑफ चन्दरनगर' चन्दरनगर आमंत्रित किया गया।

सौरभ दास ठाकुर :

5-7 नवम्बर, 2015 : इण्डियन इन्स्टिट्यूट ऑफ एडवान्स स्टडी शिमला द्वारा आयोजित 'रवीन्द्रनाथ टैगोर और राष्ट्रीयता 'में व्यर्थ एवं आश्चर्यजनक शीर्षक कागज प्रस्तुत किया गया जिसमें रवीन्द्र नाथ टैगोर के संगीत में घर पर कार्य, फुरसत एवं आधुनिकता दर्शाया गया।

29 फरवरी -01 मार्च, 2016 : यूजीसी में अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन के सौजन्य से 'सीमा साहित्य और पहचान' आयोजित किया गया जिसमें आगे बढ़कर सादत हसन मन्टो द्वारा 'आगे बढ़कर सीमा तीन टुकड़ियाँ' शीर्षक कागज प्रस्तुत किया गया।

शाओना बारिक :

28-29 जनवरी, 2016 : ब्रिटिश परिषद के सहयोग से गौर बंग विश्वविद्यालय मालदा द्वारा दो दिनों का सेमिनार आयोजित किया गया जिसमें भारत में अभिधातंज पर आधारित 'अन्केन्नी टेल्स् रिफ्लेक्टिंग दि मेमसाहिबस प्रस्तुत किया गया।

सोमदत्ता मण्डल

25-27 सितम्बर 2015 : इन्स्टिट्यूट ऑफ रिसर्च इन इण्टर डिसिप्लिनरी स्टडीज (आई आर आई एस) जयपुर, आयोजित राष्ट्रीय परिसंवाद 'बहुदेशीय आधुनिक शैली में 'मेक इट निउ '(आधुनिकशैली और आरम्भिक बीसवीं शताब्दी में अमेरिकन उपन्यास कागज प्रस्तुत किया गया।

स्तुति मामेन

25-27 नवम्बर 2015 : दि इंग्लिश ऐण्ड फॉरेन लैंग्वेज यूनिवर्सिटी हैदराबाद आयोजित 'वर्ड्स वर्डस वर्डस' (साहित्यिक लेखन का भविष्य) अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'डर्टिएस्ट ऑफ देम ऑल' (प्रसिद्धि दृढ़ता, अभिजात वर्ग, और हाशिये में भारतीय अंग्रेजी साहित्य दृश्य) शीर्षक कागज प्रस्तुत किया गया।

29 फरवरी - 1 मार्च, 2016 : यूजीसी के सौजन्य से दि डिपार्टमेन्ट ऑफ इंग्लिस ऐण्ड अदर मॉडर्न लैंग्वेजेज, विश्व भारती द्वारा दो दिवसीय अर्न्तराष्ट्रीय परिसंवाद, आयोजित किया गया जिसमे 'पहचान, प्रकृति और चिन्तन' (अरणाचंल प्रदेश की दुनिया पर अध्ययन) शीर्षक कागज प्रस्तुत किया गया।

सुदेव प्रतिम वासु

16-17 अप्रैल , 2015 : इण्डियन कॉउन्सिल ऑफ हिस्टोरिकल रिसर्च (आई सी एस आर) के सौजन्य से महायुद्ध (1914)

अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद (पत्र एवं स्मरण) पोस्ट ग्रेजुएशन डिपार्टमेन्ट ऑफ इंग्लिश ऐण्ड हिस्ट्री मालदा कॉलेज, मालदा द्वारा आयोजित सम्मेलन में स्त्रोत मूलक व्यक्ति के रुप में हिस्सा लिया। जिसमें 'दि ग्रीम रीपर' (पादरी सम्बन्धी और प्रथम विश्वयुद्ध) शीर्षक कागज प्रस्तुत किया।

29 फरवरी - 1 मार्च 2016 : यूजीसी के सौजन्य से दि डिपार्टमेन्ट ऑफ इंग्लिश ऐण्ड अदर मॉडर्न यूरोपियन लैंग्वेजेज, विश्व भारती द्वारा आयोजित दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'डिस्टोपिया-बॉर्डर-स्पेस-ह्यूमैनिटी' (जेम्म् ब्रिश सिटिस इन फ्लाइट क्वार्टेट की समीक्षा) शीर्षक कागज प्रस्तुत किया गया।

शुक्ला बासु सेन

24-11-15 'स्लीउथ' गुप्तचर एवं ठगी (अमेरिका के साहित्य और कला में अपराध) के जे० यू० एस० सम्मेलन पर यादवपुर विश्व विद्यालय में वक्तव्य रखने के लिए आमन्त्रित किया गया। इसके अलावा 'अपराध' अमेरिका के उपन्यास मध्य चालीसा पर विमोचन

29-02-16-01-03.16 : 29.02.-16 शैक्षणिक सत्र पर ''साहित्य सीमा और पहचान के वर्गीय परिसंवाद पर अध्यक्ष के रुप में आमंत्रित किया गया।

स्वाति गांगुली

27-28 नवम्बर 2015, यूजीसी के सौजन्य से ओमकारा में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार भारत में शेक्सपीयर पर 'एक भारतीय ओथेलो' (जाति और लिंग के सम्बन्ध पर जटिल अन्वेषण) शीर्षक कागज प्रस्तुत किया। टी एच एल एच (अंग्रेजी विभाग) महाविद्यालय, मल्लारपुर, बीरभूम द्वारा आयोजित समालोचना, अनुवाद और प्रस्तुतीकरण आयोजित किया।

2-3 दिसम्बर 2015 यूजीसी के सौजन्य रवीन्द्रनाथ टैगोर पर मानवता एवं सांस्कृतिक सम्बन्ध, अंग्रेजी और बंगला विभाग बोलपुर कॉलेज बोलपुर द्वारा आयोजित 'मानव दिमाग की आकृति (मानवता ओर सांस्कृतिक सम्बन्ध) शीर्षक कागज प्रस्तुत किया।

टापू विश्वास

29 सितम्बर 2015 लेडी ब्रैबर्न कॉलेज, कोलकाता में लेडी ब्रैबर्न कॉलेज एवं शेक्सपीयर समाज (पूर्वी भारत) द्वारा आयोजित 'भारतीय अंग्रेजी साहित्य में अनुसंधान प्रवृति वर्तमान नाटक की कथा'' पर राष्ट्रीय सेमिनार में 'बादल सरकार एवं इन्द्रजीत हिन्दी में अनुवाद और प्रस्तुतिकरण कागज प्रस्तुत किया।

29 नवम्बर - 1 दिसम्बर 2015 : पूर्वी भारत के शेक्सीपयर समाज द्वारा आयोजित कोलकाता में ''अनुवाद अध्ययन, प्रतियोगिता मूलक साहित्य और शेक्सपीयर का सिद्धान्त और अभ्यास के राष्ट्रीय परिसंवाद पर 'बादल सरकार और स्पार्टेकस विषय वस्तु एक सार्वभौमिक जिम्मेदारी कागज प्रस्तुत किया।

विभाग में अनुसंधान योजना जारी :-

(1) टापू विश्वास : यूजीसी अनुसंधान पुरस्कार वर्ष 2014-2016 (वाइड ब्रिटिश फाइल नं0 30-1-2014 (एस० ए-II) 20 फरवरी 2015 ''ब्रिटिश भारत में अप्रादेशिक थियेटर से आधुनिक भारत में अविस्थापित थिएटर - शोचनीय विश्लेषण और अध्ययन बादल सरकार के संदर्भ में।

छात्र एवं शिक्षक विभाग द्वारा क्रियाकलाप का फैलाव। एन० एस० एस० / सांस्कृतिक और अन्य क्रिया कलाप आयोजित किया गया।

शुक्ला बासु (सेन)

06-09-2015 बोलपुर म्युनिसिपैलिटी हॉल में 'पोएसिस' उत्सर्ग निर्देशक के रुप में बेरा प्रस्तुतिकरण (अगस्त विल्सन का मेड़ का अनुवाद) का निर्देशन किया।

29-09-2015 निदघ निशिथेर खोवाबनामा (मध्य ग्रीष्म रात्रि का स्वप्न, का न्यू अलीपुर, कोलकाता में निर्देशन किया।
27-11-2015 टी एच एल एच कॉलेज, मल्लापुर में निदघ निशिथेर खोवाब नामा प्रस्तुतिकरण का निर्देशन किया।
22-12-2015 'हीरालाल भगत कॉलेज, नलहाटी में निदघ निशिथेर खोवाबनामा प्रस्तुतिकरण का निर्देशन किया।
16-01-2016-17-01-2016 बोलपुर म्युनिसिपल हॉल उत्सर्ग में दो दिवसीय थिऐटर उत्सव में पोएसिस का निर्देशक के रुप में प्रस्तुत किया।
पुनी देवी चौधरी कॉलेज बोलपुर में निदघ निशिथेर खोवाबनामा प्रस्तुतिकरण को निर्देशित किया।

स्वाति गांगुली

8 मार्च 2016, अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर प्रभावशाली सदस्यों की भागीदारी में डियोमेल के छात्रों द्वारा आयोजित महिलाओ के लेखन पर नियामक विचार धारा रखा।

शिक्षको द्वारा प्राप्त शैक्षणिक विशेष योग्यता। विद्वानों या सम्पूर्ण विभाग (डी० एस० ए० या सी० ए० एस० आदि द्वारा मान्यता प्राप्त के समान।

(i) 'टैगोर पूर्वी-पश्चिमी संगम 1 अप्रैल 2015 से' के अनुसंधान के लिए डी० आर० एस० - एस० ए० पी० फेज-II को विभाग द्वारा पुरस्कृत किया गया।

(ii) अनन्या दत्ता गुप्ता : 21 सितम्बर से 15 दिसम्बर 2015 साक्षात्कार सभा अनुसंधान की सफलता पूर्वक पूरी करने के लिए चार्ल्स वैलेस इण्डिया ट्रस्ट और कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के कला, समाज शास्त्र और ह्यूमैनिटिस विभाग द्वारा पुरस्कृत किया गया।
योजना का शीर्षक : ''दिस गुडली साइटी, एलिजाबेथ और जैकोबीन अंग्रेजी टेक्स्ट में वर्णित नगर सम्बन्धी ब्राह्माण्ड)

(iii) सुदेव प्रतिमा बासु : अनुसंधान राशि के रुप में चार्ल्स वैलेस़ इण्डिया ट्रस्ट द्वारा अमेरिका जाने के लिए अनुदान अप्रैल 2015 - मार्च 2011 के दौरान प्रकाशन

अभिजीत सेन :

पुस्तक समालोचना : दक्षिणी एशिया समकालीन थिएटर के प्रतिचित्रण का समालोचना : भारत, पाकिस्तान, बंगलादेश, नेपाल और श्रीलंका के थिएटरों पर निबन्ध / आशीष सेन गुप्ता, न्यू यॉर्क, पालग्रेव मैकमिलन 2014 श्रेणी 9 नं० 2 (दिसम्बर 2015) : 214-222।,

अमृत सेन

पुस्तकें

रवीन्द्रनाथ टैगोर और उनका मण्डली ताप्ती मुखर्जी और अमृत सेन, कोलकाता : विश्व भारती 2015 आई० एस० बी० एन० 978-81-7522-601-2, उसी श्रेणी के ''रवीन्द्रनाथ टैगोर और डब्लू० बी० भी० इट्स'' 105-114 भी प्रकाशन।

साहित्यिक लेख

''प्रतियोगिता मूलक सांस्कृतिक अध्ययन की ओर सार्वजनिक वितर्क और प्रयोग'' उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान समाज के दैनिक पत्र, 3-2 अक्टूबर 2015 : 12-22 आई० एस० एस० एन० 23490209
.''पृथ्वी के बुलावे पर वापसी'' टैगोर के संगीत में ग्रामीण पुनर्गठन पर चिन्तन, श्रेणी 23 न० 4 जनवरी - जून 2016 : 47-52 आई० एस० एस० एन० 0972043 एक्स, विश्व भारती।
''ब्रोडेनिंग दि हॉरिजन : प्रतियोगिता मूलक साहित्य अध्ययन की ओर''

विश्व भारती में तीमाही श्रेणी 24, नं॰ 2 और 3 जुलाई - दिसम्बर 2015 : 33-42 आई॰ एस॰ एस॰ एन॰ 0972043 एक्स, ''दि मैन ऑफ माई हर्ट - टैगोर जीवन देवता, कविगुरु रवीन्द्रनाथ टैगोर को भेंट।
'पारभानी' न्यूमैन पब्लिकेशन, 2015 : 14-24 आई॰ एस॰ बी॰ एन॰ 978938371797।

अनन्या दत्ता गुप्ता :

''शब्द एवं विश्व का जटिल फँसान 'दि टैन्जल्ड मेश ऑफ वर्ड्स ऐण्ड वर्ल्डस्, साहित्यिक भाषाओं के बीच कक्षा'' आज अनुवाद वाल्यूम 9 नं॰। मैसूर राष्ट्रीय अनुवाद मिशन, जून, 2015 : अवधेश कुमार मिश्रा और वी॰ शरत् चन्द्र नायर आई॰ एस॰ एस॰ एन॰ 0972-8740

अरुण मुखर्जी

दिसम्बर 2015 के नये प्रकाशित विश्व भारती का संयुक्त संपादक :–
''साहित्यक लेख में योगदान 'रस देशे बांगला भाषा चर्चा' में ''बांगला बोई ओ बोई पोड़ा '' कोलकाता के 2016 के पुस्तक मेला में 'कोरक' द्वारा प्रकाशित।

देवारती बन्दोपाध्याय :

पुस्तक में पाठ ''ए फोएनिक्स एवरीडे, आमी अनुपम में एक शैक्षणिक हिताहित का जान फोएनिक्स और डिसग्रेस' पी॰ पी॰ 98-113 प्रत्याहा में, एवरीडे लाइफवर्ल्ड, दिलेमास, विवाद, व्यवहार'' प्रशान्त रॉय और नन्दिनी घोष द्वारा संपादित, दिल्ली प्राइमस 2016, आई॰ एस॰ वी॰ एन॰ 978-93-84082-40-6/ साहित्यिक लेख दैनिक पत्र ''ऑफ अल्टर्नेटिव डिमेन्शन, फ्लैटलैण्ड ऐण्ड दि विक्टोरिअन वर्ल्डविउ'' पी॰ पी॰ 48-60 विश्वस्त लिपिक में (विक्टोरिया अध्ययन के लिए केन्द्रीय लेखाजोखा, यादवपुर विश्वविद्यालय : 2 (2016)

दीपंकर रॉय

कागज

''नीओगेटिंग दि नॉवेल (उपन्यास का मोलभाव) - एक बंगला उपन्यासकार का अनुवाद न होने वाला का अनुवाद करने का प्रत्यन-अरण्क का एक अध्ययन'' विश्व भारती के त्रैमासिक में (शान्ति-निकेतन : जुलाई - दिसम्बर 2015) आईएसएसएन 0972-043एक्स।
''लव इन दि टाईम ऑफ बर्थ ऑफ ए सेलिबेट इण्डिया (ब्रह्मचारी भारत के जन्म के समय का प्यार) : रवीन्द्रनाथ टैगोर के चिराकुमार सभा का एक अध्ययन (जीवन पर्यन्त ब्रह्मचारी का एक संगठन)'' रवीन्द्रनाथ टैगोर के स्वागत और राजनीति शास्त्र मेंके नाटक में, संपादक - अर्नव भट्टाचार्य और माला रंगनाथन (न्यू यॉर्क : रुटलेट 2015) आईएसबीएन : 9781-1-138462-3 ''दि मॉर्डन बंगाली सेल्फ कट बीटवीन टू वर्ल्ड्स (दो विश्वों के बीच स्वयं पकड़ाया आधुनिक बंगाली) : टैगोर के चुने हुए कहानियों का एक अध्ययन) – परार्वतन में : अंग्रेजी साहित्य में 19वीं सदी के अन्त में पुनर्यात्रा, संपादक - सुधासत्वा बनर्जी (बोलपुर : अक्षर प्रकाशनी, 2015) आईएसबीएन : 978-81-922916-5-9 ।

निलांजन चक्रवर्ती

''फ्राँस में बौद्ध कर स्वागत (रिसेप्शन ऑफ बुद्धिस्ट इन फ्राँस) - बौद्ध अध्ययन में – अग्रचिन्तक एक आलोकिक अंश, सम्पादक - संजीवन कुमार : प्रकाशक – बुद्धिस्ट वर्ल्ड प्रेस, 2016, आईएसबीएन : 9789380852546, । (पीपी - 187-191) ''इवोल्यूशन ऑफ दि कॉन्सेप्ट ऑफ एबिल रॉसीअस फिलॉस्फेकल डिस्कोर्स'' साहित्य और अनुवाद का सूचना, सम्पादक – सुशान्त कुमार मिश्रा और अवधेश कुमार मिश्रा, प्रकाशक - लक्ष्मी पब्लिकेशन दिल्ली, 2015, आईएसबीएन 978-93-82120-71- । पीपी (101-117)

गौतम घोषाल

''श्री अरविन्दो व कएकजन इण्डो-भारतीयों कवि : भावना, भाषा और आलोकांर'' सॉन्धित्स्या में, 15 अगस्त 2015, सम्पादक - राम प्रसाद दे कोलकाता, प्रकाशक – श्री अरविन्दो सेन्टर फॉर रिसर्च इन सोशल साइन्स्ेस।

सॉन्धिस्या, फरवरी 2016, धर्मा व अध्यात्मिका : श्री अरविन्द दृष्टि'' कोलकाता।

''अरविन्दो के बाद के लघुकाण्यों में चेतन का विभिन्न समक्षेत्र'', अटलांटिक त्रैमासिक (जुलाई-सितम्बर 2015) आईएसएसएन 0972-6373, प्रकाशक – अटलांटिक पब्लिशर्स ऐण्ड डिस्ट्रिब्यूट्र्स, नई दिल्ली।

''शान्तिनिकेतन : शान्ति की दृढ़ता'', अरविन्दो की कृति, पोण्डिचेरी, दिसम्बर, 2015

''अरविन्दो के सूर्यकान्त मणि के माध्यम रवीन्द्र संगीत'' रविन्द्रनाथ टैगोर में : मानवता और सांस्कृतिक सादृश्य, सम्पादक-सिरेन्दू मजूमदार और अपर्णा चक्रवती (यूजीसी के प्रवृत सौजन्य राष्ट्रीय परिसंवाद) ISBN 978-93-80869-80-3, बोलपुर कॉलेज, प्रकाशक - परम्परा प्रकाशन, मार्च 2016।

''समर्पण सिद्धान्त (दि डॉक्ट्रिन ऑफ सैक्रि फाइस) : ऑस्कर वाइल्डे की तीन कहानियाँ ''परावर्तन में : अंग्रेजी साहित्य में 19वीं सदी के अन्त में पुर्नयात्रा। संपादक - सुधास्वता बनर्जी और गौतम सेन, मई 2015 में प्रेस से प्रकाशित।

इन्द्रानी दास

पुस्तक

एन्टोनिओन ग्रामसिर नोट बुक 25 :, इतिहास के प्रान्तसीमामें, जयश्री चौधरी और इन्द्रानी अनुवादित

साहित्यिक लेख

''टैगोर का गीतांजली (टैगोर्स् गीतान्जली) : इटली को नाटक कथा'' साहित्य और अनुवाद की सूचना में, वॉल्यूम', सम्पादक - सुशान्त कुमार मिश्रा और अवधेश कुमार मिश्रा प्रकाशक - लक्ष्मी पब्लिशर्स् ऐण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली-2015, 88-100 आईएसबीएन 978-93-8212071-1।

''इटालियादेर बांगला चर्चा (इटली में बंग्ला चर्चा) कोरक में, ''बांग्ला बोई व बोई पढ़ा – सम्पाकद – तापस भौमिक, कोलकाता पुस्तक मेला 2016, 310-12।

''इटली में बौद्ध एवं बौद्ध भिक्षु विद्वान (बुद्धिज्म ऐण्ड बुद्धिस्ट स्कॉलरशीप इन इटली'' बुद्धिस्ट अध्ययन में : भविष्य में प्राप्त एक आलोकिक अंश, संपादक – संजीव कुमार दास, दिल्ली, प्रकाशक - बुद्धिस्ट वर्ल्ड प्रेस, 2016 : 54-58 आईएसबीएन : 9789 380852546

सौरभ दस्ताकुर

''रवीन्द्र संगीत और आधुनिक बंगाली आत्मियता ''सम्पादक - देवाशीष बनर्जी 21वीं सदी में रवीन्द्रनाथ टैगोर : सैद्धान्तिक नवीनीकरण (नई दिल्ली और लन्दन : स्प्रिगंर, 2015), आईएसबीएन 978-81-322-2037-4 / 978-81-322-2038-1 (ई.पुस्तक)

'' इतिहास और मध्यम श्रेणी शैक्षणिकता की छोटी ध्वनियाँ : प्रतिज्ञा और गर्तपतन की ओर टिप्पणी'' एशियाटिक में साहित्य लेख का निरीक्षण, वॉल्यूम - 9, संख्या । (जून 2015), आईएसएसएन 1985-3106 ।

''भोजन पर और स्त्रीत्व (ऑन फुड फैन्टैसी ऐण्ड फेमिनिनिटी) : विस्मय पूर्ण प्रदेश में एलाइस का साहसिक कार्य, राजाधिराज का शासन और राजनीतिशास्त्र का स्वागत, सम्पादक - सुधासत्वा बनर्जी और गौतम सेन, परावर्तन - अंग्रेजी साहित्य में आखिरी 19वीं सदी की पुनर्यात्रा (बोलपुर : अक्षर प्रकाशनी, 2015। आईएसबीएन : 978-81-922916-5-9

शाओन बारिक

'' नई बस्ती से पौरुषकता (कोलोनिअल मैसकुलिनिटी), यह भारत में आधारित आखिरी 19वीं सदी और शुरुआती 20वीं सदी के अंग्रेजी उपन्यास का वर्णन करता है। 'विश्वभारती के त्रैमासिक में' वॉल्यूम 23 संख्या 4 और वॉल्यूम 24 संख्या

। जनवरी 2015- जून 2015, आईएसबीएन 0972-043 एक्स

'' दि इण्डियन ऐसेटिक्स् इन दि ब्रिटिश इमेजिनेशन डयूरिंग कोलोनिअल रुल (नई बस्ती के कानून के दौरान अंग्रेज की कल्पना में भारतीय सन्यासी) : बाकुड़ा क्रिश्चन कॉलेज का सठिक जर्नल। वॉल्यूम 10, 2014-2015, आईएसएसएन - 09751521

सोमदत्ता मण्डल

पुस्तकें

''ए बंगाली लेडी इन इग्लैण्ड बाई कृष्णा भाविनी दास (1885) (कृष्णा भवानी दास (1885) द्वारा इग्लैण्ड में एक बंगाली औरत। अनुवादित एवं शुरुआत सोमदत्ता मण्डल द्वारा। माइकेल फिशर द्वारा प्रस्तावित। निउ कैंस्टल टाइन, यू0 के0 : कैम्ब्रिज स्कॉलर पब्लिशिंग, 2015। आईएसएसएन - 978-1-44 38-7701-5 सोमदत्ता मण्डल द्वारा निरीक्षित पुस्तिका (ऑन लाईन पब्लिकेशन) एचटीटीपी : //साइट्स.गूगल.कॉम/साइट/मंडलसोमदत्ता/बुक्स

''भारती अंग्रेजी भाषा व साहित्यका भ्रमविकास : एक सामाजिक ऐतिहासिक समीक्षा'' विश्व भारती पत्रिका में (माघ - चैत्र 1420, जनवरी - मार्च 2014) : 21-37 ।

''रीडीफाईनिंग सीता बाई उमेन इन दि 21वीं सदी में (21वीं सदी में औरतों द्वारा सीता का फिर से वर्णन) ''समालोचन और बढ़ाने के विंग में वॉल्यूम 2, प्रकाशित (मार्च 2015) : 10-27, संपादक - ताप्तितालुकदार आईएसएसएन : 2348-8026।

''वाज टैगोर ए फेमिनिस्ट? । क्या टैगोर स्त्रीत्व थे ?) फिर से मूल्यांकित चुने हुए उपन्यास और उनके चलचित्र से लिया गया'' साहित्य में विस्तार (विशेष प्रकाशन : रवीन्द्रनाथ टैगोर का सर्वभौविक दृष्टि) वॉल्यूम 12, प्रकाशन 5 (मई 2015) : 227-237.10.1111 / लिक 3. 12 227 ।

''इन्टरप्रेटिंग हिम ए निउ (नये में उसका व्याखित) फिलहाल रवीन्द्रनाथ टैगोर के परदा पर पाठ्य का अनुवाद'' अनुवाद अध्ययन में : अन्वेषण पहचान, सम्पादक – फकरूल अलाम और अहमद अहसानुज्जमन। ढाका राइट्र्स इन्क, 2015 : 142-169- आईएसबीएन : 978-984-8715-16-1

''दक्षिण भारतीय दियासपोरा पर अजय कुमार चौबे के साथ वार्तालाप'' निरीक्षण वॉल्यूम और छपाई, एचटीटीप:// रिव्यूजदियामैगेजिन.ब्लॉगस्टर्पोट.इन/2015/07/सोमदत्ता-मंडल इन-कन्वरशेशन-विथएचटीएमएल

''व्याख्यादित और अनुवादित रवीन्द्रनाथ टैगोर के कार्य 'परदे' पर सेलिया गया'' लिया गया में : समजर्नी फ्रॉम वर्डस् टू विजुअल। सम्पादक - श्रीकृष्णा राय और अनुगामिनी राय / नीउ कैस्टल अपॉन टाईन यू0 के0 : कैम्ब्रिज स्कॉलर पब्लिशिंग 2015 : । 2015-6-20 1 आईएसबीएन : 978-144-3874663 । स्त्रीत्व लेन्स के माध्यम से पाठ साहित्य प्रस्तावना : सिद्धान्त और आदत / सम्पादक - सुभाशीष, भट्टाचार्जी, सैकत गुहा और मन्दिका सिन्हा। नई दिल्ली, ऑथरस प्रेस, 2015 : 5-9 आईएसबीएन : 978-93-5207-118-0

''विश्व युद्ध - 1 वास्तविकता और काल्पनिक 'वर्ल्ड वार- 1 इन रीअलिटी एण्ड इमेजिनेशन', अमेरिका के लेखक और सृजनात्मक कलाकार'' दूसरा प्रकाशन ऑन-लाइन जुसौस वॉल्यूम 3, 23 सितम्बर 2015 एच० टी० टी० पी०/ जुजौस ऑनलाइन वर्ड्प्रेस कम। 'रवीन्द्रनाथ टैगोर और अमेरिका, असीमता में दिमाग एक नजर में - रवीन्द्रनाथ टैगोर और उनका सृजनात्मक प्रतिभा सजीव कुमार दास सम्पादित दिल्ली, बुद्धिष्ट वर्ल्ड प्रेस 2016, 59-67 आई० एस० बी० एन : 978-938-0852546 ''क्रॉसिंग दि कल्पानी - बंगाल से उपनिवेश सम्बन्धी यात्रा'' समझौता में राष्ट्र : उपनिवेश, पोस्ट उपनिवेश, अनुवाद / उपन्यास मधुस्मिता पाती, सम्बित पानीग्रही और सुभ्रा प्रकाश दास संपादित, दिल्ली, अभिषेक प्रकाशन, 2015 : 32-53 आई० एस० बी० एन : 978-81-8390-146-8 (बंगाल में यात्रावृतान्त) परवास वॉल्यूम 60 (अगस्त 2015) डब्लू डब्लू डब्लू परबास कॉम / पी बी 60 / लेखा / बी सोमदत्ता 60/

छोटी कहानियों का अनुवाद ''दि एरो'' महाश्वेता देवी रचित, ढाका, छठवाँ सीजन का समालोचना - नया सीरीज् वॉल्यूम 2 नं॰ । (अप्रैल 2015) : 11-17

21 जून 2015 को रविवारीय स्टेट्समैन में शरत् चन्द्र चट्टोपाध्याय की छोटी कहानियों का अनुवाद ''चाइल्ड लिफ्टर'' नौवाँ दिन में।

समालोचनाएँ / समीक्षाएँ -

''व्हाट रीलिजन मीन्ट टू रवीन्द्रनाथ (रवीन्द्रनाथ का धार्मिक अर्थ क्या है) - धर्म और रवीन्द्रनाथ टैगोर का समालोचना - टैगोर का चुना हुआ उपदेश - अमिय पी0 सेन अनुवादित पत्ता पत्र, न्यू दिल्ली, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2014 पुस्तक के जर्नल का समालोचना वॉल्यूम XXXIX नं0 4 अप्रैल 2015 एचटीटीपी/डब्लू डब्लू डब्लू दि बूक रीविंयू इण्डिया आर्ग / आर्टिकल / आर्चिव-4422 / 2015 / अप्रैल 4 / व्हाट - रीलिजन - मीन्ट-टू-रवीन्द्रनाथ एच टी एम।

''दि अदर आशापूर्णा'' - आशापूर्णा देवी और बंगाल में नारी चेतना - दीपन्निता दत्ता रचित एक शोचनीय लेख, ऑक्सफोर्ड यूर्निवर्सिटी प्रेस 2015 नौवाँ दिन, 5 अप्रैल 2015 रविवारीय स्टेट्स मैन में।

रवीन्द्रनाथ टैगोर का समालोचना : सौ वर्ष का सार्वभौमिक स्वागत मार्टिन कम्पचेन और इम्रे बंग रचित संपादन सलाहकार उमा दास गुप्ता ओरिएन्ट ब्लैक स्थान प्राइवेट लिमिटेड, 2014 आठवाँ दिन 10 मई 2015 रविवारीय स्टेट्समैन।

भारती दिआसपोरा का साहित्य में लैंगिक अन्वेषण का समीक्षा सन्ध्या राव मेहता संपादित। न्यूकैस्टल ऑपान टाईन : कैम्ब्रिज पब्लिशिंग 2015 एशियाटिक में।

आई आई यू एम अंग्रेजी भाषा और साहित्य का लेखाजोखा वॉल्यूम 9 न॰। (जून 2015) : 255-259 आई एस एस एन 1985-3106। ''सेलिब्रेटिंग ए स्कॉलर'' विश्व और भारत का समीक्षा - पोस्टोकॉलोनियलिज्म, अनुवाद और भारतीय साहित्य : रुथ वनिता रचित प्रोफेसर हरिश त्रिवेदी के सम्मान में निबन्ध, नई दिल्ली, पेन्क्राफ्ट इन्टरनेशनल 2014 पुस्तक समीक्षा में वॉल्यूम XXXIX नं0 8 अगस्त 2015, 5-6।

निल्यूफर ई0 भरुचा भुज-कच्छ द्वारा भारतीय दियास्पोरिक साहित्य और चलचित्र समीक्षा भारत में पेशगी अध्ययन, 2014, दक्षिण एशिया दियासपोरा में (टेलर और फ्रैन्सीस) (आई डी : 1057984 डी ओ आई 10.1080/19438192. 2015. 105 7 984

मनोहर मौली विश्वास रचित मेरा विश्व (माई वर्ल्ड) की समीक्षा-अन्गाना दत्ता और जयदीप सारंग द्वारा अनुवादित और संपादित कोलकाता, समय, 2015 भारतीय ध्यान (जनवरी-फरवरी 2016) ''कोलॉनिकल माइन्ड ऐण्ड रीजाइम्स् ऑफ टायरैनी'' माई एक्साईल की कहानी की समीक्षा वृन्दावन घोष रचित आनन्दमानस में बारह वर्ष, पोडिंचेरी, आठवाँ दिन अरविन्द आश्रम, 23 अगस्त 2015 रविवारीय स्टेट्समैन।

'ए नीओ'-ओरिएण्टलिस्ट एजेण्डा'' नील मुखर्जी रचित अन्यों का जीवन की समीक्षा, न्यू दिल्ली, पेन्गुइन रैंडम हाउस, भारत, 2014, आठवाँ दिन, 27 सितम्बर 2015 रविवारीय स्टेट्समैन ''प्लेथोरा ऑफ डॉक्यूमेन्टरिज'' वास्तविक चलचित्र की समीक्षा - भारत में स्वतंत्र लिखित गतिविधि शोभा ए॰ चटर्जी रचित, न्यू दिल्ली सेज पब्लिकेशन, 2015, आठवाँ दिन, रविवारीय स्टेट्समैन में, 4 अक्टूबर 2015

प्रज्वल पराजुलि रचित दि गुरखा'ज डॉटर्स् नया उपन्यास का लेखाजोखा में, की समीक्षा - समकालीक अन्तर्राष्ट्रीय पंच अंग्रेजी उपन्यास का लेखाजोखा वॉल्यूम 5 और 6 (2015) : 135-38 आई॰ एस॰ एस॰ एन॰ : 09 78-6863/

''क्लीनिंग दि कॉबवेब्स् ऑफ हिस्ट्री'' मुसोलिनी सभा की समीक्षा : 1925 और 1926 में रवीन्द्रनाथ के इटली यात्रा - कल्याणकुण्डु द्वारा, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2015, आठवाँ दिन : रविवारीय स्टेट्समैन 1 नवम्बर 2015।

''दि इन्फिनिटी वैराइटी ऑफ....'' विवादों की छाया की समीक्षा – रवीन्द्रनाथ के चुने हुए लेखन – राधा चक्रवर्ती

संपादित, न्यू दिल्ली, सोशल साइन्स प्रेस, 2015 आठवाँ दिन : 13 दिसम्बर 2015 रविवारीय स्टेट्समैन।
एशियाटिक में जसबीर जैन द्वारा समिक्षित ''दि डिसपोरिक राइट्स होम्स्'–उपमादेशीय विवरण–आई० आई० यू० एम० का अंग्रेजी भाषा और साहिल का जर्नल बॉल्यूम 9 नं० 2 (दिसम्बर 2015) :आई० एस० एस० एन० : 1985 3106 : 200-203।
''दि डायस्पोरिक वाएस'' गुर्खा की पुत्री और वह स्थान जिसे मैं त्यागा की समीक्षा - प्रज्वल पराजुली द्वारा - लन्दन, क्वेरकुस् की पुस्तक में - आठवाँ दिन : रविवारीय स्टेटट्मैन, 7 फरवरी, 2016 एच टी टी पी / डब्लू डब्लू डब्लू दि स्टेट्समैन कॉम / मोवी / नीउ / आठवाँ दिन / डोयस्पोरिक - वाएस / 21822 एच टी एम'
''दि डायस्पोरिक वाएस्'' गुर्खा की पुत्री और वह स्थान जिसे मैं त्यागा की समीक्षा - प्रज्वल पराजुली द्वारा, लन्दन, क्वेरकुस् की पुस्तक में - आठवाँ दिन : रविवारीय स्टेट्स्मैन, 7 फरवरी, 2016 एच टी टी पी / डब्लू डब्लू डब्लू दी स्टेट्दिसमैन, कॉम / भोवी /
नीउ / आठवाँ दिन / डायस्पोरिक - वाएस / 21822 एच टी एम।
''दि डीड ऑफ डिटिज'' –साँपों के देवी की विजय - की समीक्षा केस हक द्वारा - कैम्बिज, मैस्माचुर्ट्स - हार्वर्ड् यूनिवर्सिटी प्रेस, 2016 - आठवाँ दिन - रविवारीय स्टेटसमैन, 28 फरवरी, 2016 एचटीटीपी / ई पेपर.दि स्टेट्टसमैन. कॉम/730864/आठवाँ दिन/28 फरवरी 2016 # ड्वेल/2/1
टैगोर की समीक्षा : ''उनके रुप में दुनिया'' संपादित संगीता दत्ता और सुभोरंजन दासगुप्ता, कोलकाता, यादवपुर विश्वविद्यालय प्रेस, 2016-आठवाँ दिन में – रविवारीय स्टेट्समैन।

सुदेव प्रतिम बासु

''ड्रीम एनादर ड्रीम, दिस ड्रीम इज ओवर (स्वप्न अन्य स्वयन- यह स्वप्न समाप्त है), ''स्वप्न'' – धात्विक संगीत में, 1967 से 2000 - मधुकपूर द्वारा - ड्रीम यॉन्डर, कोलकाता : बुक बाजार, 2015, पी पी PP-7-19 आई एस बी एन 978-93-84652-08-01

शुक्ला वासु सेन

''ऐ ग्रेट वार ऐण्ड अफ्रीकन अमेरिकन (महायुद्ध और अफ्रीका-अमेरिका हार्लेम में नया निग्रो ''जे यू एस ए एस ऑनलाइन 2.3, सितम्बर 2015

स्वाति गांगुली

एक साहित्यिक लेख शीर्षक ''प्रोमिसेस टू ए पोएट (एक कवि का वादा) : टैगोर और शान्ति निकेतन में संस्थान''– फैलेनेक्स् में जारी परिचर्चा पर समीक्षा, दिसम्बर 2015, आई एस एस एन 2320-7698 ई० जर्नल।

टापू विश्वास

साहित्यिक लेख ''दि कन्टिनुअली चोजिंग फेस् ऑफ इण्डियन थिएटर (भारतीय थिएटर का जारी बदलता चेहरा) : भूतपूर्व पटकथा और भविष्य में प्रवेश मार्ग'' सांस्कृतिक अध्ययन और समाज शास्त्र के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल में अमिताभ रॉय, सुबीर धर, टापू विश्वास, ब्रायन रेनोल्ड और शीला टी० कवनघ संपादित वॉल्यूम II नं० वी पी पी 67-81.
कोलकाता - अवन्तगार्डे प्रेस, नवम्बर 2015-आई एस एस एन - 2343-4777।
''बादल सरकार (1925-2011), आधुनिक भारतीय नाटक : नब्बेवाँ सालगिरह पर भेंट'' हेटेरोग्लोसिया में (उत्पादक और शोचनीय आँख) वॉल्यूम VII 2015 पी पी 102-113 इन्द्रानी देव द्वारा संकलित निस्तारिनी कॉलेज, 2015, आई एस एस एन 0975-167एक्स
''बादल सरकार – हिन्दी थिएटर का विश्व में सैर'' वॉल्यूम VII पी पी 124-136, मई 2015, को अन्तर्राष्ट्रीय थिएटर में अमिताभ रॉय, सुबीर धर टापू विश्वास, ब्रायन, रेनोल्ड और शीला टी० कावनघ द्वारा संकलित, कोलकाता। आई एस एस

एन : 2278-2036 टी आई)

''बादल सरकार – भारतीय थिएटर का राजद्रोही और साहस विषय वस्तु'' अन्तर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक अध्ययन और समाज शास्त्र जर्नल में अमिताभ रॉय, सुबीर धर, टापू विश्वास, ब्राएन रेनोल्ड और शीला टी० कावनघ संपादित वॉल्यूम नं० VI, पीपी 42-57, कोलकाता, एवान्टगार्डे प्रेस (आई एस एस एन 2347-4777), जनवरी-फरवरी 2016

''रिविजिटिंग इण्डियन रेस्पॉन्सेस टू सैमुएल बेकेट (1906-1989) सैमुएल बेकेट को पुनर्यात्रा के लिए भारतीय जिम्मेदारी)- आधुनिक काल के राजकवि के बहुकृतित लेखक / एक परिणाम - ''सैमुएल बेकेट का ''वेटिंग फॉर गोडॉट'–शोचनीय और विश्लेषण अध्ययन द्वारा भारतीय प्रस्तुतिकरण, अनुवाद और स्टेज निर्माण'' यादगार वर्ष 2014 में नेहरु-शेक्सपीयर-लेर्मोन्टोव - बेकेट, हरिश सी० गुप्ता, कोलकाता द्वारा संपादित : आई एस डब्लू ई एल एस, 2015, 117-128 : आई एस एस एन : 978-93-5196-8306 /

''ए टेल ऑफ टू वुमेन (दो औरतों की कहानी) (नीतिविरुद्ध के विरोध) : अन्ना करेनिना और लेडी चैटर्ली''–डी० एच० लॉरेन्स पर एक शोचनीय निबन्ध - सुनिता सिन्हा, न्यू दिल्ली द्वारा संपादित, अटलाण्टिक पब्लिशर्स् ऐण्ड डिस्ट्री ब्यूटर्स पी लिमिटेड) 2016 : 247-259 : आई एस एस एन- 978-81-269-2136-2 /

विभाग द्वारा नए कोसों का रुपरेखा / अध्ययन सूची या शैक्षणिक नवीनीकरण का परिचय कराना

2015 में सभी कोर्स बी.ए, एम.ए, पी. फिल और साधारण पीएच.डी साधारण और ऐच्छिक, अंग्रेजी) का नया सिलेबस को सूत्ररुप में रखा गया। भविष्य विस्तारीकरण के निर्देशन में भवन / सदन / विभाग के विस्तार के लिए एक संक्षिप्त इतिहास। अन्य और उचित सूचना जो विभाग के शीर्ष अधिकारी के विचार से उचित हो उसे भी शामिल करना चाहिए।

(i) 21 मार्च 2015 को, अंग्रेजी (क्विज) बुभौवल प्रतियोगिता किया गया जिसमें विभाग के छात्र एवं विद्वानों ने भाग लिया।

(ii) मार्च 2016 में विभाग ने टी सी के अनुरुपता से कैम्पस में एम० ए० (अंग्रेजी) अन्तिम वर्ष के छात्रों के लिए साक्षात्कार आयोजन किया और जून 2016 में चुने गए छात्रों को टीसी में प्लेसमेंट किया गया।

हिन्दी विभाग

हिन्दी भाषा और साहित्य के अध्ययन के लिए 1938 में भाषा भवन, विश्व भारती एक महत्वपूर्ण और पूर्ण भाग बन गया। पण्डित हजारी प्रसाद द्विवेदी के मार्गदर्शन में हिन्दी अध्ययन के योजना का रवाका तैयार किया गया। 31 जनवरी 1939 को सी० एफ० एन्ड्रीउ और क्षितिमोहन सेन और बनारसी दास चतुर्वेदी के अथक प्रयत्न से हिन्दी भवन का निर्माण किया गया। मध्यकालीन हिन्दी साहित्य का अध्ययन और सन्त साहित्य में रवीन्द्रनाथ टैगोर का अधिक रुचि था। क्षितिमोहन सेन स्वयं एक अनुभवी विद्वान के रुप विद्यादान का प्रयास किया। वर्तमान में इस विभाग में मध्यकालीन और आधुनिक साहित्य, प्रतियोगिता मूलक साहित्य और रवीन्द्रनाथ साहित्य पर अनुसंधान हिन्दी अनुवाद का कार्य जारी है। इसके सिवाय हिन्दी साहित्य और कार्य सम्बन्धी हिन्दी का अन्डर ग्रेजुएट और ग्रेजुएट अध्ययन पर भी कार्य जारी है।

विभागीय परिसंवाद :-

1. 22 अगस्त 2015 को हिन्दी भवन, विश्वभारती शान्ति निकेतन में हिन्दी विभाग द्वारा ''रामकथा और तुलसीदास'' पर राष्ट्रीय परिसंवाद आयोजित किया गया।
2. 14-15 सितम्बर 2015 को हिन्दी भवन, विश्वभारती, शान्ति निकेतन में हिन्दी विभाग द्वारा ''राज भाषा हिन्दी एवं प्रादेशिक भाषाएँ'' पर राष्ट्रीय परिसंवाद को आयोजित किया गया।
3. 24 से 26 सितम्बर 2015 के दौरान भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के सहयोग से हिन्दी भवन, विश्व-भारती, शान्ति निकेतन में ''दर्शन और साहित्य–पण्डित हजारी प्रसाद द्विवेदी के विशेष संदर्भ में'' पर हिन्दी विभाग द्वारा राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन किया गया।
4. 17 दिसम्बर 2015 को लिपिका विश्व भारती, शान्ति निकेतन में ''भाषा और सांस्कृतिक सुरक्षा'' का आयोजन किया गया जिसमें पश्चिम बंगाल के सम्मानीय राज्यपाल केशरीनाथ त्रिपाठी ने हजारी प्रसाद के यादगार पर वक्तव्य रखा।

शकुन्तला मिश्रा

परिसंवाद / सम्मेलन

1. 24 से 26 सितम्बर 2015 के दौरान हिन्दी भवन, विश्व भारती में भारतीय दर्शनयात्रा अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित राष्ट्रीय परिसंवाद 'दर्शन और साहित्य- (हजारी प्रसाद द्विवेदी के विशेष संदर्भ में वक्तव्य रखा।
2. 17 दिसम्बर 2015 को लिपिका, विश्व भारतीय, शन्ति निकेतन में आयोजित ''भाषा और सांस्कृतिक सुरक्षा'' पर पश्चिम बंगाल के माननीय राज्यपाल केशरी नाथ त्रिपाठी ने 'हजारी प्रसाद द्विवेदी के याद में व्याख्यान'' पर स्वागत व्याख्यान किया।

हरिश चन्द्र मिश्रा

पुस्तक

1. बवन्डर के भूत (स्मृति शब्द चित्र) – बोधि प्रकाशन पेज 77 सेक्टर 9 रोड नं0 1) जयपुर (राजस्थान) 2015

साहित्यिक लेख

1. ''रामधारी सिंह दिनकर सृष्टि एवं दृष्टि'' (पुस्तक) व्यासमामी त्रिपाठी संपादित, हिन्दी साहित्य कला परिषद पोर्ट ब्लेयर परम्परा और आधुनिक का सहाचर दिनकर का रचना कर्म, पेज 34-46-2015
2. पूर्वांचल में साक्षात्कारिक संस्कार चमसा वर्ष 32, संयुक्तनचीफ 98-19, 3 जुलाई-अक्टूबर, 2015, नवम्बर - फरवरी-2016 संपादित वन्दना पाण्डेय पेज 27-52
3. ओड़िया कवि गंगाधर मेहर की रचना धर्मिता (तपस्विनी के विशेष संदर्भ में), अक्षर : मानव संघर्ष की रचनात्मक

अभिव्यक्ति, 2016, मुख्य संपादक रीता भारद्वाज, पेज 65-78 /

4. 'बंगला शिशु लोक साहित्य' पेज 1887-1988, भारतीय बाल लोक साहित्य कोष के संपादन में (खण्ड), संपादित डॉ॰ सुरेश गौतम, डॉ॰ वीणा गौतम, - दिव्या प्रकाशन - दिल्ली - 2016

परिसंवाद / सम्मेलन

1. हिन्दी भवन द्वारा आयोजित तुलसी जयन्ती के राष्ट्रीय परिसंवाद पर व्याख्यान किया गया।
2. 14 सितम्बर 2015 को हिन्दी दिवस के दिन हिन्दी भवन में व्याख्यान किया गया।
3. 24-25 सितम्बर के दौरान हिन्दी भवन द्वारा आई॰ सी॰ पी॰ आर॰ राष्ट्रीय परिसंवाद में मैंने व्याख्यान किया, (उस सत्र में चेयरमैन था)

रामेश्वर प्रसाद मिश्रा

परिसंवाद / सम्मेलन

1. 24-26 सितम्बर 2015 को भारतीय दार्शनिक परिषद अनुसंधान, नई दिल्ली के सहयोग से हिन्दी विभाग, विश्व भारती द्वारा विश्व भारती, शान्ति निकेतन में आयोजित ''दर्शन और साहित्य हजारी प्रसाद द्विवेद्वी के विशेष संदर्भ में'' पर राष्ट्रीय परिसंवाद में व्याख्यान किया।
2. 8-9 अक्टूबर - आसाम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, गुवाहाटी द्वारा आयोजित ''भारतीय भक्ति आन्दोलन में पूर्वोत्तर का योगदान'' के राष्ट्रीय परिसंवाद पर ''भारतीय भक्ति आन्दोलन और सामाजिक संस्कृति का विकास -पूर्वोत्तर के विशेष सन्दर्भ में'' पर व्याख्यान किया।

शैक्षणिक महत्व

1. केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्था मैसूर द्वारा चलाए गए ''भारत वानी'' (एच॰ आर॰ डी॰ मन्त्रालय, नई दिल्ली की योजना) के लिए हिन्दी भाषा के लिए एक सदस्य को नियुक्त किया गया।
2. ''सेन्ट्रल ऑफ ऐक्सलेन्ट फॉर ट्राइबल लिटरेचर ऐण्ड लैंग्वेज'' विश्व भारती के लिए सलाहकार समीति का सदस्य नियुक्त किया गया।
3. ''सेन्टर फोर एन्डेन्जर लैंग्वेजे'' विश्व भारती सलाह समीति का सदस्य नियुक्त किया गया।

मंजु रानी सिंह

पुस्तक

1. ''शान्ति निकेतन–दरस पारस'' नई किताब दिल्ली द्वारा प्रकाशित-2015, आई एस बी एन - 9789882821-73-1

साहित्यिक लेख

1. एम प्रभाकर के कविता संग्रह ''जो मेरे भीतर है'' पर एक विवेचना-साहित्य एकाडमी, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित। भारतीय भाषा परिषद कोलकाता द्वारा प्रकाशित ''वगर्थ''– (एक साहित्यिक पत्रिका) - आई एस एस एन - 23941723/
2. मार्च 2016 में 'वतयन' श्रीमती महिला समीति पल्ली, शान्तिनिकेतन, पश्चिम बंगाल द्वारा ''बिन निज भाषा ज्ञान के'' एक साहित्यिक लेख प्रकाशित किया गया।

परिसंवाद / सम्मेलन

1. 11 जून से 16 जून के दौरान कृष्णा चन्द्र और भीष्म साहनी के जन्म शताब्दी के अवसर पर लिटिल थेस्पिअन द्वारा कोलकाता में पाँचवा राष्ट्रीय थिएटर उत्सव ''कृष्णा और भीष्म'' परिसंवाद का आयोजन किया गया, जिसमें ''कबीर खड़ा बाजार में'' (भीष्म साहनी का सृजनात्मक विस्फोट) पर व्याख्यान किया।
2. 23 सितम्बर 2015 को स्वतन्त्रता सेनानी श्री चित्तभूषण दास गुप्ता द्वारा स्थापित ''माझी हीरा आश्रम'' द्वारा आयोजित

''बुनियादी शिक्षा की प्रशासनिकता'' के राष्ट्रीय परिसंवाद पर व्याख्यान किया।

शैक्षणिक महत्व /श्रेष्ठता

सम्पादक किशन कालजयी रोहिनी, दिल्ली द्वारा 'सब लोग' पत्रिका प्रकाशित किया गया। जिसके सम्पादकीय बोर्ड के सदस्य थे। आई एस एस एन 22775897 /

मुक्तेश्वर नाथ तिवारी

पुस्तकें

1. 'महादेवी के साहित्य का गद्यपर्व' जून 2015 - अमन प्रकाशन, कानपुर

साहित्यिक लेख

2. ''विश्व भारतीय पत्रिका'' वॉल्यूम 62, 63 और 6 4 के सम्पादक!
   अगस्त 2015 को मुजफ्फरपुर विश्व विद्यालय, बिहार के अनुसंधान जर्नल ''उत्तर-समरचनावाद की सौद्धान्तिकी''
3. ''मैला आँचल के कथा भाग में स्त्री'' साहित्यिक लेख में ''आँचालिकता का परिप्रेक्ष्य और हिन्दी उपन्यास'' सम्पादक डॉ॰ ऋषि कुमार - प्रकाशक आनन्द प्रकाशन, कोलकाता, मार्च 2016
4. ''प्रमोद के कहानियों के सरोकार'' ''मनीषा'' टी॰ एम॰ भागलपुर विश्वविद्यालय का अनुसंधान जर्नल-मार्च 2016।
5. ''समकालीन हिन्दी कविता में स्त्री'' – ''समकालीन हिन्दी कविता के सरोकार'' में एक साहित्यिक लेख, मार्च 2016, मानव प्रकाशन, कोलकाता।

परिसंवाद / सम्मेलन

1. 26-09-2015 - भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा हिन्दी भवन शान्तिनिकेतन में आयोजित ''हजारी प्रसाद द्विवेदी का दर्शनशास्त्र'' पर व्याख्यान किया।
2. 11.03.2016 - को भीष्मसाहनी के शताब्दी परिसंवाद पर रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय में आयोजित ''भीष्म साहनी की कहानियों में मामूली आदमी'' विषय पर व्याख्यान किया।

रवीन्द्रनाथ मिश्रा

साहित्यिक लेख

1. फरवरी 2015 में ''लक्ष्य में'' ''वर्तावलक में'' पर एक समालोचक साहित्य लेख प्रकाशित हुआ।
2. मार्च में ''रवीन्द्रनाथ और मानववाद'' विषय पर ''वर्तावलक'' वॉल्यूम 171 प्रकाशित हुआ।

परिसंवाद / सम्मेलन

1. 19 और 20 मई 2015 – रावेनसा विश्व विद्यालय, कटक में हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय परिसंवाद में ''हिन्दी साहित्य में स्वतंत्रता आन्दोलन – विविध अयाम'' पर व्याख्या प्रस्तुत किया।
2. 17-18 फरवरी 2016 – सम्बलपुर विश्व विद्यालय द्वारा ''हिन्दी कहानी सौ साल पुरानी'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय परिसंवाद में व्याख्यान किया।

शैक्षणिक श्रेष्ठता

भाषा और साहित्य में योगदान के लिए ''ब्रह्मकेश्वर, अच्युत आश्रम, कटक, ओड़िसा द्वारा ''साहित्य भास्कर सम्मान'' से सम्मानित किया गया।

2. 19 अप्रैल 2016 को सेन्ट्रल इन्सिटट्यूट ऑफ हिन्दी ह्यूमन रिसोर्सेस डेवेलपमेन्ट, भारत सरकार द्वारा आयोजित पुरस्कार समारोह दरबारहाल, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में राष्ट्रपति के हाथों से ''गंगाश्रम सिंह पुरस्कार 2013'' प्राप्त किया।

सुभाषचन्द्र रॉय

साहित्यिक लेख

1. ''प्रसाद के नाटकों में राष्ट्र प्रेम'' विश्व भारती पत्रिका, खण्ड 62 अंक 1-2, अप्रैल 2015 से सितम्बर 2015।

परिसंवाद / सम्मेलन

1. 12 अगस्त, 2015 को राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' स्मृति न्यास, नई दिल्ली द्वारा एफ आई सी सी आई ऑडिटोरियम ''कलम आज उनकी जय बोल महोत्सव'' पर राष्ट्रीय परिसंवाद आयोजन किया गया।
2. 23-25 सितम्बर, 2015 के दौरान राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर स्मृति न्यास, नई दिल्ली द्वारा 'स्वतंत्रता भवन, बी० एच० यू०, बनारस में ''भारतीय शिक्षा-संस्कृति महोत्सव'' पर राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन किया गया।

जगदीश भगत

साहित्यिक लेख

1. 2015 में ''निलांजलि''–हिन्दी पुस्तक के विख्यात लेखक के साथ साक्षात्कार।
2. जय शंकर प्रसाद (कहानीकार जयशंकर प्रसाद) पर एक साहित्यिक लेख पुस्तक के रूप में ''हिन्दी कहानी–संवेदना के धरातल पर'' डॉ० सत्य प्रकाश तिवारी संपादित आनन्द प्रकाशन, कोलकाता द्वारा प्रकाशित किया गया।
3. रवीन्द्रनाथ ठाकुर की कविताओं का अनुवाद ई पत्रिका 2008' ''सार्थक 2015''–डॉ० एस० पी० तिवारी, डॉ० कविता वचकन्वी और डॉ० के० श्रीवास्तव द्वारा संपादित पुस्तक प्रकाशित किया गया।

परिसंवाद / सम्मेलन

1. 2 मई 2015 – माइकेल मधुसूदन मेमोरियल कॉलेज, दुर्गापुर (पं बं०) द्वारा ''आदिवासी विमर्श'' पर राष्ट्रीय परिसंवाद में कागज प्रस्तुत किया गया।
2. 23-25 सितम्बर 2015 – आई० सी० आर० और हिन्दी भवन, विश्व भारती शान्तिनिकेतन-731235, तारीख 23-25 सितम्बर 2015, द्वारा आयोजित ''हजारी प्रसाद द्विवेदी'' पर राष्ट्रीय परिसंवाद में कागज प्रस्तुत किया गया।

अर्जुन कुमार

साहित्यिक लेख

I. 'गेस्त' मराठी साहित्यिक पत्रिका में ''कबीर–कल और आज''–कबीर विशेष में साहित्यिक लेख प्रकाशित हुआ।

II. ''शैलेश मतियानी के आंचलिक उपन्यास'' पुस्तक के रुप में '' आंचलिकता का प्रेक्ष्य और हिन्दी उपन्यास'' आनन्द प्रकाशन कोलकाता द्वारा प्रकाशित किया गया।

परिसंवाद / सम्मेलन

I. 11-12 मार्च 2016 - हिन्दी विभाग उत्तर-पूर्वी हिल यूनिवर्सिटी, शिलाँग, द्वारा आयोजित ''आदिवासी विमर्श और हिन्दी साहित्य'' विषय पर राष्ट्रीय परिसंवाद में व्याख्यान किया।

II. 22 फरवरी, 2016 को तमिल और मराठी विभाग, विश्व भारती, शान्तिनिकेतन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय परिसंवाद में ''थिरुक्कुरल'' कागज प्रस्तुत किया गया।

श्रुति कुमुद

साहित्यिक लेख

1. 'शरीफ और समुदाय एक होता हुआ' ''रहूँगा भीतर नानी की तरह'' पुस्तक के रुप में प्रकाशित हुआ।

परिसंवाद / सम्मेलन

2. 23-25 फरवरी, 2016 को शिवदुलारी देवी दलपत शाही महिला महा विद्यालय, रामकोला, कुशीनगर द्वारा आयोजित

राष्ट्रीय परिसंवाद में ''बर्तमान कथा लेखन और स्त्रियों की भूमिका'' विषय पर व्याख्यान किया।

3. 10-12 जनवरी, 2016 के दौरान हिन्दी बनारस हिन्दू महाविद्यालय उत्तर-प्रदेश द्वारा आयोजित ''वैश्विक परिदृश्य और प्रवासी हिन्दी साहित्य'' अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद में व्याख्यान किया।

शैक्षणिक श्रेष्ठता

I. इस शैक्षणिक वर्ष में पी० एच० डी० की डिग्री पूरी की एवं 8 अप्रैल 2015 को पी० एच० डी० की डिग्री से सम्मानित किया गया।

क्रियाकलाप विस्तार । एन एस एस / सांस्कृतिक और अन्य क्रिया-कलाप -

1. 12-01-2016 से 20-01-2016 के दौरान डॉ० सुभाष चन्द्र रॉय और प्रोफेसर रवीन्द्र नाथ मिश्रा के संरक्षण में 25 छात्रों का एक दल हरिद्वार, ऋषिकेश मसूरी और देहरादून का शैक्षणिक यात्रा किया।

   नये कोर्स/अध्ययन सूची या अन्य पद्धतियाँ :

   बी० ए० (यू० जी०) और एम० ए० (पी० जी०) की परिकल्पना की एक उचित प्राधिकारी की ओर आगे बढ़ाया गया।

संस्कृत, पाली और प्राकृत विभाग

यू० जी० सी० / सी० एस० आई० आर० / नेट / सेट और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नामों की सूची –

नेट / सेट / जे० आर० एफ छात्रों के नाम

1. दीपा मण्डल (नेट)
2. प्रीतिरंजन माझी (नेट)
3. सौरभ पाल (जे० आर० एफ०)
4. शहनाज बानु (नेट)
5. स्वर्नाली चन्द्रा (जे० आर० एफ०)
6. रुना देबनाथ सरकार (जे० आर० एफ०)

विभागीय परिसंवाद

अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद

1. 27-28 मार्च 2016 - ''संस्कृत पाली और प्रकृत के साहित्य में बुद्धा का जीवन और ज्ञान'' विषय पर विश्व भारती, शान्ति निकेतन में अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय परिसंवाद / कार्यशाला

1. 21 जून, 2015 - ''योगा'' पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला -संस्कृत, पाली और प्रकृत, विभाग, विश्व भारती, शान्ति निकेतन द्वारा '' आधुनिक स्वास्थ्य पर संकट का उत्तर'' आयोजन किया गया।
2. 23 अगस्त 2015 – विश्व भारती शान्तिनिकेतन के संस्कृत, पाली ओर प्रकृत विभाग द्वारा ''संस्कृत और रवीन्द्रनाथ'' पर एक दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन किया गया।
3. 22 नवम्बर, 2015 विश्व भारती, शान्तिनिकेतन द्वारा ''वैदिक नदी सारस्वत? (वर्तमान, भूत और भविष्यत्)'' पर राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन किया गया।
4. 29 नवम्बर से 12 दिसम्बर 2015 – पण्डित आदित्य कुमार प्रहराज बारीपदा, ओडिसा और दीक्षा लिए हुए दीपक कुमार भट्टाचार्य, नियमनिष्ठ व्यक्ति और इस विभाग के अधिकारी के मार्गदर्शन में विश्व भारती, शान्तिनिकेतन के संस्कृत, पाली और प्रकृत विभाग द्वारा अथर्ववेद के पैपलदा संहिता के कथन पर विश्व भारती के संस्कृत, पाली और प्राकृत विभाग द्वारा दो सप्ताह के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया।
5. 25 जनवरी, 2016 – सेंट्रल फॉर बुद्धिस्ट स्टडीज, विश्व भारती, शान्ति-निकेतन के सहयोग से संस्कृत, पाली और प्रकृत विभाग द्वारा ''भारत में बौद्ध और धर्मशास्त्र परम्परा'' पर राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन किया गया।
6. 29 से 31 मार्च 2016 – सेन्ट्रल फॉर बुद्धिस्ट स्टडीज और विश्व भारती शान्ति निकेतन और विश्व भारती शान्तिनिकेतन के संस्कृत, पाली और प्रकृत विभाग द्वारा ''बौद्ध पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन किया गया।

विशेष व्याख्यान

1. 25 जनवरी, 2016 : प्रोफेसर बी० के० स्वेन द्वारा '' हिन्दू धर्मशास्त्र में एक आदमी दैनिक जीवन'' पर व्याख्यान किया गया।
2. ''आधुनिक काल में धर्मशास्त्र'' पर व्याख्या किया गया।

   सिर्फ अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला/ प्रदर्शनी आदि में उपस्थित शिक्षक, अनुसंधान विद्वान का विस्तारीकरण –

अरुण रंजन मिश्रा (एच० ओ० डी०)

1. 26 से 28 सितम्बर 2015 के दौरान ''भारतीय संस्कृति में कला और शास्त्र पर संकल्पना'' पर बनारस हिन्दू महाविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन किया गया। इसी दौरान ''कलात्मक और ऋग्वेद के शास्त्र के महत्व, सर्वोच्च कविता – एक संक्षिप्त टिप्पणी)'' कागज प्रस्तुत किया गया –
2. 8-9 अगस्त 2015-यू॰ जी॰ सी॰ के सौजन्य से पी॰ एस॰ कॉलेज, झुमपुरा, क्योन्झर (ओड़िसा) द्वारा ''अभिजन्ना आकुन्तले प्रकृति सित्रम (अभिजन्ना आंकुतंलम में चित्रलेखन की प्रकृति) पर आयोजित राष्ट्रीय परिसंवाद में ''प्रकृति आकुन्तलम में शास्त्र-यन्त्र) कागज प्रस्तुत किया गया।

आमंत्रित व्याख्याता

नरोत्तम सेनापति

1. 27-28, मार्च 2016 – ''साहित्य में बुद्ध का जीवन और शिक्षा'' पर विश्व भारती शान्ति निकेतन के पाली और प्रकृत विभाग द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद में शैक्षणिक सत्र के अध्यक्ष के रुप में व्याख्यान किया।
2. 11-12 मार्च, 2016 – आसाम विश्व विद्यालय, सिल्चर, आसाम के संस्कृत और जनसंघ सूचना द्वारा आयोजित राष्ट्रीय परिसंवाद में सम्माननीय मेहमान के रुप में व्याख्यान किया।

मृदुला रॉय

1. 27-28 मार्च, 2016 – विश्व भारती, शान्ति निकेतन के पाली और विभाग द्वारा ''साहित्य में बुद्ध का जीवन और शिक्षा) पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद में ''बुद्ध का सिद्धान्त'' कागज प्रस्तुत किया।

अरुण कुमार मण्डल

1. 27-28 मार्च, 2016 - विश्व भारती शान्ति निकेतन के पाली और प्रकृत विभाग द्वारा ''साहित्य में बुद्ध का जीवन और शिक्षा'' पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद में ''बुद्ध का जीवन–अश्वघोष के अरिपुत्रकार के खण्ड के रुप में) कागज प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय परिसंवाद

1. 23 अगस्त 2015 को विश्वभारती, शान्तिनिकेतन के संस्कृत, पाली और प्रकृत विभाग द्वारा ''संस्कृत और रवीन्द्रनाथ'' पर आयोजित राष्ट्रीय परिसंवाद में ''संस्कृत और रवीन्द्र-काव्य समग्र सत्र में'' प्रस्तुत किया गया।

लैला चक्रवती

1. 23 अगस्त, 2015 : विश्व भारती, शान्तिनिकेतन, पश्चिम बंगाल के संस्कृत, पाली और प्रकृत विभाग द्वारा ''संस्कृत और रवीन्द्रनाथ'' पर राष्ट्रीय परिसंवाद आयोजित किया गया जिसमें ''रवीन्द्र नाथेर संस्कृत साहित्येर प्रभाव'' कागज प्रस्तुत किया।
2. 10 जनवरी 2016 को रायगंज यूनिवर्सिटी, उत्तर दिनाजपुर, पश्चिम बंगाल द्वारा ''संस्कृत साहित्य के विभिन्न अंश'' पर राष्ट्रीय परिसंवाद आयोजित किया गया जिसमें ''संस्कृत स्त्री अनुस्त्र गवैषण? प्रविधि कागज प्रस्तुत किया।

जगत राम भट्टाचार्य

1. जून 28 से जुलाई 02, 2015 के दौरान ''विश्व संस्कृत सम्मेलन, शिल्पाकोन यूनिवर्सिटी थाईलैंण्ड में ''इज प्रनेवीकरा ए दिगम्बर टेक्स्ट— इसके भाषा और विषयवस्तु का न्याय पक्ष समर्थन'' कागज प्रस्तुत किया।
2. 3-4 मार्च, 2016 : कलकत्ता विश्व विद्यालय, कोलकाता के पाली विभाग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ''नियुक्त किया गया बौद्ध–रोजमर्रा के जीवन में बौद्ध'' में ''आधुनिक युग में जैन पद्धति की अनुरुपता'' कागज प्रस्तुत किया।

निरंजन जेना

1. 5-6 फरवरी 2016 - उत्कल विश्वविद्यालय भुवनेश्वर के संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद'' योगा और जीवनशैली प्रबन्ध'' पर ''वेदा का मन्त्रा योगा '' कागज प्रस्तुत किया।
2. 19 फरवरी 2016 को इतिहास एकाडमी, ढाक, बंगलादेश द्वारा ''इतिहास, सांस्कृतिक और विरासत'' पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें ''इको-लॉजिकल अवेअरनेशरीफ्लेक्टेड इन ऋग्वेदा'' कागज प्रस्तुत किया।

संजय कुमार मण्डल

1. 27-28 मण्डल 2016 – सेन्टर फोर बुद्धिस्ट स्टडीज विश्वभारती और विश्व भारती, शान्तिनिकेतन के संस्कृत, पाली और प्रवृत विभाग द्वारा ''अश्वघोष के साहित्य में बुद्ध का जीवन और शिक्षा'' पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद में ''बुद्ध चरिता में समक्ष्य दर्शनशास्त्र'' कागज प्रस्तुत किया।
2. 29-30 जनवरी 2016 - सालदिहा कॉलेज सालदिहा, बाँकुड़ा द्वारा ''आधुनिक समाज में संस्कृत अध्ययन पर खोज'' पर राष्ट्रीय परिसंवाद में ''आधुनिक समाज में संस्कृत साहित्य का महत्व'' कागज प्रस्तुत किया।

गार्गी भट्टाचार्य

अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद / सम्मेलन

1. 27-30 दिसम्बर, 2015 स्पेशल सेन्टर फॉर संस्कृत स्टडीज जे० एन० यू०, नई दिल्ली द्वारा बाईसवाँ अन्तर्राष्ट्रीय वेदान्त कांग्रेस '' आयोजित किया गया जिसमें ''वेदान्त के प्रकाश में टैगोर के नश्वरता के व्याख्यात्म अथक खोज'' कागज प्रस्तुत किया।
2. 24-27 फरवरी 2016 सावित्री बाई फुले पूने यूनिवर्सिटी, पूने, महाराष्ट्र द्वारा ''विज्ञान और योग की कला'' पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''महाभारत में मृत्यु पर संकल्पना – योग सिद्धान्त और अभ्यास'' कागज प्रस्तुत किया।

लक्ष्मीधर मलिक

अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद

1. 27-28 मार्च 2016 – विश्व भारती, शान्तिनिकेतन के संस्कृत, पाली और प्रकृत विभाग में ''बुद्ध का जीवन और शिक्षा'' पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद में ''बुद्ध का जीवन'' कागज प्रस्तुत किया।
2. 23 अगस्त, 2015 को विश्व भारती शान्तिनिकेतन के संस्कृत, पाली और प्रकृत विभाग द्वारा ''संस्कृत और रवीन्द्रनाथ'' पर राष्ट्रीय परिसंवाद में ''टैगोर पर कालीदास का प्रभाव'' कागज प्रस्तुत किया।

प्रीतिलक्ष्मी स्वाइन

1. 27-28 मार्च 2016 - विश्व भारती शान्तिनिकेतन के पाली और प्रकृत विभाग द्वारा ''साहित्य और संस्कृत में बुद्ध का जीवन और शिक्षा'' पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद में ''बुद्ध का जीवन'' कागज प्रस्तुत किया।
2. 23 अगस्त 2015 को विश्व भारती शान्तिनिकेतन के संस्कृत, पाली और प्रकृत विभाग द्वारा ''संस्कृत और रवीन्द्रनाथ पर राष्ट्रीय परिसंवाद में ''टैगोर पर कालिदास प्रभाव'' कागज प्रस्तुत किया।

राम प्रमोल कुमार

1. 27-28 मार्च 2016 - विश्व भारती के सेन्टर फॉर बुद्धिस्ट स्टडीज और विश्व भारती, शान्तिनिकेतन के संस्कृत, पाली और प्रकृत विभाग द्वारा ''बुद्ध ''साहित्य में बुद्ध का जीवन और शिक्षा'' पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद में ''सौन्दार्नन्द महाकाव्य में बुद्ध का जीवन'' कागज प्रस्तुत किया।
2. 23 अगस्त 2015 का विश्व भारती, शान्तिनिकेतन के संस्कृत, पाली और प्रकृत विभाग द्वारा ''संस्कृत और रवीन्द्रनाथ'' पर आयोजित राष्ट्रीय परिसंवाद में कागज प्रस्तुत किया।

विभाग और भाग लिए शिक्षक वृन्द और छात्रों द्वारा क्रिया-कलापों का विस्तारीकरण / एन एस एस /

सांस्कृतिक और अन्य क्रिया-कलापों का आयोजन –

लक्ष्मीधर मलिक (एन एस एस विश्वाभारती के समन्वयक के रुप में) निम्न प्रोग्रामों में उपस्थिति / आयोजन

1. 7 अप्रैल 2015 को विश्व स्वास्थ्य दिवस का आयोजन किया।
2. वृक्षारोपण (22-07-2015)
3. कैम्पस में बागबानी (29-07-2015)
4. वृक्षारोपण (08-08-2015)
5. स्वतंत्रता दिवस (15-08-2015)
6. सफाई अभियान (28-08-2015)
7. रक्तदान शिविर (29.08.2015)
8. सार्वजनिक वितर्क प्रतियोगिता (14-09-2015)
9. इस प्रकार पूर्वीय स्थिति और एन एस एस दिवस आयोजन (24-09-2015)
10. सच्चा भारत अभियान (2-10-2015)
11. गाँव सर्वेक्षण (17-12-2015)
12. पौष मेला (सात दिनों का शिविर) (23.12.2015 से 29.12-2015)
    एन एस एस विश्व भारती द्वारा आयोजित 9 इकाई के 450 स्वयं सेवको की उपस्थिति
13. विवेकानन्द का जन्म वार्षिकोत्सव (12-01-2016)
14. गणतन्त्र दिवस (26-01-2016)
15. स्पेशल शिविर (विद्या भवन) 05-02-2016 से 11-02-2016)
16. स्पेशल शिविर (पीएसबी-पीएस.भी) 28-02-2016 से 05-03-2016)
17. स्पेशल शिविर (भाषा भवन (06-03-2016 से 12-03-2016)
18. गान्जीपुण्य (10-03-2016)
19. स्पेशल शिविर (पाठ-भवन) (12-03-2016 से 18-03-2016)
20. स्पेशल शिविर (शिक्षा-शास्त्र) 20-03-2016 से 26-03-2016)
21. वनोत्सव (23-03-2016)

6. शिक्षक / विद्वानों या सम्पूर्ण विभाग (डी० ए० ए० या सी० एस० ए० आदि
   मान्यता के समान) द्वारा प्राप्त शैक्षणिक श्रेष्ठता

अरुण रंजन मिश्रा (एच० ओ० डी०)

1. :'कन्टिन्युइंग क्रीएटिव एफोर्टेस फॉर दि सस्टेनेन्स ऑफ संस्कृत, पर एस० सी० एस० भी० एम० भी० यूनिवर्सिटी में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद में संस्कृत और इण्डोलॉजी में जारी अनुसंधान कार्य के लिए शाल ओढ़ाकर एवं स्मारक प्रदान कर सम्मानित किया गया।
2. अप्रैल 2015 से मार्च 2016 के दौरान प्रकाशन

पुस्तक

अरूण रंजन मिश्रा (एच० ओ० डी०)

1. दि बनारस मर्केन्टाईल कम्पनी, कोलकाता 2015 (कुल पृष्ठ 254) आई एस बी एन : 81-86359-44-3 अनुसंधान कागज प्रकाशित

अरूण रंजन मिश्रा

1. आधुनिक संस्कृत कविता में एकाकीपन- एक पोस्ट मॉडर्न चिन्ह तन्त्रोत्कार एआ, 2015 बनारस, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी का संस्कृत विभाग, आई एस बी एन : 8185305-66-6, पी पी 452-473 /
2. ''नन्दवर्धना की आँखों में कुमरश्मभावम'' माइप्राड (पण्डित कुलम आई'' मिश्रा (स्मरणीय वॉल्यूम) 2015, कोलकाता, दि बनारस मर्केन्टाइल कम्पनी, आई एसबी एन : 81-86359-44-3, पीपी 19-25/
3. ''आधुनिक संस्कृत में साहित्य का नया केन्द्र'' (हर्षदेव माधव के विशेष निर्देश में), अहमदाबाद, परश्वा पब्लिकेशन आई एस बी एन : 978-93-5108-440-2, 2015 पी पी 245-258।

अरूण कुमार मण्डल

1. ''बंगला व सम्सक्रता पुठिते सम्फ्या लिफ्न पद्धति'' अनुस्तुप, पुन्थि स्पेशल नम्बर, 2015 (XLIX नं० 5) आर एन : 12123/66, 2जी पविन कुयू लेन कोलकाता - 9, पी-255-268.
2. ''कर्तत्करकस्या भेदापरिसिलनम, सुमेधा, वॉल्यूम- -II भाग- -II (संपादित) स्मरणीय वॉल्यूम, जनवरी - 2016, विश्व भारती के संस्कृत, पाली और प्रकृत विभाग, आई0 एस0 बी0 एन0 978-81-7702-269-5 पी पी 180-189

ललिता चक्रवर्ती

1. ''पाली साहित्य का विस्तारीकरण'' वेद और अवेद - एक आलोचना समान'' महेश्वर नियोग का एक शताब्दी वॉल्यूम, गुवाहाटी, सितम्बर 2015, आई एस बी एन न0 978-93-244-0524-1 पी पी 461-469 ।
2. ''बुद्धा - अनन्य एकाका'' नालन्दा : बुद्ध का अन्तर्राष्ट्रीय और भारतीय सांस्कृतिक जर्नल, वॉल्यूम एल 2015, कोलकाता, आई० एस० एस० एन० 2320-7264 पीपी-101-105।

जगत राम भट्टाचार्य

1. ''डेवेलपमेन्ट ऑफ इण्टरवोकैलिक एस्पिरेट्स इन मगध'' सुमेधाह में वॉल्यूम- -II भाग- -II एक स्मरणीय वॉल्यूम, संस्कृत, पाली और प्रकृत विभाग, विश्व भारतीय (प्रथम संस्करण 2012) प्रकाशित 2015 में आई० एस० बी० एन० 978-81-7702-369-5 पी पी 8388।

निरंजन जेना

पुस्तक

1. ''वैदिक खजाना (वैदिक ट्रेजर) : अभिषेक प्रकाशन अप्रैल 2015, नई दिल्ली, आई.एस.बी.एन. : 978-81-8390-135-
2. इकोलॉजी इन इण्डोलॉजी : अभिषेक प्रकाशन, अप्रैल 2015, नई दिल्ली : आई० एस० बी० एन० 978-81-8390-134-5।

साहित्यिक लेख

1. 'वैश्विजम'-एक ऐतिहासिक 'आभार' अभ्युदय, अन्तर्राष्ट्रीय निर्णायक वार्षिक अनुसंधान जर्नल, जनवरी - जून 2015, अभिषेक प्रकाशन, नई दिल्ली, आई० एस० एस० एन० : 2320-4176।
2. 'दि कॉन्सेप्ट ऑफ भिखूनी संघा इन बुद्धिज्म वाइस-ए-वाइस वुमेन सीअर्स् इन दि वेदा'' अक्टूबर 2015, सेन्टर फॉर बुद्धिस्ट स्टडीज विश्व भारती, शन्तिनिकेतन
3. ''सेक्युलर कॉन्टेक्स्ट, इन दि अथर्ववेद'' मनिप्रदीपा, अगस्त 2015, दि बनारस मर्केन्टाईल कम्पनी, कोलकाता।

संजय कुमार मण्डल

1. 'योगदर्शन में हिंसा का स्वरुप' वाक्शुद्ध एक अन्तर्राष्ट्रीय निर्णायक त्रैमासिक अनुसंधान जर्नल, वॉल्यूम-5, मई-जुलाई

2015, ए-3 ब्लॉक, गली नं० 5 धर्मपुरा, दिल्ली-110043, आई एस एस एन-23476605, पी 208-209।

2. ''योग दर्शन में स्वास्थ्य जागरुकता'' (हेल्थ विद्यावर्त, अन्तर्राष्ट्रीय बहुदेशीय निर्णायक जर्नल, प्रस्तावित-12, वॉल्यूम-1, अक्टूबर-दिसम्बर 201, एच० पी० पी० आई० बीड 431126, महाराष्ट्र, आई० एस० एस० एन० - 23199318 पी 12-13।

गार्गी भट्टाचार्य

कागज प्रकाशित

1. 'सप्त मर्यादा : सेवन बाइसेस इन दि सोसाइटी'', तुलसी प्रज्ञा, जून 2015, लदून, राजस्थान : जैन विश्व भारती संस्था, आई एस एस एन 0974-8857 पीपी - 32-40।
2. ''वैदिक इण्टरप्रेटेशन ऑफ मैटर, माईण्ड ऐण्ड कॉन्स्सनेस, प्रज्नानम : स्वचेतना, दिसम्बर 2015, लोनावला, पूने, महाराष्ट्र कैवल्याधाम, आईएसबीएन 81-89485, 956, पीपी 200-214।
3. 'वर व्यवस्था' –दयानन्द सरस्वती का सत्यार्थ प्रकाश धर्मशास्त्र परम्परा, मैप्रदीपा (पैता कुलम, मीरा स्मरणीय वॉल्यूम), 2015, शान्तिनिकेतन पश्चिम बंगाल : विश्वभारती का संस्कृत, पाली और प्रवृत विभाग, आई एस बी एन 81-86359-44-3 पी पी 128-138।

प्रीतिलक्ष्मी स्वाइन

कागज प्रस्तुति

1. 'ए गाँधीअन कॉन्सेप्ट टूवर्ड्स पीस ऐण्ड पीस एडुकेशन (शान्ति और शान्ति शिक्षा की ओर गाँधी गीरी की संकल्पना)'', शिवानी दे संपादित गान्धी और शान्ति, 2015 पुरुलिया पी पी 47-65।

विभाग के अभिरुचि द्वारा भवन/सदन/विभाग के विस्तारीकरण पर एक संक्षिप्त टिप्पणी –

रवीन्द्रनाथ टैगोर ने अपने शिक्षा शैली में संस्कृत को एक आवश्यक शैक्षणिक विषय सूची के रुप में ब्रह्मचर्य विद्यालय शान्ति निकेतन में सन् 1901 में प्रचार किया। विश्व भारती के विकासकालीन समय में दिव्यमान विद्वानों जैसे बिधुशेखर शास्त्री, क्षिति मोहन सेन, सिलवान लेवी, मॉरिस विन्टरनिट्ज आदि द्वारा संस्कृत अध्ययन के आधार को बढ़ाया गया। 8 पौष 1332 (दिसम्बर 1925 के अन्तिम सप्ताह) से पण्डित बिद्युशेखर शास्त्री, (आचार्य के रुप में) को विद्या भवन प्राप्त किया। यह संस्कृत, पाली, प्रकृत सहित विभिन्न विषयों की डिग्री के लिए प्रस्ताव किया। विभिन्न शाखाओ के साथ विद्या भवन अनुसंधान इस्टिट्यूट के रुप विद्या भवन को अधिक निरुपित किया गया। 1972 मे जब सभी भवनों का पुनर्निर्माण किया गया तब संस्कृत, पाली, प्रकृत सहित पन्द्रह कला विभाग का अधिकारी विद्या भवन बना। 2011 में विभाग नए भाषा-भवन के अन्तर्गत आया।

संस्कृत, पाली और प्रकृत के शिक्षण अन्तर्भाग को विभाजन अवस्था से स्वीकृति दी गई और विश्व 1951 में विश्व भारती का नामकरण जब सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी ऐण्ड एन इस्टिट्यूट ऑफ नेशनल इम्पॉर्टेन्स'' किया गया तब इस विभाग पूर्ण रुप से परदा कर दिया गया। इसके द्वारा संस्कृत, पाली और प्रकृत में अण्डर ग्रेजुएट पोस्ट ग्रेजुएट पीएचडी, सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, विदेशी केजुअल कोर्सेस अनुसंधान योजना के लिए प्रस्तावित किया गया।

विभाग ने बी० ए० (ऑनर्स) और एम० ए० को 2011-12 सत्र से अर्द्धवार्षिकी शैली के रुप में आरम्भ किया। विभाग ने एम० फिल का कोर्स 2014 से आरम्भ किया।

ओडिया विभाग

उत्तीर्ण हुए छात्रों के नाम...................................

यू॰ जी॰ सी॰, नेट - नूतन कुमारी, जगन्नाथ दीप, गीतांजली साहू, निहार रंजन पात्रा।

यू॰ पी॰ सी॰ जे॰ आर॰ एफ – मालतीलता हाती, वर्षा विश्वास, विप्लव जेन,

विभागीय परिसंवाद

राष्ट्रीय परिसंवाद

विषय - पूर्वी भारत की जाति – सामान्य सांस्कृतिक विषयवस्तु 14-16 फरवरी 2016 के दौरान ''पूर्वीभारतीय जाति–सामान्य सांस्कृतिक विषय वस्तु'' पर दि सेन्टर ऑफ एक्सिलेन्स और ओडिया विभाग द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद आयोजित किया गया। सिंह सदन में आरम्भ सम्बन्धी सत्र शुरु किया गया, जिसमें प्रो॰ सविता प्रधान, डाइरेक्टर, सी॰ ओ॰ ई॰ ने स्वागत व्याख्यान पर व्याख्या किया। प्रसिद्ध ओडिया लेखक डॉ॰ ऋषिकेश पाण्डा मुख्य अतिथि के रुप में शामिल हुए और प्रो॰ पंचानन मोहन्ती (हैदराबाद विश्वविद्यालय) ने कुंजी व्याख्यान नोट की व्याख्या की। इस परिसंवाद में 32 पृष्ठ प्रस्तुत किया गया। जिसमें मानसिक, पारस्परिक क्रिया और वाद-विवाद थे।

विषय : 21वीं सदी का ओडिया साहित्य

28-29 मार्च 2016 के दौरान ओडिसा साहिल एकाडमी के सहयोग से ओडिया विभाग द्वारा ''21वीं सदी में ओडिसा साहित्य'' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद आयोजन किया गया। सिंह सदन में आरम्भिक सत्र किया गया, जिसमें प्रो॰ मनोरंजन प्रधान (विभागाध्यक्ष) ने अश्विन कुमार मिश्रा (सचिव, ओडिसा साहित्य एकाडमी, प्रसिद्ध ओडिया लेखक, मुख्य अतिथि) पर व्याख्यान किया।

शिक्षक अधिकारी और उच्चपद के पादरी (अधिकारी) द्वारा विभागीय परि संवाद का आयोजन –

क्रमांक	वक्ता	परिसंवाद का शीर्षक	तारीख
1.	डॉ॰ शरत् कुमार जेना	प्रतिभा रायन्का उपन्यासरे नरीब्दा	11-08-2015
2.	प्रो॰ प्रकाश चन्द्र पटनायक	भाषा व साहित्य	16-11-2015
3.	प्रो॰ पंचानन मोहन्ती	भाषा व साहित्य	16-11-2015
4.	प्रो॰ जगतराम भट्टाचार्य	लेखक श्रुसतिरे सम्प्रतिक पात्र पत्रिकारा भूमिका	
5.	डा॰ प्रसन्ना कुमार पटनायक	ओडिया आधुनिक कविता	01-03-2016
6.	डा॰ बाबाजी चरण पटनायक	कन्टेम्परेरी ओडिसा कीटिसिज्म	01-03-2016
7.	प्रो॰ नरोत्तम सेनापति	संस्कृति व ओडिया व्याकरण	15-03-2016
8.	प्रो॰ तपोधीर भट्टाचार्य	साहित्येरे साहित्य तत्वारा भूमिका	19-03-2016

राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय उच्चकोटि का सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / प्रदर्शनी इत्यादि

राष्ट्रीय परिसंवाद

सबिता प्रधान :

1. 30 मार्च से 2 अप्रैल 2015 के दौरान भुवनेश्वर में आयोजित द्वितीय राष्ट्रीय भाषा सम्मेलन में ''ओडिया ध्वान्यात्मक शब्दारा गथना तत्व'' शीर्षक कागज प्रस्तुत किया।
2. 3-4 मार्च 2015 के दौरान बी० जे० बी० कॉलेज, भुवनेश्वर में यू० जी० सी० के सौजन्य ले आयोजित ''ओडिसार लोकानत्या'' राष्ट्रीय सम्मेलन में ''लोकानरूयारा वैशिष्टया'' शीर्षक कागज प्रस्तुत किया।

कैलाश पटनायक

अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद

1. 26-27 फरवरी 2016 के दौरान नेनद और आधुनिक भारतीय भाषाएँ और साहित्यिक अध्ययन, गुवाहाटी यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित 'असम विद्या'' पर अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद के पूरे सत्र में अध्ययन रहा और ''ट्रेण्डस ऑफ कन्टेम्परेरी ईस्टर्न इण्डियन नॉवेल'' शीर्षक कागज प्रस्तुत किया।
2. 27-28 मार्च 2016 के दौरान विश्व भारती, शान्ति निकेतन के संस्कृत, पाली और प्रकृत विभाग और सेन्टर फॉर बुद्धिस्ट स्टडीज, विश्व भारती द्वारा आयोजित ''अश्वघोष के साहित्य में बुद्ध की जीवन और शिक्षा'' पर अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद के पूरे सत्र में अध्यक्षता की।

राष्ट्रीय परिसंवाद

1. इस्टिट्यूट ऑफ एशियन स्टडीज, चेन्नई और नेशनल मैन्युस्क्रिप्ट मिशन नई द्वारा 19-21 मार्च 2016 के दौरान आयोजित राष्ट्रीय परिसंवाद ''खजूर के पत्ते और अन्य हस्तलिपि में पाये जाने वाले भारतीय भाषा में लोक संगीत और छोटी कविताएँ'' पर कागज प्रस्तुत किया।
2. 28-29 मार्च 2016 के दौरान विश्व भारती का उड़िया विभाग और ओडिसा साहित्य एकाडमी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय परिसंवाद 21वीं सदी का ओडिया साहित्य'' के पूरे सत्र में अध्यक्षता की राष्ट्रीय कार्यशाला।

राष्ट्रीय कार्यशाला

10.18-20 अगस्त 2015 के दौरान सी० आई० आई० एल० मैसूर द्वारा आयोजित ''ओडिया के ऑन लाइन कोर्स के लिए अध्ययन सूची की तैयारी'' पर राष्ट्रीय कार्यशाला पर विषय के दक्ष के रुप में हिस्सा लिया।

11.18-20 नवम्बर 2015 के दौरान डिब्रुगढ़ यूनिवर्सिटी, आसाम के सांस्कृतिक अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित ''सामाजिक परिवर्तन के लिए और अधिकार दाता के एजेण्ट के रुप में युवा'' के राष्ट्रीय कार्यशाला के सम्पूर्ण आरम्भिक सम्बन्धी सत्र के मुख्य अतिथि और स्रोत पुरुष के रुप में हिस्सा लिया।

12.15-01-2016 को तुलनात्मक साहित्यिक केन्द्र विश्वभारती द्वारा आयोजित राष्ट्रीय अनुवाद कार्यशाला पर विदाई भाषण दिया।

मनोरंजन प्रधान

राष्ट्रीय परिसंवाद

1. 30 मार्च से 2 अप्रैल के दौरान भुवनेश्वर में आयोजित द्वितीय राष्ट्रीय भाषा सम्मेलन में ''स्वाधीनता परवर्ती ओडिया व बांगला उपन्यास'' कागज प्रस्तुत किया
2. 25 अगस्त 2015 को साहित्य एकाडमी के सहयोग से सम्बलपुर यूनिवर्सिटी में आयोजित ''अनुवाद'' के राष्ट्रीय परिसंवाद में ''स्वाधीनता परवर्ती ओडिया अनुवाद'' शीर्षक कागज प्रस्तुत किया।

प्रमिला पाटुलिया

1. 27 मार्च 2016 – 27-28 मार्च 2016 के दौरान विश्व भारती के संस्कृत, पाली और प्रकृत विभाग द्वारा ''अश्वघोष

के साहित्य में बुद्ध का जीवन और शिक्षा'' पर राष्ट्रीय परिसंवाद आयोजन किया गया जिसमें ''ओडिया शॉर्ट स्टोरी–सरिपुता संस्कृत सरिपुता प्रकरण का परावर्तन है'' पुरस्कृत किया गया।

2. 28 मार्च 2016 – 28-29 मार्च 2016 के दौरान विश्व भारती के ओडिया विभाग में ''एकोबिन्सा शताब्दिरो ओडिया साहित्य श्रीशोक जातीओ आलोचनाचक्र'' पर राष्ट्रीय परिसंवाद कर आयोजन किया गया, जिसमें ''एकोबिन्सा शताब्दिरो मनोज पण्डाको गल्पेर नागरिक लोको संस्कृतिरो प्रभाव'' के लिए पुरस्कृत किया गया।

शरत् कुमार जेना

1. बहरमपुर, ओडिसा के कलिंग साहित्य समाज में ओडिसा साहित्य एकाडमी, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय परिसंवाद में ''स्वाधीनता परबर्ती गंजामरा गल्पो व गल्पिका'' कागज प्रस्तुत किया।
2. 8-9 नवम्बर 2015 के दौरान बरहमपुर यूनिवसिटी, गंजबिहार के इतिहास विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय परिसंवाद ''साहित्य के माध्यम से ओडिसा का मेधावी समाज और संस्कृति'' पर ''उच्चकोटि के साहित्य से बोलचाल तक'' नामक कागज प्रस्तुत किया।

रवीन्द्र कुमार दास

1. 27-28 मार्च 2016 के दौरान विश्व भारती के सेन्टर फॉर बुद्धिस्ट स्टडीज और संस्कृत, पाली और प्रकृत विभाग द्वारा आयोजित ''अश्वघोष साहित्य में बुद्ध का जीवन और शिक्षा'' के अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद में विजया मिश्रा संपादित ''अश्वघोष और ततनिरंजना द्वारा सौन्दर्यानन्दा के बीच एक तुलनात्मक अध्ययन'' कागज प्रस्तुत किया।
2. 10 मार्च से 12 मार्च 2016 के दौरान फकीर मोहन यूनिवर्सिटी बलालासो द्वारा आयोजित ''फकिया मोहनका आलोचिता एवं अनालोचिता दिगा'' के राष्ट्रीय परिसंवाद में ''प्रायोगिका सेलिबि ज्ञाना भित्तिरे फकीर मोहनका उपन्यास'' शीर्षक कागज प्रस्तुत किया।

इन्द्रामनी साहू

1. 27 मार्च से 28 मार्च 2016 के दौरान विश्व भारती के सेन्टर फॉर बुद्धिस्ट स्टडीज और संस्कृत, पाली और प्रकृत विभाग द्वारा आयोजित ''अश्वघोष साहित्य में बुद्ध का जीवन और शिक्षा'' पर अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद में ''अश्वघोषान्का बुद्ध चरिता एवं फकीर मोहनका बौद्ध अवतार
   काव्य – एक तुलनात्मक अध्ययन'' शीर्षक कागज प्रस्तुत किया।
2. 29-01-2016 को कथा कलिका, भुवनेश्वर द्वारा ''समकालीका ओडिया की छोटी कहानियों पर आयोजित एक दिवसीय परिसंवाद में ''पूजा विशेषांकेर युवा गल्पिका 2015'' कागज प्रस्तुत किया।

अनुसंधान योजना :–

विभाग में जारी अनुसंधान योजना

सेन्टर ऑफ एक्सिलेन्स

निर्देशक	–	प्रो० सविता प्रधान
समन्वयक	–	प्रो० मनोरंजन प्रधान
योजना का नाम	–	जातीय साहित्य और भाषा
सौजन्य एजेंसी	–	जातीय अफेअर मन्त्रालय, भारत सरकार
अनुमोदित मूल्य	–	₹ 2.93,00,000/-
योजना पूर्णाहुति का समय		3 वर्ष

विस्तारीकरण क्रिया कलाप सांस्कृतिक और अन्य क्रिया कलाप :–

1. डॉ० शरत् कुमार जेना और डॉ० प्रमिला प्रधान के संरक्षण में सिक्किम का विभागीय अध्ययन यात्रा।
2. विभाग के छात्रों राष्ट्रीय परिसंवाद में लिखित नाटक प्रस्तुत किया गया। निर्देशक – डॉ० शरत् कुमार जेना, संगीत निर्देशक – रवीन्द्र कुमार दास

शैक्षणिक श्रेष्ठता

1. बरहमपुर यूनिवर्सिटी से डी० लिट० का सम्मान

प्रकाशन

पुस्तक

सबिता प्रधान

1. नारीबदा व ओडिया कथा (संपादित) – अप्रैल 2015

(ii) पत्रिका

शरत् कुमार जेना

1. साहित्य (संपादक) : बरहमपुर, ओडिसा, अक्टूबर, 2015
2. अन्यत्रा (सम्पादकीय सभा-सभापति) - शान्तिनिकेतन, अक्टूबर 2015

अनुसंधान कागज -

कैलाश पटनायक

1. 'भला पैबारा अश्रान्ति कथा' : कान्हे उपन्यास, प्रतिवेसी, अक्टूबर 2015 कोलकाता, पृष्ठ 62-66।
2. क्लेडा व कमला, सहित मंथन : संपादक - मोहन्ती, भुवनेश्वर, पक्षीधारा प्रकाशनी, जनवरी 2016 पृष्ठ 71-75
3. स्वप्नारा कारीगर - सनारे सरोज, संपादक - अभिनन्दन व अन्य, भुवनेश्वर शब्द सरोज फाउन्डेशन, फरवरी 2016, पृष्ठ 49-52
4. ओडिसा में कविता संगीत परम्परा - निर्धारित विषय - भण्डारण कहावतों में पट्टा व विधि और स्वदेशी ज्ञान शैली, सेन्चूरिअन यूनिवर्सिटी, 2015, पृष्ठ 324-328।

सबिता प्रधान

1. समुद्धा ओडिया भाषा : वर्तमान व भविष्यत् – न्यास दीपिका, चतुर्थ संख्या, 2015, पी० जी विभाग, ओडिया, फकीर मोहन ऑटोनोमस कॉलेज, आई० एस० एस० एन० - 2395-6313
2. ऑडिसारा लोका नृत्या – बक्सी जगबन्धु विद्या थारा ऑटोनोमोनस कॉलेज, भुवनेश्वर, ओडिसा, 2015।
3. कवितारा भाषा - एका शैलितत्विका विचारा – झंकार, कट्टक, शारदीय संख्या 2015।
4. हास्य - व्यंग्य शिल्पी फटुरानन्द – फटुरानन्द परिक्रमा – संपादक – हास्य विकास केन्द्र, ओडिसा बुक एम्पोरियम, कट्टक, दिसम्बर 2015।
5. आस्तित्वादा : रामचन्द्रिया जीवन संग्राम – अन्यत्र सहित संख्या, ओडिया विभाग, 2015।
6. मिच्छा खुशी सता दुखारे दृष्टि कोना – सप्तर्षि, सप्तर्षि (अक्टूबर दिसम्बर) 2015, (आई० एस० एस० एन०) 0973-3264)
7. ब्रह्मानाकारी विश्वनाथ - कोनार्क ओडिसा साहित्य एकाडमी, जनवरी 2016।

मनोरंजन प्रधान

1. साहित्य प्रेमी विश्वनाथ – साहित्यगुरु बाग्मी विश्वनाथ कारा। (संपादित) विजयानन्दा सिंह और गोविन्द चन्द्रा, 2015।

2. फटुकारानन्दा व दगारा – कोनार्क, ओडिसा साहित्य एकाडेमी, नवम्बर, 2015।

3. साहित्य महाभारताकु जेतिकी बुझिली - साहित्य मंथन, जनवरी 2016।

प्रमिला पाटुलिया

1. 'ओडिसार कृषिभित्तिको लोको उत्सव, अभिजात्रिफारी-27,
   फॉक्लोर एडुकेशन एवं अनुसंधान जर्नल, पृष्ठ - 5-8,
   2016 (आई० एस० एस० एन० 2231-2862)
2. 'पश्चिमांचालिओ लोकोरुधिरो प्रगिको वैशिष्ठो – सप्तर्षि (अक्टूबर-दिसम्बर) 2015, पृष्ठ 66-67 (आई० एस० एस० एन० 0973-3264)

शरत् कुमार जेना

1. साहित्य बांध्बी : तपस्विनी व गीतांजली - झंकार - अप्रैल 2015।
2. प्रतिभा रयंका उपन्यासारे नारीबादी परिकल्पना - सप्तर्षि - प्रथम प्रकाशन, 2015।
3. सामाजिक समस्यामूलक नाटक क्रान्ति – एका आलोचना - नाटा नाट्य व नाट्याना, डॉ० जे० ननी देवाशीष मिश्रा, - सत्यनारायण बुक स्टोर, कट्टक, 2015।
4. 'नारीबाद – भारतीय प्रेक्ष्यापता – ओडिया कथा साहित्य : नारीबाद, प्रो० सविता प्रधान, मीता बुक्स, कट्टक।
5. प्रेमा व अध्यात्मारा अभिमिश्रा स्वरा, अमियबाला पटनायक काव्य विचार श्रीपर्णा - आधुनिका पूजा संस्करण 2015।
6. भारतारे लोका साहित्य संग्रहारा परम्परा व लोकरतन कुन्जाबिहार दास, पूजा संस्करण, 2015।
7. 'रवीन्द्रा आलोचानारा उर्धा उडान व अम्लान अवलोकन' – प्रतिबेसी–पूजा संस्करण 2015
8. 'कविसूर्याका चौपादी चर्चा – कविसूर्या स्मरानिका, कविसूर्यनगर, फरवरी 2015।

रवीन्द्र कुमार दास

''एका समटालिया द्रुष्टि सम्पता'' सच्ची रॉत्रैकां कविता का रोमांचक अवबोध–संपादित मनोरमा नायक, चिन्मय प्रकाशन, विनोद बिहारी, कट्टक 2015 (पृष्ठ 5-8) आई० एस० बी० एन० - 81-8118-053-।

2. 'नया इतिहासत्मक एवं विजया मिश्रांका –' तत्तानीरंजना–आलोचना एवं समालोचना - संपादक - रजनिता पात्र, 2015, प्रकाशक - किताब भवन, कट्टक (पृष्ठ 80-102) आई० एस० बी० एन० - 81-88630-82-0।
3. ''भुन्यन संगीत का लयबद्ध नमूना – सार्वभौमिका अध्ययन और भारतीय जातीय जीवन – संपादक संगीता शैक्या, लक्सी पब्लिशर्स ऐण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स नई दिल्ली, (पृष्ठ 232-238) आई० एस० बी० एन० - 978-93-82120-59-9।
4. ''ओडिसा वर्णमाला – एक समीक्षात्मक मूल्यान'' सौजन्य यू० जी० सी० नई दिल्ली, आयोजित –गवर्मेंट ऑटोनोमस कॉलेज, राउरकेला, (पृष्ठ 31-47)
5. ''केन्द्रीय चेतनारा तुलादान्दरे–''तपस्विनीरा सीता'' संपादक – डॉ० कुलामनी लैंका, 2016, पत्तामुन्दिया पुस्तक मेला सारस्वता समीति, प्रकाशक - पत्तामुन्दिया पुस्तक मेला कट्टक (पृष्ठ 1216)
6. ''विलियम ब्रुकशंका – ओडिया अंग्रेजी द्विभाषी शब्दकोष (1874) एका कोष कला स्तरीय विश्लेषण'' (पृष्ठ 1-6), दि स्वाभिमान जर्नल ऑफ साइन्स ऐण्ड लिटरेचर–एक बहुभाषी आलोचनात्मक नजर, त्रैमासिक, हाउस ऑफ स्वाभिमान, आई० एस० एस० एन० - 2320-1479।
7. ''प्रायोगिक शैलीविज्ञयनारा भित्तिरे – उत्कल बाह्मण काव्य (पृष्ठ 123-132)-, प्रकाशक श्रुजनि फकीर मोहन विशेषांक, 2015, ओडिया साहित्य समषद खैरा, बालासोर।
8. ''पण्डित मृत्युन्जया राथंका' मूलशब्दाबोधिकारा मौलिका तत्परया'' प्रकाशक – कोनार्क, त्रैमासिक सारस्वत मुख्य पत्र

(175 संस्करण, नवम्बर - दिसम्बर, जनवरी 2015) ओडिसा साहित्य एकाडमी, बी० बी० एस० आर० (पृष्ठ-92-99)।
9. ''आमघारा हलचल'' (पृष्ठ - 21-26) परिचय, पूजा संस्करण, बालासोर, 2015।

नये कोर्स का प्रयोजना –

विभाग के विस्तारीकरण और भविष्य के योजना का निर्देशन पर एक संक्षिप्त इतिहास। टिप्पणी –

विश्व भारती का ओडिया विभाग 1947 में ध्यान में लाया गया और पोस्ट-ग्रेजुएट के लिए 1951 में स्थापना की गई। देश में ओडिसा के बाहर ओडिया साहित्य और भाषा पर पोस्ट ग्रेजुएट के लिए यह एक मात्र विभाग है। यह अण्डर ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट एम० फील० और पी० एच० पी के लिए योजना प्रदान करता है। इसके अलावा यह सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स का भी प्रस्ताव रखता है। आरम्भ से ही यही उच्च कोटि के अनुसंधान और शिक्षा से सम्बन्धित कार्य को सुचारु रुप से चला रहा है।

विभाग द्वारा किया गया योजनाएँ –

(क) जातीय और ओडिसा के लोक-शिल्पकृतियों के प्रचलित संग्रहालय को बढ़ाना
(ख) रवीन्द्रनाथ टैगोर का अनुवाद
(ग) ओडिसा के जातीय लोक-शिक्षा अध्ययन के केन्द्र के लिए
(घ) ओडिसा के लोक-शिक्षा अध्ययन के केन्द्र के लिए।

अरबी, फारसी, उर्दू और इस्लामी अध्ययन का विभाग

1. 26-02-2016 को ''निजाम एन्डोमेन्टलेक्चर 2015। निजाम का धर्मदाय व्याख्यान'' शीर्षक परिसंवाद पर विभागीय परिसंवाद में ''इस्लाम का पुनर्रुत्थान और विश्व आदेश'' पर प्रो० एस० ए० एम० ने भाषण दिया।
2. सिर्फ राष्ट्रीय और उच्चकोटि के सम्मेलन। परिसंवाद। कार्यशाला। प्रदर्शनी इत्यादि।

मोहम्मद फेक

1. 16 मार्च 2015 को ''दि एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता में अरबी और पारसी विभाग कलकत्ता विश्वविद्यालय, द्वारा आयोजित ''परसो अरब विश्व और युगो के बीच भारत'' शीर्षक अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद में हिस्सा लिया और ''टैगोर और परसो अरब विश्व साहित्य'' शीर्षक अनुसंधान कागज प्रस्तुत किया।
2. 8-10 अक्टूबर 2015 के दौरान किरगिस्तान में ''21वीं सदी के मध्य एशिया में विस्तार और आलोक'' विषय अन्तर्राष्ट्रीय सभा में हिस्सा लिया और अन्तर्राष्ट्रीय अटाटुर्क अलतू यूनिवर्सिटी में ''अपराज, राष्ट्रीयता और किरगिस्तान में आलोक ''शीर्षक अनुसंधान कागज प्रस्तुत किया।
3. 21-25 नवम्बर 2015 के दौरान नई दिल्ली में आयोजित ''फारसी भाषा'' के कार्यशाला में सी० बी० एस० ई० यू० जी० सी० - नेट के दक्ष अधिकारी के रुप में हिस्सा लिया।
4. 26-28 दिसम्बर 2015 के दौरान पटना यूनिवर्सिटी में आयोजित '' XXXIV सम्पूर्ण भारत फारसी शिक्षक सम्मेलन (अन्तर्राष्ट्रीय सत्र) में हिस्सा लिया और एम एफ गुलेन के विचार और प्रथा पर सूफी वादी और रुमी के चमत्कार पर समघात'' पर एक अनुसंधान कागज प्रस्तुत किया।

वसिफ अहमद

परिसंवाद / सम्मेलन (हिस्सा / अनुसंधान कागज प्रस्तुति) –

1. 26 से 28 दिसम्बर 2015 के दौरान पटना यूनिवर्सिटी के फारसी विभाग में आयोजित ए० आई० पी० टी० सी० के अन्तर्राष्ट्रीय सत्र में ''सादिक हेदायत – आधुनिक ईरान के छोटी कहानियों का चर्चित लेखक ''शीर्षक अनुसंधान कागज प्रस्तुत किया।

अतिकुर रहमान

1. 30-31 मार्च 2016 के दौरान मौलाना अबुल कलाम आजाद इस्टिट्यूट ऑफ एशियन स्टडीज के ''नेहरु, आजाद और परसो अरब विश्व'' विषय के सहयोग कोलकाता विश्व विद्यालय के अरबी और फारसी विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद में ''शिक्षा और सांस्कृतिक सम्बन्ध पर मौलाना अबुल कलाम आजाद'' (अंग्रेजी) शीर्षक पत्र प्रस्तुत किया।
2. 2 से 4 मार्च 2016 के दौरान अलीगढ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़ द्वारा आयोजित ''स्पिरिचुअल एसेन्स ऐण्ड पर्सियन पोएट्री इन इण्डियन सब कॉन्टिनेन्ट'' पर तीन दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद में ''भारत में सूफी और सूफीवादी आदेश'' शीर्षक पत्र प्रस्तुत किया।
3. विभाग द्वारा चल रहे अनुसंधान योजनाएँ :–

   1) शिक्षक का नाम - प्रो० एन० ए० खान

   (अ) शिक्षक तरानहा-ए-टैगोर'' टैगोर के संगीत का अनुवाद

2. शिक्षक का नाम – डॉ० मोहम्मद फेक

   (अ) शिक्षा में नीतिशास्त्र-सम्बन्धी आचरण का महत्व

(ब) रुमी का अध्यात्मक विद्या : सच्चाई की ओर राह

4. अप्रैल 2015 से मार्च 2016 के मध्य प्रकाशन

निआज अहमद खान

पुस्तकें

1. रवीन्द्रनाथ टैगोर रचित ''विश्व परिचय'' का अनुवादित'' सीमा -ए-जहान'' शीर्षक पुस्तक प्रकाशित किया, आई० एस० बी० एन० 978-93-85294-13-6- प्रकाशक - रोजवर्ड बुक पब्लिकेशन, नई दिल्ली - 110025

साहित्यिक लेख

''टैगोर और ईरान सूफी कवियों के बीच दार्शनिक समानता'' राष्ट्रीय अनुवाद मिशन, मैसूर द्वारा प्रकाशित, अनुवाद आज में प्रकाशित, पृष्ठ संख्या 77-92 वर्ष 2015 (आई० एस० एस० एन० - 0972-8740)

मोहम्मद फेक

''अन्तर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक जर्नल'' में प्रकाशित ''किरगिस्तान में अपराध, राष्ट्रपिता और इसका आलोक'' वॉल्यूम 3, 2015, अटाटुर्क अलातू विश्वविद्यालय का एक प्रकाशन, विश्केक, किरगिस्तान, अलातू एकाडमी स्टडीज आई० एस० एस० एन० - 1694 - 52639999

वसिफ अहमद

1. ईरान समाज के त्रैमासिक जर्नल में ''पॉल जैक्सन का अनुवाद ''सौ पात्र''–फारसी सूफी साहिल मे एक श्रेष्ठ योग'' पत्र प्रस्तुत किया ''इण्डो ईरानिका'', आई० एस० एस० एन० 0378-0856 (वॉल्यूम 66, 1-4 - प्रकाशन तिथि 1-06-2015 ईरान समाज, 12, डॉ० एम० ईशाक रोड, (किड स्ट्रीट) कोलकाता-700 016।
2. कश्मीर के ''दानिश'' यूनिवर्सिटी के अनुसंधान जर्नल में'' ''पर्सियन शॉर्ट स्टोरीज – एक साहित्यिक रीनेसेन्स'', आई0 एस0 एस0 एन: 0975-6566 वॉल्यूम 32, 2015, फारसी का पोस्ट ग्रेजुएट विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर - 190006)
3. 2015 में रॉयल पब्लिशर्स ऐण्ड डिस्ट्रिब्यूटर्स, 1784, क्ला महल, दरया गंज नई दिल्ली-110002, द्वारा प्रकाशित ''अविनाशी फारसी कवियों की बुद्धिमता और विचार'' पुस्तक में छपी ''ओमेर ख्यामकीरुवियात और उसका दर्शन शास्त्र'' शीर्षक अनुसंधान पत्र प्रस्तुत किया। – आई० एस० एस० एन० - 81-7547-086-2।
4. अगस्त 2015 में ''इण्टरनेशल रेकोगनिशन मल्टीडिसप्लिनरी रीसर्च जर्नल में ''इण्डियन रीसर्च जर्नल'' आई० एस० एस० एन 2230-7850, वॉल्यूम V संस्करण VII शीर्षक अनुसंधान जर्नल पर ''बीसवीं सदी तेज-तर्रार विद्वान और आधुनिक मासका एक महान राजनीतिज्ञ : मौलाना अबुल कलाम आजाद'' शीर्षक पत्र प्रस्तुत किया। – इम्पैक्ट फैक्टर 3, 1560 (यू० आई० एफ०) डी० ओ० आई प्रीफिक्स 10.9780/2207850, लक्ष्मी प्रकाशन, महाराष्ट्र
5. सितम्बर 2015 में लक्ष्मी पब्लिकेशन, महाराष्ट्र द्वारा प्रकाशित ''भारत में अपराध अनुसंधान''–आई० एस० एस० एन० - 2231-2137, वॉल्यूम-5, फैक्टर : 0.815 (जी० आई० 000एफ०) के तीसरे संस्करण के बहुअनुशासित अन्तर्राष्ट्रीय अनुसंधान सावधानी पूर्वक सक्षीमा पर ''फारसी की छोटी कहानियों में ईरान की महिलाओं का समाज में चित्रण'' शीर्षक अनुसंधान कागज प्रस्तुत किया।
6. सितम्बर 2015 में लक्ष्मी पब्लिकेशन, महाराष्ट्र द्वारा प्रकाशित ''भारत में अपराध, अनुसंधान'' शीर्षक, आई० एस० एस० एन० 2231-2137, वॉल्यूम 5, इम्पैक्ट फैक्टर : 0.815 (जी० आई० एफ०) के तीसरे संस्करण के बहुअनुशासित अन्तर्राष्ट्रीय अनुसंधान के समीक्षा पर ''इस्मात धुधताई के उर्दू, छोटी कहानियों 21वी सदी के भारतीय समाज में समाजिक-राजनीति और सांस्कृतिक जीवन'' शीर्षक अनुसंधान पत्र प्रस्तुत किया।

7. नवम्बर 2015 में लक्ष्मी पब्लिकेशन, महाराष्ट्र द्वारा प्रकाशित ''इण्डियन स्ट्रीम्स रिसर्च जर्नल'' आई० एस० एस० एन० 2230-7850, वॉल्यूम भी, इम्पैक्ट फैक्टर- 3, 1560 (यू० आई० एफ०) डी० ओ० आई० प्रीफिक्स 10.9780/ 22307850 के तीसरे संस्करण के अन्तर्राष्ट्रीय बहुअनुशासित अनुसंधान के मान्यता पर ''सादिक हेदायत : आधुनिक ईरान के छोटी कहानियों के फारसी श्रेष्ठ लेखक'' शीर्षक कागज प्रस्तुत किया।
8. दिसम्बर 2015 में लक्ष्मी पब्लिकेशन, महाराष्ट्र द्वारा प्रकाशित ''भारत में अपराध अनुसंधान'', आई० एस० एस० एन० 2231-2137 वॉल्यूम ई के चौथे संस्करण के अन्तर्राष्ट्रीय अनुसंधान जर्नल के बहुअनुशासित समीक्षा पर ''हेजाजी : आधुनिक ईरान का अग्रसर उपन्यासकार'' शीर्षक कागज प्रस्तुत किया।
9. जनवरी 2016 में लक्ष्मी पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित ''अनुसंधान का समीक्षा'' आई० एस० एस० एन० : 2249-894 एक्स, इम्पैक्ट फैक्टर : 3.1402 (यू० आई० एफ०) के चौथे संस्करण के अन्तर्राष्ट्रीय अनुसंधान जर्नल की मान्यता पर ''ईरान में आधुनिक फारसी छोटी कहानियों योगदान में जमाल जदाह ''शीर्षक अनुसंधान पत्र प्रकाशित किया।

अतिकुर रहमान :

1. फरवरी 2016 में एच० एन० जगतप संपादित ''साहित्य में भारतीय महिलाएँ और भारतीय पुनर्जन्म, - अन्तर्राष्ट्रीय बहु अनुशासित अनुसंधान जर्नल प्रस्तुत किया।
2. डॉ० मोहम्मद शहीर सिद्धिकी और सुमकर घोष द्वारा संपादित ''इकोनीक कलाम''–डॉ० कलाम के एक विशेष पुस्तक ''ए० पी० जे० अब्दुल कलाम : ''उमरता हुआ भारत का एक प्रतिरुप''– पृष्ठ 06-15) (आई० एस० बी० एन० : 9789385502224) – प्रकाशक नई दिल्ली पब्लिशर्स, नई दिल्ली।
3. डॉ० मोहम्मद शाहीर संपादित ''डेवेलपमेन्ट ऑफ सूफिज इन इण्डिया ऐण्ड इट्स कन्ट्रिब्यूशन''– (अंग्रेजी)-सूफीवादी और भारतीय आध्यात्मिक परम्परा (एक शैक्षणिक, पृष्ठ संख्या 15-25 (आई० एस० बी० एन० : 978-81-85503-06-0, विश्व भारती पश्चिम बंगाल के शैक्षणिक विभाग का एक परिसंवाद पुस्तक, प्रकाशक – नई दिल्ली पब्लिशर्स नई दिल्ली।
4. 2015 में इस्टिट्यूट ऑफ परसियन रिसर्च, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़ द्वारा प्रकाशित ''दिल्ली सल्तनत के दौरान भारत-फारसी सरकारी, इतिहास'' ''(अंग्रेजी)– ''फारसी लेखन में संदर्भ और अभिप्राय, इतिहास के महत्वपूर्ण स्तोत्र के रुप में'' पृष्ठ संख्या 61-72।
5. ''मौलाना काजी सज्जाद हुसैन : आहवाल-ओ-असार (उर्दू) अरबी गैजेट, अन्तर्राष्ट्रीय वार्षिक उर्दू जर्नल, वॉल्यूम 6, प्रकाशक - अदिला पब्लिकेशन, मनु नाथ भंजन, यू० पी० 2015, पृष्ठ 152-155।

भविष्य में भवन / सदन / बिभाग के विकास के लिए दिए गए निर्देशनों का संक्षिप्त नोट :– गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर को विभिन्न स्ट्रिमों के सोच और विचार के संगम को एक छत के नीचे रखने की तीव्र इच्छा थी और उन्होंने हैदराबाद के निजाम मीर उथमान अली खान (जिन्होंने) इसे प्रियलक्ष्य समझकर आगे बढ़ा) के द्वारा दिए गए दान से सन् 1927 में अरबी, फारसी, परसियन, उर्दू और इस्लामिक अध्ययन के विभाग की स्थापना की। विभिन्न धार्मिक विचारों के बीच पहुँच की विस्तृत कार्य की ओर और विभिन्न विद्यालयों के बीच बढ़िया समझ कर एवं गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर के इच्छित लक्ष्य को समझते हुए इस्लामिक अध्ययन के विभाग ने एक अनुसंधान विभाग की ओर बढ़े। अरबी, परसिंयन, उर्दू और इस्लामिक अध्ययन विभाग को पूर्ण पक्षयुक्त करने के लिए कम समय में और भी कोर्सो को कराने की व्यवस्था की गई।

भारतीय-तिब्बत अध्ययन विभाग

उचित प्रकृति के साथ विश्व-भारती भारतीय-तिब्बत अध्ययन और बौद्ध का अग्रग्रामित अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र बन गया। शांति निकेतन में 70 प्रसिद्ध तिब्बतीय और बौद्ध विद्वान (जॉन रेनॉल्ड, मार्टिन बुर्ड, केथ डोमैन और जेम्स लो आदि) ने मौलिक अनुसंधान किया। 2003 में इस विभाग ने अपना स्वर्ण जयन्ती मनाया जिसका आरम्भिक सम्बन्धी उनका धर्म गुरु xiv दलाई लामा ने किया। इसी साल डॉ० नरेन्द्र नाथ दास विभाग का अधिकारी) ने बौद्ध अध्ययन केन्द्र स्थापन के लिए यूनिवर्सिटी ग्रैंट कमिशन प्रस्ताविक किया, जो 2005 में पारित हुआ।

डॉ० प्रबोध चन्द्रा बागची द्वारा भारतीय-तिब्बत अध्ययन बाह्य पदार्थ विषय पर ध्यान दिया गया जो निम्न है –

1. भारतीय-तिब्बत सांस्कृतिक सम्बन्ध युग को शैली अध्ययन और निरीक्षण को बढ़ाना।
2. सामान्य तिब्बत संस्कृति और तिब्बत - बौद्ध विशिष्ट अध्ययन का प्रबन्ध करना।
3. संरक्षित संस्कृत पाठ्य-पुस्तकों का तिब्बत में अनुवाद।
4. तिब्बत के पाठ्य का भारतीय और विदेशी भाषाओं में अनुवादित पुस्तकों की उपलब्धता।
5. भारतीय-तिब्बत अनुसंधान प्रबन्ध के लिए भारत और विदेश में अनुसंधान के लिए लोगों को लगाना।
6. इस विभाग के सदस्य और छात्रों द्वारा अध्ययन और अनुसंधान के परिणाम पर एक विशेष पुस्तक प्रकाशित करना।
7. तिब्बत विद्वानों को संस्कृत, पाली पाठ्य का और संस्कृत के विद्वानों को तिब्बत पाठ्य अध्ययन में दक्ष करना।
8. लपबद्ध और आधुनिक तिब्बत भाषा के कोर्स का कुशलता के प्रमाण को डिप्लोमा कोर्स तक बढ़ाना।
9. तिब्बत-भारतीय अध्ययन क्षेत्र से सम्बन्धित एक अनुसंधान पुस्तकालय और संग्रहालय की स्थापना करना।

इस तरीके से तिब्बत स्रोत पदार्थो से लुप्त भारतीय संस्कृति की परिपूर्णता की है।

2. यू० जी० सी० / सी०एस० आई० आर०/ नेट/एस० एल० ई० टी० और गेट की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों के नाम –
   नेट : (01)
   विशेषाधिकार सदस्यों की नियुक्ति :–

1. डॉ० आनन्दमयी घोष 15-05-2014 से 14-05-2015 तक भारतीय-तिब्बत अध्ययन (डब्लू० ई० एफ०) में विजिटिंग प्रोफेसर के रुप में नियुक्त किया गया।
2. डॉ० मनोतोष मण्डल को अतिथि विशेषाधिकारी के रुप में (डब्लू ई0 एफ0) 11-02-2016 को नियुक्त किया गया।
   अप्रैल 2015 से मार्च 2016 के बीच अयोजित परिसंवाद / कार्यशाला / सम्मेलन में उपस्थित किया गया –

संजीव कुमार दास

1. रामकृष्ण मिशन, गोल पार्क कोलकाता द्वारा 29-31 दिसम्बर के दौरान ''वर्ल्ड थिंकर ऐण्ड राइटस् पीस मीट'' (विश्व के विचारक और लेखको का शान्ति मिलन'' विषय पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद में न्याय और जिम्मेदारी : एक बौद्ध स्वरुप ''कागज जमा किया एवं प्रस्तुत किया।
2. 27-28 मार्च 2016 के दौरान बौर्द्ध अध्ययन केन्द्र द्वारा ''अश्वघोष में बुद्ध का जीवन और शिक्षा'' विषय पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद में हिस्सा लिया एवं ''अश्वघोष का जीवन और कार्य: तिब्बत स्रोत पर आधारित'' कागज प्रस्तुत किया।

प्रकृति चक्रवर्ती :-

1. 3-4 मार्च 2016 के दौरान पाली विभाग यूनिवर्सिटी ऑफ कोलकाता द्वारा ''आरुढ़ बौद्ध : जीवन चर्चा में बौद्ध'' विषय पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''ग्लोबल इश्यू में दलाई लामा ''कागज प्रस्तुत किया।

शेदुप तेन्जिन

1. 3-4 मार्च 2016 के दौरान कोलकाता यूनिवर्सिटी के पाली विभाग द्वारा ''आरुढ बौद्ध : दिनचर्या में बौद्ध विषय पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''न्युगंने (म्युंग नैस) : तिब्बत बौद्धों में अनाहार और शान्त पद्धति'' कागज प्रस्तुत किया।
2. सोनम जैंग्पो
1. 3-4 मार्च 2016 दौरान कोलकाता विश्वविद्यालय के पाली विभाग द्वारा नैनो विज्ञान और नैनों प्राद्योगिक, टीडी -2 साल्ट लेक सिटी में ''आरुढ़ बौद्ध : रोजमर्रा में बौद्ध'' विषय पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''तिब्बतों के रोजमर्रा में बौद्ध और मंत्रों एवं धाराओं का महत्व पत्र प्रस्तुत किया।
2. 11-14 जुलाई 2013 के दौरान ''सेन्ट्रल इन्स्टिट्यूट ऑफ बुद्धिस्ट स्टडीज, चोग्लामसार, लेह-लद्दाख (जम्मू-काश्मीर) द्वारा ''विशेष विचार : साक्या परम्परा का ध्यान और अनुशासन'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय परिसंवाद में ''साक्यपा शासनकाल (13वीं-14वीं शताब्दी) के कुछ प्रधान विद्वान एवं लोटसावा : सक्षिप्त व्यतित्व एवं कृतित्व ''कागज प्रस्तुत किया।

   अप्रैल 2015 से मार्च 2016 के दौरान प्रकाशित।

संजीव कुमार दास

1. ''बुद्धिस्ट स्टडीज : एक आलोकित अंश'' –संपादक – संजीव कुमार दास, प्रकाशक – बुद्धिस्ट वर्ल्ड प्रेस, नई दिल्ली - 110052, 2016 आई० एस० बी० एन० : 9789380852546।
2. ''भिखूनी संघ और मण्डली :– संपादक - संजीव कुमार दास, प्रकाशक - बुद्धिस्ट वर्ल्ड प्रेस - दिल्ली - 110052, 2016, आई० एस० बी० एन० 97893808525
3. ''दि टार्च बीअरर'' संपादक - संजीव कुमार दास, इण्डो - तिब्बतन स्टडीज विभाग, विश्व भारती, शान्ति निकेतन, 2015, आई० एस० बी० एन० 978-81-931502-2-1
4. ''दि आईज् ऑफ दि वर्ल्ड (विश्व की आँखे)'' संपादक - संजीव कुमार दास, भारतीय-तिब्बतन स्टडीज, विश्व भारती, शान्ति निकेतन, 2015, आई० एस० बी० एन० : 978-81-931502-8-3।

प्रकृति चक्रवर्ती

''साक्याज इन बुद्धिस्ट थॉट (बौद्ध विचार में साक्या), बुद्धिस्ट वर्ल्ड प्रेस, दिल्ली - 110052, 2016, आई० एस० बी० एन० : 978 9380852553

(ब) जर्नल में साहित्य लेख

संजीव कुमार दास

1. ''आठगुना उपन्यास पाठ की योग्यता और महत्व'' नालन्दा (बुद्धिज्म ऐण्ड इण्डियन कल्चरर जर्नल), संपादक - भिखू सुमन पाल, 2015, आई0 एस0 एस0 एन0 - 2320-7264, रेजिस्ट्रेसन नं0 1832/70
2. ''पद्धति में बौद्ध'' नालन्दा (बुद्धिज्म ऐण्ड इण्डियन कल्चरर जर्नल) संपादक - भिखू सुमनपाल, 2015, आई० एस० एस० एन - 2320-7264, रेजिस्ट्रेसन नं० 1832/70।
3. ''भवककरा का महत्व – बौद्ध का स्वरुप'' धर्मदूत (भुलगंधा कुटि, विहार के 84वाँ वर्षगाँठ पर विशेष वॉल्युम), संपादक - प्रो० विमलेन्द्र कुमार, बनारस : महाबोद्धि सोसाइटी ऑफ इण्डिया, सारनाथ, 2015, आई० एस० एस० एन : 2347-3428/
4. ''कन्सेप्ट ऑफ फोर नोबेल टूथ (चार उपन्यासों के सच्चाई की संकलपना) महाबोधि, वॉल्यूम-122, संपादक- प्रो०

सुभाष चन्द्र साहा कोलकाता महाबोधि इण्टरनेशनल पब्लिकेशन ऐण्ड मीडिया डिविजन, श्री धर्मरजिका चैत्या विहारा, 2015, आई० एस० एल० एन० : 0025-0406।

सोनम जैंग्पो

'' लद्दाख में बौद्ध सन्यासिनी और सन्यासिनियों की कुटी : बौद्ध अपराध के संदर्भ में'' नालन्दा (बुद्धिज्म ऐण्ड इण्डियन कल्चरर जर्नल-संपादक - भिखू सुमन पाल, 2015, आई० एस० एस० एन० : 2320 7264, रेजिस्ट्रेशन नं० 1832/70।

''पाठ का तीन प्रधान रुप (वाइल लेम जट्सो नम सम) : तिब्बती-साहित्य और बौद्ध की पद्धति और महत्व'', नालन्दा बुद्धिज्म् ऐण्ड इण्डियन कल्चर जर्नल), संपादक-भिखू सुमन पाल, 2015, आई० एस० एस० एन० - 2320-7264, रेजिस्ट्रेशन नं० 1832/70।

नॉर्बू ज्याल्टसेन नेगी

1. प्रग्यापरमित? एक अध्ययन ''नालन्दा (नालन्दा बुद्धिज्म इण्डियन कल्चर जर्नल) वॉल्यूम एल, संपादक - सुमन पाल भिखू, कोलकाता 2015, आई० एस० एस० एन० 2320-7264 /
2. ''बुद्ध धर्म में मनो बिजनान का महत्व'' नालन्दा (नालन्दा बुद्धिज्मं ऐण्ड कल्चर जर्नल), वॉल्यूम एल, संपादक सुमन पाल भिखू, कोलकाता, 2015, आई० एस० एस० एन० 2320 7264 /

C. पुस्तक अध्याय में साहित्य लेख

संजीव कुमार दास

1. ''अधिकार एवं दायित्व - बुद्धा परिप्रेक्ष में ''भोतावनी, वॉल्यूम 2.15 संपादक जम्पा दावा, धर्मशाला, लाइब्रेरी ऑफ तिब्बतन वर्क्स ऐण्ड आर्चिव्स् 2015।
2. ''दो सच्चाइयों का पूर्वधान का कथन – प्रेजेन्टेशन ऑफ टू टूथ – एक अध्ययन'' बुद्ध अध्ययन : एक आलोकित अंश, संपादक - संजीव कुमार दास, दिल्ली बुद्धिस्ट वर्ल्ड, प्रेस, 2016, आई० एस० बी० एन० 97893808 52560
3. भिखूनी संघा : आलोचना और विपरीत आलोचना का परिणाम'', भिखू संघ ऐण्ड कम्युनिटी, संपादक - संजीव कुमार दास, दिल्ली, बुद्धिस्ट वर्ल्ड प्रेस, 2016, आई० एस० बी० एन० 9789380852560 /

सोनम जैंग्पो

''लद्दाख क्षेत्र से परम पवन : 14वीं दलाई लामा जी का अध्यात्मिक सम्बन्ध'' मोतावानी वॉल्यूम 2.1, संपादक - जम्पा दावा धर्मशाला : लाइब्रेरी ऑफ तिब्बतन वर्क्स ऐण्ड अर्चिव, 2015।

नॉर्बु ज्याल्टसेन नेगी

1. किन्नार, लाहौल और स्थिति में भिखू संघ का उद्गम और विकास'' भिखू ऐण्ड कम्युनिटी, संपादक - संजीव कुमार दास, दिल्ली : बुद्धिस्ट वर्ल्ड प्रेस, 2016, आई0 एस0 बी0 एन0 9789 38085 2560।
2. ''बौद्ध धर्म और संस्कृति के धरोहर स्थिति : एक परिचय'' वुद्धिस्ट स्टडीज : एक आलोकिक अंश, संपादक - संजीव कुमार दास, दिल्ली : बुद्धिस्ट वर्ल्ड प्रेस, 2016 आई० एस० बी० एन० 9789380852560।
3. ''भौतिवादा का प्रतिस्पर्द्धा युग में बौद्ध धर्म की प्रसंगिता'' भोतावानी वॉल्यूम 2.1-2.1, संपादक - जम्पा दावा, धर्मशाला, लाइब्रेरी ऑफ तिब्बतन ऐण्ड अर्चिव, 2015।

विशेष व्याख्यान

संजीव कुमार दास

1. 3-5 मार्च 2016 के दौरान सेन्ट्रल इन्स्टिट्यूट ऑफ हिमालयन स्टडीज, दहुंग, अरुणाचंल प्रदेश द्वारा आयोजित विशेष व्याख्यान '' बौद्धो द्वारा स्वार्थीपन की पहचान और उसकी सिद्धि'' पर व्याख्या दिया।

2. 3-5 मार्च के दौरान सेन्ट्रल इस्टिट्यूट ऑफ हिमालयन स्टडीज, दहुंग, अरुणाचंल प्रदेश द्वारा ''बौद्ध शिक्षा का राजनीति और इसका प्रभाव'' के विशेष व्याख्यान पर व्याख्या दिया।
3. 29-31 मार्च 2016 के दौरान सेन्ट्रल इस्टिट्यूट ऑफ बुद्धिस्ट स्टडीज, विश्व भारती, शान्ति निकेतन द्वारा आयोजित ''दि फोर फोल्ड इमेजेरेबल'' पर विशेष व्याख्यान में व्याख्या दिया।

नये कोर्सो की परिकल्पना / अध्ययन सूची

1. भारतीय-तिब्बतन के क्षेत्र में छात्रों को दक्ष बनाने के लिए चिकित्सा सम्बन्धी कोर्स भी चलाया जा रहा है।
2. यू० जी० और पी० जी० कोर्स के सिलेब्बस को संशोधन किया गया।

A. विभाग के विकास पर एक संक्षिप्त चरित्रवर्णन / इतिहास –

1. एक वर्ष से छात्रों ने अपने अध्ययन के परिश्रम का कुछ विकास दर्शा रहे हैं। लेकिन अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर शैक्षणिक विभाग को लाने के लिए और प्रयास किया गया है। इसी दौरान कठिन प्रयास के बिना अधिक नम्बर लाने के पटे छात्रों को सूचित किया गया है।
2. लाइब्रेरी के सहायक को लाइब्रेरी के परिसंवाद संचालित करने के लिए अच्छे संगठित अनुसंधान और अध्ययन केन्द्र चलाना होगा।
3. उच्च कोटि के शिक्षण और अध्ययन के लिए सामयिक अतिशयोक्ति और उचित उपस्थिति और योग्यता पर विशेष ध्यान देना होगा।
4. जल्द ही कैम्पस की नियमित सफाई, बागबानी, रदी मैनेजमेंट के लिए कर्मचारियों की नियुक्ति होगी। इसी दौरान अध्यापकगण कर्मचारी और छात्रों के निरीक्षण का सदृश होगा।

   विस्तार से विभाग और विभागीय पुस्तकालय का पार्टिकुलर विभाग

विभाग

मार्च 2010 में प्रो० विशेश्वर भट्टाचार्य के नीजि मकान जो कि विश्व भारती को अनुदान के रुप में दिया गया है, भाषा-भवन का नया मकान बनाने और उसमें विभाग को स्थान्तरित करने का योजना बनाया गया था। इस मकान सात कमरे और दो बाथ रुम हैं लेकिन महिला एवं पुरुष के लिए अलग-अलग नहीं।

संथाली विभाग

विभागीय परिसंवाद (वक्ता, परिसंवाद का शीर्षक, तारीख।

i. 3 अक्टूबर 2015 को यू० एन० माझी (सामाजिक प्रबल कार्यान्वयन यूनियन करने वाला, बी० बी० एस० और, ओड़िसा) ने संथाल संस्कृति पर एक विशेष व्याख्यान किया।

ii. 3 अक्टूबर 2015 को लक्ष्मण मंदी (गुरु, सोनोट गुरु, अखरा, बी० बी० एस० आर०, ओडिसा) द्वारा संथाली शासेक्ति पर व्याखान किया।

iii. 29 मार्च 2016 को कृष्टोफर एम० (शैली विश्लेषक कैल्ट स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटिज यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद) ने संथाली बहुभाषी पर व्याख्यान किया।

सिर्फ, अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय उच्चकोटि का परिसंवाद / सम्मेलन / कार्यशाला / प्रदशनी इत्यादि में शिक्षकगण और अनुसंधान विद्वानों उपस्थिति –

सनत हांस्दा

i. 6 से 8 नवम्बर 2015 के दौरान सर्वभारतीय लेखक एशोसिएशन झारग्राम (पं० बं०) के 28वाँ वार्षिक सम्मेलन में ''संथाली शिक्षा की समस्या'' कागज प्रस्तुत किया।

ii. 16 दिसम्बर को राष्ट्रीय पुस्तक संस्थान (मिनिस्ट्री ऑफ ह्यूमैन रीसोर्स डेवेलपमेन्ट, भारत सरकार, और बर्दवान यूनिवर्सिटी द्वारा बर्दवान महाविद्यालय के बंगला विभाग में आयोजित ''संथाल भाषा और जातीय विकास योजना को पूर्ण रुप में लाना) पर राष्ट्रीय परिसंवाद में ''संथाली एक प्राचीन साहित्य'' शीर्षक कागज प्रस्तुत किया।

धनेश्वर माँझी

i. 9-11 मई के दौरान ईस्टर्न जोनल कल्चरर सेन्टर ऐण्ड सेन्थोपोलोजिकल सर्वे ऑफ इण्डिया के सहयोग से दि क्राफ्ट कॉसिंल ऑफ बंगाल के द्वारा आयोजित ''कारा उत्सव'' में भाग लिया।

ii. 10 से 14 अगस्त 2015 के दौरान एन० सी० आर० टी० नई दिल्ली में ''हिन्दी-संथाली छात्र शब्दकोष'' के विकासशीलता में विकास कार्यशाला में हिस्सा लिया।

दुखिया मुर्मु

i. 14 सितम्बर 2015 को भाषा-भवन, विश्व भारती के हिन्दी विभाग में राजभाषा हिन्दी / दिवस समारोह एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी के सहयोग से आयोजित ''राजभाषा हिन्दी एवं प्रादेशिक भाषाएँ'' राष्ट्रीय परिसंवाद में कागज प्रस्तुत किया।

ii. 16 दिसम्बर को राष्ट्रीय पुस्तक संस्थान (मिनिस्ट्री ऑफ ह्यूमैन रीसोर्स डेवेलपमेन्ट भारत सरकार) और बर्दवान यूनिवर्सिटी द्वारा बर्दवान महाविद्यालय के बंगला विभाग में आयोजित ''संथाल भाषा और जातीय विकास योजना को पूर्ण रुप में लाना'' के राष्ट्रीय परिसंवाद में कागज प्रस्तुत किया।

मन्साराम मुर्मु

i. 22 फरवरी 2016 को विश्व भारती, शान्ति निकेतन (पं० बं०) के विद्या-भवन सम्मेलन हॉल में आयोजित ''एक दार्शनिक सोच और थवालुवास'' के राष्ट्रीय परिसंवाद (तमिल और मराठी भाषा यूनिट) में कागज प्रस्तुत किया।

ii. 8 मार्च 2016 को खेजुरडांगा गाँव (जाहरेगढ़ कैम्पस में) भाग लिए छात्रों के बीच एन० एस० एस० गाँव प्रयोजना में जातीय जीवन शैली और उनका भगवान में विश्वास पर व्याख्यान किया।

iii. प्रकाशित साहित्य लेख –जनवरी 2016 में ''फागुन चादो वहा'' शीर्षक साहित्यिक लेख में मैं अपना साहित्यिक लेख ''उमुल पत्रिका, वॉल्यूम-14, नं० 1) प्रकाशित किया।

तपन सोरेन

राष्ट्रीय परिसंवाद

i. 17 दिसम्बर 2015 को बर्दवान यूनिवर्सिटी के बंगला विभाग में राष्ट्रीय पुस्तक संस्थान, भारत (मिनिस्ट्री ऑफ ह्यूमैन रीसोर्स, डेवेलपमेन्ट, भारत सरकार। और बर्दवान यूनिवर्सिटी के द्वारा आयोजित ''संथाली सामाजिक स्थिति अब पश्चिम बंगाल में जातीय विकास योजना) पर राष्ट्रीय परिसंवाद में कागज प्रस्तुत किया।

ii. 22 फरवरी 2016 को विश्व भारती के विद्या भवन में तमिल और मराठी भाषा इकाई द्वारा ''थिरुकुरल'' पर राष्ट्रीय परिसंवाद में ''थिरुकुरल पर राष्ट्रीय परिसंवाद, में ''थिरुकुलर दार्शनिक विचार'' शीर्षक कागज प्रस्तुत किया।

रामू हेम्ब्रुम

i. 16-17 जनवरी, 2016 के दौरान क्रॉसरोड ऑफ कल्चर सोसाइटी में प्रतियोगिता मूलक साहित्य केन्द्र, भाषा-भवन विश्वभारती, आई० सी० एस० एस० आर०, सी० आई० आई० एल०, यू० जी० सी०, सी० एल० ए० आई० और रवीन्द्र भवन, विश्वभारती, शान्ति निकेतन द्वारा ''सन्थाली भाषा और लिपि'' उत्सव पर ''प्रतियोगिता मूलक'' के अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद में कागज प्रस्तुत किया।

ii. 24 से 26 सितम्बर 2015 के दौरान एस.के.एम.कॉलेज, पाकुर, झारखण्ड में आई सी एस एस आर, नई दिल्ली के सौजन्य से पश्चिम बंगाल के विद्या-सागर यूनिवर्सिटी के संथाली संस्कृति एकत्रित हो' पर आयोजित राष्ट्रीय परिसंवाद में कागज प्रस्तुत किया।

विभाग द्वारा चलाए जा रहे अनुसंधान और योजनाएँ :–

i. शिक्षक का नाम – श्रीमान् सनत हंसदा (पी आई)

ii. डॉ० धनेश्वर नाम - 12 भारतीय भाषाओं के (एस पी टी-एल एल) के लिए तुच्छ और परिच्छेद करने वाले यन्त्रों का विकास।

iii. सौजन्य एजेंसिया – भारत सरकार, सूचना एवं संचार प्राद्योगिक मंत्रालय, सूचना प्राद्योगिक विभाग

iv. पारित हुए अनुदान- ₹ 36 लाख

v. योजना का समय - 3 वर्ष

मराठी विभाग

1. यू जी सी / सी एस आई आर / नेट / स्लेट और गेट की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों के नाम –
2. विभागीय परिसंवाद (वक्ता, परिसंवाद का शीर्षक, तारीख) 22 फरवरी 2016 को मराठी विभाग और तमिल विभाग ''थिरुक्कुरल'' पर एक दिवसीय परिसंवाद आयोजित किया गया।
3. शिक्षकगण / अनुसंस्थान विद्वानों द्वारा उपस्थित सिर्फ राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय उच्चकोटि सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला विस्तार में

रणवीर सुमेद्ध भगवान

अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद (कागज प्रस्तुत किया गया)

1. जनवरी 2016 मे प्रतियोगिता मूलक साहित्यिक केन्द्र, विश्व भारती द्वारा दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद में ''मराठी साहित्य इतिहास लेख की परम्परा'' कागज प्रस्तुत किया।

   राष्ट्रीय परिसंवाद (कागज प्रस्तुति करण)

1. 14 नवम्बर 2015 को हिन्दी विभाग, विश्व भारती द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद में ''राजभाषा हिन्दी एवं प्रादेशिक भाषा'' कागज प्रस्तुत किया।

अन्य

एन सी सी पूर्वीय स्थिति कार्यक्रम -

06/22/2015 से 12/12/15 के दौरान राम कृष्ण मिशन, नरेन्द्रपुर, कोलकाता द्वारा आयोजित सात दिवसीय एन सी सी पूर्वीय स्थिति कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

संयुक्त संयोजक :

22 फरवरी को मराठी-तमिल विभाग, भाषा-भवन विश्वभारती द्वारा ''थिरुक्कुरल'' पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद में संयुक्त संयोजक के रुप में उपस्थित थे।

प्रकाशित साहित्यिक लेख –

1. ''राजभाषा हिन्दी सम्भावानाएँ और चुनौतियाँ – ''पदार्पन'' अर्द्धवार्षिकी अनुसंधान जर्नल) 2015 में प्रकाशित साहित्यिक लेख में छापा– आई एस एस एन 2321-5127, 24 परगना
2. ''महात्तम सम्तेच्छ वन्धकोर प्रवक्ता : संत कबीर'' ''गस्त'' संत कबीर विशेष साहित्यिक पत्रिका का संस्करण में छापा-2015 पूणे।
3. ओड़िसा लोककवि हल्दर नाग : एक परिचय – ''साहित्य संवाद'' (अर्द्ध-वार्षिकी साहित्यिक पत्रिका) में छपा - मार्च 2016, अकोला। विभाग द्वारा नये कोसो की परिकल्पना / अध्ययन सूची या अन्य शिक्षण नई पद्धति का प्रचार / शुरुआत किया गया। भाषा के शिक्षण के लिए ई. पुस्तकालय और ई. रिर्कोस । कोई अन्य योग्य / उचित सूचना जो कि विभाग के अधिकारी के विचारों को अवश्य शामिल करना।

   मराठी विभाग ने सर्टिफिकेट और डिप्लोमा के लिए नये कोर्सो का परिकल्पना किया है। यह सिलेबस आने वाले सत्र से आरम्भ किया जायेगा।

आसमिया भाषा इकाई

जापानी विभाग

(निप्पोन - भवन)

1. यूजीसी / सी एस आई आर / नेट / स्लेट और गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों के नाम – श्रीमती अनीषाह् निशात् (नेट-जून 2015)
2. विभागीय परिसंवाद (वक्ता परिसंवाद का शीर्षक, तारीख) 2016 में रवीन्द्रनाथ की ताजी जापान यात्रा पर आयोजित उत्सव में निम्न विशेष व्याख्यान किया गया –

   प्रो॰ टी॰ यूनो, चिकुशी जोगकीउन यूनिवर्सिटी, फुकुओका, जापान, भारतीय नी अकोगेरेटा निहोन्जिन (वे जापानी जो भारत की ओर आकर्षित हुए) 22 फरवरी 2016।

   श्रीमती दीपा गोपालन बाद्धवा (भारत की पूर्व जापानी प्रतिनिधि। राजदूत), भारत जापान सम्बन्ध की विशिष्टता (जापान-बंगाल के बीच विशेष सम्बन्ध) 29 फरवरी, 2016 ।8 मार्च 2016 को डॉ॰ एम टेराडा (मानवता और प्रकृति अनुसंधान इस्टिट्यूट में आमन्त्रित संयुक्त प्रोफसन (आर आई एच एन) क्योटो, जापान) द्वारा ''प्रकृति, कृत्रिमरुप से और हो रहा है (नेचर आर्टिफिसिअली ऐण्ड वीकमिंग : एक स्वरुप'' पर एक परिसंवाद बात की। 4-10 जनवरी 2016, के दौरान जापान फाउण्डेशन, नई द्वारा नई जापानी भाषा शिक्षक ट्रेनिंग का प्रबन्ध किया गया, इस कोर्स में प्रो॰ गीता कीनी, अजय कुमार दास, सुदीप्ता दास और चार अनुसंधान विद्वानों ने हिस्सा लिया।
3. सिर्फ राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय उच्चकोटि के सम्मेन / परिसंवाद / कार्यशाला / प्रदर्शनी इत्यादि में उपस्थित शिक्षक/ अनुसंधान विद्वानों का विवरण विस्तार में।

गीता ए0 कीनि

1. 12-13 दिसम्बर 2015 के दौरान टोक्यो यूनिवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडीज, टोक्यो, जापान द्वारा आयोजित चौथे अन्तर्राष्ट्रीय बंगला अध्ययन सभा में उपस्थित एवं ''कहावतों के घनक्षेत्र के माध्यम से बंगाल और जापान की औरते, पर आधारित ''सौन्दर्य (ब्यूटि)'' कागज प्रस्तत किया -
2. 16-17 जनवरी 2016 के दौरान आई.सी.एस.एस.आर, सी.आई.आई.एल, यू.जी.सी., सी.एल.ए.आई और रवीन्द्र भवन, विश्वभारती के सहयोग से प्रतियोगितात्मक साहित्यिक केन्द्र द्वारा आयोजित ''प्रतियोगितात्मक साहित्य-एट दि, क्रॉस रोड ऑफ कल्चर ऐण्ड सोसाइटी'' के अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''मीजियुग में जापानी साहित्य पर पश्चिम का समघात'' कागज प्रस्तुत किया। 4 से 10 जनवरी 2016 के दौरान जापान फाउण्डेशन के जापानी भाषा के दक्षों संचालित नई जापानी भाषा शिक्षक ट्रेनिंग कोर्स में हिस्सा लिया। यह कार्यक्रम नई दिल्ली में जापान फाउण्डेशन के संरक्षण में आयोजित किया गया।

अजय कुमार दास

4-10 जनवरी 2016 के दौरान जापान फाउण्डेशन से जापानी भाषा के दक्षों द्वारा संचालित ''नई जापानी भाषा शिक्षक ट्रेनिंग कोर्स में भाग लिया। यह कार्यक्रम नई दिल्ली में जापान फाउण्डेशन के संरक्षण में आयोजित किया गया।

सुदीप्ता दास

4-10 जनवरी 2016 के दौरान जापान फाउण्डेशन से जापानी भाषा के दक्षों द्वारा संचालित नई जापानी भाषा शिक्षक ट्रेनिंग कोर्स में भाग लिया। यह कार्यक्रम नई दिल्ली में जापान फाउण्डेशन के संरक्षण में आयोजित किया गया था,

अशोक बर्द्धान ओझा (अनुसंधान विद्वान)

4-10 जनवरी 2016 के दौरान जापान फाउण्डेशन से जापानी भाषा के दक्षों द्वारा संचालित नई जापानी भाषा शिक्षक

ट्रेनिंग कोर्स में भाग लिया। यह कार्यक्रम नई दिल्ली में जापान फाउण्डेशन के संरक्षण में आयोजित किया गया था

प्रसन्नजीत चक्रवती (अनुसंधान विद्वान)

4-10 जनवरी 2016 के दौरान जापान से फाउण्डेशन से जापानी भाषा के दक्षों द्वारा संचालित नई जापानी भाषा शिक्षक ट्रेनिंग कोर्स में भाग लिया। यह कार्यक्रम नई दिल्ली में जापान फाउण्डेशन के संरक्षण में आयोजित किया गया था।

सुदीप सिंह (अनुसंधान विद्वान)

4-10 जनवरी, 2016 के दौरान जापान फाउण्डेशन से जापानी भाषा के दक्षों द्वारा संचालित नई जापानी भाषा शिक्षक ट्रेनिंग कोर्स में भाग लिया। यह कार्यक्रम नई दिल्ली में जापान फाउण्डेशन के संरक्षण में आयोजित किया गया था।

सुकान्तो मजूमदार (अनुसंधान विद्वान)

4 से 10 जनवरी 2016, के दौरान जापान फाउण्डेशन से जापानी भाषा के दक्षों द्वारा संचालित नई जापानी भाषा शिक्षक ट्रेनिंग कोर्स में भाग लिया। यह कार्यक्रम नई दिल्ली में जापान फाउण्डेशन के संरक्षण में आयोजित किया गया था।

6. क्रियाकलापों के विस्तारीकरण एन एस एस /सांस्कृतिक और अन्य क्रिया कलापों में शिक्षक गण और छात्रों ने हिस्सा लिया –

   21 से 23 फरवरी के दौरान दि चिकुशी जोगाकुइन यूनिवर्सिटी, फुकुओका ने शान्ति निकेतन का दौरा किया और विभाग के छात्रों के साथ सांस्कृतिक अन्योनक्रिया 22 फरवरी 2016 को किया गया था। 31 अगस्त 2015 को छात्रों को परिचित कराने के लिए जापान सांस्कृतिक दिवस मनाया गया।

   20 फरवरी 2016 को गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर के नई जापान यात्रा के शताब्दी उत्सव के रुप में एक चलचित्र उत्सव का आयोजन किया गया।

   निहोंगो कैवा क्यो काई (एन के के) और विभाग द्वारा कोलकाता में 12 मार्च 2016 को एक सांस्कृतिक वृतान्त का आयोजन किया गया।

7. शिक्षक गण / विद्वानों या विभाग (सम्पूर्ण) (डी.एस.ए. या सी.ए.एस) जैसा मान्यता द्वारा प्राप्त शैक्षणिक पदवी / ऊँचाई : ? शून्य

8. अप्रैल 2015 से मार्च 2016 के दौरान प्रकाशन –

   i) पाठ्य पुस्तके ii) अन्य पुस्तकें iii) विशेष विषय पर लेख iv) अनुसंधान पत्र। लेखक, कागज का शीर्षक, जर्नल का वर्ष, वॉल्यूम संख्या, पृष्ठ v) कागजों की संख्या, समालोचित जर्नल राष्ट्रीय / अन्तर्राष्ट्रीय।

गीता ए कीनि

9. जापान व बांग्लार प्रबाद-प्रोवाचनेर आलोय नारी व पुरुष पी पी/25--134) साहित्य परिषद पत्रिका, वॉल्यूम 120 संख्या 1-4 जुलाई 2015, आई एस एस एन 395-1552) ।

10. भवन / सदन / विभाग के भविष्य को योजनाओं के विकास पर एक संक्षिप्त विवरण :–

इतिहास

इसके ग्लोबल सिद्धान्त को कायम रखने के लिए विश्व भारती ने डॉ० प्रबोध चन्द्र बागची के संरक्षण में सन् 1954 को दो वर्षीय सर्टिफिकेट कोर्स और एक वर्षीय डिप्लोमा कोर्स शुरु किया। जापानी भाषा से अवगत कराने का भारत में यह पहला विश्वविद्यालय है। इसके आरम्भ से ही बहुत से प्रसिद्ध जापानी विद्वानों ने शिक्षण समनुदेशन के लिए शान्तिनिकेतन आए और इस विभाग से जुट गए। विभाग के आरम्भिक दशा में जापानी बौद्ध भाषा पढ़ाया जाता था। 1976 में विश्वभारती के हाई-स्कूल लेवेल में जापानी भाषा पढ़ाया जाता है। 2001 तक विभाग के शिक्षकों ने हाई स्कूल लेवेल में जापानी भाषा सीखाने के लिए मन से हिस्सा लिया।

1999 विभाग ने चार वर्षीय बी.ए. (ऑनर्स) कोर्स शुरु किया। आगामी एक दो वर्षीय एम0 ए0 कोर्स 2006 में, पीएच०डी कोर्स 2010 में शुरु किया।

भविष्य की योजनाएँ

विभाग ने भारत में जापानी भाषा की जरुरत वर्तमान जरुरत की गति को कायम रखने के विचार से इसे बढ़ाने का इरादा करता है। दोनों समाजों के बढ़िया समझ के उद्देश्य से जापानी भाषा के केन्द्र के अध्ययन अनुसंधान के साथ सांस्कृतिक केन्द्रों के विकास के लिए नये शैक्षणिक क्षेत्र का उद्देश्य रखता है। जापानी अध्ययन के विद्वानों के मार्गदर्शन के लिए अधिक संख्या में जापानी और अंग्रेजी (जापान पर) पुस्तकों के साथ एक पुस्तकालय की स्थापना कर सकता है। कई जापानी विश्वविद्यालय और शैक्षणिक संस्थानों ने जापानी विभाग (निप्पोन भवन) में सांस्कृतिक और शैक्षणिक की स्थापना में रुचि दिखा रहे है। विभाग का यह प्रयास अन्तर्राष्ट्रीय यूनिवर्सिटी के लक्षण की सुशोभित प्रेरणा के रुप में कार्य कर सकता है, और भारत और जापानी के बीच सांस्कृतिक सम्बन्ध को प्रबल कर सकता है।

कोई अन्य सम्बन्धित सूचना जो कि विभाग के अधिकारी के विचार से उचित हो पर भी विचार करना होगा।

वर्ष 2016 गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर के जापान यात्रा के शताब्दी वर्ष के रुप में दर्शाता है। इस उत्सव को स्मरणोत्सव बनाने के लिए विभाग ने वर्ष-भर उत्सव मनाने की योजना बनाई है। अप्रैल, 2015 में विभाग ने रीटाकु यूनिवर्सिटी जापान के साथ एम.ओ.यू. का हस्ताक्षर किया है।

5 जुलाई 2015 को जापान फाउण्डेशन और कन्सलेट जेरेनल ऑफ कोलकाता के सहयोग से पहली बार जापानी भाषा कुशल टेस्ट (जे एल पी टी) को संचालित किया। भारत में विश्व भारत इकलौता विश्वविद्यालय है जहाँ यह टेस्ट संचालित किया जाता है।

प्रो0 के० टाकेउची (रीटाकु यूनिवर्सिटी, जापान) ने 5 अगस्त से 5 सितम्बर 2015 तक एक माह आमन्त्रित प्रोफेसर के रुप में विभाग में पढ़ाया।

छात्रों का साहसिक कार्य :–

निम्न छात्रों ने 10 अक्टूबर 2015 को पूर्वी भारत जापानी भाषा स्पीच कॉन्टेस्ट में सफलता प्राप्त की –

प्रतियोगियों के नाम	दल में स्थान
1) श्रीमती अनीषाह् निषात	सीनिअर प्रथम
2) श्रीमती पियाली रॉय	सीनिअर द्वितीय
3) श्रीमती कोयाली सिंह	सीनिअर तृतीय

चीनी भाषा और सांस्कृतिक विभाग

यूजीसी / सी एस आई आर / नेट / स्लेट और गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों के नाम – सुतानुका प्रीतम, (यूजीसी, नेट परीक्षा, जून 2015)

विद्वता और साहसिक कार्य :–

1. 2015 में भारत सरकार मानव संसाधन विकास विद्वता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भारत में भारत-चीन द्विपक्षीय सांस्कृतिक अदला-बदली कार्यक्रम चलाने के लिए दो छात्रों का चुनाव किया गया।
2. 2015 में चीन में अध्ययन चलाने के लिए चीनी सरकार ने तीन छात्रों को नियुक्त किया।
3. विभागीय परिसंवाद (वक्ता, परिसंवाद का शीर्षक, तारीख) 6-13 अप्रैल, 2015 के दौरान चीनी भाषा एवं सांस्कृतिक विभाग, चीनी भवन (भाषा-भवन एवं हान-वान ऐण्ड कंसुलेट ऑफिस ऑफ दि पीपुल रीपब्लिक ऑफ चाइना द्वारा भारत के विभिन्न विश्व विद्यालयों में 8 दिवसीय भारतीय शिक्षकों के लिए शिक्षक ट्रेनिंग कार्यक्रम चलाया गया।

   मई 2015 को यूनान एकाडमी ऑफ सोशल साइन्स के प्रतिनिधि मण्डल के सदस्यों ने चाइना भवन, विश्वभारती का दौरा किया और छात्र एवं शिक्षकों से परस्पर सम्बन्ध का कार्य / अन्योन्यक्रिया किया।

   24 अगस्त 2015 को चीन और थाईलैण्ड के पचास सदस्यों का प्रतिनिधि मण्डल ने चाइना-भवन विश्व भारती का दौरा किया और शिक्षक एवं छात्रों से बातचीत की।

   7 दिसम्बर, 2015 को विभाग में चाइना भवन, विश्व भारती और पंचमारी के सेना शिक्षा कॉपर्स प्रशिक्षण कॉलेज के सदस्यों के बीच अन्योन्यक्रिया कार्यक्रम चला।

   4 सितम्बर 2015 को यूनान राष्ट्रीयता यूनिवर्सिटी से एक प्रतिनिधि मण्डली द्वारा चाइना भवन का दौरा किया गया और छात्र एवं शिक्षकों के साथ बात-चीत (अन्योन्यक्रिया) किया गया। 29 अगस्त 2015 को विश्व भारती के चाइना भवन के चीनी भाषा और सांस्कृतिक विभाग और कंसुलेट ऑफिस ऑफ दि पब्लिक ऑफ चाइना द्वारा चाइना भवन में द्वितीय ह्वेन-सांग चीनी लेबेल प्रतियोगिता आयोजित किया गया। 26-27 सितम्बर 2015 के दौरान विश्व भारती के चाइना भवन, दिल्ली के इस्टिट्यूट ऑफ चाइनिज स्टडीज और एसोशिएशन ऑफ एशिया स्कॉलर्स (एएएस) द्वारा चीनी-भवन में भारत और चीन के बीच विघ्न सभ्यता पर आधारित दक्षिण एवं दक्षिण-पूर्वी एशिया में सुअवसर और चुनौतियों'' पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। -

   सिर्फ राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय उच्च कोटि के सम्मेलन। परिसंवाद / कार्यशाला / प्रदर्शनी इत्यादि में शिक्षक गया । अनुसंधान विद्वान की उपस्थिति विस्तार में।

जयीता गांगुली

परिसंवाद / सम्मेलन / कार्यशाला

(i) 26-27 सितम्बर 2015 के दौरान, इस्टिट्यूट ऑफ चाइनिज स्टडीज (आईसीएस) के सहयोग से विश्व भारती के चीना भवन द्वारा विश्व भारती के चीना भवन में ''भारत और चीन के बीच विघ्न सभ्यता दक्षिण एवं दक्षिण पूर्वी एशिया में सुअवसर और चुनौतियाँ'' पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''भारत-चीन विनय साहित्य में चीनी सभ्यता के वृद्धि पर समझातें शीर्षक कागज प्रस्तुत किया।

(i) 27-29 दिसम्बर, 2015 के दौरान गौरबंग यूनिवर्सिटी, मालदा में आयोजित 76वाँ भारतीय इतिहास सभा में उपस्थित होकर ''संगीतीज़ का दार्शनिक और ऐतिहासिक महत्व'' पत्र प्रस्तुत किया।

अभिजीत बनर्जी

परिसंवाद / सम्मेलन / कार्यशाला

4-5 मई 2015 के दौरान ''इस्टिट्यूट ऑफ साउथ एशियन स्टडीज, सिचुआन यूनिवर्सिटी, चेंग्डु के सहयोग दिल्ली के चीनी अध्ययन संस्थान द्वारा भारत में आयोजित ''भारत में चीनी अध्ययन और चीन में भारतीय अध्ययन'' के अन्तर्राष्ट्रीय में ''चीनी भाषा और साहित्य का एक समालोचना ''कागज प्रस्तुत किया। 12-13 जून 2015 के दौरान क्युन्मिंग, यूनान, पी.आर चीन में आयोजित ''दि थर्ड चाइना-साउथ एशियन थिंक टैंक फोरम'' में ''बेल्ट ऐण्ड रोड इनिएटिव : भारत चीन के विपरीत संस्कृति अदला बदली के लिए सुअवसर'' कागज प्रस्तुत किया।

प्रकाशन

1. ''ए रीविउ ऑफ दि स्कॉलार्लि एक्टीविटी ऑफ क्रिश्चन मिशिनरिज ऐण्ड इण्डियन बुद्धिस्ट मॉन्क्स इन चाइना विथ स्पेक्सिअल एम्फेसिस ऑन एन्सिएन्ट चाइनिज डॉक्यूमेन्ट: भारत में चीनी अध्ययन का प्राथमिक संस्थान ''प्रोफेसर प्रपिन मनोमौविबुल और प्रोफेसर चिह-यु-शिह संपादित ''अण्डर स्टैंडिग 21वीं सेन्चुरी चाइना इन बुद्धिस्ट एशिया : आधुनिकता और अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों का इतिहास'' में छपा, एशिया रिसर्च सेन्टर, चुलालाँगकॉर्न यूनिवर्सिटी, बैंकॉर्क, 2016, पी पी 183-201, आईएसबीएन - 978-616-407-010-3 ।

श्रीमती, तन्द्रिमा पात्री

परिसंवाद / सम्मेलन / कार्यशाला

26-27 सितम्बर 2015 दिल्ली के इस्टिट्यूट ऑफ चाइनिज स्टडीज (आईएससी) के सहयोग से विश्व भारती के चीनी-भवन द्वारा आयोजित चीन और भारत के बीच इन्टरफेस सम्यता: दक्षिण और दक्षिण-पूर्वी एशिया में सुअवसर और चुनौतियाँ'' पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

देवदास कुण्डु

परिसंवाद / सम्मेलन / कार्यशाला

26-27 सितम्बर 2015, के दौरान एसोशिएशन ऑफ एशिया स्कॉलस् (एएएस) और दिल्ली के चीनी अध्ययन इस्टिट्यूट के सहयोग से विश्व भारती के चीना भवन द्वारा आयोजित ''सिविलाइजेशनल इण्टरफेस बीटवीन इण्डिया ऐण्ड चाइना : दक्षिण एवं दक्षिण-पूर्वी एशिया में सुअवसर और चुनौतियाँ'' के अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

क्रियाकलापों का विस्तारीकरण / एनएसएस / सांस्कृतिक और अन्य क्रिया कलापों का विभाग द्वारा आयोजन और भाग लिए शिक्षकगण एवं छात्र –

1. 25 जनू 2015 को ''स्वच्छ भारत अभियान'' में चीन भवन विश्व भारती के छात्र कर्मचारियों ने भाग लिया।
2. 27 दिसम्बर 2015 से 2 जनवरी 2016 के बीच विश्व भारती के चीना भवन के ग्यारह सदस्यो का एक प्रतिनिधि मण्डल द्वारा यूनान यूनिवर्सिटी का दौरा किया गया भारत और चीन के लोगों के बीच आदान-प्रदान कार्यक्रम में संयुक्त प्रोफेसर के रुप में तन्द्रिमा पात्री भी गई थी।
3. यूनान यूनिवर्सिटी के एमओयू के हस्ताक्षर पर छात्रों के प्रतिनिधि दल के समर कैम्प में कार्यकारी शिक्षिकाध्यक्ष के रुप में जयीता गांगुली ने 18 मई - 28 मई 2015 तक क्युन्मिंग का से दौरा किया।

   16 फरवरी से 24 फरवरी 2015 के दौरान यूनान यूनिवर्सिटी बीस सदस्यों का एक प्रतिनिधि मण्डल विश्व भारती के चीना भवन का दौरा किया। यह दौरा विश्व भारती यूनिवर्सिटी, भारत और यूनान यूनिवर्सिटी, पीपुल्स रीपब्लिक ऑफ चाइना के बीच समझाते के अन्गर्गत हुआ। तन्द्रिमा पात्री, संयुक्त प्रोफेसर, सदस्य के रुप में गई।

   विभाग द्वारा नये कोर्सो का खाका / अध्ययन सूची या अन्य शैक्षणिक नई पद्धतियों को संचालन - अनुजा सदस्यों

(फैकल्टी सदस्यों), विभाग और अफिलिस्टेड 6 से 13 अप्रैल 2015 के दौरान हान-वान ऐण्ड दि कॉन्सुलेट ऑफिस ऑफ दि पीपुल्स रीपब्लिक ऑफ चाइना के सहयोग से विश्व भारती यूनिवर्सिटी के चीना भवन (भाषा-भवन) के चीनी भाषा और संस्कृति विभाग द्वारा कोलकाता में प्रथम शिक्षक ट्रेनिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम आठ दिनों का था जिसमें भारतीय शिक्षकों ने ट्रेनिंग ली। भविष्य के योजनाओं के विकास से सम्बन्धित भवन / सदन विभाग के विकास पर संक्षिप्त इतिहास / विवरण –

चीन और भारत के लोगों के बीच पुराने ऐतिहासिक सम्बन्ध को प्रबल बनाए रखने के उद्देश्य से गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर और प्रो0 तान-युन-शान द्वारा 14 अप्रैल 1937 को विश्व भारती में चीना भवन (चीनी भाषा और साहित्यिक विभाग की स्थापना की गई। इसकी स्थापना के पीछे गुरुदेव की इच्छा थी।

चीना भवन के उद्देश्य बाह्य पदार्थ विषयक शब्द विन्यास निम्न थे –

1. भारतीय और चीनी सीखने के लिए अनुसंधान अध्ययन शुरु करना।
2. भारतीय और चीनी संस्कृति के आदान-प्रदान को बढ़ाना।
3. भारत और चीन दोनों देशों के बीच बन्धुत्व व भाईचारा बढ़ाना।
4. भारत और चीन के लोगों को एक सूत्र में बाँधना।
5. विश्व शान्ति और मानव एकता बनाए रखना।
6. विश्व में ''महान एकता'' के निर्माण में सहायता के लिए।

विश्वविद्यालय के सामान्य नियम के पुनर्विचार के साथ सिनो-भारतीय सम्बन्ध में इस विश्वविद्यालय के महत्वपूर्ण योगदान देखना ही रवीन्द्रनाथ टैगोर की उत्कट इच्छा थी जो निम्न हैं :–

सम्पूर्ण दक्षिण एशिया में सबसे अच्छे पुस्तकालय (चीनी भवन पुस्तकालय) में सुनाम जहाँ 50 हजार से अधिक विरल और कीमती चीनी पुस्तक एवं जर्नलों का संग्रह हो। यह विशेष विरल खजाना सिर्फ विश्व भारती के लिए नहीं बल्कि सम्पूर्ण देश के लिए है।

बौद्ध अध्ययन केन्द्र (सीबीएस)

केन्द्र में संचालित परिसंवाद

1. 27-28 मार्च 2016 के दौरान सेन्टर फॉर बुद्धिस्ट स्टडीज और विश्व-भारती, शान्तिनिकेतन के संस्कृत, पाली और प्रकृत विभाग द्वारा ''अश्वघोष के साहित्य में बुद्ध का जीवन और शिक्षा'' पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद में ''अश्वघोष के साहित्य में बुद्ध का जीवन और शिक्षा'' पूरे सत्र में कागज प्रस्तुत किया गया।
2. 25 जनवरी 2016 को सेन्टर फॉर बुद्धिस्ट स्टडीज, विश्व भारती शान्तिनिकेतन के सहयोग से संस्कृत, पाली और प्रकृत विभाग में ''बौद्ध और धर्मशास्त्र'' राष्ट्रीय परिसंवाद में प्रतिष्ठित उत्सव को आरम्भ करने वाले के विषय में चर्चा की गई।
3. 29-31 मार्च 2016 के दौरान सेन्टर फॉर बुद्धिस्ट स्टडीज, विश्व भारती और विश्व-भारती शान्ति निकेतन के संस्कृत, पाली और प्रकृत विभाग द्वारा ''बौद्ध'' पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / प्रदर्शनी इत्यादि –

अरूण रंजन मिश्रा, निर्देशक (आई/सी)

अन्तर्राष्ट्रीय

1. 26-28 सितम्बर 2015 के दौरान बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय बनारसी के संस्कृत विभाग द्वारा ''संस्कृत में भारतीय कला और सौन्दर्यशास्त्र पर सामान्य विचार'' पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद में ''ऋग्वेद का कलात्मक और सौन्दर्य शास्त्र का महत्व'' कागज प्रस्तुत किया।
2. 24-27 फरवरी 2016 के दौरान सेन्टर ऑफ एडवान्स स्टडी इन संस्कृत, पूने यूनिवर्सिटी में आयोजित ''विश्रान और योगकला :- पद्धति और सिद्धान्त पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''वेद में योगा का जन्म / उत्पत्ति कागज प्रस्तुत किया।

विभाग के शिक्षकगण / विद्वानों द्वारा प्राप्त शैक्षणिक श्रेष्ठता (डी.एस.ए या सी.ए.एस) इत्यादि का मान्यता) –

अरुण रंजन मिश्रा, निर्देशक (आई/सी)

1. 3-4 मार्च, 2016 के दौरान एस सी एस भी एम भी यूनिवर्सिटी कांचीपुरम में (टी.एन) में ''संस्कृत के अवलम्बन के लिए लगातार निर्माणित प्रयास'' पर के दो दिवसीय परिसंवाद में संस्कृत और इण्डोलोजी में लगात अनुसंधान क्रियाकलाप के लिए साल ओढ़ाकर और स्मारक देकर सम्मानित किया गया।

अप्रैल 2015-मार्च 2016 के बीच दौरान प्रकाशन –

अरुण रंजन मिश्रा

1. मायप्रादपा (पंडित कुलमा मिश्रा का स्मरणोत्सव वॉल्यूम) संपादक - ए.आर. मिश्रा, प्रकाशक - दि बनारस मरकेन्टाइल कम्पनी, कोलकाता - 2015 (कुल पृष्ठ 254) आईएसबीएन : 81-86359-44-3

पुस्तक

अरूण रंजन मिश्रा

1. ''लोनलिनेस इन मॉडर्न संस्कृत पोएट्री (संस्कृत की आधुनिक कविताओं में एकाकीपन) – एक पोस्टमॉडर्न चिन्ह, ''स्वतन्त्र्योत्कार आए, 2015, बनारसी : बनारस हिन्दू विश्व विद्यालय का संस्कृत विभाग, आईएसबीएन : 81-85305-66-6 (पृष्ठ 452-473)
2. ''कुमारा सम्भावम इन दि आईज ऑफ आनन्दवर्द्धना'', मायप्रादया (पण्डित, (मिश्रा स्मरणोत्सव वॉल्यूम), 2015, कोलकाता : प्रकाशक - दि बनारस मर्केन्टाइल कम्पनी, आई.एस.बी.एन : 81-86359-44- 3 (पृष्ठ 19-25)।

3. ''न्यू जेनर ऑफ लिटरेचर इन मॉडर्न संस्कृत (आधुनिक संस्कृत में साहित्य की नई दिशाएँ) (हर्षदेव माधव के विशेष सम्बन्ध में)'', प्रकाशक – अहमदाबाद, परश्वा पब्लिकेशन, आई.एस.बी.एन : 978-93-5108-440-2, 215 (पृष्ठ 245-258)।

विभाग से सम्बन्धित विभाग / भवन / सदन के विकास पर एक संक्षिप्त इतिहास :–

यूजीसी योजना के सामाजिक अवधि के अन्तर्गत 2005 में तत्कालिक विभागाध्यक्ष (भारतीय तिब्बतन, डॉ0 नरेन्द्र दास द्वारा विश्व भारती में सेन्टर फॉर बुद्धिस्त अध्ययन की स्थापना की गई। इसी वर्ष उनकी अस्वाभाविक मृत्यु हो गई जिसके कारण डॉ० ऐन्ड्री लॉजरिज (इण्डो-तिब्बतन डॉ० विभाग के नये अध्यक्ष) द्वारा जुलाई 2007 में यह कार्य किया गया। यह एक अन्तरअनुशासित और अन्तर विभाग फोरम है। इस केन्द्र का क्रिया कलाप : अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन और कार्यशाला, विशेष व्याख्यान चलचित्र प्रदर्शनी और अनुसंधान कार्यक्रम और प्रकाशन (बुद्धिस्ट वर्ल्ड प्रेस, नई दिल्ली)

वर्तमान सलाहकार समीति :–

1. सभापति : प्रो० डॉ० स्वप्न कुमार दत्ता (वाईस-चैंसलर, विश्वभारती)।
2. निर्देशक : प्रो० ताप्ति मुखजी, रवीन्द्र भवन
3. प्रधानाचार्य : प्रो० कैलाश पटनायक, भाषा भवन
4. सेवानिवृत्त प्रो० : प्रो० सुनीति कुमार पाठक (इण्डो-तिब्बतन विभाग)
5. प्रो० अभिजीत बनर्जी (चीनी विभागाध्यक्ष)
6. प्रो० जगत राम भट्टाचार्य (संस्कृत विभाग)
7. डॉ० संजीव कुमार दास (विभागाध्यक्ष, इण्डो-तिब्वतन अध्ययन)
8. प्रो० अरूण रंजन मिश्रा, निर्देशक आई/सी, सीबीएस और संयोजक

विद्या- भवन

(इस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइन्स)

(इस्टिट्यूट ऑफ ह्यूमैनिटिज ऐण्ड सोशल)

1918 के दिसम्बर में रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा अनुष्ठित विश्वभारती की स्थापना के बहुत जल्द ही 1999 के जुलाई महीना में अभी विद्याभवन, विश्वभारती का ह्यूमैनिटी और समाजशास्त्र कॉलेज अस्तित्व में आ गया। इसने उत्तर-विभाग-पेशगी अध्ययन विभाग के नाम से कार्य करना शुरु किया। 1925 में इसे विद्या भवन का नाम मिला।

विद्या भवन, दि इस्टिट्यूट का ह्यूमैनिटी ऐण्ड सोशल साइन्स को उच्च शिक्षा और अनुसंधान इस्टिट्यूट के रुप में अनुमोदित किया गया और विश्व भारती में यह विभाग श्रेष्ठ है। प्रसिद्ध विद्वान और अध्यापक बिधुशेखर शास्त्री ने यह प्रमाणित किया कि यह नाम-करण विकसित के लिए पॉजिटिव विचार है। इसका वर्णन 1332 के माघ में प्रकाशित पत्रिका में है और इस इस्टिट्यूट के आरम्भ तारीख भी पौष महीना के 8 तारीख 1325 बी.एस. (1925 के दिसम्बर के अन्तिम सप्ताह)।

विद्या भवन सात मुख्य और एक सहायक विभाग (दर्शनशास्त्र और प्रतियोगितात्मक धर्म, इतिहास, भूगोल, प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति और आर्केओलॉजी अर्थशास्त्र, पत्रकारिता और जनसंघ संचार, ऐन्थ्रोपोलाजी और शिक्षा शास्त्र (सहायक इकाई) एक साथ लेकर चल रहा है।

विद्या भवन विदेशी छात्रों (पश्चिमी और पूर्वी) को आकर्षित करने में सफल हुआ है। विदेशी छात्रों की एक विशाल संख्या लगातार आकर यहाँ के विभिन्न कोर्सो के लिए दाखिला ले रहा है।

विद्या भवन, ऑनर्स, पोस्ट ग्रेजुएट, एम0 फील, पीएच0डी अध्ययन कोर्सो को प्रस्ताविक करता है। वर्तमान समय में आगे बढ़ने की प्रवृति आधुनिक साहित्य और सामाजिक वैज्ञानिक अनुसंधान बढ़ा रहा है। विद्या भवन के शिक्षकों द्वारा योजनाओं के लिए बाहरी एजेंसियों द्वारा अनुदान लेने का सफलता पूर्वक कार्य किया गया है। विद्या-भवन धार्मिक और सांस्कृतिक एक, पढ़ाई के विस्तारीकरण के माध्यम राष्ट्रीय युग्मन और विश्व शान्ति की स्थापना किए गए वादा कोपूरा करने का क्षमता रखता है।

अर्थशास्त्र एवं राजनीति शास्त्र विभाग

विभाग का संक्षिप्त विवरण / इतिहास और भविष्य की योजनाएँ –

विभाग ने सन् 1953 में शिक्षा भवन । (विज्ञान संस्थान) के अन्तर्गत अर्थशास्त्र और राजनीति शास्त्र के अलग से विभाग के रुप में कार्य आरम्भ किया। बाद में यह विभाग विद्या-भवन (समाज विज्ञान संस्थान) के अन्तर्गत गया और पोस्ट ग्रेजुएट का पहला बैच 1958 निकला और पहला पीएच० डी का सम्मान 1969 में दिया गया। फिलहाल यह विभाग 'विद्या भवन आँगना' के विल्डिंग में है। विभाग ने आरम्भ होने के बाद बहुत जल्द ही खेती सम्बन्धी (अग्रिकल्चर) और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में प्रयोग सिद्धि अनुसंथान पर केन्द्रभूत हुआ। इस विभाग का फैकल्टी ने जमीन पट्टा, खेती करने के प्रबन्ध, ग्रामीण उत्पत्ति / उत्पादित और ग्रामीण गरीब के क्षेत्र में अनुसंधान के लिए अपने को पृथक कर लिया। प्रसिद्ध भारतीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के अर्थशास्त्री, अन्य विभागों, केन्द्रों जैसे विश्व भारती के एग्रोइकोनॉमिक अनुसंधान केन्द्र, शान्तिनिकेतन के सहयोग चलाया जा रहा है और यह विभाग भारत और विदेश में ख्याति पा गया है।

प्राचार्य ने हांलाँकि पहले के समस्त विभाग के अनुसंधान योजनाओं के क्षेत्र, अर्थशास्त्र के सामान्य विकास, सम्मिलित ग्रामीण विकास मैन्क्रोइकोनॉमिक, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, राजनीति अर्थशास्त्र और पर्यावरण संसाधन अर्थशास्त्र को केन्द्रभूत करते है। इन क्षेत्रों में अनुसंधान क्रिया कलाप के लिए भारत का योजना आयुक्त ने योजना और विकास (योजना इकाई) की स्थापना, सभापति के साथ अनुसंधान और अन्य क्रियाकलापों के स्थापना के लिए विभाग को 30 लाख रुपए का अनुदान दिया। योजना आयुक्त से अनुमोदित विश्व भारती द्वारा योजना इकाई का नया नाम 'ए0 के0 दास सेन्टर फॉर प्लैनिंग ऐण्ड डेवेलपमेन्ट दिया गया है। विश्व विद्यालय ने इस केन्द्र को अर्थशास्त्र और राजनीति शास्त्र से हटाकर प्रोफेसर ए0 के0 दास गुप्ता के पहले के निवास स्थान (निराला, 33 पूर्वापल्ली शान्ति निकेतन) में स्थान्तरित किया गया। इस मकान को प्रोफेसर पार्थ दास गुप्ता (फ्रैन्क रामसे प्रोफेसर), कैम्ब्रीज यूनिवर्सिटी और प्रोफेसर दास गुप्ता के पुत्र और पुत्री डा0 अल्कानन्द पटेल द्वारा दान किया गया। जैसा कि इसका सिर्फ भौगोलिक स्थिति ही बदला है लेकिन विभाग के अन्तर्गत कार्य केन्द्र ही करता है। प्रोफेसर प्रनब कुमार चट्टोपाध्याय (अर्थ शास्त्र और राजनीतिशास्त्र विभाग) अभी सभापति प्रोफेसर (सम्मानार्थ) के पद पर है।

बहुत से फैक्लटी सदस्य और अनुसंधान विद्वान विभिन्न क्षेत्र के अनुसंधान कार्य में लगे हैं जो निम्न है – अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार औद्योगिक संगठन, अर्थशास्त्र वृद्धि, अपराध का अर्द्धशास्त्र, प्रस्ताविक आर्थिक विचार, भारतीय खेतीबारी के ग्लोब्लाइजेशन पर समधात, मत्स्यपालन, कुटीर उद्योग, पंचायतीराज शैली, माइक्रोक्रेडिट बीमा अनुमानित विस्थापन विकास और इस प्रकार के। अनुज्ञा (फैक्लटी) सदस्यों ने विदेशी विश्वविद्यालय और संस्थानों में अनुसंधान के लिए सरकारी एवं गैर सरकारी एजेंसियों द्वारा साहचर्य / फेलोशीप) प्राप्त किया है। वे प्रसिद्ध राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय संस्थानों पढाएँ भी है और भारत और विदेशों में व्यापक रुप से जर्नल भी प्रकाशित किये हैं। वे विभिन्न राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, कार्यशालाओं और अनुज्ञा (फैकल्टी) विकासमूलक कार्यक्रमों में हिस्सालिए हैं। जो भी छात्र इस विभाग से निकले हैं वे ख्याति-प्राप्त राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय संस्थानों नियुक्त हो गए है। किसी विश्वविद्यालय कॉलेज और अनुसंधान संस्थान (भारत और विदेश में) में अध्यापन या अनुसंधान में नियुक्ति के लिए वे, आर बी आई, नबार्ड जैसे प्रतिष्ठित आर्थिक और वृक्त संस्थानों का प्रस्ताव रखा गया है।

विशेष सहायता कार्यक्रम (एसएपी) में 1-4-2009 से 31-03-2014 के लिए डीआरएस-1 लेवेल के लिए विभाग को यूजीसी के द्वारा वित्तीय सहायता दिया गया।

डी.आर.एस. II इस कार्यक्रम के अन्तर्गत भारत एवं विदेश के प्रसिद्ध विद्वानों ने इस विभाग का दौरा किया। एसएपी

(डी.आर.एस-I) के दौरान विभाग ने एक अन्तर्राष्ट्रीय और चार राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत विभाग ने आधुनिक साधनों को उपार्जित किया जो शिक्षण और अनुसंधान को उच्च कोटि में विस्तारित करने में मददगार है। एसएपी (डीआरएस-I) ने फैकल्टी (अनुज्ञा) सदस्यों अनुसंधान विद्वानों और छात्रों के क्षेपित इलाकों में अनुसंधान जारी रखने के लिए वित्तीय और मौलिक सुविधाओं को बढ़ाने में सक्षम हुआ था। इस सहायता के परिणामस्वरुप एसएपी (डीआरएस-I) कई वॉल्यूम और कार्यशाला के कागजों की श्रेणियाँ प्रकाशित करने में सक्षम हुआ है। नये अनुज्ञा सदस्य जो इस विभाग में शामिल हुए, को अधिक विस्तार करने के लिए प्रेरणा मिली।

जैसा कि यह पूर्णरुप से वर्णन कर दिया गया है क्यों कि (डीआरएस-I) का प्रभावकारी सफलता, विभाग ने (डीआरएस-II) को 1 करोड़ से अधिक रुपये पारित किया है, यह नये कार्यक्रम के समन्वयक प्रो0 अपूर्वा कुमार चट्टोपाध्याय, जिन्होंने इस वर्ष के अन्त में चार्ज लिया, के अनुसरण में सफलतापूर्वक चल रहा है। ये डेपुटी समन्वयक प्रो0 सुदीप्ता भट्टाचार्य और अध्ययन सभा द्वारा मान्यता प्राप्त मार्ग-दर्शन समीति की सहायता पाये। हमें आशा है कि हम जल्द से जल्द अनुदान राशि पा जायेंगे यद्यपि पहला किस्त 2015-16 के दौरान मिल चुका है, लेकिन हम एक अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन इस साल के मार्च में किये और विश्वविद्यालय के प्रबन्ध शासन से सहायता और वित्तीय सहायता बढ़ाने के लिए प्रो0 काजल लाहिरी और प्रो0 सुगाता मार्जित, के अन्य विभागों के साथ, विश्व भारती से बात करने की व्यवस्था की जा रही है। डॉ0 सिद्धार्थ चट्टोपाध्याय (III, खडगपुर), डॉ0 अरिन्दम मण्डल (संयुक्त प्रोफेसर, सेना कॉलेज, लाउडोनविले अल्बानी एन0, वाई0 यू0 एस0 ए0 और प्रसून भट्टाचार्य (सहायक प्रोफेसर के दौरान अपना-अपना कागज प्रस्तुत किये। विभाग ने बहुविषयक प्रकृति के अनुसंधान पर भी अधिक जोर दिया। विभाग ने सेन्टर फॉर जर्नलिज्म ऐण्ड, मास कम्युनिकेशन की सहायता से एक परिसंवाद भी चलाया जहाँ एक प्रसिद्ध पत्रकार ने अपना वक्तव्य रखा।

विभाग ने विभिन्न चित्रित शैक्षणिक किया कलापों के योजनों को भी एडॉप्ट किया। विश्व भारती के अन्य विभागों के साथ, विश्व भारती बाहरी संस्थानों की सहायता से बहुविषयक अनसंधान कार्य चालू करने पर भी विभाग की नजर है। विशेषकर विभाग एग्रो इकोनॉमिक रिसर्च सेन्टर और पाली चर्चा केन्द्र के साथ चल रहे सहयोग कार्य पुष्ट करने का इच्छुक है। शान्ति निकेतन के सामाजिक कार्य और कृषि सम्बन्धी सहयोगात्मक अनुसंधान की भी स्थापना करने को विभाग इच्छुक है। चल रहे अनुसंधान पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए विभाग का जर्नल प्रकाशित करने का उद्देश्य है। विश्व भारती में कॉलेज के शैक्षणिक कर्मचारियों के निर्माण के साथ विभाग अर्थशास्त्र में रिफ्रेशर कोर्स चालू करने का उद्देश्य रखता है। विश्व भारती और अन्य संस्थानों के युवा विद्वानों को दक्ष करने के लिए कार्यशाला के आयोजन का उद्देश्य है। नियुक्ति विभाग को विभाग के छात्रों के पक्ष में पूर्णरुप में लाना होगा।

जबकि विभाग पद की कमी की समस्या से विभाग जूझ रहा है। विभाग ने गरीब राज्य के घरों के निर्माण द्वारा संधि किया गया है। गरीब और प्राय: मृतप्राय इन्टरनेट कनेक्शन, समागृह में ठण्डे शैली (एयर कंडीशन) की कमी और परिसंवाद पुस्तकालय, विशेष करके ग्रीष्म ऋतु में एअर कन्डीशन की सुविधाओं का अप्रयाप्त की जरुरत की ओर संस्थान की ध्यान आकृष्ट की गई है। हालाँकि विभाग ने एसएपी के डीआरएस-II स्टेज प्रचलित किया है। हमें और अधिक मौलिक सुविधाओं की आशा है और सठिक संस्थान से स्थान की उपलब्धता की भी उम्मीद है।

नेट/स्लेट में उत्तीर्ण छात्रों के नाम

1. सुब्रतो मुखर्जी (पीएच० डी० विद्वान)
2. अल्का श्री प्रसाद (एम० ए० छात्रा)
3. मिथुन सिन्हा रॉय (पीएच० डी० विद्वान)

पी0एच0डी0 डिग्री से सम्मानित किये गए छात्रों के नाम :–

श्री राज कुमार कुण्डु (प्रो0 अपूर्वा कुमार चट्टोपाध्याय का विद्वान।

पिछले एक वर्ष के दौरान विभाग के शैक्षणिक अनुज्ञा (फैकल्टी) द्वारा हिस्सा लिए गए राष्ट्रीय / अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन। परिसंवाद / कार्यशालाएँ निम्न हैं :–

प्रणब कुमार चट्टोपाध्याय

1. ए0 के0 दास गुप्ता सेन्टर फॉर प्लैनिंग ऐण्ड डेवेलप्मेन्ट द्वारा 20-21 नवम्बर 2015 को आयोजित भारत में स्वास्थ रक्षा, औरतों के अधिकार और ग्रामीण विकास के परिसंवाद में हिस्सा लिया।

सुदीप्ता भट्टाचार्य

1. 11-12- जनवरी 2016 के दौरान विश्व भारती के अर्थशास्त्र और राजनीति शास्त्र विभाग में आयोजित अर्थशास्त्र के सिद्धान्त और इसके अनुप्रयोग के अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद में भारत लिया।
2. 1-2 मार्च 2016 के दौरान अर्थशास्त्र विभाग, पं0 बं0 राज्य विश्वविद्यालय बारासात द्वारा ''भारतीय राजनैतिक अर्थशास्त्र समकालिक विकास प्रकाशन'' के दो दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद में हिस्सा लिए और ''ए क्रिटिकल लूक एट ए टवेन्टी फाइव इअर्स ऑफ मार्केट रीफॉम इन इण्डिया (भारत में 25 वर्ष के दौरान बाजार पुनर्निर्माण के समालोचन पर नजर)'' पर वक्तव्य रखें।

प्रणब कान्ति बासु

1. रामनगर उत्तराखण्ड में साउथ एशियन यूनिवर्सिटी और रोसा लग्जमबर्ग स्टिफ्टंग, जर्मनी द्वारा आयोजित 'मार्क्सवादी के अन्तर्राष्ट्रीय ग्रीष्म विद्यालय पर तीन वक्तव्य दिया।
   (अ) महात्मय धन और उपयोगी वस्तु का जादू टोना फॉर्म, 12 जुलाई 2015।
   (ब) पूँजीवादी क्या है? 13 जुलाई 2015
   (स) मार्क्सवादी सिद्धान्त में जमीन 14 जुलाई 2015।
2. विश्व भारती के विनय भवन के शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित ''समाज विज्ञान में नियामक अनुसंधान के कार्यशाला में'' किस प्रकार शैक्षणिक अनुसंधान पत्र लिखा जाता है'' शीर्षक पर वक्तव्य दिया।

अपूर्व कुमार चट्टोपाध्याय

1. 11-12 जनवरी 2016 के दौरान विश्व भारतीय के अर्थशास्त्र और राजनीति शास्त्र विभाग में आयोजित अर्थशास्त्र सिद्धान्त और इसके अनुप्रयोग के अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद में हिस्सा लिए।
2. 11-12 मार्च 2016 के दौरान विश्व भारती के अर्थशास्त्र और राजनीति शास्त्र के विभाग में ''कृषि में नहर सिंचाई का स्थान सम्बन्धी प्रभाव-दामोदर बैली कॉरपोरेशन डीभीसी, प0 बं0 का एक अध्ययन के अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में राजकुमार कुण्डु के साथ एक पत्र प्रस्तुत किया।
3. 20-21 नवम्बर 2015 के दौरान विश्व भारती के ए0 के0 दासगुप्ता सेन्टर फॉर ल्पैनिग ऐण्ड डेवेलपमेन्ट द्वारा ''ग्रामीण स्वास्थ और और ग्रामीण विकास में औरतों के अधिकार'' पर आयोजित राष्ट्रीय परिसंवाद में अध्यक्ष के रुप में हिस्सा लिया।

सन्तादास घोष

1. 29 जून से 3 जुलाई 2015 के दौरान कोलम्बो (श्रीलंका) में साउथ एशियन नेटवर्क फॉर डेवेलपमेन्ट ऐण्ड इन्वायरोमेन्ट इकोनॉमिक्स (एसएएनडीईई) द्वारा आयोजित 30वें अर्द्धवार्षिकी अनुसंस्थान और ट्रेनिंग कार्यशाला में संसाधन पुरुष के रुप में हिस्सा लिया।
2. 29-30 जुलाई 2015 के दौरान मैन्ग्रोव फॉर फ्यूचर (एमएफएफ) थाईलैण्ड) और एशियन फॉर डेवेलपमेन्ट (एसीडी,

बंग्लादेश) द्वारा ढाका में आयोजित ''इकोनॉमिक्स ऑफ मैन्ग्रोव ऐण्ड कोस्टल इकोसीस्टम'' पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला में एक संसाधन पुरुष के रुप में ''सिक्को के अन्त का अर्थशास्त्र'' पर एक विशेष वक्तव्य दिये।

3. 10-14 दिसम्बर 2015 के दौरान साउथ एशियन नेटवर्क फॉर डेवेलपमेन्ट ऐण्ड इन्वायरोमेन्ट इकोनॉमिक्स (एसएएनडीईई) द्वारा आयोजित 31वें अर्द्ध वार्षिकी अनुसंधान और ट्रेनिंग कार्यशाला में एक संसाधन पुरुष के रुप में भाग लिया।

सौम्या चक्रवर्ती

1. 7 मई 2015 को बाउन यूनिवर्सिटी, यू0 एस0 ए0 में आयोजित ब्राउन इण्डिया इनिएटिव कार्यशाला में ''पूछताछ संयुक्त वृद्धि-भारत में औपचारिक-अनौपचारिक-कृषि सम्बन्ध'' कागज प्रस्तुत किये।
2. 3-4 फरवरी 2016 के दौरान नेशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ रुरल डेवेलपमेन्ट ऐण्ड पन्चायत राज, हैदराबाद में ''फसल परिवर्तन और भारतीय कृषि–एक समालोचना'' राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया।

विश्वजीत मण्डल

1. 17 अप्रैल 2015 को बंगवासी कॉलेज (सुबह) कोलकाता, भारत में दूरी, समय, क्षेत्र, कौशल निर्माण।
2. 25-26 फरवरी, 2016 को आउट सोर्सिंग नियोगी मूल्यों और कौशल निर्माण भारत में एक किनारे का दूसरे किनारे के ऊपर समय क्षेत्र, वर्दवान यूनिवर्सिटी, पं0 बं0, भारत।

उत्तम सिकदर

1. 8-9 दिसम्बर 2015 के दौरान यूजीसी के सौजन्य से कान्द्रा राधा कान्ता कुण्डु महाविद्यालय के भूगोल विभाग, कान्द्रा, बर्दवान, पं0 बं0 भारत द्वारा आयोजित पर्यावरण और विकास-सहास्त्र वर्ष चुनौतियाँ के राष्ट्रीय परिसंवाद में ''बच्चों के नाश (मृत्यु) दर में वृद्धि और भारत के सूचित एवं अनुसूचित एकाग्रित राज्यों को सिद्धि'' कागज प्रस्तुत किया।
2. 5 वें ऑल इण्डिया कॉन्फरेन्स ऑफ बिजनेस स्टडीज, दुर्गापुर, बिजनेस एकाडमी में ''भारत के पश्चिम बंगाल के सूचित एवं अनुसूचित जाति के पाँच बच्चों के बीच एन्थोपोमेट्रिक निर्देशक के द्वारा पोषक, ''कागज प्रस्तुत किया।

सौम्यादीप चट्टोपाध्याय

1. 6-10 अप्रैल, 2015 के दौरान रवीन्द्र भारती यूनिवर्सिटी के राजनीति विज्ञान विभाग, औरतों का अध्ययन क्रेन्द्र और वयस्क विभाग, जारी शिक्षा, विस्तार कार्य और पहुँच के बाहरी क्षेत्र द्वारा आयोजित पाँच दिवसीय अनुसंधान सिद्धान्त के कार्यशाला में ''सामाजिक सांख्यिकी'' पर एक संसाधन पुरुष के रुप में भाषण दिये।
2. 26-27 सितम्बर 2015, के दौरान चाइनिज स्टडीज दिल्ली (आईसीएस) और एसोसिएशन ऑफ एशिया स्कॉलर (एएसएस) के सहयोग से चीना भवन, विश्व भारती द्वारा विश्व भारती, शन्ति निकेतन में आयोजित ''दक्षिण एवं एशिया में भारत और चीन के बीच सुअवसर और चुनौतियों इन्टर फेस सभ्यता ''में अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''न्यू अर्बन पॉलिसी-भारत और चीन में पुनर्दाचित प्रतियोगिता और वृद्धि के लिए खोज–एक तुलनात्मक स्वरुप'' पत्र प्रस्तुत किये।

अनामिका मोक्ता

1 18-19 फरवरी 2016, के दौरान रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित ''अर्थशास्त्र विकास में समकालिक प्रकाशन' के दो दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद में ''भारत में व्यवसाय का विभिन्न गुण–राज्यों के पार ग्रामीण नगरी स्थिति पर एक विवेचना, समय समाप्त'' शीर्षक पत्र प्रस्तुत किया।

2. 25-26 फरवरी 2016 के दौरान बर्दवान यूनिवर्सिटी के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित ''संयुक्त और जीवन धारण करने योग्य विकास'' के अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''भारत में व्यवसाय का विभिन्न गुण'' शीर्षक कागज प्रस्तुत किये।

प्रिय ब्रता दत्ता

1. 17-18 नवम्बर के दौरान ''50वे खुले विकासमूलक अर्थशास्त्र में सामान्य साधारण संतुलित प्रतिरुप और झंझट

राजनीति–ऐतिहासिक और उगते हुए प्रकाशन'' दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन सामाजिक विज्ञान अध्ययन केन्द्र कोलकाता (सीएसएसएससी) में हुआ जिसमें कौशल 'अकौशल दाँव असमान और पूँजी संचय : शक्तियुक्त विवेचना किये।

2. 7-8 मार्च 2016 के दौरान मेनस क्रिश्चन कॉलेज चेन्नई, भारत में शताब्दी राष्ट्रीय कोलोक्वियम : पब्लिक-प्राइवेट साझेदारी : जीवन धारण करने के विकास के लिए जीने योग्य ऊर्जा पर यात्रा विकास पर्यावरण प्रदुषण और आर्थिक वृद्धि–एक सैद्धान्तिक विवेचना। पिछले वर्ष विभाग के अनुसंधान विद्वानों द्वारा शामिल हुए राष्ट्रीय / अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला

कौस्तुरी साधु

28-29 जुलाई 2015 के दौरान कोलकाता विश्व विद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित द्वितीय अन्तर्राष्ट्रीय अनुसंधान विद्वानो का कार्यशाला में ''दी नन-फार्म इन्फॉर्मल सेक्टर इन इण्डिया - क्या ग्रामीण-नगरी द्वैध अवस्था है?'' शीर्षक कागज प्रस्तुत किये।

2. 5-8 फरवरी 2016 के दौरान लखनऊ विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित ''परिवर्तित आर्थिक स्थिरता और भारत और दक्षिण एशिया में वृद्धि का अन्वेषण के अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद पर ''भारत में अनौपचारिक उत्पादन– छोटे एवं स्वनिर्भयता और बड़े पैमाने के उद्योग के पार विवाद और कमी पूर्ण करना'' शीर्षक कागज प्रस्तुत किये। इस पत्र का पूर्ण वर्णन रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र जर्नल प्रकाशित करने के लिए स्वीकृति मिली है, वॉल्यूम IX (आईएसएसएन संख्या 0975-802 एक्स)

सुब्रतो मुखर्जी

4-5 मार्च 2016 के दौरान यूजीसी के सौजन्य एवं अमर कुटीर सोसाइटी फॉर रूरल डेवेलप्मेन्ट, बल्लभपुर बीरभूम के सहयोग से आईक्यूएसी, सूरी कॉलेज द्वारा आयोजित ''आन्तरिक और बाहरी अनुशासनात्मक अध्ययन में उभरते हुए संस्करण/प्रकाशन के - एक भारतीय स्वरुप'' राष्ट्रीय श्रेणी के परिसंवाद में ''नगरीय असंगठित उत्पादन सेक्टर की कुछ विशेषताएँ – पं0 बंगाल में कुछ उत्पादन और मरम्मत करने वाले इकाइयों पर एक अध्ययन कागज प्रस्तुत किये।

हर्ष तिवारी

1. 18-19 फरवरी 2016 के दौरान कोलकाता के रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित ''अर्थशास्त्र के विकास में समाकालिक प्रकाशन' दो दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद में ''एमजीएनआरईजीए- भारत : समावेश / सर्वोत्तम / कब्जा ? भारतीय राज्य और जिलों लेवल के प्रवृत्ति का एक विवेचना'' शीर्षक पत्र प्रस्तुत किया और पश्चिम बंगाल राज्य विश्वविद्यालय, कोलकाता के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा ''भारतीय अर्थशास्त्र में समकालिक विकास प्रकाशन'' के दो दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद (1-2 मार्च 2016) में कागज प्रस्तुत किये।
2. 10-12 मार्च 2016 के दौरान एस0 आर0 शंकरन / ग्रामीण मजदूर। नेशनल इन्स्टिटयूट ऑफ रूरल डेवेलप्मेन्ट ऐण्ड पंचायती राज (एनआईआर डी और पीआर) हैदराबाद द्वारा आयोजित ''भारत में ग्रामीण मजदूर सम्बन्ध के शक्तियुक्त'' के राष्ट्रीय परिसंवाद में भाग लिया।

पौषाली भट्टाचार्य

1. 21 नवम्बर, 2015 को एकेडी प्लैनिंग ऐण्ड डेवेलपमेन्ट विश्व भारती द्वारा आयोजित परिसंवाद में ''भूमि संरक्षण और खेती सम्बन्धी दरिद्रता पश्चिम बंगाल का एक अध्ययन ''कागज प्रस्तुत की।
2. 15 जनवरी 2016 को आईआईएमसी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में ''पश्चिम बंगाल में जमीन प्राप्ति के माध्यम से नगरीकरण का परिवर्तन चरण ''शीर्षक पत्र प्रस्तुत की।

सोमनाथ घोष

18-19 फरवरी 2016 के दौरान रवीन्द्र भारतीय विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा आयोजित ''अर्थशास्त्र के विकास में समकालिक प्रकाशन'' के दो दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद में ''इवैल्यूएटिंग नेशनल फूड सिक्यूरिटी मिशन : पश्चिम बंगाल में कुछ जिलों में धान की पैदावार ''शीर्षक पत्र प्रस्तुत किये और 1-2 मार्च 2016 के दौरान पश्चिम बंगाल राज्य यूनिवर्सिटी के अर्थशास्त्र विभाग, कोलकाता द्वारा आयोजित ''भारतीय राजनैतिक अर्थशास्त्र के समकालिक विकास के प्रकाशन'' के दो दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद में इस पत्र को प्रकाशित करने के लिए स्वीकृति मिली।

ऋषभ मुखर्जी

11-12 मार्च 2016 के दौरान यूजीसी-डीआरएस- II के सौजन्य से विश्वभारती के अर्थशास्त्र और राजनीति शास्त्र द्वारा आयोजित ''भारतीय कृषि के आर्थिक विकास पर एक विशेष नगर के अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में हिस्सा लिया।

दुर्गेशमणि मिश्रा

30-31 मार्च 2016 के दौरान पीसीके, विश्व भारती में राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुतिकरण के लिए कागज स्वीकार किये।

रिवु सान्याल

1. सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर और एस.के.यू.ए.एस.ए के सहयोग से आईएसएलई द्वारा श्रीनगर में आयोजित भारतीय समाज के कमखर्ची मजूदर के 57वें वार्षिक सम्मेलन में कागज प्रस्तुत किये।
2. प्रेसिडेन्सी यूनिवर्सिटी के अर्थशास्त्र विभाग में ''एडवान्स् इकोनॉमेट्रिक्स ऐण्ड फाइनेन्स् पर कार्यशाला।

देवाशीष घोष

1. अर्थशास्त्र विकास में ग्रीष्म विद्यालय (आईजीसी-आईएसआई, 16-20 जुलाई 2015)।
2. इण्डिया डेवेलप्मेन्ट पॉलिसी सम्मेलन (आईजीसी-आईएसआई, 21-22 जुलाई 2015)।

राजकुमार कुण्डु

1. 11-12 मार्च 2016 के दौरान विश्व भारती के अर्थशास्त्र और राजनीति शास्त्र विभाग में ''कृषि पर नहर सिंचाई, पर स्थान सम्बन्धी प्रभाव – दामोदर घाटी योजना पं0 बं0 में, के एक अध्ययन'' के अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में कागज प्रस्तुत किया।

सोमनाथ बन्दोपाध्याय

नवम्बर 2015 में ''एमजीएनआरईजीएस, सामाजिक लेखा परीक्षा और ग्रामीण विकास-अपना एक शास्त्रार्थ जमा किया जो विश्व भारती में (पी0एच0डी0 डिग्री के लिए पं0 बं0 में चुने गए कुछ ग्राम पंचायतों का एक अध्ययन था।

अमित मण्डल

1. 9-21 नवम्बर 2015 के दौरान पंजाब एग्रिकल्चर यूनिवर्सिटी में आयोजित इण्डियन सोसाइटी ऑफ एग्रिकल्चर इकोनॉमिक के 75वें हिरक जयन्ती वर्ष के सम्मेलन में कागज प्रस्तुत किये।

पूर्णित योजना

पिछले वर्ष के दौरान शुरु किये गए एवं चल रहे अनुसंधाना योजना-विस्तार में निम्न हैं –

योजना शीर्षक प्राचार्य

अन्वेषक सौजन्य स्थिरता मेजवान संस्थान अवस्था पूर्वी हिमालय के कृषि के उत्पादकता और लाभदायक पर एक अध्ययन-

डॉ सन्तादास घोष, एमओए, जीओआई

(अक्टूबर 2014-मई 2015) एग्रो इकोनॉमिक रिसर्च सेन्टर विश्व भारती का अन्तिम रिर्पोट 2015 के अक्टूबर में जमा हुआ।

लिवलिहुड इम्पैक्ट ऑफ इलेक्ट्रिसिटी ऐण्ड रोड-लिंक्स इन रिपोर्ट रूरल विलेजेज् – सुन्दरवन डेल्टा में एक अध्ययन–डॉ0 **संतादास घोष, एनएबीएआरडी**

(2015) ए0 के0 दास गुप्ता सेन्टर फॉर ल्पैनिंग ऐण्ड डेवेलप्मेन्ट विश्व भारती के अर्थशास्त्र आर राजनीति शास्त्र विभाग द्वारा मेजबानी) अन्तिम रिर्पोट दिसम्बर 2015 में जमा किया गया।

सौम्या चक्रवती बीमा मूल्यांकन अध्ययन के सहायक अन्वेषक थे, जिसका वित्तीय सहायता कृषि मंत्रालय, भारत सरकार और एईआरसी के घर शान्तिनिकेतन मिट्टी परीक्षण के मुख्य नीति का समकालिक मूल्यांकन और उत्पादक (खाद्य) के उपयोगिता का इस पर (2014-15), में नीति पत्र जमा किया गया है।

विभाग में शिक्षकों द्वारा प्राप्त शैक्षणिक श्रेष्ठता –

प्रो0 अपूर्वा कुमार चट्टोपाध्याय को विश्व विद्यालय और पं0 बं0 सरकार द्वारा वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन और अक्षम के सर्वे के निर्देशक के रुप में नियुक्त किया गया है।

सेवावृत्ति वीरभूम जिला में

डॉ० सान्तादास घोष को ''सैन्डी फेलो'' (बड़े अन्वेषण करने वाले और उपदेशक जो मानसिक बुद्धि सम्बन्धी, विश्वविद्यालय सम्बन्धी और युक्ति, सहायता को दक्षिण एशिया के वृद्धि और पर्यावरण अर्थशास्त्र के लिए बुलाये जाते हैं) के स्थान से पुरस्कृत किया गया। <एचटीटीपी : // डब्लू डब्लू/सौन्डीऑनलाइन./ऑर्ग/सनोलीमेंमरस.पीएचपी?स्कीड=27

सौम्य चक्रवर्ती अमेरिका के ब्राउन विश्वविद्यालय के अन्तर्गत वाट्सन संस्था में होने वाले अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा में भेंट करने वाले सहचर थे जो कि 20 फरवरी से 28 फरवरी, 2015 के बीच था।

मारक्वीस हुज हु ने सौम्य चक्रवर्ती के जीवनी सम्बन्धी चित्र को विश्व 2016 (33वी प्रकाशन) के नये हुज हु में समावेश के लिए चुना है।

सौम्य चक्रवर्ती, आईसीएसएसआर (भारत सरकार) के उपदेशक युक्ति (आईएसईसी के आश्रय, बैंगलोर) ''ग्रामीण भारत में कृषि क्षेत्र और अकृषिक्षेत्र में सन्धि करानेवाला नक्शा'' (प्रो0 मीनाक्षी सर्जीव, आईएसईसी, बैंगलोर और डॉ0 मनोजीत भट्टाचार्जी, सें0 जोसेफ कॉलेज, बैंगलोर द्वारा सम्पादीकरण)

अनुदान : 15 लाख रुपये (2014)

डॉ0 अमीत के0 बिश्वास को हमबोल्ट संस्था द्वारा ''रिनिउड रिसर्च स्टे'' के सभासदीकरण से तीन महीने के लिए पुरस्कृत किया गया है। वह बोन विश्वविद्यालय के अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र के केन्द्र को मई से जुलाई, 2016 में देखेंगे।

प्रकाशन : अ) शिक्षकों द्वारा :

पिछले एक वर्ष में विभाग के शिक्षा विशेषाधिकारों द्वारा प्रकाशित निम्नलिखित सूची :

सरबजीत सेनगुप्ता

किताबें / अध्याय :

भ्रष्ट भाग के निर्माण के लिए पूर्वाकांक्षित की तरह ओलिगोपोली के अन्दर अर्थशास्त्र युक्ति और मिस-इनवोइसिंग आयात (ए.के.बिश्वास के साथ), मिरोनोव में, वाई.आई (प्रकाशन) ''भ्रष्टाचारहीन की असली समस्या : संयुक्त लेख'', वोलगोग्राड वैज्ञानिक प्रकाशन गृह, आईएसबीएन : 978-5-906081-95-7

दस्तावेज :

1. भ्रष्ट आयातक, घरेलू उपजकार और ऐश्वर्य : व्यवसाय युक्ति की भूमिका (ए.के. बिश्वास के साथ), अर्थशास्त्र और राजनीति, विस्तार 27/3, नवम्बर, 2015 (विली-ब्लैकवेल)
2. लम्ब रूप में असमान उद्योग में व्यवसाय, व्यापार और वृद्धि पुर्नजांच विस्तार 8 संस्करण 2, 2015-119

सुदीप्ता भट्टाचार्य :

किताब / अध्याय

1. सृष्टिकरण, अग्रेरीयन अर्थशास्त्र और पर्यावरण चुनौती भारत में संयुक्त सम्पादीकरण प्रणब कुमार चट्टोपाध्याय और विश्वजीत हलदार के द्वार, प्रकाशन आधार, 2015, आईएसएसएन 13-978-935125-185-9
2. सृष्टिकरण किताब का 'परिचय' (अध्याय एक), अग्रेरीयन अर्थशास्त्र और पर्यावरण चुनौतियाँ भारत में संयुक्त सम्पादीकरण प्रणब कुमार चट्टोपाध्याय और विश्वजीत हलदार द्वारा, पी.पी. 1-12, प्रकाशन आधार, नई दिल्ली, 2015, आईएसएसएन 13-978-935125-185-9
3. 'ग्रामीण कीर्ति को क्या हुआ? एक यात्रा बैंक राष्ट्रीयकरण से स्वतंत्रीकरण की' कृषि किताब का पाँचवा अध्याय, जीवन धारण करने योग्य वृद्धि और निम्न आर्थिक व्यवस्था, प्रो0 विश्वजीत चटर्जी के सम्मान में निबन्ध, अम्बरनाथ घोष और असीम के. कर्माकार के द्वारा सम्पादीकरण, पी पी. 61-78, राजकीय प्रकाशन, नई दिल्ली- आईएसएसएन 13-978-81-8484-453.5

प्रणब कुमार चट्टोपाध्याय

किताबें / अध्याय

1. ग्रामीण स्वास्थ, महिला सशक्तिकरण और कृषि : प्रवाह और चुनौतियाँ संयुक्त सम्पादीकरण

दया शंकर खुशवाहा द्वारा

2. कृषि और ग्रामीण वृद्धि
3. संयुक्त किये हुये और जीवन धारण करने योग्य वृद्धि के लिए व्यूहरचना।
4. सृष्टिकरण, अग्रेरीयन अर्थशास्त्र और पर्यावरण चुनौतियाँ भारत में सुदीप्ता भट्टाचार्य और विश्वजीत हलदार द्वारा संयुक्त सम्पादीकरण

प्रणब कान्ति बासु

किताब / अध्याय

1. तृतीय अध्याय रविः कुमार (सम्पादीकरण) में, मार्क्सवादी का समकालीक अध्ययन, आकार किताबें, नई दिल्ली, 2016.
2. 'वर्ल्ड ऑफ थर्ड', ई पी डब्लू, अगस्त 1, 2015 विस्तार 1 नं. 31

अपूर्व कुमार चट्टोपाध्याय

1. 'किसान ऋणग्रस्ततता और पश्चिम बंगाल में भूमि बन्धन तरीके' अमित मण्डल और विश्वजीत द्वारा ओपेन आईज में सामाजिक विज्ञान का भारतीय समाचारपत्र, साहित्य, वाणिज्य एवं उद्यानपथ क्षेत्र, 13 नं. 1, 1 जून 2015, पेज : 72-78, आईएसएसएन 2249-4332

सौम्य चक्रवर्ती

किताब

1. संयुक्त वृद्धि और सामाजिक बदलाव : नियमानुसार - अनियमानुसार अग्रेरीयन सम्बन्ध भारत में, एक लेख ऑक्सफोर्ड विश्व विद्यालय जन समुदाय द्वारा (स्वीकार किया गया, प्रयोग सम्बन्धि प्रकाशन तारीख, 1 जून 2016)
2. अर्थशास्त्र वृद्धि : एक जटिल स्वरूप / एक किताब श्रेष्ठ बैचलर और मास्टर्स कोटि के लिए) : प्रेनटिस हॉल द्वारा प्रकाशित करने के लिए स्वीकार्य हुआ (अपराजिता मुखर्जी द्वारा सहरचित)

दस्तावेज

1. ''आग्रह - युक्त अग्रेरीयन संकट : क्या युक्ति बड़े पैमाने पर बाजार में फसल भिन्नता एक त्रैलोक्य चिंतामणी हो सकता है?'' भारत में कृषि स्थिति (कृषि मंत्रालय, भारत सरकार), मुख्य मुद्दा, दिसम्बर 2015.
2. ''कल्पित कथा बिना संघर्ष के परिवर्तन की'' धार्मिक से नये अर्थशास्त्र की। एक आकृति पूर्ण कार्य भारत के लिए'' सृष्टिकरण, अग्रेरीयन अर्थशास्त्र और पर्यावरण परिवर्तन चुनौतियाँ भारत में, प्रकाशन, प्रणब कुमार चट्टोपाध्याय, सुदीप्ता भट्टाचार्य और विश्वजीत हलदार (आईएसबीएन नं. : 9351251853 आईएसबीएन 13 : 9789351251859), प्रकाशन आधार, नई दिल्ली (20-15).
3. आनन्दबाजार पत्रिका दिसम्बर 2015 में एक साहित्यिक लेख

अमित के. विश्वास

किताबें : अध्याय

1. अध्याय, नामकरण, भ्रष्ट भाग के निर्माण के लिए पूर्वाकांक्षित की तरह ओलिगोपोली के अन्दर अर्थशास्त्र युक्ति और मिस-इनवोइसिंग आयात (एस.सेन गुप्ता के साथ) ''असली समस्या भ्रष्टाचारहीनता की : संयुक्त लेख', वोल्गोग्रेड वैज्ञानिक प्रकाशन गृह, आईएसबीएन : 978-5-906081-95-7
2. अध्याय नामकरण, गलत सूची : एक गम्भीर समस्या अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की ईगोरोव जी में (प्रकाशन) असली समस्यायें कानूनी लिखित और कार्यरत की'', वोल्गोग्रेड वैज्ञानिक प्रकाशन गृह (स्वीकरीय)

दस्तावेज

1. भ्रष्ट आयातकार, घरेलू उपजकार एवं संस्था : व्यापार युक्ति की भूमिका (एस.सेनगुप्ता द्वारा) अर्थशास्त्र एवं राजनीति, विस्तार : 27/3, नवम्बर, 2015 (विली-ब्लैकवेल)
2. महिला सशक्तिकरण भारत में : राज युक्ति की भूमिका, (आर. सन्याल द्वारा), पल्ली चर्चा (स्वीकारीय)

विश्वजीत मण्डल

किताब / अध्याय

1. समय के प्रारुप एवं एफडीआई विजातीय प्रारूप (तोरू किकूंची तथा सुगाता मरजीत) 2016, एम. रॉय एवं एस सिन्हा (संस्थापक) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार एवं अन्तर्राष्ट्रीय वित्त : आलोचनाओं पर विवाद, स्प्रींगर इन्डिया, न्यू दिल्ली।
2. असंतुलित अर्थव्यवस्था में संचालन व्यापार एवं वाणिज्य के अनुसार-एक सामान्य समायवी विश्लेषण (2015) जे.एफ. राज (संस्थापक) भारतीय अर्थव्यवस्था : एक परिलक्षित प्रारुप, रीगल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. सीमित परिवर्त्तन : व्यापारिक सिद्धान्त के अनुप्रयोग, नीति एवं विकास (सुगाता मरजीत) (2015) पी.जी. बाबूके संस्थापक, रजत जयंती आईजीआईडीआर के प्रकाशन, स्प्रींगर इंडिया (झूलता भारत)

पेपर

1. परामीटर झुकाव वरीयता स्टौक (संचित रिटर्न के अनुसार स्टीमुलेटेड (प्रेरित गति विधि का उपयोग) (ए.विश्वास) (2016), वित्तीय अर्थव्यवस्था का विश्लेषण (आनेवाला)
2. आयोजित घात, गतिमान संसाधन और अनायोजित विभाग, (2016), दक्षिण एशिया आर्थिक जर्नल, वॉल्यूम 17 (I) (पेज 149-162
3. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, पलायन एवं बेरोजगारी – असामान्य विभाग के कार्य (एस.मरजीत (2016) आर्थिक एवं राजनीतिक, वॉल्यूम 28 (1) 8-22
4. मातृ स्वास्थ्य के मांग, पश्चिम बंगाल – एनएफएचएस भारत में (2015) आर्थिक प्रचार (बुलेटिन), वॉल्यूम - 35 (4), 2685-2700

5. एक टिप्पणी, क्यों वृद्धि एवं बेरोजगारी हर वर्ग में विकसित अर्थव्यवस्था में (ए.मण्डल) (2015) : अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक जर्नल वॉल्यूम - 29 (4), 681-693

ओपी-ईडी (बंगाल में)

1. उन्नयन उत्पादन सिल्पर प्रसार चारा नैनीओपन्थ, ईआई. सैमी, 28 जनवरी, 2016
2. आयर आसमय कोमलयी स्वास्थ्य संघ ? ईआई. सैमी 3 नवम्बर 2015
3. रैनर गैस संगसोद कैन्टीन ओ जेम प्रकल्प – सरकारी भर्तूकीर आर्थो केनो ओ कदर जानो, ईआई. सैमी 21 सितम्बर 2015
4. अन्तर्जातीय माप के लिए भारत दुर्नीति स्वरूप – अभिज्ञता और व्यक्तित्व ये फर्क क्यों, ईआई. सैमी 24 अगस्त 2015
5. भोटर बाजार का सौदा करना आसान नहीं, आनन्द बाजार पत्रिका, 7 अप्रैल 2015

सौमयदीप चट्टोपाध्याय

पेपर

भारत की वित्तीय व्यवस्था शहरीकरण हेतू : आधुनिक प्रयास एवं सुधार विकल्प अति आधुनिक विकास जर्नल में (सेज प्रकाशन) 7 (i) PP. 55-75

उत्तम सिकदर

पेपर

1. लिंग-आधारित विभिन्नता के अन्तर्गत - पाँच मृत्यु दर पश्चिम बंगाल में : एक अर्न्त जिला विश्लेषण पी.पी. 84-91/ आई ओ.एस.आर पत्रिका में मानवीय एवं सामाजिक विज्ञान (आई ओ.एस.आर-जेएचएसएस), वॉल्यूम 20, 4 प्राप्त, वीर IV (अप्रैल 2015) ली-आई-आईएसएसएन 2279-0837, पी-आईएसएसएन : 2279-0845
2. महिलाओं के गर्भ पश्चात् जटिलता में वृद्धि एवं विभिन्नता पश्चिम बंगाल में स्वास्थ्य ध्यान संसाधन के दौरान : एक अन्त र्जिला विश्लेषण, पी पी-131-139/ अमेरिकन अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका में मानवीय खोज, कला एवं सामाजिक विज्ञान, 10 प्राप्त, वॉल्यूम - 2, मार्च-मई, 2015 / आईएसएसएन (प्रिन्ट) : 2328-3734 आई एस एस एन (ऑनलाइन) : 2328-3696, आईएसएसएन (सीडी-आरओ एम) : 2328-3688
3. शिशु मृत्यु दर एवं इसकी पहचान भारत के अन्तर्राज्य में निराशा, वर्गीय संयोग डाटा से प्रमाण 2012-13 में पेज नं0 130-136/ आईओएसआर मानवता एवं सामाजिक विज्ञान (आई ओ एस आर-जे एच एस एस) वॉल्यूम 20, 7 प्राप्त, वीर VII जुलाई 2015, ई-आईएसएसएन : 2279-0837, पी-आईएसएसएन : 2279-0845
4. अन्तर्राष्ट्रीय शिशु मृत्यु दर एवं उनके पहचान में निराशा भारत के अन्दर :

फिलहाल जनगणना 2011 के अध्ययन के आधार पर, पृष्ठ संख्या 11-16/आईओएसआर पत्रिका मानव एवं सामाजिक विज्ञान (आईओएसआर-जेएचएसएस) वॉल्यूम 28, 8 प्राप्त, वीर-1 अगस्त 2015/ ई-आईएसएसएन : 2279-0837, पी-आईएसएसएन : 2279-0845

5. आणविक जांच काल्डवेल का भ्रूण निषेचन भारत में अर्न्तपीढ़ी स्वास्थ्य संचालन : राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे डाटा प्रमाण, पृष्ठ संख्या 77-80/ अमेरिकन अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका मानवता की खोज, कला एवं सामाजिक विज्ञान, 11 प्राप्त, वॉल्यूम-आई जून-अगस्त 2015/आईएसएसएन (प्रिंट) : 2328-3734, आईएसएसएन (ऑनलाइन) : 2328-3696, 2328-3688
6. अन्तर्जिला निराशा के अर्न्तगत – 5 मृत्यु दर एवं इसके मुख्य पहचान तामिलनाडू में, भारत, पीपी-263-270 अमेरिकन अन्तराष्ट्रीय पत्रिका - मानवीय खोजे, कला एवं सामाजिक विज्ञान, आईएसएसएन (प्रिन्ट) : 2328, आईएसएसएन

(औनलाइन) : 2328-3696, आईएसएसएन (सीडी-आरओएम) : 2328. पीपी 263-270, प्राप्त 11/3

7. अन्तर्जिला निराशा शिशु मृत्यु दर में एवं इसके प्रमुख पहचान उत्तर-पूर्वी भारत में, अमेरिकन अर्न्तराष्ट्रीय पत्रिका में मानवीय खोज, कला एवं सामाजिक विज्ञान, आईएसएसएन (प्रिन्ट) : 2328, आईएसएसएन (ऑनलाइन) 2328-3696, आईएसएसएन (सीडी-आरओएम) : 2328. पीपी 263-270, पीपी 21-28

8. अन्तर्जिला निराशा पाँच मृत्यु दर एवं इसके प्रमुख पहचान उत्तर प्रदेश में, अमेरिकन अर्न्तराष्ट्रीय पत्रिका मानवीय, कला एवं सामाजिक विज्ञान की खोज,आईएसएसएन (प्रिन्ट) : 2328, आईएसएसएन (ऑनलाइन) 2328-3696, आईएसएसएन (सीडी-आरओएम) : 2328. पीपी 263-270, पीपी 263-270 प्राप्त संख्या - 12 (2) पीपी 242-251

9. निराश सामाजिक वर्ग हेतू भारत में स्वास्थ्य केन्द्र कुछ चयनित राज्यों में हैं : चित्रांकित कौंसिल पीपी 46-52/ आईओएसआर मानव एवं सामाजिक विज्ञान पत्रिका (आईओएसआर-जेएचएसएस) वॉल्यूम -20, 10 प्राप्त (भाषा-1), अक्टूबर 2015/ई-आईएसएसएन : 2279-0837, पी-आईएसएसएन : 2279-0845

10. स्वास्थ्य सम्बन्धित परिकल्पित कार्य अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जाति समुदायों द्वारा पश्चिम बंग के चौबीस उत्तरी जिलों में, भारत अन्तर्गत, पीपी-26-32/ खोज पत्रिका : मानवीय एवं सामाजिक विज्ञान में, वॉल्यूम 3, 10 प्राप्त, अक्टूबर 2015, आईएसएसएन (ऑनलाइन) : 2321

11. पश्चिम बंग के 24 उत्तरी जिलों में सामान्य घरेलू कार्यकर्त्ताओं द्वारा बीमारी का इलाज हेतू मांग सम्पर्क एवं चिकित्सा सेवा, भारत, पेज नं. 62/69/आईओएसआर मानव एवं सामाजिक विज्ञान (आईओएसआर-जेएचएसएस), वॉल्यूम 20, 10 प्राप्त, वरसन II (अक्टूबर 2015) /ई-आईएसएसएन : 2279-0837, पी-आईएसएसएन : 2279-0845

12. स्वास्थ्य केन्द्र की मांग पश्चिम बंग के उत्तर चौबीस परगना जिला में अनुसूचित जन जातियों द्वारा, पीपी 198-205/ अमेरिकन अर्न्तराष्ट्रीय खोज पत्रिका, मानवीय, कला एवं सामाजिक विज्ञान, 12 प्राप्त, वॉल्यूम-2 सितम्बर-नवम्बर 2015/ आईएसएसएन (प्रिन्ट) 2328-3734, आईएसएसएन (ऑनलाइन) : 2328-3696, (सीडी-आरओएम) : 2328-3688

13. पश्चिम बंग के उत्तर 24 परगना में अनुसूचित जाति समुदायों द्वारा उचित दवाओं की मांग, भारत में, पृष्ठ संख्या32-38/ अमेरिकन अर्न्तराष्ट्रीय पत्रिका, मानवीय, कला एवं सामाजिक विज्ञान में खोज, 12 प्राप्त, वॉल्यूम 1, सितम्बर-नवम्बर, 2015/ आईएसएसएन (प्रिन्ट) : 2328-3734, आईएसएसएन(ऑनलाइन) : 2328-3696, (सीडी-आरओएम) : 2328-3688.

14. पाँच मृत्यु दर अन्तर्गत वृद्धि एवं पहचान अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जन-जातियों द्वारा भारत के सुनिश्चित राज्यों में, पृष्ठ संख्या 01-06/ अमेरिकन अर्न्तराष्ट्रीय पत्रिका में मानव, कला एवं सामाजिक विज्ञान में खोज, प्राप्त संख्या-12, वॉल्यूम 1, सितम्बर-नवम्बर, 2015/ आईएसएसएन (प्रिन्ट) : 2328-3734, आईएसएसएन (ऑनलाइन) : 2328-3696, (सीडी-आरओएम) : 2328-3688

15. भूमि सुधार कानून जो वर्त्तमान सरकार द्वारा किसानों एवं मुख्य रूप से बड़े पूँजीपतियों के हित में, धनी वर्ग एवं कौरपोरेट जगत में हितकारी है, ध्यान नहीं दिया जा रहा है। पृष्ठ संख्या 154-157/ अमेरिकन अर्न्तराष्ट्रीय पत्रिका मानवीय, कला एवं सामाजिक विज्ञान में खोज, प्राप्त - 12, वॉल्यूम 2, सितम्बर-नवम्बर, 2015/ आईएसएसएन (प्रिन्ट) : 2328-3734, आईएसएसएन (ऑनलाइन) : 2328-3696, (सीडी-आरओएम) : 2328-3688

16. अन्तर्गत निराशा अन्तर्गत न्यूनतम मृत्यु एवं दर एवं इसके मुख्य पहचान उत्तर प्रदेश में भारत, पृष्ठ संख्या 135-143/ अमेरिकन अर्न्तराष्ट्रीय पत्रिका मानवीय, कला एवं सामाजिक विज्ञान में खोज, प्राप्त - 12, वाल्यूम 2, सितम्बर-नवम्बर, 2015/ आईएसएसएन (प्रिन्ट) : 2328-3734, आईएसएसएन (औनलाइन) : 2328-3696, (सीडी-आरओएम) : 2328-

3688

17.शिशु मृत्यु दर में वृद्धि एवं इसकी पहचान भारत के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जन-जाति राज्यों में, पृष्ठ संख्या 36-41/ खोज पत्रिका-मानवीय एवं सामाजिक विज्ञान में खोज, प्राप्त संख्या 12 (2015), वॉल्यूम 3, चार जनवरी, 2015/ आईएसएसएन (औनलाइन) : 2321-9467.

18.पश्चिम बंग के चार उत्तरी जिला में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जन-जाति द्वारा स्वास्थ्य सम्बन्धित परिकल्पित कार्य, खोज पत्रिका-मानवीय एवं समाजिक विज्ञान में खोज, पीपी -26-32, प्राप्त 10 (2015), वॉल्यूम 3, प्राप्त किया गया 20 अक्टूबर 2015, आईएसएसएन (औनलाइन) : 2321-9467)

प्रिया व्रत दत्ता

1. वेतन असमानता, कम न होना एवं सामाजिक संस्थान : एक सैद्टान्तिक विश्लेषण'' कियो आर्थिक अध्ययन (कियो ? गिजूक कीजय गक्कई), (आनेवाला या निकलनेवाला) प्रकाशन : b) शोधकर्त्ताओं द्वारा निम्नलिखित प्रकाशनों की सूची जो गत (पिछले) एक वर्ष में आनेवाले थे एवं विभागीय शोधकर्त्ताओं के द्वारा लिखा गया।

कस्तूरी घोष

''असामान्य सेवा एवं अत्यधिक वृद्धि प्राप्त'' स्वीकृत पाठ आनेवाली पुस्तक में ''अध्यधिक वृद्धि एवं सामाजिक परिवर्तन : सामान्य - असामान्य - भारत में अग्रणी सम्बन्ध'' ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय प्रेस, न्यू दिल्ली, भारत।

सोमनाथ घोष :

1. सह-लेखक रिपोर्ट का अध्ययन ''राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन पर प्रभाव उपयोग के उपरांत, उत्पादन, उत्पादकता एवं भारत में आय (आमदनी)'', कृषि मंत्रालय द्वारा उद्घोषित, (भारत में आय (आमदनी)'', कृषि मंत्रालय द्वारा उद्घोषित, जीओआई (भारत सरकार), एईआरसी, विश्व-भारती)
2. एक पाठ के लिए सलाह ''भारत में गरीबों की अत्यावश्यक हालत (दशा) में परिवर्तन : एक राष्ट्रीय स्तर पर विश्लेषण एक किताब के लिए स्वीकृत किया गया है, शीर्षक :आधारभूत विकास एक जटिल तत्व विश्व के आर्थिक विकास में प्रकाशित होगा आईजीआई ग्लोबल से, यूएसए

ऋषभ मुखर्जी

सह-लेखक रिर्पोट ''किसानों के द्वारा मिट्टी जाँच के आधार पर उर्वरा के लिए अनुमानित खुराक'' कृषि मंत्रालय द्वारा उद्घोषित, भारत सरकार (एईआरसी, विश्व भारती)

दुर्गेश मनी तिवारी

1. एक कागजी शीर्षक ''भारत में वित्तीय आयोजन की ओर'' पीएमजेडीवाई का केस, दुर्गेश मनी तिवारी के द्वारा लिखा गया 'आर्थिक नीति एवं खोज पत्रिका' में प्रकाशित (जेईपीआर) हैदराबाद, अप्रैल-सितम्बर 2015 'श्रृंखला, वॉल्यूम संख्या 2, आईएसएसएन 0975-8577
2. दुर्गेश मनी तिवारी द्वारा एक पुस्तक का पुनर्अवलोकन शीर्षक था'' विकास का नाम किसके बारे में ? प्रकाशित हुआ एक पत्रिका में –''पहली चर्चा''– ग्रामीण अध्ययन की भारतीय पत्रिका, जनवरी-जून, 2015 वॉल्यूम 2, संख्या -1; आईएसएसएन 2350-1227 यह किताब पुनर्चार्चा है जिसका नाम पारिस्थितिकी, आर्थिक : सामाजिक सूचित सम्बन्ध के लिए खोज, फेलिक्स पडेल, अजय डंडेकर और जीमल उन्नी के द्वारा लिखा गया, दिल्ली द्वारा प्रकाशित : ओरिएन्ट ब्लैक स्वान, 2013 पीपी. XXIV, 296. आईएसबीएन 978-81-250-5179-4

रिभू सान्याल

पुस्तक पाठ :

एनआरईजीएस-महिलाओं के विकास का एक औजार, एक किताब के वॉल्यूम में प्रकाशित, नाम-महिलाओं का विकास कुछ प्राप्त, चुनौती एवं विवाद, 20वीं एवं 21वीं सेंचूरी, के.के. डब कॉलेज द्वारा, इलीगेन्ट प्रकाशन के साथ में प्रकाशित, कोलकाता, आईएसबीएन संख्या- 978-93-83360-18-5

प्रकाशन : स) ए.के. दासगुप्ता केन्द्र उपाय और वृद्धि के लिए ए. के. दासगुप्ता केन्द्र उपाय और वृद्धि के लिए, भारत प्लैनिंग कमीशन द्वारा लागत किये गये हैं और अर्थशास्त्र तथा राजनीतिक विभाग द्वारा समुदाय किये गये हैं, अर्थशास्त्र तथा राजनीतिक विभाग द्वारा समुदाय किये गये हैं, निम्नलिखित किताबों को पिछले एक वर्ष में प्रकाशित किये है :-

किताबें :

1. ग्रामीण स्वास्थ, महिला सशक्तिकरण और कृषि : युक्ति और चुनौतियाँ प्रणब कुमार चट्टोपाध्याय एवं दयाशंकर द्वारा प्रकाशित / गठित।
2. कृषि और ग्राम वृद्धि प्रोफेसर प्रणब कुमार चट्टोपाध्याय द्वारा।
3. संयुक्त और जीवन धारण करने योग्य वृद्धि की व्यूह-रचना, कार्य दस्तावेज विस्तार - IV
4. स्पष्टीकरण, अग्रेरीयन अर्थशास्त्र और पर्यावरण चुनौतियाँ भारत में प्रणब कुमार चट्टोपाध्याय, सुदीप्ता भट्टाचार्य और विश्वजीत हलदार द्वारा गठित।

अन्य प्रतिनिधि की सहायता द्वारा ए.के. दास गुप्ता केन्द्र के अन्तर्गत निरीक्षण कार्य :

1. विद्युत का जीविका पर प्रभाव और दूरवर्ती ग्रामीण गाँवों में रास्तों का सम्बन्ध : एक अध्ययन सुन्दरवन डेल्टा में मुख्य जाँच अधिकारी : डॉ० सान्तादास घोष, अर्थशास्त्र और राजनीतिक विभाग, विश्व-भारती नाबार्ड)
2. प्रकति व्यवधान, ग्रामीण परिवर्तन और पर्यावरण जीवन धारण करने योग्य : एक अध्ययन सुन्दरवन पर भारत में मुख्य जाँच अधिकारी : डॉ० सान्तादास घोष, अर्थशास्त्र एवं राजनीतिक विभाग, विश्व-भारती आईसीसीएस आर नई दिल्ली
3. समय क्षेत्र अन्तर वार्तालाप मूल्य और इसका, निर्माण उद्योग पर प्रभाव (मुख्य जाँच अधिकारी : डॉ० विश्वजीत मण्डल, सह प्रोफेसर, अर्थशास्त्र एवं राजनीतिक विभाग, विश्व-भारती केन्द्र सामाजिक विज्ञान के अध्ययन के लिए, कोलकाता।
4. वृद्ध सेवावृत्ति पर अध्ययन, विधवा सेवावृत्ति और विकलांग सेवावृत्ति-वीरभूम और बर्दवान जिला (मुख्य जाँच अधिकारी ए.के. चट्टोपाध्याय और डॉ० सान्तादास घोष, अर्थशास्त्र और राजनीतिक विभाग, विश्व-भारती) अर्जित अर्थशास्त्र और गणना का दफ्तर, जिला मानोरिटी बिल्डिंग, सुरी, वीरभूम, पश्चिम बंगाल ए.के. दासगुप्ता उपाय और प्रगति ने निम्नलिखित सम्मेलन और मुख्य भाषण पिछले वर्ष में आायेजित किया है : राष्ट्रीय सेमीनार स्वास्थ देखभाल पर, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण प्रगति भारत में (20 और 21 नवम्बर 2015) ए.के. दासगुप्ता केन्द्र उपाय और प्रगति के लिए द्वारा आयोजित नये कोर्स का नक्शा / विभाग द्वारा करीकुलम पश्चिम : 2010-2011 एकाडमिक भाग के अन्तर्गत होने वाले अपडरग्रेजुएट कोर्स के लिए विभाग में छः महीने का अध्ययन क्रम नियम परिचित किया गया है। पुराने वार्षिक नियम से इस नये व्यवस्था का धीरे-धीरे परिवर्तन जारी है।

निम्नलिखित विश्लेषण विभाग के लिए बोर्ड ऑफ स्टडीज के द्वारा ली गई है, पिछले वर्ष एक विद्यार्थी-विशेषाधिकार सभा गठित की गई थी जिसका उद्देश्य विभाग का स्पष्ट कार्य और शिक्षकों तथा विद्यार्थियों के बीच समान जरूरतों की अच्छी समझ को उत्साहित करना था। सभा में सम्मिलित थे, सभी विशेषाधिकार सदस्यों के अलावा, दो चुने गये विद्यार्थी जो प्रत्येक पाँच यूजी/पीजी वार्षिक विभाग में से थे और निरीक्षण विद्वानों पंजीकृत में से विभाग के भी थे । आरम्भ के दौरान, सभा रोजाना बैठकी कर रही है और इसने विभाग में हो रहे कमियों को महत्वपूर्ण तरीके से पहचानने में सहायता की है और आवश्यक परिवर्तन को महत्ता दे रही है। यही वो सम्बन्ध है विद्यार्थीयों से जिनको विशेषाधिकार ने अनुभव किया जो कि कार्य है कमी पूरी करने वालों कार्यों द्वारा परिशिष्ट शिक्षा कक्षाओं की जरूरत पूरी करना। आगामी बीओएस बैठक में ये

निश्चय किया गया था कि विद्यार्थीयों को कार्य क्षेत्र में प्रकाशकरण दी जायेगी और गाँवों के बाहरी स्थान में होने वाले मुख्य जाँच में एग्रो-अर्थशास्त्र निरीक्षण केन्द्र (एईआरसी) द्वारा आर्थिक सहायता दी जायेगी। ये आयोजन इस काल में सफलता पूर्वक पूर्ण किया गया है और ऐसे ही अगले भाग में भी जारी रहेगा।

विभाग पर अन्य प्रस्तुत सूचना :-

इन दिनों एक पोस्ट ग्रेजुएट विद्यार्थी को अर्थशास्त्र में तथा कार्य बाजार में सफल होने के लिए कुछ आभ्यासिक हुनर की जरूरत है एक निरीक्षक की तरह। इस आवश्यकता की पूर्ति के लिए पोस्ट ग्रेजुएट स्तर में एक जरूरी कम्पूटर कोर्स को परिचित किया गया है। कोर्स विद्यार्थियों को आधुनिक स्टैटिस्टिकल सोफ्टवेयर की सहायता से सामाजिक-अर्थशास्त्र को सम्भालने के लिए आयोजित किया गया है। लेकिन ये भी अनुभव किया गया था कि हुनर जैसे कि एक संदर्भ-आधारित जाँच औजार की वृद्धि करना और क्षेत्र से मुख्य रूप से डाटा इकन करना इस योग्य निर्माण का पूरा भाग है। इस अन्त की ओर, विभाग ने इस साल एकाग्र शिक्षक को व्यवस्थित किया है, डॉ० सान्तादास घोष, विद्यार्थियों को कुछ उचित क्षेत्र कार्य के लिये चुनने के लए। ये बहुत सफलतापूर्वक पूर्ण हुआ है क्योंकि 21 पोस्ट ग्रेजुएट विद्यार्थियों ने भाग लिया था और जनवरी 2016 के पहले सप्ताह में 3 दिन के कैम्प में गये थे बिना किसी आर्थिक मदद के उत्तर बंगाल (28 मील, बक्सा टाईगर संग्रह के अन्तर्गत) के दूरस्त जंगली गाँवों में। वे लोग ग्रामवासियों के साथ रूके थे, उनके रोज के जीवन को जान पाए और उनके जीविका में प्राकृतिक संसाधनों की भूमिका को जाने। उन्होंने 60 घरेलू जाँच भी प्रवाह कराये थे गाँवों में एक प्री-कोडेट और आकर्षित औजार के साथ। एकत्रित डाटा विद्यार्थियों के द्वारा इलेक्ट्रोनिकली शामिल किये गये हैं ओर उचित सोफ्टवेयर द्वारा निरीक्षण किये गये हैं। इस कार्य ने काफी उत्साह उत्पन्न किया है और विद्यार्थियों द्वारा लिया गया भाग उन्हें एक पूर्ण तरकीब प्रयोग सिद्ध निरीक्षण के विभिन्न तख्तों के बारे में दिया है।

भूगोल विभाग

यूजीसी / सी एसआईआर/नेट/स्लेट और गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण हुये विद्यार्थियों के नाम :
यूजीसी (जेआरएफ)- 20
नेट - 50
सेमीनार विभाग : एक दिन राज्य स्तर सेमीनार ''आधुनिक भूगोल की शिक्षा'' पर विभाग के द्वारा आयोजित किया गया था–समस्यायें और चुनौतियाँ'' 2016, 16 जनवरी को। सभा प्रोफेसर ताप्ति मुखोपाध्याय द्वारा उद्घाटित हुआ था, अध्यक्ष, रवीन्द्र भवन प्रोफेसर भी.सी. झा के उपस्थिति में, मुख्य अध्यक्ष विद्या भवन। उन दोनों ने सेमीनार के तथ्य के ऊपर अपने दृष्टि मत रखे।

तीन सब तथ्यों पर आधारित, सभा आयोजित हुआ था जहाँ विभागी शिक्षकों को सदस्यों की तरह सम्मिलित करते हुए खुले गृह तर्कों की सहायता से 16 दस्तावेज उपस्थित कराये गये हैं। प्रोफेसर मलय मुखोपाध्याय, ने एक सहायक की तरह भाग के प्रवाह में कार्य किया है और सभा को प्रभावित किया।

सभा / सेमीनार / कर्मशाला / प्रदर्शनी इत्यादि शिक्षक / निरीक्षक के द्वारा स्पष्ट रूप में।

मलय मुखोपाध्याय

राष्ट्रीय सेमीनार विवेकानन्द विश्वविद्यालय में, पश्चिम बंगाल 19 जुलाई 2015

1. राष्ट्रीय सेमीनार बिरपाड़ा कॉलेज में, पश्चिम बंगाल 27-28 अगस्त, 2015

प्रकाशन :

(i) दि पेपर 'इकोलोजिकल अप्रोच हजार्ड मैनेजमेंट में – एक मूल्य रवीन्द्र नाथ टैगोर के पर्यावरण दृष्टि पर, 'मॉर्डन ट्रेन्डस इन सोशल ऐण्ड बेसिक साइन्सेस' किताब में प्रकाशित हुआ। 2015 में, पाव्यकर्ता सेवा द्वारा प्रकाशित हुआ, आईएस बीएन 978-93-82623-51-9, पेज -193-200

(ii)दि पेपर 'उत्पन्न वृद्धि के लिए निराशा – एक एनथ्रोपो - भौगोलिक मूल्य ओन्ज समूह के, छोटा अण्डमान द्वीप, भारत ने जरनल में प्रकाशित किया 'दि एनथ्रोपोलोजी' 2015 में, आईएसएसएन : 2249-9830, विस्तार : 6, नवम्बर 8, पीपी-27-45

अन्य :

'' ज्ञान प्रस्ताव एक दृश्य की तरह आधुनिक भूगोल के शिक्षा में'' एक राजा स्तरीय सेमीनार प्रवाहित हुआ, 16 जनवरी, 2016, भूगोल विभाग, विश्व-भारती।

सुतपा मुखोपाध्याय :-

(i) उत्तर-पूर्वी हील विश्वविद्यालय, तारीख 29 से 31 अक्टूबर, 2015, भूगोल विभाग द्वारा आयोजित 28वाँ आईजीआई सभा और राष्ट्रीय सेमीनार 'ह्यूमन इम्पैक्ट ऑन लैण्डस्केप' पर एक भाषण और भाग को शासित किया।

(ii)प्रोफेसर इनायत अहमद ने भूगोल शास्त्र के आधार द्वारा आयोजित 'ज्योग्राफी ऑफ हैबीटेट'' के ऊपर राष्ट्रीय सेमीनार में भाषण दिया जो 26 फरवरी 2016 को हुई थी।

गोपाल चन्द्र देवनाथ

(i) समस्यायें और चुनौतियाँ कला विवरण सम्बन्धित मात्रा से सम्बन्धित, आधुनिक भूगोल की शिक्षा, भूगोल विभाग, विश्व भारती, शान्ति निकेतन, राज्य स्तरीय।

(ii) उपद्रव नक्शे के लिए जाड का उपयोग : एक निश्चय सहायता तरीका, प्राकृतिक संकट और उपद्रव : मुख्य बल

चक्रवात और बाढ़ पर पश्चिम बंगाल में, भूगोल विभाग, विवेकानन्द महाविद्यालय, हरीपाल, हुगली, यूजीसी स्पोन्सर्ड राष्ट्रीय।

प्रेमांग्शु चक्रवर्ती

(i) राष्ट्रीय सेमीनार ''जीवन धारण करने योग्य ग्रह पृथ्वी : इकोलोजिकल मात्रा और व्यूह-रचना'' डक्कन भौगोलिक समाज का, भारत, दसवाँ बैठक (17-19 अक्टूबर, 2015) भूगोल विभाग में, मोहनलाल सुखदीया विश्वविद्यालय, उदयपुर राजस्थान, भारत-पेपर उपस्थित किया ''प्लैनिंग टेरिज्म भारत सुन्दरवन में : एक वृद्धि मूल्य'' पर।

(ii)स्थान सम्बन्धि शसन वृद्धि के लिए पर XXXV आईएनसीए कांग्रेस अन्तर्राष्ट्रीय अन्तर्राष्ट्रीय सेमीनार, क्षेत्र वृद्धि की पढ़ाई के लिए केन्द्र में आयोजित तेज शहरें और संकट व्यवस्था (दिसम्बर 15-17, 2015), सामाजिक विज्ञान के पाठशाला, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय पेपर उपस्थित किया ''भू-स्थान सम्बन्धित कला विवरण, टूरिज्म और जीवन धारण करने योग्य : एक पढ़ाई भारतीय सुन्दरबन में'' पर।

भैरू लाल यादव

सिर्फ राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर सभा / सेमीनार/कर्मशाला/प्रदर्शनी इत्यादि, स्पष्ट रूप से शिक्षक / निरीक्षक विद्वानों द्वारा पूर्ण किये गये।

दो दिन उपयोगी जानकर सभा ''यूजीसी-इन्फोनेट के अन्तर्गत ई-रिर्सोसेज के मार्ग'' पर डिजीटल लाइब्रेरी कोनसोरटियम'' 24.08.2015 से 25.08.2015, विश्व भारती, लाइब्रेरी नेटवर्क, शान्ति निकेतन।

सुदीप्ता सरकार

पेपर का नामकरण उपस्थित हुआ (ओरल) : ''घरेलू काम में सहनीय कार्य कमी : एक ध्यान दिल्ली में महिला मजदूर के पार्ट-टाइम कार्य पर'', (आईजीयू) 2015-क्षेत्रीय भूगोल, 17-22 अगस्त 2015, मॉस्को, रशिया 8

विभाग में चल रहे निरीक्षण योजनायें :–

(i) शिक्षक का नाम: डॉ० गोपाल चन्द्र देवनाथ

(ii) योजना का नाम : बोलपुर शहर का जीआईएस म्यूनिसिपल

(iii) पश्चिम बंगाल के क्षेत्रों का भौगोलिक जाँच

(iv) प्रतिभूत विभाग : एनआरडीएमएस, विज्ञान और कलाविवरण का विभाग

(v) मूल्य निर्धारित किये गये : 15,92,200 रूपये।

6. विस्तार क्रियायें / एनएसएस/ सभ्यता और अन्य कार्यं विभाग द्वारा आयोजित और विभाग के शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा लिये गये भाग।

(i) नये का स्वागत, विदाई समारोह, शिक्षक दिवस उत्सव, आन्तरिक फूटबॉल विभाग और क्रिकेट टूरनामेंट

7. सम्पूर्ण तरीके से विभाग अथवा शिक्षकों / विद्वानों द्वारा एकाडमिक विभिन्नता को अर्जित करना – प्रोफेसर भी.सी. झा: निर्देशक युक्त किये गये, नैशनल एटलस ऐण्ड थीमैटिक मैपिंग ओरग्नाईजेशन (एनएटीएमओ), कोलकाता, भारत सरकार, विज्ञान और पहला-विवरण मंत्रालय, 9 अप्रैल, 2012 से नई दिल्ली तीन वर्षो के लिए नियुक्ति पर।

उमा शंकर मल्लिक

भारतीय भौगोलिक संस्था के बोर्ड सदस्य, कोलकाता, आईएसएसएन 0975-3850

जनरल अभ्यस्त भूगोल-शास्त्रज्ञ के सह पत्र सम्पादक की तरह कार्य करना, आईएसएसएन 0975-38500

पीजी बोर्ड पढ़ाई के सदस्य, भूगोल विभाग, विवेकानन्द कॉलेज महिलाओं के लिए, कोलकाता (कोलकाता विश्वविद्यालय के अन्तर्गत मान्यता प्राप्त)

पीजी बोर्ड पढ़ाई के सदस्य, भूगोल विभाग, भैरव गांगुली कॉलेज, कोलकाता (राज्य विश्वविद्यालय के अन्तर्गत मान्यता प्राप्त, पश्चिम बंगाल)

सुतपा मुखोपाध्याय

विद्यासागर विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के पीजी बोर्ड के बीओएस सदस्य मेदिनीपुर,

बर्दवान विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के बोर्ड के सदस्य पीजी बोर्ड के बीओएस सदस्य ।

इण्डियन इस्टिट्यूट ऑफ जीयोमॉरफोलोजिस्ट के शासन सम्बन्धि विचार सभा के सदस्य, इलाहाबाद।

पर्यावरण के अन्तर्राष्ट्रीय के बाध्य पुनर्जाचक, वृद्धि और जीवन धारण करने योग्य।

अप्रैल 2015 से मार्च 2016 के अन्तर्गत प्रकाशन :

मलय मुखोपाध्याय

(i) गलत राह पर (भूल पाथेर बंके) प्रोफेसर मलय मुखोपाध्याय द्वारा रचित, अनुस्तुप, कोलकाता आईएसबीएन 978-93-84425-43-4, नवम्बर, 2015

(ii) मानव-प्रकृति सम्बन्ध प्रोफेसर मलय मुखोपाध्याय द्वारा रचित, सोपान प्रकाशन, कोलकाता, आईएसबीएन 978-93-82433-68-2 मार्च, 2015 मार्च 2016

उमा शंकर मल्लिक

(i) (मार्च 2016), मानव-प्रकृति सम्बन्ध-रचनाकर : एम. मुखोपाध्याय, यू.एस. मल्लिक एवं एस. मुखोपाध्याय, भूगोल विभाग, विश्वभारती, सोपान प्रकाशक, कोलकाता , आईएसबीएन 978-93-82433-68-2

(ii) (मार्च 2016), अपराध के भूगोल के अन्दर जाँच प्रक्रिया : मार्क्सवादी दृश्य, प्रकृति सम्बन्ध में रचनाकर : एम. मुखोपाध्याय, यू.एस. मल्लिक एवं एस. मुखोपाध्याय, भूगोल विभाग, विश्व-भारती, सोपान, प्रकाशन, कोलकाता, आईएसबीएन 978-93-82433-68-2, पी.पी 277-294

(iii) (मार्च 2016), शहरीकरण पुनर्दृश्य,, सह-लेखक : अर्घ साहा, मानव-प्रकृति सम्बन्ध में, - रचनाकार : एम. मुखोपाध्याय, यू.एस. मल्लिक एवं एस.मुखोपाध्याय, भूगोल विभाग, विश्व-भारती, सोपन प्रकाशक, कोलकाता, आईएसबीएन 978-93-82433-68-2, पी.पी. 295-316.

(iv) (मार्च 2016) पश्चिम बंगाल में शहरीकरण पर सेन्सस शहरों की भूमिका, सह-लेखक : श्री चिनमय कुण्डु, विस्तार, XLVII, नम्बर 1 वैज्ञानिक क्षेत्र संख्या, भारत, पी.पी. 101-133- आईएसबीएन : 0046-9017, पी.पी. 101-113

सुतपा मुखोपाध्यय

(i) कोपाई नदी बेसिन में तालाबों की संख्या, आकार, वितरण और अवस्था, पूर्वी भारत, अन्तर्राष्ट्रीय पत्र जीओमैटिक्स और भू-विज्ञान का, विस्तार 5, नम्बर 4, अप्रैल आईएसबीएन : 0976-4380, पी.पी. 499-509

(ii) हाइड्रो-स्टैटिसटिकल जाँच बाढ़ प्रवाह का विशेष सिफारिश के साथ तीलपड़ा बैरेज को मयूराक्षी नदी की ओर, पूर्वी भारत, पृथ्वी विज्ञान का सामाचारपत्र, एशियन निरीक्षण प्रकाशन नेटवर्क, विस्तार 4 नम्बर 2, जून 2015, आईएसएसएन : 2305-493 एक्स, पीपी 76-86

(iii) इच्छामती - कालिन्दी का हाड्रोमॉर्फोलोजिकल गुण, दान्सना-रायमंगल इन्टरफ्लवस, डेल्टाईक बंगाल। इकोलोजिक स्टडीज और - भू-रचना तरीके का भारतीय समाचारपत्र, विस्तार 38, नम्बर 2 दिसम्बर, 2015, आईएसएसएन : 2277-2081, पी.पी. 19-32

(iv) लाबपुर ब्लॉक, बीरभूम जिले के ग्राउन्ड वॉटर हाइड्रोलोजी की अवस्था। जीयोलोजी का अन्तर्राष्ट्रीय समाचारपत्र,भू एवं पर्यावरण विज्ञान, विस्तार, 5 नवम्बर 23, दिसम्बर 2015, आईएसएसएन : 2277-2081. पीपी 19-32

गोपाल चन्द्र देवनाथ

(i) द्वारकेश्वर जलप्रवाह के भाग के बाध्य रचना जाँच और संगठित भूमि उपयोग, पी पी 351-363, जीओमेटिक्स और जीओसाइन्स का अन्तर्राष्ट्रीय समाचारपत्र।

(ii) जीआईएस प्रार्थनापत्र का उपयोग मुख्य शक्तियुक्त भू क्रियायें जैसे नाश, खण्डन और सुन्दरवन में हो रहे जंगलहीन प्रक्रियायों को रोकने के जाँच में, पी पी 34-39, सामाजिक विज्ञान और व्यवस्था के निरीक्षण सामाचारपत्र।

(iii) जयपान्डा जयप्रवाह की हाइड्रोजीओमॉर्फोलोजिकल पढ़ाई, पश्चिम बंगाल राज्य, भारत दूरस्त इशारों का उपयोग कर रहा है और साथ ही जीआईएस कला-विवरण का भी, पी पी - 1-5, स्वर्ण निरीक्षण सोच।

(iv) भूमिरचना के आधार परिवर्तनों के चित्र जाँच : एक केस पढ़ाई बीरभूम जिला का, पश्चिम बंगाल, भारत, पी पी 87-94, भारतीय शाखा निरीक्षण सामाचारपत्र, 5 बीरभूम जिले के जल क्षति, पी.पी 60-66, स्वर्ण निरीक्षण सोच।

(v) जयपाण्डा जलप्रवाह के मात्रक मॉर्फोमेट्रिक जाँच, पश्चिम बंगाल, भारत एस्टर डाटा और जाड का उपयोग कर रहा है, पी. पी. 50-56 भारतीय शाखा निरीक्षण सामाचारपत्र।

प्रेमांग्शु चक्रवर्ती

(i) पेपर नामकरण ''पठारी यात्रा और भेद योग्य : पश्चिम बंगाल के पठारी आश्रय में पढ़ाई'' अन्तर्पाठशाला के सामाचारपत्र में, (आईएसएसएन 0971-9016), वॉल्यूम 19, नम्बर 3 वर्ष 2015।

(ii) पेपर नामकरण ''कीर्तन और सभ्यतायिक यात्रा : राढ़ बंगाल में पढ़ाई'' भू-रचना तरीके और इकोलोजिकल पढ़ाइयों के भारतीय सामाचारपत्र में (आईएसएसएन 0971-4178), वॉल्यूम 38, नम्बर 1 वर्ष 2015

(iii) पेपर नामकरण ''जीवन धारण करके योग्य जीवन के एक आधुनिक बदलाव की शक्ति : भारत में औरोविले का केस'' इन्सानियत और सामाजिक विज्ञान के आईओएसआर सामाचार पन में (ई-आईएसएसएन: 2279-0837, पी-आईएसएसएन : 2279-0845), वॉल्यूम 20, नम्बर11, वर्ष 2015।

(iv) पेपर नामकरण ''फ्रांस उत्तरदान और यात्रा : एक पढ़ाई पुडुचेरी शहर में, दक्षिण भारत'', भू-रचना तरीके और इकोलो-जिकल पढ़ाई के भारतीय सामाचारपत्र में (आईएसएसएन : 0971-4170), वॉल्यूम 38, नम्बर 2, वर्ष 2015

(v) पेपर नामकरण ''धार्मिक यात्रा और पर्यावरण : सतिपीठ में एक भौगोलिक पढ़ाई'' अभ्यस्तर भू-शास्त्रज्ञ में (आईएसएसएन : 0975-3850), वॉल्यूम 19, नम्बर 2, वर्ष 2015।

(vi) अध्याय नामकरण ''स्वर्ण मन्दिर और यात्रा : अमृतसर, भारत में पढ़ाई'' पान में, एस. ई.टी आल (प्रकाशन), ''पर्यावरण, लोश और व्यवस्था : एक उन्नत दृश्य'' (आईएसबीएन : 978-93-85502-15-6), रेनू प्रकाशन, नई दिल्ली, पी पी 45-54, वर्ष 2016।

कृष्णनेंदु गुप्ता

(i) व्यवस्था का सैशियों टेम्पोरल परिवर्तन आसनसोल दुर्गापुर क्षेत्र के अरबन दहलीज के साथ-दूरस्थ सेन्सिंग और जीआईएस कला-विवरण का उपयोग करके, स्वर्ण निरीक्षण चिंतन, 2015, वॉल्यूम 4, नम्बर 10. पी. पी. 1-11, आईएसएसएन : 2231-5063, एस. चटर्जी के द्वारा सह-लेखा।

(ii) ''लड़कियों का बाल-विवाह : मालदा जिले में स्वास्थ्य का एक हिंसा, पश्चिम बंगाल'', क्षेत्रीय विज्ञान का भारतीय सामाचार पत्र, 2015, XLVII, नम्बर 1, पी. पी. 57-64, आईएसएसएन : 0046-9017, एच.असकारी द्वारा सह-लेखा।

(iii) ''कोयला खान क्षेत्र के सामाजिक अर्थशास्त्र जाँच का दृश्य निरीक्षण : एक आन्तरिक सुधार, (आईजेआईआरसीटी); 2015, वॉल्यूम 1, इशु-2, पी पी 165-172, आईएसएसएन : 2454-5988, एस बन्दोपाध्याय द्वारा सह-लेखा।

भैरू लाल यादव

(i) ''स्वास्थ्य में खर्च, शिक्षा और सैन्य : एक सम्पूर्ण जाँच चीन का, भारत का और पाकिस्तान का, भौतिक और समाज विज्ञान का अन्तर्राष्ट्रीय सामाचार पत्र, आईएसएसएन : 2249-5894, पी.पी., 376-388

(ii) बोलपुर शहर में बड़ों की जीविका व्यवस्था, पश्चिम बंगाल, अन्तर्राष्ट्रीय निरीक्षण सामाचार-पत्र प्रिटिंग क्षेत्र, आईएसएसएन : 2394-5303, पी.पी., 65-71

सुदीप्ता सरकार

(i) घरेलू कार्य में भिन्न कार्य कमी : दिल्ली में पार्ट-टाइम औरतों के कार्य पे ध्यान (2015) : मजदूर अर्थशास्त्र का भारतीय सामाचारपत्र, स्प्रींगर, ईशु नं0 3, विस्तार 58 विभाग द्वारा परिचित शिक्षा खोज या करीकुलम / नये कोर्स का नक्शा : निल

वृद्धि के लिए भविष्य योजना के इशारे के साथ जुड़े विभाग के वृद्धि पर एक छोटा इतिहास, भूगोल विभाग 1968 में सिर्फ 3 वर्षो के अण्डरग्रेजुएट ऑनर्स कोर्स के साथ स्थापित हुआ था। उसी के साथ दो वर्षीय पोस्ट-ग्रेजुएट कोर्स 1978 में लगभग पूरे योग्यता के साथ परिचित हुआ था, हर वर्ष 50 विद्यार्थी, दोनों यूजी और पीजी कोर्सेज बी.ए.में 8000 नवम्बर और एम.ए. में 1200 नम्बर रखते हैं। इसके अलावा, विभाग लेट अस्सी के दौरान पी.एच.डी. के अन्तर्गत निरीक्षणों को भी प्रवाहित कराता है। वर्तमान में 62 निरीक्षण विद्वान पी.एच.डी. के लिए अपना निरीक्षण प्राप्त कर रहे हैं। 10 विद्वान यूजीसी-नेट (जेआरई एवं एसआरएफ) जगह पकड़े हुए हैं। एल स्थान डॉक्टर फेलो, आईसीएसएसआर नई दिल्ली के मूल्य-आधार के अन्दर काम कर रहा है।

भूगोल में वर्तमान वृद्धि झुकाव को दिमाग में रखते हुए विभाग ने कुछ वर्षो में विशेष ध्यान दिया है विषय के विश्वसनीय क्षेत्रों को साथ रखते हुए जैसे जल संशाधन व्यवस्था, भूमि-रचना इकोलोजी, जनसंख्या और व्यवस्था, इन्फ्रास्ट्रक्चर वृद्धि, अरबन एवं क्षेत्रीय योजना और वृद्धि इत्यादि उपस्थिति करीकुलम कोर्स के साथ। विभाग यह भी अनुभव करता है कि स्थान सम्बन्धि और अस्थान सम्बन्धि सूचि को इकट्ठा, उभारने और प्रकाशित करने के लिए आधुनिक तरीकों को नियुक्त करना आवश्यक है और इस आवश्यकता की पूर्ति के लिए एक अग्रीम पी.जी. डिप्लोमा कोर्स जीयोइनफोर्मेटिक्स में सक्षम मानव-शक्ति को देने के लिए नियुक्त किया जायेगा। हम लोग आप्सनल विषय के रुप में, विपत्ति व्यवस्था पर भी एक कोर्स शुरू करने वाले है, पाठशाला विचारसभा में उत्तीर्ण अन्य विभागों के साथ मिलकर जहाँ भोगौलिक पढ़ाइयों के पवित्र दृश्य एक युक्त लाभ होंगे।

कोई अन्य प्रस्तुत सूचना जो ए.ओ.डी. के दृष्टि में योग्य विज्ञापन के रहा है युक्त होना चाहिए :

विभाग ने एक रचित विस्तार प्रकाशित किया है नाम ''मानव-प्रकृति सम्बन्ध'' रख रहा है 27 निरीक्षण आधारित भाग मैक्रो से माइक्रो स्तरीय जाँच से शुरू हो रहे भौतिक और सामाजिक पर्यावरण के मात्रायें के। विस्तार चुने गये भागों के परिणाम है एक और दो मार्च, 2014 के विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार में उपस्थित हुए। यह किताब सिर्फ विद्यार्थियों, भूगोल के विद्वानों के लिए ही बहुत मददगार नहीं होगा बल्कि बुनियादी नियमों के विद्वानों के बीच आगे के निरीक्षण के लिए भी मिसाल देगा। प्रोफेसर मलय मुखोपाध्याय, प्रोफेसर उमा शंकर मल्लिक और प्रोफेसर सुतपा मुखोपाध्याय इस किताब के रचनाकार है।

प्राचीन भारतीय इतिहास सभ्यता और पुरातत्व विभाग :

प्राचीन भारतीय ऐतिहासिक सभ्यता और पुरातत्व के विभाग एक सीधे अंश है इण्डोलोजिकल पढ़ाई के जो शान्तिनिकेतन में उत्पन्न हुये थे, रवीन्द्रनाथ के आशीर्वाद के साथ, और पण्डित क्षितिमोहन सेन और विधुशेखर शास्त्री द्वारा 1900 में स्वीकार किये गये, 1907 की ओर ठीक-ठीक, जब कि कवि के दिमाग में विश्व-भारती के तरकीब के उत्पत्ति भी नहीं हुई थी। रवीन्द्रनाथ को अपने सभ्यता के केन्द्र को विश्व-विद्यालय का नक्शा देने में संकोच हो रहा था। ''हानि'' ये है, कवि ने उतनी ही जल्दी 1919 में लिखा, जितनी जल्दी हमारे दिमाग में विश्व-विद्यालय का तरकीब आया, कैम्ब्रीज विश्वविद्यालय का तरकीब, ऑक्सफॉर्ड विश्वविद्यालय, और अन्य यूरोपियन विश्वविद्यालयों का एक समुदाय, एक ही समय में भीड़ बढ़ाई और सम्पूर्ण स्थान को भर दिया। हम लोग तब कल्पना करते हैं कि हमारे मोक्ष एक विद्युत पूर्णता में सबसे अच्छे भागों को चुनने में निहित है। ''भारतीय शिक्षा के जगह के उनके आकार में, यहाँ कोई परिणाम के लिए उत्साह नहीं था, ना बदनसीबी कमजोरी अनुकरण के लिए और एक अप्राकृतिक इच्छा एक पूर्ण तरह से वृद्ध विश्व-विद्यालय के लिए इसके पहले जन्म से ही। विश्व-भारती का तरकीब बहुत उत्तम तरकीब है। यह ''सिर्फ भारत के बुद्धि सम्बन्धी जीवन का केन्द्र भी है।'' लेकिन केन्द्रीय बल की उत्पत्ति करने की योग्यता के बिना जो आकर्षित करेगा और हमारे विभिन्न सभ्यतायिक हेरीटेज और हमारे अपने पदार्थों का एक साथ ग्रुप बनायेगा, भारतीय सभ्यता के सम्पूर्ण और चलते मण्डल की उत्पत्ति एक दूर का सपना रहेगा। उसके द्वारा इसके रूप देने के स्तर में भारतीय शिक्षा के केन्द्र को आकार देना और एक बुद्धि सम्बन्धि एकता स्थापित करना यदि भारत, विश्व-भारती के संस्थापक विभिन्न सभ्यताओं के सह पढ़ाई को प्रदान करते हैं – वैदिक, पुरानिक, बौद्धिक, जैन, इस्लामिक, सिक्ख, जोरोस्ट्रीयन और यूरोपियन, जो संस्था को अन्यों के बेहतरीन को सदृश्य करायेगा जो प्राचीन भारत के सत्य को प्रकाशित करायेगा: ? त्मवत, स्वाभूतेशु या पसयति सा पसयति - वह अकेला देखता है, जो सबको अपनी तरह देखता है। यहाँ ही विश्व-भारती में इण्डोलोजी के विद्यालय का जड़ रहता है, भारतीय-इतिहास का छोटा पौधा जो कि रवीन्द्रनाथ, द्वारा लगाया गया था और घर तथा विदेशों से विद्वानों द्वारा पोषित हुआ था उनमें सबसे भिन्न को युक्त करता है सिलवेन लेवी, मारिस विन्टरनिट्ज, विनसेण्ट लेसनि, स्टेन कोनोव, ज्यूसीपि टूसी, क्षितिमोहन सेन, विद्युशेखर शास्त्री और प्रबोध-चन्द्र बागछी।

रवीन्द्रनाथ विश्वविद्यालय 1951 में एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रुप में स्थापित हुआ था। कवियों के कई सारे सपने केन्द्रीय विश्वविद्यालय के दलदल में खो गये थे, इण्डोलोजी का विद्यालय भी खो चुका था, अपने कणों को प्राचीन भारतीय इतिहास और सभ्यता के विभाग की तरह छोड़ रहा है, आधुनिक भारतीय इतिहास, अरबीक, परसियन, उर्दू और इस्लामिक पढ़ाइयाँ, संस्कृत, पाली और प्राकृत चाइनिज भाषा और सभ्यता और इण्डो-तिब्बतन पढ़ाइयों के तरह भी।

भारतीय प्राचीन इतिहास और सभ्यता का विभाग, जिसको 1951 में नाम दिया गया था, 1977 में पुनर्क्रिश्चन बना है, कोर्स आकार के तत्व के पुरात्व के परिचय के साथ, अब परिभाषा की तरह खड़ा होता है।

विभाग बी.ए में तीन बर्षीय ऑनर्स स्तर में सेमेस्टर सिस्टम में ग्रेजुएट कोर्स का प्रस्ताव देता है और दो वर्षीय चार रोमेस्टर कोर्स एम.ए.में देता है प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरातत्व में। भारतीय सभ्यता को तथ्यों को जानने की रूचि रखने वाले विदेशियों को भी प्राचीन इतिहास और पुरातत्व में 1 वर्ष का कोर्स का प्रस्ताव देता है। इन कोसों को युक्त करने के लिए, विभाग, प्राचीन भारतीय, इतिहास और पुरातत्व में पी.एच.डी. के निरीक्षण क्षेत्रों का उपयोग करता है।

सभा / सेमीनार / भाषण

गौतम सेनगुप्ता

(i) पश्चिम बंग इतिहास संसद के 38वें भाग में प्रधान राग पता दिये (पश्चिम बंगाल)

2. 25 फरवरी, 2016 को संस्कृत कॉलेज, कोलकाता के 193वें स्थापना दिवस पर स्थापना दिवस से सम्बन्धित व्याख्यान किये।

सरिता खेत्री

1. 27-29 दिसम्बर के दौरान तीन दिवसीय गौण बंग मालदा विश्वविद्यालय के भारतीय इतिहास सभा के 76वें राष्ट्रीय परिसंवाद में उपस्थित होकर ''सप्तरत्ना और इसका उपयोग उत्तर-पश्चिम भारत के पुरातत्व सम्बन्धी वस्तुओं में ''शीर्षक पत्र प्रस्तुत की।
2. 28-29 जनवरी, 2016 के दौरान पं0 बंगाल विरासत के सहयोग से आर्केओलॉजिकल स्टडीज ऐण्ड ट्रेनिंग, ईस्टर्न इण्डिया एवं इन्स्टिट्यूट दे चन्दरनगर द्वारा आयोजित दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद में उपस्थित होकर ''तट से तट तक बौद्ध का विस्तार शीर्षक पत्र प्रस्तुत की।

के. मवाली राजन

1. 23-24 सितम्बर 2015 के दौरान के यूजीसी के सौजन्य से अभेदानन्दा महाविद्यालय सैंथिाया, पं0 बंगाल में आयोजित ''प्राचीन से मध्यपूर्वी भारत का ऐतिहासिक भूगोल के राष्ट्रीय परिसंवाद पर ''प्राचीन भारत के ऐतिहासिक भूगोल का फिलहाल अध्ययन'' पर आमन्त्रित भाषण दिया।
2. 24-25 सितम्बर 2015 के दौरान सालदिहा कॉलेज के इतिहास विभाग, सालदिहा, पं0 बंगाल द्वारा आयोजित ''दक्षिण एशिया, सालदिहा, पं0 बंगाल द्वारा आयोजित ''दक्षिण एशिया के पर्यावरण के इतिहास-भौगोलिक पहुँच पर नया/हाल का प्रवृत्ति'' के दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद ''आरम्भिक दक्षिण भारत में भू-सामाजिक का जुड़ाव'' पर आमन्त्रित भाषण दिये।

आयोजित परिसंवाद / सम्मेलन / कार्यशालाएँ :–

1. 20-21 फरवरी 2016 के दौरान आईसीएचआर, नई दिल्ली के सौजन्य से विश्वभारती के एआईएचसी ऐण्ड ए विभाग में आयोजित ''प्रादेशिक धर्म और समाज में पुरोहितों का शासन'' के दो दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद को समन्वयक के रुप में आयोजित किया गया।

रेम्या भी0 पी0

बीना गाँधी डियोरी

1. भारत के उत्तरपूर्वी में पूर्वी हिमालय का घरेलू स्थापत्य कला पर परिसंवाद, सार्वभौमिक मुक्त विश्वविद्यालय, दीमापुर, फरवरी 2016
2. 1-4 फरवरी 2016 के दौरान शिलाँग में आईएनटीएसीएच और अम्बेडकर युनिवर्सिटी, दिल्ली द्वारा ''मौखिक परम्परा जारी और रुपान्तर'' आयोजित किया गया,

प्रकाशन

गौतम सेनगुप्ता (आगामी)

1. अजंता जनपद, विस्मृता मानस (अन्जान प्रदेश, भूले हुए लोग) इतिहास 'अनुसंधान, वॉल्यूम 38।
2. राजा राजेन्द्र लाल मित्रा, प्रत्नातत्व व शिल्प इतिहास भावना (राजा राजेन्द्रलाल मित्रा - पुरातत्व सम्बन्धी और कला इतिहास पर विचार) हमारा विरासत वॉल्यूम 44।
3. अजन्ता पर सिस्टर निवेदिता, बी0डी0 चट्टोपाध्याय, बधाई वॉल्यूम।
4. कॉन्टेस्टेड स्पेस- बोद्ध गया पर सिस्टर निवेदिता के0 पी0 जयसवाल अनुसंधान संस्थान, पटना।
5. बंगाल के आरम्भिक ऐतिहासिक पकी हुई मिट्टी की मूर्तियाँ (अर्ली हिस्टोरिक टेराकोटाज् ऑफ बंगाल)– एक विचार

से परे (बंगाल में) इतिवृत्तो, 2015

सरिता खेत्री

1. ''गंधार में बौद्धों का सामाजिक पृष्ठभूमि (द्वितीय शताब्दी) बीसीई से चौथी शताब्दी के मध्य सीई) भारतीय इतिहास सभा के 75वें सत्र कृति वॉल्यूम, 2015 में प्रकाशित
2. शीर्षक एक आदर्श शिक्षक, महान विद्वान और एक ह्यूमैनिस्ट प्रो0 बी0 एन0 मुखर्जी को समर्पित इतिवृता में प्रकाशित वॉल्यूम, 2015।
3. ''सारनाथ में बौद्ध'' शीर्षक समालोचित एक पुस्तक, आनन्द सिंह, नई दिल्ली, पहली पुस्तक 2014 पीपी 186, मूल्य, भारतीय ऐतिहासिक निरीक्षण में प्रकाशित, 42 (3) 1-2, 2015, आईसीअचआर, सेज पब्लिकेशन।

के.मवाली राजन

1. ''दक्षिण भारत में ग्रामीण दासत्व पर कुछ नोट'', दि मिरर (आयना) सिन्नामारा कॉलेज, जोरहाट, असम के इतिहास विभाग का एक वार्षिक बहुभाषी जर्नल, वॉल्यूम 2, 2015, पीपी 85-90 (आईएसएसएन संख्या 2348 9596)
2. ''कामता, कुचबिहार के ऐतिहासिक भूगोल पर परिदृश्य सम्बन्धी विचार ''मानवता अनुसंधान और सामाजिक विज्ञान का जर्नल, वॉल्यूम संख्या 2, जुलाई-दिसम्बर 2015, पीपी 251-264 ((आईएसएसएन 2321-8908) सहायक लेखक के साथ।
3. आईसीएचआर के कृति सौजन्य से राजापलायम राजू कॉलेज, तमिलनाडु के इतिहास विभाग द्वारा आयोजित ''मद्रास प्रेसिडेन्सी में वशीभूत स्वतन्त्रता सेनानी'' के तीन दिवसीय परिसंवाद में ''मद्रास प्रेसिडेन्सी में उगते हुए वशीभूत चेतना में पण्डित अयोथिदास की भूमिका प्रस्तुत 2015, पीपी 25-38।

रेम्पा भी0 पी0

1. ''दैवी प्रदेश – मंदिर संकेतन और उनका सामाजिक राजनीतिक आलोकिक अंश आरम्भिक केरला के समाज और मन्दिर में एवं दक्षिण भारत में समाज - संपादक - के0 मवाली राजन।

बीना गांधी डियोरी

1. गैलो का स्वदेशीय भोजन तरीका – पुरातत्व की एक चुनौती – भारत-पैसिफिक पुरातत्व जर्नल 37:59-63, 2015
2. ''अरूणाचल प्रदेश का एक छोटी जानकार जाति सम्बन्धी धार्मिक कला और संस्कृत का एक निरीक्षण, उत्तर-पूर्वी भारत नसुनतारा की विरासत, अन्तर्राष्ट्रीय धार्मिक साहित्य और विरासत / परम्परा का जर्नल 4 (2) : 261-272, 2015।

सुचिरा रॉय चौधरी (आगामी)

1. बंगाल के पुरातत्व में अक्षय कुमार मैत्रेया का योगदान
2. आर्केओमेटालर्जी ऑफ दि साइट ऑफ मंगलकोट आइशी रॉय के साथ सहायक लेखक।

अन्यपेशीय / शैक्षणिक क्रियाकलाप –

गौतम सेनगुप्ता

1. प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरातत्व विभाग, डेक्कन कॉलेज, पूने के सेन्टर ऑफ एडवान्स स्टडीज के सलाहाकार समीति के रुप में नियुक्त हुए।
2. दक्षिण एशिया या पुरातत्व समाज के जर्नल के सम्पादकीय सभा में नियुक्त हुए।
3. 2016 से 2019 तक के लिए बाई नेशनल कमिटी ऐण्ड इण्डियन एडवाइजरी कमिटी अमेरिकन इन्स्टिट्यूट ऑफ इण्डियन स्टडीज में सदस्य बनें।

4. 1-2 जून 2016, को उत्तर-पूर्वी भारत के इतिहास की विस्तृत पुस्तक के कई वॉल्यूम के प्रस्तावना पर गुवाहाटी में आयोजित भारतीय संसद के इतिहास अनुसंधान कार्यशाला के लिए संसाधन पुरुष के रुप में।

रेम्पा भी0 पी0

1. जेएनयू:-एचआरडीसी में 2016 के लिए नया / ताजा कोर्स /

बीना गांधी डियोरी

1. मानव विज्ञान और संग्रहालय की कार्यशाला, आईजीएमआरएस, भोपाल 9-14 जनवरी 2016।
2. स्टोन केन्द्र, का इतिहास, विज्ञान और प्रौद्योगिक पुरातत्व विज्ञान केन्द्र,आईआईटी, गांधीनगर, गुजरात 10-14 अगस्त 2015।
3. फेलोशियस एरास्मस मन्डस एनएएमएसटीई कर्न्सोटिअम ग्रान्त-एंकाडमिक स्टाफ मोविलिटी, इन्स्टि्टयूट ऑफ एन्थोलॉजी कल्चरल एन्थ्रोपोलॉजी, युनिवर्सिटी ऑफ वारसाव, पोलैण्ड, 2015 द्वारा सम्मानित।
4. नेहरू ट्रस्टू स्माल स्टडी और अनुसंधान अनुदान (यू के) 2015 से सम्मानित।
5. आईसीएचआर वस्तुओं से इतिहास पर अनुसंधान योजना गैलो जाति के साथ ब्रास धात्विक वस्तुओं के विशेष संदर्भ में धातु संस्कृति के अध्ययन के लिए आईसीएचआर द्वारा सम्मानित।
6. शामन के बचाव संगीत पर संगीत नाटक शैक्षणिक से सम्मानित एआर.पी (2015) का एक परम्परा।

सुचिरा रॉय चौधरी

1. 15 फरवरी से 14 मार्च के दौरान यादवपुर विश्वविद्यालय के 60वें ओरिएन्टेशन कोर्स में भाग ली।

इतिहास विभाग

अमरेन्द्र कुमार

सम्मान / पुरस्कार / कार्य :–

1. 2015-2016 सत्र के लिए विद्यासागर विश्वविद्यालय मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल के मिलिटरी विज्ञान के अध्ययन का सभा सदस्य।
2. विश्व भारती शान्तिनिकेतन के इतिहास विभाग के यूजीसी डीआरएस एसएपी (फेज-II) का अन्वेषक प्रतिनिधि।

कागज प्रस्तुति :–

1. ''केगविन्स बॉम्बे (1638-84) और मराठा-सिद्दी का जहाजी कलह'' भारतीय इतिहास समा के कृति में, 75वें सत्र, अनुसंधान पत्र प्रस्तुत किया, नई दिल्ली, पीपी 320-324।

परिसंवाद में उपस्थिति / पत्र प्रस्तुति :-

1. 18-11-2015 को कोलकाता में विश्व भारती शांति निकेतन के गुरुनानाक देव अध्ययन केन्द्र द्वारा आयोजित ''सिक्ख में इस प्रकार का प्राण त्याग की परम्परा'' के एक दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद पर ''मराठा और सिक्ख का मिलिटरी परम्परा'' एक अनुसंधान पत्र प्रस्तुत किया।

अर्पिता सेन

i. 18-11-2015 को कोलकाता में विश्वभारती शान्ति निकेतन के गुरुनानक देव अध्ययन केन्द्र द्वारा आयोजित ''गुरु से कोमागता मरु का इस प्रकार के प्राणत्याग का सिक्खों की परम्परा'' के राष्ट्रीय परिसंवाद में ''इस प्रकार के सिक्खों के प्राणत्याग की परम्परा और पंजाब, क्रान्तिकारी'' कागज प्रस्तुत की।

ii. 27-29 दिसम्बर 2015 के दौरान और बंग-युनिवर्सिटी मालदा में आयोजित भारतीय इतिहास सभा के 76वें सत्र में ''धर्म के लिए अध्यापन विद्या-धर्मकार्य सम्बन्धी शिक्षा, 19वीं सदी के भारतीय नई बस्ती पर वार्तालाप'' पत्र प्रस्तुत की।

अतिग घोष

प्रकाशन

''राज्य विहिन का राज्य (दक्षिण एशिया पर लेख) 2015 में (पौला बनर्जी और अन्सुआ वासुराय चौधरी के साथ सह सम्पादक), प्रकाशक - ओरिएन्ट ब्लैक-स्वान, नई दिल्ली आईएसबीएन - 13: 978-8125059 684 2015 ''छिटमहल - भारत बंगला देश सीमा के राज्य विहीन'' नीति और प्रथाएँ 68, पीपी 1-16 आईएसएसएन 23480297

कागज-पत्र

सम्मेलन / वार्तालाप

1 अप्रैल 2016 को युनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न सिडनी और कोलकाता अनुसंधान दल द्वारा आयोजित विश्व का तार्किक कार्यशाला में ''सिलीगुड़ी के बने रहने का महत्व-उत्तर बंगाल में सीमा प्रभाव और अकालिक शहर'' कागज प्रस्तुत की। 7-8 अगस्त 2015 के दौरान आईसीएसएसआर के सौजन्य से दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति शास्त्र विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित ''भारत में लौंगिगता, पहचान और स्थान्तरण'' के राष्ट्रीय परिसंवाद में ''उपलक्ष्य सम्बन्धी सिलीगुड़ी'' सीमा और सीमान्त भूमि 5 पैनेल के के रुप में पत्र प्रस्तुत की।

विपासा राहा

प्रकाशन

1. राहा बिपासा ''स्वयं को आरोग्य प्राप्त होना ग्रामीण उन्नति और रवीन्द्रनाथ टैगोर ''छन्दा चटर्जी के संपादन में रवीन्द्र नाथ टैगोर – अनन्तता में दिमाग का घूमना, पहिला पुस्तक नई दिल्ली 2016
2. राहा बिपासा 'कालीमोहन घोष–ग्रामीण पुनर्गठन में रवीन्द्र नाथ टैगोर का सहयोग, विश्व भारती के त्रैमासिक पत्रिका में वॉल्यूम 24एनओएस 2 और 3 जुलाई 2015-दिसम्बर 2015।

छन्दा चटर्जी

सम्पादित वॉल्यूम

1. रवीन्द्रनाथ टैगोर - अनन्तता में दिमाग का घूरना (पहली पुस्तक, नई दिल्ली)

सम्मेलन में उपस्थिति और कागज प्रस्तुति :–

1. 8-9 जनवरी 2016 के दौरान अन्तर्राष्ट्रीय सेन्टर फॉर सिक्ख स्टडीज, दिल्ली सिक्ख गुरुद्वारा मैनेजमेन्ट कमिटी औरबाबा बन्दा सिंह बहादुर सिक्ख सम्प्रदाय, नई दिल्ली द्वारा ''बाबा बन्दा सिंह बहादुर'' पर राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन किया गया।
   ''खालसा राज दिल्ली के सीमा पर - टैगोर के कल्पना में शूरवीर बन्दा सिंह बहादुर'' कागज प्रस्तुति।
2. 28-29 मार्च 2016 के दौरान युनिवर्सिटी ऑफ लीड्स और सीएसडीएस के द्वारा सेन्टर फॉर दि स्टडी ऑफ डेवेलपिग सोसाइटिज (सीएसडीएस) में ''एकरारनामा होना'' के अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।
   कागज प्रस्तुति – पत्रों का घर - मजदूरों को पंजाब से कनाडा स्थान्तरण की समस्या उनकी जुबानी''

सम्मेलनों का आयोजन

नवम्बर 2015 में विश्व भारती के गुरु नानक देव अध्ययन केन्द्र के शुभ मंगल ''सिक्खों के इस प्रकार प्राण त्याग की परम्परा - गुरु के कोमागता मरु तक'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन हुआ।

पुम खान पाउ

अक्टूबर 2014 से सितम्बर 2015 तक पोस्ट डॉक्टोरल फेलो, अरिजोना युनिवर्सिटी में, अरिजोना में के रुप में कार्य किया।

28 अप्रैल 2015 को अरिजोना स्टेट युनिवर्सिटी, यू0एस0ए0 के एशियन अनुसंधान केन्द्र में ब्राउन बैग पर वक्तव्य रखा।

सुधि-मण्डलोई

परिसंवाद / सम्मेलन

26-27 अगस्त 2015 के दौरान एसएससी कॉलेज हापुर, दिल्ली एनसीआर में यूजीसी के सौजन्य से ''मानव अधिकार-वर्तमान और भविष्य पर आयोजित राष्ट्रीय परिसंवाद में ''दलित और सामाजिक निषेध–दलित के मानव अधिकार का खण्डन में स्वरुप अध्ययन'' कागज प्रस्तुत किया।

18 नवम्बर 2015 को विश्वभारती शान्ति निकेतन के गुरुनानक देव अध्ययन केन्द्र द्वारा ''सिक्खो के इस प्रकार प्राणत्याग की परम्पराएँ – गुरु से कोमागता मरु तक'' के राष्ट्रीय परिसंवाद में उपस्थित होकर ''इस प्रकार के सिक्खों के प्राणत्याग की परम्परा में माता गुरु जी का यादगार योगदान' शीर्षक कागज प्रस्तुत किये।

27 से 29 दिसम्बर 2015 के दौरान मालदा के गौर बंग विश्वविद्यालय में आयोजित भारतीय इतिहास सभा के 76वें सत्र में उपस्थित होकर ''आरम्भिक 20वीं सदी में महाराष्ट्र के दलित औरत का फिर से उद्गम'' शीर्षक पत्र प्रस्तुत किये।

मानव विज्ञान विभाग

1. यूजीसी / सी एस आई आर / एन ई टी / एस एल ई टी एवं जी एटी ई परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम :

श्रीमती स्वागता रॉय श्रीमती निलिता दास

2. राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय कोटि के सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / प्रदर्शनी में शिक्षकों अनुसंधान विद्वानों द्वारा उपस्थिति विस्तार में।

रंग्या गचुई

प्रकाशन -

1. दि लोकल सेल्फ गवर्निग इन्स्टिट्यूट ऑफ दि कोएरेन ऑफ मणिपुर, सार्वभौमिक अध्ययन और भारत में जाति सम्बन्धी जीवन, सम्पादक - संगीता सैकिया, प्रकाशक-लक्ष्मी पब्लिशर्स् ऐण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली 2015, आईएसबीएन : 978-93-82120-59-9
2. ए केस स्टडी ऑफ इन्युट इन मणिपुर - त्रटटव, मानव विश्रान, 2014-2015, आईएसएसएन : 2249-9830.

परिसंवाद उपस्थिति :

1. 6-10 जुलाई 2015 के दौरान दक्षिण पूर्व एशिया के मानव विज्ञान सम्बन्धी यूरोपीयन संगठन के 15वें अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन हुआ। युनिवसाईट पैरिस क्वेस्ट नन्टेरेला डिफेन्स, इस सम्मेलन में ''मणिपुर, भारत के लॉगपि टैंखुल नागा जाति के कुली और दक्षिण पूर्व एशिया के उत्तरी काला पॉलिश किये हुए पण्य द्रव्य के साथ इनका सम्बन्ध शीर्षक कागज प्रस्तुत किया गया।
2. 4-5 मार्च 2016 के दौरान जीवन पर्यन्त सीख एवं विस्तार (ग्रामीण विस्तार केन्द्र) विश्व भारती द्वारा ''शिक्षा और विकास'' पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में ''मणिपुर के टैराओ जाति के बीच शैक्षणिक विकास'' शीर्षक कागज प्रस्तुत किये।

   परिसंवाद में वक्ता के रुप में आमन्त्रित-21-22 मार्च 2016 के दौरान पश्चिम बंगाल स्टेट युनिवर्सिटी के मानवविज्ञान विभाग के द्वारा 'भारत में जाति सम्बन्धी नीति और जाति सम्बन्धी विकास, मानव विज्ञान'' के राष्ट्रीय परिसंवाद में ''मानव विज्ञान के विभाग में शिक्षा और विकास (आमन्त्रित) कागज प्रस्तुत किये।

अर्णब घोष

i. कार्डिओ मेटावोलिक जोखिम......., मधुमेह और चयापचय लक्षण, 2015।
ii. चयापचय लक्षण की विशिष्टता..........उत्पत्ति, ह्युमैन बायोलोजी का अमेरिकन जर्नल, 2015।
iii. भारतीय मधुमेह जोखिम गणना......उत्पत्ति, मधुमेह अनुसंधान और चिकित्सकीय अभ्यास, 2016।
iv. कार्डियो वैस्कुलर रोग..........भारत, स्थूलता अनुसंधान और चिकित्सकीय अभ्यास 2016।

डॉ0 ज्योति घोष

पियाली दास, ज्योति रतन घोष, अरूप रतन बन्दोपाध्याय-एसोशिएसन ऑफ फिंगर रिज पैटर्न ऐण्ड ई-बेटा-थैलेसेमिया-पश्चिम बंगाल, भातर बंगाली जनसंख्या पर एक अध्ययन, मानवविज्ञान मे अग्रवती, 2015 : 5:19-21।

i. ज्योति रतन घोष, रिम्पा गाईन, अरूप बन्दोपाध्याय-पाँव परिमाप से डिलडौल का मूल्य निरुपण, मानव विज्ञान में अनुसंधान का भारतीय जर्नल / 2015 : 1:25-30।
ii. पश्चिम बंगाल के ग्रामीण क्षेत्र के पल्मोनरी ट्यूबर-कुलोसिस के रोगियों में ट्यूबरकुलोसिस का ज्ञान और जागरूकता ट्यूबरकुलोसिस का सार्क जर्नल, फेफड़ा रोग और एचआईवी/एआईडीएस 2015 : XII 13-19

iii. पश्चिम बंगाल के जातीय औरतों में स्वाभाविक उर्जा की कमी औरतों के अध्ययन का जर्नल 2015 : 6 : 26-33

iv. घोष जे0 आर0, घोषदस्तिदार पी, दे वी0 और बन्दोपाध्याय ए0आर0 फिंगर ऐण्ड पामर रिज पैटर्न इन एनआईडीडीएम पेसेंट ऐण्ड कन्ट्रोल्स्–मानव प्राणी विज्ञान निरीक्षण, 2016 : 5:1:86-91।

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार क्रियाकलाप /एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य क्रियाकलापों में विभाग में उपस्थित शिक्षक गण और छात्र

1. आयोजित स्वागतम, फेयरवेल कार्यक्रम, पिकनिक इत्यादि।

ii. 2015-16 के दौरान आयोजित वृक्षारोपण, पौष उत्सव, वसन्तोत्सव और विश्वविद्यालय के अन्य कार्यक्रमों में हिस्सा लिया।

4. अप्रैल 2015 से मार्च 2016 के बीच प्रकाशन –

5. विभाग द्वारा आरम्भ किया गया नये कोर्स का प्रयोजन। पाठ्यक्रम सूची या अन्य शैक्षणिक पद्वति आरम्भ से विश्व भारती उस गाँव के बीच स्थित है जहाँ ग्रामीणों में 70% संदाल जाति के लोग निवास करते है, जाति सम्बन्धित सूचना से सम्बन्धित वर्तमान सिलेबस का विस्तार (मानव विज्ञान सूचना) राष्ट्रीय युग्मन के प्रयोजन के लिए गाँवों को जोड़ने के प्रकाश में अगले साल के शैक्षणिक सत्र के लिए योजना बना है।

मानव विज्ञान में अन्डरग्रेजुएट ऑनर्स (बीए/बी.एसस) बहुत जल्द आरम्भ करने का प्रस्ताव है।

भविष्य के दिशा निर्देश के साथ विभाग/ विभाग से सम्बन्धित विकास का संक्षिप्त इतिहास –

मानव विज्ञान विभाग को पाली चर्चा केन्द्र से द्विशाखित किया गया है। पीएसभी के अन्तर्गत मानव विज्ञान का दोवर्षीय पीजी कोर्स 1991 से चलाया जा रहा है। लेकिन विद्या भवन (इन्स्टिट्यूट ऑफ ह्यूमैनिटीज ऐण्ड सोशल साइन्स) के अन्तर्गत इस विभाग को 02-02-2010 को स्वतन्त्र रुप से सृष्टि किया गया। यह दो पेपर (बायोलॉजिकल मानव विज्ञान और सामाजिक सांस्कृतिक मानव विज्ञान कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों के साथ एम0 ए0 और एम0एस0सी0 कोर्स के लिए प्रस्तावना कर रहा है। यह एक समेस्टर का पी0एच0डी0 कोर्स भी चलता है। इस विभाग में योग्य और विशेषज्ञ शिक्षकगण हैं जो पीएच0डी0 अनुसंधान चलाते है। यह विभाग अपना अर्द्धवार्षिकी जर्नल ''नृत्ता दि एन्थ्रोपॉलिसी भी प्रकाशित करता है जिसका आईएसएसएन सं0 2249-9830 है।

भविष्य की योजनाएँ :-

i. वर्तमान कोर्स की पाठ्यसूची अति आधुनिक

ii. कम / छोटे समय के कोर्स का सम्भवत: अन्वेषण करना।

iii. अंडरग्रेजुएट लेवेल का बी0ए0/बी0एस0सी0 (ऑनर्स) चलाना।

iv. पीजी के छात्र जो संचार मानव विज्ञान में विशेषज्ञ है कम्युनिटी रेडियों केंद्र की स्थापना की जाएगी।

विभागाध्यक्ष के विचार में उचित सूचनाओं पर ध्यान देना।

विभाग अपना नीजि वेबसाइट शुरु किया.डब्लू डब्लू.एन्थ्रोपोलॉजी विश्वाभारती शान्तिनिकेतन.एसी.आईएन।

पत्रकारिता एवं जन संचार साधन केन्द्र

2. यूजीसी / सी एस आई आर / एन ई टी / एसएलईटी और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों की संख्या
   नेट (1)

3. विभागीय परिसंवाद (वक्ता परिसंवाद का शीर्षक, तारीख) 24 मार्च 2016, को सुब्रत दत्ता, देश के समन्वयक (एफएफआई-इण्डिया), रोग रोकथाम एवं बचाव केन्द्र, यू0एस0ए0 ने ''संचार साधन क्षेत्र में जीवन वृत्ति कार्यक्षेत्र'' पर एक आंतरिक-क्रियाशील सत्र चलाया।

   19-20 फरवरी 2016 के दौरान मिस्टर देवदीप पुरोहित ब्युरो प्रमुख, राजनीति और नीति दि टेलीग्राफ, कलकत्ता ने ''नई शैक्षणिक और भारतीय पत्रचारिता : समाचार सूचना'' शीर्षक पर दो दिवसीय कार्यशाला आरम्भ किया।

   18-22 दिसम्बर, 2015 के दौरान जार्ज इन्स्टिट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ, नई दिल्ली और युनिवर्सिटी ऑफ नीउ कैस्टट्ल ऑस्ट्रेलिया के साथ योजना के लिए पूर्व और उत्तर पूर्व का मीडिया डॉक्टर पायलट कार्यशाला का आयोजन किया गया।

   26 नवम्बर 2015 को प्रोफसर के0 भी0 नागराज (प्रोफेसर मिजोरम सेन्ट्रल युनिवर्सिटी और भूतपूर्व प्रो0 वाइस चांसलर, असम सिल्चर) ने संचार साधन के विकास पर विशेष भाषण दिया

   23 नवम्बर, 2015 : मिस्टर स्नेहाशीष सूर (दूरदर्शन के वरिष्ठ पत्रकार और मीडिया शैक्षणिका ने ''स्वयं का प्रस्तुतिकरण पर कार्यशाला चलाया।

   21 नवम्बर 2015 को लिपिका ऑडिटोरियम शान्ति निकेतन में इण्टरनेशनल एसोसिएशन ऑफ बुमेन इन रेडियो ऐण्ड टेलीविजन (आईएडब्लूआरटी) के सहयोग से आयोजित बंगाल पिक्चर प्रिमियर ''रीफ्लेक्टिंग हर'' पर प्रोफेसर अनन्या चक्रवती मानव कार्यकर्त्ता सुष्मिता बासु निर्देशक सत्राजित सेन ने ''संचार साधन उत्पादन अधिकार : चुनौतियाँ और अवसरों'' पर अपना-अपना वक्तव्य रखा।

   19 नवम्बर 2015 को मिस्टर समीर गोस्वामी (भूतपूर्व प्रेसिडेन्ट, पब्लिक रीलेशन सोसाइटी ऑफ इण्डिया और मिस्टर विश्वजीत मोतिलाल (सहायक वाइस प्रेसिडेन्ट कॉरपोरेट कम्युनिकेशन, बिरला कॉरपोरेशन ने ''जेनेरेटिंग कन्सेप्ट ड्राफ्टिंग ऑफ रीलीजेज ऐण्ड कम्युनिकेशन के कार्यशाला का आयोजन किये।

   5 अक्टूबर 2015, को फ्रेडरिच एबर्ड स्टिफ्टंग जर्मनी इण्डिया चैप्टर के सहयोग से लिंग मेला ''लिंग से सम्बन्धित और युवा'' का आयोजन किया गया।

   21 सितम्बर 2015 : प्रोफेसर श्रुति बन्दोपाध्याय, (संगीत भवन) ने ''संचार साधन भाषा, चिकित्सा शास्त्र का निदान खण्ड और सौन्दर्य कला के प्रदर्शनी सत्र पर वक्तव्य रखा।

   14 सितम्बर 2015 : पार्थो चट्टोपाध्याय (प्रसिद्ध साहित्यकार, पत्रकार और भूतपूर्व प्रोफेसर, असम युनिवर्सिटी सिल्चर) ने ''मीडिया उद्योग में कैसे जीवन वृत्ति का निर्माण करे''के अन्येनक्रिया सत्र आयोजित किया।

   3 सितम्बर 2015 : विश्व भारती के अर्थशास्त्र और राजनीतिशास्त्र के विभाग के सहयोग से आयोजित आयोजन में पी0 साईनाथ (मैगसेसे से सम्मानित पत्रकार ने ''70वर्ष बाद हीरोशिमा'' : 1945 में गिरा एक बम कैसे हमेशा के लिए मीडिया और पत्रकारिता को बदल दिया'' पर विशेष भाषण दिया।

   24 अगस्त 2015 : सीजेएमसी के प्रतिष्ठापन पर मीडिया लैब कम स्टूडियो-सीजेएमसी वर्क रूम, भूतपूर्व वाइस-चासंलर प्रोफेसर सुशान्त दत्तगुप्ता द्वारा ।

   21 अगस्त 2015 : भास्वती मुखर्जी नीदरलैण्ड में भारतीय राजदूत ने ''एकत्रित राष्ट्रो के माध्यम से सार्वभौमिक

शान्ति और सुरक्षा के लिए भारत का खोज'' पर अन्तरात्मक भाषण दिया। यह एक्सटर्नल अफेयर मन्त्रालय, भारत सरकार के सहयोग से आयोजित था।

17 अप्रैल 2015, दिलीप सिन्हा (यू0 एन जेनेवा में 2002 से 2014) तक के भारतीय दूत) ने ''ब्रिक्स पर भारतीय भूमिका पर अन्तरात्मक भाषण दिया। यह एक्सटर्नल अफेयर मन्त्रालय, भारत सरकार के सहयोग से आयोजित था।

शिक्षकगण /अनुसंधान विद्वानों की उपस्थिति में सिर्फ राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय उच्चकोटि के सम्मेलन/परिसंवाद/कार्यशाला प्रदर्शनी विचार में

बिप्लब लोहा चौधरी

सम्मेलन सभापति / सत्र सभापति (नीति विश्वविद्यालय के बाहर)

1. 23-24 नवम्बर 2015 के दौरान टीएचके जैन कॉलेज, कोलकाता में मीडिया और संचार साधन का एशिया सभा 2015 के वार्षिक भारतीय सम्मेलन में।
2. 3 नवम्बर 2015 को असम डॉन वास्को युनिवर्सिटी, 'गुवाहाटी द्वारा आयोजित ''भारतीय मीडिया शिक्षा में गुणवता ढाँचा' के राष्ट्रीय परिसंवाद पर 'मीडिया शिक्षा, बाजार फोर्ससैण्ड के नियमानुसार' का सभापतित्व किया।

प्रधान राग व्याख्यान / परिपूर्ण वक्तव्य (नीति विश्वविद्यालय के बाहर)

1. 30 मार्च 2016, ग्वालिअर ''ग्वालियर में नया मीडिया' के सेमिनार पर अमिटी मध्यप्रदेश युनिवर्सिटी में प्रधानराग व्याख्यान किया गया।
2. 12 फरवरी, 2016, नागपुर में भारतीय शिक्षण मण्डल और कई विश्वविद्यालयों द्वारा भीआईटी, नागपुर में आयोजित ''पुनरावृत्ति अनुसंधान' के अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''भारतीय स्वरूप से अनुसंधान की पहुँच'' पर परिपूर्ण व्याख्याान किया।

मौसमी भट्टाचार्य

25 फरवरी, 2016- को आईसीएसएसआर के सहयोग से आरटीएम नागपुर युनिवर्सिटी द्वारा आयोजित ''नया मीडिया:, चुनौतियाँ और आलोक के राष्ट्रीय परिसंवाद में ''फेसबुक में फैन पेज संस्कृति : बंगाली निर्देशक / कलाकार और प्रचलित कार्टून चैनल सामाजिक मीडिया के माध्यम से तीन प्रसिद्ध फेसबुक फैनपेज पर अध्ययन'' में समापतित्व किया एवं कागज प्रस्तुत किया।

18 जनवरी 2016 को सुरेन्द्रनाथ कॉलेज (नारी विभाग) कोलकाता मे इण्टरनेशनल एसोसिएशन फॉर मीडिया ऐण्ड कम्युनिकेशन रिसर्च (आईएएमसीआर) द्वारा आयोजित ''शिक्षित संमाचार'' के रुप अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''शिक्षित समाचार के सत्र में सभापतित्व किया।

संहिता चटर्जी

17 अप्रैल 2015 को विश्व भारती के सामाजिक कार्य विभाग में आयोजित आयोजन में ''मीडिया और औरते: कमोडिफिकेशन और डिजिटिलाइजेशन और औरतों पर इसका समघात'' के लिए व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया।

बिप्लब लोहा चौधरी

2015 : जॉर्ज इंस्टिट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ, नई दिल्ली और युनिवर्सिटी ऑफ कैस्टल, ऑस्ट्रेलिया (भारतीय साझेदार के रुप में 2015 से) के साथ मीडिया डॉक्टर पायलट।

मौसमी भट्टाचार्य

2015-2016 में ''इन्टरनेशनल एसोसिएशन ऑफ वुमन इन रेडियो ऐण्ड टेलीविजन (आईएडब्लूआरटी)- एफओकेयूएस, नार्वे के सहयोग से ''मोबाइल फोन : भारत के ग्रामीण औरतों की नियुक्ति की ओर एक नया यन्त्र''।

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार क्रिया कलाप/एनएसएस/ सांस्कृतिक और अन्य क्रियाकलापें और विभाग के शिक्षकगण और छात्रों द्वारा उपस्थिति –

1. नये छात्रों के स्वागत समारोह, विदाई समारोह और पिकनिक आदि का आयोजन –
2. 2015-16 के दौरान आयोजित 'वृक्षारोपण' पौष उत्सव, वन महोत्सव आनन्द बाजार और अन्य विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों ओर उत्सवों में भाग लिया।
3. नारी अध्ययन केन्द्र के सहयोग से सीजेएमसी द्वारा आयोजित कार्यक्रम।
4. पहला अल्युम्नी सम्मेलन 'पुनर्यात्रा' आयोजित किया गया।

विभाग के शिक्षकगण / विद्वानों द्वारा प्राप्त शैक्षणिक श्रेष्ठता सम्पूर्ण के रुप में (डीएसए या सीएएस आदि के पहचान के समान)

बिप्लव लोहा चौधरी

संसाधन पुरुष / साक्षात्कार फैकल्टी

i. अनुभवी और उपलब्धि आधारित संचार साधन कौशल ट्रेनिंग कार्यशाला, श्री बी0 डी0 एस0 एएस ऐण्ड सी कॉलेज, पटना, गुजरात 16 फरवरी 2016।
ii. अप्रैल 2015, पश्चिम बंगाल राजकीय विश्वविद्यालय पीएच0डी0कोर्स (पत्रकारिता और जनसंघ संचार साधन)
iii. सितम्बर 2015- गौर बंग युनिवर्सिटी यूजी शिक्षक नया ग्रेजुएशन सिलेबस उज्जवल कार्यशाला, मालदा में

पेशीच पहचान

1. 2014-2016 तक के एशियन मीडिया और संचार साधन सभा द्वारा भारत का निर्देशक (राष्ट्रीय शासन सम्बन्धी का श्रेष्ठ)

पेशीय व्यक्ति का सदस्य

i. सदस्य, एशियन कम्युनिकेशन ऐण्डमीडिया सभा, हेड क्वार्टर - मनिला, फिलिपिन्स
ii. जीवनपर्यत्न सदस्य, भारतीय शैक्षणिक विज्ञान संगठन/
iii. सदस्य, मीडिया इन्फॉर्मेशन कम्युनिकेशन सेन्टर ऑफ इण्डिया।

समीति का सदस्यीकरण

i. सदस्य, शैक्षणिक परिषद विश्व भारती
ii. सभापति, यूजी बोर्ड ऑन जर्नलिज्म ऐण्ड मास कम्युनिकेशन, गौर बंग युनिवर्सिटी
iii. सदस्य, मीडिया, शिक्षित का राष्ट्रीय, निर्देशन समीति, इण्डियन इन्स्टिट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन, 2015।
iv. सदस्य, बोर्ड ऑफ यूजी स्टडीज इन जेएण्डएमसी, पश्चिम बंगाल राजकीय विश्वविद्यालय।
v. सदस्य, पत्रकारिता और जनसंघ संचार साधन अनु संधान समीति, एनएसओयू कोलकाता।
vi. सदस्य, बोर्ड ऑफ पीजी स्टडीज इन जेएण्डएमसी, पश्चिम बंगाल राजकीय विश्व विद्यालय।
vii. सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज इन जर्नलिज्म पश्चिम बंगाल राजकीय पाठ्यपुस्तक बोर्ड, कोलकाता।
viii. बाहरी योग्य सदस्य बोर्ड ऑफ रिसर्च/इन मास कम्युनिकेश्शन, बर्दवान युनिवर्सिटी पश्चिम बंगाल।
ix. ट्रस्टी बोर्ड और गवर्निंग बोर्ड सदस्य, जीआरटीएफ, नई दिल्ली।
x. चलायमान / शासकीय सदस्य अर्कादयूति कॉलेज, ऑफ एडूकेशन, सिउड़ी (थकाने वाला लिस्ट नहीं)

मौसमी भट्टाचार्य

पोस्ट- डॉक्टोरल रिसर्च फेलो ऑफ इण्टरनेशनल एसोसिएशन ऑफ वुमेन इन रेडियो ऐण्ड टेलीविजन) आईएडब्लूआरटी,

एफओकेयूएस नार्वे
2015 में इण्टरनेशनल एसोसिएशन ऑफ वुमेन इन रेडियो ऐण्ड टेलीविजन में भारती बोर्ड सदस्य के रुप में चुनी गईं।
2015 में इस्टर्न जोनल कोऑडिनेटर ऑफ पीपुल आर्चिव ऑफ रुरल इण्डिया (पीएआरआई) में चुनी गई।
नेशनल फाउण्डेशन फॉर इण्डिया मीडिया फेलोशीप जुरी बोर्ड 2015 में सदस्य के रुप में चुनी गईं।
2016 मे भारत की ओर से प्रतिष्ठित यू0ए0 कार्यक्रम स्टडी ऑफ यू0एस0 इन्स्टिट्यूट (एसयूएसआई) में हिस्सा लेने के लिए चुनी गई।

पत्रकारिता और मीडिया 2016 में विद्ववता

मीडिया मैसेंजर के सम्पादकीय बोर्ड सदस्य मीडिया में बहुभाषी अनुसंधान जर्नल (आरएनआई) रजिस्ट्रेशन संख्या एमएएचयूएल/2014/60617, आईएसएसएन 2455-2046)
सलाहकार समीति का सदस्य, इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ कम्युनिकेशन डेवेलपमेन्ट, नई दिल्ली।
सदस्य – यंग लीडर्स थिंक टैंक - इण्डिया, एफईएस जर्मनी
सदस्य - भारतीय मीडिया सूचना और संचार साधन केन्द्र, नई दिल्ली
सदस्य फाउण्डेशन फॉर मीडिया प्रोफेशनल, नई दिल्ली।
बाहरी योग्यता, बीओएस, जनसंघ संचार साधन और वीडियो ग्राफी, रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
अप्रैल 2015 से मार्च 2016 के दौरान प्रकाशन

बिप्लव लोहा चौधरी

जर्नल में कागज

1. छठवाँ तत्व....जनसंघ मीडिया में सूचना के रुप में वॉल्यूम 4 संख्या 38 मई 2015, आईएसएसएन 2277-7369, मीडिया अध्ययन दल, नई दिल्ली

कॉलम लेखन

1. 2015 अगस्त के आगे : दूसरा बंगाल सबसे अच्छा बंगाल, एक जारी कॉलम डब्लूडब्लडब्लू.न्यूजमैन में व्याख्यान विकास और राजनीति शास्त्र नाटक की कथा, पश्चिम बंगाल।

पुस्तक पाठ

ए0 मित्रा और के0 के0 भट्टाचार्य के साथ पहला लेखक के रुप में 'थ्री-टायर नीउ मीडिया लिटरैसी फॉर रीअलाइजिंग फुल कम्युनिकेशन पोटेन्शियल इन इन्फॉर्मेशन सोसाइटी, बी0 इस्लाम और एन0 रॉय (ईडी.) सम्पादित मीडिया के नई दिशा में, ब्लूम्सब्यूरी, नई दिल्ली, 2015।

मौसमी भट्टाचार्य

निर्णयकर्त्ता जर्नल में कागज

1. बच्चों में रुचिकर कार्टून कार्यक्रम में संचार साधन के भाषा माध्यम के रुप में-एक प्रतियोगिता मूलक अध्ययन का पश्चिम बंगाल में दो सब डिविजन में प्रकाशित पुस्तक का मोउ मुखर्जी दास कला वाणिज्य और विज्ञान के अनुसंधान वर्ल्ड जर्नल में प्रथम लेखिका के रुप में। अन्तर्राष्ट्रीय निर्णायक जर्नल (2231-4172, वॉल्यूम VII, प्रकाशन। (2), जनवरी 2016।
2. कार्टून पात्रता के माध्यम से दृष्टिगोचर शिक्षित – पश्चिम बंगाल में कार्टून कार्यक्रम का एक अध्ययन, प्रकाशित पुस्तक में मोउ मुखर्जी दास के साथ दूसरी लेखिका के रुप में यान्त्रिक अनुसंधान और एप्लिकेशन के अन्तर्राष्ट्रीय

जर्नल में (आईएसबीएन 2320-8163, वॉल्यूम 4, प्रकाशन (2) (मार्च-अप्रैल 2016)

पुस्तक पाठ

1. ''फेसबुक में संस्कृति फैन पेज : बंगाली निर्देशक /कलाकार तीन प्रसिद्ध फेसबुक फैनपेज पर अध्ययन'' प्रकाशित मोउ मुखर्जी के साथ प्रथम लेखिका के रुप में, नई मीडिया : प्रकाशित चुनौतियाँ और आलोक, धर्मेश भी0 धवकंर सम्पादित, राष्ट्रसन्त टुकाडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय के जनसंघ संचार साधन विभाग द्वारा, 25-26 फरवरी, 2016 (आईएसबीएन : 978-81-925001-8-8
2. ''सामाजिक मीडिया के माध्यम ब्रॉडिंग कार्टून चैनेल - उनके उपयोग पर एक अध्ययन ''प्रकाशित देबास्तुति दास गुप्ता के साथ प्रथम लेखिका के रुप में नई मीडिया में – चुनौतियाँ और आलोक में प्रकाशित, धर्मेश भी0 धवकंर सम्पादित, राष्ट्रसन्त टुकाडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय के जनसंघ संचार संचार साधन के विभाग द्वारा, 25-26 फरवरी, (आईएसबीएन : 978-925001-8-8)

संहिता चटर्जी

''दि सिन्टैक्स ऑस स्कीन राइटिंग'' शीर्षक पुस्तक पाठ संपादित पुस्तक शीर्षक ''स्ट्रक्चर ऐण्ड डिमेन्शन ऑफ स्क्रीन 'राइटिंग'' मार्च 2016, आईएसबीएन : 978-93-82112-18-1)

विभाग द्वारा नये कोर्स का खाका / अध्ययन सूची का अन्य अध्यापन नई पद्धति की प्रचलन :–

1. फैकल्टी और औद्योगिक पेशेवर द्वारा छात्रों कौशल प्रस्तुति के अनावरण, साक्षात्कार यन्त्र कला दिया गया जिससे कि वे भविष्य में अधिक चुनौतियों के लिए तैयार हो सके।
2. सम्मेलनों, परिसंवादों कार्यशालाओं, चलचित्र/स्कीनिंग, विशेष व्याख्यान जैसे आयोजन के माध्यम से इवेन्ट प्रबन्ध कौशल सीखया जाता है।
3. 2017 के शैक्षणिक सत्र के लिए नये कोर्स बनकर निरीक्षण के लिए तैयार है।

भविष्य के दिशा निर्देशन में विभाग के विकास का संक्षिप्त इतिहास –

मीडिया में गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की रुचि विख्यात है। विभिन्न साक्षरता जर्नल में उनका योगदान और उनके नाम भारतीय प्रसारण सेवा ''आकाशवाणी' भी बहुत लोकप्रिय है। जब विश्व-भारती ने 2000 ई0 में पत्रकारिता और जनसंघ संचार साधन केन्द्र (सीजेएमसी) पत्रकारिता और जनसंघ संचार साधन में पीजी डिप्लोमा कोर्स शुरु किया यह संस्थापक उद्देश्य था जो कि भविष्य के संचार साधक विश्व के अन्य लोगों के साथ जोड़ने के लिए तैयारी शुरु किया। 2000-2001 के सत्र में 14 माह के डिप्लोमा कार्यक्रम में 23 छात्र थे। 2002-03 में पीसी डिप्लोमा कोर्स के छात्रों के लिए एम0ए0 (लीडिंग ब्रीज कोर्स) का एक विशेष खाका शुरु किया गया। 2003-04 से 25 छात्रों के साथ 2 वर्षीय एम0ए0 डिग्री (पूर्ण पक्षयुक्त) शुरु किया गया। 2004-05 में और अधिक छात्रों ने दाखिला लिया। वर्तमान में विदेशी छात्र भी सीजेएमसी में अध्ययन कर रहे हैं।

2009-10 सत्र से अर्द्धवार्षिकी सिस्टम/शैली चलाया गया है। पीजी डिग्री अध्ययन सूची अब चार भागों (छ: माही) में विभाजित कर दिया गया है। प्रथम सेमेस्टर संचार साधन सिद्धान्त मीडिया कानून, प्रेस का इतिहास, रीपोर्टिंग और पत्रकारिता छपाई में एडिटिंग और सांस्कृतिक अध्ययन (रवीन्द्र अध्ययन पर क्षेप) पर ध्यान दिया जाता है। दूसरा सेमेस्टर पूर्णरुप से अभ्यास पर निभी है। संचार साधन अनुसंधान के छात्रों के साथ छपाई, दूरदर्शन और रेडियो पत्रकारिता में विस्तार से अभ्यस्त / दक्ष किया जाता है। आवश्यक दृष्टिगोचर, रेडियो और समाचार पत्र योजनाएँ भी हैं। तीसरी सेमेस्टर विज्ञापन, पब्लिक सम्बन्ध विकास और ग्रामीण संचार साधन को समर्पित है। चौथे सेमेस्टर में प्रत्येक छात्र को पत्रिका पत्रकारिता मीडिया प्रबन्धन, दूरदर्शन रेडियो पत्रकरिता (अग्रगामी) और चलचित्र अध्ययन और वेब़ पत्रकारिता में से किसी एक विषय

पर विशेषज्ञ के रुप में अपनाना होता है। इस वर्ष से प्रत्येक छात्र औपचारिक वार्तालाप करते हैं। चलचित्र अध्ययन और वेब पत्रिकारिता में से किसी एक विषय पर विशेषज्ञ के रुप में अपनाना होता है। इस वर्ष से प्रत्येक छात्र औपचारिक वार्तालाप करते हैं। चलचित्र अध्ययन और वेब पत्रकारिता छात्र छोटी फिल्म और वेब योजनाएँ तैयार करते हैं। 2015-15 के सत्र में वे तीन छोटी फिल्म बनाए।

सीजेएमसी में फिलहाल एक प्रोफेसर, एक संगठित प्रोफेसर और एक सहायक प्रोफेसर हैं जो अतिथि व्याख्याताओं के एक दल (आन्तरिक) सर्पोट किये जाते हैं। सीजेएमसी में एक फिल्ड ऑफिसर भी है जो छात्रों के क्षेत्रीय क्रियाकलापों आयोजन करता है और विश्वभारती विभागीय स्वाभाविक प्रकाशन में छपे समाचार का समन्वय करता है।

अधिकतर छात्रों ने टाइम्स ऑफ इण्डिया, दि टेलीग्राफ, आनन्दबाजार पत्रिका, दि स्टेट्समैन, हिन्दुस्तान टाइम्स, प्रभात खबर एबीपी आनन्द, ईटीवी बांगला, ईटीवी राजस्थान, इण्डियन एक्सप्रेस, टीआईएस, ऐक्सिस बैंक, सिलिगुड़ी कॉलेज, सिलिगुड़ी, युवा परिवर्तन (नई दिल्ली), रानी बिरला कॉलेज, कोलकाता, इण्डियन इन्फॉर्मेशन सर्विस, इन्फॉर्मेशन ऐण्ड कल्चर सर्विस (पश्चिम बंगाल), कैव्यालय फाउण्डेशन (नई दिल्ली) इत्यादि में ले लिया / खीच लिया गया।

ग्रामीण संचार साधन और नई मीडिया पर विशेष दबाव के साथ वर्तमान कोर्स के अध्ययन सूची को अपडेट करना ही सीजेएमसी का उद्देश्य है। विज्ञापन, पब्लिक सम्बन्ध, विज्ञान संचार साधन इत्यादि के कम समय वाला कोर्स भी सम्भवत: चलाया जायेगा।

भविष्य की योजनाएँ :–

1. नियुक्ति के लिए विशेष सहायता कार्यक्रम
2. सार्वभौमिक विज्ञापन और ब्राण्ड संग्रहालय और भारतीय संचार साधन विचार केन्द्र की स्थापना करना।

शिक्षा-भवन

(इन्स्टिट्यूट ऑफ साइन्स)

शिक्षा भवन इस वर्ष विज्ञान में पोस्ट ग्रेजुएट शिक्षण में पचास वर्ष पूरा किया है। शिक्षा भवन (इंस्टिट्यूट ऑफ साइन्स्) अब ग्यारह मौलिक अंश को सम्मिलित करता है, जो विभाग (रसायन, गणित, भौतिकी, वनस्पति विज्ञान, प्राणीविज्ञान, सांख्यिकी, कम्प्यूटर और शैली विज्ञान, बायोटेक्नोलॉजी और पर्यावरण अध्ययन) और दो केन्द्र (युग्मन विज्ञान, शिक्षाशास्त्र और अनुसंधान और गणित शिक्षा का केन्द्र) जहाँ दोनों शिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रमों बी0एससी0 (ऑनर्स), एम0 एससी0, युग्मित एम0एससी और पी0एचडी0 की डिग्रियाँ चुलायी जा रही हैं। समय के अवधि के बाद यह भवन शिक्षण और अनुसंधान दोनों में अद्‌भुत छलाँग लगाया है और गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर के माध्यम से इसके विस्तारीकरण कार्यक्रमों में आसपास के साधारण लोगों के जागरुकता के मेल उत्पादित किया है। शिक्षण और अनुसंधान इन्टरडिसप्लिनरी कार्यक्रमों का विकास किया गया है और संस्थान ने कई श्रेष्ठ ग्रेजुएट उत्पन्न किया है जिन्होंने प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के संस्थानों और संगठनों के माध्यम से देश के विभिन्न क्षेत्रों एवं विदेशों में कार्य के माध्यम से समाज में सेवा प्रदान किया है। सभी विभाग और केन्द्र नये कोर्सो में श्रेष्ठ विकास और शुरुआती अनुसंधान क्षेत्र में प्रशंसनीय कार्य कर रहा है। पाँच विभाग (भौतिकी, रसायन, गणित, प्राणी विज्ञान और वनस्पति विज्ञान) भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से एफआईएसटी के रुप अनुदान मान्यता प्राप्त कर चुका है। गणित, रसायन और जीव वनस्पति विज्ञान विभाग यूजीसी से विशेष सहायक कार्यक्रम से सम्मानित हुआ है। प्राणी विज्ञान विभाग यूजीसी से सेन्टर फॉर एडवान्स स्टडी (सीएएस) से सम्मानित हुआ है। भारत सरकार के बायोटेक्नोलॉजी विभाग द्वारा बायोटेक्नोलॉजी केन्द्र एम0एससी0 कार्यक्रमों की सहायता की जाती है और नई दिल्ली के जेएनयू द्वारा संचालित ऑल इण्डिया एन्ट्रेन्स इक्जामिनेशन के माध्यम से उत्तीर्ण छात्रों का दाखिला लिया जाता है। ये छात्र वृत्ति के रुप में प्रत्येक महीना 3000 रुपया पाते है। पाँच वर्षीय युग्मित विज्ञान कोर्स (भौतिक विज्ञान और जीव विज्ञान) 2009-10 के शैक्षणिक सत्र से शुरु किया गया है और गुणी छात्रों के द्वारा अनुसंधान और भौतिक विज्ञान सफलापूर्वक चलाया जा रहा है। राष्ट्रीय एन्ट्रेन्स स्क्रीनिंग टेस्ट (एनईएसटी) के माध्यम इस कोर्स के लिए छात्रों का दाखिला लिया जाता है और भारत सरकार द्वारा प्रतिमाह 5000 रुपया के विद्वता पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

भौतिकी विज्ञान विभाग

बी0 एससी0 (ऑनर्स) लेवेल के शिक्षण के साथ सन् 1963 विश्व भारती में भौतिकी विभाग की स्थापना की गई। तदनन्तर भौतिकी में विकसित अनुसंधान के साथ सन 1968 एम0 एससी0 शिक्षण कार्यक्रम शुरु किया गया। प्रारम्भिक दौर में विवशता के कारण विभाग में थिउरेटिकल/कल्पनापूर्वक/ अनुसंधान पर अधिक जोर दिया। क्रमश: विभिन्न वित्तीय एजेंसियों की सहायता से थिउरेटिकल के साथ-साथ प्रयोगात्मक (भौतिकी अनुसंधान) व्यापक रुप से शुरु क्रिया गया था। वर्तमान में थिउरेटिकल भौतिकी सदस्यों ने पार्टिकल भौतिकी, स्कैट्टेरिंग थिउरी, कन्डेन्सड् मैटर भौतिकी और नैनो मैटेरियल, सुपर सिमेट्रिक में कानिक, क्वैन्ट्म ऑप्टिक्स लेटिस डायनेमिक्स, एस्ट्रोफिजिक्स, कस्मोलोजी, गणितीय भौतिकी आदि पर कार्य कर रहे हैं। माइक्रोवेब इलेक्ट्रॉनिक्स, न्युक्लियर भौतिकी सम्बन्धित भौतिकी, कन्डेन्स्ड, मैटर भौतिकी, पदार्थ विज्ञान, नैनोविज्ञान, मॉलीक्यूलर मैग्नेसिज्म, रोमन स्पेक्ट्रोस्कॉपी, पार्टिक्ल भौतिकी इत्यादि के क्षेत्र में प्रयोगात्मक अनुसंधान छा गया है। डीएसटी, डीएई, एईआरबी, यूजीसीट सीएसआईआर, यूजीसी डीएई सीएसआर, कोलकाता, आईयूएसी आदि कई वित्तीय एजेसिंयो की सहायता से कई अनुसंधान प्रयोजन जारी किया गया है। इसके अतिरिक्त भीईसीसी, एनएससी, टीआईएफआर और माइक्रोटोन केन्द्र, मैंग्लोर आवश्यक शीघ्रता फैसिलिटी के उपयोग से प्रयोगात्मक कार्य जारी है। विभाग ने एक एक्स-रे पाउडर डिफ्रेक्टोमीटर (रिगाकुडी/मैक्स अल्टिमा IV ऑटोमौटिक हाई रीजोल्युशन टाइप) डीएसटी-एफआईएसटी कार्यक्रम के अन्तर्गत उपार्जित किया है। यह विभाग संयुक्त रुप से थियोरेटिकल भौतिकी परिसंवाद परिपथ् है। कुछ फैकल्टी सदस्य बाहरी संस्थानो के सहयोग अनुसंधान कर रहे है। अपने देश और विदेश के प्रसिद्ध वैज्ञानिक यहाँ प्राय: आते रहते हैं। यह विभाग पीजी और यूजी लेवेल के अध्ययन सूची के विकास के लिए क्रियाशील भूमिका निभाया है। वर्तमान यह विभाग छ: विशेष पेपर (कन्डेन्स्ड पदार्थ भौतिकी, पार्टिकल भौतिकी, इलेक्ट्रॉनिक, क्वैन्टम इलेक्ट्रॉनिक्स और एस्ट्रोफिजिक्स ऐण्ड कस्मोलॉजी और न्युक्लियर भौतिकी) पोस्ट ग्रेजुएट लेवेल के लिए प्रस्ताविक कर रहा है। कम्प्युटेशनल भौतिकी के ज्ञान की आवश्यकता को समझते हुए 1987 से अन्डर ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट के कोर्सों के अध्ययन सूची में कम्प्यूटर अप्लिकेशन पर विचार किया जा रहा है।

छात्रों को इस प्रकार दक्ष किया जाता है कि पीजी लेवेल के कोर्स के बाद भविष्य में रोजगार के स्पर्धा पार कर सके।

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/स्लेट/जेस्ट/गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों के नाम -

जेस्ट 2016

संचारी भट्टाचार्य

अबीर मुखोपाध्याय

लावन्या कुमार गुहा

देवोत्तम मण्डल

सैकत कर्मकार

गेट-2016

सायन घोष

संचारी भट्टाचार्य

नेट 2016

अर्नव रॉय

अंकुर घोष

संचारी भट्टाचार्य

सोमनाथ दत्ता

कुनाल मुर्मु

ग्रामीण परिसंवाद / सीम्पोसिया

27-29 अगस्त 2015 के दौरान विश्वभारती के भौतिकी विभाग में ''कन्डेन्स्ड पदार्थ दिवस 2015'' पर राष्ट्रीय सीम्पोसियम का आयोजन किया गया।

समन्वयक : डॉ0 विकास सी0 गुप्ता

शिक्षकगण/अनुसंधान विद्वानों द्वारा उपस्थित राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय उच्चकोटि के सम्मेलन/परिसंवाद/कार्यशाला/प्रदर्शनी विस्तार से –

प्रोफेसर ए0 भट्टाचार्य

18-22 जनवरी 2016 के दौरान डीएई-बीआरएनएस - द्वारा थर्मल विवेचना बीएचयू के 20वीं सीम्पोसियम और कार्यशाला में थर्ममन्स 2016 का आयोजन किया गया।

14-20 सितम्बर 2015 के दौरान यूजीसी-डीएई कन्सोर्टियम फॉर साइन्टिफिक रिसर्च, इन्दौर द्वारा सीएसआर व्याख्यान सीरीज-1 का आयोजन किया गया।

डॉ0 स्वप्न कुमार मण्डल

10-12 दिसम्बर 2015 के दौरान मौलाना आजाद कॉलेज, कोलकाता में आयोजित पदार्थ विज्ञान और प्रौद्योगिकी के राष्ट्रीय कार्यशाला में ''फैब्रिकेशन ऑफ सिंग्ल पॉलीमर चेन टूवर्ड्स् डेवेलपमेन्ट ऑफ मॉलीक्युलर इलेक्ट्रोनिक्स्, स्वप्न कुमार मण्डल।

रस0 रॉय

27-29 अगस्त 2015 के दौरान विश्व भारती के भौतिकी विभाग द्वारा आयोजित ''घना पदार्थ दिवस 2015'' में उपस्थित हुए।

अमिताभ बन्दोपाध्याय

1. 1-4 दिसम्बर 2015 के दौरान साहा इन्स्टिट्यूट ऑफ न्युक्लियर ऐण्ड टेक्नोलॉजी (पीएसएसआई) में आयोजित'' 30वें राष्ट्रीय सीम्पोसियम फॉर प्लाज्मा साइन्स ऐण्ड टेक्नोलॉजी'' में आमन्त्रित वार्तालाप की
2. 26-27 फरवरी 2016 के दौरान भैरव गांगुली कॉलेज, बेलघरिया कोलकाता 700056 में आयोजित ''एडवान्समेन्ट ऑफ फ्रन्टायर फिजिक्स ऐण्ड ऑप्टिक्स : 20वीं सदी से अबतक'' के राष्ट्रीय सम्मेलन में आमन्त्रित वार्तालाप की।

सुदीप्ता दास

i. 19 सितम्बर 2015 को आईआईएसईआर कोलकाता में आयोजित ''टीसीजीसीए-ईआर4 सभा: ग्रेविटी कस्मोलॉजी ऐस्ट्रोनॉमी और एस्ट्रोफिजिक्स, (पूर्वी क्षेत्र)'' के चौथे स्थानीय सम्मेलन में भाग ली।

ii. 19 मार्च 2016 को इण्डियन इन्स्टिट्यूट स्टैटिस्टिकल इन्स्टिट्यूट कोलकाता में आयोजित ''टीसीजीसीए-सभा: ग्रेविटी कस्मोलॉजी, ऐस्ट्रोनॉमी और एस्ट्रोफिजिक्स (पूर्वी क्षेत्र)'' में आयोजित पाँचवें सम्मेलन में भाग ली।

अनघा चक्रवती

i. 5-8 जुलाई 2015 के दौरान इण्टर-युनिवर्सिटी ऐसीलरेटर सेन्टर, नई दिल्ली में आयोजित 58वें एसीलरेटर यूजर्स कार्यशाला में भाग लिया।

ii. 29 फरवरी से 4 मार्च के दौरान एचबीसीएसई-टीआईएफआर, मुम्बई में आयोजित ''इवेल्युएशन ऑफ स्ट्रक्चर ऐण्ड

डीके डाटा'' के द्वितीय डीएई-बीआरएनएस कार्यशाला में भाग लिया।

आर0 के0 सिंधा

1. 6 जुलाई से 10 जुलाई के दौरान इलेक्ट्रॉनिक्स ऐण्ड कम्युनिकेशन इन्जीनियरिंग विभाग, बेसिक साइन्स ऐण्ड ह्यूमैनिटी विभाग और आरसीसी इन्स्टिट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, कोलकाता द्वारा ''प्रौद्योगिक एप्लिकेशन के लिए ठोस अवस्था के मौलिक और अग्रगामी'' के साप्ताहिक फैकल्टी डेवेलपमेन्ट (टीईक्यूआई पी-II) के कार्यक्रम ''हेटिरो-एपिटैक्सिपल ग्रोथ ऑफ जीई / एस आई नैनोस्ट्रक्चर फॉर क्वैन्टम डीवाइंस एप्लिकेशन बाई फिजिक्स डीपोजिशन टैक्निक्स'' पर आतिथ्य व्याख्यान किया।
2. 27-29 अगस्त 2015 के दौरान शान्तिनिकेतन के विश्वभारती के भौतिकी विभाग में आयोजित ''कन्डेन्स्ड पदार्थ दिवस 2015 के 23वें संस्करण पर ''स्टडी ऑफ इलेक्ट्रोस्टैटिक चार्ज रीटेन्शन प्रॉपर्टिज ऑफ सेल्फ असेम्बल्ड जीई/एस आई क्वैन्टम डॉट्स'' पर मौखिक प्रस्तुतिकरण पर व्याख्यान किया।

पी0 पाण्डे

परिसंवाद व्याख्यान

1. 13 जनवरी 2016 को थियोरेटिकल फिजिक्स, टीआईएफआर में आयोजित आयोजन में ''ऐन इन्फॉर्मेशन थिउरी सर्च फॉर दि स्केल ऑफ कॉस्मिक होमोजेनिटी'' शीर्षक परिसंवाद पर भाषण दिये।

सम्मेलन / कार्यशालाएँ

1. 19 मार्च 2016 को दि इण्डियन स्टैटिस्टिकल इन्स्टिट्यूट कोलकाता में आयोजित ''ग्रेविटी, कस्मोलॉजी ऐस्ट्रोनॉमी और एस्टोफिजिक्स् (पूर्वी क्षेत्र 5) के स्थानीय सम्मेलन में ''एक्सप्लोरिंग दि नन-लिनिअर कॉस्मिक डेन्सिटी फील्ड विथ टेसेलेशन'' शीर्षक पर आमंन्त्रित व्याख्यान किये।

विभाग में चल रहे अनुसंधान प्रयोजनाएँ :-

टी0 चट्टोपाध्याय

प्रयोजना का नाम : साइन्क्रोनाइज्ड सेमिकन्डक्टर लेजर रेस्पॉन्स् टू इन्टेन्सिटी ऐण्ड फ्रीक्वेन्सी फेज माडयुलेटेड लाइटवेप्स

सौजन्यकर्ता एजेंसी : सीएसआईआर, नई दिल्ली

अनुमोदित परिमाण/ राशि : ₹ 1458034/- तीन वर्ष (मई 2013-अब तक)

एम माइती

प्रयोजना का नाम : कम्पैक्ट मोउन सोलेन्वाएड (सीएमएस) अपग्रेड, ऑपरेशन और उपयोगिता

सौजन्यकर्त्ता एजेन्सी : डीएसटी, गवर्मेन्ट भारत सरकार

अनुमोदित राशि : ₹ 210 लाख, अगस्त 2014 मार्च 2019 /

प्रयोजन का नाम : अपडेटिंग ऐण्ड ऑपरेशन ऑफ रीजनल डब्लूएलसीजी ग्रीड शैली

सौजन्यकर्त्ता एजेन्सी : डीएसटी, भारत सरकार

अनुमोदित राशि : ₹ 26.80 लाख, सितम्बर 2014 - मार्च 2019

स्वप्न मण्डल

प्रयोजन का नाम : डायनेमिक ऑफ आयन इन पॉल ट्रेप :

माइक्रोमोशन का प्रभाव

सौजन्यकर्ता एजेन्सी : सीएसआईआर, भारत

अनुमोदित राशि : ₹ 15,00,000 (तीन वर्ष के लिए)

अस्मिता सेनगुप्ता
प्रयोजन का नाम : ''इन्वेस्टिगेशन ऑफ फिजिक्स अगिंग इन हाई पॉलीमर वाई दि कम्बिनेशन ऑफ पीएसपीएलएस और डीएससी मेथड
वित्तीय एजेन्सी : साइन्स ऐण्ड इन्जीनियरिंग रिचर्स बोर्ड ऑफ डीएसटी, भारत सरकार
अनुमोदित आर्डर संख्या : एसबी/एसजेड/सीएमपी-027/2014 (तीन वर्ष)
ए0 भट्टाचार्जी
प्रयोजन का नाम : ''स्टडी ऑफ काइनेटिक्स ऑफ थर्मल डीकम्पोजिशन ऑफ सम मौलीलीक्युलर एण्ड मेटालो ऑफ सम मौलीक्युलर ऐण्ड मेटालोजेन्स
प्रीकर्सर लीडिंग टू नैनो-स्केल 'मेटल ऑक्साइड''
अनुमोदित राशि : ₹ 22 लाख (एक टीजी-डीएससी के लिए स्थापित)
वित्तीय सहायता : डीएसटी-एफआईएसटी कार्यक्रम भौतिकी विभाग,
जुलाई 2011-जून 2016।
पी0 के0 घोष
प्रयोजना का नाम : फिजिक्स् ऐण्ड मैथेमैटिक्स् ऑफ पीटी-सीमेट्रिक शैली
सौजन्यकर्त्ता एजेंसी : एसईआर, डीएसटी, भारत सरकार (2013-2016)
अनुमोदित राशि : ₹ 13,44,00
बी0 पाण्डे
प्रयोजन का नाम : गैलेक्सी फॉर्मेशन ऐण्ड इवोल्युशन इन दि फिल्मेन्टरी कॉस्मिक डब्लूईवी : एक्स्प्लोरेशन ऐण्ड एनालाइसीस ऑफ दि स्लोन डिजिटल स्काई सर्वे फाइनल डाटा रिलीज बारहवाँ (एसडीएसएस डीआर12)
अनुमोदित राशि : ₹ 25 लाख
बुद्धदेव मुखर्जी
प्रयोजना का नाम : मेजरमेन्ट ऑफ प्रॉम्प्ट प्रोटान डीकेज इन एन = जेड न्यूक्लि यूजिंग आईएनजीए (भारतीय राष्ट्रीय) गामा आर्य)
सौजन्यकर्त्ता एजेंसी : आईयूएसी नई दिल्ली
प्रयोजन का नाम : स्पेक्ट्रोस्कॉपी ऐण्ड लाइफटाइम मेजरमेंट इन
न्युक्लियर ऑफ मास रीजन 70
सौजन्यकर्त्ता एजेन्सी : आईयूएसी नई दिल्ली
प्रयोजना का नाम : गामा स्पेक्ट्रोस्कॉपिक स्टडी इन ए-60 मास रीजन
सौन्यकर्त्ता एजेन्सी : आईयूएसी, नई दिल्ली
प्रयोजना का नाम : मेजरिंग प्रॉम्पट प्रोटान डिकेज् यूजिंग सिलिकन स्ट्रिप डिटेक्टर्स्
आरम्भिक तारीख : 24/11/2015
समय : तीन वर्ष
अनुमोदित राशि : ₹ 43 लाख
प्रयोजन रे0 संख्या : ईएमआर/2015/000891
अमिताभ बन्दोपाध्याय

प्रयोजना का नाम : मनीपुलेशन ऑफ पॉपुलेशन इन एन एटॉमिक वैपर सीस्टम थ्रु कोहरेन्ट लेजर बीमस्
सौजन्यकर्त्ता एजेन्सी : डीएसटी-एसईआरबी, एसईआरबी
अनुमोदित ऑर्डर संख्या : एसआर/एफटीपी/पीएस -097/2010 तारीख 4/08/13
अनुमोदित राशि : ₹ 23.10 लाख
प्रयोजन का नाम : इफेक्ट ऑफ कोहरेन्ट रेडिएशन फील्ड
ऑन दि ट्रान्सपेरैन्सी ऑफ अल्कैली एटॉमिक वैपर मीडियम
सौजन्यकर्त्ता एजेन्सी : यूजीसी, भरत
अनुमोदित राशि : ₹ 14,04,500/-

अनघा चक्रवर्ती

प्रयोजन का नाम : ''सर्च फॉर नन-रेस्ट कलेक्टिव स्टेट्स इन 150 एनडी
सौजन्यकर्त्ता एजेन्सी : यूजीसी-डीएई कन्सोर्टियम फॉर साइन्टिफिक रिसर्च, कोलकाता केन्द्र
प्रयोजना संख्या : यूजीसी-डीएआई-सीएसआर-केसी/सीआरएस/13/एनपी04/02
अनुमोदित राशि : प्रत्येक फेलोशीप योजना के लिए ₹ 25000/-
प्रत्येक वर्ष 3 वर्ष के लिए।
योजना का नाम : ''रीविजिटिंग हाई स्पीन लेवेल स्ट्रक्चर ऑफ न्युक्ली अराउण्ड ए-150 रीजन : इश्यू ऑफ अक्टुपोल ऑसिलेशन्स् ऐण्ड डीफॉर्मेशन''
सौजन्यकर्त्ता एजेन्सी : जेयूएसी, नई दिल्ली (परियोजना कोड संख्या : यूएफआर-563171
अनुमोदित राशि : एक जेआरएफ फलोशीप के लिए
₹ 25000/- प्रत्येक वर्ष, 3 वर्ष के लिए।
विभाग द्वारा विस्तारीकरण क्रिया कलाप /एनएसएस/ सांस्कृतिक और अन्य क्रियाकलाप में विभाग के शिक्षकगण और छात्रों की उपस्थिति -
शिक्षकगण / विद्वान या विभाग के सम्पूर्ण (डी.एस.ए या. सी.ए.एस आदि) जैसे मान्यता) द्वारा प्राप्त शैक्षणिक श्रैष्ठता -

सोमनाथ चक्रवर्ती

जर्नल पेपर

प्रमाना
भारतीय भौतिकी जर्नल
ऐस्ट्रोफिजिक्स् ऐण्ड स्पेस विज्ञान
भौतिकी पत्र ए
यूरोपियन भौतिकी जर्नल ए
सभा अध्ययन के बाहरी सदस्य, भौतिकी विभाग, बर्दवान युनिवर्सिटी। अनुसंधान अध्ययन सभा के बाहरी सदस्य, भौतिकी विभाग, बर्दवान विश्वविद्यालय अध्ययन सभाके बाहरी सदस्य, भौतिक विभाग, पंचानन वर्मा युनिवर्सिटी।

टी0 चट्टोपाध्याय

सदस्यता

आईईटीई का सहचर (भारत)

ए0 भट्टाचार्य

1. आतिथ्य प्रोफेसर रिसर्च सेन्टर फॉर स्ट्राक्चर थर्मोडायनेमिक्स ओसाका युनिवर्सिटी, अगस्त-दिसमबर 2015।

बी0 सी0 गुप्ता

जर्नल का निरीक्षक : (i) भौतिकी रेव.बी (ii) जे.एपल भौतिकी (iii) भौतिकी सांख्यिकी ठोसता बी

जुडे हुए प्रोफसर, भौतिकी विभाग, युनिवर्सिटी ऑफ इलिन्वायस, सिकागो, यू0एस0ए0।

सुदीप्ता दास

जर्नल का निरीक्षक (i) थियोरेटिकल भौतिकी का अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल (आईजेटीपी)

अगस्त 2014 से तीन वर्ष के लिए ऐस्ट्रोनॉमी और एस्ट्रोफिजिक्स के आन्तरिक विश्वविद्यालय केन्द्र में संयुक्त अतिथि के रुप में नियुक्त हुए।

बी0 पाण्डे

अप्रैल-2015 से मार्च 2016 के दौरान प्रकाशित पुस्तकें -

स्वप्न कुमार मण्डल

पुस्तक पाठ्य ''ऑन-सरफेस सीन्थेसिस ऑफ सिंगल कंजगटेड पॉलीमर चेन्स् फॉर सिंगल-मॉलीक्यूलर डीवाइस'' बाई0 ओकावा, स्वप्न कुमार मण्डल, एम मकारोवा और एम0 एओनो, स्प्रिन्जर इण्टरनेशनल पब्लिशिंग, स्वीट्जरलैण्ड (पाठ्य 8 आईएसबीएन : 978-3-319-26598-8), 2016।

अप्रैल 2015 से मार्च 2016 के दौरान प्रकाशित निर्णायक जर्नल में।

टी0 चट्टोपाध्याय

1. टी0 चट्टोपाध्याय पी0 भट्टाचार्य सी0 घोष ''ऑल ऑप्टिकल माइक्रोवेब फ्रीक्वेन्सी डिविजन बाई 2 ''फोटोनिक्स पत्र, पोलैण्ड, 7 (3) पीपी 87-89, 2015।
2. सी0 घोष और टी0 चट्टोपाध्याय ''मेजरमेंट ऑफ ए सेकेण्ड-हार्मोनिक डिस्टोर्शन ऑफ डीटेक्टेड सिग्नल इन एन आईएम-डीडी फाइवर ऑप्टिक लिंक वेन दि इन्पुट आईएम इज सेकेण्ड हार्मोनिक कन्टेमिनेटेड'' पोलैण्ड का फोटोनिक पत्र, 7 (3), पीपी 84-86, 2015
3. टी-चट्टोपाध्याय, प्रसन्नजीत भट्टाचार्य सी0 घोष, ''पिकोसेकेण्ड पल्स् कम्प्रेशन टू फेमटू सेकेण्ड लेवेल बाई दि कम्बाइण्ड एक्शन ऑफ ए हाइली नन-लिनिचर फाइवर ऐण्ड ऑप्टिकल टाइम लेन्स, यान्त्रिक और संचार साधन अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल (आईजेईसीई), वॉल्यूम 8 संख्या । पीपी 65-74, 2015।
4. टी0 चट्टोपाध्याय, पी0 भट्टाचार्य, सी0 घोष ''कन्वरसेशन ऑफ एएम इन्डेक्स ऑफ ए आरएफ सब्केरियर इन आईएम-डीडी ऑप्टिकल लिंक, ''ऑप्टिक इन्टरनेशनल जर्नल फॉर लाइट, ऐण्ड इलेक्ट्रॉन ऑप्टिक्स 127 (13) 5448-5451, 2016।
5. टी0 चट्टोपाध्याय पी0 भट्टाचार्य, एसके0 डान ''फ्रीक्वेन्सी टयुनिंग ऑफ ऐन ऐक्टिव, माइक्रोवेव, बैण्डपास फिल्टर बाई ए मोनोटोन माइक्रोवेब कैरियर,'' यान्त्रिक अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल पत्र, पीपी-1-9 2016 (डीओआई : 10.1080/ 2121681724.2016.1175673)
6. टी0 चट्टोपाध्याय, पी0 भट्टाचार्य, ''इफैक्ट ऑफ को-चैनेल मोनोटोन इन्टरफेरेन्स् ऑन पैसिव हाइव्रिड ऑप्टिकल सिग्नल इन-इन्जेकशन-लॉक्ड क्वैन्टम केस्केड लेजर ''जर्नल ऑफ ऑप्टिकल कम्युनिकेशन, 37 (1) 23-30, 2016।
7. सन्तोष कुमार डान और तारा प्रसाद चट्टोपाध्याय, ''यूनिलेटेरली इन्जेक्शन-लॉक्ड गन औसिलेटर पेयर ऐक्टिंग एज ए माइक्रोवेब ऐक्टिव नॉच फिल्टर, ''यान्त्रिक और संचार साधन इन्जेनियरिंग और प्रौद्योगिकी कर अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल

(आईजेईसीईटी), वॉल्यूम 7 संख्या 2 मार्च-अप्रैल 2016, पीपी 25-32, 2016, आईएईएमई पब्लिकेशन।

8. चिरंजीव घोष और तारा प्रसाद चट्टोपाध्याय, ''एफिसिएन्ट एफएम-आईएम कन्वर्श इन ऐन इन्जेक्शन-लॉक्ड फेब्री-पेरॉल लेजर डायोड'' यान्त्रिक और संचार साधन इन्जीनियरिंग और प्रौद्योगिक का अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल (आईजेईसीईटी), वॉल्यूम 7 संख्या 2, मार्च-अप्रैल 2016, पीपी-33-40, 2016, आईएईएमई पब्लिकेशन।

सोमनाथ चक्रवर्ती

चन्द्रशेखर का दो मात्रा कल्पित सफेद वामन का अनुपात,

संचारी दे और सोमनाथ चक्रवर्ती, भौतिकी का यूरोपियन जर्नल, वॉल्यूम 36 (2016) 055006।

दो मात्राओं में स्वयं गुरुत्वाजनित तारा सम्बन्धी वस्तु में 'थॉमस'फर्मी का मॉडल, संचारी दे और सोमनाथ चक्रवती, यूरोपियन भौतिकी जर्नल, वॉल्यूम : 36 (2015), 055006।

''डॉप्टर शिफ्ट ऑफ दि ब्रुग्ली वेब्स-सम नीउ रीजल्ट फ्रॉम वेरी ओल्ड कन्सेप्ट, संचारी दे और सोमनाथ चक्रवर्ती, भौतिकी शिक्षा, वॉल्यूम 31, संख्या 1, अर्टिकल संख्या 2, पृष्ठ-1 (2015) (ऑनलाइन डब्लूडब्लूडब्लू.फिसेडू.इन)

स्क्रॉडिंगर इक्वेशन ऑफ ए पार्टिकल इन एन यूनिफॉर्मिली एसीलरेटेड, रचना और नये प्रकार के क्वेन्टा की सम्भवना संचारी दे, सुतापा घोष और सोमनाथ चक्रवर्ती।

आधुनिक भौतिकी पत्र ए, वॉल्यूम 30 (2015) 1550182।

दि पार्टिकल प्रोडक्शन ऐट दि इवेन्ट हॉरिजन ऑफ ए ब्लैक होल ऐज़ ग्रेविशनल फॉलर-नॉर्दिम एमिशन
इन यूनिफॉर्मिली एसीलरेटेड फ्रेम इन दि नन-रीलेटीविस्टिक सीनेरियो,

मानस माइती

1. सर्च फॉर सुपरीसीम्मेट्री इन दि मल्टिजेट ऐण्ड मिसिंग ट्रान्सवर्स मोगेन्टम स्टेज इन पीपी कॉलिजन ऐट = 13 टेभ सीएमएस के सहयोग से पीएलबी 758 (2016) 152
2. मेजरमेन्ट ऑफ दि टॉप क्वैर्क पेयर प्रोडक्शन क्रॉस-सेक्शन इन प्रोटॉन-प्रोटॉन कॉलिजन ऐट एसक्यूआरटी(एस) = 13 टेभ सीएमएस के सहयोग से पीआरएल 116 (2016) 05002/
3. मेजरमेन्ट ऑफ लाँग-रेन्जर-साइड टू-पार्टिकल एंगुलर कोरी लेशन इन पीपी कॉलिजन ऐट एसक्यूआरटी (एस) = 13 टेभ, सीएमएस के सहयोग से पीआरएल 116 (2016) 172302
4. सीउडोरैपिडिटी डिस्ट्रीब्यूशन ऑफ चार्ज्ड हैड्रोन्स इन प्रोटॉन-प्रोटॉन कॉलिजन ऐट एसक्यूआरटी(एस) = 13 टेभ, सीएमएस के सहयोग से, पीएलआर 751 (2015) 143।

ए0 भट्टाचार्य

रूज, रॉय, एम, कुज, भट्टाचार्जी, 'ए थर्मल डिकम्पोजिशन ऑफ फॉरोसेन : आयरन 'ऑक्साइड बनाने के लिए अघुलनशील तरीका'', अन्तर्राष्ट्रीय जे एक्स्प्रेस, सेक्ट, टेक : 1(2016) 003-008।

बारीक पी0 भट्टाचार्जी, ए, रॉय एम0, ''गम अरेबिक का निर्माण, गुण और विद्युत अध्ययन /जेएनओ नैनो कम्पो साईट'' बुल मैटर विज्ञान 38(2015) 1609-1616।

पी0 के0 घोष

देवदीप सिन्हा और पिजुश के0 घोष ''सीमेट्रिज ऐण्ड एक्सजेक्ट सोल्युशन ऑफ ए क्लॉस ऑफ नन लोकल नन लीनियर स्क्रॉडगर इक्वेशन विथ सेल्फ-इन्डयुस पैरिटी-टाइम-सीम्मेट्रिक पोटैन्शियल, भौतिक, निरीक्षण, ई91,042908, प्रकाशित अप्रैल 2015।

टी0 के0 कुण्डु

1. ग्रीन ऐण्ड ब्लु एमिशन फॉम जेडएनओ नैनोरोडस प्रीपेयर्ड बाई यूजिंग पॉलीनाइल्पाइरोलिडोन मॉलिक्यूल, के0 करक, आर लावार, पी0 बारीक और टी0 के कुण्डु, अग्रणामी विज्ञान इन्जीनियरिंग और औषधि 7, 1, 2015 (डीओआई 10,1166/एएसईएम 2015. 1725)
2. ग्रोथ ऑफ को डॉप्ट जेडएनओ नैनोपार्टिक्ल्स, बाई पोरस एल्युमिना असिस्टेड सोल-जेल रूट : दृष्टि सम्बन्धी बनावट और चुम्बकीय गुण नान्टु करक, वप्पादित्या पाल, डी0 सरकार, तापस कुमार कुण्डु, एलॉय और कम्पाउण्ड का जर्नल 647, 252, 2015।

एस0 के0 मण्डल

1. मल्टि फरोसिटी इन जेडएनओ नैनोडम्बले/बीआईएफई ओ3 नैनोपर्टिकल हीटीरोस्ट्रक्चर, डी0 महेश और स्वप्न कुमार मण्डल, अन्तर्राष्ट्रीय जे.मोड फिजिक्स बी 30,1650074 (2016)
2. ऑब्जरवेशन ऑफ प्रोनाउन्स्ड इलेक्ट्रिक पोलैराइजेशन ऐण्ड मैग्निटिजेशन इन एमएन डॉप्ड बीआईएफआई ओ3 नैनो क्रिस्टाल, डी0 महेश, एम0 एल0 नन्द गोस्वामी और स्वप्न कुमार मण्डल, अग्रगामी इन्जीनियरिंग विज्ञान एमईडी 7,952-957 (2015)
3. यूभी एमिशन फ्रॉम मण्डल असेम्बलड जेडएस नैनोवायर ऑन डीएनए टेम्पलेट्स, स्वप्न कुमार मंडल यूरोपियन भौतिकी जे0 एपल.फिजिक्स 70, 20401 (2015)

अमिताभ बन्दोपाध्याय

1. दीपंकर भट्टाचार्य। अरिन्दम घोष, अमिताभ बन्दोपाध्याय, सत्यजीत साहा और शंकर दे, ''ऑब्जरवेशन ऑफ इलेक्ट्रोमैग्निटीकली इन्डयुस् ट्रान्सपैरैंसी इन सिक्स-लेवेल आरबी अणु और थियोरेटिकल सिम्युलेशन ऑफ दि ऑब्जर्व स्पेक्ट्रा'', 2015, जे0 फिजिक्स, बी रूट मॉल ऑप्टिकल भौतिकी 48, 175503
2. दीपंकर भट्टाचार्य, अरिन्दम घोष, अभिताभ बन्दोपाध्याय, सत्यजीत साहा और शंकर दे, ''इलेक्ट्रोमैगनेटीकली इन्डयूस्ड ट्रांसपेरेन्सी (ईआईटी) स्पेट्रा की तुलना छः स्तरीय लाम्बदा से (?) और पाँचवे स्टर भी - टाइप- तरीकों से, 2015, जे रुट, मोल. कन्डेन्स एवं नैनो भौतिकी, 2,93

सुदीप्ता दास

(i) अलानुनी स्केलर क्षेत्र नमुने की पढ़ाई राज्य के अधेकारमय उर्जा समीकरण के विभिन्न पैरामिटर का उपयोग करके।
अब्दुल्ला आल मैमोन और सुदीप्ता दास
पत्रकार-पैरवी : यूरोपियन भौतिकी प्रकाशन सी, 75, 244 (2015) (एआरएक्सआईभी : 1503.06280 (जीआर-क्यूसी)

ii. थर्मोडायनामिक्स के दूसरे नियम का अनुसरण करना अकानूनी स्कैलर क्षेत्र नमूने के साथ सही माप के लिए।
सुदीप्ता दास, उज्जल देवनाथ और अब्दुल्ला आल मैमौन
पत्रकार-पैरवी : यूरोपियन भौतिकी प्रकाशन सी, 75, 504 (2015) (एआईएक्सआईभी : 1510.02573 (जीआर-क्यूसी)

iii. साधारण अकानूनी स्कैलर क्षेत्र के साथ अन्धकारमय उर्जा नमूने की पढ़ाई।
अब्दुल्ला आल मैमोन और सुदीप्ता दास
पत्रकार पैरवी : यूरोपियन भौतिकी प्रकाशन सी, 76, 135 (2016) (एआइएक्सआईभी : 1512.03608 (जीआर-क्यूसी)

iv. एक विभिन्नता मुक्त पैरामेट्रीजेशन अंधकारमय उर्जा स्कैलर क्षेत्र के लिए पैरामिटर स्पस्टता का।
अब्दुल्ला आल मैमोन और सुदीप्ता दास
पत्रकार - पैरवी : आधुनिक भौतिकी के अन्तर्राष्ट्रीय पत्रकार डी, 25, 1650032 (2016) (एआरएक्सआईभी : 1507.00531 (जीआर-क्यूसी)

ए.चक्रवर्ती

''ए =227 के लिए न्यूक्लियर सूची पृष्ठ'', एफ. कोनदेव ई. मैककटचेन, बी. सिंह, जे. टूली, ए चक्रवर्तीग, एम.ज. मिंक, इयूआर.भौतिकी.जे. ए 52 (2016) 96

बी.पाण्डे

1. शैनोन माप के साथ स्लोन आकाश सर्वे सूची मुक्त बारह में समांगरूपता जाँच, विश्वजीत पाण्डे, सुमन सरकार, 2015, रोयल अंतरक्षीय समाज की मासिक सूचनायें, 454, 2647
2. शैनोन माप का प्रयोग करके एलआरजी विभक्तता में समोगरूपता और नियमकाल पर बड़े पैमाने पर जाँच, विश्वजीत पाण्डे, सुमन सरकार, 2016, रोयल अंतरक्षीय समाज का मासिक सूचनायें, 460, 1519

बातचीत बढ़ाव :

टी.चट्टोपाध्याय

1. एस. के डॉन और टी.चट्टोपाध्याय, ''एक संकीर्ण बैण्ड निष्क्रिय, बैण्डपास फिल्टरकम एफएम वक्ता (आईईईई) बातचीत के लिए कम्प्यूटर और डिवाइस पर अन्तर्राष्ट्रीय बातचीत का बढ़ाव (सीओडीईसी-2015), दिसम्बर 16-18, 2015, रेडियो भौतिकी और विद्युतकरण का सभा/संस्था, कैलकेटा विश्वविद्यालय
2. पी. भट्टाचार्य, एस.के. डॉन और टी-चट्टोपाध्याय, ''तीव्रता-परिवर्तन हस्तक्षेप के रूप में एक बैण्ड रिजेक्ट व्यूनेबल माइक्रोवेभ फिल्टर का कार्य, ''आईईईई बाम्बे सेक्शन सिम्पोसियम (आईबीएसएस),1-6, 2015, डीओआई : 10.1109/आईबीएसएस : 2015. 7456651. (आईईईई एक्सपीएलओआरई).

टी.के. कुण्डु

1. सोल-जेल रूट द्वारा निर्मित एम एन डोपड जेड एन ओ नैनो-कणों में कमरा तापमान फेरोमैगनेटीज्म
नान्टु कारक, बाषादित्या पाल रीनी लाबार और टी.के. कुण्डु- ''संक्षेप पदार्थ दिन-2015, भौतिकी विभाग, विश्व-भारती, शन्तिनिकेतन
2. एन-जेड एन ओ / पी-एसआई नैनोस्ट्रक्चर हेटेरोजक्शन डायोड का फैब्रिकेशन सव्यसाची करमकर, रीनी लाबार और टी.के. कुण्डु-''संक्षेप पदार्थ दिन, भौतिकी विभाग, विश्व-भाश्रती, शान्ति निकेतन

एस.रॉय

बी एफ एम ओ के लिए ए सी अतिसंवेदनशीलता सूची को व्यवस्थित करने के लिए जेनेटिक एलगोरिदम का प्रयोग एस.राय, ए.चक्रवर्ती और एस.सील -''संक्षेप पदार्थ दिन-2015, भौतिक विभाग, विश्व-भारती, शान्तिनिकेतन।

अभिताभ बन्दोपाध्याय

1. अरिन्दम घोष, खैरूल इस्लाम, सुमन मण्डल, दीपंकर भट्टाचार्य और अमिताभ बन्दोपाध्याय द्वारा ''तीन अनुरूप रैडियेशन क्षेत्र के कार्य के अन्तर्गत चौ-स्तरीय इन्वट्रेड-वाई-टाइप परमाणुविक तरीके में जनसंख्या विभक्तिकरण'' प्रकाश क्वान्टा पर अन्तर्राष्ट्रीय बातचीत : आधुनिक दृश्य और आवेदन, दिसम्बर 14-16, 2015, भौतिक विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद
2. खैरुल इस्लम, अरिन्दम घोष, कलन माल, दीपंकर भट्टाचार्य और अभिताभ बन्दोपाध्याय द्वारा ''एक नियंत्रण बीम के

उपस्थिति में एक चौ-स्तरीय 'भी' टाइप परमाणुविक वाष्पीय तरीका के द्वारा एक जाँच क्षेत्र का पास होना शोषण सिगनल में ई आई ए का देखरेख'' प्रकाश क्वान्टा पर अन्तर्राष्ट्रीय बातचीत : आधुनिक दृश्य और आवेदन, दिसम्बर, 14-16, 2015, भौतिक विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।

3. ''तीन अनुरूप रैडियेशन क्षेत्र के कार्य का अन्तर्गत एक चौ-स्तरीय इन्वर्टेड-वाई परमाणुविक तरीका'' अरिन्दम धोष, सुमन मण्डल, खैरूल इस्लाम, दीपंकर भट्टाचार्य और अमिताभ बन्दोपाध्याय द्वारा, फ्रन्टायर्स इन लाइट-मैटर इन्टरएक्शन (फीलमी) की राष्ट्रीय बातचीत, मार्च 4-5, 2016, आईआईटी रोपर

4. ''स्तरीय इन्वर्टेड वाई टाइप सिस्टम में ईआईटी की उपस्थिति-एक सैद्धांतिक पढ़ाई'' अरिन्दम घोष, खैरूल इस्लाम, कलन माल, सुमन मण्डल, दीपांकर भट्टाचार्य और अमिताभ बन्द्योपाध्याय द्वारा, फ्रन्टायर्स इन लाइट-मैटर इन्टरएक्शन का राष्ट्रीय बातचीत, मार्च 4-5, 2016, आईआई टी रोपर।

ए. चक्रवर्ती

''संयुक्त प्रोटॉन उत्साहीकता 94 जेडआर में का परिचय'' के. मण्डल, एच. सुलताना, ए.चक्रवर्ती, ई.ई. पीटर्स ईटी आल. न्यूक्लियर भौतिकी पर डीएई एसवाईएमपी का बढ़ाव, 60 (2015) 268

''ए-150 क्षेत्र में कुछ नजदीकी गोलाकार केन्द्रिका का उच्च कातना चित्रदर्शिता पढ़ाई''', एच.सुलताना, ए.चक्रवर्ती, आर.भट्टाचार्य ईटी आल, न्यूक्लियर भौतिकी पर डी ए ई सिम्प का बढ़ाव. 60 (2015) 266

विभाग द्वारा परिचित डिजाइनिंग नये कोर्स / करीकुलम या कोई अन्य शिक्षा खोज

एक संक्षेप इतिहास भवन / सदन / विभाग वृद्धि के लिए भविष्य योजना के चिन्ह से जुड़ा हुआ का वृद्धि पर।

कोई अन्य संबंद्ध सूचना, जो विभाग के हेड के नजर में योग्य-सूचक है संयुक्त होना चाहिए।

एसआईएनपी के साथ मिला हुआ विभाग, कोलकाता, दिल्ली विश्वविद्यालय और पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ और भारतीय उद्योग कल्पना किया हुआ, जाँच किया हुआ, युक्त हुआ और नियुक्त किया विद्युत न्यूनाधिक सीएमएस निरीक्षण के वृद्धि के लिए सीईआरएन, जेनेवा में। न्यूनाधिक, दो एफपीजीएएस के साथ प्रत्येक, बफरिंग के लिए उपयोग किया जायेगा, ट्रीगर के तेज कैलकुलेशन के लिए और चुने गये घटना सूची को डेटा एक्वीजीशन सिस्टम (डीएक्यू) में भेजना।

समान समूह, फिर से उद्योग के साथ मिलना, ऑपटिकल स्पिलिटर्स को उत्पन्न कर रहा है सीएमएस निरीक्षण में।

विद्यार्थियों का कम्प्यूटर लैबोरेट्री नये निर्मित जगह वाले कमरे में स्थापित कर दिया गया है।

रसायन विज्ञान विभाग

रसायन विभाग अपना अण्डरग्रेजुएट प्रोग्राम 1962 में और पोस्टग्रेजुएट प्रोग्राम 1969 में शुरू किया है। इन्फ्रास्ट्रक्चर और फण्ड कमी के अलावा भी विभाग का पूरा कार्य सन्तोषजनक हो चुका है। विद्यार्थी गेट, नेट और बहुत सारे अन्य प्रतियोगिता परीक्षा में बहुत ही उन्दा प्रदर्शन कर रहे हैं। विभाग बहुत ही कार्यरत तरीके से प्राकृतिक वस्तुओ, कृत्रिम जैव इंद्रिय-संबंधी रसायन, हरित रसायन, सुप्रामोलिक्यूलर केमिस्ट्री, साझेदारी रासायन, सुझाव रसायन, बायोकेमिकल थर्मोडायिनामिक्स, अकृत्रिम उर्जा स्त्रोत, एनेलाइटिकल केमिस्ट्री और थियोरेटिकल केमिस्ट्री के क्षेत्रों में निरीक्षण करने में व्यस्त है। विभाग ने नये कोर्सों को रसायन और अश्रम कोर्सों के क्षेत्र में परिचित कराया है। यह लगभग 124 पेजों में एकाडमिक सेशन में छपा हुआ है।

2. यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण हुये विद्यार्थियों के नाम :

1. मनोतोष भकत (सीएसआईआर, रैंक-21 एवं गेट, रैंक-93)
2. अर्कोजीत मण्डल (यूजीसी-एलएस)
3. प्रदयूत रॉय (यूजीसी-एलएस एवं गेट)
4. अंकिता दास (यूजीसी, रैंक-58)
5. मउमीता कर (सीएसआईआर, रैंक-34 एवं 84 एवं गेट)
6. रोहिनी साहा (यूजीसी-एलएस)
7. प्रकाश नाथ (यूजीसी, रैंक-78 एवं गेट)
8. वास्वत भट्टाचार्य (यूजीसी, रैंक-23)
9. सुजीत कामिल (यूजीसी-एलएस)
10. मृत्तिका मोहर (यूजीसी-एलएस एवं गेट)
11. दिव्यज्योति पांजा (गेट, रैंक-193)
12. अरिंदम भट्टाचार्य (गेट)
13. पल्लवी सरकार (गेट)
14. मनोतोष भट्टाचार्य (गेट)
15. प्रकाश दास (गेट)
16. सौरभ पान (गेट)
17. सुभजित साहा (गेट)
18. तुहीन पात्रा (गेट)
19. अरिफुल हक (गेट)

जे ए एम (ज्वाइंट एडमिशन टेस्ट फॉर एम.एस सी उत्तीर्ण विद्यार्थी :

1. अभिषेक गुइन (जेएएम, रैंक-63)
2. अनीरबन पाल (जेएएम, रैंक-74)
3. ओइसिका जाश (जेएएम, रैंक-238)
4. सुदीपा मान्ना (जेएएम)
5. अग्निदीप दास (जेएएम)

6. सौभिक पाल (जेएएम)
7. अब्दुल वासिम (जेएएम)
8. सुरजीत गराई (जेएएम)
9. सन्तोष कुमार केसरी (जेएएम)
10. देवत्तम सरकार (जेएएम, रैंक-483)
11. रीताब्रता विश्वास (जेएएम)
12. संगीता मण्डल (जेएएम)
13. पिनाकी नाद (जेएएम)

जीआरई एवं टीओईएफएल उत्तीर्ण विद्यार्थी :-

1. अर्कोजीत मण्डल, जीआरई + टीओईएफएल, पीएएच.डी प्रोग्राम के लिए चुने गये, रोचेस्टर विश्वविद्यालय, यूएसए
2. सुचारिता सरकार, जीआरई + टीओईएफएल, जीआरई + टीओईएफएल, पीएच.डी प्रोग्राम के लिये चुने गये, दिलावर विश्वविद्यालय, यूएसए,
3. बिक्रमादित्य मण्डल, जीआरई + टीओईएफएल, पीएच.डी प्रोग्राम के लिए चुने गये, मारक्वेट विश्वविद्यालय, यूएसए

पीएच.डी के लिए प्रस्ताविक विद्यार्थी

1. रोहिनी साहा, एनसीएल, पूने
2. दिब्बज्योत पांजा, आईआईटी, कानपुर

पी डी एफ (पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशीप) विदेश में :

1. डॉ0 सुजोए लस्कर, पीडीएफ, मेक्सिको
2. डॉ0 सुदीप्ता भौमिक, पीडीएफ, चाइना
3. डॉ0 सोमरीता रॉय, पीडीएफ, मैक्स, प्लैंक इंस्टिट्यूट, जर्मनी
4. डॉ0 सौगत सांत्रा, पीडीएफ, यूरल फेडरल युनिवर्सिटी, रसिया
5. डॉ0 मोतियुर रेहमान, पीडीएफ, यूरल फेडरल विश्वद्यिालय, रसिया
6. डॉ0 पलास मण्डल, पीडीएफ, रमन फलोशीप, कनाडा
7. डॉ0 विकास मण्डल, पीडीएफ, टोरोंटो विश्वद्यिालय, कनाडा

पीडीएफ पोस्ट डॉक्टरेट फेलोशीप भारत में :

1. डॉ0 शुभांकर दास, आईआईएसईआर, कोलकाता, भारत

विभागी सभा / बातचीत / कार्यविवरण :

4 मार्च 2016, प्रोफेसर पार्थ सारथी मुखर्जी, आईआईएससी, बैंगलोर, राष्ट्रीय सिम्पोसियम में एक भाषण दिया रिसेन्ट एडवान्सेज इन केमिस्ट्री रिसर्च (आरएसीएच-1016) में तुरंत एडवान्सेज पर, रसायन विभाग में, विश्व-भारती, ''मॉलिक्यूलर फ्लास्क और मॉलिक्यूलर विवाह'' पर।

4 मार्च 2016 : प्रोफेसर अलकेश बिसाई, आईआईएसईआर, भोपाल, राष्ट्रीय सिम्पोसियम में एक भाषण दिया रसायन निरीक्षण में तुरंत एडवान्सेज पर (आरएसीएच-2016) रसायन विभाग में, विश्व भारती, ''जैविक संबंधो के प्राकृतिक वस्तुओं के सम्पूर्ण गठन के लिए सक्षम व्यूह-रचनायें'' पर।

4 मार्च 2016 : प्रोफेसर कुमारेश घोष, कल्याणी विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, रसायन विभाग, विश्व भारती में रिसेन्ट एडवान्सेज इन केमिस्ट्री रिसर्च (आरएसीएच-2016) पर राष्ट्रीय सिम्पोसियम में एक भाषण दिया, ''कृत्रिम अणुओ : नक्शे

और कार्य में विभिन्नता सुप्रामोलिक्यूलर केमिस्ट्री में'' पर।

4 मार्च 2016, प्रोफेसर प्रशान्त कुमार दास, आईएसीएस, कोलकाता, राष्ट्रीय सिम्पोसियम में एक भाषण दिया रिसेन्ट एडवान्सेज इन केमिस्ट्री रिसर्च (आरएसीएच-2016) पर रसायन विभाग में, विश्व-भारती, ''अणुविक पहचान में स्वयं-समूह नरम पदार्थो'' पर।

4 मार्च 2016 : डॉ0 स्वरनेन्दु भट्टाचार्य, जर्मनी, राष्ट्रीय सिम्पोसियम में एक भाषण दिया रिसेन्ट एडवान्सेज इन केमिस्ट्री रिसर्च (आरएसीएच-2016) पर रसायन विभाग में विश्व-भारती, ''मजबूत जॉन-टेलर प्रभावों के साथ तरीकों में अतिवादी तेज नन-एडियाबेटिक न्यूक्लियर डायानामिक्स'' पर।

20 फरवरी 2016 : डॉ0 आर्यन दत्ता, आईएसीएस, यादवपुर, कोलकाता, एक सेमिनार भाषण दिया ''सिलिकेन-यह ग्रेफ्रेन से भिन्न है'' पर।

9 अक्टूबर 2015 : प्रोफेसर टी. गांगुली, चित्रदर्शिता का विभाग, आईएसीएस, यादवपुर, कोलकाता, एक सेमिनार भाषण दिया ''संकट प्रदूषण और बिमारियों के खिलाफ लड़ने के लिए उदार पदार्थों की कैसे वृद्धि करें'' पर (आरएससी पूर्वी भारत भाग) के साथ समूह रूप से सेमिनार आयोजित हुआ था।)

10 अक्टूबर 2015 : डॉ0 पार्थ दस्तीदार, जैव इन्द्रिय संबंधी रसायन विभाग, आईएसीएस जादवपुर कोलकाता, एक सेमिनार भाषण दिया ''उच्च-माध्यमिक विद्यार्थियों के लिए प्रसिद्ध वैज्ञानिक भाषण (विज्ञान) (आरएससी) (पूर्वी भारत भाग) के साथ सेमिनार समूह आयोजित हुआ था'' पर।

10 अक्टूबर 2015 : प्रोफेसर टी.गांगुली, चित्रदर्शी विभाग, आईएसीएस, जादवपुर, कोलकाता, एक सेमिनार भाषण दिये ''उच्च-माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए प्रसिद्ध वैज्ञानिक भाषण (विज्ञान) (आरएससी (पूर्वी भारत भाग) के साथ समूह आयोजित सेमिनार) पर।

25 जुलाई 2015 : डॉ0 सुब्रोतो घोष, आधार विज्ञान के विद्यालय के सह प्रोफेसर, इण्डियन इन्स्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलोजी मंडी, भारत एक सेमिनार भाषण दिया ''ऑरगेनिक फोटोरेजिस्ट फॉर सेमी-कन्डक्टर टेक्नोलोजी'' पर।

31 जुलाई 2015 : प्रोफेसर अरिदम बनर्जी एफआरएससी, एफएएससी, आईएसीएस, जैविक रसायन का विभाग, जादवपुर, कोलकाता, एक सेमिनार भाषण दिये '' सेल्फ-एसेम्बलिंग पेपटाइडस ऐण्ड एमिनो एसिड डेरिवेटिव्स : मॉलिक्यूल्स टू फंक्सनल सॉफ्ट मैटेरियल्स'' पर।

राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तरीय बातचीत / सेमिनार / कार्यवृत्ति / पेशकश इत्यादि –

28 सितम्बर, 2015 : जीवन शिक्षा और उपदेश नाम ''एक बेहतरीन कल बनाये'' पर कार्यवृत्ति, 28-30 सितम्बर, 2015, श्यामसुन्दर कॉलेज, श्यामसुन्दर, बर्दवान विश्वविद्यालय, प्रोफेसर भावातोष मण्डल एक आमंत्रित बातचीत पेश किये ''पाठशाला उच्च शिक्षा में जीवन मौके'' पर।

25-26 फरवरी, 2016 : राष्ट्रीय सेमिनार रसायन में रिसेन्ट एडवान्सेज पर, 25-26 फरवरी, 2016, जी.बी.कॉलेज, नौगछिया, टी.एम. भागलपुर विश्वविद्यालय, प्रोफेसर भावातोष मण्डल एक आमंत्रित बातचीत पेश किये ''ठोस अवस्था सार का चरित्र और इसके व्यवहार अन्यों के बीच कुछ भारी और जहरीले मेटल आयन के चुने गये अलगाव के लिए ठोस अवस्था सार की तरफ'' पर 25 फरवरी, 2016 : यूजीसी ने राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया ''रिसेन्ट एडवान्सेज इन केमिस्ट्री'' पर पी0 जी0 रसायन विभाग, टी.एम. भागलपुर विश्वविद्यालय, प्रोफेसर पी. चौधरी ने एक आमंत्रित बातचीत किया ''पॉलिमर इन्सपायरड नैनोपार्टिकल्स ऐण्ड देयर बायोलोजिकल रिलिवेन्स'' पर।

25 मई, 2016 : एसटीसी पर्यावरण विज्ञान में पर्यावरण विज्ञान का विभाग, बर्दवान विश्वविद्यालय, प्रोफेसर पी. चौधरी ने एक आमंत्रित बातचीत किया ''अजैविक पॉलिमर्स : पर्यावरण पर इसका प्रभाव और रिसेंट एडवान्सेज'' पर।

दिसम्बर 3-5, 2015 : मॉर्डन ट्रेन्डस इन इनऑरगेनिक केमिस्ट्री (एमटीआईसी-XVI) पर अन्तर्राष्ट्रीय सिम्पोसियम, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता, आमंत्रित भाषण प्रोफेसर एस. के. चन्द्रा द्वारा विषय : ''चुम्बकीय महत्वपूर्ण सह अणु के क्रमश: कृत्रिम विधियाँ''।

अगस्त 1-2, 2015 : रिसेन्ट एडवान्सेज रसायन और उद्योग में पर राष्ट्रीय सिम्पोसियम, कैलकेटा विश्वविद्यालय, कोलकाता, पोस्टर दिखाया गया कौशिक प्रमाणिक, पियूष मालपहरिया और स्वप्न के.चन्द्रा द्वारा एक नाम के साथ : ''अनयूजवल सिन्थेटिक रूट टू हेटेरो-पेन्टामेटालिक (एनआई4सीयू) कम्पाउण्ड''

21 अगस्त, 2015 ''भौतिकी रसायन में शिक्षा एवं निरीक्षण में दृश्य'' पर राष्ट्रीय सेमिनार, 21-22 अगस्त, 2015 आईएसीएस, कोलकाता'' ''बड़े सिस्टम के लिए क्वान्टम रसायन हो रहा है'' पर प्रणब सरकार ने एक आमंत्रित भाषण दिया।

24 फरवरी, 2016, प्रणब सरकार ने एक आमंत्रित भाषण दिया। ''क्वान्टम केमिस्ट्री फॉर लार्ज सिस्टम्स'' पर थियोरेटिकल स्टडीज के लिए केन्द्र पर, इण्डियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलोजी, खड़गपुर।

4 फरवरी, 2016 : भिन्न कार्यरत अणुओं का रसायन और जैविक क्रियायें, संबंध, गठन, नक्शा पर राष्ट्रीय स्तर सेमिनार, रसायन विभाग, बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान, फरवरी 4-6, 2016, प्रोफेसर ब्रह्मचारी ने एक आमंत्रित बातचीत की ''रूम टेम्परेचर ऑरगेनिक ट्रान्सफॉरमेशन्स : एन एमरजिंग ऐण्ड प्रैगमेटिक ट्रेन्ड इन करेंट ग्रीन केमिस्ट्री प्रैक्टिस'' पर।

14-15 फरवरी, 2015 : अनेक कार्यरत पॉलीमर पदार्थों पर राष्ट्रीय सेमिनार'' पॉलि–
2014'' रसायन विभाग, विश्व-भारती, शान्तिनिकेतन-731235, डॉ0 आदिनाथ माजी ने एक मौखिक पेशकश किया विषय ''पॉलिएनिलिन सल्फेट एक मन्द प्रतिकर्मक जैविक गठन में''

20-21 मार्च, 2016 : ''नया करने योग्य उर्जा-विस्तार एवं छलना'' पर ''अन्तर्राष्ट्रीय बातचीत पर्यावरण शिक्षा विभाग, विश्व-भारती, शान्तिनिकेतन-731235, डॉ0 आदिनाथ माजी ने एक मौखिक पेशकश किया ''ग्रीन एप्रोच फॉर रायोसिलेक्टिव रीन्ग ओपनिंग ऑफ एजीरीडाइन्स'' पर।

4 मार्च, 2016 : यूजीसी-एसएपी स्पोन्सर्ड नेशनल सिम्पोसियम ऑन रिसेन्ट एडवान्सेज इन केमिस्ट्री रिसर्च, आरएसीआर-2016, रसायन विभाग द्वारा आयोजित, विश्व-भारती : डॉ0 विजय कृष्णा डोलुई ने पेज पर पेश किया 'द्विलंगी विलायक तरीकों में डीएनए/आरएनए-आधार के घुलन थर्मोडायनामिक्स' पर।

15 नवम्बर, 2015 : इन्टरनेशनल कॉन्फरेंस ऑन नैनोस्ट्रक्चर्ड पॉलीमेरिक मैटेरियल्स ऐण्ड पॉलिमर नैनोकम्पोजिट्स (आईसीएनपीएम 2015), 13-15 नवम्बर, 2015, इन्टरनेशनल ऐण्ड इन्टर युनिवर्सिटी सेन्टर नैनोसाइन्स ऐण्ड नैनोटेक्नोलोजी (आईआईयूसीएनएन), महात्मा गाँधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम, केरला, भारत : डॉ0 नाजनीन आरा बेगम ने एक आमंत्रित बातचीत की ''जहरीले मेटल आयन की तरफ हरे कृत्रिम मेटल नैनोकण के कोलोरीमेट्रिक सेन्सिंग कार्य को समझना''।

16 मार्च, 2016 : हाल के रूचि के कार्यकारिणी पदार्थों के रसायन पर राष्ट्रीय सेमिनार, मार्च 16, 2016, रसायन विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, भारत डॉ0 नाजनीन आरा बेगम ने एक पोस्टर पेश किया '' फ्लोरिसेन्ट बायोमारकर आधारित पदार्थ नैनोकण के गठन के लिए प्राकृतिक पदार्थों का खोज'' पर।

अक्टूबर 27-30, 2015 : XVII- जैव रसायन बातचीत, एनओएसटी द्वारा आयोजित होटेल ली मेरिडियन में, डॉ0 ए.हाजरा ने एक आमंत्रित बातचीत की, नाम : न्यू सिन्थेटिक स्ट्रेटेजिस फॉर दि कन्स्ट्रक्सन ऑफ आईमीडाजोहेटे रोसाइकल्स।

28-30 दिसम्बर 2015 : बावनवाँ वार्षिक सभा रासायनिक 2015 का और रसायन विभाग एवं भारतीय रासायनिक समाज द्वारा समानाधिकरण रसायन विज्ञान में रिसेंट एडवांसेज पर अन्तर्राष्ट्रीय बातचीत, जेईसीआरसी, विश्वविद्यालय, जयपुर,

राजस्थान। डॉ0 ए. हाजरा ने एक आमंत्रित बातचीत की नाम : न्यू सिन्थेसिस फॉर दि कन्स्ट्रक्सन ऑफ आईमीडाजोहेटेरोसाइकल्स।

27 अगस्त, 2015 : गाढ़ा पदार्थ दिन - 2914 (सीएमडीएवाईएसआई4), 27-29 अगस्त, 2015, भौतिक विभाग, विश्व-भारती, डॉ0 बिधान चन्द्र बाग ने एक प्रदर्शन किया ''असंतुलित तापमान और इसकी सीमायें''।

4 दिसम्बर, 2015 : अजैविक रसायन में आधुनिक प्रवृति पर अन्तर्राष्ट्रीय सिम्पोसियम, 3-5 दिसम्बर 2015, रसायन विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, जादवपुर, कोलकाता-700 032, डॉ0 सुदीप कुमार मण्डल ने एक पोस्टर प्रदर्शन किया ''एमओएफएस आधारित यूरोपियम और टेरबियम डोप्ट यट्रीयम का प्रयोग करके ल्यूमीनिसेन्स के. लार्ज स्टोक्स शिफ्ट द्वारा एक्सप्लोसिव नाइट्रोमैटिक्स का आँखो देखा जाँच'' पर।

4 मार्च, 2016 : राष्ट्रीय सिम्पोसियम प्रवर्तक यूजीसी-एसएपी में पेज प्रदर्शित हुआ 'रसायन निरीक्षण में रिसेंट एडवांसेज' पर, रसायन विभाग द्वारा आयोजित, विश्व-भारती।

31 जुलाई- 1 अगस्त, 2015 : रसायन पर राष्ट्रीय सेमिनार, भारतीय रसायन समाज, कोलकाता, डॉ0 विश्वजीत दे ने पानी में माइसलाइज्ड एमओएफ एमएन (II) के पर पोस्टर प्रदर्शन किया।

27-29 अगस्त, 2015 गाढ़े पदार्थ पर राष्ट्रीय सेमिनार, गाढ़ा पदार्थ दिन 2015 और भौतिकी विभाग, विश्व-भारती विश्व-विद्यालय, डॉ0 विश्वजीत दे ने एक पोस्टर प्रदर्शन किया एजी-एनपीएस गठन के लिए डीएनए-हाइड्रोजेल पर।

14 फरवरी, 2015 : ''बहुकार्यरत पॉलीमर पदार्थो'' पर राष्ट्रीय सेमिनार, 14-15 फरवरी, 2015, विश्व-भारती शान्तिनिकेतन, भारत, हिमाद्री एस सरकार, पृथीदीपा साहु।

19 फरवरी, 2015 : राष्ट्रीय सेमिनार में ''एडवान्स्ड चित्रदर्शिता, थियोरेटिकल केमिस्ट्री, कृत्रिम, रिएक्टिविटी ऐण्ड स्ट्रक्चरल इवैलुएशन''

19 फरवरी - 21 फरवरी, 2015, बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान,भारत, हिमाद्री एस सरकार, पृथीदीपा साहु।

दृश्य पर भौतिक रसायन-2015 में।

रसायन-2015, भौतिक रसायन का विभाग, विज्ञान की उत्पत्ति के लिए भारतीय सभा, डॉ0 मानस घोष ने एक प्रदर्शन किया ''आवाज की उपस्थिति में इम्पयोरिटि डोप्ड क्वान्टम डॉट्स के ट्यूनिंग ऑसिलेटर स्ट्रेन्थ'' पर।

16 मार्च, 2016 : हाल के रूचि के बहुकार्यरत पदार्थो के रसायन, पर राष्ट्रीय सेमिनार, रसायन विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय: डॉ0 मानस घोष ने एक प्रदर्शन किया ''गठित डाइपोल–गौसियन सफेद आवाज द्वारा डोप्ट क्वान्टम डॉट्स के परिवर्तन अलाउड''।

4 मार्च, 2016 : रसायन निरीक्षण में रिसेंट एडवांसेज पर राष्ट्रीय सिम्पोसियम, रसायन विभाग विश्व-भारती, शान्तिनिकेतन:, एमडी.मोटीन शेख एक प्रदर्शन किये ''चुम्बकीय विद्युत सीएबीएसीओ407 कोबालटाइट में आयरन ड्रोपिंग द्वारा चुम्बकीय में नाट्कीय दबाव'' पर।

16 मार्च, 2016 : हाल के रूचि के बहुकार्यरत पदार्थो के रसायन पर राष्ट्रीय सेमिनार, रसायन विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय : एम डी. मोटीन शेख ने एक प्रदर्शन किया ''कार्बन संयुक्त मिश्रण नैनोबाण के गठन और गुणो'' पर।

विभाग में चल रहे निरीक्षण योजनायें :–

शिक्षक का नाम : प्रोफेसर पी. चौधरी

योजना का नाम : ''नक्शा, कृत्रिम और गुण नये बायोकमपैटीबल हाइब्रीड मैटेरियलस के जो संयुक्त जैविक पॉलीमर्स के अजैविक नैनो कण में रूपान्तरण पर आधारित है।''

प्रवर्तक सभायें : डी एस टी, नई दिल्ली

मूल्य स्वीकृति : 31 लाख
योजना का समय : 4.5 साल (बढ़ा है 6 महीने)।
शिक्षक का नाम : प्रोफेसर स्वप्न के चन्द्रा।
योजना का नाम : ''मल्टीडीनेट लीजेन्डस के साथ जटिल परिवर्तित पदार्थो का चुम्बकीय गुण, गुण आकार और कृत्रिमता''।
प्रवर्तक सभायें : विज्ञान एवं शिल्प विज्ञान का विभाग, भारत सरकार मूल्य स्वीकृति : लगभग 25 लाख रूपये।
योजना का समय : साधारण: तीन साल (01.06.2013 से 31.05.2016)
शिक्षक का नाम : प्रोफेसर स्वपन के चन्द्रा
योजना का नाम : ''सामान्य और विपरीत धातुविक अणुओं का चुम्बकीय उदीयमान''
प्रवर्तक सभाये : विज्ञान एवं शिल्प विज्ञान का विभाग, भारत सरकार
मूल्य स्वीकृति : लगभग 10.4 लाख रूपये
योजना का समय : साधारणत: 3 साल (01.04.2016 से वर्तमान)
शिक्षक का नाम : प्रो0 पी0 सरकार
योजना का नाम : कार्बन आधारित नैनोहाइब्रीड पदार्थो का विद्युत आकार प्रवर्तक सभायें : सीएसआईआर, नई दिल्ली।
मूल्य स्वीकृति : 10 लाख
योजना का समय : तीन साल
शिक्षक का नाम : प्रो0 पी0 सरकार
योजना का नाम : कार्यरत अर्द्धप्रवाही नैनोकण का विद्युत आकार
प्रवर्तक सभायें : यूजीसी, नई दिल्ली
मूल्य स्वीकृति : 9.8 लाख
योजना का समय : तीन साल
सीएसआईआर, नई दिल्ली प्रवर्तक
शिक्षक का नाम : प्रो0 जी0 ब्रह्मचारी
योजना का नाम : कुछ उपयोगी जैविक के लिए इको-फ्रेण्डली तरीकों की वृद्धि करना जैविक घुलित की अनुपस्थिति में।
प्रवर्त्तक सभायें : सीएसआईआर, नई दिल्ली
मूल्य स्वीकृति : 12.65 लाख
योजना का समय : तीन साल
एसईआरबी-डीएसटी, नई दिल्ली प्रवर्त्तक
शिक्षक का नाम : प्रोफेसर जी. ब्रह्मचारी
योजना का नाम : जैव संबंधी भिन्नचक्र का उर्जा-सक्षम कृत्रिमता के लिए नक्शा
प्रवर्त्तक सभायें : एसईआरबी-डीएसटी, नई दिल्ली
मूल्य स्वीकृति : 35.26 लाख
योजना का समय : तीन साल
शिक्षक का नाम : डॉ0 आदिनाथ माजी (मुख्य जाँचक)
योजना का नाम : ऑरगेनोकैटेलीटीक रिंग ऑपनिंग ऑफ अजीरिडीन : सर्च फॉर रिजियो-ऐण्ड स्टेरीयोसिलेक्टिव रूट टू सिंथेसाइज फंक्सनलाइज्ड एमान्स।

प्रवर्त्तक सभायें : बीआरएनएस (डीएई) भारत सरकार रिफरेन्स नं0 37 (2) /14/35/2014/बीआरएनएस-563 दिनांक 10-06-2014

मूल्य स्वीकृति - 22,40,500/-रूपये

योजना का नाम - तीन साल

शिक्षक का नाम : डॉ0 आदिनाथ माजी (सह-जाँचक)

योजना का नाम - एक्सफ्लोरेशन ऑफ फक्सनलाइज्ड नैनो मैटेरियल्स इन कपलिंग रियेक्शन सिंथेसिस ऑफ ऑरगेनिक हैविंग पोटेन्शियल एपलिकेशन्स इन मेडीसीन एण्ड मैटेरियल केमिस्ट्री

प्रवर्त्तक सभायें : सीएसआईआर, भारत सरकार (02) (0668) /13/ईएमआर-II दिनांक 10-10-2013

मूल्य स्वीकृति : 18,25,000/- रूपये

योजना का समय : तीन साल

शिक्षक का नाम : डॉ0 आदिनाथ माजी (सह-जाँचक)

योजना का नाम : जैव कृत्रिम में एपरोटिक आमीडाजोलियम ज्वीटेरीयन का अन्वेषण एक ऑरगेनोकैटेलिस्ट की तरह

प्रवर्त्तक सभायें : डीएसडी, पश्चिम बंगाल सरकार (डीएसटी, जीओडब्लूबी, ग्रैंट नं0 एसटी/पी/एस एवं टी/4जी-2/2014)

मूल्य स्वीकृति : 11,43,000/- रूपये

योजना का नाम : तीन साल

शिक्षक का नाम : डॉ0 नाजनीन आरा बेगम

योजना का नाम : विभिन्न प्राकृतिक ऑकरिंग फ्लैवोनोएडस और उनके सिन्थेटिक डेरिवेटिवस के, डीएनए डैमेज प्रिवेन्शन और साथ ही एण्टीओक्सीडेन्ट के गुणों को पढ़ना।

प्रवर्त्तक सभायें : एसईआरबी, नई दिल्ली

मूल्य स्वीकृति : 40.7 लाख

योजना का समय : तीनसाल (पूर्ण हुआ 15 सितम्बर, 2015)

शिक्षक का नाम : डॉ0 ए0 हाजरा

योजना का नाम : एक्सलोरेशन ऑफ फक्शनलाइजड नैनोमैटेरियलस् इन कपलिंग रिएक्शन : सिन्थेसिस ऑफ ऑरगेनिक मॉलिक्यूल्स हैविंग पोटेन्शियल एप्लीकेशन्स इन मेडिसिनल ऐण्ड मैटेरियल केमिस्ट्री

सभायें : सीएसआईआर, नई दिल्ली

मूल्य स्वीकृति : 23 लाख

योजना का समय : तीन साल (2014-16)

शिक्षक का नाम : डॉ0 ए. हाजरा

योजना का नाम : जैविक कृत्रिम में एप्रोटिक आईमीडाजोलीयम आधारित ज्वीटेरीयन्स का अन्वेषण एक ऑरगेनोकैटेलिस्ट की तरह।

सभायें : डीएसटी, पश्चिम बंगाल सरकार

मूल्य स्वीकृति : 12 लाख

योजना का नाम : तीन साल (2016-18)

शिक्षक का नाम : डॉ0 सुदीप कुमार मण्डल

योजना का नाम : फ्लोरिसेंट पदार्थों द्वारा केमिकल सेंसिंग के स्पष्ट मेकानिष्टिक पढ़ाई

प्रवर्त्तक सभायें : डीएसटी, नई दिल्ली
मूल्य स्वीकृति : 24.84 लाख
योजना का समय : 3 साल
शिक्षक का नाम : डॉ0 विश्वजीत दे
योजना का नाम : स्वस्प्लोरेशन ऑफ इन्ट्रीगुइंग सुप्रामॉलिक्यूलर फिचर्स ऑफ वैरियस मेटालोसुप्रामॉलिक्यूलर नेटवर्क्स ऑफ ट्रांजिसन मेटल आयन्स विथ एनएसओ-डोनर ऑरगेनिक लिगेन्डस इन वाटर मीडिया।
प्रवर्त्तक सभायें : डीएसटी, नई दिल्ली
मूल्य स्वीकृति : 24.8 लाख
योजना का नाम : 3 साल
शिक्षक का नाम : डॉ0 पृथीदीपा साहु
योजना का नाम : 'वाटर सोल्युब्ल फोटोरेसपोंसिव फ्ल्यूरोफोर: डिजाइन सिन्थेसिस ऐण्ड एक्सप्लोरेशन ऑफ देयर बायोलॉजिकल एप्लिकेशन फॉर स्पेसिफिक रिकोगनिशन विथ प्यूराइन डेरिवेटिव्स
प्रवर्तक सभायें : डीएसटी, नई दिल्ली
मूल्य स्वीकृति : 20 लाख
योजना का समय : 3 साल
शिक्षक का नाम : डॉ0 पृथीदीपा साहु
योजना का नाम : ''वाटर सोल्यूबल फोटोरेसपोन्सिव फ्ल्यूरोआयोफोर विथ स्मॉल कैबिटेन्ड : डिजाइन, सिन्थेसिस ऐण्ड लाइव-सेल इमेजिंग फॉर हेवि मेटल आयन्स''
प्रवर्त्तक सभायें : यूजीसी, नई दिल्ली
मूल्य स्वीकृति : 6 लाख
योजना का समय : 2 साल

पाठशाला उपाधि शिक्षकों / विद्वानों या विभाग द्वारा जीता हुआ पूरी तरह (डी.एस.ए या सी.ए.एस) इत्यादि के पहचान की तरह)

i. प्रोफेसर गौतम बह्मचारी चुने गये एक सदस्य की तरह, संपादकीय उपदेशक तख्ता, बीओएजे केमिस्ट्री 2015 टू डेट
ii. मुख्य-संपादक : निरीक्षण साइनपोस्ट (डब्लूडब्लूडब्लू.रिसीजन.कॉम) साइनपोस्ट ओपेन एकसेस जर्नल ऑफ ऑरगेनिक ऐण्ड बायोमॉलिक्यूलर केमिस्ट्री (आईएसएसएन - 321-4163), प्रकाशक।
iii. मेहमान -संपादक : करेन्ट ऑरगेनोकेटालिसिस के लिए मुख्य थिमैटिक इशु (मुख्य विषय : ऑरगेनोकेटेलाइसिस में तुरन्त वृद्धि (वॉल्यूम : 3, इशु, 2, 2016)
iv. विश्व में कौन किसका है - 2015 एवं 2016 लिस्टी (मरक्यूइस यूएसए)
v. 2000 बेहतरीन प्रज्ञात्मक 21वीं सदी का, लिस्टी अन्तर्राष्ट्रीय जैविक केन्द्र द्वारा प्रकाशित, कैम्ब्रीज, लन्दन (38वाँ प्रकाशन)
vi. आरएससी द्वारा बोला गया जरनल का आरएससी साधारण रसायन पोर्टफोलियो में उच्च लेखकों के 10% में जीता हुआ।
vii. विले के मुख्य बेहतरीन आर्टीकल्स (04/2015-03) 2016) के लिस्ट में लेखक - भीसीएच जर्नल (आर्च.फार्म. केमिस्ट्री.लाइफ साइन्स)

अप्रैल 2014- मार्च 2015 के अन्तर्गत प्रकाशन

1. **किताब अध्याय**

गौतम ब्रह्मचारी (मार्च 2016) ऑरगेनोफॉसफोरस रसायन में हरित कृत्रिम उपगम्य : उर्जा-सक्षम मूल-लिपि के साथ तुरन्त वृद्धि, मुख्य नियत कालिक विज्ञापन आर एस सी में - ऑरगेनोफॉसफोरस रसायन- विस्तार.45, संपादक : डेविड डब्लू.एलेन, डेविड लोकेस जॉन टेब्बी, पीपी. 438-491 (आईएसबीएन : 978-1-78262-433-2)

(iv) समान पद के पुनर्निरीक्षित समाचार पत्रों में अन्वेषण कागजें (राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय)।

छोटी माता के स्तर पर फलोइड के विवो जाँच में और उदासीन पीएच उपयोगी साईनोबैक्टेरियम पिग्मेन्ट एक ल्युमिनिसेन्ट प्रोव की तरह के स्तर पर इसका कच्चे पानी से अलगाव। चैटर्जी, एम.घोष सी, बर्मन, एम.के., श्रीवास्तव, बी, रॉय, डी. मण्डल, बी.आर.एस सी एडवान्सेज 2016,6,4410-4421

ठोस भाग फोटोइलेक्ट्रिक गुणों युक्त में उच्च और निम्न ऑक्सीडेशन के समान बन्धन योग्यता के साथ सक्षम कृत्रिम एक आदर्श निकालनेवाले का : डी एफ टी विभाजन के सम्बन्ध में युक्तिपूर्ण व्याख्या। चटर्जी, एम.बर्मन, एम.के. श्रीवास्तव, बी.मण्डल, बी. विश्लेषण सम्बन्धी विज्ञान, प्रेस में।

अन्य एजो-डाई कार्य सम्पादित रेजिन में जिंक, कॉपर, कैडमियम, मर्करी और कोबाल्ट के प्रीकॉनसनट्रेशन और चुने गये अलगाव के लिए संयुक्त केशन-एक्सचेंज और ठोस भाग निष्कासन। चटर्जी, एम, श्रीवास्तव, बी.बर्मन, एम.के. मण्डल, बी.जे. क्रोमेटोगर, ए 2016, 1440, 1-14।

अतुल्य तत्वों थोरियम (iv), यूरेनियम (vi) जिरकोनियम (vi) सिरियम (vi) और क्रोमियम (iii) के ठोस भाग निष्कासन, अलगाव और प्रीकॉन्सनट्रेशन अन्य विदेशी ऑयन्स के साथ इरियोक्रोम काला टी एंकर्ड से 3-डी नेटवर्किंग सिलिका जेल के बीच में। श्रीवास्तव, बी.बर्मन, एम.के., चटर्जी, एम. रॉय, डी, मण्डल, बी.जे. क्रोमेटोगर। ए 2016-1451, 1-1-14।

निकाले गये वर्गो के माइक्रोएलगी और धनत्व कार्यकारी ऑप्टीमाईजेशन के साथ जिला (ii) के अलगाव और प्री कॉन्सन्ट्रेशन के लिए क्रोमैडोग्राफिक विधि। मण्डल, बी. मण्डल, एम. श्रीवास्तव बी.बर्मन, एम.के. घोष, सी, चटर्जी, एम.आर एस सी एडवान्जेस 2015,5,31205-31218।

ई बी टी एंकर्ड एसआईओ2 3-डी माइक्रोएरे : उच्च और निम्न ऑक्सीडेशन अवस्था स्तर पर दो विभिन्न तत्व के एक समान इनट्रैपर अपने ऊँचे धारित और नीचे अनाधारित आणुविक कक्ष का उपयोग करके क्रमशः। श्रीवास्तव, बी.बर्मन, एम.के. चटर्जी, एम. मण्डल, बी.आर.एस. सी एडवान्सेज, 2015,5,55686-55703।

होमो? लुमो पराक्रमित दो भिन्न वर्गो के एक समान बन्धक (एफ एस जी-एक्स ओ) के गुण और घनत्व कार्यरत थ्यूरी ऑपटीमाइजेशन : फोटोइलेक्ट्रिक ओर विश्लेषण सम्बन्धी प्रार्थनापात्र। बर्मन, एम.के. चटर्जी, एम. श्रीवास्तव, बी. मण्डल, बी.जे. रसायन, अंग्रेजी सूची 2015, 60, 2197-2208।

थियोएक्टेमाइड से सिलिका जेल का आईमोबीलाइजेशन क्रोमैटोग्रायिक पदार्थ के गठन द्वारा। बायेन, एस.पी, चौधरी, पी.जनरल पर्यावरण रासायनिक इंजिनियरिंग का, 2015, 3, 70-78।

फिलारिसाइडल और मॉसक्विटोसाईडल कार्यो के लिए कार्बोहाइड्रेट पॉलीमर प्रेरित नैनोपार्टिकल्स : एक विस्तृत दृश्य। साहा, एस.के. रॉय, पी.साईनी, पी.मण्डल, एस.के. सिन्हा बाबू, एस.पी. चौधरी, पी.सिन्हा बाबू, एस.पी. परीक्षित पैरासाइटोलोजी, 2016, 160, 39-48।

एचडी2 सेन्सिंग के लिए जल-घुलित फ्लोरिसेंट सिल्वर नैनोक्लस्टर का नक्शा और सोनोकेमि एम.के. कैल गठन। बायेन, एस.पी.पी, मण्डल, एम.के. नाज, एस, मण्डल, एस.के. चौधरी, पी.जनरल पर्यावरण रासायनिक इंजिनियरिंग

के, 2016, 1110-1116।

सिलेक्टिव रिडक्शन टेकनिकल (एसआरटी) : एक पुष्ट विधि बायोएक्टिव एजी/एभी वार्निश की हुई ग्रोफिम ऑक्साइड मण्डल के गठन की, एम.के. बनर्जी, पी.पी.साहा, एस.के. चौधरी, पी.सेनगुप्ता, ए.बन्धोपाध्याय, ए.पदार्थ और नक्शा (प्रेस में)।

एक अतुल्य तृतीय छोर-पुलो पर (एनआई4) मिश्रित के साथ क्षुद्रतम एनआई....एनआई अलगाव : गठन, गुण, आकार और चुम्बकीय व्यवहार, मलिफेरिया 'पी, प्रामाणिक, के. चन्द्र, एस.के.जे. आईएनडी केम.सोक, 2015, 92, 1839-45।

परमिथाईलोलिगोसीलेन्स के कन्डक्टेन्स बदलाव को समझना : एक सिद्धान्तिक उपगम्य। प्रमाणिक ए. : सरकार पी.जे. रसायन, भौतिक, 2015, 143, 114314-7

एच2ओ विघटन के लिए क्या मिश्रित ऑक्साइड एसएनएक्सटीआईएल-एक्सओ2 ज्यादा क्षमताशाली है? एक प्रथम मुख्य अध्ययन। साहु, एस के, निगम एस. सरकार, पी. रासायनिक, भौतिक, लेट्स . 2015,633,175-1801 एमओएस2 (1-X) एसई2एक्स और एमओएस2 (1-एक्स) टीई2एक्स मोनोलेयर्स के इलेक्ट्रानिक और ऑपटिकल गुण, राजबन्शी, बी.सरकार, एस.सरकार के इलेक्ट्रॉनिक और ऑपटिकल गुण, राजबन्शी बी सरकार, एस सरकार, पी.भौतिक, रसायन, रसायन, भौतिक, 2015, 17, 26166-26174।

ऑक्सीडाइज्ड ऑलिगोथियोफिन्स के जीवन मधुरता पर सिद्धान्तिक अध्ययन, प्रमाणिक ए, सरकार पी भौतिक, रसायन, रसायन, भौतिक, 2015, 71, 26703-26709।

उच्च घुमाव फिल्टरिंग क्षमता के साथ एक नये दो- मात्रक पदार्थ-जैविक ढाँचा। मण्डल, बी.सरकार, पी.भौतिक, रसायन, रसायन, भौतिक, 2015, 17, 17437-17444।

फोटोवोलटायिक व्यवहार के लिए ग्रेफिन क्वाटम डॉट-फुलेटिन नैनोहाइब्रिड्स के इलेक्ट्रॉनिक आकार को समझना। चक्रवर्ती, सी घोष. पी.मण्डल बी.सरकार, पी.जेटसक्रीफ्ट, भौतिक, रसायन, 2016, 230, 777-790 व्यापक शर्तो पर जैविक परिवर्तनो का नक्शा : हरित रसायन अभ्यास के कारण पर हमारा गंभीर प्रयास, ब्रह्मचारी, जी.रासायनिक रिकॉर्ड (मुख्य खाता निमंत्रण) 2016, 16, 98-123।

3,5,7 - ट्राईमेथोक्सीफेनानथ्रीन - 1,4-डायोन : डायोसकोरीया प्राजेरी से एक नया जैविक अनुरूप प्राकृतिक फेनानथ्रेनिक्विनोन यौगिक और इसके सिंगल एक्स-रे क्रिसटैलोग्राफीक व्यवहार पर अध्ययन, आणुविक डॉकिंग और अन्य भौतिक-रासायनिक गुण। ब्रह्मचारी, जी, दास, एस.पी. विश्वास (सिन्हा), एम.कुमार, ए. श्रीवास्तव, ए. के. मिश्रा, एन.आर एस सी एडवान्सेज 2016, 6,7317-7329।

व्यापक शर्तो के अन्दर ट्रीसोडियम साईट्रेट डाईहाइड्रेट द्वारा एक फ्यूज्डओ - और एन हेटेरोसाईकल्स कैटेलाइज्ड का वाइड एरे का सुगम और रासायनिक जीवन धारण करने योग्य वन-पोट गठन। ब्रह्मचारी, जी. बनर्जी, बी. जैविक रसायन का एशियन समाचार पत्र 2016, 5 (2), 271-286।

सल्फेमिक अम्ल-कैटाईज्ड कार्बन-कार्बन और कार्बन-हेटेरोएटम बन्धन गठित प्रतिक्रियायें : एक ओवरविऊ। ब्रह्मचारी, जी. बनर्जी, बी. करेंट ऑरगेनोकेटालिसिस 2016, 3, 93-124।

सम्पादक सम्बन्धी (सिद्धान्तिक समस्या : रिसेंट एडवान्सेज इन ऑरगेनोकेटालिसिस)। ब्रह्मचारी जी. करेंट ऑरगेनोकेटालिसिस 2016, 61,225-229।

2-अमीनो-4-(3-ब्रोमोफिनाइल)-7, 7-डाईमिथाईल-5-ओक्सो-5,6,7,8-टेट्राहइड्रो-4एच-क्रोमिन-3-कार्बोनाइट्राईल का आकार।

कुमार बी. ब्रह्मचारी, जी. बनर्जी, बी. नुरजमाल, के. कान्त, आर. गुप्ता, भी. के. यूरोपियन केमिकल बुलेटिन 2016, 5 (1), 14-17।

करेंट ग्रीन केमिस्ट्री प्रैक्टिस में निम्न मूल्य सक्षम और इकोफ्रेंडली के लिए चित्र दिखाना : एक जाँच केस सोडियम फॉरमेट के साथ। ब्रह्मचारी, जी. ट्रेन्डस केमिस्ट्री मे 2015, 1, नं0 1:2 (निमंत्रित)

माइक्रोवेव-सहयोगी हीराओ प्रतिक्रिया : रिसेंट वृद्धियाँ। ब्रह्मचारी, जी. केम टेक्सट्स 2015, 1:15। गठन, चित्रदर्शी गुण, एक्स-रे विघटन और सिद्धातिंक अध्ययन स्पेक्ट्रल फिचर्स (एफ-टी-आई आर, आईएच-एनएमआर), पर रासायनिक प्रतिक्रिया, एनबी ओ विघटन 2-4 (फ्लूरोफिनाइल)-2-(4-फ्लूरोफिनाइल एमीनो) का एसिटोनाइट्राइल और इसके डॉकिंग आईडीओ इन्जाइम में। ब्रह्मचारी, जी. कुमार ए.

श्रीवास्तव, ए.के गैंगवार, एस. मिश्रा, एन. गुप्ता, कान्त, आर. (2015). और एस सी एडवान्सेज 2015,5, 80967-81977

गठन, चित्रदर्शी गुण, एक्स-रे विघटन डीएमएसओ धुलित 5ʹ-क्लोरो आईएच, एलएच- (3,3ʹ:3ʹ3ʹʹ-टेरिन्डो)-2 (1ʹ4)-वन का। शर्मा, एस.ब्रह्मचारी, जी. बनर्जी, बी, कान्त, आर., गुप्ता, बी.के। यूरोपियन केमिकल बुलेटिन 2015, 4, 389-392।

कमरा तापमान वन-पॉट ग्रीन गठन कॉमेरिन-3-कार्बोजीलिक अम्ल का पानी में : एक अभ्यस्त विधि बड़े-पैमाने के गठन के लिए। ब्रह्मचारी जी.एसी एस जीवन धारण करने योग्य रासायन एवं इजिंनियरिंग 2015,3,350-2358 ।

2-अमीनो-4-आइसोप्रोपाईल-5-ओक्सो-4,5-डाईहाइड्रोपीरानो (3,2-6) क्रोमिन-3-कार्बोनाइट्राईल का एक्स-रे अध्ययन। शर्मा, एस. ब्रह्मचारी, जी. बनर्जी, बी. कान्त, आर. गुप्ता, भी.के. यूरोपियन केमिकल बुलेटिन 2015-4, 368-371।

कृत्रिम, एसिटाईलकोलाईन्सटीरेज इन्हीबीटर्स धारित कार्यरत पाईपरडार्डन फारमाकोफोर्स के वाइट्रो इवैलूएशन में और, सिलिको स्क्रीनिंग में। ब्रह्मचारी, जी चू.सी वाई, अम्बुरे, पी. रॉय, के. जैविक एवं औषधि रसायन 2015, 23 (15), 4567-4575।

जैविक तरीके से अनुरूप बीस-लॉसन यौगिक का सलफेमिक अम्ल-कैटालाईज्ड वन-पॉट कमरा तापमान गठन। ब्रह्मचारी जी.ए सी एस जीवन धारण करने योग्य रसायन एवं इंजिनियरिंग 2015, 3, 2055-2066।

आणुविक आकार, कमर्पत स्पेक्ट्रा, होमो, लूमो, एमईएसपी तलों, प्रतिक्रिया विस्तारक पर संयुक्त अन्वेषित (एफटी-आईआर, यूभी-विजिवल स्पेक्ट्रा, एन एम आर) और सिद्धान्तिक अध्ययन और फोमेरिन का आणुविक डॉकिंग। कुमार, ए. श्रीवास्तव और फोमोरिन का आणुविक डॉकिंग। कुमार, ए. श्रीवास्तव, ए.के. गैंगवार, एस., मिश्रा, एन, मण्डल, ए. ब्राह्मचारी, जी. आणुविक आकार का समाचार पत्र 2015, 1096,94-101।

एक्वस और नन-एक्वस मिडिया में कैटालिस्ट-फ्री ऑरगेनिक सिन्थेसिस कमरा तापमान पर : हरित रसायन 2015, 2, 274-305। ब्रह्मचारी, जी. बनर्जी बी. करेंट हरित रसायन, 2015, 2, 274-305। निमंत्रित अर्टिकल। कमरे के तापमान पर सोडियम फॉरमेट के कैटालिटिक मात्रा का उपयोग करके बेंन्जोपिरानोपीरीमीडीन्स और थियो-सब्सटिट्यूटेड 4एच-क्रोमिन्स का बहुतत्व वन-पॉट गठन। ब्रह्मचारी, जी.दास, एस.जर्नल हेटेरोसाइक्लिक केमिस्ट्री का 2015, 52, 653-659। ओरिक अमोनियम नाइट्रेट (सीएएन) : कमरे के तापमान पर वन-पॉट अलकाईल/अराईल/हेटेरोअराईल-सब्सटिव्यूटेड बीस (6-एमीनोयूरासील-5-वाईएल) मिथेन्स के गठन के लिए एक सक्षम और इको-फ्रेन्डली कैटालिस्ट। ब्रह्मचारी, जी.बनर्जी, बी. आर एस सी एडवान्सेज 2015, 5, 39263-39269।

रेसेमिक 2- (4-क्लोरो-फीनाईल)-2- (4-फ्लूरोफिनाईलएमीनो) एसीटो-नाईट्राईल के गठन, चित्रदर्शी गुण और एक्स-रे विघटन। ब्रह्मचारी जी. बनर्जी, बी. कान्त, आर. गुप्ता, वी.के. जर्नल भारतीय रसायन समाज के 2015, 92-1473-

1478।
मिथाईल 6-एमीनो-5-सायनो-2-मिथाईल-4- (3 नाइट्रोफिनाईल)-4एच-पाईरान-3-कार्बोजीलेट का एक्स-रे अध्ययन। शर्मा, एस, ब्रह्मचारी, जी.बनर्जी, बी. कान्त, आर. गुप्ता, वी.के. यूरोपियन केमिकल बुलेटिन 2015,4,230-233।
5'-क्लोरो-5, 5''-डाइफ्लूरो-14,1''4-(3,3'3':3', 3''-टेरिन्डोल-2। (1'4)-वन का आकार। कुमार, बी.ब्रह्मचारी.बी.कान्त, आर. गुप्ता, वी.के. यूरोपियन केमिकल बुलेटिन 2015,4,177-180।
2 एमीनो-5-ऑक्सो-4-प्रोपील-4,5-डाईहाइड्रोपीरानो (3,2-सी) क्रोमिन-3-कार्बोनाइट्राईल का एक्स-रे अध्ययन। शर्मा, एस.बनर्जी, बी. ब्रह्मचारी, जी. कान्त, आर और गुप्ता, भी.के. क्रिस्टेलोग्राफीलक विज्ञापनें 2015, 60, 865-865।
2-एमीनो-4-(3-नाईट्रोफिनाईल)-5-ऑक्सो-4, 5-डाईहाइड्रोपिरानो (3,2-सी) क्रोमिन-3-कार्बोनाइट्राईल और 2-एमीनो-7,7-डाईमिथाईल 4-(4-नाट्रोफिनाईल)-5-ऑक्सो-5,6,7,8-टेट्राहाइड्रो-44-कोमिन-3-कार्बोनाइडाईल का एक्स-रे अध्ययन। शर्मा, एस,) बनर्जी, बी.ब्रह्मचारी, जी. कान्त, आर, और गुप्ता, भी.के क्रिस्टेलोग्राफिक विज्ञापन 2015, 60, 1136-1141।
2-एमीनो-5-ऑक्सो-4-फीनाईल-4,5-डाईहाइड्रोपिरानो (3,2-सी) क्रोमिन-3-कार्बोनाइट्राईल का गठन, गुण और क्रिस्टल आकार। शर्मा, एस, बनर्जी, बी. ब्रह्मचारी, जी. कान्त, आर. और गुप्ता, भी.के. क्रिस्टेलोग्राफीक विज्ञापन 2015, 60, 1142-11461 जल सहयोगी सुप्रामॉलिक्यूलर के नेटवर्क के गठन द्वारा भीगा घुलित मुक्त शर्ट में परिवर्तित आकार ऑरगेनोकैटालिटीक एसिमेट्रिक डायरेक्ट एलडोल रियेक्शन के स्थिरता प्राप्त करना : एक डी एफ टी अध्ययन, चक्रवर्ती, के. घोष, ए.बसक, ए. दास, जी.के. कम्प्यूटेशनल और सिद्धान्तिक रसायन 2015, 1062, 11-23।
(सी-एमएस/एमएस का उपयोग करके अधिक मात्रा में फसल उपयोग में से एजोक्सीसट्रोबीन के स्क्रीनिंग के लिए दो निकाले गये टेक्नीक्स के विघटनविधि सप्रमाणता और तुलना, मुखर्जी, एस.मुखर्जी, एस.दास जी.के. भट्टाचार्य, ए.भोजन माप 2015, 9,1-8।
तरल क्रोमेटोग्राफी-टेनडेम मात्रा स्पेक्ट्रोमेट्री का उपयोग करके चाय में डाइनोटीफुरान के विघटन विधि सप्रमाणता और घटित व्यवहार, मुखर्जी, एस.मुखर्जी, एस, दास, जी. के. भट्टाचार्य ए. पेस्टीसाईड रिसर्च जर्नल 2015, 27, 47-56।
कैटालाईज्ड प्रतिक्रिया एयू (आई)- के अन्तर्गत प्रोपारजील यौगिक से कान्जुगेटेड डाईन के आईसोमेराईजेशन पर सिद्धान्तिक अध्ययन : एक डी एफ टी अध्ययन, बसक, ए.चक्रवर्ती, के. घोष, ए. दास, जी.के. कम्प्यूटेशनल और सिद्धान्तिक रसायन, 2016, 1083, 38-45।
आइसोपेन्टेनील पायरोफॉसफेट द्वारा-1,3-हाइड्रोजन प्रकृति आइसोपेन्टेनिल पायरोफॉसफेट कैटालाईज्ड में का यन्त्ररचना पर डी एफ टी अध्ययन : डाईमथाईलएलील पायरोफॉसफेट आइसोमेराईज, बसक, ए, चक्रवर्ती, के.घोष, ए. और दास, जी.के.जे. थियोर, कम्प्यूटर.केम. (स्वीकार्य)
''ज्वीटरआयोनिक आईमीडाजोलियम सॉल्ट : रिसेंट एडवान्सेज ऑरगेनो-कैटालिसिस में'' दास एस.सन्त्रा, एस, मण्डल.पी. माजी.ए. और हाजरा, ए. गठन 2016, 49,1269-1285।
''जलीय घुलित पायरिन यौगिक का उपयोग करके इसके द्वारा जलीय माध्यम में सामान्य नाइट्रोएरोमेटिक एक्सप्लोसिव्स का फ्लूथो रिसेंट जाँच'' कोबालेव, आई.एस. तानीया, ओ.एस.स्लोवेसनोवा, एन.भी.क्रीम, जी.ए. सन्त्रा, रस, कोपचुक, डी रस: स्लेपुखीन, पी.ए. जाईरीयानोव, जी.वी: माजी, ए.चारूशीन, वी.एन. आर ओ.एन. चुपारवीन, रसायन-एक एशियायी समाचारयन, 2016, 11,775-781।
''एप्रोटीक आईमीडाजोलियम ज्वीटेरियन द्वारा ऑरगेनोकेटालिसिस : एजीरीडाईन्स का रिजियोसिलेक्टिव रींग-ओपनिंग और ग्राम स्तर गठन की ओर व्यवहार'' घोषाल, एन.सी. सन्त्रा, ए: हरित रसायन, 2016, 18, 565।

''पीलर (6) एरेन्स का घुलित मुक्त गठन'' सन्त्रा, एस.कोपचुक. डी.एस.कोवालेव. आई.एस. जाईरियानोव, जी.भी. माजी, ए.चारूशीन, भी.एन. चुपाखीन.ओ.एन. हरित रसायन, 2016, 18, 434।

''पीलर (6) एरेन्स के गठन के लिए पोलर घुलित की भूमिका''। जी.वी. माजी.ए. चारूशीन, भी.एन.और चुपाकीन, ओ.एन.आर एस सी एडवान्सेज, 2015, 5, 104284-104288।

''टेर्ट-ब्यूटाईल नाइट्राईट का उपयोग करके नाइट्रोसोईमीडाजो-हेटेरोसाइकल्स का रिजियोसिलेक्टिव गठन'' मनीर, के.घोष. एम. माजी, ए. और हाजरा, ए. ऑरगेनिक-बायोमोल.केमिस्ट्री ऑर्ग.बायोमोल.केम 2015,13 8717-8722।

''ज्वीटरआयोनिक आईमीडाजोलियम सॉल्ट : 5,6 - असंयुक्त 1,4-डाईहाइड्रोपिरिडीन स्कोफोल्डस के वन-पॉट गठन के लिए एक सूक्ष्म ऑरगेनोकेटालिस्ट''। बागदी, ए.के. कुण्डु, डी., माजी, ए.और हाजरा, ए.करेंट ऑरगेनोकेटालिसिस 2016, (निमंत्रित)।

''एनएच20एच.एचसीआई और एनएआईओ4 का जुड़ाव : ओलेफिन्स के 1,2-डाईफंकशनलाईजेशन आणुविक आयोडिन मुक्त रिजियोसिलेक्टिव के लिए एक सक्षम रिएजेंट और टर्मीनल एसीटल्स का आसान शुरूआत''। चक्रवर्ती, एन.सी. सन्त्रा, एस.एस.कुण्डु, एस.के, हाजरा, ए: जाईरियानोव, जी.भी., और माजी, ए.आर एस सी एडवान्स, 2015,5,56780

''टर्मीनल अल्काईन से प्रारम्भिक प्रोपारगीलिक एल्कोहोल्स का कॉपर (आई) आयोडाईड कैटालाईजड गठन'' कुण्डु, एस.के. मित्रा, के और माजा। ए.आर एस सी एडवान्सेज, 2015,5, 1322019.

''जिंक टेट्राफ्लूरोबोरेट : विभिन्न जैव प्रतिक्रियाओं और परिवर्तनों के लिए एक आस्थिर और सुगम कैटालिस्ट, गठन, सरकार, ए. सन्त्रा, एस.कुण्डु, एस.के. चक्रवर्ती, एन. हाजरा, ए.माजी, ए.गठन, 2015, 1379।

298.15 पर जलीय-डाईमिथाईलसल्फोक्साइड मिश्रण मे डी एल- एलेनाईन घुलित का थर्मोडायनामिक्स, एस.रॉय.के. महाली, एस.मण्डल एवं बी.के. भौतिक रसायन का डोलुई रूसी समाचारपत्र ए. 2015, 89 (4), 654-662/

जलीय सोडियम नाइट्रेट घोल में डी एल-एलेनिन का भौतिक रसायन अध्ययन, एस. रॉय, के. महाली. एस.मण्डल, आर.पी. मण्डल एवं बी.के. डोलुई, साधारण रसायन का रूसी जर्नल, 2015, 85 (1), 162-167।

जल-एनएएनओ3 मिश्रण में ?- एमिनो ब्यूटीरिक अम्ल का घुलन और सम्बन्धित थर्मोडायनामिक्स पैरामिटर्स का विघटन, ए. रॉय, के. महाली, एस.पाल, एस.मण्डल एवं बी.के. डोलुई, विघटित रसायन 3 एक भारतीय जर्नल : 2015:15(2), 65-73।

298.115 के पर जलीय एनएसीएल और केसीएल घोल में ग्लीसिन के थर्मोडायनामिक्स और घोल यंत्र विचार: एस.रॉय, ए.होसेन, के.महाली, एवं बी.के. डोलुई, भौतिक रसायन का रूसी जर्नल ए, 2015, 89(II), 2111-2119

इंथीलिन ग्लाईकोल और डाईमिथाई लसल्फोक्साइड ने अजलीय द्विलांगी मिश्रण में समलांगी ?-एमीनो अम्लों के एक कटार के घुलित और घुलन थर्मोडायनामिक्स : के महाली, एस.रॉय, एवं बी.के. डोलुई, रसायन इंजिनियरिंग सूची का जर्नल, एसीएस प्रकाशन, 2015,60,1233-1241।

एनएसीएल एवं केसीएल के जलीय घोल में डीएल-नोर-वैलीन के घुलित और घुलन थर्मोडायनामिक्स, एस रॉय, पी एस गुईन एवं बी.के. डोलुई आणुविक तरल का जर्नल, 2015, 211, 294-300। डाईमिथाईल सल्फोक्साइड और घुल्य थर्मोडायनामिक्स के जलीय मिश्रण में डीएल-सिरिन और डीएल-फीनाईलालाजिन का घुलन, असलम होसेन, संजय रॉय, श्रावनी घोष, समीरण मण्डल और बी.के. डोलुई आर एस सी एडवान्सेज, 2015, 5, 69839-69847। जलीय एनएएल/ केसीएल घोल में डीएल-एलेनिन और डीएल-सिरिन के संबंध के घुलन और थर्मोडायनामिक गुण, एस.रॉय, ए होसेन एवं बी.के. डोलुई, केमिकल इंजिनियरिंग डेटा के जर्नल, ए सी एस प्रकाशन, 2016, 61, 132-141।

298.15के पर एल-आइसोल्यूसिन, एल-थ्रीयोनीन और एल-सिरिन का केसीएल घोल के जलीय मिश्रण में रासायनिक

स्थिरता, एस रॉय एवं बी.के. डोलुई, भौतिक रसायन का रूसी जर्नल, 2016, 90(6),1175-1180।

298.15के पर एनएएल के प्रभाव के अन्तर्गत एमिनो अम्ल, घुलन, संजय राय, पार्थ सारथी गुईन, कालाचन्द महाली एवं बिजय कृष्णा डोलुई, आणुविक तरल का जर्नल, 2016, 218, 316-318,

298.15के पर एनएएफ और केएफ के जलीय घोल में ग्लीसिन। डीएल-एलोनिन, डीएल-नोर-वैलिन और डीएल-सिरिन के. घुलन का तुलनात्मक अध्ययन: संजय रॉय के. महाली एवं बी.के. डोलुई : घोल रसायन का जर्नल : 2016,45,574-590।

298.15 के पर पोटैशियम क्लोराईड के जलीय घोल में ?– एमिनो ब्यूटिरिक अम्ल का घुलन: एस. मण्डल, एस.घोष, ए.होसेन, के.महाली, एस.रॉय एवं के.डोलुई, भौतिक रसायन का रूसी जर्नल ए (स्वीकार्य)

एन की क्षमता को समझना, एन-केमोसिलेक्टिव 0-फॉर्मीलेटिंग एजेन्ट की तरह : एक संयुक्त अन्वेषण और सिद्धान्तिक अध्ययन। बतुता, एस. अली. एम.ए.चटर्जी. ए. आलम. एम.एन. दास, एस.मण्डल, डी.बेगम, एन.ए. सिम कम्यून 2016. 46.692-700.

एक प्राकृतिक धारित हरित बहुकार्यकारी एजेन्ट द्वारा गठित एयू नैनोपार्टिकल्स के कैटालिटिक कार्य को बनाना। आलम, एम.एन., बतुता, एस. अहमद, जी. दास, एस. मण्डल, डी. बेगम, एन.ए. ऐरेबियन जे.केमिस्ट्री 2016, डोइ : 10.101 / जे.एआरएबीजेसी 2016.02.007

उच्च एन-अल्कोहल्स में 4'-एन, एन-डाईमिथाईलएमिनो-3-हाइड्रोक्सीफ्लेवोन का आनियमित धीरे इन्ट्रामॉलिक्यूलर प्रोटॉन परिवर्तन : सोलवेन्ट रिलेक्शेशन का सहयोग। घोष, डी. बतुता, एस. बेगल, एन.ए.मण्डल, डी. फोटोकेम, फोटोबायोल. साई 2016,15,266-277।

3-हाइड्रोक्सीफ्लैवोन के 3'-4'-स्थान पर एक इलेक्ट्रान दान करने वाले प्रतिनिधि का प्रभाव : बल्क घुल्यों में फोटोफिजिक्स घोष. डी. अहमद, बतुता एस.बेगम, एन.ए. मण्डल, डी.जे. फिजिक्स, केमिस्ट्री ए 2016, 120, 44-54।

हाइड्रोजन बन्धन घुल्य और जलीय मिसेल्स में 4 ?-एन. एन-डाईमिथाईलएमिनो-3-हाइड्रोक्सीफ्लोवोन का प्रोटॉन परिवर्तन डायनामिक्स। घोष.डी. बतुता, एस.दास, एस. बेगम. एन.ए. मण्डल, डी.जे. फिज.केम.बी 2915, 119, 5650 ? 5661।

भारत के राष्ट्रीय फल मैंगीफेरा इण्डिका एल, के कुछ प्रसिद्ध खेतीहरों के तुलनात्मक जहरहीन कार्यो को उभारना। दास, एस, एम.एन. बटुता, एस.बेगम, एन. ए. आईएनटी.जे. फल विज्ञान 2015,15,129-147।

जहरीले धातु आयन्स की तरफ एजी नैनोपार्टिकल्स के कोलोरीमेट्रिक सोन्सिंग व्यवहार की तरह ''लोजिक-गेट'' को वर्मीज अंगूर फल का जूस ट्रीगर कर सकता है। आलम, एम.एन., चटर्जी, ए. दास, एस.बतुता, एस.मण्डल, डी. बेगम, एन.ए.आर.एस.सी एडवान्सेज. 2015,5,23419-23430।

सी (एसपी2) ? एच बन्धन कार्यरत द्वारा / से होकर आईमीडाजोहेटेरोसाईकल्स के रिजियोसिलोक्टिव ऑक्सीडेटिव ट्राईफ्लूशेमिथाईलेशन। मनीर, के.बागदी, ए.के.घोष, एम और हाजरा ए.जे. ओआरजी.केम.2015, 80, 1332।

केटोन्स और ? नाइट्रोस्टीरिन्स के बीच कॉपर मेडियेटेड कॅपलिंग से होकर बहुयुक्त फ्यूरॉन्स का रिजियोसिलेक्टिव गठन। घोष, एम, मिश्रा, एस और हाजरा, ए.जे. ओआरजी.केम.2015, 80.53641 एनीलिन्स और आईमीडाजोहेटेरोसाइकल्स के बीच टर्ट-ब्यूटाईल नाइट्राइट मेडियेटेड एजो कॉपालिंग। चक्रवर्ती, ए.जाना, एस.कीब्रीया, जी.दे. हाजरा, ए.आर एस सी एडवान्सेज, 2016, 6, 34146।

एप्रोटिक आईमीडाजोलियम ज्वीटेरियन द्वारा ऑरगेनोकेटालिसिस : एजीरिडिन्स का रिजियोसिलेक्टिव रींग-आपेनिंग और ग्राम स्तरीय गठन पर व्यवहार। घोषाल, एन.सी. सन्त्रा, एस.दास, एस.हाजरा, ए.जाईरियानोव, जी.भी. और माजी, ए.ग्रीन केम.2016,18, 565।

ज्वीट्‌रआयनिक आईमीडाजोलियम सॉल्ट : ऑरगेनोकेटालिसिस में रिसेन्ट एडवान्सेज, दास, एस. सन्त्रा, एस.मण्डल, पि. माजी, ए और हाजरा, ए.गठन, 2016 (प्रेस में)।

आईमीडाजोहेटेरोसाइलल्स का कॉपर-केटालाइज्ड सी-एच इथोक्सि-का बोंनिलडाईपफ्लूरोमिथाइलेशन। मिश्रा, एस.मण्डल, पी.घोष, एम. मण्डल, एस. और हाजरा, ए ऑरग, बायोमोल, केम 14, 1432 ।

बेन्जो (बी) (1,4) थियाजिन-1, 1-डाईऑक्साइडस का पर ऑक्साइड मुक्त गठन और उनका एन्टीमाइक्रोबियल अध्ययन। मित्रा, एस.मुखर्जी, एस और हाजरा, ए. आर एससी एडवान्सेज, 2016, 6,201।

ज्वीट्‌रआयनिक आईमीडाजोलियम सॉल्ट 3 5,6-असंयुक्त 1,4-डाइहाइड्रोपिरिडिन स्कैफोल्डस के वन-पॉट गठन के लिए एक सक्षम ऑरगोनोकेटालिस्ट। बागदी, ए.के. कुण्डु, डी. माजी, ए और हाजरा, ए. करेंट ऑरगेनोकेटालिसिस 2016, 3, 169।

एनलोस / 1,3-डाईकार्बोनिल तत्वों और नाइट्रोओलेफिन्स के बीच कॅपलिंग द्वारा फ्यूरॉन्स का विभाजत्मक गठन : डायोक्सा (5) हेलीसिन्स की तरफ सीधे प्रारम्भ। घोष, एम और हाजरा, ए.केम एशियन जर्नल 2015, 10, 22250।,

हवा के अन्तर्गत न भिगोया हुआ कार्बोजिलिक अम्ल के साथ किटोन के टेन्डेम साइक्लोएडिसन से होकर फ्यूरान के कॉपर केटालाइज्ड रिजियोसिलेक्टिव गठन। ए हाजरा, एम घोष, एस मित्रा, के मनीर ऑरग.बायोमोल.केम 2015,13, 309।

आईमीडाजोहेटेरोसाईकल्स का केटालिस्ट मुक्त सोलिनाइलेशन। जाना, एस. चक्रवर्ती, ए, मण्डल, एस और हाजरा, ए.आर एस सी एडवान्सेज 2015,5,77534।

3-एमिनो-1, 4-डाइन्स का लिगेन्ड मुक्त पुनर्उपयोगी नैनो कॉपर ऑक्साइड-केटालाइज्ड गठन। मिश्रा, एस. संत्रा, एस. हाजरा ए. आर एस सी एडवान्सेज : 2015, 91326
(सिनफैक्टस में प्रकाशित, 2016, 320)।

ब्राउनियन कण के स्थिर अवस्था पर दो रंगे हुये आवाजों के बीच दखल का प्रभाव मण्डल, जे और बैग, बी.सी. भौतिकी, रेव-ई-2015,91,042145-1-2

घुमाव सिस्टम किरण द्वारा दो फरमियोनिक थर्मल बाथ्स के बीच तापमान परिवर्तन का माइक्रोस्कोपिक सिद्धान्त, एस और बैग, बी.सी. फिज़.रेव.ई. 2015,92,052121-1-11

स्थान - सम्बन्धी विस्तार क्षेत्र मण्डल में क्रामर्स बदलाव घटना, एस, गुप्ता, बी.सी. और बैग, बी.सी. जे.स्टेट.मेक 2016, 013204-1-17।

ब्राउनियन कण मण्डल के स्वत: प्रोत्साहित इकट्ठा करने योग्य काइनेटिक्स का दर नियम, एस.सेन.एम.के. बौरा, ए और बैग, बी.सी., फिजिका ए 2016, 445, 128-137।

एमओएफएस आधारित यट्रियम डोप्ड यूरोपियम और टेरबियम का उपयोग करके ल्यूमिनिसेन्स के एक बड़े इंजन में कोयला झोकने की नई स्थिति धारण द्वारा सहज, शीघ्र उड़ने वाला नाइट्रोएरोमैटिक्स का आँखो देखा जाँच। सिंधा, डी.के. माजी, पी. मण्डल, एस. के. महाता, पी.आर. एस सी एडवान्सेज 2015, 5, 102076-102084।

एक वायु/तरल मिश्रण समतल के अनियमित प्रभावित पृथ्वी के ध्रुव की ओर अपने छोरों को रखने की चुम्बक की शक्ति : एक हेटेरोटाइप-जाँचित इलेक्ट्रॉनिक और कम्पित योग अविराम उत्पादन अध्ययन। मण्डल, एस.के. आईनो.के. यमागुची, एस. तहारा, टी.भौतिक, रसायन, रसायन भौतिक, 2015, 17, 23720-23723।

सीओ (III) बन्धन सुपरऑक्साइड जटिल के साथ जेड-मरसेप्टाईथानोल और थियोग्लाईकोलिक अम्ल के प्रतिक्रियाओं के काईनोटिक और मेकानिस्टिक अध्ययन / मण्डल ए, दस आर. एस. सिंह बी. बनर्जी, आर. मुखोपाध्याय एस.कैनाडियन जर्नल रसायन शास्त्र के 2015, 93, 1276-1282 ।

सह-बन्धन ?- एमिडो-–सुपरऑक्सो जटिल द्वारा 92032 के ऑक्सीडेशन के गतिशास्त्र एवं यंत्रशास्त्र। सिंह बी, दास आर, एस. बनर्जी आर. मुखोपाध्याय एस. 2016, 48, 88-97।

एक दयालु डीएनए-हाइड्रोजेल के पीढ़ी के लिए एक सुप्रामॉलेक्यूलर हाइड्रोजिल, दे बी, मण्डल, आर.के. मुखर्जी, एस.सतपती, बी.मुखर्जी, एन.मण्डल, ए, सेनापति, डी. सिन्हा बाबू, एस.पी.आर. एस सी एडवान्सेज 2015, 5, 105961-105968।

घोल और ठोस अवस्था में कैफीन का आणुविक पहचान। (पुनर्चित्र) साहु, पी. बायोऑरगेनिक केमिस्ट्री, 2015,58,26।

फेनानथो आईमीडाजोल पर आधारित फ्लूराईड आयन्स के लिए कोलोरीमेट्रिक और रोशीयोमेट्रिक फ्लूयोरिसेंट केमियोसेन्सर: चित्रदर्शित, एन एम आर और घनत्व कार्यकारी अध्ययन। महापात्रा, ए.के. कर्मकार, रॉय, पी.जे. साहु, पी और मण्डल, डी.आर एस एसी एडवान्सेज, 2015, 5, 37935।

गैस और जलीय घोल में हाइड्राजीन के चुने गये तात्पर्य के लिए एक बीओडीआईपीवाई / पाईरिन आधारित किमोडोसिमेट्रीक फ्लूयोरिसेंट किमोसेन्सर और इसका जीवित कोशिकाओं में कल्पना महापात्रा, ए.के. माजी, आर. माइती, के. मान्ना, एस.के. साहु, पी. उद्दीन एम डी आर. और मण्डल, डी.आर. एस सी एडवान्सेज, 2015,5,58228।

नर्भ कार्यकर्त्ता आकृति का डीसीपी के सुगम जाँच के लिए साइक्लीजेशन-इन्ड्यूस्ड एमीशन इनहैंसमेंट (सी आई ई ई) आधारित रेशियोमेट्रिक फ्लूयोरोजेनीक और क्रोमोजेनिक जर्राही। महापात्रा, ए.के., माइती, के., मन्ना, एस.के.माजी, आर, मण्डल, एस. साहु, पी और मण्डल, डी.केम. कम्यून, 2015, 51, 9729।

गौसीयन बहाइट आवाज द्वारा डोप्ड क्वांटम बिंदुओं के स्थिर रेखा संबंधी और पहले अ रेखा पोलराजेबिलिटिज का मधुर विकर्णीय तत्व / गांगुली, जे. घोष, एम. भौतिक और रसायन शास्त्र के ठोस के जर्नल 2015, 82, 76-81।

गौसीयन सफेद आवाज द्वारा डोप्ड क्वांटम बिंदुओं के अविराम-निर्भर सीधी रेखा और टेढ़ी रेखा पोलराई जे-बिलिटिज के विकर्णीय तत्वों का निर्माण करना। साहा, एस. गांगुली, जे. घोष. एम. फिजिका बी 2015,468-469,25-33।

अशुद्ध डोप्ट क्वांटम बिदुओं के स्फूरण उत्पन्न करने वाले यंत्र की शक्ति : गौसीयन सफेद आवाज का प्रभाव / पाल, एस.गांगुली.जे. साहा, एस.घोष, एम. फिज़िका बी 2015, 474,41-46।

विधुत क्षेत्र, चुम्बकीय क्षेत्र और बन्दी करन क्षमता पर मुख्य जोर के साथ आवाज के उपस्थिति में अशुद्ध डोप्ड क्वाटम बिदुओं के दृष्टि शोषण गुणक विघटन / मण्डल, ए, सरकार, एस.घोष, ए.पी.घोष, एम.रासायनिक भौतिक 2015, 463, 149-158।

सफेद आवाज द्वारा चलित अशुद्ध क्वांटम बिंदुओं के दृष्टि रिफ्रेक्टिव इंडेक्स परिवर्तन को उभारना। साहा, एस.पाल, एस. गांगुली, जे. घोष, एम सुपरलैटिशेज और माइक्रोस्ट्रक्चर्स 2015, 88,620-633।

अशुद्ध डोप्ड क्वांटम बिंदुओं के आवाज-चलित दृष्टि शोषण गुणक, जे. साहा, एस. पाल, एस.घोष, एम. फिजिका ई 2016, 75, 246-256।

गौसीयन सफेद आवाज की उपस्थिति में अशुद्ध डोण्ड क्वांटम बिंदुओं के इलेक्ट्रॉ-ऑपटिक प्रभाव को उभारना। पाल, एस. गांगुली, जे. साहा, एस. घोष, एम. जर्नल भौतिक और रसायन शास्त्र के ठोस का 2016, 88, 85-95।

गौसीयन सफेद आवाज की उपस्थिति में अशुद्ध डोप्ड क्वांटम बिंदुओं के तीसरा-क्रम अ रेखा दृष्टि संदेह करने योग्य का निर्माण करना।, गांगुली, जे. साहा, एस. पाल. पाल, घोष.एम. दृष्टि बातचीत 2016, 363, 47-56।

गौसीयन सफेद आवाज की उपस्थिति में अशुद्ध डोप्ड क्वाटम बिंदुओ के मधुर हार्मोनिक पीढ़ी। साहा, एस, घोष, एम. भौतिक और रसायन शास्त्र के ठोस का जर्नल, 2016, 90,69-79।

एनीसोट्रोपी और गौसीयन सफेद आवाज के बीच अंतरखेल द्वारा अशुद्ध डोप्ड क्वांटम बिंदुओं को अरेखित दृष्टि गुणों को

बदलना। सरकार एस.घोष, ए.पी.मण्डल, ए.घोष, एम सुपरलैटिसेज और माइक्रोस्ट्रक्चर्स 2016,90,297-307।
नर्भीय क्षेत्र के अन्दर अशुद्ध डोप्ड क्वांटम बिंदुओं का पोलराईजोबिलिटिज : गुणा किये जाने वाले सफेद आवाज की भूमिका। साहा, एस.घोष, एम.ब्राजीलियन भौतिक शास्त्र के जर्नल 2016,46,41-49।
गौसीयन सफेद आवाज की उपस्थिति में अशुद्ध डोप्ड क्वाटम बिदुओं के तीसरा क्रम अरेखित दृष्टि संदेह योग्य पर स्थिति-निर्भर प्रभावित मात्रा का प्रभाव। साहा, एस.पाल.एस. गांगुली, जे. घोष, एम. फिजिका बी 2016, 484,109-113।
गौसीयन सफेद आवाज की उपस्थिति में अशुद्ध डोप्ट क्वाटम बिंदुओ के स्थिति-निर्भर प्रभावित मात्र अरेखित दृष्टि गुण पर का प्रभाव। घोष, ए.पी. मण्डल, ए, सरकार, एस.घोष, एम.दृष्टिगत बातचीत 2016,367,325-334।
गौसीयन सफेद आवाज की उपस्थिति में अशुद्ध डोप्ड क्वांटम बिंदुओं के दृष्टिगत रिफ्रेक्टिव इंडेक्स के परिवर्तन पर एनीसोट्रोपी का प्रभाव। गांगुली. जे. साहा, एस, पाल, एस. घोष, एम. करेंट नैनोमेटेरियल्स 2016, 1, 69-74।
''114'' चुम्बकीय विद्युत सीएबीएसीओ407 में चुम्बकीय पर लोहा डोपिंग का बड़ा प्रभाव। शेख, मो0 मोटीन, कुण्डु, आशीष के, केगनेर्यट भी और रावेयूबी, जे.धातु और तत्व, 2016, 657-166-17।
नैनो-डायमेन्शनल एफईएल-एक्ससीयूएक्सए 204 (0.3?x?0.8) का गठन और-चुम्बकीय गुण। माइती, सांयतनी कुण्डु, आशीष के, लेबेदेव, ओलेग-आई.बेरा, पी. आनंदन,सी. गायेन, अरूप और शेख, मो0 मोटीन, आर एस सी एडवान्सेज 2015, 5, 83809-83817
क्वीनटपल परोव्सकाइट्स एलएन2बीए23 (एफईएस?एक्स सी ओएक्स015??) एलएन = एसएम,ईयू
नेनोस्केल क्रमानुसार और अलौकिक चुम्बकीय ।कुण्डु, आशीष के, लेबेदेव, ओलेग आई. वोल्कोबा, नाडेज्हडाई शेख, मो0 मोटीन, केशनेयर्ट विनसेंट, चेरेपानोव ब्लादीमिर ए, और रावेयू, बर्नड, जे.मैटर, केम.सी 2015, 3,5398-5405।
बिस्मुथ सेंटर्ड मैगनेटीक परोव्सकाईट : एक योजनागत मल्टी फेरोईक कुण्डु, आशीष के. शेख मो0 मोटीन, और नौटीयाल, प्रोजल, जे. मैग्ज.मैग्ज. मैटर, 2015, 378,506-528।
कोबाल्ट ऑक्ससाइडस में चार्ज क्रम 3 आकार चुम्बकीय और वाहन गुणों पर प्रोभाव। रावेयू, बी और शेख, मो0 मोटीन, जेड एनोर्ग. एलग.केम. 2015, 941, 1385-1394 ।
एफई-सीओ नैनोकणों का सोल-जेल गठन और चुम्बकीकरण अध्ययन। नौटियाल, प्रोजल, शेख, मो0 मोटीन, लेवेदेव, ओलेग आई, कुण्डु, आशीष के, जे. मैगने.मैगने.मैअर.2015,377,402-405।

वृद्धि के लिए भविष्य योजनाओं के सूचना के साथ जुड़े भवन / सदन / विभाग के वृद्धि पर एक छोटा सा इतिहास :

हमारे पिछले निरीक्षण कार्यों के आधार पर, हमलोगों ने हमारे भविष्य निरीक्षण के लिए निम्नलिखित आघात क्षेत्र को खोजा है :''क्षमता टेक्निकल व्यवहार के लिए कार्यकारी पदार्थों के आकार और व्यवहार, नक्शा, गठन, गुण को समझना''। इस आघात क्षेत्र का उद्देश्य, कार्यकारी पदार्थों के रसायन शास्त्र को दोनों अन्वेषिक, भावनात्मक और सिद्धान्तिक तरीकों से समझना है और इन पदार्थों के भाग, आकार और कार्य को काबू करने के लिए इस समझ का उपयोग करना है जिनके पास उर्जा, जीवदवा और अन्य टेक्नोलोजी में लम्बे समय के लिए क्षमता है।

आघात क्षेत्र के अन्दर मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित है :

1. कार्यरत नैनो पदार्थो के आकार, साईज और गठन निर्भर विद्युत आकार के समझ को उभारना।
2. ए बी इनिशियो टाइम-डोमेन एटोमिस्टिक साईमलेशन विधि द्वारा क्वांटम बिंदु भावुल शौर्य - कोशिकाओं में समतल इलेक्ट्रॉन परिवर्तन विधि का सिद्धान्तिक समझ।
3. क्वांटम बिदुं नैनोडिवाइसेज के डायनामिकल भागों को समझने के लिए डोप्ड क्वांटम बिंदु तरीकों के उत्साहित

प्रोफाईल और परिवर्तन गुणों पर सिद्धान्तिक अध्ययन।

4. जीव-कार्यकारी जैविक तत्वों के गठन में 1,3-एच शिफ्ट प्रतिक्रियाओ यौगिक के स्टीरियो ओर रिजियो मुख्यार्ता-पर घुलित और कैटालिस्ट के प्रभाव पर कम्पयूटेशनल अध्ययन।
5. इको-फ्रेन्डली और आर्थिक गठन, और उर्जा यौगिक नैनो पदार्थों का चरित्र उदाहरण अर्धवाही और चुम्बकीय नैनो पदार्थ अपने काबू हुए आकार और सिले हुए प्रतिक्रियाओं पर एक जोर / बल के साथ।
6. जीव-तुल्य पॉलिमेरिक- के गठन के लिए बायोजीन। हरित रूट की वृद्धि।
7. जीव-औषधि व्यवहार के लिए नैनोगठित और पदार्थ नैनोकण।
8. जैविक रुप से यौगिक अणुओं के गठन के लिए आदर्श और हरे नैनो-कैटालिस्ट का उभार, और विस्फोट।
9. अपने गुणों द्वारा साथ दिये हुए चंचल जैविकतत्व सुप्रामॉलिक्यूलर निर्माण योग्य और इनऑरगेनिक को-क्रिस्टल्स के लिए सुगम कृत्रिम रूट की वृद्धि।
10. ऑक्सीजन ढाँचा त्रिभुजाकार और कै गोम लैटिसेज) प्रदर्शित चुम्बकीय नैराश्यू के त्रिभुजाकार व्यवस्था के साथ-परिवर्तित धातु ऑक्साइड के गुणों पर गठन और अध्ययन।
11. धातु आयन अलगाव के लिए बायो-फ्रेंडली ठोस भाग निकालने वाले की वृद्धि।
12. बायो कम्पैटिबल, थर्मो-सेंसिटिव ओर प्रवाहित पॉलीमर और पॉलीमर/सिलिका नैनोकण गठित का इको-फ्रेंडली गठन।
13. कुछ महत्वपूर्ण जैविक रेडॉक्स विधियों के यांत्रिक रास्तों को उभारने के लिए जैविक यौगिक परिवर्तित धातु जटिलों का धातु नैनोकण कैटालाइज्ड छति के गतिज पर अध्ययन)

गणित का विभाग

यूजीसी/सी एस आई आर/ नेट/सेट/गेट/एन बी एच एम में उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों के नाम

सिरियल संख्या	यूजीसी / सी एस आई आर-नेट	गेट
1.	सर्बेन्दु रक्षित	सौगत महतो
2.	पिनाकी नाथ साहा	माफीकुल इस्लाम
3.	कल्याण साहा	कल्याण साहा
4.	तापब्रता रॉय	आयान पाल
5.	अरनब दे	सांतनु साहा
6.	टींकु गनाई	सुरथ घोष
7.	रूपचंद मालो	प्रदीप दास
		विश्वजीत मल्लिक
		राहुल साहा

विभाग में आने वाले प्रोफेसर :

एजियो वेनटूरिनो युनिवर्सिटी डी टॉरिनो के, टोरिनो, इटली हमारे नजदीकी विभाग में आये और जीवन विज्ञान के लिए गणित के उदाहरण पर एक भाषण दिया।

सुल्तान कुवाबुस विश्वविद्यालय के डॉ0 इब्राहिम एम एलमोजटाबा, ओमान हमारे विभाग को देखा और वोटिंग तरीके पर भाषण दिया। आई आई ई एस टी के प्रो0 जगदीश चंद्र मिश्रा, भारत, हमारे विभाग को देखा ओर गणित, जीव विज्ञान पर भाषण दिया। एस एन बोस नेशनल सेन्टर फॉर बेसिका साइन्सेज के प्रो0 पार्थ गुहा, कोलकाता, हमारे विभाग देखे और डायनामिनल सिस्टमस पर भाषण दिया।

वेलोर इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलोजी के प्रो0 सत्यजीत घोष, हमारा विभाग देखा और फ्लूईड डायनामिक्स पर भाषण दिया।

नॉर्थ बंगाल युनिवर्सिटी के प्रो0 धुरजाति प्रसाद दत्ता हमारे विभाग देखे और फ्रैक्टल्स् पर भाषण दिया।

गुरू नानक युनिवर्सिटी के प्रो0 एन. एस. सायनी, अमृतसर, हमारा विभाग देखे और 28-29 मार्च 2016 के दौरान सुपरथर्मल प्लाज्मा में अरेखित तरंगों के बदलाव पर भाषण दिया।

सिर्फ राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय बातचीत / सेमीनार / वर्कशॉप / प्रदर्शन / नया कोर्स / ऑरियेनटेशन प्रोग्राम इत्यादि शिक्षकों / विद्वानों द्वारा उपस्थिति / भाग लिये गये विस्तार में :

अमर प्रसाद मिश्रा

1. जटिल डायनामिकल तरीकों और व्यवहारों पर चौथे अन्तर्राष्ट्रीय बातचीत में भाग लिए (15-17 फरवरी 2016), एनआईटी, दुर्गापुर, भारत।
2. कम्प्यूटेशनल गणित और अरेखित डायनामिक्स पर राष्ट्रीय बातचीत में भाग लिए (19-21 फरवरी 2016), गणित विभाग, विश्व-भारती, शान्तिनिकेतन, भारत।

लक्ष्मी नारायण गुईन :

1. गणित और इसके व्यवहार पर प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय बातचीत में भाग लिये (आईसीएमए) 2015 और एक दस्तावेज प्रस्तुत किया। नाम दिया ''स्पेशियोटेम्पोरेल पैटर्न्स इन ए रियेक्शन-डीफ्यूजन प्रीडेटरप्रे मॉडेल'' 23 दिसम्बर, 2015 को गणित सिद्धान्त, विज्ञान इन्जिनियरिंग और टेक्नोलोजी विद्यालय, द्वारा आयोजित, खुलना विश्वविद्यालय, खुलना-9208, बंगलादेश।

2. रिसेंट ट्रेंडस इन मैथेमेटिकल साइन्स और एप्लीकेशन्स (आईसीआरटीएमएसए-2016) पर अंतर्राष्ट्रीय बातचीत में भाग लिये और एक दस्तावेज प्रस्तुत किये नाम दिया 'स्टेशनरी पैटर्न्स ऑफ ट्यूरिंग रियेक्शन-डीफ्यूजन प्रीडेटरप्रे मॉडल'' 9 फरवरी-11 फरवरी, 2016 को, गणित विभाग द्वारा आयोजित, बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान-713104, पश्चिम बंगाल, भारत।

चले रहे निरीक्षण योजना

(ए) राष्ट्रीय

डी एस टी प्रवर्त्तक योजना नाम ''नॉनलिनियर स्ट्रक्चर्स इन क्वांटम प्लाज्मा'' (2 मई 2013 से अंतिम तारीख तक) पी. आई : प्रो0 पी.चटर्जी, राशि स्वीकार्य हुआ : 13,70,000.00 रूपये।

साईन्स ऐण्ड इन्जिनियरिंग रिसर्च बोर्ड (एसईआरबी) प्रवर्त्तक योजना नाम दिया गया ''वेभलेट बेस्ट टेकनीक फॉर न्यूमेरिकल सॉल्यूशन ऑफ सिंगुलर इन्टिग्रल ईक्वेशन ऑफ सेकंड काईण्ड'' (स्वीकार क्रम संख्या एसईआरबी/एफ/428/2014-2015 तारीख 22.04.2014) तीन वर्ष के समय के लिये, पी आई : डॉ0 मदन मोहन पांजा। राशि स्वीकार्य हुआ 24,43,069 रूपये।

डी ए ई प्रवर्त्तक बी आर एन एस द्वारा योजना नाम ''वेभलेट फाईनाईट एलिमेंट बेस्ट न्यूमेरिकल सॉल्यूशन ऑफ ग्राउंड वाट्र मॉडलिंग'' (स्वीकार संख्या 2013/36/74- बी आर एन एस। 2117 तारीख 29 नवम्बर 2013), सी ओ-पी.आई. डॉ मदन मोहन पांजा। राशि स्वीकार्य हुआ 24,67,500 रूपये।

यूजीसी प्रवर्त्तक मुख्य निरीक्षण योजना नाम ''नॉनलिनियर वेभ्स ऐण्ड इनस्टेबिलिटिज एट मल्टि स्केल्स इन प्लाज्माज'' पी आई : डॉ0 अमर प्रसाद मिश्रा। राशि स्वीकार्य हुआ 7,65,000 रूपये। तारीख 01.07.2015

बढ़ाव क्रियायें / एन एस एस / संस्कारी और अन्य क्रियायें विभाग द्वारा आयोजित और विभाग के शिक्षकों तथा विद्यार्थियों द्वारा भाग लिया गया

1. गणित विभाग में 19-21 फरवरी 2016 के दौरान कम्प्यूटेशनल गणित और अरेखित डायनामिक्स पर राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित हुआ था।

पूर्ण रूप से शिक्षकों / विद्वानों या विभाग द्वारा लाभित एकाडमिक डिसेटिंक्शन्स (डीएसए या सीएएस के पहचान की तरह) : 01.04.2015 से 31.03.2020 के दौरान यूजीसी के अन्तर्गत विभाग स्पेशल एसिस्टेन्स प्रोग्राम के लिए योग्य बताया गया (एसएपी-डीआरएस भाग-III) राशि स्वीकार्य हुआ 1,39,50,000.00 रूपये। विभाग ने डीएई के द्वारा राशि सहयोग भी प्राप्त किया, विभागी लाइब्रेरी की वृद्धि के लिए एनबीएचएम द्वारा भारत सरकार।

सांताब्रता चक्रवर्ती

निम्नलिखित एकाडमिक बॉडिज के सदस्य :

अमेरिकन मैथेमेटिकल सोसाईटी (एएमएस)

कैलकेटा मैथेमेटिकल सोसाईटी (सीएमएस)

प्रशांत चटर्जी

निम्नलिखित बॉडी के सदस्य :

प्लाज्मा ट्रेनिंग के लिए एशियन अफ्रिकन एसोसिएशन के जीवन सदस्य।

प्रशांत कुमार मण्डल

निम्नलिखित के सदस्य :

इण्डियन सोसाईटी फॉर थियोसिटिकल ऐण्ड अपलाईड मेकानिक्स (आईएसटीएएम) के जीवन सदस्य

अमेरिकन मैथेमेटिकल सोसाईटी के सदस्य

दिवयेन्दु बनर्जी

निम्नलिखित के सदस्य :

कैलकेटा मैथेमोटिकल सोसाईटी के जीवन सदस्य इण्डियन स्टैटिस्टिकल इंस्टिट्यूट, कोलकाता का जीवन सदस्य।

अमर प्रसाद मिश्रा

निम्नलिखित बॉडिज का सदस्य :

प्लाज्मा साईन्स सोसाईटी ऑफ इण्डिया (पीएसएसआई), एएपीपीएस-डीपीपी का जीवन सदस्य।

आईएसीएस, कोलकाता का जीवन सदस्य।

अप्रैल, 2014-मार्च, 2015 वर्ष के अन्तर्गत प्रकाशन :

(1) निरीक्षण दस्तावेज (लेखकों), दस्तावेज का शीर्षक, जर्नल, विस्तार संख्या, दस्तावेजें) : नीचे देखिये।

श्यामल कुमार सामन्ता

टी.बैग, एस.के. सामन्ता, ''प्रवर्त्तक के अस्पष्ट सिद्धान्त और कुछ गणु'', अस्पष्ट सूचना और इन्जिनियरिंग 7 (2015)151-164। एस के नाजमुल, एस.के. सामन्ता, ''साधारण समूह नरम प्राकृतिक दशा का वर्णन, अस्पष्ट गणित और सूचना का वार्षिक वृतान्त'' 9 (5) (2015) 783-800।

राजशी चटर्जी, पी. मजूमदार और एस.के. सामन्ता, ''प्रकार-2 नरम सेट्स'', बुद्धिमान और अस्पष्ट तरीकों का जर्नल 29 (2015) 885-898।

एस के. नाजमुल, एस.के. सामन्ता, ''ऑन सॉफ्ट मल्टीगुप्स'', अशपष्ट गणित और सूचना विस्तार 10(2) (2015), 271-285 का वार्षिक वृतान्त।

आर.ठाकुर, एस.के. सामन्ता, ''सॉफ्ट बानाच एलजेब्रा'' असपष्ट गणित ओर सूचना 10(3)(2015) 397-412 का वार्षिक वृतान्त।

राजशी चटजी, पी.मजूमदार और एस.के. सामन्ता, ''सिंगल वैल्यूड न्यूट्रोसोफीक मल्टीसेप्स'', अस्पष्ट गणित और सूचना 10(3)(2015) 499-514 का वार्षिक वृतान्त।

मउमीता चीने, एस.के. सामन्ता, ''यूरीसोहन के लेम्मा औरक टीईटजी के एक्सटेंशन थियोरम इन सॉफ्ट टोपोलोजी'', अस्पष्ट गणित ओर सूचना का वार्षिक वृतान्त 10(6) (2015) 883-894।

जी.रानो, टी.बैग, एस.के. सामन्ता, ''फूज्जी मेट्रीके स्पेस ऐण्ड जेनरेटिंग, स्पेस ऑफ क्वासी-मेट्रिक फैमिली'', असपष्ट गणित और सूचना का वार्षिक वृतान्त 11(2)(2016)183-195।

टी.बैग, एस.के. सामान्ता, ''सम ऑबजरबेशन ऑन कम्प्लीटनेस ऐण्ड कम्पैक्टनेस इन फूज्जी नॉमर्ड लिनियर स्पेसेज'',

अस्पष्ट गणित

गणित के जर्नल 24(1) (2016) 175-187।

सुजोय दास, एस.के. सामन्ता, ''प्रोजेक्शन ऑपरेटर्स ऑन सॉफ्ट इनर प्रोडक्ट स्पेस'', अस्पष्ट गणित और सूचना का वार्षिक वृतान्त (प्रेस में) (2016)

राजशी चटजी, पी.मजूमदार और एस.के. सामन्ता, ''ऑन सम मेजर्स ऐण्ड एनट्रोपी ऑन क्वाड्री पार्टीशन्ड सिंगल वैल्यूड न्यूट्रोसोफीक सेटस'', बुद्धिमान और अस्पष्ट तरीकों का जर्नल (2016) 2475-2485।

दुलाल पाल

दुलाल पाल, ''अनस्टेडी कनवेक्टिव बाउंड्री लेयर फलो ऐण्ड, हीट ट्रासफर ओवर ए स्ट्रेचिंग सरफेस वीथ नन-यूनीफॉर्म

हीट सोर्स / सींक एण्ड थर्मल रेडियेशन'' कम्प्यूटेशनल विधि इन्जिनियरिंग, विज्ञान ओर यंत्रशास्त्र में अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल (टेलर एवं फ्रांसीस जर्नल), विस्तार-16, इश्यू, पीपी 3170-181, 2015 (आईएसएसएन 1550-2287)

दुलाल पाल और सुकान्त विश्वास, ''पीटरबेशन एनालिसिस ऑफ मैगनेटोहाइड्रोडायनामिक ऑसीलेट्री फ्लो ऑन कनवेक्टिव रेडियेटिव मास ट्रांसफर ऑफ माइक्रोपोलर फ्लूड इन ए मिडियम वीथ केमिकल रियेक्शन'', विज्ञान टेक्नोलोजी इन्जिनियरिंग, एक अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल (एलसेवियर जर्नल) 19:444-462, 2016' (आईएसएसएन : 2215-0986)।

दुलाल पाल और गोपीनाथ मण्डल, ''इफेक्टस् ऑफ हॉल करेंट ऑन मैगनेटोहाइड्रोडायनामिक हीट ट्रासफर ऑफ नैनोफ्लूड्स ऑवर ए नन-लिनियर स्ट्रेचींग / श्रीकिंश शीट'', अप्लाइड एवं कंम्प्यूटेशनल गणित का अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल (स्प्रींगर जर्नल) डीओआई : 10:1007/540819-016-0149-8, 2016 (आईएसएसएन : 2349-5103)

दुलाल पाल और गोपीनाथ मण्डल, ''डबल डिफ्यूसिव मैगनेटो-हाइड्रोडायनामिक हीट ऐण्ड मास ट्रांसफर ऑफ नैनोफ्लूड्स ओवर ए ननलिनियर स्ट्रेचिंग / श्रीकिंग शीट वीथ विसकस-ओमीक डिसीपेशन ऐण्ड थर्मल रेडियेशन'' प्रोपलशन और शक्ति निरीक्षण (एलसेवियर जर्नल) (प्रेस में) 2016। (आईएसएसएन : 2212-540एक्स) दुलाल पाल, ''ब्यायेन्सी-ड्रावेन रेडियेटिव अनस्टेडी मैगनेटो हाइड्रोडायनामिक हीट ट्रांसफर ओवर ए स्ट्रेचिंग शीट वीथ नन-यूनीफॉर्म हीट सॉर्स/सिंक'', अप्लाइड फ्लूड यंत्रशास्त्र का जनरल (प्रेस में) 2016, ((आईएसएसएन : 1735-3572)।

दुलाल पाल, गोपीनाथ मंडल और कुप्पालपल्लै वाजरावेलु, ''स्टैगनेशन-प्लांट फ्लो एण्ड हीट ट्रांसफर ऑफ रेडियेटिव नैनोफ्लूडस ओवर ए स्ट्रेचिंग / श्रींकिग शीट इन ए पोरस मिडियम वीथ ए नन-यूनीफॉर्म हीट सॉर्स / सींक'', नैनोफ्लूडस का जर्नल 5 (2016) 375-383। (आईएसएसएन : 2169-432एक्स)।

दुलाल पाल, गोपीनाथ मण्डल और एन्ड्रीयू चान, ''इफेकट्स ऑफ वीसकस-ओमीक डीसोपेशन ऑन एम एचडी बांउड्री लेयर फ्लो ऑफ माइक्रोपोलर नैनोफ्यूड पास्ट ए स्ट्रोचिंग शीट वीथ थर्मल रेडियेशन ऐण्ड नन-यूनीफॉर्म हीट सॉर्स/सींक'', वीग्नानाभारती (विज्ञान का बंगलोर विश्वविद्यालय जर्नल), गोल्डेन जुबली मुख्य विस्तार (प्रेस मे), 2016 (आईएसएसएन : 0377-8487)

दुलाल पाल, गोपीनाथ मण्डल और कुप्पालापल्ले वाजरावेलु, 'मिकस्ड कनवेक्टिव - रेडियेटिव एमएचडी हीट ऐण्ड मास ट्रांसफर ऑफ नैनोफ्लूड्स ओवर ए स्ट्रेचिंग श्रींकिग शीट वीथ वीसकस, ओमीक डीसोपेशन ऐण्ड हीट सार्स/सींक'', नैनोफ्लूडस का जर्नल 5 (2016) 340-350 (आईएसएसएन : 2169-432एक्स)।

सान्ताव्रता चक्रवर्ती

एन.अली और एस.चक्रवर्ती : आन्तरिक और बाह्य मुख्य प्रतियोगिताओं के साथ एक तीन जातीय प्रतियोगी भोजन चेन नमूने का डायनामिक जटिलता, गणित मॉडोलिंग और कम्प्यूटेशन्स का अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल 5(2015)4, 247-260।

एन.अली और एस.चक्रवर्ती : बाह्य मुख्य प्रतियोगिता के साथ एक ट्राई-ट्रोफिन प्रे निर्भर भोजन चेन नमूना में प्रेरिफ्यूजी का नतीजा), अप्लाइड अरेखित डायनामिक्स का जर्नल (2015) (19 अगस्त, 2015) को स्वीकार किया गया)।

एन.अली और एस. चक्रवर्ती : दो प्रतियोगी लूट और लूटेरा के एक भोजन चेन का स्थिरता विघटन, अरेखित डायनामिक्स 82 (2015), 3, 1303-1316।

एल.एन.गुईन एस.चक्रवर्ती और पी.के. मण्डल : एक लूट रिफ्यूज को इकट्ठा करने का प्रतिक्रिया-डिफ्यूजन तरीका में स्थान संबंधी विधि का होना, अरेखित विघटन मॉडलिंग और काबू एलएएनए-20 (2015) 4, 509-527।

एन.अली और एस. चक्रवर्ती : दो विभिन्न लूटेरे प्रजातियों के एक भोजन चेन मॉडल का ग्लोबल व्यवहार, गणित और कम्प्यूटेशन्स का अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल 26(2015) 3,1-19।

एन.अली और एस. चक्रवर्ती : लूट रिफ्यूज को इकट्ठा करने वाले तीन-प्रजातियाँ प्रतियोगी भोजन चेन मॉडल का स्थिरता

और द्विभागी विघटन, इकोलोजीकल अर्थशास्त्र और स्टैटिस्टिक्स का अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल 36(2015) 2, 12-38।
एस.रहमान और एस.चक्रवर्ती : एली प्रभाव के साथ प्रतियोगिता मॉउल में परिवर्तित बीमारी का उत्तर, डायनामिक्स और कंन्ट्रोल का अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल 3(2015), 3, 239-252 (डीओआई 10.1007/540435-014-0114-5)

स्वप्न राहा

हिमाद्री शेखर गुप्ता और स्वप्न राहा, ''अस्पष्ट गणित मशीन और अस्पष्ट ऑटोमेटा का कुछ बीजगणितीय गुण,'' अस्पष्ट गणित और सूचना का वार्षिक वृतान्त, 9(5) (2015) 719-732/9

हिमाद्री शेखर गुप्ता और स्वप्न राहा ''क्लीनीकल मॉनिटरिंग, यूजिंग अस्पष्ट तरीका'', अस्पष्ट गणित और सूचना का वार्षिक वृतान्त, 9(6), (2015) 901-916।

शिबाशीष बदोपाध्याय, स्वप्न राहा और प्रसून कुमार नायक, ''अनिश्चितता के अन्दर एक सहयोगी खेल में बुद्धिमान खिलाड़ियों के बीच लाभ बँटवारा'', साधना, 40(4) (2015) 1077-1089।

असीम पाल और स्वप्न राह, ''लगभग रिजनिंग में स्पेसिफिसिटी आधारित डिफज्जीफीकेशन'' एम.के. चक्रवर्ती ईटीएएल (ईडीएस)

अनिश्चितता और व्यवहारों का छोटा चेहरा, प्रारम्भिक धुमाव कार्य।

गणित और स्टैटिस्टिक्स पर 125 (2015), पीपी 51-61।

सुदीन मण्डल, नम्रता भट्टाचार्य और स्वप्न, राहा, ''टाइप-2 अस्पष्ट लॉजिक्स के अन्दर लगभग रिजनिंग'', एम.के. चक्रवर्ती ईटी.एएल.(ईडीएस) अनिश्चितता और व्यवहारों का छोटा चेहरा, प्रारम्भिक घुमाव गणित और स्टैटिस्टिक्स पर बढ़ाव 125 (2015) 87-98।

बानीब्रता मण्डल और स्वप्न राहा, हाइपर्टेशन के व्यवस्था में लगभग रिजनिंग एम.के. चक्रवर्ती ईटी.एएल.(ईडीएस), अनिश्चितता और व्यवहारों का छोटा चेहरा, प्रारम्भिक घुमाव बढ़ाव गणित और स्टैटिस्टिटिक्स पर 125 (2015) 225-234।

प्रशांत चटर्जी

एम.के.धोरूई, ए.साहा, पी.चटर्जी, ''क्वांटम इलेक्ट्रॉन-पॉजिट्रॉन-आयन प्लाजमाज में ननप्लैनर आयन-एकॉसटिक दो-सॉलिटन, पी के मण्डल'' एस्ट्रोफिज और स्पेस एससीआई, 355 (2015) 89-94।

ए.साहा, एन. पाल और पी चटर्जी, ''सैलिस विभाग अउष्णता सम्बन्धी इलेक्ट्रॉन्स रूपी के साथ मैगनेटोप्लाजमाज में आयन एकॉसटिक तरंगो का द्विविभाग और क्वासीपिरीयोडिक व्यवहार'', ब्राज भौतिक शास्त्र का जर्नल, 45(2015) 325-333) यू.एन.घोष और पी चटर्जी ''बेलनाकार ज्यमीति में आयन कर्णेन्द्रिय सम्बन्धी तरंगों के लिए जाखारोव-कुजनेसतोव बर्जर समीकरण'', पृथ्वी चाँद ग्रह, 115/2015) 45-58/ए, साहा, पी.चटर्जी और एन.पाल, धूल चार्ज घटने बढ़ने की वजह से धूली प्लाजमाज में अरेखित धूल कर्णेन्द्रिय सम्बन्धी यात्रा करने वाली तरंगे'' जे. प्लाजमा भौतिक शास्त्र 81(2015) 90581509।

के. रॉय, एस.के.घोष और पी.चटर्जी, ''क्वांटम प्लाज्मा में इलेक्ट्रॉन कर्णेन्द्रिय सम्बन्धी तरंगों में दो सॉलिटन और तीन सॉलिटन'' भौतिक शास्त्र का प्रमाना-जर्नल 86(2015) 873-883

ए.साहा और पी.चटर्जी, ''सुपरथर्मल प्लाजमा में धूल कर्णेन्द्रिय तरंगों का सॉलिटोनिक, पिरियाडिक और क्वासीपीरियोडिक व्यवहार'', ब्राजिलियन जे. भौतिक शास्त्र, 45 (2015) 419-426।

यू.एन घोष, पी चटर्जी और आर रॉय चौधरी, ''विस्कस बंधित प्लाज्मा में ठण्डी अकेले तरंगो का प्रभाव '' फिजिस प्लीजमास 21, 022118 (2014), फिजिस प्लीजमास 22,074701 (2015)

ए.साहा और-पी चटर्जी, ''अविकासित धूलीं प्लाज्मा में धूल आयन कर्णेन्द्रिय सम्बन्धी तरंगो का सॉलिटोनिकल, पर्रियोडिक और क्वासीपिरियोडिक और केओटिक आकार'', यूरो फिजिक्स जे डी, 69(2015) 203।

जी मण्डल, के रॉय, ए पाल, ए साहा और पी चटर्जी, ''चार तत्व धूली प्लाज्मा ननथर्मल इलेक्ट्रॉन्स के साथ में धूली कर्णेन्द्रिय प्लाज्मा ननथर्मल इलेक्ट्रॉन्स के साथ में धूली कर्णेन्द्रिय सम्बन्धी बहु-सॉलिटन्स का अकस्मात टकराव और भाग बलदाव'', जेड नेचरफ्रसचंग ए, 70(9) ए (2015) 703।

ए.साहा और पी चटर्जी : 11 क्यू-अविकासित गरम इलेक्ट्रॉन्स के साथ एक अचुम्बकीय प्लाज्मा में इलेक्ट्रॉन कर्णेन्द्रिय सम्बन्धी तरंगों का गुणकारी आकार'', यूरो फिजिक्स जे प्लस, 130(2015) 222।

ए.साहा, पी.चटर्जी और सी.एस वॉगं, ''सुपरथर्मल इलेक्ट्रॉन्स के साथ प्लाज्माज में आयन कर्णेन्द्रिय संबंधी तरंगों का डायनामिक गतियाँ'', ब्राज. जे. फिजिक्स, 45 (2015) 656-663।

एस के घोष, एस के गुप्ता और पी चटर्जी, ''अचुम्बकीय प्लाज्मा में धूल आयन कर्णेन्द्रिय सम्बन्धी तरंगों के लिए बेलनाकार केडीभी समीकरण का एकदम सही सुझाव'', फिजिका स्क्रीण्टा 90(2015) 125601 ।

यू.एन घोष, असित साहा, निखिल पाल, और प्रशांत चटर्जी ''अविकासित इलेक्ट्रॉन-पॉलिट्रॉन-आयन प्लाज्मा में अरेखित आयन कर्णेन्द्रिय संबंधी तरंगों का डायनामिक आकार,'' सिद्धातिंक और व्यावहारिक भौतिक शास्त्र का जर्नल, घुमाव, 9(4) (2015) 321-329 ।

के रॉय, एम.के. धोरूई, पी.चटर्जी और एम.ट्रीबेचे ''ई-पी-आई प्लाज्मा में आथन कर्णेन्द्रिय संबंधी बहु-सॉलिसन्स के टकराव पर हेड'', कम्यून, थियोर फिजिस 65 (2016) 237-246।

प्रशांत कुमार मंडल

आर. साहा, सरीफुद्दीन, जे.सी.मिश्रा, और पी.के. मण्डल ''कोरोनरी आर्टरीज द्वारा मॉस ट्रॉसपोर्ट पर ल्यूमीनल फ्लो का प्रभाव : एक अध्ययन ड्रग-इल्यूटिंग स्टेन्ट की'', गणित और कम्प्यूटेशन का अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, 27 (2016) 40-58।

ए.पी. मण्डल, और पी.के मण्डल, ''ड्रग इल्यूशन मॉडल ऑफ कोरेनरी स्टेन्ट : इफेकट्स ऑफ स्टेन्ट इमबेडमेंट ऐण्ड ब्राइंडिंग ऑफ ड्रग'', बायोमेडिकल इन्जिनियरिंग और टेक्नोलोजी) का अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, 20 (2016) 150-165 ।

सरीफुद्दीन और पी.के. मण्डल, ''ड्रग इल्यूटिंग स्टेन्ट से ड्रग इल्यूटेड के परिवर्तन पर डिफ्यूजिटिव पर प्रभाव'', व्यावहारित और कम्प्यूटेशनल गणित का अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, 2(2016) 291-301 ।

ए.पी मण्डल, सरीफुद्दीन और पी.के. मण्डल, ''आधे-दबे हुए ड्रग-इल्यूटिंग स्टेंट में से आंरटेरियल ड्रग ट्रांसपोर्ट का एक अस्थिर विघटन'', व्यावहारिक गणित और कम्प्यूटेशन, विस्तार-266-(2015) 968-981 ।

एल. एन. गुईन, एस.चक्रवर्ती और पी. के मण्डल : एक लूट रिफ्यूज के रियेक्शन डिफ्यूजन में स्थान संबंधी विधियों का होना, अरेखित विघटन मॉडलिंग और काबू एलएएनए 20 (2015) 4, 509-527।

तापस रे महापात्रा

एस.के. नन्दी और टी.रे महापात्रा, 'अस्थिर चुम्बकीय क्षेत्र के उपस्थिति में एक चलते हुए छिद्रपूर्ण प्लेट के ऊपर अस्थिर अलग हुऐ स्टैगनेशन-प्वांइट बहाव'', यंत्रशास्त्र बी/प्लूडस का यूरोपियन जर्नल 53 (2015) 229-240 ।

टी. रे महापात्रा, एस.सीदुई, ''क्वाड्रेटिक वेग के साथ एक शीट श्रीकिंग के ऊपर दो विस्को-इलास्टिक प्लूइडस का एक विघटित सुझाव एमएचडी बहाव का'', एलेक्जेन्ड्रीया इन्जिनियरिंग जर्नल, 55 (2015) 163-168 ।

मदन मोहन पांजा

एम.एम. पांजा और बी. एन. मंडल, ''गॉस-टाईप क्वाड्रेचर रूल वीथ-कॉम्प्लेक्स नॉडस ऐण्ड वेट्स फॉर इन्टिग्रल्स इनवोलविंग डौबेचिस स्केल फंक्शन्स ऐण्ड वेभलेट्स'' व्यावहारित गणित ओर कम्प्यूटेशनल का जनरल (एलसेवियर)

290(2015) 609-632।

स्वराज पॉल, एम.एम पांजा, बी.एन मण्डल, जिलेन्ड्रे मल्टीवेभलेट आधारित में साप्ताहिक अपूर्व दूसरे प्रकार का फ्रेडहोल्म इन्टिग्रल समीकिरण का सुझाव का बहुस्तरीय समपिता, कम्प्युटेशनल और व्यवहारित गणित का जर्नल (एलसेवियर) 300 (2016) 275-289।

एम.एम पांजा, एम.के. साहा, यू.बासु.डी. दत्ता, बी.एन. मण्डल, डौबेचीस वेभलेट के उपयोग द्वारा स्टमीलियोवीले समस्याओं का कम्प्यूटिंग एईजीनलेमेंटस, भारतीय जे.पूरे और व्यावहारित गणित (घुमाव) (प्रेस में) 2016।

प्रकाश कुमार दास और एम एम पांजा, अरेखित ओडेस के लिए एक बुद्ध एडोमियन क्षति, अध्याय : 18, व्यावहारित गणित ईडी. एस. सरकार ईटीएएल धुमाव बढ़ाव गणित और स्टैटिस्टिक्स में 146, घुमाव भारत, डीओआई 10.1007/978-81-322-2547-8-18, 2015 (बातचीत बढ़ाव)

दिब्येन्दु बनर्जी

दिब्येन्दु बनर्जी और निकान्त मण्डल, ''अनुमानत: इटिरेटेड पूर्ण कार्यों की वृद्धि'', गणित ग्रन्थ का अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, 6(3) (2015) 112-118।

दिब्येन्दु बनर्जी और विश्वजीत मण्डल ''एक निश्चित कक्षा के जटिल कार्यो का रिलेटिव फीक्स प्वाइंट्स'', इस्तानबुल विश्वविद्यालय एससीआई.एफ ए सी.जे. गणित भौतिक एस आर. 6 (2015) 15-25

दिब्येन्दु बनर्जी और विश्वजीत मण्डल : निश्चित इटिरेटेड क्रम के साथ अनुमानत: इटीरेशन सम्पूर्ण कार्यों का'', उच्च कोटि के साहित्य विघटन का जर्नल, 7 (1) (2005) 47-62।

दिब्येन्दु बनर्जी और निकान्त मण्डल, ''दो चंचलताओं में बनाच वैल्यूड डीरीचलेट सिरीज द्वारा संपूर्ण कार्यों के संबंधित क्रम और प्रकार को उपस्थित करना'', अरेखित विघटन और व्यावहारों का अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, 7(1) (2016)1-14।

दिब्येन्दु बनर्जी और विश्वजीत मण्डल, ''अनुमानत: पक्के बिन्दुओं के होने पर'', गणित ग्रन्थ का अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, 7 (1) (2016) 84-92 ।

दिब्येन्दु बनर्जी और निकान्त मण्डल, ''अनुमानत: इटिरेटेड सम्पूर्ण कार्यों के वृद्धि गुणों पर'', गणित का कोनुराल्प जर्नल 4(1)(2016) 92-107।

तारापदा

टी.बाग, एस.के. सामन्ता, ''प्रवर्त्तक के अस्पष्ट सिद्धान्त और कुछ गुणा'', अस्पष्ट सूचना और इंजिनियरिंग 7 (2015) 151-164।

जी.रानो, टी.बाग, एस. के.सामन्ता, ''अस्पष्ट दशमलव मापन विधि स्थान और क्वासी-मेट्रिक परिवार का उत्पन्न किया हुआ स्थान'',

अस्पष्ट गणित और सूचना का वार्षिक वृतान्त 11(2) (2016) 183-195/टी.बाग, एस.के. सान्ता, ''अस्पष्ट सिद्धान्तिक अरेखित स्थानों में पूर्णता और दृढ़ता पर कुछ विचार '', अस्पष्ट गणित का जनरल 24(1) (2016) 175-187 ।

टी.बाग, 4'संविदानिक नक्शों का अस्पष्ट कोन दशमलव मापन विधि स्थानों और दृढ़ बिंदुओं सिद्धांतों पर कुछ विचार'', अस्पष्ट गणित और सूचना का वार्षिक वृतान्त, 9(2) (2015) 293-306 (आईएफ1.1147)।

टी.बाग, अस्पष्ट कोन दशमलव मापन विधि स्थानों में दृढ़ और समयकालीक बिंदु नतीजे, अस्पष्ट गणित और सूचना का वार्षिक वृतान्त, 9(3) (2015) 431-439 (आईएफ 1.1147)।

टी.बाग, ''अस्पष्ट कोन दशमल मापन विधि स्थानों नन-कम्यूटिंग नक्शों के लिए कुछ सामान्य बिदुं नतीजें'', मिश्र गणित समाज का जनरल, 23 (2015) 315-320 (एलसेवियर)।

जी रानो, टी.बाग, ''क्वासी-सिद्धान्त, 23(2015) 315-320 (एल्सेवियर)।

जी रानो, टी.बाग, 66 क्वासी-सिद्धातिंक अरेखित स्थान में बंधक रेखित प्रवर्त्तक'', मिश्र गणित समाज का जर्नल, 23 (2015) 303-308/एलसेवियर)।

जी रानो, टी.बाग, ''क्वासी-सिद्धांतिकी अरेखित स्थान में बंधक रेखित प्रवर्त्तक'', मिश्र गणित समाज का जर्नल, 23 (2015) 303-208/एलसेवियर)।

एस.मुखर्जी, टी.बाग, ''अस्पष्ट आंतरिक उत्पादन स्थानों में कुछ दृढ़ बिन्दु नतीजे'', गणित और विज्ञान कम्प्यूटिग का अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, 5 (1) (2015) 22-48।

टी.बाग, ''अस्पष्ट कोन दशमलव मापन विधि स्थानों और सामान्य दृढ़ बिंदु सिद्धांतो में दूरी'', साधारण गणितीय नोट्स, 27(1) (2015) 90-100।

एस.मुखर्जी, टी.बाग, ''सही अस्पष्ट उत्पादन स्थानों पर कुछ मौलिक नतीजे'', अस्पष्ट गणित में एडवान्सेज, 10(1) (2015) 71-70 ।

टी.बाग ''अस्पष्ट टी-कन्नन एवं अस्पष्ट टी-चटर्जी प्रकार के संविदानिक नक्शों पर अस्पष्ट कोन दशमलव मापन विधि स्थानें और दढ़ बिंदु सिद्धातें'', अस्पष्ट सूचना और इन्जिनियरिंग 7 (2015) 305-315 (एल्सेवियर)।

एस.मुखर्जी, टी.बाग,''अस्पष्ट आंतरिक उत्पादन स्थान और इसके गुण'', अस्पष्ट गणित और तरीको का अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, 5(1) (2015) 57-69।

टी.बाग, ''अस्पष्ट कोन दशमलव मापन विधि स्थानों में अनुमानित अससष्ट सी-दूरी एक सामान्य दृढ़ बिंदु सिद्धान्त'', अस्पष्ट गणित और सूचना का वार्षिक वृतान्त, 10(3) (2015) 465-476 (आईएफ 1.1147)।

टी.बाग, एस.के. सामन्ता, ''अस्पष्ट सिद्धान्तिक रेखित स्थानों में पूर्णता और दृढ़ता पर कुछ विचार'', अस्पष्ट गणित का जर्नल, 24 (1) (2016) 175-187।

अन्जन कुमार भुनिया

ए.के. भुनिया और के. हंसदा ''नियमित अर्द्धसमूह के व्यवस्थित आइडेमपॉटेन्टस द्वारा उत्पादित सब अर्द्धसमूह पर'' चर्चित गणितीय-साधारण बीजगणित और व्यवहार 35 (2) (2015) 205-211।

ए.के. भुनिया, एम कुंभकर ''ले-सेमीग्रुपों पर जिसका द्वि-अदिशीय तत्वों का अर्द्धसमूह एक साधारण बन्धन है'' बीजगणित और अनिरन्तर गणित 20(2) (2015), 171-181।

ए.के. भूनिया, आर देवनाथ ''नियमित, गुणो को कमी के साथ आईडेमपॉटेन्ट सेमीरिंग्स की प्रकारें'' अर्द्धसमूह फोरम 90 (3) (2015), 843-847 ।

ए.के. भुनिया, टी के मण्डल ऑन दि लिस्ट डिस्ट्रीब्यूटिव लैटिस कांग्रुएन्स ऑन ए सेमिरिंग बीथ ए सेमीलैटिस एडिटिव हंरिडक्ट'' एक्ता मैथमेटिका हंगारिका 147(1) (2015) 189-204।

ए.के. भुनिया, एस बेरा ''निश्चित समूहों के मजबूत शक्ति ग्राफों के कुछ चरित्रों पर'' मुख्य मैट्रिसेस 4(1) (2016) 121-129।

ए.के भुनिया, के जाना ''सेमीग्रुप ऑफ के- बाई-आइडियल्स ऑफ ए सेमिरिंग वीथ सेमीलैटिस एडिटिव रिडक्ट'' डेमोनस्ट्रेरियों मैथेमैटिका 49 (2) (2016) 119-128।

सुभाशिष रे

एस.एन मुखोपाध्याय और एस.रे, ''न्यूटन पूर्ण संख्या के लिए भागो द्वारा जोड़ने का कार्य'', अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल गणित और कम्प्यूटेशन के, 26 (2015) 35-39

एस.एन. मुंखोपाध्याय और एस.रे, ''एल पी-डेरीवेटिव्स और पीयानों के बीच सम्बन्ध, उच्च व्यवस्था के लगभग पीयानो और बोरेल डेरिवेटिब्स'', सही विघटन परिवर्तन, 41(1) (2015) 1-22।

एस.रे और ए. गराई, ''क्रम एन के सिमेट्रिक लैपलेस इन्टीग्रल पर'', गणित और स्टैटिसटिक्स सिरिज का घुमाव बढ़ाव, 139-(2015) 467-780।

अमर प्रसाद मिश्रा

ए.पी. मिश्रा और वाई, वांग, ''नैनोथर्मल इलेक्ट्रॉन्स और जाल आयन्स के साथ एक चुम्बकीय धूली प्लाज्मा में धूल कर्णेन्द्रिय संबंधित अकेला तरंग'', कम्यून अरेखित विज्ञान, न्यूमेर, साईमल, 22 (2015) 1360-1369/

ए.पी.मिश्रा और बी.साहु, ''क्वांटम प्लाज्मा में बहुमात्रक आयन-कर्णेन्द्रिय संबंधित अकेले तरंगे और आश्चर्य'', फिजिका ए 421 (2015) 269-278 ।

ए.पी. मिश्रा, ''एक जोड़े जाल आयन्स के साथ मैगनेटोप्लाज्मा में जटिल कोर्टेवेग-डे व्राइज समीकरण और अरेखित धूल-कर्णेन्द्रिय संबंधित तरंगे'', एपल.मैथ.कम्प्यूट 256 (2015) 368-374 ।

ए.पी.मिश्रा और ए. बर्मन ''धूली द्वि-आयन प्लाज्मा में मालि सॉलिटन्स का लैन्डउ डैम्पिंग'', फिजिक्स.प्लाज्माज 22 (2015) 073708 (12 पन्ने) ।

शालिनी, एन.एस. सायनी, और ए.पी. मिश्रा, ''दो-तापमान इलेक्ट्रॉन्स के साथ-अविकसित प्जाल्मा में आयन-कर्णेन्द्रिय संबंधित तरंगो का बदलाव'', फिजिक्स, प्लाज्माज 22 (2015) 092124 (10 पन्ने)

डी.चटर्जी और ए.पी.मिश्रा, ''एक अविकसित इलेक्ट्रॉन-पॉजीट्रान जोड़ा ज्लाज्मा में अरेखित लैन्डउ डैम्पिंग और विद्युतस्थिर तरंगो का बदलाव'', फिजिक्स, रेव.. ई 92 (2015) 063110 (18 पन्ने)।

कल्याण हंसदा

ए.के.भुनिया और के.हंसदा ''नियमित अर्द्धसमूह के व्यवस्थित आईडेमपॉटेन्टस द्वारा 'उत्पादित अर्द्धसमूह पर'' चर्चित गणितीय-साधारण बीजगणित और व्यवहार 35(2) (2015) 205-211 ।

लक्ष्मी -नारायण गुईन

एल.एन. गुईन, बी.मण्डल और एस.चक्रवर्ती : एगजिसटेंस ऑफ स्पेशीयलटेम्पोरल पैटर्न्स इन दि रियेक्शन-डीफ्यूजन प्रीडेटर-प्रे मॉडल इनकोरपोरेटिंग प्रे रिफ्यूज, जीवगणित का अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल (2016) (4 अप्रैल, 2016 को स्वीकार्य हुआ)।

एल.एन. गुईल, एस. चक्रवर्ती और पी.के मण्डल : एगजिस-टेंस ऑफ स्पेशियल पैटर्न्स इन ए रियेक्शन-डिफ्यूजन सिस्टम इनकोरपोरेटिंग ए प्रे रिफ्युज, अरेखित विघटन मॉडलिंग और काबू एलएएनए 20 (2015)4, 509-527 ।

निखिल पाल

निखिल पाल, सुदीप सामन्ता और जयदेव चट्टोपाध्याय ''इकोसिस्टम स्थिरता पर डिफ्यूजिव माइग्रेशन का प्रभाव'' केवोस, सॉलिटन्स एवं फ्रैक्टल्स 78 (2015) 317-328।

निखिल पाल, सुदीप शामन्ता, शान्तनु विश्वास, मरवन अलकुरान, कमेल अल-खालेद, जयदेव चट्टोपाध्याय, ''एक तीन प्रजातिय फूड चेन मॉडल के साथ डिले का स्थिरता और द्विभागी विघटन'' द्विभागी और केओस का अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, 25) (9) (2015) 1550123।

जयदेव चट्टोपाध्याय, निखिल पाल, सुदीप सामन्ता, एजियो वेनचुरीनो और क्यू, जे.ए. खान ''ओमनीवॉरी सिस्टम में फिडिंग स्वीचिंग से होकर के ओस कन्ट्रोल'', बायो-सिस्टम, 138 (2015)18-24

ए.साहा, निखिल पाल और पी.चटर्जी, ''ननथर्मल इलेक्ट्रॉन्स रूपी सौलिस विभाग के साथ मैगनेटोप्लाज्माज में आयन

कर्णेन्द्रिय संबंधित तरंगों का द्विभाग और क्वासीपिरियोडिक व्यवहार'', ब्राज.जर्नल भौतिक शास्त्र का, 45 (2015) 325-333।

यू.एन.घोष, असित, साहा, निखिल पाल, और प्रशान्त चटर्जी,
''अविकसित इलेक्ट्रॉन-पॉजीट्रॉन-आयन प्लाज्मा में अरेखित आयन कर्णेन्द्रिय संबंधित तरंगो का डायनामिक आकार'', सिद्धान्तिक और व्यावहारित भौतिक शास्त्र का जर्नल, घुमाव, 9(4) (2015) 321-329।

विभाग द्वारा चिंत्रित नये कोर्स / करिकुलम या कोई अन्य शिक्षित नवीन पद्धति :

दोनों अण्डरग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट स्तरों पर विभाग अब चोइस बेस्ट क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) के परिचय के साथ जब्त कर लिया गया है। गणित मं बोर्ड ऑफ स्टडीज (बीओएस) द्वारा करीकुलम तैयार किया गया था। यह सी बी सी एस सिस्टम पाठशाला भाग-2011–2012 के प्रभावों के साथ परिचित हुआ है।

इस साल विभाग ने पोस्टग्रेजुएट विद्यार्थियों के लिए ऑप्शनल स्ट्रीम पेपर्स की तरह दो नये कोर्सो को परिचित किया है.....एक प्रत्येक शुद्ध गणित (बीजगणित टोपोलोजी) और व्यावहारित गणित (वीक-फॉरमुलेशन ऑफ इपीपटीक पार्शियल डिफरेंशीयल इकवेशन्स) के लिए।

वृद्धि के लिए भविष्य योजनाओं के संबोधन के साथ जुड़े भवन/सदन/विभाग की वृद्धि पर एक छोटा इतिहास :

शिक्षा-भवन / विज्ञान की संस्था) के अन्दर गणित विभाग एक पुराना विभाग है। यह 1961 में बी ए/बी एस सी (ऑनर्स) के परिचय के साथ गणित में स्थापित हुआ था। इसी प्रकार 1963 में, विभाग में नियमित पी एच.डी प्रोग्राम के साथ दो-वर्षीय एम ए/एम एस सी कोर्स शुरू हुआ था।

उसी समय, सभा के सदस्य निम्नलिखित क्षेत्रों के निरिक्षण में व्यस्त थे :

(1) वास्तविक विघटन, (2) जटिल विघटन, (3) अस्पष्ट कार्यकर्ता विघटन (4) अस्पष्ट टोपोलोजी, (5) अस्पष्ट कार्यकर्त्ता विघटन, (6) आदर्श बीजगणित, (7) फ्लूड यंत्रशास्त्र, (8) कम्प्यूटेशनल फ्लूड डायनामिक्स, (9) पर्यावरण विज्ञान, (10) बायोमेकानिक्स (11) प्लाज्मा भौतिकशासत्र, अरेखित डायना मिक्स, (12) सिमेट्री ऐण्ड पेनलीव एनालिसिस ऑफ डिफरेन्शियल इक्वेशन्स, (13) कृत्रिम बुद्धि (14) क्वांटम स्कैटरिंग थियोरि, (15) वेभलेट आधारित सांख्यिक विघटन।

राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल्स् रेप्यूट के प्रकाशनस् के संख्या और बेहतर गुण में सबूत की तरह निरीक्षण के अपने क्षेत्र में विभाग सदस्यों के योगदान के पहचान में, यूजीसी ने गणित विभाग को इसके स्पेशल एसिसटेन्स प्रोग्राम (एसएपी)-डीआरएस (भागा-III) के अन्दर लाया है। अगले पाँच-वर्षीय योजना के दौरान वृद्धि बजट में विभाग ने ''अरेखित शिक्षा के लिए केन्द्र'' को स्थापित करने का सोचा है।

प्राणि विज्ञान विभाग

(i) विभाग का नाम : जन्तु विज्ञान

(ii) शिक्षकों की संख्या : 12

(iii) अ-शिक्षको की संख्या : 09

(iv) पी.जी. विद्यार्थियों की संख्या : 78

(v) पी.एच.डी विद्यार्थियों की संख्या : 26

यू जी सी - सी एस आई आर नेट / स्लेट और गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों के नाम :

(i) यू जी सी-सी एस आई आर नेट : 05 जे आर एफ और 04 एल एस उत्तीर्ण

(i) अभिशिक्ता घोष (जे आर एफ)

(ii) अरीन्दम बन्दोपाध्याय (जे आर एफ)

(iii) ब्यूटी साहा (जे आर एफ)

(iv) सागर आधुर्या (जे आर एफ)

(v) शीर्ष मण्डल (जे आर एफ)

(vi) स्नेहाशीष दास (जे आर एफ)

(vii) बसब कोनार (एल एस)

(viii) परीतोष मण्डल (एल एस)

(ix) सौरजीत साहा (एस एस)

(x) स्वागता सिन्हा (एल एस)

(ii) गेट : 05 उत्तीर्ण

(i) अल्पना मुखर्जी

(ii) अरिन्दम बन्दोपाध्याय

(iii) सागर अधुर्या (आठवाँ स्थान)

(iv) श्रीषा मण्डल

(v) स्नेहाशीश दास

विभागीय सेमिनार : (भिन्न बाह्य वक्ता सिर्फ)

अन्तर्राष्ट्रीय

(i) वक्ता : प्रोफेसर एजियो वेनुचुरीनो, टुरीन विश्वविद्यालय, इटली सेमिनार का शीर्षक : कम्पिटिशन, इनवेशन, हारवेस्टिंग : वैरियस फॉमर्स ऑफ इनडेन्जरिंग बायोडाईवरसीटी,
तारीख : 23:11.2015

(ii) वक्ता : प्रोफेसर मिटीको मिउरा - माटाउस्व, हीरोशीमा विश्व-विद्यालय, जापान
सेमिनार का शीर्षक : 'रोल ऑफ साइन्स इन डेवलपिंग दि सोसाइटी : दि जापानिज एक्सपिरियेन्स'
तारीख : 11.03.2016

राष्ट्रीय

(iii) वक्ता : डॉ0 सुमित सरकार डीवीजन ऑफ न्यूरोटोक्सीकोलोजी नेशनल सेन्टर फॉर टॉक्सीकोलोजीकल रिसर्च, जेफरसन, यूएसए
सेमिनार का शीर्षक : ब्लड ब्रेन बैरियर : स्ट्रक्चर ऐण्ड फक्शन इन न्यूरोडीजेनरेटिव डीसऑर्डर्स,
तारीख : 03.12.2015

(iv) वक्ता : डॉ0 मानस रन्जन रे, फॉर्मर हेड ऑफ हीमैटोलोजी डीवीजन, चित्तरंजन नेशनल कैंसर इन्स्टिटट्यूट, कोलकाता
सेमिनार का शीर्षक 'करेंट अण्डरस्टैडिंग ऑफ दि सेल ऐण्ड मॉलिक्यूलर बायोलोजी ऑफ ह्यूमन कैंसर'
तारीख : 17.03.2016 से 17.03.2016

स्पष्ट रूप में शिक्षकों / निरीक्षण विद्वानों द्वारा शामिल हुए सिर्फ राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय ओर अन्तर्राष्ट्रीय स्टैंडर्ड सभा। सेमिनार/ वर्कशॉप / प्रदर्शनी इत्यादि : (अधिकतम 2/शिक्षक)

शान्ति प्रसाद सिन्हा बाबू

25-27 नवम्बर, 2015 : ''एपिडेमियोलोजी और कंन्ट्रोल ऑफ बैनक्रोफटीयन फाइलारियासिस : एक चर्चा'' पर प्लेनरी भाषण दिये और 'जीव विज्ञान में आधुनिक पहुँच को उभारने पर अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार' के भाग के सभापति बने जन्तुविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित सिधो-कान्हो-बीरसा विश्वविद्यालय, पुरूलिया-723104, पश्चिम बंगाल, पी-51 ।

शान्तनु रे

16-20 अक्टूबर। 2015 ''इकोसिस्टम सर्विसेज ऑफ मन्ग्रुव इकोसिस्टम ऐण्ड ससटेनेबल डेवेलपमेंट'' पर एक भाषण देने के लिए ब्रीक्स विश्वविद्यालय राष्ट्रपति फोरम में आमंत्रित किया गया, बेजिंग नॉरमल विश्वविद्यालय, बेजिंग, चीन।

1-6 नवम्बर, 2015 : ''एक्सटर्नल प्रिन्सीपल या इकोलोजिकल आूरियेन्टर्स या गोल फंक्शन्स ऐण्ड देयर एप्लीकेशन्स इन इकोलोजी'' पर भाषण देने के लिए बीआईओएमएटी कॉनसोर्टियम में आमंत्रित किया गया, 2015, भारतीय इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलोजी, रूरकी उत्तराखण्ड, भारत।

अंशुमन चट्टोपाध्याय

20-22 नवम्बर, 2015: ''एण्टीकैन्सर इफेक्ट ऑफ ग्रीन सिल्वर नैनोपार्टिकल्स'' पर भाषण देने के लिए निमंत्रित किया गया। अन्तर्राष्ट्रीय सभा आणुविक सिगनलिंग में : जन्तुविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित जीव विज्ञान में रिसेंट ट्रेडंस् , उत्तर-पूर्वी हील विश्वविद्यालय, शिलाँग - 793022।

दीपक कुमार मण्डल

17-19 फरवरी, 2016 : इन्टनेशनल कॉन्फेरेंस ऑन एक्वेटिक रिसोर्सेज़ ऐण्ड ससटेनेबल मैनेजमेन्ट'' में शमिल हुये, सेन्ट्रल कैलकटा साइन्स ऐण्ड कलचर ऑरगनाईजेशन फॉर यूथ ऐण्ड दि युनिवर्सिटी ऑफ कैलकटा एट साइन्स सिटी, कोलकाता द्वारा आयोजित।

समर कुमार साहा

17-19 फरवरी, 2016 : इन्टरनेशनल कॉन्फरेंस ऑन एक्वेटीक रिसोर्सेज ऐण्ड ससटेनेबल मैनेजमेन्ट' में शामिल हुए, सेन्ट्रल कैलकटा साइन्स ऐण्ड कलचर ऑरगनाईजेशन फॉर यूथ ऐण्ड दि युनिवर्सिटी कैलकटा एट साइन्स सीटी, कोलकाता द्वारा आयोजित।

लरिशा एम.लिन्डेम

21-23 अप्रैल 2015 : '6 स्कैण्डिनेवियन बाल्टीक सोसाइटी फॉर-पैरासाइटोलोजी कॉन्फेरेंस'' दस्तावेज उपस्थित कराया गया, उप्पसला, स्वीडेन : सुरन्जना नन्दी और लरिशा एम. लिन्डेम। ''वर्मीसाईडल एक्टीविटी ऑफ क्लेरोडेन्ड्रमवीस्कोसम

ऑन पैरामफीस्टोमम एस पी''।

15-17 जनवरी, 2016 : 'नेशनल कॉग्रेस ऑफ पैरासाइटोलोजी, में दस्तावेज उपस्थित हुआ, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी : विदिशा यूकील, लरिशा एम.लिन्डेम। एनथेलामिनटीक इफेक्ट ऑफ सेन्ना प्लांटस ऑन दि न्यूरोएनाटोमी ऐण्ड माइटोकॉण्ड्रीया ऑफ दि सिसटोड पैरासाईट हीमेनोलेपीसडीमीनुटा-ए प्रिलिमीनरी एप्रोच''।

सुदिप्ता मैत्रा

सूर्जया कुमार सैकिया

20-22 नवम्बर, 2015 : नेचर एण्ड फक्शन ऑफ किमोरिसेप्टर्स (टेस्ट बड्स, ऐण्ड सॉलिटरी किमोरिसेप्टर सेल्स) इन फिश माईग्रेशन-ए केस स्टडी इन हीलसा, टेनुआलोसैलिशा (हेमीलटन, 1822)'' भाषण के लिए आमंत्रित हुए।) सी.मलिक, एस.चटजी, एस.भट्टाचार्य, आर कुण्डु और एस के सैकिया द्वारा लिखित) आणुविक सिगनलिंग पर अन्तर्राष्ट्रीय सभा में : जन्तुविज्ञान द्वारा आयोजित, जीवविज्ञान में रिसेंट ट्रेन्डस, उत्तर-पूर्वी हील विश्वविद्यालय, शिलाँग-793022

राकेश कुण्डु

सुतपा मुखर्जी

विभाग मे चल रहे निरीक्षण योजनाये :

(i) शिक्षक का नाम : शान्ति पी. सिन्हा बाबू (पीआई) : समीर भट्टाचार्य (सीओ-पीआई)
श्रीरामचन्द्र विश्वविद्यालय की सहायकता में, चेन्नई और एम/एस.पूर्वी भारत फर्मास्यूटिकल वर्क्स लिमिटेड, कोलकाता

(ii) योजना का नाम : 'प्रोडक्ट डेवलपमेंट ऑफ फीलानथुस्नीरूरी ऐण्ड ग्लाईसीन मैक्स (एल) मेर, फॉरमुलेशन फॉर दि मैनेजमेंट ऑफ डायबीटिज ऐण्ड एसोसियेटेड कम्प्लीकेशन्स, ईटसं, वैलीडेशन, स्टैनडरडाइजेशन, प्रीक्लीनीकल ऐण्ड फर्माऐकोलोजीकल इवैलूएशन'

(iii) प्रवर्त्तक सभायें : डी एस टी, भारत सरकार (भीआई/डीऐण्डपी/413/2012-2013/टीडीटी(जी)

(iv) स्वीकृत राशि : 65,35,000 रूपये

(i) शिक्षक का नाम : शान्ति पी. सिन्हा बाबू (पीआई)

(ii) योजना का नाम : फेरूलीक एसिड फ्रॉम वाईटेक्सनेगुनडोः ए पोटेनशियल कम्पाउन्ड फॉर दि कन्ट्रोल ऑफ बैंक्रोफ्टीयानफाईलरियेसिस

(iii) प्रवर्त्तक सभायें : यू जी सी, भारत सरकार (ग्रैंट नं0 : 42-534/2013(एसआर)

(iv) स्वीकृत राशि : 12,90,800 रूपये

(i) शिक्षक का नाम : शान्ति पी.सिन्हा बाबू (पीआई), समीर भट्टाचार्य (सीओ-पीआई)

(ii) योजना का नाम : 'पॉलिमर सपोर्टेड ग्रीन सिल्वर नैनोपार्टिकल्स : यूजिंग प्लाटस ऑफ नॉर्थ ईस्ट इण्डिया, स्टडीज ऑन टॉक्सीसिटी ऐण्ड एंटी-कैंसर प्रोपर्टी, तेजपुर विश्वविद्यालय की सहायकता में, असम।

(iii) प्रवर्त्तक संस्थायें : डीबीटी, भारत सरकार (ट्विनिंग प्रोजेकट रिफरेन्स नं0 बीटी/473/एनई/टीबीपी/2013)

(iv) स्वीकृत राशि : 60,00,000 रूपये ऑफ व्हीच भीबी कॉम्पोनेन्ट रूपीज 25,00,000।

(i) शिक्षक का नाम : समीर भट्टाचार्य (सीसी-पीआई), सुर्जया कुमार सैकिया (सीआई) : राकेश कुण्डु (सीआई)

(ii) योजना का नाम : 'स्टॉक कैरक्टराईजेशन, कैप्टीव ब्रीडिंग, सीड प्रोडक्शन ऐण्ड कल्चर ऑफ हीलसा (टेनुआलोसैलिशा)

(iii) प्रवर्त्तक संस्थायें : आईसीएआर, भारत सरकार (रेफ. नं0 एनएफबीएसएफएआरए/ 3021/2012-13/ सहायता निरीक्षण योजना

(iv) स्वीकृत राशि : 159,74,780 रूपये

(i) शिक्षक का नाम : **सुतपा मुखर्जी (पीआई) : समीर भट्टाचार्य (सीओ-पीआई): राकेश कुन्डू (सीओ-पीआई)**

(ii) योजना का नाम : 'टू इनबेसटीगेट वेदर लिपीड डन्डयूस्ड फेटूईन-ए फ्रॉम एडिपोसाईटस कुड लिंक इन्सुलिन रेजिजटेन्स ऐण्ड इम्यूनिटि)

(iii) प्रवर्त्तक संस्थायें : डी एसटी, भारत सरकार

(iv) स्वीकृत राशि : 32,34,000 रूपये

विकसित क्रियायें/एनएसएस/कल्चरल और अन्य क्रियायें विभाग द्वारा आयोजित और विभाग के शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा भाग लिये गये :–

(i) 1-3 अक्टूबर के दौरान कम्पैरेटिव एण्डोक्राइनोलोजी ऐण्ड रिप्रोडक्टीव बायोलोजी (सीईआरबी'2015) पर राष्ट्रीय सिमपोसियम हुआ था, लिपिका ऑडीटोरियम 2015 में, विश्व-भारती (एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय)। यह सिमपोसियम इण्डियन सोसाइटी फॉर कम्पैरेटिव एण्डोक्राईनोलोजी (आईएससीई) के शरण में हुआ था।

जन्तुविज्ञान विभाग द्वारा (एडवान्स स्टडीज का केन्द्र), विश्व-भारती, यूजीसीके सीएएस प्रोग्राम (भाग-2) द्वारा और विश्व-भारती विश्वविद्यालय (12 प्लान डेवेलपमेंट ग्रांट) और इण्डियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च, नई दिल्ली से भी आर्थिक सहायता कबुल किया। डॉ0 लारिशा एम.लिन्डेम और डॉ0 राकेश कुण्डु ज्वाइंट सेक्रेटरी थे, डॉ0 सूर्जया कुमार सैकिया और डॉ0 सुतपा मुखर्जी सन्धि कोषाध्यक्ष थे और डॉ0 सुदिप्ता मैत्रा राष्ट्रीय सिमपोसियम के कोवेनर के रुप में कार्य किया। सिम्मपोसियम का उद्घाटन प्रोफेसर सी.एम.चतुर्वेदी, द्वारा आईएससीई राष्ट्रपति 1 अक्टूबर, 2015 के दस बजे हुआ था कन्वेनर द्वारा स्वागत संबोधन और डीन के द्वारा संबोधित हुआ था, विज्ञान प्रवर्तक प्रो0 भी.सी.जॉय ओर जन्तु विज्ञान विभाग के उच्च थे। प्रो0 एस.पी. सिन्हा बाबू। उद्घाटन का मुख्य आकर्षण हमारे समय के तीन श्रेष्ठ निरीक्षकों की बधाई था। प्रोफेसर शेली भट्टाचार्य और प्रोफेसर पंचानन नाथ, दोनों जन्तुविज्ञान विभाग से विश्व-भारती और प्रोफेसर सी.एम.चतुर्वेदी, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय उनके सेमिनल योगदान के लिए आईएससीई द्वारा जीवन विज्ञान के क्षेत्र में अपने शिक्षाओ और निरीक्षणों के लिए सम्मानित हुए यह प्रोग्राम का भाग प्रोफेसर इकबाल परवेज, अलीगढ़ मुसलिम विश्वविद्यालय द्वारा प्रवाहित हुआ था। डॉ0 लरिशा एम. लिण्डेम ने धन्यावाद का मत डास पर सम्मानियों, पूरे सम्पूर्ण भारत और विदेश से भागीदारों को अपने विश्वविद्यालय प्रशासनों का उनके सहायता और साथ के लिए दिया।

सिम्पोसियम तीन दिनों के लिए योजित हुआ था और यहाँ 72 बाहरी भागीदार निरीक्षक विद्वानों के साथ भारत के विभिन्न भागों से थे। श्रेष्ठ शिक्षको और वरिष्ठ वैज्ञानिकों की विभिन्न राज्य और केन्द्रीय विश्वविद्यालयों और राष्ट्रीय स्तर इन्स्टिट्यूट से उपस्थिति, मुख्य रूप से प्रोफेसर समीर भट्टाचार्य, एफ एन ए, एफ एन ए एस सी, एफ ए एस सी-पूर्व। निर्देशक, सी एस आई आर - आई आई सी बी, कोलकाता, आई एन एस ए गोल्डेन जुबली निरीक्षण प्रोफेसर और ईमेरीटस प्रोफेसर, विश्व-भारती, प्रोफेसर उमेश राय, निर्देशक, दिल्ली विश्वविद्यालय (साऊथ कैम्पस) और प्रोफेसर सूरज उन्नीयाप्पन ससकचेवन विश्वविद्यालय से, कैनेडा सीईआरबी 2015 के जवान निरीक्षणों और संस्थाओं के लिए मिसाल का एक मुख्य स्त्रोत था। साथ ही, लगभग 40 अन्डर-ग्रेजुएट और पोस्ट-ग्रेजुएट विद्यार्थी और 32 निरीक्षण विद्वान जन्तुविज्ञान विभाग से विश्व भारती इस सिम्पोसियम में भाग लिये थे।

डॉ0 सतीश के. नेशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ इमयूनोलोजी, नई दिल्ली किनोट एड्रेस दिया। यहाँ कुल मिलाकर 11 अलग विज्ञानी भाग रूपी 4 मुख्य लेक्चर्स, 6 प्लेनरी लेक्चर्स, 20 आमंत्रित लेक्चर्स, 14 प्लेटफार्म प्रदर्शन और 40 पोस्टर 200 डेलीगेट्स से ज्यादा द्वारा शामिल तीन दिन के घटना में था।

पूर्ण रूप से विभाग या शिक्षकों / विद्वानों द्वारा लाभित पाठशालिक श्रेष्ठता (डी.एस.ए या सी ए एस) इत्यादि के पहचान की

तरह) :

विभाग द्वारा जीते गए एक पाठशालिक श्रेष्ठता।

यू जी सी द्वारा पहचानित, भारत सरकार सेन्टर फॉर एडवानस्ड स्टडीज (सीएएस डिपार्टमेन्ट) की तरह 2007 अप्रैल से। पहला सीएएस सफलापूर्वक अप्रैल 2007-मार्च, 2012 के दौरान पूर्ण हुआ था। इसका सीएएस अप्रैल, 01,2012 से शुरू हुआ था और अभी चल रहा है।

अप्रैल 2015-मार्च 2016 के अन्तर्गत प्रकाशन

(i) टेकस्ट किताबें : नील

(ii) अन्य किताबें

1. एस.के. सैकिया और डी. एन दास (2015) लेबोरेटरी हैंडबुक बेसिक इकोलोजी पर (मिट्टी,जल, प्लैकटॉन और फिडिंग इकोलोजी पेरीफीटन के मुख्य चर्चे के साथ) आईएसबीएन 978-940366-08-1, विज्ञान प्रकाशन गृह, न्यूयॉर्क, यू एस ए।
2. एस.के. सैकिया लिखित विज्ञान निरीक्षण दस्तावेज: दर ब दर पहुँच । आईएसबीएन : 978-93-85892-32-5, शक्ति प्रकाशन, कोलकाता, भारत।

किताब अध्याय

1. मुखर्जी एस, सिन्हा बाबू एस पी (2015) न्यूरोफाईलारियासिस। ट्रोपिक्स में न्यूरोलोजी में। दूसरा भाग। अध्याय 27:पीपी-279-290। एलसेवियर एशिया : 978-81-312-4232-2 ।
2. चटर्जी एस, मुन्शी सी, भट्टाचार्य एस (2016) एमटीओआर की भूमिका, ऑटोफेजी, एपोपटोसीस और ऑक्सीडेटिव तनाव जहरीले धातु चोट के दौरान। मॉलिक्यूल्स टू मेडिसीन वीथ एमटीओआर ट्रान्सलेंटिंग क्रिटीकल पाथवेज इन्टू नोवेल थेरापियूटीक स्ट्रेटेजीस। कीनिथ मैस (ईडी) आईएसबीएन : 978-12-802733-2, एल्सेवियर विज्ञान और टेक्नोलोजी।

निरीक्षण दस्तावेज

1. चटर्जी पी, सील एस, मुखजी एस, कुण्डु आर, भूयान एम, बरूआ एनसी, बरूआ पी के, सिन्हा बाबू एस पी, भट्टाचार्य एस (2015) एक कारबाजोल क्षार एमटीओआर को सप्रेशनफ्रीक्टर द्वारा बन्द कर देता है जो फेफड़ा कैंसर कोशिकाओं में एपोपटोसिस को विकसित करता है। मोल सेल बायोकेम 405(1-2। 149-158 ।
2. मुखर्जी एस, भट्टाचार्य एस (2015), पर्यावरण में धातु तनाव : मोल्लसकन स्ट्रेटेजी। पर्यावरण टोक्सीकोलोजी के ऑस्टीन जर्नल । (1) : 1005
3. भास्कर पी, पाइन एस के, रे ए के (2015) कोई मछली के वृद्धि कार्य अध्ययन, पॉल्ट्री वाइसेरा के उपयोग द्वारा एनाबास टेस्टुडीनियस (ब्लोच) (Bloch), एक क्षमताकारी मछली सामग्री की तरह, मछली भोजन को हटाना। इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ रिसाईकलिंग ऑफ ऑरगेनिक वेस्ट इन एगरीकलचर, 4 (1) : 31-37 ।
4. बनर्जी जी, नन्दी ए, दान एस के, घोष पी, रे एके (2015) इलेक्ट्रांन माइक्रोस्कोपीकल और बैक्टेरियोलोजीकल अध्ययन म्यूरेल के पाईलोरिक सीका में एपीथेलियम सहित बैकटेरिया, पर, चन्नापंकटेटस (ब्लोच)। मछलीकरण और जलीय अध्ययन के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, 2 (3) : 108-113 ।
5. दान एस के, बनर्जी, नन्दी ए, घोष पी, रे ए के (2015) ऑटोचथोनस फाइटेसी-प्रोडयूसिंग बैक्टेरिया आईसोलेटेड, फ्रॉम दि गैस्ट्रोइंटेसटीनल ट्रेक्स ऑफ फोर इण्डियन फ्रेशबाटर टेलिओस्टस : चरित्र चित्रण और पहचान। माइक्रोबायोलोजी, बायोटेक्नोलोजी और भोजन विज्ञान का जर्नल, 4 (4) : 342-346 ।

6. बनर्जी जी, पाण्डे एस, रे ए के, कुमार आर (2015) भारी धातुओं का बायोरिमेडीयेशन एक आदर्श बैक्टेरियल स्ट्रेन इन्टेरोबैक्टर क्लोसी द्वारा और इसके जहरहीन इन्जाइम कार्य, फ्लोकुलेन्ट उत्पादन, और शीश कैडमियम, और निकेल के उपस्थिति में। जल, शीशा कैडमियम, और निकेल के जल,वायु और मिट्टी प्रदूषण, 226 (4) : वर्णन 91-99 डीओआई 10.1007/511270-015-2359-9।

7. दान एस के, नंदी ए, बनर्जी जी, घोष पी, रे के (2015) । मछली के पेट से अलग हुये बैसीलस लाईकेनीफॉरमीस से एक्सट्रासेलुलर फाइटेसी की शुद्धता और गुण। राष्ट्रीय एकाडमी विज्ञान का बढाव, भारत भाग बी : जीव विज्ञान, 85(3) : 751-758.डीओआई : 10.1007/340011-015-0571-4 ।

8. बनर्जी जी, दान एस के, नंदी ए, घोष पी, रे एके (2015)। दो भारतीय वायु-स्वसन करने वाले मछलियों में ऑटोचथोनस गट बैक्टेरीया, क्लाईमबिंग पर्च (एनाबास टेस्टूडीनस) और चलती हुई कैटफीश (क्लैरीयास बैट्रेचस) : जोड़ का मोड, पहचान और इन्जाइम उत्पन्न करने की योग्यता। माइक्रोबायोलोजी के पोलिश जर्नल, 64 (4) : 371-378 ।

9. बनर्जी जी, पाल आर, रे ए के (2015) जानवर विभाग में न्यूट्रीजेनोमिक्स का व्यवहार : एक पुनर्विचार। जानवर और वेटैरीनरी एडवान्सेज का एशियन जर्नल 10 (9) : 489-499। डीओआई : 10.3923/ अजावा 2015.489.499

10. दे बी, मण्डल आर के, मुखर्जी एस, सतपती बी, मुखर्जी एन, मण्डल ए, सेनापति डी, सिन्हा बाबू एसपी (2015) ए, सुप्रामॉलिक्यूलर हाइड्रोजन फॉर जेनरेशन ऑफ ए बेनिग्न डीएनए-हाइड्रोजन। आर एस सी एडवान्सेज 5:105961।

11. मुखर्जी एस, मुखर्जी एन, रॉय पी, सायनी पी, सिन्हा, बाबू एस पी (2015) एन स्प्रोच टूवर्ड्स ऑपटीमाईजेशन ऑफ दि इनफ्लूयेनशियल ग्रोथ डिटरमिनेंटस, ऑफ ऑप्र चुनिस्टीक यीस्ट आइसोलेट पीछीयागुईलीयेरमॉन्डी। तैयार जीव रसायन और बायोटेक्नोलोजी डीओआई : 10.1080/108-26068.2015. 1045614 ।

12. मुखर्जी एन, मुखर्जी एस, सायनी पी, रॉय पी, सिन्हा बाबू एस पी (2015) फेनोलिक्स और टर्पेनोइडस? दि प्रोमिसिंग न्यू सर्च फॉर एनथेलेमीनटीक्स : एक जटिल पुनर्विचार। मिनी-रिब्यूज इन मेडीसीनल रसायन, डी ओ आई : 10.2174/1389557516666151120121036

13. मुखर्जी एस, मुखर्जी एन, सायनी पी,रॉय पी, सिंहा बाबू एस पी (2015) जींजर एक्सट्रेक्ट एमेलीयोरेट्स फॉसफामीडॉन इन्डयूस्ड हेपाटोटोक्सीटी। भारतीय जर्नल अनवेषित जीव विज्ञान का 53:574-584।

14. सायनी पी, मुखर्जी एन, मुखर्जी एस, रॉय पी, गायेन पी, कुमार डी, सिंहा बाबू एस पी (2015) डायोसपाइरोसपेरीग्रेना बार्क एक्सट्रेक्ट इंडयूसेज एपोपटोसिस इन फाईलेरियल पैरासाईट सिटारियासर्वी थ्रू जेनरेशन ऑफ रियेक्टीव ऑक्सीजन स्पेसीज। फार्मासियूटीकल बायोलोजी 53:813-823

15. मुखर्जी जे, स्कहारलर यू एम, फाथ बीडी रे एस (2015) रोबस्टनेस इण्डीकेटर्स फॉर एक्वाटीक इकोलोजीकल नेटवर्कस - एक स्थिर आधुनिक पहुँच। इकोलोजीकल मॉडलिंग, 306:160-176 ।

16. भौमिक ए आर, साहा बी, चट्टोपाध्याय जे, रे रस, भट्टाचार्य, एस (2015) को-ऑपरेशन इन स्पेसिज : इन्टरप्ले ऑफ पॉपुलेशन रेगुलेशन ऐण्ड एक्सटीक्शन थ्रू ग्लोबल पॉपुलेशन डायनामिक्स डेटा-बेस/इकोलोजीकल मॉडलिंग, 312:150-165।

17. बनर्जी एम, मुखर्जी जे, बनर्जी ए, रे एम बन्दोपाध्याय जी, रे एस (2015) इन्वायर ऑफ इन्वायरन्मेटंल ऑन फैक्टर्स मेनटेनिंग वाटर क्वालिटि ऑफ बाकरेसवर रिजरवॉयर, भारत, कम्प्यूटेशनल इकोलोजी और सॉफ्टवेयर, 5 (3) : 1-15।

18. मुखोपाध्याय डी, श्रीवास्तव आर, चट्टोपाध्याय ए (2015) सोडियम फ्लूराईड जेनरेटस आरओएस ऐण्ड अल्टर्स

ट्रांन्सक्रीप्शन ऑफ जीन्स फॉर जेनोबायोटीक मेटाबोलाइजिंग इन्जाइम्स् इन एडल्ट जेबराफीश (डानीयोरीरियो) लीवर : एक्सप्रेशन पैटर्न ऑफ एनआरबी-2/कीप (आईएनआरएफ2) । टॉक्सीकोलोजी मेकानिज्म ऐण्ड मेथडस / डीओआई : 10.3109/15376516.2015.1034334

19. श्रीवास्तव आर, भट्टाचार्य एस, चक्रवर्ती ए, चट्टोपाध्याय ए (2015) डीफरेन्सियल इन वीवोजीनोटोक्सीसीटी ऑफ आरसेनिक ट्रायोक्साइड इन, ग्लूटाथियोन डेप्लिटेड माउस बोन मैरो सेल्स : इनवोल्वमेंट ऑफ : एनआरबी-2/कीप1(पी62) टॉक्सीकोलोजी मेकानिज्म ऐण्ड मेथड्स, डीओआई : 10.3109/15376516.2015. (034334)

20. लोहार रस, सैफीन डी ए, सेनगुप्ता ए, चट्टोपाध्याय ए, मैटालोब्ज जे एस, बाबास कीना एम जी, रोबीन्स के, मीतोराज एम पी, कुबीसीयाक पी, गरसीया वाई, दास डी (2015) रेशियोमेट्रीक सेन्सिग ऑफ लाइसीन थ्रू दि फॉरमेशन ऑफ परिनिएक्सीमर : अन्वेषित और कम्प्यूटेशनल अध्ययन।, रासायनिक बातचीत : 04/2015, 51 (40)। डीओआई : 10.1039/सी 5सीसी01359सी

21. मुखोपाध्याय डी, प्रियापी, चट्टोपाध्याय ए (2015) : सोडियम फ्लूराईड एफेकट्स बीहेवियर ऐण्ड अल्टर्स एमआरएनए ट्रांसक्रीप्शन ऑफ बापीयोमार्कर जीन्स : एनआरएफ-2/कीप1 की भूमिका। पर्यावरण टॉक्सीकोलोजी और फार्माकोलोजी, डीओआई 10.1016) जे. रेटेप 2015.07.003।

22. घोष एस, हल्दार पी, मण्डल डी के (2015) बायोटीक पोटेन्शियल ऑफ शॉर्ट हॉर्नर्ड ग्रासहोपुर, ऑक्सीयाहाइलासली (ऑर्थोपेटरा : एक्रिडीडे) टू एसेस ईट्स बायोमास प्रोडयूसिंग कैपासिटि। जन्तुविज्ञान समाज का विकास / डीओआई 10.1007/5125995-015-0159-2 ।

23. समजदार आई, मण्डल डी के (2015) एक्यूट टॉक्सिटी ऐण्ड इम्पैक्ट ऑफ एन ऑरगेनोफॉसफेट पेस्टीसाईड, क्लोरपीरीफोस ऑन सम हीमेटोलोजीकल पैरामिटर्स ऑफ एन इण्डियन माइनर कार्प, लेबियोबाटा (हैमीलटन 1822) । अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल पर्यावरण विज्ञान का 6 (1) : 106-113 ।

24. मण्डल एस, बनर्जी ए, घोष डी, मण्डल डी के, सैफीन डी ए, बाबासकीना एम जी, रोबीन्स के, मिटोराज एम पी, कुबीसीयक् पी, गारसीया वाई, दास डी (2015) । एनीयन इंडयूस्ड मल्टीसिगनलिंग प्रोब फॉर एचजी2+ ऐण्ड ईटस एपलिकेशन फॉर फीश कीडनी ऐण्ड लीवर टीशु इमैजिंग स्टडीज। डाल्टन ट्रान्जैक्शन 44:13186-13195। डीओआई 10.1039/सी5डीटीT01854डी ।

25. रॉय के, मण्डल डी के (2015) एनुअल चेन्जेज् इन द ओवेरियन डेवलपमेंट इन ए माईनर कार्प, लेबियो (हैमीलटन-बुचानन, 1822)। मछलीकरण और जलीय अध्ययन का अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल 2(6) : 19-24।

26. बनर्जी ए, मन्ना एस, साहा एस के (2015) ए हीस्टोलोजी कल इवैलूएशन ऑफ डेवलपमेंट ऐण्ड एक्सीस फॉरमेशन इन फ्रेशवाटर फीश इक्टोपैरासाईट आरगुलुसबेंगा लेनासीस रामकृष्णा, 1951 (क्रसटासी : ब्रानचीउरा)। पैरेसाइटोलोजी रिसर्च 114:2199-2212, डीओआई 10.1007/300436-015-4411-5

27. नंदी एस, लिंडेम एल एम (2015) क्लेरोडेनड्रमवीस्कोसम : ट्रेडिशनल यूजेज, फार्माकोलोजीकल एक्टीवीटीज। ऐण्ड फाईटोकेमिकल कंस्टीब्यूटश्न। प्राकृतिक प्रोडक्ट निरीक्षण, एचटीटीपी://डीएक्स.डीओआई.ओआरजी 10.1080/4786419.2015.1025-229

28. सैकिया एस के, नंदी एस मजूमदार एस (2015) 'सिनबियोफिल्म - ए फ्रेंडली एसोशिएसन इन एक्वेटीक इकोसिस्टम। जीवविज्ञान में वाषिक निरीक्षण और पुनर्चर्चा 5 (2) : 97-108

29. नंदी एस, सैकिया एस के (2015) साईज सिलेक्टीव फीडिंग ऑन फाइटोप्लोकटोन बाई टू मॉफोग्रुप्स ऑफ स्मॉल फ्रेशावाटर फीश स्पेशीज : मल्टीवैरीएट विघटन अमब्लीफैरीगोदोनमोला, पनटीयूसटीक्टो, और एसोमस-डैनरीसस

का / पोलीश मछली का आरचीनस, 23:79-90 डीओआई 10.1515/90पीएफ-2015-009।

30. नंदी एस, सैकिया एस के (2015) छोटे साफ पानी मछली प्रजातियों के फोडिंग सफलता निश्चितकरण में मॉर्फोमेट्री की भूमिका : मल्टीवैरियेट विघटन अम्ब्लीफारीनगोदोनमोला, पनटीयूसटीक्टो, और इसोमसडनरीकस का/पोलीश मछली का आर्चिव्स, 23:79-90. डीओआई 10.1515/एओपा–2015-0009।

31. मुखोपाध्याय एस, भट्टाचार्य एस (2016) प्लाज्मा फिटूईन-ए ट्रीगर्स इनफ्लैमेट्री चेन्जेज इन मैक्रोफेजेज ऐण्ड एडीपोसाइट्स बाई राक्टिंग एज एन एडेपटर प्रोटीन बीटबीन एनईएफए एण्ड टीएलआर-4। डाईबटोलोजीया 59 (4) : 859-60।

32. बरूआ एस, सरकार एस, बर्मन एस, चट्टोपाध्याय ए, भट्टाचार्य एस, मण्डल एन सी, कारक एन (2016) इन्सानी छाती, सर्वाइकल ओर ओरल कैंसल कोशिकाओं के खिलाफ एष्टीबैक्टेरियल और एष्टीकैंसर की तरह सिल्वर नैनोपार्टिक्ल्स / नैनोसाइन्स और नैनोटेक्नोलोजी का जरनल, 16:1-9।

33. बनर्जी जी, मुखर्जी एस, भट्टाचार्य एस, राय के (2016) मछली के पेट से अलग हुए एटीएच 3 कोरीनबैक्टेरीयमएलकेनो लिटीकम, बैक्टेरीयल स्ट्रेन द्वारा उत्पादित बाह्यकोशिकीय प्रोटीन और एमाइलेज का शुद्धिकरण और गुण। विज्ञान और इन्जिनियरिंग के लिए अरबी जर्नल 41:9-16. डीओआई : 10.1007/513369-015-1809-4।

34. बनर्जी जी, राय ए, दास एस के, कुमार आर, रॉय ए के (2016) केमिकल एक्सट्रेक्शन ऐण्ड ऑपटीमाईजेशन ऑफ इन्ट्रासेलूलर?-गैलेक्टोसीडेज प्रोडक्शन फ्रॉम द बैक्टेरीयम आर्थोबैक्टेरोक्सीडानसुसिंग बॉक्स-बेहनकन डिजाइन ऑफ स्सिपॉन् सर्फेस मेथडोलोजी। एक्टाएलिमेंट्रीया, 45 (1) : 93-103 डीओआई : 10.1556/

35. बनर्जी जी, नंदी ए, डान एस के, घोष पी, राय ए के (2016) मोड ऑफ एसोशिएशन, इन्जाइम प्रोडक्शन एबीलीटी ऐण्ड आईडेन्टीफीकेशन ऑफ ऑटोचथोनस बैक्टेरीया इन दि गेस्ट्रोईर्टेसटिनल ट्रेक्ट ऑफ टू इण्डियन यर-ब्रीदींग फीश, मरेल (चन्नापंकटेटस) ऐण्ड स्टींगींग कैटफीश (हेटैरोपडटेस-फॉसिल्स)। जन्तु विज्ञान समाज का विकास (प्रेस में) डीओआई : 10.1007/512595-016-0167-एक्स

36. मुखर्जी एन, पारीदा पी के, संत्रा ए, घोष टी, दत्ता ए, जाना के, मिश्रा ए के, सिन्हा बाबू एस पी (2016) ऑक्सीडेटीव स्ट्रेस प्लेन मेजर रोल इन मेडीयेटिंग एपोपटोसिस इन फाइलेरियल निमैटोड सिटेरियासर्वी इन दि प्रजेंस ऑफ ट्रांस-स्टीबीन डेरीवेटिब्स। मुक्त रैडिकल बायोलोजी और दवा 93:130-144।

37. मुखर्जी एस, कर्मकार एस, सिंहा बाबू एसपी (2016) टीएलआर2 और टीएलआर4 मेडियेटेड होस्ट इम्यून रिसपोन्सेज इन मेजर इनफेक्शस डीजेज : एक पुनर्चर्चा। इनफेक्शस बीमारियों का ब्राजीलियन जर्नल । डीओआई : 10.1016/जे/बीजेआईडी 2015 10.011 ।

38. मुखर्जी जे, स्कारलर, यू.एम, फाथ बी.डी, राय एस (2015) रोबस्टनेस इण्डिकेटर्स् फॉर स्क्वेटिक इकोलोजीकल नेटवर्कस-एक स्थिर मॉडल एप्रोच। इकोलोजीकल मॉडलिंग - 306, 160-167।

39. मंडल एस, राय गोस्वामी, ए: मुखोपाध्याय एस.के. राय, एस. 2015 साइमलेशन मॉडल ऑफ फॉसफोरस डायनामिक्स ऑफ एन यूट्रोफीक इमपांउडमेन्ट-पूर्वी कैलेकेटा वेटलैण्डस, एक रामसार भारत में, इकोलो जीकल मॉडलिंग 306,226-239/

40. अमीया रंजन भौमिक, बापी साहा, जयदेव चट्टोपाध्याय, शान्तनु राय, सव्यसाची भट्टाचार्य, (2015) प्रजातियों में साथ : इन्टरप्ले ऑफ रेगुलेशन ऐण्ड एक्सटीकशन थ्रू ग्लोबल पॉपुलेशन डायनामिक्स डेटाबेस। इकोलोजीकल मॉडलिंग, 312-250-165।

41. मैत्री बनर्जी, जयीता मुखर्जी, अरनब बनर्जी, मधुमिता रॉय, गौतम बन्दोपाध्याय, शान्तनु रॉय, (2015) बकरेशवर नदी, भारत के जल गुण को बनाये रखने वाले कारकों पर पर्यावरण का प्रभाव। कम्प्यूटेशनल इकोलोजी और

सॉफ्टवेयर, 5 (3) : 1-15 ।

42. पृथा आचार्य, अमब्रीना सरकदार और शान्तनु रॉय, (2015) आंतरिकरिश्ता को निश्चित करना।
मैकाक्यु जनसंख्या और भूमि ढकाव/उपयोग के बीच दिल्ली में रेखा ट्रान्जेक्ट विधि का उपयोग करके/जैविक-फोरम-एक अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल 7 (2) : 930-943/

43. जाना डी, राय एस (2016) गौस प्रकार के फिलिप्पोव प्रे-प्रिडेटर तरीके के द्विभाग और स्थिरता पर भौतिक और व्यावहारिक लूट रिफ्यूज का प्रभाव। मॉडल पृथ्वी तरीका, पर्यावरण । 2:24,डीओटी 1 10.1007/एस 40808-016-0077-7

44. समजदार आई, मण्डल डी के (2016) कार्य के ऑलफैक्ट्री एपिथिलियम के एपीकल सतहो के हीस्टोलोजीकल संस्था और सुगम आकार, लेबियोबाटा (हैमीलटन)। शुद्ध और व्यावहारित जन्तुविज्ञान का अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल (प्रेस में)।

45. घोष एस, हलदार पी, मंडल डी के (2016) एक छोटे सिंह वाले ग्रासहोपर ऑक्सीयाहाइलाहईलासर्वाइल आर्थोपटेश : एक्रीडीडे) का प्राकृतिक इवैलूएशन एक नये प्रोटीन स्त्रोत के खोज में। एण्टोमोलोजी और जन्तुविज्ञान अध्ययन का जर्नल 4 (1) : 193-197।

46. बनर्जी ए साहा एस के (2016) आरगुलूसगालेन्सीस रामकृष्ण के मादा अनुवांशिक तरीके का हीस्टोलोजिकल और अल्ट्रास्ट्रक्चरल जाँच 1951 (क्रसटेसी : ब्रानाचिउरा)। मॉर्फोलोजी का जर्नल (प्रेम में) डीओआई : 10.1002/जेएमओआर.20528।

47. बनर्जी ए, पोद्दार एस, मन्ना ऑफ एस, साहा एस के (2016) म्युचुअलिस्टिक एसोसिएशन ऑफ रॉटीफर फिलोडीनारो-सियोलावीथ दि ब्रान चुरीयन फीश एक्टोपैरासाईट आरगुलसबेंगालेन्सीस एट ईट्स समब्रयोनिक स्टेज।
जैविक पत्र (प्रेम में) डीओआई : आरएसबीआई. 2015.1043 /

48. राय एस, कुण्डु एस, लिडैम एल एम (2016) सेन्ना लिफ एक्ट्रेक्ट्स इन्डयूस्ट सीए+2 होमोस्टोसीस इन ए जुनोटीक टेपवॉर्म हाइमीनोलेपीसडीमीनुटा फार्मास्यूटीकल बायोलोजी एचटीटीपी ://डीएक्स.डीओआई.ओआरजी/10.3109/13880209.2016.1139600।

49. कुण्डु एस, रॉय एस, लिन्ड्रेम एल एम (2016) सिनरजीस्टीक एफेक्ट ऑफ टू कॉम्बीनेशन्स ऑफ सीन्नाप्लान्ट ऑन दि टेगुमेन्ट ऑफ ए रैट टेपवॉर्म हाइमीनोलेपीसडीमीनुटा। फारमेसी और फार्मास्यूटीकल विज्ञान का अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल : 1457-458 ।

50. घोष पी, दास डी, जुईन एस के, हाजरा एस, कचारी ए, दास डी एन, नाथ पी, मैत्रा एस (2016) ऑलिरालोंगीकउडेटा का पहचान और अर्ध गुण (मैकलीलैंड), 1842) वाइटेलीजीनेसीस) : प्लाज्मा में मौसमी भिन्नता, रिलेटिव टू इस्ट्राडयोल-17-एण्ड ओवेरियन वृद्धि, जलीय विज्ञान 3:120-130।

51. दास डी, पाल एस, मैत्रा एस (2016) रिलिजिंग प्रोफेरज अरेस्ट इन जेब्राफीश उसाईट : सिनरजीज्म बिटवीन मैचुरेशनल स्टेरॉयड और आईजीएफआई अनुवांशिकता 151 (1) : 59-72।

52. दास डी, खान पीपी, मैत्रा एस (2016) इण्डोक्राइन ऐण्ड पैराक्राइन रेगुलेशन ऑफ मियोटीक सेल साइकिल प्रोग्रेशन इन टेलीओस्ट उसाईट : सीएएमपी एट दि सेंटर ऑफ काम्प्लेक्स इंट्रा-उसाईट-सिगनलिंग इवेन्टस / साधारण और तुलनात्मक इण्डोक्राईनोलोजी डीओआई : 10.1076/जे.वाईजीसीईएन : 2016.01.005

53. दास डी, पी, पाल एस, हाजरा एस, घोष पी, मैत्रा एस (2016) एक्सप्रेशन ऑफ टू इन्सुलिन रिसेप्टर सबटाइप्स, इन्सराण्ड, इन्सर्ब, इन जेब्राफीश (डानीयोरिरियो) ओवरी ऐण्ड इन्वोल्वमेंट ऑफ इन्सुलिन एक्शन इन ओवेरियन

फंक्शन। साधारण और तुलनात्मक इण्डोक्रिनालॉजी। डीओआई : 10.1016/ जे.विगसेन 2016.02.005/

vi. समान पद पुनर्चर्चित जर्नल में छपे दस्तावेजों की संख्या 08 राष्ट्रीय और 60 अन्तर्राष्ट्रीय

व्यावहारित विशिष्ट अधिकार पत्र

(1) एम.के. चौधरी, एस हुसैन, एस.भारद्वाज, यू.बी. सिंहा, डी तालुकदार, यू.बोरा, एस.एस.मजूमदार, एस भट्टाचार्य, इस दासगुप्ता, आर.कुण्डु, उस भट्टाचार्य, 'इन्सूलिन मिमेटीक एक्टिव कम्प्राईजिंग ऑक्सोडीपरोक्सोवनाडेप्स ऐण्ड ए फार्मास्यूटीकल कम्जोजिशन ओबटेन्ड देयर ऑफ। अधिकार संख्या 14/007506 (यूएस)

2) एम भूयान, एन सी बरूआ, पीके बरूआ, पी ओ राओ, पी चटर्जी, एस सील, आर कुण्डु, एस मुखर्जी, एस भट्टाचार्य, एस महानीने एरेस्ट ग्रोथ एण्ड इन्डयूसेज, एपोपटोटीक डेथ ऑफ लंग कैंसर सेल्स बाई टारगोटिंग एमटीओआरसी। ऐण्ड एमटीओआरसी2 कम्प्लेक्सेज। अधिकार संख्या 0275एनएफ.2013 (सीएसआईआर, भारत)

विभाग द्वारा प्रचारित आविष्कारिक नये कोर्स / करीकुलम या कोई और शिक्षित नई पद्धति :

पसन्द आधारित क्रेडिट सिस्टम बी.एस सी और एसम.एस सी के लिए और पी एच.डी के लिए जरूरी कोर्स कार्य का आविष्कार हो चुका है। अभी, बी.एस सी (ऑनर्स) एम.एस सी और पी.एच डी कोर्स कार्य का विषय वस्तु पुनर्विचारित हो रहा है। सेमिनार लाइब्रेरी, अध्ययन कमरा सुविधा, निरीक्षण लेबोरेटरिज, कक्षायें, और पुराने जानवर के कमरे नये हो रहे हैं।

वृद्धि के लिए भविष्य योजनाओं के संबोधन के साथ जुड़े भवन/सदन/विभाग की वृद्धि पर एक छोटा इतिहास विभाग के बारे में

जन्तुविज्ञान विभाग, शिक्षा-भवन (विज्ञान की संस्था) के अन्दर अन्वेषक विभागों में से एक शिक्षा और निरीक्षण के क्षेत्र में 47 वर्षों से ज्यादा के लिए योगदानीक एकाडमिक कार्यो का एक गति इतिहास रखता है।

विभाग यूजीसी द्वारा 1994 में एसएपी के अन्तर्गत मुख्य सहायता प्राप्त कराने हेतु आविष्कारित हुआ है और इसके बाद डीएसटी से एफआईएसटी और यूजीसी से सीओएसआईएसटी जैसे सम्मान प्राप्त किया। लगातार शिक्षित और निरीक्षण के गुणों के कारण, यूजीसी ने विभाग को जन्तुविज्ञान में सेन्टर ऑफ एडवान्सड (सीएएस) की तरह आविष्कारित किया है। पहला सीएएस अप्रैल 2007 मार्च 2012 के दौरान पूरा सफल हुआ था। दूसरा सीएएस अप्रैल 01, 2012 से शुरू हुआ था और अगले पाँच वर्षो के लिए जारी रहेगा। डीएसटी-एफआईएसटी (स्तर-II) भी 2012 से शुरू हुआ है।

कोई अन्य यौगिक सूचना, जो विभाग के उच्च अधिकारी की नजर में विज्ञापन-योग्य है, शामिल होना चाहिए।

विभाग शिक्षा और निरीक्षण के लिए उपयोगी संरक्षित जानवरों को सम्भालने वाले व्यक्तियों को सिखाया है। मौजूद जानवर के कमरे छोटे है लेकिन धरेलू खरगोशों, चूहों और छछूंदरों साधारण कक्षा और निरीक्षण के लिए आवश्यक सारी सुविधायें रखता है। फिर भी, एनिमल एथिक्स कमिटी द्वारा सिफारिश के अनुसार भिन्न समूह के जानवरों के लिए एक बड़ा गृह सारी सुविधाओं सहित आवश्यक है। विभाग ने जानवर गृह के लिए प्रस्ताव रखा है।

वनस्पति विज्ञान विभाग

नेट/सेट/गेट में उत्तीर्ण विद्यार्थी

अनीरबन पॉल (नेट - जे आर एफ)

अनिमेश सेन (नेट-एल एस)

अनिन्दया सुन्दर रॉय (नेट - एल एस)

प्रत्याशा सामन्ता (नेट-एल एस)

तन्मय मल्लिक (नेट - एल एस)

सयेदा नुरून्नेशा बेगम (नेट - एल एस)

अर्काजो मजूमदार (सेट)

मउमीता साहु (सेट)

शैलेन भकत (सेट)

श्रीकांत पाल (सेट)

सुमन कर्मकार (सेट)

सुब्रोनील घोष (सेट)

काजी तावसीफ अमेद (गेट)

ध्रुवज्योति महतो (गेट)

सुचेता मण्डल (गेट)

विभागी सेमिनार / वर्कशॉप :

सेमिनार

डॉ0 योशिहारू वाई यामामोटो, व्यावहारिक जीव विज्ञान के प्रवर्त्तक, गीफु विश्वविद्यालय, जापान 16 उच्च पौधों के पर्यावरण उत्तर अध्ययन के लिए भविष्य-अनुसार प्रोमोटर विघटन'' पर एक भाषण दिया। 22.09.2015 में।

डॉ0 मृणाल देवान्जी, इमेरीटस वैज्ञानिक, राष्ट्रीय नेत्र संख्या न्यूरोबायोलोजी, न्यूरोडिग्रेडेशन और रिपेयर लेबोरेटरी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्था, बेथेसड़ा, मैरीलैंड, यू एस ए, ''ह्यूमन स्टेम सेल थेरेपी : वर्क इन प्रोग्रेस, पार्शियल सक्सेस, फेलयर्स ऐण्ड फ्यूचर चैलेंजेज'' पर एक भाषण दिया। 04.03.2016 में।

''राष्ट्रीय निर्माण के लिए विज्ञान'' पर सेमिनार / तर्क-विर्तक प्रतियोगिता (पश्चिम बंगाल राज्य काउंसिल विज्ञान एवं टेक्नोलोजी द्वारा प्रवर्तित) 22.11.2015 में।

राष्ट्रीय सेमिनार ''प्लांट ऐण्ड माइक्रोब : डाइवरसिटी ऐण्ड यूटीलाईजेशन'' पर 19.03.2016-20.03.2016 के दौरान।

4.(अ) विभाग के सदस्यों द्वारा सम्मिलित हुए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्टैण्डर्ड सभा /सेमिनार/वर्कशॉप इत्यादि।

सुधेन्दु मंडल

''भोजन सुरक्षा और जीवनधारा करने योग्य वृद्धि के लिए जैविकभिन्नता'' पर निमंत्रित भाषण दिया, 22 मई, 2015 में केन्द्रिय हरबेरियम, शिवपुर में बोटानिकल सर्वे ऑफ इण्डिया (भारत सरकार) द्वारा आयोजित जीव भिन्नता के लिए अन्तर्राष्ट्रीय दिन के खुशी पर।

''टैगोर ऐण्ड साइन्स एडूकेशन वीथ रिफरेन्स टू मेडिसिनल प्लांट्स'' पर निमंत्रित भाषण दिया और जीव विज्ञान के आदर्श कारणों में बेहतरीन योगदान के लिए वर्ल्ड साइन्स कॉग्रेस द्वारा आयोजित 10-12 अक्टूबर 2015 के दौरान मेडिकल

एडूकेशन ऐण्ड रिसर्च ऑफ डॉ0 राम मनोहर लोहिया हॉस्पीटल, नई दिल्ली, के पोस्ट-ग्रेजुएट संस्था में हुए पाँचवे अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान सभा में वैज्ञानिक भाग-1 के सभापति बने।

सुकान्त के सेन

10 मार्च, 2016 : 'डिफाईनिंग मॉडर्न बायोलोजी : प्लांटस ऐण्ड माइक्रोब्स' पर राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिए और प्लेनरी भाषण दिये। विभाग द्वारा आयोजित, गौरबंगा विश्वविद्यालय, मालदा।

समीत रे

भारत के पूर्वी पठारी के समुद्री जैविक स्त्रोतों पर राष्ट्रीय सभा और इनके फकीर मोहन विश्वविद्यालय बालासोर, उड़िसा में हुए ब्रायोप्रस्टपेक्टिंग ''मॉर्फोलोजिकल वैरियेशन्स इन ज्योग्राफिकालि आइसोलेटेड पॉपुलेशन्स ऑफ बाइरम कोरनेटम सचवैगर (ब्रायासी, ब्रायेल्स)''।

भारत के पूर्वी पठार के समुद्री जीवस्त्रोतों पार राष्ट्रीय सभा और इनके फकीर मोहन विश्वविद्यालय, बालासोर, उड़िसा में हुए बायोप्रोस्पेक्टस मॉर्फोलोजीकल ऐण्ड फिजियोलोजीकल चेंजेज इन हॉट-स्प्रींग सायनोबैक्टरिया फीशकेरेला थर्मेलिस (सचवेब) गोमोन्ट इन रिसपोन्स टू फिजिकल ऐण्ड केमिकल सेन्सर्स।

काशीनाथ भट्टाचार्य

''ऑरिजिन ऐण्ड इवैलूयेशन ऑफ लाईफ फॉर्म्स थ्रू एजेज'' पर 27-29 सितम्बर 2015 में टूमकुर विश्वविद्यालय (कर्नाटक) में हुए अठारहवें राष्ट्रीय सभा ऐरोबायोलोजी पर भाषण दिया। ''आवर चेंजिंग इन्वारोन्मेंट : फ्रॉम अर्ली रिडयूसिंग स्टामॉसफेटर टू प्रीवेलिंग कनडयूसिव इन्वारोनमेंट'' (इण्डियन साइन्स कांग्रेस द्वारा आयोजित पर भाषण दिया, 103 भारतीय विज्ञान कांग्रेस में (पर्यावरण विज्ञान भाग) 3-7 जनवरी, 2016 मैसूर विश्वविद्यालय में हुआ था।

निर्मल्या बनर्जी

14-15 मार्च 2016 : ''ऑरकीड जर्मप्लाज्म ईट्स कंजरवेशन ऐण्ड प्रोपागेशन स्ट्रेटेजीव थ्रू इन विट्रो एप्रोच'' पर भाषण दिया, यूजीसी-एसएपी-डीआरएस प्रवर्तक राष्ट्रीय सेमिनार ऑन रिंसेट ट्रेन्डर्स इन प्लान्ट साईन्सेस में वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, सूर्यमनिनगर, त्रिपुरा, भारत।

रूप कुमार कर

11 दिसम्बर, 2015 तीसरा अन्तर्राष्ट्रीय प्लांट फिजियोलोजी कांग्रेस (आईपीपीसी-2015), चैलेंजेज ऐण्ड स्ट्रेटोजिज इन प्लांट बायोलोजी रिसर्च (2015' पर प्लांट फिजियोलोजी के लिए भारत समाज द्वारा आयोजित, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली में हुआ था, 11 दिसम्बर से 14 दिसम्बर 2015 में, पोस्टर प्रदर्शन ''अली एक्सीस ग्रोथ डयूरिंग जर्मनिशन इज ग्रैवीसेंसीटीव ऐण्ड मेडियेटेड बाई आरओएस ऐण्ड कैलसीयम' पर।

3 मार्च 2016 : राष्ट्रीय सिम्पोसियम : स्ट्रेटेजिज इन प्लांट फिजियोलोजींकल रिसर्च फॉर मिटिंग चैलेंजेज इन एग्रीकल्चर' पर, वनस्पति विभाग द्वारा आयोजित, बनारस हिन्दू विश्व-विद्यालय, वाराणसी 3 से 5 मार्च 2016, लिट लेक्चर ''रियेक्टिव ऑक्सीजन स्पेसीज (आरओएस) और ऐण्ड सीड जर्मनिशन : एमरजेन्स ऑफ ए न्यू कॉन्सेप्ट'' पर।

नारायण चन्द्र मंडल

56वाँ वार्षिक सभा एशोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलोजिस्ट ऑफ इण्डिया (एएमआई-2015) का और अन्तर्राष्ट्रीय सिमपोसियम 'एमरजिंग डिस्कवरीज इन माइक्रोबायोलोजी' पर 7 से 10 दिसम्बर, 2015 जे एन यू में, नई दिल्ली।

28-29 मार्च, 2016 रायगंज विश्वविद्यालय में माइक्रोबायोलोजी के विभाग द्वारा आयोजित ''मैन ऐण्ड माइक्रोव'' एक राष्ट्रीय सेमिनार में वक्ता और सभापति बने।

सुब्रत मण्डल

28-30 सितम्बर, 2015 : ''फ्लावरिंग फेनोलोजी ऐण्ड पॉलेन डिसपर्सल ऑफ टू टेक्सा ऑफ यूपोर बायासी'' पर एक मौखिक प्रदर्शन किया ''18 बाईनीयल मिटिंग ऐण्ड नेशनल कान्फरेंस ऑफ इण्डियन ऐरोबायोलोजीकल सोसाईटी ऑन इम्पैक्ट ऑफ एरोसोल्स ऑन हेल्थ, हेरीटेज ऐण्ड एन्वारन्मेंट (एनसीआईएएचएचई - 2015)'' में टूमकूर विश्वविद्यालय, टूमकुर 28-30 सितम्बर 2015 में हुआ था और साथ ही एक भाग के सभापतित्व भी किये।

28-29 अक्टूबर, 2015 : ''फ्लावर-वीजीटर इंटरएक्शन एंड पॉलिनेशन ऑफ मर्रया पानीकुलाटा (एल) जेएसीक्यू'' पर, एक मौखिक उपस्थिति ऐण्ड सस्टेनेबल डेवेलपमेंट ऐण्ड सेकण्ड नेशनल बायोरिसोर्सेज ऐण्ड ससटेनेबल डेवलपमेंट सम्मीट'' में विभाग में हुआ था।

वनस्पति विज्ञान के, सीएएस, नार्थ -इस्टर्न हील विश्वविद्यालय, शिलोंग 28-29 अक्टूबर, 2015 में।

चौधरी हवीवुर रहमान

19 नवम्बर 2015 : एन्जीयोस्पर्म टैक्सोनोमी के लिए भारत एसोसिएशन के XXV सिल्वर जुबली सभा में और इंटरनेशनल एशोसिएशन फॉर प्लांट टैक्सोनोमी के काउंसील मिटिंग में भाग लिया और दस्तावेज प्रस्तुत किया और ''एडवांसमेंट इन एनजीयोस्पर्म सिस्टेमैटीक्स ऐण्ड कन्जरवेशन'' पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार, वनस्पति विभाग द्वारा आयोजित, कालीकट विश्वविद्यालय, कालीकट, केरेला 19-21 नवम्बर, 2015 के दौरान। वैज्ञानिक भाग में एक न्यायाधीश की तरह कार्य किया।

16 फरवरी 2016 : वनस्पति विभाग द्वारा आयोजित औषधि पौधों पर राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया और भाषण दिया। विद्यासागर विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल 16-17 फरवरी, 2017 के दौरान। वैज्ञानिक सभा के सभापति बने और दूसरे सभा में न्यायाधीश बने।

सोमा सुकुल नी चुनरी

सितम्बर 29,2015 : नेशनल कान्फरेंस ऑन क्रिप्टोगम रिसर्च इन इण्डिया : प्रोग्रेस ऐण्ड प्रोस्पेक्ट्स में प्रदर्शन किया 28-29 सितम्बर 2015 को दौरान एनबीआरआई द्वारा आयोजित, लखनऊ, भारत।

नवम्बर 17, 2015 : इंटरनेशनल कांफरेंस ऑन इण्डिया बायो- डाईवर्सिटी पर एक प्रदर्शन किया।

जनेन्द्र रथ

मई 2015 : मिसिसिपी विश्वविद्यालय, यू एस ए, में हुए 42 वे वार्षिक माल्टो (एमएएलटीओ) औषधि रसायनशास्त्र सभा में भाग लिये 17-19 मई 2015 के दौरान और ''एन्टीबैक्टेरियल, एक्टीवीटी ऑफ आइसोकोउमरीन डेरीवेटिव्स आइसोलेटेड फ्रॉम क्रिटीकली इनडेंजर्ड कैकटस एण्डोफाईटिक फंगस फुसेरियम एस पी पर एक पोस्टर प्रदर्शनी की।

अप्रैल 2015 : मिसिसिपी विश्वविद्यालय में हुए तीसरे युनिवर्सिटी ऑफ मिंसिसिपी मलेरिया सिमपोसियम में भाग लिये, ऑक्स-फॉर्ड, यूएसए 23 अप्रैल 2015 में और ''एण्टी-मलेरिया एक्टिविटी ऑफ ग्लाईकेन्स ऑफ सायनो बैक्टेरियम नास्टाक एस पी'' पर एक पोस्टर प्रदर्शन किया।

हेमा गुप्ता (जोशी)

15 नवम्बर 2015 : मिट्टी स्वास्थ्य : जीवनधारण योग्य कृषि की चाभी पर राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया, मिट्टी विज्ञान और कृषि रसायनशास्त्र द्वारा आयोजित, विश्व-भारती, श्रीनिकेतन 14 से 15 नवम्बर, 2015।

अंजलिका रॉय

17 फरवरी, 2016 : साइटोटोक्सीसिटी ऑफ एजेडिराचटा इण्डिया, मुर्राया पानीकुलाटा, ओसीमम सैक्टम यूजिंग दिलेन्स कुलीनरीज रूट क्रोमोसोमल एबर्रेशन ऐसे'' एक प्रदर्शन किया। औषधि पौधों पर एक राष्ट्रीय सेमिनार में, वनस्पति और सभा का सहसभापतित्व भी किया।

15 नवम्बर 2016 : ''इफेक्ट ऑफ सॉयल सैलीनीटी ऐण्ड एल्केनिटि ऑन दि सीड जर्मिनेशन, रूट/शूट रेशियो, लीफ सेनेसेंस ऐण्ड एलकेलॉयड यील्ड दि म्यूटेंटस ऑफ कैथारेथस रोसेस (एल) जी डॉन'' पर एक प्रदर्शन किया। मिट्टी स्वास्थ्य : जीवनधारण योग्य कृषि (एसएचकेएसए) की चाभी पर एक राष्ट्रीय सेमिनार में, पीएसबी, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन, 14-15 नवम्बर, 2015।

निरीक्षण विद्वानों / सहयोगियों द्वारा सम्मिलित हुए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर सभा / सिम्पोसियम / वर्कशॉप :

सत्यजीत दास

11 दिसम्बर, 2015 : 'चैलेंजेज ऐण्ड स्ट्रेटेजीज इन प्लांट बायोलोजी रिसर्च (2015)' पर प्लांट फिजियोलोजी के लिए भारत समाज द्वारा आयोजित तीसरा इंटरनेशनल प्लांट फिजियोलोजी कांग्रेस (आईपीपीसी-2015), जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली11 से 14 दिसम्बर, 2015 में हुआ था, ''रोल ऑफ रियेक्टीव ऑक्सीजन स्पेसिस (आरओएस) डयूरिंग दि ग्रोथ ऑफ मूँग बीन (बीजना रैडियाटा (एल) वील्सजेक) सिडिंग्स अण्डर वाटर स्ट्रेस'' पर पोस्टर प्रदर्शन।

19 मार्च 2016 : ''प्लोट ऐण्ड माइक्रोव : डाईवर्सिटी ऐण्ड यूटिलाईजेशन पर राष्ट्रीय सेमिनार। वनस्पति विभाग द्वारा आयोजित, विश्व-भारती शंतिनिकेतन (19-20 मार्च, 2016), एबसीसीक एसीड मेडियेटेड डीफरेन्शीयल ग्रोथ-रिसपोन्सेज ऑफ मूंग बीन (वीजना रेडियाटा (एल) वील्सजेक। पर पोस्टर प्रदर्शन अण्डर माइल्ड वाटर स्ट्रेस कंडीशन''।

लिलि पाल

19 मार्च, 2016 : ''प्लांट ऐण्ड माइक्रोव : डाइवर्सिटी एंड यूटिलाईजेशन'' पर राष्ट्रीय सेमिनार। वनस्पति विभाग द्वारा आयोजित, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन (19-20 मार्च, 2016) ''जीब्रेलिक रसीड हैज एन इफेक्ट ऑन बोथ-कोटीलेडोन सेनेसेन्स एण्ड स्टोरेज मेबीलाइजेशन इन जर्मीनेटेड सीड्स ऑफ मूंग बीन (वीजना रेडियाटा (एल) वील्सजेक)'' पर पोस्टर प्रदर्शन।

मउमीता साहु

19 मार्च 2016 : लांट एण्ड माइक्रोव : डावर्सिटी एण्ड यूटीलाईजेशन'' पर राष्ट्रीय सेमीनार। वनस्पति विभाग द्वारा आयोजित, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन (19-20 मार्च 2016), एक्लीमेशीजेशन ऑफ मूंग बीन सिडिंग्स यूजिंग पॉलिथिलिन ग्लाईकोल लिडस टू इनहैन्स्ड ड्रॉट स्ट्रेस टॉलेटेंस पर पोस्टर प्रदर्शन।

अरकाजो मजूमदार

11 दिसम्बर, 2015 : चैलेंजेज एंड स्ट्रेटेजीज इन प्लांट बायोलोजी रिसर्च (2016), पर प्लांट फिजियोलोजी के लिए भारत समाज द्वारा आयोजित तीसरा इंटरनेशनल प्लांट फिजियोलोजी कांग्रेस (आईपीपीसी-2015)। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में हुआ था, 11-14 दिसम्बर 2015, ''नोवेल फीड-फॉरवार्ड लूप बिटवीन टू प्यूटेटीव पलाज्मा मेमब्रेन इन्जाइम्स : एनएडीपीएच ऑक्सीडेज ऐण्ड एच + -एटीपीएज'' पर पोस्टर प्रदर्शन।

अनिरबन पॉल

19-20 मार्च 2016 : 'फाइलोजेनेटिक डाइवर्सिटी ऐण्ड रिलेशनशीप ऑफ सम स्पेसिज ऑफ सोलेनम एस रिविल्ड बाई मॉर्फोमोट्रिक, बायोकेमिकल एण्ड साइटोलो जीकल एनालिसिस'' पर एक पोस्टर प्रदर्शन। प्लांट एण्ड माइक्रोव : डाइवर्सिटी ऐण्ड यूटिलाईजेशन पर यीजीसी-एसएपी-डीआरएस प्रवर्त्तक राष्ट्रीय सेमिनार में वनस्पति विभाग द्वारा आयोजित, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन 19-20 मार्च, 2016

सुमना आदित्य

19-20 मार्च 2016 ''इन्टैक्ट सिडलिंग कल्चर ऑफ डेण्ड्रोबीयम टर्मीनल ई.सी. पैरीश ऐण्उ आर सी एच बी. एफ : एन इन विट्रो-ट्रीडिरेक्शनल प्रोपागेशन पाथवे फॉर ए रेयर ऑरकीड'' पर एक पोस्टर प्रदर्शन। प्लांट ऐण्ड माइक्रोव : डाईवर्सिटी

एण्ड यूटिलाईजेशन पर यूजीसी-एसएपी-डीआरएस प्रवर्त्तक राष्ट्रीय सेमिनार में वनस्पति, विभाग द्वारा आयोजित, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन 19-20 मार्च 20165।

सोमा बर्मन

'एमरजिंग डिस्कवरीज इन माइक्रोबायोलोजी' पर एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलोजीस्ट ऑफ इंडिया (एएमआई-2015) और अंतर्राष्ट्रीय सिम्पोसियम का 56वाँ वार्षिक सभा 7 से 10 दिसम्बर, 2015 में जे.एफ यू, नई दिल्ली। एक पोस्टर प्रदर्शन किया।

विपल्व बन्दोपाध्याय

'एमरजिंग डिसकबरीज इन माइक्रोबायोलोजी' पर एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबाायेलोजिस्ट ऑफ इण्डिया (एएमआई-2015) और अंतर्राष्ट्रीय सिम्पोसियम का 56वॉ वार्षिक सभा 7 से 10 दिसम्बर 2015 मे जे एन यू, नई दिल्ली। एक पोस्टर प्रदर्शन किया।

सुनरीत बासु सर्वाधिकारी

'प्लांट एण्ड माइक्रोब : डाइवर्सिटी ऐण्ड यूटीलाईजेशन' पर यूजीसी-डीएसए राष्ट्रीय सेमिनार में शामिल हुआ और प्रदर्शन किया, वनस्पति विभाग द्वारा आयोजित, विश्व-भारती, 19-20 मार्च, 2016

पायल मित्रा

'एमरजिंग डिस्कवरीज इन माइक्रो बायोलोजी' पर एसोसिएशन ऑफ माइक्रो बायोलोजिस्ट (एएमआई-2015) और अंतर्राष्ट्रीय सिम्पोसियम का 56वाँ वार्षिक सभा 7-10 दिसम्बर, 2015 में, जे एन यू, नई दिल्ली। एक पोस्टर प्रदर्शन किया।

सतीनाथ दास

'एमरजिंग डिसकवरीज इन माइक्रो बायोलोजी' पर एसोशिएशन ऑफ माइक्रो बायोलोजिस्ट ऑफ इण्डिया (एएमआई-2015) और अंतर्राष्ट्रीयसिम्पोसियम का 56वाँ वार्षिक सभा 7 से 10 दिसम्बर, 2015 में, जे एन यू, नई दिल्ली।

सोहिनी चटर्जी

'एमरजिंग डिस्कवरीज इन माइक्रो बायोलोजी' पर एसोसिएशन ऑफ माइक्रो बायोलोजिस्ट (एएमआई-2015) और अंतर्राष्ट्रीय सिम्पोसियम का 56वाँ वार्षिक सभा 7-10 दिसम्बर, 2015 में, जे एन यू, नई दिल्ली। एक पोस्टर प्रदर्शन किया।

सुचेता दास

'एमरजिंग डिस्कवरीज इन माइक्रो बायोलोजी' पर एसोसिएशन ऑफ माइक्रो बायोलोजिस्ट (एएमआई-2015) और अंतर्राष्ट्रीय सिम्पोसियम का 56वाँ वार्षिक सभा 7-10 दिसम्बर, 2015 में, जेएनयू, नई दिल्ली। एक पोस्टर प्रदर्शन किया।

प्रद्यूत विश्वास

19-20 मार्च, 2016 : ''पॉलिनेशन ऑफ परगुलेरिया (फोर्रस्क), चोईव वीथ रिफरेन्स टू दि फॉरएजिंग बीहेवीयर ऑफ पोलिनेटर्स'' पर एक प्रदर्शन किया ''राष्ट्रीय सेमिनार प्लांट ऐण्ड माइक्रोव : डाइवर्सिटी ऐण्ड यूटीलाईजेशन'' में वनस्पति विभाग में हुए, विश्व भारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल 19-20 मार्च, 2016।

कृष्णनेंदु दे

25-30 सितम्बर, 2015 : ''पॉलेन डीसपर्सल ऐण्ड पॉलिनेशन ऑफ हल्दीना कॉर्डीफोलिया (रोक्स्ब) रिडस्डेल'' पर एक मौखिक प्रदर्शन किया ''18इंथ बेनियल मिटिंग ऐण्ड नेशनल कोनफरेंस ऑफ इण्डियन एरोबायोलोजीकल सोसाइटी ऑन इम्पैक्ट ऑफ ऐरोसोल्स ऑन हेल्थ, हेरीटेज ऐण्ड इनवारोनमेंट (एनसीआईएएचएचई-2015)'' में टुमकुर विश्वविद्यालय में हुआ था, टुमकुरू, कर्नाटक 23-30 सितम्बर, 2015।

हेमंत साहा

28-30 सितम्बर, 2015; ''पॉलेन डिसपर्सल, फ्लावर-वीजीटर इंटरएक्शन ऐण्ड पॉलीनेशन ऑफ कोकस न्यूसीफेरा एल'' पर एक प्रदर्शन किया ''18 इंथ बेनियल मिटिंग ऐण्ड नेशनल कोनफरेंस ऑफ इण्डियन एरोबायोलोजीकल सोसाइटी ऑन इम्पैक्ट ऑफ ऐरोसोल्स ऑन हेल्थ, हेरीटेज ऐण्ड इनवारोनमेंट (एनसीआईएएचएचई-2015)'' में टुमकुर विश्वविद्यालय में हुआ था, टुमकुरू, कर्नाटक 28-30 सितम्बर, 2015।

28-29 अक्टूबर 2015 : ''फ्लोरल बायोलोजी, फ्लावर-वीजीटर इंटरएक्शन ऐण्ड पॉलीनेशन ऑफ फोनीकुलम वलगेर गेर्टन'' पर एक प्रदर्शन किया। ''नेशनल सिम्पोसियम ऑन वायोरिसोर्सेज ऐण्ड ससटेनेबल डेबलपमेंट ऐण्ड सेकेन्ड नेशनल बायोरिसोर्सेज ऐण्ड ससटेनेबल डेवलपमेंट समीट'' वनस्पति विभाग में हुआ था, सीएएस, उत्तर-पूर्वी हील विश्वविद्यालय, शिलांग 28-29 अक्टूबर 2015।

निशिथ रंजन सरकार

19-20 मार्च 2016 : ''फाइटोडाईवर्सिटी स्टडी ऑफ गानपुर फॉरेस्ट, वीरभूम डीस्ट्रीक्ट, वेस्ट बंगाल वीथ रिफरेंस टू देयर मेडिसिनल प्रोपर्टीज, पर एक प्रदर्शन ''प्लांट ऐण्ड माइक्रोव : डाईवर्सिटी ऐण्ड यूटीलाईजेशन पर राष्ट्रीय सेमिनार'' में वनस्पति विभाग में हुआ था, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल 19-20 मार्च, 2016।

रामांजन गुप्ता

28-30 सितम्बर, 2015 : ''एटमॉसफेरिक पॉलेन इन्सीडेन्स ऑफ एलेनगियूम सैल्वीफोलियम (एल.एफ) वांग वीथ रिफरेंस टू फ्लोरल बायोलोजी'' पर एक प्रदर्शन ''18 बेनियल मिटिंग ऐण्ड नेशनल कान्फरेंस ऑफ इण्डियन एरोबायोलोजीकल सोसाइटी ऑन इम्पैक्ट ऑफ ऐरोसोल्स ऑन हेल्थ, हेरीटेज एण्ड एन्वारन्मेंट (एनएचएएचएचई-2015) में टुमकुर विश्वविद्यालय में, टुमकुरु, कर्नाटक 28-30 सितम्बर, 2015।

28-29 अक्टूबर, 2015 : ''इफेक्ट ऑफ हेवीमेटल्स ऑन पॉलेन वायाबीलीटी ऑफ कीजेलिया पीन्नाटा (जेक्व) डीसी'' पर एक मौखिक प्रदर्शन। ''नेशनल सिम्पोसियम ऑन बायोरिसोर्सेज ऐण्ड ससटेनेबल डेवलपमेंट ऐण्ड सेकेण्ड नेशनल बायोरिसोर्सेज ऐण्ड ससटेनेबल डेवलपमेंट समीट'' में वनस्पति विभाग में हुआथा, सीएएस, उत्तर-पूर्वी हील विश्वविद्यालय, शिलाँग 28-29 अक्टूबर, 2015।

मेघा दत्ता मुड़ी

28-30 सितम्बर, 2015 : ''फ्लोरल बायोलोजी, पॉलेन डिसपर्सल ऐण्ड पॉलिनेशन ऑफ ट्रेवीया न्यूडीफ्लोरा एल'' पर एक प्रदर्शन। ''18इंथ बेनियल मीटींग ऐण्ड नेशनल कान्फरेंस ऑफ इण्डियन ऐरोबायोलोजीकल सोसाइटी ऑन इम्पैक्ट ऑफ ऐरोसोल्स ऑन हेल्थ, हेरीटेज ऐण्ड इनवायरोनमेंट (एनएचएएचएचई-2015)'' में। टूमकुर विश्वविद्यालय में हुआ था, टुमकुरू, कर्नाटक 28-30 सितम्बर, 2015।

19-20 मार्च, 2016 : ''फ्लावरिंग फेनोलोजी ऐण्ड पॉलिनेशन ऑफ ब्रीडेलिया टोमेनटोसा बी आई (यूफोरबीयासी) पर एक प्रदर्शन ''राष्ट्रीय सेमिनार फ्लांट ऐण्ड माइक्रोव : डाईवर्सिटी ऐण्डयूटीलाईजेशन'' में वनस्पति विज्ञान में हुआ था, विश्व भारती, शांतिनकितेन, पश्चिम बंगाल 19-20 मार्च, 2016।

सौमित्रा पाल

28-29 अक्टूबर, 2015 : ''स्टडिज ऑन दि पॉलेन बायाबिलिटी ऑफ हेडिचीयम कोरोनेरीयम कोईनींग'' पर एक प्रदर्शन ''नेशनल सिमपोसियम ऑन बायोरिसोर्सेज ऐण्ड ससटेनेबल डेवलपमेंट ऐण्ड सेकेण्ड नेशनल बायोरिसोर्सेज ऐण्ड ससटेनेबल डेवलपमेंट समीट'' में वनस्पति विभाग में हुआ था, सीएएस, उत्तर-पूर्वी हील विश्वविद्यालय, शिलांग 28-29 अक्टूबर, 2015।

19-20 मार्च, 2016 : ''इफेकट्स ऑफ सम हेवी मेटल्स ऑन इन विट्रो पॉलेन जर्मीनेशन ऑफ मोरींगा कोलीफेग लैम्क।

(मोरींगेसी)'' पर एक प्रदर्शन ''प्लांट ऐण्ड माइक्रोव : डाईवर्सिटी ऐण्ड यूटीलाईजेशन पर राष्ट्रीय सेमिनार'' में वनस्पति विभाग में हुआ था, विश्व भारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल 19-20 मार्च, 2016।

बन्दना प्रधान

19 मार्च 2016 : प्लांट एण्ड माइक्रोव : डाइवर्सिटी ऐण्ड यूटीलाईजेशन पर एक राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिये और प्रदर्शन किये, वनस्पति विभाग द्वारा आयोजित (यूजीसी-डीआरएस और डीएसटी-एफआईएसटी प्रवर्तक) विश्वभारती, शांतिनिकेतन 19-20 मार्च, 2016।

स्वरनेंदु मण्डल

19 मार्च 2016 : प्लांट ऐण्ड माइक्रोव : डाईवर्सिटी ऐण्ड टूयीलाईजेशन पर राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिये और प्रदर्शन किये वनस्पति विभाग द्वारा आयोजित (यूजीसी-डीआरएस और डीएसटी-एफआईएसटी प्रवर्तक), विश्व भारती, शांतिनिकेतन, 19-20 मार्च 2016।

सुमन कर्मकर

19 नवम्बर 2015 : एंजियोस्पर्म टैक्सोनोमी के लिए भारत एशोसिएशन के XXV सिल्वर जुबली सभा में और काउंसिल मिटिंग ऑफ इन्टरनेशनल एशोसिएशन फॉर प्लांट टेक्सोनोमी (आईएपीटी) में भाग लिये और प्रदर्शन किये और ''एडवान्समेंट इन एंजियोस्पर्म सिस्टमेटिक्स ऐण्ड कन्जरवेशन'' पर राष्ट्रीय सेमिनार वनस्पति विभाग द्वारा आयोजित, कालीकट विश्वविद्यालय, कालीकट, केरल 19-21 नवम्बर, 2015।

19 मार्च 2016 : प्लांट एण्ड माइक्रोव : डाईवर्सिटी ऐण्ड यूटिलाईजेशन पर राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिये और दस्तावेज प्रस्तुत किये वनस्पति विभाग द्वारा आयोजित (यूजीसी-डीआरएस और डीएसटी-एफआईएसटी प्रवर्तक), विश्व भारती, शांतिनिकेतन, 19-20 मार्च 2016।

सुमन कल्याण मण्डल

19 मार्च 2016 : प्लांट ऐण्ड माइक्रोव : डाइवर्सिटी ऐण्ड यूटीलाईजेशन पर राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिये और दस्तावेज प्रस्तुत किये वनस्पति विभाग द्वारा आयोजित (यूजीसी-डीआरएस और डीएसटी-एफआईएसटी प्रवर्तक), विश्व भारती, शांतिनिकेतन, 19-20 मार्च 2016।

साथी साहा

19 मार्च 2016 : प्लांट ऐण्ड माइक्रोव : डाइवर्सिटी ऐण्ड यूटीलाईजेशन पर राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिये और दस्तावेज प्रस्तुत किये वनस्पति विभाग द्वारा आयोजित (यूजीसी-डीआरएस और डीएसटी-एफआईएसटी प्रवर्तक), विश्व भारती, शांतिनिकेतन, 19-20 मार्च 2016।

कुमरेश पाल

19 नवम्बर 2015 : ऐंजियोस्पर्म टैक्सोनोमी के लिए भारत एसोसियेशन के XXXV सिल्वर जुबली सभा में और काउंसिल मिटिंग ऑफ इंटरनेशनल एसोसियेशन फॉर प्लांट टैक्सोनोमी (आईएसपीटी) में भाग लिए और दस्तावेज प्रस्तुत किये और ''एडवान्समेन्ट इन एंजियोस्पर्म सिस्टेमेटिक्स ऐण्ड कंजरवेशन'' पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार वनस्पति विभाग द्वारा आयोजित, कालीकट विश्वविद्यालय, कालीकट, केरल, 19-21 नवम्बर, 2015।

19 मार्च 2016 : प्लांट एण्ड माइक्रोव : डाइवर्सिटी ऐण्ड यूटीलाईजेशन पर राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिये और दस्तावेज प्रस्तुत किये वनस्पति विभाग द्वारा आयोजित। (यूजीसी-डीआरएस और डीएसटी-एफआईएसटी प्रवर्तक), विश्व भारती, शांतिनिकेतन, 19-20 मार्च 2016।

पार्थ घोष

19 नवम्बर 2015 : ऐंजियोस्पर्म टैक्सोनोमी के लिए भारत एसोसिएशन के XXV सिल्वर जुबली में और काउंसिल मिटिंग ऑफ इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर प्लांट टैक्सोनोमी (आईएपीटी) में भाग लिए और दस्तावेज प्रस्तुत किये और ''एडवान्समेंट इन एंजियोस्पर्म सिस्टेंमेटिक्स ऐण्ड कंजरवेशन'' पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार वनस्पति विभाग द्वारा आयोजित, कालीकट, विश्वविद्यालय, कालीकट, केरल, 19-21 नवम्बर 2015।

19 मार्च 2016 : प्लांट एण्ड माइक्रोव : डाइवर्सिटी ऐण्ड यूटीलाईजेशन पर राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिये और दस्तावेज प्रस्तुत किये वनस्पति विभाग द्वारा आयोजित (यूजीसी-डीआरएस और डीएसटी-एफआईएसटी प्रवर्तक), विश्व भारती, शांतिनिकेतन, 19-20 मार्च 2016।

सागरी चौधरी

19 मार्च 2016 : प्लांट एण्ड माइक्रोव : डाईवर्सिटी ऐण्ड यूटिलाईजेशन पर राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिये और दस्तावेज प्रस्तुत किये वनस्पति विभाग द्वारा आयोजित (यूजीसी-डीआरएस और डीएसटी-एफआईएसटी प्रवर्तक), विश्व भारती, शांतिनिकेतन, 19-20 मार्च 2016।

सुभजीत मंडल

सितम्बर 29, 2015 : नेशनल कान्फरेंस ऑन क्रिपटोजेम रिसर्च इन इण्डिया : प्रोग्रेस ऐण्ड प्रोसपेक्ट्स में एक प्रदर्शन किया 28-29 सितम्बर से 2015 एनबीआरआई द्वारा आयोजित, लखनऊ, भारत।

19 मार्च 2016 : प्लांट एण्ड माइक्रोव : डाइवर्सिटी ऐण्ड यूटीलाईजेशन पर राष्ट्रीय सेमिनार में पोस्टर प्रस्तुती किये। 19-20 मार्च 2016, यूजीसी-डीआरएस और डीएसटी-एफआईएसटी प्रवर्तक द्वारा आयोजित वनस्पति विभाग, विश्व भारती, शांतिनिकेतन।

नंदिता पाल

17 नवम्बर, 2015 : इण्डिया बायोडाइवर्सिटी मीट-2015 पर अंतर्राष्ट्रीय सभा में एक प्रस्तुति की; 16-18 नवम्बर 2015 आईएसआई द्वारा आयोजित, कोलकाता, भारत।

19 मार्च 2016 : प्लांट ऐण्ड माइक्रोव : डाइवर्सिटी ऐण्ड यूटिलाईजेशन पर राष्ट्रीय सेमिनार में पोस्टर प्रस्तुति की; मार्च 19-20, 2016, यूजीसी-डीआरएस और डीएसटी-एफआईएसटी द्वारा आयोजित वनस्पति विभाग द्वारा प्रवर्तक, विश्व भारती, शांतिनिकेतन।

अमित रक्षित

19 मार्च, 2016 : प्लांट एण्ड माइक्रोव : डाइवर्सिटी पर राष्ट्रीय सेमिनार में पोस्टर प्रस्तुति किये।

ऐण्ड यूटीलाईजेशन; 19 मार्च - 20 मार्च, 2016, यूजीसी-डीआरएस और डीएसटी-एफआईएसटी प्रवर्तक वनस्पति विभाग द्वारा आयोजित विश्व-भारती, शांतिनिकेतन।

सैलेन भकत

नवम्बर 2015 : ''एडवान्सेज इन अलगल बायोटेक्नोलोजी' पर अंतर्राष्ट्रीय वर्कशॉप में भाग लिए आईआईटीद्वारा आयोजित, बॉम्बे और नेशनल इंस्टिट्यूट फॉर इंटरडिसिप्लीनरी साइन्स ऐण्ड टेक्नोलोजी आईआईटी बॉम्बे में 21 नवम्बर 2015 और ''ऑपटिमाईजेशन ऑफ एक्स्ट्रेक्शन ऑफ सायनोबैक्टेरीयल पॉलिशैकाराईड्स एज ए पोटेन्सियल सोर्स ऑफ ड्रग डेवलपमेंट'' में एक पोस्टर प्रस्तुति किये।

जनवरी 2016 : शास्त्र विश्वविद्यालय में हुए माइक्रोबियल बायोफिल्म्स पर सभा में भाग लिया, थान्जावुर 29-30 जनवरी 2016 ''ऑपटिमाईजेशन ऑफ एक्स्ट्रेक्शन ऑफ ग्लाईकेन्स फ्रॉम बायोफिल्म प्रोड्यूसिंग सायनोबैक्टेरिया'' पर एक पोस्टर प्रस्तुति किया।

अनिरूद्ध नाग

20 मार्च 2014 : ''प्लांट डाईवर्सिटी : यूटीलाईजेशन ऐण्ड क्लाईमेट चेंज'' पर वर्कशॉपे मं एक पोस्टर प्रस्तुत किया, विश्व भारती पर आयोजित, शांतिनिकेतन 19-20 मार्च, 2014।

संगीता गांगुली

18 नवम्बर, 2015 : 'थर्ड इण्डिया बायोडाईवर्सिटी मीट 2015' पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में एक प्रस्तुति की आईएसआई द्वारा आयोजित, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, 16-18 नवम्बर, 2015।

6 जनवरी, 2016 : 103वें इण्डियन साइन्स कांग्रेस में एक पोस्टर प्रस्तुति की मैसूर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित, कर्नाटक, भारत 3 से 7 जनवरी, 2016।

सांतु मालाकार

20, मार्च 2014 : ''प्लांट डाइवर्सिटी : यूटीलाईजेशन और क्लाईमेट चेंज'' पर एक वर्कशॉप में पोस्टर की प्रस्तुति विश्व भारती द्वारा आयोजित, शांति निकेतन 19-20 मार्च 2014।

6 जनवरी 2016 : 103वें भारत विज्ञान कांग्रेस में शामिल हुए मैसूर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित, कर्नाटक, भारत 3 से 7 जनवरी 2016।

सोहिनी बैनर्जी

19-20 मार्च 2016 : प्लांट ऐण्ड माइक्रोव : डाइवर्सिटी ऐण्ड यूटिलाईजेशन पर राष्ट्रीय सेमिनार में एक पोस्टर प्रस्तुति की और भाग लिये बाँटनी विभाग में (यूजीसी-डीआरएस और डीएसटी-एफआईएसटी प्रवर्तक) विश्व-भारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल 19-20 मार्च 2016।

अभिजीत सार

20-21 मार्च 2016 ''रिन्यूबल एनर्जी एक्सटेंशन ऐण्ड आउटरिच'' पर अंतर्राष्ट्रीय सभा में भाग लिये और एक पोस्टर प्रस्तुत किये पर्यावरण अध्ययन द्वारा आयोजित, शिक्षा भावना, विश्व भारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल 20-21 मार्च 2016।

श्रीकांत पाल

19-20 मार्च 2016 : प्लांट ऐण्ड माइक्रोव : डाईवर्सिटी ऐण्ड यूटीलाईजेशन पर राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिये और एक पोस्टर की प्रस्तुति किये। वनस्पति विभाग में हुआ था (यूजीसी-डीआरएस और डीएसटी-एफआईएसटी प्रवर्तक), विश्व भारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल 19-20 मार्च 2016।

पार्थ कारक

''बायो मॉनिटरिंग ऑफ फंगल स्पोर्स ऑफ शांतिनिकेतन, वेस्ट बंगाल, इण्डिया ऐण्ड इट्स इमफैट ऑन लोकल पीपल'' में शामिल हुए और दस्तावेज प्रस्तुत किये अठारहवें राष्ट्रीय सभा एरोबायोलोजी में टुमकुर विश्व विद्यालय में हुआ था (कर्नाटक) 27-29 सितम्बर 2015।

''एयरबोन फंगल स्पोर लोड इन शांतिनिकेतन, वेस्ट बंगाल वीथ रिफरेन्स टू अकरेन्स ऑफ एलजेरिक सिम्पटम्स लोकल इनहैबी टैन्टस'' पर शामिल हुए और एक दस्तावेज प्रस्तुत किये 103वें भारत विज्ञान कांग्रेस में 3-7 जनवरी 2016 में हुआ था, मैसूर विश्वविद्यालय।

मौली साहा

''ऐरोमाइकोफ्लोरा ओवर राईस फिल्ड ऐण्ड देयर एलरजेनिक एफेक्ट्स ऑन फारमर्स इन नॉर्थ 24 परगनाज डिस्ट्रीक्ट, वेस्ट बंगाल, इण्डिया'' में शामिल हुए और एक दस्तावेज प्रस्तुत किये वर्ल्ड एलर्जी कांग्रेस 2015 में 14-17 अक्टूबर

2015 सीउल में, साउथ कोरिया।
''एसेसमेंट ऑफ, एयरसपोरा ओवर क्रॉप कैनोपी ऑफ राइस इन वेस्ट बंगाल, इण्डिया वीथ रिफरेन्स टू मेटेरोलोजीकल फैक्टर्स'' में शामिल हुए और एक दस्तावेज प्रस्तुति किये। 18वें राष्ट्रीय सभा एरोबायोलॉजी में टुमकुर विश्वविद्यालय में हुआ था, कर्नाटक 27-29 सितम्बर 2015।

शिप्रा रॉय

''स्टडिज ऑन एयरबॉर्न फंगल फ्लोरा इन फरक्का, वेस्ट बंगाल इण्डिया : वोल्यूमेट्रिक एसेसमेन्ट ऐण्ड हेल्थ इम्पैक्ट'' में शामिल हुआ और एक पोस्टर प्रस्तुती की 18वें नेशनल कान्फरेंस ऑन ऐरोबायोलोजी में टुमकुर विश्वविद्यालय (कर्नाटक) में हुआ था 27-29 सितम्बर 2015।

तन्मय बसक

''आईडेन्टीफीकेशन ऑफ आई जी ई रियेक्टिव पॉलेन एलरजेन्स ऑफ फोर ट्रॉपिकल प्लांट्स ऑफ वेस्ट बंगाल, इण्डिया : क्लीनिकल ऐण्ड इम्यूनोलोजीकल इवैलूयेशन'' में शामिल हुए और एक दस्तावेज प्रस्तुत किये 18वें नेशनल कान्फरेंस ऑन एरोबायोलोजी में टुमकुर विश्वविद्यालय (कर्नाटक) में हुआ था 27-29 सितम्बर 2015। 34वाँ यूरोपियन एकाडमी ऑफ एलर्जी ऐण्ड क्लीनिकल इम्यूनोलॉजी कांग्रेस में शामिल हुआ और एक दस्तावेज प्रस्तुत किया 2015 बार्सेलोना में हुआ, स्पेन।

विभाग में चल रहे निरीक्षण योजनाएँ

सुधेन्दु मण्डल

डीबीटी योजना : ''एयरबोर्न माइक्रोबायोटा ओवर सोलीड वेस्ट डमपिंग्स साईट इन इम्फाल, मनिपुर ऐण्ड देयर इम्पैक्ट ऑन ह्यूमन हेल्थ'' डीबीटी-एनईआर ट्विनिंग प्रोग्रोम - 32.61 लाख रुपये। (मुख्य जाँचक)

सुकान्त के सेन

योजना का नाम ''स्ट्रेन डेवलपमेंट ऑफ मोनासकस एस पी.बाई जेनोम शफलिंग फॉर फूड ग्रेड पीगमेंट ओवरप्रोडक्सन'' डीबीटी द्वारा संचित, भारत सरकार, राशि : 47.89 लाख रुपये (पीआई की तरह)।

काशीनाथ भट्टाचार्य

यूजीसी मुख्य निरीक्षण योजना शीर्षक ''आईडेन्टीफिकेशन ऐण्ड इम्यूनो - केमिकल कैरेक्ट राईजेशन ऑफ फंगल स्पोर एलरजेन्स फ्रॉम वेस्ट बंगाल'' (पी आई : प्रो॰ काशीनाथ भट्टाचार्य) (12, 80, 300 रुपये)।

नारायण चन्द्र मंडल

डीबीटी टवीनिंग योजना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के साथ 7 जनवरी 2016 में पूर्ण हुआ। योजना शीर्षक : एन इथनो-बोटानिकल सर्वे ऑफ इण्डिजीनस एंजियोस्पर्म फ्लोरा ऑफ त्रिपुरा ऐण्ड एसेसमेंट ऑफ एण्टीमाइक्रोबीयल पोटेनशियल ऑफ दोज प्लांट्स। विश्व भारती के लिए स्वीकृत राशि : 14.5 लाख।

भारत का चाय बोर्ड : योजना शीर्षक : डेवलपमेंट ऑफ बायोपेस्टीसाईड अगेन्स्ट फंगल डिजिज ऑफ टी यूजिंग फॉस्फेट सोल्यूबीलाइजींग राईजोबैक्टेरिया। स्वीकृत राशि : 19.65 लाख रुपये। जनवरी, 2016 में स्वीकृत हुआ था।

सुब्रत मण्डल

योजना शीर्षक ''पॉलिनेशन इकोलोजी ऑफ सम स्पेसिज ऑफ यूफोरबीयासी'' यूजीसी द्वारा संचित, भारत सरकार, राशि : 11,6।800 रुपये (पी आई की तरह)।

चौधरी हवीबुर रहमान

योजना शीर्षक ''इन्वेन्टराईजेशन ऐण्ड डॉक्यूमेनटेशन ऑफ इथनोमेडिसिनल प्लांट्स फ्रॉम लैटेराईट जोन ऑफ वेस्ट बंगाल

वीथ स्पेशल रिफरेंस टू बायोप्रोस्पेक्टिंग ऑफ सिलेक्टेड प्लांट स्पेसिज'' यूजीसी द्वारा संचयित, भारत सरकार, राशि : 11.58 लाख रुपये (एज पी आई) योजना शीर्षक ''क्वांटीटेटीव इथनोबोटेनी कंजरवेशन प्रायोरिटिज ऐण्ड ससटेनेबल यूटीलाईजेशन ऑफ मेडिसिनल प्लांट्स ऑफ वीरभूम डिस्ट्रिक्ट, वेस्ट बंगाल वीथ रिफरेन्स टू बायोलोजीकल एक्टीवीटी स्टडीज ऑफ सम लेसर नोन रूट ड्रग्स'' विज्ञान विभाग और टेक्नोवलोजी द्वारा संचयित, पश्चिम बंगाल सरकार, कोलकाता, राशि : 16.19 लाख रुपये (PI की तरह)

हेमा गुप्ता जोशी

योजना शीर्षक ''वेजीटेशन स्टडी ऑफ ट्रॉपिकल ड्राई डेसीडयूअस फॉरेस्ट इन रिलेशन टू सॉयल एन ट्रांसफॉरमेशन्स इन द लैटेरीटीक जोन ऑफ वेस्ट बंगाल'' यूजीसी द्वारा संचयित, भारत सरकार, राशि : 6.93 लाख रुपये (PI की तरह)।

बॉम्बा डैम

योजना शीर्षक ''शिफ्ट इन माइक्रोबियल कम्यूनीटि स्ट्रक्चर इन पॉल्ट्री (चीकेन) गट एलांग इट्स ग्रोथ फेज वीथ स्पेशल इमफेसिस टू देयर एण्टीबायोटिक रेजिस्टेंस कैपेबीलीटी'' एसईआरबी द्वारा नव विज्ञान स्कीम के अन्दर स्वीकृत हुआ (स्वीकृत संख्या एसबी/बाईएस/एलएस-16/2013)। राशि : 23.9 लाख, 2013-16। योजना शीर्षक ''माइक्रोबियल कम्यूनीटि स्ट्रक्चर ऐण्ड फंक्शन इन ए लीग्नोसेल्यूलोज डिग्रेडींग नैचुरल सैलिन एनवारोन्मेंट ऐण्ड देयर मॉलिक्यूलर डिटेक्शन : ए स्टेप फॉरवार्ड टूवार्डस लिग्नोसेलूलोजीक बायोप्यूल प्रोडक्शन'' यूजीसी द्वारा संचयित, भारत सरकार, राशि : 8.46 लाख रुपये।

योजना शीर्षक ''स्क्सप्लोरिंग एक्स्ट्रीम सैलिन इनवाईरोन्मेंट टू अम्डरस्टैंड ट्रान्सपोर्ट मेडियेटेड आयोनिक लिक्वीड रेजिसटेंस मेकानिज्म बाई फंक्शनल मेटाजेनोमिक्स : ए स्टेप फॉरवार्ड टूवार्ड्स लिग्नोसेल्यूलोजिक बायोएनर्जी'' सीएसआईआर द्वारा संचयित, भारत सरकार, राशि : 22 लाख रुपये।

सुरेन्द्र कुमार गोन्द

योजना शीर्षक ''बायोप्रोस्पेक्टिंग ऑफ एण्डोफाईटीक फंगी फ्रॉम राओवोलफिया सर्पेन्टीना फॉर रेजरयाइन ऐण्ड एण्टीमाइक्रोबीयल्स फ्रॉम वेस्ट बंगाल, भारत''यूजीसी द्वारा संचयित, भारत सरकार, राशइ : 6.0 लाख रुपये।

नंदलाल मंडल

यूजीसी द्वारा संचयित स्टार्ट-अप ग्रान्ट, भारत सरकार, राशि : 6.0 लाख रुपये।

पूर्ण रूप से शिक्षकों। विद्वानों या विभाग द्वारा जीते गये एकाडमिक श्रेष्ठता (डीएसए या सीएएस इत्यादि के पहचान की तरह)।

सुधेन्दु मण्डल

उपराष्ट्रपति और शासन संबंधी काउंसिल सदस्य, प्लांट फिजियोलोजी फोरम, कोलकाता

सम्मानित अधिकारी और शासन संबंधी काउन्शील सदस्य, भारतीय विज्ञान समाचार संस्था, कोलकाता

सम्मानित कोषाध्यक्ष और शासन संबंधी काउंसिल सदस्य, पश्चिम बंगाल एकाडमी विज्ञान और टेक्नोलोजी का, कोलकाता

एक्सपर्ट मेम्बर, टेकनीकल एडवाईजरी कमीटी (टीएसी) ऑफ लाइब्रेरी, डाक्यूमेन्टेशन ऐण्ड इनफॉर्मेशन साइन्सेज डीवीजन ऑफ दि इण्डियन स्टैटिस्टिकल इंस्टिट्यूट, कोलकाता

एक्सपर्ट मेम्बर ऑफ दि कमीटी फार एसेसमेंट ऑफ दि प्रमोशन। कैरियर एडवान्समेंट ऐण्ड स्क्रीनिंग-कम-एसेसमेंट। एफसीएस ऑफ दि बोस इंस्टिट्यूट, कोलकाता

सदस्य, भारतीय विज्ञान समाचार संस्था के विज्ञान बातचीत और मिडिया प्रैक्टीस 2015 पर XXIX ट्रनिंग प्रोग्राम का आयोजित समूह, कोलकाता विज्ञान और टेक्नोलोजी विभाग द्वारा संचयित। प्रवर्तक, भारत सरकार, नई दिल्ली।

एडिटोरियल एडवाईजरी बोर्ड और रिव्यू मेम्बर ऑफ दि जर्नल : (ए) विज्ञान और संस्कार, (बी) करेंट विज्ञान का जर्नल (सी) पर्यावरण और इकोप्लैनिंग का भारतीय जर्नल, (डी) अंतर्राष्ट्रीय जर्नल मेन्डेल, (ई) लैण्डस्केप सिस्टम और इकोलोजीकल अध्ययन का भारतीय जर्नल, (एफ) एवरीमैन का विज्ञान, (जी) केन्द्र, (एच) वनस्पति का बांग्लादेश जर्नल और (आई) माइक्रोबायोलोजी का लिजेन्ड अवार्ड 2015 से सम्मानित किये गये जो पोस्ट-ग्रेजुएट इस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल एडूकेशन ऐण्ड रिसर्ज ऑफ डॉ॰ राम मनोहर लोहिया हॉस्पीटल, नई दिल्ली में 10-12 अक्टूबर 2015 के दौरान हुआ था वर्ल्ड साईन्स कांग्रेस फॉर आउटस्टैंडिग कंट्रीब्यूशन द्वारा आयोजित हुआ। जीव विज्ञान के आदर्श कारण में।

एक्सपर्ट मेम्बर फॉर दि सिलेक्शन कमिटि फॉर 956 इंथ जेबीएनएसटीएस (सिनियर टैलेन्ट सर्च) ऐण्ड फर्स्ट जुनियर टैलेन्ट सर्च प्रोग्राम ऑफ जेबीएनएसटीएस, कोलकाता।

काशीनाथ भट्टाचार्य

दूसरी बार भारतीय एरोबायोलोजीकल समाज के चुने गये राष्ट्रपति, 2015-2017

रूप कुमार कर

एडिटोरियल बोर्ड के जर्नल के सदस्य (ए) वर्ल्ड जर्नल ऑफ एगरीकल्चरल साइन्स (आईडीओएसआई) (बी) जर्नल ऑफ थियोरिटिकल ऐण्ड एक्सपेरीमेन्ट में बायोलोजी (एलियस एकाडमिक पब्लीशर्स) (सी) ऑस्टीन जर्नल ऑफ प्लांट बायोलोजी ईव्यूथर ऑफ इंटरनेशनल जर्नल (प्रोटोप्लाज्म, प्लांट ग्रोथ रेगुलेशन, जर्नल ऑफ एगरीकल्चरल साइन्स ऐण्ड टेक्नोलोजी, जर्नल ऑफ एग्रोनोमी ऐण्ड क्रॉप साइन्स, प्लोस वन, बॉटनी (कैनेडीयन जर्नल ऑफ बोटेनी)

नारायण चंद्र मण्डल

सुब्रत मंडल

''प्लांट ऐण्ड माइक्रोव : डाइवर्सिटी ऐण्ड यूटीलाइजेशन पर राष्ट्रीय सेमिनार'' के कोषाध्यक्ष और सदस्य आयोजित समूह के साथ, वनस्पति विभाग में हुआ था, विश्व भारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल 19-20 मार्च, 2016।

एडिटोरीयल एडवाईजरी बोर्ड के सदस्य : समाज और प्राकृतिक विज्ञान पर निरीक्षण के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल।

चौधरी हवीवुर रहमान

इण्डियन एसोसिएशन फॉर एंजियोस्पर्म टैक्सोनोमी (आईएटी) का फेलो।

एडिटोरियल बोर्ड के सदस्य : पारम्परिक ज्ञान और फॉक का जर्नल।

अभ्यास, जवाहरलाल नेहरू टीबीजीआरआई, पालोद, तिरूवंतपुरम, केरला।

जन्नेन्द्र रथ

एन आई एच (नेशनल इस्टिट्यूट ऑफ हेल्थ) फेलो एट स्कूल ऑफ फॉरमेसी, युनिवर्सिटी ऑफ मिसिसिपी।

बॉम्बा डैम

अंतर्राष्ट्रीय जर्नल के एडिटोरियल बोर्ड के सदस्य, ''माइक्रोब्स ऐण्ड हेल्थ'' वेटेरीनरी माइक्रोबायोलोजी ऐण्ड पब्लिक हेल्थ को लिए बंगलादेश समाज।

विद्वान

मेघा दत्ता मुड़ी

''प्लांट ऐण्ड माइक्रोव : डाइवर्सिटी ऐण्ड यूटीलाईजेशन पर राष्ट्रीय सेमिनार'' में पहला स्थान जीता और पोस्टर प्रस्तुति की, जन्तु विज्ञान, विभाग में हुआ था, विश्व भारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल 19-20 मार्च 2016।

पूर्ण रूप से विभाग

स्तर - 1 डीएसटी - एफआईएसटी ग्रान्ट स्वीकार किया (150.00 लाख रुपये)

यूजीसी डीएसआर भाग - 2 स्वीकार किया (86 लाख रुपये)

अप्रैल 2014 से मार्च 2015 के मध्य हुआ प्रकाशन

सुधेन्दु मण्डल

निरीक्षण दस्तावेज :

बेगम, नसरीन और मंडल, सुधेन्दु (2015) : स्टडीज ऑन दि लॉस ऑफ बायोडाइवर्सिटी डयू टू पैरासाइटिक एडेपटेशन इन सिलेक्टेड फंगी – एन ओवरव्यू । इन्ट.जर्न.कुर्र माइक्रोबायोल, एप्प.साइ. 4: प: 131-151 ।

सुधेन्दु (2015) : (2) सर्वे ऑफ प्लांटस इन दि रूशन बेल्ट ऑफ वीरभूम डीस्ट्रीक्ट, वेस्ट बंगाल वीथ रिफरेन्स टू पॉलीनेशन कैलेक्डर। इन्ट.जर्न.कुर्र.माइक्रोबायोल.एप्पल.साइ. 4:1118-1131 ।

भट्टाचार्य, कौस्तुब और मण्डल, सुधेन्दु (2015) : बर्द्धमान जिले के द्विबीजजाती जंगली खाने योग्य पौधों का चरित्र, पश्चिम बंगाल, जोर.इनोव फॉर्मास्यूटीकल/बायो.साई : 2:337-345

चौधरी, सुतपा, रहमान सी. हवीवुर और मंडल, सुधेन्दु (2015) : ऐथनोबोटानिकल स्टडी ऑफ सम सोलेनम एल. स्पेसिज वीथ सिफरेन्स टू फॉलियर माइक्रोमॉरफोलोजी ऐण्ड बुड एलीमेप्स। इन्ट, जोर.कर्रमाइक्रोबीयल एप साई, 4:582-596।

माइक्रोकोक्ला मरक्यूरियलिस बेन्थ - एक महत्वपूर्ण फॉक औषधि पौधे का फार्माकोगनोस्टीक विघटन और सप्टीमाइक्रो बियल क्रियायें। जोर बायोलोजी कृषि एवं स्वास्थ्य। 4(27) : 122-128।

(2015) : आईपोमिया कैरीका (एल) पर अध्ययन-एक होनहार एथनोमेडिसीनली महत्वपूर्ण पौधा। जोर. इनोव.फार्मास्टयूट बायो साई : 2:378-395।

दे, कृष्णनेंदु, मण्डल, सुब्रत और मंडल, सुधेन्दु (2016) : स्टडीज ऑन स्टीग्मा रिसेप्टीवीटी ऑफ ग्रेवीया एसियाटीका एल.वीथ रिफरेन्स टू इस्टरेज ऐण्ड परोक्सीडाईज एक्टीवीटी। इन्ट, जोर.इंग. रेज साई : 2: 120-123।

(2016) : स्टडीज ऑन इन विंट्रो पॉलेन जर्मनिशन ऑफ मित्राजीना परवीफोलीया (शेक्सब) कोर्थ.इन्ट. जोर.कर्र माइक्रोबियल एप. साई : 5:768-777।

(2016) : फ्लावर वीजीटर डाइवर्सिटी वीथ रिफेन्स टू पॉलेन ड्रेसस् ऐण्ड पॉलीनेशन ऑफ कैरीसा पपाया एल.इन्ट.जोर एडव.रेस बायोल.साई: 3:65-71।

मण्डल, एस. (2016) औषधि पौधों के सिफारिश के साथ भारत का वैज्ञानिक हेरीटेज (कीनोट एड्रेस। प्रोक. औषधि पौधों पर राष्ट्रीय सेमिनार, विद्यासागर विश्वविद्यालय, मिदनापुर,पीपी-26-30।

सुमित रे

निरक्षण दस्तावेज :

भट्टाचार्य, एस, रॉय, एस और रे एस.: 2016। पश्चिम बंगाल के दो गरम स्प्रींगो में से चुने गये मैटो के सायनोबैक्टेरीयल तत्व का प्रजातीय गठन, भारत-पहला विज्ञापन। फाइकोरस, 46 (1) : 32-39।

काशीनाथ भट्टाचार्य :

निरीक्षण दस्तावेज

सिमलाई ए, मुखर्जी के, मंडल ए, भट्टाचार्य के, रॉय ए. (2016)।

सदाबहार पौधा सेरीओप्स डिकेन्ड्रा के लकड़ी अलगांव में से एक एटीमाइक्रोबीयल क्रिया का अर्द्ध शुद्धिकरण और गुण। एक्सेलि जर्नल 15:103-112

ट्रीना चक्रवर्ती एवं भट्टाचार्य के (2015)। भारत में मेलीसोपेलीनोलोजीकल अध्ययन : एक पुनर्विचार पौधा विज्ञान का वार्षिक वृतान्त : 4.11:217-1222।

साहा मौली, चक्रवर्ती ए एवं भट्टाचार्य के, (2015)। पश्चिम बंगाल में चावल के फसल केनोपी के ऊपर मौसम कारकों और ऐरोमाइकोफ्लोरा के बीच सहसंबध, भारत। पेलीनोलोजी का जर्नल। 51:49-58।

मीर मुसरफ हुसैन, मंडल जे एवं भट्टाचार्य के (2015)। ऐरोबायोलोजीकल, क्लीनीकल और हम्यूनोबायोकेमिकल अध्ययन एल्सटोनिया एक्रोलस्सि पॉलेन पर। एनवाइरोन मोनीट एसेज। 186 (1), 457-467। डीओआई : 10.1007/एस10661-012-2744-4

साहा मौली, एवं भट्टाचार्य के। (2015)। उत्तर 24 परगना जिले में किसानों पर चावल क्षेत्र के ऊपर ऐरोमाइकोफ्लोरा और उनके एलर्जी प्रभाव, पश्चिम बंगाल, भारत। यूरोपियन ऐसपिरेटरी जर्नल, डीओआई : 10.11833/13993 033.2015.पीए 4101। 1 सितम्बर 2015 को प्रकाशित हुआ।

किताबें

घोष ए, भट्टाचार्य के एवं हेत.जी (2015)। वनस्पति विज्ञान का एक किताब विस्तार वॉल्यूम 3 न्यू सेन्ट्रल बु एजेन्सी (पी) लिमिटेड, लण्डन /कोलकाता । आईएसबीएन : 978-81-7381-965-0, पी.1072

भट्टाचार्य के, रहमान सी, एच एवं गुप्ता जोशी एच (2015)। वीरभूम जिला का जीवभिन्नता रजिस्ट्रर। रायपुर-सुपुर जी पी बाहीरी, जी.पी.,ईलामबाजार जी.पी. और रूपुर जी. पी. (बंगाली में) विस्तार 1-4 : वेस्ट बंगाल बायोडाइवसिटी बोर्ड, पर्यावरण विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार।

निर्मल्या बनर्जी :-

निरीक्षण दस्तावेज

सरकार जे, मंडल टी, बनर्जी एन और माइती रॉय ए। (2015) : एजेडिरेक्टा इण्डिया ए का जलीय और मिथानोलीक बीज अलगाव का प्रभाव जस पाइजम सैटिभम के बी पर। इण्डियन जर्नल ऑफ फण्डामेन्टल ऐण्ड अप्लाईड लाईफ साईन्स, 5 (3) : 1-5 आईएसएसएन: 2231-63450 ।

पॉल ए. और बनर्जी एन (2015) : बीज मॉर्फोमेट्रीक और जैव रसायन विघटन द्वारा उत्पन्न की तरह सौलेनम के कुछ औषधीय महत्वपूर्ण प्रजातियों का फाइलोजेनेटिक भिन्नता और संबंध। एडवांडस्ड निरीक्षण का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 3(7) : 1403-1409। आईएसएस 3 2320-5407

पॉल ए और बनर्जी, एन (2015) : मॉफोलोजीकल, जीव-रासायनिक, साइटोलोजीकल पैरामीटर्स पर आधारित सोलेनम-की कुछ प्रजातियों का फाइलोजेनेटिक सम्बन्ध। मौलिक और व्यावहारित जीव विज्ञान का भारतीय जर्नल 5(3) 3 51-56, आईएसएसएन : 2231-6345।

मजूमदार एम, और बनर्जी एन : (2015) । कुछ मरूस्थलीय ऑस्कीडस के बीच उत्पत्ति और बीज वृद्धि के लिए प्रभावित पौष्टिक आवश्यक और विट्रो एप्रोच। पुलिया टीमे, (ईडी) बायोटिब नोलिजिकल एप्रोचेस जीवन धारण योग्य वृद्धि के लिए। रिजेन्सी प्रकाशन, दिल्ली पीपी 83-140।

बनर्जी एन, और मजूमदार एम (2015)। ऑरकीड जर्मप्लाज्म: इसके ऐतिहासिक दृश्य, औषधि महत्व संभव संरक्षक स्ट्रेटेजिस। हुसैन एस ई और साहा सम (ईडीए) भारत का असाधारण औषधि तरीका : एक क्रॉस-डिसिप्लीनरी एप्रोच, पीपी-257-औषधि तरीका : एक क्रॉस डिसिप्लीनरी एप्रोच, पीपी-257-267-आईएसबीएन : संख्या 978-93-80617-62-7।

चट्टोपाध्याय पी और बनर्जी सन। (2015)। इन सिलिको-रि-ईवैल्यूएशन ऑफ डीएनए सिक्वेन्सेज फॉर ड्राईग फाइलोजेनी ऑफ ऑरकीडस वीथ स्पेशल इम्फेसिस ऑन डेन्ड्राबियम एसडब्लू, इन पुलिया टी (ईडी) बायेटेक्नोलोजीकल स्प्रोच जीवन धारण योग्य वृद्धि के लिए। रिजेन्सी प्रकाशन, दिल्ली, पीपी 55-82।

रूप कुमार कर

निरीक्षण दस्तावेज

सिंह. के.एल, ए.चौधरी और आर.के. कर। 2015-बीजोरोपण के समय पर ऑक्सीडेज की भूमिका और कक्ष में सीए2 को वृद्धि। प्लांटा, 242:997-1007। डीओआई 10.1007/एस 00425-015-2338-9

पाल एल और आर.के.कर 2015, मूंग बीन। वीजना रेडियाटा (एल) वील्सजेक) बीजों के उत्पत्ति को देखते हुए कोटीलेडन्स के सिनेसेन्स पर एक्सेज का सह-संबंधी प्रभाव। अस्टीन जर्नल प्लांट जीवविज्ञान का (पहले ऑनलाइन)

मजूमदार ए और आर के कर. 2015 हाइड्रोला वर्टीसिलाटा (एलएफ) रोयेल के पत्तों में नीला प्रकाश-तीब्र क्लोरोप्लास्ट एबोयडेन्स गतियों में आरओएस और सीए2+ की भूमिका। डीओआई 10.1007/300709-015-0911-5।

नारायण चंद्र मंडल

निरीक्षण दस्तावेज

घोष और, बर्मन एस, मुखर्जी आर और मण्डल, एन.सी. (2016) लाइकोपोडियम सरन्यूम के सफल कोलोनाईजेशन और वृद्धि बढ़ाव के लिए फॉस्फसेट धुलित बुरखेलडेरिया एस पीपी की भूमिका। (लाइकोपोडीयासी) पश्चिम बंगाल के वीरभूम जिले के लैटरिटीक बेल्ट में।

माइक्रोबायोलोजीकल निरीक्षण (एलसेवियर) 183:80-91। प्रभाव कारक : 2.57।

घोष आर, बर्मन, एस, खातुन, जे और मंडल, एन.सी.(2016) बायोलोजीकल कंट्रोल ऑफ एल्टरनाटा एल्टरनाटा प्लॉजिंग लिफ स्पोट डिजिज ऑफ एलोवेरा यूजिंग टू स्ट्रेन्स ऑफ राइजोबेक्टेरिया। बायोलोजीकल कंट्रोल (एलसेवियर) 97:102-108. आईएफ : 2.059।

बरूआ, एस, बनर्जी, पीपी, साधु, ए, सेनगुप्ता, ए, चटर्जी, एस.सरकार, एस.बर्मन, एस.चट्टोपाध्याय, ए, भट्टाचार्य, एस, मंडल, एन.सी. और कारक, एन : (2016) इन्सानी छाती, सर्वाइकल और मौखिक कर्क कोशिकाओं के खिलाफ एन्टीबैक्टेरियल और एण्टीकैसर पदार्थ सिल्वर नैनोकणों की तरह।, नैनो-विज्ञान और नैनोटेक्नोलाजी के जर्नल (एएसपी) 16:1-9।

भौमिक, एस, दत्ता, बी0के, साहा, ए0के0, चकमा, पी और मंडल, एन0 सी (2016) हरित गठन।

एनटीएफपी पौधो में से सिल्वर नैनोकणों का। नोटूले साइनटीय। बाथोलोजीसी (एकाडमिक प्रेस) 8:106-11।

मंडल, एन.सी (2015) माइकोसेस के उपचार के लिए एण्टीफंगल एजेंटस। वनस्पति विज्ञान के एनबीयू जरनल 9:14-17

बासु सर्वाधिकारी, एस, भौमिक, एस, दत्ता, बी के और मंडल एन सी (2015) त्रिपुरा के दो असाधारण एन्जियोस्पर्म प्रजातियों के पत्ती अलगाव के एण्टीमाइक्रोबियल और एण्टीऑक्सीडेन्ट क्रियायें। करेट माइक्रोबायोलोजी और एपलाईड साइन्स का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल 4:643-655

मित्रा, पी, मंडल, एन सी और आचार्य के (2015) पॉलीफेनोलीक एक्सट्रेक्ट ऑफ टर्मिटोमाइसिस हेमीएण्टीऑक्सीडेन्ट एक्टिवीटी ऐण्ड फाइटोकेमिकल कंस्टीट्यूटेस। जे भर्वर.लेबेन्सम डीओआई 10.1007/एस 00003-015-0976-2 (स्प्रींगर)। एफ:0.719।

मित्रा, पी, मण्डल, एन.सी और आचार्य के (2015) टर्मीटोमाइसिस धीमी के इथानोलिक सारो का जैवतत्व और जैविकव्यूह, एशियन जर्नल ऑफ फार्मास्यूटिकल ऐण्ड क्लीनिकल रिसर्च 8:331-334।

बासु सर्वाधिकारी, एस और मंडल, एन.सी. (2016) स्कीमा वालिची (डीसी) के पत्ति सारों का उपयोग कोर्थ और मेलास्टोमा मालाबाथक्रिकम एल-सेलैनासियस फसलों के वास्कुलर वील्ट को काबू करने का एक दूसरा स्ट्रेटेजी। पौधा विज्ञान में कंटेमपोररी वृद्धि पर राष्ट्रीय सेमिनार, यूजीसी-सीएएस वनस्पति विभाग द्वारा, बर्दवान विश्वविद्यालय

स्वदेश रंजन विश्वास

निरीक्षण दस्तावेज

मित्रा, एस, मुखोपाध्याय, बी.सी.मंडल, एस.आर, आरूख, ए.पी. चक्रवर्ती, के, दास जी के, चक्रवर्ती पी.के. 2015। जियोबैसिलस प्रजाति में से एक आदर्श अलकेलीथर्मोसटेबल जाइलानेज का क्लोनिंश, ओवरऐक्सप्रेशन और गुण। डब्लूबीआई बेसिक माइक्रोबोयोलोजी का जर्नल 58:527-537।

आरूख, ए.पी., मुखोपाध्याय, बी.सी. मित्रा, एस, विश्वास, एस.आर 2015 लैक्टोबैसिलस फरमेन्टम एम, आई में ? गैलेक्टोसीडेज का एक गठित अनियमित भाव। करेंट माइक्रोबायोलोजी.70:253-259।

सुब्रत मंडल

निरीक्षण दस्तावेज

द्ता मुड़ी, एम और मंडल, एस (2015)। रिसिनस कम्यूनीस के इन वीट्रो पॉलेन उत्पत्ति और पॉलेन टयूब वृद्धि पर कुछ भारी धातुओं का प्रभाव पर अध्ययन जे पोलीनोल 51:59-65

घण्टा, आर, और मंडल, एस (2015) इक्सोरा आरबोरिया रोक्सब का सर्केडियन पर्यावरण पॉलेन घटना, उदाहरण प्लोरल बायोलोजी के सिफारिश के साथ। पॉलेन स्पोर निरीक्षण में एडवान्सेज 31.1.8।

दे, के, मण्डल, एस और मण्डल, एस (2016)। कैरिसा पपाया एल का पॉलेन डिसपर्सल और पॉलिनेशन के सिफारिश के साथ-प्लावर-वीजीटर डाइवर्सिटी। इन्ट जे.एडभ.रेस बायोल साई 3 (2) : 65-71।

दे, के, मण्डल, एस और मण्डल एस (2016)। ग्रेवीया एसियाटीका एल का प्लावर-वीजीटर इंटरएक्शन और फल उत्पत्ति इन्ट,जे, कर्र, माइक्रोबायोल एप.साई 5(1) : 761-767।

दे, के, मण्डल, एस और मंडल, एस (2016) मित्रा जीना पर्वीफोलिया का इन वीट्रो पॉलेन उत्पति पर अध्ययन कोर्थ इन्ट.जे.कर्र माइक्रोबायोल एप, आई 5(1) : 768-777।

घण्टा, आर और मण्डल, एस (2016) एलो बार्बीडेनसीस मील का पॉलेन और मण्डल, एस (2016) एलो बार्बीडेनसीस मील का पॉलेन उत्पत्ति पर इन विट्रो अध्ययन इन्ट.जे कर्र.साई 19(2) : ई-146-153।

घण्टा आर, और मंडल, एस (2016), एलेनजीयम साल्वी-फोलियम को सिर्काडियन इंटरएक्शन्स के रिफरेन्स के साथ जे पालिनोल (स्वीकृत)

दत्ता मुड़ी, एम और मंडल, एस (2016) क्रॉटोन टीग लीयम एल के इन वीट्रो उत्पत्ति पर कुछ पौष्टिको का प्रभाव एल.जे. पालिनोल (स्वीकृत)

चौधरी हवीवुर रहमान

निरीक्षण दस्तावेज

रहमान सी.एच और पाल.के. (2015) हीवीसकस सबडैरीफा का फाइटोकेमिकल और एप्टीटॉक्सीडेन्ट अध्ययन एल-एन इथनोमेडीसीनल पौधा। फार्मास्यूटीकल निरीक्षण का भारतीय-अमेरिकी जर्नल, विस्तार 5, संख्या-4 1454-14622। अप्रैल, आईएसएसएन : 2231-6876।

मण्डल, एस, और रहमान, सी.एच (2015) जाट्रोफा नाना वार का नया रिंकॉर्ड बैंगालेन्स सी एच रहमान एवं एस मण्डल (यूफोरबीयासी) झारखण्ड राज्य के लिए,भारत, नन-टीम्बर जंगल उत्पादकों के जर्नल। 22 (1) : 17-20 अप्रैल, आईएसएसएन : 0971-9415 ।

कर्मकर, एस और रहमान, सी एच (2015) नया विभाजित रिकॉर्ड, पैरिसटाइलस कांन्सट्रीक्टस (लिन्दल) लिदंल का दक्षिणी पश्चिम बंगाल से, भारत, नया जैविक विज्ञापन का जर्नल। 4(2) : 159-161। जून, आईएसएसएन : 2319-

1104।
पाल.के. और रहमान, सी.एच (2015)। फाइटोकेमिकल और एण्टीऑक्सीडेन्ट अध्ययन जसटीसीया जेनडारूसा बर्म का। एफ.एन अथनोमेडिसिनल पौधा। फार्मारस्यूटीकल विज्ञान और निरीक्षण का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 6(8) : 3454-62 अगस्त, आईएसएसएन : 0975-8232 ।
प्रधान बी. और रहमान सी एच (2015), वीरभूम जिले के डेसीडयूअस जंगल तीन ट्रॉपिकल में, पौधा प्रजातियों पर फाइटोसोसियोलोजीकल अध्ययन, पं0 बंगाल, भारत। जीव-भिन्नता और पर्यावरण विज्ञान के जर्नल। 7(2) : 22-31, अगस्त, आईएसएसएन : 2222-3045 ।
रहमान, सी.एच, प्रधान, बी और मंडल, एस (2015)। यूलोफीआ एक्सप्लाटा लिदंल का नया रिकार्ड। (ओरकीडेसी) पं0 बंगाल राज्य के लिए, भारत। भारतीय जंगल, 41 (8) 902-904। अगस्त,आईएसएसएन : 0019-4816
साहा, एस, मंडल, एस के और रहमान, सी.एच (2015) मिकानिया माइक्रांथा कुण्ठ का एनाटो-फार्माकोगनिरिस्टेक अध्ययन 5 एक आशाजनक औषधिय क्लाइम्बर एस्टरेसी परिवार का। आयुर्वेद और फॉर्मेसी का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल 6(6) : 773-780। नवम्बर, आईएसएसएन : 2229-3566 ।
मंडल एस.के. और रहमान सी.एच (2016) वीरभूम जिले के इथनोवेटेरीनीर औषिधीय पौधों के बारे में पारंम्पारिक ज्ञान का डॉक्यूमेंटेशन और कंनसेनसस, पं0 बंगाल (भारत)। लाइवस्टोक निरीक्षण का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल 6(1) : 43-56। जनवरी, आईएसएसएन : 2277-1964।
घोष पी, और रहमान, सी.एच.(2016) साइनोटीस ट्यूबरोसा के एरियल और जड़ भागों का फार्माकोगनोस्टीक अध्ययन और फाइलोकेमिकल घुमाव (आरओएक्सबी), स्कुल्ट एवं स्कुल्ट-एफ-एक इथनोमेडिसिनल हर्व। फार्मास्यूटिकल निरीक्षण का विश्व जर्नल 5(2) 3 1580-(601) फरवरी, आईएसएसएन : 2277-7105

सोमा सुकुल नी चुनरी

निरीक्षण दस्तावेज

सुकुल सोमा, मण्डल संधिमिता और सुकुल निर्मल चंद्र : 2015 ए पोटेन्टाइज्ड ड्रग बढ़ाता है वृद्धि चावल में एक क्षेत्रीय अध्ययन जे अल्टरनेटिव मेड रेस : 7(4) : 337-344।
सुकुल सोमा, सुकुल निर्मल चन्द्र और सुकुल अनीरबन 2015, कॉपर सल्फेट-एट अल्ट्रा हाई डाइल्यूशन काउन्टर्स एन्टीऑक्सीडेटीव रियेक्शन्स ऑफ कॉपर इन विजना अनगुईकुलाटा एल.जे. अल्टरनेटिव मेड रेसः 7(4) : 345-351।
पाल नंदिता और सुकुल सोमा, 2015। प्टेरिस विट्टाता लिन के स्पोर उत्पत्ति में कॉपर का प्रभाव, व्यावहारित और शुद्ध विज्ञान और कृषि का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 1(8) : 114-118 ।
घोष मृनमॉय और सुकुल सोमा 2015। पं0 बंगाल में हुगली जिले के चार एपीफाईटीक प्टेरिडोफाईप्स का एक इकोलोजीकल सर्वे एवं इथनोबोटानिकल अध्ययन। व्यावहारित और शुद्ध विज्ञान और कृषि का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 1(12) : 115-122।

हेमा गुप्ता (जोशी)

निरीक्षण दस्तावेज

मालाकर एस.गुप्ता (जोशी) एच और कुमार एम.एल.2015 रानीगंज कोंयला क्षेत्रों में ओवरबर्डेन डमप्स के एक आयु सिरिज के प्रजातिय गठन और कुछ भौतिक-रसायन गुण, पं0 बंगाल, भारत। पर्यावरण विज्ञान में वैज्ञानिक निरीक्षण का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 3(7) : 0239-0247 ।

अंजालिका रे

निरीक्षण दस्तावेज

एजेडीराचटा इण्डिकाय जस का बी सार मिथानालीक और जलीय का प्रभाव। पाईजम के बीजों पर सैटीवम। जीता सरकार,

टुस्टु मंडल, निर्मल्या बनर्जी और अंजलिका माईती रॉय, मौलिक और व्यावहारित जीवन विज्ञान का भारतीय जर्नल । 2015 विस्तार 5:1-5।

विभाग द्वारा आयोजित आविष्कारित नया कोर्स / करीकुलम या कोई अन्य शिक्षित इनोवेशन्स :

2011-2012 से भाग एम.एस सी कोर्स बनस्पति विज्ञान में सीबीसीएस सेमेस्टर सिस्टम के अंदर लाया गया यूजीसी के नक्शेकदम पर चलते हुए और पूरे करीकुलम का विषय पुनर्निर्माणित हुआ (चार सेमेस्टर के अन्तर्गत) विषय में ज्ञान के रिसेंट एडवांसमेंट को ध्यान में रखते हुए। इवैल्यूएशन के लिए क्रेडिट प्वाइंट सिस्टम भी स्वीकार किया गया है।

वृद्धि के लिए भविष्य योजनाओं की संबोधन के साथ विभाग की वृद्धि पर एक छोटा इतिहास

वनस्पति विभाग, विश्व-भारती वनस्पति विज्ञान में अण्डग्रेजुएट कोर्स शुरू किया था 1965 में और वनस्पति विज्ञान में 1969 में पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स शुरू किया था। बाद में, जीवन-विज्ञान का विद्यालय जन्तुविज्ञान विभाग और करीकुलम की वृद्धि के साथ बदल गया है। सारे गोलों में बायो-टेक्निकल एप्रोच पर करेंट खोज के ध्यान के साथ, 1997 में एक पोस्टग्रेजुस्ट कोर्स बायोटेक्नोलोजी में भी आविष्कारित हुआ जीवन विद्यालय के अंतर्गत दोनों वनस्पति विभाग और जन्तुविज्ञान विभाग और अन्य वैज्ञानिक विभागों को साथ लेते हुए। भविष्य में विभाग आधुनिक विज्ञान के मांगीत क्षेत्रों में निरीक्षण क्रियाओं ओर नये कोर्स के आविष्कार का योजना बना रहा है। विभाग के शिक्षक विषय को नया और अपने प्रैक्टीकल कक्षाओ में आधुनिक टेक्नीक्स को जोडने के लिए सारे मापन विधियाँ ले रहे हैं।

स्टैटिस्टिक्स विभाग

विभाग 1999 में अण्डर ग्रेजुएट अध्ययन के साथ स्थापित हुआ था। पोस्ट ग्रेजुएट अध्ययन 2003 वर्ष में आरम्भ हुआ था, हाल में, स्टैटिस्टिक्स में बी.एस. सी (ऑनर्स) एम.एस.सी और पी एच डी के कोर्स का प्रस्ताव दिया।

10 जुलाई 2015 : स्टैटिस्टिक्स में रिसेंट वृद्धि पर सेमिनार भाषण, वक्तायें : (1) प्रोफेसर ज्योतिरमॉय सरकार, इण्डियाना विश्वविद्यालय - पुंरडियू विश्वविद्यालय, इण्डियानापालिस, यूएसए, (11) डॉ0 सुब्रत कुण्डु, जॉर्ज वांशिंगटन विश्वविद्यालय, यू एस ए (111) डॉ समरजीत दास, आईएसआई, कोलकाता 15 जनवरी 2016 : 21वें सेन्चूरी में गणित विज्ञान पर सेमिनार भाषण: डॉ0 सौरिश दास, चेन्नई गणित इस्टिट्यूट, भारत।

सभा / सेमिनार / वर्कशॉप / प्रदर्शनी इत्यादि

सुधान्शु एस माइती

22 अप्रैल 2015 : ''मैनेजमेंट रिसर्च मेथडोलोजी'' पर एकेटीई प्रवर्त्तक विभाग वृद्धि प्रोग्राम के लिए रिसोर्स परसन जेआईएस कॉलेज एंजिनियरिंग ऐण्ड मैनेजमेंट में, कल्यानी। 21-23 दिसम्बर 2015 : ''ऑडस जेनरलाइज्ड एक्सपोनेनशियल डिस्ट्रीब्यूशन ऐण्ड ईट्स एप्लीकेशन'' शामिल हुए और एक दस्तावेज प्रस्तुत किये, आईएमबीआईसी में हुए मैथेमैटिकल साईन्सेज फॉर एडवान्समेंट ऑफ साइन्स ऐण्ड टेक्नोलोजी पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार, कोलकाता, भारत।

28-31 दिसम्बर 2015 : ''जेनरलाइज्ड प्रोसेस कैपोबिलिटी इंडेक्स ऐण्ड इट्स स्टैटिस्टिकल इनफरेंस'' शामिल हुए ओर एक दस्तावेज प्रस्तुत किये और स्टैटिस्टिक्स विभाग में हुए इंटरनेशनल ट्रीनियल कैलकेटा सिमपोसियम ऑन प्रोबेबीलिटी ऐण्ड स्टैटिस्टिक्स में भाग को सभापतित्व किये, कैलकेटा विश्वविद्यालय, कोलकाता।

28-29 फरवरी 2016 ए जेन स्लाइड्ज प्रोसेस कैपेबलिटी इंडेक्स व्हीच इन्क्लूडस दि स्डैंडर्ड वन्स'' शामिल हुए और भाषण दिये प्रेसिडेन्सी विश्वविद्यालय में हुआ था, पं0 बंगाल राज्य विज्ञान और टेक्नोलोजी कांग्रेस-2016, कोलकाता।

03-05 मार्च 2016 : ''ऑडस जेनेरलाइज्ड एक्सपोनेन्शियल यूनीफॉर्म डिस्ट्रीब्यूशन ईटस एप्लीकेशन'' में शामिल और भाषण दिया रिसेंट एडवांसेज इन स्टैटिस्टिकल टूल्स फॉर एगरीकल्चर ऐण्ड स्लाईड साईन्स पर राष्ट्रीय सेमिनार में बीसीकेभी में हुआ था, कल्याणी, नदिया।

18 मार्च, 2016 : स्टैटक्विस्ट-2016 में भाग का सभापतित्व किया ओर एक एक्सपर्ट सदस्य की तरह शामिल हुए, स्टैटिस्टिक्स विभाग' कैलकेटा विश्वविद्यालय।

28-29 मार्च 2016 ''जेनराइज्ड रिलाईएबीलिटी एक्सेपटेन्स सैम्पलिंग प्लान बेस्ड ऑन परसेनटाईल्स'' शामिल हुए और भाषण दिये पं0 बंगाल में हुए प्रोबेबिलिटी और स्टैटिस्टिक्स पर राष्ट्रीय सेमिनार में भाग का सभापतित्व हुआ, बारासात।

काशीनाथ चटर्जी

03 नवम्बर 2015 : स्टैटिस्टिक्स विभाग में कोलोक्यूयिम बातचीत पर भाषण दिये,यूनान विश्वविद्यालय कनमींग में, चीन।

15 जनवरी 2016 : गणित विज्ञान के विभाग कोलोक्यूयिम बातचीत पर भाषण दिया, जॉर्जिया साउदर्न।

अरिन्दम चक्रवर्ती

22 दिसम्बर 2015 : ज्वाइंट मॉडेलिंग ऑफ लॉंगिट्यूडिनल डाटा सबजेक्ट टू पार्शियल लिनियर मिक्स्ड इफेक्टस मॉडल ऐण्ड टाइम-टू-इवेन्ट'' शामिल हुए और भाषण दिया सेलिब्रेटिंग स्टैटिस्टिकल कनोवेशन ऐण्ड इम्पैक्ट इन ए वर्ल्ड ऑफ बीग ऐण्ड स्मॉल डेटा ऑरगनाइज्ड बाई आईआई एसए ऐण्ड यूनिवर्सिटी ऑफ पूने पर अंतर्राष्ट्रीय सभा में सभापतित्व किये, पूने, भारत।

29 दिसम्बर 2015 : ''एप्लीकेशन ऑफ ईक्यूटीएल मैपिंग फॉर आईडेन्टीफीकेशन ऑफ हॉट-स्पॉट यूजिंग एन एमपिरीकल

बायेस मिक्सचर मॉडल'' पर भाषण दिया 9वें अंतर्राष्ट्रीय ट्रीनियल कैलकेटा सिमपोसियम ऑन प्रोबेबीलीटी ऐण्ड स्टैटिस्टिक्स में, स्टैटिस्टिक्स विभाग द्वारा आयोजित, कैलकेटा विश्वविद्यालय और सीएसए, भारत।

तीर्थंकर घोष

11-12- जून 2015 : इमप्रुवमेंट ऑफ हरीकेन फोरकास्ट यूजिंग दि मल्टीमॉडल सुपरेन्सेबल ऐण्ड ए सूट ऑफ मिजोस्केल मॉडल्स : रिव्यू'' शमिल हुए और भाषण दिये हरिकेन फोरकास्ट इमप्रूवमेंट के वार्षिक रिव्यू मिटिंग में मियामि विश्वविद्यालय, प्लोरिदा, यूएसए।

3-5 मार्च 2016 : ''ए स्टडी ऑन यूजफुलनेस ऑफ न्यूट्रल नेटवर्क्स फॉर टाइम मॉडलिंग'' शामिल हुए और एक दस्तावेज प्रस्तुत किये रिसेन्ट एडवांसेज इन स्टैटिस्टिकल टूल्स फॉर एगरीकल्चर ऐण्ड एलाईड साइन्स में, कल्याणी में हुआ था। पश्चिम बंगाल, भारत।

28-29 मार्च 2016 : ''ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑन टाइम सिरिज फौरकास्टिंग थ्रू स्टेटिस्टिकल ऐण्ड आर्टिफिशियल न्यूरल नेटवर्क टेक्निक्स'' शामिल हुए और एक दस्तावेज प्रस्तुत किये दो दिन प्रोबेबिलिटी और स्टैटिस्टिक्स पर राष्ट्रीय सेमिनार में, पश्चिम बंगाल राज्य विश्वविद्यालय, बारासात, पश्चिम बंगाल, भारत, साल्ट लेक में हुआ था, कोलकाता, भारत।

सरन इशिका माइती

20 नवम्बर 2015 : ''ताउ प्रोपोरसनेट फॉर्म ऑफ कॉनजेनेरीक टेस्ट इन टेस्ट रिलाईबिलिटी थियोरि'' पर विश्वविद्यालय कोलोक्यूयिम वक्ता की तरह सेमिनार भाषण दिया, गणित विज्ञान विभाग में, इण्डियाना विश्वविद्यालय-पुरूदियू विश्वविद्यालय इण्डियानापोलिस में (आईयूपीयूआई), यू एस ए।

20-24 दिसम्बर 2015 : ''सम इंट्रोस्पेक्शन्स ऑफ इक्ववल-रो - सम कोवैरियेन्स स्ट्रक्चर'' पर निमंत्रित वक्ता की तरह भाषण दिये पूने में हुए अंतर्राष्ट्रीय इण्डियन स्टैटिस्टिकल एसोसिएशन सभा में, भारत।

28-31 दिसम्बर 2015 : ''ए सिमेट्रिक सिम्पल रैण्डम वाक ऑन ए फाईनाईट लिनियर चेन ओर ऑन ए फाईननाईट क्लोस्ड लूप'' पर योगदान वक्ता की तरह भाषण दिये कैलकेटा स्टैटिस्टिकल संस्था और स्टैटिस्टिक्स विभाग द्वारा घोषित 9वें अंतर्राष्ट्रीय ट्रीनियल कैलकेटा सिमपोसियम में, कैलकेटा विश्वविद्यालय।

17 मार्च 2016 : ''स्टेयरकेस इक्वल-रो-समस्ट्रक्चर ऑफ कोवैरियेन्स मैट्रिक्स-एन ऑव्जरवेशनल मॉडल बेस्ड स्टडी'' पर कोलोक्युयिम वक्ता की तरह सेमिनार भाषण दिया पब्लिक स्वास्थ्य विभाग में, लूईसविले विश्वविद्यालय, केन्टकी, यू एस ए।

सौमाल्या मुखोपाध्याय

16-18 नवम्बर 2015 : ''ए मोडिफाईड टेस्ट स्टैटिस्टिक फॉर टोस्टिंग इक्वालिटी ऑफ ग्रोथ बिहेवियर ऑफ ए स्पेसिज अंडर डिफरेंट कंडीशन्स'' शामिल हुए और एक दस्तावेज प्रस्तुत किये। आईएसआई में हुए भारत जीवभिन्नता मिट में, कोलकाता, भारत।

19-20 नवम्बर 2015 : ''ए नोट ऑन रिलेटिव ग्रोथ-रेट इन इकोलोजीकल मॉडलिंग : इर्टस डिस्ट्रीब्यूशन ऐण्ड रिलेटेड इंफरेन्स प्रोबल्मस'' शामिल हुए और एक दस्तावेज प्रस्तुत किये सेन्टर फॉर मैथेमेटिकल बायोलोजी ऐण्ड इकोलोजी में हुए मैथेमेटिकल और थियोरेटिकल बायोलोजी पर राष्ट्रीय सेमिनार में, स्टैटिस्टिक्स विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, जीवगणितीय समाज भारत के साथ मिश्रण में।

28-31 दिसम्बर 2015 : ''जेनरलाइज्ड मिन एज ए रोबस्ट एस्टीमेटर ऑफ पॉपुलेशन लोकेशन'' शामिल हुए और एक दस्तावेज प्रस्तुत किया स्टैटिस्टिक्स विभाग में हुए प्रोबेबिलिटि और स्टैटिस्टिक्स पर 9वें अंतर्राष्ट्रीय ट्रीनियल कैलकेटा सिमपोसियम में, कैलकेटा विश्वविद्यालय, कोलकाता, भारत।

सौरभ राणा

16-18 नवम्बर 2015 : ''भारत जीवभिन्नता मिट-2015'' में शामिल हुए कृषि और इकोलोजीकल निरीक्षण इकाई द्वारा आयोजित, आईएसआई, कोलकाता, जीवगणितीय समाज भारत के साथ जुड़ा हुआ।

19-20 नवम्बर 2015 : ''नेशनल कानफरेंस ऑन मैथेमेटिकल ऐण्ड थियोरेटिकल बायोलोजी (एनसीएमटीबी 2015) पर राष्ट्रीय सभा'' में शामिल हुए सेन्टर फॉर मैथेमेटिकल बायोलोजी ऐण्ड इकोलोजी द्वारा आयोजित, गणित विभाग, भारत के जीवगणितीय समाज के साथ जादवपुर विश्वविद्यालय जुड़ा हुआ।

एकाडमिक श्रेष्ठता

सुधांशु माइती

चुने गये सदस्य, काउंसिल ऑफ डायरेक्टर्स, कैलकेटा।

स्टैटिस्टिकल एसोसिएशन, 2016 के लिए कोलकाता।

सदस्य, पीजी बोर्ड ऑफ स्टडीज, स्टैटिस्टिक्स विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, त्रिपुरा।

जर्नल के लिए पुनर्विचार (ए) स्टैटिस्टिक्स और प्रोबेबिलिटी पत्र (बी) व्यावहारित स्टैटिस्टिक्स का जर्नल

(स) व्यावहारित प्रोबेबीलीटी और स्टैटिस्टिक्स का जर्नल

(द) आईएपीक्यूआर ट्रांनजैक्शन्स (ई) डेटा विज्ञान का जर्नल

(एफ)रिलाईबीलीटी और स्टैटिस्टिकल अध्ययन का जर्नल।

काशीनाथ चटर्जी

स्टैटिस्टिक्स विभाग को देखे, सेन्ट्रल चाइना नॉरमल युनिवर्सिटी, वुहान, चीन वीजिटिंग वैज्ञानिक की तरह 25 अक्टूबर, 2015 से 3 नवम्बर 2015

स्टैटिस्टिक्स विभाग को देखे, कनमिंग में यूनान विश्वविद्यालय 3 नवम्बर 2015 से 5 नवम्बर 2015

गणित विज्ञान विभाग देखे, जॉर्जिया साउदर्न युनिवर्सिटी, स्टेटसबोरी, जॉर्जीया 11 जनवरी 2016 से 22 जनवरी 2016।

बायोस्टैटिस्टिक्स विभाग देखे, जॉर्जिया रिजेन्ट विश्वविद्यालय 7 जनवरी 2016 से 10 जनवरी 2016 कोलेबोरेटिब निरीक्षण के लिए।

''कृषि स्टैटिस्टिक्स के भारतीय समाज के जर्नल'' के सहायक लेखक की तरह कार्य किये।

जर्नल्स के लिए पुनर्विचार (ए) स्टैटिस्टिक्स और प्रोबेबिलीटी पत्र (ब) स्टैटिस्टिक्स प्लैनिंग और इंटरफरेन्स का जर्नल (स) कम्यूनिकेशन्स इन स्टैटिस्टिक्स : थिचोरी ऐण्ड मेथडस (डी) विज्ञान चीन गणित।

अरिन्दम चक्रवर्ती

कोनवेनर, स्टैटिस्टिवक्स के रिसेंट वृद्धि पर एक दिन का भाषण 10 जुलाई 2016 को।

चेन्नई मैथेमेटिकल इंस्टिट्यूट (सीएमआई) देखे 13-20 दिसम्बर 2015।

सरन इशिका माइती

साइकोलोजी का विभाग देखे,लूईसविले विश्वविद्यालय, केन्टकी 18-20 मार्च 2016।

जर्नल का पुर्नर्विचार : व्यावहारित स्टेटिस्टक्स का जर्नल, स्टैटिस्टिक्स एण्ड प्रोबेबीलिटी का जर्नल।

सौमाल्या मुखोपाध्याय :

प्रकाशन

निरीक्षण दस्तावेज

सुधांशु एस माइती

माइती एस एस और प्रामाणिक, एस (2015) ऑडस जेनरलाइज्ड एक्सपोनेनशियल-एक्सपोनेनशियल डिस्ट्रीब्यूशन सूचि विज्ञान का जर्नल, 13 (4), 733-754।

माइती एस.एस मुर्मु, एस और चट्टोपाध्याय, जी (2015) : इनफरेंस ऑन रिलाई बीलीटी फॉर टू-पैरामिटर जियोमेट्रिक डिस्ट्रीब्यूशन, कृषि और स्टैटिस्टिकल विज्ञान का अंन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, 11(2), 291-300।

दे. एस. दे.टी और माइती एस एस (2015) : बायेस श्रीकेंज एस्टीमेशन ऑफ दि पैरामिटर ऑफ रैली डिस्ट्रीब्यूशन फॉर प्रोग्रेसिव टाइप-II सेन्सर्ड डेटा, स्टैटिस्टिक्स का ऑस्ट्रीयन जर्नल, 44,3-15।

काशीनाथ चटर्जी

चटर्जी, के और क्यूआईएन-एच-डब्लू, जेड (2016) : यूनिफॉर्मिटी पैटर्न ऑफ एसिमेट्रिक फ्रेक्शनल फेक्टोरियल, जे सिस्ट साइ काम्पलेक्स, 29,499-510 ।

चटर्जी के कुकुवीनस, सी और पारपुला, सी. (2016) : कम्प्यूटर एडेड अनबैलेन्डस सुपरसेचुरेटेड डिजाइन्स इनवोल्वींग, स्टैटिस्टिक्स कम्प्यूटेशन और सिमुलेशन का जर्नल 86 (4) 756-770

जाना, एन. कुमार. एस और चटर्जी के (2016) : बायेस एस्टीमेशन फॉर एक्सपोनेनसियल डिस्ट्रीब्यूशन्स वीथ-कॉमन लोकेशन पैरामिटर ऐण्ड एपलीकेशन्स टू मल्टी-स्टेट रिलाईबीलीटी मॉडल्स, व्यावहारित स्टैटिस्टिक्स का जर्नल, 1-16।

बालाकृष्णन, एन, क्वीन, एच और चटर्जी के (2016) : जेनेरलाइज्ड, प्रोजेक्शन डीसक्रीपेन्सी एण्ड ईटस एप्लीकेशन्स इन एक्सपेरिमेंटल डिजाइन्स, मेट्रीका, 79 (1), 19-35।

लियू, एक्स, यूई-आर. एक्स और चटर्जी के (2015) : मॉडल-रोबस्टा आर-ऑप्टीमल डिजाइन्स इन लिनियर रिग्रेशन मॉडल्स, स्टैटिस्टिकल योजना और इनफरेंस का जर्नल, 167, 135-143।

कुण्डु पी. कुमार, एस और चटर्जी, के (2015) : एस्टीमेटिंग दि रिलाईबीलीटी फंक्शन, कैलकेटा स्टैटिस्टिकल एसोसिएशन बुलेटिन, 67, 143-161।

अरिन्दम चक्रवर्ती

साहा, एम. चक्रवर्ती, ए एवं भट्टाचार्य, के (2015) : पश्चिम बंगाल में चावल के फसल कैनोपी के ऊपर मौसम कारकों और एरोमाइकोफ्लोरा के बीच सहसंबंध, भारत, पालिनोलोजी का जर्नल विस्तार-51,49-58।

तीर्थंकर घोष

गाल, आर. घोष, टी, जांग, एक्स : (2015) : 2014 एचएफआईपी आर और डी क्रियायें सारांश : रिसेंट नतीजे और ऑपरेशनल इम्पलिमेंटेशन, एचएफआईपी टेकनीकल रिपोर्ट : एचएफआईपी 2015-1, टेकनीकल रिपोर्ट, राष्ट्रीय मौसम सर्विस, एनओएए, यूएसए (एचटीटीपी:/1डब्लूडब्लूडब्लूएचएफआईपी.ओआरजी/डीओसीयूएमईएनटीएस/एचएफआईपी-वार्षिक रिपोर्ट - एफवाई 2014.पीडीएफ)

सौरभ राणा

भौमिक, ए.आर.बन्दोपाध्याय, एस.राणा, एस.भट्टाचार्य, एस. (2015) : ए सिम्पल एप्रोक्सीमेशन ऑफ मोमेन्ट्स ऑफ दि क्वासी-इक्वीलिब्रियम डिस्ट्रीब्यूशन-ऑफ एन एक्सटेन्डेड स्टोकेसटीक थेटा-लोजिस्टीक मॉडल बीथ नन-इंटीगर पावर्स, गणितीय जीवविज्ञापन, 271,96-112

कम्प्यूटर और सिस्टम विज्ञान विभाग

यूजीसी/सी एस आई आर/नेट/स्लेट/गेट में उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों के नाम
शिरशेन्दु विश्वास (गेट)
बी.प्रीति मंडल (गेट)
स्पष्ट रूप में शिक्षकों / निरीक्षण विद्वानों द्वारा सम्मिलित हुए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दर सभा/सेमिनार/वर्कशॉप/ प्रदर्शनी
विभाग में चल रहे निरीक्षण योजनायें
शिक्षक का नाम : डॉ0 उत्पल रॉय, प्रोफेसर
सह-जाँचक (सीआई) : श्रीमान सुभाशीष बनर्जी
योजना का नाम : ''डेवेलपमेंट ऑफ ट्रेक ट्रेसिंग ऐण्ड ट्रेक
फांइडिग एलगोरिदम फॉर चार्ज़्ड पार्टिकल्स प्रोडयूस्ड इन
हाई एनर्जी एण्टीप्रोटॉन कोलिजन एक्सपेरिमेंटस''
प्रवर्त्तक संस्थायें 'डिपार्टमेन्ट ऑफ एटोमिक एनर्जी (डीएई), भाबा एटोमिक रिसर्च सेंटर (बीएआरसी), बीआरएनएस योजना (अप्रैल-2014)
राशि स्वीकृत : 17.00 लाख रूपये (लगभग)

अलक कुमार दत्ता

अलक कुमार दत्ता ''एप्रोक्सीमेट स्पैनिंग कैक्टस'',
सूचना कार्यकारी पत्र (एल्सेवियर विज्ञान), 115 (2015),
828-832।

परामर्थ दत्ता

विशिष्ट अधिकारपत्र

एस.भट्टाचार्य, एस.एस.मुखर्जी, पी.दत्ता और एस.चक्रवर्ती, ''लो कोस्ट इंटेलिजेंट कोलोरीमिटर यूजिंग कलर एलईडीएस'', भारती विशिष्ट अधिकारपत्र संख्या.886/कोल/2015 तारीख 14.06.2015।

प्रकाशन

पाल.जे.पी.सिंह और पी.दत्ता ''पाथ लेन्थ प्रीडीक्शन इन एमएएनईटी अंडर एओडीभी रूटिंग : कम्पैरेटिव एनालिसिस ऑफ एआरआईएमए ऐण्ड एमएलपी मॉडल ''मिस्त्र सूचना जर्नल, एलसेवियर, विस्तार.16, इशु 1, 2015, आईएसएसएन : 1110-8665।

डी.मुखोपाध्याय और पी.दत्ता, ''ए स्टडी ऑन एनर्जी अप्टीमाईज्ड 4 डॉट 2 इलेक्ट्रान टू डाइमेन्शनल क्वांटम डॉट सेल्यूलर ऑटोमेटा लॉजीकल रिवर्सिबल फ्लीप-फ्लोप्स'', माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स जर्नल विस्तार 46, पीपी 519-530,2015, एलसेवियर डीओआई : 10.1016/जे.मेजो.2015.03.00/

एम घोष, डी मुखोपाध्याय और पी दत्ता, ''ए 2 डॉट। इलेक्ट्रॉन क्वांटम सेल्यूलर ऑटोमेटा बेस्ड पैरेलल मेमोरी'' सूचना सिस्टम डिजाइन और बुद्धिमान व्यवहारों पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सभा में (इण्डिया 2015) विस्तार : 1, पी पी 627-636, स्प्रींगर एआईएससी सिरिज 2015।

के मंडल और पी दत्ता, ''बीग डेटा पैरेललिज्म : चैलेंजेज इन डिफरेंट कम्प्यूटेशनल पैराडीग्म'', कम्प्यूटर, कम्यूनिकेशन, कंट्रोल और सूचना टेक्नोलोजी पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सभा में (सी3आईटी-2015), पीपी....2015।

एस.डैम, जी.मंडल के दासगुप्ता और पी दत्ता, ''जेनेटिक एलगोरिदम ऐण्ड ग्रेवीटेशनल इम्यूलेशन बेस्ड हाइब्रीड लोड बैलेंसिग स्ट्रेटेजी इन क्लाउड कम्प्यूटिंग'' कम्प्यूटर, कम्यूनिकेशन, कंट्रोल और सूचना टैक्नोलोजी पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय, सभा में सी3आईटी-2015), पीपी.......2051

के दत्ता, डी.मुखोपाध्याय और पी.दत्ता, ''डिजाइन ऑफ एच-टू-2एन डिकोडर्स यूजिंग 2-डायमेन्शनल 2-हॉट-1-इलेक्ट्रॉन क्वांटम डॉट सेल्यूलर ऑटोमेटा'', कम्प्यूटींग, कम्यूनिकेशन, और सूचना प्रोसेसिंग पर राष्ट्रीय सभा में (एनसीसीसीआईपी 2015), विस्तार 1, पीपी-77-91, आईएसबीएन : 978-93-84935-27-6, 2015 ।

एस.मंडल, डी. मुखोपाध्याय और पी.दत्ता, ''ए नोवेल डिजाइन ऑफ ए लॉजिकली रिवर्सिवल हाफ एडर यूजिंग 4-डॉट 2-इलेक्ट्रॉन क्यूसीए'', कम्प्यूटिंग, कम्यूनिकेशन और सूचना प्रोसेसिंग (एनसीसीसीआईपी 2015) पर राष्ट्रीय सभा में, विस्तार। पीपी 123-130, 2015,

एम घोष, डी मुखोपाध्याय और पी दत्ता, ''ए नोवेल पैरेलल मेमोरी डिजाइन यूजिंग 2 डॉट। इलेक्ट्रान क्यूसीए'', रिसेंट ट्रेडस इन इनफारमेशन सिस्टम्स (रेटीस 2015) पर अन्तर्राष्ट्रीय सभा (दूसरा) आईईई के बढ़ाव में, पीपी 485-490, जुलाई 2015।

के दत्ता, डी मुखोपाध्याय और पी.दत्ता, ''डिजाइन ऑफ ए 2 डॉट-1 इलेक्ट्रॉन क्यूसीए फुल एडर यूजिंग लॉजीकली, रिवर्सिवल हाफ एडरेश'' आईईई इन्टरनेशनल सिमपोसियम ऑन एडवांस्ड कम्प्यूटिंग ऐण्ड कम्यूनिकेशन (आईएसएसीसी 2015) के बढ़ाव में, पीपी-281-287, आईएसबीएन : 978-1-4673-6708-0, सितम्बर 2015।

एम घोष, डी मुखोपाध्याय और पी दत्ता, ''डिजाइन ऐण्ड एनालिसिस ऑफ टू डॉट वन इलेक्ट्रॉन क्यूसीए एक्स-ऑर गेट इन लॉजीकली रिवर्सिबल गेट डिजाइन'' आईईईई इंटरनेशनल सिमपोसियम ऑन एडवांस्ड कम्प्यूटिंग ऐण्ड कम्यूनिकेशन (आईएसएसीसी 2015) के बढ़ाव में, पीपी 272-277, आईएसबीएन : 978-1-4673-6708-0, सितम्बर 2015।

एम घोष, डी मुखोपाध्याय और पी दत्ता ''2 डायमेन्शनल2 डॉट, इलेक्ट्रॉन क्वांटम सेल्यूलर ऑटोमेटा बेस्ट डायनामिक मेमोरी डिजाइन'' फ्रन्टायर्स इन इंटेलिजेन्ट कम्प्यूटिंग : थियोरी ऐण्ड एप्लीकेशन्स (एफआईसीटीए 2015) के बढ़ाव में स्प्रिंगर एआईएससी सिरिज, पीपी-978-81-322-2695-6-32 नवम्बर 2015।

के दत्ता, डी मुखोपाध्याय और पी.दत्ता, ''डिजाइन ऑफ ए लॉजीकली रिवर्सिबल हाफ एडर यूजिंग2डी 2-डॉट वन-इलेक्ट्रॉन क्यूसीए'', फ्रन्टायर्स इन इटेलिजेन्ट कम्प्यूटिंग : थि योरी ऐण्ड एप्लीकेशंस (एफआईसीटीए 2015) के बढ़ाव में, स्प्रिंगर एआईएससी सिरिज, पीपी 379-389-आईएसबीएन : 978-81-322-2965-6-32, नवम्बर 2015,

एम घोष, डी मुखोपाध्याय और पी दत्ता, ''ए 2डी 2डॉट वन इलेक्ट्रॉन क्वांटम डॉट सेल्यूलर ऑटोमेटा बेस्ड लॉजीकली रिवर्सिबल 2 : 1 मल्टीप्लेक्सर'', आईईईई इंटरनेशनल कानफरेंस ऑन रिसर्च इन कम्प्यूटेशनल इंटेलीजेन्स ऐण्ड कम्यूनिकेशन नेटवर्क्स (आईसीआरसीआईसीएन 2015) के बढ़ाव में, आरसीसी इंस्टिट्यूट ऑफ इंनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी ने, कोलकाता, भारत, पी पी - 300-305, डीओआई : 10.1109/आईसीआरसीकेआईसीएन 2015, 7434254.2015।

के दत्ता डी मुखोपाध्याय और दत्ता, ''डिजाइन ऑफ ए बाईन री टू बीसीडी कनवर्टर यूजिंग-2-डायमेंशनल 2डॉट 1-इलेक्ट्रॉन क्वांटम डॉट सेल्यूलर ऑटोमेटा'', चौथे इंटरनेशनल कानफरेंस ऑन इकोफ्रेंडली कम्प्यूटिंग ऐण्ड कम्यूनिकेशन (आईसीईसीसीएस 2015) के बढ़ाव में, पीपी 153-159, 978-81-322-2753-3, एलसेवियर, दिसम्बर 2015।

सम्पादित किताबें

एस. भट्टाचार्य और पी दत्ता, सम्पादित किताब शीर्षक ''हैण्डबुक ऑफ रिसर्च ऑन स्वार्म इंटेलीजेन्स इन इंजिनियरिंग'' आईजीआई ग्लोबल द्वारा प्रकाशित, यूएसए, आईएसबीएन 13:9781466682917/आईएसबीएन : 10:1466682914। ईआईएसबीएन 13:978146668292, डीओआई : 10.4018/978-1-4666-8291-7, 2015।

एस भट्टाचार्य, पी. बनर्जी, डी मजूमदार और पी.दत्ता, संपादित किताब शीर्षक ''हैण्डबुक ऑफ रिसर्च ऑन एडवांस्ड हाइब्रीड इंटेलीजेन्ट टेकनीक्स ऐण्ड एप्लीकेशन्स'' आईजीआई ग्लोबल द्वारा प्रकाशित, यूएसए, आईएसबीएन 13:9781466694743। आईएसबीएन 10:1466694742 । ईआईएसबीएन 13:9781466694750, डीओआई : 10.4018/978-1-4666-9474-3, 2015।

बलराम भट्टाचार्य

सभायें

बायोइनफॉरमेटिक्स ऐण्ड सिस्टम बायोलोजी (बीएसबी 2016) पर अंतर्राष्ट्रीय सभा में दस्तावेज प्रस्तुत हुआ इण्डियन इंस्टिट्यूट ऑफ इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी- इलाहाबाद
मार्च 4-6, 2016 में हुआ था।

प्रकाशन :

''कॉमन सब क्लस्चर माइनिंग टू स्क्सप्लोर मॉलिक्यूलर मार्कर्स ऑफ लंग कैंसर'' अरनब साधु और बालाराम भट्टाचार्य। इंटेलिजेंट कम्प्यूटिंग ऐण्ड कम्यूनिकेशन पर पहला अंतर्राष्ट्रीय सभा के बढ़ाव कल्याणी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित, फरवरी 18-19, 2016।

''ए न्यू स्टैटिस्टिकल डिस्टेंस यूजफुल फॉर एनेलाईजिंग एक्सॉन्स ऐण्ड इंट्रॉन्स ऑफ यूकैरियोटिक जिन्स'' उद्दलक मित्रा और बलराम भट्टाचार्य, ''एडवान्सेज इन इलेक्ट्रिकल इलेक्ट्रॉनिक्स, इनफॉरमेशन, कम्यूनिकेशन ऐण्ड बायो-इनफॉरमेटिक्स (एईईआईसीबी)'' पर दूसरा आईईईई अंतराष्ट्रीय सभा का बढ़ाव, फरवरी 27-28, 2016, चेन्नई, भारत। ''डिस्कवरी ऑफ कैंसर लिंक्ड बायोमारकर जीन्स थ्रू कॉमन सबक्लस्चर माईनिंग''। अरनब साधु और बलराम भट्टाचार्य। बायोइनफॉरमेटिक्स एण्ड सिस्टम बायोलोजी (बीएसबी 2016) पर अंतराष्ट्रीय सभा का बढाव (आईईईई एक्सप्लोर) इण्डियन इंस्टिटयूट ऑफ इन्फोरमेशन टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित, इलाहाबाद, मार्च 4-6-, 2016।

उत्पल रॉय

क्रियायें,

''आधुनिकप्रयुक्तीरण्पाबबहार ओ सामाजिक संकट'' पर लाईव चर्चित प्रोग्राम में भाग लिये (आधुनिक सूचना टेक्नोलॉजी और समाज के संकट का गलत उपयोग) एयर्ड डी डी बांग्ला पर 5 नवम्बर 2015 में।

प्रकाशन

तपन कुमार भौमिक, स्वप्न कुमार पारूई, उत्पन्न रॉय, लम्बर्ट स्कोमेकर : बांग्ला हैण्डरीटेन कैरेक्टर सेगमेनटेशन यूजिंग स्ट्रक्चरल फीचर्स : ए सुपरवाइज्ड ऐण्ड बुट्स्ट्रेपिंग एपप्रोच। एसीएम ट्रान्स, एशियन एवं लो-रिसोर्स लैनग.इन्फ. प्रोसेस, 15 (4) : 29 (2016)

भास्कर दास, सुदीप मिश्रा, उत्पल रॉय : कोएलिशन फॉर्मेशन फॉर को ओपरेटिव सर्विस-बेस्ड मेसेज शेयरिंग इन वेहीकुलर एड हॉक नेटवर्क्स। आईईईई ट्रांस पैरेलल डीस्ट्रीब, सिस्ट। 27 (1) : 144-156 (2016)

एस रॉय, यू रॉय, डी.डी. सिंहा, ''सिक्योरिटी इहैंसमेंट ऑफ नोलेज-बेस्ड यूजर ऑथेन्टिकेशन थ्रू किस्ट्रोक डायनामिक्स'', एमएटीईसी वेब ऑफ कोन्फरेंस, आईसीएईटी 2016, मई, 2016।

एस रॉय, यू रॉय, डी.डी. सिन्हा, ''परफॉरमेन्स इवैल्यूएशन ऑफ वैरियस डिस्टेन्स-बेस्ड-डेटा-माइनिंग क्लासीफायर्स ऑन टाइपिंग पैटर्न्स, फॉर यूजर ऑटोन्टिकेशन / आईडोन्टिकफेशन'', इंटरनेशनल जरनल ऑफ इनोवेटिव रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट (आईजेआईआरडी), जनवरी-2016, विस्तार-5, इशु 2, आईएसएसएन : 2778-0211।

एस रॉय, यू रॉय, डी-डी सिन्हा, ''पासवर्ड रिकवरी मेकानिज्म बेस्ड ऑन किस्ट्रोक डायनामिक्स'', प्रेसिडिंग ऑफ सेकेण्ड

इंटरनेशनल कनफरेंस इण्डिया 2015 का बढ़ाव, विस्तार, स्प्रिंगर भारत, एडवांन्सेज इन इंटेलिजेंट सिस्टम्स ऐण्ड कम्प्यूटिंग, आईएसएसएन 2194-5357, आईएसबीएन 978-81-322-2249-1, पीपी 245-257।

एस रॉय, यू रॉय, डी डी सिन्हा, ''टेक्स्ट-बेस्ड एनालिसिस ऑफ किन्स्ट्रोक डायनामिक्स इन यूजर ऑथेन्टिकेशन,'' इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्प्यूटर साईन्स ऐण्ड इन्जिनियरिंग, विस्तार 03, इशु-01, पेज नं0 (165-173), फरवरी-2015, ई-आईएसएसएन : 2347-2693

एस रॉय, यू-रॉय डी.डी. सिन्हा, ''डिसटेन्स बेस्ड मॉडल्स ऑफ किस्ट्रोक डायनामिक्स यूजर ऑथेन्टिकेशन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड इन्जिनियरिंग रिसर्च ऐण्ड साइन्स (आईजेएईआरएस), आईएसएसएन : 2349-6495।

एस रॉय, यू रॉय, डी.डी. सिन्हा, ''परफॉरमेन्स पर्सपेक्टिव ऑफ डिफरेन्ट क्लासीफायर्स ऑन डिफरेन्ट किस्ट्रोक डेटासेट्स'' इंटरनेशनल जर्नल ऑफ न्यू टेक्नोलोजिस.इन साइन्स ऐण्ड इन्जिनियरिंग (आईजेएनबीई), विस्तार-02, इशु-04, पेज नं0 (64-73) अक्टूबर 2015, आईएसएसएन : 2349-0780।

किताब अध्याय :

एस रॉय, यू रॉय, डी.डी. सिन्हा, ''कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ वैरियस फीचर्स-माइनिंग-बेस्ड क्लासीफायर्स इन डिफरेंट किस्ट्रोक डायनामिक्स डेटासेट्स'', स्मार्ट इनोवेशन्स, सिस्टम ऐण्ड टेक्नोलोजीस (एसआईएसटी), स्प्रिंगर अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन, जुलाई-2016, पीपी 155-164।

तथागतो मुखोपाध्याय :

सभायें

दस्तावेज प्रस्तुत किये गये ''डिजाइन ऑफ एन-से-2ए डेकोडर्स यूजिंग 2-डायमेन्शनल 2-डॉट-वन-इलेक्ट्रांन ब्यांटम डॉट सेलुलर ऑटोमेटा'' एनसीसीआईपी-2015 में, नेशनल कान्फरेंस ऑन कमप्यूटिंग, कम्यूनिकेशन एण्ड इनफॉरमेशन प्रोसेसिंग, कम्यूनिकेशन एण्ड इनफॉरमेशन प्रोसेसिंग एनईआरआईएसटी में, निरजुली, अरूणाचल प्रदेश, भारत-2-3 मई 2015 को।

दस्तावेज प्रस्तुत किये गये ''डिजाइन ऑफ ए लॉजिकली रिवर्सिवल हाफ एडर यूजिंग 2-डायमेन्शनल 2-डॉड वन-इलेक्ट्रान क्वांटम डॉट सेल्यूलर ऑटोमेटा'' एफकेटीए-2015 में, बुद्धिमान कमप्यूटिंग : सिद्धान्त और व्यवहार पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय सभा, एनआईटी दुर्गापुर, पं0 बंगाल, भारत 16-18 नवम्बर, 2015 को।

दस्तावेज प्रस्तुत किये गये ''डिजाइन ऑफ ए रिपूल कैरी एडर यूजिंग 2-डामेन्शनल 2 डॉट 1 -इलेक्ट्रॉन क्वाटम डॉट सेलूलर ऑटोमेटा'' इण्डिया 2016 में, सूचना सिस्टम डिजाइन और बुद्धिमान व्यवहार पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सभा, अनील निरूकोन्डा इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलोजी एण्ड साईन्स, सांगीवालासा, विशाखापट्नम, भारत 8-9 जनवरी 2016 को।

दस्तावेज प्रस्तुत किये गये ''डिजाइन ऑफ ए बीसीडी एडर यूजिंग 2-डायमेन्शनल 2-डॉट वन-इलेक्ट्रॉन क्वांटम डॉट सेल्यूलर ऑटोमेटा'' आईसीआईसी-2 2016 में, इटैलिजेंट कमप्यूटिंग एण्ड कम्यूनिकेशन पर पहला अंतर्राष्ट्रीय सभा, टेक्नोलोजी एण्ड मैनेजमेंट, इंजिनियरिंग का विभाग, कल्याणी विश्वविद्यालय, भारत 18-19 फरवरी, 2015।

प्रकाशन

के.दत्ता, डी. मुखोपाध्याय, डी.मुखोपाध्याय और पी.दत्ता ''डिजाइन ऑफ एन टू 2एन डिकोडर्स यूजिंग 2-डायमेंशनल 2-डॉट 1-इलेक्ट्रान क्वांटम डॉट सेल्यूलर ऑटोमेटा'' एनसीसीसीआईपी-2015 में, राष्ट्रीय सभा कम्प्यूटिंग, कम्यूनिकेशन्स और इनफोरमेशन्स प्रोसेसिंग पर एनईआरआईएसटी में, निरजुली, अरूणाचल प्रदेश, भारत, पीपी 77-91-978-93-84935-27-6, 2015।

के दत्ता, डी मुखोपाध्याय और पीदत्ता, ''डिजाइन ऑफ ए 2-डॉट 1-इलेक्ट्रान क्यूसीए फुल एडर यूजिंग लॉजिकली रिवर्सिवल हाफ एडर्स'' आईएसएसीसी 2015 में, एडवांस्ड कम्प्यूटिंग ऐण्ड कम्यूनिकेशन पर अंतर्राष्ट्रीय सिमपोसियम,

असम विश्वविद्यालय, सिलचर, पीपी 281-287978-1-4673-67080/15/ 31.00

के दत्ता, डी मुखोपाध्याय और पी.दत्ता, ''डिजाइन ऑफ ए लॉजिकली रिवर्सिवल हाफ एडर यूजिंग 2-डायमेन्शनल 2-डॉट 1-इलेक्ट्रॉन क्वांटम डॉट सेल्यूलर ऑटोमेटा'' एफआईसीटीए-2015 में, फ्रन्टायर्स इन इंटेलिजेन्ट कम्प्यूटिंग : थियोरी ऐण्ड एपलीकेशन्स पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय सभा, एनआईटी दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल, भारत, पीप 379-389, 978-981-322-2695-6-32, 2015।

के दत्ता डी मुखोपाध्याय और पी दत्ता, ''डिजाइन ऑफ ए बाईनरी टू बीसीडी कनवर्टर यूजिंग 2 -डायमेन्शनल 2-डॉट-1-इलेक्ट्रॉन क्वांटम डॉट सेल्यूलर ऑटोमेटा'' आईसीईसीसीएस में, इको-फ्रेंडली कम्प्यूटिंग ऐण्ड कम्पयूनिकेशंस से सिस्टम्स पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय सभा, नेशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कुरूक्षेत्र, भारत, पीपी 153-159-, 978-81-322-2753-3, 2015।

के दत्ता, डी मुखोपाध्याय और पी दत्ता, ''डिजाइन ऑफ ए रिपल कैरी एडर यूजिंग 2-डायमेंशल 2-डॉट-1-इलेक्ट्रॉन क्वांटम डॉट सेल्यूलर ऑटोमेटा'' भारत 2016 में, इनफॉरमेशन सिस्टम डिजाइन ऐण्ड इंटेलीजेंट एपलीकेशन्स पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सभा, अनिल निरूकोन्डा इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलोजी।

ऐण्ड साइन्सेस, सांगीवालासा, विशाखापत्तनम, भारत, पीपी.263-270, 978-81-322-2755-5-27,2016।

के.दत्ता, डी. मुखोपाध्याय और पी.दत्ता, ''डिजाइन ऑफ ए बीसीडी एडर यूजिंग 2-डाइमेन्शनल टू-डॉट, वन-इलेक्ट्रॉन क्वांटम हॉट सेल्यूलर ऑटोमेटा'' आईसीआईसी2-2016 में, इंटेलिजेन्ट कम्प्यूटिंग ऐण्ड कम्यूनिकेशन पर पहला अंतर्राष्ट्रीय सभा, इंजिनियरिंग का कोषाध्यक्ष, टेक्नोलोजी ऐण्ड मैनेजमेंट, कल्याणी विश्वविद्यालय, प्रेस में, 2016।

सुभाशिष बनर्जी

दो स्टेज सुरक्षा के साथ एंड्रोयेड आधारित सिस्टम में सुरक्षित एसएमएस कम्यूनिकेशन, विस्तार 4 ईशु.6, जून 2015, पीजी 1057-1064 कम्प्यूटर विज्ञान और मोबाइल कम्प्यूटिंग का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल आईएसएसएन 2320-088एक्स ।

2 टू वे ऑथेन्टिकेशन प्रोटोकॉल फॉर एण्ड्रोएड बेस्ट एपलीकेशन्स, जनवरी, 2016 विस्तार 5 इशु 2, पीजी 164-168 ईनोवेटिव रिसर्च ऐण्ड डेवलपमेंट का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल आईएसएसएन : 2278-0211।

मधुसूदन पाल

जर्नल प्रकाशन

एम. पॉल, आर. आनन्द और ए.आनंद, ''डिटेक्शन ऑफ हाईली ओवरलैपिंग कम्यूनिटिज इन कॉम्पलेक्स नेटवर्क्स''। मेडिकल इमेजिंग और स्वास्थ्य सुचना का जर्नल 5, 5(2015), 1099-1103।

देवादित्य बर्मन

प्रकाशन

डी बर्मन, ए.टुडु, एन. चौधरी, ''ओपिनियन क्लासीफिकेशन बेस्ट ऑन प्रोडक्ट रिव्यूज फ्रॉम एन इण्डियन ई-कॉमर्स वेबसाइट'', दूसरा इंटनेशनल कान्फरेंस ऑन कम्प्यूटर वेबसाइट'', दूसरा इंटरनेशनल कान्फरेंस ऑन कम्प्यूटर ऐण्ड कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजिज (आईसी3टी-2015) का बढ़ाव, भारत, स्प्रिंगर भारत, विस्तार 380, पीपी 711-724, 2016।

डी.बर्मन, के के साव, ए टूडु और एन चौधरी। ''क्लासीफिकेशन ऑफ बैंक मार्केटिंग डाटा यूजिंग सबसेटस ऑफ ट्रेनिंग डाटा''। सूचना सिस्टम डिजाइन और बुद्धिमान व्यवहार का बढ़ाव, पीपी 143-151, स्प्रिंगर भारत, 2016।

क्रियायें

''एपलीकेशन ऑफ सॉफ्ट-कम्प्यूटिंग ऑन मेडिकल इमेज प्रोसेसिंग'' विषय पर एक भाषण दिया कैलकेटा इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के कोषाध्यक्ष वृद्धि प्रोग्राम में 2015, 11 जुलाई 2015 को, उलुबेरिया में, भारत।

''ओपिनियन क्लासिफीकेशन बेस्ट ऑन प्रोडक्ट रिव्यूज फ्रॉम एन इण्डियन ई-कॉमर्स वेबसाइट'' पर एक दस्तावेज प्रस्तुत किया दूसरे इंटरनेशनल कानफ्रेन्स ऑन कम्प्यूटर ऐण्ड कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजिज (आईसी3टी-2015) मे, 24-26 जुलाई, 2016 हैदराबाद में भारत में, भारत,

''क्लासीफीकेशन ऑफ बैंक डारेक्ट मार्केटिंग डाटा यूजिंग सबसेटस ऑफ ट्रेनिंग डाटा'' पर एक दस्तावेज प्रस्तुत किया इनफॉरमेशन सिस्टम्स डिजाइन ऐण्ड इंटेलिजेन्ट एपलीकेशनस (इण्डिया 2016) सभा में, 8-9 जनवरी, 2016 विशाखापटनम, भारत।

''पैटर्न रिकॉगनिशन ऐण्ड इमेज प्रोसेसिंग'' पर एक मुख्य भाषण दिया कम्प्यूटर विज्ञान के विभाग में, गौरबंगा का विश्वविद्यालय 3 मार्च, 2016 को मालदा में, पश्चिम बंगाल।

वृद्धि के लिए भविष्य योजनाओं के संबोधन के साथ आविष्कारित नया कोर्स / करिकुलम या कोई अन्य शिक्षा इनोवेशन्स

बी एस सी (ऑनर्स ऐण्ड एलाईड) और एम एस सी कम्प्यूटर विज्ञान में चोईस बेस्ट क्रेडीट सिस्टम के अन्दर।

वृद्धि के लिए भविष्य योजनाओं के संबोधन के साथ जुड़े हुए भवन/सदन/विभाग की वृद्धि पर एक छोटा इतिहास

विभाग 1998 यूजीसी XI योजना प्रस्ताव के अन्दर उत्पन्न हुआ था। एकवर्षीय पीजीडीसीए कोर्स जो 1993 से शुरु हुआ था। 1999 में एमसीए कोर्स में जोड़ गया था। बी.एससी (कम्प्यूटर विज्ञान में ऑनर्स) कोर्स 2000 से शुरू, एमएससी कम्प्यूटर विज्ञान में) कोर्स द्वारा 2003 में साथ दिया गया।

पर्यावरण अध्ययन विभाग

2 .यूसीसी/सीएसआईआर/नेट/स्लेट और गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों के नाम :

1. दिप्ति करमकर यूजीसी-नेट
2. मुबारक हुसैन यूजीसी - नेट
3. विभागी सेमिनार : पुनः नये उर्जा विकास और आउटरीच पर दो दिन का अंतर्राष्ट्रीय सभा पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित विश्व-भारती 19-20 मार्च 2016 को। प्रोग्राम विश्व-भारती और एसईआरबी, डीएसटी, भारत सरकार द्वारा संचयित हुआ था।

वक्तायें थे :-

1. प्रोफेसर गाविन वाकर नोट्टीनधाम का विश्वविद्यालय, यू के ''सॉलिड स्टेट हाइड्रोजन स्टोरेज फॉर रिन्यूयेबल एनर्जी सिस्टम्स'' पर।
2. प्रोफेसर तापस मल्लिक, एक्सेटर विश्वविद्यालय, यू के ''दि रोल ऑफ कानसन्ट्रेटेड फोटोबोल्टैक्स फॉर इंटिग्रेटेड रिन्यूएबल एनर्जी फॉर ऑटोनोमस पावर सप्लाई'' पर।
3. प्रोफेसर अशोक मुखर्जी, बर्दवान विश्वविद्यालय ''ए लिटिल ग्रीन मॉलिक्यूल : यूनीक बोनहोमी ऑफ एन्वारन्मेंट'' पर।
4. प्रोफेसर विश्वजीत घोष, बर्दवान विश्वविद्यालय ''इण्डस्ट्रीयल पॉल्यूशन एण्ड ईटस इम्पेक्ट ऑन पीपल हेल्थ, वेजिटेशन ऐण्ड बायोटिक कम्यूनिटिज : दि केस ऑफ केटीपीपी'' पर।
5. प्रोफेसर प्रकाश घोष, आईआईटी बाम्बे ''हाइड्रोजन स्टोरेज ऑप्शन इन फोटोवोल्टैक सिस्टम टू केटर लाँग-टर्म मिसमैच'' पर।
6. प्रोफेसर डॉन गिद्दीग्स नोट्टीनघाम विश्वविद्यालय, यू के ''वेस्ट हीट ऑपर चुनिटिज एट ए वेस्ट बंगाल विलेज स्केल पावर प्लांट'' पर।
7. प्रोफेसर सुदीप्ता दे, जादवपुर विश्वविद्यालय ''पलिजेनरेशन यूटिलाईजिंग लोकल रिसोर्सेस : थर्मोडायनामिक, इकोनोमिक ऐण्ड एन्वारन्मेंटल ऐसेसमेंट इन इण्डियन कंटेक्स्ट'' पर।

सभा के अलावा, विभाग ने निम्नलिखित सेमिनार को भी आयोजित किया:

वक्ता का नाम, शीर्षक, तारीख

1. मिसेज एनी - क्रिस्टेजी लि हीर
   मॉनट्रीयल, कैनेडा इकोलोजीकल वैल्यू ऐण्ड ह्यूमन बिंग 23 फरवरी 2016।
2.. मिसेज एनी-क्रिस्टेलीलि हीर
   मॉनट्रीयल, कैनेडा टेन वेज़ टू चेंज दि वर्ल्ड 23 फरवरी 2016।
3. प्रोफेसर डी के खान, कल्याणी विश्वविद्यालय, वेस्ट बंगाल लो कोस्ट, ऐण्ड इकोनोमिकली वायाबल सेफ वाटर ऑप्सन्स फॉर आर्सेनिक पॉल्यूटेड एरियाज ऑफ वेस्ट बंगाल 22 अप्रैल, 2016।

शिक्षकों / निरीक्षण विद्वानों द्वारा स्पष्ट रूप में शामिल हुए राष्ट्रीय और अंतराट्रीय दर सभा/सेमिनार/वर्कशॉप प्रदर्शनी।

शिवानी चौधरी

1) इंद्रनील भुई, देवाश्री सिन्हा, अनिल कुरूविल्ला मैथैयू, शम्भु नाथ बनर्जी, शिवानी चौधरी, श्रीनिवासन बालाचंद्रन

''बायोगैस प्रोडक्टन यूजिंग लोकली अवेलेबल एक्वेटीक वीड (वाटर हायासिन्थ ऐण्ड सलविनिया) वीथ डिफरेंट प्रोपॉर्शन ऑफ काऊ डंग एज एन इनोकुलम इन शांतिनिकेतन'' रिन्युएबल एनर्जी- एक्सटेंशन और आउटरिच पर अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन विभाग, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन।

2. देवाश्री सिन्हा, रामांशु गोस्वामी, इन्द्रानील भुई, अमित के चक्रवर्ती, शम्भुनाथ बनर्जी, एस बालाचंद्रन, शिवानी चौधरी ''आइसोलेशन ऐण्ड कैरेक्टराईजेशन ऑफ सेल्यूलोलिटिक फग्री फ्रांम एक्टिव एनएरोबिल डाईजेस्टर'' रिन्यूएबल एनर्जी-एक्सटेंशन ऐण्ड आउटरिच पर अंतर्राष्ट्रीय सभा में प्रस्तुत किया, मार्च 19-20, 2016, पर्यावरण अध्ययन का विभाग, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन।

प्रताप कुमार पाधी

1) गुजरात (भारत) में कैनल-टॉप सौर्य शक्ति पौधे : एक साम्प्रदायिक रास्ता नये उर्जा की सुरक्षा की ओर, नये ऊर्जा पर अंतर्राष्ट्रीय सभा, विकास और छलावा, पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित, विश्व-भारती, 19-20 मार्च के दौरान 2016।

2. घोष, एस और पाधी, पी के (2016) 9 से 13 वर्षीय बच्चों के स्वास्थ्य विद्यालय में पल्मोनरी कार्य जाँच : दुर्गापुर और बोलपुर के बीच तुलनात्मक अध्ययन, नयें उर्जा पर अंतर्राष्ट्रीय सभा, विकास और छलावा, पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित, विश्व-भारती, 19-20 मार्च, 2016 के दौरान।

पुलक कुमार पात्र

1. पी.के. पात्र मॉनसून भिन्नता : भूत, वर्तमान और भविष्य। मॉनसून भिन्नता और प्राकृतिक विपत्तियों पर राष्ट्रीय सेमिनार में निमंत्रित वक्ताओं की तरह दस्तावेज प्रस्तुत हुये जियोलोजी के विभाग में, उत्कल विश्वविद्यालय 8-9 जुलाई 2015।
2. पी. के. पात्र आइसोटोप जियोकेमिस्ट्र पर्यावरण अध्ययन में। 'रिसेन्ट एडवांसेज इन केमिस्ट्रि रिसर्च'' पर राष्ट्रीय सेमिनार में दस्तावेज प्रस्तुत किया रासायनिक शास्त्र विभाग में, विश्व-भारती 4 मार्च 2016 को।

एस. बालाचंद्रन

1. तन्मय लाहा, श्रीनिवासन बालाचंद्रन ''ए रिव्यू ऑन दि बायोएबेलिबिलिटी ऐण्ड बायोएक्सेसिबिलिटी ऑफ पोटेनशीयली टॉक्सीक एलिमेंटस (पीटीईएस) इन अरबन सोयल'' ''इंटरनेशनल सिमपोसियम,ऑन बायोसाइन्स रिसर्च फॉर प्रजेंट ऐण्ड प्यूचर'' में 14 दिसम्बर, 2015 को विवेकानंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स ऐण्ड साइन्सेस फॉर वुमेन इलायामपालायम, तिरूचैंगोद, में, नामाक्कल, भारत।
2. इंद्रानील भुई, देवाश्री सिन्हा, अनिल कुरूविल्ला मैथिउ, शम्भुनाथ बनर्जी, शिवानी चौधरी, श्रीनिवासन बालाचंद्रन ''बायोगैस प्रोडक्सन यूजिंग लोकली अवेलेवल एक्वेटीक वीड (वाटर हायासिंथ ऐण्ड सेलविनिया) वीथ डीफरेंट प्रॉपोरसन ऑफ काउ डंग एज एन इनोकुलम इन शांतिनिकेतन'' इंटरनेशनल कानफरेंस ऑन रिन्यूएबल एनर्जी-एक्सटेंशन ऐण्ड आउट-रीच में प्रस्तुत हुआ, मार्च 19-20, 2016, पर्यावरण अध्ययन का विभाग, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन।

विभाग में चल रहे निरीक्षण योजनाएँ

1. शिवानी चौधरी

(अ) योजना का नाम : बायोमास ऐण्ड कनसनट्रेटिंग, फोटोवोल्टाईक सिस्टम फॉर दि रूरल ऐण्ड दि अरबन एनर्जी ब्रीज: बीआईओसीपीभी की वृद्धि और युग्मन

ब्रिजिंग दि अरबन ऐण्ड दि रूरल डिवाईड (बीयूआरडी) पर इण्डो-यूके सम्मिलित निरीक्षण शुरूआत के अंतर्गत एक

निरीक्षण योजना

प्रवर्त्तक संस्था : डीएसडी, नई दिल्ली (भारत के तरफ)

राशि स्वीकार्य : 5,57,17,125 रूपये जिसमें विश्व-भारती के लिए 2,26,70.325 रूपये हैं।

शिवानी चौधरी (पीआई), प्रोफेसर ए. हाजरा (सीओ-पीआई) और डॉ0 एस. बालाचंद्रन (सीओ-पीआई) दूसरा सीओ-पीआईएस आईआईटीएम और आईआईटीबी से है।

(ii) **प्रताप कुमार पाधी**

योजना का नाम : अजय गंगा का एक सहायक नदी का भौतिक-रसायन गुण (अप्रैल 2013-मार्च 2016), (एज सीओ-पीआई, डॉ0 यू.के. सिंह, डीआईएसईआर, विश्व भारती (पीआई)।

प्रवर्त्तक संस्था : यूजीसी, नई दिल्ली

राशि स्वीकार्य : 12.06 लाख रूपये

(iii) **पुलक कुमार पाल**

योजना का नाम : वीरभूम जिला के भागों में निम्नजल के फ्लोराईड मिले हुए कार्य पर हाइड्रोजियोकेमिकल और स्थिर आइसोटोप जाँच, पश्चिम बंगाल, भारत।

प्रवर्त्तक संस्था : यूजीसी, नई दिल्ली।

राशि स्वीकार्य : 2,29,500 रूपये

विभाग के शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा भाग लिये और विकसित क्रियायें / एनएसएस/ संस्कार और अन्य क्रियायें विभाग द्वारा आयोजित।

एस.एससी विद्यार्थी, निरीक्षण विद्वानों और कोषाध्यक्ष सदस्य पर्यावरण अध्ययन विभाग के पौष मेला 2015 में पर्यावरण जानकारी कैम्पेन में बहुत तेज तरीके से जुड़े हुए थे। इन तीन दिनों के प्रोग्राम के दौरान, विद्यार्थी और कोषाध्यक्ष सदस्य डीईएस के विभिन्न पर्यावरण गुण वाले पैरामीटर्स (वायु, आवाज, जल) मेला भूमि और इसके जुड़े क्षेत्रों की देख रेख करते थे। पौष मेला के दौरान प्लास्टीक थैलों और प्लास्टीक कपों के हानि की जानकारी उत्पन्न करने के लिए मेला भूमि में पर्यावरण कोशिका, विश्व-भारती ने कार्यविधियाँ शुरू किया। चित्र और श्लोक प्रतियोगितायें भी हुए थे। इन प्रतियागिताओं के लिए साधारण जनता सहित घरेलु महिलाओं से उत्तर प्रोत्साहजनक था। लोकट प्राजातीय समूह ने भी इस प्रोग्राम को घोषित किया और अपने इको-फ्रेंडली सामानों को बेचा (जैसे कि वर्मी कम्पोस्ट मैन्योर्स, कागज एवं गन्नी थैले और हाथ से बने सामानों को इत्यादि) दुकान से।

अप्रैल 2015-मार्च 2016 वर्ष के अन्तर्गत प्रकाशन

शिवानी चौधरी

1. आर गोस्वामी, पी चट्टोपाध्याय, ए शोम, एस एन बनर्जी, ए के चक्रवर्ती, ए के मौथिउ, शिवानी चौधरी, माइक्रोबियल समूह द्वारा उत्पादित बायोगैस के भौतिक-रसायन मेकानिज्म का एक पुनर्विचार: जीवनधारण योग्य वेस्ट मैनजमेंट की तरफ एक कदम, 3 बायोटेक, 2016, 6:72 डीओआई 10.1007/एस 1 205-016-0395-9
2. आर गोस्वामी, एस मुखर्जी ए के चक्रवर्ती, एस बालाचंद्रन, एस पी सिन्हा बाबू, शिवानी चौधरी, बायोगैस, उत्पत्ति को बढ़ाने के लिए लिग्नोसेल्यूलोसीक बायोमास में से अलग किये हुए एक पॉटेन्ट सेल्यूलोटिक बैक्टीरियम के वृद्धि कारकों का सिद्धांत, क्लीन टेक्न एनवारन पॉलीसी, 2016, डीओआई 10.1007/एस10098-016-1141-जेड ।
3. सैयद याकुब अली और शिवानी चौधरी, बोलपुर और प्रतिक स्टेशन में रेलवे आवाजों के दूर को पढ़ना, भारत, इंटरनेशनल साईन्स कम्यूनिटी एसोसिएशन 2 रेस.जे. रिसेन्ट साई। विस्तार 5(4), 23-28, अप्रैल (2016) ई-

आईएसएसएन 2277-2502

4. उत्पल माजी, जी.एन.चट्टोपाध्याय और शिवानी चौधरी, कोयला बिस्तर के प्रभाव के अन्दर मिट्टी पर्यावरण की देख-रेख, जल, वायु, मिट्टी प्रदूषण 2015, 226:डीओआई 10.1007/एस11270-015-2509-0
5. देवोप्रिया भट्टाचार्य, मानस गोप, एस.बालाचद्रन और शिवानी चौधरी वर्मीकम्पोस्टींग एज ए वेस्ट मैनेजमेंट टूल : एन एप्रोच टू स्टडी दि केमिकल फ्रैक्शनेशन ऑफ पॉटेनशियली टॉक्सीक एलीमेंटस। नये उर्जा और जीवन धारण योग्य पर्यावरण पर अंतर्राष्ट्रीय सभा का बढ़ाव - आरईएसई, 2015, 15 पीपी 169-175, आईएसबीएन : 978-93-5235-155-8।
6. मनोज के, पाधी, पी.के और चौधरी, एस. (2015)। पेनिनसुलर नदी बेसिन के लिए ट्रेस तत्व प्रदूषण के छः ट्रेस तत्व और वृद्धि का विभाजन विधि विघटन, छोटानागपुर पठार। पर्यावरण सुरक्षा का भारतीय जर्नल, 35,8,666-679।

प्रताप कुमार पाधी

1. करमकर, दीप्ती, मालिक, निवेदिता और पाधी, पी.के. (2016)। शोरिया रोबस्टा और एकेसिया ऑरिकुलीफॉर्मिस का जैवरसायन पैरामिटर्स पर उद्योग वायू प्रदूषण का प्रभाव, निरीक्षण जर्नल रिसेंट विज्ञान का, 5(4), 1-5
2. मनोज के पाधी, पी के (2015)। तालाब इकोसिस्टम का पर्यावरण दृश्य : ग्लोबल समस्या, कार्य और भारत का दृश्य, करेंट वर्ल्ड एन्वाडन्मेन्ट, 10,3,848-867।
3. मनोज. के. पाधी. पी के (2015)। भारत में नदी अंगों के पर्यावरण गुण के उपदेश और पुनर्विचार : एन अप्रेजल ऑफ फिजियो-केमिकल ऐण्ड बायोलोंजीकल पैरामिटर्स एज इण्डिकेटर्स ऑफ वाटर क्वालिटी, करेन्ट वर्ल्ड एन्वाडन्मेन्ट, 10,2,537-571
4. मनोज, के पाधी, पी.के. और चौधरी, एस (2015)। पेनिनसुलर नदी बेसीन के लिए ट्रेस तत्व प्रदूषण इंडेक्स के 6 ट्रेस तत्व और वृद्धि का विभाजित विधि विघटन, छोटानागपुर पठार। पर्यावरण सुरक्षा का भारतीय जर्नल, 35,8,666-679

पुलक कुमार पात्र

1. एस. चक्रवर्ती, पी.के. पात्र, 2015 धान के जैवरसायन और जहरहीन उत्तर (ओराइजा सैटिवा) सो फ्लोराइड तनाव। फ्लोराइड, 48 (1) : 56-61
2. डी.पाल, पी.के. पात्र और डी मुखोपाध्याय-2015 पश्चिम बंगाल के तराई क्षेत्र में भिन्न भूमि उपयोग विधि के अंतर्गत मिट्टी चरित्र-चित्रण। मिट्टी विज्ञान का एशियन जर्नल 10(1), 142-148
3. ए.के. पात्र और पी.के.पात्र 2016 हाइड्रो-मेटेरोलॉजिकल हानियाँ और भारतीय कृषि (इन) 'जल-स्त्रोत व्यवस्था : देख रेख और एसेसमेंट (ईडीएस.एस गुप्ता और पी.के. भारती)। डिस्कवरी पब्लिशिंग हाउस प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, पीपी 87-107 (आईएसबीएन 978-93-5056-799-9)
4. ए.के. पात्र और पी.के. पात्र 2016। मौसम फोरकास्ट और भारतीय कृषि, (इन) 'मौसम परिवर्तन, विपत्ति व्यवस्था और पर्यावरण (ईडीएस.ए.चौहान और पी.के. भारती) डिस्कवरी पब्लिशिंग हाउस प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली पीपी 51-71 (आई एस बी एन 978-93-5056-784-5)

एस. बालाचंद्रन

1. रामांशु गोस्वामी, सुप्रभात मुखर्जी, अमित कुमार चक्रवर्ती, श्रीनिवासन बालाचंद्रन, शान्ति पी. सिन्हा बाबू, शिवानी चौधरी (2016) बायोगैंस उत्पत्ति को बढ़ाने के लिए बायोमास लिग्नोसेल्यू-लोसिक से अलग हुए एक पॉटेंट सेल्यूलोटिक बैक्टीरियम के वृद्धि कारको का ऑप्टीमाइजेशन, क्लीन टेक्नोलोजिस ऐण्ड एन्वारन्मेन्टल पॉलिसी, डीओई 10.1007/

एस 10098-016-1141-जेड।

2. महुआ बासु, कमलेश मायना, एस जेवियर.एस बालाचंद्रन, निभा मिश्रा (2016) दिमाग एमिनेस और मोनोएमाइन ऑक्सीडेस पर स्कोपोलेटिन का प्रभाव, न्यूरोरसायन, अंतर्राष्ट्रीय, विस्तार 93, फरवरी 2016, पेज 113-117।
3. कृष्णा हुसैन, एस बालाचंद्रन, राजा रफीकुल हक (2015) भारालु नदी, ब्रह्मपुत्र नदी का सहायक नदी गुवाहाटी में, के सेडीमेंटस में पॉलिसाइक्लीक एरोमेटिक हाइड्रोकार्बन्स का स्रोत, भारत, इकोटॉक्सीकोलॉजी और पर्यावरण सुरक्षा, विस्तार 122, दिसम्बर 2015, पेज 61-67।
4. देवोप्रिया भट्टाचार्य, मानस घोप, एस.बालाचंद्रन और शिवानी चौधरी, फ्लाई एश वर्मीकम्पोस्टिंग एज ए वेस्ट मैनेजमेंट टूल : एन स्प्रोच टू स्टडी दि केमिकल फ्रैक्शनेशन ऑफ पॉटेन्शीयलि टॉक्सीक एलीमेंस। नये ऊर्जा और जीवन धारण योग्य पर्यावरण पर अंतर्राष्ट्रीय सभा का बढ़ाव आरईएसई, 2015, 15 पीपी 169-175, आईएसबीएन : 978-93-5235-155-8।
5. एस. बालाचंद्रन, एंनहैंसमेंट ऑफ बायोगैस यील्ड बाई वैरियस फिजियो-केमिकल ऐण्ड बायोलॉजिकल प्री-ट्रीटमेंट टेक्नीक्स-ए रिव्यू। नये ऊर्जा और जीवन धारण योग्य पर्यावरण पर अंतर्राष्ट्रीय सभा-डॉ0 महालिंगम कॉलेज ऑफ इंजिनियरिंग ऐण्ड टेक्नोलॉजी, पोल्लाची - 642003, भारत, अगस्त 10-13,201। आईएसबीएन : 978-93-5235-155-8
6. आई भुई, ए के मैथियू, एस एन बनर्जी, एस बालाचंद्रन, एस चौधरी, बायोगैस उत्पत्ति लोकल तरीके से प्राप्त जलीय वीडस के सहपाचक द्वारा (ईचोरनिया क्रैसिप्स) ऐण्ड सेलवीनिया कुकुलता) रखोई वेस्ट के साथ, नये ऊर्जा और जीवन धारण योग्य पर्यावरण पर अंतर्राष्ट्रीय सभा-डॉ महालिंगम कॉलेज ऑफ इंजिनियरिंग ऐण्ड टेक्नोलोजी, पोल्लाची - 642003, भारत, अगस्त 10-13,2015, आईएसबीएन : 978-93-5235-155-8 ।

वृद्धि के लिए भविष्य योजनाओं के संबोधन के साथ जुड़े भवन / सदन/विभाग के वृद्धि पर एक छोटा इतिहास : डिपार्टमेंट ऑफ एन्वारनमेंटल स्टीज (डीईएस), शिक्षा भवन, विश्व-भारती 1999 में 11वें योजना काल के दौरान पर्यावरण अध्ययन केन्द्र के रुप में स्थापित हुआ था।

आन्तरिक अनुशासन पहुँच के साथ पर्यावरण के विभिन्न क्षेत्रों में विभाग नये आलोकित अंश की व्यवस्था करता है। रवीन्द्रनाथ टैगोर के अनुसार सार्वभौमिक स्वरूप और प्रवृत्ति के माध्यम से संस्कृति, परम्परा और स्वाभाविक विशिष्टता के प्रसिद्ध विशेषताओं को भी हाईलाइट/आलोकित करता है। विभाग ने 2000-01 सत्र से विश्वविद्यालय के पर्यावरण अध्ययन कोर्स के दूसरे वर्ष के लिए आवश्यक अध्यापन के साथ शैक्षणिक अध्ययन सूची शुरू किया। विभाग 2003 से पर्यावरण विज्ञान में एम0एससी0 और पीएचडी0 का कोर्स और 2003-04 के सत्र से पर्यावरण विज्ञान का कोर्स आरम्भ किया। विभाग के फैकल्टी सदस्यों द्वारा विभिन्न भाव के पर्यावरण विज्ञान पर अनुसंधान कार्य चलाया जा रहा है। 2014-15 के दौरान विभाग 1 करोड़ रूपये का डीएसटी-एफआईएसटी का अनुदान पाया है और एफआईएसटी के अनुदान से यन्त्रों के साथ उपार्जित किया है जिससे पर्यावरण के क्षेत्र में विभिन्न उच्चकोटि का अनुसंधान का विकास होगा पर्यावरण अध्ययन के क्षेत्र में पूर्वीभारत में नोडल विभाग के रूप में बाह्य पदार्थ विषयक की भी यह स्थापना किया है।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग

यूजीसी-सीएसआईआर नेट/स्लेट/गेट में योग्य छात्रों के नाम और तरह-तरह की राष्ट्रीय परीक्षायें :-

बैच 2013-2015

गेट 2015 स्वाति सबेरी उपाध्याय, ओम प्रकाश साव, पंकज कुमार साहु, विष्णु प्रताप पटेल, वर्षा कुमारी, सन्चारी चटर्जी

डीबीटी जेआरएफ पंकज कुमार साहू, सोम्या सेनगुप्ता, अब्दुर रहमान, वर्षा कुमारी,

सीएसआईआर नेट स्वाति सबेरी उपाध्याय, वर्षा कुमारी, सोम्या सेन गुप्ता, पंकज कुमार साहु

आईसीएआर नेट सन्चारी चटर्जी

तरह-तरह के राष्ट्रीय संस्थानों में 2014-2016 के छात्रों द्वारा किया गया गर्मियों में परियोजना (प्रोजेक्ट)

संस्थान का नाम

छात्र का नाम

आई आई एस ई आर कोलकाता सहेली कुन्डु

बोस संस्थान, कोलकाता प्रेरणा बलि

दिल्ली की संस्थान आशुतोष के.कुन्डु

बोस संस्थान, कोलकाता, रूणम कुमारी

बोस संस्थान, कोलकाता ब्रोतोती चक्रवर्ती

बोस संस्थान, कोलकाता बानी मल्लिक

विभाग द्वारा सम्मेलन का गठन

ग्रामीण जैव प्रौद्योगिकी के सहयोग के साथ विभाग द्वारा जैव प्रौद्योगिकी में हाल ही मे अग्रिम पर एक दिन सम्मेलन का गठन हुआ था, 31st जुलाई, 2015 बोस संस्थान में। इस सम्मेलन में भारत और विदेश से प्रख्यात वक्ताओं ने हिस्सा लिया है।

संघमित्र साहा

अ पुस्तके : शून्य

ब पत्रिका में शोध पत्र :

1. राय एन, सरकार एम, साहा एस, पिरोक्सिकम, एक पारंपरिक गैर स्टेरोइडल एंटी इनफलाम्मटरी दवा एपोप्टोसिस के कारण आरओएस मध्यस्थता एकेटी के माध्यम से सक्रिय हुआ। औषधीय रिपोर्ट (एलसेवियर), 67 : 1215-1223, 2015
2. बनर्जी बी, नन्दी पी, चक्रवर्ती एस,साहा एस, सेन पीसी, जाना के / रेसवेरेटरोल ऐमेलियोरेटस बेन्जो

अ पायरिन-इन्डयुस्ड टेस्टीकुलर डिसफन और एपोप्टोसीस : पी38 एमएपीके/एटीएफ-2/आईएनओएस सिगनल की भागीदारी । जैव रसायन की पत्रिका (एलसेवियर)। 43:7-29, 2016

राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया

जुलाई 2015 अध्यक्ष के रुप में विश्व-भारती में जैव प्रौद्योगिकी में हाल के अग्रिमो के सम्मेलन पर एक सम्मेलन का गठन हुआ।

शैक्षणिक उद्देश्य के लिये विदेश की यात्रा : एनए

पीएच.डी का इवेल्यूशन। पत्रिका में थेसिस एवं रिविव्युर के शोध पत्र : अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका के लिये समीक्षा की पांडुलिपि: जैव रसायन की अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका और कोशिक जीव विज्ञान (एल्सेवियर) : आक्सीडेटिव दवा ओरसेलुलर

दीर्घायु।

जादवपुर संस्थन से दो पीएच.डी थेसिस इवेल्यूएटेड

मार्ग दर्शन : 3 (एक पंजीकृत भीबी पर, 2 पंजीकृत कलकत्ता संस्थान पर)

अमित रॉय

अ पुस्तके : शून्य

अरित्रा, सिमलाई, कालीशंकर मुखर्जी, अनुरूप मंडप, काशीनाथ भट्टाचार्य अमलेश सामन्त और अमित रॉय। सदाबहार पौधे सेरिओप्स डिकान्डरा के लकड़ी निकालने से रोगाणुरोधी गतिविधि की आंशिक शुद्धि और लक्षण वर्णन।

ईएक्ससीएलआई पत्रिका, मात्रा 15, पृष्ठों 103-112, फरवरी 09, 2016। डीओआई : एचटीटीपी:// डीएक्स.डीओआई.ओआरजी/10.17179/ईएक्ससीएलआई 2015-741 प्रकाशक : काम के माहौल और माननीय पहलू के लिये लाइबनिज शोध केन्दू, डॉर्टमुंड, जर्मनी। आईएसएसएन : 1611-2156

राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेना

तथागाता चौधुरी

1. मोहन्ती एस, साहु एस के, एन आर चट्टोपाध्याय, कुमार ए, दास पी, चौधरी टी। टीएपी 63 कापोसी के जरिये अल्फा इन्डयूश्ड ऐपोपटोसीस इन्हाइबीटेड सरकोमा हार्पेसवाइरेस लेटेन्सी न्यूक्लियर रेन्टिजेन 2015, 6:2 जे कारसीनोग मुटागेन
2. मालबिका बनर्जी 1, सुब्रत चट्टोपाध्याय, तथा गाता चौधुरी, राममोहन बेरा, संजय कुमार, विश्वजीत चक्रवर्ती और समीर कुमार मुखर्जी। साइटोटॉक्सिसीटि और चक्र गिरफ्तारी स्तन कैंसर कोशिका लाइन एमडीए-एमबी-231 की क्रमादेशित कोशिका मृत्यु के लिए एनड्रोग्राफोलाइड नेतृत्व द्वारा प्रेरित। 2016 अप्रैल 16:23:40। जे बायोमेड एससीआई।
3. एस के साहु, एस चक्रवर्ती, एस.डी.रॉय, एन बेश्य, आरआररेड्डी, एस सुक्लाबेद्या, रे अश्थना, ए के पान्डा, एस पी सिंह, रस गांगुली ओ पी साव, सी एन कुन्डू, ए के दास, एन आर चट्टोपाध्याय, के चटर्जी, सी एन कुन्डू, ए के दास, आर कन्नन, जोरेणपुई, ई जोमविया, एस ए सेमा, वाई आई सिंह, एस के घोस, के शर्मा, बी एस दास और टी चौधुरी। नशोफरीन्जील कार्सिनोमा के लिए संवेदनशीलता के साथ कोडोन 72 एआरजी 4 प्रो बहुरूपता पी53 की एसोसिएशन : किसी की परवाह नियंत्रण अध्ययन और मेल विश्लेषण से सबूत। (2016) 5, सी225: डीओआई 10,1038/ ओन्सीज, 2016.31 ओंकोजेनेसीस

राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेना

1. सूक्ष्म जीव विज्ञान में नए रास्ते और जैव प्रौद्योगिकी की चुनौतियों और संभावनाओ सूक्ष्म जीव विज्ञान में 18-19 मार्च, 2016 विभाग पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुति के लिए आमंत्रित किया, पश्चिम बंगाल की राज्य विश्वविद्यालय और शारदा एमए लड़कियों कॉलेज बरहमपुर पश्चिम बंगाल में पीएचवाईसीओएन-2014 में प्रस्तुति के लिए आमंत्रित किया।
2. अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में आमंत्रित की प्रस्तुति जैविक विज्ञान के क्षेत्र में आधुनिक दृष्टिकोण की खोज : जीनोम से प्राणीशास्त्र सीधो कान्हो बीरसा विश्वविद्यालय के विभाग द्वारा 25-27 नवम्बर, 2015 जीव के लिए।

राष्ट्रीय स्तर पर शैक्षणिक कार्य

1. सदस्य, इम्जेनेक्स भारत के आईबीएससी
2. सदस्य, पशु आचार समीति, सीधो कान्हो बीरसा संस्थान

3. जैव प्रौद्योगिकी के सचिव विभाग द्वारा आमंत्रित किया (मीण ऑफ साइंस ऐण्ड टेक) और भाग लिया डीबीटी (डीबीटी) वैश्विक जैव प्रौद्योगिक शिखर सम्मेलन 5-6 फरवरी, 2016

आर्थिक सहायता एजेंसियों से अनुसंधान परियोजनाओं के फर्स्ट अप्रैल 2014, 31 मार्च 15 के दौरान गड़बड़ी के रूप में संचालित :

1. डीबीटी से भारत के उत्तर पूर्वी क्षेत्र में नेसोफेरिनगील कार्सिनोमा के लिए एक व्यापक समक्ष।
2. केएसएचभी प्रेरित प्राथमिक बहाव लिंफोमा और डीबीटी से एनएम 23-एचआई के साथ अपनी बातचीत
3. केएसएचभी प्रेरित प्राथमिक बहाव लिंफोमा यूजीसी से
4. आईसीएआर एनईआरसी से औषधीय पौधे परियोजना

निलंजन दास

प्रकाशन

ए. पुस्तक :

बी. पत्रिका में शोध पत्र : 2

चूहों में प्लाज्मा प्रोटीन की ऑक्सीडेटिव पोस्ट ट्रांसलेशनल संशोधनों और चूहों पर एक केलोरीकेली प्रतिबंधित आहार शासन के प्रभाव के (2015) चंदन कुमार जाना और निलंजना दास। जे. इण्डियन कॉम, एसओसी, 92(7) 1263-1269

उम्र जुड़े माइटोकोनड्रियल की ऑक्सीडेटिव संशोधन ? माउस से एफआई एटीपी सिनथ्रेस की सबयूनिट के कंकाल की मांसपेशियों (2015) निलंजना दास और चंदन कुमार जाना, फ्रि राडिकल शोध 49 (8), 954-961।

सी. पुस्तक अध्याय की तरह लेख :

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेना

सहायक प्रोफेसर के लिए यूजीसी-एचडीआरसी लखनऊ विश्वविद्यालय में एक सप्ताह के लघु अवधि के पाठ्यक्रम (ग्रेड-3-4) सितम्बर से 118-24, 2015 एक सप्ताह की डीएसटी 12-16, अक्टूबर 2015 से मानव उत्कृष्टता की अकादमी में जवाबदेही और वैज्ञानिक संगठन की जवाबदेही पर प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रायोजित। विश्व-भारती में सम्मेलन का गठन : एक दिन विभाग सम्मेलन आरएबी 2015।

शैक्षिक उद्देश्य के लिए विदेश का दौरा :-

राष्ट्रीय स्तर पर शैक्षिक काम :

पत्रिकाओं में पीएच.डी थीसिस के इवेल्यूएशन और शोध के रिव्यूवर : शोध छात्राओं की पीएच.डी थीसिस के पर्यवेक्षण एम.एससी परियोजना के मार्गदर्शन पीएच.डी

आर्थिक सहायता एजेसियो से अनुसंधान परियोजनाओ के 1 अप्रैल 2015-31 मार्च 16: के दौरान गड़बड़ी के रूप में संचालित :

सीएसआईआर परियोजना के सेकक्रोमिसेस सेरेविसिया रूपये 28,24,820/ के लिए मंजूरी दे दी है ऑक्सीडेटिव तनाव के संजय में अपनी भूमिका में हकदार विरोधी ऑक्सीडेटिव बचाव में उम्र जुड़े परिवर्तन के मूल्यांकन

यूजीसी नाबालिग संभावित 1.20 लाख के लिए जैव सूचना विज्ञान उपकरण का उपयोग उम्र और ऑक्सीडेटिव तनाव के लिए प्रोटीन के चुनिंदा संवेदनशीलता के पीछे कारणों पर एक अध्ययन हकदार परियोजना के।

जोली बशक

लेखन

1. बशक्त जोली और नीतिन सी. 2015 / सीआरआईएसपीआर-सीएएस प्रौद्योगिकी के साथ पौधों में गैर कोड़िग आरएनएएस को निशाना बनाने का एक चुनौती अभी तक स्वीकार करने लायक है। पौधा एससीआई 6:1001. डीओआई : 10.3389/एफपीएलएस.2015 01001 (आईएफ 3.95)
2. नीतिन सी, थोमस ए, पटवा एन, बहादुर आर पी और बशक जोली.2015।
एमआई:आरएनएएस और बाकला में अपने लक्ष्य सरल अनुक्रम दोहराने हस्ताक्षर का उपयोग कर के कम्प्यूटेशनल भविष्यवाणी। बीएमसी जैव पौधा : 15: एमओ (आईएफ3.8)

जोली बशक

सेमिनार प्रस्तुति

मौखिक प्रस्तुति : मंगबीन पीले पच्चकारी भारत वायरस के संक्रमण के दौरान उड़द की ट्रांसक्रिप्टम की रूपरेखा के जैविक तनाव सहिष्णुता के तंत्र को समझाने के लिए संसाधन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के आधार पर समावेशी कृषि और विकास के अवसरों और चुनौतियों, रामकृष्ण विवेकानन्द विश्वविद्यालय, नरेन्द्रपुर 15-16 जनवरी, 2016।
मौखिक प्रस्तुति : चावल में गैर मेजबान प्रतिरोध के संरचनात्मक तंत्र को समझना। डीएसटी की प्रायोजित जैव प्रौद्योगिक में नए क्षितिज पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, प्रौद्योगिकी की हल्दिया संस्थान, हल्दिया। 14-15 अक्टूबर, 2015।
चल रही प्रस्तुति : पहचान और बाकला के लक्षण वर्णन के सूक्ष्म आरएनएस विभिन्न छोटे आरएनएएस ट्रांसक्रिप्टम की गहरी अनुक्रमण, डीबीटी वित्त पोषित परियोजना द्वारा जैविक तनाव हालत में व्यक्त किया, 55 लाख।

शोध स्कोलर की पोस्टर प्रस्तुति :

निबेदिता चक्रवर्ती, निशा पटवा और जोली बशक। बाकला के नौ किस्मों को संक्रमित मंगबीन पीले पच्चकारी भारत वायरस तनाव की पहचान की। जैव प्रौद्योगिकी विभाग में जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हाल के अग्रिमों पर एक दिवसीय संगोष्ठी का विश्व भारती, शांति निकेतन, 31 जुलाई 2015।
अल फ्रेड बेसरा और जोली बशक। बकला से जीन परमिएस सिलिको विश्लेषण ओर एक एमिनो एसिड के लक्षण वर्णन में/ जैव प्रौद्योगिकी विभाग में जैव प्रौद्योगिक के क्षेत्र में हाल के अग्रिमों पर एक दिवसीय संगोष्ठी का विश्व भारती, शांति निकेतन 31 जुलाई 2015।

मौखिक प्रस्तुति

एस.के.एम.डी नसीम जोली बसक सिलीको विश्लेषण और सेक्स के नेटवर्क के निर्माण परवल रोक्स्ब के प्रोटीन का निर्धारण करने में। गौर बंगा पश्चिम बंगाल इण्डिया 10 मार्च 2016 के वनस्पति विज्ञान विश्वविद्यालय के विभाग में आधुनिक जीव विज्ञान पौधो और रोगाणुओं को परिभाषित करने पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी।

सफलता

सोनाली बेज आणुविक क्लोनिंग और एग्री बायोटेक नींव हैदराबाद में फसल सुधार 1-16 सितम्बर 2015 के लिए ट्रांसजेनिक प्रौद्योगिकियों पर डीबीटी अल्पकालिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लिया। अल्फ्रेड बेसरा की आधी के सम्मानित राष्ट्रीय पात्रता क्वालीफाई। रैंक : 99/965, 21 जून, 2015

नरोत्तम दे

अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन :

1. 6 अप्रैल, 2015, को प्रेरित सूखे तनाव के तहत जीनोम रिसर्च और बायोकम्प्यूटिंग अंग स्टेट युनिवर्सिटी, चावल में सिलिंकॉनप्रतिलेख विश्लेषण में हकदार कॉरवेलिन्स (धान एल) के लिए केन्द्र में वसंत सम्मेलन में एक पोस्टर प्रस्तुत।
2. 3 अंतराष्ट्रीय प्लांट फिजियोलॉजी कांग्रेस जेएनयू में एक पोस्टर प्रस्तुत में, 11-14 दिसम्बर 2015 को प्रेरित आसमाटिक दबाव के तहत चावल में वैशिक ट्रांसक्रिप्टम ट्रान्सक्रिप्टम विश्लेषण के अध्ययन के लिए नई दिल्ली के हकदार

आरएनए-सेक विशेषण

प्रकाशन :

1. बेनर्जी एस, घोष एन, मण्डल सी, दे एन. अदक एम.के. संदर्भ के साथ चावल जीणोटाइप में डूब सहिष्णुता के (2015) मनोवैज्ञानिक मेटाबोलिजम प्लांट जीन और ट्रेट 6 (2) : 1-11 कार्बोहाइट।
2. प्रिया ए, दास एस पी, गोस्वामी एस, अदक एम के, देव डी, दे एन (2015) एक सोजपूर्ण संयंत्र विज्ञान के पांच आणुवांशिक चावल में पुष्प अंग विकास से जुड़े स्थलों के लिए एलकलिक विविधता पर एक खोजपूर्ण अध्ययन। संयंत्र विज्ञान के अमेरिकन जर्नल 6:1973-1980।
3. गोस्वामी एस, लवर आर, पॉल ए, अदक एम के ऐण्ड दे एन (2015) चावल में डूब सहिष्णुता के लिए फिजियों जैव रासायनिक और आणुवाशिक अन्वेषण (धान एल) सब 1 एलओसीआई के लिए विशेष संदर्भ के साथ लैंडरेसेस संयंत्र विज्ञान के अमेरिकन जर्नल में स्वीकार किए जाते हैं। 6:1973-1980.
4. जेनी एस ए, देव एन और मण्डल टी के (2016) प्रमोटर मेथिलिकरण की लवणता तनाव में विषम चावल जीनोटाइप में 059-आईआर393ए की बहुतायत को नियंत्रित करता है। कार्यात्मक और स्वीकृत जीनोमिक्स डीओआई : 10.1007/एस 10142-015-0460-1

समिरन साहा

1. सिर्फ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी विवरण (अधिकतम 2 शिक्षक प्रति में शिक्षक / अणुसंधान विद्वानों द्वारा ईटीसी.एटैन्डेड

(i) राष्ट्रीय सम्मेलन में मौखिम प्रस्तुति : समिरन साहा, शन्नोन टोनसेन्ड, अगस्टो कारवाल्हो, शदेन कमहवी, फाबीयानो ओलिवेरा, जीसस जी वलेनजुला। कार्यात्मक जीणोमिक्स के, फ्ले बोटोमस अर्जेटाइपस से थी। उत्प्रेरक लार प्रोटीन पहचानती लेशमानिया के वेक्टर
भारतीय उपमहाद्वीप में उन्माद ट्रॉपिकल मेडिसिन और फिलोडल्फिया, पेसिल्वेनिया, संयुक्त राज्य अमेरिका में स्वच्छता के अमेरिकन सोसाइटी की 64वीं वार्षिक बैठक में, 25-29 अक्टूबर 2015 से।

ii. अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेने 3 बाल्टीमोर, यूएसए, मेरीलेंड में 5 जून, 2015 को सार्वजनिक स्वास्थ्य के जाँच हॉफिन्स ब्लुम्बर्ग स्कूल में बाल्टीमोर वेक्टर मुठभेड़ 2015।

विभाग में चल रही शोध परियोजना :

i. शिक्षक का नाम: समिरन साहा

ii. परियोजना का नाम : ऑटोफेजिक कोशिका मृत्यु का प्रेरण के माध्यम से कैंसर की कोशिकाओं पर थिएफ्लेविंस की कीमोथेरेपी की प्रभावकारिता-सिद्धांत अन्वेषक। दवायुक्त पौधे की परियोजना

सह अन्वेषक

iii. प्रायोजित करने की एजेसियों डीबीटी, भारत आईसीएआर की सरकार, एनईएच क्षेत्र

iv. राशि: रू 25 लाख रूपये 23.2 लाख

विस्तार गतिविधियों की / एनएसएस / वार्षिक दिवस समारोह

4. शैक्षणिक भेद का फायदा हुआ : 1 वर्ष के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका में काम करने के लिए यूजीसी रमण पोस्टडोक्टोरल फैलोशिप 2014-2015 के पुरस्कार प्राप्त।

गणित शिक्षा केन्द्र

केन्द्र यूजीसी टीम की सिफारिशों के अनुसार ixवीं पंचवर्षीय योजना वर्ष में बनाया गया था। प्रोफसर श्यामल कुमार सामान्ता केन्द्र के प्रभारी संस्थापक प्रोफेसर थे। प्रोफेसर स्वप्न राहा अब इस केन्द्र के प्रभारी है। अपनी स्थापना के बाद से केन्द्र विश्व भारती की पीएच.डी की डिग्री के पुरस्कार के लिए अग्रणी अनुसंधान गतिविधियों के उपक्रम कर दिया गया है। रिसर्च सेंटर में किए गये अधिकांश गणित की प्रकृति शैक्षणिक पहलुओं में अंत: विषय है। यह शिक्षा, दर्शन, बाल मनोविज्ञान, सांख्यिकी, व्यवहार और संज्ञानात्मक विज्ञान पर ही निर्भर करता है भारी। एक ही बाहर ले जाने में शामिल है विश्वविद्यालय के विभाग के सदस्य विभिन्न नियमों से।

अनुसंधान गतिविधियों, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर, गणितीय रचनात्मकता और इसकी संबद्ध के कुछ गणित में प्रमुख अवधारणाओं की पहचान पर जा रहे है, उनकी न्यूनीकरण के लिए चिंता, भय ओर कुशल रणनीति तैयार का कारण बनता है।

दिलीप कुमार गुईन गणित की शिक्षा के लिए केंद्र के एक शोध छात्र, माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों के बीच गणित में चिंता और भय के कारणों में से एक शोध के शीर्षक से पहचान पर अपनी पीएच.डी की डिग्री प्राप्त की है और इसी के तहत न्यूनतम करने के लिए रणनीति विकसित हो रहा है संयुक्त प्रोफेसर श्यामल कुमार सामन्ता और प्रोफेसर तारकनाथ पण की देख रेख में 22 फरवरी 2016।

प्रोफेसर क्षितिश चंद्र चट्टोपाध्याय, फॉरमर प्रोफेसर गणित के, बर्दवान का विश्वद्यिालय केन्द्र का दौरा किय और 7,14,21और 31 मार्च 2016 के दौरान एक व्याख्यान श्रृंखला को जन्म दिया।

i. एक्सटेन्डेड कोम्प्लेक्स प्वेन और स्टेरियोग्राफिक प्रोजेक्शन
ii. मोबियस ट्रान्सफोरमेशन
iii. मोबियस परिवर्तन के कुछ अनुप्रयोगों

केन्द्र माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तर पर गणित के क्षेत्र में प्रमुख अवधारणाओं को पहचानने का प्रयास। यह जीवंत प्रकृति और गणित के आवश्यक एकता का पता लगाने के लिए करना चाहता है। आने वाले वर्षो में केन्द्र लगातार विशेष व्याख्यान इंटरैक्टिव सत्र में विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिष्ठित विशेषज्ञो को शामिल व्यवस्थित करने की उम्मीद है। यह स्कूलों और युवा एक व्यापक जलग्रहण क्षेत्र को कवर शिक्षार्थियों को शमिल करने के रूप में यह इस क्षेत्र में केवल ऐसे केन्द्र है। प्रस्ताव। यह पाठ्यक्रम का विश्लेषण करने के लिए इंटरैक्टिव और अंत:विषय सत्र का आयोजन करना चाहता है, तरह-तरह के क्षेत्र में गणित की शिक्षण विधि की पहचान करना चाहता है, आधुनिक तकनीक के उपयोग के साथ एक बेहतर कार्यप्रणाली तैयार करना है, इतना है कि गणितीय भय कम से कम स्कूल छात्रों के बीच है और इस विषय में उनकी रूची बढ़ाया जा सकता है। यह विश्व-भारती, गणित विभाग एवं शिक्षा विभाग की सहायता से एक अत: विषय एकीकृत बी.एससी/बी.एड. पाठ्यक्रम के लिए एक पाठ्यक्रम भविष्य में विकसित करने का प्रस्ताव भी है।

भविष्य में, स्कूलों में विस्तार कार्यक्रमों का आयोजन करने के लिए केन्द्र की योजना तैयार की गई है, भाग लेने वाले स्कूल के छात्रों और आस-पास के तरह-तरह के सस्थानों के बीच गणितीय शिक्षा की रूची को बढ़ाने के लिए।

एकीकृत विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/स्लेट/ और गेट में योग्य छात्रों के नाम :

आईएसईआरसी 2009 में पांच साल एकीकृत एम.एससी पाठ्यक्रम के अपने पहले सत्र शुरू हुए। 2014 में पहले बैच के बाहर पारित कर दिया गया है। तीसरे बैच इस साल के बाहर पारित हो जाएगा।

विभागीय सेमिनार 3 सितम्बर 14-18-2015 के दौरान वन (01), डीएसटी आईएनएसपीआईआरई केम्प

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशाला आदि शिक्षक / रिसर्च स्कॉलर ने भाग लिया :-

क्र. सं.	**शिक्षक के नाम**	**सम्मेलन / संगोष्ठी में भाग लेने वालो के नाम**	**आयोजन स्थल और अवधि**
1.	डॉ सुशान्ता घोष	इन्ट. सामग्री एससी. और प्रौद्योगिकी पर सम्मेलन	1-4 मार्च को दिल्ली विश्वद्यिालय
2.	महाश्वेता नन्दी	सतह विज्ञान और संबंधित क्षेत्रों में प्रवृत्ति	रसायन विज्ञान विभाग, पश्चिम बंगाल राज्य विश्वविद्यालय सतह विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए भारतीय समाज के सहयोग से बारासात (आईएसएसएसटी) 25 जुलाई, 2015
		अकार्बनिक रसायन विज्ञान में आधुनिक ट्रेंडा	जादवपुर विश्वविद्यालय 3-5 दिसम्बर, 2015
		समूहों क्लस्टर विधान सभाओं और नाणोमटेरियल्स पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी	आईआईएसईआर-त्रिवन्द्रम 9-12 मार्च, 2016
3.	डॉ उमेश कुमार सिंह	अक्षय ऊर्जा के विस्तार ओर आउटरीच पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	विश्व-भारती 20-21, मार्च 2016
4.	डॉ निलंजन बन्दोपाध्याय	ब्रसिल जेआईएनआर फोरमः परमाणु, प्राथमिक कण और गाढ़ा पदार्थ भौतिकी में सीमाओं	जेआईएनआर, डूबना, रस्सियाँ 15-19 जून, 2015
5.	डॉ गिरीश ए	दवाओं की खोज और कैंसर के उपचार	पांडिचेरी विश्वविद्यालय पुडुचेरी, 2016

विभाग में अनुसंधान परियोजना चल रही :

अन्वेषक का नाम	परियोजना का खिताब और अवधि	राशि मंजूर	निधीयन एजेंसी
डॉ0 उमेश कुमार सिंह (सिद्धांत अन्वेषक)	पानी की गुणवता मूल्यांकन नदी के अजय-एक नदी गंगा की सहायक नदी (2013-2017)	₹12,06,800	यूजीसी, नई दिल्ली
डॉ महाश्वेता नन्दी	मेसोपोरस संक्रमण धातु युक्त	रू0 24,98,000	डीएसटी-एसईआरबी

(सिद्धान्त अन्वेषक)	चौखटे के निर्माण : कटैलिसीस में अपने आवेदन	नई दिल्ली

प्रकाशन का ब्यौरा

सुब्रता सिन्हा (भौतिक विज्ञान)

सहकर्मी की समीक्षा की पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र :

i. संदीप लायक, मिहिर घोष, कारूका सिद्धार्थ रेड्डी, सुदिप्ता सेनापति, प्रलय मयती, सुब्रता सिन्हा।
पाली (9,9-डीआई-(2-एथिहेक्सी1)-9एच-फ्लोरेन्स-2,7-विनिलेंस) के ऑप्टिकल अध्ययन और इसके नेनोकोम्पोसाइटस।
जे.एपीपीएल. स्पेक्टरो एस सी, 82,868-874, 2015।

ii. मिहिर घोष, सुब्रता सिन्हा।
सोल्भटोक्रोमिक स्टोक्स बदलाव और मुफ्त आघार के उत्साहित राज्य द्विधुवीय क्षणों के निर्धारण और जिंक ओक्टेथीलपोरफिरीन
स्पेक्टरोक्षीम, एसीटीए पार्ट ए : मोल बायोमोल स्पेक्ट्रो एस सी, 150, 959-965, 2015।,

सुशान्त घोष (रसायन विज्ञान)

सहकर्मी की समीक्षा की पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र :

i. बिकास मण्डल, आई, बासुमल्लिक, सुशान्त घोष।
एलआई, के-आयोन बैटरी के लिए के4एफई (सीएन)6 कैथोड सामग्री में लिट/केटियोन विनिमय व्यवहार पर विद्युत अध्ययनों।
जे. रसायन विज्ञान, 127,141-148,2015।

ii. बिकास मण्डल, आई, बासुमल्लिक, सुशान्त घोष।
लिथियम-आईओएन बैटरी क लिए उपन्यास एलआई2एमजेडआरओ4 (एम=एफई, एमएन) कैथोड सामग्री पर संश्लेषण, लक्षण और विद्युत के अध्ययन।
अग्रिम सामग्री पत्रों, 7,150-155, 2016।

महाश्वेता नन्दी (रसायन विज्ञान)

सहकर्मी की समीक्षा की पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र :

शीबाशीष हलदर, अपराजिता मुखर्जी, कौशिक घोष, सुदिप्तो दे, महाश्वेता नन्दी, पारथा रॉय।

डिनुक्लियर तांबा (II) परिसरों के ओलेफिन्स की इपोक्सीडेशन की ओर संश्लेषण, लक्षण और उत्प्रेक गतिविधियों।

आणिविक संरचना के जर्नल, 1101,1-7, 2015।

उमेश कुमार सिंह (पर्यावरण विज्ञान)

सहकर्मी की समीक्षा की पत्रिकाओं में प्रकाशित :

i. मनीष कुमार, अपर्णा दास, नीलोत्पाल दास, रीतुस्मिता गोस्वामी, उमेश कुमार सिंह।
दिफू के भूजल, में आर्सेनिक और फ्लोराइड की सह-संदूषण परिप्रेक्ष्य, उत्तर-पूर्वी भारत।
केमोस्फेयर, 150,227-238,2016।

ii. ज्योति प्रकाश देका, संगीता सिंह, पवन कुमार झा, उमेश कुमार सिंह, मनीष कुमार।
उच्च ऊँचाई पूर्वी हिमालय झील के पानी रसायन विज्ञान पर लंबी दूरी के लिए जाया प्रदूषण की स्पष्ट झलक मिलती है।

पर्यावरण भू विज्ञान, 75,285,2016. डीओआई 10.1007/एस 12665-015-4813-9

iii. बलवंत कुमार, उमेश कुमार सिंह, सुकान्त नायक।
कुछ विशिष्ट वायु प्रदूषण और इसके जोखिम की समीक्षा के मानव स्वास्थ्य से संबंधित
पर्यावरण विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका, 4,1-5,2015

स्वप्न कुमार पंडित (गणित)

सहकर्मी की समीक्षा की पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र

i. अनीरबन चट्टोपाध्याय, स्वप्न के पंडित।
लीडड्राइवेन पोरोस ट्रेपजोईडल एनक्लोजर के लिए मिश्रित संवहन का एक पेक्लेट संख्या आधारित विश्लेषण।
प्रोकेडिया इंजिनियरिंग, 127,628-635, 2015।

ii. अनीरबन चट्टोपाध्याय, स्वप्न के, पंडित, श्रीजाता सेन, लोन पोप।
सीनूसोइडल्ली संचालित एक डबल ढक्कन में मिश्रित संवहन झरझरा गुहा गर्म किया।
गर्मी और बड़े पैमाने पर स्थानांतरण के इंटरनेशनल जर्नल, 93,361-378,2016।

iii. स्वप्न के, पंडित, अनीरबन, हकन एफ. ओजटोप।
झरझरा मीडिया में गर्मी हस्तांतरण समस्या के लिए एक चोथे क्रम कॉम्पैक्ट योजना।
कम्पूटर और अनुप्रयोगों के साथ गणित, 71,805-832, 2016।

निलंजन बन्दोपाध्याय (भौतिक)

सहकर्मी की समीक्षा की पत्रिकाओें प्रकाशित पत्र :

i. पी बनर्जी, बी बासू-मल्लिक, एन, बन्दोपाध्याय, सी.दत्ता।
ध्रुवीकृत स्पिन उलट ऑपरेटरों के साथ बीसी-एन प्रकार तर्कसंगत इन्टेग्रेबल मॉडल के सुपरीसीम्मेटिरक ऐनालोग।
नाभिकीय भौतिकी बी, 904,297-326,2016।

नए पाठ्यक्रम / पाठ्यक्रम या किसी अन्य शिक्षण नवाचार विभाग केंद्र द्वारा शुरू की डिजाईनिंग भौतिकी (स्पेक्ट्रोस्कोपी, संघनित पदार्थ भौतिकी), रासायनिक (इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री, सामग्री विज्ञान), पर्यावरण विज्ञान। (जल विज्ञान, जल और मिट्टी प्रदूषण) गणित (अभिकल्याणात्मक जटिलता द्रव गतिकी) और जीवन विज्ञान (कैंसर जीव विज्ञान, तंत्रिका जीव विज्ञान, आनविक निदान)।

डीएसटी-इन्सपायर फेलोशिप दिशा निर्देशों के अनुसार, उनके आकाओं की देख रेख में परियोजना का काम करने के लिए छात्रों को तरह-तरह के संस्थान ओर युनिवर्सिटी जैसे IIII बोम्बे, III दिल्ली, III गुवाहाटी, III चेन्नई, III सरगपुर, टीआईएफआर, एनसीएल, सिनप और आईआईएससी बैंगलोर के लिए सिफारिश कर रहे हैं।

विकास के लिए भविष्य की योजनाओं का एक संकेत के साथ संबंध सेंटर / विभाग के विकास का संक्षिप्त इतिहास अपनी ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग उच्च स्तरीय समीति की सिफारिश को स्वीकार कर लिया है विश्व भारती विश्वविद्यालय की परिदर्शक द्वारा गठित किया गया था। भारत के माननीय राष्ट्रपति, शिक्षा भवन (विज्ञान संस्थान), विश्व भारती के तहत भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में एक पाँच साल एकीकृत कार्यक्रम पेश करने के लिए पाठ्यक्रम अनुसंधान और बुनियादी विज्ञान में शिक्षा के लिए बेहद प्रेरित छात्रों को आकर्षित करने के लिए करना है। कोर्स के सफल समापन एक पाँच साल एकीकृत एम.एससी. के बाद भौतिकी/रसायन विज्ञान/गणित/जीव विज्ञान प्रमुख के साथ डिग्री उम्मीदवारों को सम्मानित किया जाता है। पृथ्वी और पर्यावरण विज्ञान पर एक नए प्रमुख 2016 से शुरू की गई है।

कला-भवन

(ललित कला संस्थान)

वर्ष के लिए वार्षिक रिपोर्ट (2015-2016)

नन्दन, कला भवन म्युजियम विश्व भारती शान्तिनिकेतन

कला वस्तु के दस्तावेज

कला वस्तु के डिजिटलीकरण	:	1127	नॉस
कला वस्तु के कम्प्यूटरीकृत प्रलेखन	:	1898	नॉस
परिग्रहण और कला वस्तु के दस्तावेज (स्ट्रांग रुम 1)	:	0528	नॉस
परिग्रहण और कला वस्तु के दस्तावेज (स्ट्रांग रूम 2)	:	1841	नॉस

संग्रहालय संग्रह की कला वस्तु का भौतिक सत्यापन

कला वस्तु का भौतिक सत्यापन (स्ट्रांग रूम 1)		2380	नॉस
कला वस्तु का भौतिक सत्यापन (स्ट्रांग रूम 2)		0892	नॉस

कला वस्तु के निवारक और उपचारात्मक संरक्षण

निवारक संरक्षण	:	362	नॉस
उपचारात्मक संरक्षण	:	076	नॉस
माउंटिंग विथ एसिड फ्री माउंट बोर्ड एवं टिका की फिक्सिंग	:	353	नॉस
स्थिति का आकलन	:	001	नॉस
बढ़ते और सामयिक प्रदर्शनी के लिए तैयार	:	039	नॉस
एकीकृत हानिकारक कीट प्रबंधन	:	003	टाइम्स

उपलब्धि और संग्रहालय के कर्मचारियों के प्रशिक्षण

शुशोभन अधिकारी, क्यूरेटर, कला भवन ह्युस्टन, टेक्सास, संयुक्त राज्य अमेरिका में जुलाई, 2015 के दौरान बिस्वा बंग सम्मेलन, (एनएबीसी 15 (उत्तर अमेरिकी बंगाली सम्मेलन) द्वारा आयोजित बंगाल कला की एक प्रदर्शनी उपपादरी के लिए आमंत्रित किया गया था।

कला, 2016 पर विश्लेषणात्मक लेखन के लिए पश्चिम बंग बंगला एकाडमी के द्वारा सुशोभन अधिकारी को ''मनोज मोहन बासु स्मारक सम्मान' की तरह नवाजा गया।

अमूल्य कुमार जेना, संरक्षण सहायक, कला भवन ब्रिटिश का काउंसिल और विसान संग्रहालय की राष्ट्रीय परिषद द्वारा आयोजित संग्रहण और भंडारण प्रबंधन कार्यशाला में, कोलकाता 18-20 फरवरी, 2016 के दौरान भाग लिया।

विशेष प्रदर्शनी और नंदन गैलरी में अन्य गतिविधियों, कला भवन संग्रहालय

1. एनएएसी समीति के लिए विशेष प्रदर्शन
2. शिक्षा-सत्र, श्रीनिकेतन का वार्षिक प्रदर्शनी।
3. पठ-भवन, शान्तिनिकेतन का वार्षिक प्रदर्शनी।
4. शुक्ति रॉय, कोलकाता के अंधेरे स्वर्ग कला काम करता है।
5. एस. मलशा लक्ष्मीसेनाधिरा, श्री लंका के सतह चित्रों से परे।
6. प्रोफेसर अरुन पाल, शान्ति निकेतन द्वारा ड्राइंग और चित्रों।

7. अमित मुखर्जी, कोलकाता द्वारा अंतराष्ट्रीय शो, क्यूरेट।
8. वैशाली ओक, पूने द्वारा कला कार्य
9. थाईलैंड, कला भवन के छात्रों द्वारा विशेष प्रदर्शनी का गठन।
10. प्रकृति विकाश देवनाथ का एक पूर्व व्यापी प्रदर्शनी के मूर्तिकार।
11. बिन्दु कला ट्रस्ट, इण्डिया-निलंकारी, चैन्नई द्वारा कला कार्य का प्रदर्शनी।
12. 125 वीं साल असित कुमार हलदर के ब्रिटिश वर्षगांठ के अवसर पर चित्रों की प्रर्शनी।
13. कला की प्रदर्शनी 21 फरवरी के अवसर पर बंगलादेश के छात्रों द्वारा काम करता है।
14. रेखाचित्र, स्क्रिब्बल्स, के.जी. शुब्रमन्यन द्वारा चित्र।
15. शन्ति निकेतन अल्पना : भूत एवं वर्तमान' –नंदलाल बोस, गौरी भंजा, जमुना शेन एवं अन्य।

    वृत्तचित्र फिल्म की स्क्रीनिंग

    बंशी चन्द्र गुप्ता पर वृत्तचित्र फिल्म

    शुब्रता मित्रा पर वृत्तचित्र फिल्म

संरक्षण कार्यशाला

कागज पर पेंटिंग के संरक्षण पर तीन दिवसीय कार्यशाला मेमोरियल ट्रस्ट और आईएनटीएसीएच अमिय सुरेश के सहयोग से कला भवन नंदन संग्रहालय, विश्व भारती में आयोजित। 19-21 मार्च 2016 के दौरान कला-भवन संग्रहालय स्टाफ एवं छात्रों द्वारा भाग लिया गया।

विशेष कार्य दिया गया :

1. प्रोफेसर बेरनारडो माइकल, मेसियाह कॉलेज, यूएसए।
2. एस. मलशा लक्ष्मी सिनघिरा, श्री लंका।
3. अमिताभ अधिकारी, कला का इतिहास कला भवन।
4. डॉ. प्रणब कुमार साहा, बर्दवान यूनिवर्सिटी
5. अर्कप्रभा बोस, कला का इतिहास, कला भवन
6. अरीजित कुण्डु, कोलकाता।
7. डॉ निलिमा आफरिन, ढ़ाका बंगलादेश
8. प्रोफेसर पुरुषोत्तम बिल्लिमोरिया, युनिवर्सिटी ऑफ कलिफॉर्निया, बेरकिले, यूएसए।
9. शिवादिव्य रोन, शान्तिनिकेतन।
10. एम.डी. वकिल मुजाहिद, शिलाईदाहा, बंगलादेश।
11. शाइबाल मित्रा, कोलकाता।
12. गौतम हलदर, कोलकाता।

डिजाइन विभाग

डिजाइन विभाग के अध्ययन के दो प्रमुख डिजाइन पाठ्यक्रम, भीआईजेड, दि बीएफए/डीएफए, कपड़ा और बीएफए/डीएफए में एमएफए/ एडवांस डिप्लोमा, चीनी मिट्टी की चीजे और काँच में एमएफए / एडवांस डिप्लोमा से मिलकर बनता है। इन दो प्रमुख पाठ्यक्रमों के अलावा वहाँ भी डिजाइन में दो साल के सर्टिफिकेट कोर्स डिजाइन में एक वर्ष विदेशी आरामदायक, और डिजाइन में एक वर्ष भारतीय आकस्मिक पाठ्यक्रम के एक कोर्स है डिजाइन विभाग के एक ही छत के नीचे।

विभाग एवं डिजाइन विभाग के विवरण जानकारी, कला भवन के नाम।

1. डीजीसी/सीएसआईआर/नेट/स्लेट एवं गेट परीक्षाओं में योग्य छात्रों के नाम।
2. विभागीय सेमिनार (वक्ता, संगोष्ठी, तारीख का खिताब) प्रतिष्ठित बाहरी वक्ताओं केवल 1-नही उठता।
   विस्तार गतिविधियों /एनएसएस/ सांस्कृतिक और विभाग द्वारा आयोजित और शिक्षकों और विभाग के छात्रों द्वारा भाग लिया अन्य गतिविधियों। नन्दन मेला और अन्य सांस्कृतिक एक्टिविटिस में भागीदारी।

2. विभागीय सम्मेलन / कार्यशाला

कपड़ा :

ए जोगेन चौधरी के द्वारा डिजाइन पर सम्मेलन।

बी माडर्न ज्वैलरी डिजाइन पर रेबेका हनून

सी फैशन (रीसाइक्लिंग अपशिष्ट पदार्थो) पर अभिजीत घोष (फ्रांस से)

डी झारखंड-2016 से चित्रकार द्वारा प्राकृतिक / पृथ्वी रंग पर पट्टचित्र चित्रकला कार्यशाला

ई बनारस ब्रोकेड डिजाइन पर कार्यशाला

केरामिक और काँच :

एफ ब्रिटेन से आई लियोना खालीली द्वारा नई पृथ्वी परियोजना चीनी मिट्टी के गुबंद विभाग द्वारा समन्वित बनाने के लिए 2015-16

जी लौ से गिलास में महेश और फिरोजाबाद में सुरेश से काम कर रहा है - 2-16

3. संकायों के तरह तरह के शैक्षणिक गतिविधियों : डिजाइन के विभाग, कला भवन, विश्व भारती, शन्तिनिकेतन सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि (2015-16)

प्रसून कांति भट्टाचार्य

1. छवि (दास भदन के लिए एक श्रद्धांजलि) कोलकाता 2-3 अक्टूबर 2015 में पीसी चन्द्र गुप्ता द्वारा आयोजित के माध्यम से एक समूह को शो यात्रा में आमंत्रित भागीदारी।

शिशिर सहाना

1. बुराफा युनिवर्सिटी, थाईलैण्ड में एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया गया जिसे प्रेरित कहा गया है।
2. विजयवड़ा आर्ट सेंटर, आन्ध्र प्रदेश, 2016 में एक यात्रा का शोलो प्रदर्शनी हुआ।

गौतम कुमार दास

1. जेईजेयू साउथ कोरिया, अगस्त 2015 में एक अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी में भाग लिया।
2. सितम्बर 2015 में बेइजिंग में एक अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी में भाग लिया।

देवाशीष महालानोबीश

1. आमंत्रित किया और कपड़ा, फाइबर और परिधान इंजिनियरिंग में उभरते रूझान, वस्त्र प्रौद्योगिकी, गवर्नमेट कॉलेज ऑफ इंजिनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया, बरहमपुर पश्चिम बंगाल 2016 में।
2. वस्त्र प्रौद्योगिकी, इंजिनियरिंग और वस्त्र प्रौद्योगिकी गवर्नमेंट कॉलेज, बरहमपुर, पश्चिम बंगाल, 2016 विभााग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी में भाग लेने।

कृष्णेन्दु बाग

1. 9 से 100 से केएसडीटी (डिजाइन की प्रवृत्ति के कोरिया सोसाइटी) के अंतराष्ट्रीय डिजाइन आमंत्रण प्रदर्शनी में भाग लिया।
2. कला भवन, विश्व-भारती युनिवर्सिटी शान्तिनिकेतन में 5 सितम्बर 2015 को शिक्षक कार्यशाला।

बनातन्वी दासमहापात्र

एस्सोसाइट प्रोफेसर

ध्वनि वृष्टि से दृश्य ध्वनियों की कल्पना : आर ? जीएएम ? 1 ? हिन्दुस्तानी संगीत, बनातन्वी दासमहपात्र और नवज्योति सिंह की पेंटिंग, एक परियोजना प्रस्ताव ध्वनि के लिए चुना सोचा 2016 संवादो ध्वनि और संगीत ग्लासगो विश्वविद्यालय, आत्मा से बात करने के लिए ब्रिटेन, जनवरी 2016 कला के पार : भारतीय कला की आत्मा, एक लेख संगोष्ठी 22वें 3 जुलाई 2015 और एशिया, एशियन नेटवर्क, केईपीसीओ कला केंद्र गैलरी में एक विचार गोष्ठी, कोरिया स्थानीय औद्योगिक संस्कृति एसोसिएशन द्वारा आयोजित की आत्मा की सूची में प्रकाशित कला का एक काम और को आयोजित करने के लिए भेजा कोरिया।

देबाशीष दास

1. छवि (दास भदन के लिए एक श्रद्धांजलि) कोलकाता 2-3 अक्टूबर 2015 में पीसी चंद्र समूह द्वारा आयोजित के माध्यम से एक समूह के शो यात्रा में आमंत्रित भागीदारी।

मदी लिन्डा

भावना खजूरिया बासुमत्री

प्रकाशन :

बनातन्वी दासमहापात्र

ध्वनि और दृष्टि की कोल्सिंग : हिन्दुस्तानी संगीत, एक शोध लेख में प्रकाशित नंदन, वॉल्यूम- XXXII, कला और सौदर्यशास्त्र पर वार्षिक पत्रिका, कला के इतिहास, कला भवन विभाग, दिसम्बर 2015, के सहयोग से आर? जीएएम? 1? चित्रो में पेश।

देवाशीष महालानोबीश

पानी की एक बूंद वस्त्र प्रौद्योगिकी, इंजिनियरिंग और वस्त्र प्रौद्योगिकी गवर्नमेंट कॉलेज, बरहमपुर, पश्चिम बंगाल, 2016 के सागर विभाग में खोजने पर पत्र प्रकाशित। आईएसबीएन

नम्बर : 978-1-5136-0951-5,

भवन के विकास पर एक संक्षिप्त इतिहास

डिजाइन विभाग, मूक कार्य कर रही है, कुछ पाठ्यक्रमों में जो कही और कई कला कॉलेजों में उपलब्ध नहीं है उसके लिये उपयुक्त स्थल, अन्यत्र, इस तरह के कार्बनिक और पारंपरिक सामग्री में पाठ्यक्रम के रूप में हैं।

डिजाइन विभाग के दोनों स्वदेशी और विदेशों में, वस्त्र डिजाइन के क्षेत्र में समकालीन रचनात्मक करने में एक महत्वपूर्ण

भूमिका निभा रही है।

उपकरणों की बहुत कपड़ा और छात्रों के लिए प्रदान की बेहतर सुविधाओं के लिए चीनी मिट्टी और काँच वर्गो के लिए विभाग द्वारा प्राप्त किया गया है। विभाग के एक लंबे समय के लिए जगह की कमी हो रही है, दो नए रंगो उसी के लिए निर्माण किया गया है।

अधिक महत्वपूर्ण है, हम चीनी मिट्टी और काँच संस्कृति मंत्रालय के लिए एक कार्यशाला। का एक नया निर्माण का एक प्रस्ताव किया है, भारत सरकार। 8000 स्क्वायर फीट के बारे में नया अंतरिक्ष हमें विभिन्न उपकरणों/उपकरण को स्थापित करने में मदद मिलेगी और व्यक्तिगत छात्रों सबसे आवश्यक बुनियादी सुविधाओं के साथ स्वतंत्र रूप से प्रयोग करने के लिए जरूरी है कि किसी भी मानक संस्था सिरेमिक और ग्लास में सक्रिय बढ़ावा के लिए और अधिक स्थान जोड़ सकता हैं।

मूर्ति कला विभाग

1. कला भवन स्थापना के वर्ष : 1919

   विभाग के नाम : मूर्ति, कला भवन, स्थापना के वर्ष : 1967

   भवन के अध्यक्ष के नाम : प्रोफेसर दिलीप मित्रा।

   विभाग के प्रमुख का नाम : श्रीमतीलाल कलई।
2. यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/स्लेट एवं गेट परीक्षा में योग्य छात्रों के नाम - शून्य (नील)
3. विभागीय सम्मेलन/कार्यशाला (वक्ताओं, संगोष्ठी का खिताब, तारीख)

   अल्मा शेपर्ड मत्सौ (कलाकार एनवाईसी/यूएसए) एवं पवित्र मेहता (कलाकार एवं फुलब्राइट स्कॉलर भारत) के साथ कार्यशाला

   कला भवन विश्व भारती में 12 अप्रैल 2015 को।

   नन्दन में 7 फरवरी 2016 को व्याख्यान और बेजामिन कुक (निर्देशक एलयूएक्स यूके) ब्रिटिश काउंसिल कोलकाता द्वारा आयोजित स्लाइड शो और मूर्ति कला भवन विश्व भारती का विभाग।

सिर्फ अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला प्रदर्शनी आदि शिक्षक/शोध द्वारा भाग लिया

विवरण में छात्रवृत्ति

पंकज पंवर, (प्रोफेसर), मूर्ति के विभाग 2015-16

प्रदर्शनी : (आमंत्रित भागीदारी)

1. 'बॉक्स में' मूर्ति प्रदर्शनी, सृष्टि कला गैलरी में जोरज मारटीन द्वारा क्युरेटेड, हैदराबाद 2015
2. ''उद्घाटन प्रदर्शनी'' गैलरी रेंज, कोलकाता - 2015-16।
3. ''कला एवं पर्यावरण'' इण्डिया हेबिटेट सेंटर में प्रदर्शनी, नई दिल्ली 2015।

सनम चन्द्र मिट्टी का नाम संगोष्ठी / कार्यशाला, केरामिक विभाग में, फैकल्टी ऑफ विसुअल आर्ट्स, शिल्पाकोर्न विश्वविद्यालय, थाईलैण्ड, 2016।

संस्कृति के राज्य विभाग में समकालीन मूर्तिकला पर प्रस्तुति व्याख्यान, गवर्नमेंट ऑफ पश्चिम बंगाल।

मानव पदों :

अध्ययन के बोर्ड के सदस्य, मूर्तिकला विभाग, बीएचयू, वाराणसी।

एडवाइसरी समीति के सदस्य, (चारूकला) सांस्कृतिक के राज्य विभाग, पश्चिम बंगाल के गवर्नमेन्ट

न्यासियों के बोर्ड के सदस्य, मॉर्डन आर्ट का कोलकाता संग्रहालय (के-एमओएमए), कोलकाता।

विजिटिंग फैकल्टी, मूर्ति विभाग, एम.एस विश्वविद्यालय, बड़ौदा।

सुतानु चटर्जी

प्रदर्शनी

कला भवन शिक्षक का प्रदर्शनी कलाकृति आर्ट गैलरी में ''कलाकारों की टुकड़ी'' हैदराबाद-मई 2015।

27-बंगाल का ड्रॉइंग जीवन स्मृति आर्चिव में अरिन्दम साहा सरदार द्वारा कुरेटेड, उत्तरपाड़ा, हुगली-अगस्त-सितम्बर 2015।

प्रकाशन :

''एप्रोकशितो रामकिंकर'' अप्रैल 2015 रामकिंकर बैज की एक स्क्रिप्ट के आधार में एक निबंध राइटिंग।

''अचेना ताराशंकर'' जुलाई 2015, शिलादित्य में एक निबंध राइटिंग।

‘‘ शिल्पो जीबोन ओ शिल्पो भावना’’-प्रसिद्ध बंगाली पत्रिका कृत्तिबास मे प्रख्यात चित्रकार सनत कार के साथ एक साक्षात्कार-अप्रैल-जून इशु, 2015।

मूर्तिकार अजित चक्रवर्ती के डायरी के लिए इन्ट्रोडक्शन राइटिंग - ‘रोजनामा’

शिलादित्ता मैगजिन में – मई 2015, जून 2015 और दिसम्बर 2015 लगातार में।

‘‘भारोतेर मोहिला भास्कर ‘‘शिलादित्य में निबंध राइटिंग-फरवरी ऐण्ड मार्च, 2016

कला एवं कलाकार से जुड़ा कार्यकलाप :

मती लाल कलई

प्रदर्शनी

अगरतला, त्रिपुरा-2015, नजरूल कलाक्षेत्र आर्ट गैलरी में एक समूह प्रदर्शनी, त्रिपुरा मूर्तिकारों समूह’’ में भाग लिया।

रवीन्द्र भवन, नई दिल्ली-2016, ललित कला एकाडमी एक समूह प्रदर्शनी त्रिपुरा मूर्तिकारों समूह’’ में भाग लिया।

कार्यशाला

पारंम्परिक लोक, समकालीन कलाकारों इंटरैक्टिव पारंपरिक धातु कास्टिंग में शिविर ललित कुमार एकाडमी, क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता-2016 द्वारा आयोजित में भाग लिया।

कला से जुड़ा कार्यकलाप

त्रिपुरा राज्य संग्रहालय, अगरतला त्रिपुरा-2016 के लिए देर महाराजा राधा किशोर माणिक्य (आकर-10 फीट.हाईट) की पूरी और स्थापित कास्य प्रतिमा।

कमल धर

भागीदार / प्रदर्शनी / कार्यशाला

ऋषि बरूआ

भागीदारी / प्रदर्शनी / कार्यशाला

चेन्नई ललित कला एकाडमी में कला भवन संकायों के ‘एन्सेम्बल’ समूह शो, मार्च, 2015।

संघाई, अंतर्राष्ट्रीय कन्टेम्पोररी कला प्रदर्शनी एवं कार्यशाला, 2015 17-25 अक्टूबर से, संघाई चाइना।

अमित कुमार धरा

भागीदार / प्रदर्शनी / कार्यशाला

कला भवन संकायो का एक समूह शो, नन्दन आर्ट गैलरी, विश्व भारती शान्तिनिकेतन 2015।

चित्रकारी विभाग में संयुक्त शिक्षक की कार्यशाला, कला भवन, विश्व भारती-2015।

‘‘संयुक्त पद समकालीन लहर’’–एक कोमधारा के गाँव अंतरिक्ष में अंतराष्ट्रीय कलाकारों की अपरंपरागत प्रदर्शनी, बाबनन, हुगली, विवेकानंद सन्त्रा द्वारा, क्यूरेट कथा आंदोलनों और एफ.ए.सी.टी.एस फाउण्डेशन द्वारा गठन किया गया है - फरवरी 2016।

लवनशाइभा खरमावलोंग

भागीदारी / प्रदर्शनी / कार्यशाला

नई दिल्ली, विशाखापट्टनम 2015 में ललित कला अआदमी द्वारा राष्ट्रीय कार्यशाला ‘आर्ट कॉन्लेभ का गठन हुआ।

सजद एच हमदानी

सह प्रेसिडेंट भारत राष्ट्रीय समीति डब्लूएजी वर्ल्ड आर्ट गेम्स एचक्यू जगरेब क्रौटिया।

हाल का शो

स्ल्वोंस्कि ब्रौड में 2015-16 गोल गैलरी में लघु चित्रों की संदियों संक्राति बिक्री प्रदर्शनी के एक समूह के शो हिलाना उत्सव

में भाग लिया।

अंतर्राष्ट्रीय

स्ल्वोस्कि ब्रौड में जगरेब 2015-16 गोल गैलरी में लघु चित्रों की संदियों संक्रान्ति बिक्री प्रदर्शनी के एक समूह के शो हिलाना उत्सव में भाग लिया।

जुर्मने की फैकल्टी और लागू कला खोनकेन विश्वविद्यालय में ''आर्ट नो वाल प्रोजेक्ट 2015 में दस दिन के कार्यशाला में भाग लिया।

खोनकेन थाईलैण्ड

वर्ल्ड आर्ट गैम्स 2015 (डब्लू ए जी) ब्रटसलाविया स्लोवाकिया के लिया मेडालिओन्स डिजाइन हुआ।

राष्ट्रीय

चित्रकला विभाग, कला भवन, विश्व भारती 2015 में संयुक्त शिक्षक की कार्यशाला

पुरस्कार

रचनात्मक प्रयासो के लिए वैश्विक पुरस्कार, डब्लू एजी 2015 (वर्ल्ड आर्ट गेम) ओथरिंग डब्लूएजी के लिये, डब्लूएजी से विशेष धन्यवाद प्रमाण पत्र

मेडल्लिअन्स-2015, क्रोटिओ।

सम्मेलन

जनवरी 2016 में माया कला अंतरिक्ष कोलकाता में एक व्याख्यान और स्लाइड शो प्रस्तुति भेजा गया।

फरवरी 2016 में भुवनेश्वर उड़िसा मूर्तिकार बीके आर्ट कॉलेज के विभाग में एक व्याख्यान और स्लाइड शो प्रस्तुति भेजा गया।

अप्रैल 2015-मार्च 2016 वर्ष के अन्दर प्रकाशन।

एक प्रकाशन ''वेस्सेल्स ऑफ फायर'' (मूर्तिकार विभाग भूत एवं वर्तमान)।

नए पाठ्यक्रम / पाठ्यक्रम या किसी अन्य शिक्षण नवाचारों विभाग द्वारा शुरू की डिजाइनिंग शून्य

भवन / सदन / विकास के लिए भविष्य की योजनाओं का एक संकेत के साथ संबंध विभाग के विकास पर एक संक्षिप्त इतिहास।

मूर्तिकला की कला भवन विभाग की शुरूआत खेला और विकल्पिक कला अभ्यास के लिए एक केन्द्र के रूप में संस्थान के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका और आधुनिक भारतीय कला के संदर्भ में एक नया मंच की स्थापना के बाद से रवींद्रनाथ की विचारा है, एक महान विचारक और नन्दलाल बोस, बीसवीं सदी में शान्तिनिकेतन स्कूल के अवनींद्र नाथ टैगोर के शिष्य विकास में योगदान। विभाग 1932 में रामकिंकर वेज के मार्गदर्शन में अनौपचारिक रूप से शुरू किया गया था। प्रारंभ में, रामकिंकर बैज के तहत, और बाद के तहत शरबरी रॉय चौधुरी, अजीत चक्रवर्ती, बिपिन गोस्वामी, विकास देवनाथ, शुशेन घोष और सुरेश दे विभाग जो बाद में भारत के प्रख्यात मूर्तिकारों के रूप में अपनी छाप छोड़ी असंख्य छात्रों को प्रशिक्षण दिया।

कई महत्वपूर्ण मूर्तिकारों विभाग में अध्ययन किया जो शुरू की और समकालीन मूर्तिकला में नए शब्दसंग्रह के विकास में योगदान दिया है, विभिन्न पीढ़ियों से कुछ के नाम है संखो चौधुरी, प्रयास सेन, जितेन्द्र कुमार, अवतार सिंह पवार, एम. धरमानी, मदन भटनागर, शुरेन पाण्डे, बलवीर सिंह आदि।

किसी भी अन्य प्रासंगिक जानकारी है, जो विभाग के प्रमुख की राय में लायक रिपोर्टिंग है, जिसे शामिल किया जाना चाहिए।

ऑल इण्डिया वुमेन कलाकार पुरस्कार, 2015-1

राष्ट्रीय छात्रवृत्ति, 2015-16

फ्रांस को आदान-प्रदान प्रोग्राम-1

चित्र कला विभाग

1. भवन के अध्यक्ष के नाम : प्रोफेसर दिलीप मिश्रा
   विभाग के प्रमुख का नाम : राजर्षि विश्वास
2. यूजीसी/सीएसआईआर/नेट / स्लेट एवं गेट परीक्षा में योग्य छात्रों के नाम - नेट योग्य अक्ष्दीप बनर्जी, प्रणिता मण्डल,
3. विभागीय सम्मेलन / कार्यशाला (स्पीकर, टाइटल ऑफ दि सेमिनार, तारीख)

ए चित्र विभाग, कला भवन, विश्व भारती में 26 फरवरी-6, 2016 से पश्चिम बंगाल ''मेदिनीपुर पता चित्र, पर कार्यशाला। अन्डर 12 प्लान जेनरल डेवेलपमेंट असीस्टेंश। अम्ब्रिश नन्दन द्वारा कन्डक्टेट

बी टेम्पेरा और गौच पेंटिंग की पहचान कन्डक्टिंग के लिए तन्मय सामन्ता से इन्वाइटेड कलाकार द्वारा कार्यशाला चित्र विभाग में, कला भवन, विश्व भारती, 07.09.15 से 15.09.15 तक कार्यशाला।

सी एमिनेंट कलाकार अतुल दोदिया द्वारा दो दिनो की प्रस्तुति :
दिन-1 : ''रेट्रोस्पेक्ट में अतुल दोदिया''- उनकी रचनात्मक यात्रा के बारे में एक प्रस्तुति।
दिन-2 : ''7000 संग्रहालय, स्वतंत्र भारतीय के लिए एक परियोजना। प्रशान्त साहु द्वारा समन्वय मार्च, 2016

डी विभिन्न जगह भारत में और विदेश में चल रहे खास ध्यान के साथ साइट स्पेसीफिक परियोजना पर प्रस्तुति की। बड़ौदा आधार कलाकार मि. म्रुगेन राथोड, 2016 द्वारा फिका के अन्डर उड़िसा में परियोजना।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि शिक्षक / शोध छात्रवृत्ति के द्वारा विवरण में भाग लिया।

चित्रकला विभाग के संकाय में एक भारत ललित कला प्रदर्शनी विनिमय, अवधि का आयोजन : नवम्बर 2-8-2015, बेन्यु : प्रदर्शन हॉल नवम्बर 11913 डेगू सांस्कृतिक एवं कला सेन्टर के, व्यवस्था करनेवाला : डेगू ब्रांच में, साउथ कोरिया कोरियन फाइन आर्ट्स एसोसिएशन, प्रायोजक : डेगू मेट्रोपोलिटन सिटी

नन्ददुलाल मुखर्जी

चयनित समूह प्रदर्शनी

2015

कोरिया भारत : जोइन्ट अंतर्राष्ट्रीय आर्ट प्रदर्शनी 2015, डेगू फाइन आर्ट
एसोसिएशन, डेगू, साउथ कोरिया (2015)

कला भवन शिक्षक का ड्राइंग कार्यशाला, सितम्बर 2015, कला भवन

कला भवन शिक्षक जोइन्ट ड्राइंग, तापेस्ट्री, सेरामिक प्रदर्शनी, नन्दन, कला भवन, 2015)

पहनावा (कला भवन संकाय सदस्यों, ललित कला, चेन्नई 2-10 मार्च 2015 तक एक प्रदर्शनी काम करता है।

दिलीप मिश्रा

चयनित समूह प्रदर्शनी

कोरिया भारत : जोइन्ट अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी 2015, डेगू फाइन आर्ट एसोसिएशन, डेगू, साउथ कोरिया (2015)

कला भवन शिक्षक का ड्राइंग कार्यशाला, सितम्बर 2015, कला भवन

जेजु संग्रहालय मे कन्टेम्परोरी कला, कोरिया, 2015 को जेजु-एशियन
कन्टेम्पोरेरी कला का खास प्रदर्शनी एशिया टॉक से एशिया तक।

कला भवण सिद्धांत के रूप में, नंदन गैलरी में प्रदर्शनी का आयोजन किया,
कला भवन।

प्रोफेसर असित हलदर पेंटिंग शो 2015 का 125वीं जन्म दिवस

प्रोफेसर के.जी. सुब्रमन्यन ड्राइंग, स्केच, स्क्रिब्बल्स, शो 2016
शन्तिनिकेतन अल्पोना भूत एवं वर्तमान शो 2016
टैगोर और जापान, जापान के लिए टैगोर यात्रा के अवसर पर-पेंटिग शो-2016

शितान्सु मुखोपाध्याय

चयनित समूह प्रदर्शनी

कोरिया भारत : जोइन्ट अंतर्राष्ट्रीय आर्ट प्रदर्शनी 2015, डेगू फाइन आर्ट ऐसोसिएशन, डेगू, साउथ कोरिया 2015।
कला भवन शिक्षक का ड्राइंग कार्यशाला, सितम्बर 2015, कला भवन।

आर्घया प्रिया मजूमदार

चयनित समूह प्रदर्शनी

2015

कोरिया भारत : जोइन्ट अंतर्राष्ट्रीय आर्ट प्रदर्शनी 2015, डेगू फाइन एसोसिएशन, डेगू, साउथ कोरिया (2015), जेडीए परेरा आर्ट गैलरी, कोलोम्बो, श्री लंका में भाग लिया गुरूदेव की 'रबी की छाया-शेडो, एक अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी ने।

सन्चयन घोष

1. एक पढ़ने प्रदर्शन का आयोजन....15 जनवरी, 2016 को नई दिल्ली जेएनयू में आर्ट और एस्थेटिक्स के स्कूल में जेन्ड्रम भूमि से पढ़ा है। अमित मुखोपाध्याय द्वारा क्युरेटेड, कला भवन (अरनि सरकार, अरपिता अखण्ड, पायल सूत्रधार, भास्कर हाजारिका, समीक्षा, प्रोमिति हुसैन, भाषा चक्रवर्ती एवं अनर्या) के छात्रों द्वारा प्रदर्शन किया गया।
2. मुखो मुखी : हारा कुमार गुप्ता, लेटो गायक और कलाकार, खरिया बिरहम की एसोसिएशन के साथ साहित्यिक के सहयोग से परिदृश्य के आस-पास प्रथाओं के सामूहिक स्मरणशक्ति (शांति निकेतन में थिएटर ग्रुप, बीरभूम) के दस्तावेजे चल रहे एक संवादात्मक प्रकिया (जनवरी 2016 नवम्बर 2016 आईएफए, बैंगलोर द्वारा समर्थित।
3. मर्ज 'ई' मर्ज : 2015 के नन्दन मेला में 2004 से 2014 में 10 साल की कला भवन कें अंतिम वर्ष के छात्रों के साथ लंबी छाया कास्टिंग परियोजना प्रस्तुत की गई।
4. किसी थियेटर ग्रुप के डाइरेक्टर विभाश चक्रवर्ती द्वारा निर्देशित, नाटक नोटी किरणशाही के लिये स्किनो ग्राफी डिजाइन किया गया, सॉल्ट लेक कोलकाता, 2016

2016

1. ''पोइटिक ऑफ प्लुश लिटिश'' अध्यापन और 1980 के दशक के बाद से कला भवन से उभरते कलाकारों के अभ्यास मानचित्र ऋण, बडोदरा गैलरी साइट आर्ट स्पेस में अस्मिता साहु द्वारा क्युरेटेड
2. भूमि मूल : तत्पश्चात : नई दिल्ली, 14 से 24 जनवरी 2016 में कला कोन्सल्ट गैलरी में एक समूह के शो अमित मुखोपाध्याय द्वारा क्यूरेटेड

भाषण एवं सम्मेलन प्रदर्शन

अम्बारिश नन्दन

चयनित समूह प्रदर्शनी

अंतर्राष्ट्रीय लेवल -

2015

कोरिया भारत : जोइन्ट अंतर्राष्ट्रीय आर्ट प्रदर्शनी 2015, डेगू फाइन आर्ट एसोसिएशन, डेगू, साउथ कोरिया 2015)

प्रशान्तु साहु

चयनित समूह प्रदर्शनी

2016

दि समर शो '–सीआईएनए आर्ट गैलरी, कोलकाता में एक समूह शो

''पक्षी परियोजना : खुले स्टूडियो बडोदरा में एक समूह के शो भीसीएआरई बडोदरा समर्थन करने के लिए, 2015

-भारत फाइन आर्टस आदान प्रदान प्रदर्शनी, अवधि : नवमबर 2-8, 2015,

बेन्यु : प्रदर्शन हॉल नम्बर 11-13 डेगू कल्चर एवं आर्टस सेंटर के आयोजक : कोरियन

शिविरों एवं कार्यशाला

कलाकार फोटोग्राफरों द्वारा गहराई प्रयोगात्मक फोटोग्राफी कार्यशाला के 2016, खेतों, शन्तिनिकेतन में,

एसएसभीएडी, शान्तिनिकेतन में सरजन आर्ट गैलरी, बड़ौदा द्वारा 2016 कला शिविर का गठन किया गया।

2016 कलाकारों रेजीडेंसी, कलाकृति आर्ट गैलरी, हैदराबाद में 2015 राष्ट्रीय ललित कला केन्द्र द्वारा आमंत्रित ठीक संकाय के छात्रों के साथ स्लाइड प्रस्तुति और व्याख्यान और बातचीत के लिए भुवनेश्वर और एप्लाइड आर्ट, बालासोर, ओड़िसा

राजर्षि विश्वास

चयनित समूह प्रदर्शनी

2015

कोरिया भारत : जोइन्ट अंतर्राष्ट्रीय आर्ट प्रदर्शनी, डेगू फाइन आर्ट एसोसिएशन डेगू, साउथ कोरिया (2015)

पहनावा (एक कला भवन संकाय सदस्यो कलाकृति आर्ट गैलरी, हैदराबाद, 14 अप्रैल-15 मई 2015 द्वारा काम करता है, प्रदर्शनी। तस्मयी गैलरी, पांडिचेरी, 2014 में कृति चन्दक के द्वारा एक समूह शो क्युरेटेड हुआ।

तस्मयी गैलरी, पांडिचेरी, 2014 में कृति चन्दक के द्वारा एक समूह शो क्युरेटेड हुआ 2015

एस.के शाहजहाँ

सोलो प्रदर्शनी

2016

रसाजा फाउंडेशन कलाकार गैलरी, नई दिल्ली में सोलो प्रदर्शनी

चयनित समूह प्रदर्शनी

2015

कोरिया भारत : जोइन्ट अंतर्राष्ट्रीय आर्ट प्रदर्शनी 2015, डेगू फाइन आर्ट एसोसिएशन, डेगू, साउथ कोरिया (2015),

विभाग में चल रही शोध परियोजना

विस्तार क्रियाकलापों नन्दन मेला क्रियाकलापों - 2015।

कागज बनाने पर चित्रकला विभाग द्वारा एक परियोजना स्थानीय पौधे और पेड़ नवम्बर 2015 के रेशों की खोज। लाक्वर खिलौना बनाने कार्यशाला, सारा चित्रकला कार्यशाला, रेशम स्क्रॉल और चित्रकला कार्यशाला रिवर्स, ड्राइंग और डिजाइन कैलेंडर, दीपक कार्यशाला बनाने शेड, कठपुतली बनाने का कार्यशाला।

भविष्य के परियोजनाओं के विकास के निर्देशन में भवन।

सदन / विभाग के विकास पर संक्षिप्त इतिहास –

शिक्षकगण / विद्वानों या विभाग / डी.एस.ए. या सी.ए.एस इत्यादि) द्वारा प्राप्त शैक्षणिक श्रेष्ठता :–

8. अप्रैल 2015 मार्च 2016 के दौरान प्रकाशन (ii) अन्य पुस्तकें : भारत-कोरिया कला के क्रियाकलाप पर छपे हुए

सदृश्य पुस्तक।

कार्यशाला / डेगू फाइन आर्ट के साथ परियोजना प्रदर्शनी सभा

डेगू, दक्षिण कोरिया

नये कोर्स का रवाका / अध्ययन सूची या अन्य कोई अध्यापन नई पद्धति का विभाग द्वारा परिचालित –

अ वेब आधारित मीडिया अभ्यास पर मौलिक ज्ञान

ब विडियोकला परिचालन (ध्वनि और प्रकाश अन्वेषण विचार के साथ डिजिटल सम्पादन आधारित लेख)

स राज्याभिषेक-कला

चित्र लेखन, कला भवन की स्थापना 1919 में, भारत में आधुनिक कला अभ्यास के रुप की गई। नन्दलाल बोस के कल्पना और मार्गदर्शन के अन्तर्गत इसे अध्यायन विद्या अभ्यास, जो कि परम्परा और समकालीक कला अभ्यास के साथ निकट सम्पर्क पर आधारित, के रुप में शुरु किया गया। इसके शुरुआत से ही विभाग भारत में पारम्परिक कला अभ्यास के निकट सम्पर्क के साथ आधुनिकता विचार की पहुँच की ओर प्रासंगिक अन्वेषण किया है। इसके साथ ही विशेष करके एशिया और यूरोप में साधारण तौर पर। यह विभिन्न दूरस्थ पूर्वी तकनीकी के सुन्दर हस्त लिखावत कला, सूचीपत्र चित्रविद्या, भारतीय सूक्ष्म आकार का चित्र और अन्य विभिन्न भीत सम्बन्धी तकनीकि को अव्यावहारित किया है और छात्रों द्वारा इनका अभ्यास भी किया जा रहा है। भारत में यह इकलौता केन्द्र है जहाँ सोचनीय और प्रयोगात्मक पहुँच वाले कला से सम्बन्धी क्रियाकलाप उपार्जित किये जाते हैं।

विभाग ने छात्रों को कलाकारी अभ्यास, ऐतिहासिक कला और समालोचक कला के अन्योनक्रिया के लिए अवसर प्रदान कर रहा है।

पिछले एक साल में पोलैण्ड, हॉलैण्ड, यू0 के0 बंगलादेश के दक्ष इस विभाग का दौरा किये और छात्रों एवं फैकल्टी सदस्यों के साथ अपने अनुभवों का आदान-प्रदान किये। वर्तमान में विभाग का मुख्य उद्देश्य बहुदेशीय सदृश अनुप्रयोग एक खुला अन्त प्रवेश उपार्जित करना है और छात्रों को नई पद्धति से कलाकारी आकृति में नियुक्त होने के लिए मौका प्रदान करना है।

विभागीय पुस्तकालय की विशिष्टता विस्तार से – कला भवन परिच्छेदिता के साथ संयुक्त अन्य कोई सूचना जो विभागाध्यक्ष के विचार से अतिआवश्यक है, शामिल है -

2015-16 में छात्रों का क्रियाकलाप

वर्ष 2015-2016

1. राष्ट्रीय विद्वत्ता - सुमित सरकार, पल्लवी मजूमदार, रूमा चौधरी, अनिकेत सुपे, विष्णु पी0भी0, तीतास पाण्डा, अर्पिता अखण्दा प्रोनिता मण्डल।
2. कला शिक्षा एवार्ड सुमित सरकार
3. फाईन आर्ट का शैक्षणिक एवार्ड-रूमा चौधरी, प्रत्युषा मित्रा
4. राजकीय एवार्ड ललित कला एकाडमी-राहुल उषरा, उपोमा चक्रवर्ती और कार्यशाला
5. कृष्णा कृति विद्वता - शुभांकर प्रकाश भारती
6. **''मॉयत्री'', हवा (भारत-बंगलादेश अवार्ड)** - सोमा सुरभी - जन्नत, अर्पिता अखण्दा, सुभोदीप - आकाशवानी भट्टाचार्य, इन्ताज अन्सारी द्वारा।
7. आप छात्रवृत्ति, तार अरपिता अखण्दा
8. प्रफुल्ल धानुका पुरस्कार, शुनीश एस एस, सरमिष्ठा बोस

9. कैमलिन आर्ट फाउण्डेशन पुरस्कार एवं युरो आर्ट टूर, शुभांकर मजूमदार, प्रत्युषा मित्रा
10. एस डी अहुजा फाउंडेशन छात्रवृत्रि, शुभांकर मजूमदार, डिजी गालू श्रीनिवास राव
11. बिड़ला एकाडमी पुरस्कार, डिजी गापू श्री निवास राव
12. ए, वासुदेव चैरिटियर ट्रस छात्रवृत्ति, बैंगलोर दुगगापू श्रीनिवास राव
13. युवा महोत्सव अरिन्दम मन्ना

अंतर्राष्ट्रीय छात्र आदान प्रदान कार्यक्रम

ईपीसीसी ईसीओएलई सुपिरियर डेस ब्युक्स-आर्टस फ्रांस में एमएफए से अरिजित सिंघा रॉय ने छात्रों विनिमय कार्यक्रम में भाग लिया।

दि हेगुं, नेदरलैण्ड, युनिवर्सिटी ऑफ आर्ट, रोयल एकाडमी ऑफ आर्ट में एमएफए से मकसुद अली मण्डल छात्रो को इस कार्यक्रम का आदान-प्रदान में भाग लिया।

चोनबूरी, थाइलैण्ड बुरफा युनिवर्सिटी में अमृता प्रमानिक छात्रों को इस कार्यक्रम का आदान-प्रदान में भाग लिया।

चोनबूरी, थाइलैण्ड बुरफा युनिवर्सिटी में बीएफए से विष्णु पी.भी. छात्रो को इस कार्यक्रम का आदान-प्रदान में भाग लिया।

ग्राफिक आर्ट विभाग

1. संलग्न I और II की प्रफोरमा की तरह विभाग एवं विस्तृत जानकारी के नाम : ग्राफिक आर्ट का विभाग
2. यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/स्लेट/ और गेट परीक्षाओ में योग्य छात्रों के नाम :
3. विभागीय सम्मेलन / कार्यशाला / प्रदर्शनी
1. राष्ट्रीय छात्राओं प्रिंटमेकिंग कार्यशाला एवं भारत के विभिन्न भाग से कॉलेज का सम्मेलन : 21 से 26 मार्च 2016
2. अंतर्राष्ट्रीय आदान-प्रदान प्रोग्राम, कारूकला के साथ कार्यशाला, ढाका विश्वविद्यालय बंगलादेश : 26-28 अगस्त 2015
3. अंतर्राष्ट्रीय आदान-प्रदान प्रोग्राम, चट्टग्राम विश्वविद्यालय के साथ कार्यशाला, बंगलादेश : 23-29 फरवरी 2016
4. ''दि ब्रीज'' प्रदर्शनी संयुक्त रूप से नंदन गैलरी में चटगाँव और ग्राफिक कला विभाग के विश्वविद्यालय द्वारा अयोजित, शन्तिनिकेतन : फरवरी 2016
5. ''मोइत्री'' छात्रों ओर ग्राफिक कला, कला भवन, ढाका विश्वविद्यालय, ढ़ाका, बंगलादेश की ओर से आयोजित विभाग के शिक्षकों के प्रिंट की प्रदर्शनी
5. अतिथि साथी की तरह प्रोफेसर रासिद आमिन, जगन्नाथ विश्वविद्यालय ढाका बंगलादेश 2016
4. विवरणो में शिक्षको / शोध छात्रवृत्ति द्वारा सिर्फ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि में भाग लिया (कम से कम प्रत्येक 2 शिक्षक)

नीरमलेन्दु दास

प्रदर्शनी

1. ग्राफिक आर्ट, जहांगीर आर्ट गैलरी, मुम्बई का राष्ट्रीय लेवल प्रदर्शनी
2. ढाका विश्वविद्यालय, ढाका, बंगलादेश 2015 द्वारा गठित प्रिंटस का ''मोइत्री'' प्रदर्शनी

अर्पन मुखर्जी

2015 : ''एलाइव जिन्चियोन प्रिंटमेकिंग संग्रहालय''–साउथ कोरिया में समूह प्रदर्शनी कार्यशाला :

2016 : वैकल्पिक फोटोग्राफी और प्रिंटमेकिंग पर आयोजित कार्यशाला, प्रिंटमेकिंग का विभाग, आरबीयू

अजीत सील

प्रदर्शनी

1. ढाका के विश्वविद्यालय, बंगलादेश 2015 केसाथ ''फैकल्टी आदान प्रदान प्रोग्राम' में प्रदर्शनी
2. चितागंग, बंगलादेश के फाइन आर्ट्स विश्वविद्यालय के संस्थान के साथ आदान प्रदान प्रोग्राम के लिए प्रदर्शनी।

उत्तम कुमार बसक

1. जरनी ऑफ माई प्रिंटमेकिंग पर की व्याख्यान और प्रस्तुति-शन्तिनिकेतन और दिल्ली'। राष्ट्रीय लेवल प्रिंटमेकिंग छात्र कार्यशाला और संगोष्ठी 2016
2. अंतराष्ट्रीय परियोजनाओं चीनी मिट्टी के गुबंद परियोजना में भागीदारी :

अंतर्राष्ट्रीय चीनी मिट्टी के गुबंद में, निष्पादन करने के लिए अवधारणा से भाग लिया-कला भवन, विश्व भारती में टैगोर परियोजना का आयोजना हुआ। शन्तिनिकेतन 15 नवम्बर और 7 दिसम्बर के बीच। परियोजना संयुक्त रूप से नई पृथ्वी द्वारा आयोजित किया गया है, भी.के. और कला भवन, विश्वविद्यालय, शान्तिनिकेतन।

एम.थोमस सिंह

प्रदर्शनी :

1. ढ़ाका के युनिवर्सिटी के साथ फैकल्टी एक्सचेज प्रोग्राम में प्रदर्शनी, बंगलादेश 2015
2. चितागेंग के युनिवर्सिटी, इन्स्टिट्यूट ऑफ फाइन आर्टस के साथ आदान-प्रदान प्रोग्राम के लिए प्रदर्शनी, बंगलादेश 2016

प्रशान्त फिरंगी

प्रदर्शनी

1. 2016-एलआईटीएचओ-केआईईएलसीई 2015 अंतर्राष्ट्रीय लियोग्राफी ट्रिनियल-क्राकौ, पोलैण्ड
2. 2015-गुनलन अंतर्राष्ट्रीय प्रिंट बिनियल, शेनजेन- चीना

अदिती गनीव संगवन

प्रदर्शनी

'कालीदोस्कीप-ए कन्डयुसिव होमेज' धरोहर संग्रहालय कला गैलरी में चित्रों और प्रिंट्स का सोलो शो, कुरूक्षेत्र युनिवर्सिटी, हरियाणा-2016

कार्यशाला :

राष्ट्रीय लेवल छात्रों प्रिंटमेकिंग कार्यशाला एवं सम्मेलन, ग्राफिक कला विभाग, कला-भवन-2016

विस्तार गतिविधियों / एनएसएस / सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियों विभाग द्वारा आयोजित और शिक्षकों और विभाग के छात्रों ने भाग लिया।

1. सोमनाथ होरे अंतर्राष्ट्रीय निवास कार्यक्रम में कलाकार रहने की जगह कार्यक्रम, लालबन्ध विलेज : हैदराबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर श्याम सुंदर एक महीने के लिए निवास में कलाकार के रुप में आमंत्रित किया गया।

साल अप्रैल 2015 मार्च 2016 के भीतर प्रकाशन

नीरमलेन्दु दास

1. टर्मिनोलोजिकल एक्सीजेन्सी : प्रिंट कला के लिए ग्राफिक कला भीआईए प्रिंटमेकिंग, नन्दन, कला भवन वॉल्यूम XXXIII 2015
2. प्लेटोग्राफिक पोर्टफोलियो की यात्रा, एक सूची प्लेटोग्राफी पर प्रकाशित, एल के एकाडमी, मुम्बई - 2016

   नए पाठ्यक्रम / पाठ्यक्रम या किसी अन्य शिक्षण नवाचारों विभाग द्वारा शुरू की डिजाइनिंग।

i. अंतर्राष्ट्रीय कलाकार रेजीडेंसी विभाग से जुड़ी कार्यक्रम विकसित।

कला इतिहास विभाग

भवन के अध्याय का नाम : प्रोफेसर दिलीप मिश्रा

विभाग के प्रमुख का नाम : आर. शिव कुमार

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/स्लेट/ और गेट परीक्षा में योग्य छात्रों के नाम :

(पीएच.डी यूजीसी नेट साहचर्य के साथ योग्य)

मधुपर्णा मिद्या, जेआरएफ के साथ यूसीजी नेट

विभागीय संगोष्ठी / कार्यशाला (स्पीकर्स, टाइटल ऑफ द सेमिनार, तारीख)

सुधीर पटवर्धन प्रख्यात कलाकार एक सचित्र दिया और उच्य इंटरैक्टिव व्याख्यान पूर्वव्यापी पर देख रहे है और 9 जनवरी 2016 में कलाकार के रूप में अपने कैरियर की पूछताछ कर रहे है प्रोफेसर पुरुषोत्तमम विलिमोरिया, डीकिन विश्वविद्यालय के एक सचित्र व्याख्यान शीर्षक धर्म और दु:ख को जन्म दिया गया : 24 जनवरी 2016 महाभारत पर टैगोर के संग्रह करने पर पाँच दिवसीय कार्यशाला फरवरी 2016 के 19 से 23 से एशियाइ कला संग्रह के सहयोग से आयोजित किया गया था।

संग्रह और अभिलेखागार पर एक पैनल डिस्कशन अध्यक्ष के रूप में प्रोफेसर अन्शुमन दास गुप्ता के साथ अभिलेखागार पर कार्यशाला के साथ संयोजन के रूप में 23 पर आयोजित की गई थी और डॉ0 स्नेहा राघवन, प्रोफेसर ताप्ति मुखर्जी, प्रोफेसर संजय मल्लिक प्रोफेसर रत्नावली चटर्जी और डॉ अभिजीत भट्टाचार्य स्पिकर के रूप में है।

विवरण में शिक्षक : शोध छात्रवृति के द्वारा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि में भाग लिया।

आर. शिव कुमार :

संगोष्ठी / लेक्चर्स

1. बौहोस और शान्तिनिकेतन :-
   कला और डिजाइन शिक्षा, प्रभाव और निहितार्थ, बौहोस संस्थान में अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन बौहोस ओर रचनात्मक सम्मेलन में प्रस्तुत कागज, कला के चीन अकाडमी, हंगजोह, 13-14 अक्टूबर 2015 के दो मॉडल।
2. शांति निकेतन, एक समुदाय के निर्माण टैगोर और राष्ट्रवाद, अग्रिम अध्ययन, शिमला, 5-7 नवम्बर के इडियन इन्स्टिट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में कागज प्रस्तुत किया।

संजय कुमार मल्ल्कि :

संगोष्ठी / लेक्चर्स

संस्थागत अभिलेखागार पर एक पैनल चर्चा में संग्रह और शंति निकेतन'' पर प्रस्तुति : संग्रह, उपयोग और संदर्भ, एशिया कला अभिलेखागार और कला के इतिहास भवन निर्माण, 23वें फरवरी 2016 तक संयुक्त रूप से आयोजित

2. ''आधुनिक-उत्तर आधुनिक : दृश्य अभ्यास, कला और संस्कृति के बिड़ला एकाडमी, कोलकाता 2 मार्च 2016 के संदर्भ में कुछ व्यक्तिगत प्रतिबिंब

मेघाली गोस्वामी :

संगोष्ठी / लेक्चर्स

1. पहचान और पूर्वोत्तर भारत 9-10 मार्च, 2016 असम विश्वविद्यालय, सिल्चर के जातीयता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
2. ''जातीयता और नॉर्थ ईस्ट, आमंत्रित व्याख्यान की पहचान 9 मार्च 2016

असम विश्वविद्यालय, सिल्चर

अंशुमन दासगुप्ता

संगोष्ठी / लेक्चर्स

1. कागज शीर्षक : 2019 की ओर : फ्युचुरिटी ऑफ ए साइट, ढाका आर्ट सम्मित, क्रिटिकल राइटिंग एन्सेम्बल, सेमिनार, ढाका, 2-8 फरवरी 2016
2. क्षेत्रीय आधुनिकता और भारतीय कला, राष्ट्रीय संगोष्ठी, एमएसयू और ललित कला को नई दिल्ली बड़ौदा मार्च 23-24 2016 में आधुनिकता को समझने में रूप्चर्स

एकाडमिक भेद एक पूरे (डीएसए या सीएएस आदि के रूप में पहचान की तरह के रूप में शिक्षक / विद्वानों या विभाग द्वारा प्राप्त)

अलग-अलग भेदों

मेघाई गोस्वामी

1. असम विश्वविद्यालय सिल्चर (6 मार्च से 14 मार्च 2016) में साथी के रूप में विजिटिंग को आमंत्रित
2. संपादक, नन्दन 2015 वर्ष के लिए
3. संपादक, केन्वेस मेगजिन से 2009 से तारीख तक

वर्ष और 2015- मार्च 2016 के अन्तर्गत प्रकाशन

आर. शिव कुमार

पुस्तक

1. आकर्षण और सगाई : के.जी. के भित्ति चित्र, सिगुल पुस्तक, कोलकाता, 2015 आईएसबीएन : 10:0857423525 /आईएसबीएन : 13: 978085 7423528
2. आंकड़ो के साथ मानचित्रण : के.सी. राधाकृष्ण अकर प्रकर और मपिन की उभरती कला, आईएसबीएन : मपिन : 2015 978-93-85360-14-5, ग्रंथ : 978-935677-71-0

पेपर / आर्टिकल्स्

1. अबिन्द्रनाथ टैगोर रविन्द्रनाथ : सपने की एक अनुरूप, ताप्ति मुखोपाध्याय और अमृत सेन ईडी, रवीन्द्रनाथ टैगोर और उनके सर्कल, रवीन्द्र भवन, विश्व भारती, शान्तिनिकेतन अप्रैल 2015, पीपी-155-160।
2. शान्तिनिकेतन : एक प्रतिबिंब, अभिलाषा औझा-और निशांत द्वारा इंटनवेन्ड, शांति निकेतन की कला से हस्तक्षेप, दिल्ली आर्ट गैलरी, नई दिल्ली 2015, पीपी 22-54 आईएसबीएन : 978-93-81217-55-9
3. रवीन्द्रनाथ टैगोर अवारा चित्रकाले मत्तु आधुनिक प्रजने (रवीन्द्रनाथ टैगोर की चित्रकला और आधुनिकता के मुद्दों) कन्नाडा/इग्लिश बिलिंगुल बुकलेट, के.भी. सुबन्ना अथ्था, रंगमंदिर, बैंगलुरू, 2015
4. रामकिंकर और आधुनिकता की दोहरी प्रति बद्धताओं, गोस्का मकुगा ईडी में। शुरूआत से पहले और अंत में, फोन्ड जिओन प्रादा, मिलान के बाद, 2016, पीपी-141-143, आईएसबीएन : 978-88-87029-65-9
5. 'रवीन्द्रनाथ चित्रकार के रूप में, चन्दा चटर्जी, इ.डी. रवीन्द्रनाथ टैगोर एक मन अनंत में घुर, प्रिमस पुस्तक, दिल्ली-2016, आईएसबीएन : 978-93-84082-82-6

संजय कुमार मल्लिक :

पेपर / आर्टिकल्स :

1. 'कलकत्ता समूह : अंतरजातिक चित्रभाषा (बंगाली में) पोरीकोथा / कोलकातार छोबी, छोबीर कोलकाता, वर्ष 17,

इशु 2, कोलकाता मई 2015, पीपी 203-212

2. ''चित्रभाषार शोधन थेके कोखोनो बिच्छुतो होन नी / शतबोरशेर श्रद्धांजलि : चित्रप्रोसाद'' (बंगाली में) आजकल शोध सोंख्या, ई डी. अशोक दास गुप्ता और को-एड। आलोक चट्टोपाध्याय, कोलकाता 1422 बंगाली एरा/अक्टूबर 2015 पीपी-385-395
3. शतबोरशेर गोपाल घोष (बंगाली में), चारूकला, इशु 6, ईडी. जोगने चौधुरी, राज्या चारूकला, प्रसाद, जानकारी और संस्कृति विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार (कोलकाता), 2015, पीपी-64-69
4. त्रलेखन, संग्रह, अभिलेखागार और संग्रहालय : एक संस्थान के रूप मे शांति निकेतन, के नजरिए से कुछ विचार, नंदन, कला भवन, विश्व भारती, शांतिनिकेतन, वॉल्यूम XXXII 2015. पीपी-16-31
5. ''आपका पेंटब्रश रंग भारत की धड़कन है जो नई रिचेस के साथ बंगाल की ट्रिसरी को भरती है। (रवीन्द्रनाथ टैगोर और नंदलाल बोस पर), रवीन्द्रनाथ टैगोर और उनके सर्कल, ईडी ताप्ति मुखर्जी और अमृत।द सेन, विश्व भारती, शान्तिनिकेतन 2015, पीपी-160-169

मेघाली गोस्वामी

पेपर/आर्टिकल्स :

1. जल यात्रा....एक यात्रा.....अजित सील की कला प्रदर्शनी 2015
2. रासा : अनुप चन्द 2016

अशुंमन दास गुप्ता

1. ''समकालीनता क्या है? नन्दी शन्तिनिकेतन, दिसम्बर 2015
2. ''भारत मं समकालीनता क्या है? अहाना जर्नल-त्रिपुरा, 2016, आईएसएसएन-2227-ऑफ 1994

ऋषभ गांधार नर्जरी

पेपर/आर्टिकल्स

1. सर्वोत्कृष्ट लोकप्रिय बंगाली पत्रिकाओं पर एक संक्षिप्त अवलोकन और 1900 जल्दी से कला लेखन-नन्दन वार्षिक पत्रिका में लेख प्रकाशित, वॉल्यूम - XXII 2015

भवन / सदन / विभाग के लिए भविष्य की योजनाओं का एक संकेत के साथ संबंध विभाग पर एक संक्षिप्त इतिहास।

1958 में काल के इतिहास पढ़ाया जाता है और कला भवन में इस पाठ्यक्रम की जांच की, और पहली कला संस्थानो में से एक भारत में ऐसा करने के लिए था। दस साल बाद जब कला भवन अनुशासनात्मक लाइनों कला के इतिहास की एक स्वतंत्र विभाग चित्रकला, मूर्तिकला और ग्राफिक्स के उन लोगों के साथ स्थापित किया गया था, के साथ पुनर्गठन किया गया था। और इस विशेषज्ञता का एक क्षेत्र के रूप में कला के इतिहास की शुरूआत करने के लिए नेतृत्व।

एक विभाग भी हाल मेथोडोलोजीकल उपकरण और विवादात्मक दिशाओं के और अधिक शामिल करने की योजना बनाई है, और गुंजाइश है और कला के इतिहास के अनुशासन की सभावनाओं को चौड़ा किया दोनो के भीतर और बिना से टिचिंग-लर्निंग मोडुल्स संस्थानो की सीमा को। हम भी शिक्षण समुदाय में नियमित स्टाफ सदस्यों से परे विद्वानों के साथ बातचीत को बढ़ाने के लिए इतना है कि ब्याज और अनुसंधान का एक बड़ा विविधता के छात्रों के बीच प्रोत्साहित किया जा सकता कि दिशा में काम कर रहे हैं।

नन्दन, कला भवन संग्रहालय

संग्राहलय कर्मचारियों का साहसिक कार्य और अभ्यास / ट्रेनिंग कराना :-

जुलाई 2015 के दौरान विश्व बंग सम्मेलन, एनएबीसी 15 (उत्तरी अमेरिका बंगाली सम्मेलन। द्वारा हस्टन, टेक्सास, यू0एस0ए0 में आयोजित सुशोभन अधिकारी संग्रहालय अध्यक्ष, कला भवन) को बंगाल कला के प्रदर्शनी के लिए प्रतिनिधि के लिए आमंत्रित किया गया

सुशोभन अधिकारी को ''मनोज मोहन बासु स्मारक सम्मान'' के रुप में पश्चिम बंग बंगला शैक्षणिक द्वारा कला पर व्याख्यान लेखन के लिए सम्मानित किया गया।

18-20 फरवरी 2016 के दौरान ब्रिटिश परिषद और राष्ट्रीय परिषद विज्ञान संग्रहालय, कोलकाता द्वारा आयोजित एकत्रित और मण्डारण कार्यशाला में अमूल्य कुमार जेना सहायक संरक्षक कला भवन ने हिस्सा लिया। विशेष प्रदर्शनी और अन्य क्रिया-कलाप, नन्दन गैलेरी में कला भवन संग्रहालय

1. एनएएसी समीति के लिए विशेष प्रदर्शनी।
2. शिक्षाशास्त्र, शान्तिनिकेतन का वार्षिक प्रदर्शनी।
3. पाठ भवन, शान्तिनिकेतन का वार्षिक प्रदर्शनी।
4. 'अंधेर स्वर्ग' सुक्ति रॉय का कला कार्य।
5. 'समतल से परे :एस मल्सा लक्ष्मीसेनाधीरा, श्रीलंका का चित्र।
6. चित्रकारी एवं रंगसाजी, प्रो0 अरूण पाल, शान्तिनिकेतन द्वारा।
7. अमित मुखर्जी, संगहालय अध्यक्ष, शान्तिनिकेतन द्वारा एक अन्तर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी।
8. विशाल ओक, पूने द्वारा कला कार्य।
9. कला भवन के थाईलैण्ड के छात्रों द्वारा आयोजित विशेष प्रदर्शनी।
10. 'प्रवृति का मूर्ति बनाने की कला' विकास देबनाथ का पश्चात्दर्शी प्रदर्शन
11. बिन्दु कला ट्रस्ट, भारती-नीलंकारी चेन्नई का कला कार्यक्रम प्रदर्शनी।
12. असित कुमार हलदार के 125वीं जन्मोत्सव पर रंगासजा का प्रदर्शनी
13. 21 फरवरी के उत्सव में बंगलादेश के छात्रों द्वारा कला-कार्य प्रदर्शनी
14. के0 जी0 सुब्रम्मयन द्वारा चित्रकाली खाका और अस्पष्ट लेख।
15. शान्तिनिकेतन अल्पोना : भूत एवं वर्तमान -नन्दलाल बोस, गौरी भंजा, जमुना सेन और अन्य पर्देवाला प्रमाण-विषयक बंशीचन्द्र गुप्त पर प्रमाण- विषयक चलचित्र,
    सुब्रतो मित्रा पर प्रमाण-विषयक चलचित्र।

वार्तालाप कार्यशाला

19-21 मार्च 2016 के दौरान सुरेश अमीय मेमोरियल ट्रस्ट और आईएनटीएसीएच कन्जर्वेशन इन्स्टिट्यूट के सहयोग से विश्व भारती के नन्दन संग्रहालय में ''कागज पर चित्रकारी का वार्तालाप पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। 19-21 मार्च के दौरान कला-भवन संग्रहालय के कर्मचारी और छात्रों द्वारा हिस्सेदारी।

संगीत भवन

रवीन्द्र संगीत, नृत्य और नाटक विभाग

नाम डॉ0 सुमित बासु

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/स्लेट/और गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की संख्या :

स्वप्नदीप गांधी - जेआरएफ

देबोश्री दास - नेट

निबेदिता दास - जेआरएफ

अंबिका मिश्रा - नेट

राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद सम्मेलन, प्रदर्शनी, कार्यशालाओं में उपस्थिति (तारीख, महीना, साल और विस्तार में)

तारीख	माह वर्ष	परिसंवाद/ सम्मेलन प्रदर्शनी / कार्यशाला/ इत्यादि का नाम	जिनके द्वारा आयोजित किया गया उन विभागो एवं संस्थानों के नाम
25 जुलाई 2015		स्कॉटलैण्ड-भारत का कन्टिनम विचार : टैगोर और उनका वृत्ति पर द्वितीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन	रवीन्द्र भवन विश्व भारती
27-29 अगस्त 2015		घना/संक्षिप्त पदार्थ दिवस 2015 लिपिका ऑडिटोरियम सोलो रवीन्द्र नृत्य	सीएमडीएवाईएस-2015 विश्व भारती भौतिकी विभाग

प्रकाशन विस्तार में (तारीख, माह, साल और विस्तार में सहित)

माघ संख जनवरी 2016 पर ''रवीन्द्र भारती समाज पत्रिका (प्रसिद्ध साहित्यिक और सांस्कृतिक) पत्रिका में प्रकाशित साहित्यिक लेख, पृष्ठ-संख्या 42-47।

साहित्यिक लेख का नाम ''ब्रह्मचारी रवीन्द्रनाथ''

रवीन्द्र संगीत, नृत्य और नाटक विभाग

प्रो0 कोजेंगबम सुनीता देवी

1) राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद, सम्मेलन, प्रदर्शनी, कार्यशाला आदि में उपस्थिति (तारीख, माह, साल और विस्तार में सहित)

तारीख, माह वर्ष	परिसंवाद/सम्मेलन/प्रदर्शनी कार्यशाला इत्यादि	आयोजन करने वाले संस्थान, विभाग का नाम
24-26 सितम्बर, 2015	राष्ट्रीय परिसंवाद में सांस्कृतिक कार्यक्रम का कोरियोग्राफ	हिन्दी भवन, विश्व विद्यालय, शान्ति निकेतन
8 फरवरी, 2016	ज्ञानमंच का पैंतालीसवाँ वार्षिकोत्सव	मैटेल जगोई कोलकाता

हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत विभाग

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/स्लेट//जेआरएफ/और गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों के नाम -

पार्थ दे	तबला	जेआरएफ
राजऋषि चक्रवती	वाचिक	जेआरएफ
अशोक वर्मन	वाचिक	नेट
नबेन्दु किरण देबनाथ	सितार	नेट
सुप्रिया चक्रवर्ती	वाचिक	नेट
सौरभ रॉय	वाचिक	नेट
अमृता मजूमदार	वाचिक	नेट
सुरश्री चटर्जी	वाचिक	नेट
मोनाली बैरागी	वाचिक	नेट

शिक्षकगण, अनुसंधान विद्वानों द्वारा राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय लेबेल के उच्चकोटि के सम्मेलन / परिसंवाद/ कार्यशाला/ प्रदर्शनी प्रस्तुतिकरण विस्तार में –

स्वप्न कुमार घोष

17-12-2015 को एनआईआईटी दुर्गापुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय परिसंवाद में अतिथि कलाकार के रूप में अकेले का गीत प्रस्तुत किया।

11-02-2016 में ऑल इण्डिया रेडियो, कोलकाता में एक कलाकार के रुप में अकेले का गीत प्रस्तुत किया।

अमित कुमार वर्मा

श्री - श्री रविशंकर फाउण्डेशन द्वारा 11-13 मार्च 2016 के दौरान विश्व सांस्कृतिक उत्सव, नई दिल्ली में प्रस्तुत किया।

5-6 नवम्बर 2015 के दौरान मौलाना अबुल कलाम आजाद इन्स्टिट्यूट ऑफ एशियन स्टडीज ऐण्ड मुक्ताबोधा के सहयोग से रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय के संगीत विभाग द्वारा आयोजित दक्षिण एशिया में संगीत और संगीतज्ञ' पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया -

आलोक बन्दोपाध्याय

तारीख, माह, साल	परिसंवाद/ सम्मेलन प्रदर्शनी / कार्यशाला का नाम	आयोजन करने वाले विभाग संस्थानों के नाम
17-11-2015	चतुर गणना में किरीटता : थियोरी अल्पिकेशन (एफआईसीटीए 2015)	नेशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, दुर्गापुर
14-15 मार्च 2016	फिर से उद्दत भारत के शैक्षणिक राष्ट्रीय वार्तालाप : सामाजिक स्थानान्तरण के लिए शिक्षकों की नियुक्ति	शिक्षा शास्त्र विभाग विश्वभारती और राम कृष्ण मिशन शिक्षक मन्दिर द्वारा संयुक्त रुप से आयोजित

रंजनी रामचन्द्र

तारीख, माह, साल	परिसंवाद/ सम्मेलन प्रदर्शनी / कार्यशालाओं का नाम	आयोजन करने वाले संस्थान एवं विभागो के नाम
29 फरवरी 2016	''भारत का संगीत'' लेबेल 3 अण्डरग्रेजुएट न्यूनाधिक पर आतिथ्य वक्तव्य	संगीत विभाग डरहम युनिवर्सिटी यू0 के0
8 मार्च 2016	संयुक्त अनुसंधान परिसंवाद, ''उत्तर भारतीय ख्याल प्रस्तुति करण ''एथेनोम्युजिकोलॉजिस्ट डॉ0 लावरा लेन्ट और प्रोफेसर मार्टिन क्लेटॉन के साथ	संगीत विभाग, अतिथि भवन सीरीज, डरहम् युनिवर्सिटी, यू0 के

सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रस्तुतिकरण :–

17 मई 2015 को अकेले संगीत का प्रस्तुतिकरण, सहयोग मन्दिर, थाणे, मुम्बई।

8 अगस्त 2015 भारतीय राष्ट्रीय मंच, चण्डीगढ़ द्वारा आयोजित बरखा ऋतु आई में अकेले गीत का प्रस्तुतिकरण किया।

19 नवम्बर 2015 एसएसभीएडी (शान्ति निकेतन सोसाइटी ऑफ विजुअल आर्ट्स ऐण्ड डिजाइन), शान्तिनिकेतन

21 दिसम्बर 2015, भवरंग बंदिश उत्सव, यशवन्त्राओं नाट्यग्रुहा, भावनगर गुजरात।

27 दिसम्बर 2015, स्वामी हरिदास संगीत समारोह, विश्व कला संगम, नारदा गना सभा चेन्नई।

30 जनवरी दिसम्बर 2015, अमित देसाई मेमोरियल संस्थान, विश्वकोष भवन, अहमदाबाद, गुजरात

10 फरवरी 2016, एनआईएएस (नेशनल इन्स्टि्टयूट फॉर एडवान्स्ड स्टडीज), जेआरडी टाटा ऑडिटोरियम, बैंगलोर।

23 फरवरी 2016 ''म्युजिकोन'' भारतीय कल्पना का एक शाम, डरहम युनिवर्सिटी यू0 के0

30 मार्च 2016, ऑल इण्डिया रेडियो (प्रसार भारती) कोलकाता में एकल संगीत का रिकार्डिंग।

विभाग में जारी अनुसंधान परियोजनाएँ :-

आलोक बन्दोपाध्याय

रंजनी, रामचन्द्रन

अनुसंधान परियोजना	वित्तीय एजेंसी का नाम	समयान्तर
ख्याल : संगीत और कल्पना	डरहम युनिवर्सिटी, यू0 के0 और कला और ह्यूमैनिटी रिसर्च परिषद के सहयोग से (एएचआरसी)	15 जनवरी 2016 से 30 नवम्बर 2016 तक

विभाग द्वारा आयोजित विस्तारीकरण क्रियाकलाप / एनएसएस / सांस्कृतिक और अन्य क्रियाकलाप में हिस्सा लेने वाले शिक्षकगण -

शिक्षक गण और विद्वानों द्वारा पूर्णरूप से शैक्षणिक श्रेष्ठता प्राप्त डी.एस.ए. या सी.ए.एस इत्यादि द्वारा मान्यता)-

रंजनी रामचन्द्रन :

मान्यता / सम्मान

अप्रैल 2014 - मार्च 2015 के दौरान प्रकाशन

अमित कुमार वर्मा

''संगीत शिक्षा के सामाजिक सरोकार : सूफी और आध्यात्मिक परम्परा पुस्तक में : एक शैक्षणिक स्वरूप 2015 में।

'जयशंकर प्रसाद के काव्य में संगीत तत्व'' अगस्त 2015 में कलाकुन्ज में प्रकाशित।

विभाग द्वारा नये कोर्सो का खाका / अध्ययन सूची या अन्य लेखन की नई पद्धति की शुरुआत की गई किसी भी संसद में सदस्यता/संस्थान/पेशीय /व्यक्ति

भविष्य के निर्देशिक योजनाओं के विकास के लिए भवन/सदन/विभागों के विकास पट एक संक्षिप्त इतिहास -

विश्व भारती के अन्तर्गत संगीत, नृत्य और नाट्य अध्ययन के रुप में संगीत भवन पूर्ण रुप से जारी कार्यक्रम उत्सव का सम्मिलित आयोजन प्रकृति में इकलौता है। बंगाली नववर्ष दिवस टैगोर जयन्ती, 7वाँ पौष, वर्षा उत्सव, टैगोर सप्ताह, पौधारोपण उत्सव, पतझड़ उत्सव, वसन्तोत्सव के साथ-साथ मंदिरों की साप्ताहिक सेवाएँ (उपासना) इत्यादि व्यवस्था रवीन्द्रनाथ टैगोर के समय से विश्वविद्यालय में जारी है। विश्व विद्यालय के अन्य विभागों के साल भर के परिसंवाद में सम्माननीय अतिथियों के सम्मान में असंख्य संगीत मय जमघट का प्रस्तुतिकरण भी किया जाता है। रवीन्द्र संगीत, नृत्य और नाट्य विभाग पर प्राथमिक दबाव है, आंशिक रूप से हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत पर है। इन्स्टिट्यूट के सिलेबस के बाहर भी क्रिया कलाप है लेकिन युग्मन उपादान जो कि हमारे छात्रों को मंच पर प्रस्तुतिकरण के लिए परिचित कराता है और अपने भविष्य में अकेले मंचन करने में भी दक्ष बनाता है। यह आवश्यक भाव के रुप में भी विचारणीय है जो कि सम्पूर्ण भारत में शन्तिनिकेतन की परम्परा को आगे बढ़ाया है। यह बढ़ता हुआ अनुभव है जो कि रवीन्द्र के विचार से नृत्य सिलेबस में आवश्यक था, जो कि रवीन्द्रनाथ के विचार सुगन्धित कर फैलाने का काम किया है। एसराज केन्द्र एक ऐसा भवन है जहाँ ऐसे वाद्‌ययंत्रों का संरक्षण और होगा, जो कि रवीन्द्रनाथ के प्रिय थे। हम आशा करते हैं कि इस केन्द्र के माध्यम से विभिन्न प्रकार के वाद्ययन्त्रों के अभ्यास, प्रस्तुतिकरण एवं सैद्धान्तिक करने में मदद करता है।

अन्य सभी सूचनाएँ जो कि विभागाध्यक्ष के द्वारा प्रस्ताविक किये गए हैं, शामिल है :–

हम लोग इन्स्टिट्यूट के उन शिक्षकों के सहयोग से जो कि लगातार शैक्षणिक कार्य में सम्मिलित है, की सहायता से जिम्मेदारी के साथ मौसमी और प्रतिदिन का कार्यक्रम प्रतिपादित करते है। मानवता और सांस्कृतिक भाव, मान्य परम्परा जीवन के दार्शनिक भाव विचार के द्वारा सम्पूर्ण रूप से छात्रों को शिक्षा देना ही महान शिक्षक रवीन्द्रनाथ की कामना थी। उनके नजरिये से डिग्रीहासिल करना नहीं बल्कि छात्रों को आकार देकर गढ़ना ही रवीन्द्रनाथ का उद्देश्य था जो कि वास्तव में उनके जीवन में उच्चकोटि और विलक्षण गुण समाहित हो सके।

संगीत भवन में एसराज (जो कि रवीन्द्रनाथ का एक प्रिय) स्थापना, इन विरल वाद्ययन्त्रों के संरक्षण और अभ्यास में योगदान करेगा। विभिन्न प्रकार के वाद्ययन्त्रों का अभ्यास प्रस्तुतिकरण और थियोराइजिंग करने के लिए उत्साहित करना ही इस केन्द्र का बहुदेशीय उद्देश्य है। अभ्यास क्षेत्र में इसके क्षेपीय अंचल में अनुसंधान करने का निर्देशन ही इस भवन का प्रकृति है। प्रस्तुतिकरण जो कि विभिन्न उत्सव, सम्मेलन, परिसंवाद में आयोजित किया जाता है कि वे सभी रवीन्द्रनाथ के संगीत पर आधारित है।

रवीन्द्र संगीत गन्वेषण केन्द्र

परिसंवाद (वक्ता, परिसंवाद का शीर्षक, तारीख) :।

शीर्षक - गाने-गाने तोबो''

वक्ता - श्रीमती शर्मिला रॉय प्रोमोट, आवास में विद्वता, विश्व भारती

तारीख - 15-09-2015

स्थान - रविवितान, दक्षिणायन, शान्तिनिकेतन

आयोजक - रवीन्द्रसंगीत गन्वेषण केन्द्र विश्वभारती

केवल राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय उच्चकोटि के सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशालाएँ / प्रदर्शनी / प्रस्तुतिकरण जिनमें शिक्षकगण और अनुसंधान विद्वान शामिल हुए, विस्तार में –

05-02-2016 को रवीन्द्रनाथ संगीत गन्वेषण केन्द्र ने पुस्तक के संस्कार के उत्सव पर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के विख्यात एवं शैक्षणिक योग्यता वाले व्यक्तियों के साथ ''रवीन्द्रनाथ टैगोर : सौ वर्ष का सार्वभौमिक स्वागत ''परिसंवाद का आयोजन किया गया जिसमें नोबल पुरस्कार से सम्मानित अमर्त्य सेन ने पुस्तक का विमोचन किया। यह पुस्तक संयुक्त रुप से डॉ0 मार्टिन कैंपचेन और डॉ0 आइम्रे बोन्धा द्वारा सम्पादित है।

कार्यक्रम - 'विश्वभारती - होलिस्टिक शिक्षा का एक प्रारूप'

प्रतिभागी - फैकल्टी और छात्र, संगीत भवन

उत्सव - एनएएसी के कुलीन दल का भ्रमण

आयोजक - रवीन्द्र संगीत गन्वेषण केन्द्र

स्थान - लिपिका

तारीख - 27-04-2015

कार्यक्रम - ''शापमोचन''

निर्माण एवं निर्देशिक - प्रोफेसर इन्द्रानी मुखोपाध्याय, अध्यक्ष, आरएसजीके

प्रतिभागी - छात्र और फैकल्टी, संगीत भवन

स्थान - रवीन्द्र सदन, कोलकाता

तारीख - 23-05-2015

कार्यक्रम - 'टैगोर का बसन्त'

निर्माण एवं निर्देशक - प्रो0 इन्द्राणी मुखोपाध्याय, अध्यक्ष, आरएसजीके

प्रतिभागी - छात्र और फैकल्टी, संगीत भवन

स्थान - रवीन्द्र तीर्थ, नीउ टाउन, कोलकाता

तारीख - 24-05-2015

रेडियो कार्यक्रम का प्रसारण

रचना और निर्देशक - प्रो0 इन्द्राणी मुखोपाध्याय, अध्यक्ष आरएसजी के

तारीख - 28-05-2015

प्रतिभागी - संगीत भवन के फैकल्टी और छात्र

स्थान - ऑल इण्डिया रेडियो, शान्तिनिकेतन

आयोजक - रवीन्द्र संगीत गन्वेषण केन्द्र।
रेडियो कार्यक्रम का किया गया प्रसारण :-
रचना और निर्देशक - प्रो0 इन्द्रानी मुखोपाध्याय, अध्यक्ष, आरएसजीके
तारीख - 25-06-2015
प्रतिभागी - संगीत भवन फैकल्टी और छात्र
स्थान - ऑल इण्डिया रेडियो शान्ति निकेतन
आयोजक - रवीन्द्र संगीत गन्वेषक केन्द्र
शीर्षक - रवीन्द्रनाथेर कृषि भावना
वक्ता - प्रो0 स्वप्न कुमार दास
सभापति - प्रो0 सुशान्त दत्ता गुप्ता
स्थान - विश्व भाारती, शान्ति निकेतन
तारीख - 09-08-2015
कार्यक्रम - ''भाषार मोदे भाषातितो'' (रवीन्द्र सप्ताह)
तारीख - 10-08-2015
स्थान - लिपिका, शान्तिनिकेतन
वक्ता - प्रो0 उदय नारायण सिंह
सभापति - प्रो0 अभिजीत सेन
आयोजक - विश्व भारती कर्मीपरिषद और रवीन्द्र संगीत गन्वेषण केन्द्र, विश्व भारती।
कार्यक्रम - ''पश्चात्य सेदिन रवीन्द्रनाथेर गान'' (रवीन्द्र सप्ताह)
तारीख - 11-08-2015
स्थान - लिपिका, शान्ति निकेतन
वक्ता - श्री अर्नेन्दु बनर्जी
सभापति - प्रो0 पार्थो घोष
आयोजक - विश्व भारती कर्मी परिषद और रवीन्द्र संगीत गन्वेषण केन्द्र, विश्व भारती।
कार्यक्रम - ''रवीन्द्र संगीत व कविता ग्रन्थरक्षा गृह'' (रवीन्द्र सप्ताह)
तारीख - 12-08-2015
स्थान - लिपिका
वक्ता - डॉ0 पुर्णेन्दुविकास सरकार
सभापति - प्रो0 मोहन सिंह खानगुरा
आयोजक - विश्व भारती कर्मीपरिषद और रवीन्द्र संगीत गन्वेषण केन्द्र, विश्व भारती
कार्यक्रम - रवीन्द्र पाण्डुलिपि'' (रवीन्द्र सप्ताह)
तारीख - 13-08-2015
स्थान - लिपिका, शान्तिनिकेतन
वक्ता - श्री अमीत्रासूदन भट्टाचार्य
सभापति - श्री सुनील कुमार पाठक

आयोजक - विश्व भारती कर्मीपरिषद और रविन्द्र संगीत गन्वेषण केन्द्र, विश्व भारती
कार्यक्रम - ''रवीन्द्रनाथ व ग्रंथन विभाग'' (रवीन्द्र सप्ताह)
तरीख - 14-08-2015
स्थान - लिपिका, शन्ति निकेतन
वक्ता - डॉ0 रामकुमार मुखोपाध्याय
सभापति - प्रो0 सुधेन्दु मण्डल
आयोजक - विश्व भारती कर्मी परिषद और रवीन्द्र संगीत गन्वेषण केन्द्र, विश्व भारती
कार्यक्रम - ''गाने विज्ञाने''
तारीख - 14-09-2015
स्थान - लिपिका शान्ति निकेतन
परिसंवाद - डीएसटी इन्स्पायर इन्टर्नशीप सम्मर कैम्प, 2015
कार्यक्रम - ''टैगोर का नृत्य-नाटक ''मायेरखेला''
तारीख - 04-10-2015
स्थान - टॉली क्लब, टॉलीगंज, कोलकाता
निर्देशन - रवीन्द्र संगीत गन्वेषण केन्द्र, विश्व भारती
आयोजक : मिस्टर विजि लेन्जर, कलकत्ता, उन्नति, कोलकाता
कार्यक्रम : ''रवीन्द्रनाथ गाने विज्ञाने'' पर वक्तव्य
तारीख - 13-12-2015
स्थान - लिपिका, शान्ति निकेतन
प्रस्तुतकर्त्ता - संगीत भवन के फैकल्टी और पठ भवन, के छात्र
उत्सव - आईएनएसए, सहचर मिलान
आयोजक - रवीन्द्र संगीत गन्वेषण केन्द्र और पाठ भवन, विश्व भारती
कार्यक्रम - ''जगदीश चन्द्र बासु और रवीन्द्रनाथ - संसार के दो मित्र आत्मा'' पर वक्तव्य
तारीख - 14-12-2015
स्थान - लिपिका, शान्ति निकेतन
प्रस्तुतकर्त्ता - संगीत भवन के फैकल्टी
उत्सव : आईएनएसए, सहचर मिलन
आयोजक : रवीन्द्र संगीत गन्वेषण केन्द्र और पठ भवन, विश्व भारती
रेडियो कार्यक्रम का प्रसारण –
तारीख - 26-12-2015
निर्देशक - रवीन्द्र संगीत गन्वेषण केन्द्र, विश्व भारती
प्रतिभागी - संगीत भवन फैकल्टी
स्थान - ऑल इण्डिया रेडियो शान्तिनिकेतन
आयोजक - रवीन्द्र संगीत गन्वेषण केन्द्र, विश्व भारती
कार्यक्रम - ''अनन्ता''

तारीख - 27-01-2016
स्थान - लिपिका, शान्तिनिकेतन
गायक - जावेद अख्तर
रवीन्द्र संगीत गायिका - संगीता दत्ता
आयोजक - रवीन्द्रसंगीत गन्वेषण केन्द्र, रवीन्द्र भवन एवं कर्मी-परिषद, विश्व भारती
''मघोत्सव'' पर रेडियो कार्यक्रम का प्रसारण
तारीख : 28-01-2016
निर्देशक - रवीन्द्र संगीत गन्वेषण केन्द्र, विश्व भारती
प्रतिभागी : संगीत भवन फैकल्टी
स्थान - ऑल इण्डिया रेडियो, शान्तिनिकेतन
आयोजक - रवीन्द्र संगीत गन्वेषण केन्द्र, विश्व भारती
केन्द्र में जारी अनुसंधान परियोजनाएँ -
रवीन्द्र संगीत गन्वेषण केन्द्र (आरएसजीके) के अन्तर्गत जो क्रिया कलाप केन्द्रित किये गए।
एक महत्वपूर्ण परियोजना प्रो0 इन्द्रानी मुखोपाध्याय की देख-रेख में जारी है।
(i) परियोजना का नाम - कलानुक्रमिक रवीन्द्र संगीत प्रकल्प (केआरएसपी)
(ii) सौजन्य एजेन्सी : विश्व भारती

अप्रैल 2015 से मार्च 2016 के दौरान प्रकाशन

प्रकाशन

विश्व भारती ग्रंथन विभाग के सहयोग से गन्वेषण केन्द्र और कर्मी परिषद संयुक्त रुप से ''रवीन्द्र सप्ताह भाषण 1421 ''शीर्षक के वक्तव्य के संग्रह को प्रकाशित किया। इन्द्रानी मुखोपाध्याय-डॉ0 रामकुमार मुखोपाध्याय और डॉ0 अमर्त्य मुखोपाध्याय द्वारा सम्पादित।

'बाल्मिकी प्रतिभा' शीर्षक एल्बम इसी नोटेशन पर आधारित प्रस्तुतिकण रिकार्डिंग के ही साथ, प्रतिभा देवी रचित, नोटेशन प्रकाशित कर दिया गया था।

भविष्य के विकासशील परियोजनाओं के निर्देशन में भवन / सदन / विभाग के विकास का संक्षिप्त इतिहास –

गन्वेषण केन्द्र के आज्ञापत्र में पुस्तकालय का प्रचालन, रिकार्ड का ग्रन्थरक्षा गृह रवीन्द्र संगीत और प्रदर्शनी के हस्तलेख पर लेख-पत्र टैगोर के नोटेशन और यादगार गीत यह उन फोटो और पुस्तकों का प्रदर्शनी करता है जिनका प्रयोग प्रसिद्ध रवीन्द्र संगीत कलाकार प्रयोग करते है।

पहले से ही टैगोर के गीत और नोटेशन प्रकाशित होने के लिए तैयार है। विश्व भारती प्रशासन और ग्रन्थन विभाग के सहयोग से समय-समय पर रवीन्द्र संगीत अन्वेषण केन्द्र द्वारा कलानुक्रमिक रवीन्द्र संगीत के सभी परियोजना तैयार करके प्रकाशित किया जायेगा।

संग्रहालय

बहुत ही कम समय में गन्वेषण केन्द्र ने रवीन्द्रनाथ टैगोर से सम्बन्धित गीत, नृत्य, नाट्य एवं मंचन के संसाधनो का एक बढ़िया संग्रहालय प्रचालित किया है। इस विषय के भविष्य के अनुसंधान के स्रोत का यह वादा करता है।

पुस्तकालय

यह पुस्तकालय रवीन्द्रनाथ के संगीत, नृत्य, नाट्य लेख से सम्बन्धित 1800 पुस्तकों को समर्पित किया है।

ग्रंथ संरक्षण गृह

ग्रन्थसंरक्षण से सम्बन्धित संसाधनों के बीच आकर्षणीय 'मायेर खेला' का हस्तलेख और कवि का शोधन और नृत्य-नाट्य के कुछ गीत शमिल है।

ऑडियो विजुअल

केन्द्र के गृह में 75 लम्बे नाटक डिस्क और शान्तिनिकेतन के सांस्कृतिक समारोहों के 75 रिकार्ड है।

कोई अन्य सम्बन्धित सूचनाएँ –

रवीन्द्र संगीत गन्वेषण केन्द्र अपने सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से शैक्षणिक और अनुसंधान, क्रिया कलापों, सीडी और पुस्तकों के प्रकाशन और बहुत परिसंवादो का विभिन्न आकृति बनाया है।

रवीन्द्र संगीत गन्वेषण केन्द्र पिछले वर्ष 2015-16 के दौरान तीन प्रदर्शनी सफलता पूर्वक दिखाया, जो कि दीप अनुसंधान कार्य के लिए प्रकाशित थे।

यह बताना चाहिए कि यहाँ दो गैलेरियाँ हैं – एक रवीन्द्र संगीत और संगीत भवन का इतिहास स्थायी है और दूसरे अनुसंधान/समारोहों के लिए है।

''रविन्द्र नृत्य और नाट्य (25वाँ बैशाख 1422 से 21 श्रावण) चित्रांगदा के परम्परा कविता से नृत्य-नाट्य (22 श्रावण से 1 पौष 1422) और दिनेन्द्रनाथ टैगोर : (7 पौष 1423 से अब तक).......ग्रन्थ संरक्षण गृह के साथ टैगोर युग के शान्ति निकेतन के विचार और स्वर्णिम यादों, विषय पर दर्शकों के लिए हम प्रदर्शनी किये।

प्रदर्शनी को यादगार बनाया क्योंकि दिनेन्द्रनाथ टैगोर के स्वयं से प्रस्तुत किये ऐतिहासिक एसराज नाटक दिखाया (सुप्रियो टैगोर द्वारा प्राप्त)

बहुत से आश्रमी, टैगोर-दक्ष, उच्च वर्ग के प्राध्यापक, विद्वान और यात्रीगण इस प्रकार के प्रदर्शनी के लिए उनका आभार प्रकट किये।

इसके अलावा हम इच्छुक व्यक्तियों के खरीदारी के लिए हम लोग ने विक्रय काउन्टर खोला।

रवीन्द्र संगीत गन्वेषण केन्द्र टैगोर के विचारों को सींचने का काम कर रहा है – विश्व के शैक्षणिक और सांस्कृतिक मण्डली के बीच आन्तरिक सम्बन्ध और प्रचालन/गुरुदेव और शान्ति निकेतन के परम्परा की ओर से अनुसंधान, हस्त लेख और उत्पादित विचार.....रवीन्द्र संगीत गन्वेषण केन्द्र द्वारा प्रचलित और संगीत भवन द्वारा प्रस्तुति करण।

विनय भवन

(इन्स्टिट्यूट ऑफ एडूकेशन)

शिक्षाशास्त्र (विभाग)

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/स्लेट/और गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की संख्या :

छात्रों के नाम

क्र0सं0	नाम	श्रेणी वर्ष	अनुक्रमांक संख्या यूजीसी-नेट शिक्षाशास्त्र जून 2015 दिसम्बर 2015
1.	विजय कुमार दास	एम0ए0 2016	87005678
2.	पार्वती मण्डल	एम0ए0 2015	88003523
3.	प्रतिप दास	एम0 ए0 2015	89016381
4.	मोहम्मद मेप्ताहुल इस्लम	एम0ए0 2015	89016162
5.	केशांग शेरपा	एम0ए0 2015	88003684

विभागीय परिसंवाद (वक्ता, परिसंवाद का शीर्षक, तारीख)

तारीख	**क्रियाकलाप**	**वक्ता**	**विषय/शीर्षक**
08-02-2016 से 17.02.2016	आईसीएसएसआर के सौजन्य से आयोजित सामाजिक विज्ञान में दस दिवसीय क्रमवद्ध अनुसंधान कार्यशाला	अनेक	'सामाजिक विज्ञान में क्रमबद्ध अनुसंधान कार्यशाला
14-03-2016 से 15-03-2016	राष्ट्रीय वार्तालाप	अनेक	''फिर से उद्‌ग्मित भारतीय शिक्षा: सामाजिक रूपान्तरण के लिए नियुक्त किये गए शिक्षक
17-03-2016 से 18-03-2016	आईसीएसएस आर द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद	अनेक	ज्ञान सम्बन्धी अयोग्यता और शिक्षण रुपनिदर्शन प्रबन्ध

सिर्फ राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीहय उच्च कोटि के सम्मेलन/परिसंवाद/कार्यशाला प्रदर्शनी इत्यादि में शिक्षकगण/अनुसंधान विद्वानों की उपस्थिति विस्तार में -

राजर्षि रॉय

1. 23 और 24 नवम्बर 2015 के दौरान एशियन कॉग्रेस फॉर ऐण्ड कम्युनिकेशन द्वारा कोलकाता में आयोजित ''भारत, एशिया और पश्चिम : तुलनात्मक संचार साजन वास्तविकता और स्वरूप'' के अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 24 नवम्बर 2015 को उपस्थित होकर ''सीखने के लिए संचार साधन : एक भारतीय शिक्षण पहुँच'' शीर्षक पर विशेष आतिथ्य भाषण दी।
2. 08--17 फरवरी 2016 के दौरान आईसीएसएसआर के सौजन्य से शिक्षाशास्त्र विनय भवन, विश्व भारती द्वारा आयोजित ''सामाजिक विज्ञान में तरीकावध अनुसंधान'' के दसदिवसीय कार्यशाला में 11 फरवरी 2016 को उपस्थित होकर ''शिक्षाशास्त्र में अनुसंधान तरीका / विधि और संगठित सामाजिक विज्ञान त्रिकोणात्मक रुप में'' पर आतिथ्य भाषण दिया।

बेनुधर चिनारा

1. 23 -24 अप्रैल 2015 के दौरान ज्योतिर्मय स्कूल ऑफ एडूकेशन ऐण्ड कन्मिगं युनिवर्सिटी द्वारा कन्मिगं, चीन में आयोजित सार्वभौमिक विद्यालय शिक्षा के शिक्षकों के लिए अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 23 अप्रैल 2015 को उपस्थित होकर ''शिक्षित करना और शान्ति पर शिक्षकों के स्वयं का परावर्तन ''शीर्षक कागज प्रस्तुत किये।
2. 26-28 नवम्बर 2015 के दौरान शिक्षाशास्त्र विभाग केरला विश्व-विद्यालय, थिरूवनन्तपुरम द्वारा आयोजित ''सीखना, पढ़ाना और अनुसंधान में उच्चकोटि और बेंचमार्क्स के लिए बुद्धिमत्ता'' के तीन दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''भारतीय विद्यालयों में अंग्रेजी पढ़ाने के दौरान प्रबन्ध अध्ययन सूची'' शीर्षक कागज 26 नवम्बर 2015 को प्रस्तुत किया।

शम्भू चरण रॉय

1. 8-17, फरवरी 2016 के दौरान आईसीएसएसआर के सौजन्य से शिक्षाशास्त्र विभाग, विनय भवन, विश्वभारती के द्वारा आयोजित ''सामाजिक विज्ञान में विधिवत अनुसंधान–भारती विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान में पीएच.डी अनुसंधान के लिए'' ''सभापति के रूप में उपस्थित हुए।

कान्हू चरण साहू

1 27-28 नवम्बर 2015 के दौरान जीईआरए और खालसा कॉलेज ऑफ एडूकेशन द्वारा अमृतसर में आयोजित ''एडूकॉन 2015 : शिक्षाशास्त्र पर : कक्षागृह में और परे'' के चौथे विश्व सम्मेलन में उपस्थित होकर ''विश्व भारती : विभिन्नता के साथ विश्वविद्यालय'' शीर्षक कागज प्रस्तुत किये।

2. 18 अगस्त 2015 को कोलकाता विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र और रामकृष्ण मिशन शिक्षण मन्दिर बेलुरमठ के द्वारा आयोजित ''शिक्षाशास्त्र में मनमोहन गुण'' के राष्ट्रीय परिसंवाद में उपस्थित हुए।

आशीष श्रीवास्तव

1. 29 अगस्त 2015 को आईसीएसएसआर के सौजन्य से मूर्ति देवी मेमोरियल बी0 एड0 कॉजेज, राजस्थान द्वारा आयोजित ''शैली आधारित शिक्षाशास्त्र : अवसर और स्वरूप'' के राष्ट्रीय परिसंवाद में ''शैली आधारित शिक्षाशास्त्र : टैगोर का शान्ति निकेतन, विश्वभारती, में प्रयोग शीर्षक कागज प्रस्तुत किये।
2. 30 अगस्त 2015 को आईसीएसएसआर के सौजन्य से श्री सत्या साई बी0 एड0 कॉलेज, पंजाब द्वारा आयोजित ''उच्य शिक्षा में सम्बन्धित गुण'' के राष्ट्रीय परिसंवाद में उपस्थित होकर ''उच्च शिक्षा में सम्बन्धित'' कागज प्रस्तुत किये।

नीलरतन रॉय

1. 18-19 दिसम्बर, 2015 के दौरान आईसीएसएसआर के सौजन्य से रंगिया कॉलेज, काम-रूप, असम द्वारा आयोजित ''दक्षिण एशिया के देशों के भूत, वर्तमान और परे सामाजिक-आर्थिक विकास'' के अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद में 18 दिसम्बर 2015 को उपस्थित होकर ''चिरांग जिला के अनुसूची जाति एवं अनुसूची जनजाति के सामाजिक-आर्थिक डिल-उौल पर एक अध्ययन ''शीर्षक कागज प्रस्तुत किया।
2. 6-7 जनवरी 2016 के दौरान आईसीएसएसआर के सौजन्य से मानव विज्ञान विभाग, असम युनिवर्सिटी, दीकु कैम्पस के द्वारा आयोजित ''इण्डिजेनस एथ्नोग्राफी ईएमआईसी स्वरूप और राष्ट्रीय सांस्कृतिक विरासत : उत्तर-पूर्वी भारत केन्द्रीभूत'' के राष्ट्रीय परिसंवाद में 6 जनवरी 2016 को उपस्थित होकर ''बंगाल में लेप्चा का जन्म : एक आलोचक अध्ययन'' शीर्षक कागज प्रस्तुत किये।

तृष्णा बनर्जी

1. 4-5 मार्च 2016 के दौरान डिपार्टमेन्ट ऑफ लाइफलाँग लर्निंग ऐण्ड एक्स्टेन्शन (ग्रामीण विस्तार केन्द्र), विश्व भारती के द्वारा आयोजित ''शिक्षा और विकास'' के राष्ट्रीय सम्मेलन में उपस्थित होकर ''महात्मय, नीतिविषयक और शिक्षाप्रद की उन्नति: रवीन्द्रनाथ टैगोर और शिक्षा में उनकी नई पद्धति'' शीर्षक कागज प्रस्तुत की।
2. 14-15 मार्च 2016 के दौरान विनय भवन के शिक्षाशास्त्र विभाग, विश्व भारती और रामकृष्ण मिशन शिक्षण मन्दिर, बेलुर मठ द्वारा आयोजित ''पुनर्जागृत भारत की शिक्षा : सामाजिक रूपान्तर के लिए शिक्षको की नियुक्ति'' के राष्ट्रीय वार्तालाप में उपस्थित होकर ''युवा शक्ति, नेतृत्व और व्यक्तित्व विकास : स्वामी विवेकानन्द और शिक्षा में उनका दर्शनशास्त्र'' शीर्षक कागज प्रस्तुत की।

प्रह्लाद रॉय

1. 12-13 दिसम्बर, 2015 के दौरान नाथुलाल दास बी.एड. कॉलेज मुर्शिदाबाद द्वारा आयोजित ''उच्चशिक्षा और परिवर्तनशील समाज : नीति प्रथाएँ और अनुसंधान'' के अन्तर्राष्ट्रीय ''उच्चशिक्षा में रवीन्द्रनाथ टैगोर के विचार'' शीर्षक कागज प्रस्तुत किये।
2. 27-28 अक्टूबर, 2015 के दौरान साउथ एशिया मैनेजमेन्ट एसोसिएशन ऐण्ड जबलपुर मैनेजमेन्ट एसोसिएशन गोवा द्वारा आयोजित''उच्च शिक्षा और उद्योग में साहसिक कार्य के महत्व श्रेष्ठता के लिए बहुदेशीय अनुशासनात्मक अनुसंधान'' अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद में उपस्थित होकर ''टैगोर के शैक्षणिक विचार में ग्रामीण प्रबन्ध'' शीर्षक कागज प्रस्तुत किये।

सनत रथ

1. 27-28, मार्च 2016 के दौरान विश्व भारती के संस्कृत, पाली और प्रकृत विभाग द्वारा आयोजित ''अश्वघोष के साहित्य में वृद्धा का जीवन और शिक्षा ''के अन्तराष्ट्रीय परिसंवाद में उपस्थित होकर ''वर्तमान शैक्षणिक पद्धति में बौद्ध'' शीर्षक कागज प्रस्तुत किये।
2. 10-11 मार्च 2016 के दौरान राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान सदाशिव कैम्पस, पूरी, उड़ीसा द्वारा आयोजित ''शिक्षा में नई पद्धति'' के राष्ट्रीय परिसंवाद में उपस्थित होकर ''शान्ति के लिए आईसीटी का सम्मानित अन्वेषण'' कागज प्रस्तुत किये।

पार्थ प्रतिम सिकदर

1. 14-15 मार्च 2016 के दौरान विनय भवन, विश्वभारती के शिक्षाशास्त्र विभाग और रामकृष्ण मिशन शिक्षणमन्दिर बेलुरमठ, के द्वारा आयोजित ''पुनर्जागृत भारत का शिक्षा : सामाजिक रूपान्तर के लिए नियुक्त शिक्षकगण के राष्ट्रीय

वार्तालाप में उपस्थित हुए।

2. 27-28 जून, 2015 के दौरान विश्वभारती के टेक्सटाइल सेक्शन, शिल्प सदन विभाग, द्वारा आयोजित ''सार्वभौमिक के संदर्भ में भारतीय हैन्डलूम उद्योग'' के राष्ट्रीय परिसंवाद में उपस्थित हुए।

चित्रलेखा माइती

14-15 मार्च 2016 के दौरान विनय भवन, विश्वभारती के शिक्षाशास्त्र विभाग और रामकृष्ण मिशन शिक्षा मन्दिर द्वारा आयोजित ''पुनर्जागृत भारत का शिक्षा : सामाजिक रूपान्तर के लिए नियुक्त शिक्षकगण'' के राष्ट्रीय वार्तालाप में उपस्थित होकर ''भारत- सामाजिक रूपान्तर के लिए अध्ययन सूची'' कागज प्रस्तुत की।

2. 17-18 मार्च 2016, के दौरान आईसएसएसआर के सौजन्य से विनय विभाग, विश्व भारती के शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित ''ज्ञान संम्बन्धी अक्षमता और प्रभावित शिक्षणयना : शैक्षणिक रूपनिदर्शन प्रबन्ध पहुँच की ओर'' के दो दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद में उपस्थित होकर ''सक्षम ज्ञान सम्बन्धी परिचालन में मानसिक यन्त्र भाषा के रुप में'' शीर्षक कागज प्रस्तुत की।

सरिता आनन्द

24-25 अगस्त 2015 के दौरान विश्वभारती पुस्तकालय नेटवर्क और आईएनएफएलआईबीएनईटी केन्द्र, अहमदाबाद द्वारा आयोजित ''एक्सेस टू ई-रिसोर्स अण्डर यूजीसी आईएनएफएलआईबीएनईटी डिजिटल लाइब्रेरी कन्सोर्टियम'' के दो-दिवसीय उपयोग करने वाला जागरूक कार्यक्रम में उपस्थित हुई।

मोहम्मद शाहिद सिद्धिकी

1. 16-18 अक्टूबर, 2015 के दौरान पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला के इतिहास विभाग द्वारा आयोजित दक्षिण एशिया इतिहास सम्मेलन में उपस्थित होकर ''अवारिफ-उल-मारिफ : शिक्षा का सूफी दर्शनशास्त्र पर एक लेख'' शीर्षक कागज प्रस्तुत किये।
2. 16-17 जनवरी की, 2016 के दौरान तुलनात्मक साहित्यिक केन्द्र, विश्वभारती द्वारा आयोजित ''तुलनात्मक साहित्य : संस्कृति और समाज का गुणक पथ'' के अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद में उपस्थित होकर ''हृदय का भाषा : सूफी लेखन में सामाजिक एकीकरण'' कागज प्रस्तुत किये।

श्रीमती शर्मिला यादव

1. 4-5 मार्च 2016 दौरान लाईफलाँग लर्निंग ऐण्ड एक्सटेन्सन रूरर एक्स्टेन्शन सेन्टर (आरईसी), विश्व भारती के द्वारा आयोजित ''शिक्षा और विकास'' के राष्ट्रीय सम्मेलन में उपस्थित होकर ''सभी के लिए शिक्षा-प्रमुख प्रकाशन, चुनौतियाँ और बच्चों के विशेष आवश्यक सम्भव व्यूह रचना'' शीर्षक कागज प्रस्तुत की।
2. 14-15 मार्च 2016 के दौरान विनय भवन, विश्वभारती के शिक्षाशास्त्र विभाग, शन्तिनिकेतन और रामकृष्ण मिशन शिक्षणमन्दिर, बेलुरमठ, बेलूर द्वारा आयोजित ''पुनर्जागृत भारत का शिक्षा : सामाजिक रूपान्तर के लिए शिक्षकों की नियुक्तिकरण'' के राष्ट्रीय वार्तालाप में उपस्थित होकर ''विशेष आवश्यक / जरूरत के साथ बच्चों के लिए मिश्रित शिक्षा'' शीर्षक कागज प्रस्तुत की।

सौमी मण्डल

1. 16-18 जनवरी 2016 के दौरान विश्वभारती द्वारा आयोजित आईसीएसडीएपी के अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद में उपस्थित होकर ''भाषा और शक्ति : भारतीय विद्यालय पद्धति में हेजीमोनिक और काउन्टर हेजीमोनिक का एक अध्ययन'' शीर्षक कागज प्रस्तुत की।
2. 14-15 मार्च 2016 के दौरान विनय-भवन, विश्वभारती के शिक्षा शास्त्र विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय परिसंवाद में

उपस्थित होकर ''भारत के शिक्षा पद्धति में समान पद्य-समान लक्षण'' शीर्षक कागज प्रस्तुत की।

शिल्पी घोष

1. 4-6 जून के दौरान इतिहास इन्स्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के पर्यावरण केन्द्र द्वारा आयोजित ''पर्यावरण सम्बन्धी अनुसंधान में चुनौतियाँ (एनसीओसीईआर 2015) के राष्ट्रीय सम्मेलन में उपस्थित होकर ''मानसिक स्वास्थ्य पर वायु प्रदूषण का प्रभाव'' शीर्षक कागज प्रस्तुत की।
2. 8-17 फरवरी 2016 के दौरान आईसीएसएसआर के सौजन्य से विनय भवन विश्व भारती के शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित ''सामाजिक विज्ञान में विधिवत् अनुसंधान'' के दसदिवसीय कार्यशाला में उपस्थित होकर ''उल्लेखित लेखन'' पर भाषण दी। यह कार्यशाला भारतीय विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान में पीएच.डी. विज्ञान के लिए था।

प्रसन्नजीत साहा

1. 27-28 मार्च के दौरान विश्वभारती के संस्कृत, पाली और प्राकृत विभाग द्वारा आयोजित ''अश्वघोष के साहित्य में वृद्धा का जीवन और शिक्षा'' के अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद में उपस्थित होकर ''वर्तमान शिक्षा पद्धति में बौद्ध'' शीर्षक कागज प्रस्तुत किये।
2. 14-15 मार्च 2016 के दौरान संयुक्त रुप से विनय भवन विश्व भारती के शिक्षाशास्त्र विभाग और रामकृष्ण मिशन शिक्षण मन्दिर, बेलुरमठ, हावड़ा द्वारा आयोजित ''पुनर्जागृत भारत में शिक्षा : समाज रूपान्तर के लिए शिक्षको की नियुक्ति'' के राष्ट्रीय वार्तालाप में उपस्थित होकर ''पर्यावरण शिक्षा: ''जीवन धारण करने योग्य विकास के लिए एक यन्त्र'' शीर्षक कागज प्रस्तुत किये।

विभाग में जारी अनुसंधान परियोजनाएँ :–

असम के सेकेण्डरी लेवेल के अनुसूची जाति एवं अनुसूची जाति के छात्रों के बीच वृद्धि/ज्ञान सामाजिक आर्थिक अवस्था और माता-पिता सम्बन्धी प्रोत्साहना के सम्बन्ध में शैक्षणिक अभिलाषा का एक प्रतियोगिता मूलक अध्ययन ''शीर्षक पर आईसीएसएसआर- वित्तीय अनुसंधान परियोजना का विभाग मेजबानी कर रहा है। डॉ0 नील रतन रॉय शिक्षाशास्त्र का संयुक्त प्राध्यापक, इस परियोजना का प्रधान अन्वेषक/अनुसंधानकर्त्ता हैं।

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार क्रियाकलाप /एनएसएस/ सांस्कृतिक एवं अन्य क्रियाकलापो में प्रतिभागी शिक्षकगण और विभाग के छात्र :-

क्रमांक	तारीख	क्रियाकलाप	संसाधन पुरुष	शीर्षक
1.	20-08-2015	वृक्षारोपण एवं रक्षा बन्धन उत्सव	–	–
2.	11-11-2015	राष्ट्रीय शिक्षा दिवस उत्सव	–	–
3.	17-0-2015	विशेष भाषण द्वारा	पी0 कृष्णा, निर्देशक कृष्णामूर्ति फाउण्डेशन ऑफ इण्डिया, बनारस	विज्ञान और जीवन धारण करने योग्य विकास
4.	12-01-2016	राष्ट्रीय युवा दिवस उत्सव (12 जनवरी 2015)	–	–
5.	15-01-2016	विशेष भाषण	डॉ0 एम महापात्र, प्राचार्य, हिल्स	शिक्षक शिक्षण एनसीटीई के नये नियम की चुनौतियाँ

			कॉलेज ऑफ एडूकेशन, इटानगर, अरूणाचल प्रदेश	2014
6.	15-01-2016	विशेष भाषण	प्रोफेसर जयदेव साहु कॉलेज का अध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र का फैकल्टी अरूणाचल प्रदेश विश्व विद्यालय	विवाद समस्या और शान्तिशिक्षा
7.	14-01-2016	विशेष भाषण	प्राध्यापक निशामणिकर जीवनधारण करने योग्य विभाग का निर्देशक	जीवन धारण करने योग्य विकास के लिए शिक्षा
8.	04-03-2016 से 09-03-2016	एम0एड0 के छात्रों का सिक्किम दौरा गंगटोक		

शिक्षकों / विद्वानों या विभाग (जैसे डीएसए या सीएएस इत्यादि द्वारा मान्यता प्राप्त शैक्षणिक श्रेष्ठता –

यूजीसी के अन्तर्गत स्कीम (एसएपी) द्वारा विशेष सहायता के लिए विभाग को चुना गया है और इसके पहले फेज में 85 लाख रुपये का अनुदान प्राप्त किया है।

अप्रैल 2015 से मार्च 2016 के दौरान प्रकाशन –

i) पाठ्य पुस्तक
ii) अन्य पुस्तके
iii) लेख (किसी विशेष विषय पर)
iv) अनुसंधान पत्र (लेखक, कागज का शीर्षक, साल, जर्नल, वॉल्यूम संख्या, पृष्ठ)
v) झाँकी में प्रकाशित कागजों की संख्या निरीक्षित जर्नल : राष्ट्रीय / अन्तर्राष्ट्रीय

i) **पुस्तकें :-**

रॉय आर0(2016) : गुणी शिक्षा के लिए ज्ञान का रूपान्तर, नई दिल्ली शिक्षा पब्लिकेशन, पीपी XII+312, आईएसबीएन 9788175418059 ।

सिद्धिकी एम0 एस0 (शिक्षा ??) 2015-सूफीवादी और भारतीय आध्यात्मिक परम्परा : एक शैक्षणिक स्वरूप, पीपी ??+ ??.नई दिल्ली पब्लिकेशन, आईएसबीएन : 9788185503059।

सिद्धिकी एम0 एस0 (2016) मूर्ति सम्बन्धी कलाम पीपी ??+ ?? नई दिल्ली पब्लिकेशन, आईएसबीएन : 978-93-85502-22-4 (पहला लेखक)

पुस्तक पाठ

ii) साहू, के0 सी (2015) ''विज्ञान और वेदान्त, ए0 के0 जेना सम्पादित विज्ञान शिक्षा के दार्शनिक प्रकाशन, पीपी 107-116 नई दिल्ली :
एडूपेडिया पब्लिकेशन, आईएसबीएन : 978-1-5170-6529-4।
रॉय, एन0 आर0 (2015) जारी और विस्तृत मूल्यांकन (सीसीई) उच्च शिक्षा में, एक मूल निर्धारित : पीपी 107-115

सैकिया : बी0 के0 सम्पादित में, असमें उच्च शिक्षा की खोज में, असम : मारीगाँव कॉलेज, आईएसबीएन : 978-81-928118-5-7।

वैराग्य, एस0एस0 (2015) रवीन्द्रनाथेर सहोजपाठ : सहोज कोथा व अन्या शिक्षा पौरधाती, स्थान ? : प्रकाशक = ? आईएसबीएन 978-93-84 383-26-8।

iii) **सम्मेलन कार्य :-**

माइती, सी (2015) छायादार मार्ग संस्कृति का आपातकाल : कलकत्ता शहर में औद्योगिक भूमि का परिवर्तनशील प्रवृति : ''जीवन धारण करने योग्य विकास के लिए भूमि, जल एवं निरीक्षित उर्जा'' के राष्ट्रीय सम्मेलन की कृति, पीपी 64-70, आईएसबीएन : 978-93-91778-36-4

iv) **कागज**

बनर्जी, टी0 (2015) : चैतन्यप्रिय श्री अदैत्यचार्या : उद्बोधन, 117(6) पीपी 404-407, आईएसएसएन : 1971-4316

बनर्जी टी0 (2015) रवीन्द्रनाथ टैगोर के शिक्षा का दर्शनशात्र : शिक्षाप्रद, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक का एक छेदन, विश्व भारती का त्रैमासिक 24 (2 और 3) पीपी 2732, आईएसएसएन : 0972-043x।

चिनारा, बी0 (2015) : प्रारम्भिक स्कूली विद्या सीखने वालों के जीवन में शान्ति का निर्माण के लिए विवादित विश्लेषण शिक्षा, भारतीय शैक्षणिक जर्नल, **XXXXI (I)** पृष्ठ 61-70, आईएसएसएन 0972-5628, 2015 (प्रथम लेखक),

छेत्री, जे0 और घोष, एस0 (2015) : कक्षागृह पहेली व्याख्यान, नई पद्धति अनुसंधान और अध्ययन का अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, 4(12) पृष्ठ 72-87- आईएसएसएन 2319-9725।

मण्डल, एस0 (2016) नई वैचारिक नई बस्ती : शिक्षा पद्धति का शोचनीय समझ के लिए एक लेन्स, ज्ञानोदय : प्रगतिशील शिक्षा का एक जर्नल : वॉल्यूम ? संख्या ? पृष्ठ ? आईएसएसएन : 0974-180 ।

मण्डल, एस0 (2016) : द्वितीय भाषा लाभ/प्राप्त पर सामाजिक-सांस्कृतिक स्वरूप, भाषा प्रौद्योगिकी : (ऑन लाइन जर्नल) डब्लूडब्लूहिन्दीटेक.इन वॉल्यूम ?, संख्या ? आईएसएसएन 2231-4989।

प्रसाद, यू0 (???) विशेष आवश्यक के साथ बच्चों के लिए व्यूह रचना और सामाजिक शैक्षणिक विधान शिक्षण सीखना, शैक्षणिक विचार का जर्नल : 2 (संख्या ?) पृष्ठ ? आईएसएसएन 2348-1714

रथ एस0 (???) नारी और रवीन्द्रनाथ टैगोर की मुक्ति, शिक्षा के तरू पति में, कला और विज्ञान में अनुसंधान का अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, 1 (3) पीपी(??) आईएसएसएन 2394-9759।

रथ एस (2015) स्वामी विवेकानन्द का शैक्षणिक दर्शनशास्त्र, अरविन्दो और डॉ0 सर्वपल्लीराधाकृष्णनन, स्वर्णिम अनुसंधान विचार, 4 (9), पीपी.?? आईएसएसएन : 2231-5063।

रथ, एस0 (2015) संयुक्तशिक्षा, अध्ययन सूची, फैक्ट, कानून शिक्षकों और चुनौतियों की भूमिका, दक्षिण एशिया के बहुअनुशासित जर्नल 1(6) पृष्ठ 125-???, आईएसएसएन - 2395-1079/

रथ एस0 (2015) शिक्षकों का महत्व और महत्वपूर्ण शिक्षा : एक सम्बन्धित पहुँच बहुअनुशासित अध्ययन का सार्वभौमिक जर्नल, 4 (8), पृष्ठ-304-???, आईएसएसएन-2348-0459।

रथ, एस0 (2015) : अंग्रेजी पढ़ाना, पहुँच, विधि और सीबीएलटी, इक्वेस्ट, 4 (1) पृष्ठ 153-??? आईएसएसएन-2277-3614।

रॉय पी (2015) : तुलनात्मक धर्म : शैक्षणिक पहुँच के प्रकाश पर भारतीय स्ट्रीम अनुसंधान जर्नल, 5(4), पीपी ?

आईएसएसएन 2230-7850।

रॉय, पी0 (2015) : धार्मिक शिक्षा और रवीन्द्रनाथ टैगोर, बहुअनुशासित अध्ययन का एशियन जर्नल, 3(6) पीपी ?, आईएसएसएन-2321-8819।

रॉय, पी0 : राष्ट्र में धार्मिक शिक्षा : अनुसंधान निरीक्षण, 4(8), पीपी ? आईएसएसएन-2249-894एक्स ।

साहा, पी0 (2015) : बीरभूम जिला में नारी शिक्षा की सामाजिक अवस्था-मानव विकास में एक हतोत्साहित करने वाला, शिन्जान का एक जर्नल, 2 (2) पीपी-16, आईएसएसएन-2454-3322।

श्रीवास्तव, ए0 (2015) सन्थाल जाति के शैक्षणिक अभिलाषा पर एक अध्ययन । स्वर्णिम अनुसंधान विचार, 5(4) पीपी?? आईएसएसएन: 2231-5063 (द्वितीय लेखक)

श्रीवास्तव ए0 (2015) : उच्च शिक्षा में जीव विज्ञान पढाना पर एक प्रभावकारी सूचना और संचार साधन प्रौद्योगिकी (आईसीटी) नई पद्धति अनुसंधान का एक अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल 1(1) पीपी ? आईएसएसएन:2454-7085 (द्वितीय लेखक)

श्रीवास्तव, ए0 भारतीय उच्च शिक्षा ई गवर्नेन्स में, विश्वविद्यालय समाचार, 53 (37), पीपी ? आईएसएसएन : 0566-2257 (द्वितीय लेखक)

श्रीवास्तव, ए0 (2015) गुण (ए) संयुक्त शिक्षा, बुद्धिमता एवं अग्रदूत वॉल्यूम ? संख्या ? पृष्ठ ? आईएसएसएन : 2231-1483 (प्रथमलेखक)

श्रीवास्तव ए0 (2015) : सामाजिक न्याय शिक्षा का अधिकार, शिक्षक- शिक्षा शोध पत्रिका, 9(4) पीपी-? आईएसएसएन : 0974-0562 (प्रथम लेखक)

विभाग द्वारा आरम्भ/ चलाया गया, नये कोर्सो का खाका। अध्ययन सूची या अन्य शिक्षण नई पद्धतियाँ –

पिछले साल से शिक्षाशास्त्र विभाग ने दो वर्षीय बी0एड0 कोर्स और एनसीएफटीई-2010 के गाईडलान्स के अनुसार एम0एड0 के कोर्सों का निम्न तीन अलौकिक अंश के विचार से शुरु किया है –

1. एनसीएफटीई-2010
2. 21वीं सदी में सीखना और सीखने वालों की परिवर्तनशील जरूरत
3. शिक्षक के शिक्षा का रवीन्द्रनाथ टैगोर का विचार।

विभाग में शिक्षण-सीख पद्धति में उन्नति और फिर से अच्छी अवस्था में लाने के लिए इस वर्ष सूत्रपात लिया गया है जो निम्न हैं–

1. शिक्षाशास्त्र विभाग के विभिन्न कोर्सों के छात्रों के लिए कम्युनिकेटिव/बोलचाल के लिए अंग्रेजी की कक्षा।
2. एलसीडी प्रयोजक की सहायता से शिक्षण - सीख के लिए नींव डाला गया।
3. वाई-फाई सामर्थ्य आईसीटी प्रयोगशाला में शिक्षण/सीख में अनुभव और कम्प्यूटर करना।
4. सम्पर्क कक्षाओं का प्रबन्ध द्वारा यूजीसी-नेट / जेआरएफ के लिए मास्टर छात्र बनाने और शैक्षणिक अनुसंधान और मार्गदर्शन सेल।
5. अनुसंधान गुण की उन्नति के उद्देश्य से परिवर्तित शैक्षणिक सत्र में शैक्षणिक अनुसंधान की विधि और प्रवृत्ति के लिए अपने अनुभव को व्यक्त करने के लिए प्रसिद्ध वक्ता एवं दक्षों को राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय में भाषण देने के लिए आमंत्रित करना।

भविष्य के विकास के निर्देशन में भवन / सदन / विभाग के विकास पर संक्षिप्त इतिहास –

विनय भवन (इन्स्टिट्यूट ऑफ एडूकेशन के नाम से प्रसिद्ध) विश्व भारती के केन्द्रीय विश्वविद्यालय के मान्यता के पहले सन् 1984 में शिल्प कला उज्जवलित शिक्षक ट्रेनिंग के रुप में काम करना शुरु किया। पार्लियामेन्ट के एक नियम भारत सरकार द्वारा 1951 में पारित इन्स्टिट्यूट ऑफ नेशनल इम्पॉर्टेस / विनय भवन से उत्तीर्ण छात्रों के नीचे

बढ़ते माँग के लिए भवन ने 1998 तक बी0 एड0 और एम0 एड0 कोर्सो का प्रतिपादन किया। तब सिर्फ शिक्षाशास्त्र के लिए।

परिवर्तनशील समय और जरूरत के साथ गति कायम, रखते हुए संस्थान ने पेशीय और शिक्षा में शिष्ट परिणाम (युग्मन शिक्षक शिक्षा शिक्षा, विस्तार, कार्य शिक्षा और कर्म-शिक्षा) के बीच समन्वय प्रयास किया। शिक्षाशास्त्र विभाग ने शिक्षाशास्त्र में दो वर्षीय बी एड0, एम0 एड0, एम0 ए और पीएच0 डी कार्यक्रम को प्रस्ताविक किया। शारीरिक शिक्षा विभाग ने तीन वर्षीय बी0ए /बास्क ऑनर्स) शारीरिक शिक्षा में एक वर्षीय बी0 पी0 एड0 और दो वर्षीय एम0 पी0 एड, शारीरिक शिक्षा में पीएच0 डी0 के साथ प्रस्ताविक किया। विभाग में पुस्तकालय में 20,870 पुस्तके एवं 3456 पत्रिकाएँ उपलब्ध हैं। दोनों विभागों के शिक्षकगण- और छात्रों की आवश्यकता पूर्ति के लिए ‘‘गीतांजलिनेट का फैसिलिटी है।

शिक्षाशास्त्र विभाग –

शिक्षा-शास्त्र विभाग की उत्पत्ति, कला उज्जवलित शिक्षक ट्रेनिंग संस्थान के रुप में विनयभवन वायस 1948 तक। थियोरी और अभ्यास के बीच गैप द्वारा शिक्षा का आदत बनाने के लिए इसके आरम्भिक समय से लिए अध्यादेश बनाया गया है। पूर्वी स्थिति और शिक्षक ट्रेनिंग शिल्प कला की आरम्भिक और उच्च कोटि की ओर और मास्टर लेवेल शिक्षक इसका मुख्य उद्देश्य है। समय के साथ और समकालीक आवश्यकता के साथ गति कायम रखते हुए विभाग में दो वर्षीय एम0एड0 और बी0 एड0 के कार्यक्रम की उन्नति के लिए आवश्यक कार्य और निरीक्षण किया है। समय के दौरान विभाग ने एम0 ए0 शिक्षाशास्त्र के रुप शिक्षाशास्त्र के मेनस्ट्रीम, जो कि शुरु किया गया था, कार्यक्षेत्र में जोड़ते हुए बढ़ाया है। इस समय विभाग में डॉक्टोरल लेवेल अनुसंधान कार्यक्रम में संवेग गति प्राप्त कर रहा है। इसके फैकल्टी सदस्यों एनसीटीई, एनसीईआरटी और यूजीसी के अध्ययन सूची प्रारूप का शिक्षा में राष्ट्रीय नीति और अध्ययन सूची के निर्माण की ओर महत्वपूर्ण योगदान दे रहे है।

टैगोर के विचार का निर्माण और स्वतन्त्रता द्वारा प्रेरित अध्यायन विद्या में नई पद्धति और अध्ययन सूची, शिक्षाशास्त्र विभाग में उच्चकोटि शिक्षा स्कीम में केन्द्र स्टेज हमेशा पाया है। शिक्षा का फल, जैसा कि गुरुदेव चाहते थे, विश्वविद्यालय के कैम्पस ओर ऊँचाई की चमक में कैद नहीं थे, बल्कि सामाजिक सेवा भी किये। विभाग ने इसकी आत्मा को सत्यापित करते हुए इसके कम्युनिटी केन्द्र बनाया। यह बढ़िया अनुभव शिक्षक ट्रेनिंग के विरासत और नई पद्धति और अध्ययन सूची प्राप्त किया है। विभाग के अध्यापन ट्रेनिंग को सिर्फ पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त ही नहीं बल्कि देश के बाहर भी, विनय भवन के उत्तीर्णों को शिक्षण में मौका मिलता है।

माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापको और शिक्षकों के लाभ के लिए विभाग ने समय-समय विभिन्न सेवा कार्य करने का आयोजन किया है।

भविष्य की योजनाएँ –

विभाग ने सावधानी युक्त योजनाओं द्वारा नई ऊँचाई स्थापित की है जो इसके फैकल्टी सदस्यों द्वारा 2020 तक पूरा करने के लिए बात-चीत की गई है। भविष्य में विभाग की योजनाओं के विकास के निम्न कार्यक्रम हैं –विश्वभारती के शिक्षाशास्त्र के जर्नल का निरीक्षण, पहली वार विनय भवन से 1983 में प्रकाशित किया।

वर्ष भर संचालित विभागीय, धार्मिक और राष्ट्रीय लेवेल का परिसंवाद / सम्मेलन / कार्यशालाएँ / विभाग का श्रेष्ठ केन्द्र में परिवर्तित।

उबडते हुए क्षेत्रों में अनुसंधान और योजनाएँ / राष्ट्रीय महत्व का सार। कार्यालय और छात्रों के सहयोग चलनेवाली सेवाओं स्वलित।

कर्मचारी विकास / सुशोभित क्रियाकलाप

शिक्षक सेवा में टेलर्ड माँग - चल रहे ट्रेनिंग कार्यक्रम।ञ

शारीरिक शिक्षा विभाग

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/स्लेट/ और गेट की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों के नाम –

नवम्बर, 2015 /दिव्येन्दु कुमारबेज/ यूजीसी नेट- जेयूएन 2015

शिक्षकगण / अनुसंधान विद्वानों द्वारा उपस्थित सिर्फ राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय उच्चकोटि के सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशालाएँ / प्रदर्शनी इत्यादि।

समिरन मण्डल

1. संसाधन पुरुष, यूजीसी के सौजन्य से शारीरिक शिक्षा विभाग, हल्दिया गवर्मेन्ट कॉलेज पश्चिम बंगाल द्वारा 3-4 सितम्बर 2015 के दौरान ''आधुनिक शारीरिक शिक्षा, खेल-कूद और सार्वभौमिक'' पर राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन किया गया।
2. 26 सितम्बर 2015 को इन्स्टिट्यूट ऑफ चाइनीज स्टडीज एएसआईए स्कॉर्ल् के संयुक्त साझेदारी से चीना भवन, विश्वभारती द्वारा ''चीन और भारत के मध्य आन्तरिक सभ्यता'' के अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विशेष आतिथ्य भाषण दिया।

सागरिका बन्दोपाध्याय

i. 1 अगस्त 2015 ''हाव-भाव विवेचना'' (अमेरिकन कॉलेज ऑफ स्पोर्टस मेडिसिन (एसीएसएम) के अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला में उपस्थित हुई और चार में कीर्तियाँ पाई।

ii. 17 अगस्त, 2015 (वेबिनार) ''संतुलित ट्रेनिंग'' (दि-अमेरिकन कॉलेज ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसीन) के कार्यशाला में उपस्थित हुई और चार में कीर्तियाँ पाई।

सुदर्शन विश्वास

1. 12-14 जुलाई 2015 के दौरान गवांग्जु विश्वविद्यालय, दक्षिण कोरिया द्वारा आयोजित सार्वभौमिक मण्डली पर विश्वविद्यालय के खेलकूद पर समघात'' के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''सार्वभौमिक मानव संसाधन के प्रगति के लिए भारती विश्वविद्यालय के खेलकूद और उच्च कोटि के प्रतिभागी चिकित्सा'' शीर्षक कागज प्रस्तुत किये।

महेश सावत खेटमालिस

i. 24-25 अगस्त, 2015, के दौरान यूजीसी-आईएनएफओएनईटी डिजिटल पुस्तकालय एकमत के अन्तर्गत संयुक्त रूप से विश्वभारती शान्तिनिकेतन और, आईएनएफएलआईबीएनईटी, अहमदाबाद द्वारा आयोजित ''ई-रिसोर्सेस में प्रवेश पर दो दिवसीय जागरूक कार्यक्रम में हिस्सा लिए।

ii. 12-13 फरवरी 2016 के दौरान बीसीयूडी, एसपी, पूने विश्वविद्यालय, पूने महाराष्ट्र के सौजन्य से, एसपीएचएएससीएमएम द्वारा आयोजित ''मानव महात्य और उच्च शिक्षा की भूमिका'' के राष्ट्रीय सम्मेलन में संसाधन पुरुष के रुप में उपस्थित होकर कागज प्रस्तुत किये।

कलोल चटर्जी

i. 10-30 जून 2015 के दौरान यूजीसी के सौजन्य से यूजीसी-एचआरडीसी, एल एनआईपीई ग्वालियर, मध्यप्रदेश में ताजगी कोर्स सफलता पूर्वक पूरा किये।

ii. 20-21 जनवरी 2016 के दौरान ''स्वास्थ्य में दृढ़ हुनर, उपयुक्तता और बढ़िया'' के राष्ट्रीय परिसंवाद में ''चुने हुए शारीरिक उपयुक्तता परिवर्तनशील, संथाल और मुण्डा जाति मण्डल के बीच पर तुलनात्मक अध्ययन शीर्षक कागज प्रस्तुत किये।

सेन्टु मित्रा

i. 10-30 जून 2015 के दौरान यूजीसी के सौजन्य से यूजीसी-एचआरडीसी एलएनआईपीई ग्वालियर, मध्यप्रदेश में ताजगी कोर्स सफलतापूर्वक पूरा किये।

मिस्टर अभिजीत थण्डर

i. 10-30 जून 2015 के दौरान यूजीसी के सौजन्य से यूजीसी-एचआरडीसी एलएनआईपीई ग्वालियर, मध्यप्रदेश में ताजगी कोर्स सफलतापूर्वक पूरा किये।

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार क्रियाकलाप/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य क्रिया कलापो में विभाग के अध्यापक और छात्रों की प्रतिभागी -

विभाग / शिक्षकगण / विद्वानों द्वारा प्राप्त शैक्षणिक श्रेष्ठता –

सागरिका बन्दोपाध्याय

''असेसमेन्ट ऑफ टोटल कीफॉटिक कर्वेचर इन रीलेशन टू अपर बॉडी फले क्सिविलिटी ऑफ ट्राइबल चिल्ड्रेन ''सान्टु धारा और सागरिका बन्दोपाध्याय द्वारा लिखित, शीर्षक अनुसंधान कागज के आधार पर इन्टरनेशनल एजेंसी फॉर स्टैन्डर्ड ऐण्ड रेटिंग (आईएएसआर) द्वारा मारी क्युरी अनुसंधान एवार्ड 2015, अस्थि विज्ञान में प्रतिपादित की।

अप्रैल 2015-मार्च 2016 के दौरान प्रकाशन –

सागरिका बन्दोपाध्याय

i. शेख खबिरूद्दीन और सागरिका बन्दोपाध्याय ''ओलिम्पिक गेम में लैगिंग समानता घुमौवा औरतो का महत्व'' ''डज ह्यूमैन राइट एक्जिस्ट पुस्तक में प्रकाशित, सिद्धार्थ चटर्जी द्वारा सम्पादित (कोलकाता : मानव प्रकाशन 2015) आईएसबीएन : 978-93-80332-80-2 प्रकाशन : अनुसंधान कागज

ii. देवोश्री कोनर सागरिका बन्दोपाध्याय और अरूप गायेन'' साइको सोसल वेलविइंग ऑफ मिड एज इण्डियन वोमेने ऑफ डिफरेन्ट सोसिएटल लाइफ स्टाईल'' आरूढ़ अनुसंधान का भारतीय जर्नल, वॉल्यूम ई, प्रकाशन : 5, मई 2015 पृष्ठ 64-65, सावधानी निरीक्षण और निर्देशित अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, समघात फैक्टर 3-6241

iii. सान्टु धारा और सागरिका बन्दोपाध्याय ''असेसमेन्ट कीफोटिक कर्वेचर इन रीलेशन अपर बॉडी फ्लेक्सिविलिटी ऑफ ट्राइबल चिल्ड्रेन ''हड्डी और जोड सर्जरी का जर्नल, फोटॉन 113 (2015) 130-134, सावधानी निरीक्षण, अन्तर्राष्ट्रीय इन्डेक्स्ड जर्नल : आईएसजेएन : 3652-3015 : समघात इन्डेक्स : 4.65

iv. शेखर मण्डल और सागरिका बन्दोपाध्याय '' 7 से 9 वर्ष के आयु की बंगलादेशी और भारतीय लड़कियों के बीच तुलनात्मक चुने हुए शारीरिक फिटनेस संघटक'' खेलकूद और शारीरिक शिक्षा का आईओएसआर जर्नल : आईएसएसएन : 2347-6745, वॉल्यूम 3 2, प्रकाशन 4, पृष्ठ 7-11।

महेश सावत खेटमालिस

i. 12-13 फरवरी 2016 ''आरम्भिक शारीरिक शिक्षा शिक्षकों के लिए संकेत'' अन्तर्राष्ट्रीय निर्णायक बहु अनुशासित समकालीक अनुसंधान जर्नल में प्रकाशित कागज प्रकाशन एक्स, फरवरी 2016, आईएसएसएन-2319-5789

ii. 12-13 फरवरी 2016 ''खेलकूद में वर्तमान प्रौद्योगिक अग्रगामी और एन्ट्रेप्रीन्यूरशीप पर द्वितीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन कार्य ''में कागज प्रकाशित, आईसीओएन स्पोर्ट्स 2016,
''क्रॉस सेक्शन्ड् स्टडी ऑन ग्रॉस मोटर डेवेलपमेन्ट ऑफ स्कूल चिल्ड्रेन'' एक चालक अध्ययन, आयोजक- आईएमएस जिम, बीएचयू, बनारस, सत्र-1, वॉल्यूम-2, 2016, आईएसबीएन - 978-81-923943-3-6।

कलोल चटर्जी

i. अभिजीत राना और डॉक्टर चटर्जी (2015) ''पश्चिम बंगाल के तीन विभिन्न जिलों के बॉलीवॉल खिलाड़ियों के पैरों की लम्बाई थाई गर्थ और पैरों की शीधदाह्य मजबूती पर एक तुलनात्मक अध्यधन ''अन्तर्राष्ट्रीय शारीरिक और खेलकूद अनुसंधान जर्नल, वॉल्यूम-4, प्रकाशन :9, सितम्बर 2015, आईएसएसएन : 2277-3665, समघात फैक्टर : 2.1052 (यूआईएफ)

ii. काजु कर्मकार और डॉ0 कलोल चटर्जी (2015) ''विभिन्न वॉलीवॉल खिलाड़ियों के बीच चिन्ता पर एक तुलनात्मक अध्ययन फिटनेस, बढ़िया और खेलकूद विज्ञान पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन के कार्य, 20-22 नवम्बर 2015, आईएसबीएन संख्या : 978-81-78-79-912-4, पृष्ठ 174।

iii. रणजीत दे और डॉ0 कलोल चटर्जी (2015) ''विश्वविद्यालय के छात्रों के तीन विभिन्न दलों के बीच दबाव पर एक तुलनात्मक अध्ययन फिटनेस, खेल-कूद और स्वस्थ विज्ञान कार्य 20-22 नवम्बर 2015, के अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, आईएसबीएन संख्या : 978-81-7879-912-4, पृष्ठ 256।

iv. रतन मण्डल, डॉ0 सुदर्शन विश्वास और डॉ0 कलोज चटर्जी (2015), केसरीन और नन केसरीन स्कूली छात्रों के बीच विभिन्न ज्ञान पर एक अध्ययन फिटनेस, स्वास्थ औरखेलकूद विज्ञान कार्य 20-22 नवम्बर 2015, आईएसबीएन संख्या : 978-81-7879-912-4 पृष्ठ : 341।

v. मोहम्मद सहिदुल हमीद, डॉ0 अशोक कुमार गून और डॉ0 कलोल चटर्जी (2015) ''विद्यालय जाने वाले मुस्लिम बच्चों पर रामादन फास्टिंग प्राफाइल का प्रभाव ''फिटनेस, स्वस्थ, और खेलकूद विज्ञान कार्य पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन पर, 20-22 नवम्बर 2015 आईएसबीएन संख्या : 978-81-7879-912-4, पृष्ठ 452।

vi. अभिजीत राना और डॉ0 कलोल चटर्जी (2015) ''फुटवॉल खिलड़ियों के उज्जवल परफॉमेन्स के साथ खेलकूद प्रतियोगिता चिन्ता, कार्य और एग्रो पर सम्बन्धनात्मक अध्ययन'' स्वस्थ फिटनेस, और खेलकूद, विज्ञान कार्य 20-22 नवम्बर, 2015, आईएसबीएन संख्या 978-81-7879-912-4 पृष्ठ 463।

vii. सान्दुधारा, रतन मण्उल और डॉ0 कलोल चटर्जी 2015 ''जाति सम्बन्धी विद्यालय जाने वाले बच्चों में रीढ़ लचीला के साथ सम्बन्धित लार्डोटिक वक्रता का कार्य ''फिटनेस, स्वस्थ, और खेलकूद विज्ञान कार्य पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन 20-22 नवम्बर 2015, आईएसबीएन संख्या 978-81-7879-912-4 पृष्ठ 556।

viii. डॉ0 शान्तनु पातर, डॉ0 कलोल चटर्जी और मृनाल दास (2016) भारत में विभिन्न धर्मो के लोगों के मांसपेशीय मजबूती तुलनात्मक 'आरूढ़ अनुसंधान का अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल (आईजेएआर) 2016, 2 (1) : 567-569 आईएसएसएन ऑनलाइन : 2394-5869 समधात फैक्टर 3 5.2।

ix. डॉ0 शान्तनु पातर, डॉ0 कलोल चटर्जी और मृनाल दास (2016) ''बौद्ध तान्त्रिक और बैष्णव के बीच निरन्तरता मांसपेशीय पर। एक तुलनात्मक अध्ययन'' शारीरिक शिक्षा और खेलकूद का आईओएसआर जर्नल (आईओएसआर-जेएसपीई) वॉल्यूम - 3, प्रकाशन - 1 (जनवरी-फरवरी 2016) ई-आईएसएसएन : 2347-6737

सेन्टु मित्रा : (07)

i. एम0 चौधरी, एस0 मित्रा और गायेन, ए0 (अप्रैल 2015) ''बास्केट-वॉल और खो-खो के खिलाड़ियों के बीच चुने हुए मोटर फिटनेस तत्व का विवेचना ''आरूढ़ अनुसंधान का भारतीय जर्नल 5(4) : 657-658, आईएसएसएन : 2249-555एक्स।

ii. डोलोन, एस0, मित्रा एस0 और गायेन, ए0 (20-22 नवम्बर 2015) चुने हुए गेंद खेल खिलाड़ियों के बीच चुने हुए फिटनेस अवयव पर तुलनात्मक अध्ययन फिटनेस, स्वस्थ और खेलकूद विज्ञान पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन कार्य, एलएनआईपीई में ग्वालियर, एम0 पी0 पृष्ठ 71-73 : आईएसबीएन : 978-81-7879-912-4

iii. कहार, के0, बन्दोपाध्याय, एस0, मित्रा, एस0 और गायेन, ए0 (20-22 नवम्बर 2015), कलकता प्रीमियर डिविजन फुटवॉल क्लब खिलाड़ियों और अन्तर विश्वविद्यालय लेबेल फुटबॉल खिलाड़ियों के बीच चुने हुए शारीरिक फिटनेस अवयव पर एक अध्ययन, फिटनेस, स्वस्थ और खेल-कूद विज्ञान पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन कार्य, एलएनआईपीई ग्वालियर, मध्यप्रदेश में, पृष्ठ 179-184, आईएसबीएन : 978-81-7879-912-4

iv. इन्सुन एसके, विश्वास एस मित्रा, एस और गायेन ए0 (20-22 नवम्बर) 2015), मेल-फिमेल फुटबॉल खिलाड़ियों के बीच खेलकूद प्रतियोगिता चिन्ता पर एक अध्ययन, फिटनेस, स्वस्थ और खेलकूद-विज्ञान के अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन कार्य, एलएनआईपीई में ग्वालियर, एम0पी0 पृष्ठ 275-277 : आईएसबीएन : 978-81-7879-912-4

v. दास, ए0, गून, ए0 के0, मित्रा एस और गायेन ए (20-22 नवम्बर 2015) ''इन्फ्लूएन्स ऑफ बॉडी मास इन्डेक्स ऑन ब्लड प्रेशर ऑफ सेडेन्टरी फीमेल'' फिटनेट, स्वस्थता और खेलकूद विज्ञान के अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन कार्य, एलएनआईपीई, ग्वालियर, एम0 पृष्ठ : 179-184, आईएसबीएन : 978-81-7879-912-4

vi. दास एम0 के0 और मित्रा एस (मई 2016) ''क्रिकेट में गेंदवाज और बल्ले बाजों के बीच चुने हुए मोटर फिटनेस परिवर्तनशील पर विवेचना - अनुसंधान भारतीय जर्नल, 5 (5) : 202-203 - आईएसएसएन : 2250-1991/

vii. सरकार एस0 और मित्रा एस0 (मई 2016) ''साधारण कॉलेज और ट्रेनिंग कॉलेज के छात्रों के बीच शारीरिक शिक्षा का चुने हुए मोटर फिटनेस अवयव पर तुलनात्मक विवेचना /अनुसंधान विवेचना का सार्वभौमिक जर्नल, 3(9) : 126-127, आईएसएसएन संख्या : 2277-8160।

अभिजीत थण्डर (10)

i. ''कॉलेज जाने वाले व्यस्कों में मांसपेशीय निरन्तरता और वक्रता कूद प्रदर्शन विशेषता पर एक अध्ययन (2015) : फिटनेस, स्वस्थता और खेलकूद विज्ञान कार्य पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, स्पोर्टस, पब्लिकेशन : आईएसबीएन : 978-81-7879-912-4 पृष्ठ 459।

ii. 'निचले मांसपेशीय प्रदर्शन शक्तियुक्त लचीलायन प्रोटोकॉल का तीव्र प्रभाव (2015)'' फिटनेस, स्वस्थता और खेलकूद विज्ञान कार्य को अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, स्पोर्टस् पब्लिकेशन : आईएसबीएन : 978-81-7879-912-4 पृष्ठ 355।

iii. ''जुनियर मेल फुटबॉल खिलाड़ियों के न्युरामेस्कुलर प्रदर्शन का कार्य (2015), फिटनेस, स्वस्थता और खेलकूद विज्ञान कार्य का अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन पर : स्पोर्टस् पब्लिकेशन, आईएसबीएन : 978-81-7879-912-4 पृष्ठ 345।

iv. ''गतिहीन कॉलेज युवाओं के कार्डियोवैस्क्युलर में लिंग भेद पर एक अध्ययन (2015) , फिटनेस, स्वस्थता और खेलकूद विज्ञान कार्य का अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन : स्पोर्टस् पब्लिकेशन : आईएसबीएन : 978-81-7879-912-4 पृष्ठ 210।

v. ''खोखो और फुटबॉल खिलाड़ियों के बीच ऐन्थ्रोपोमेट्रिक प्रोफाइल और मोटर प्रदर्शन पर एक तुलनात्मक अध्ययन (2015) : फिटनेस, स्वस्थता और खेलकूद विज्ञान कार्य का अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, स्पोर्टस् पब्लिकेशन : आईएसबीएन : 978-81-7879-912-4 पृष्ठ 272।

vi. ''कार्डियोवेस्क्युलर एडॉप्टेशन ऑफ कॉलेज मेल्स् अन्डर दि इन्फ्लुएन्स ऑफ डीट्रेनिंग (2015) : फिटनेस, स्वस्थता, खेलकूद विज्ञान कार्य का अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन : आईएसबीएन : 978-81-7879-912-4 पृष्ठ 289।

vii. 'स्त्री ऑथलीट के निचले लिम्ब एलिग्मेन्ट पर न्युरोमस्कुलर अभ्यास कार्यक्रम का तीव्र प्रभाव (2015) फिटनेस, स्वस्थता और खेलकूद विज्ञान कार्य का अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन : स्पोर्ट्स् पब्लिकेशन : आईएसबीएन : 979-81-

7879-912-4 पृष्ठ 183।

viii. ''कबड्डी में साईड कीक का कीनमैटिक विवेचना (2015), फिटनेस, स्वस्थता और खेलकूद विज्ञान कार्य का अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन पर : स्पोर्ट्स पब्लिकेशन : आईएसबीएन : 978-81-7879-912-1 पृष्ठ 31।

ix. क्रिकेट के तेज गेंदबाजों के बायोमेकानिक और प्रविधि की एक युग्मन प्रवेश (2015) आधुनिक शारीरिक शिक्षा स्पोर्ट्स् और सार्वभौमिकता एस.बी., एन्टरप्राइज वॉल्यूम : आईएसबीएन : 978-93-84667-06-1 पृष्ठ 39

x. पुरुष क्रिकेट खिलाड़ियों चुने हुए वायोकेमिकल परिवर्तनशील पर परिवर्तनशील भार के साथ पॉलिमेट्रिक अभ्यास का प्रभाव : आधुनिक शारीरिक शिक्षा स्पोर्ट्स् और सार्वभौकिता (2015) एस0 बी0 इन्टर प्राइज, वॉल्यूम:-1, आईएसबीएन : 978-93-84667-06-1 पृष्ठ 123।

विभाग द्वारा नये कोर्सो का खाका / अध्ययन सूची या अन्य अध्यापन नई पद्धति शुरु करना : योग शिक्षा में पीजी डिप्लोमा।

भविष्य के निर्देशन में भवन / सदन / विभाग के विकास-कार्य योजना का संक्षिप्त इतिहास –

भविष्य की योजनाएँ – 1. सेन्टर फॉर एक्सेलेन्स इन स्पोर्ट्स (2) सेन्टर फॉर एक्सेलेन्स इन सेल्फ डीफेन्स (3) सेन्टर फॉर इण्डियन ट्रेडिशनल गेम्स ऐण्ड स्पोर्ट्स (4) इन्टरनेशनल रिसर्च सेन्टर फॉर रीक्रीएशनल गेम्स्।

पल्ली संगठन विभाग

(डिपार्टमेन्ट ऑफ लाइफ लॉनग लर्निंग ऐण्ड एक्सटेनशन)

ग्रामीण विस्तार केन्द्र

विभागीय परिसंवाद (वक्ता, परिसंवाद शीर्षक, तारीखा) सिर्फ विशिष्ट बाहरी वक्ता

4-5 मार्च 2016 के दौरान ''शिक्षा और विकास'' पर राष्ट्रीय परिसंवाद

वक्ता

1. स्वामी सस्त्राजनन्दा, प्राचार्य / अध्यक्ष, बेलूरमठ मन्दिर, बेलूरमठ
2. मिस्टर के0 मर्जित्, संयुक्त निर्देशिक, बीआईआरडी बोलपुर
3. डॉ0 बी0 के0 दत्ता, निर्देशक, विवेकानन्द इंस्टिट्यूट ऑफ वायोटेक्नो-लॉजी।
4. श्रीमती मैत्रेयी घोष राजकीय कार्य समन्वयक, ट्रिकल, यू0पी0
5. श्री सुजीत मित्रा, डेवलेपमेन्ट रिसर्च कम्युनिकेशन ऐण्ड सर्विस सेन्टर पं0 बं0।
6. श्री संदीप मित्रा, क्षेत्रीय निर्देशक, चाइल्ड लाईन, ईस्ट आरआरसी कोलकाता।
7. श्री पी0 सी0 साहू योजना परियोजना निर्देशक, रूरल डेवलेपमेन्ट कन्सोर्टियम, कोलकाता
8. श्री संतासील दास, सीएसआर अध्यक्ष, बेंगॉल एरोट्रॉपॉलिस प्रोजेक्ट लिमिटेड।

शिक्षकगण / अनुसंधान विद्वानों द्वारा उपस्थित केवल उच्च कोटि के राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / प्रदर्शनी इत्यादि विस्तार में –

सुजीत कुमार पॉल

1. 3-4 सितम्बर 2015 के दौरान यूजीसी के सौजन्य से रामपुरहाट कालेज, पं0 बं0 द्वारा आयोजित ''शिष्ट कला और प्रसिद्ध संस्कृति के संदर्भ में 20वीं सदी में बंगाल का आर्विभाव/विस्तार के राष्ट्रीय परिसंवाद में ''जाति सम्बन्धी संस्कृति : पश्चिम बंगाल के संथालों के बीच परिवर्तित तरीका पर एक अध्ययन ''और ''बाहरी मध्यस्थता के माध्यम से जातीय समाज और संस्कृति का स्थानान्तरण : संथालो के बीच एक अध्ययन'' शीर्षक दो कागज प्रस्तुत किये।
2. 8-17 फरवरी 2016 और 11-20 अप्रैल 2016 के दौरान विनय भवन के शिक्षाशास्त्र विभाग, विश्वभारती द्वारा आयोजित ''सामाजिक विज्ञान में विधिवत अनुसंधान'' के दस दिवसीय कार्यशाला में आमंत्रित संसाधन पुरुष के रुप में कार्य करते हुए ''पीआरए और आरआरए'' पर भाषण दिये।

रफीक इस्लाम

1. 13 नवम्बर 2015 को नेशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ रूरल डेवेलपमेन्ट (एनआईआरडी) हैदराबाद में आयोजित ''कम्युनिटी ड्राइवेन रूरल डेवेलपमेन्ट (रवीन्द्रनाथ टैगोर ग्रामीण पुनर्गठन प्रयोग पर) के अन्तर्राष्ट्रीय ट्रेनिंग कार्यक्रम में संसाधन पुरुष के रूप में कार्य करते हुए अपना वक्तव्य रखे।
2. 24-25 फरवरी 2016 के दौरान डिपार्टमेन्ट ऑफ स्कूल एडुकेशन, प0 बं0 सरकार, सॉल्टलेक में एसएसए के मॉनिटरिंग (पश्चिम बंगाल के दक्षिण दिनाजपुर और मालदा जिले के) के साथ सम्बन्धित प्रदर्शन किये।

शुभ्रानगसु सान्त्रा

सुजीत कुमार पॉल

संदर्भ पुस्तक

1. ''ग्रामीण विकास : संकल्पना और तुरन्त का पहुँच'' पृष्ठ 416, संकल्प पब्लिशिंग कम्पनी (पी) लिमिटेड, नई दिल्ली, आईएसबीएन - 13 :978-93-5125-162-0।
2. ''स्वयं सहायता दल के माध्यम से जाति सम्बन्धित नारियों की नियुक्ति'' पृष्ठ -242 पर, अर्पण पब्लिकेशन, नई

दिल्ली, आईएसबीएन - 978-93-82135-40-1।

शोध कागजात :

1. ''विश्वविद्यालय शिक्षा पद्धति'' पर एक लेख प्रकाशित : ''उत्साहवर्धक सामाजिक दायित्व'' पृष्ठ-6319-6330 विकास एवं प्रबन्धन अध्ययन के झारखण्ड पत्रिका में, आयतन 13, संख्या-1, जनवरी-मार्च, 2015आईएसएसएन-0973-84441।
2. ''महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार प्रतिभू विधि'' पर एक लेख प्रकाशित : ''जल श्रोत एवं ग्रामीण विकास की भारत की अख्यान ''पृष्ठ-6603-6618, विकास एवं प्रबंधन अध्ययन के झारखण्ड पत्रिका में, आयतन 13, संख्या-3, जुलाई-सितम्बर, 2015 आई एस एस एन-0973-84441
3. ''जातीय अनुष्ठान एवं कृषि प्ररितंत्र'' पर एक लेख प्रकाशित : पश्चिम बंगाल के संथालों के बीच का अध्ययन''। पृष्ठ-6803-6812, विकास एवं प्रबंधन अध्ययन के झारखण्ड पत्रिका में, आयतन 13, संख्या-4, अक्टूबर-दिसम्बर, 2015, आई एस एस एन - 0973-84441।
4. ''यंत्र विज्ञान सम्बन्धी प्रगति'' पर एक लेख प्रकाशित : ''जातीय युवाओं के बीच की परिवर्तित दृश्य का अध्ययन'' पृष्ठ-17-27, भारत के मनुष्य-शास्त्र-विषयक सर्वेक्षण पत्रिका में, अध्ययन 64 (I & II) 2015, आई एस एस एन-2277-436 एक्स
5. ''स्वयं सेवी समूह द्वारा ग्रामीण बंगाल में स्थानीय निजी सरकार को बढ़ाव'' पर एक लेख प्रकाशित ''बर्दवान जिले पर एक अध्ययन,पश्चिम बंगाल'' पृष्ठ-39-53, भारत के विकास एवं राजनीति में, सम्पादन किया गया-द्वारा सुभाष सिंह राय और सुदीप नारायण मित्र चन्डीदास महाविद्यालय, 2015। आई एस बी एन : 978-93-82094-34-01
6. स्वयं द्वारा संपोषाणीय आर्थिक विकास'' पर एक लेख प्रकाशित : बीरभूम के कबायली स्त्री जाति के बीच का अध्ययन, पश्चिम बंगाल। पृष्ठ-40-58, भूमंडलीकरण, वातावरण एवं संतोषणीय विकास में। शेख बताउर रहमान एवं कौशिक दास द्वारा सम्पादन। चन्डीदास महाविद्यालय, 2015। आई एस बी एन : 978-93-83458-03-5।
7. ''संथाल संस्कृति में नवीन पुष्प सुगंध आधुनिकरण'' पर एक लेख प्रकाशित। पृष्ठ-59-76 भूमंडलीकरण में, कबायली के गुम सड़के विजय पी0 शर्मा, प्रदीप के0 भौमिक एवं पलाश चन्द्र कूमर द्वारा सम्पादन, कलपाज पब्लिकेशन, नई दिल्ली, 2015। आई एस बी एन : 978-93-5128-186-3
8. कबायलियों के सामाजिक-आर्थिक रूपांतरण '' पर एक लेख प्रकाशित : ''संथालो के बीच बाहरी हस्तक्षेप के प्रभाव का अध्ययन''। पृष्ठ-319-326, भूमंडलीकरण में : कबायलियों के गुम सड़कें। विजय पी0 शर्मा, प्रदीप के0 भौमिक एवं पलाश चन्द्र कूमर द्वारा सम्पादन, कलपाज पब्लिकेशन, नई दिल्ली, 2015। आई एस बी एन : 978-93-5128-186-3
9. पथ-मार्गदर्शन पर एक पुस्तक की समीक्षा : प्रौढ़ शिक्षा पर नवीन उपक्रम, पृष्ठ-86-88 शैक्षणिक योजना एवं प्रशासन के पत्रिका में, आयन - XXIX, संख्या-1, जनवरी 2015। आई एस एस एन-0971-38591

नवीन पाठ्यक्रम रूपरेखा / कार्यक्रम अथवा कोई अन्य नई शिक्षक पद्धति विभाग द्वारा आरम्भ किया गया।

विभाग के महाविद्यालय समुदाय कार्यक्रम के अधीन, तीन नई पाठ्यक्रम की रुपरेखा आगे आनेवाले विद्यामूलक शिक्षण - (2016-2017) सत्र तैयार किया गया था। के पाठ्यक्रम है : 1) उद्यानविद्या में उपाधि- (डीएच) पत्र 2) ग्राम्य-पर्यटन में उपाधि-पत्र (डीआरटी) एवं 3) कुंहार का व्यापार एवं मृत्तिका शिल्प में स्नातक (बीभीओसी) तीन वर्षीय उपाधि पाठ्यक्रम।

कोई अन्य प्रासंगिक सूचना, जो विभाग के प्रधान के विचार में वर्णन-योग्य है, शामिल होना चाहिए।

जैसा रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा परिकल्पना एवं उच्च शिक्षा नीति पर तीन पैमान वाला आग्रह से यूजीसी द्वारा- पुन: पुष्टि करण किया गया-यानी-शिक्षण, शोध एवं विस्तारण विभाग का मुख्य केन्द्र है।

शिल्प सदन

यूजीसी / सी एस आई आर / एन ई टी / एस एल ई टी एवं जी एटी ई परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम : अनुपयुक्त।

विभागीय अध्ययनगोष्ठी। कर्मशाला (वक्तागण, अध्ययन गोष्ठी का शीर्षक, दिनांक)''

देशीय अध्ययन गोष्ठी 'भारतीय हथकरधा व्यवसाय जो भूमंडलीकरण के संदर्भ पर', 27-28 जून 2015

राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / अध्ययन गोष्ठी / कर्मशाला / प्रदर्शनी इत्यादि।

आशीष मित्रा

i. हथकरधा सूती वस्त्रों के पर्दाकरण व्यवहार का पूर्व-सूचना 'शीर्षक पर एक लेख कृत्रिम परितंत्र मंडली द्वारा प्रस्तुत किया गया। – 'भारतीय हथकरघा वस्त्र-उद्योग जो भूमंडलीकरण के संदर्भ पर राष्ट्रीय अध्ययन गोष्ठी में में एक आग्रह हथकरधा वस्त्रों के सुविधा-गुण की ओर 'जून-27-28 शिल्प-सदाना, विश्व-भारती, श्रीनिकेतन में आयोजित किया गया।

ii. एक लेख प्रस्तुत किया गया जो शीर्षक एमसीडीएन तकनीक के विश्लेषणात्मक गुणात्मक उपक्रम प्रक्रिया का प्रयोग ग्रीष्मकालीन वस्त्रों के श्रेणी एवं चयन' आयोजक टीईक्यूआईपी II तृतीय राष्ट्रीय सम्मेलन वस्त्र उद्योग में आनेवाला दौर, तंतु एवं वस्त्र अभियांत्रिकी, फरवरी 19-21, 2016 को आयोजित, अभियांत्रिकी एवं वस्त्र-उद्योग सरकारी महाविद्यालय द्वारा आयोजित (जीसीईटीटी), बरहमपुर (पश्चिम बंगाल), सम्पूर्ण लेख प्रवृत पुस्तक में प्रकाशित हुआ, (जीसीईटीटी), बरहमपुर-2016 द्वारा प्रकाशित किया गया।

प्रबीर कुमार चौधरी

i. काग़ज़ स्वत्वाधिकारी 'उष्णता देय वस्त्रों की रुपरेखा एवं उत्पादन जो नियोजित ग्राहक के अनुकूल जो निर्णय समर्थन प्रक्रिया को व्यवहार कर रहे है। : एक नवीन आग्रह रुपरेखा प्रबंधन में, प्रस्तुत किया गया राष्ट्रीय अध्ययन गोष्ठी में, भारतीय हथकरघा वस्त्र-उद्योग, भूमंडली करण के संदर्भ पर, आयोजित किया गया शिल्प सदाना विभाग द्वारा, विश्वभारती, जून-27-28-2015। पूरा काग़ज ई-प्रवृत पुस्तक में प्रकाशित किया गया।

ii. कागज़ स्वत्वाधिकारी 'सूती का उष्मीय व्यवहार पर अध्ययन। सूती मिश्रित वस्त्रों प्रयोग हो रहा है परीक्षण कार्यप्रणाली के रुप रेखा पर, तृतीय राष्ट्रीय सम्मेलन जो वस्त्र-उद्योग के आनेवाले दौर पर प्रस्तुत किया गया, तंतु एवं वस्त्र अभियांत्रिकी ''वस्त्र-उद्योग प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित किया गया, अभियांत्रिकी एवं वस्त्र उद्योग सरकारी महाविद्यालय, बरहमपूर, पश्चिम बंगाल, के टीईक्यूआईपी आर्थिक संरक्षण (प्रायोजक) के अधीन, फरवरी 19-21, 2016 के दौरान। सम्पूर्ण लेख प्रवृत पुस्तक में प्रकाशित हुआ। आईएसबीएन : 978-1-5136-0951-5

iii. काग़ज़ स्वत्वाधिकारी 'रवीन्द्रनाथ टैगार एवं शिक्षा का व्यवसायीकरण में शिल्प-सदाना की भूमिका'' शिक्षा एवं विकास के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया। आयोजक - आजीवन शिक्षा एवं विस्तारण विभाग (ग्राम्य विस्तारण केन्द्र) विश्व भारतीय मार्च 4-5, 2016 के दौरान।

शंकर रॉय मलिक

i. काग़ज़ स्वत्वाधिकारी ''रंगसाजी प्राकृतिक रंग से'' – एक आग्रह हरी प्रौद्योगिकी, की ओर'' भारतीय हथकरघा वस्त्र उद्योग जो भूमंडलीयकरण के संदर्भ पर, शिक्षा एवं विकास के राष्ट्रीय अध्ययन गोष्ठी में प्रस्तुत किया गया, आयोजक - वस्त्र-उद्योग खंड, शिल्प सदाना, विश्व भारती, जून 27-28, 2015 के दौरान।

ii. काग़ज़ स्वत्वाधिकारी ''वस्त्र-उद्योग में गीली प्रौद्योगिकी, राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया आगे आने वाले वस्त्र-उद्योग के दौर पर, तंतु एवं वस्त्र अभियांत्रिकी, आयोजिक -वस्त्र-उद्योग प्रौद्योगिकी विभाग, अभियांत्रिकी एवं वस्त्र-उद्योग प्रौद्योगिकी सरकारी महाविद्यालय।

बरहमपुर 19-21, फरवरी 2015 के दौरान।

पद्मिनी बलराम

i. भारती की प्राचीन रंगाई वस्त्र उद्योग, डेक्कन कॉलेज में अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन एएसटीआरए 2016, पूने, जनवरी 2016

ii. सम्पोषणीय वस्त्र-उद्योग रुपरेखा एवं रंगाई, संचयी मुम्बई 2015, आईडीसी आईआईटी पर मुम्बई, दिसम्बर 2015

iii. चीन में सूत कृषि एवं उत्पादन पर भारतीय सूत का प्रभाव, एशियाई, अध्ययन के लिए अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन कोलकाता सोसाइटी (समाज) में, कोलकाता, अगस्त 2015

शोध परियोजना विभाग में जारी है।

अरविन्द मंडल

डीएसटी निधि समर्पित परियोजना स्वत्वाधिकारी 'उड़ते हुए राख का जेडआरओ2 विकास पर प्रभाव-रस्सी सम्मिलित, अवधि-तीन वर्ष (2012-2015) स्वीकृत धनराशि : 16.85 लाख।

शंकर रॉय मलिक

कार्यान्वित विश्वविद्यालय शोध परियोजना स्वत्वाधिकारी ''हथकरधा वस्त्र-उद्योग का उत्पाद विविधता भूमंडलीयकरण के संदर्भ में, प्रधान अन्वेषक के रुप में (अप्रैल 2015-मार्च 2016)

6. विस्तारण सक्रियता / एनएसएस / सांस्कृतिक एवं दूसरी सक्रियता विभाग द्वारा आयोजित एवं विभाग के शिक्षकगण और विद्यार्थियों द्वारा सहभागिता हुई।

i. विभाग के वस्त्र-उद्योग खंड के विस्तारण, सक्रियता द्वारा नजदीक के गाँवों के हथकरघा बुनकारों को कार्य हमारे आपूर्त रंगरेज, विरंजक एवं खाकी तागा से दिया गया है और हमारे रुपरेखा एवं निर्दिष्टीकरण के अनुसार। निर्णायक उत्पादों को विभाग के विक्रय-मंडी और पौष मेला द्वारा विक्रय किया गया है।

ii. सदृश्य ग्रामीण शिल्पकार बढ़ईगिरी, कुम्हारी कलात्मक चर्म शिल्प हस्तनिर्मित काग़ज़ निर्माण, बल्लाकार इत्यादि को रोजगार दिया गया है।, जो विभिन्नि सम्बन्धित शिल्प को उत्पादन करके कोई कच्चा माल देकर या प्रत्यक्ष पूर्ण मद क्रय करके विभाग द्वारा पूर्ति रूपरेखा के अनुसार।

7. शैक्षणिक विशिष्टता लाभन्वित किया गया शिक्षक गण। विद्वानों या सम्पूर्ण विभाग द्वारा।

अरविन्द मंगल

i. उप-प्रधानाचार्य के रूप में पाली समगथना विभाग में सन् 2014 से काम कर रहे हैं।

ii. सांख्यिकी प्रतिरुपण एवं आकड़ा विश्लेषण पर एक साप्ताहिक कार्यशक्ति विकास कार्यक्रम में उपस्थित हुए। इसका अभियांत्रिकी उपयोग अभियांत्रिकी एवं वस्त्र-उद्योग के सरकारी महाविद्यालय, बरहमपुर, पश्चिम बंगाल में जनवरी 11 जनवरी 15-2016 के दौरान एआईसीटीई के प्रतिभू द्वारा हुई।

शंकर रॉय मलिक

i. एनआईआरएफ समीति के सदस्य संदर्भ ज्ञापक संख्या स्थापित/डी आर/0.01/140 दिनांक 8 जनवरी, 2016

ii. एक कर्मशाला में उपस्थित हुए जो मूल पाठ लेखकों दर्जी के कार्य एवं पोशाक रुपरेखा के सम्पादकों के लिए जो पिरयोजना के सीईएमसीए परियोजना के अधीन जो नेताजी सुभाष खुला विश्वविद्यालय, कोलकाता में 18 नवम्बर 2015 को हुई।

iii. एक विशेषज्ञ सदस्य समीति के सभा में उपस्थित हुए जो मूल पाठ लेखकों/दर्जी के कार्य एवं पोशाक रुपरेखा सीईएमसीए परियोजना के अधीन जो नेताजी सुभाष उन्मुक्त विश्वविद्यालय, कोलकाता 10 अक्टूबर 2015 को सम्पन्न हुई।

iv. एक दिवसीय दर्शन छात्रों के साथ में संचालन वस्त्र-उद्योग वं कपड़ा खंड का किये, शिल्प सदाना में उपस्थित एवं अन्तर्महाविद्यालय प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता में भी भागीदारी निभाये जो खादी एवं भारतीय वस्त्र-उद्योग पर जेडी बिड़ाला संस्थान, कोलकाता में 1 अक्टूबर 2015 को सम्पन्न हुई।

v. अनुच्छेद के समीक्षक स्वत्वाधिकार हथकरधा केश वस्त्र उत्पाद की विविधिता जो वस्त्र उद्योग समीति पत्रिका के लिए है।

vi. सहभागिता निभाई एवं सफलतापूर्वक पूर्ण किया एक त्रैदिवसीय साहसिक कार्य जागरुकता शिविर।
शिल्प-सदाना के विभाग में, विश्व भारती विश्वविद्यालय 11 से 13 जून 2015, उद्योग विकास संस्थान द्वारा आयोजन किया गया एवं राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी साहसिकी परिषद, डीएसटी, भारत सरकार द्वारा निधि समर्थन दिया गया।

vii. संचालन किये एक दिवसीय कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम जो रंगाई एवं छपाई पर, बसवा, वीरभूम में 19 दिसम्बर जो कोलकाता शिल्प युक्त समीति द्वारा आयोजित हुआ।

viii. वस्त्र उद्योग में हरित प्रौद्योगिकी पर एक संध्या बातचीत पर व्याख्यान दिया जो आर एन मुखर्जी हाल, अभियन्ताओं की संस्थान, कोलकाता में 8 मई, 2015 को सम्पन्न हुई।

आशीष मिश्रा

i. उपस्थित हुये यूजीसी प्रतिभू एक साप्ताहिक लघु अवधि पाठ्यक्रम जो उन्मुक्त सॉफ्टवेयर श्रोत पर शैक्षणिक कर्मी महाविद्यालय, बर्दवान विश्वविद्यालय में मार्च 12 से 18, 2015 को सम्पन्न हुआ।

ii. उपस्थित हुये त्रैदिवसीय साहसिकी जागरूकता शिविर में उद्योग विकास संस्थान कोलकाता द्वारा संचालित जो शिल्प सदाना, विश्वभारती, श्रीनिकेतन में 11 से 13 जून, 2015 के बीच सम्पन्न हुआ।

iii. उपस्थित हुए टीईक्यूआईपी--II प्रतिभू एक साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विद्यालय ‘‘ मैट लैब एवं सिमूलिंक के प्रस्तावना’’ पर। इसका अभियांत्रिकी उपयोग आयोजित अभियांत्रिकी एवं वस्त्र उद्योग प्रौद्योगिकी के सरकारी महाविद्यालय बरहमपुर, मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल द्वारा 29 जून से 3 जुलाई 2015 के बीच हुआ।

iv. उपस्थित हुए टीईक्यूआईपी-II प्रतिभू एक साप्ताहिक कार्यशक्ति विकास कार्यक्रम में जो ‘सांख्यिकी ढाँचा एवं आकड़ा विश्लेषण’ पर है। इसका अभियांत्रिकी उपयोग अभियांत्रिकी एवं वस्त्र-उद्योग प्रौद्योगिकी, बरहमपूर, मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल द्वारा 11 जनवरी से 15 जनवरी, 2015 के बीच आयोजित हुआ।

प्रवीर कुमार चौधरी

i. उपस्थिति हुए एक साप्ताहिक ग्रीष्म ऋतु विद्यालय जो मैट लैब एवं सिमूलिंक के प्रस्तवाना पर है : इसका अभियांत्रिकी उपयोग। अभियांत्रिकी एवं वस्त्र-उद्योग प्रौद्योगिकी, बरहमपुर, पश्चिम बंगाल में 29 जून से 3 जुलाई के बीच एआईसीटीई प्रतिभू द्वारा सम्पन्न हुआ।

ii. उपस्थिति हुए एक साप्ताहिक कार्यशक्ति विकास कार्यक्रम में जो ‘सांख्यिकी ढाँचा एवं आकड़ा विश्लेषण पर है। इसका अभियांत्रिकी उपयोग अभियांत्रिकी एवं वस्त्र-उद्योग प्रौद्योगिकी के सरकारी महाविद्यालय, बरहमपुर, पश्चिम बंगाल में 11 जनवरी से 15 जनवरी, 2016 के दौरान आईसीटीएफ प्रतिभू द्वारा सम्पन्न हुआ।

iii. वस्त्र उद्योग में हरित प्रौद्योगिकी पर एक संध्या बातचीत पर व्याख्यान दिया जो अभियंताओं के संस्थान में (कोलकाता) 8 मई, 2015 को सम्पन्न हुआ।

iv. महीन तंतु का अम्बर चक्र द्वारा सूत कताई पर एक आमंत्रित व्याख्यान 5 अक्टूबर को इस्लामपुर पार्क मुर्शिदाबाद में शिल्प मेल, कोलकाता शिल्प मेल समीति, सॉल्ट लेक, कोलकाता के आमंत्रण पर दिया।

v. महीन तंतु का अम्बरचक्र द्वारा सूत कताई पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया और 5 अक्टूबर, 2015 को डोमकल

मुर्शिदाबाद में इसकी गुण एवं उत्पादन को बढ़ावा पर शिल्प मेल, कोलकाता, शिल्प मेल समीति द्वारा आमंत्रण पर सॉल्ट लेक, कोलकाता में व्याख्यान दिया।

डॉ0 अरविन्द मंडल

iii. उप-प्रधनाचार्य के रुप में पल्ली समगाथाना विभाग, विश्व भारती में सन् 2014 से काम कर रहे हैं।

iv. 'साख्यिकी ढाँचा एवं आकड़ा विश्लेषण पर एक साप्ताहिक कार्य-शक्ति विकास कार्यक्रम में उपस्थित हुए। इसका अभियांत्रिकी उपयोग अभियंताओं एवं वस्त्र-उद्योग प्रौद्योगिकी सरकारी महाविद्यालय, बरहमपुर पश्चिमबंगाल में 11 जनवरी से 15 जनवरी के दौरान एआईसीटीई प्रतिभू द्वारा सम्पन्न हुआ।

8. प्रकाशन अप्रैल 2015 से मार्च 2016 के मध्य।

अरविन्द मंडल

i. ए मंडल 'इक्यूलिब्रियम डीहाइड्रेसन-रिहाइड्रेसन रियेक्सन ऑफ हाइड्रोजेल ऑफ ए 1203-मुलाइट सिस्टम' इन्डोसिरम ऑफ एआईडीएमए, आयतन संख्या-2, पीपी 2-25 (2015)

ii. ए मंडल 'उडते हुए राख का जेडआरओ2 के विकास पर प्रभाव रस्सीयुक्त सम्मिलित, आईजेएआईईटी, आयतन 2, संख्या-12, पीपी 13-17 (2015)

iii. ए मंडल, अग्रदूत का ए 1203- मूलइट, कम्पोजिट के लिए संश्लेषण एवं चरित्रण जो डीहाइड्रोक्सीलेटेड के केयोलीनाइट द्वारा प्राप्त है, आईजेआरएसटी, आयतन-6, संख्या-1, पीपी PP 26-39 (2016)

iv. ए मंडल एमजीओ का प्रभाव विफासिक अलयूमिना के सिनटेंरिंग व्यवहार पर' आईजेएआर, आयतन-6, संख्या-1 पीपी 667-669 (2016)

v. ए मंडल एमजीओ का प्रभाव एमजीओ-ए1203-एसआईओ2के सिनटेरिंग-प्रतिक्रिया की पद्धति पर, कोरडीराईट कम्पोजिशन में, जीजेआरए, वॉल्यूम-6, संख्या -1, पीपी 69-71 (2016)

vi. ए मंडल टीआईओ के जोड़ का प्रभाव डोपैन्ट के रुप में भौतिकी यांत्रिकी ट्रायक्सेल पोरासिलेन के गुण पर। जीजेआरए, आयतन 5, संख्या-3, पीपी 281-282 (2016)

आशीष मित्रा

i. मित्रा ए ' झुण्ड विकास कार्यक्रम पर शान्तिपुर हथकरघा झुण्ड भाग-II पर एक रोग निदान वर्णन : झुण्ड संरचना वं पैरवी, वस्त्र-उद्योग दौर, आईएसएसएन : 0040-5205, संख्या-6, पीपी 35-47, मार्च (2015)

ii. मित्रा ए ' कृत्रिम-स्नायु चक्र एवं इसका वस्त्र गुष पूर्व सूचना एवं वस्त्र 'अभियांत्रिकी में प्रयोग–'एक सम्मिलित समीक्षा: भारत में मानव निर्मित वस्त्र-उद्योग, आईएसएसएन : 0377-7537, संख्या. 3, पीपी 87-96, मार्च (2015)

iii. मित्रा ए 'भू-वस्त्र उद्योग का समुद्रतट रक्षा एवं समुद्रतट अभियांत्रिकी पर प्रयोग : एक निरीक्षण, वातावरण विज्ञान की अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका, आईएसएसएन : 2319-1414, वॉल्यूम 4 (4), 96-103, अप्रैल (2015)

iv. मित्रा ए' मंडल 'प्राकृतिक रंगाई आक्षेप एवं उनके स्वास्थ्य संकट, वस्त्र-उद्योग समीति की पत्रिका आईएसएसएन : 0368-4636, आयतन-75, संख्या-6, 405-410, मार्च-अप्रैल (2015)

शंकर रॉय मलिक

i. समकालीन आक्षेप तकनीक का अनुकरण करते हुए रेगम वस्त्र की छपाई, वस्त्र-उद्योग संघ की पत्रिका, 75 (5), 2015, पीपी 345-350

ii. ब्लॉक प्रिन्ट्स द्वारा रूपरेखा विकास, एशियाई रंगरेज, 12 (6), (2016), पीपी 36-38

iii. प्राकृतिक डाई का प्रयोग एवं चरित्रण, एशियाई रंगरेज, 12(3), 2015, पीपी 30-37

iv. ब्लॉक प्रिन्ट – एक पारम्परिक शिल्प 'पल्ली चर्चा'-ग्रामीण अध्ययन की भारतीय पत्रिका, 2(1), जनवरी-जून, (2015), पीपी 30-39

पद्मिनी बलराम :

i. बलराम, पद्मिनी तोलत विभिन्न बाजारों के लिए वस्त्र-उद्योग रूपरेखा, आगे आने वाले वस्त्र उद्योग पर तृतीय राष्ट्रीय सम्मेलन, तंतु एवं वस्त्र अभियात्रिकी, वस्त्र-उद्योग प्रौद्योगिकी कर विभाग, अभियांत्रिकी एवं वस्त्र-उद्योग प्रौद्योगिकी की सरकारी कॉलेज, बरहमपुर, पश्चिमबंग फरवरी - 2016 (P.123-200).

नवीन पाठ्यक्रम की रुपरेखा / कार्यक्रम अथवा दूसरे अध्यापन नवनिर्माण विभाग द्वारा आरम्भ किया गया:

शिल्प सदाना एक नई स्नाकोत्तर पाठ्यक्रम रूपरेखा में आरम्भ करने जा रही है और पीएच.डीसी (डॉक्टरेट) कार्यक्रम शैक्षणिक, सत्र-2016-17 से।

इसके अतिरिक्त, आवश्यकता के आधार पर प्रमाण पत्र एवं अनियमित पाठ्यक्रम शिल्पकार एवं दस्तकार को प्रशिक्षित करने के लिए जो ग्रामीण वातावरण में उत्पादन सक्रियता को वहन करेगा, शीघ्र ही आनेवाले सत्र में आरम्भ भी होगा।

एक संक्षिप्त इतिहास भावना के विकास पर / विभाग जो विकास के भविष्य को दर्शाने से सम्बन्धित है :

शिल्प सदाना, एक विभाग जो श्री निकेतन में पल्ली समगाथाना के अधीन तकनीक एवं व्यवसाय प्रशिक्षण के लिए परिचित है और प्रशिक्षण कटीर उद्योग एवं शिल्प इसके आरम्भ 1922 से विदित है। इसकी एक लम्बी परम्परा लोगों की रूचि शिल्पकारी एवं नवनिर्मित शिल्प उत्पाद के द्वारा बढ़ाने में है। इसकी एक बार मार्ग दर्शक भूमिका क्षयोन्मुख ग्रामीण उद्योग और भारत के शिल्प भाग में है। इसकी वर्तमान सक्रियता है।

प्रशिक्षण क्रियायें :-

प्रशिक्षण भाग में रीति प्रशिक्षण सात विभिन्न औद्योगिक क्षेत्र में या अनुशासन विदित हो रहा है 143 नियमित छात्रों में जिनमें से 95 छात्र बी.डेस से अध्ययन कर रहे है और 34 प्रमाण-पत्र स्तर पर। शिल्प-सदाना चतुर्थवर्षीय बी0डेस पाठ्यक्रम एवं दिवसीय प्रमाण-पत्र पाठ्चक्रम प्रदान करता है। जो i) हस्तनिर्मित काग़ज़ निर्माण ii) पुस्तक जिल्दसाज एवं बंडल बाँधना, iii) हस्त बतिक और iv) कलात्मक चर्म कार्य v) काष्ठ कार्य vi) कुम्हार का धंधा vii) करकरधा बुनाई। यह व्यवसायी श्रेणी भी संचालन करता है। (बी.एस.डब्लू (ऑनर्स) के छात्रों के लिए, प्रथम वर्ष एवं उत्तर शिक्षा सदन विश्व भारती के छात्रों के लिए। उत्पादन विस्तारण एवं विपणन। यह भाग (विंग) ऊपर दर्शाये गये उद्योग क्षेत्रों के कलात्मक शिल्प वस्तु के उत्पादन को वहन कर रहे है, विभाग के अध्यापन एवं प्रौद्योगिकी कर्मी की सहायता से, ग्राम्य शिल्पी, प्रतिदिन दर पर अनियमित, कर्मी एवं शिल्प-सदाना के प्रशिक्षण इकाई के छात्रों की सहायता से। निर्मित उत्पाद श्रीनिकेतन के विक्रय-मंडी में बेचे जाते है। विभागीय कर्मशाला / चित्र-शाला / प्रयोगशाला विकसित किये गये है और स्तर को नवीन साज-सामानों/औजारों / यंत्रों से ऊँचा किया जो ग्यारहवी योजना साधन अनुदान से क्रय किया गया। अन्य कोई सम्बन्धित सूचना, जो विभागाध्यक्ष के विचार से वर्णन योग्य हो शामिल किया जाना चाहिए।

शिल्प-सदाना ने 1.5 करोड़ अनुदान विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त किया एक नवीन स्नातक व्यवसाय पाठ्यक्रम कुम्हारी एवं बर्तन (मिट्टी) निर्माण कला में आरम्भ करने के लिए, 2016-17 के शैक्षणिक सत्र से।

सामाजिक कार्य - विभाग

ग्राम्य पुनर्निर्माण के लिए संस्थान

समाज कार्य का विभाग, विश्व भारती, श्रीनिकेतन ने 1961 में अपनी यात्रा शुरू की। समाज कार्य-विभाग प्रदान करता है। एक त्रैवर्षीय अदरस्नातक (अंडरग्रेजुएट) पाठ्यक्रम अगला स्नातक उपाधि सामाजिक (ऑनर्स बीएसडब्लू) में और एक दिवसीय स्नाकोत्तर पाठ्यक्रम समाज कार्य में, अगला उच्चतम उपाधि (मास्टर डिग्री) समाज-कार्य (एमएएडब्लू) में। विभाग के पास पी एच डी कार्यक्रम सामाजिक कार्य में भी पाठ्यक्रम कार्य के साथ यूजीसी निर्देशन 2009 के अनुसार है।

छात्रों के नाम योग्य हुए, यूजीसी/नेट/सीएसटीपी/स्लेट और गेटपरीक्षा में स्वीटी मरांडी (एसटी) स्पष्ट उत्तीर्ण हुए यूजीसीएनईटी परीक्षा 2015 में।

अरुण सिंह (SC) यूजीसी-नेट-जेआरएफ परीक्षा 2015 में उत्तीर्ण हुआ।

विभागीय अध्ययन गोष्ठी / वक्तागण, अध्ययनगोष्ठी का शीर्षक, दिनांक) (प्रसिद्ध वक्तागण केवल)

एक दिवसीय अध्यात्मिका पर व्याख्यान और सामाजिक कार्य, सामाजिक कार्य विभाग द्वारा आयोजित, विश्व भारती। मूल विचार वक्ता : स्वामी सत्वप्रियानन्द सचिव महाराज, रामकृष्ण मिशन, नरेन्द्रपुर 12 अप्रैल 2016 को।

तीन दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला भारत के शिक्षा एवं स्वैच्छिक भाग पर, सामाजिक कार्य विभाग, विश्व भारती द्वारा आयोजित हुआ। मुख्य वक्ता : रित्विक पात्र, राज्य प्रधान शिक्षा, उत्तर प्रदेश, यूएनआईसीईएफ भारत 11 से 13 जनवरी 2016।

राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / अध्ययनगोष्ठी / कर्मशाला / प्रदर्शनी इत्यादि। उपस्थित हुए शिक्षकगण / शोध विद्वान विवरण में। (सर्वाधि 2 प्रति शिक्षक)

के. भट्टाचार्य

आयोजित हुआ एक त्रैदिवसीय कर्मशाला कानूनी जागरूकता शिविर पर ग्रामीण स्त्रियों के लिए प्रतिभू महिला राष्ट्रीय आयोग, नई दिल्ली।

आयोजित हुआ विस्तारण सक्रियता, विभाग द्वारा आयोजित एवं शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों द्वारा सहभागिता निभाई गई : शोध विद्वानगण आयोजित समूह चर्चा प्रथम दो दिवसीय कानूनी जागरूकता शिविर के भाग के रुप में ग्राम्य महिलाओं के लिए, संथाल महिलाओं के बीच घोसाल डांगा गाँव में। विभाग के छात्रों ने एक नाटक उक्त शिविर के अन्तिम दिन को अल्कोहल दुरूपयोग से पारिवारिक समस्या के कारण के विषय आधार पर विधान किया।

पी0 के0 घोष

एक व्याख्यान दिया गया ''भारत के गरीबी और सामाजिक कार्य पेशेवर की भूमिका'' पर समाज कार्य के विद्यालय में, इलीनोइस विश्वविद्यालय, यूएसए, अक्टूबर 2015 में । एक व्याख्यान भारत के सामाजिक समूह कार्य, पर सामाजिक कार्य के स्नातक विद्यालय में, डोमिनीकन विश्वविद्यालय, शिकागो, यूएसए में अक्टूबर, 2015 को दिया गया।

एम. एम. मुखर्जी

लेख प्रस्तुत हुआ ''यौन प्रपीड़न कार्यस्थान पर स्त्रियों के हवाले से'' सम्पूर्ण भारत सामाजिक कार्य पेशेवर के तृतीय राष्ट्रीय परिसंवाद में सम्पन्न हुआ भीएमसीसी और सफदरगंज अस्पताल नई दिल्ली में 26 मार्च 2016 को।

लेख प्रस्तुत हुआ ''लिंग भेद एवं कार्य स्थान पर यौन प्रपीड़न'' पर, चतुर्थ अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन मनोविज्ञान और समाज (2015 एचकेआईसीईपीएस)18 दिसम्बर, 2015 को इटोन होटल, हांगकांग में 16 से 18 दिसम्बर के बीच, 2015 को सम्पन्न हुआ।

प्रस्तुत किया लेख स्वत्वाधिकारी '' जल क्रांति बेला प्रबंधन बीरभूम में लघु सिंचाई द्वारा : समालोचनात्मक विश्लेषण'' अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में समालोचनात्मक प्राकृतिक साधन पर : खाद्य, उर्जा एवं जल'' विकास एवं वातावरण नीति केन्द्र द्वारा आयोजित, भारतीय प्रबंधन संस्थान, कलकत्ता, जोका, कोलकाता में, 09 से 11 अप्रैल, 2015 के दौरान।

प्रस्तुत किया स्वत्वाधिकारी'' स्वैच्छिक क्षेत्र एवं सामाजिक विकास में नेतृत्व : कुछ झलक पश्चिम बंगाल के ग्रामीण एनजीओ एस पर ''अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''समाज रूपान्तरण : दौर एवं समुदाय में ढाँचा नेतृत्व एवं सामाजिक विकास' सीआईएम विश्वविद्यालय सिंगापुर एवं अन्तर्राष्ट्रीय कोनसोर्टियम सामाजिक विकास के लिए, सिंगापुर में, 7 से 10 जुलाई, 2015 के दौरान

परामीता रॉय

2016 ''भारत में राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना का प्रदर्शन : ''इसकी कार्यात्मक सिद्धता का आशय'' लेख प्रस्तुत किया अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सामाजिक सन्तति एवं सामाजिक कार्य पर : सार्वजनिक एवं निजी, आईआईएसडब्लूबीएम, कोलकाता, 29 जनवरी।

2015 'एशिया-शांतिप्रिय क्षेत्र के चुनिंन्दा देशों में विश्वक स्वास्थ्य देखरेख योजना' लेख प्रस्तुत किया। अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'क्षेत्रीय में सन्तति' क्षेत्रीय विकास एवं योजना के लिए केन्द्र, अर्थशास्त्र का विभाग, बर्दवान विश्वविद्यालय 15 से 16 सितम्बर।

शुभश्री सन्थाल

प्रस्तुत किया एक लेख स्वत्वाधिकारी'' लिंग उत्तरदायी बजट क्या यह महिलासशक्तिकरण को बढ़ावा दे रहा है?'' राष्ट्रीय अध्ययनगोष्ठी में ए0 के0 दासगुप्ता, योजनाएवं विकास में सभापति द्वारा संचालन किया गया, अर्थशास्त्र एवं राजनीति विभाग 20 और 21 नवम्बर 2015 को।

प्रस्तुत किया लेख शीर्षक नागरिक समाज की सिद्ध विकास की ओर भूमिका : अन्वेषण कर रहे है गति-विज्ञान में, शिक्षा एवं विकास के राष्ट्रीय सम्मेलन में, आजीवन ज्ञानोपार्जन के लिए केन्द्र द्वारा, विश्व भारती, श्रीनिकेतन में 4 एवं 5 मार्च, 2016 को आयोजित किया गया।

सुकुमार पाल

उपस्थित हुए एवं प्रस्तुत किया एक लेख स्वात्वाधिकारी'' बच्चों की लिंग अनुपात में अवनति : सन्तति एवं चुनौतियाँ'' स्वास्थ्य देखरेख में राष्ट्रीय अध्ययन गोष्ठी, महिला सशक्तिकरण एवं ग्रामीण विकास ए0 के0 दास गुप्ता द्वारा आयोजित,' योजना एवं विकास के लिए केन्द्र और एक लेख प्रस्तुत किया स्वत्वाधिकार 20 से 21 नवम्बर, 2015। एक अध्ययनगोष्ठी में उपस्थित हुए और एक लेख प्रस्तुत किया ''अनुसूचित जाति के बीच शैक्षणिक असमानता'' पर, बीरभूम जिला का एक अध्ययन प्रवेशिका परीक्षा उपरान्त छात्रवृति के सम्बन्ध में'' आजीवन ज्ञानोपार्जन एवं शिक्षा द्वारा आयोजित, विश्व-भारती, श्रीनिकेतन 4 से 5 जनवरी, 2016।

नीलमणि जयसवाल

एक संयुक्त लेख प्रस्तुत किया शीर्षक ''अनुसूचित जाति के बीच शैक्षणिक असमानता : बीरभूम जिला का अध्ययन, पश्चिम बंगाल, शिक्षा एवं विकास के राष्ट्रीय सम्मेलन में, आजीवन ज्ञानोपार्जन एवं विस्तारण (ग्राम विस्तारण केन्द्र) विभाग द्वारा, विश्व भारती 4 से 5 मार्च 2016 के बीच आयोजित किया गया।

एक संयुक्त लेख प्रस्तुत किया शीर्षक ''भारत में उच्चतर शिक्षा : चुनौतियाँ एवं प्रतिकार'' स्वास्थ्य देखरेख पर राष्ट्रीय अध्ययन-गोष्ठी भारत में महिला सशक्तिकरण एवं ग्रामीण विकास ए0 के0 दासगुप्ता योजना एवं विकास के लिए केंद्र, विश्वभारती 20 से 21 नवम्बर, 2015 के बीच आयोजित किया गया।

मिस सुदेसना साहा

प्रस्तुत की एक लेख शीर्षक ''भारतीय कृषि को औद्योगिकीकरण एवं कॉरपोरेटाइजेशन की धमकी राष्ट्रीय अध्ययन गोष्ठी में,ग्रामीण दरिद्रता एवं अगरेरिपन व्यूह-रचना पर, आयोजित किया गया पल्ली चर्चा केन्द्र द्वारा (ग्रामीण अध्ययन विभाग) विश्व भारती शांतिनिकेतन में 30 एवं 31 मार्च 2016 को।

एक लेख प्रस्तुत की, शीर्षक ''भारत में चुनौतियाँ आगे खाद्य सुरक्षा में'' अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सन्ततियाँ आर्थिक विकास कृषि पर एक खास केन्द्रीभूत 11 एवं 12 मार्च 2016 के दौरान, आयोजित अर्थशास्त्र एवं राजनीति विभाग विश्व भारती, शान्तिनिकेतन द्वारा किया गया।

मिस मऊमीता लाहा

प्रस्तुत की एक लेख शीर्षक कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व : संततियाँ चुनौतियाँ और पथ अग्रसारित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, सामाजिक संततियाँ एवं सामाजिक कार्य पर : सार्वजनिक एवं निजी, सामाजिक कल्याण एवं व्यवसाय प्रबंधन (आईआईएसडब्लूबीएम) के भारतीय संस्थान द्वारा संचालित 29 जनवरी, 2016 को हुआ। प्रस्तुत की एक लेख शीर्षक ''जन धन योजना एवं वित्तीय समावेश : एक समालोचनात्मक उपयोगिता ''यूजीसी प्रति भू राष्ट्रीय अध्ययन गोष्ठी में वित्तीय समावेश चुनौतियाँ और विस्तृत दृश्य आयोजित वाणिज्य विभाग, मालदा कॉलेज द्वारा सितम्बर 12 एवं 13, 2015 को किया गया। मिस्टर मनोज विश्वास (क्षेत्र व्यवस्थापक)

प्रस्तुत किया एक लेख स्वत्वाधिकारी'' समुदाय आधारित व्यूह-रचना, महिलाये जो रह रही है अनाधिकृत भू-कब्जा बंदोबस्त में, उनकी शैक्षणिक पिछड़ापन को कम करने के लिए-खोज की जा रही है विकल्प ढाँचा राष्ट्रीय सम्मेलन में महिला सशक्तिकरण पर : चुनोतियाँ एवं व्यूह-रचनायें ''16-17 मार्च 2015 को आजीवन ज्ञानोपार्जन एवं विस्तारण विभाग (ग्राम्य विस्तारण केन्द्र) विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित किया गया।

प्रस्तुत किया एक लेख शीर्षक ''स्वदेशी ज्ञान पद्धति का प्रयोग (आईकेएस) एक सिद्ध विकास के ढाँचा के रुप में - विकसित पेशेवर का यथार्थ चरित्र-चित्रण ''राष्ट्रीय अध्ययनगोष्ठी में 4 से 5 मार्च, 2016 को आजीवन ज्ञानोपार्जन एवं विस्तारण विभाग (ग्राम्य विस्तारण केन्द्र) विश्व भारती, श्री निकेतन द्वारा आयोजित किया गया।

3. विभाग में जारी शोध-परियोजनायें

अध्यापक का नाम : प्रोफेसर पी0 के0 घोष

परियोजना का नाम - पश्चिम बंगाल में कबायली के बीच अशक्तता का प्रचलन एवं उनका पुनर्वास प्रतिभू कार्यालय राष्ट्रीय संस्थान हड्डी सम्बन्धी प्रतिबंदी के लिये।

स्वीकृत राशि : ₹ 18,00,000/-

अध्यापक का नाम : प्रोफेसर पी0 के0 भट्टाचार्य

परियोजना का नाम : महिलाओं के लिए कानूनी जागरुकता शिविर महिलाओं के लिए प्रतिभू कार्यालय राष्ट्रीय आयोग

स्वीकृत राशि : ₹ 3,00,000/-

अध्यापक का नाम : प्रोफेसर के0 भट्टाचार्य

परियोजना का नाम : साम्प्रदायिक सोहार्द के लिए जागरुकता।

साम्प्रदायिक सोहार्द के लिए प्रतिभू कार्यालय राष्ट्रीय आयोग स्वीकृत राशि : ₹ 60,000/-

अध्यापक का नाम : प्रोफेसर के0 भट्टाचार्य / प्रोफेसर डी0 सिन्हा / डॉ0 पी राय

परियोजना का नाम : आईसीडीएस योजना का संस्थानिक चेतावनी सूचक प्रतिभू कार्यालय राष्ट्रीय संस्थान जनसाधारण निगम एवं बच्चों के विकास के लिए।

स्वीकृत राशि : ₹ 74, 000/-

विस्तार सक्रियता / एनएसएस/ सांस्कृतिक एवं अन्य सक्रियता विभाग द्वारा आयोजित और विभाग के अध्यापक एवं विद्यार्थियों द्वारा भागीदारी निभाई गई :

स्वास्थ्य एवं स्वास्थ्य - विज्ञान पर जागरूकता विद्यालय के बच्चों के सफाई कार्यक्रम के दिगविन्यास को सम्मिलित करते हुए। समुदाय एवं विद्यालय स्वच्छता कार्यक्रम संचालित स्वच्छ भारत अभियान द्वारा किया गया।

स्वास्थ्य जाँच शिविरों को स्थानीय अस्पतालों के सहयोग से संचार किया गया।

संचालन किया जानवर रोग जाँच एवं टीकाकरण शिविरों का जानवर खेती विभाग के साथ।

संचालन किया एसएचजी प्रशिक्षण कार्यक्रम शिशुशाला विकास पर कृषि विज्ञान केन्द्र श्री निकेतन के सहयोग से

संचालन किया विभिन्न शिविरों का विभिन्न सरकारी योजनाओं के जागरूकता पर जैसे - जननी सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री जन-धन योजना, वृद्धा पेंशन योजना, द्वियाग प्रमाणपत्र, विधवा पेंशन योजना, निर्मल भारत अभियान इत्यादि।

आयोजित किया विस्तारण सक्रियतायें, विभाग द्वारा आयोजित एवं विभाग के अध्यापकों एवं विद्यार्थियों द्वारा भागीदारी निभाई गई। शोध विद्वानों ने आयोजित किया समूह विवेचन सत्र प्रथम दो दिवसीय कानूनी जागरूकता शिविर के भाग के रुप में ग्राम्य महिलाओं के लिए संथाल महिलाओं के बीच घोषालडांगा ग्राम में । विभाग के छात्रों ने अल्कोहल दुरुपयोग के कारण पारिवारिक समस्या पर आधारित उक्त शिविर के अन्तिम दिन एक नाटक विधान किया।

शैक्षणिक विशिष्टता लाभन्वित किये गये शिक्षक। विद्वानों द्वारा या विभाग एक सम्पूर्ण रुप में (जैसे डी0 एस0 ए0 या सी0 ए0 एस इत्यादि की रुप में)

विभाग ने दो केन्द्रों को चलाने के लिए यूजीसी से अनुदान प्राप्त किया :

1. अशक्तता अध्ययनों के लिए केन्द्र
2. सामाजिक अपवर्जन एवं समावेश में अध्यायन के लिए केन्द्र

6. अप्रैल 2015 से मार्च 2016 के मध्य प्रकाशन।

के0 भट्टाचार्य

भट्टाचार्य, के (2015) टैगोर-गाँधी बहस सत्य एवं असत्य के विषय पर तत्वज्ञान शोध के लिए भारतीय कौंसिल की पत्रिका में, पूरी बी. (एड्स) : एचटीटीपी : । । डब्लू डब्लू डब्ल स्प्रीन्गर. कॉम /.10/ऑर्टिकल/ 10.1007/ एस40961-015-0035-5

भट्टाचार्य, के (2016) क्या हम लोग कवि को अनुतीर्ण किये है? सामाजिक कार्य एवं सामाजिक विकास के पत्रिका में, आयतन 5 (1 & 2 2013 का) शान्तिनिकेतन प्रेस

ए0 के0 सरकार

महिलाओं की सहभागिता सशक्तिकरण एवं मानव विकास : एक घटना अध्ययन बीरभूम में (को-ऑथर) एसएच जी सदस्यों के सम्बन्ध में, सामाजिक कार्य एवं सामाजिक विकास की पत्रिका, आयतन-3, संख्या-1, एवं एम्प : 2 (आईएसएसएन 22296468)

पारामीता रॉय

रॉय पी0 एवं मंडल ए0 (2016) शिशु स्वास्थ्य पर प्रभावी साधन : प्रतिवादी माताओं एवं उनके शिशुओं को ग्रामीण-पश्चिम बंगाल में स्वास्थ्य का अध्ययन ''अजीज में ए0 एवं अख्तर (एड्स)। भारत में ग्रामीण विकास : कलपाज पब्लिकेशन, नई दिल्ली।

रॉय पी एवं शर्मा, भी0 (2015), शिष्ट रहने का अधिकार : शांतिनिकेतन में महिला कान्था सिलाई साहसिक की घटनायें, मानवतायें एवं सामाजिक विज्ञानों की पत्रिका, आयतन - 3 (3), आईएसएसएन 2278-5264

शुभश्री सान्याल

संन्थाल एस (2015) अपराधी न्यायिक पद्धति में मुकदमें के अधीन महिलायें, विक्टिमाइजेसन यथार्थ-चित्रण कला। सामाजिक कार्य शिक्षा शोध एवं क्रिया की पत्रिका, 1 (2) आईएसएसएन 2394-4102

सुकुमार पाल

अनुच्छेद स्वत्वाधिकारी ''कारगार एवं कैदियों का अधिकार : समस्या एवं समाधान में खोज '' शामिल विकास का एक अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका में, प्रकाशित, नई दिल्ली, आयतन 1, संख्या 1, जून 2015, आईएसएसएन संख्या 2454-4132।

लेख स्वत्वाधिकारी ''विपत्ति में जोखिम की कमी का बोध : हिंगलगंज ब्लॉक के आठ ऐला हीट गाँवों के ज्ञान, मुद्रा एवं अभ्यासों पर एक अध्ययन, उत्तर 24 परगना, पं0 बंगाल'' प्रकाशित हुआ।

समावेश विकास की अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका में, नई दिल्ली, आईएसएसएन- 23544132, आयतन संख्या 2

लेख स्वत्वाधिकारी ''शिशु अवैध व्यापार : बड़ी सन्ततियाँ एवं चुनौतियाँ'' एक पुस्तक में प्रकाशित हुआ स्वत्वाधिकारी ''शिशु विकास एवं शिशु सुरक्षा के लिए पेशेवरों की सृष्टि'' सम्पादन किया कस्तूरी सिन्हा घोष, नेताजी सुभाष उन्मुक्त विश्वविद्यालय, 2015, आईएसबीएन 978-93-82112-19-8।

लेख स्वत्वाधिकारी ''ग्रामीण भारत में जमीनी स्तर का शासन'' एक पुस्तक में स्वत्वाधिकारी स्वास्थ्य-सरकार, शिक्षा एवं महिलायें: ग्रामीण भारत की झलक ''प्रकाशित हुआ एक सम्पादन में प्रणब कुमार चट्टोपाध्याय द्वारा, रेणु पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित किया गया, नई दिल्ली, 2015, आईएसबीएन 978-81-85502-007 (प्रिन्ट) 978-81-85502-01-04 (ई पुस्तक)

लेख स्वात्वाधिकारी ''पश्चिम बंगाल में कन्या श्री प्रकल्प : एक घटना अध्ययन'' कार्य लेख में प्रकाशित हुआ, अध्ययन-III योजना एवं विकास के लिए ए0 के0 दासगुप्ता केन्द्र से, 2015, आईएसएसएन 978-93-85503-13-9

नीलमणि जयसवाल

जयसवाल एन0 (2015) : सिद्ध ग्राम्य जीविका का प्रगतिवर्धन : भारतीय महिलाओ की घटना : सामाजिक-विज्ञान अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका, सामाजिक मानव-विज्ञान एवं सामाजिक नीति, आयतन : 1(2), पीपी-73-89, ऑनलाइन आईएसबीएन : 2454-4833

जयसवाल, एन0 एवं साहा, एस0 (2015) : भारत में कॉरपोरेट सामाजिक दायित्त्व (सी एस आर) एक समीक्षा : स्थान एवं संस्कृति, भारत पत्रिका, आयतन- 3 (2), पीपी-81-93, ऑनलाइन आईएसएसएन : 2052-8396 ।

जयसवाल, एन0 एवं साहा एस (2015) : भारत में ग्रामीण एवं कबायली विकास : चुनौतियों एवं उपचारों की एक समीक्षा, सामाजिक एवं अर्थशास्त्र शोध की अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका, आयतन - 5 (3) पीपी-76-97, ऑनलाइन आईएसएसएन : 2249-6270 जायसवाल, एन0 (2015) : (21वीं शताब्दी के लिए महात्मा गाँधी की दर्शन–शास्त्र की पुस्तक की समीक्षा, डगलस एलेन द्वार गाँधी मार्ग, संख्या 125, पीपी-20-22, आईएसएसएन : 1462-9674

जयसवाल एन0 (2015) : भारत में एफ0 डी0 आई0 का खुदरा बिक्री क्षेत्र में आरासु में चुनौतियाँ एवं भविष्य दृष्टिकोण, जे0 जी0 वलान एवं पर्ली जेकोब (एड्स) विदेशी प्रत्यक्ष निवेश : भारत में निर्माण, ए0 पी0 एच पब्लिशिंग कॉरपोरेशन, स्वाति एवं रूसिराज बालकृष्णा उपाध्याय (एड्स) लिंग निर्णय एवं भारत-संतति एवं चुनौतियों मे ंभूमिका, आविष्कार प्रकाशन, जयपुर, आईएसबीएन : 978-81-7910-487-3।

मिस सुदेसना साहा

साहा एस0 (2016) : ग्रामीण विकास में कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व, ग्रामीण अध्ययन की भारतीय पत्रिका, आयतन-2 संख्या 1, पीपी-73-86, आईएसएसएन No : 2350-1227

साहा एस0 एवं जयसवाल एन (2015) ग्राम्य भारत में कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सी एस आर) : एक समीक्षा स्थान एवं संस्कृति, भारत पत्रिका, आयतन-3(2) पीपी-81-93, ऑनलाइन आईएसएसएन : 2052-8396

साहा एस0 एवं जयसवाल एन0 (2015) : महिलाओं के मानव अधिकार का उल्लंघन : भारत में संततियों में चक्रवर्ती, स्वाति एवं रूसिराज बालकृष्ण उपाध्याय (सम्पादक) लिंग-निर्णय एवं भारत - संततियाँ और चुनौतियों भूमिका, आविष्कार प्रकाशन, जयपुर, आईएसबीएन : 978-81-7918-487-3.

खाद्य एस0 और जयसवाल एन0 (2015), ग्रामीण विकास में एन0जी0ओ0 और सी0एस0आर0 में साझेदारी - चट्टोपाध्याय, प्रणब कुमार एवं दया शंकर कुशवाहा (सम्पादकों) में उनका अवसर एवं चुनौतियों का विश्लेषण स्वास्थ्य पर निबन्धों भारत में शिक्षा एवं महिला सशक्तिकरण, रेणु प्रकाशन, नई दिल्ली, आईएसबीएन : 978-81-930379-4-2 नवीन पाठ्यक्रम रूपरेखा / कार्यक्रम या अन्य कोई अध्यापन नवनिर्माण विभाग द्वारा आरम्भ हुआ।

नवीन पाठ्यक्रम

विभाग ने एक नई सामाजिक कार्य में स्नातक (बीएसडब्लू ऑनर्स) कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार किये है जो जून 2016 से लागू होगा।

कार्यक्रम :

विभाग दो उपाधि-पत्र पाठ्यक्रम प्रदान करता है –

1. पी0जी0 उपाधि-पत्र उपवर्जन एवं समावेश नीति में
2. पी0 जी0 उपाधि-पत्र अशक्तता अध्ययन में जुलाई से।

एक संक्षिप्त इतिहास भावना / सदाना / विभाग के विकास पर विकास के लिए भविष्य योजना के संकेत के साथ

इतिहास :

विभाग ने सन् 1951 में अपनी यात्रा आजाद भारत के निर्णायक संकटकाल में शुरू किया, नवीन निर्मित ब्लॉक कार्यालय के कर्मियों के प्रशिक्षण संस्थान के रुप में जो शिक्षा मंत्रालय के अधीन ग्रामीण उच्चतर शिक्षा में उपाधि-पत्र प्रदान करता है। ग्रामीण-जन के अवस्थाओं को अधिक अच्छे ढंग की जागरुकता, उनका प्रबंधन एवं नियंत्रण उद्देश्य था। 1963 में भारत में प्रथम बार बी0 एस0 डब्लू0 (ऑनर्स) पाठ्यक्रम और पूर्वी भारत में 1977 में एम0 एस0 डब्लू पाठ्यक्रम आरम्भ हुआ था। विभाग 2015 शैक्षणिक सत्र से दो उपाधि-पत्र पाठ्यक्रम आरंभ करता है जो विश्व-विद्यालय के शैक्षणिक परिषद से उचित ढंग से अनुमोदित हुआ है।

पल्ली चर्चा केन्द्र

(ग्रामीण अध्ययन - विभाग)

यह अध्यापन विभाग, 1977 में स्थापित, विद्याभावना के अधीन एम0 फील कार्यक्रम के साथ आरंभ हुआ। उत्तरकाल में इसे पल्ली समागाथाना विभाग (पी0 एस0 भी0) के संस्थान के अधीन रखा गया था, प्रदान कर रहा है ग्रामीण विकास में एक एम0 ए0 पाठ्यक्रम एवं 2015-16 से इसने अंदर-स्नातक पाठ्यक्रम आरम्भ किया है :–

1. विभाग का नाम: पल्ली चर्चा केन्द्र (ग्रामीण अध्ययन-विभाग)
   विभागीय अध्ययन गोष्ठी (वक्तागण, अध्ययन गोष्ठी का शीर्षक, दिनांक) प्रसिद्ध बाह्य वक्तागण केवल) राष्ट्रीय अध्ययन गोष्ठी का शीर्षक : ग्राम्य - दरिद्रता एवं अगरेरियन व्यूह-रचना''
   दिनांक : 30 से 31 मार्च, 2016

प्रसिद्ध बाह्य वक्तागण का नाम :

1. प्रोफेसर एम0 ए0 सुधीर, पूर्व प्रोफेसर एवं प्रधान पादरी, गाँधी ग्राम ग्रामीण संस्थान, तमिलनाडु
2. प्रोफेसर रतन खसनार्बीस, पूर्व प्रोफेसर, व्यवसाय प्रबंधन, कलकत्ता विश्वविद्यालय
3. प्रोफेसर आशीष कुमार बनर्जी, अर्थशास्त्र के प्रोफेसर एवं पूर्ण उप-कुलपति कलकत्ता विश्वविद्यालय
4. प्रोफेसर शंकर कुमार भौमिक, अर्थशास्त्र के प्रोफेसर, कलकत्ता विश्वविद्यालय
5. प्रोफेसर अंजन चक्रवर्ती, अर्थशास्त्र के प्रोफेसर, कलकत्ता विश्वविद्यालय
6. प्रोफेसर देवव्रत बसु, कृषि-सम्बन्धी विस्तारण, विधान चन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, पं0 बं0
7. प्रोफेसर देवाशीष भट्टाचार्य, कृषि-सम्बन्धी सांख्यिकी के प्रोफेसर, विश्व भारती, शान्तिनिकेतन
8. डॉ0 अतनु सेनगुप्ता, सहयोगी प्रोफेसर, अर्थशास्त्र में, बर्दवान विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल
9. डॉ0 सोम्य चक्रवर्ती, अर्थशास्त्र में सहयोगी प्रोफेसर विश्व भारती, शान्ति निकेतन
10. श्री के0 मरजीत संयुक्त निर्देशक, एनएबीएआरडी
11. डॉ0 सुभाष शेराफीम, एनएबीएआरडी
    केवल राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय मानक (सम्मेलनों / अध्ययन-गोष्ठियों / कर्मशालायें / प्रर्दशनियाँ इत्यादि उपस्थित हुए शिक्षकगण /शोध विद्वानों विस्तर में (अणिकतम 2 प्रति शिक्षक)

शंकर मज़ूमदार

(अ) भ्रष्टाचार एवं, कालधन पर सम्पूर्ण सत्र में 'भारत में भ्रष्टाचार' पर व्यक्त किये 'चुनौतियाँ आगे' 9-10 मई 2015, दो दिवसीय राष्ट्रीय अध्ययनगोष्ठी भ्रष्टाचार, कालाधन, मनी लान्डंरिंग से संग्राम पर : भारतीय अर्थ-व्यवस्था की आगे चुनौतियाँ : अध्ययन एवं विधि में शोध के राष्ट्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित हुआ, राँची, झारखंड, भारत

(ब) सभापति, तकनीक सत्र- IV : सूक्ष्म वित्तीय संस्थान द्वारा वित्तीय समावेश एवं स्वयं सेवी समूह। सम्पूर्ण सत्र-2 के सभापति के रुप में कार्य किया, 4-5 फरवरी, 2016। यू0 जी0 सी0 प्रतिभू अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन वित्तीय समावेश एवं समावेशी वृद्धि पर। कृषि-क्षेत्र प्रबंधन के साथ वाणिज्य विभाग, विद्यासागर विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, भारत द्वारा आयोजित हुआ।

शान्तनु रक्षित

(अ) दिसम्बर 22-23, - मुख्य वक्ता स्वरुप शैक्षणिक सत्र- I में 23, मुख्य वक्ता स्वरुप शैक्षणिक सत्र- I में 23 दिसम्बर को समावेशी वृद्धि के विकास दृष्टान्त के प्रकरण पर : अगरेरियन भारत में एक रचना सम्बन्धी असम्भावना'' यूजीसी

प्रतिभू राष्ट्रीय अध्ययनगोष्ठी में, प्रकरण - ''वित्तीय समावेश द्वारा आर्थिक विकास'' ''भारतीय गणना समीति, मेदिनीपुर शाखा के सहयोग से मुगबेरिया गंगाधर महाविद्यालय द्वारा आयोजित हुआ।

(ब) दिसम्बर 22-23, 23 दिसम्बर को शैक्षणिक सत्र- II के सभापति के रुप में – यूजीसी अध्ययनगोष्ठी में, प्रकरण –''वित्तीय समावेश द्वारा आर्थिक विकास ''आयोजित भारतीय समीति, मेदिनीपुर शाखा के मुगेबरिया गंगाधर महाविद्यालय द्वारा हुआ।

रवीन्द्र नाथ प्रामाणिक

(अ) उपस्थित एवं प्रस्तुत किया एक काग़ज़ स्वत्वाधिकारी ''सहभागिता दर'' भारतीय अर्थशास्त्र समीति के 98वे वार्षिक सम्मेलन में पश्चिम बंगाल में 27-29 दिसम्बर, 2015 को तेलगांना कृषि विश्वविद्यालय, हैदराबाद में एक मगन रेगा का यात्रा प्रदर्शन मापने के लिए।

(ब) उपस्थित एवं प्रस्तुत किया एक काग़ज.स्वत्वाधिकारी 'मन रेगा के अधीन सम्पदा उत्पादन - पश्चिम बंगाल में, दो जिलों का एक तुलनात्मक अध्ययन '10-12 अक्टूबर, 2015 को श्रीनगर में अर्थशास्त्र विभाग, कश्मीर केन्द्रीय विश्वविद्यालय एवं कृषि सम्बन्धी अर्थशास्त्र का भाग एवं विपणन राजीव गाँधी सभापति, कृषि विज्ञान शेरे-कश्मीर विश्वविद्यालय एवं प्रौद्योगिकी-कश्मीर द्वारा आयोजित हुआ।

एम0 ए0 मसीलामणि

1. उपस्थित हुए एक दो दिवसीय राष्ट्रीय अध्ययनगोष्ठी में ''धर्मो के क्षेत्र एवं समाज के पुरोहिततंत्र के आज्ञा पर : अगेती मध्युगीन भारत में मंदिर संस्थान का अध्ययन ''प्राचीन इतिहास विभाग, विश्वभारतीय 20-20-2016 एवं 21-02-2016 के बीच सम्पन्न हुआ।
2. उपस्थित हुए एक दो दिवसीय राष्ट्रीय अध्ययनगोष्ठी में 'शिक्षा एवं विकास पर' ज्ञानोपार्जन एवं विस्तारण, विश्व-भारती द्वारा 04-03-2016 एवं 05-03-2016 के दौरान आयोजित हुआ।

विभाग में जारी शोध परियोजना एक आईसीएसएसआर शोध परियोजना

i. डॉ0 रवीन्द्रनाथ प्रामानिक, सहयोगी प्रोफेसर एवं प्रधान, पी0 सी0 के0
ii. स्वत्वाधिकाकरी ''अगरेरियन क्रांति-बेला एवं पश्चिम बंगाल में कृषकों की अवस्था''
iii. आईसीएसएसआर
iv. ₹ 6.40 लाख

विस्तारण सक्रियता / एनएसएस/ सांस्कृतिक एवं अन्य सक्रियतायें विभाग द्वारा आयोजित एवं विभाग के अध्यापकों और विद्यार्थियों द्वारा आयोजित हुआ :

(1) विभाग के अध्यापकों एवं विद्यार्थियों का गाँवों के लिए नियमित दर्शन –

(अ) ग्राम रुपरेखा निर्माण,

(ब) समस्या का पहचान एवं समस्या को दुरूस्त करने के लिए व्यवहार्य परियोजना निर्माण।
विभाग के अध्यापको एवं छात्रों सक्रियता से एनएसएस कार्यक्रमों / गाँधी पुन्याहा इत्यादि में भाग लेते है :-

वर्ष अप्रैल 2015 से मार्च 2016 के मध्य प्रकाशन :

(2) डॉ0 शान्तनु रक्षित, सहायक प्रोफेसर (अर्थशास्त्र)

(अ) काग़ज़ शीर्षक अन्तर्राष्ट्रीय सामत समीक्षा-पत्रिका में अनुच्छेदों : प्रबंधन विकास में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका' राजनीति वातावरण-विज्ञान-पत्रिका, अरिजोना पुस्तकालय 'विश्वविद्यालय, आईएसएसएन : 1073-0451; आयतन - 22 : 199-210, 2015

(ब) पुस्तक अध्यायों में अनुच्छदों

अगरेरियन संक्राति पर समालोचनात्मक यथार्थ – चित्रण : भूमंडल बहस में भारत - प्रोफेसर बी0 बी0 मोहन्ती द्वारा सम्पादन हुआ; अध्याय-9-'' दबाव वाणिज्य एवं संचय विधि, पश्चिम बंगाल में अगरेरियन संक्रांति का एक कृषि-स्तर अध्ययन'' संस्करण : बीबीके, प्रकाशक : पथभाग, प्रकाशित : 2016

आईएसबीएन - 978-1-138-66860-7

आईएसबीएन - 978-1-315-65155 (ईबी0के0)

एम0 ए0 मसीलामणि

(अ) पत्रिकाओं में अनुच्छेद :-

(अ) परिवर्तनशीलों का सामाजिक विज्ञान शोध में प्रयोग एवं महत्व-शोध की समीक्षा (पत्रिका) आईएसएसएन : 2449-894एक्स-आईएफ 3.1402 (भीआईएफ) आयतन-4, संतति-7 अप्रैल, 2015

2. भारत में दलितों को सामाजिक न्याय एवं समान अवसरें। एक सच्चाई - सुनहरा गोध धारणायें आईएसएसएन : 2231-5063 आईएफ 3.4052 (यू0 आई0 एफ0) आयतन-4, संतति 10 अप्रैल, 2015

ब) अनुसूचित जातियों का संकल्पना एवं साहित्य- सुनहला शोध धारणायें आईएसएसएन : 2231-5063 आयतन-4, संतति 11, अप्रैल, 2015

गुण सम्बन्धी शोध में सामाजिक सर्वेक्षण पर एक क्षणिक दृष्टि-नवनिर्माण शोध एवं अध्ययनों का अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका (आईजेआईआरएस) आयतन-4, संतति 5, मई 2015

नवीन पाठ्यक्रम की रूपरेखा। कार्यक्रम या कोई अन्य अध्यापन नवनिर्माण विभाग द्वारा आयोजित हुआ।

विभाग ने 2015-16 से दो नई पाठ्यक्रम आरम्भ की-एफ-अदर स्नातक पाठ्यक्रम - त्रैवर्षीय ग्रामीण अध्ययनों में स्नातक एवं दो दिवसीय स्नाकोत्तर पाठ्यक्रम-द्विवर्षीय ग्रामीण अध्ययनों में उच्चतम शैक्षणिक उपाधि (एमआरएस) ग्रामीण विकास में एम0 ए0 के तत्काल पाठ्यक्रम में प्रतिस्थापन करके।

एक संक्षिप्त इतिहास भावना के विकास पर / सदाना / विभाग के भविष्य योजना के संकेत के साथ :

1. 1977 में, पल्ली चर्चा केन्द्र विद्या भावना के अधीन स्थापित हुआ-एम0 फील पाठ्यक्रम के साथ एवं शोध कार्य की ओर एक तीव्र सख्त दिग् विन्यास–सामाजिक विज्ञान के दृढ़ों के अधीन-जैसे भी0 के0 रॉय बर्मन (पूर्व-निर्देशक भारत का मनुष्य-शास्त्र-विषयक सर्वेक्षण) सुनील सेन गुप्ता (सह-लेखक अनेक पुस्तकों का जीन ड्रीज, हैरीस गाजदर के साथ) निर्लज्ज अशोक रुद्र ने भी यहाँ एम0फील पाठ्यक्रम पढ़ाया अतिथि प्रोफेसर के रुप में पूर्व उप-कुलपति, विश्वभारती-प्रोफेसर सुरजीत सिन्हा के साथ।

   2015-16 से इसने अंडर स्नातक पाठ्यक्रम आरंभ किया-ग्रामीण विकास पाठ्यक्रम में एम0 ए0 के स्वरुप ग्रामीण अध्ययन में स्नातक (बीआरएस) एवं ग्रामीण अध्ययनों में उच्चतम शैक्षणिक उपाधि।

विकास के भविष्य योजना के संकेत

1. विभाग एसएपी के लिए आवेदन के लिए विचार करती है, जो पहले बीओएस में उत्तीर्ण हो चुके हैं।
2. ग्रामीण अध्ययनों पर विभाग अल्प अवधि पाठ्यक्रमों को आरंभ करने की योजना बना रही है एन0जी0 ओ0 एस में आगे आने वाले रोजगार की मांग के लिए ग्रामीण विकास पेशेवर तैयार करके के लिए।
3. सरकारी एवं बे-सरकारी कार्यालयों की कड़ी को जोड़कर रोजगार कुशलता बढ़ाती हैं।

पल्ली शिक्षा भवन

(कृषि संस्था)

शैक्षणिक

इस वर्ष हमारे अधिकांश यू0जी0 छात्रों ने सफलतापूर्वक आईसीएआर-जेआरएफ परीक्षा पूरा किया और सीएआरकनिष्ठ शोध समागम पाया एवं विभिन्न विश्वविद्यालय एवं संस्थानों मे स्थान प्रापित की। सर्वथा एक कुछ पी0जी0 छात्रों एवं शोध विद्वानों ने राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) में योग्यता प्राप्त की जो आईसीएआर द्वारा संचालित हुई थी। विभिन्न शैक्षणिक एवं विकास सक्रियताओ की गति को बनाए रखने के लिए विभिन्न संततियो पर आईसीएआर द्वारा संचालित सभाओं में हमारे आचार्य, एवं अन्य संकाय सदस्यों ने समय-समय पर उपस्थिति दी। अधिकांश यू0जी0 एवं पी0जी0 छात्र कैम्पस साक्षात्कार के द्वारा विभिन्न प्रसिद्ध बैंकों एवं निजी संस्थाओं में चुने गये थे। छात्रों को विभिन्न बैकों जैसे यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया, सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया, बैंक ऑफ इण्डिया एवं ओरिएन्टल बैंक ऑफ कामर्स में नियुक्ति मिली। ग्राम बंधन एवं उद्योग में प्राप्ति स्थान सभी अन्तिम वर्ष पी0जी0 छात्रों के लिए व्यवस्था किया गया था।

कृषि-सम्बन्धी कृषि क्षेत्र चक

कृषि सम्बन्धी कृषि क्षेत्र चक एक क्षेत्र है शोध सक्रियताओं में युक्त यू0 जी0, उच्चतम शैक्षणिक उपाधि एवं पी एच डी0 के छात्रों यहाँ तक कि संकायों के लिए है। पाली शिक्षा भवन कृषि सम्बन्धी कृषि क्षेत्र चक के लिए सम्मिलित है 16.0 हेक्टेयर सिंचाई क्षेत्र के साथ 47.0 हेक्टेयर क्षेत्र एवं शुद्ध कृषि योग्य क्षेत्र 12.0 हेक्टेयर है। इस वर्ष उच्चतम शैक्षणिक उपाधि एवं पी0एच0डी छात्रों के लिए क्षेत्र प्रयोग के संचालन के लिए एक हेक्टेयर भूमि, व्यवहार किया गया था। खरीफ के मौसम में 17 प्रयोग एवं रबी के मौसम में, 22 प्रयोग कृषि क्षेत्र चक में संचालित हुआ था। बीज गणन कार्यक्रम 0.2 हेक्टेयर भूमि में किया गया था। इस कृषि क्षेत्र चक में विभिन्न फसलों का उत्पादन था : (ए) धान : 12.0 क्विन्टल, (बी) गेहूँ : 5.0 क्विन्टल, (सी) सरसों : 3.0 क्विन्टल, (डी) सीसम : 1.5 क्विन्टल, (ई) धान पुआल : 150क्विन्टल 1 (एफ) शिशु मक्का : लगभग 1000 पीस, कलई : 1.0 क्विटल एवं (g) मूँगफली : 1.0 क्विन्टल

कृषि क्षेत्र चक उत्पाद का विक्रय निम्नलिखित :

वर्ष 2015-2016 का सम्पूर्ण विक्रय

मिश्रित विक्रय (सफेद सरसों, काला सरसों, तिल, मीठा मक्का, बाँस, मूँगफली, धान पूआल) 39,400.00

गेहूँ एवं धान विक्रय 1,91,851.00

कुल 2,31,251.00

पी0एस0बी0 पुस्तकालय :

पी.एस.बी. पुस्तकालय कृषि संस्था के चार विभाग की सेवा करता है और सामाजिक कार्य विभाग एवं विशेष में ग्रामीण विकास एवं इसके उन्मुक्त प्रदेश पुस्तकालय पद्धति के साथसाधारण में विभिन्न भावना के अन्य विभाग। पुस्तकालय पुस्तकों के रुप में दस्तावेजी श्रोत प्रदान करता है और यहाँ तक कि ई-श्रोत के रूप में पत्रिकायें, वयोवृद्ध साहित्य) ब्राउजिंग एवं दस्तावेजों की पुन: प्राप्ति वाई-फाई संबद्धन के साथ इन्ट्रानेट और इन्टरनेट पुस्तकालय प्रदान करता है। समीक्षा वर्ष के अधीन पुस्तकालय 27 पत्रिकायें एवं 493 किताबों की संख्या उपलब्ध करता है। डॉ0 पार्थ-प्रतीम रे, उप पुस्तकागरिक ने राष्ट्रीय स्तर के छ: लेख प्रकाशित किया एवं पाँच अध्ययन गोष्ठी /कर्मशाला में उपस्थित हुए।

कुल किताबों की संख्या : 49759

कुल नियतकालिकों की संख्या : 5434

इलेक्ट्रोनिकली सूची पत्रिक किताबों की संख्या : 1971
निकासी पुस्तकों की संख्या : 222224
वापस पुस्तकों की संख्या : 20941
डॉ0 प्रार्थ प्रतीम रे, उप-पुस्तकागरिक ने राष्ट्रीय स्तर के छ: लेख पत्रिका में प्रकाशित किया एवं पाँच अध्ययन गोष्ठी/कर्मशाला में उपस्थित हुए।

मिट्टी जाँच प्रयोगशाला

पाली शिक्षा भवन की मिट्टी जाँच प्रयोगशाला कृषि सम्बन्धी मिट्टियों का मुख्यत: मिट्टी उर्वरता स्थिति का सौदा करता है और इस क्षेत्र के कृषकों को मिट्टी स्वास्थ्य पत्र प्रदान करता है। मिट्टी जाँच प्रयोगशाला अभी केन्द्रीय प्रतिभू ''मिट्टी स्वास्थ्य पत्र (एसएचसी)'' योजना से जुड़ा है और वीरभूम जिले के विभिन्न ब्लॉकों के कृषक के क्षेत्र (खेत) के मिट्टी नमूनो का विश्लेषण कर रहा है। जीआईएस आधारित मिट्टी नमूनों को 12 पैमानों के लिए विश्लेषित किया जाता है अर्थात जैविक सीईसी, प्राप्त एन, पी, के, एस, जेड एन, बी, एमएन सीयू एवं एफई / एस टी एल अभी सहायक कृषि अधिकारी (एएओ) से प्राप्त 6,500 मिट्टी नमूनों के विश्लेषण में नियुक्त है।यह दाँवधारकों (स्टेक होल्डर्स) को फसलों को पौष्टिक उपयोग के लिए निर्देश देता है। मिट्टी जाँच प्रयोगशाला का कीट संयुक्त इकाई जैविक वर्ज्य को पुनर्चक्रीय से उपजाऊ खाद में बदल रहा है। मिट्टी जाँच प्रयोगशाला अभी मानवशक्ति जरुरत की न्यून कमी की सामना कर रहा है, जल्द ही समाधान होने वाला है।

रथीन्द्र कृषि विज्ञान केन्द्र (आरकेभीके)

वर्ष 2015-16 के दौरान, रथीन्द्र केभीके, पाली शिक्षा भवन, विश्व-भारती, 3217 कुशल कृषकों एवं कृषि महिलाओं के लिए 98 व्यवसाय प्रशिक्षण कार्यक्रम 169 ग्रामीण युवाओं के लिए 10 साहसिकी विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं विभिन्न सरकारी एवं गैर-सरकारी कार्यालयों के 400 सेवानियुक्त कर्मचारियों को कृषि एवं सम्बन्धित भाग में सीमान्त क्षेत्र का छोर कार्टून, प्रौद्योगिकी में उनके ज्ञान को दुरूस्त करने के लिए विदित किया है।

केभीके ने विभिन्न प्रौद्योगिकियों को 17 क्षेत्र दिनों, 05 प्रदर्शनियों, 04 चलचित्र प्रदर्शनियाँ, 01 विधि प्रदर्शन, 01 किसान का अध्ययनगोष्ठी, 01 कार्यशाला, 151 वैज्ञानिको का किसानो के खेत का दर्शन 164 किसानों का आरकेभीके दर्शन, 03 उन्मुक्ति दर्शन, 09 पशु स्वास्थ्य शिविर, 10 मिट्टी जाँच कैम्पैन, 03 कृषि विज्ञान क्लब संयोजक सभा 04 स्वयं सेवी समूह संयोजक सभा, 03 विद्यालयों में जागरूकता शिविर, 01 जय किसान जय विज्ञान दिवस, 01 विश्व पशु-चिकित्सा दिवस, 13 सम्पूर्ण भारत रेडियो कार्यक्रम (सजीव कार्यक्रम सम्मिलित), 16 संख्या दूरदर्शन कार्यक्रम एवं 01 किसान मेला के द्वारा फैलाया है। केन्द्र ने 16 विस्तारण साहित्यों के अन्तर्गत पतली किताबें, प्रचार पत्रों, कागज मोड़ने का उपकरणों, फ्लाईयर्स : 05 स्थानीय भाषा में विख्यात अनुच्छेद, 07 बंगाली भाषा राज्य स्तर समाचार-पत्र में 07 प्रश्न-उत्तर एवं राज्य स्तर समाचार-पत्र में 04 समाचारों का प्रसारण प्रकाशित किया है। रथीन्द्र केवीके ने 32 संख्या नि:शुल्क संक्षिप्त अध्याय संदेश (एसएसएसएस) राष्ट्रीय कृषकों के सिंहद्वार के द्वारा, 36732 संख्या कुशल किसानों, कृषि महिलाओं एवं ग्रामीण युवाओं को भेजा है। ये रथीन्द्र केभीके का विस्तारण सक्रियतायें 44702 कुशल कृषकों, कृषि महिलाओं एवं ग्रामीण युवाओं को लाभान्वित किया है। केन्द्र के वैज्ञानिको ने 08 शोध लेख प्रकाशित किया है एवं विभिन्न राष्ट्रीय अध्ययनगोष्ठियों, विचार-गोष्ठियों, सम्मेलनों इत्यादि में 06 शोध लेख प्रस्तुत किया। केन्द्र ने कृषि एवं एलाईड भाग में सम्बन्धित वीरभूम जिले के लोक गीतों पर छ: डी0भी0डी0 भी तैयार किया है।

श्री तपन कुमार घोष (केभीके से संयुक्त) को कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के आदरणीय यूनियन केबिनेट मंत्री श्री राधा मोहन सिंह द्वारा 21-03-2016 को नव निर्माण किसान पुरस्कार से नवनिर्माण 4 पंक्ति श्री मार्केट के लिए कृषि उन्नत मेला-2016 आईसीएआर-आईएआरआई, पूसा, नई दिल्ली, आईसीएआर-आईएआरआई के पूसा कैम्पस, नई दिल्ली में

पुरस्कृत किया गया था।

श्री अब्दुल मजिद (रथीन्द्र केभीके से संयुक्त) को हाथी पाँव सूरन (कंद) की उच्च वश्य उन्नत विविधताओं का वाणिज्य बीज उत्पादन में कृषि भाग में श्रेष्ठता एवं योगदान के लिए आदरणीय यूनियन केबिनेट मंत्री, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के श्री राधामोहन सिंह द्वारा-22-02-2016 को आईसीएआर पूर्वक्षेत्र शोध कॉम्पलेक्स के पटना में स्थापन दिवस समारोह पर पुरस्कृत किया गया था।

श्री अमलेन्दु साहा (रथीन्द्र केभीके से संयुक्त) को कृषि खंड में श्रेष्ठता के लिए उनके श्रेष्ठ सेवा प्राइवेट पैरा-वेट के रुप में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के यूनियन केबिनेट मंत्री, श्री राधा मोहन सिंह द्वारा 22-02-2016 को पटना में आईसीएआर के पूर्वी क्षेत्र शोध कॉम्पलेक्स के स्थापना दिवस समारोह पर पुरस्कृत किया गया था।

वीरभूम जिले के विभिन्न गाँवों से 12 संख्या में ग्रामीण युवाओं को नामांकित किया गया था और रथीन्द्र केभीके द्वारा आयोजित किया गया, धान की खेती के लिए कृषि सम्बन्धी यंत्र के पैकेज पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में जाने के लिए प्रशिक्षण के प्रथम अवस्था के लिए उप-शिष्टमंडल के अधीन कृषि सम्बन्धी यंत्र योजना (एसएमएएम) अर्थात् 29 फरवरी से 5 मार्च, 2016 केभीके बर्दवान, बद बद बर्दमान में सम्पन्न हुआ एवं अन्य 13 संख्या में वीरभूम जिले के विभिन्न गाँवों से ग्रामीण युवाओं को नामांकित किया गया एवं प्रशिक्षण के द्वितीय अवस्था के लिए कृषि सम्बन्धी यंत्र (एसएमएएम) उस-शिष्टमंडल के लिए जाने के लिए रथीन्द्र केवीके द्वारा आयोजित हुआ अर्थात 7 मार्च से 12 मार्च, 2016 को केभीसे बर्दवान, बदबद,बर्दवान में सम्पन्न हुआ। ये सभ 25 (पच्चीस) संख्या के ग्रामीण युवाओं ने सफलतापूर्वक लम्बी अवधि कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा किया।

रथीन्द्रनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र के मिट्टी एवं जल जाँच प्रयोगशाला ने 666 मिट्टी नमूनों का विश्लेषण किया (मिट्टी विश्लेषण के लिए साकेंतिक पैमाना-पीएच,ईसी, जैविक कार्बन प्राप्य एन, प्राप्य पी, प्राप्य के, प्राप्य एस, जेडएन,बी, एफई) वीरभूम जिले के 63 गाँवों से एवं नि:शुल्क 252 संख्या में विश्वक मिट्टी स्वास्थ्य पत्र और वीरभूम जिले के 05 गाँवों से 64 जल नमूनों को विश्लेषित किया। केन्द्र ने मिट्टी और अन्तर्राष्ट्रीय दिवस के कार्यक्रम और प्री-रबी किसान सम्मेलन 05-12-2015 को एवं प्रौद्योगिकी-सप्ताह , 2016 14-03-2016 से 18-03-2016 को सफलता पूर्वक आयोजित किया रथीन्द्र नाथ केभीके ने भारतीय परिषद कृषि सम्बन्धी शोध के लिए कृषि शोध सेवा में 06 नवनियुक्त वैज्ञानिको के लिए 08-02-2016 से 29-02-2016 को क्षेत्र अनुभव प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया।

‘ए.एस.ई.पी.ए. एन’ विभाग

(कृषि शास्त्र, मिट्टी विज्ञान एवं कृषि रसायन शास्त्र कृषि अभियांत्रिकी, वनस्पति विज्ञान एवं पशु-विज्ञान)

विभाग का संक्षिप्त इतिहास

विभाग छः अनुशासनों अर्थात कृषि-शास्त्र मिट्टी-विज्ञान कृषि रसायन-शास्त्र, कृषि-अभियांत्रिकी, वनस्पति विज्ञान एवं पशु-विज्ञान का बना होता है जो एएसईपीएएन विभाग के रूप में संक्षिप्त किया गया है। विभाग के सक्रियताओं को मुख्यत: अध्यापन, शोध एवं विस्तारण कार्य में सम्मिलित होते है। विभाग अध्यापन कार्यक्रम अंडर स्नातक एवं स्नाकोत्तर दोनों में प्रदान करता है। सभी अनुशासनों से शिक्षकगण अंडर स्नातक स्तर में अध्यापान कार्यक्रम में भाग लेते हैं। वर्तमान में विभाग दो स्नाकोत्तर पाठ्यक्रम अर्थात् कृषि क्षेत्र में एम0 एस सी (कृषि) एवं मिट्टी विज्ञान एवं कृषि रसायन-शास्त्र में एम0 एस सी (कृषि) प्रदानकर रहा है।

अध्यापन एवं शोध सक्रियाताओं के अतिरिक्त, अध्यापकगण एवं छात्रगण स्थान में किसानों के विभिन्न समस्याओं का समाधान करके लिए विस्तारण सक्रियताओं में शामिल है। समय-समय पर आविष्कारों के निष्कर्षो से मिले अनुमोदन कृषि क्षेत्र चक विभाग द्वारा परिवहन हुआ ग्रहण होते क्षेत्र फसलीकरण पद्धति, जल प्रबंधन, घास प्रबंधन, मिट्टी एवं उर्वरता प्रबंधन, कृषि-प्रौद्योगिकी फसल के गुण विकास के लिए एवं उत्पादकता, वर्षा भोज्य कृषि, मिट्टी एवं जल संरक्षण, जीव पौष्टिकता एवं प्रबंधन, टी0पी0एस0 (सही आलू बीज) से आलू उत्पादन प्रौद्योगिक, दालों की वृद्धि, कटनी उपरान्त प्रगति एवं गन्ना उत्पादों का संरक्षण और तेज बीज बज्जर चावल के रुप में परे फसल रेन फेड स्थिति में इस क्षेत्र के किसानों के बीच प्रसिद्ध हो रहे है।

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/स्लेट एवं गेट परीक्षाओं में योग्य छात्रों के नाम :

i. शुभप्रदा दास
ii. एम0 मल्लिकार्जुन
iii. समतो महन्ता

विभागीय अध्ययनगोष्ठी : राष्ट्रीय अध्ययनगोष्ठी ‘मिट्टी स्वास्थ्य’ पर : सिद्ध कृषि सम्बन्धी की व्याख्या (एसएचकेएसए) स्वास्थ्य विज्ञान एवं कृषि रसायन-शासन भाग, एएसईपीएएन विभाग, कृषि-संस्था, विश्व-भारती द्वारा 4-5, नवम्बर, 2005 को आयोजित हुआ। राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय अति उत्तम सम्मेलन / अध्ययन गोष्ठी / कार्यशाला प्रदर्शनी इत्यादि उपस्थिति :

ए0 के0 बारिक

i. एक राष्ट्रीय भेंट में उपस्थित हुए : रबी-2015-16 एमपीकेभी, रहूरी, महाराष्ट्र में सितम्बर 2-4, 2015 के दौरान एआईसीआरपी द्वारा आयोजित एफसी ऐण्ड यू)आईसीएआर), आईजीएफआरआई, झाँसी, यू0 पी0 में हुआ।
ii. मिट्टी स्वास्थ्यपर राष्ट्रीय अध्ययनगोष्ठी : सिद्ध कृषि में व्याख्या (एसएचकेएसए)’’ मिट्टी विज्ञान एवं कृषि रसायन-शास्त्र खंड, एसईपीएएन विभाग, कृषि-संस्था, विश्व-भारती, द्वारा नवम्बर 14-15, 2015 को आयोजित हुआ।

जी0 के0 घोष

i. ‘‘भोजन के लिए सिद्ध पारिवारिक खेती, पौष्टिक एवं जीविका सुरक्षा’’ पर राष्ट्रीय अध्ययन गोष्ठी, कृषि सम्बन्धी विस्तारण विभाग, कृषि अर्थशास्त्र एवं कृषि सांख्यिकी पाली शिक्षा भवन द्वारा करूण-सेचेन भारत के सहयोग से 5 से 6 मार्च 2016 को आयोजित हुआ।

ii. ''मिट्टी स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय अध्ययनगोष्ठी : सिद्ध कृषि (एसएचकेएसए)'' में व्याख्या, मिट्टी विज्ञान एवं कृषि रसायन-शास्त्र खंड, एएसईपीएएन विभाग कृषि संस्थ, विश्व-भारती द्वारा नवम्बर 14-15, 2015 को आयोजित हुआ।

बी0 दुआरी

i. उपस्थित हुए और प्रस्तुत किए एक काग़ज राष्ट्रीय अध्ययनगोष्ठी में मिट्टी स्वास्थ्य पर - सिद्ध कृषि में व्याख्या, मिट्टी विज्ञान एवं कृषि रसायन-शास्त्र खंड, पाली शिक्षा भवन, विश्व-भारती, द्वारा 14-15 नवम्बर, 2015 आयोजित हुआ।

जी0 सी0 मलिक

i. सहभागिता निभाई एवं ''मिट्टी स्वास्थ्य प्रबंधन एक खाद्य सुरक्षा के राष्ट्रीय अध्ययनगोष्ठी'' सीसम का दालों के साथ इन्टरकोपिंग विभिन्न कतार व्यवस्थाओं में खरीफ मौसम में अध्ययन पर'' एक कागज प्रस्तुत किया : मिट्टी विज्ञान शोध एवं शिक्षा की भूमिका मिट्टी विज्ञान शोध एवं शिक्षा, की भूमिका मिट्टी विज्ञान का भारतीय समाज, कोलकाता अध्याय द्वारा परिवेश भवन, कोलकाता में, 8-10 अक्टूबर, 2015 को आयोजित हुआ।

ii. उपस्थित हुए एवं मिट्टी स्वास्थ्य के राष्ट्रीय अध्ययनगोष्ठी में घास प्रबंधन अभ्यास का प्रभाव एवं धान रोपाई में प्राणी खाद'' पर एक काग़ज प्रस्तुत किए : सिद्ध कृषि में व्याख्या, पल्ली शिक्षा भवन (कृषि संस्था), विश्व-भारती, श्री निकेतन द्वारा 14 से 15 नवम्बर, 2015 को आयोजित हुआ।

पी0 के0 विश्वास

i. ''भोजन के लिए सिद्ध पारिवारिक खेती पौष्टिक एवं जीविका सुरक्षा'' पर राष्ट्रीय अध्ययन गोष्ठी कृषि सम्बन्धी विस्तारण विभाग कृषि अर्थशास्त्र एवं कृषि सांख्यिकी, पाली शिक्षा भवन द्वारा करूणा सेचेन के सहयोग से, जीएचएचएच भारत मार्च 5-6, 2016 को आयोजित हुआ।

ii. ''कृषि में चिकनी मिट्टी का प्रयोग, वातावरण एवं उद्योग'' पर उन्नीसवीं वार्षिक सभा एवं राष्ट्रीय सम्मेलन, भारत की चिकनी मिट्टी खनिज समाज नई दिल्ली द्वारा आईसीएआर के सहयोग से आयोजित हुआ-मिट्टी सर्वेक्षण का राष्ट्रीय सार्वजनिक कार्यालय एवं भूमि7-8 अगस्त, 2015 को योजना प्रयोग कर रहे हैं।

के0 प्रामानिक

i. सहभागिता निभाई एवं मिट्टी स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय अध्ययनगोष्ठी में काग़ज प्रस्तुत किया, सिद्ध कृषि में व्याख्या, मिट्टी विज्ञान एवं कृषि रसायन-शास्त्र, पल्ली शिक्षा भवन, विश्व-भारती, श्री निकेतन द्वारा 14-15 नवम्बर, 2015 को आयोजित हुआ।

iii. उपस्थित हुए एवं खाद्य सुरक्षा के लिए सिद्ध कृषि एवं अच्छा वातावरण पर राष्ट्रीय अध्ययनगोष्ठी में काग़ज प्रस्तुत किया, कृषि शास्त्र विभाग विधान चन्द्र कृषि विश्व-विद्यालय, मोहनपुर नदिया पश्चिम बंगाल द्वारा 17-18 दिसम्बर 2015, के दौरान आयोजित हुआ।

एस0 के0 माइती

i. उपस्थित हुए एवं प्राणीईंधन : विकास के लिए हरित उर्जा पर एक मौखिक प्रस्तुति व्याख्यान किये : नवीकरण योग्य उर्जा-विस्तारण एवं पहुँच के बाहर'' पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में वातावरण विज्ञान विभाग शिक्षा भवन, विश्व भारती-शान्तिनिकेतन में 17-18 दिसम्बर 2015 के दौरान सम्पन्न हुआ।

ii. सहभागिता निभाई एवं ''सिद्ध कृषि: संकल्पना एवं अभ्यास'' पर ''शिक्षा एवं विकास'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में एक मौखिक प्रस्तुति व्याख्यान 4-5 मार्च 2016 को ग्रामीण विस्तारण केन्द्र, विश्व-भारती, श्री निकेतन में दिये।

महुआ बनर्जी

i. उपस्थित हुई एवं मिट्टी स्वास्थ्य प्रबंधन एवं खाद्य सुरक्षा पर राष्ट्रीय अध्ययनगोष्ठी में आईसीसी को वर्णसंकर मक्का

विभिन्नताओं की अनुक्रिया एवं पश्चिम बंगाल के लाल एवं लैटराइट में पौष्टिकता विशेषज्ञ ढाँचा'' पर काग़ज प्रस्तुत किया: मिट्टी विज्ञान शोध एवं शिक्षा की भूमिका

मिट्टी विज्ञान का भारतीय समाज, कोलकाता अध्याय परिवेश भवन, कोलकाता द्वारा 8-10 अक्टूबर, 2015 आयोजित हुआ।

ii. उपस्थित हुई एवं ''रोपित गीला मौसम चावल (ओराइजा सतिवाएल) में वनस्पति नाशक का घासों के विरूद्ध प्रभाकारिता एवं अवशेष पीली सरसों पर इसका प्रभाव' मिट्टी स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय अध्ययनगोष्ठी में काग़ज प्रस्तुत की।

सुचन्दा मंडल

i. ''मिट्टी स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय अध्ययन गोष्ठी : सिद्ध कृषि (एसएचकेएसए) में व्याख्या'' मिट्टी स्वास्थ्य एवं कृषि रसायन-शास्त्र खंड, एएसईपीएएन विभाग, कृषि संस्था, विश्व-भारती, द्वारा नवम्बर 14-15, 2015 को आयोजित हुआ।

डी0 पांडा

i. उपस्थित हुए एवं प्रस्तत किया काग़ज स्वत्वाधिकारी'' भूमंडल उष्णता एवं कार्बन व्यापारीकरण'' छठा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भारतीय कृषि पर खास-केन्द्र के साथ आर्थिक विकास पर संततियाँ आर्थिक एवं राजनीति विभाग, विश्व-भारती, शान्तिनिकेतन द्वारा 11-12 मार्च 2016 के दोरान आयोजित हुआ।

ii. उपस्थित हुए एवं स्वत्वाधिकारी नवीनीकरण योग्य उर्जा-विस्तारण और बाहर पहुँच पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में'' जलवायु परिवर्तन के शमन में प्राणी उर्जा'' पर काग़ज प्रस्तुत किया, वातावरण अध्ययन विभाग, विश्व-भारती, शान्तिनिकेतन द्वारा 20-21 मार्च 2016 के दौरान आयोजित हुआ।

वाई0 वासुदेव राव

i. वर्तमान एवं भविष्य के लिए प्राणी विज्ञान शोध पर अन्तर्राष्ट्रीय विचार-गोष्ठी, बायोमिलिनियम-15' दिसम्बर 14, 2015, महिलाओं के लिए विवेकानन्द कॉलेज कला एवं विज्ञान, इलायमपालयम, तमिलनाडु।

iii. वातावरण एवं विकास पर यूजीसी प्रतिभू राष्ट्रीय अध्ययनगोष्ठी : सहस्त्राब्दि की चुनौतियाँ, दिसम्बर 8-9, 2015। भूगोल-विभाग कान्द्रा आर0 के0 के0 महाविद्यालय, कान्द्रा, बर्दवान, पश्चिम बंगाल।

किशोर चन्द्र स्वेन

i. स्वेन, के0 सी0 और सी0 सिन्हा (2016)। कृषि में नैनो प्रौद्योगिकी का प्रयोग एवं नवीनकरण योग्य उर्जा श्रोत, ग्रामीण दरिद्रता और कृषि सम्बन्धी व्यूह-रचनाओं पर राष्ट्रीय अध्ययनगोष्ठी प्रस्तुत किये, ग्रामीण अध्ययन विभाग, विश्वभारती में 30-31 मार्च 2016 के दौरान सम्पन्न हुआ।

ii. सिन्हा, सी0 और के0 सी0 स्वेन, (2016)। कृषि में हरित गृह गैस उत्सर्जन : सामाजिक स्थिति एवं शमन, ग्रामीण दरिद्रता एवं कृषि सम्बन्धी व्यूह-रचनाओं पर अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन गोष्ठी में ग्रामीण अध्ययन विभाग, विश्व-भारती, श्री निकेतन में 30-31 मार्च, 2016 के दौरान प्रस्तुत किया।

सानन्दा मंडल

i. उपस्थित हुए एवं काग़ज प्रस्तुत किया स्वत्वाधिकारी ''सिंचाई की अनुक्रिया उपज के लिए घास एवं पौष्टिक प्रबंधन एवं एसआरआई के अधीन वर्ण संकर चावल खेती की अर्थशास्त्र ग्रीष्म ऋतु के दौरान मिट्टी स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय अध्ययनगोष्ठी : सिद्ध कृषि में व्याख्या, मिट्टी स्वास्थ्य और कृषि रसायन-शास्त्र पाली शिक्षा भवन विश्व-भारती, श्रीनिकेतन द्वारा 14-15 नवम्बर, 2015 के दौरान आयोजित हुआ।

ii. सहभागिता निभाये एवं प्रस्तुत किया काग़ज स्वत्वाधिकारी'' बीज साफ-सफाई क्रिया : कृषि में फसल उन्नति के लिए एक वनस्पति शारीरिक प्रौद्योगिकी आग्रह ''भोजन के लिए सिद्ध पारिवारिक खेती, कृषि अर्थशास्त्र एवं जीविका

सुरक्षा पर राष्ट्रीय सम्मेलन में, कृषि सम्बन्धी विस्तारण विभाग, कृषि अर्थशास्त्र एवं कृषि सांख्यिकी पाली शिक्षा भवन (कृषि संस्था) विश्व-भारती, श्रीनिकेतन द्वारा 5-6 मार्च 2016 को आयोजित हुआ।

एम0 सी0 कुन्डु

i. ''कृषि में चिकनी मिट्टी विज्ञान का प्रयोग, वातावरण एवं उद्योग'' पर उन्नीसवीं वार्षिक सभा एवं राष्ट्रीय सम्मेलन आईसीएआर के सहयोग से भारत के चिकनी मिट्टी खनिज पदार्थ समाज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित हुआ-मिट्टी सर्वेक्षण का राष्ट्रीय सार्वजनिक कार्यालय एवं भूमि उपयोग अगस्त 7-8, 2015 को योजना।

ii. ''भोजन के लिए सिद्ध पारिवारिक खेती, पौष्टिकता एवं जीविका खाद्य सुरक्षा'' पर राष्ट्रीय अध्ययनगोष्ठी, कृषि सम्बन्धी विस्तारण, कृषि अर्थशास्त्र एवं कृषि सांख्यिकी, पाली शिक्षा भवन करूणा-सेचेन के सहयोग से, भारत द्वारा मार्च 5-6, 2016 को आयोजित हुआ।

एन0 सी0 सरकार

i. सहभागिता निभाई एवं अध्ययन गोष्ठी में प्रस्तुत किये काग़ज स्वात्वाधिकारी खाद्य सुरक्षा के लिए कृषि एवं अच्छा वातावरण (दिसम्बर 17-18, 2015) बीसीकेभी, मोहनपुर नदिया द्वारा संचालित हुआ।

ii. सहभागिता निभाई एवं अध्ययनगोष्ठी मे प्रस्तुत किया काग़ज स्वत्वाधिकारी ग्रामीण दरिद्रता एवं कृषि सम्बन्धों व्यूह-रचना पाली चर्चा केन्द्र (ग्रामीण अध्ययन विभाग) विश्व-भारती, श्री निकेतन द्वारा 30-31 मार्च, 2016 के दौरान आयोजित हुआ।

विस्तारण सक्रियतायें :

ए0 के0 बारिक

i. शान्तिनिकेतन दूरदर्शन (वीरभूम) एक दूरदर्शन कार्यक्रम में फसलीकरण सिलसिला का जई के हवाले से उपयोग पर एक व्याख्या 24-02-2016, को 4.30 पी0एम0 बजे व्याख्यान दिये।

ii. शान्तिनिकेतन एआईआर, वीरभूम पर एक रेड़ियों कार्यक्रम में श्रोत व्यक्ति के रुप में ''जई खेती और इसकी महत्व'' पर 26-02-2016 को 6.30 पी0एम0 बजे सहभागिता निभाये।

iii. ए0के0 बारिक (2015) : इनहाना तार्किक खेती प्रौद्योगिकी से मेरा अनुभव : जैविक वृद्धि : एपीपीएल आधार : द्वारा आयतन : 7 (जुलाई-सितम्बर, 2015) प्रकाशित हुआ।

iv. अभ्यास के लिए एक विकल्प पैकेज के रुप में गुणी चाय छोटा बीजू का विकास एवं पश्चिम जलिंगा चाय भू-सम्पत्ति, असम, भारत में इसका लालन-पालन, इनहाना तार्किकी खेती का मूल्यनिर्धारण एएसईपीएएन विभाग के सहयोग से इन्हाना जैविक शोध आधार (आईओआरएफ), कृषि संस्था, विश्व-भारती, श्री निकेतन, आयतन : 3, पीपी : 1.75 द्वारा मूल्य निर्धारित किया गया

बी0 दुआरी

i. ''खरीफ प्याज की खेती पर किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम में खरीफ प्याज मे घास प्रबंधन पर 07-07-2015 को व्याख्या व्याख्यान किये, सीआईएचएबी विभाग, पीएसबी, विश्व-भारती, श्रीनिकेतन द्वारा 07-07-2015 को आयोजित हुआ।

ii. मती उत्सव 2016 में बर्दवान में कृषि विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा आयोजित घासों के सिद्ध प्रबंधन' पर एक व्याख्या व्याख्यान किये।

iii. विभिन्न फसलों में कीटनाशक प्रबंधन'' पर कार्यशाला में विभिन्न फसलों में घास प्रबंधन पर विश्व कवि किसान क्लब समीति, वीरभूम जिला संघ किसान क्लब द्वारा आयोजित एनएबीएआरडी निधि समर्पित 19-02-2016 को बोलपुर

में व्याख्या व्याख्यान किये।

iv. प्रशिक्षण विदित किये एवं एनएमओओपी के अधीन कृषि सहायक निर्देशक, (प्रशासन) रामपुरहाट, वीरभूम द्वारा आयोजित 29-02-2016 से 01-03-2016 के दौरान अधिकारियों / विस्तारण कर्मी प्रशिक्षण सभा में तेलहन फसलों का घास प्रबंधन पर 01-03-2016 को एक व्याख्या व्याख्यान किये।

v. अभिलेखन (09-06-2015) एवं प्रसारण (20.06.2015, 22-06-2015 एवं 23.06.2015'' कृषि में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का प्रयोग पर एक चर्चा कार्यक्रम दूरदर्शन, श्रीनिकेतन द्वारा।

vi. 'अमनचावल में घास प्रबंधन पर 25-07-2015 को अभिलेखन एवं एक कार्यक्रम में जीवित फोन प्रसारण।

vii. रबी फसलों में घास प्रबंधन पर अभिलेखन एवं प्रसारण 26.09.2015 को अभिलेखन।

viii. ''बोरो चावल में घास प्रबंधन पर एवं अन्य उत्तर रबी ऋतु फसलों पर 09.02.2016 को अभिलेखन एवं एक कार्यक्रम में जीवित फोन प्रसारण।

जी0 सी0 मलिक

i. एफ.एम. रेडियों का किसान बनी कार्यक्रम शांतिनिकेतन के लिए ''जैविक खेती'' पर एक अभिलेखित कार्यक्रम में सहभागिता निभायें।

ii. एफ0एम0 रेडियो का किसान बनी कार्यक्रम, शांतिनिकेतन के लिए ''आकस्मिकता योजना'' पर एक अभिलेखित कार्यक्रम में सहभागिता निभाये।

iii. एफ0एम0 रेडियो के लिए किसान बनी कार्यक्रम, शान्तिनिकेतन के लिए ''आलू खेती'' पर एक अभिलेखित कार्यक्रम में सहभागिता निभाये।

iv. एफ0 एम0 रेडियो के लिए किसान बनी कार्यक्रम, शांति निकेतन के लिए ''मूँगफली खेती'' पर एक अभिलेखित कार्यक्रम में सहभागिता निभाये।

एस0 के0 माइती

i. रामकृष्ण मिशन द्वारा आयोजित कमरपुकुर में 21 जनवरी 2016 को कृषि मेला में एक विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित व्याख्या व्याख्यान किये

ii. एनएमओओपी के अधीन अधिकारियों / विस्तारण कर्मी प्रशिक्षण सभा में 2015-16 के दौरान सूरी और बोलपुर मे 24 फरवरी 2016 एवं 2 मार्च, 2016 यथाक्रम से वीरभूम जिले के उन्नत पैकेजेस एवं व्यस्क तेलहन फसलों के क्रियान्वयन पर एक आमंत्रित व्याख्या व्याख्यान किये।

iii. चावल के अतिरिक्त गेहूँ खेती एवं विकल्प खेती पर 7 अक्टूबर, 2015 और 24 मार्च, 2016 यथाक्रम से कृषि में जैविक पदार्थ का उपयोग किसान बनी कार्यक्रम में 18 अप्रैल, 2015 को कृषि दर्शन कार्यक्रम अभिलेखन।

के0 प्रामाणिक

iv. उपस्थित हुए और एकबद्ध पौश्टिक प्रबंधन सरसों एवं मूँगफली पर'' दो दिवसीय अधिकारी / विस्तारण कर्मी प्रशिक्षण सभा में एनएमओओपी के अधीन कृषि (प्रशासन) उप-निर्देशक द्वारा प्रशिक्षण एसएएफ, सुरी में 24-02-2016 से 25.02-20116 को एक व्याख्या व्याख्यान किये।

v. उपस्थित हुए और कृषि (प्रशासन) उप निर्देशक, वीरभूम द्वारा एनएमओओपी के अधीन, प्रशिक्षण, दरबार, बोलपुर - श्रीनिकेतन, बोलपुर वीरभूम में 02.03.2016 से 03.03.2016 को दो दिवसीय अधिकारी / विस्तारण कर्मी प्रशिक्षण सभा में ''सरसों एवं मूँगफली पर एकबद्धपौष्टिक प्रबंधन'' पर एक व्याख्या व्याख्यान किये।

बी0एस सी (कृषि) ऑनर्स 2015-16 के छात्रों के लिए अध्ययन क्रम- VII एवं अध्ययन क्रम - VIII आईसीएआर

के लिए जे0 आर0 एफ परीक्षा संचालित कृषि शास्त्र पर शिक्षण कक्षा संचालन किये।

महुआ बनर्जी

i. दूरदर्शन केन्द्र, कोलकाता द्वारा आयोजित एक फसल जीवित विचार-गोष्ठी में सहभागिता की।

ii. एफ0एम0 रेडियो के किसान बनी कर्यक्रम, शांतिनिकेतन में ''जैविक खेती के महत्व'' पर एक कार्यक्रम में जीवित फोन में सहभागिता की।

iii. एफ0 एम0 रेडियों का किसान बनी कार्यक्रम शांति निकेतन ''जैविक खेती'' पर एक अभिलेखित कार्यक्रम में सहभागिता की।

iv. एफ0 एम0 रेडियों का किसान बनी कार्यक्रम, शांतिनिकेतन में, ''दाल खेती'' पर एक अभिलेखित कार्यक्रम में सहभागिता की।

v. एफ0 एम0 रेडियो का किसान बनी कार्यक्रम, शांतिनिकेतन के लिए ''खरीफ मौसम में आकस्मिकता योजना'' पर एक अभिलेखित कार्यक्रम में सहभागिता की।

डी0 पांडा

i. आईसीएआर के लिए जे0 आर0 एफ0 परीक्षा-2015 संचालित बी0एस0सी0 (कृषि) ऑनर्स 2015-16 के अध्ययनक्रम-VIII के बाहर जाने वाले छात्रों के लिए वनस्पति विज्ञान पर शिक्षण कक्षा संचालन की।

किशोर चन्द्र स्वेन

i. ''प्राकृतिक श्रोत प्रबंधन में भू-सूचना एवं जलवायु परिवर्तन शमन'' पर आईसीएआर- भारतीय संख्या मिट्टी विज्ञान (आईआईएसएस), भोपाल में, 20-29 नवम्बर 2015 के दौरान संक्षिप्त पाठ्यक्रम प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण किया।

ii. 'नई शिक्षा नीति' पर संस्कृति की आर0 के0 एम0 संस्था में 7-8 नवम्बर, 2015 के दौरान राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता निभाई।

iii. कृषि सम्बन्धी अभियांत्रिकी का एशियन समीति (एएएई) की जीवन सदस्यता।

iv. प्राणीप्रथा एवं कृषि अभियंत्राओं के अमेरिकन समाज का सदस्य।

v. विभाग विक्रय समीति का सदस्य

सानन्दा मंडल

i. आईसीएआर संचालित जे0 आर0 एफ0 परीक्षा-2015 के लिए बाहर जाने वाले बी0 एस सी (कृषि) ऑनर्स अध्ययनक्रम-VIII 2015-16 के छात्रों के लिए वनस्पति विज्ञान पर शिक्षण संचालन की।

एन0 सी0 सरकार

i. पहाड़ी कृषि की विविधता पर एनआईसीआरए की प्रतिरक्षा के अधीन श्रोत व्यक्ति के रुप में दो व्याख्या प्रशिक्षण में श्रोत व्यक्ति व्याख्यान दे रहा है : जलवायु परिवर्तन अनुकूलन एवं शमन, 16-25 फरवरी, 2016 के दौरान आईसीएआर शोध कॉम्पलेक्स एनईएच क्षेत्र सिक्किम केन्द्र, तदांग, गैंगटोक के लिए प्रशिक्षण में श्रोत व्यक्ति के रुप में दो व्याख्या श्रोत व्यक्ति दे रहा है।

शैक्षणिक विशिष्टतायें :

ए0 के0 चटर्जी

i. वर्तमान में बाह्य सदस्य, अध्ययन परिषद, कृषि रसायन-शास्त्र एवं मिट्टी विज्ञान विभाग, विधान चन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, मोहनपुर, पश्चिम बंगाल में कार्य कर रहे हैं।

ए0 के0 बारिक

i. एक एम0 एस सी (कृषि) कृषि शास्त्र छात्र के लिए शोध-लेख का पर्यवेक्षण किये।

ii. राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध काग़जों की समीक्षा के लिए निर्णयकर्ता के रुप में काम कर रहे हैं।

iii. कृषि सलाहकार, कृषि सम्बन्धी कृषि क्षेत्र चक, पी0एस0 बी0, भी0 बी0 श्रीनिकेतन

iv. प्रश्न-पत्र संस्थापक एवं कृषि के विभिन्न पाठ्यक्रमों में मूल्य निर्धारक के रूप में काम किया, ओयूएटी, भुवनेश्वर, ओड़िसा, बीएयू कणके, राँची, झारखंड, यूबीकेभी, कुचबिहार, पश्चिम बंगाल एवं बीसीकेभी, मोहनपुर, पं0 बं0 द्वारा नियुक्ति हुई।

v. मौखिक परीक्षा एम0 एस सी (कृषि) शोध-लेख के लिए बाह्य-परीक्षक के रुप में बीसीकेभी, मोहनपुर नदिया, पश्चिम बंगाल और बीएयू, कणके, राँची, झारखण्ड में नियुक्ति हुई।

vi. उप-प्रधानाचार्य, पाली शिक्षा भवन, श्रीनिकेतन के रुप में कार्य किये।

vii. कृषि शास्त्र की भारतीय समाज, नई दिल्ली के आजीवन सदस्य।

viii. मेवेशी आहार फसलों के भारतीय समाज, नई दिल्ली के आजीवन सदस्य।

ix. मिट्टी जीव विज्ञान एवं वातावरण विज्ञान का भारतीय समाज, यूएएस, बैंगलोर, का आजीवन सदस्य

बी0 दुआरी

i. फसल एवं घास पात विज्ञान समाज, विधान चन्द्र कृषि विश्वविद्यालय (वीसीकेभी) से सीडब्लूएसएस साथी पुरस्कार 2015।

ii. भारतीय समाज घास पात विज्ञान पश्चिम बंगाल (2015-16) से परिषद सदस्य

iii. चार पेशेवर पत्रिकाओं का निर्णयकर्ता

iv. आजीवन सदस्य

(ए) अन्तर्राष्ट्रीय घास-पात विज्ञान समाज

(बी) भारतीय समाज कृषि शास्त्र

(सी) भारतीय समाज घास-पात विज्ञान

(डी) भारतीय समाज कृषि सम्बन्धी विज्ञान

(ई) फसल एवं घास-पात विज्ञान समाज

(एफ) भारतीय विज्ञान कांग्रेस

जी0 सी0 मलिक

i. प्रबंध-अधिकारी, श्रीनिकेतन के रुप में काम कर रहे हैं।

ii. पी एच0 डी0 समन्वयक, कृषि-शास्त्र के रुप में कार्य कर रहे है।

पी0 के0 विश्वास

i. मिट्टी विज्ञान एवं कृषि रसायन-शास्त्र खंड में पीजी समन्वयक के रुप में कार्य किया।

ii. राजसाही विश्वविद्यालय, बंगलादेश और बंगलादेश कृषि विश्वविद्यालय, मेमनसिंग के लिए बाह्य परीक्षक/ पी एच0 डी0 शोध-लेख मूल्य-निर्धारक (4 मई, 2015 एवं 2016)` रुप मे कार्य किया।

iii. जन सेवा आयोग, पश्चिम बंगाल सरकार, के चुनाव समीति के सदस्य के रूप में कार्य किया।

एस0 के0 माइती

i. यूजीसी-मानव श्रोत विकास केन्द्र द्वारा आयोजित बर्दवान विश्वविद्यालय में अगस्त, 2015 के दौरान ''छात्र परामर्श

एवं माग-प्रदर्शन'' पर एक संक्षिप्त पाठ्यक्रम में उपस्थित हुए।

ii. पी0जी0 समन्यवक (कृषि-शास्त्र) के रुप में एएसईपीएएन विभाग, पीएसबी, विश्व-भारती में कार्य कर रहे हैं।

iii. प्रवेश समन्वय कोशिका, विश्व-भारती में सदस्य के रूप में सेवा कर रहे है।

iv. भारतीय समाज कृषि-शास्त्र, आईएआरआई, नई दिल्ली में आजीवन सदस्य।

v. भारत की उर्वरक समीति, नई दिल्ली के तकनीक एवं सहायक सदस्य

vi. कुछ विश्वविद्यालय के बाह्य परीक्षक के रुप में कार्य किये।

के0 प्रामाणिक

vii. कृषि-शास्त्र के भारतीय समाज, आईएआरआई, नई दिल्ली का आजीवन, सदस्य

viii. फसल एवं घास-पात विज्ञान समाज, बीसीकेभी, नदिया, पश्चिम बंगाल का आजीवन सदस्य

xi. मिट्टी प्राणी-शास्त्र एवं वातावरण-विज्ञान का भारतीय समाज, बेंगलुरू का आजीवन सदस्य

x. चावल शोध कर्मियों के समीति (एआरआरडब्लू), कटक उड़ीसा का आजीवन सदस्य।

xi. प्राणी-श्रोत की पत्रिका, वातावरण एवं कृषि विज्ञानों, शांति-निकेतन का आजीवन सदस्य।

xii. एंटी-रेगिंग समीति, पीएसबी, विश्व-भारती के सदस्य के रूप में सेवारत है।

xiii. एंटी-रेगिंग टोली, पीएसबी, विश्व-भारती के सदस्य के रूप में सेवारत है।

xiv. यूजी समन्वयक, पल्ली शिक्षा भवन

xv. केन्द्रीय प्रवेश समीति, विश्व-भारती का सदस्य

xvi. सचिव, प्राणी-श्रोत समाज, वातावरण एवं कृषि शोध, शांतिनिकेतन।

xvii. प्रबंधन सम्पादक, प्राणी-श्रोत की अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका, वातावरण एवं कृषि विज्ञान, शांतिनिकेतन।

xviii. एएसईपीएएन विभाग पल्ली शिक्षा भवन, विश्व-भारती, श्रीनिकेतन में अध्ययन पुस्तकालय संरक्षक के रुप में कार्यरत है।

xiv. विभिन्न विश्वविद्यालय अर्थात विधानचन्द्र कृषि विश्वविद्यालय मोहनपुर, उत्तर बंग कृषि विश्वविद्यालय, पुंडीबाड़ी एवं उड़ीसा कृषि, विश्वविद्यालय एवं प्रौद्योगिक भुवनेश्वर में बाह्य परीक्षक के रूप में कार्य किये है।

xx. विधान चन्द्र कृषि विश्व विद्यालय, मोहनपुर एवं उत्तर बंग कृषि विश्व-विद्यालय, पुंडीबाड़ी के प्रश्न-पत्र स्थापक के रुप में कार्य किये है।

महुआ बनर्जी

i. एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी के रुप में कार्यरत है।

डी0 पांडा

ii. वनस्पति शरीर-शास्त्र का भारतीय समाज, आईएआरआई, नई दिल्ली के आजीवन सदस्य।

iii. फसल एवं घास-पात विज्ञान समाज, बीसीकेभी, नदिया, पश्चिम बंगाल का आजीवन सदस्य।

iii. मिट्टी प्राणी-शास्त्र एवं वातावरण-विज्ञान का भारतीय समाज, बेगलुरू का आजीवन सदस्य

vi. एंटी-रेगिंग समीति, पीएसबी, विश्व-भारती का सदस्य के रूप में सेवारत है।

v. एंटी-रेगिंग दस्ता, पीएसबी, विश्व-भारती का सदस्य के रूप में सेवारत है।

सानन्दा मंडल

i. वनस्पति शरीर-शास्त्र का भारतीय समाज, आईएआरआई, नई दिल्ली का आजीवन सदस्य।

ii. फसल एवं घास-पात विज्ञान समाज, बीसीकेभी, नदिया, पश्चिम बंगाल का आजीवन सदस्य

iii. भारतीय विज्ञान कांग्रेस समीति, कोलकाता, पश्चिम बंगाल का आजीवन सदस्य

प्रकाशन

ए0 के0 चटर्जी

i. ए0 शील, ए0 दत्ता, एस0 साहा, ए0 के0 चटर्जी जी0 सी0 दे, ए0 के0 बारिक डी0 मजूमदार ए0 के0 धोलवी, आर0 के0 सरकार आर0 बेरा (2005) प्रभावी जैव मिट्टी प्रबंधन की ओर मिश्रण खाद गुण का महत्व : एफएओ-सीएफसी-टीबीआई परियोजना मउद चाय भू-सम्पत्ति, असम, भारत का एक घटना अध्ययन, शोध एवं समीक्षा : कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की पत्रिका, आयतन 4 (I), 16-26

ii. ए0 के0 बारिक, ए0 के0 चटर्जी, ए0 शील, ए0 दत्ता एस0 साहा आर0 बेरा (2015) इनहाना तार्किक कृषि (आईआरएफ) प्रौद्योगिकी का मृल्य निर्धारण कृषक क्षेत्र में किफायती जैव कृषि विधि के रूप में, शोध एवं समीक्षा : कृषि विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी की पत्रिका, आयतन 5(I), 1-16

ए0 के0 बारिक

i. ए0 शील, ए0 दत्ता, एस0 साहा, ए0 के0 चटर्जी, जी0 सी0 दे0 ए0 के0 बारिक, डी0 मजुमदार, ए0 के0 भीलवी, आ0 के0 सरकार, आर0 बेरा (2015) प्रभावी जैव मिट्टी प्रबंधन की ओर मिश्रण खाद गुण का महत्व : एफएओ-सीएफसी-टीबीआई परियोजना मउद चाय भू-सम्पत्ति असम, भारत में एक घटना अध्ययन शोध एवं समीक्षा : कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की पत्रिका, आयतन 4 (2) 16-26

ii. ए0 के0 बारिक, ए0 के0 चटर्जी, ए0 शील, ए0 दत्ता एस0 साहा, आर0 बेरा (2015) इनहाना तार्किक कृषि (आईआरएफ) प्रौद्योगिकी का मूल्य निर्धारण कृषक क्षेत्र में किफ़ायती जैव कृषि विधि, शोध एवं समीक्षा : कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की पत्रिका, आयतन 5 (I),1-16

iii. पी0 नाईक ए0 बारिक, ए0 बलियार सिंह, पी0 पति, जी0 एच0 सान्त्रा, डी0 स्वेन, ए0 नन्द, 2016 सरसों। (ब्रसिका जनसिया एल) के वृद्धि एवं उपज पर सल्फर और बोरोन का प्रभाव। वातावरण एवं वातावरण-शास्त्र 34 (4सी) : 1953-1957

iv. पी0 नाइक, ए0 बारिक, ए0 बलियारसिंह, पी0 पति, जी0 एच0 सान्त्रा डी0 स्वेन, ए0 नन्द 2016। सरसों (ब्रसिक जनसिया एल) के वृद्धि एवं 'उपज पर सल्फर और बोरीन का प्रभाव और इसका पौष्टिक शोषण। वातावरण एवं वातावरण-शास्त्र 34(4B) 2221-2225

जी0 के0 घोष

शोध-पत्र

i. कुन्डु, एम0 सी0, हाजरा जी0 सी0, विश्वास, पी0 के0 मंडल, एस0 एवं घोष, जी0 के0 (2014) ''पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के कुछ मिट्टियों में पोटेशियम का प्रकार और वितरण'' फसल एवं घास-पात की पत्रिका आयतन : 10:2, पीपी-31-37

ii. विश्वास, पी0 के0, भौतिक, एम0 के0, कुन्डु, एम0 सी0, मंडक, एस0 एवं घोष, जी0 के (2015)। पश्चिम बंगाल के लाल और लेटराइट मिट्टी में जैव खाद और फास्फोरस स्तरों का वृद्धि, गाँठवृद्धि, पौष्टिक ग्रहण एवं लेन्टिल की उत्पादकता पर एकत्रित प्रयोग ''फसल और घास-पात की पत्रिका, आयतन 11 (1) पीपी-29-32

iii. विश्वास पी0 के0 भौमिक, एम0 के0 मंडल, एस, कुन्डु, एम0 सी0 और घोष, जी0 के0 (2015) ''वृद्धि गाँठवृद्धि एवं उर्दबीन का बीज उपज पर राइजोबियम फास्फेट घुलनशील जीवाणु एवं एजोटोबैक्टर का सहक्रियाशील प्रभाव ''इन्टरएकाडमिसीया की पत्रिका आयतन 19(2) : पीपी-200-205

iv. जी0 के0 घोष और ए0 के0 सरकार (2015) द्वारा चुनौती देनेवाला अनवरत मिट्टी स्वास्थ्य के अन्दर तीव्र भारतीय जनरल का खाद पैदा करना

v. सी0 सारंगी, बी जेना, जी0 एच0 सान्तरा, जी0 के घोष (2016) सल्फर अवशोषण पर पी स्त्रोतो का प्रभाव परिस्थिति विज्ञान और मूँगफली वातवरण में एल्फीसोल्स का व्यवहार 34 (4डी0) : 2546-2550

vi. हरिभूषण अथोकपाम, गौतम कुमार घोष, हेरोजीत सिंह अथोकपाम, शबीर हुसैन बानी, सोमरजीत अकोइजाम और राकेश नीनगाथोउजाम (2016) अम्ल मिट्टी में कुछ मिट्टी परीक्षण पद्धति का विकास जिसके द्वारा मनीपुर के सेनापति जिले में मटरअ में उपस्थित फास्फोरस का परीक्षण करना अन्तर्राष्ट्रीय कृषि पत्रिका, पर्यावरण और जैव प्रौद्योगिकी 0 (1) : 63-68

किताब अध्याय

i. घोष जी0 के0, विश्वास पी0 के0, कुन्डु एम0 सी0 और मंडल सुचेन्दा (2016) भारत में तेलहन उत्पादन को बढ़ाने का कार्यक्रम और नीति, ''परिवार खेती की चुनौतियाँ और अवसर'', बीटन मण्डल, देवाशीष सरकार, सिधार्थ देव मुखोपाध्याय, सौभिक घोष, विधानचन्द्र राय और समर्थक चौधरी, रेनु पब्लिर्शस, 90, सैनिक विहार मोहन गार्डन नई दिल्ली-110059, पीपी-354-356 द्वारा संशोधित

बी0 दुआरी

किताब (ए)

i. दुआरी, बी0 चक्रवती, एन0 आर0 चरन तेजा के (2015) साधारण वीडस् का वीरभूम में औषधीय उपयोग पश्चिम बंगाल लेप लम्बर्ट एकाडमिक पब्लिशिग पीपी-55

किताब अध्याय : (8)

i. दुआरी बी0 के0 चरन तेजा, भौमिक, एम0 के0 और चक्रवर्ती, एन0 आर0 (2015) कृषि रुपान्तरण-एक जीने योग्य विकल्प विविधिकरण के लिए पूर्वी भारत के ग्रामीण जीवन निर्वाह सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन की कमी इन : भारतीय आर्थिक कठिनाईयों पर लेख एड: पी0 के0 चट्टोपाध्याय रेनु पब्लिसिरस पीपी-151-160 आईएसबीएन 968-93-8550206-9)

ii. विश्वास पी के0 भौमिक, एम0 के0 एन्ड दुआरी, बी0 (2015) बीज टीकाकरण : स्त्रोत द्वारा दलहन उत्पादन को बढ़ाने का एक एपकरण-पश्चिम बंगाल के गरीब किसान, इन : भारतीय आर्थिक समस्यों पर लेख एड0 पी0 के0 चट्टोपाध्याय रेनु पब्लिस पी0पी0, 16-24 आई एस बी एन-आई एस बी एन-968-93-85502-06-9

iii. भौमिक एम0 के0 दुआरी, बी0 एन्ड विश्वास, पी0 के0 (2015) बनस्पतिनाशक जड़ी बूटी ग्रामीण किसानों के लिए शैवाल प्रबन्धन करने के लिए एक सामर्थ्य उपकरण इन : भारतीय आर्थिक समस्याे पर लेख एड : पी0 के0 चट्टोपाध्याय, रेनु पब्लिसरस, पी0 पी0 129-937, आई एस वी एन- आइ एस बी एन 869-93-85502-06-9

iv. चक्रवती, एन आरपाल, ए ऐन्ड दुआरी, बी (2015) प्रेरित नामातरण द्वारा दलहन का अनुवाशिक सुधार इन : भारतीय आर्थिक समस्याओं पर लेख, पी0 के0 चट्टोपाध्याय रेनु पब्लिशर्स, पीपी-929-936 आई0 एस0 बी0 एन-आई0एस0बी0एन 968-93-85502-06-9 द्वारा संशोधित

v. चक्रवती, एन0 आर0,दुआरी, बी, देबनाथ, एसपाल ए. और भट्टाचार्य, एस (2016) पारिवार खेती तथा भोजन सुरक्षा के लिए भूमि कुलवंश ओर जंगली समबन्धित फसलों का रुपान्तरण इन : परिवार खेती, चुनौती और अवसर सशोधन : बी0 मंडल, डी0 सरकार, एस0 डी0 मुखोपाध्याय, एस घोष, बी0 सी0 रॉय और एस चौधरी, रेनु पब्लिशर्स, नई दिल्ली पी0पी0-3542 आइएसबीएन 968-92-85502-22-4

vi. के चरन तेजा, दुआरी, बी, स्वेन, के0सी0और दास एस (2016) कृषि संरक्षण छोटे तथा हाशिये पर रहनेवाले पश्चिम बंगाल के किसानो के प्रति पहुँच बनाना ताकि वे अपने जीवन यापन तथा सुरक्षा प्राप्त कर सके इन पारिवारिक कृषि - चुनोतियाँ ओर अवसर संवादको-बी0 मण्डल डी0 सरकार, एस0 डी0 मुखोपाध्याय, एस घोष, बी0 सी0 रॉय और एस0 चौधरी, रेनु पब्लिशर्स, नई दिल्ली, पी0 पी0 62-70, आइ एस बी एन 972-93-85502-22-4

vii. दुआरी, बी0 के0 चरन तेजा, भौमिक, एम0 के0 ओर चक्रवती, एन0 आर0 (2016) अग्रसर खेती पीले रंग के बीजो का पूर्वी भारत में छोटे तथा हाशिये पर पाये गए किसानो के लिए साध्य कृषि तकनीक प्रणाली तीव्रकरण के लिए और उच्य पारिवारिक आय के लिए इन : पारिवारिक कृषि - चुनौतियाँ और अवसर - संपादको-बी0 मण्डल, डी0 सरकार, एस0 डी0 मुखोपाध्याय, एस घोष, बी0 सी0 राय और एस0 चौधरी रेनु पब्लिषरस नई दिल्ली, पी0पी0 179-187 आईएसबीएन 978-93-85502-22-4

viii. भौमिक, एम0 के0 दुआरी, बी0 भट्टाचार्य, पी0 और धारा, एम0 सी0 (2016) डिब्बा बीज बोनो प्रौदोगिकी स्त्रोत्र के लिए एक साध्य विकल्प - पश्चिम बंगाल में गरीब किसानों के लिए लाभप्रद चावल उत्पादन इन पारिवारिक कृषि-चुनौतियाँ और अवसर संपादको बी0 मण्डल डी0 सरकार, एस0 डी0 मुखोपाध्याय, एस घोष, बी0 सी0 राय और एस चौधरी, रेनु पब्लिशर्स, नई दिल्ली पीपी-125-130 आइएसबीएन-978-9385502-22-4

अनुसन्धान शोध पत्र

i. के0 चरन तेजा, बी0 दुआरी, मुकेश कुमार और भौमिक, एम0 के0 (2015) बेनसलफरो न मिथाइल + प्रीटिलाक्लोर और दूसरे वनस्पतिनाशक का प्रतिरोपित चावल पर वर्षाकाल का पत्रिका पर्यावरण ओर जैव प्रौद्योगिकी 8(2) : 323-329

ii. दुआरी बी मुखजी, ए और भौमिक एम0 के0 (2015) मनोवैज्ञानिक लक्षण शैवाल वनस्पति का मुख्य फसलो में पश्चिम बंगाल के लाल और लेटराइट क्षेत्रों में भारतीय पत्रिका का शैवाल विज्ञान 47 (1) : 89-92

iii. भौमिक एम0 के0 दुआरी, बी0 और विश्वास पी (2015) समाकलित शैवाल प्रबन्धन उरद दाल में भारतीय शैवाल विज्ञान पत्रिका 47 (1) : 34-37

iv. दुआरी, बी0 मिश्रा, एम0 एम0 दास, आर एन्ड तेजा, के चरन 2015, भारत के निचले भूमि में शैवाल प्रबन्धन भारतीय शैवाल विज्ञान पत्रिका 46 (3) : 224-232

v. बी0 दुआरी, के चरन तेजा, एस0 राय चौधरी और आर0 बी मलिक (2015) शैवाल का विकास और वर्षा के मौसम मे स्थान्तरित चावल का उत्पादन तथा वनस्पति नाशक एकमात्र अनुक्रमिक को लागू करना, अन्तर्राष्ट्रीय प्रौद्योगिक स्त्रोत की पत्रिका, पर्यावरण और कृषि विज्ञान (एलजेबीईएस) 1 (4) : 187-192

vi. भट्टाचार्य, एस0 एस0 दास, एस दुआरी बी0 और भट्टाचार्य पी (2014) मिट्टी और जलवायु का भौतिक तथा रासायनिक सम्पदा पर प्रभाव तथा पूर्ण फिनाल, फ्लेभोनायडस और कार्लनो साइडस की जैव उपलब्धता काजानस काजन में वर्तमानकालिक विज्ञान (स्वीकृत)

vii. दुआरी, बी0 दास एस और तेजा, के0 सी0 (2016) जुताई का बीज बैक पर प्रभाव, जनसख्या गति की और शैवाल का प्रबन्धन सत्सा मुखोपात्रा 20:104-112

viii. हकराबोरती, एम0 दुआरी, बी0 एन्ड दत्ता, एम (2015) प्रभावशाली शैवाल प्रबन्धन का अभ्यास ताकि बीजारोपण चावल में अत्याधिक वृद्धि हो सके (ओराइजा सतीभाएल) फसल को विकसित करने का अग्रगामी अनुसन्धान पत्रिका 6 (2) : 112-115 (एन0एन0एस0 रेटिग 3.96, ऑनलाइन आई0एस एस एन : 2231-640 एक्स, प्रिन्ट आई एस एस एन : 0976-5603

ix. दुआरी, बी0 तेजा0 के0 सी0 और सोरेन, यु (2015) स्थान्तरित चावल का वनस्पतिनाशक द्वारा तथा जटिल शैवाल वनस्पति का प्रबन्धन भारतीय शैवाल विज्ञान पत्रिका 47 (4) : 349-352

प्रसिद्ध अनुच्छेद

i. सुशील कुमार और दुआरी, बी0 (2015) भारत में पार्थोनियम समस्या और इसका प्रबन्धन, भारतीय कृषि 65 (6) : 47-51 अक्टूबर, 2015

जी0 सी0 मलिक

i. सरकार पी0 बनर्जी, एम और मल्लिक, जी0सी0 (2016) भूमण्डलीय तापक्रम वृद्धि से लड़ने की योजना-साधारण व्यकित की भूमिका, पारिवारिक कृषि और अवसर बितन मण्डल द्वारा संशोधित।

देवाशीष सरकार, सिद्धार्थ देव मुखोपाध्याय, शौभिक घोष विधान चन्द्र रॉय, सार्थक चौधरी, रेनु पबिलशर्स, नई दिल्ली पीपी-142-146 (2016)

अनुसन्धान शोध पत्र

i. बनर्जी, एम घोष, डी0 सी0 और मलिक, जी0 सी0 (2015) मैदानी क्षेत्रों में आलू बीज उत्पादन के विकल्प सत्सा मुखापत्रा। वार्षिक तकनीकी प्रकाशन 19-145-148

ii. साहा पी0 के0 मलिक , जी0 सी0 भट्टाचार्य, पी0 बनर्जी, एम (2015) पीले सरसो वाले पोधे का विकास और उत्पादन अनुक्रमिक पोषण प्रबन्धन द्वारा जैव स्त्रोत और तनाव प्रबन्धन का अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका खण्ड नं0 2:192-196

iii. दास, एस मलिक, जी0 सी0, बनर्जी, एम और सेठी डी (2016) विभिन्न प्रकार के शैवाल प्रबन्धन का प्रभाव और खुदाई किये गये चावल उत्पादन का अभ्यास अग्रिम जीव विज्ञान 5 (4) : 1351-1355

iv. दास, एस मलिक, जी0सी0 बनर्जी, एम और सेठी, डी0 (2016) ग्रीष्म कालीन चावल मे शैवाल प्रबन्धन का अभ्यास और इसके उडददाल पर शेष प्रभाव कृषि विज्ञान की अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका 6 (2) : 19-23

पी0 के0 विश्वास

i. भौमिक, एम0 के0 दुआरी, बी0 विश्वास, पी0 के0 रक्षित, ए और अधिकारी, बी0 (2014) पश्चिम बंगाल के उच्च मूँग बीज पैदावार के लिए फसल का ज्यामीतिय अध्ययन खण्ड : 18, पी0पी0 111-116

ii. विश्वास, पी0 के0 भौमिक, एम0 के0 नस्कर बी0 रक्षित, ए और रॉय, एस0 के0 (2014) मसूरदाल (लेन्स क्यूलिनेरिस मेडिकस) का बीजटीकाकरण का प्रभाव और इसके विकास ग्रंथि तथा उत्पादन के लिए यूरिया का छिड़काव खण्ड : 18, पी0पी0 104-110

iii. भौमिक, एम0 के0, धारा, एम0 सी0 दुआरी, बी0 विश्वास पी0 के0 और भट्टाचार्य, ए (2014) चावल यूटेरा प्रणाली के माध्यम से मटर के उत्पादन में सुधार एवं उत्कृष्ट बीज और फोलियर पोषण द्वारा मटर उत्पादन में सुधार खण्ड : 10:2 पी0पी0 266-280

iv. कुन्डु, एम0सी0 हाजरा, जी0सी0 विश्वास, पी0के0 मण्डल, एस और घोष, जी0 के0 (2014) पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के कुछ मिट्टी में पोटेशियम का वितरण और क्रमबद्ध करना।

v. भौमिक एम0 के0 रॉय, एस0 के0 मजूमदार, के दुआरी, बी0 ऐन्ड विश्वास, पी0 के0 (2015) संकरित सूर्यमुखी / (हेली एनथस अन्नयूस एल) के ज्यादा पैदावर के लिए बेहतर पोटाश और सल्फर की खुराक खण्ड : 19, पीपी 126-129

vi. विश्वास, पी0के0 और भौमिक, एम0के0 (2015) उड़द बीज की उत्पादकता में सुधार तथा अनवरत मिट्टी स्वास्थ्य के लिए पोषण प्रबन्धन ''खण्ड : 19, पीपी 113-119

vii. बनर्जी, पी, रॉय, डी0 पी0 सत्या, पी0 देबनाथ, एस मण्डल देवस्मीत, साहा, एससी0 और विश्वास, पी0 के0 (2015) ''रेमीय रेशा गुण का विकास'' एक पुनर्विचार'' खण्ड : 2

viii. विश्वास, पी0 के0 भौमिक, एम0 के0 कुन्डु, एम0सी0 मन्डल, एस ऐण्ड घोष, जी0 के0 (2015) मटर (लेन्स क्यूलिने मेडिकस) का विकास, ग्रन्थि तथा पोषण की बढोत्तरी के लिए जुडे हुए यमल का जैवखाद तथा फास्फोरस का पश्चिम बगाल के लाल तथा लैटराइट मिट्टी पर प्रयोग खण्ड : 11 (1) : पीपी 29-32

ix. विश्वास पी0 के0 (2015) मटर (लेन्स क्यूलिनेरिस मेडिकस) का पश्चिम बंगाल के लाल तथा लेटरीक मिट्टी पर बढ़ते हुए विकास तथा ग्रन्थि और उत्पादन के लिए जैव खाद का अनुक्रमिक प्रयोग खण्ड 5 (3) पीपी-256-259

x. विश्वास पी0 के0, भौमिक, एम0 के0 मण्डल, एस, कुन्डु, ए0सी0 और घोष जी0 के0 (2015) उड़द बीज के विकास ग्रन्थि का राइजोबियम फास्फेट सोलुबिलाइजिंग। बेक्टेरिया और एजोटोबेक्टर का सहक्रिया प्रभाव 'खण्ड 19 (2) पी पी 200-205

xi. भौमिक, एम0 के0 दुआरी, बी0 और विश्वास, पी0 के0 (2015) उड़द दाल में शैवाल अनुक्रमिक प्रबन्धन-46-(1) : 34-36

xii. बनर्जी, पी0 राय, डी0 पी0 देबनाथ, एस और विश्वास, पी0 के0 (2015) उतर पूर्व हिमालय की मिट्टी में आयुर्वेदिक हर्ष रमी (बोइहमेरिया निविया एल गोउडीच) की विशेष गुणवता वाली रेवती'' 8 (4) : 879-884

अध्याय पुस्तक :

i. भौमिक, एम0 के0 दुआरी, बी और विश्वास, पी0 के0 (2014) पूर्वी भारत में तेलहन की खेती में कृषि विविधता पी0पी0-909-930

ii. विश्वास, पी0 के0 और भौमिक, एम0 के0 (2014) भारत के उतरी मैदानी क्षेत्रो में कृषि विविधता।

iii. भौमिक, एम0 के0 दुआरी, बी0 और विश्वास, पी0 के0 (2014) पश्चिम बंगाल के चावल उत्पादित क्षेत्रो में हरे मटर की खेती को बढ़ावा देना '' पी0 पी0 - 367-363

iv. विश्वास पी0 के0 और भौमिक एम0 के0 (2015) ''बिना कृषि वाले क्षेत्रो में मिट्टी का उपयोग पुस्तक अध्याय पी0पी0

v. भौमिक, एम0 के0 दुआरी, बी0 और विश्वास, पी0 के0 (2015) वनस्पति नाशक वनस्पति : ग्रामीण किसानो के शैवाल प्रबन्धन के लिए एक सामर्थ्य उपकरण।

vi. विश्वास, पी0 के0 भौमिक, एम0 के0 और दुआरी, बी (2015)'' बीज टीकाकरण : पश्चिम बंगाल के गरीब किसानो के लिए दलहन उत्पादन को बढ़ावा देने का एक उपकरण ''पी0पी0-16-24

vii. घोष जी0 के0, विश्वास, पी0 के0, कुन्डु एम0सी0, भौमिक, एम0 के0, मन्डल एस, एमडी आसिफ इकबाल, एमडी नरुल आलम और एमडी केसर अली (2016) प्याज (एलीअम सेपा) के विकास और उत्पादन को बढ़ाने के लिए मिट्टी में बोरोन की क्षमता का प्रयोग तथा केला केरोस का प्रयोग पी0 पी0 103-106

viii. घोष जी0 के0 विश्वास पी0 के0, कुन्डु एम0 सी0 और मन्डल सुचन्दा (2016) भारत में तेलहन के उत्पादन को बढाने की नीति और कार्यक्रम।

ix. मन्डल सुचन्दा, विश्वास, पी0 के0 कुन्डु, एम0सी और घोष जी0 के0 (2016) पारिवारिक कृषि में मिट्टी परीक्षण का महत्व पीपी-82-85

एस.के. माइती

i. एस.के. माइती (2016) : जैव इर्धन : विकास के लिए हरी उर्जा अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा और पत्रिका अनुसन्धान 2 (3) : 900-102

ii. माइती एस.के. और पाल एस (2016) जीवन यापन सुरक्षा औरअनुक्रमिक कृषि प्रणाली इन : मंडल एट आल (एड्स) पारिवारिक कृषि अवसर और चुनोतियाँ, रेनु प्रकाशन नई दिल्ली 2016, 56-61

iii. पाल एस, माइती एस0 के0 और वेग डी0 (2015). आपदा जोखिम की कमी को समझना आइला द्वारा प्रभावित आठ हिन्गलगंज उत्तरी 24 परगना के गाँवो का रवैया, जान और अभ्यासो पर एक अध्ययन।

iv. जटा एस के, नेदुनचनजीयान एम, माइती एस के और मल्लिका अर्जुन एम (2015) ट्रिप फटिगेशन के विभिन्न आयामो द्वारा शकरकन्द के सामर्थ्य उत्पादन ई-पलानेट 13 (2) : 60-65

के0 प्रामानिक

i. मन्डल, के, सरेन, बी0 के0 घोराई, ए0 के0 कर, एस और प्रामानिक, के 2015, टोसा जुट (कोरकोरस ओइलोटोरियस एल) की बुवाई की विभिन्न तारीख और सूखा प्रबन्धन तकनीको की प्रतिक्रिया कृषि की पत्रिका, वनविद्या और विज्ञान पर्यावरण 1 (1) : 9-92

ii. प्रामानिक, के, बेरा, ए0 के0 सरेन, बी0 के0 और धाकरे, डी0 एस0 2015 संकरित ावल (ओराइजा) सेटिवा एल0) पर नाइट्रोजन और फाइटो हार्मोन्स का प्रभाव पश्चिम बगाल के लेटरिटिक क्षेत्र में उत्पादन इनट जैव स्त्रोत-पयविरण कृषि विज्ञान 9 (2) : 9-6

iii. साहू, के0 सी0, प्रामानिक, के0 राय, बी0 एस0 और साहू एस0 के0 2015 : अकुरित समय का प्रभाव शैवाल और उडीसा के श्री में जड़ो के विकास और पोषण तथा शैवाल और पोषण प्रबन्धन इनट-जे जैव स्त्रोत्र पर्यावरण कृषि विज्ञान 9 (2) : 46-50

iv. नायक, बी0 आर0 प्रामानिक, के पेनीग्राही, एन0 दास ए0 के0 और साइन, एस0 के0 2015, वातपेक्षी चावल (ओराइजा सतीवा एल) में नाइट्रोजन की क्षमता नाइट्रोजन, पैदावार विभिन्न कृषि माध्यमो तथा नाइट्रोजन की समान स्तर इनटजे बायो स्त्रोत, पर्यावरण कृषि विज्ञान (2) : 8-13

v. नायक, बी0 आर0 पेनीग्राही, एन0 दास0 ए0 के0 प्रामानिक, के, और स्वेन, एस0 के0 2015 कृषि पथापथ्य नियम का प्रभाव और घास पतवार की पैदावार की विशेषता, राजमस (फासीओलस् भलगेरिष एल) में पानी के उपयोग की क्षमता इनट जे जैव स्त्रोत्र पर्यावरण कृषि विज्ञान 2 (2) : 32-36

vi. रॉय, ए. प्रामानिक, के बेरा, ए.के. मुखर्जी, एस, दे, एस और पान्डा, डी0 2015, विभिन्न आर्द्रता संरक्षण तकनीक का प्रभाव फास्फेट के घुलनशील और सघटित करना और सूक्ष्म कीटाणु पर लाल चना (सीकर एरीइटीनम एल) की उत्पादकता पश्चिम बगाल के लाल और लेटरिटिक क्षत्रों में, इनट जे. जैव स्त्रोत कृषि पर्यावरण विज्ञान 1 (3) 60-67

vii. नायक, बी0 आर0 प्रामानिक, के0 खान्डा, सी0 एम0 दास, ए0 क0 पेनीग्राही एन, सामन्त, पी0 के0 महापात्रा, एस, पान्डा, एन और स्वेन, एस के 2015 वातपेक्षी चावल (ओराइजी सतीवा एल) का प्रदर्शन नाइट्रोजन की समान स्तरीय और विभिन्न सिचाई व्यवस्था जे0 इन्टरएकड । 9 (2)-206-299।

viii. नायक, बी0 आर0 प्रामानिक, के, पेनीग्राही, एन0 दास, ए0 के0, खान्डा, सी0 एम, स्वेन, एस0 के0 और सामन्त, बी0 के0 2015 सिचाई व्यवस्था का प्रभाव और नाइट्रोजन की समान स्तरीय का पैदावार पर प्रभाव और पोषण तत्वो और वातपेक्षी अवस्था में चावल की आर्थिक स्थिति जे इन्टराकेड। 9 (4) 527-534

ix. सिंह, ए, एक्स प्रामानिक, के नवचन्द्रा, एल0 और सोरोखाइबम, एस0 2015 बीजारोपण करने के समय का प्रभाव और सामर्थ्य उत्पादन पर नाइट्रोजन खाद का प्रभाव सकर चावल का वर्षा काल की स्थिति में नाइट्रोजन क्षमता का उपयोग : इनट.जे.जैव स्त्रोत्र, पर्यावरण कृषि विज्ञान 1 (4) : 167-175

महुआ वनर्जी

पुस्तक अध्याय

i. बनर्जी, एम (2015), वनस्पतिनाशक प्रतिरोध, कृषि तकनीक (खण्ड-II) में बढत संशोधन हमबोर्टोगोनजालीएज रोडरीगुएज, नारायण चन्द्रा सरकार, ए0भी0 रामानाजनेभेलु, रतिकान्त माइती, पुष्पा प्रकाशन घर, नई दिल्ली (भारत) पी0पी0 142-146 (2016)

अनुसन्धान पत्र

i. माइती, डी0 बनर्जी, एम (2015) पश्चिम बंगाल में चावल की जैव विभिन्नता का संरक्षण, सत्सा मुखोपात्रा, वार्षिक तकनीक, विषय, 19 :135-139

ii. बनर्जी, एम0 घोष, डी0सी0 और मलिक, जी0 सी0 (2015) मैदानी क्षेत्रो में आलू बीज उत्पादन के विकल्प,सत्सा मुखोपात्रा वार्षिक तकनीकी विषय 19:145:148

iii. साहा पी0 के0 मलिक,जी0 सी0 भट्टाचार्य पी0 बनर्जी, एम (2015) तोरी सरसोबीज उत्पादको के विकास तथा उत्पादनकता पर अनुक्रमिक पोषण के विकास तथा उत्पादनकता पर अनुक्रमिक पोषण प्रबन्धन तनाव प्रबन्धन और जैव स्त्रोत का अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका खण्ड 6 नं0, 2 : 192-197

vi. दास, एस, मलिक, जी0 सी0, बनर्जी, एम0 और सेठी, डी (2016) बोरो चावल उत्पादन मे अभ्यास तथा विभिन्न शैवाल प्रबन्धन का प्रभाव, जीव विज्ञानों में बढ़ोतोरी 5 (4) : 1351-1355

v. दास, एस, मलिक, जी0सी0 बनर्जी, एम0 और सेठी, डी0 (2016) शैवाल प्रबन्धन का ग्रीष्मकालीन चावल में अभ्यास और इसका उड़ददाल में शेष प्रभाव, 6 (2) : 19-23

सुचन्दा मण्डल

i. सुचन्दा मण्डल 2016 शीशम। शीशम इन्डीकम एल) पर सल्फर स्त्रोत्र का पश्चिम बंगाल के लाल और लेटरिटिक मिट्टी पर प्रभाव पौधे जानवर और पर्यावरण विज्ञान की अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका के प्रकाशन के लिए सहमती, अप्रैल जून 2016 खण्ड-6 विषय-2

पुस्तक अध्याय

1. मुखर्जी, एस, प्रामानिक, के, मन्डल, एस मास्के, एन0 एम0, मन्डी, ए, दुआरी एस, महती, के मन्डल बी, पान्डा, डी0 और सारेन, बी0 2016, आर्थिक और ग्रीष्मकालीन चावल की पैदावार (ओराइजा सतीभा एल) बीजारोपण के समय द्वारा प्रभावित, पश्चिम बांगल के लेटरिटिक क्षेत्रों में एस आर एल के तहत पोषण और पानी प्रबन्धन इन : पारिवारिक कृषि चुनोतियाँ और अवसर (संपादको) बी0 मण्डल, डी सरकार, एस0 डी0 मुखोपाध्याय एस घोष, बी0 सी0 रॉय और एस चौधरी, रेनु प्रकाशन, नई दिल्ली, पी-111-125।

ii. पान्डा, डी0 प्रामानिक, के और मन्डल, एस 2016 शीशम के कुछ मनोवैज्ञानिक मापदड़ो का आर्द्रता वाले क्षेत्रो के विकास नियामको का प्रभाव इन पारिवारिक कृषि-अवसर और चुनोतियाँ (संपादको) बी मन्डल डी सरकार, एस0 डी0, मुखोपाध्याय, एस घोष, बी0 सी0 रॉय और एस चौधरी, रेनु प्रकाशन नई दिल्ली पी0 135-141

iii. मन्डल, एस, पान्डा, डी, प्रामानिक, के और बोस, बी0 2016, बीज कंठ करना : कृषि में फसलो के सुधार के लिए एक मनोवैज्ञानिक पौधे की वरदान तकनीक इन : पारिवारिक कृषि-अवसर और चुनोतिया (संपादको) बी0 मन्डल, डी0 सरकार, एस0 डी0 मुखोपाध्याय, एस0 घोष, बी0 सी0 रॉय और एस चौधरी, रेनु प्रकाशन, नई दिल्ली, पी0 188-197

डी पान्डा

अनुसन्धान पत्र

i. हटाई, एल0 डी0 और पान्डा डी0 2015, कृषि विपणन सूचना पद्धति-मेघालय के व्यावसायियों पर एक व्यक्ति अध्ययन आर्थिक मामलो से सम्बन्धित 60 (2) : 263-261

ii. प्रसाद बी0 भी0जी0, चक्रवर्ती, एस, सरेन, बी0 के0 और पान्डा, डी0 फली पैदावार, घास पतवार के विकास का प्रभाव फ्रेंच बीन पर पानी का उपयोग और पानीक्षमता का उपयोग (फेसिओलस वलगेरिस एल) हरित कृषि 6 (3) : 563-565

iii. मुरा, एस0 एस0 पान्डा, डी0 मुखर्जी, ए और प्रामानिक के 2015, पूर्व बीजारोपण तकनीक का विकास नियामक और अनुकरण पर कृषि रसायन का प्रभाव शुष्क पदार्थ एकत्रीकरण, क्लोरोफिल विषय वस्तु और शीशम (शीशमम इन्डीकम एल) की पैदावार जैव स्त्रोत की अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका, पर्यावरण और कृषि विज्ञान 1 (2) : 51-56

iv. पान्डा, डी, सेन, ए, धाकरे, डी0 एस0 और मन्डल, एस 2015 कुछ विकास का पारस्परिक सम्बन्ध विश्लेषण मनोवैज्ञानिक मापदंड़ो, चना, (शीशर एरीएटीनम एल) की पैदावार और पैदावार लक्षण जैव स्त्रोत का अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका, पर्यावरण और कृषि विज्ञान 1 (3) : 90-95

v. चक्रवती, एस पान्डा, डी और मन्डी, ए 2016 पालक साग के विभिन्न समान स्तर के नाइट्रोजन और फास्फोरस पर अध्ययन तथा उसकी प्रतिक्रिया इन्टरकेडेमिका पत्रिका, 20 (1) : 41-48

vi. पान्डा, डी मिश्रा, एस, स्वेन, के0 सी0 चक्रवर्ती, एन0 आर0 और मण्डल, एस 2016 जैव उर्जा फसलो द्वारा जलवायु परिवर्तन की गम्भीरता कम कर देना, जैव स्त्रोत की अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका, पर्यावरण और कृषि विज्ञान : 2(1) : 242-250

किशोर चन्द्रा स्वेन

पत्र पत्रिका प्रकाशन

i. सिन्धा, सी0 और स्वेन, के0 सी0 (2016) कृषि फसलो के चुनाव के लिए उचित भूमि के विकास प्रावधान कृषि निरीक्षण (सहमत)

ii. पान्डा, डी, मिश्रा, एस, स्वेन, के0 सी0 चक्रवर्ती एन0 आर0 और एस0 मन्डल (2016) जैव उर्जा फसलो द्वारा जलवायु परिवर्तन की गम्भीरता को कम करना जैव स्त्रोत की अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका पर्यावरण और कृषि विज्ञान 2 (1) : 242-250

iii. स्वेन, के0 सी0 मोइत्रा, आर0 और क्यू0 यू0 जमन (2015) प्रयोगशाला में दिखाये गए अल्ट्रासौनिक संवेदक का उपोग कर शैवाल का पता लगाना, जैव स्त्रोत और तनाव प्रबन्धन की अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका 6 (1) : 151-154

vii. जयसूर्या, एच0पी0 डब्लू, स्वेन, के0 सी0 और आई0 हमीद (2015), सूक्ष्मतापी कृषि तकनीक को लागू करना एक भूमिका, जैव स्त्रोत की अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका, पर्यावरण और फसल विज्ञान, 1 (1) 98-100

पुस्तक/पुस्तक अध्याय

i) तेजा, के0सी0, दुलारी, बी0 स्वेन, के0सी0 और दास (2016) कृषि संरक्षण पश्चिम बंगाल में छोटे और हाशिए पर रहने वाले किसानो के जीवन यापन सुरक्षा को प्राप्त करने की एक प्रास्तावना, पारिवारिक कृषि अवसर और चुनोतियाँ, रेनु प्रकाशन, नई दिल्ली, आई एस बी एन 968-93-85502-22-4

ii) स्वेन, के0 सी0 और सी सिन्धा (2016) जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का अध्ययन कृषि का खुला उच्च कक्ष, पारिवारिक कृषि, चुनोतियाँ और अवसर, रेनु प्रकाशन, नई दिल्ली आई एस बी एन : 968 93-85502-22-4

सानन्दा मण्डल

अनुसंधान पत्र

i) पान्डा, डी, सेन, ए ढाकरे, डी0 एम0 और मण्डल, एस 2015 चना (सीसरएरीटेनियमएल) का पैदावार और पैदावार

विशेषता तथ मनोवैज्ञानिक मापदंड, कुछ विकास का सह-सम्बन्ध विश्लेषण जैव स्त्रोत की अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका, पर्यावरण और कृषि विज्ञान 1(3) 90-95

ii) पान्डा, डी, मिश्रा, एस, स्वेन, के0सी0 चक्रवर्ती, एन आर और मण्डल, एस 2016, जलवायु परिवर्तन को गम्भीरता से नही लेने के लिए जैव ऊर्जा फसल, जैव स्त्रोत की अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका : पर्यावरण और कृषि विज्ञान 2(1) : 242-250

पुस्तक अध्याय

i) पन्त, बी.मण्डल एस, और बोस, बी.2015 पौधे में आकार और अणु के आधार पर सखा की प्रतिक्रिया इन: शरीर विज्ञान में अग्रगणि (संपादको) ए.हेमन्तरंजन, वैज्ञानिक प्रकाशन (भारत) जोधपुर, पी-90-106

ii) मुखर्जी, एस प्रामानिक के मन्डल, एस, मस्के, एन एम मन्डी ए, दुआरी, एस, महतो, के मण्डल, बी0 पान्डा, डी, और सारेन, बी.2016, ग्रीष्मकालीन चावल (ओराइजा सेटीभा.एल) की पैदावार और अर्थव्यवस्था बीजारोपण के समय पोषण और पानी प्रबन्धन से प्रभावित तथा पश्चिम बंगाल लेटरिक बेल्ट के एस आर एल के तहत् प्रभावित इन पारिवारिक कृषि चुनोतियाँ और अवसर (संपादको) बी0 मण्डल, डी0 सरकार, एम0डी मुखोपाध्याय, एस घोष, बी0 सी0 रॉय और एस चौधरी, रेनु प्रकाशन नई दिल्ली - पी0 111-124

iii) पान्डा, डी. प्रामानिक, के के. और मण्डल, एस 2016, आर्द्रता वाले मौसम में शीशम का शारीरिक विज्ञान मापदंड और इसका विकास नियामक पर प्रभाव इन पारिवारिक कृषि-चुनोतियाँ और अवसर (संपादको) बी0 मण्डल, डी0 सरकार, एस0डी0 मुखोपाध्याय, एस0 घोष, बी0 सी0 रॉय और एस चौधरी, रेनु प्रकाशन नई दिल्ली, पी0 135-141

iv) मन्डल, एस : पान्डा, डी. प्रामानिक, के और बोस, बी0 2016, बीज रटना : एक पौधे के फसल के सुधार और शारीरिक विज्ञान तकनीक का कृषि में वरदान- इन परिवारिक कृषि- चुनौतियाँ और अवसर (संपादक) बी-मण्डल, डी सरकार एस0डी0 मुखोपाध्याय एस घोष, बी0सी0 रॉय और एस0 चौधरी, रेनु प्रकाशन, नई दिल्ली, पी-188-196 ।

एम.सी.कुन्डु

पुस्तक अध्याय :

i) सुचन्दा मण्डल, पी0 के0 विश्वास एम0सी0 कुन्डु और जी0 के0 घोष (2016) पारिवारिक कृषि में मिट्टी परीक्षण का महत्व : इन पारिवारिक कृषि, चुनोतियाँ और अवसर बिटन मण्डल, देवाशीष सरकार, सिद्धार्थ देव मुखोपाध्याय शोभिक घोष, विधान चन्द्र रॉय और सार्थक चौधरी (संपादको) रेनु प्रकाशन, 90, सैनिक विहार, मोहन गार्डेन, नई दिल्ली-990059, पीपी 82-85

ii) एम डी. हसनुजमन, पी0 के0 विश्वास एम0सी0 कुन्डु, एम के भौमिक सुचन्दा मण्डल, एम डी0 आसिफ इकबाल, एम डी नुरुल आलम और एमडी कवसर अली (2016) प्याज (एलीयम सेपा एल) के उत्पादन और विकास को बढ़ाने मे बोरोन के मिट्टी मे प्रयोग की क्षमता और केलकेरोस मिट्टी की क्षमता इन : पारिवारिक कृषि की चुनौतियाँ और अवसर, बीतन मण्डल, देवाशीष सरकार, सिद्धार्थ देव मुखोपाध्याय, शौभिक घोष, विधान चन्द्र रॉय और सार्थक चौधरी (संपादको) रेनु प्रकाशन 90, सैनिक बिहार, मोहन गार्डेन नई दिल्ली-990-059, पीपी 903-106

iii) जी0 के0 घोष, पी0 के0 विश्वास, एम0सी0कुन्डु, और सुचन्दा मण्डल (2016) भारत में तेलहन के उत्पादन को बढ़ाने के लिए कार्यक्रम और नीति इन पारिवारिक कृषि चुनोतियाँ और अवसर बीतन मण्डल, देवाशीष सरकार, सिद्धार्थ देव मुखोपाध्याय, सोमिक घोष, विधान चन्द्र रॉय और सार्थक चौधरी (संपादको) रेनु प्रकाशन 90, सैनिक बिहार, मोहन गार्डेन नई दिल्ली-110-059, पीपी 354-456

अनुसन्धान पत्र

i) पी0 के0 विश्वास,एम0 के0 भौमिक, सुचन्दा मण्डल, एम0सी0कुन्डु और जी0 के0 घोष (2015) विकास पर राइजोवियम, फास्फेट घुलित जीवाणु और एजोटोबिक्टर का सह क्रिया प्रभाव उड़द बीज और बीज पैदावार की ग्रन्थिक का विकास इन्टर एकाडमिसिया की पत्रिका 9(2) 200-205

ii) पी0 के0 विश्वास, एम0 के0 भौमिक, एम0 सी कुन्डु, सुचन्दा मण्डल ओर जी0 के0 घोष (2015) जैव खाद और फास्फोरस के समान स्तरीय विकास का जड़े हुए प्रयोग मसूर। लेन्स कूलिनेरिस मेडिकस) की ग्रन्थिक। पोषण अंतग्रहण और पश्चिम बंगाल लाल मोर लेटरीटिक मिट्टी में उत्पादन शैवाल और फसल की पत्रिका खन्ड 11 (ए) पीपी 29-32

iii) भट्ट, जे0 ए0 कुन्डु, एम0 सी0 हाजरा, जी0 सी और मण्डल, विश्वपति (2016) अल्पी सोल्स और इन्सेप्टीसाल का मिट्टी सम्पदा के सम्बन्ध में मिट्टी की अम्लीयता मिट्टी विज्ञान और पौधे विश्लेषण (अन्तर परीक्षण)

एन0 सी0 सरकार

पुस्तक / पुस्तक अध्याय

i) जैव स्त्रोत और तनाव प्रबन्धन मइती, आर0 के0 कुमारी, सी0 ए0 ठाकुर, ए0 सरकार, एन0सी0 सरकार द्वारा एक दृष्टिकोण स्पेनियल द्वारा सहमति।

अनुसंधान पत्र

i) आर0 के0 रोडरीगवेज, एच0जी0 कुमारी, सी0ए0 सरकार, एन0सी0 2016 वृहद और सूक्ष्म पोषक विषय वस्तु का अठारह औषधीय पौधे का डायबटीज कम करने में परंपरागत रुप से उपयोग तथा मेक्सिको के उतर पूर्व में न्युमोलिओन वनस्पति विज्ञान की पाकिस्तान पत्रिका 48 (1), 279-276

ii) रोडरीवेयेज, एच0डी0 मइती, आर, तेजीरीना, एच0ए0डी0, कुमारी, सी0ए0 सरकार, एन0सी0 2015, वृहद और सुक्ष्म पोषक विषय वस्तु का पच्चीस लकड़ी वाले पेड़ और मक्सिको के उतरपूर्व में झाड़ीदार जैव स्त्रोत और तनाव प्रबन्धन का अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका 6(3), 478-483

प्रीतम घोष

i) बनर्जी, महुआ, दास, तथागत, मलिक जी0 सी0, घोष, प्रीतम और मण्डल, बी0 (2015) स्थानान्त शुष्क मौसम चावल (ओराइजा सतीभा एल) का शैवाल के विरुद्ध वनस्पति नाशक की क्षमता भोजन सुरक्षा और अच्छा पर्यावरण के लिए विस्तृत और अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन गोष्ठी पर कृषि को कायम रखना। कृषक प्रशिक्षण और सम्मेलन केन्द्र (एफएसीसी) बी.सी.के.भी. कल्याणी, नदिया पश्चिम बंगाल में 17,18,2015 को आयोजित कृषिशास्त्र का विभाग विधानचन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, मोहनपुर-741-252, नदिया पश्चिम बंगाल, भारत पीपी 179-180

दूसरे प्रासंगिक सूचना

डी. पान्डा

i) क्रोशकीय और आणुविक जीव विज्ञान का विद्यालय के जीव विज्ञान का पूर्ण प्रशिक्षण, नई दिल्ली, 26 मई 2015 से 4 जुलाई 2015 तक।

ii) दूरवर्त्ती सचेतनता का काम अवधि का पाठ्यक्रम और जी0 आई0 सी0 का यू0 जी0 सी0 में –मानव संशोधन विकास केन्द्र, बर्दवान विश्वविद्यालय, 29 दिसम्बर 2015 से 4 जनवरी 2016 तक बर्दवान में आयोजित सानन्दा मण्डल जैव विज्ञान सम्बन्धी विज्ञान में पूर्ण पुनश्चर्या पाठ्यक्रम यूजीसी-एच आर डी सी के बर्दवान विश्वविद्यालय से पश्चिम बंगाल में 23 सितम्बर 2015 से 13 अक्टूबर 2015 तक आयोजित।

कृषि विस्तारण विभाग

कृषि आर्थिक व्यवस्था और कृषि संख्यिकी (ईईएस)

कृषि विस्तारण का विभाग, कृषि आर्थिक व्यवस्था और कृषि साख्यिाकी (ईईएस) के चार पालीशिक्षा भवन (कृषि का संस्थान) की स्थापना 1989 में हुई थी। इस विभाग के कार्यो की तीन प्रमुख विशेषता है शिक्षा, अनुसंधान और विस्तारण इस विभाग में मास्टर डिग्री कार्यक्रम कृषि विस्तारण और पी0 एच0 डी0 कार्यक्रम कृषि विस्तारण के विषय के माध्यम से विकल्प मौजूद है तथा कृषि विस्तारण और कृषि साख्यिाकि के भी विकल्प है। कृषि विस्तारण और कृषि की आर्थिक व्यवस्था विभाग की इकाई जड़े तौर पर प्रयोगिक सीखना विषय मुख्यत कृषि व्यवसाय प्रबन्धन और सामाजिक विज्ञान और तीन आरएडब्लू इ कार्यक्रम कृषि आर्थिक व्यवस्था और कृषि सांख्यिाकी भी छोटे और समर्यित पाठ्यक्रम जो कृषि व्यवस्था और एम0एस0सी0 में कृषि साख्यिाकी की जरुरत को भी पूरा करते है। ये सभी पाठ्यक्रम पाली शिक्षा के दूसरे विभाग मे होते है। वर्तमान में विभाग के शिक्षक नव परिवर्तनशील कार्य जो राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय संस्थान के माध्यम से विभिन्न परियोजना सहयोग के माध्यम से चल रहे है, उस कार्य मे लिप्त है। इनमे से बहुत परियोजनाएँ बहु अनुशासनीय और बहु संस्थागत प्रकृति के आधार पर है। शिक्षा में अपने ओर ध्यान आकर्षित करने वाले क्षेत्र और अनुसंधान विभाग जिसमें आनेवाले क्षेत्र जैसे कृषि व्यवसाय प्रबन्धन औद्योगिक विकास, कृषि नीति विश्लेषण, जीवनयापन विश्लेषण, प्राकृतिक स्रोत प्रबन्धन, लिग और शैक्षणिक मुद्दा, सूचना संचार तकनीक और अन्वेषणात्मक तथ्य विश्लेषण और प्रतिरूपण विभाग ने शहरी विस्तारण के कार्यो में जैसे किसानों में प्रशिक्षण की आवश्यकता खेतिहर औरत और ग्रामीण युवा इस क्षेत्र के जो गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर और एल0के0 एलमहेरिस्ट के सिद्धान्तों को मानते है। उनके लिए प्रशासनीय कार्य किये है। इस विभाग द्वारा छात्रो को प्रशिक्षण, वैज्ञानिक और विस्तारण कर्मचारी वर्ग को अनुभवजन्य ज्ञान और ग्रामीण सचेतन कार्य तजुर्बा (आरएडब्लूई) कार्यक्रम का कार्य किया है। किसानो और वैज्ञानिको का सम्मेलन गाँवो में छावनी लगाकर हर साल संगठित करना जिससे कि किसानो की समस्याओ से परिचित हो सके तथा उनकी समस्याओ के निवारण में मदद कर सके।

राष्ट्रीय अन्तर्राष्ट्रीय प्रमाणित कार्यक्रम/सम्मेलन गोष्ठी/कार्यगोष्ठी/प्रदर्शनी इत्यादि शिक्षको के साथ

सार्थक चौधरी

भोजन के लिए पारिवारिक कृषि को कायम रखने वाले पर राष्ट्रीय सम्मेलन गोष्ठी, पोषण और जीवनयापन सुरक्षा जो कृषि विस्तारण विभाग द्वारा संगठित, कृषि आर्थिक व्यवस्था और कृषि सांख्यिाकी पाली शिक्षा भवन, विश्व भारती, श्री निकेतन, 5 से 6 मार्च 2016 तक छोटे विषय संदेश (एस एम एस) के लिए भागीदारी संदेश विकास-ग्राहक अनुसधान के लिए एक नया यंत्र'', डॉ प्रबुद्धा रॉय और प्रोफेसर सार्थक चौधरी, स्वास्थ शिक्षा और महिला सशक्तिकरण का संक्षिप्त राष्ट्रीय सम्मेलन गोष्ठी किताब योजना और विकास के लिए ए0के0 दासगुप्ता द्वारा संगठित, आर्थिक व्यवस्था और राजनीति विभाग, विश्व भारती 20-21 नवम्बर 2015 सत्र-5, क्रमांक-2 विस्तृत नवीनीकरण : पहुँच के बाहर वाले किसानो तक पहुँचने के लिए नवीनकरण मिसाल में स्थान्तारित करना ''प्रबुद्धा रॉय और सार्थक चौधरी पारिवारिक कृषि कीयुनोतियाँ और अवसर पर एक संक्षिप्त राष्ट्रीय सम्मेलन गोष्ठी की किताब कृषि विस्तारण द्वारा संगठित कृषि आर्थिक सम्बन्ध और कृषि सांख्यिकी, पाली शिक्षा भवन (कृषि सस्थान) विश्व भारती, श्री निकेतन, वीरभूम 5 मार्च से 6 मार्च 2016 तक।

भारत में कृषि बीमा : एक ऐतिहासिक अनुप्रस्थ और मुद्दा गरीब किसानों के स्रोत विस्तारण प्रभाव से सम्बन्धित : प्रबुद्धा रॉय और सार्थक चौधरी पारिवारिक कृषि की चुनौतियाँ और अवसर पर राष्ट्रीय सम्मेलन गोष्ठी की सक्षिप्त पुस्तक कृषि विस्तारण विभाग के द्वारा संगठित, कृषि आर्थिक व्यवस्था और कृषि सांख्यिकी पालि शिक्षा भवन (कृषि की संथान), विश्व भारती श्री निकेतन, वीरभूम 5 मार्च से 6 मार्च 2016।

विधान चन्द्र रॉय

भोजन के लिए पारिवारिक कृषि को कायम रखने पर राष्ट्रीय सम्मेलन गोष्ठी, पोषण और जीवन यापन सुरक्षा, कृषि विस्तारण विभाग द्वारा संगठित, कृषि आर्थिक व्यवस्था और कृषि सांख्यिकी पालिशिक्षा भवन, विश्वभारती, श्री निकेतन 5 से 6 मार्च तक।

देवाशीष भट्टाचार्य

स्थायी चौड़ाई अन्तराल मापदंड का निर्धारण, तथा सांख्यिकी विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, वानी बिहार, भुवनेश्वर उड़ीसा अगस्त 6 2015 द्वारा स्थापित

जोखिम माडलिंग पर योजना : बायसियन और शास्त्रीय सन्निकर्ष के बीच तुलना : कृषि सम्बन्धी योजना और सुधार पर राष्ट्रीय सम्मेलन गोष्ठी, पालीचर्चा केन्द्र भारती, मार्च 30-31-2016 द्वारा स्थापित सौभिक घोष कृषि विस्तारण अनुसन्धान प्रणाली पर क्षमता बढाने का कार्यक्रम अन्तर्राष्ट्रीय भोजन पद्धति अुसंधान संस्थान और कृषि विस्तारण श्रेणी आई सी ए आर, नई दिल्ली, निमंत्रित सहभागी द्वारा संगठित।

तटीय कृषि के नवीनीकरण पर राष्ट्रीय विचार गोष्ठी-वर्तमानकालिक स्थिति और बदलते पर्यावरण का सामर्थ्य भारतीय समाज के क्षेत्रीय कृषि अनुसन्धान और आई सी ए आर भारतीय पानी प्रबन्धन संस्था भुवनेश्वर द्वारा संगठित 14 से 16 जनवरी 2016, तुलनात्मक सिचाई, कृषि, जीवनयापन संयोजन, तटीय एवम् बिना तटीय ओड़िसा और पश्चिम बंगाल के जिलो में तथा इनके द्वारा निमंत्रित पत्र आई सी आर प्रायोजित शीतविद्यालय शीत विद्यालय पर प्रणाली परिप्रेक्ष्य में विस्तारण अनुसन्धान आई सी ए आर द्वारा संगठित - राष्ट्रीय चावल अनुसन्धान संस्थान, कटक 2 से 22 फरवरी 2016 तक निमत्रित भाषण को उपस्थित करना अस्पष्ट सिद्धान्त किसानो से सम्बन्धित विकास के लिए तथा प्रयोग के आधार पर भोजन के लिए पारिवारिक कृषि को कायम रखने के लिए राष्ट्रीय सम्मेलन गोष्ठी, कृषि आर्थिक व्यवस्था और कृषि सांख्यिकी जीवित परिदृश्य और सिचाई के विकास और पूर्वी भारत के क्षेत्र में कृषि का मौखिक पत्र पर खोया हुआ सम्बन्ध।

सिद्धार्थ देव मुखोपाध्याय :

भोजन के लिए पारिवारिक कृषि को कायम रखने पर राष्ट्रीय सम्मेलन गोष्ठी, पोषण और जीवन यापन सुरक्षा कृषि विस्तारण विभाग, कृषि आर्थिक व्यवस्था और कृषि सांख्यिकी पालि शिक्षा भवन, विश्व भारती / श्री निकेतन 5 से 6 मार्च 2016 द्वारा संगठित

देवाशीष सरकार

भारत में बनाने (एम आई आई) पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीयता सम्मेलन गोष्ठी : अवसर और चुनौतियाँ आर्थिक विभाग विश्वविद्यालय और ए ई आर पी बिहार और झारखण्ड के लिए टी एम भागलपुर विश्वविद्यालय, बिहार जनवरी 29-30, 2016 द्वारा संगठित।

भोजन के लिए पारिवारिक कृषि विस्तारण पर राष्ट्रीय सम्मेलन गोष्ठी, पोषण और जीवन यापन सुरक्षा, कृषि विस्तारण विभाग, आर्थिक कृषि और कृषि सांख्यिकी, पाली शिक्षा भवन, विश्व भारती श्री निकेतन 5 से 6 मार्च 2016 द्वारा संगठित।

श्रीमती अनिन्दीता साहा

नवीनीकरणीय उर्जा पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन-विस्तारण और सेवा संस्था की सहायता करनेवाली संस्था का पर्यायवरण अध्ययन विभाग द्वारा संगठित, विश्व भारती 20-29 मार्च 2016 और उपस्थित पत्र

शिक्षा और विकास पर राष्ट्रीय सम्मेलन जीवनपर्यन्त सीखना और विस्तारण का विभाग कृषि आर्थिक व्यवस्था और कृषि सांख्यिकी 5 और 6 मार्च 2016 से और उपस्थित पत्र।

डी0 एस0 ढाकरे

भोजन के लिए पारिवारिक कृषि को कायम रखने के लिए राष्ट्रीय सम्मेलन गोष्ठी पाषण सुरक्षा ई एफ एस विभाग द्वारा और पी एस बी द्वारा संगठित विश्वभारती, श्री निकेतन 5-6 मार्च 2016 पश्चिम बंगाल में एम एस एक्सल का उपयोग करके उपवनशीत द्वारा बैगन का मूल्य भविष्यवाणी करने के लिए एक प्रदर्शन तैयार करना।

ग्रामीण दरिद्रता और कृषि से सम्बन्धित राष्ट्रीय सम्मेलन गोष्ठी ग्रामीण अध्ययन विभाग, विश्वभारती, श्री निकेतन द्वारा संगठित 30 से 31 मार्च 2016 तक पथ विश्लेषण पर प्रदर्शन तैयार करना एम एस एक्सल आसान कदमो के माध्यम से डॉ0 बी0 आर अम्बेडकर की प्रांसगिकता पर राष्ट्रीय सम्मेलन गोष्ठी तथा भारत में समग्र विकास एस सी एस0टी0, ओ बी सी द्वारा कर्मचारी कल्याणकारी संगठन विश्व भारती 14 अप्रैल 2016 पथ विश्लेषण एक प्रतिगमन माडल द्वारा संगठित भारत के समग्र विकास के लिए डॉ0 बी0 आर0 अम्बेडकर की प्रांसगिकता पर राष्ट्रीय सम्मेलन गोष्ठी विश्वभारती के कर्मचारी कल्याणकारी संगठन एस सी, एस टी, ओ बीसी द्वारा संगठित भारत के विभिन्न क्षेत्रों में अन्न उत्पादन का प्रवाह का एक अध्ययन

बीतन मण्डल

भोजन, पौषण और जीवन यापन सुरक्षा के लिए पारिवारिक कृषि को कायम रखने पर राष्ट्रीय, सम्मेलन गोष्ठी तथा कृषि आर्थिक व्यवस्था और कृषि सांख्यिकी पाली शिक्षा भवन, श्री निकेतन का 5 से 6 मार्च 2016 द्वारा आयोजित।

21 दिन आईसीए आर ग्रीष्मकालीन विद्यालय पर कृषि पर कृषि पर निर्णय लेने के लिए विशेष तकनीक 16 जुलाई 2015 से 5 अगस्त 2015 तक आई सी ए आर-एन आइ ए पी, डी पी एस मार्ग, नई दिल्ली

कादर अली सरकार

भोजन, पोषण सुरक्षा को कायम रखने के लिए पारिवारिक कृषि पर राष्ट्रीय सम्मेलन गोष्ठी, इएफ एस, पी एस बी बिभाग द्वारा संगठित, विश्व भारती श्री निकेतन 5-6 मार्च 2016

पश्चिम बंगाल में उपवन शीत पद्धति द्वारा एम एस एक्सल का उपयोग बैगन की मूल्य का भविष्यवाणी करने के लिए एक प्रदर्शनी का आयोजन डॉ.बी. आर अम्बेडकर की प्रासंगिकता पर राष्ट्रीय सम्मेलन गोष्ठी और समग्र विकास एस सी, एसटी, ओबीसी कर्मचारी कल्याणकारी संगठन 14 अप्रैल 2016 को विश्व भारती द्वारा संगठित अन्न उत्पादन की बढ़त भारत के विभिन्न क्षेत्रों में अध्ययन के लिए एक प्रदर्शनी का आयोजन

विभाग में अनुसन्धान परियोजना जारी

मुख्य अनुसन्धान परियोजना (अतिरिक्त प्रायोजित)

i) परियोजना का नाम - तीव्र गन्ना विकास परियोजना
ii) प्रायोजक - कृषि विभाग - पश्चिम बंगाल सरकार
iii) मूल्य : रू0 8,86,000/- 2015-2016 वर्ष
(iv) पीएल-डॉ0 सिद्धार्थदेव - मुखोपाध्याय

i) परियोजना का नाम - सामाजिक, आर्थिक संस्थान और लिंग का मुद्दा समय और जगह की विभिन्नता सिचाई प्रबन्धन में भारत में सुधार की आवश्यकता (पी एल के रुप में कार्यरत)
ii. प्रायोजक - चुनौती अनुसन्धान परियोजना वैज्ञानिक लाल बहादुर शास्त्री पुरस्कार, आईसीएआर
iii. मूल्य - रू0 30,00 लाख
iv. पी एल प्रोफेसर ‘सौभिक घोष’’

i. परियोजना का नाम-बाजार बुद्धिमता पर परियोजना जाल (पी एल सहयोग द्वारा कार्यरत)

ii. आईसीएआर - एन आई ए पी - प्रायोजक
iii. दाम - रू0 12.45 लाख
iv. पी.एल. डॉ. डी. सरकार पीएल सहयोग, प्रोफेसर बी0 सी0 रॉय और डॉ0 बीटन मण्डल
i. परियोजना का नाम – पूर्वी भारत में जलवायु परिवर्तन पर अतिसंवेदनशीलता : जीवनयापन संवेदनशीलता संस्थागत विश्लेषण और अनुकूलता विस्तारण तथा विस्तारण हस्तक्षेप (सह-पीएल के रुप में कार्यरत)
ii. प्रायोजक - आई सीए आर (कृषि विस्तारण विभाग)
iii. दाम - 99.40 लाख
iv. पी एल - प्रोफेसर सौभिक घोष, सह-पी0 एल प्रोफेसर बी0 सी0 रॉय और डॉ0 बीटन मण्डल
i. परियोजना का नाम - श्रृंखला मूल्य विश्लेषण विभिन्न दुग्ध उत्पादक पर्यावरण में पशु भोज्य उद्योग के प्रदर्शन की वृद्धि के लिए (सह-पी.एल.के रुप में कार्यरत)
ii. प्रायोजक - एन ए बी ए आर डी
iii. मूल्य - रू 9.5 लाख
iv. पीएल- डॉ. बीटन मण्डल

विभाग द्वारा बढ़ोत्तरी क्रियाविधि आयोजित

अपने प्रारम्भिक समय (टीओटी) से विभाग द्वारा तकनीक का स्थान्तरण जलवायु परिवर्तन और अनियमित वर्षा के कारण इस क्षेत्र के किसानो को फसलो के उत्पादन में पानी की कमी की समस्या का सामना करना पड़ता है। इसलिए विभाग ने ज्यादा से ज्यादा कोशिश उच्च मूल्यवान फसले जैसे सब्जियों और गन्ना और साथ-साथ कम पानी वाले फसले जैसे, तेलहन, दलहन फसले गेहूँ इत्यादि की तकनीक को स्थान्तरित करने का प्रयास किया है। वर्ष के रिपोर्टिंग के आधार पर विभाग ने कृषि प्रदर्शनी को लागू किया इसमे फूल गोभी, पत्ताभोगी पालनसाग, मूली, बैगन, टमाटर, लाल पत्ता गोभी, ब्रोकोली, फ्रेंचबीन, प्याज, खीरा, करेला, लालकद्दू, भिन्डी, किडनीबीन हरी मिर्च, सहजन डाठा प्रमुख हैं। कृषि प्रदर्शनी के अलावे लेन्टील और सरसों का भी उपयोग किया जाता है। सम्पूर्ण गन्ना उत्पादन परियोजना के आधार पर विभाग द्वारा लगातार गन्ना के शरदकालीन कृषि को प्रसिद्ध करने के लिए ग्रामीण, क्षेत्रों तथा उसके आस पास के क्षेत्रो में प्रचार करना और अच्छी मापदड के अभ्यास कर गन्ना उत्पादन करना और साथ-साथ गुड़ बनाने का अभ्यास करना इस तरह के प्रयास तथा वृद्धि क्रियाविधि काफी उत्साहित करने वाले है। शीत सब्जी और गन्ना का उत्पादन इस क्षेत्र में बेन्चमार्क सर्वेक्षण द्वारा लागू करना और एक क्वान्टम कूद के आधार पर पूर्ण विभाग या शिक्षाविद द्वारा शैक्षणिक दूरदर्शिता को बढ़ावा देना

विधानचन्द्र रॉय

राष्ट्रीय सम्मेलन गोष्ठी भोजन के लिये विस्तारण पारिवारिक कृषि, जीवन यापन और पोषणीय सुरक्षा ईई एस, पीएसबी, विश्वभारती श्री निकेतन 5-6 मार्च 2016 द्वारा संगठित।

संगठनकर्त्ता, रंजत जुबली उत्सव को मनाना सामाजिक विज्ञान का किरदार कृषि में ई ई एस और पेनल वार्तालाप विभाग द्वारा।

संपादक - सामाजिक विज्ञान की अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका, नई दिल्ली

उपसभापति, निम्न ट्रोडेनस विकास संगठन (रजिस्ट्रेशन नं0 एस/ टु एल / 29656 का 2014-2015)

8 पत्रिका के सौजन्य से (3 अन्तर्राष्ट्रीय और 5 राष्ट्रीय) जीवन सदस्य, कृषि आर्थिक व्यवस्था को भारतीय समाज, मुम्बई जीवन सदस्य, कृषि आर्थिक अनुसन्धान संगठन, नई दिल्ली।

सार्थक चौधरी

संरक्षक, मिट्टी स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय सेमिनार : जीवनधारण योग्य कृषि की कुज्जी (14.11.2015-15.11.2015), मिट्टी विज्ञान और कृषि रसायनशास्त्र भाग द्वारा आयोजित, पाली शिक्षा भवन (कृषि की संस्था), विश्व-भारती, श्रीनिकेतन, वीरभूम।

संरक्षक, जीवनधारण योग्य परिवार कृषिक्षेत्र भोजन के लिए पर राष्ट्रीय सेमिनार, ईईएस, पीएसबी के विभाग द्वारा आयोजित पोषक सुरक्षा, विश्व-भारती, श्रीनिकेतन, 5-6 मार्च 2016।

जीवन स्दस्य, विकसित शिक्षा का भारतीय समाज, कृषि विकास का विभाजन, टीएआरआई, नई दिल्ली

जीवन सदस्य, विकसित शिक्षा का भारतीय समाज, टीएनएयू, कोयम्बटूर पुनर्निरीक्षक, आर्थिक चर्चा, एनडी प्रकाशन, नई दिल्ली

पुनर्निरीक्षक, समाज विज्ञान का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, एनडी प्रकाशन, नई दिल्ली।

देवाशीष भट्टाचार्य

अमेरिकन स्टैटिस्टिकल एसोसिएशन

इंस्टिट्यूट ऑफ मैथेमेटिकल स्टैटिस्टिक्स यूएसए,

इंण्डियन स्टैटिस्टिकल इन्स्टिट्यूशन

कैलकेटा स्टैटिस्टिकल एसोसिएशन

इंण्डियन साइन्स कांग्रेस एसोसिएशन

उत्पत्ति गुण और विश्वस्तता के लिए भारतीय सभा

मैनेजिंग एडिटर ऑफ इंटरनेशनल जर्नल ऑफ स्टैटिस्टिक्स ऐण्ड मैनेजमेंट सिस्टम।

एडिटोरियम बोर्ड मेम्बर ऑफ जर्नल ऑफ दि इंडियन सोसाइटी ऑफ प्रोबौलिटी ऐण्ड स्टैटिस्टिक्स

पाली चर्चा का लेखिय उपदेशक बोर्ड सदस्य : ग्रामीण अध्ययन का भारतीय जर्नल।

सौविक घोष

बदलते पर्यावरण के अन्तर्गत पठारी कृषि-प्रवाह व्यवस्था और शक्ति में नवीन प्रवृत्ति पर ग्यारहवें राष्ट्रीय सिम्पोसियम में टेक्नोलोजी, जीवनीकरण, वृद्धि, महिला सशक्तिकरण और प्रभाव के स्थानान्तरण में टेकनिकल सेशन के लिए सह-सभापति, इण्डियन सोसाइटी ऑफ कोस्टल एगरीकल्चर रिसर्च और आईसीएआर-आईआईडब्लूएम द्वारा आयोजित, भुवनेश्वर 14 से 17 जनवरी 2016 से लेखक बोर्ड के सदस्य, सामुहिक युद्ध कार्य में प्रवृत्ति करण और जीवनधारा योग्य वृद्धि।

कृषि विकास का विभाग, आईएआरआई, नई दिल्ली (2012 अप्रैल से अब तक तारीख)

लेखीय बोर्ड का सदस्य, एरारीबिजनेस का एमाइटी जर्नल (2015 से अब तक तारीख)

पुनर्निरीक्षक, कृषि और भोजन अर्थशास्त्र, स्प्रींगर (2015-16)

पुनर्निरीक्षक, कृषि जल व्यवस्था, एलसेवियर (2015-16)

पुनर्निरीक्षक, कृषि अर्थशास्त्र निरीक्षण पुनर्निरीक्षक, आईसीएआर-एनआईएपी, नई दिल्ली (2015-16)

पुनर्निरीक्षक, बागवानी का भारतीय जर्नल, आईसीएआर-आईएआरआई, नई दिल्ली (2015-16)

पुनर्निरीक्षक, आर्थिक चर्चा, एनडी प्रकाशन, नई दिल्ली (2015-16) जीवन सदस्य, विकसित शिक्षा का भारतीय समाज, कृषि विकास का विभाजन, आईएआरआई, नई दिल्ली (29.03.1999 से)

जीवन सदस्य, विकसित शिक्षा का एशियन समाज (पहले विकसित शिक्षा का महराष्ट्र समाज) (16.08.2000 से,

एलएमएमएसईई/0173/2000), जीवन सदस्य, पठारी कृषि निरीक्षण का भारतीय समाज, सीएसएसआरआई क्षेत्रिय निरीक्षण स्टेशन, कैनिंग टाउन, पश्चिम बंगाल (13.04.2009) से, एलएम/282/09)

जीवन सदस्य, विकसित शिक्षा का समाज, आगरा, उत्तर प्रदेश, भारत (2.05.2009 से, एलएम 374)

जीवन सदस्य, सामुहिक युद्ध कार्य में प्रवृत्ति-करण जीवन धारण योग्य वृद्धि के लिए समाज, एटीआईसी, आईएआरआई, नई दिल्ली (17.07.2012 से, एलएम 688)

जीवन सदस्य, कृषि आर्थिक सभा, नई दिल्ली (जनवरी 2014 से, एलएम 750)

सिद्धार्थ देव मुखोपाध्याय

विकसित शिक्षा के भारतीय समाज का जीवन सदस्य नई दिल्ली,

विकसित शिक्षा के उड़ीया समाज का जीवन सदस्य, भुवनेश्वर

विकसित शिक्षा के समाज का जीवन सदस्य, आगरा

देवाशीष सरकार

सम्मानित मेहमान, यूजीसी प्रवर्तक राष्ट्रीय सेमिनार ''मेक इन इंडिया) (एमआईआई) : मौके और चुनौतियाँ, पर अर्थशास्त्र एवं एईआरसी के विभाग द्वारा आयोजित बिहार और झारखण्ड के लिए, टी एम भागलपुर विश्वविद्यालय, बिहार-29-30 जनवरी, 2016 के दौरान। अयोजक अधिकारी, ''जीवन धारा योग्य परिवार कृषि क्षेत्र भोजन के लिए, पोषक सुरक्षा'' पर राष्ट्रीय सेमिनार ईईएस विभाग द्वारा आयोजित, पीएसबी, विश्व-भारती श्रीनिकेतन, 5-6 मार्च 2016

मुख्य लेखक, आर्थिक चर्चा, नई दिल्ली

मुख्य लेखक, सामाजिक विज्ञान का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, नई दिल्ली

सहायक लेखक, एसजेएभीएस, असम

लेखिय बोर्ड सदस्य और पुनर्निरीक्षक, सामाजिक विज्ञान अध्ययन का जर्नल, यू एस ए

सदस्य, प्राकृतिक विपत्ति व्यवस्था कोशिका, विश्व-भारती

उपदेशक, इंस्टिट्यूट फॉर मोटिवेटिंग सेल्फ एम्पलॉयमेन्ट (आईएमएसई), कोलकाता

पुनर्निरीक्षक, विश्व वृद्धि, एल्सेबियर

जीवन सदस्य, कृषि अर्थशास्त्र का भारतीय समाज, मुम्बई

जीवन सदस्य, कृषि अर्थशास्त्र निरीक्षण सभा, नई दिल्ली

(श्रीमती) अनिन्दिता साहा

विकसित शिक्षा के भारतीय समाज का जीवन सदस्य, कृषि विकास का विभाजन, आईएआरआई, नई दिल्ली-12

विकसित शिक्षा के उड़ीया समाज का जीवन सदस्य, विकसित श्क्षिा का विभाग, कॉलेज ऑफ एगरीकल्चर, ओयूएटी, भुवनेश्वर 751003।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस सभा का जीवन सदस्य, 14, डॉ0 बिरेश गुहा स्ट्रीट, कोलकाता-17

जैव-स्त्रोत और तनाव व्यवस्था के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल का जीवन सदस्य, पुष्पा, प्रकाशन गृह, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

फलस औरवीड़ विज्ञान समाज का जीवन सदस्य, बीसीकेभी, मोहनपुर, नदिया, पश्चिम बंगाल

दिग्विजय सिंह ठाकरे

लेखिय बोर्ड का सदस्य, विकसित शिक्षा का भारतीय निरीक्षण जर्नल,

विकसित शिक्षा का समाज, आगरा, यूपी, भारत

लेखिय बोर्ड का सदस्य, जैव-स्त्रोत और तनाव व्यवस्था का अन्तर्राष्ट्रीय जनरल

जीवन सदस्य, विकसित शिक्षा का समाज, आगरा, उत्तर प्रदेश, भारत

बितान मण्डल

आयोजक समूह और कोषाध्यक्ष के सदस्य, ''भोजन के लिए जीवन धारण परिवार कृषि क्षेत्र, पोषक सुरक्षा'' पर राष्ट्रीय सेमिनार ईईएस विभाग द्वारा आयोजित, पीएसबी, विश्व-भारती श्रीनिकेतन, 5-6 मार्च 2016।

सदस्य, कृषि अर्थशास्त्र का भारतीय समाज, मुम्बई

सदस्य, कृषि अर्थशास्त्र निरीक्षण सभा, नई दिल्ली

लेखिय बोर्ड के सदस्य और जीवन सदस्य, जैव-स्तोत्र और तनाव व्यवस्था का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल।

जैव-स्त्रोत के समाज के जीवन सदस्य, पर्यावरण और कृषि निरीक्षण प्रकाशन अप्रैल 2015 से मार्च 2016 के अन्तर्गत

बिधान चन्द्र रॉय

निरीक्षण दस्तावेज जर्नल में।

1. रेटिंग माइक्रो फाईनेंस इंस्टिट्यूट ऑपरिटिंग इन इण्डिया : इन एप्लीकेशन ऑफ फुज्जी एनालिटिकल हाइरेरकीकल प्रोसस (एफएएचपी), आर्थिक चर्चा, विस्तार, वॉल्यूम 61(1) (आईएसएसएन : 0424-2513)
2. पश्चिम बंगाल में फल और सब्जी कार्य भाग पर पॉलिसी प्रभाव, आर्थिक चर्चा, विस्तार 61(1) (आईएसएसएन : 0424-2513)

किताब अध्याय

1. दिलरूबा खातुन और बी.सी. रॉय (2014) । जीवनीकरण भिन्नता : पश्चिम बंगाल से आंतरिकदृश्य इन.बी. मण्डल इटी. ए एल (एडस) परिवार कृषि क्षेत्र : चुनौतियाँ और मौके, रेणु प्रकाशन, (आईएसबीएन नम्बर : 978-93-85502-22-4)

किताब

2. स्ट्रेटेनिंग ऐण्ड मॉडर्नाइजेशन ऑफ पेस्ट मैनेजमेंट एप्रोच इन इण्डिया, एलएएमबीईआरटी ((आईएसएसएन : 978-3-659-69983-2)
3. फैमिलि फार्मिंग : चैलेन्जेज ऐण्ड ऑपरचुनिटिंग, रेणु प्रकाशन (आईएसबीएन : 978-93-85502-22-4)
4. साइनोप्टिक विउ ऑफ सस्टेनेबल फैमिलि फार्मिंग फॉर फुड, पोषक जीवन और जीवनीकरण सुरक्षा, नई दिल्ली, प्रकाशन

सार्थक चौधरी

जर्नल में निरीक्षण दस्तावेज

1. ''भारत में अंगूर-मदिरे में दृष्टि और चुनौतियाँ'', प्रबुद्ध रे और सार्थक चौधरी, संयुक्त वृद्धि का अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल (आईएसएसएन नम्बर : 2454-4132) विस्तार 1, न0 1, जून, 2015 पीपी 63-73।
2. ''भारतीय कृषि में चुनौतियाँ और आयोजक विकास के लिए इसका लपेट'', प्रबुद्ध रे और सार्थक चौधरी, सामाजिक विज्ञान का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल (प्रीट (आईएसएसएन नम्बर : 2249-6637) और ऑनलाइन (आईएसएसएन नम्बर : 2321-5771) विस्तार 4, नं0 2 एवं 3 जून एवं सितम्बर, 2015 पीपी.2011-215।
3. ''किसान कॉल सेन्टर, भारतीय कृषि विकास तरीके के लिए एक नया तरूपंक्ति'' डॉ0 प्रबुद्ध रे और प्रोफेसर सार्थक चौधरी, सामाजिक विज्ञान का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल (प्रींट आईएसएसएन नम्बर : 2249-6637 और ऑनलाइन आईएसएसएन नम्बर : 2321-5771), विस्तार 4, नं0 28 3 जुन एवं सितम्बर, 2015, पीपी 171-183।
4. ''नॉलेज गेन प्रोफाईल ऑफ दि एलिफेन्ट फूट याम ग्रोअर्स-आरकेभीके के ट्रेनिज के बीच एक अध्ययन, वीरभूम'',

डॉ0 प्रबुद्ध रे और प्रोफेसर सार्थक चौधरी, भारतीय कृषियज्ञ (आईएसएसएन नम्बर : 0019-43636), विस्तार 59, नं0 1, 2015, पीपी 47-53।

5. ''इकोनोमिक लिबरलाईजेशन ऐण्ड एगरीकल्चरल पॉलिसिज इन दि कन्टेक्स्ट ऑफ प्लानिंग, डॉ0 प्रबुद्ध रे और प्रोफेसर सार्थक चौधरी आर्थिक चर्चे (प्रिंट आईएसएसएन नम्बर : 0424-2513 और ऑनलाइन आईएसएसएन नम्बर : 0976-4666), विस्तार 60, नं0 3 सितम्बर, 2015, पीपी 505-515।

किताब अध्याय

1. ''संयुक्त नवीन प्रवर्तन : ए शिफ्ट इन इनोवेशन पैराडिज्म्स फॉर रिचिंग दि अन रिचड फार्मर्स'' प्रबुद्ध रे और सार्थक चौधरी, परिवार कृषि क्षेत्र चुनौतियाँ और मौके (आईएसबीएन नम्बर : 978-93-85502-22-4), बितान मण्डल, देवाशीष सरकार, सिद्धार्थ देव मुखोपाध्याय, सौविक घोष, बिधान चंद्रा रॉय और सार्थक चौधरी द्वारा लिखित, रेनु प्रकाशन, नइ दिल्ली, 2016, पीपी 252-266।
2. ''भारत में फसल बीमा : स्त्रोत गरीब किसानों के लिए एक ऐतिहासिक व्यतस्त और विकास प्रयास संबंधित समस्या'' प्रबुद्ध रे और सार्थक चौधरी : परिवार कृषि क्षेत्र चुनौतियाँ और मौके (आईएसबीएन नम्बर : 978-93-85502-22-4), बितान मण्डल, देवाशीष सरकार, सिद्धार्थ देव मुखोपाध्याय, सौविक घोष, बिधान चन्द्र रॉय और सार्थक चौधरी द्वारा लिखित, रेनु प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016, पीपी 328-338।

देवाशीष भट्टाचार्य

जर्नल में निरीक्षण दस्तावेज

1. बायेस, फ्रिक्वेन्टिस्ट और, कम्बाईन्ड फ्रेमवर्क्स के अन्तर्गत प्रतियोगी गणना वालो के पेशकस पर (2015) गणितीय और व्यवस्था विज्ञान का अमेरिकन जर्नल, विस्तार 34, 265-288, आईएसएसएन : 0196-6324। टेलर और फ्रांसीस)
2. ऑन कंनस्ट्रेन्ड रिलाई बिलिटी मैक्सीमाईजेशन यूजिंग एक्टिव रिडनडेन्सी इन कोहेरेन्ट सिस्टम्स वीथ नन-ओवरलैपिंग (2015), इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑप्टीमाइजेशन ऐण्ड कंट्रोल : थियोरिज ऐण्ड एप्लीकेशन, विस्तार : 5, पीपी 33-39, आईएसएसएन : 2146-0951।
3. रोल ऑफ इम्पोर्टेन्स मिजर्स इन रिडनडेन्सी एलोकेशन इन कोहेरेन्ट सिस्टम्स (2015), इन इनोवेटिव क्वेस्ट इन मैनेजमेंट ऐण्ड जेस्ट इन इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी इन मॉडर्न एरा, अध्याय 34, पीपी 216-221, सफल प्रकाशन (आईएसबीएन : 978-93-84916-66-4)
4. वर्तमान दशक के लिए व्यवस्था का कला और विज्ञान, रिडनडेन्सी एलोकेशन प्रोबल्म अण्डर डिपेन्डेन्स सेट अप (2015), पीपी.9-14, आईटीएम विश्वविद्यालय, रायपुर, आईएसबीएन 81-89244-63-9
5. एक्टिव रिडनडेन्सी एलोकेशन इन मल्टी-कम्पोनेंट कोहेरेन्ट सिस्टम्स यूजिंग बीर्नबौम स्ट्रक्चरल इम्पोर्टेन्स मिजर (2015), इन इनहैंसिंग एम्पलॉयबिलिटी थ्रू स्किल डेवेलपमेंट प्रोग्राम, पीपी 155-161, शार्प पब्लिकेशन प्राइबेट लिमिटेड, (आईएसबीएन : 978-93-5158-172-7)

सौविक घोष

जर्नल में निरीक्षण दस्तावेज

1. 'उड़ीसा में दासपल्ला क्षेत्र में फसल योजना के लिए प्रोबेबिलिटी विभाजन और मार्कोव चेन मॉडल्स का उपयोग करके वर्षा का विघटन', थियोरिटिकल ऐण्ड एप्लाइड क्लाइमैटोलॉजी (स्प्रींगर) 2015, विस्तार 121 (3-4), पीपी 517-528।
2. 'पश्चिम बंगाल में सिचाई, कृषि, जीविका स्तर और पोबर्टी सिनेरियों में सम्बन्ध, विकसित शिक्षा का भारतीय जर्नल,

2015, विस्तार 51 (3-4), पीपी-1-8

3. टैंक्स और कुँओं का उपयोग करके सतह और भूमिजल के संरक्षण द्वारा एक कैनाल कमांड में जल उत्पत्ति बढ़ाना, आईडब्लूआरए (भारत) जर्नल (भारतीय भौगोलिक समूह का अर्द्धवर्षीय टेकनीकल जर्नल आईडब्लूआरए का, विस्तार, 4(1), पीपी 3-9।

किताब अध्याय

1. ''पूर्वी भारत में सिंचाई और कृषि विभाग के जीविका दृश्य और वृद्धि के बीच छुटता सम्बन्ध'', परिवार कृषिक्षेत्र: चुनौतियाँ और मौके, आदि बी.मण्डल इटी एएल. रेनु प्रकाशन, नई दिल्ली, 2015 : 421-429, आईएसबीएन : 978-93-85502-22-4।
2. ''छत्तीसगढ़ में ग्रामीण औरतों के सशक्तिकरण पर एसएचजीएस का प्रभाव''। परिवार कृषि क्षेत्र : चुनौतियाँ और मौके, ईडी बी. मण्डल इटी ए एल, रेनु प्रकाशन, नई दिल्ली, 2015 : 394-406।
   आईएसबीएन : 978-93-85002-22-4
3. ''मेघालय में स्वमदद समूह द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण प्रभेदकारी कारक'', परिवार कृषिक्षेत्र : चुनौतियाँ और मौके, ईडी, बी.मण्डल इटी ए एल., रेनु प्रकाशन, नई दिल्ली, 2015 : 480-485। आईएसबीएन : 978-93-85502-22-4

सिद्धार्थ देव मुखोपाध्याय

जर्नल में निरीक्षण दस्तावेज

1. के.भी.के. ट्रेनिंग की एक तरफ जाति किसानों का दृश्य, आर्थिक चर्चा : 60 (4) (आईएसएसएन : 0424-2513)
2. असम के धुबरी जिले के सब्जी उत्पादकों के व्यापारिक व्यवहार, विकासित शिक्षा, (आईएसएसएन : 0976-8246)।

किताब अध्याय

1. महिला सब्जी उत्पादकों के बीच कंन्स्ट्रेंटस के व्यापारिक व्यवहार और दृश्य का स्तर, परिवार कृषि क्षेत्र में : चुनौतियाँ और मौके (ईडीएस. बी.मण्डल इटी ए एल.), रेनु प्रकाशन (आईएसबीएन : 978-93-85502-22-4)।
2. विभिन्न कृषि सूचना को छितराने में वृद्ध आफिसरों द्वारा आईसीटी पोर्टल्स के विकसित उपयोग पर अध्ययन। परिवार कृषि क्षेत्र : चुनौतियाँ और मौके (ईडीएस बी.मण्डल इटी ए.एल) रेनु प्रकाशन (आईएसबीएन : 978-93-85502-22-4)
3. एग्रो-सेक्टर्स में कृषि क्षेत्र महिलाओं का भाग लेना : बिहार के नालन्दा जिले में एक अध्ययन। परिवार कृषि क्षेत्र में : चुनौतियाँ और मौके (ईडीएस बी मण्डल इटी ए एल) रेनु प्रकाशन (आईएसबीएन : 978-93-85502-22-4)

किताब :

1. परिवार कृषिक्षेत्र : चुनौतियाँ और मौके, रेनु प्रकाशन (आईएसबीएन : 978-93-85502-22-4)

देवाशीष सरकार

जर्नल में निरीक्षण दस्तावेज

1. पश्चिम बंगाल और बिहार में लोकल बाजार सभा का विघटन, आर्थिक चर्चे, 60(4) (आईएसएसएन : 0424-2513)
2. पश्चिम बंगाल में मुख्य अन्नों की वृद्धि पर अध्ययन, आर्थिक चर्चे : 60(1) (आईएसएसएन : 0424-2513)

किताब अध्याय :

1. कैपिटल मैनेजमेंट इन एगरिबिजनेस। इन एगरीबिजनेस मैनेजमेंट : ए ट्रेनिंग मैनुअल (ईडीएस सिंह, आर और फिरोज, एस.एम), बायोटेक बुक्स (आईएसबीएन : 978-81-7622-350-8)
2. एगरीबिजनेस का महत्व, मात्रा और स्कोप। इन एगरीबिजनेस मैनेजमेंट : ए ट्रेनिंग मैनुअल (ईडीएस सिंह आर और फिरोज, एस.एम), बायोटेक बुक्स (आईएसबीएन : 978-81-7622-350-8)
3. त्रिपुरा के पश्चिम त्रिपुरा जिले में किसानों के जीवनीकरण को बढ़ाने के लिए एसआरआई का जीवनधारण योग्य और आर्थिक लाभ। परिवार कृषि क्षेत्र में : चुनौतियाँ और मौके (ईडीएस बी.मण्डल इ.टी, ए एल), रेनु प्रकाशन (आईएसबीएन : 978-93-85502-22-4)

किताब :

1. भारत में पेस्ट व्यवस्था प्रस्ताव को बढ़ाना और लैम्बर्ट लघुनिकिरण, (आईएसएसएन : 978-3-659-69983-2)
2. बीजीआरईआई योजना के अंतर्गत चावल एवं गेहूँ फसलों का उत्पादन, लैम्बर्ट (आईएसएसएन : 978-3-659-69971-9)
3. परिवार कृषि क्षेत्र : चुनौतियाँ और मौके, प्रकाशन (आईएसबीएन : 978-93-85502-22-4)
4. भारत में खाद्य सुरक्षा, नई दिल्ली प्रकाशन (आईएसबीएन : 978-93-85503-09-2)
5. मनुष्य अधिकार : भूमिका और चुनौतियाँ, नई दिल्ली प्रकाशन (आईएसबीएन : 978-81-85503-07-2)

श्रीमती अनिन्दिता साहा

जर्नल में निरीक्षण दस्तावेज

1. परमगुरू एस.साहा, साहा ए., महापात्रा एस.और रे पी. (2015), गन्ने में संविदा कृषि क्षेत्र और किसानों का प्रतिक्रिया उड़ीसा में एक अध्ययन, ग्लोबल जर्नल ऑफ साइन्स फ्रन्टायर रिसर्च : डी एगरीकलचर ऐण्ड वेटेरीनरी, विस्तार : 15, इशू: 4, डलब पीयर रिवियुड इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल, ऑनलाइन आईएसएसएन : 2249-4626 एवं प्रिंट आईएसएसएन : 0975-5896।

किताब अध्याय

1. अवेटेड एससी, साहा ए, सुब्बा एस और सुब्बा आर, (2016) फसल बीमा की अनुपस्थिति : महाराष्ट्र के अकोला जिले में प्याज किसानों द्वारा सामना किया गया एक मुख्य रूकावट परिवार कृषि क्षेत्र में : चुनौतियाँ और मौके ईडीएस बी. मण्डल, सरकार डी. मुखोपाध्याय एस डी घोष एस रॉय बी सी और चौधरी एस पी पी 358-356, आईएसबीएन : 978-93-85502-22-4, रेनु प्रकाशन, नई दिल्ली
2. साहा ए., (2016), मैपिंग ऑफ डेयरी नॉलेज इनफॉरमेशन सिस्टम, परिवार कृषि क्षेत्र में : चुनौतियाँ और मौके ईडीएस मण्डल बी, सरकार डी, मुखोपाध्याय एस डी, घोष एस, रॉय बीसी और चौधरी एस पीपी 375-381, आईएसबीएन : 978-93-85502-22-4 रेनु प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. सुब्बा एस. साहा ए और अवेटेड एस सी, (2016), चिली उगाने वाले कणों के विधि से संबंधित रूकावट-सिक्किम में एक अध्ययन, परिवार कृषि क्षेत्र में : चुनौतियाँ और मौके। लेखक मण्डल बी., सरकार डी, मुखोपाध्याय एस.डी.घोष, एस.रॉय बी.सी. और चौधरी एस, पीपी 467-742, आईएसबीएन : 978-93-85502-22-4, रेनु प्रकाशन, नई दिल्ली

किताब :

1. भट्टाचार्य (विश्वास) एस, साहा ए और दास गुप्ता, जीवन धारण योग्य वृद्धि तीसरे स्तर पर्यावरण अध्ययन द्वारा, एगरोबायोस प्रकाशन, जोधपुर, आईएसबीएन : 978-81-7754-627-9

2. सतपती बी,साहा ए और दास गुप्ता डी, ग्रामीण जीवनी-करण तरीके के व्यवस्था के लिए टेक्नोलॉजीकल इंटरवेंशन, एगरोबायोस प्रकाशन, जोधपुर, आईएसबीएन : 978-81-7754-626-2

दिग्विजय सिंह ठाकरे

जर्नल में निरीक्षण दस्तावेज

1. सोमा भट्टाचार्य बिश्वास, अनिन्दिता साहा, दिग्विजय सिंह ठाकरे और देवब्रता दासगुप्ता, पश्चिम बंगाल के कैम्पस आधारित संस्थाओं में ''पर्यावरण अध्ययन'' जरूरी तीसरे स्तर की ओर शिक्षको की अवस्था, 2015, जर्नल ऑफ नॉर्थइस्ट परिजन (जेओएनईआर), विस्तार 2 नं0, पेज 236-243।
2. प्रामाणिक ए के बेरा, बी के सारेन और डी एस ठाकरे। पश्चिम बंगाल लैटरीटीक बेल्ट के अतर्गत उपजे हाइब्रीड चावल ओराइजा सैटीवा.एल) पर नाइट्रोजन और फाइटोहार्मोन्स का प्रभाव, जैव-स्त्रोत के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 2015, पर्यावरण और कृषि विज्ञान, विस्तार एल नं0 2: 1-7
3. डी पान्डा, ए सेन, डी एस ठाकरे और एस मण्डल, कुछ बढ़े हुए का सहसंबंध विघटन, फिजियोलॉजीकल पैरामीटर्स, यील्ड ऐण्ड थील्ड स्ट्रीब्यूटस ऑफ चीक पी (सीकर एरीटीनम एल), 2015, जैव-स्त्रोत का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, पर्यावरण और कृषि विज्ञान, विस्तार 1, नं0 3:90-96
4. डीएस ठाकरे, के ए सरकार और एस मन्ना, एमएस एक्सेल का उपयोग करके पश्चिम बंगाल में हॉल्ट विन्टर्स विधि द्वारा बैंगन का फोरकास्ट दाम, जैव-स्त्रोत का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 2016 पर्यावरण और कृषि विज्ञान 2 नं0 1 : 232-236

बितान मण्डल

जर्नल में निरीक्षण दस्तावेज

1. मासुमेह एन जादेह, बितान मण्डल, राका सक्सेना एवं स्मिता सिरोही ''नेचर ऑफ प्रोडक्टस इन इरानियन ट्रेड बासकेट'' 2015, जैव-स्त्रोत का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, पर्यावरण और कृषि विज्ञान (जून 2015 इशु), विस्तार 1 नं0 2, पेज : 21 से 31
2. बितान मण्डल एवं स्मिता सिरोही, ''कैपिटलाईजिंग गेन्स फ्रॉम डेयरी ट्रेड: एक्सकैवेटिंग दि मार्केट पोटेन्सियल'', 2015, आर्थिक चर्चे (दिसम्बर 2015 इशु), बिस्तार 60 नं0 4, पेज 637 से 646

किताब अध्याय

2. बितान मण्डल एवं स्मिता सिरोही, ''परफॉरमेन्स ऑफ इण्डियन डेयरी इंडस्ट्री अण्डर वैरिंग पॉलिसी रिजाइम : इम्पलीकेशन्स फॉर स्मॉलहोल्डर फैमिलि फार्मर्स'' परिवार कृषि क्षेत्र में : चुनौतियाँ और मौके (2016) रेनु प्रकाशन द्वारा प्रकाशित, नई दिल्ली पेज 198 से 208, आईएसबीएन : 978-93-85502-22-4

किताब

1. परिवार कृषिक्षेत्र : चुनौतियाँ और मौके, रेनु प्रकाशन (आईएसबीएन : 976-93-85502-22)

कादर अली सरकार

जर्नल में निरीक्षण दस्तावेज

1. डी.एस. ठाकरे, के.ए. सरकार और एस. मन्ना, एमएस एक्सेल का उपयोग करके पश्चिम बंगाल में हाल्ट विन्टर्स विधि द्वारा बैंगन का फॉरकास्ट दाम, जैव-स्त्रोत का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, पर्यावरण और कृषि विज्ञान, 2016 विस्तार 2 नं0 1:232-236।

2015 के दौरान विभाग द्वारा आविष्कारित नये कोर्स करिकुलम विभाग ने पहले से ही कृषि अर्थशास्त्र के विषय में दो वर्षीय

मास्टर डिग्री कोर्स के प्रस्ताव (बीओएस, ईईएस विभाग द्वारा प्रशंसित) के लिए कदम बढ़ाया गया और स्थायी को अलग करने ईईएस के गठित विभाग को तीन स्वतंत्र विभाग जैसे, कृषि विकास विभाग, कृषि अर्थशास्त्र विभाग और कृषि स्टैटिस्टिक्स विभाग, विभाग ने एक स्व-आर्थिक एमबीए योजना को एगरी-व्यापार में उद्योग एवं अन्य यौगिक सहायकों के साथ सम्मिलित होकर आविष्कारित करने के लिए भी कदम उठाये। पहली बार, विभाग ने स्पष्ट सूचना के साथ अपना वेबसाइट बढ़ाया और इस साल के दौरान उसके जैसा ही लॉन्च किया (डब्लूडब्लूडब्लू.डेप्टोफीस.निक.इन)

वृद्धि के लिए भविष्य योजनायें

विभाग के ऑडियो-विजुअल लेबोरेटरी को आधुनिक यंत्र और साफ्टवेयर के साथ आधुनिक करने के लिए प्रयास किये जा रहे हैं। विभाग आरकेभीके के साथ सम्मिलित होकर एक टेक्नोलॉजी पार्क स्थापित करने की योजना भी बना रहा है और स्थायी डेमोनस्ट्रेशन इकाई और लेबोरेटरी को पास के भविष्य में बढ़ाने की सोच रहा है। विभाग तीन गोद लिए गाँवों, एक प्रत्येक समुदाय में, विश्वविद्यालय के अन्य विकसित इकाइयों के साथ मिलकर, को बढ़ाने का भी योजना करता है। प्रयास विभाग के सेमिनार हॉल को भी बढ़ाने के लिए किया जा रहा है।

कोई अन्य यौगिक सूचना, जो विभाग के उच्च अधिकारी के नजर में विज्ञापन योग्य है :

विभाग ने ''जीवनधारण योग्य परिवार कृषि क्षेत्र भोजन, पोषकीय एवं जीवनीकरण सुरक्षा के लिए'' पर 5-6 मार्च 2016 को एक राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया करूणा-सेचेन, द्वारा सह-प्रवर्तक, बोध गया बिहार। कई सम्मानित जैसे प्रोफेसर स्वप्न कुमार दत्ता, वाईस-चान्सलर विश्व-भारती, स्वामी आत्मप्रीयानंदा, वाईस-चान्सलर, रामकृष्ण मिशन, विवेकानंद विश्वविद्यालय प्रोफेसर अभीरुप सरकार, आईएसआई, कोलकाता, प्रोफेसर सुजीत कुमार बासु, पूर्व वाईस-चान्सलर, विश्व भारती, प्रोफेसर सबुजकोली सेन, निर्देशक, एसईईआईआर, आईसीएआर संस्था से विभिन्न डेलीगेट्स के साथ, एसएयूएस, सीयूएस, अन्य विश्वविद्यालय और निरीक्षण संस्था, एनजीओ$_3$, करूणा-सेचेन, फ्रांस, करूणा सेचेन, नेपाल, करूणा सेचेन, बोध गया, बिहार सेमिनार में सम्मिलित हुई। 110 दस्तावेजों से ज्यादा जमा किया गया ओर इसमें से 62 दस्तावेज सेमीनार में प्रस्तुत किये गये। सेमिनार की शाम को, आयोजक भाग लिये हुये के द्वारा जमा किये गये दस्तावेजों में से आईएसबीएन संख्या के साथ दो किताबें प्रकाशित किये। किताबों के नाम (1) परिवार कृषि क्षेत्र : चुनौतियाँ एवं मौके और (2) साइनोण्टीक विउ ऑफ ससटेनेबल फैमिलि फारमिंग फॉर फुड, न्यूट्रीशनल एवं लिवलीहुड सिक्योरिटी

कृषि विकास विभाग, कृषि अर्थशास्त्र और कृषि स्टैटिस्टिक्स (ईईएस) ने भी 7 मार्च, 2016 को विभाग के सिल्वर जुबली उत्सव को आयोजित किया। सिल्वर जुबली के स्मरणार्थ उत्सव को मनाने के लिए कृषि में समाज विज्ञान की भूमिका एवं एक बैठक चर्चा आयोजित हुआ था : भूतकाल, वर्तमान और भविष्य। इसके अलावा, उपस्थित विद्यार्थी और भवन के स्टाफ, कई सम्मानित जैसे प्रोफेसर रंजीत सामन्ता, पूर्व वाईस-चान्सलर, बिधान चन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, प्रो0 डी.दासगुप्ता, पूर्व वाईस-चांसलर, बिधान चंद्र कृषि विश्वविद्यालय, प्रोफेसर काजी एम बी रहीम एवं प्रोफेसर शिवाजी चक्रवर्ती, पूर्व डीन, कृषि संस्था, विश्व-भारती, और कई एक्स-स्टॉफ, एक्स-विद्यार्थी ने सिल्वर जुबली उत्सव मनाया।

विभाग शिक्षा, निरीक्षण और विकसित क्रियाओं में अपने बेहतरीन पेशकस के रिकॉर्ड को बनाये रखने में योग्य था, स्थान, बजट, आंतरिक गठन ओर अशिक्षक स्टाफ के उपस्थिति में रूकावट झेलने के बावजूद भी। वर्ष के दौरान, छ: पीएचडी विद्यार्थियों ने अपना सिद्धान्त जमा किया और पाँच पीएचडी विद्यार्थियों को डिग्री से पुरस्कृत किया गया। इस वर्ष, विभाग से कुल पाँच निरीक्षण विद्वान अपने डॉक्टोरल निरीक्षण कार्य के लिए राजीव गाँधी फेलोशिप प्राप्त किये। विभाग के परम्परा के अनुसार, विभाग के कोषाध्यक्ष सदस्य अंतिम वर्षीय यूजी विद्यार्थियों को गाईड किये और समाज विज्ञान में आईसीएआर-जेआरएफ के उद्देश्य के लिए एक नियमित आधार पर मुख्य कक्षायें भी प्रवाहित किये जो कि राष्ट्रीय स्तर जाँच में 100%

सफलता की ओर पहुँचाता है। जैसे आई सी ए आर - जे आर एक जैसे पिछले साल, इस वर्ष भी विभाग द्वारा किसानों के लिए (कैम्पस पर और कैम्पस के बाहर) तरह-तरह के क्षेत्र निरीक्षण और कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। विभाग ने बाहरी प्रायोजित योजनाएँ को बहुत ही अच्छे तरीके से प्रदर्शित किया है। इसके अलावा अन्तर्राष्ट्रीय प्रकाशन, बढोतरी क्रियाविधि और पद्धति को दूसरे विभाग और संस्थाओं का संयोजन अत्यधिक अच्छे तरीके से प्रदर्शित किया है।

क्रॉप इम्प्रुवमेंट हॉर्टिकल्चर ऐण्ड एगरीकल्चरल बॉटनी (सीआईएचएबी) का विभाग

यूजीसी/सीएसआईआर / नेट/स्लेट/ और गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण विद्यार्थियों के नाम -

श्रीमान रतन दास (पीएचडी विद्वान)

भागी सेमिनार (वक्ता, सेमिनार का शीर्षक, तारीख)-नील

पृष्ठ रूप से शिक्षकों/विद्वानों द्वारा सम्मिलित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर सभा/सेमिनार/वर्कशॉप/प्रदर्शनी इत्यादि:

पार्थ सारथी मुन्शी

10-12 फरवरी 2016 : सफलता के लिए बागबानी विभिन्नता पर राष्ट्रीय सेमिनार, ओयूएटी, भुवनेश्वर, उड़ीसा मैनेजमेन्ट इन पोस्टहाईर्वेस्ट सिस्टम्स ऑफ हॉर्टिकल्चरल क्रॉप्स : एक भारती दृश्य' में भाग लिए और भाषण प्रस्तुत किये और पोस्ट हार्वेस्ट मैनेजमेंट पर टेक्नीकल सभा का सभापतित्व किये।

स्नेहाशीष चक्रवती :

20-21 मार्च, 2016 : रिनुयेबल एनर्जी - एक्सटेंशन ऐण्ड आउटरिच पर अंतर्राष्ट्रीय सभा, भारती, पश्चिम बंगाल, स्टडीज ऑन एनर्जी यूज एफीसियेन्सी ऐण्ड इकोनोमिक इवैलूएशन ऑफ फ्रेंच बीन कल्टीवेशन अण्डर मल्चींग कंडीशन'' पर भाषण प्रस्तुत किये और भाग लिये।

गौतम मण्डल

8-10 अक्टूबर, 2015 : मिट्टी स्वास्थ्य व्यवस्थ्य और खाद्य सुरक्षा : मिट्टी विज्ञान निरीक्षण और शिक्षा की भूमिका, पर राष्ट्रीय सेमिनार, कोलकाता में मिट्टी विज्ञान के भारतीय समाज द्वारा आयोजित, ''एलिलोपेथी : ए पोटेन्शियल टूल ऑफ क्रॉपिंग सिस्टम ऐण्ड क्रॉप इम्प्रुवमेंट'' में भाग लिये और एक दस्तावेज प्रस्तुत किये।

5-7 नवम्बर, 2015 : हील और अपलैण्ड हॉर्टीकल्चर के जीवन धारण योग्य वृद्धि के लिए अगले पीढ़ी प्रस्ताव पर अतर्राष्ट्रीय सिमपोसियम, बागबानी विभाग द्वारा आयोजित, सिक्किम विश्वविद्यालय गंगटोक, सिक्किम, भारत: ''स्टडीज ऑन प्रिपेरेशन ऑफ रेजिन फ्रॉम ग्रेप वीथ डिफरेंट प्रोसेसिंग ट्रिटमेंटस'' में भाग लिए और एक दस्तावेज प्रस्तुत किये।

जयदीप मंडल

8-10 नवम्बर 2015 : मिट्टी स्वास्थ्य व्यवस्था और खाद्य सुरक्षा : मिट्टी विज्ञान निरीक्षण और शिक्षा की भूमिका'' पर राष्ट्रीय सेमिनार, आईएसएसएस-कोलकाता अध्याय और एनबीएसएस एवं एलयूपी द्वारा आयोजित, कोलकाता, ''खरीफ प्याज (एलियम सेपा एल) में ऑरगेनिक और इनऑरगेनिक पौधे पोषणों का प्रभाव'' पर एक प्रस्तुति दिये।

5-7 दिसम्बर 2015, ''ससटेनिंग हील एगरीकल्चर इन चेंजिंग क्लाईमेट'' पर राष्ट्रीय सेमिनार, इण्डियन एसोसिएशन ऑफ हिल फारमिंग द्वारा आयोजित, मेघालय, अगरतल्ला में भारत, त्रिपुरा, ''फॉलिअर एप्लीकेशन ऑफ माइक्रोन्यूट्रीयेंटस इन फ्रेंच बिन'' पर एक प्रस्तुति दिये।

प्रहलाद देव

20-21 मई, 2015 : छोटे। सूक्ष्म फलों, औषिधीय एवं एरोमेटिक पौधे स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सिम्पोसियम बांग्लादेश, ''वुड ऐपल-डाइवर्सिटी ऐण्ड इवेलूएशन ऑफ फाइटो-न्यूट्रीयेंटस'' और ''प्रोसेसिंग ऐण्ड वैल्यू एडिशन ऑफ कसटर्ड एपल'' पर दो दस्तावेज प्रस्तुत किये।

''प्रि ऐण्ड पोस्ट हार्वेस्ट मैनेजमेंट फॉर इन्हैंस्ड फ्रुट प्रोडक्सन'' पर आईसीएआर प्रवर्त्तक 21 दिन राष्ट्रीय ट्रेनिंग योजना में

भाग लिए, 9-29 दिसम्बर, 2015, बागबानी (फलों) में अग्रिम कोषाध्यक्ष ट्रेनिंग के लिए केंद्र, बागबानी विभाग, महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ, राहुरी महाराष्ट्र।

परेश चंद्र कोलि

नील

अमीताव पॉल

नील

निहार रंजन चक्रवर्ती

14-15 नवम्बर, 2015 : ''स्वॉयल हेल्थ : कि टू ससटेनेबल एगरीकल्चर (एसएचकेएसए)'' पर राष्ट्रीय समिनार मिट्टी विज्ञान और कृषि रसायन शास्त्र द्वारा आयोजित, पाली शिक्षा भवन (कृषि संस्था), विश्व-भारती, श्रीनिकेतन, ''बायोटेक्नोलॉजिकल एप्रोचेज टू प्रोडयूस क्लाईमेट रेडि क्रॉप फॉर फूड सिक्योरिटी'' में भाग लिये और निरीक्षण दस्तावेज प्रस्तुत किये।

4-5 मार्च, 2016 ''शिक्षा और वृद्धि'' पर राष्ट्रीय सभा जीवनकाल शिक्षा और विकास विभाग द्वारा आयोजित (ग्रामीण विकास केन्द्र), पीएसभी, विश्व-भारती, श्रीनिकेतन

''एगरीकल्चर एडूकेशन इन एन ऐरा ऑफ क्लाईमेट चेंज : एन इण्डियन पर्सपेक्टिव'' में भाग लिये और एक दस्तावेज प्रस्तुत किये।

संदीप देवनाथ

14-15 नवम्बर 2015 : ''स्वॉयल हेल्थ : कि टू ससटेनेबल एगरी-कल्चर'' पर राष्ट्रीय सेमिनार एएसईपीएएन विभाग द्वारा आयोजित, कृषि संस्था, विश्व-भारती, श्रीनिकेतन, पश्चिम बंगाल।

5-6 मार्च, 2015 : भोजन, पोषण एवं जीवनीकरण सुरक्षा के लिए जीवन धारण योग्य कृषि क्षेत्र पर राष्ट्रीय सेमिनार ईईएस विभाग द्वारा आयोजित, कृषि संस्था, विश्व-भारती, श्रीनिकेतन, पश्चिम बंगाल।

विभाग में चल रहे निरीक्षण योजनायें

जी.मण्डल

विभिन्न फसलों पर कुछ नये पीढ़ी अणुओ (पीजीआर) के जैव-सक्षम अध्ययन (पी आई की तरह कार्यकर रहा है) विलोवुड केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, 409, चौथा फ्लोर, सालकॉर्न ऑरम, जिला केन्द्र, जासोला, नई दिल्ली-110025 (2.901 लाख रूपये)

कुछ आधुनिक इन्सेक्टीसाईडस (सीओ-पी आई की तरह कार्यकर्त्ता) के जैव-सक्षम और रेसीडयू अध्ययन, विलोवुड केमिकल प्राइवेट लिमिटेड, 409, चौथा फ्लेर, सालकॉर्न ऑरम, जिला केन्द्र, जासोला, नई दिल्ली - 110025 (18.1 लाख रुपये)।

विभिन्न फसलों में कुछ फर्बीसाईडस के जैव-सक्षमता, फाइटोटॉक्सिटी और रेसीडयू विघटन पर अध्ययन (सीओ-पीआई की तरह कार्य कर्त्ता), विलोवुड केमिकल्स प्राइबेट लिमिटेड, 409, चौथा फ्लोर, सालकॉर्न ऑरभ, जिला केन्द्र, जासोला, नई दिल्ली 110025 (8.71 लाख रूपये)

विभिन्न फसलों पर कुछ फेगीसाईडस का जैव-सक्षमता और रेसीडयू अध्ययन (सीओ-पीआई की तरह कार्यकर्त्ता) विलोवुड केमिकल्स प्राइबेट लिमिटेड 409, चौथा फ्लोर, सालकॉर्न ऑरम, जिला केन्द्र, जासोला, नई दिल्ली-110025 (7.48 लाख रुपये)

विभिन्न फसलों पर कुछ फंगीसाईटस के जैव-सक्षमता और रेसीडयू विघटन पर अध्ययन (सीओ-पीआई की तरह कार्यकर्त्ता)

विलोवुड, प्राइवेट लिमिटेड.409.चौथा फ्लोद जिला केन्द्र, जासोला, नई दिल्ली-110025 (8.47 लाख रूपये)।

अमिताव पॉल

पीआई कैरिंग रिसर्च प्रोजेक्ट शीर्षक ''जेनेटीक इम्पुवमेन्ट ऑफ सिसेम थ्रु इंडयूस्ड म्यूटेशन की तरह, डीएई-बीआरएनएस बीएआर टोमबे द्वारा प्रवर्तक (कुल राशि 19,74,900/- रूपये) तीन वर्ष के लिए 2014-15 से 2016-17.

प्रहलाद देब

पीआई कैरिंग रिसर्च प्रोजेक्ट शीर्षक ''इफेक्ट ऑफ इरीडेशन ऐण्ड पैकेजिंग ऑन सापोता फ्रुट्स (आचरस जापोता एल) अण्डर डिफरेंट स्टोरेज कंडीशन'' की तरह मुख्य जाँचक की तरह, परमाणु उर्जा विभाग द्वारा दी गई राशि, भारत सरकार (डीएई/बीआरएनएस) (कुल राशि 24,84,500:- रूपये) के लिए चार वर्षों 2013-2017।

पीआई कैरिंग रिसर्च प्रोजेक्ट शीर्षक ''लिफ टिसु एनालिसिस लेबोरेटरी'' राष्ट्रीय बागबानी मिशन द्वारा संचालित फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीज ऐण्ड हॉर्टिकल्चर विभाग द्वारा, पश्चिम बंगाल सरकार (कुल राशि 20,00,000/- रूपये) 2014 से।

निहार रंजन चक्रवर्ती

सह-जाँच अधिकारी कैरिंग रिसर्च प्रोजेक्ट शीर्षक ''जेनेटिक इम्प्रुवमेंट ऑफ सिसेम थ्रू इंडयूस्ड म्यूटेशन'' की तरह बियरिंग सैक्शन नं0 35/14/09/2014-बीआरएनसी, आरटीएसी के साथ, बोर्ड ऑफ रिसर्च इन न्यूक्लिर साइन्सेज (बीआरएनएस), डीएई, भारत सरकार (कुल राशि 19,74,900/- रूपये) तीन वर्षो के लिए 2014-15 से 2016-2017।

विभाग के शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा भाग लिये गये और विभाग द्वारा आयोजित विकासित क्रियायें/एनएसएस/ सभ्यतायिक और अन्य क्रियायें : टेक्नोलोजी प्रोग्राम के स्थानान्तरण पर समय-समय से संस्था द्वारा आयोजित विकास क्रियाओं में विभाग के शिक्षक और विद्यार्थी कार्यरत रूप से व्यस्त है।यह विकसित योजनाओं विद्यार्थियों और किसानों को भी सम्मिलित करता है, टीवी और रेडियों प्रोग्राम इत्यादि। कोषाध्यक्ष सदस्य विभिन्न ट्रेनिंग प्रोग्रामों में भी भाग लिये (रथीन्द्रा कृषि विज्ञान केन्द्र, शिक्षा सात्रा-पाली चर्चा केन्द्र द्वारा आयोजित, विश्व-भारती, पश्चिम बंगाल सरकार, एनजीओ का इत्यादि) सेक्शन हॉर्टिकल्चर विभिन्न विश्वविद्यालय प्रोग्रामों जैसे 'हालकर्शना' और 'श्रीनिकेतन उत्सव' (माघ मेला) के आयोजन में मुख्य भाग लेता है।

डॉ0 जयदीप मण्डल श्रीनिकेतन वार्षिक त्यौहार (माघ मेला) में प्रदर्शनी के सह-प्रवाहक के रूप में कार्य किये, 6 से 8 फरवरी 2016।

डॉ0 जयदीप मंडल ने ''कल्टीवेशन टेकनीक ऑफ खरीफ ऑनियम'' पर एक फार्मर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम का संपादीकरण किया सीआईएचएबी विभाग द्वारा आयोजित, विश्व-भारती श्रीनिकेतन में 7.7.2015 को।

डॉ0 जयदीप मण्डल ने ''समर सिजन वेजीटेबल प्रोडक्शन'' पर एक फार्मर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम का संपादीकरण किया कविगुरू प्रोकल्पों ऑफिस में, डारोन्डा, सीआईएचएबी विभाग द्वारा आयोजित वीरभूम, विश्व-भारती, श्रीनिकेतन 29.01.2016 को।

डॉ0 जयदीप मण्डल ने ''हार्टिकल्चर फॉर ससटेनेबिलिटी ऐण्ड लिवलीहुड सिक्योरिटी'' पर एक फार्मर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम का सम्पादीकरण किया, कृषि संस्था में, विश्व भारती, सीआईएचएबी विभाग द्वारा संयुक्त आयोजित, पीएसबी, श्रीनिकेतन और एफआईएसी, खोएरासोल ब्लॉक, एटीएमए, वीरभूम।

भाषणों का विवेचन :

जयदीप मण्डल

7 जुलाई, 2015 : ''कल्टीवेशन प्रैक्टीसेज ऑफ खरीफ ऑनियन'' फार्मर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम में ''कल्टीवेशन टेकनीक ऑफ खरीफ ऑनियन'' पर सीआईएचएबी विभाग द्वारा आयोजित, श्रीनिकेतन में विश्व-भारती।

29 जनवरी, 2016 : ''ग्रो योर ओन वेजीटेबल फॉर न्यूट्रीशनल सिक्योरिटी'' फार्मर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम में ''समर सिजन वेजीटेबल प्रोडक्शन'' पर कविगुरू प्रोकल्पो ऑफिस में, डारोन्डा, वीरभूम सीआईएचएबी विभाग द्वारा आयोजित, विश्व-भारती, श्रीनिकेतन।

21 मार्च, 2016 : ''कॉमर्शियल वेजीटेबल कल्टीवेशन इन स्मॉल ऐण्ड मार्जीनल फार्म्स'' एक दिन ''फार्मर्स ट्रेनिंग'' चापला में, खोएरासोल ब्लॉक के पाँचरा जी.पी. एफआईएसी द्वारा आयोजित, खोएरासोल, एटीएमए वीरभूम।

प्रहलाद देव

29 जनवरी, 2016 : ''कल्टीवेशन प्रैक्टीसेज ऑफ सम मेजर समर वेजीटेबल्स'' फार्मर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम में ''समर सिजन वेजीटेबल प्रोडक्शन'' पर कविगुरू प्रोकल्पो ऑफिस में, डारोन्डा, वीरभूम सीआईएचएबी द्वारा आयोजित, विश्व-भारती, श्रीनिकेतन, 31 मार्च, 2016 : ''स्कोप ऑफ हॉर्टीकल्चर अंडर रेड ऐण्ड लैटेराईट जोन ऑफ वेस्ट बंगाल'' एक दिन में। ''फार्मर्स ट्रेनिंग'' चापला में, खोएरासोल ब्लॉक के पाँचरा जीपी एफआईएसी द्वारा आयोजित, खोएरासोल, एटीएमए वीरभूम।

दूरदर्शन प्रोग्राम और रेडियों बातचीत :

प्रहलाद देव

16 दिसम्बर 2016 : टेलीविजन प्रोग्राम (दूरदर्शन केन्द्र शांतिनिकेतन)

''कृषि दर्शन'' में ''कॉमरशियल फ्लावर कल्टीवेशन'' पर 4.30 बजे

निहार रंजन चक्रवर्ती

16 मार्च 2015 रेडियों प्रोग्राम '' रोल ऑफ फार्मर्स फॉर डेवलपिंग न्यू वैराइटी'' पर ऑल इंडिया द्वारा आयोजित, शांतिनिकेतन।

2 जून, 2015 : ''खरीफ धान के लिए महत्व'' पर लाईव फोन-इन रेडियो प्रोग्राम ऑल इंडिया रेडियो द्वारा आयोजित, शंतिनिकेतन

11 अगस्त 2015 : '' लोकल फ्लेवर्ड राइस कल्टीवेशन'' पर लाईव फोन-इन रेडियो प्रोग्राम ऑल इंडिया रेडियो द्वारा आयोजित, शांतिनिकेतन

26 सितम्बर 2015 : ''सरसो खेती'' पर रेडियो प्रोग्राम ऑल इंडिया रेडिया द्वारा आयोजित शांतिनिकेतन

12 फरवरी 2016 : ''हाइड्रोपोनिक्स'' पर रेडियो प्रोग्राम ऑल इंडिया द्वारा आयोजित, शांतिनिकेतन

संदीप देवनाथ

12 फरवरी, 2016 : किसानो द्वारा हाइब्रीड उत्पादक'' पर रेडियो प्रोग्राम ऑल इंडिया प्रोग्राम आयोजित, शांतिनिकेतन

पूर्ण रूप से विभाग के शिक्षकों का विद्वानों द्वारा लाभित एकाडमिक श्रेष्ठता (डी.एस.ए या सीएसए इत्यादि के पहचान जैसे)

पार्थ सारथी मुन्शी

भिन्न यूजीसी ईमेरीटस फेलो के लिए चुने गये

उप-राष्ट्रपति की तरह चुनावी, भारत का कृषि समाज, कृषि विज्ञान की संस्था, कैलकेटा विश्वविद्यालय, कोलकाता।

बागबानी की अग्रमता के लिए एक्जिक्यूटिव काउन्सिल ऑफ दि सोसाइटी का सदस्य, बी.सी.के.भी, कल्यानी, नदिया, पश्चिम बंगाल (1996 से)

बाह्य सदस्य, बागबानी के कोषाध्यक्ष के लिए एकाडमिक समूह बीसीआरभी

सदस्य, यूबीकेभी के फल विज्ञान विभाग के लिए चुनाव समूह राज्यपाल के नोमिनी की तरह।

सदस्य, कर्मा :- समीति (एक्जिक्यूटिव काउंसिल) विश्व भारती विश्व-विद्यालय का।

सदस्य, शिक्षा भवन का बोर्ड संस्था (विज्ञान संस्था) विश्व-भारती विश्वविद्यालय।

सदस्य, निरीक्षण समूह, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन।

मेम्बर ऑफ एडिटोरियल एडवाइजरी कमिटि फॉर जर्नल ऑफ इंटरएकाडमिसिया, कल्यानी, पश्चिम बंगाल।

बाह्य सदस्य, बागवानी के कोषाध्यक्ष के लिए एकाडमिक समूह, बीसीकेभी

एक्सपर्ट मेम्बर फॉर डिजाइनिंग एपलाईड ओरियेन्टैड कोर्स इन हॉर्टिकल्चर, आईजेएनओयू, नई दिल्ली

निम्नलिखित प्रोफेशनल समाज के जीवन सदस्य

1. इण्डियन साइन्स कांग्रेस एसोसिएशन
2. दि एगरीकल्चरल सोसाइटी ऑफ इण्डिया
3. दि सोसाइटी फॉर दि एडवांन्समेंट ऑफ हॉर्टिकल्चर
4. इण्डियन एसोसिएशन ऑफ बायोलॉजिकल साइन्सेज
5. दि उड़ीसा हॉर्टिकल्चरल सोसाइटी
6. हॉर्टिकल्वरल सोसाइटी ऑफ इंडिया
7. इंडियन सोसाइटी ऑफ ऑरनामेन्टल हॉर्टिकल्चर
8. दि एसेनशियल ऑयल एसोसिएशन ऑफ इंडिया
9. सोसाइटी फॉर प्रामोशन ऑफ हॉर्टिकल्चर।
10. उद्यान कृषि सम्बन्धी विज्ञान के लिए अन्तर्राष्ट्रीय समीति

स्नेहाशीष चक्रवर्ती

निम्नलिखित व्यावसायिक समीति का जीवन पर्यन्त सदस्य

1. उद्यान कृषि को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया के लिए समीति
2. सब्जी विज्ञान का भारतीय समीति
3. बंगलादेश का बीज विज्ञान समीति

गौतम मण्डल

निम्नलिखित व्यावसायिक समीति का जीवन पर्यन्त सदस्य

1. भारत की उद्यान कृषि समीति
2. भारतीय विज्ञान क्रांगेस संगठन
3. उद्यान कृषि को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया के लिए समीति
4. भारतीय समीति का शुष्क उद्यान कृर्षि
5. भारतीय समीति की कृषि अभियता
6. जैव स्त्रोत की अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका और तनाव प्रबन्धन पत्र संयोजन और उद्यान कृषि पन्डीबारी यूबीकेभी, कूच-बिहार, बीसी के भी मोहनपुर, नदिया और विश्वभारती, शान्तिनिकेतन मे परीक्षक के रुप में विभिन्न पाठ्यक्रम पर कार्य करना।

जयदीप मण्डल

उद्यान कृषि के विभाग में अतिथि शिक्षक के रुप में प्रर्दशन, कृषि विज्ञान संस्थान, कलकत्ता विश्वविद्यालय होर्ट फ्लोरा अनुसन्धान वर्णकम पत्रिका में संपादकीय बोर्ड (2015) में संपादक के रुप में नामाँकित (सब्जी विज्ञान)

पत्र संयोजन के रुप में कार्य करना विभिन्न पाठ्यक्रमों का का बाह्य विशेषज्ञ उद्यान कृषि में ओयूएटी (चीपलीमा, सबँलपुर,

उड़ीसा) और कृषि विज्ञान संस्थान, कलकत्ता विश्वविद्यालय (कोलकाता पश्चिम बंगाल) में एमएससी शोध-प्रबन्ध के रुप में परीक्षक

अनुसन्धान पत्र प्राप्त अमेरिकी मुद्रा को फ्रेंचबीन में लागू करना। राष्ट्रीय सम्मेलन गोष्ठी में सर्वोत्तमपत्र के लिए पुरस्कृत और जलवायु परिवर्तन में चोटी कृषि को कायम रखने के लिए भारतीय चोटी कृषि संगठन द्वारा संगठित, मेघालय भारत के अगरतल्ला में आयोजित त्रिपुरा में 5 से 6 दिसम्बर तक आयोजित

तरबूज (साइट्रउलसलेन्टस) के प्रारम्भिक प्रदर्शन पर अनुसंन्धान पत्र की उपाधि अन्तर्राष्ट्रीय विचार गोष्ठी में पैदावर और टीएसएस पुरस्कार सर्वोत्तम पत्र के लिए चोटी और उच्चभूमि उद्यान कृषि को कायम रखने के लिए अगली पीढी की प्रस्ताव उद्यान कृषि, सिक्किम विश्वविद्यालय गंगटोक 5 से 6 नवम्बर, 2015 को विभाग द्वारा आयोजित

निम्नलिखित व्यावसायिक समीति का जीवन पर्यन्त सदस्य

भारत की उद्यान कृषि समीति नई दिल्ली

भारत समीति का सब्जीविज्ञान, वाराणसी, यू0पी0

उद्यान कृषि को आगे बढ़ाने के लिए समीति मोहनपुर डब्लू बी0 उड़ीसा उद्यान कृषि समीति, भुवनेश्वर , उड़ीसा

चोटी कृषि की भारतीय पत्रिका, बारापानी मेघालय

बंगलादेश की बीज विज्ञान समीति, मेमोनसिधा, बंगलादेश कूचबिहार संगठन का कृषि विज्ञान (कोबाकस) पैदावार कूचबिहार, डब्लू बी0

जैव स्त्रोत और कृषि को आगे बढ़ाने वाली समीति (बीएएएस) मेरठ यू0पी0

कर्नाटक उद्यान कृषि समीति अराभावी, कर्नाटक।

प्रहलाद देव

प्रयोगशाला प्रभारी और शिक्षक प्रभारी के रुप में कार्यरत सी आईएच ए बी विभाग, पाली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्री, निकेतन उद्यानकृषि

1. निम्नलिखित व्यावसायिक समीति का जीवन पर्यन्त सदस्य भारत की उद्यान कृषि समीति, नई दिल्ली। उद्यान कृषि को बढ़ावा देने की समीति, बंगलादेश,
   मैमनसिंह बंगलादेश उद्यान कृषि अनुसंधान प्रतिरूप
   बंगलादेश की फल विज्ञान समीति मेरठ उत्तरप्रदेश फसल और शैवाल विज्ञान समीति, बीसीकेभी नदिया, डब्लू बी जैव स्त्रोत और तनाव प्रबन्धन की पत्रिका, कोलकाता
   जैव स्त्रोत के लिए समीति, पर्यावरण और कृषि अनुसन्धान
2. कम उग्र वाले फलो औषधीय और एरोमेटिक पौधे की। अन्तर्राष्ट्रीय समीति की स्थापित सदस्य मुख्यालय : श्रीलंका
3. सदस्य सपादकीय बोर्ड : कम उम्र वाले फलो, औषधीय और ऐरोमेटिक पौधे की अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका
4. उद्यान कृषि विज्ञान के लिए अन्तर्राष्ट्रीय समीति की सदस्यता
5. स्नातोकोतर, सहसहयोगी सी आई एचएबी विभाग पाली, शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्री निकेतन नम्वबर 2015 तक।
6. पत्र संयोजन और उद्यान कृषि के विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए परीक्षक उतरबंग कृषि विश्वविद्यालय, पुन्डीबारी कूच बिहार, डब्लू बी और विधान चन्द्र कृषि विश्वविद्यालय मोहनपुर नदिया, डब्लू बी, कृषि और तकनीक की उड़ीसा विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, उड़ीसा।
7. अन्तर्राष्ट्रीय कृषि (आईएसएसएन 0975-3690) विज्ञान की अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका का पुनर्अवलोकन अतिआवश्यक तेल उत्पादन करने वाले पौधे (आईएसएस एन 0972-060एक्स) की पत्रिका

अमिताभ पाल

निम्नलिखित समीति का जीवन पर्यन्त सदस्य पैतृक और पौधे की ब्रीडिंग की अन्तर्राष्ट्रीय समीति नई दिल्ली फसल और कृषि विज्ञान समीति बीसी के भी नदिया जैव विज्ञान और कृषि की बढोत्तरी की समीति मेरठ भारतीय कृषि कांग्रेस संगठन (आई एस सी ए) पौधे की ब्रीडिश और सुधार (ए पी बी एल) कोलकाता अनुसन्धान की हरित पत्रिका में पुनर्अवलोकन के रुप में कार्यरत कृषि अनुसन्धान पत्रिका (ए आर जे)

पौधे की ब्रीडिज और फसल विज्ञान, औद्योगिक फसल और समानो की अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका

संदीप देवनाथ

अनुसन्धान पत्र की अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका कृषि विज्ञान मे पूनर्अवलोकन कर्त्ता के रुप में कार्यरत, जैव स्त्रोत और तनाव प्रबन्धन और ब्राजीलियन जैव विज्ञान और तकनीक की अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका

प्रकाशक (अप्रैल 2014 मार्च 2015 मे प्रकाशित)

पार्थ सारथी मुन्शी

पूर्ण लम्बाई की तरफ अग्रसर

मुन्शी, पार्थ सारथी और देव प्रहलाद (2016)

उद्यान कृषि फसलो की पोस्थरभेस्ट तन्त्र में प्रबन्धन

फसल :भारतीय मापदड, इन : राष्ट्रीय सम्मेलन गोष्ठी पर उद्यान कृषि विभिन्नता के तरफ अग्रसर

शोध का अंशदान संक्षिप्त रूप में :

अरक्षित रूप से, पी0 मुन्सी, पी0 एस0 मण्डल, जी0 और देव पी0 (2015), 'शरीफा का प्रक्रिया और महत्व-योग' स्वास्थ्य और वातावरण का छोटे फल औषधिय एवं सुगन्धित पौधों का तीसरा अन्तर्राष्ट्रीय सिम्पोजियम का कार्य में 20-21 मई 2015 बंगलादेश का कृषि विश्वविद्यालय, मैमिनसिंग, बंगलादेश, पी0-25, देव, पी0 प्रसाद, बी0 भी0 जी0 मुन्सी, पी0 एवं चक्रवर्ती एस0 (2015) पत्तेदार सब्जियों का कम उपयोग होना: पूर्वी भारत के प्रसंग में विविधता, पोषण सुरक्षा और औषधिय लाभ कम उपयोग वाली पौधा का जाति पर तीसरा अन्तर्राष्ट्रीय सिमपोजियम का कार्य, 5-8 अगस्त, 2015, ए0सी0 एवं आर0 आई0, तमिलनाडु, कृषि विश्वविद्यालय, मदुराई, तमिलनाडु, भारत, पी0 एस0 बी0 ओ0-28

मण्डल, सन्जीब, मुन्सी, पी0 एस0 और देब, पी0 (2015) पूर्वी भारत में लैटराइट क्षेत्र के सह-आर्द्रता के नीचे केरेमबोला (एभीरोइया) कैरेम बोला ल0) का फलदार प्रदर्शन पर मौसमी बदलाव और बनस्पतिक माप-जोक का प्रभाव : कम उपयोगी पौधो के जाति पर तीसरा अन्तर्राष्ट्रीय सिमपोजियम का कार्य, 5-8 अगस्त, 2015, ए0 सी0 और आर0 आई, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, मदुराई, तमिलनाडु, भारत, पी0-एस0डी0पी0-47

स्नेहाशीष चक्रवर्ती

शोध कागज

प्रसाद, बी0 भी0 जी0 और चक्रवर्ती, एस0 2015, सब्जी की खेती पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव– एक समीक्षा प्रकृति वातावरण एवं प्रदूषण का शिल्प-विज्ञान, 14(4) : 923-929 (आई0एम0एस0एन : 0972-6268), प्रसाद, बी0भी0जी0 और चक्रवर्ती एस0 और सारेन, बी0के0 2015, ऊर्जा व्यवहार की क्षमता और फ्रासीसी सेम की खेती का मलचिन्ग दशा में आर्थिक विश्लेषण, भेजिटोस, 28(3) : 35-43 (आई0 एस0एस0एन 0970-4078).

पुस्तक अध्याय

प्रसाद, बी0 भी0 जी0 और चक्रवर्ती, एम0 2016. बागबानी में नेनो शिल्प-विज्ञान का आवेदनपत्र, भोजन, पोषण और जीविका की सुरक्षा के लिए संभालने लायक पारिवारिक खेती की पर्याय दृष्टि, नई दिल्ली संपादक 14-15 आई0 एस0 बी0

एन0 978-93-85503-32-0

सारांश :

चक्रवर्ती, एस0 देब, पी0 जाना, एस0के0 एवं प्रसाद, बी0भी0जी0 2015, एमबिएन्ट दशा के अन्दर पालक (बीटा भलगरिस भार.बेनगालेन्सीस) पर पोस्थरवेस्ट ट्रीटमेन्ट ओर पैकजिन्ग का प्रभाव। पहाड़ी और ऊँचे जगहों पर बागबानी का कायम रहने वाला प्रगति जो कि अगले प्रजनन की ओर अग्रसर है, उस पर अन्तर्राष्ट्रीय सिम्पोजियम (आईएनएसएचओआरटी) 5वाँ-7वाँ नवम्बर, गैंगटोक, भारत पीपी0 126.

प्रसाद, बी0 भी0जी0 और चक्रवर्ती, एस 2016, क्षेत्र, उत्पादन, उत्पादनशीलता और निर्यात सांख्यिकी प्याज का पिछले 5 दशक में। उद्यान विद्या की विविधता पर समृद्धि के लिए राष्ट्रीय सेमिनार। 10-12 फरवरी, ओ यू ए टी भुवनेश्वर ईडी-भी-01(241)

प्रसाद, बी0 भी0 जी0 एवं चक्रवर्ती एस और सारेन, बीके 2016। मलचिन्ग दशा में फ्रांसीसीं सेम की खेती का ऊर्जा व्यवहार की क्षमता और आर्थिक प्रगति पर अध्ययन। पुन: नई करने योग्य ऊर्जा का विस्तार और अधिक विस्तार पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन। 20-21 मार्च, विश्व-भारती, पश्चिम बंगाल, पी0पी0-42

गौतम मण्डल

पुस्तक अध्याय

गौतम मण्डल अनीता विश्वकर्मा और डी सी मान्ना 2016। पूर्वी भारत के लैटराइट क्षेत्र में छोटे परिवार के खेती के लिए विभिन्न प्रकार के आय का प्रगति। कायम रखने योग्य परिवार की खेती के लिए भोजन, पोषण और जीविका की सुरक्षा के लिए सिनोप्टीक दृष्टि में। बितान मण्डल, देबाशीष सरकार, एस डी मुखोपाध्याय, एस घोष, बी सी रॉय और एस चौधरी (एड्स), नई दिल्ली संम्पादक, नई दिल्ली, 2016 पीपी 15 (आईएसबीएन : 978-9385503-32-0)

उत्कर्ष 10-12 फरवरी 2016, ओयूएटी, भुवनेश्वर, उड़ीसा, पृष्ठ-17-21

संक्षिप्त तालिका

गौतम मंडल एवं जयदीप मंडल 2015, ''एलीलो पैथी : फसल सुधार और फसल सम्बन्धित व्यवस्था का एक शक्तिशाली साधन। मिट्टी स्वास्थ्य प्रबन्ध और भोजन सुरक्षा पर राष्ट्रीय सेमिनार। मिट्टी की विज्ञान शोध और शिक्षा की भूमिका पर भारतीय मिट्टी विज्ञान सोसाइटी कलकत्ता भारत द्वारा 8-10 अक्टूबर 2015 को संघटित किया गया। पीपी

गौतम मंडल 2015 ने विभिन्न प्रक्रिया वाली ट्रीटमेन्ट से होकर अंगूर से मुनक्का तैयार करने पर अध्ययन किया। पहाड़ी और ऊँचे जगहों पर बागबानी का कायम रहने वाला प्रगति जो कि अगले प्रजनन की ओर अग्रसर है, उस पर अन्तर्राष्ट्रीय सिम्पोजियम 5-7 नवम्बर 2015 पीपी 117 बागबानी विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय गैगटोक, सिक्किम, भारत द्वारा आयोजित किया गया।

गौतम मंडल 2015, बेल (एगल मारमिलोस कोरिया) के पत्तियों में पौष्टिक रचना में जीनोटाईप और मौसम का पारस्परिक प्रभाव। मिट्टी के सेहत पर राष्ट्रीय सिम्पोजियम : कायम रखने लायक कृषि के चाभी के तौर पर एएसईपीएएन का विभाग, पल्ली शिक्षा भवन (कृषि का इन्स्टिट्यूट), विश्व भारती, श्री निकेतन पश्चिम बंगाल द्वारा 14-15 नवम्बर 2015 पीपी 61 में आयोजित किया गया।

जगदीप मंडल, गौतम मंडल और सुब्रत मंडल 2015. ''मिट्टी के सेहत पर राष्ट्रीय सिम्पोजियम'' द्वारा ''फास्टफोरस के प्रयोग द्वारा तीता लौकी में फल की उपज को बढ़ा दिया गया।'' कायम रखने लायक कृषि के चाभी के तौर पर ए एस ईपीएन का विभाग, पाली शिक्षा भवन (कृषि का इन्स्टिट्यूट) विश्व भारती श्री निकेतन, पश्चिम बंगाल द्वारा 14-15 नवम्बर 2015 पी0पी0 63 में आयोजित किया गया।

गौतम मंडल और जयदीप मंडल 2016, ताजा उपज का पोस्टरभेस्ट हानि को कम कर भोजन की उपलब्धता को बढ़ाना। आर्थिक और राजनीति विभाग, विश्व-भारती, शान्तिनिकेतन, पश्चिम बंगाल के द्वारा आर्थिक प्रगति के साथ भारतीय कृषि के ऊपर विशेष ध्यान देते हुए एक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन मार्च-11-12-2016 पीपी 01 किया गया।

गौतम मंडल और ईलाभेना वार 2016। पाम तेल, ठोस उत्प्रेरक डोप्ड मेथोक्साइड धातु के प्रयोग करते हुए बायो-डीजल का विकल्प स्रोत है। वातावरणीय अध्ययन विभाग, विश्व भारती, शान्ति-निकेतन, पश्चिम बंगाल द्वारा पुन: नई करने योग्य ऊर्जा का विस्तार एवं और अधिक विस्तार पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन 20-21 मार्च 2016 पीपी को आयोजित किया गया।

गौतम मंडल 2016 : ग्रामीण सेक्टर में भोजन और पौष्टिक सुरक्षा के लिए फलों और सब्जियों का उत्पादन एवं पोस्टरभेस्ट प्रबन्धन। पाली-चर्च केन्द्र (ग्रामीण अध्ययन विभाग), विश्व भारती, श्रीनिकेतन, पश्चिम बंगाल द्वारा ग्रामीण पनपने देनेवाला एवं खेती-बारी का कौशल पर राष्ट्रीय सिम्पोजियम 30-31 मार्च 2016 पीपी 04 में आयोजित किया गया।

जगदीप मंडल

शोध कागज

मंगला तिरूमलेश, जयदीप मंडल एवं भी0 के0 धनग्रह 2016। बोतल के लौकी में फूलों के उगने वाले गुण में बदलाव। हार्टफ्लोर रिसर्च स्पैक्ट्रम, 5(1) : 39-42 आईएसएसएन 2250-2823.

भी0 के0 धनग्रह, जयदीप मंडल एवं जे0 एस0 भट 2015। सब्जियों के अमरन्थ में हरे उपज और उसके अवयव की विशेषता में उत्तराधिकार में प्राप्त होने योग्य बदलाव ओर सम्भावित चुनाव प्रतिउत्तर, बायो-प्राकृतिक साधन और स्ट्रेस मैनेजमेन्ट का अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका, 1 (4) 146-152, आईएसएसएन 2250-2823

जयदीप मंडल, अरूण शर्मा एवं सुब्रत मंडल 2015। शरीर रचना से सम्बन्धित और शरीर रचना के सम्बन्धित न रखने वाले पोषण तत्वों का मिलावट से खरीफ प्याज की वृद्धि गुण प्रभावित होता है। हार्ट फ्लोरा रिसर्च स्पेक्ट्रम 4(3) : 288-290 आईएसएसएन 2250-2823

रंजन कुमार सिंह, जयदीप मंडल एवं विकास दास 2016, छोटानागपुर पठार क्षेत्र में चिरोनजी के बाजार की स्थिति पर (बुकानानीया लानजन स्प्रेन्ग) पर अध्ययन। एड्स मंडल एटएल भोजन, पोषण और जीविका की सुरक्षा के लिए कायम रखनेलायक पारिवारिक कृषि कार्य का सिनोप्टीक दृष्टि में, नई दिल्ली संपादक नई दिल्ली पी 83, आई एस बीएन 978-93-85503-32-0

संक्षिप्त तालिका

जयदीप मंडल और अरूण शर्मा 2015, खरीफ प्याज में (एलीयम सिपा एल.) ओरगेनिक और इनओरगेनिक पौधों के पोषण तत्वों का प्रभाव। संक्षिप्त रूप में, मिट्टी के सेहत का प्रबन्ध और भोजन की सुरक्षा पर राष्ट्रीय सेमिनार: मिट्टी विज्ञान की शोध और शिक्षा की भूमिका आईएसएसएस, कोलकाता पाठ एवं एनबीएसएस एवं एल यूपी, कोलकाता द्वारा 8 से 10 अक्टूबर 2015 को आयोजित किया गया। पी 82

भोजन सुरक्षा : मिट्टी विज्ञान शोध और शिक्षा की भूमिका'' पर आईएसएसएस-कोलकाता अध्याय और एन बी एसएस एवं एलयूपी कोलकाता द्वारा 8 से 10 अक्टूबर 2015 पी0 82 आयोजित किया गया।

गौतम मंडल और जयदीप मंडल 2015 ''एलीलौपैथी : फसल सुधार और फसल सम्बन्धित व्यवस्था का एक शक्तिशाली साधन। संक्षेप में, ''मिट्टी का स्वास्थ्य प्रबन्ध और भोजन सुरक्षा पर राष्ट्रीय सेमिनार। मिट्टी की विज्ञान शोध और शिक्षा की भूमिका पर आईएसएसएस, कोलकाता अध्याय और एनबीएसएस एवं एलयूपी, कोलकाता द्वारा 8 से 10 अक्टूबर, 2015 पी-75 को आयोजित किया गया।

चिनानशुक घोष, जयदीप मंडल एवं जी0एन0 चट्टोपाध्याय, 2015। भर्मीकोमपोस्ट का रेडिस (रैफनस सेटाइभस एल0) के

अवयव के रूप में एकबद्ध पौष्टिक प्रबन्ध के जैसा व्यवहार करना। संक्षेप में, ''मिट्टी के स्वास्थ्य प्रबन्ध और भोजन सुरक्षा'' पर राष्ट्रीय सेमिनार। मिट्टी की विज्ञान शोध और शिक्षा की भूमिका पर आई एसएस एस, कोलकाता अध्याय और एन बीएसएसएवं एल यूपी कोलकाता द्वारा 8 से 10 अक्टूबर 2015 पीपी 83-84 को आयोजित किया गया।

जयदीप मंडल, गौतम मंडल एवं सुब्रत मंडल 2015 फास्फोरस के प्रयोग द्वारा तीता लौकी में फल की उपज को बढ़ा दिया गया। मिट्टी की सेहत पर राष्ट्रीय सेमिनार : ''कायम रखने लायक कृषि की चाभी के तौर पर (एस एच के एस ए)'' मिट्टी की विज्ञान एवं कृषि रसायन, कृषि की संस्थापन, विश्व-भारती, श्रीनिकेतन द्वारा 14 से 15 नवम्बर 2015 को आयोजित किया गया।

स्मरनीका मोहान्ता एवं जयदीप मंडल 2015। तरबूज (साइट्रस लेनाटस) का शीघ्र उत्पादन एवं टीएसएस का प्रदर्शन। मौखिक एवं विज्ञान के प्रस्तुतीकरण की संक्षिप्त तालिका में। पहाड़ी एवं ऊँचे जगहों पर बागबानी का कायम रहने लायक प्रगति जो कि अगले प्रजनन की ओर अग्रसर है, उस पर अन्तर्राष्ट्रीय सिम्पोजियम 5-7 नवम्बर 2015, पीपी 111-112 बागबानी विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय गैंगटोक द्वारा आयोजित किया गया।

मौटुसी धर, जयदीप मंडल एवं स्मरनीका मोहान्ता 2015। पश्चिम बंगाल में प्याज (एलियम सीपा एल) की खेती पर भविष्य का दृष्टिकोण / संक्षेप में, ए0के0 दासगुप्ता केन्द्र, योजना एवं प्रगति के लिए आर्थिक एवं राजनीतिक विभाग द्वारा विश्व-भारती, शान्ति-निकेतन द्वारा ''भारत में स्वास्थ्य चिन्ता, महिला सशक्तिकरण एवं ग्रामीण प्रगति'' पर राष्ट्रीय सेमिनार 20 से 21 नवम्बर, 2015 पीपी 255-272 आयोजित किया गया। जयदीप मंडल और अर्का ज्योति भट्टाचार्य 2015। फ्रांसीसी सेम में सूक्ष्म पौष्टिक का पल्लवी (नई पत्तियों का निकलना) का प्रयोग। में ए कम्पेडियम ऑफ सेमिनार पेपरस्, ''बदलते मौसम में कायम रहने लायक पहाड़ी की कृषि'' पर एक राष्ट्रीय सेमिनार इंडियन एसोसिएशन ऑफ हील फारमिन्ग, मेघालय, भारत द्वारा अगरतल्ला, त्रिपुरा में 5 से 7 दिसम्बर 2015 पीपी 128-129 को आयोजित किया गया,

बी0के0 धनग्रह और जयदीप मंडल 2015। बोतल गार्ड (लेगेनेरिया सीसेरेरिया (मोल) स्टान्डल) में विभिन्न प्रकार का विश्लेषण सांख्यिकी चरित्र पर आधारित। पूर्वी भारत के लाल और और लैटराइट बेल्ट में गर्म और सूखे गर्म दशा में उगा हुआ। स्मृति-भेंट में, राष्ट्रीय कार्यशाला'' निचला हिमालय में मौसमी लचीला कृषि पर प्राकृतिक स्रोत प्रबन्धन'' को क्षेत्रीय शोध स्टेशन, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, बेलोवाल सोनखिरी, एस0बी0एस0 नगर पंजाब और भारत का मिट्टी संरक्षण सोसाइटी, नई दिल्ली 22 से 23 दिसम्बर 2015 पीपी 79-80 में आयोजित किया गया,

रीतान्जली मेहर, जयदीप मंडल और स्मरनीका मोहान्ता 2016। पश्चिम बंगाल के लाल और लैटराइट क्षेत्र में ओकरा (एबेलमोसचस इकूलेन्टस एल0 (मोएन्च) का प्रदर्शन कृषि।, संक्षेप में बागबानी में अनेकता के लिए समृद्धि 2016''- उड़िसा बागबानी सोसाईटी, ओयूएटी, भुवनेश्वर उड़िसा 10 से 12 फरवरी 2016 पी 39 द्वारा आयोजित किया गया।

प्रह्लाद देब

शोध पेपर

साउ, सयन, घोष, विकास, सरकार, सुकमल एवं प्रह्लाद देव (2015)। पश्चिम बंगाल के जलोढ़ मिट्टी में इलाहाबाद के सफेदा सी भी अमरुद के बरसात के मौसम में उगने वाले फसल पर फिजियो-केमिकल गुण एवं पल्लव (नई पत्तियों का उगना) के प्रयोग पर बायोइन्जाइम, पर प्रभाव।

आईएनटी : जे. बायोर, ईएनभी: एवं ए जी आर, एससीआई, 1 (4) : 176-185। आई एसएसएन: 2454-3551)

डे, एल.सी. देब, पी.खेत्री, गीतामनी एवं राय, दीपक 2015 प्री ऐण्ड पोस्ट हारभेस्ट फिजीयोलोसी ऑफ कम्बीडीयम ओरकीड आईएनटीजे होर्ट, 5(6) 1-5 (आईएसएसएन 19275803)

साऊ, सयन, सरकार, सुकोमल, देब, प्रह्लाद एवं घोष, विकास (2016)। भारतीय उपमहादेश में कुपोषण को शमन करने

में एक शक्तिशाली विकल्प के रुप में – सुपर फल। एशियन जे0 फार्म ऐण्ड केम0 रेस, 9(1) : 18-22 (आईएसएसएन : 0974-2441)
दे एल0सी0, देब, पी0 (2016) डेन्ड्रोबीयम ओरकीड में वृद्धि और प्रगति की रूप, इन्ट, जे0 कुर0 रेस0 6(1) 25028-25030 (आईएसएसएन: 0975 833 एक्स)
पूरा कार्य :
मुन्सी, पार्थ सारथी एवं देव प्रह्लाद (2016) बागबानी फसल में पोस्टर भेस्ट व्यवस्था में प्रबन्धन: एक भारतीय संदर्भ में, समृद्धि के लिए बागबानी अनेकता में राष्ट्रीय सेमिनार का कार्य, 10-12 फरवरी 2016, ओयूएटी, भुवनेश्वर, उड़ीसा, पृष्ठ-17-21 संक्षिप्त (अन्तर्राष्ट्रीय स्तर)
देब, पी (2015) कैथ - फाइटो-न्यूट्रीएन्ट में अनेकता एवं प्रगति : पर्यावरण एवं स्वास्थ्य में छोटे फल, औषधिय एवं सुगन्धित पौधो पर तीसरा अन्तर्राष्ट्रीय सिम्पोजियम का कार्य, 20-21 मई 2015, बंगलादेश कृषि विश्वविद्यालय, मैमनसिंग, बंगलादेश पी0-11
अरक्षित रूप से, पी0 मुन्सी, पी0एस0 मण्डल, जी0 एवं देब पी0 (2015) शरीफा का कार्य एवं मूल्य योग में : पर्यावरण एवं स्वास्थ्य के लिए छोटे फल औषधिय एवं सुगन्धित पौधो पर तीसरा अन्तर्राष्ट्रीय सिम्पोजियम का कार्य : 20-21 मई, 2015 बंगलादेश कृषि विश्वविद्यालय, मैमेनसिन्ग, बंगलादेश, पी0-25)
सुरेश, सीपी एवं देबी पी (2015) महुआ : एक शक्तिशाली कम उपयोग वाला फल में : पर्यावरण एवं स्वास्थ्य के लिए छोटे फल, औषधिय एवं सुगन्धित पौधो पर तीसरा अन्तर्राष्ट्रीय सिम्पोजियम का कार्य : 20-21 मई, 2015, बंगलादेश कृषि विश्वविद्यालय, मैमेनसिंग, बंगलादेश, पी0-30
देब.पी. प्रसाद बी.भी.जी. मुन्सी, पी.एवं चक्रवर्ती, एस (2015) कम उपयोग वाली पत्तियों वाली सब्जियाँ : पूर्वी भारत के संदर्भ में अनेकता, पौष्टिक सुरक्षा एवं औषधिय लाभ: कम उपयोग वाली पौधे के जाति पर तीसरा अन्तर्राष्ट्रीय सिम्पोजियम का कार्य, 5-8 अगस्त 2015, एसी0 एवं आरआई, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, मदुराई, तमिलनाडूं, भारत, पी0-एसबीओ-28.
देब.पी. एवं भौमिक, एन (2015) : पश्चिम बंगाल के लाल और लैटराइट क्षेत्र में कैथ के वृद्धि अभ्यास एवं पौष्टिक स्तर में कम उपयोग वाली पौधो के जातियों पर तीसरा अन्तर्राष्ट्रीय सिम्पोजियम का कार्य 5-8 अगस्त, 2015, एसी एवं आरटी, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, मदुराई, तमिलनाडु, भारत पी0-एसडीपी-33
मण्डल, संजीव, मुन्सी.पी.एस.एवं देब, पी. (2015) : पूर्वी भारत के लैटराइट क्षेत्र के अर्द्ध-नमी में कैरेमबोला (एभीरोचिया कैरेमबोला एल.) के फल-उपज के प्रदर्शन पर मौसमी बदलाव एवं वनस्पतिक माप-जोक का प्रभाव : कम उपयोगी पौधो के जाति पर तीसरा अन्तर्राष्ट्रीय सिम्पोजियम का कार्य, 5-8 अगस्त, एसी एवं आरटी, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, मदुराई, तमिलनाडु, भारत, पी-एस डीपी-47
देब पी (2015) कैथ का (लिमोनिया एसीडीसीमा एल) एन्टी ओक्सीडेन्ट क्रियाकलाप एवं बाओ-केमिकल प्रगति-पश्चिम बंगाल के लैटराइट क्षेत्र में जेनोटाइप में : पहाड़ी एवं ऊँचे जगहों पर बागबानी का कायम रखने लायक प्रगति जो कि अगले प्रजनन की ओर अग्रसर है, उसपर अन्तर्राष्ट्रीय सिम्पोजियम का कार्य, 5-7 नवम्बर, 2015 सिक्किम विश्वविद्यालय, गैंगटोक, सिक्किम, भारत, पी0-7
साउ. सयन. घोष, बिकास, कुण्डु, सुभाशिष एवं देव. प्रह्लाद (2015) झरबेर (फ्रेगेरिया एक्स एनान्सा डच) पर विभिन्न विशेषता के लिए विभिन्न प्रकार का बचाव : भारत का एक अत्यधिक मांग वाली पौष्टिक विशेदी फल में : पहाड़ी एवं ऊँचे जगहो पर बागबानी का कायम रखने लायक प्रगति जो कि अगले प्रजनन को ओर अग्रसर है, उस पर अन्तर्राष्ट्रीय

सिम्पोजियम का कार्य, 5-7 नवम्बर, 2015, सिक्किम विश्वविद्यालय, गैगटोक, सिक्किम, भारत पी.-56

आचार्या, कौशिक सिन्हा, विश्वजीत, देव प्रह्लाद एवं चक्रवती (2016) काबली चना (सीसेर एरीएटिनम) का मार्फोलोजिकल एवं बायोकेमिकल रिसपोन्स चार एन2ओ2 दाता स्वीफ बेस लिगेन्ड और उनके जेडएन2+ कॉम्पलेक्स की उपस्थिति में, जारी रहने लायक बागबानी पर अन्तर्राष्ट्रीय कार्य में, 14-16 मार्च, 2016, मिजोरम विश्वविद्यालय, एजवाल , मिजोरम, भारत पी-109.

देब.पी.दे एस और प्रसाद, बी.भी.जी. (2016) पूर्वी भारत में रीति-रिवाज के विपरीत पत्तेदार सब्जियों का पौष्टिक सुरक्षा और औषधिय लाभ में : कायम रहने लायक बागबानी का अन्तर्राष्ट्रीय सिम्पोजियम का कार्य, 14-16 मार्च, 2016, मिजोरम विश्वद्यिालय, एजवल, मिजोरम, भारत, पीपी-116-117

संक्षिप्त (राष्ट्रीय स्तर)

देब पी. (2015) कम उपयोगी पत्तेदार सब्जियों की अनेकता पूर्वी भारत के सन्दर्भ में राष्ट्रीय सुरक्षा एवं औषधिय लाभ में, राष्ट्रीय साधन, अनेकता और कायम रहने लायक प्रगति पर राष्ट्रीय सम्मेलन का कार्य : 11-12 दिसम्बर 2015, जूलोजी का विभाग, उत्तरी बंगाल का विश्वविद्यालय, सिलीगुड़ी, दार्जिलिंग पश्चिम बंगाल पी-64

देब पी अरक्षित रुप से, पी और दे, सौरभ (2016) भोजन सह पौष्टिक सुरक्षा और औषधिय लाभ के लिए त्यागा गया एवं कम उपयोगी प्रजातियों के लिए : कायम रहने लायक पारिवारिक खेती जो कि भोजन, पौष्टिक एवं जीविका सुरक्षा के लिए है, उस पर राष्ट्रीय सेमिनार में - 5-6 मार्च, 2015, कृषि वृद्धि विभाग, कृषि, आर्थिक एवं कृषि सम्बन्धी आकड़ा, पाली शिक्षा भजन, (कृषि संस्थान), विश्व-भारती, श्रीनिकेतन, पश्चिम बंगाल, पी-43

शोध पेपर्स

कोले, पी0सी0 एवं गोस्वामी, टी 2015. पूर्वी भारत के लाल लैटराइट बेल्ट के सह-गीले सब-ट्रोपिक में उगे हुए फ्रेनग्रीक में जेरेटिक डाइभरजेन्स। आईएनटी-जे बायो-रेस, इन्भ-एग्रील साइंस- 1(3) : 97-102 आईएसएसएन : 2454-3551

कोले एस महापात्र, एसएस एवं कोले, पी.पी.2015। इन भिट्रों इफीकेसी ऑफ बायो-कन्ट्रोल एजेन्ट ऐण्ड बोटानिकल ऑन दि ग्रोथ इनहीबिशन ऑफ अल्टरनेरीया सोलानी काजिन्ा अर्ली लीफ ब्लाइट, ऑफ टोमैटो इन्ट जे. बायो-रेस इन्भ. एप्रिल साइंन्स 1(3) : 114-118 आईएसएसएन 2454-3551

अमिताभ पाल

शोध पेपर्स्

पटनायक एस पाल ए, लेन्का पीसी (2015) ग्लैडियस जेनोटाइप का प्रदर्शन : कोर्न पैदावार की वृद्धि, फलना। जे. हार्ट साइंस 10(2) : 194-198 आईएसएसएन 0973-354

पटनायक एस पाल ए. लेन्का पीसी (2015) : फसल एवं तम्बाकू के ग्लैडियंस पत्रिका में जेनोटाइप एवं फेनोटाइप की विभिन्नता एवं समन्वित अध्ययन। II (I), 113-119 . आईएसएसएन 2349-9400

पान्डा ए पालए, महापात्रा पी (2015) फ्रांसीसी सेम (फेजिओलस भल्गारिस एल.) में छिमी की पैदावार के लिए उसकी विभिन्नता, चरित्र सम्बन्धित एवं रास्ताका विश्लेषण पर अध्ययन। बायो-शोध एवं स्ट्रेस मैनेजमेन्ट पर अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका। 7(1) : 33-39, आई एसएस एन 0976-3988

पुस्तक अध्याय

चक्रवर्ती एन आर, पाल, एस.ए एवं डूअरी बी (2016) जेनेटिक इमप्रूवमेन्ट ऑफ पल्स यू इन्ड्यूज्ड मिउटेशन इन : भारतीय आर्थिक समस्या पर निबन्ध सम्पादक चट्टोपाध्याय, प्रणब कुमार, रेनु सम्पादक, नई दिल्ली, आई एसबीएन : 978-93-85502-07-1। पीपी 129-136.

चक्रवर्ती, एन.आर, डूअरी बी, देबनाथ एस. पाल ए एवं भट्टाचार्या एवं (2016) : कायम रखने लायक पारिवारिक खेती एवं भोजन सुरक्षा के लिए भूमि प्रजाति का संरक्षण एवं फसलों के जंगली सम्बन्धी। पारिवारिक खेती में। चुनौती एवं अवसर, सम्पादक मण्डल एट, अल रेनु सम्पादक, नई दिल्ली, आईएसबीएन 978-93-85502-22-4, पीप0 35-42

देबनाथ एस. रॉय एस, चक्रवर्ती एन.आर और पाल ए (2016) : किसानों के द्वारा व्यापारिक सब्जी हाइब्रीड बीज की उपज की क्षमता। पारिवारिक खेती में। चुनौती एवं अवसर सम्पादक, मण्डल सम्पादक अल रेनु सम्पादक, नई दिल्ली, आईएस बी एन 978-93-85502-22-4 पीपी 93-95.

निहार रंजन चक्रवर्ती

शोध पेपर्स

सिंह शरनम, प्रकाश अरूणा, चक्रवर्ती एन0आर0 व्हीलर कैन्डेक, अग्रवाल पी0के0 घोष, अरुप (2016)। तेल उत्पादन में सुधार के लिए जेट्रोफा कर्कस में जेनेटिक विभिन्नता, चरित्र सहयोग एवं अपसरन अध्ययन। पेड़ों की रचना एवं कार्य: 29: डी ओ आई 1007/एस 00468-016-1354-0

सिंह शरनम, प्रकाश, अरूणा, चक्रवर्ती, एन.आर., व्हीलर केन्डेस, अग्रवाल पी.के. घोष अरूप (2016)। तेल उत्पादन बढ़ाने के लिए जेट्रोफा कर्कस में रास्ते के द्वारा विशेषता चुनाव एवं प्रधान अवयव का विश्लेषण। औद्योगिक फसल एवं उत्पाद। 86:173-179, आईएसएसएन : 0926-6690

पुस्तक अध्याय :

चक्रवर्ती एन.आर. पाल एवं ए एवं दुआरी बी. (2016) : दाखिल- खारिज उत्पन्न करने के द्वारा दालों के जैविक सुधार में : भारतीय आर्थिक समस्या पर निबन्ध, सम्पादक चट्टोपाध्याय प्रणब कुमार, रेनु सम्पादक, नई दिल्ली, आईएसबीएन : 978-93-85502-07-1 पीपी 129-136

दुआरी बी, चरन तेजा, के भौमिक, एम के एवं चक्रवर्ती एन आर (2016) कृषि संरक्षण - विविधता लाने के लिए एक रास्ता देने के लायक विकल्प, पूर्वी भारत में जलवायु परिवर्तन को हल्का करना और ग्रामीण इलाका में आजीविका की सुरक्षा में : भारतीय आर्थिक समस्या पर निबन्ध, सम्पादक प्रणब कुमार चट्टोपाध्याय, रेनु सम्पादक, नई दिल्ली, आईएसबीएन : 978-93-85502-07-1, पीपी 151-160

चक्रवर्ती एन आर, दुआरी बी, देवनाथ एस, पाल ए, और भट्टाचार्य एस (2016), कायम रखने लायक पारिवारिक खेती एवं खाद्य सुरक्षा के लिए जमीन की जाति का संरक्षण एवं फसलों की जंगली सम्बन्धित की सुरक्षा में पारिवारिक खेती: चुनौती एवं अवसर, सम्पादक मण्डल एट एल रेनु सम्पादक नई दिल्ली, आईएसबीएन 978-93-85502-22-4 पीपी 35-42

देवनाथ एस, रॉय एस, एन आर चक्रवर्ती एवं ए पाल (2016) : किसानो के द्वारा व्यापारिक शंकर सब्जी के बीच उत्पादन की साधन : चुनौती एवं अवसर, सम्पादक मण्डल एट एल रेनु सम्पादक, नई दिल्ली, आई एस बी एन : 978-93-85505-22-4, पीपी 93-95

दुआरी बी के तेजा चरन एम के भौमिक एवं एन आर चक्रवर्ती (2016) : पके बीजो का अतिरिक्त फसल उगाना : पूर्वी भारत में ऊँचे पारिवारिक आय छोटे और मझारी किसानों के लिए और व्यवस्था को तीव्र करने वाला एक मार्ग देने लायक एक कृषि तकनीक में : पारिवारिक खेती : चुनौती और अवसर, सम्पादक मण्डल एट एल, रेनु सम्पादक, नई दिल्ली, आईएसबीएन : 978-93-85505-22-4, पीपी 179-187.

सन्दीप देवनाथ

शोध कागज

गुहा. एस. देवनाथ, एस शारन्गी बी (2016) : सालभर की खेती में धनिया के पैदावार एवं आवश्यक तेल पर उगने की दशा

का प्रभाव। कृषि विज्ञान पर अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका, 8 (5), 1021-1026, आईएसएसएन : 0975-3710

एम देवनाथ, एस, भट्टाचार्य, एस, सरकार एवं चटर्जी (2016) चावल (ओराइजा सेटाइभ एल) में विभिन्न दवाओं एवं जहरीला यौगिक तत्व जीन प्रतिउत्तर में अर्सेनिक की सिंचाई जल एवं मिट्टी में उपस्थिति। बायो-साधन एवं दबाव-वल प्रबन्धन पर अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका, 7 (1) : 88-91 आईएसएसएन 0976-3988

पुस्तक अध्याय -

एन आर चक्रवर्ती, बी दुआरी एस देवनाथ, ए पॉल, एस भट्टाचार्य 2016, कायम रखने लायक पारिवारिक खेती एवं खाद्य सुरक्षा के लिए जमीन की जाति का संरक्षण एवं फसलों की सम्बन्धित की सुरक्षा में : पारिवारिक खेती : चुनौती एवं अवसर, (सम्पादक : बी मण्डल), डी सरकार, एस डी मुखोपाध्याय एस घोष, बीसीरॉय, एस चौधरी) रेनु सम्पादक, नई दिल्ली, आईएसबीएन : 978-93-85505-22-4

एस देवनाथ, एस रॉय, एन आर चक्रवर्ती ए पॉल : किसानो के द्वारा व्यापारिक शंकर सब्जी के बीज उत्पादन की साधन में : पारिवारिक खेती : चुनौती एवं अवसर : (सम्पादक बी मण्डल, डी सरकार, एसडी मुखोपाध्याय, एस घोष, बीसीरॉय, एस चौधरी) रेनु सम्पादक, नई दिल्ली आईएसबीएन : 978-93-85505-22-4

विभाग के द्वारा नया कोर्स / पाठ्यक्रम की योजना बनाना या कोई दूसरा शिक्षा से सम्बन्धित नया परिवर्तन करना।

विभिन्न फलो, सब्जियों, फूलों एवं दूसरी फसलों पर कृषि-वनस्पतिक चरित्र पर अध्ययन चल रहा है जो कि उपयुक्त जिनोटाइप को पहचानने में मदद करेगा जो कि विविधता के सीधा प्रभाव और/ क्रास-ब्रीडिंग में अप्रत्यक्ष प्रभाव डालेगा'' जो कि एफ1, पीढ़ी के विभिन्न प्रकार के प्रभाव के उपयोग के लिए या इन्ब्रीडिंग के एडभांस पीढ़ी में महत्वपूर्ण रुप से अलग करना। फलो, सब्जियों और सुगन्धित फसलों पर सुधरे हुए कृषि-तकनीक का 'ऑनफार्म' ट्रायल चल रहा है जो कि एक विधि और एक फल के रुप में उगाने वालों को दर्शाया जाता है।

''होर्टीकल्चर रिसर्च ऐण्ड डिमास्ट्रेशन यूनिट'' को बागवानी पर शोध करने के लिए विकसित किया गया है। बागवानी फसलों पर विभिन्न प्रकार के किसानों के समूह को प्रशिक्षण देने के लिए एवं यूजी ऐण्ड पीजी लेवेल पर विभिन्न प्रकार के फील्ड-बेस्ट प्रेक्टीकल के लिए वही यूनीट उपयोगी है।

डॉ0 जयदीप मण्डल एक ''डिमोन्स्ट्रेशन प्लोट'' को विकसित एवं जारी किया है जो कि यूजी ऐण्ड पीजी प्रेक्टीकल क्लास और हाथो-हाथ प्रशिक्षण के लिए बहुत ज्यादा उपयोगी साबित हुआ है। और किसानों को विभिन्न प्रकार के बागबानी पर प्रशिक्षण दे रहा है।

डॉ0 प्रह्लाद देव ने अनारस, अनार, शरीफा, कल्पित ज्वालामुख नाग, विभिन्न प्रकार के नींबू और दूसरे प्रकार के फल को चलन में लाये है। अनारस की उत्पादकता ने एक विशाल सफलता पाई है और किसानों के बीच लोकप्रिय हो गया है।

इसके अलावा अधिकांश फैकल्टी ने पावर पाइंड प्रस्तुतीकरण प्रदान किया है, हस्तलिपि प्रदान किया है और पाठ्य-साम्रगी और क्लास-रूम सेमिनार को व्यवस्था किया है इत्यादि।

भवन/सदन/विभाग की प्रगति पर जो कि प्रगति के भविष्य योजना को दर्शाता है उस पर एक संक्षिप्त इतिहास।

सी आई एच ए बी का विभाग जो कि अलग-अलग अवयव जैसे जेनेटिक ऐण्ड प्लान्ट ब्रीडीन्ग, होर्टीकल्चर एवं एग्रीकल्चरल बोटैनी से बना है 1989 से काम करना शुरु किया। इसी उत्पत्ति के समय से विभाग ने यूजी लेवल पर जेनेटिकऐण्ड प्लान्ट ब्रीडीन्ग, होर्टीकल्चर ऐण्ड एग्रीकल्चरल बोटैनी पर विभिन्न कोर्स को चालु किया है।

बागबानी में पीजी कार्यक्रम को प्रतिवर्ष 9 विद्यार्थियों की क्षमता को लेकर 1997-98 के एकाडमिक सेसन से शुरु किया गया। यूजी एवं पीजी कोर्स के अलावा, विभाग के फैकल्टी सदस्यों ने विद्यार्थियों को शोध कार्य जो कि पीएचडी डिग्री एवं

दूसरे अग्रसर क्रिया कलापों की ओर ले जाता हैं, मार्गदर्शन करना शुरु किया। फैकल्टी सदस्यों ने जो आरएफ के उद्देश्य के लिए विशेष कक्षा लेना शुरु किया एवं आईसीएआर, जे आर एफ के लिए अन्तिम वर्ष के बीएससी (कृषि) ऑनर्स के विद्यार्थियों का मार्ग दर्शन किया।

दूसरे सम्बन्धित सूचना, जो कि विभाग के प्रधान के विचार है उसको भी सम्मिलित किया गया।

प्रोफेसर पार्थ सारथी मुन्सी को विभाग में विशिष्ट यूजीसी श्रेष्ठ अनुयायी के रूप में चुना गया। कुछ फल वाले फसल के वर्धित प्रचार के लिए कुछ सुधार किये हुए तकनीक को उन्नत किया गया। कुछ फलों, सब्जियों, फूलों और औषधिय पौधो को एकीकृत पौष्टिक प्रबन्ध के लिए विकसित किया गया। विभिन्न बागबानी फसलों पर खेती एवं पोस्ट हारभेस्ट प्रबन्ध का ट्रायल चल रहा है। हाई-टेक, बागवानी के साथ सूक्ष्म-सिंचाई पोली घर इत्यादि के लिए सुविधा को उत्पन्न किया गया। विभाग ने जेनेटिक एवं प्लान्ट-ब्रीडिंग में पीजी कार्यक्रम शुरु करने की योजना बनाया है एवं मोलेकुलर ब्रीडिन्ग एवं पोस्ट-हारभेस्ट टेक्नोलोजी के लिए अत्याधुनिक प्रयोगशाला स्थापित किया है।

विभागीय पुस्तकालय का विस्तार मे ंविशेष –

इस समय विभागीय पुस्तकालय नही है। विस्तारित जानकारी के लिए कृपया पाली शिक्षा भवन का वार्षिक रिपोर्ट देखें।

पीएचडी विद्यार्थियों की संख्या

पार्थ सारथी मुन्सी : एक विद्यार्थी ने पीएचडी प्राप्त किया एवं 5 विद्यार्थी काम कर रहे है।

स्नेहाशीष चक्रवर्ती : एक विद्यार्थी पीएचडी प्राप्त किया है एवं 2 विद्यार्थी काम कर रहे हैं।

जयदीप मण्डल : 6 (काम कर रहे है)

गौतम मण्डल : 4 (काम कर रहे है)

प्रह्लाद देव : 5 (काम कर रहे है।)

पारस चन्द्र कोले : एक विद्यार्थी ने थेसिस जमा किया है और 5 विद्यार्थी काम कर रहे हैं।

अमिताभ पॉल : एक विद्यार्थी पीएचडी डिग्री प्राप्त किया है और 6 विद्यार्थी काम कर रहे हैं।

निहार रंजन चक्रवर्ती : 3 (काम कर रहे है)

पौधा संरक्षण विभाग

यूजीसी / सीएसआई आर/ नेट /स्लेट एवं गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों का नाम : दो पापीया देववर्मा (प्लान्ट पैथोलोजी) एवं प्रजना पति (कृषि एन्टोमोलोजी)

राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन / सेमिनार / कार्यशाला / प्रदर्शनी इत्यादि में शिक्षक / रिसर्च स्कोलर के द्वारा उपस्थित दर्ज हुआ विस्तार में :

हीरक चटर्जी

ने महाराष्ट्र, पूने राहुरी, एमपी के भी पर ''एप्रेजल कम भेलाइडेशन फोर नोडल आफिसर ऑफ निसाजेनेट'' पर राष्ट्रीय कार्यशाला पर उपस्थित थे। कार्यशाला में 22-23 मार्च 2016 को मुख्य विषय कोर्स प्रस्तुति के साथ डाटा अपलोड स्टेटस पर था।

रंजन नाथ

ने 14 अप्रैल 2016 को विश्व-भारती का एससी, एसटी ओबीसी कर्मचारी कल्याण समीति के द्वारा आयोजित अम्बेडकर जयन्ती एवं राष्ट्रीय सेमिनार में उपस्थित थे और एक पेपर जिसमे ''इवेलुएशन ऑफ बाओ-एफीकेशी ऐण्ड फाइटोटोक्सीसीटी ऑफ मेटालेक्सी 8%+ मेन्कोजेब 64% डब्लू पी फोरमुलेशन अगेन्स्ट दि लेट ब्लाइटओन पोटेटो'' था प्रस्तुत किये,

पलाश मंडल

राष्ट्रीय सेमिनार भारत में इन्क्लूसीभ प्रगति के लिए डॉ0 बी0 आर0 अम्बेडकर का प्रासंगिकता'' 14 अप्रैल 2016 को एस सी एस टी ओबीसी कर्मचारी कल्याण समीति, विश्व भारती, शान्तिनिकेतन, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय सेमिनार ''सरल इमपोभिरीशमेन्ट ऐण्ड अग्रेरियन स्ट्रेटीजीज'' पर 30-31 मार्च पाली चर्चा केन्द्र विश्व-भारती, शान्तिनिकेतन, पश्चिम बंगाल में आयोजित हुआ।

राष्ट्रीय सेमिनार ''कायम रखने लायक पारिवारिक खेती जो भोजन, पौष्टिक एवं आजीविका सुरक्षा के लिए है। 5-6 मार्च 2016 को पाली शिक्षा भवन, विश्व-भारती, शान्तिनिकेतन, पश्चिम बंगाल में आयोजित किया गया।

यूजीसी द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर सेमिनार प्रस्तुत किया गया

''इमरजिन्ग इसू इन इन्टर ऐण्ड इन्ट्रा-डिसीप्लीनरी स्टडीज'' : एक भारतीय संदर्भ'' आयोजित यिका गया 4-5 मार्च 2016, सूरी विद्यासागर कॉलेज, सूरी वीरभूम, पश्चिम बंगाल।

इण्डियन माइकोलोजीकल सोसाइटी, कोलकाता द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार'' सूक्ष्मीय अनेकता एवं उसका प्रभाव'' पर 18-19 फरवरी 2016 को किया गया।

राष्ट्रीय सेमिनार ''भोजन सुरक्षा एवं उपयुक्त पर्यावरण के लिए कायम रखने लायक कृषि'' 17-18 दिसम्बर 2015 को बीसी के भी कल्याणी, नदिया में आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय सेमिनार ''भोजन सुरक्षा एवं उपयुक्त पर्यावरण के लिए कायम रखने लायक कृषि'' पर 14-15 नवम्बर 2015 को पाली शिक्षा भवन, विश्व भारती शान्तिनिकेतन, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित किया गया।

मोहन कुमार विश्वास

ने अन्तर्राष्ट्रीय पौधा सुरक्षा कांग्रेस (आई पीपीसी) पर 24-27 अगस्त 2015 को बरलीन, जर्मनी, पी-आई पीएम-9, पी-663 में पेपर प्रस्तुत किया।

ने शोध कागज प्रस्तुत किया 6वाँ अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार, प्लान्ट पैथोलोजी ऐण्ड पीपूल पर 23-27 फरवरी 2016, नई दिल्ली, भारत पी-282-28

मिट्टी स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय सेमिनार में कागज प्रस्तुत किया : कायम रखने लायक कृषि (एस एच के एसए) की चाभी, 14-15 नवम्बर 2015, मिट्टी विज्ञान एवं कृषि रसायन की विभाग पाली शिक्षा भवन (कृषि संस्थान) विश्व-भारती, श्रीनिकेतन 731236 पश्चिम बंगाल, भारत।

सूक्ष्मीय अनेकता और उसकी प्रभाव पर राष्ट्रीय सिम्पोजियम 18-19 फरवरी 2016, कोलकाता, भारती पी-55 में पेपर प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय सेमिनार ''भारत में इन्क्लूसीभ प्रगति के लिए डॉ0 बी0 आर0 अम्बेडकर का प्रासंगिकता'' 14 अप्रैल, 2016 भारत में विश्व-भारती शन्तिनिकेतन, पश्चिम बंगाल में पेपर प्रस्तुत किया।

भोलानाथ मंडल

'ह्यूमन डेवेलपमेंट ऐण्ड एसटेनेबिलिटी : चैलेंजेस ऐण्ड स्ट्रेटेजिस फॉर दि एशियन सेन्चूरी' पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार मे सम्मिलित हुए 16-18 जनवरी 2015 में हुआ। सामाजिक कार्य विभाग द्वारा संयुक्त आयोजित, विश्व-भारती और इंटरनेशनल कॉनसोरटीयम फॉर सोसल डेवेलपमेंट-एशिया पेसिफिक इन कॉलाबोरेशन वीथ दि चार्ल्स स्टर्ट युनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया और एक्शन एण्ड कोलकाता।

''सस्टेनेबल एगरीकल्चर फॉर फुड सिक्योरिटी ऐण्ड बेटर एन्वारन्मेंट पर राष्ट्रीय सेमिनार में शामिल हुए। 17-18 दिसम्बर, 2015 में हुआ था, एग्रोनोमी विभाग द्वारा आयोजित, विधान चन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, मोहनपुर, नदिया,पश्चिम बगाल

''माइक्रोबियल डाइवर्सिटी ऐण्ड इटस इम्पेक्ट'' पर राष्ट्रीय सेमिनार में शामिल हुए 18-19 फरवरी 2016 को हुआ था। वनस्पति विज्ञान के साथ सम्मिलित होने में भारतीय माइकोलोजीकल समाज द्वारा आयोजित, कैलकेटा विश्वविद्यालय,

''रिसेंट एडवांसेस इन साइन्स, इन्जिनियरिंग ऐण्ड मैंनजमेंट'' पर राष्ट्रीय सभा में शामिल हुए 20-21 फरवरी 2016 में हुआ था, बंगाल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेंट द्वारा आयाजित, शांतिनिकेतन एआईसीटीई-आईआईपीसी के प्रवर्त्तक के अंतर्गत।

''शिक्षा और वृद्धि'' पर राष्ट्रीय सभा में शामिल हुए 4-5 मार्च 2016 में हुआ था, लाईफलॉंग लर्निंग ऐण्ड एक्सटेशन के विभाग द्वारा आयोजित (ग्रामीण विकास केंद्र), पीएसभी, विश्व-भारती, श्रीनिकेतन।

''एमरजिंग इशूज इन इंटर-ऐण्ड इंट्रा-सिसिप्लीनरी स्टडीज : एन इंडियन पर्सपेक्टीव'' पर राष्ट्रीय सेमिनार में शामिल हुए 4-5 मार्च 2016 में हुआ था, आईक्यूएसी द्वारा आयोजित, ग्रामीण वृद्धि के लिए अमर कुटीर समाज के साथ सम्मेलन में सुरी विद्यासागर कॉलेज, वीरभूम।

''ससटेनेबल फैमिलि फार्मिंग फॉर फुड, न्यूट्रीशनल एण्ड लिवलीहुड सिक्योरिटी'' पर राष्ट्रीय सेमिनार में शामिल हुए 5-6 मार्च 2016 में हुआ था। ईईएस विभाग द्वारा आयोजित, पीएसबी, विश्व-भारती, श्रीनिकेतन।

''रूरल इमपोवरीशमेंट ऐण्ड एग्रेरीयन स्ट्रेटेजीस'' पर राष्ट्रीय सेमिनार में शामिल हुए 30-31 मार्च 2016 में हुआ था। ग्रामीण अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित,पीसीके, विश्व भारती, श्रीनिकेतन।

''प्लांट ऐण्ड माइक्रोव : डाईर्सिटी ऐण्ड यूटीलाइजेशन'' पर राष्ट्रीय सेमिनार में शामिल हुए 19-20 मार्च 2016 में हुआ था। वनस्पति विज्ञान द्वारा आयोजित, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन।

स्वर्णाली भट्टाचार्य

विषय ''प्लांट सिगनलिंग रेसपोन्स ऑफ बायो-इनोकुलेंट बैसीलुसुबटीलीज अगेन्सट मूंग बीन एफीड'' पर जीवनधारा योग्य कृषि के लिए एन्टोमोलोजी पर चौथे कांग्रेस ऑन इन्सेक्ट साईन्सेज (सीआईएस-4) में भाग ली और पोस्टर की प्रस्तुति की जो पंजाब कृषि विश्वविद्यालय में हुआ था, लुधियाना 16-17 अप्रैल से, 2015।

''ससटेनेबल फैमिलि फार्मिंग फॉर फुड, न्यूट्रीशनल ऐण्ड लिव लिहुड सिक्योरिटी'' पर राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिये और

दस्तावेज प्रस्तुत किये जो ईईएस विभाग में हुआ था, पाली शिक्षा भवन, विश्व-भारती, वीरभूम, पश्चिम बंगाल 5-6 मार्च 2016 से विषय ''इम्पैक्ट ऑफ ऑरगेनिक फर्टिलाइजर्स ऐण्ड बायो-इनोकुलेन्टस ऑन इम्पोर्टेंट इन्सेक्ट-पेस्ट एण्ड डिजिज ऑफ पैडी'' पर।

विभाग में चल रहे निरीक्षण योजनायें :

हिरक चटर्जी

योजना शीर्षक के टेकनीकल ऑफीसर

1. बायो-एफीकेसी ऐण्ड रेसीडयू स्टडीज ऑफ सम फंगीसाईडस ऑन डिफरेंट क्रॉप्स विलोवुड केमिकल्स प्राईबेट लिमिटेड द्वारा संचालित, नई दिल्ली और

11. स्टडीज ऑन दि बायो-एफीकेसी ऐण्ड रेसीडयू एनालिसिस ऑफ सम फंगीसाईडस ऑन डिफरेंट क्रॉप्स। विलोवुड केमिकल्स प्राइबेट लिमिटेड द्वारा संचालित, नई दिल्ली।

रंजन नाथ

मुख्य जाँच अधिकारी की तरह

बायो-ऐफीकेसी ऐण्ड रेसीडयू स्टडीज ऑफ सम फंगीसाईडस ऑन डिफरेंट क्रॉप्स फंडैड बाई विलोवुड केमिकल्स प्राईबेट लिमिटेड, नई दिल्ली

स्टडीज ऑन दि बायो-एफीकेसी एण्ड रेसिडयू एनालिसिस ऑफ समफंगीसइडस ऑन डिफरेंट क्रॉप्ट। विलोवुड केमिकल्स प्राइबेट लिमिटेड द्वारा संचालित, नई दिल्ली

स्टडीज ऑन दि आयो-एफिकेसी ऑफ सम फंगीसाईडस ऑन डिफरेंट क्राप्स। विलोवुड केमिकल्स प्राइबेट लिमिटेड द्वारा संचालित, नई दिल्ली

इवैलूएशन ऑफ बायो-एफीकेसी ऑफ डाईमेथोमॉर्फ 50 डब्लूपी अगेन्स्ट डिजिज पोटैटो। कोरोमंडल अंतर्राष्ट्रीय लिमिटेड द्वारा संचालित सिकन्दराबाद।

सह-मुख्य जाँचअधिकारी की तरह

बायो-एफीकेसी एण्ड रेसीडयू स्टडीज ऑफ सम मॉडर्न इन्सेक्टिसाईडस विलोवुड केमिकल्स प्राइबेट लिमिटेड द्वारा संचालित, नई दिल्ली।

स्टडी ऑन बायो-एफीकेसी, फाइटोटॉक्सीसीटी ऐण्ड रेसीडयू एनालिसिस ऑफ सम हर्बीसाईडस इन डिफरेंट क्रॉप्स। विलोवुड केमिकल्स प्राइबेट लिमिटेड द्वारा संचालित, नई दिल्ली

इवैलूएशन ऑफ बायो-एफीकेसी, फाइटोटॉक्सीसीटी ऐण्ड रेसीडयू ऑफ डब्लूसीपीएल 15 डब्लूडीजी अगेन्स्ट फालारीस माइनर (कैनेरी ग्रास) विलोवुड केमिकल्स प्राइबेट लिमिटेड द्वारा संचालित, नई दिल्ली।

बायो-एफीकेसी ऐण्ड फाइटोटॉक्सीसीटी स्टडीज ऑफ समन्यू इनसेक्टीसाईड मॉलिक्यूल्स फॉर रेजीस्ट्रेशन परपज। विलोवुड केमिकल्स प्राईबेट लिमिटेड द्वारा संचालित, नई दिल्ली।

पलाश मंडल

1. भिन्न-भिन्न फसलों पर कुछ कीड़े नाशकारक वस्तुओं और बिमारियाँ उनके वनस्पति जहर के साथ के खिलाफ कृमिहत्या और कुकुरमुत्ताहल्या का इवैल्यूएशन, क्रिस्टल फसल सुरक्षा प्राइबेट लिमिटेड।
2. पश्चिम बंगाल के लाल लैटेराईटीक जोन में विभिन्न फसलों के मुख्य कीड़े नाशक और बिमारियों पर कृमिहत्या और अन्य कीटनाशकों का इवैल्यूएशन, पीआई इंडस्ट्रीज लिमिटेड।
3. बायो-एफीकेसी ऐण्ड फाइटोटॉक्सीसीटी इवैल्यूएशन ऑफ सम हर्बीसाईडस ऐण्ड इन्सेक्टीसाइडस इन डिफरेंट क्रॉप्स

अगेन्स्ट डिफरेंट वीड्स ऐण्ड इंसेक्ट सिनारियों,बायर क्रॉप साइन्स लिमिटेड।

4. बायो + फाइटो टाक्सीसीटी इवैल्यूएशन ऑफ सम हर्बीसाइडस ऐण्ड फंगीसाइडस इन डिफरेंट क्रॉप्स अगेन्स्ट डिफरेंट वीडस ऐण्ड डिजिज सिनारियो, सिनजेन्टा इण्डिया लिमिटेड,

एम.के.विश्वास

बीमारी के फंगल और बैक्टेरीयल वील्ट और पूर्ण व्यवस्था के खिलाफ उनके अवरोधक के लिए ब्रिंजल जेनोटाइप का स्क्रीनिंग, वाईस-चांसलर के निर्णय स्वीकृति के अन्दर भागीत, विश्व-भारती। जुड़ा हुआ है प्रोजेक्ट से ''मैनेजमेंट ऑफ ब्रजिल एण्ड टोमैटो वील्ट थ्रू फार्मर्स पार्टीसीपेटरी एप्रोचेज'' और विश्वकवि किसान संस्था के लिए एनएबीएआरडी द्वारा स्वीकृत पीआई की तरह कार्य करना, बोलपुर।

भोलानाथ मण्डल

मुख्य जाँच अधिकारी की तरह

पश्चिम बंगाल के लैटेराईटीक और लाल एग्रो-क्लाइमेटीक क्षेत्र के अन्तर्गत भिन्न फंगीहत्या को बायो-एफीकेसी और फाइटोटॉक्सी सीटी इवैलूयेशन। केमिनोआ इण्डिया लिमिटेड द्वारा संचालित, स्वीकृत राशि 4,40,000.00 रू0

कुकुम्बर के पाउडरी मिलडिउ और डाउनी लिमिटेड के खिलाफ पीआईआई 405 15% ईसी का बायो-एफीकेसी इवैलूएशन। पीआई इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा संचालित, स्वीकृत राशि 2,20,000.00 रुपये।

पौधा बीमारी व्यवस्था के लिए कुछ फंगीहत्या का बायो-एफीकेसी इवैलूएशन। बायेर क्रॉप-साइन्स लिमिटेड द्वारा संचालित, स्वीकृत राशि 4,60,000.00 रुपये।

स्वर्णाली भट्टाचार्य

''बायो-एफीकेसी ऐण्ड फाइटो-टॉक्टिसीटी स्डडीज ऑफ सम इन्सेक्टीसाईड मॉलिक्यूल्स फॉर रेजिस्ट्रेशन परपज'' नामक योजना के मुख्य जाँच अधिकारी के तरह कार्यकर्त्ता, विलोवुड केमिकल्स प्राइबेट लिमिटेड द्वारा संचालित, नई दिल्ली।

''बायो-एफीकेसी ऑफ प्रोफेनोफोज 50% ईसी ऐण्ड प्रोफेनोफोज 40% ईसी + साईपरमेथरीन 4% ईसी'' नामक योजना के लिए मुख्य जाँच अधिकारी की तरह कार्यकर्त्ता कोरोमण्डल इंटरनेशनल प्राइबेट लिमिटेड द्वारा संचालित, सिंकन्दराबाद

''इवैलूएशन ऑफ बायो-एफीकेसी ऐण्ड फाइटो-टॉक्सीसीटी एनालिसिस ऑफ सीएमआईआई 141 अगेन्स्ट माईट्स ऐण्ड सकिंग पेस्ट ऑफ चीली ऐण्ड क्लोरपीरीफोस 20% ईसी अगेन्स्ट इन्सेक्ट-पेस्ट ऑफ राईस ऐण्ड ब्रींजल'' नामक योजना के लिए मुख्य जाँच अधिकारी की तरह कार्यकर्त्ता कोरोमण्डल इंटरनेशनल प्राइबेट लिमिटेड द्वारा संचालित, सिकन्दराबाद।

विभाग के शिक्षक और विद्यार्थी द्वारा भाग लिये गये और विभाग द्वारा आयोजित विकसित क्रियाये/एनएसएस/सभ्यतायिक और अन्य क्रियायें।

विभाग के शिक्षक और विद्यार्थी समय-समय से संस्था द्वारा आयोजित विकसित क्रियाओ में कार्यरत तरीके से व्यस्त है और साथ ही विभाग किसानों के लाभ के लिए सभी कार्यो के दिनों में दफ्तर के घंटो के दौरान पौधा स्वास्थ्य क्लीनीक चलाता है। कीटनाशक व्यवस्था के संबंध में टेलीफोन उपदेशक भी किसानों के लिए बढ़ाया गया है।

कृषि निर्देशक को जीवनधारा योग्य कीटनाशक व्यवस्था की ओर डायगोनास्टिक और उपदेशक सर्विसेज बढ़ाया गया है, पश्चिम बंगाल सरकार और भिन्न एनजीओएस। इसमें कोषाध्यक्ष सदस्यों ने घिरे हुये गाँवों में उपजकों के कृषि-क्षेत्र ट्रेनिंग को युक्त करते हुए रथीन्द्र कृषि विज्ञान केन्द्र, विश्व-भारती द्वारा आयोजित विभिन्न ट्रेनिंग प्रोग्रामों में भाग लिया और ऑल इण्डिया रेडियों और टेलीविजन एक्सटेंशन प्रोग्राम में भी भाग लिया।

हीरक चटर्जी

दुरदर्शन द्वारा आयोजित प्रोग्राम 'कृषि दर्शन' में स्रोत व्यक्ति, शांतिनिकेतन।

रन्जन नाथ

दूरदर्शन द्वारा आयोजित प्रोग्राम 'कृषि दर्शन' में स्त्रोत व्यक्ति, शांतिनिकेतन

'आकाशवाणी' द्वारा आयोजित 'फोन इन' में स्त्रोत व्यक्ति, शांतिनिकेतन

आरएसईटीआई (रूरल सेल्फ इम्पलॉयड ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट) के स्त्रोत व्यक्ति की तरह कार्यकर्त्ता

मोहन कुमार विश्वास

''कॉमरशियलाईजेशन ऑफ हॉर्टीकिल्चरड टेक्नोलॉजी ऐण्ड इंट्रिप्रेनयोरशीप डेवलपमेंट'' के विषय में ''इनवाइटेड लेक्चर सिरिज ऑफ सीआईएचएबी'' के अन्तर्गत एक भाषण दिये 14.09.2015 को।

नाबार्ड योजना के अन्तर्गत वील्ट बीमारी और उनके व्यवस्था से सम्बन्धित किसानों को टेकनीकल ज्ञान प्रस्तुत कराये, महेशपुर

''विभिन्न फसलों के कीटनाशक व्यवस्था'' पर एक भाषण दिये और बोलपुर में मुख्य भाषण दिये, इलाहाबाद बैंक ट्रेनिंग सेन्टर 20.02.2016 में

''मैनजमेंट ऑफ इन्सेक्ट पेस्ट एण्ड डिजिज ऑफ वेजीटेबल्स थ्रू इंटिग्रटेड एप्रोचेज'' पर भाषण दिये और किसान बानी, आकाशबाणी में प्रोग्राम संचालित किये, शांतिनिकेतन, 25.03.2015 को।

''निमैटोड डिजिज ऐण्ड देयर मैनेजमेंट'' पर भाषण दिये और किसान बाणी, आकाशबाणी, शान्तिनिकेतन में प्रोग्राम संचालित किये 12.02.2016 को।

भोलानाथ मण्डल

जानकारी प्रोग्राम में एक स्त्रोत व्यक्ति की तरह शामिल हुये और सीआईएचएबी (पीएसबी) विभाग, रथीन्द्र केभीके(पीएसबी), कृषि विभाग (वीरभूम, जीओडब्लूबी), वीरभूम कविगुरु फार्मर्स क्लब एसोसिएशन डिस्ट्रीक्ट फिडरेशन), नाबार्ड, बोलपुर मानव जमीन और आसनसोल बर्दवान सेवा केन्द्र द्वारा आयोजित विभिन्न गाँवों में भिन्न-भिन्न विषयों पर भाषण दिये।

कृषि दर्शन प्रोग्राम (डीडीके, शांतिनिकेतन) और किसान बाणी प्रोग्राम (एआईआर) शांतिनिकेतन) में एक विशेषज्ञ की तरह (दोनों रिकॉर्डिंग और लाइव-फोन-इन प्रोग्राम) में भाग लिये और जीवनधारण योग्य कृषि से सम्बन्धित भिन्न-भिन्न विषयों पर चर्चा किये।

स्वर्णाली भट्टाचार्य

आकाशावाणी, शांतिनिकेतन के लाईव फोन इन प्रोग्राम में एक विशेषज्ञ की तरह भाग दिये और विषय ''गेहूँ की खेती'' पर भाषण दिये 27.10.2015 को।

आकाशवाणी, शांतिनिकेतन के लाईव फोन इन प्रोग्राम में एक विशेषज्ञ की तरह भाग दिए और विषय ''आईपीएम इन पैडी'' पर भाषण दिये 27.08.2015 को।

दूरदर्शन शांतिनिकेतन के टेलीविजन शो ''कृषि दर्शन'' में एक विशेषज्ञ की तरह भाग दिए और विषय ''आईपीएम इन बोरो पैडी'' पर भाषण दी।

नाबार्ड द्वारा आयोजित एक दिन फार्मर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम में एक विशेषज्ञ की तरह भाषण दिए विषय ''आईपीएम ऑफ रवी क्रॉप्स'' पर आरएसईटीआई में, इलाहाबाद बैंक, बोलपुर पूर्ण रूप से विभाग के शिक्षको/विद्वानों द्वारा लाभित एकाडमिक श्रेष्ठता (डीएसए या सीएसए इत्यादि के पहचान की तरह)

हीरक चटर्जी

विभाग के उच्च अधिकारी की तरह कार्य किये, पौधा सुरक्षा विभाग, पाली शिक्षा भवन, विश्व-भारती, 15 सितम्बर 2015 तक।

एनओडीएएल ऑफिसर की तरह कार्य किये, पीएसबी, निसाजेनेट योजना के लिए विश्व-भारती, आईसीएआर नई दिल्ली।
पौधा सुरक्षा और पर्यावरण के जर्नल के काउंसिलर की तरह कार्य किये। ओयूएटी, उड़ीसा भुवनेश्वर 2007 से।
'इन्सेक्ट साइन्स' पीएयू, लुधियाना में जर्नलों के रेफरी की तरह कार्य कर रहे हैं।
'ओराईजा' और एजेआरए समाज, सीआरआरआई, कटक जर्नलों के रेफरी की तरह कार्य कर रहे हैं।
कृषि निरीक्षण बातचीत में जर्नलों के रेफरी की तरह कार्य कर रहे है, गौरव समाज, हीसार।
पौधा सुरक्षा और पर्यावरण के जर्नल के रेफरी की तरह कार्य कर रहे हैं। ओयूएटी, उड़ीसा, भुवनेश्वर।
दस्तावेज सेटर,थिसिस इवैलूएटर और बाह्य परीक्षक की तरह सीएयू, ओयूएटी, यूबीकेभी और बीसीकेभी और एएयू, जोरहाट में कार्य कर रहे हैं।

रंजन नाथ

विभाग के उच्च अधिकारी की तरह कार्य कर रहे हैं, पौधा सुरक्षा विभाग, पाली शिक्षा भवन, विश्व भारती, 16 सितम्बर 2015 से प्रभावित।
उत्तर बंग कृषि विश्वविद्यालय के दस्तावेज सेटर और बाह्य परीक्षक, कुचबिहार पश्चिम बंगाल।
बिधान चन्द्र कृषि विश्वविद्यालय के दस्तोवज व्यवस्था और बाह्य परीक्षक, मोहनपुर, नदिया।
त्रिपुरा विश्वविद्यालय के दस्तावेज व्यवस्थापक, अगरतल्ला, त्रिपुरा प्लांट पैथोलोजी विभाग के बाह्य सदस्य बीओएस, बिधान चंद्र कृषि विश्वविद्यालय मोहनपुर, नदिया।

पलाश मण्डल

एग्रील विभाग के बाह्य परीक्षक के रूप में नियुक्त हुए। एन्टोमोलोजी, यूबीकेभी, कुचबिहार।
रामकृष्ण मिशन विवेकानन्द विश्वविद्यालय, नरेन्द्रपुर, कोलकाता।
एग्रील विभाग के बाह्य परीक्षक के रूप में नियुक्त हुए। एन्टोमोलोजी, बीसीकेभी, मोहनपुर, नदिया
जैव-स्त्रोत और तनाव व्यवस्था (प्रिंट आईएसएसएन : 0976-3988, ऑनलाईन आईएसएसएन : 0976-4038) के जर्नल के लेखीय बोर्ड सदस्य।
'पौधो सुरक्षा और पर्यावरण के लिए समाज' के जीवन सदस्य और 'जर्नल ऑफ प्लांट प्रोटेक्शन ऐण्ड एन्वाटन्मेन्ट प्रकाशित किये।

एम.के.विश्वास

फाइटोपैथोलोजी के भारतीय जर्नल के पुनर्चर्चित की तरह कार्य किये। आईएआरई, नई दिल्ली, भारत।
आर्थिक पौधों के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल के एक लेखीय सदस्य की तरह कार्य किये, आईएसएसएन : 2349-4727, पुष्पा प्रकाशन गृह।
एमएससी के लिए बाह्य परीक्षक के रूप में नियुक्त हुये यूबीकेभी में थिसिस इवैलूएशन, कूचबिहार, पश्चिम बंगाल।
इंण्डियन फाइटोपैथोलोजीकल सोसाइटी के स्थायी जीवन सदस्य, प्लांट पैथोलोजी का विभाग, आईएआरआई, नई दिल्ली, भारत ने जर्नल ऑफ इण्डियन फाइटोपैथोलोजी को प्रकाशित किया।
माइकोलोसी और प्लांट पैथालोजी के भारतीय समाज के स्थायी जीवन सदस्य, प्लांट प्लांट पैथोलोजी का विभाजन, एमपीयूएटी, उदयपुर, राजस्थान भारत, जर्नल ऑफ माइकोलोजी ऐण्ड प्लांट पैथोलोजी को प्रकाशित करता है।
पौधा सुरक्षा और पर्यावरण के लिए समाज के स्थायी जीवन सदस्य, ओएयूटी भुवनेश्वर, भारत, जर्नल ऑफ प्लांट प्रोटेक्शन ऐण्ड एनवारन्मेंट को प्रकाशित करता है।
एसोसिएशन फॉर एडवांसमेंट इन प्लांट प्रोटेक्शन के जीवन सदस्य, दि जर्नल ऑफ प्लांट प्रोटेक्शन साइन्स को प्रकाशित

करता है।
भारत के कुकुरमुत्ता समाज के सभा के सदस्य, सोलन, दि जर्नल मशरूम रिसर्च प्रकाशित करता है।
पीएचडी कोर्स सम्पादीकरणकर्त्ता की तरह कार्य करता है
ईन-चार्ज, अनुभवी शिक्षा इकाई, पीएसबी, श्रीनिवास, और अनुभवी शिक्षा सम्बन्धित क्रियाओं की देख-रेख करना।

भोलानाथ मण्डल

क्रॉप ऐण्ड वीड साइन्स सोसाइटी (सीडब्लूएसएस) बीसीकेभी, नदिया, पश्चिम बंगाल, ईस्टर्न इण्डिया हॉर्टिकल्चर ऐण्ड बायोटेक्नोलोजी सेन्टर (ईआईएचबीसी), बहारू, साउथ 24 परगना, पश्चिम बंगाल।
पौधा सुरक्षा और पर्यावरण के लिए समाज, ओयूएटी, भुवनेश्वर, उड़ीसा। ऐसोसिएशन ऑफ एग्रोमेटेओरोलोजिस्ट, एएयू आनंद, गुजरात।
एग्रो-हार्टिकल्चरल सोसाइटी फॉर टेक्नोजोजी ऐण्ड रुरल डेवेलपमेंट (एएचएसटीआरडी), बसन्ती, साउथ 24 परगना, पश्चिम बंगाल।
इंडियन सोसाइटी ऑफ स्वॉयल बायोलोजी ऐण्ड इकोलोजी (आईएसएसबीई), यूएएस, जीकेभीके कैम्पस, बैंगलोर।
ऑरगनाइजेशन फॉर एसिसटींग ऑफ दि थ्रोटलिंग वर्ल्ड (ओएटीडब्लू), राजबारीपाड़ा, जलपाइगुड़ी, पश्चिम बंगाल।
इण्डियन माइकोलोजीकल सोसाइटी (आईएमएस), कैलकेटा विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल।
इंडियन सोसाइटी ऑफ माइकोलोजी एण्ड प्लांट पैथोलोजी (आईएसएमपीपी), एमपीयूएटी, उदयपुर, राजस्थान।
एसोसिएशन फॉर एडवांसमेंट इन प्लांट प्रोटेक्शन (एएपीपी), पौधा स्वास्थ्य क्लिनिक, निरीक्षण निर्देशक, बीसीकेभी, नदिया, पश्चिम बंगाल।
कुचबिहार एसोसिएशन फॉर दि कल्टीवेशन ऑफ एगरीकल्चरल साइन्सेज (सीओबीएसीएएस), यूबीकेभी, कुचबिहार,पश्चिम बंगाल।
जैव-स्त्रोत समाज, पर्यावरण और कृषि निरीक्षण, शांतिनिकेतन, वीरभूम, पश्चिम बंगाल।
उड़ीसा यूनिविर्सिटी ऑफ एगरीकल्चर ऐण्ड टेक्नोलोजी (उड़ीसा) के बाह्य परीक्षक। दस्तावेज व्यवस्थापक नियुक्त हुये, शिक्षा-ओ-अनुसंधान विश्वविद्यालय (उड़ीसा) उत्तर बंग कृषि विश्वविद्यालय (कुचबिहार) और बिधान चन्द्र कृषि विश्वविद्यालय (पश्चिम बंगाल) जैव-स्त्रोत, पर्यावरण और कृषि निरीक्षण के समाज के सहायक सेक्रेटरी की तरह कार्य किये, शांतिनिकेतन,वीरभूम (2015-2016) के लिए जैव-स्त्रोत, पर्यावरण और कृषि विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल के जर्नल के जनता संबंध ऑफिसर और लेखिय बोर्ड सदस्य की तरह कार्य किये (2015-2016 के लिए)
जर्नल के लेखिय बोर्ड सदस्य की तरह कार्य किये, जर्नल ऑफ क्रॉप एण्ड वीड क्रॉप ऐण्ड वीड साइन्स) सोसाईटी (सीडब्लूसीसी) द्वारा प्रकाशित, बीसीकेभी, नदिया, पश्चिम बंगाल।
''भारत में संयुक्त वृद्धि के लिए डॉ0 बी0 आर0 अम्बेडकर के योगदान'' पर राष्ट्रीय सेमिनार के लिए आयोजक सेक्रेटरी की तरह कार्य किये, लिपिका में, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन 14 अप्रैल 2016 में हुआ था।

स्वर्णाली भट्टाचार्य :

एन्टोमोलोजी पर चौथे कांग्रेस ऑन इन्सेक्ट साइन्स (सीआईएस-4) में बेहतरीन पोस्टर पुरस्कार प्राप्त की के लिए जीवनधारण योग्य कृषि विषय ''प्लांट सिगनलिंग रिसपोन्स ऑफ बायो-इनोकुलेंट बैसीलुसुबटीलीस अगेन्स्ट मूंग बीन एफीड'' पर पंजाब कृषि विश्वविद्यालय में हुआ था, लुधियाना 16-17 अप्रैल 2015 से।
'जैव-स्त्रोत समाज, पर्यावरण और कृषि निरीक्षण'', का जीवन सदस्य प्रकाशित 'जैव-स्त्रोत का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, पर्यावरण और कृषि विज्ञान, दफ्तर : शांतिनिकेतन, जिला-वीरभूम, पश्चिम बंगाल भारत।

कॉलेज ऑफ एगरीकल्चर की बाह्य परीक्षक नियुक्त हुई, ओयूएटी, चिपलिमा, सम्बलपुर, उड़ीसा, कॉलेज ऑफ हार्टिकल्चर, बगलकोट, कर्नाटक और जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर, मध्यप्रदेश।

प्राकाशन (प्रकाशित हुआ अप्रैल 2014-मार्च 2015 के दौरान)

एन.सी.मण्डल

प्रामाणिक पी.के. और मण्डल, एन.सी. (2016) आलु के वैक्स्ट रोट पर आवश्यक तेलों का प्रभाव (जियोट्रीचम कैंडीडम लिंक एक्स पर्स), एनल्स ऑफ प्रोटेक्शन साइन्सेज 24:185-187।

हीरक चटर्जी

एस.पाल; एच चटर्जी और एस.के. सेनापति। 2015. पश्चिम बंगाल के पहाड़ी क्षेत्रों में एबायोटिक फैक्टर्स ऑन फेरोमोन ट्रेप केचस ऐण्ड फील्ड इनफेसटेशन ऑफ हेलीकोवरपा आर्मीजेरा ऑन कार्नेशन (डायनथस कैरयोफिल्स) का प्रभाव। जैव-स्त्रोत और तनाव व्यवस्था का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल 6 (6) : 695-699।

एस.पाल: आई सरकार, एच चटर्जी और एस.के. सेनापति 2015. वैराइटल रियेक्शन ऑफ कार्नेशन टू बड बोरर, हेलीकोवरपा आर्मीजेरा (हबनर) इन रिलेशन टू प्लांट कैरेक्टर्स। बागबानी इकोसिस्टम में कीटनाशक व्यवस्था 22(1) 49-54।

टी.आर.सिंह, के एम सिंह, एम पी सिंह और एच चटर्जी 2015. मणिपुर में राईस लीफ फोल्डर के खिलाफ कीटनाशकों का वैराइटल स्क्रिनिंग और इवैलूएशन। एनटोमोलोजी के भारतीय जर्नल 88(3) 3 206-209।

रंजन नाथ

माजी अतीत और रंजन नाथ (2015) पैथोलोजीकल एसपेक्टस ऑफ जैन्थोमोनस कम्पेस्ट्रीस पीभी कम्पेस्ट्रीज पर एक अध्ययन

पश्चिम बंगाल के लाल लैटेराईटीक क्षेत्र के अन्तर्गत कैबेज के काले रोट का कारण। व्यावहारित और प्राकृतिक विज्ञान का जर्नल 7(2) : 780-785।

पलाश मण्डल

एस चक्रवर्ती और पी मण्डल 2016 फिजियो-केमिकल पैरामीटर्स ऑफ पल्सेज अफेक्टिंग दि ब्रुचीड (कैलोसोब्रचस काइनेनसिस लिन) इनफेसटेशन। विज्ञान और टेक्नोलोजी का एशियन जर्नल : 7:2554-2560।

एस.चक्रवती, पी मण्डल और एस.के. सेनापति 2015.एज स्पेसिफीक ऐड फीमेल फिकनडीटी लाइफ टेबल ऑफ कैलोसोब्रचस काइनेनसिस लिन ऑन काउपी। बायोलोजिकल इनोवेशन का जर्नल, 4:279-289।

एस.चक्रवर्ती, पी.मण्डल और एस.के. सेनापति 2015 स्टडीज ऑन बायोलोजी ऑफ दि पल्स बीट, कैलोसोब्रचस काईनोसिस लिन.इनफेस्टिंग ग्रीन ग्राम करेंट बायोटीका, 9:93-97।

एस.चक्रवर्ती और पी.मण्डल 2015 एज स्पेसिफीक ऐण्ड फीमेल फिकनडीटी लाइफ टेबल ऑफ कैलोसोब्रचस काइनेनसिस लिन ऑन ग्रीन ग्राम शुद्ध और व्यावहारित जैव-विज्ञान का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 4:284-291।

एस.चक्रवर्ती और पी मण्डल-2015, स्टडीज ऑन बायोलोजी ऑफ पल्स बीट (कैलोसोब्रचस काइनेनसिस लिन) इनफेसटिंग काउ पी। करेंट रिसर्च का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 12:23512-23515

डी वर्मा, पी मण्डल और एम.के. साहु 2015 टू स्टडी दि सिजनल इंसिडेन्स ऑफ जासीद / आमरास्का बिगुटूटुला बिगुट्टुला) ऐण्ड व्हाईट फ्लाई (बामीसिया टबाकी) ऑफ ओकरा वीट रिसपोन्स टू वैरियर्स एबोयोटिक फैक्टर्स। पौधा वृद्धि विज्ञान का जर्नल, 7:803-807।

सी.माईति, ए.संत्रा एल मण्डल और पी.मण्डल 2015.

मैनेजमेंट ऑफ चिली थ्रिप्स वीथ सम न्युअर मॉलिक्यूल्स ऑफ केमिक्स। जैव-स्त्रोत, पर्यावरण और कृषि विज्ञान का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल : 1:19-25।

एम.के.विश्वास

सुप्रतीक पाल चौधरी,एस.के.शर्मा, एम.के. विश्वास और के.के. विश्वास (2016) भारत में एनईएच क्षेत्र के मणिपुर राज्य में मंदरीन नारंगी में घटक बीमारियों का कारण साईट्रस ट्रीसटेजा वाइरस का अनुवांशिक विभिन्नता। आदर्श, प्लांट पैथोजेन्स और लोगों में, छठा अंतर्राष्ट्रीय सभा, प्लांट पैथोलोजी ऐण्ड पीपुल, 23-27 फरवरी 2016, नई दिल्ली भारत आईएसबीएन : 81-709-527-2, पी-282।

पी.नागमनी, एम.के. विश्वास और सोमेश्वर भगत (2015)। एफीकेसी ऑफ नेटिव ट्राइकोडर्मा एसपीपी फॉर दि मैनेजमेंट ऑफ रूट रोट पैथोजेन्स इन चिकपी (सिसर एरीटीनम1) बढ़ता निरीक्षण-एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, विस्तार 10(4) : 353-356, एनएएएस-3 16(2015)।

पी.नागमनी : एम.के. विश्वास और सोमेश्वर भगत (2015)। स्टेटस ऑफ रोट डिज़िज इन चिक पी ग्रोविंग रायलासीमा रिजन ऑफ आन्ध्र प्रदेश बढ़ता निरीक्षण-एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, विस्तार 10(4) : 320-322, एनएएएस-3.16(2015)

रिनी पाल; मोहन कुमार विश्वास, दिपंकर मण्डल और बी.एस. नाईक (2015), मैनेजमेंट ऑफ शीथ ब्लाइट डिज़िज ऑफ राइस थ्रू बायो कंट्रोल एजेन्टस इन वेस्ट सेन्ट्रल टेबल लैण्ड जोन ऑफ उड़ीसा, अग्रिम निरीक्षण का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 3(11), पीपी-747-753-एसजेआईएफ-4.588(2015)

रिनी पालः मोहन कुमार विश्वास, दीपंकर मण्डल अतानु सेनी और बी.एस.नाईक (2015) प्रिवेलेन्स ऑफ शीथ ब्लाइट डिजिज ऑफ राइस इन वेस्ट सेन्ट्रल टेबल लैण्ड जोन ऑफ उड़ीसा, जैव-स्त्रोत, पर्यावरण और कृषि विज्ञान का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल (आईजेबीईएएस), 1(3) : पीपी-103-107।

रिनी पाल, मोहन कुमार विश्वास, दीपंकर मण्डल और बी.एस. नाईक (2015)। मैनेजमेंट ऑफ शीथ ब्लाइट डीजिज। राइजोकटोनिया सोलानी कुहन) ऑफ राइस इन एन इंटीग्रेटेड वे। निरीक्षण बढ़ता हुआ-एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 10(मुख्य-IV) : पीपी-2350-2352, एनएएएस-3.16 (2015),

एम.के. विश्वास (2015)। इफेक्ट ऑफ बोटानिक्ल्स ऑन दि इंसीडेन्स ऑफ कंप्टीटीटर मोल्डस एण्ड बायोलोजीकल एफीसियेन्सी। ऑफ ग्रे ऑईसटर मशरूम (प्लीयूरोटस ऑस्ट्रीटस), दि बायोस्कैन, 10(2), पीपी-511-515, एनएएएस-4.57(2015)।

एम.के. विश्वास और सोमा भट्टाचार्य विश्वास (2015)। रिसाइकलिंग ऑफ लिग्नो-सेल्यूलोजीक वेस्ट मैटेरीयल्स थ्रू ऑईसटर मशरूम कल्टीवेशन फॉर ससटेनेबल फूड प्रोडक्टशन, दि इकोस्कैन, 9 (384), पीपी-655-659, एनएएएस-5.06 (2015)

बढ़ते हुए सभा में प्रकाशित दस्तावेज :

एम.के.विश्वास (2014) मौसमी कारको के भूमिका और ऑईसटर मशरूम (प्लीयूरोटस ऑस्ट्रीटस) खेती उनके व्यवस्था में माइक्रोबियल कंटामीनेंटस इन : प्रोसीडिंग्स ऑफ 8 इंटरनेशनल कॉन्फरेंस ऑन मशरूम बायोलोजी एण्ड मशरूम प्रोडक्टस (आईसीएमबीएमपी8), 19 से 22 नवम्बर 2014 नई दिल्ली में। युगांतर प्रकाशन प्राईबेट लिमिटेड द्वारा प्रकाशित, डब्लूएच-23 मायापुरी उद्योगी क्षेत्र, फेज-1, नई दिल्ली-110064, पीपी-568-575।

किताब में अध्याय :

एम.के. विश्वास (2015) : फंगल कंटामिनेंटस ऑफ ऑईसटर मशरूम बेडस (प्लीयूरोटस ऑस्ट्रीटस), उनकी व्यवस्था और पर्यावरण कारको की भूमिका, इन : परिवार कृषि क्षेत्र : चुनौतियाँ और मौके, बितान मण्डल, देवाशीष सरकार

सिद्धार्थ देव मुखोपाध्याय, सौविक घोष, विधान चन्द्र रॉय, सार्थक चौधरी (ईडीएस) रेनु प्रकाशन 90, सैनिक विहार, मोहन गार्डेन, नई दिल्ली-110059, आईएसबीएन : 978-95-85502-22-4

पी.नागमनी, एम.के. विश्वास और सोमेश्वर (2016) एफीकेसी ऑफ नेटिव ट्राइकोडर्मा एसपीपी फॉर दि मैनेजमेंट ऑफ स्वॉयल बोर्न पैथोजेन्स इन चिकपी (सिसर एरीटीनम), इन : प्लांट पैथोजेन्स ऐण्ड पीपुल, आदर्शो की किताब, आर.के. खेत्रपाल, के.के. मण्डल, एस.सी.दूबे, जी.पी.राओ, भी.सी. चलम, नर्मता सिंह, दीबा काम्बली, बी.एम.वैरयाल, पी.पी. जम्बुलकर, जी प्रकाश, डी सिंह और प्रतिभा शर्मा (ईडीएस), अल्फा प्रिंटोग्राफिक्स (भारत), नैरेना, नई दिल्ली-110028 : पीपी-441. आईएसबीएन: 81-7019-527-2

एम.के.विश्वास (2016) सीप छत्रक के जैविक गुणवत्रा को बढ़ाने वाली तकनीकि और पूर्वी भारत में छत्रक के पोषक तत्वों के अध: स्तर की समृद्धि पर। पुस्तको यथा-प्लांट पेथोजेन्स ऐण्ड पीपल बुक ऑफ एबस्ट्रैक्टस। आर. के. क्षेत्रपाल, के.के. मण्डल, एस सी दूबे, जी.पी.राव भी.सी. चालम, नम्रता सिंह, दिबा काम्बली, बी.एम. बैश्यल पी.पी. जमबुलकर जी प्रकाश, डी सिंह और प्रतिभा शर्मा (सम्पादक) अल्फा प्रिन्टोग्रॉफिक्स (इंडिया) नारैना, नई दिल्ली-110028 : पी-281-282, आईएसबीएन : 81-7019-527-2

एम.के. विश्वास (2016)। सीप छत्रक क्यारियों की कूवक संदूषक उनका व्यवस्थापन और पर्यावरणीय कारको की भूमिका। पुस्तक यथा-सिनोप्टिक व्यू ऑफ सस्टेनेबल फैमिलि फार्मिंग फॉर फूड न्युट्रिशिनल ऐण्ड लाइवलिहूड सेक्यूरिटी। बितान मण्डल देबाशीष सरकार सिद्धार्थ देव मुक्खोपाध्याय, सौभिक घोष विधान चन्द्र रॉय सार्थक चौधरी (सम्पादक) नई दिल्ली पब्लिशर्स, नई दिल्ली - 110059, पी-38. आईएसबीएन : 978-93-85503-32-0

शोध पत्र (सार)

एम. के विश्वास (2015) पश्चिम बंगाल भारत के अन्तर्गत लहरदार लाल और लाल मिट्टी पाये जाने वाले क्षेत्र में पारिस्थितिक और चावल में भरा धब्बा का प्रबंधन। एब्सट्रैक्ट XVII, अन्तर्राष्ट्रीय पौधा संरक्षण सम्मेन (आईपीपीसी) बर्लिन जर्मनी में आयोजित 24 अगस्त से 27 अगस्त 2015 तक पी-आईपीएम-9, पी-663 एम.के. विश्वास एवं सुमन पात्रा (2015) पश्चिम बंगाल के लाल मिट्टी के पाये जाने वाले क्षेत्र में काबुली चने की म्लानि का प्रबंधन। संक्षेप में मिट्टी स्वास्थ्य पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन स्थायी कृषि की कुंजी (एसएचकेएसए), 14-15, नवम्बर, 2015, मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन शास्त्र विभाग, पाली शिक्षा भवन (कृषि संस्थान) विश्व-भारती श्रीनिकेतन, 731236, पश्चिम बंगाल, भारत।

एम.के. विश्वास एवं शोध जुबायेर अली (2016) पश्चिम बंगाल के लाल मिट्टी पाये जाने वाले क्षेत्र में काबुली चने की म्लानि का प्रबंधन। संक्षेप में माइक्रोबियल विविधता पर राष्ट्रीय परिचर्चा और इसके प्रभाव फरवरी 18-19, 2016 कोलकाता भारत पी-55

एम.के.विश्वास (2016), सीप छत्रक की कृषि द्वारा आदिवासी महिलाओं के जीवन स्तर का उत्थान। डॉ0 बी.आर. अम्बेडकर की प्रासंगिकता समावेशी विकास के लिए 14 अप्रैल 2016 विश्व भारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल।

भोलानाथ मण्डल

मण्डल, एस. मण्डल, बी.मण्डल सी.के (2015) कृषको के अभ्यास एवं उनकी अनुभूतियाँ सोलाने सेवस वनस्पतियों की जीवाणुज म्लानि प्रबंधन के दौरान, सुन्दरबन, पश्चिम बंगाल, भारत।

उन्नत जैविक विज्ञान और इंजिनियरिंग की अर्न्तराष्ट्रीय पत्रिका, 2 (2) : 49-56

मण्डल बी. एवं खटुआ, डी (2015) सेन्टैला एशियाटिक के सफेद सड़ाध और दो शैवाल पश्चिम बंगाल में। जर्नल क्रॉप एवं वीड 11 (1) : 225-226

भट्टाचार्य आई ऐण्ड मण्डल बी (2016) पश्चिम बंगाल में क्लबरूट रोग का टिकाऊ प्रबंधन जैव संसाधन पर्यावरण एवं कृषि

विज्ञान के अर्न्तराष्ट्रीय पत्रिका में, 2 (1) : 216-221

देबूबर्मा पी एवं मण्डल बी (2015). स्क्लेरोशियम रॉलफसि द्वारा आलू में हुए ग्रीवा विगलन एवं इसका कवकनाशी द्वारा उपचार। खाद्य संरक्षण एवं बेहतर पर्यावरण के टिकाऊ कृषि के कार्यवाही पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन 17-18 दिसम्बर 2015 को कृषि-विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित, विधान चन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, मोहनपुर, नदिया, पश्चिम बंगाल, पीपी-202-203

पुस्तक अध्याय

एस.मुखर्जी. के प्रामाणिक एस.मण्डल, एन.एम. मास्के, ए. मण्डी एस. डुआरी के महतो, बी मण्डल डी पाण्डा एवं बी के सारेन (2016), अंकुर पोषक तत्वों एवं जल प्रबंधन द्वारा प्रभावित पश्चिम बंगाल के लाल मिट्टी में पाई जाने वाली चावल की अर्थव्यवस्था एवं प्राप्ति। पुस्तक यथा : फैमिली फर्मिंग : चैलैजन्जेस एंड ओपोरच्यूनिटिस (मण्डल बी, सरकार डी, मुखेपाध्याय एस.डी.घोष, एस.रॉय, बी सी एवं चौधुरी एस) रेनु पब्लिशर्स, नई दिल्ली, आईएसबीएन : 978-93-85502-22-4, पीपी 111-124

मण्डल पी.माइती सी मण्डल बी एवं मण्डल एल (2016) व्यय प्रभावी एवं परिस्थिति सम्बन्धी कण्टक प्रबंधन के उपायों का विकास बैंगन की टिकाऊ उत्पादन के लिए। पुस्तक यथा : फैमिलि फार्मिंग : चैलेन्जेस ऐण्ड औपोरच्यूनिटिस (मण्डल बी सरकार डी मुखोपाध्याय, एस.डी. घोष, एस.रॉय, बी.सी. एवं चौधुरी एस) रेनु पब्लिशर्स नई दिल्ली, आईएसबीएन : 978-93-85505-22-4, पीपी- 240-245

स्वर्णाली भट्टाचार्य :

र्स्वणाली भट्टाचार्य : एवं तपामय धर (2015) दाल भृंग के जीव विज्ञान पर कुछ जैव कीटनाशको की जैविक क्षमता का अध्ययन। जैव संसाधन पर्यावरण एवं कृषि विज्ञान के अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका में। (1) : 59-64

प्रजन पति स्वर्णाली भट्टाचार्य एवं कालीपदा प्रामाणिक (2016) कला मूंग के विभिन्न प्रजातियों में फैलने वाले लेपिडोपटेरन कीट पर जैव-उर्वरक का प्रभाव। जैव संसाधन, पर्यावरण एवं कृषि विज्ञान के अर्न्तराष्ट्रीय पत्रिका में। 2(1) : 237-241

पुस्तक अध्याय

जरुरी कीड़ो कण्टकों एवं धान के रोगो पर जैविक खाद एवं कार्यो इनओक्यूलेन्ट्स से प्रभाव के विषय पर योगदान एक पुस्तक अध्याय पुस्तक यथा फैमिली फर्मिंग : चैलैन्जेस ऐण्ड ओपोरच्यूनिटिस रेनु पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित मार्च, 2016

विभाग द्वारा नवीन पाठ्यक्रम या कोई भी शिक्षण नवीनीकरण की रूपरेखा का परिचय। 2009-2010 में हुये वनस्पति संरक्षण के एम एस सी कोर्स के पाठ्यक्रम एवं सेमेस्टर प्रणाली के संशोधन का साल 2011-12 में इस विभाग के 8 फैकल्टी सदस्यों की विशेषज्ञता साथ ही साथ आईसीएआर के अनुरोध पर आधारित पुनर्गठन हुआ। पीएच डी कोर्स के नवीन पाठ्यक्रम की रचना विषय के ज्ञान की उन्नति एवं पहले से ही सफलतापूर्वक शुरू हुये कोर्स की उन्नति को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

भविष्य के संकेत विकास के लिए योजनाओं पर आधारित भवन /सदन/विभाग के विकास पर एक संक्षिप्त इतिहास।

वनस्पति संरक्षण के विभाग की स्थापना सन् 1989 में दो महत्वपूर्ण वर्गो यथा-कृषि कीटविज्ञान एवं प्लांट पैथोलॉजी के एकीकरण द्वारा हुआ। शुरुआत में ये दो महत्वपूर्ण वर्ग कृषि विभाग के अर्न्तगत सन् 1965 से कार्यशील थे। तथापि वनस्पति संरक्षण कृषि कीटविज्ञान एवं प्लांट पैथोलॉजी की विशेषता के साथ एम.एस.सी. कोर्स में सन् 1987 से पेश की जा रही है। इस समय यह विभाग कृषि कीटविज्ञान एवं प्लांट पैथोलॉजी पर आवासीय अनुदेश कार्यक्रम पेश करता है जिसके अन्तर्गत पाली शिक्षा भवन के छात्रों के लिए अन्ड्रग्रेजुएट एवं पोस्टग्रेजुएट अनुदेश शमिल है जो वनस्पति संरक्षण के एम एस सी एवं पी एच डी डिग्रियों के लिए अग्रणी हैं। इस विभाग के फैकल्टी सदस्य शिक्षण अनुसंधान एवं शिक्षा विस्तार में कार्यरत

शामिल हैं, और उन्होंने लगभग 400 शोध पत्रो समीक्षा लेखों का प्रकाशन अन्तर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय पत्रिकाओं एवं स्पेन, जर्मनी एवं भारत के 6 सम्पादित पुस्तको में किया है। इस विभाग के फैकल्टी को 4 प्रमुख शोध परियोजनाओं की स्वीकृति एभीआरडीसी, ताईवान एवं हार्टीकल्चर मिशन पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा हुई है। यह विभाग यूजी एवं पीजी छात्रों के लिए फिलड ऑरियेन्टेड प्रैक्टिकल्स ऐण्ड ट्रेनिंगस के साथ ही साथ रूरल ऐग्रीक्लचर्स वर्क एक्सपिरियंस प्रोग्राम को विशेष महत्व देता है। इस के अतिरिक्त फैकल्टी के सदस्यों ने जेआरएफ के उद्देश्य हेतु विशेष कक्षाओं का संचालन किया एवं बी एस सी (ऑनर्स) के अंतिम वर्ष के छात्रों को आईसीएआर, जेआरएफ के लिए निर्देशित किया। पोस्ट ग्रेजुएट के छात्र आर्थिक कीट विज्ञान, जैव नियंत्रण परिस्थितिकी, विषज्ञान, शरीर क्रिया विज्ञान, वर्गीकरण कवक विज्ञान जीवाणुतत्व, वाइरालजी, मशरूम विकृति फसल कटाई के बाद विकृति में प्रशिक्षित हैं। विभाग के अनुसंधान की पारंपरिक ताकत आर्थिक कीटविज्ञान, विषज्ञान एवं जैविक नियंत्रण में रही है। इस समय अलग-अलग फसलें जिनके अन्तर्गत जैव एजेंट, पारम्परिक अभ्यास, मेजबान संयंत्र प्रतिरोध एवं पर्यावरण अनुकूल रसायन शामिल है। उनके आई पीएम मॉडयूलस के संश्लेषण पर जोर दिया जा रहा है।

विभाग के प्रमुख की राय में कोई भी दूसरी प्रासंगिक जानकारी जो रिपोर्टिंग के लायक है उसे शामिल करना चाहिये। विभाग के फैकल्टी को 4 प्रमुख शोध परियोजनाओं की स्वीकृति एभीआरडीसी, ताईवान एवं हार्टीकल्चर मिशन, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा हुई है। इनमें से एक ने अपने सफल समापन के पश्चात् अन्तर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त की है। अंक आधारित सेमेस्टर प्रणाली को सम्मिलित किया गया है। इन पाठ्यक्रमो हेतु यथा-स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पी एच डी हेतु ताकि छात्रों के लिए पाठ्यक्रम को लचीला बनाया जा सके। नियमित अन्तराल पर यूजीसी एवं आईसीएआर के निर्देशानुसार पाठ्यक्रम को शामिल किया जाता है ताकि अधिक से अधिक पाई जाने वाली विषय प्रवृत्तियों की जानकारी दी जा सके। वर्ष 2011-12 के दौरान एम एए सी (एजी) वनस्पति संरक्षण पाठ्यक्रम को अनुभव के आधार पर एवं विभाग के 8 फैकल्टी सदस्यों की विशेषता एवं आईसीएआर के अनुशंसा के आधार पर पुनर्सरक्षित किया गया। पी एच डी पाठ्यक्रम हेतु नए पाठ्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई है जिससे विषयों पर वर्तमान विकसित ज्ञान को छात्रो को अधिक से अधिक मुहैया कराया सके। इसकी शुरूआत बड़ी ही सफलता पूर्वक हुई है। इनके अलावे कुछ नई तकनीकियों को भी प्रयोग में लाया जा रहा है, यथा-बैंगन फल का प्रबंधन एवं बैंगन की उत्तम खेती महत्वपूर्ण कीटनाशक चावल प्रबंधन, पर्यावरणीय सहायक तरीके विकसित किये गए है। छत्रक उत्पादन को वाणिज्यिक दर्जा दिया गया है और इस क्षेत्र में प्रायोगिक शिक्षण पाठ्यक्रम को लागू किया जा रहा है। वर्तमान में विभाग एक वनस्पति स्वास्थ्य क्लिनिक की स्थापना की योजना बना रहा है जिससे आस-पास के किसानों को एकल खिड़की समाधान मुहैया कराया जा सके जिसके एक अच्छी प्रयोगशाला की स्थापना की जा सके। ऐसा होने से सूक्ष्मतर स्तर पर भी मौलिक एवं रणनीतिक शोध किया जा सके एवं वनस्पतिय कीटनाशक एवं रोग निवारण हेतु विज्ञान एवं तकनीकि का सहारा लिया जा सके।

पाठ भवन

(प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा संस्थान)

पठ भवन, विश्वभारती का एक प्राथमिक माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक का एक शिक्षा संस्थान है। 1901 ई0 में रवीन्द्रनाथ टैगोर ने ब्रह्मचर्याश्रम की स्थापना उस समय की ब्रिटिश शिक्षा तंत्र के विकल्प, के रूप में स्थापित किया था। बाद में विद्यालय विश्व भारती की स्थापना के साथ पठभवन का नाम दिया गया।

पठभवन आज भी टैगोर के विचार शिक्षा की पूर्णता को परिलक्षित करता है। यह आज भी पारंपरिक शिक्षा संस्थाओं से अलग थलग संस्था है। टैगोर ने एक ऐसे पाठ्यक्रम को विकसित करने का प्रयास किया था जो पाठ्य पुस्तको से सीखने वाली विद्या पर आधारित नही था। यहाँ शिशु आनंद एवं स्वतंत्रता के साथ प्राकृतिक वातावरण में सीखता है। अभी भी कक्षाएँ खुले आसमान के नीचे चलाई जाती हैं। पारंपरिक विषयों के साथ-साथ विद्यार्थियों को संगीत, पेटिंग, नृत्य, मिट्टी के निर्मित वस्तुओं तथा दूसरे रचनात्मक कार्यों की ओर भी अभिप्रेरित किया जाता है। उन्हें साप्ताहिक प्रार्थना सभाओ, अन्य उत्सवों तथा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पाठ्य सहगामी क्रियाओं में भाग लेने का अवसर मिलता है। छात्रों में सहयोग की भावना, आत्मविश्वास विभिन्न तथा कई प्रकार के कार्यकलापों द्वारा दिया जाता है, जिसे वे आत्मसात कर लेते है, ऐसे कार्य कलाप आश्रम सम्मिलनी, जो छात्रों में स्वशासन की भावना लाती है एक ऐसे संस्था जिसकी स्थापना टैगोर के 1912 में शुरू किया था। इस संस्था के कई विभाग हैं यथा-साहित्य विभाग, सेवाविभाग, परिवेश विभाग एवं अन्य।

पठ भवन मुख्य रुप से एक आवासीय विद्यालय है, यद्यपि दैनिक रुप में भी छात्रों को पढ़ने का मौका मिलता है। यह किंडरगार्हन से कक्षा 12 तक शिक्षा प्रदान करता है। शिशु को 4 वर्ष के उम्र के उपरांत दाखिला दिया जाता है। दाखिला मृणालिनी आनंद पाठशाला में मिलता है जो पठभवन की शिशु इकाई है, जिसकी स्थापना 1954 में टैगोर की पत्नी मृणालिनी देवी के नाम पर किया गया था। छात्रों को स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन कक्षा 10 की समाप्ति के बाद उत्तीर्ण करना पड़ता है तथा कक्षा बारहवीं की समाप्ति के बाद प्रीडिग्री इग्जाभिनेशन उत्तीर्ण करना पड़ता है, वर्तमान में पठभवन में कुल विद्यार्थियों की संख्या 989 है जिसमे 307 छात्र आवासीय है तथा बाकी 682 छात्रों को दैनिक रुप से विद्यालय में विद्या ग्रहण हेतु हाजिर होना पड़ता है। राष्ट्रीय अन्तर्राष्ट्रीय दर्जा/स्तर/सम्मेलन, सेमिनार, कार्यशला प्रदर्शनी इत्यादि शिक्षको द्वारा विस्तृत जानकारी के साथ अमिताभ मुखर्जी (आमंत्रित व्याख्याता)–

(i) चेन्जिंग सोसाईटी में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया- नीति, अभ्यास और शोध, रिसोर्स के तौर पर, 12-13 दिसम्बर 2015, नाथूलाल द्वारा बी,एड महाविद्यालय द्वारा आयोजित।

(ii) शैक्षणिक शोध आधुनिक दिशा पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन मे भाग लिया 20 दिसम्बर 2015, रिसोर्स पर्सल के तौर पर, नाथूलाल दास शिक्षण महाविद्यालय द्वारा आयोजित।

सेमिनार तथा पत्र प्रस्तुति :-

श्रीमती प्रीति सी नर्तैंग :–

1. थाईलैंड अतिथि भवन, एसएसभीएडी, शान्ति निकेतन, 14-8-2015 को व्याख्यान तथा परिदर्शन बुनाई, श्रीमती प्रीति सी नर्तैंग द्वारा संचालित किया गया।
2. सम्मेलन में दस्तादेज (पत्र) प्रस्तुति :- भारत के उत्तर पूर्वी भाग के आदिवासियो का हस्त कर्घा जो गम्भीर सामाजिक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, राष्ट्रीय सम्मेलन, भारतीय हस्तकर्धा वस्त्र और इसकी उपयोगिता वैश्वीकरण, 2015 के सन्दर्भ में प्रस्तुत किया किया।

अभिताभ मुखर्जी :- पत्र प्रस्तुति

(i) द्वितीय भाषा शिक्षण का दो भाषाओं में पढ़ाने की पद्धति-टैगोर पद्धति पर अन्तर्राष्ट्रीय गांधी जयन्ती सम्मेलन, शिक्षा एक मौलिक अधिकार के रूप, आयोजक इंडिया लॉग्यू 3-4 अक्टूबर 2015 को पत्र प्रस्तुत किया।

(ii) शिक्षा के द्वारा महिलाओं की दशा में सुधार, स्वामी जी मिशन' पर विश्वचिन्तको एवं लेखक सम्मेलन, आयोजन कर्त्ता आईएसआईएसएआर, 13-15 दिसमबर 2015 को अमिताभ मुखर्जी द्वारा पत्र एवं विचार प्रकट किया गया।

सम्मेलन एवं पत्र प्रस्तुति :–

विभाग के द्वारा सामान्य विस्तरित कार्यकलाप, एन एस एस, सांस्कृतिक एवं अन्य कार्य कलाप आयोजित किया गया जिसके विभाग के शिक्षको और छात्रों ने भागीदारी लिया।

1. नाट्य कर्मशाला को आयोजन, पठभवन के छात्रों और शिक्षकों द्वारा अगस्त 2015 को उपनंदा कुटीर में किया गया।
2. पठभवन के छात्रों द्वारा 9-10 दिसम्बर, 2015 तक लिपिका ऑडिटोरियम में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
3. छात्रों ने इनस्पायर प्रोग्राम जिसका आयोजन लिपिका ऑडिटोरियम में हुआ था, 4-8 सितम्बर, 2015 तक में हिस्सा लिया।
4. यूएसएस कैम्पस में भूगोल विभाग एवं शिक्षकों द्वारा ''प्राकृतिक आपदा एवं भूगोल'' संयुक्त रूप से आयोजित किया गया,पठभवन के चिन्तन कक्षा के, 24 सितम्बर, 2015, राष्ट्रीय सम्मेलन/संगोष्ठी/
5. 26-27 सितम्बर, 2015 तक राष्ट्रीय शैक्षणिक शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, भुवनेश्वर और पठभवन के संयुक्त प्रयासों से मार्ग दर्शन-विधि एवं बुद्धिसहायता पर दो दिनों का कार्यशाला आयोजन किया गया।
6. विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित आईएनएसए श्रृंखला व्याख्यान में भाग लिया, लिपिका ऑडिटोरियम (12-14 दिसम्बर, 2015) पाठ भवन के
7. राज्य स्तरीय प्रतिस्पर्धा में दो छात्रों द्वारा भागीदारी, राष्ट्रीय शिशु कांग्रेस, 2015

एनएसएस, पठ-भवन द्वारा आयोजित एवं अंश ग्रहण कार्य कलापों का विवरण :–

1. 8 अगस्त, 2015 पदंप भवन में सबूजयान अभियान/ वृक्षारोपण का संचालन किया गया।
2. पाठभवन की एनएसएस इकाई द्वारा स्वतंत्रता दिवस मनाया गया।
3. एन एसएस इकाई द्वारा एनएसएस दिवस 24 दिसम्बर को पालन किया गया।
4. 2 अक्टूबर 2015 को स्वच्छ भारत अभियान पालित किया गया।

इन कार्यकलापों के अतिरिक्त एनएसएस इकाई के छात्रों द्वारा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अन्यान्य उत्सवों एवं त्योहारों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया गया।

शिक्षकों द्वारा शैक्षणिक गुणवता अर्जन :

अप्रैल 2015 मार्च 2016 वर्ष अन्तर्गत प्रकाशित :-

डॉ. अमिताभ मुखर्जी द्वारा अध्याय का प्रकाशन 'दोभाषिय पद्धति द्वितीय भाषा शिक्षण-टैगोर पद्धति, अन्तर्राष्ट्रीय पत्र में (आईएसबीएन : 978-81-931-347-0-4) इंडियालॉग्यू द्वारा प्रकाशित।

शिक्षा-सत्र

(उच्च माध्यमिक संस्था)

शिक्षको तथा शोधार्थियों द्वारा राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित सम्मेलन, कार्यशाला, प्रदर्शनी में की हुई भागीदारी की विस्तृत जानकारी :-

1. डॉ0 गोपीनाथ मंडल गणित विभाग (सीएमएनडी-2016) सम्मेलन में भाग लिया और कन्वेक्टिव-रेडियेटिव हीट ट्रांसफर ऑफ माइक्रोपोलर मेलो फ्ल्यूड पर समानांतर एवं गैर-समानांतर पर पत्र प्रस्तुत किया।

   विस्तारित कार्यकलाप/एन एस एस/सांस्कृतिक और अन्यान्य कार्य कलाप, विभाग द्वारा आयोजित तथा शिक्षको एवं छात्रों द्वारा इनमें भागीदारी :-

   जनवरी 2014, कक्षा 11 के छात्रों द्वारा राजस्थान मात्रा, कक्षा VI-IX के छात्रों द्वारा राजगीर और कोलकाता का भ्रमण उनके शैक्षणिक यात्रा भ्रमण के हिस्से के रुप में।

   शिक्षा सत्र की एनएसएस इकाई 8 अगस्त 2015 को वृक्षारोपण, परियोजना, 21 अगस्त, 2015 को सद्‌भावनादिवस, और 27 अक्टूबर, 2015 को बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जुलाई-अगस्त, 2014 के महीने में कक्षा 12 के छात्रों द्वारा रक्तदान शिविर तथा रक्तदान प्रमाणपत्र कोर्स का आयोजन किया गया, यह आयोजन स्वैच्छिक रक्त दाता संघ के साथ मिलकर किया गया था। 12 जनवरी 2016 को शिक्षा सत्र की एनएसएस इकाई ने स्वामी विवेकानन्द के जन्म दिन पर साईकिल रेस में भाग लिया, विश्व भारती द्वारा आयोजित तथा विश्वविद्यालय द्वारा आहूत स्वच्छ भारत अभिमान में ही हिस्सा लिया। शिक्षा-सत्र की एनएसएस इकाई ने विश्व-भारती प्रशासन को विधि और आज्ञा पालन में भरपूर सहयोग किया। वसंत उत्सव के मौके पर। शिक्षा-सत्र की एनएसएस इकाई द्वारा ग्राम कैम्प का आयोजन 27 मार्च से 3 अप्रैल 2016 को आयोजन किया गया।

   12 सितम्बर 2015 से 15 सितम्बर 2015 तक नंदन, कला भवन में शिक्षासत्र एवं संतोष पाठशाला द्वारा वार्षिक कला प्रदर्शनी आयोजित किया गया। शिक्षा सत्र एन-सीसी इकाई कैडे्टस के लिए प्रशिक्षण कैम्प का आयोजन बुधवार के दिन प्रात: कालीन 8 से 10 बजे तक करता है। इस वर्ष एनसीसी इकाई मे कुल 39 लड़के एवं 14 लड़कियाँ है।

विशेष अवसरों पर भागीदारी :-

श्री अतिश मंडल, छात्र 12वीं कक्षा आईईईई संगोष्ठी, दिल्ली में आयोजित 23 अक्टूबर, 2015 से 26 अक्टूबर 2015 में हिस्सा लिया और कनिष्ठ वैज्ञानिक पुरस्कार, पुरस्कार राशि रू. 10,0000/- (दस लाख) से नवाजा गया।

शिक्षा सत्र के पाँच छात्रों द्वारा बीरभूम ट्राफिक पुलिस द्वारा आयोजित क्विज प्रतियोगिता में हिस्सा लिया गया। वनस्पति विभाग विश्वभारती द्वारा आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 22 नवम्बर, 2015 को मनाया गया, इस सम्मेलन में इन्हें संयुक्त रूप से प्रथम दस चुना गया। एनसीसी इकाई, शिक्षा सत्र के दो कैडेट्स नीचूपट्टी निर्धारिणी हाई स्कूल कैम्प से 20 जून से 21 जून तक भाग लिया, 15 कैडेट्स राष्ट्रीय योगदिवस समारोह 21 जून 2015 को हिस्सा लिया। इस वर्ष 8 कैडेट्स आर.डी.सी. कैम्प के लिए चयनित हुए और कुशलता पूर्वक उत्तीर्ण घोषित किये गये। 6 कैडेट्स सीएटीसी कैम्प में हिस्सा लिया, जिसका आयोजन आसनसोल में 3 अगस्त से 12 अगस्त तक किया गया था। शिक्षा-सत्र, एनसीसी इकाई ने 15 अगस्त 2015 को स्वतंत्रता दिवस समारोह में भी हिस्सा लिया 'ए' सर्टिफिकेट हेतु कैंडे्टस 11 मार्च, 2016 को उपस्थित हुए थे।

उपलब्धि

मंच प्रस्तुति :–

टैगोर रचित नाटक 'रथेर राशि' छात्रों के वरिष्ठ समूह द्वारा शिल्पोत्सव और शारदोत्सव के अवसर पर मंचन किया गया।

मो0 मजरूल हामिद द्वारा रचित नाटक 'बनेर पाखी' कनिष्ठ समूह के छात्रों द्वारा शारदोत्सव के अवसर पर मंथन किया गया।

बनेर पाखी रचित द्वारा मो0 मजरूल हामिद का मंचन युवा भारती क्रीनांगन में मंचन किया गया अन्तरविद्यालयी नाटक प्रतियोगिता के मौके पर जिसका आयोजन अनिक नित्य गोष्ठी के द्वारा किया गया था तथा नाटक, निर्देशक, अभिनेता के तौर पर द्वितीय प्रोडक्टशन, द्वितीय बेस्ट अभिनेता, प्रथम बेस्ट लेखक आदि उपाधियों से नवाजा गया।

5 सितम्बर, 2015 को शिक्षा सत्र के शिक्षकों द्वारा बोक बोध पाला का मंचन किया गया।

हिन्दी दिवस के अवसर पर छात्रो द्वारा मुंशी प्रेमचन्द की कहानी सद्‌गति के आधार पर एक नाटक का मंचन किया गया।

शैक्षणिक गुणवत्ता शिक्षकों शोधार्थियों द्वारा अर्जित -

(यथा स्वीकृति, डीएसए / सीएएस इत्यादि)

वर्ष अप्रैल 2010 मार्च 2011 के अन्तर्गत प्रकाशित :-

i. पाठ्य पुस्तके, ii. अन्य पुस्तकें, iii. मोनोग्रॉफ (एक विषय पर लेख) iv. शोध-पत्र (लेखक) शीर्षकनाम, वर्ष पत्रिका :

राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय :-

1. कृष्णेंन्दु दे द्वारा शीर्षक-पॉलेनडिस्पर्सल ऐण्ड पोलिनेशन ऑफ हल्दिना फोर्डिफोलिया (रॉक्सब) रिड्सडल प्रस्तुत अर्द्धवार्षिक सम्मेलन इंडियन ऐरोसोल्स ऑन हेल्थ, हेरिटेज एन एनवारन्मेंट, विज्ञान विभाग, टुमकुर, विश्वविद्यालय, कर्नाटक, 28 सितम्बर से 30 सितम्बर, 2015,

   दे के मंडल, एस ऐण्ड मंडल, 2016, पुष्प - पुष्प-फल उत्पादन ग्रेविया ऐस्टेसिया एल, अन्तर्राष्ट्रीय पत्र, करेंट माइक्रो बोयोलोजी ऐड अपलायड साइन्स 5(1) : 761-767)

   देय, के मंडल, एस एंड मंडल, 5, 2016, अध्ययन विट्रो पोलेन जर्मिनेशनऑफ मित्रज्ञना पॉरविफोलिया, (रोक्सब) कोर्थ, अन्तर्राष्ट्रीय पत्र, समसामयिक माइक्रोबॉयलॉजी ऐण्ड, अप्लाइड साईंस 5(1) : 768-777

   दे, के. मंडल, एस ऐण्ड मंडल, एस, 2016, पुष्प - विविधता सन्दर्भ पराग अनुफलन और पपीते का कलम (डाल) बुआई, एल.ईटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस रिसर्च इन बॉयोलोजिकल साईस, 2(1) : 120-123.

2. पाल दुलाल, गोपीनाथ मंडल और कुप्पलपल्ले वज्रावेलु: प्रभाव विहीन बिन्दु बहाव और उष्मा परितर्वन प्रकाश विकिरण गैर उष्मीय स्त्रोत के साथ, जर्नल ऑफ नैनोफ्यूइडस 5-3(2016) 375-383 (एक अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका।

   पॉल दुलाल और गोपीनाथ मंडल :- हाइड्रोचुम्बकीय विद्युत संवहन - प्रकाशसीमा सतह प्रयाह गैर-समान तल विस्कस-ऑमिक डिसिपेशन के संचार' 'पावर तकनीकि' 279 (2016) : 61-74 (एक अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका।

   पाल दुलाल, गोपीनाथ मंडल, एम एचडी प्रभावविहीन बहाव चुम्बकीय क्षेत्र। मेकानिका 50.8 (2015) : 2023-2035 (एक अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका)

   पॉल दुलाल, गोपीनाथ मंडल और कुप्पलपल्ले वज्रावेलु । मिश्रित विद्युत संवहन-प्रकाश विकिरण चुम्बकीय उष्मा एवं परिवर्तन सोर्ससिंक (पत्रिका)

   पाल, दुलाल, गोपीनाथ मंडल और कुप्पलपल्ले, वज्रावालु-विद्युत विहीन-प्रकाश विकिरण उष्मा एवं परितर्वन समान-एवं असमान्तर रेखा पर। अपलाइड मैथस ऐण्ड कम्प्यूटेशन 287 (2016) : 184-200

   प्रारुप-नया पाठ्यक्रम और शिक्षण की नई तकनीकि की शुरूआत विभाग द्वारा

शिक्षा-सत्र ने उच्चतर माध्यमिक कक्षाओं की शुरूआत शिक्षा वर्ष 2009-2010 से शुरूआत किया है। विद्यालय के पास

वर्तमान संरचनाओं को विकसित करने की अपनी योजना है। खास करके विज्ञान के छात्रों के लिए ताकि इन छात्रों को एक अच्छी सुविधा दी जा सके। शिक्षक और छात्रों की सहभागिता बढाने के लिए। योजनाओं के अन्तर्गत छात्रों को एक ऐसा प्लैट फार्म मुहैया कराना जिससे उनके विशेष गुण संगीत, कला के क्षेत्र में निखारा जा सके पढ़ाई लिखाई के अलावा। कार्यशालाओं तथा सम्मेलनों का आयोजन अन्यान्य विषयों पर विद्यालय द्वारा नये पाठ्यक्रम को एक अलग विशेषता होगी।

भवन, सदन, विभाग का संक्षिप्त इतिहास और उनसे जुड़ी हुई भविष्य की योजनाएँ :-

शिक्षा-सत्र की स्थापना 1 जुलाई 1924 को विश्वभारती के एक आवश्यक भाग के रूप में हुई थी और यह एक प्रायोगिक विद्यालय था। इसकी शुरुआत संतोष चन्द्र मजूमदार के निवास स्थल पर हुआ था। संतोष चन्द्र मजूमदार को इसकी प्रशासनिक जिम्मेदारी सौंपी गई थी। लेकिन अचानक उनकी मृत्यु हो गई और उनकी मृत्यु के पश्चात् (1926) 1927 के शिक्षा सत्र को श्रीनिकेतन में लाया गया पाली संगठन विभाग को इसका प्रभार सौप दिया गया।

रवीन्द्रनाथ ने ऐसा कल्पना किया था कि शिक्षा-सत्र श्रीनिकेतन का मुख्य कार्यकलाप करेगा और छात्रों को मानवीय मूल्यो तथा गुणों को आत्मसात करने में मदद करेगा, जीवन के विविध पहलुओं पर। शिक्षा-सत्र की शुरूआत का प्रारंभिक उद्देश्य सिर्फ छात्रों को शिक्षित करना ही नहीं था बल्कि मानव और प्रकृति की तारसभ्यता को जोड़ना भी। कवि इस सच्चाई को स्वीकार करते है ''मैं खुद शैक्षणिक सम्भावनाओं से ज्यादा जुड़ा हुआ महसूस करता हूँ इस शिक्षा सत्र की शुरूआत से, आज अधिक से अधिक विद्यालय और महाविद्यालय पूरे देश में उग रहे है, जहाँ छात्रों को दिमाग और बुद्धि को पिजंरे में कैद कर रख दिया जाता है, इन छात्रों के बुद्धिमता और दिमाग का आकलन यांत्रिक तौर पर किया जाता है। उन्होंने ऐसा सोचा था कि एक दिन न एक दिन उनके सपने को शिक्षा सत्र पूरा करेगा।

1925 ई0 में महात्मा गांधी शिक्षा सत्र को देखने आए थे और इतना खुश हुए शिक्षा सत्र के कार्य कलापों से कि उन्होंने शिक्षा सत्र के प्रधानाध्यापक की सेवा लेना चाहे थे अपनी बुनियादी शिक्षा की ढाँचा को सही रूप एवं आधार प्रदान कर सके। महात्मा गांधी की बुनियादी शिक्षा की शुरूआत 1937 में हुई थी। शिक्षा सत्र के कार्यकलाप और टैगोर के आदर्श ने गांधी जी को अपनी बुनियादी शिक्षा के क्रम मे सोचने के लिए प्रेरित किया।

शिक्षा सत्र का कोई विशेष पाठ्यक्रम नहीं था और न ही कोई अनुशंसित पाठ्यक्रम पुस्तके निर्धारित थीं। सीखने की आजादी थी यथा साहित्य, गणित, कृषि, पशुपालन, संगीत, चित्रकारी मिट्टी की चित्रकारी, बुनाई, प्रकृति अध्ययन स्वास्थ्य इत्यादि। विद्यालय पूर्णतया आवासीय था और छात्रों को छात्रावास का सभी कार्य करना पड़ता था यथा खरीददारी, हिसाब-किताब रखरखाव, खाना बनाना तथा वातावरण साफ सुथरा रखना। किसी भी कला विषय में दक्षता प्राप्त करने के बाद नौकरी सेवा में जाने का मौका मिलता था। 1924-1940 के मध्य शिक्षा सत्र में कई शैक्षणिक प्रयोग किए गए। यद्यपि अभिभावकों द्वारा छात्रों को नियमानुकूल पाठ्यक्रम हेतु आवाज उठाई गई और इसी क्रम में चालीस के दशक में पाठ्यक्रम को पुनर्गठित किया गया। और पाठ्यक्रम हेतु पस्तकों को अनुशंसित किया गयाा। संसदीय अधिनियम के तहत 1951 ई0 में विश्वभारती को विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया और इस कारण शिक्षा सत्र के संरचना में में आमूल परिवर्तन आया। 1954 ई0 में एक गैर-आवासीय सरकारी सहायता प्राप्त बालिका विद्यालय को शिक्षा-सत्र के साथ मिला दिया गया और कक्षा 10 तक की पढ़ाई होने लगी। पाठ्यक्रम में नये-विषयों को शामिल किया गया। 1962 ई0 में शिक्षा सत्र के छात्र प्रथम बार एचएससीई ऑफ विश्वभारती में उपस्थित हुए। स्थानीय गाँवों के छात्रों के अलावे कई शहरी भी शिक्षा सत्र से जुड़ने लगे। गैर-आवासीय छात्रों को भी नामांकित किया गया और इस तरह विद्यालय में शिक्षा-दान की संरचना में भी परिवर्तन आया। 1972 ई0 में राजनीतिक अस्थिरता के कारण आवासीय छात्रों का नामांकन रोक दिया गया और वर्ष 1976 ई0 से शिक्षा-सत्र पूण रुपेण गैर आवासीय विद्यालय बन गया। 1982 ई0 में शिक्षा-सत्र एक स्वतंत्र इकाई बन गई और पूर्ण प्रशासनिक नियंत्रण अर्जित

कर लिया। 1982 ई0 में शिक्षा-सत्र में एन सी सी की छोटी ईकाई का प्रारम्भ हुआ। 1988 ई0 में सन्तोष पाठशाला किण्डर गार्डेन स्कूल श्रीनिकेतन में खोला गया जिसका प्रशासकीय नियंत्रण शिक्षा सत्र के हाथों में था और बाद में यह विद्यालय का एक आवश्यक अंग बन गया। जहाँ तक शिक्षा का उद्देश्य पाठ्यक्रम अध्यापन कला का सवाल है, आज शिक्षा सत्र एक गैर-आवासीय संस्था के रूप में दूसरे विद्यालयों के समानान्तर विश्व भारती की देख-रेख में शिक्षा प्रदान कर रहा है तथा कई विषयों को पढ़ने का अवसर प्रदान करता है। शिक्षा सत्र के छात्र कक्षा 10 के बाद एफ एस सी परीक्षा एवं कक्षा 12 के छात्र हाईयर सेकेण्डरी परीक्षा में बैठते हैं और परीक्षा प्रमाण पत्र उत्तीर्ण होने पर विश्व भारती द्वारा दिया जाता है। विधिवत शिक्षा के अलावे छात्रों को बुनाई काष्ठ्य कर्म, और कृषि पर आधारित शिक्षा भी दी जाती है।

भावी योजनाएँ :-

शिक्षा सत्र विद्यालय शिक्षा का एक महत्वपूर्ण केन्द्र बनने की इच्छा रखता है। इसके अन्तर्गत कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाये जा रहे हैं यथा-छात्रों को आवासीय सुविधा प्रदान करना खेल-कूद के स्तर को बढ़ावा देना, एक घनीभूत कार्यशाला इकाई, संरचनात्मक विस्तार जिससे कक्षायें आयोजित की जा सकें, बड़ा शिक्षक रूम, भाषा प्रयोगशाला की स्थापना एवं बड़े सम्मेलन कक्ष की स्थापना करना इत्यादि।

यह जानकर खुशी होगी कि पिछले शैक्षणिक सत्र से शिक्षा सत्र का अपना प्रयोगशाला युक्त विज्ञान भवन है। यद्यपि आधुनिक औजारों को अभी भी इस प्रयोगशाला में शामिल करना बाकी है जिससे कि कक्षा 10 और 12 के छात्रों को सही सुविधाएँ प्रदान की जा सके। आशा करते हैं कि हम लोग इस शैक्षणिक सत्र से अपने छात्रो को प्रयोग आधारित विषयों पर आवश्यक सुविधाएँ प्रदान कर सकेंगे।

आवासीय सुविधाएँ : शिक्षा सत्र के स्थापना का उद्देश्य पूर्ण रूप से एक आवासीय विद्यालय की स्थापना करना था। इस विद्यालय की स्थापना के पीछे टैगोर की एक कल्पना थी कि छोटे बच्चे प्रकृति के निकट सम्पर्क में आयेंगे और शिक्षकों तथा संस्था के दूसरे सदस्यों की देख-रेख में सीखेंगे। इसलिए हमारी ये योजना है कि शिक्षा सत्र को पूर्ण रूप से आवासीय विद्यालय बनाया जा सके और करीब 800 छात्रों को छात्रावास की सुविधा प्रदान की जा सकें।

क्रीड़ा समूह - शिक्षा सत्र की योजना है कि वह एक अलग क्रीड़ा समूह का निर्माण करे। विद्यालय के प्रांगण में जिसमे एक कन्क्रीट बास्केटबॉल मैदान, मल्टी जिमनेशियम, फुटबॉल और बॉलीबॉल मैदान हो। शिक्षा सत्र मैदान के अहाते का कार्य जारी है। उसी मैदान पर एक अस्थायी क्रिकेट पीच की स्थापना की गई है।

प्रयोगशाला :- कक्षा 9-12 के छात्रों के लिए भूगोल, भौतिक विज्ञान रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान हेतु एक पूर्ण विकसित प्रयोगशाला विकसित करने की योजना है जिससे छात्रो को सीखने की सुविधा प्रदान की जा सके। रसायन विज्ञान के लिए एक गैस प्लांट की इकाई की स्थापना की जायेगी।

भाषा प्रयोगशाला - हमारी यह बहु प्रीतिक्षित योजना है कि अंग्रेजी भाषा हेतु एक प्रयोगशाला विकसित किया जाए जिससे छात्रों को और अधिक सीखने की सुविधा प्राप्त हो सके।

कम्प्यूटर प्रयोगशाला :– वरिष्ठ छात्रों के लिए एक सुसज्जित प्रयोगशाला की स्थापना की जायेगी।

कक्षा :- निकट भविष्य में संतोष पाठशाला के नये भवन का निर्माण किया जायेगा।

पुस्तकालय : शिक्षा सत्र की योजना है कि वह नये पुस्तकालय की स्थापना करेगा। जिसमे छात्रो हेतु आधुनिक सुविधायें प्रदान की जायेंगी।

खिलौना संग्रहालय : शिक्षा सत्र की भावी योजनाओं में से एक योजना यह है कि संतोष पाठशाला के के.जी छात्रो हेतु एक खिलौना संग्रहालय की स्थापना करेगा।

अन्य शैक्षणिक केन्द्र

(रवीन्द्र-भवन)

रवीन्द्रभवन का नाम विश्व भारती के नाम से जड़ित रत्नों में से एक गिना जाता है, यहाँ पर टैगोर से जुड़ी हुई यादगार चीजे और उनका व्यक्तिगत चीज संग्रह करके रखा गया है, यहाँ टैगोर पर शोध करने वालो का प्राय: विश्व के हर कोने से तांता लगा रहता है। रवीन्द्रनाथ की अनुप्रेरणा से इसकी शुरूआत की गई थी जिसका उद्देश्य टैगोर केन्द्रित शोध केन्द्र बनाना था, जिसे एक संग्रहालय अभिलेख आदि-आदि चीजे संग्रहित कर के रखी गई है। इसकी स्थापना टैगोर के जीवन के अन्तिम काल में बिताये गये निवास स्थल उद्‌यन में 1 जुलाई, 1942 को किया गया था।

संग्रहालय -वर्तमान के रवीन्द्र भवन में तीन संग्रहालय है :-

(1) रवीन्द्र संग्रहालय, (2) रथीन्द्र संग्रहालय (3) प्रतिमा देवी संग्रहालय।

चित्रशाला :- वर्तमान में हमारे पास रवीन्द्र भवन के अन्तर्गत तीन चित्रशाला है - (1) महर्षि कक्ष, शान्तिनिकेतन गृह, पुरानी आश्रम के पास (2) द्विजेन्द्र कक्ष (3) ब्रह्म विद्यालय से लेकर विश्व भारती तक।

पुस्तकालय :- रवीन्द्र भारती पुस्तकालय वैश्विक रूप से स्वीकृत किया गया है चूँकि 19वीं सदी में बंगाल पुनर्जागरण में जननायकों की बहुत बड़ी भूमिका रही है। खासकर केन्द्र बिन्दु में रवीन्द्रनाथ की महती भूमिका रही है। पुस्तकालय अभिलेखों और संग्रहालय का रवीन्द्र भारती का एक अन्तरंग हिस्सा है। पुस्तकालय विश्व के हर कोने से आने वाले शोधार्थियों के लिए मुख्य रूप से शैक्षणिक जरूरतों को पूरा करता है। पुस्तकालय टैगोर की व्यक्तिगत संग्रह, उपहार में पाये गये पुस्तको (विशिष्ट व्यक्ति द्वारा), कवि रचित नये सम्पादन के रूप में टैगोर पर लिखी गई किताबें विश्व के अन्यान्य भााषाओं में अनुदित पुस्तकों से भरा पड़ा है। पुस्तकालय के पत्रिका, एक अवधि पर प्रकाशित होने वाले पत्र-पत्रिकाओं से भी भरपूर है। उनमें टैगोर द्वारा लिखित रचनाएँ भी शामिल है। पुस्तकालय उपहारों तथा वार्षिक रूप से टैगोर जीवन पर आधारित खरीदे जानी वाली पुस्तकों से भरी पड़ी है। उसके समकालीन कवियों, लेखकों पर पुस्तक उपलब्ध हैं।

रवीन्द्र भवन पुस्तकालय का विस्तृत लेखा-जोखा (खासकर) 2015-2016

1. पुस्तकालय हेतु क्षेत्र वर्ग मी0 में - 508.365 वर्ग मी0
2. पढ़ने हेतु अध्ययन कक्ष की सुविधा - 106.6522 वर्ग मी0
3. खरीदी गई कुल पुस्तको की संख्या : - 154
4. उपहार में पाई गई पुस्तकों की संख्या - 253
5. खरीदी गई नियत कालीक पत्रिकाओं को संख्या - 39
6. उपहार में पाई गई नियत कालीक पत्रिकाओं की संख्या - 73
7. 31 मार्च 2016 तक कुल पुस्तकों की संख्या - 48,015
8. दिसम्बर 2014 से 31 मार्च 2016 तक उपहार में पाई जाने वाली पुस्तकों की संख्या - 495
9. 31 मार्च 2016 तक कुल नियतकालीक पत्रिकाओं की सं0 - 13,622
10. 31 मार्च 2016 तक कुल लघु पुस्तकों की संख्या - 1925

अभिलेख/लेख :–

रवीन्द्र भवन अभिलेखागार टैगोर से जुड़ी हुई मौलिक तथा हस्तलिखित पुस्तकों, विभिन्न विशिष्ट व्यक्तियों के साथ पत्राचार, तथा पाये हुए उपहारो को दर्शाता है। रवीन्द्र भवन में अवस्थित अभिलेखागार शोध विषय हेतु मुख्य केन्द्र है। इस वित्तीय वर्ष में देश और विदेश से आने वाले शोधोर्थियों की कुल संख्या 112 रही। विगत कुछ वर्षो में शोधार्थियों को

कम्प्यूटरराइज्ड दस्ता वेज दिया जा रहा है चूँकि हम लोग इन दस्तावेजों का कम्प्यूटराइज्ड छवि बनाने में सक्षम हुए है। स्वाभाविक तौर पर मौलिक दस्तावेजों स्ट्राँग रूम में रखा गया है जहाँ 24 घंटे शीत-ताप वातावरण की सुविधा की गई है ताकि ये दस्तावेज जीवंत बने रहें। सम्पूर्ण संग्रह को सूची बद्ध करना, वर्णक्रमानुसार तैयार करना हमारा एक अति आवश्यक कार्य है। हम यहाँ बताना चाहते हैं कि पिछली वितीय वर्ष में संग्रह का कार्य और इन कार्यो को वर्णक्रमानुसार सम्पादित करने में सफल रहे है जो वर्णक्रमानुसार 15 है, वर्णनात्मक हैं, अतिरिक्त संग्रह'' के रुप में। इसका प्रकाशन दिसम्बर, 2014 में हुआ था।

हमलोग अंग्रेजी सम्पूर्ण अंग्रेजी पत्राचार को संग्रह और सम्पादित करने की प्रक्रिया में लगे हुए हैं। अगले वित्तीय वर्ष में हमारा यह प्रयास होगा कि वर्णक्रमानुसार संग्रह-16 तथा अगली श्रृंखला संग्रह प्रकाशित होने में सफल होंगे।

टैगोर इस्टेट पेपर्स (सेक-ए) का संरक्षण प्रक्रिया में है।

प्रदर्शनी :- सालोभर स्थायी अथवा अस्थायी रूप से रवीन्द्रभवन में प्रदर्शनी लगाई जाती है। अभिलेखागार इन प्रदर्शनियों का एक हिस्सा है। खास तौर पर हमलोगों ने एक नई चित्रशाला को बनाने में कामयाब हुए है, जो गीतांजलि चित्रशाला के नाम से जाना जाता है।

श्रवण-दृश्य तथा पूर्व में लिखे गई पुस्तकों को फिर से लिखनेवाली इकाई (छवि-चित्रशाला) :-

कवि के आवाज की रिकार्डिंग डिस्क, टेप, स्पूल आदि में उपलब्ध कराने हेतु यह इकाई कार्य कर रहा है। छवि संग्रह का निगेटिब्स हमारे संग्रह में शामिल हैं, सीटीआईडीभीडी समकालीन, डिजिटल फोटोग्राफ्स कलर सलाईडस सूक्ष्म फिल्म निगेटिब्स, भीएचएस, डीभीकेसेटस आदि तैयार किए जा रहा है। रवीन्द्रनाथ तथा शान्तिनिकेतन को परिदर्शित तथा उनके जीवन तथा कहानियों, कविताओं पर आधारित छाया छवि को संरक्षित किया जा रहा है। अन्य कलाकारो द्वारा दिये गये ग्रामोफोन डिस्क, ऑडियोकैसेट्स बहुतायत मात्रा में संग्रहित हैं। इस इकाई के पास रंग पारदर्शिता और उच्च गुणवता की डिजिटल छवि रवीन्द्रनाथ ठाकुर का पूर्ण रूप से उपलब्ध है। हमारे पास भी उच्च गुणवता वाले डिजिटल छवि रवीन्द्रनाथ की उपलब्ध है, जो पेंटिंग संग्रह एनजीएमए, रवीन्द्र भारती, भारतीय संग्रहालय और एकाडमी ऑफ फाइन आर्टस (कोलकाता) लगाये गये है।

विश्वभारती में चलनेवाली कार्य कलापो, घटनाओं उत्सवों के अलावे भी हमारे पास फोटो और विडियो उपलब्ध है जो ये बताने में सक्षम है कि कौन-कौन से अतिविशिष्ट प्रमुख व्यक्ति किन-किन अवसरों पर विश्वभारती घूमने आये, ये सभी वृतचित्र में भी उपस्थित हैं।

फोटो इकई का कम्प्यूटरीकरण जारी है। रवीन्द्रनाथ के तस्वीर, उनके परिवार की तस्वीर, अन्यान्य राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय व्यक्तियों की छवि, फोटो सेक्शन इकाई के लिए गौरव की बात है। डिजिटल एवं वर्णनात्मक तथा सूची बद्ध कार्य इन छवियों का शुरू किया गया है और विकास पर है। यह वर्णक्रमानुसार शोधार्थियों को सटीक छवि खोजने में मदद करता है। अब संग्रहालय के वस्तुओं तथा तथा पेटिंग का कम्प्यूटीकरण जारी है।

प्राप्त उपहार

1. श्रव्य-दृश्य कैसेट्स

लिपिका : पाण्डुलिपि संग्रहालय -

लिपिका पाण्डुलिपि, पाण्डुलिपि अध्याय का एक मुख केन्द्र है। यहाँ 12500 पाण्डुलिपियाँ विभिन्न भाषाओं में यथा संस्कृत, बंगला, उड़िया, तिब्बतन, अरबी, पर्सियन और तमिल सुरक्षित रखी गई है, अध्ययन हेतु। इनके अलावे सूरत जमीन्दारों से जुड़ी हुई दस्तावेजें भी उपलब्ध है। साथ ही साथ जयदेव केदुली (महंत हरिकांतसरण देव ब्रजबासी, निम्बर्क आश्रम) के धन समर्पण का लेखा जोखा भी उपलब्ध है। ये पाण्डुलिपियाँ ताड़के पत्ते, गोलाकार ताड़ के पत्ते, सांचिपत और ट्यूब पेपर पर

लिखे हुए है। कुछ पाण्डुलिपियाँ तो लिखावट (प्रतीक चिन्ह) में लिखी गई है। पाण्डुलिपियों को निकालना देख रेख करना, संरक्षण आदि आई एन टी एसीएच, भुवनेश्वर केन्द्र के द्वारा किया जाता है। इस केन्द्र के ही हाथ में पांडुलिपियों का परीक्षण, स्वीकृत तहयुक्त बनाना, संग्रह करना तथा वर्णक्रमानुसार सजाकर रखना आदि कार्य युक्त है। केन्द्र सम्पादनका कार्य, वर्णनात्मक दस्तावेज, प्रयोगकर्त्ता केन्द्रित आदि काम भी देखता है। पांडुलिपियाँ उच्चशोध हेतु उपयोगी एवं बहुत ही महत्वपूर्ण है।

संरक्षण इकाई, रवीन्द्र भवन :–

यह इकाई पुरानी चित्रों तथा इनसे जुड़ी हुई वस्तुएँ, दुर्लभ और सहज रूप से टूटने योग्य (कुकड़ीला) पुस्तको, संग्रहालय की वस्तुओं का देख रेख करती है। पृष्ठबद्ध करना, सुवासित करना, टिश्यू लेमिनेशन उनकी मरम्मत पुस्तक बंधन आदि जैसे कार्य इस इकाई के द्वारा किया जाता है। यह इकाई पेशेवर तरीके से टैगोर-इस्टेट से जुड़ी हुई दस्तावेजों की देखभाल करता है।

विभाग में चल रही शोध परियोजना :-

(अ) कालानुक्रमिक रवीन्द्रनाथ रचनावली प्रकल्प - सांस्कृतिक मंत्रालय द्वारा वित्त प्रदत्त :-

कालानुक्रमिक रवीन्द्र रचनावली प्रकल्प से जुड़ी हुई गतिविधियाँ जोर-शोर से चल रही है। यह परियोजना टैगोर द्वारा लिखित कविताएँ, कहानियाँ, उपन्यासो, गीतों, नाटको, निबन्धों आदि को विभिन्न भाषाओं में एक ही शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित करने को बढ़ावा देती है। हम लोगों ने कालानुक्रमिक परियोजना को जितना जल्दी सम्भव सके, पूरा करने का प्रयास कर रहे हैं। इस क्रम में चार ग्रंथ पहले से ही प्रकाशित किये जा चुके हैं :–

1. परियोजना का नाम - कालानुक्रमिक रवीन्द्र रचनावली
2. शिक्षक का नाम - प्रो0 ताप्ति मुखर्जी (संयोजक)
3. प्रतिभू संस्था - संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
4. प्राकल्पित राशि - रू चौवन लाख (प्रथम किश्त)

(ब) यूजीसी-यू के आई ई आर आई परियोजना ''स्कॉटिश ऑरिएन्टलिज्म ऐण्ड दि इंडियन रिनेज़ा'' दि कन्टिन्यूम ऑफ आइडियास : टैगोर एवं उनकी मंडल की उपयुक्तता:

1. संयोजक का नाम - प्रो0 ताप्ति मुखर्जी
2. प्रतिभू संस्था - यू जी सी और ब्रिटिश काउसिल
3. प्राकल्पित राशि - रुपये 12,68,800.00
4. समयाविधि - 2 वर्ष

जुलाई, 2015 मे 2 अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किये गये। प्रो0 मुखर्जी ने स्कॉट लैड के विभिन्न विश्वविद्यालयों में भ्रमण किया और मई 2015 में स्कॉटलैंड की राष्ट्रीय पुस्तकालय में जोर-शोर से कार्य किया।

रवीन्द्र-भवन द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन

(रबीन्द्र-भवन)

क्रमांक	तिथि	स्थान	शीर्षक	वक्ता
1.	03.7.2014	उदयनगृह	स्कॉटलैंड-भारत विचारों का सन्दर्भ : टैगोर एवं उनका समूह वर्ग	प्रो0 एस के दत्ता प्रो0-ताप्ति मुखर्जी रोसिका चौधुरी अरूणेन्दु बंदोपाध्याय

				अमृत सेन, प्रो0 के सी पट्टनायक, टॉम क्रॉस्बी विश्वनाथ बनर्जी, प्रो0 यू.एन.सिंह
2.	25.7.2015	उदयनगृह	वही	प्रो0 स्वपन कुमार दत्ता, डॉ0 कैट सिम्पसन डॉ0 काबेरी चटर्जी प्रो0 दीक्षित सिन्हा प्रो0 कैलाश पट्टनायक प्रो0 ताप्ति मुखर्जी डॉ0 रनेन दासगुप्ता प्रो0 अमृत सेन अध्यक्ष प्रो0 सबुजकोली सेन
3.	16.01.2016	भाषा भवन	तुलनात्मक साहित्य : भाषा भवन तुलनात्मक साहित्य केन्द्र द्वारा आयोजित सह आई सी एसएस आर, सीआईआईएल सी एल ए आई, यूजी सी और रवीन्द्र भवन भी.वी.	प्रो0 एस दत्ता गुप्ता (भीसी) प्रो0 अवधेष कुमार सिंह प्रो0 ताप्ति मुखर्जी प्रो0 इप्सिता चंदा और अन्य

विभागीय सम्मेलन (वक्ता, शीर्षक, तारीख) विशिष्ट बाध्य वक्ता :-

रवीन्द्र भवन द्वारा आयोजित रवीन्द्र प्रभा :-

क्रमांक -	तारीख	शीर्षक	स्थान	वक्ताओं के नाम
1	30.5.2015	जादूघर देखाय एबोन्ग सेखाए	उद्यन गृह	प्रो0 सचीन्द्रनाथ भट्टाचार्य, डॉ, शिप्रा चक्रवर्ती, श्री प्रदीप मंडल
2.	27.6.2015	शतवर्षे रवीन्द्रनाथेर नाइट हुड सम्मान	वही -	प्रो0 बिपाशा राहा प्रो0 सूचीव्रत सेन प्रो0 एस.भट्टाचार्य प्रो0 स्वप्न कुमार दत्ता
3	6.8.2015	दिनेन्द्र-स्मरण 80वी पुण्य तिथि पर	संयुक्त रुप से	प्रो0 अल्पना रॉय

			रवीन्द्र भवन और रवीन्द्र संगीत गवेषण केन्द्र, उद्यन गृह	प्रो0 एस दत्तागुप्ता प्रो0 ताप्ति मुखर्जी
4.	27.8.2015	116वी पुण्यतिथि बालेन्द्रनाथ टैगोर	उदयनगृह	प्रो0 मनबेन्द्र मुखोपाध्याय प्रो0 एस दत्ता गुप्ता
5.	19.9.2015	148वीं जन्म तिथि गगनेन्द्रनाथ टैगोर	वही	प्रो0 आर शिवकुमार प्रो0 ताप्ति मुखोपाध्याय प्रो0 एस दत्ता गुप्ता प्रो0 ताप्ति मुखर्जी
6.	31.1.2016	टैगोर और गांधी : राष्ट्र पर एक विचार, कथनी और राष्ट्रवाद	वही	प्रो0 बासबी फ्रेजर
7.	15.2.2016	टैगोर की कविताओं का हंगरी भाषा में अनुवाद	वही	
8.	28.2.2016	रवीन्द्र भवन चित्रशाला : एक जीवंत कथ्य	वही -	श्री-उत्पन्न मित्रा, प्रो0 संजय मल्लिक, प्रो0 ताप्ति मुखोपाध्याय

सम्मेलन/संगोष्ठी का विवरण रविन्द्र भारती द्वारा आयोजित

भाषा साहित्य अनुवाद केन्द्र की तत्वाधान में तुलनात्मक साहित्य केन्द्र, भाषा भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित रवीन्द्रनाथ के साहित्य पर निबन्ध भाषा भवन में 12 जनवरी से 15 जनवरी तक आयोजित किया गया।

प्रकाशन :

(अ) कालानुक्रमिक रवीन्द्र रचनावली, ग्रंथ-3, जून 2015, ग्रंथ 4, जनवरी 2016

(ब) टैगोर और उनके इर्दगिर्द, सम्पादित प्रो0 ताप्ति मुखर्जी और प्रो0 अमृत सेन, अप्रैल 2015

(स) रवीन्द्र विक्षा, सम्पादित प्रो0 ताप्ति मुखर्जी, ग्रंथ 57, अगस्त 2015

(द) रवीन्द्र बलाये विद्वाजन सम्पादित प्रो0 ताप्ती मुखर्जी और प्रो0 अमृत सेन फरवरी, 2016

विस्तारित कार्यकलाप/एनएसएस/सांस्कृतिक एवं अन्यान्य कार्य कलाप विभाग द्वारा आयोजित, विभाग के शिक्षकों एवं छात्रों को भागीदारी : मासिक श्रृंखला व्याख्यान प्रति माह अन्तिम रविवार के दिन

शैक्षणिक गुणवत्ता प्राप्ति शिक्षको तथा छात्रों द्वारा एक नजर में :–

यू एन सिंह

1. मैथिनी नाट्यशाला मे जीवन पर्यंत अवदान हेतु ज्योतिर्श्वर सम्मान, 2015 मैचोरंग द्वारा पुरस्कृत किया गया।
2. ऐशियाटिक सोसाइटी द्वारा सुनीति कु0 चट्टोपाध्याय को व्याख्याता पद, 2015, प्रदान किया गया।

शिक्षकों द्वारा प्रशंसनीय शैक्षणिक कार्य :-

ताप्ती मुखर्जी

2015 में विदेश में व्याख्यान :–

1. 7 मई 2015 को बेल्जियम के लेवन विश्वविद्यालय में रवीन्द्रनाथ की मूर्ति के अनावरण के अवसर पर भारतीय राजदूत एवं विश्वविद्यालय के अधिकारियों की उपस्थिति में) व्याख्यान दिया गया।
2. 12 मई 2015 को रवीन्द्रनाथ पर व्याख्यान, स्कॉट वेबसाइट, नेपियर युनिवर्सिटी एडिनबर्ग, स्कॉट लैडं, यू-के

भारत में व्याख्यान :

1. 6 जुलाई 2016 को विश्वभारती, शान्तिनिकेतन पं0 बं0 में कुंजीमूलक व्याख्यान प्रदत्त विषय ''स्कॉटलैंड इंडिया कांतिनम ऑफ आइडियाज, प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन
2. 30 जुलाई 2015 द्वारकानाथ टैगोर पर शोध पत्र प्रस्तुत किया गया, अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन यू के आई ई आर आई परियोजना

संगोष्ठी प्रस्तुति / वार्त्तालाप

1. 2015, ट्रांसलेटिंग दि वर्ल्ड : एप्रोचेस : स्ट्रेटजीस ऐण्ड इनोवेशन नवम्बर 2015 विश्व कोंकणी समारोह।
2. 'बियोन्डं लैग्विज-टूवर्डस : ए रिडिंग ऑफ टैगोर'' प्रथम टैगोर स्मृति वक्तृता, 12 अगस्त, 2015, सायं 4 बजे आई आई ई एसटी, शिवपुर।
3. 2016 राजस्थानी और भारतवाणी : भाषा, भूमि और भविष्य (हिन्दी में) एल.पी.टेसीटोरी स्मृति व्याख्यान, राजस्थानी प्रचारिणी सभा और दि एसियाटिक सोसाइटी, कोलकाता, जनवरी 2016

स्वीकृति / मीतमूलक कार्य हेतु :–

1. नियुक्ति एडजंक्ट प्रोफेसर, मैंगलोर युनिविर्सिटी, कर्नाटक
2. निओ ब्रह्मी निरीक्षक समूह के अध्यक्ष पद नियुक्ति, कैलिफोर्निया में सूचना मंत्रालय, (आईसीएएनएन)) की तरफ से
3. ढाका बांगला देश, अन्तर्राष्ट्रीय मातृ-भाषा संस्थान, सलाहकार समीति के सदस्य के रूप में कई सभाओं में उपस्थित।

मुख्य शोध परियोजनाएँ :-

1. राष्ट्रीय संयोजक के रूप शोध विषयों का मार्ग दर्शन और परियोजनाओं को पूरा किया तेजपुर विश्वविद्यालय, कनार्टक विश्वविद्यालय के तत्वाधान में सेन्टर फॉर ऐन्डेन्जर्ड लैंग्वेजेस पर कार्य।
2. हिन्दी साहित्य ज्ञान कोष परियोजना, भारतीय भाषा परिषद्, कोलकाता हेतु कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर लेखन कार्य की पूर्णता।

भावी योजनाएँ :-

रवीन्द्र भवन, शोध सुसम्पन्न केन्द्र के रूप में अपनी भावी योजनाओं को रख रहा है :-

1. गीतांजलि हॉल का उद्घाटन
2. कालानुक्रमिक रवीन्द्र रचनावली ग्रंथों को प्रकाशित करना
3. यू के आई ई आर आई परियोजना के प्रतिफलन को पुस्तक के रुप में प्रकाशित करना।
4. टैगोर की कुछ किताबों को अंग्रेजी भाषा में अनुवाद
5. टैगोर को बढ़ावा देना - राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, संगोष्ठियो,सांस्कृतिक सहभागिता द्वारा

अगर कोई जुड़ी हुई सूचना छूट गई हो तो विभागाध्यक्ष के विचार हो कि इसे शमिल किया जाय, शामिल किया जाना चाहिए।

ग्रंथन-विभाग

(विश्व भारती)

वार्षिक कार्यक्रम वृतांत - अप्रैल 2015 - मार्च 2016

कार्यक्रम :

9 मई 2015, विश्वभारती ग्रंथन विभाग और रवीन्द्र संगीत गवेषण केन्द्र संयुक्त रूप से 9 मई 2015 को कुछ पुस्तकों को जारी किया।

20-27 अगस्त 2015, रवीन्द्रतीर्थ के तत्वाधान में विश्वभारती ने न्यूटाऊन कोलकाता में 20 से 27 अगस्त गुरु देव की प्रयाण पक्ष मनाने हेतु एक सप्ताह तक चलने वाली पुस्तक मेला का आयोजन किया।

24 दिसम्बर 2015 पौष मेला के स्टॉल पर 7 पौष के अवसर पर 24 दिसम्बर 2015 को एक पुस्तक को शुरु किया गया।

30 जनवरी 2016 : 30 जनवरी 2016 को कोलकाता पुस्तक मेले में 'ग्रंथ निर्माण : लेखक ओ शिल्पी' पर संगोष्ठी आयोजित किया गया विश्व भारती द्वारा पब्लिशर्स एवं बुक सेल्र्स गुइल्ड के तत्वाधान में।

प्रकाशन :-

नये शीर्षक

1. बनाना ओ बिन्यास-विधि
   आईएसबीएन - 978-81-7522-614-2
2. विश्व भारती पत्रिका (श्रावण-आश्विन 1421)
   सम्पादक - अमित्रसूदन भट्टाचार्य
3. गांधी वर्सेस टैगोर (न्यू एडिशन)
   कंसेप्ट, कॉम्पिलेशन ऐण्ड स्क्रिप्ट, शैलेश पारेख
   आईएसबीएन - 978-81-7522-499-5
4. गीतांजलि (संस्कृत अनुवाद में)
   लेखक - रवीन्द्रनाथ टैगोर
   अनुवादक : कालीपद तर्काचार्य
   आईएसबीएन - 978-81-7522-606-7
5. चिठीपत्र (ग्रंथ 17), नयू एडिशन
   लेखक - रवीन्द्रनाथ टैगोर
   सम्पादक - गोपालचन्द्र रॉय
   आईएसबीएन - 978-81-7522-565-7 (भी-17)
   आईएसबीएन - 978-81-7522-025-6- (सेट)
6. कालानुक्रमिक रवीन्द्र रचनावली (वॉल्यूम-3)
   लेखक - रवीन्द्रनाथ टैगोर
   आईएसबीएन - 978-81-7522-615-9 (भी3)
   आईएसबीएन - 978-81-7522-592-3 (सेट)
7. रवीन्द्र सप्ताह भाषण (नई)

सम्पादित - इद्राणी मुखोपाध्याय, रामकुमार मुखोपाध्याय और अमर्त्य मुखोपाध्याय : आईएसबीएन - 978-81-7522-616-6

8. विश्व भारती पत्रिका (कार्तिक-पौष 1421) (नई)
   सम्पादक - अमित्रसूदन भट्टाचार्य
9. भारत संस्कृति (विश्व-विद्या ग्रंथमाला के 7 पुस्तकों का संग्रह) आईएसबीएन - 978-81-7522-620-3
10. जे पथ दिए (भाषणों का संग्रह)
    लेखक - सुशांत दत्ता गुप्ता
    आईएसबीएन - 978-81-7522-621-0
11. कालानुक्रमिक रवीन्द्र रचनावली (ग्रंथ-4)
    लेखक - रविन्द्र टैगोर
    सम्पादक - गौतम भट्टाचार्य
    आईएसबीएन - 978-81-7522-629-6 (वॉल्यूम.4)
12. गणितविद्या (विश्वविद्या ग्रंथमाला के 3 पुस्तकों का संग्रह)
    परिचय - दिलीप सिन्हा द्वारा
    आईएसबीएन : 978-81-7522-631-9
13. ज्योतिर्विजनन (विश्वविद्या ग्रंथमाला के चार पुस्तकों का संग्रह)
    परिचय - पलास बरन पाल
    आईएसबीएन : 978-81-7522-625-8
14. गीत रंजुरा
    लेखक - रवीन्द्रनाथ टैगोर
    आईएसबीएन : 978-81-7522-614-1
15. विश्व-भारती पत्रिका (माघ-चैत्र 1421) नई
    सम्पादक - अमृतसूदन भट्टाचार्य

73 पुस्तको की फिर से छपाई की गई, अप्रैल 2015 से मार्च 2016 के दरम्यान पुस्तक मेलों में भागीदारी :-

1. रवीन्द्र भवन पुस्तक मेला, शान्तिनिकेतन 8 से 14 अगस्त 2015
2. रवीन्द्र तीर्थ पुस्तक मेला, कोलकाता 20 से 27 अगस्त 2015
3. 19वीं नेपाल अन्तर्राष्ट्रीय पुस्तक मेला, काठमांडु, नेपाल 22 अगस्त से 30 अगस्त 2015
4. शारद बोइ पारबोन पुस्तक बाजार 2015, रवीन्द्र सदन प्रांगण 26 सितम्बर से 4 अक्टूबर 2015
5. नॉर्थ-ईस्ट बुक फेअर, गौहाटी, असम, 30 अक्टूबर से 8 नवम्बर 2015
6. सरदार बल्लभभाई पटेल के जन्म तिथि समारोह के अवसर पर शान्ति निकेतन में पुस्तक मेले का आयोजन, 31 अक्टूबर से 6 नवम्बर 2015
7. 31वाँ जमशेदपुर पुस्तक मेला, टैगोर सोसाइटी द्वारा आयोजित, 20 से 29 नवम्बर 2015
8. 19वॉ कल्याणी पुस्तक मेला, 2015, 5-14 दिसम्बर 2015
9. 26वाँ सोनारपुर पुस्तक मेला 2015, 11-20 दिसम्बर, 2015
10. पौष मेला, शान्तिनिकेतन, 24-27 दिसम्बर 2015

11. विश्व पुस्तक मेला, नई दिल्ली, 9-17 जनवरी 2016
12. साहित्य उत्सव ओ 18वीं लघु पत्रिका मेला, कोलकाता 11-15 जनवरी 2016
13. कोलकाता पुस्तक मेला, 27 जनवरी - 7 फरवरी 2016

राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय आयोजन/सम्मेलन इत्यादि

रामकुमार मुखोपाध्याय, निर्देशक

11-12 अप्रैल 2015, गोर्की सदन कोलकाता के भारत-नेपाल जन मैत्री सांस्कृतिक मंच द्वारा आयोजित द्वितीय नेपाली साहित्य संगोष्ठी में वक्तृता।

1 मई 2015 : टैगोर रिसर्च इन्स्टिट्यूट कोलकाता टैगोर पर लिखी पुस्तकों की प्रदर्शनी के अवसर पर उद्घाटन भाषण प्रस्तुत।

22-24 मई, 2015, अन्तर्राष्ट्रीय बंगला फेस्टिबल, न्यूयॉर्क में मुख्य वक्ता के रूप में भाषण दिया तथा टैगोर की पुस्तकों की प्रदर्शनी का उद्घाटन।

3 अगस्त 2015 जीबनानंद सभाघर में सुनील गंगोपाध्याय द्वारा अमर कमल कुमार पर लिखित पुस्तक के विमोचन के अवसर पर भाषण प्रस्तुत किया।

24 अगस्त 2015 बंगाली कवियों के साथ मुलाकात' आयोजित द्वारा साहित्य एकाडमी गौहाटी कार्यक्रम में अध्यक्षीय भाषण प्रस्तुत किया।

25 अगस्त 2015 उत्तर-पूर्वी भारत में बंगाली साहित्य : इतिहास और-समकालीन प्रवृत्तियाँ आयोजित द्वारा बंगाली विभाग, कॉटन कॉलेज और साहित्य एकाडमी, गौहाटी, राष्ट्रीय सेमिनार में बतौर मुख्य अतिथि भाषण प्रस्तुत किया।

20-21 सितम्बर 2015 : साहित्य एकाडमी और नेपाली साहित्य परिषद्, सिक्किम, गैंगटोक द्वारा आयोजित बहुभाषी लेखक सम्मेलन में अध्यक्षीय भाषण प्रस्तुत।

24 सितम्बर 2015, साहित्य एकाडमी 'थ्रू माई विंडो, सचिन दास ऑन प्रफुल्लक रे' कार्यक्रम में अध्यक्षीय भाषण।

5 अक्टूबर 2015, भवानीपुर एडूकेशन सोसाइटी कोलकाता द्वारा आयोजित अनुवाद कर्मशाला के उद्घाटन सत्र में भारतीय साहित्य अनुवाद में, के ऊपर मन्तव्य जाहिर किया।

8 अक्टूबर, 2015, नेताजी सुभाष मुक्त विश्वविद्यालय में चल रहे संगोष्ठी विषय 'अनुवाद अध्ययन खुले प्रयास' में सत्र को कम किया।

2 दिसम्बर 2015, नाराजोल कॉलेज मिदनापुर में स्वर्ण जयन्ती समारोह के अवसर पर वैश्विकरण और लोक संस्कृति पर भाषण प्रस्तुति।

27 दिसम्बर 2015, गौहाटी में प्रख्यात आसामी विद्वान सत्येन्द्र नाथ शर्मा के जन्मशताब्दी समारोह में भाषण प्रस्तुति

31 दिसम्बर 2015, 'भारतीय साहित्य में बंगला अनुवाद स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद' रिफ्रेशर कोर्स बंगला विभाग कलकत्ता विश्व विद्यालय द्वारा आयोजित भाषण प्रस्तुति।

2 जनवरी 2016, प्रख्यात उर्दू उपन्यासकार इस्मत चुगताई के जन्म शताब्दी समारोह के अवसर पर कोलकाता में अध्यक्षीय भाषण प्रस्तुत।

17 जनवरी 2016, चासों स्पूर्ति साहित्य ट्रस्ट विजियनगरम द्वारा आयोजित प्रख्यात तेलगु उपन्यासकार चासो के जन्म शताब्दी समारोह में सम्मानित अतिथि के रुप में भाषण प्रस्तुति।

28 जनवरी 2016, साहित्य एकाडमी द्वारा आयोजित कोलकाता पुस्तक मेले में भारतीय कविता अनुवाद पर अध्यक्षीय

भाषण प्रस्तुत किया।
5-6 फरवरी 2016, साहित्य एकाडमी में शंभुमित्रा पर आयोजित जन्मशताब्दी समारोह में उद्घाटन भाषण प्रस्तुत।
9 फरवरी 2016, कुकुरा कृष्णपुर बर्दवान प्रख्यात मध्यकालीन बंगाली कवि घनाराम चक्रवर्ती पर सम्मेलन और मेले का उद्घाटन किया।
11 फरवरी 2016, आवृत्ति लोक द्वारा आयोजित काव्य उत्सव में क्षेत्रीय समकालीन पूर्वी भारतीय काव्य और बंगला काव्य बंगलादेश में भाषण प्रस्तुत किया। इसका आयोजन विश्वभारती, साहित्य एकाडमी, और संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा कोलकाता में आयोजित किया गया। पश्चिम बंगाल के कवियों, उत्तर भारत के कवियों तथा बांग्लादेश के कवियों को इस काव्य उत्सव में शामिल किया गया था।
19 फरवरी 2016, पश्चिम बंग बंगला एकाडमी द्वारा आयोजित भाषा उत्सव में सुभाष मुखोपाध्याय पर विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया।
17 मार्च 2016, साहित्य आकादमी, एवम् कॉटन कॉलेज गौहाटी द्वारा आयोजित प्रख्यात बंगाली उपन्यासकार प्रतिभा बासु के जन्मशती संगोष्ठी में अध्यक्षीय भाषण प्रस्तुत किया।

आशीष पाठक, उप प्रबन्धक (उत्पादन)

4 अगस्त 2015, जीबनानंद सभाघर, कोलकाता में आनंद सभा द्वारा आयोजित समारोह नाट्यपात्रे समयेर प्रतिफलन' में संयोजन किया।
15 दिसम्बर 2015, दि लेजेसी ऑफ हेरिटेज : संस्कृत टू बंगाली, निस्तारिनी कॉलेज, पुरूलिया साधन सम्पन्न व्यक्तिव के रूप में कार्य किया।
26-27 फरवरी 2016 ''बंगाली साहित्य, कानून और सूचना तकनीकि'' आयोजित द्वारा बांकुडा विश्वविद्यालय, पं0 बंगाल सरकार अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में साधन सम्पन्न व्यक्तित्व के रूप में कार्य किया।

अधिकारिक भाषा (राजभाषा) सेल

इन्दिरा गांधी केन्द्र

विभागीय सम्मेलन (वक्ता, शीर्षक, दिनांक)

(i) अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस विश्वभारती के इन्दिरागांधी केन्द्र तथा विदेश छात्र सहायता संघ के अनुशीलन में नाट्यघर में मनाया गया, इस मौके पर प्रो0 स्वप्न दत्ता, माननीय उपकुलपत्ति महोदय मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित थे।

(ii) रवीन्द्र नाट्येर अंगिकेर विनयास' पर एक दिन की संगोष्ठी 3 अगस्त 2015 को इन्दिरा गांधी केन्द्र कैम्पस में आयोजित किया गया। स्थानीय नाट्य समूह ने इस अवसर पर इन्दिरा गांधी केन्द्र की देख रेख में नाट्य प्रस्तुत किया।

शिक्षकों / शोधार्थियो द्वारा भाग लिए गये राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलनों, संगोष्ठियों, कर्मशाला/ प्रदर्शनी आदि की विस्तृत जानकारी।

विभाग में चल रही शोध परियोजना

(i) शिक्षका का नाम - अनुपलब्ध

(यह परियोजना रिसर्च ऐसोसियेट (एन्थ्रॉपोलॉजी) डॉ0 मीता सरकार (दास) की देख रेख में कार्य करता है।

(ii) परियोजना का नाम - मुख्य धारा की अवधारणा: सन्दर्भ भारतवर्ष

(iii) प्रतिभू संख्या - उपलब्ध नहीं

(iv) प्राकल्पित राशि - उपलब्ध नहीं

विस्तारित कार्य कलाप/एन एस एस / सांस्कृतिक एवं अन्यान्य कार्यकलाप विभाग द्वारा आयोजित -

(i) वर्तमान इन्दिरा गांधी केन्द्र विदेशी छात्र सहायता इकाई के साथ कार्य करता है।

(ii) साथ ही साथ यह केन्द्र एस ओ यू कार्य, विश्वभारती की तरफ मदद का हाथ बढ़ा रहा है।

शैक्षणिक गुणवत्ता : शिक्षको / छात्रों द्वारा अर्जित सम्पूर्ण नजर में - (यथा स्वीकृति, डीएसए, सीएएस) : अनुपयुक्त

अप्रैल 2014 से मार्च 2015 तक प्रकाशन –

(i) ऐतिहासिक व्याख्या भारतीय क्षेत्र के अन्वेषण में'' प्रकाशित जर्नल ऑफ इण्डियन फौकलोर ऐण्ड फौकलोरिस्ट, ग्रंथ-21, संख्या-2, पृष्ठ-3-9

(ii) आदिवासी स्वास्थ्य 'प्रकाशित जर्नल ऑफ इंडियन फौकलोर ऐण्ड फौकलोरिस्ट, ग्रंथ-21, संख्या-3, 2015, पृष्ठ-11-16

(iii) भारत में जनजातीय महिलाएँ : एक नजर प्रकाशित जर्नल ऑफ फौकलोर ऐण्ड फौकलोरिस्ट ग्रंथ-22, संख्या-3, 2016, पृष्ठ 9-14

(iv) 'पूर्वी भारत में मनुष्य रचना शास्त्र का विकास'' जर्नल ऑफ फौकलोर ऐण्ड फोकलोरिस्ट, ग्रंथ 22, संख्या-2016, पृष्ठ 16-21

पत्रिकाओं में छपने वाली पत्रों की संख्या राष्ट्रीन-4

नये पाठ्यक्रम का प्रारुप अथवा शैक्षिक आविष्कार विभाग द्वारा निर्मित - अनुपयुक्त।

भवन / सदन/ विभाग से जुड़ी हुई विकासोन्मुखी भावी योजनाओं का संक्षिप्त इतिहास।

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय एकता केन्द्र की स्थापना विश्व भारती के एक हिस्से के रुप में 1986 ई0 में किया गया था। इसकी स्थापना में वित्त प्रदान का कार्य यू जी सी ने किया था। इसकी स्थापना का उद्देश्य टैगोर की वैश्विक भ्रातृत्व की भावना को बढ़ावा देने का था। बाद में इसका नाम दिसम्बर 2012 में इन्दिरा गांधी केन्द्र कर दिया गया और यह केन्द्र टैगोर

स्मृति संस्था का एक हिस्सा के रूप में कार्य कर रहा है। अभी इसका क्षेत्र मुख्य रूप से अन्तर्राष्ट्रीय समझदारी और सम्बन्धों पर अधिक जोर देता है।

विशेष सहभामी कार्यकलापों के द्वारा विश्व विद्यालय के छात्रो तथा विदेशी छात्रों के बीच शैक्षणिक, सामाजिक और सांस्कृतिक सामंजस्य स्थापना का कार्य करता है।

विभागाध्यक्ष तथा उनके विचार में रिपोर्ट करने योग्य अगर कोई जानकारी छूट गई हो तो, इस रिपोर्ट में शामिल किया जा सकता है।

पहली दफा 08.10.2015 आई जी सी और एफ एस.ए. सेल संयुक्त रूप से नवीन बरण विदेशी छात्रों के लिए विश्वभाारती में आयोजित किया। विदेशी छात्रों द्वारा एक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस आयोजन में प्रतिकुलपति, विदेशी छात्र मार्गदर्शक / सलाहकार और बहुत सारे शिक्षकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। समारोह का आयोजन आई जी सी कैम्पस में किया गया था।

कृषि-आर्थिक शोध केन्द्र

(ए.ई. आर. सी.)

राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन/संगोष्ठी / कर्मशाला/प्रदर्शन इत्यादि :- शिक्षको तथा शोधार्थियों द्वारा भागीदारों का विस्तृत विवरण :-

विभाग में चल रही शोध परियोजनाएँ :-

1. मिट्टी जांच के आधार पर खादो की खुराक की स्वीकृति तय करना, कृषि और कृषक कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।
2. राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अभियान का प्रभाव, उपयोग, उत्पादन, उत्पादकता और भारतीय आय, कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।
3. कृषि और बागवानी की उत्पादकता एवं उपयोगिता पर एक अध्ययन पूर्वी हिमालय क्षेत्र में। कृषि-कृषक कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।
4. पश्चिम बंगाल में मत्स्य पालन क्षेत्र में अनुपयुक्त संशाधन तथा आर्थिक क्षति का मूल्यांकन एवं व्याख्या, कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार
5. कृषकों द्वारा आत्महत्या - पं0 बंगाल में कारण एवं रीति-नीति, कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।
6. पं0 बंगाल में दुग्ध उत्पादन के स्तर का मूल्यांकन, सामाजिक, आर्थिक गुणवत्ता को बढ़ाना (दुग्धउत्पाद के हेतु) केन्द्रीय तथा राज्य सरकार की योजनाओं से जोड़ना जिला स्तर पर। कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।
7. सिक्किम के ग्रीन हाऊस इफेक्ट पर जोर देते हुए और सामाजिक सब्जियों के उत्पादन पर खर्च एवं आय का आर्थिक व्याख्या।
8. जलवायु आपदा के सन्दर्भ में सुन्दर बन डेल्टा क्षेत्र में विभिन्न तरह के लाल चावल का उत्पादन तथा स्थानीय खाद्य भोजन सुरक्षा की भूमिका का अध्ययन। मंत्रालय, कृषि एवं कृषक कल्याण, भारत सरकार। रुपये 94 लाख
9. ईपीजी पाठशाला जोखिम / आपदा प्रबन्धन, यू.जी.सी. नई दिल्ली, भारत सरकार। रूपये 112.00 लाख

भवन/सदन/विभाग के विकास का संक्षिप्त इतिहास तथा विकास हेतु इसकी भावी योजनाएँ :–

1953 ई0 में खाद्य एवं कृषि मंत्रालय, भारत सरकार कृषि-आर्थिक शोध सुविधा हेतु देश में योजना बना रहा था, तब उस समय के उपकुल पति डॉ0 रथीन्द्रनाथ टैगोर, विश्वभारती ने सरकार को खाका पेश किया और सरकार से निवेदन किया गया कि चार ऐसे केन्द्रों में एक केन्द्र विश्वभारती में स्थापित किया जाय। मंत्रालय ने इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया और विश्वभारती के अन्तर्गत कृषि-आर्थिक शोध केन्द्र की स्थापना हेतु सहमति प्रदान कर दिया।

इस तरह 1 जुलाई 1934 को एईआरसी, पूर्वी भारत की स्थापना विश्वभारती में की गई ताकि विश्व भारती में चल रहे ऐसे शोधों को और बल मिल सके। चूँकि विश्वविद्यालय बहुत पहले से ऐसे शोधों पर कार्य कर रहा था, गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर के सपने को साकार करने में यह संस्था एक अलग मानदंड के रूप में प्रतिस्थापित हुआ।

प्रारंभ के केन्द्र का मुख्य कार्यकलाप गाँवों का सर्वे करना, अध्ययन करना और मौलिक समस्याओं का निरीक्षण करना जो कृषि आधारित अर्थ-व्यवस्था और ग्रामीण विकास में पाई जाती थी। साथ ही साथ केन्द्र और राज्य सरकारों को तकनीकि सलाह भी देना ताकि इन समस्याओं से छुटकारा पाया जा सके। अपने स्थापना के समय से ही यह केन्द्र शोध समस्याओ पर काम कर रहा है। निर्देशक अर्थ-शास्त्र एवं सांख्यिकिय, कृषि मंत्रालय, भारत सरकार की सलाह के आधार पर शोध का

विषय सतत् ग्राम्य अध्ययन से हटाकर विशिष्ट नीति-बद्ध अध्ययन पर परिवर्तित कर दिया गया है। ऐसे अध्ययन का खास रूचि कृषि मंत्रालय, कृषक कल्याण मंत्रालय भारत सरकार का परिदर्शित होता है।

समय के साथ-साथ इसके कार्यकलाप में भी परिवर्तन आया है। स्थापना के समय केन्द्र का कार्यक्षेत्र-असम, बिहार, उड़ीसा तथा पश्चिम बांगल जैसे राज्य थे। क्षेत्र काफी बड़ा था। वर्त्तमान में केन्द्र पश्चिम बंगाल, सिक्कम, अंडमान-निकोबार द्वीप समूहों में कार्य कर रहा है।

वर्ष 2015-16 तक केन्द्र ने 188 विषयों पर अध्ययन कर चुका है। ये सभी विषय कृषि-विकास, रोजगारपरक, जल-स्त्रोत, कर्ज, लघु एवम् मध्यम किसान बाजार, बीज, खाद, बागवानी, वर्षा पर आधारित खेती, सहयोग, भूमि व्यवहार, कद-छुट, क्षेत्रवार योजना, गैर-सरकारी संस्था, खाद अर्थ-व्यवस्था, मत्स्यपालन, कृषि आधारित उद्योग इत्यादि से जुड़ी हुई है। शर्त एवं मान्यताओं के मुताबिक केन्द्र शोध समस्याओं पर काम कर रहा है। निर्देशक अर्थ विज्ञान एवं सांख्यिकी,कृषि एवम् कृषक कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के सलाह पर। कृषि मंत्रालय, भारत सरकार ने केन्द्र को स्थायी मानक के रूप में अपनी सहमति वर्ष 1990 में ही दे चुका है। केन्द्र को विश्व विद्यालय के साथ स्वीकृत कर दिया गया है। मंत्रालय तथा विश्व विद्यालय के बीच सहमति का ज्ञापन भी दिया जा चुका है। वर्त्तमान में इस एम.ओ.यू. के द्वारा ए.ई.आर.सी विश्वभारती विश्व विद्यालय के साथ स्वीकृत है।

अनुसूचित, अनुसूचित जन-जाति कक्ष :

1983 ई0 में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजातियों के लिए विशेष कक्ष की स्थापना की गई है, जिसके कार्यकलाप निम्नलिखित हैं :–

अनुसूचित जाति एवम् अनुसूचित जनजातियों के विशेष कक्ष की स्थापना विश्वभारती के द्वारा किया गया था। इसका मुख्य कार्य छात्रों के नामांकन के समय, शिक्षक और गैर-शिक्षक कर्मचारियों की भर्ती, गैर-शिक्षक कर्मचारियों की पदोन्नति छात्रावास सुविधा मुहैया कराना और आवास आवंटन में आरक्षण नीतियों को सही दंग से लागू किया जा सके।

इस कक्ष के कार्यकलापों को देखने के लिए एक उप-पंजियक की नियुक्ति की गई है, जिसकी सहायता करने के लिए एक खण्ड-पदाधिकारी एक व्यक्तिगत सहायक (स्तर बी), एक वरिष्ठ सहायक, एक कार्यालय और एक चपरासी की नियुक्ति की गई है। वर्त्तमान में यह कक्ष एससी/एसटी/ओबीसी/पीडब्लूडी सेल के रूप में काम कर रहा है।

डॉ. प्रशान्त मेश्रम लेखा पदाधिकारी, विश्वभारती की नियुक्ति पदेन अधिकारी के रूप में की गई है। इनका मुख्य काम एससी/एसटी/ओबीसी/पीडब्लू के मामने में आरक्षण नीतियों को प्रभावी तरीके से लागू करना है। प्रोफेसर एन.सी.मंडल प्रो0 कृषि विज्ञान पदेन अधिकारी (अवैतनिक) अन्य पिछड़ा वर्ग के कार्यकलापों को देख रहे हैं।

छात्रों के नामांकन, तथा कर्मचारियों, शिक्षक तथा गैर-शिक्षक कर्मियों के मामले में आरक्षण की नीतियों के देख-रेख एवं पुनर्विचार करने के लिए उपाचार्य के द्वारा अनुसूचित जाति एवम् अनुसूचित जनजाति हेतु सलाहकार समीति का गठन किया गया है। अलग-अलग भवन/सदन में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं पी0डब्लू0डी छात्रों के मामले में सही रुप से आरक्षण की नीतियों को लागू करने के लिए त्रि-सदस्यी समीति का गठन किया गया है।

यह इकाई आरक्षण नीतियों के तहत रोस्टर को लागू करना जिससे एसटी/एससी/ओबीसी/ शिक्षक एवम् गैर-शिक्षक पद सीधी भर्ती से पदोन्नति के द्वारा भरा जाय। समूह ए.बी.सी एवं डी पदो हेतु सीधी भर्ती के लिए शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए भी आरक्षण पंजियन की शुरूआत की जा रही है। विश्व विद्यालय के कार्यपालिका परिषद की सहमति के आधार पर भारत सरकार के दिशा निर्देश अथवा आरक्षण नीति से संबंधित पत्र के आधार पर लागू किया जाता है। वर्ष 2010 में अनुसूचित जाति एवम् अनुसूचित जनजातियों के शैक्षिक पदों को भरने हेतु एक विशेष भर्ती अभियान चलाया गया था। इसके अलावा (यू.सी.जी) विश्व-विद्यालय अनुदान आयोग के दिशा-निर्देश के कृत्ते पत्र संख्या-एफ-1/5/2006 (एससीटी) दिनांक 25/7/2006, प्रोफेसर और सहायक प्रोफेसर के पद को भी आरक्षण नीति के अन्तर्गत लाया गया और ऐसे पदों पर बहाली की गई। यद्यपि एससी/एसटी उम्मीदवारों के पदो पर भर्ती की कमी को दूर करने में अभी समय लगेगा। एससी/एसटी/ओबीसी और अल्प संख्यक वर्ग के छात्रों के लिए स्नातक, स्नातकोतर स्तर पर रिमेडियल कोचिंग, राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा कोचिंग तथा नौकरी में जाने हेतु कोचिंग की व्यवस्था की गई है। विश्व-विद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार ग्यारहवीं योजना में मिला दिया गया और इन समुदाय के छात्रों को इन योजनाओं से अधिक से अधिक लाभ मिल रहा है।

अनुसूचित जाति-एवम् अनुसूचित जनजाति कक्ष अपने क्षेत्र के कार्य कलापों का संख्यिकीय आँकड़ों का संग्रह और सामंजस्य करता है, और यूजीसी/एमएचआरडी/एनसी/एससी/एसटी/ओबीसी/ लोकसभा / राज्यसभा को समय-समय पर दिये गये प्रारूपो में भेजता है और इस तरह सभी दिशा निर्देशों का पालन करता है।

किसी भी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति छात्रों अथवा कर्मचारियों द्वारा किये गये शिकायत को विश्वविद्यालय प्रशासन के समक्ष समय पर लाया जाता है और समय पर निवारण किया जाता है।

केन्द्रिय पुस्तकालय

विश्व-भारती पुस्तकालय जालछत्रक

विश्व-भारती पुस्तकालय जालछत्रक

विश्व-भारती पुस्तकालय जालछत्रक की उत्पति रवीन्द्रनाथ टैगोर के शुरुआती कार्यों से जुड़ा हुआ है। इसकी स्थापना वर्ष 1921 में हुई थी। वर्ष 1941 में उनकी मृत्यु के बाद उनके व्यक्तिगत संग्रह को इस पुस्तकालय के साथ एकाकार कर दिया गया।

इस समय पुस्तकालय एक विशाल वृक्ष के रूप में काम कर रहा है। जिसमें केन्द्रिय पुस्तकालय, बारह खण्ड पुस्तकालय और तीस संगोष्ठी पुस्तकालय के रूप में विस्तृत है। सभी पुस्तकालयों की प्रणाली पूर्ण रूप से स्वचालित और एक-दूसरे से संबंद्ध है तथापि अहाते के अलग-अलग स्थानों पर ये अवस्थित है, फिर भी वास्तविक रूप में इनका संचालन एक ही इकाई के अन्तर्गत हो रहा है।

पुस्तकालय जालवृक्ष के रूप में विगत एक वर्ष के दरमियान जबरदस्त विकसित हुआ है। पुराने पृष्ठों के बदले नये पुस्तकालय गृह पृष्ठ को विकसित किया गया है। (एचटीटीपी://14.139.211.2/लाइब्रेरी/इन्डेक्स.पीएचपी) (विश्व भारती का मीडिया नेटवर्क वीकी एकाउन्ट खुला है। एचटीटीपी://14.139.211.2/मीडिया वीकी/इन्डेक्स.पीएचपी.मेन पेज); आरएसएस कला एवम् संस्कृति, विज्ञान, कला, पर्यावरण, स्वास्थ्य और औषधि, बौद्धिक एवम् तकनीकि विज्ञान और सूचना विज्ञान और समाज और शिक्षा पुस्तकालय बेबसाइट पर शुरू किया गया है। विश्वभारती पुस्तकालय नेटवर्क फेसबुक एकाउन्ट जारी किया है। उपभोक्ता सहायक निर्देश केन्द्रिय पुस्तकालय में शुरूआत की गई है। दुरस्थ पहुँच अन्वेषण सेवाओं, सभी विभाग पुस्तकालय प्रबन्धन सॉफ्टवेयर का कार्य केन्द्रिय पुस्तकालय में जारी है। मोबाइल पर पुस्तकालय का कम्प्यूटरकृत साधन सम्पन्न बनाया जा रहा है। जिसके तहत कला भवन पुस्तकालय, रवीन्द्र भवन पुस्तकालय, संगीत भवन पुस्तकालय जोड़ा जा रहा है। क्यूआर संहिता पुस्तकालय सेवाओं और साधनों को शामिल किया जा रहा है। पीएचडी शोध कार्य को शोधगंगा डाटा बेस में शामिल तथा अपलोड करने हेतु कदम उठाए जा रहे है पाँचों खण्ड पुस्तकालय यथा-दर्शन सदन, पठभवन, चीनभवन, हिन्दीभवन, संगीत भवन को भौतिक रूप से मिला गया है और इनका भी कम्पयूटीकरण कर दिया गया है। एनडीएल के तहत सात सौ से भी अधिक इनसे जुडे नामक लॉग-इन बनाया गया है ताकि जल्द से जल्द पूरी पुस्तक को पढ़ा जा सके। पदाधिकारियों की वर्त्तमान समीति द्वारा फीस माफी, खोया-पाया पुस्तक और कीमत अदायगी की नीति को अपनाया गया है। (उरकुण्ड) नामक सॉफ्ट बेयर चालू किया गया है। दृष्टिहीन छात्रों के लिए बंगला भाषा में श्रव्य रिकार्डिंग पाठ्यक्रम का विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

पुस्तकालय समय :

केन्द्रिय पुस्तकालय :

1. पूरा सप्ताह (घोषित छुट्टी) (बुधवार और रविवार) सुबह 7 से 9 बजे
2. बुधवार और रविवार : सुबह 10 बजे से संध्या 5 बजे तक (केन्द्रिय पुस्तकालय पूरे वर्ष भर खूला रहता है। तीन घोषित अवकाश के दिन के अलावे यथा-गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस और गांधी जयन्ती, पौष उत्सव, बसन्त उत्सव, गांधी पुण्याह इत्यादि)।

   खण्डीय पुस्तकालय : अधिकांशत: ये पुस्तकालय सुबह 9.30 बजे से लेकर शाम 6 बजे तक खुली रहती है। साप्ताहिक छुट्टी अलग-अलग पुस्तकालयों में अलग-अलग दिनों में रहता है यद्यपि बुधवार को सभी पुस्तकालय बन्द रहते हैं।

पुरस्कार :

यूनिवर्सल अचीवर्स गोल्डमेडल अवार्ड-2015 से नवाजा गया द्वारा यूनिवर्सल अचीवर्स फाउंडेशन, नई दिल्ली, 25 जुलाई 2015, होटल विजय रेसिडेंसी, बैंगलोर, कर्नाटक

सुचिश्मिता सरकार :

पुस्तकालय तथा सूचना विज्ञान, नॉर्थ बंगाल युनिवर्सिटी, सिलीगुड़ी में 26 नवम्बर से 16 दिसम्बर 2015 तक, तीन सप्ताह को रिफ्रेशर कोर्स हेतु अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

विश्व-भारती, 28-29 जनवरी 2016 तक दो दिन पीएचडी कोर्स हेतु एल ओ पी में साधन सम्पन्न व्यक्ति तथा संयोजक के रुप में कार्य किया। 1-2 फरवरी विश्वभारती, केन्द्रिय पुस्तकालय में सूचनाओं के स्त्रोत पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

सुश्री सबहात नौशीन :-

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान पर रिफ्रेशर कोर्स पूरा किया (26 नवम्बर से 16 दिसम्बर तक यूजीसी एकाडमिक कॉलेज एन बी यू ग्रंड 'ए' पुस्तकालय सेवाओं हेतु संवदेनशील बुद्धिमता का उपयोग' पर शोध पत्र प्रस्तुति। एल ओ पी फॉर पीएचडी कोर्स वर्क केन्द्रिय पुस्तकालय, विश्व-भारती,28-29 जनवरी तक और 1-2 फरवरी, 2016 तक साधन सम्पन्न व्यक्तित्व के रूप में कार्य किया तथा दूरस्थ पहुँच और अन्वेषण सेवा पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

साधन सम्पन्न पुरुष के रूप में आमंत्रित। विषय वस्तु ''वर्तमान परिस्थिति में ग्रामीण क्षेत्रों में पुस्तकालयों को संगठित करना समस्यायें और भावी दिशा'' पर आर.ई.सी. विश्वभारती श्रीनिकेतन 19 मार्च 2016 द्वारा आयोजित 'कर्मशाला में।

अन्य सूचना :-

29-04-15 को पी.एस.भी पुस्तकालय में प्रभार ग्रहण (अतिरिक्त प्रभार)

प्रज्ञा परीक्षा, नवम्बर 2015 में उपस्थिति हिन्दी प्रशिक्षण कार्यक्रम राजभाषा सेल भारत सरकार द्वारा आयोजित।

सुजित कुजुर :

02 मई से 06 मई 2015 तक जवाहर नवोदय विद्यालय, दुर्गापुर में आमंत्रित साधन सम्पन्न पुरुष के रूप में ''पुस्तकालय अध्यक्ष बनाने की क्षमता कार्यक्रम'' आयोजित उपयुक्त एन भी एस क्षेत्रिय कार्यालय, पटना पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

30.07.2015 से 26-08-2015 तक यू जी सी, एचआरडीजी में आयोजित तेईसवें ऑरियेन्टेशन प्रोग्राम में भाग लिया।

टेलर एवं फ्रांसिस ग्रुप द्वारा आयोजित कोलकाता के पार्क होटल 19-11-2015 सहभागित कार्यक्रम में भाग लिया। विषय वस्तु : ''पुनर्मूल्याकंन पुस्तकाध्यक्ष : प्रवृति, संघर्ष, नया परिवेश और भागीदारी।''

टैगोर अध्ययन इकाई द्वारा ''रवीन्द्रनाथ टैगोर के असंख्य विचारों'' पर आधारित दो दिनों के कार्यक्रम का आयोजन 18 एवं 27 मार्च, 2016 को विश्व भारती के लिपिका ऑडिटोरियम में किया गया।

पी.एच.डी. कोर्स के पुस्तकालय प्रधारित प्रोग्राम में दो दिनो 1-2 फरवरी एवं 28-29 जनवरी 2016 तक संसाधन व्यक्ति की भूमिका।

कौशिक घोष

02 मई से 06 मई 2015 तक जवाहर नवोदय विद्यालय दुर्गापुर में आमंत्रित साधन सम्पन्न पुरुष के रूप में ''पुस्तकालय अध्यक्ष बनाने की क्षमता कार्यक्रम'' आयोजित उपयुक्त एन भी एस क्षेत्रीय कार्यालय पटना पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। 03 से 30 जुलाई 2015 तक बर्दवान विश्व-विद्यालय में हुये यूजीसी-एचआरडीसी के अन्तर्गत आयोजित 100वें ऑरियेन्टेशन प्रोग्राम में भाग लिया। टेलर एवं फ्रांसिस ग्रुप द्वारा आयोजित कोलकाता के पार्क होटल 19-11-2015 सहभागित कार्यक्रम में भाग लिया। विषय वस्तु: पुनर्मूल्यांकन पुस्तकाध्यक्ष: प्रवृति, संघर्ष, नया परिवेश और भागी-दारी।

टैगोर अध्ययन इकाई द्वारा ''रबीन्द्रनाथ टैगोर के असंख्य विचारों'' पर आधारित दो दिनों के कार्यक्रम का आयोजन 18

एवं 27 मार्च 2016 को विश्व भारती के लिपिका ऑडिटोरियम में किया गया।

पी.एच.डी कोर्स के पुस्तकालय प्रोग्राम में दो दिनों 1-2 फरवरी एवं 28-29 जनवरी 2016 तक संसाधन व्यक्ति की भूमिका।

अन्य भागीदारियाँ :-

वीरभूम जिला के स्थानीय पुस्तकालय अधिकार के माननीय सदस्यों का मास एडुकेशन एक्सटेण्शन ऐण्ड लाइब्रेरी सर्विसेस पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा दिसम्बर, 2011 को नामांकन।

रामप्रसाद मजूमदार

'दि निउ वर्ज़न (माइग्रेशन वर्ज़न) ऑफ लिबसिस 7' के दो कार्यशालाओ - सेन्ट्रल लाइब्रेरी के कॉन्फ्रेंस हॉल में 11.00 बजे 28 जुलाई 2015 (24 पुस्तकालय सदस्यों द्वारा भाग लिया गया) एवं 3.00 बजे (22 पुस्तकालय सदस्यों द्वारा भाग लिया गया) में संसाधन व्यक्ति की भूमिका अदा की।

1-2 फरवरी एवं 28-29 जनवरी 2016 को हुए पी. एच. डी. कोर्स वर्क के दो दिनों के पुस्तकालय उन्मुखीकरण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति की भूमिका निभाई एवं वेबोपैक (किताबें, ई बुक्स, बाध्य पत्रिकाओं डिजिटाइज्ड बुक्स, संस्थागत रिपोजिटरी, नवागन्तुक, अकाउंट कीपिंग) पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

स्मृतिमय घोष

24-26 नवम्बर 2015 को कर्नाटक के गुलबर्ग विश्वविद्यालय में आयोजित ज्ञान, पुस्तकालय एवं सूचना नेटवर्किंग के 18 वें राष्ट्रीय सवहन में ''भविष्य्य हेतु पुस्तकालय पुन: निर्माण : नवोन्मेष, प्रवृत्तियों एवं तकनीकियो'' भाग लिया एवं एक पत्र प्रस्तुत किया।

जिशनु मण्डल :

24-26 नवम्बर 2015 को कर्नाटक, गुलबर्ग के गुलबर्ग विश्वविद्यालय में आयोजित ज्ञान, पुस्तकालय एवं सूचन नेटवर्किंग के 18 वें राष्ट्रीय संवहन में भाग लिया एवं ''भविष्य हेतु पुस्तकालय पुन: निर्माण: नवोन्मेष, प्रवृत्तियों एवं तकनीकियो'' पर आधारित पत्र प्रस्तुत किया।

अनुभागीय पुस्तकालय

पार्थ प्रतिम रे

जुलाई 2015 संसाधन व्यक्ति के रूप में अलग-अलग पहलुओं पर ''सूचनाओं के स्रोत एवं वैज्ञानिक दस्तावेजों का लेखन'' पी.एच.डी छात्रो हेतु सामाजिक कार्यविभाग, विश्व भारती,दो व्याख्यान दिया।

विश्व भारती के 2015 के पी.एच.डी कोर्स के छात्रों हेतु संसाधन व्यक्ति के रूप में लिखावट की तकनीक पर आधारित प्रशस्ति पत्र शैली पर विशेष जोर देते हुए एक व्याख्यान दिया।

बी.एस.सी (एजी) छात्रों के लिए 16 जुलाई 2015 को 2:30 बजे पत्रिका अनुभाग में पीएसबी पुस्तकालय के उन्मुखीकरण कार्यक्रम में विश्व भारती पुस्तकालय के नियमो, विनिमयनों एवं संसाधनों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

केटालॉजिंग थियोरी के बीएलआईएससी विषय वस्तुओं के विकास हेतु 11 सितम्बर 2015 को कोलकाता के नेताजी सुभाष ओपेन विश्वविद्यालय में आायेजित सेमिनार में कंटेंट लेखक की तरह भाग लिया।

कल्याणी विश्वविद्यालय के अधिवेशन 2015-16 के व्याख्यान श्रृंखला के अन्तर्गत पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग में छ: व्याख्यान दिये।

28 जनवरी एवं 1 फरवरी 2016 को विश्व-भारती के पी.एच.डी कोर्स वर्क के छात्रों हेतु संसाधन व्यक्ति के रूप में लिखावट की तकनीक के अलग-अलग पहलुओं पर प्रशस्ति पत्र शैली पर विशेष जोर देते हुये दो व्याख्यानों को प्रस्तुत किया।

19 मार्च 2016 के विश्व-भारती के ग्रामीण विस्तार केन्द्र पर ''वर्तमान दृष्टिकोण में ग्रामीण पुस्तकालयों के आयोजन : चुनौतियाँ एवं भविष्य के दिशानिर्देश'' पर एक व्याख्यान दिया।

केशव चंद्र सिन्हा

07 फरवरी 2016 को करमी संघ द्वारा आयोजित श्रीनिकेतन में ग्रामीण कवि साहित्यिक सम्मेलन में भाग लिया।

श्रीमती कनिका देबनाथ

26 नवम्बर 2016 2015 से 16 दिसम्बर 2015 तक हुये 3 सप्ताहों के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय सिलिगुड़ी के रिफ्रेशर कोर्स में भाग लिया।

अजय कुमार शर्मा

01 फरवरी 2016 एवं 29 जनवरी 2016 में विश्व भारती पुस्तकालय नेटवर्क द्वारा आयोजित दो दिनों के पुस्तकालय उन्मुखीरकण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित एवं ''साहित्य सर्वे भी बी पुस्तकालय सर्विसेस, आई.एल.एल. पुस्तकालय वेबसाइट, ओपेन एक्सेस संसाधनो एवं उनके नतीजों'' पर पी.एच.डी. कोर्स वर्क हेतु व्याख्यान दिया।

ऑल बेंगॉल स्कूल लाइब्रेरियनस एसोसिएशन (एबीएसएलए) के सातवें द्विवार्षिक राज्य सम्मेलन जो कि 20 दिसम्बर, 2015 को रक्तकर्ब मंच रामपुरहाट में आयोजित किया जायेगा उसमें अतिथि के रूप में आमंत्रित।

24-25 अगस्त 2015 को सेन्ट्रल लाइब्रेरी कांफ्रेस हॉल, विश्वभारती में विश्व-भारती लाइब्रेरी नेटवर्क एवं इन्फ्लिबनेट केन्द्र द्वारा सह आयोजित ''यूजीसी-इन्फोनेट डिजिटल पुस्तकालय संघ के अन्तर्गत ई-संसाधनों तक पहुँच'' पर आधारित दो दिनों के उपयोगकर्त्ता जागरूकता कार्यक्रम में समयोजन एवं भाग।

23-25 जुलाई 2015 को विश्व-भारती के सेंट्रल लाइब्रेरी के कांफ्रेस हॉल में। एएसएलआईसी एवं विश्व-भारती लाइब्रेरी नेटवर्क द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित तीन दिनों के ''व्यक्तित्व विकास एवं संचार कौशल'' कार्यक्रम में भाग।

जुलाई 07, 2015 के बाँकुड़ा के बाँकुड़ा क्रिशचियन कॉलेज द्वारा कॉलेज पुस्तकालय के उचित प्रबंधन एवं विकास के विशेषज्ञ सुझाव हेतु आमंत्रण।

02-06 मई 2015 को एनभीएस क्षेत्रीय कार्यालय पटना के उपायुक्त द्वारा दुर्गापुर के जवाहर नवोदय विद्यालय में आयोजित ''पुस्तकालय अध्यक्षों के क्षमता निर्माण'' कार्यक्रम में संसाधन सम्पन्न व्यक्ति के रूप में एक आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

अनन्य संलग्नता :-

संयुक्त सहायक सम्पादक विश्वभारती पुस्तकालय, इलेक्ट्रानिक निउज संवाद पत्र (ग्रंथ-3 जारी 02 फरवरी 2016 और ग्रंथ-2, जारी-08 अगस्त 2015)। पत्रिका आईजेएसएस का सह-सम्पादक।

पत्रिका आईजेडीआई केएम के सम्पादक मण्डली का सदस्य।

पत्रिका संगीत गैलेक्सी के सम्पादक मण्डली का सदस्य।

पत्रिका आईजेडीएलएस का सम्पादक। विश्वभारती पुस्तकालय नेटवर्क का वेबमास्टर एचटीटीपी://14.139.211.2/ लाइब्रेरी/इन्डेक्स.पीएचपी) ए.बी.एस.एल.ए का वेबमास्टर (ऑल बेंगॉल स्कूल लाइब्रेरस एसोसिएशन) (एचटीटोपी:// डब्लूडब्लूडब्लू.अबसता ऑर्ग) (चीन भवन, विश्व-भारती का बेबमास्टर (एचटीटीपी://वीवाभारती.विन/कॉम/एब्वब्स)

तापस कुमार दास :-

1-2 फरवरी और 28-29 जनवरी 2016 को विश्व-भारती के सेंट्रल पुस्तकालय में पी.एच.डी कोर्स हेतु दो दिनों के पुस्तकालय उन्मुखीकरण कार्यक्रम में संसाधन सम्पन्न व्यक्ति की भूमिका निभाई एवं 'जे गेट प्लस ऐण्ड फेस बुक' पर व्याख्यान दिया।

सनत भट्टाचार्य

02/05/2015 से 06/05/2015 को जवाहर नवोदय विद्यालय दुर्गापुर में आयोजित ''पुस्तकालयों के क्षमता निर्माण'' पर संसाधन सम्पन्न व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया।

21 अगस्त 2015 को आईआईटी खड़गपुर के सेंट्रल लाइब्रेरी में आयोजित ''शैक्षिक पुस्तकालयों की उभरती प्रवृतियों (पुस्तकालय दिवस मनाया गया)'' पर आधारित राष्ट्रीय सेमिनार में पत्र प्रस्तुत किया।

19 नवम्बर, 2015 को कोलकाता में टेलर ऐण्ड फ्रांसिस ग्रुप द्वारा आयोजित टेलर ऐण्ड फ्रांसिस डिजिटल लाइब्रेरी इवेंट में भाग लिया।

जादवपुर विश्वविद्यालय कोलकाता के मानव संसाधन विकास केंद्र में 07-09-2015 से 07-10-2015 तक यूजीसी द्वारा प्रायोजित 58वें उन्मुखीकरण कार्यक्रम में भाग लिया।

सौमित्रा कुमार चक्रवर्ती :-

25 जुलाई, 2015 को यूजीसी - यूकेआईईआरआई पहल के एक भाग के रूप में 'स्कॉटलैंड-भारत के विचारों का सातव्य टैगोर एवं उनकी मण्डली' पर आयोजित दूसरे अन्तर्राष्ट्रीय कांफ्रेस में भागीदारी।

7 फरवरी 2016 को श्रीनिकेतन में कर्मी संघ द्वारा आयोजित ग्रामीण कवि साहित्यिक सम्मेलन में भाग लिया।

प्रकाशन

निमाई चंद साहा

किताब

घोष, स्मृतिमय ऐण्ड साहा, निमाई चंद्र (2015), 21वीं सदी में 'विश्व-भारती के स्कूल लाइब्रेरी सर्विसेस। जर्मनी : लैप लैम्बर्ट एकाडमी द्वारा प्रकाशित

जीएमबीएच ऐण्ड क0 केजी आईएसबीएन : 978-3-659-81781-6

यादगार

साहा, निमाई चंद बीरभूम जिला के 2015-2016 पुस्तक मेला के स्मृति वर्तमान प्रेक्षापात जनग्रंथगार परिसेवा। 04-10 दिसम्बर डक बंगला मैदान, बोलपुर में बीरभूम जिला स्थानीय पुस्तकालय प्रधिकरण द्वारा आयोजित। कथित पुस्तक मेला के चिन्ह उप समीति के अध्यक्ष की भी भूमिका निभाई।

एक पुस्तक के अध्याय :

साहा, निमाई चंद (2016) कॉलेज पुस्तकालय एवं उपयोगकर्त्ताओं के सशक्तिकरण की जमीनी हकीकत को पेश करता है। रंजित कुमार मण्डल (सम्पादक) द्वारा सम्पादित- कॉलेज पुस्तकालयों में सूचना तकनीकियो (आईटी) द्वारा उपयोगकर्ता सशक्तिकरण।

घटल रवीन्द्र स्मृति महाविद्यालय, घटक, 2016, पी 114-126, आईएसबीएन-978-81-92695-00-6

पत्रिका समकक्ष समीक्षा के अन्तर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय लेख में :-

साहा निमाई चंद्र एवं सरकार सुचिस्मिता (2016)

''सेंट्रल लाइब्रेरी, विश्व-भारती में हुये कर्मचारी विकास कार्यक्रम : संचार कौशल एवं व्यक्तित्व विकास के गहन कार्यशालाओं पर आधारित अध्ययन''।

विद्यावर्ता : बहुभाषीय अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका, ग्रंथ 01 (15), जनवरी-मार्च 2016, पृष्ठ सं0-39-47, आईएसएसएन : क्रमांक - 2394-5303

साहा, निमाई चंद दे, सुमन (2015) पुस्तकालय में जी एस डी एल के व्यवहार पर डिजिटल पुस्तकालय का विकास 2.0

पर्यावरण : एक व्यावहारिक अध्ययन हेरॉलड पुस्तकालय ग्रंथ- 53 (3) सितम्बर 2015, पृष्ठ संख्या : 245-266, छपाई आईएसएसएन : 0024-2292 ऑनलाइन आईआईएसएन : 0976-2469, आलेख डीओआई : 10.5958/0976-2469-2015.00028.7

इलेक्ट्रॉनिक संवाद पत्र

साल 2015-16 तक मासिक पुस्तकालय इलेक्ट्रॉनिक संवाद पत्र के सह-सम्पादक की भूमिका निभाई।

श्रीमती सुचिस्मिता सरकार :-

पुस्तक अध्याय

साहा, निमाई चंद एवं सूचिस्मिता सरकार (2016) 21वीं सदी में महाविद्यालय के पुस्तकालय के उपयोगकर्ताओं की सशक्तिकरण के कुछ उपाय। रंजीत कुमार मण्डल (सम्पादक) द्वारा महाविद्यालय के पुस्तकालयों में सूचना तकनीकियों (आईटी) द्वारा उपयोगकर्ता सशक्तिकरण में। घटल रवीन्द्र स्मृति महाविद्यालय, घटल, 2016,

पी : 114-126, आईएसबीएन : 978-81-92695-00-6

अन्तर्राष्ट्रीय / राष्ट्रीय पत्रिकाओं में छपे हुए आर्टिकल :-

'साहा, निमाई चंद और सरकार सुचिस्मिता 2016 :- केन्द्रीय पुस्तकालय में स्टॉफ डेवलपमेंट - प्रोग्राम विश्व भारती अध्ययन आधारित कर्मशाला व्यक्तित्व विकास और सम्प्रेषण क्षमता विद्यावार्त्ती अन्तर्राष्ट्रीय बहुभाषा शोध पत्रिका ग्रंथ 01 (15 जनवरी से मार्च 2016) पीपी 39-47, आईएसएसएन संख्या - 2394-5303

ई-न्यूजलेटर (इलेक्ट्रोनिक संवाद पत्र)

सहायक सम्पादक पुस्तकालय के रूप में कार्य किया। इलेक्ट्रॉनिक न्यूज पत्र ग्रन्थ 2, जारी 4 अप्रैल 2015, ग्रन्थ 3, जारी 2 फरवरी 2016

सुश्री सबाहत नौशीन

सहायक सम्पादक पुस्तकालय इलेक्ट्रॉनिक संवाद पत्र के रूप में कार्य किया। ग्रन्थ 2, जारी 8 अगस्त 2015, और ग्रन्थ 3 जारी 3 मार्च 2016।

सुजित कुजुर

विश्वभारती पुस्तकालय जाल गुच्छ कार्य का संकलन : पुस्तकालय उपयोग करने वालों का हस्त पुस्तिका 2015 संदर्भ संग्रह संकलन (भीबीएलएन 2015), थीसीस संग्रह संकलन (भीबीएलएन-2015) पुस्तकालय के सहायक सम्पादक के रूप में कार्य किया। इलेक्ट्रॉनिक न्यूज संवाद पत्र-ग्रन्थ-2 जारी 11, 8 नवम्बर 2015

कौशिक घोष

पुस्तकालय संवाद-संदर्भ हस्त 2015

घोष, कौशिक। सम्पादकीय । 34वाँ वीरभूम जिला पुस्तक मेला पत्रिका 2015-16

दिसम्बर 4-10 डक बंगला मैदान बोलपुर में वीरभूम जिला स्थानीय पुस्तकालय अधिकारियों द्वारा आयोजित पीपी 123 और वीरभूम के अनोखे सांस्कृतिक विरासत पीपी21-25, घोष, कौशिक।

वीरभूम का अनोखा सांस्कृत धरोहर (विरासत) 34वाँ वीरभूम जिला पुस्तक मेला पत्रिका-2015-16 डक बंगाल मैदान बोलपुर 4-10 दिसम्बर वीरभूम जिला पुस्तकालय अधिकारी द्वारा आयोजित

घोष, कौशिक ग्रन्थागार भावनाई रवीन्द्रनाथ ग्रन्थागार ग्रन्थ 65, नवम्बर 2015 पीपी-17-18

रामप्रसाद मजूमदार

मजमूदार रामप्रसाद, घोष स्मृतिमय, और मंडल जीसनू : 'क्यू आर कोड (संकेतो) का शैक्षणिक पुस्तकालयों में अनुशीलन

केन्द्रिय पुस्तकालय विश्व भारती के संदर्भ में।' अठारहवीं पुस्तकालय और सूचना।
नेट वर्किंग ज्ञान सम्मेलन : (एनएसीएलआईएन-2015) पीपी - 293-304, आईएसबीएन : 978-93-82735-06-9
सहायक सम्पादक पुस्तकालय न्यूज लेटर ग्रन्थ-3 के रूप में कार्य किया जारी-1, जनवरी 2016.

स्मृतिमय घोष

पुस्तक

घोष, स्मृतिमय और साहा, निमाई चंद-'विश्व-भारती विश्वविद्यालय में 21वीं सदी में विद्यालय पुस्तकालय सेवा।''
लैम्बर्ट एकाडमिक पब्लिशर्स, जर्मनी, 2015 आईएसबीएन : 978-3-659-81781-6

(पेपर) : पत्र :

मजूमदार रामप्रसाद, स्मृतिमय और मंडल जीसनू : ''क्यू आर कोड का शैक्षणिक पुस्तकालयों में अनुशीलन केन्द्रिय पुस्तकालय विश्व भारती के संदर्भ में।
अठारहवीं पुस्तकालय और सूचना नेट वर्किंग ज्ञान सम्मेलन : (एनएसीएलआईएन-2015)
पीपी-293-304, आईएसबीएन : 978-93-82735-06-9

जिसनू मण्डल

कागज :-

मजूमदार रामप्रसाद, घोष स्मृतिमय और मण्डल जिसनू ''विश्व भारती के केन्द्रीय पुस्तकालय, के विशेष सम्बन्ध के साथ शैक्षणिक पुस्तकालयों में क्यू आर कोड का अनुप्रयोग ज्ञान के 18वें राष्ट्रीय सभा में कार्य/कृति, पुस्तकालय और नेटवर्क :(एनएसीएलआईएन-2015) पृष्ठ 293-304, आईएसबीएन : 978-93-82735-06-9

श्रेणीबद्ध पुस्तकालय

पार्थ प्रतिम रे

रंगानाथन के पाँच कानून और टैगोर के कल्पना का पुस्तकालय : एक अध्ययन : सूचन प्रबन्ध का एसआरईएलएस जर्नल, 52, 2, अप्रैल 2015 पृष्ठ 3-7, आईएसएसएन : 0972-2467 (छपाई), 0976-2477 (ऑन लाइन/रवीन्द्रनाथ का शैक्षणिक दर्शनशास्त्र और पाँच नियम/कानून/ग्रन्थागार। ग्रंनथागार 65, 3 जून 2015। 75-80 पृष्ठ / आईएसएसएन : 0017-324 एक्स/ रवीन्द्रनाथ टैगोर का प्रकाशन : एक पुस्तक विद्या सम्बन्धी अध्ययन, बी0के0 सेन के साथ, पुस्तकालय विज्ञान का वार्षिक वृत्तांत : 62, 4, दिसम्बर 2015, पृष्ठ 213-216, आईएसएसएन : 0972-5423 (छपाई), 0975-2404 (ऑनलाइन) जातीय सम्बन्धी विकास के लिए सूचना : 'संथाल अध्ययन का एक प्रकरण ढंग और व्यवस्था। सूचना प्रबन्ध का एसआरईएलएस जर्नल। 52, 5: अक्टूबर 2015, पृष्ठ आईएसएसएन : 0972-2467 (छपाई), 0976-2477 (ऑनलाइन)

पुस्तकालय विज्ञान के रंगानाथन के दर्शनशास्त्र पर मनु का प्रभाव: एक विचार के ऊपर / पुस्तकालय विज्ञान की पूर्वकथा/ वार्षिक वृतांत/62, 4: दिसम्बर 2015, पृष्ठ 213-216, आईएसएसएन: 0972-5423 (छपाई), 0975-2404 (ऑनलाइन)
'उचित उउपयोग करनेवाला के साथ पुस्तक विद्या संग्रहित' मार्गदर्शक शीर्षक ''विधिवत अनुसंधान : एक पुस्तक विद्या ''एचटीटी://172.16.2132 लाइब्रेरी/इन्डेक्स:पीएचपी/सर्विसेस/बिबलियोग्राफी पर उपलब्ध।

श्री संजय कुमार शर्मा

पुस्तकालय e-Newsletter का वॉल्यूम 2 को सहायक सम्पादक के रुप में, प्रकाशन 8, अगस्त 2015 : वॉल्यूम 3, प्रकाशन-2, फरवरी 2016

तापस कुमार दास

1. कला भवन पुस्तकालय परिच्छेदिता - 2015, एनएएसी दौरा के विचार में

अतानु कुमार सिन्हा

i. पाली समगठन विभाग पुस्तकालय, विश्वभारती के पुस्तकालय संग्रह का मूल्यांकन सर्वेक्षण/ सूचना प्रबन्धन का श्रेल्स जर्नल, वॉल्यूम 52 (5) : पृष्ठ 395-401/आईएसएसएन (छपाई) : 0972-2467 / आईएसएसएन (ऑनलाइन) : 0976-2477/

ii. रंगानाथन का 'ग्रंथागार विज्ञानेर पंचनीति एवं रवीन्द्रनाथेर ग्रंथागार चेतना। गंथागार 62(8) पृष्ठ 19-22, आईएसएसएन : 0017-324एक्स।

iii. ग्रामीण पुस्तकालय सेवा के माध्यम से संचार साधन ज्ञान पर टैगोर की संकल्पना : ग्रामीण विस्तार केन्द्र का प्रयोग, विश्व भारती। व्यस्क शिक्षा का भरतीय जर्नल, 76(4) : पृष्ठ 44-53/आईएसएसएन : 0019-5006।

iv. ट्रॉपिकल क्षेत्र में पुस्तकालय संग्रह के संरक्षण में पर्यावरण दशा के रेगुलेशन के लिए आवश्यक : पश्चिम बंगाल के वीरभूम जिला के शान्तिनिकेतन चल रही समस्या। लाइब्रेरी हेराल्ड, 53(4) : पृष्ठ 441-452/आईएसएसएन : (डीओआई : 10.5958/0976/-2469.2015.00040.8)

v. विश्वभारती के रवीन्द्र भवन पुस्तकालय में डिजिटल संरक्षण का सूत्रपात : पुराने रेकार्ड को भविष्य में प्रयोग के लिए संरक्षण के लिए कौशल प्रयोजन और चुनौतियों की भूमिका ''जीवनधारण करने योग्य पुस्तकालय और सूचना सेवाएँ'' में पुस्तक पाठ 349-355, आईएसबीएन : 978-81-92531-37-3

सौमित्रा कुमार चक्रवर्ती

''मायेर जन्मोदिन''– समकालन में सौमित्रा कुमार चक्रवर्ती द्वारा एक छोटी कहानी। चुने हुए निबन्ध और कविताओं का संग्रह) 22वें ग्रामीण कवि व साहित्यिक सम्मेलन के अवसर पर प्रकाशित, श्री निकेतन 7 फरवरी 2016।

विश्व-भारती स्पोर्ट्स बोर्ड

नारी शिक्षा अध्ययन केन्द्र

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट / स्लेट और गेट की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों के नाम -

(i) कल्याण प्रामाणिक - यूजीसी नेट

(ii) कृष्ण पदा पाल - यूजीसी नेट

(iii) मौसमी साधुखान -यूजीसी नेट

(iv) नुपुर साहा - यूजीसी नेट

(v) सीमान्ती बन्दोपाध्याय - यूजीसी नेट-जेआरएफ

(vi) श्रीसूर्या टी0 आर0 - यूजीसी नेट

विभागीय परिसंवाद (वक्ता, परिसंवाद का शीर्षक, तारीख)

1. 7 अगस्त 2015 को नारी शिक्षा अध्ययन केन्द्र द्वारा भाषा भवन सम्मेलन हाल में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला/ कार्यशाला का शीर्षक था-भारत में नारियों का अध्ययन : अनुसंधान और अध्यापन के भविष्य निर्देशन''। दि सीडब्लूएस विश्व भारती प्रोफेसर समिता सेन की सहायता और मार्गदर्शन पाया। प्रोफेसर समिता सेन, इस क्षेत्र के एकलौते अग्रवती केन्द्र, नारियों के अध्ययन विद्यालय, यादवपुर विश्वविद्यालय की एक श्रेष्ठ शैक्षणिक से सम्बन्धित है। अनुजा सदस्य और प्रसिद्ध विद्वानों जो कि पश्चिम बंगाल, पड़ोसी राज्यों जैसे असम और उड़िसा के प्रसिद्ध नारी अध्ययन केन्द्र से, कार्यशाला में हिस्सा लेते है, से संगठित है। इन केन्द्रों के अलावा निर्देशक और अनुजा सदस्य (सीडब्लूडीएस-दिल्ली, टीआईएसएस- मुम्बई और क्रान्ति ज्योति सावित्री बाई फुले नारी अध्ययन केन्द्र) के साथ सावित्री बाई फुले, पुने विश्व विद्यालय जी इसमें हिस्सा लिया। ''लिंग और स्थानान्तरण पर दुस्साहस'' के सारे दिन के तीन सत्रों का बन्द और शाम में एक खुला सत्र, कार्यशाला में।
2. 31 अगस्त 2015 को सेन्ट्रल लाइब्रेरी कान्फरेन्स हॉल युनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर, यू0के0 में प्रोफेसर ने एक खुला भाषण दिये। यह कार्यक्रम विश्व भारती अर्थशास्त्र ओर राजनीति शास्त्र विभाग और नारी शिक्षा अध्ययन केन्द्र के संयुक्त सहयोग से आयोजित किया गया थ। शीर्षक का नाम था ''भारत में ग्रामीण औरतों का मजदूरी बल भागीदारी में अन्त : लम्बे दौड़'' के एक विचार से लिया गया।
3. 28 सितम्बर 2015 को सेन्ट्रल लाइब्रेरी कान्फरेन्स हॉल में आयोजित ''चित्रांगदा एकटी नारीवादी पाथ'' शीर्षक व्याख्यान में शेफाली मोएत्रा (यादवपुर विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग के भूतपूर्व प्रोफेसर) ने एक खुला भाषण दिया।
4. ''एक गुप्त क्रान्तिकारी ? लिंग, आज के उच्च शिक्षा में छेदन और सेक्सुअल पीड़ा। इस व्याख्यान का अध्यक्षता प्रोफेसर सुशान्त दत्तागुप्ता, वाईस चान्सलर, विश्वभारती, ने किया।
5. 7 मार्च 2016 को नारी अध्ययन केन्द्र ने अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस (8मार्च) के अवसर पर मार्च के महीने भर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। यह प्रथम कार्यक्रम ''औरतों के कार्य-भीतर-बाहर तर्क संगत-आज डीबेट कैसे अनुरूप है?''निरीक्षण चर्चा का था। प्रोफेसर रत्नावली चटर्जी (कलकत्ता विश्वविद्यालय कोलकाता), प्रोफेसर सरस्वती राजू (जवाहरलाल नेहरू इंस्टिट्यूट ऑफ डेवेलमेन्ट स्टडिज, कोलकाता) इस चर्चा में वक्ता थे। यह चर्चा प्रोफेसर स्वप्न कुमार दत्ता (वाईस चाँसलर) के अध्यक्षता में हुआ।
6. 8 मार्च 2016 को नारी अध्यन केन्द्र के आयोजन से 1.30 बजे लिपिका आडिटोरियम, शान्तिनिकेतन में हिन्दी फिल्म पिंजर (चन्द्र प्रकाश द्विवेदी निर्देशित 2003) दिखाया गया। यह कार्यक्रम विश्वभारती के छात्रों के लिए ''वायलेन्ट

अगेन्स्ट वोमेन इस ऐक्चुअली ए पत्रिआचल बैकलेश'' डिबेट के अनुकरण में हुआ। डॉ0 महावेन्द्र मुखोपाध्याय, प्रोफेसर शिवानी चौधरी, प्रो0 मलय मुखोपाध्याय, प्रो0 श्रीनारायण ओझा-प्रो0 सोम दत्ता मण्डल, प्रो0 प्रशान्त कुमार घोष आदि इस कार्यक्रम के निरीक्षक थे। 24 में नौ प्रतिभागियों ने गति के विरुद्ध और पन्द्रह प्रतिभागियों ने विषय की गति पर अपना-अपना वक्तव्य रखा।

7. 19 मार्च 2016 को 4.30 बजे नाट्यघर, शान्तिनिकेतन में विश्वभारती के नारी अध्ययन केन्द्र द्वारा ''नाच और राजनीति में लिंग रीति'' पर खुला व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस दिन प्रोफेसर श्रुति बन्दोपाध्याय (संगीत भवन, विश्व भारती) और डॉ0 ऐशिका चक्रवर्ती (यादवपुर विश्वविद्यालय कोलकाता, नारी अध्ययन विद्यालय की निर्देशिका) वक्ता थे। प्रोफेसर श्रुति बन्दोपाध्याय और डॉ0 ऐशिका चक्रवर्ती ने ''मणिपुरी नाच में नारियों की भूमिका'' और ''टैगोर और समकालीन नृत्य में नारियों की भूमिका'' पर व्याख्यान की। यह कार्यक्रम प्रोफेसर मंजू रानी सिंह (हिन्दी भवन विश्वभारती) की अध्यक्षता में हुई। यह व्याख्यान छोटे सांस्कृतिक कार्यक्रम के अनुकरण में हुआ। जिसमें संगीत भवन के छात्रों द्वारा प्रस्तुतिकरण की गई।

8. विश्व भारती के नारी अध्ययन केन्द्र ने 'प्रसंग रवीन्द्रनाथ'' पर एक खुला व्याख्यान का आयोजन किया। प्रोफेसर सजुबकोली सेन (विश्व भारती के एसईआई और आर आर के निर्देशक) और प्रोफेसर अनिन्दिता बन्दोपाध्याचय (बर्द्धवान विश्वविद्यालय के बंगला विभाग) इस दिन के वक्ता थे। प्रोफेसर सबुज कोली सेन और प्रोफेसर अनिन्दिता बन्दोपाध्याय ने क्रमश: ''मुक्ति एई आकाशे: कादम्बिनी हेमन्तबाला व रविन्द्रनाथ'' और ''रविन्द्रनाथेर नारी भावना : कुछ वितर्क'' पर व्याख्यान किये। यह कार्यक्रम प्रोफेसर ताप्ति मुखर्जी (विश्वभारती के रवीन्द्र भवन के निर्देशक) की अध्यक्षता में हुआ।

शिक्षकगण/विद्वानों द्वारा उपस्थित सिर्फ उच्च कोटि के राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन/परिसंवाद/कार्यशाला/प्रदर्शनी इत्यादि विस्तार में –

दीपिता चक्रवर्ती

1. 25-27 सितम्बर 2015 के दौरान जेएएसएएस (युनिवर्सिटी) ऑफ टोकियो जापान) द्वारा आयोजित ''अदृश्य आवश्यता....शीर्षक के अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में कागज प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया।
2. 18-20 नवम्बर 2015 के दौरान यादवपुर युनिवर्सिटी के नारी अध्ययन विद्यालय के द्वारा आयोजित ''डू इन्टरप्रीनियूअर्स प्रीफर वोमेन?'' शीर्षक राष्ट्रीय सम्मेलन में कागज प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया।

तनुश्री पॉल

17-18 मार्च, 2006 के दौरान पश्चिम बंगाल राजकीय विश्वविद्यालय बसीरहाट द्वारा आयोजित विकास और पर्यावरण'' के राष्ट्रीय परिसंवाद में उपस्थित होकर ''लैंगिग लेन्स के माध्यम से जल नीति परीक्षा'' शीर्षक कागज प्रस्तुत की।

3 अक्टूबर 2015 को लेडी ब्रेवर्न कॉलेज, सचेतना और यादवपुर विश्वविद्यालय के नारी अध्ययन विद्यालय द्वारा आयोजित ''लिंग का नीति : परिवार, मण्डली और'' के सात दिवसीय अन्तअनुशसित अनुसंधान विधिवत कार्यशाला में भाग ली।

विभाग में चल रहे अनुसंधान परियोजनाएँ :–

i. शिक्षक का नाम
ii. परियोजना का नाम
iii. सौजन्यकर्त्ता एजेंसी
iv. पारित राशि

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार क्रिया कलाप/एनएसएस/ और अन्य क्रिया कलापों एवं प्रतिभागी शिक्षकगण और विभाग के छात्रगण

1. **आरूढ़ क्रियाकलाप जिसमें केन्द्र ने प्रतिभागी की :–**

विस्तार क्रिया कलाप के अनुकरण से ''दो निकटवर्ती जातीय गाँवों में घरेलू अपराध'' पर चर्चा का आयोजन किया गया। विभिन्न उम्र की करीब 30 जातीय नारी, सामाजिक प्रबल कार्यान्वयन करनेवाले, शान्तिनिकेतन के प्रसिद्ध उपदेशक सुष्मिता बासु, अनुजा और विश्वविद्यालय के कर्मचारी और छात्रों ने भाग लियें और अपने अपने विचारों को इस कार्यक्रम में प्रकट किये। चर्चा पर आधारित कुछ सम्भावित सहायता सुष्मिता बासु जो कि प्रसिद्ध इन्स्टिट्यूट के साथ संयुक्त, यह संस्था जो कि न सिर्फ घरेलू अपराध से सम्बन्धित अपराधों पर उपदेश और सलाह देता है बल्कि अस्थायी आवास की भी व्यवस्था कराता है। तदन्तर केन्द्र के कर्मचारी सुमित्रा मुर्मु और सुभ्रा घोष कुछ औरतों के साथ सप्ताहन्त एल्महर्स्ट इंस्टिट्यूट जाती थी। केन्द्र पिछले कुछ महीनों के इस विचार में एल्महर्स्ट इन्स्टिट्यूट के साथ अन्योनक्रिया का अनुकरण कर रहा है। आनेवाले महीनों में केन्द्र ने इस प्रकार के कई कार्यक्रमों के आयोजन का योजना बनाया है।

2. **औरतों के विरूद्ध अपराध पर विस्तारीकरण के साथ चर्चा**

28 मार्च 2016 को विश्वभारती के नारी अध्ययन केन्द्र द्वारा आयोजित ''औरतों के विरुद्ध अपराध'' पर चर्चा का आयोजन किया गया। प्रोफेसर रत्नावली चटर्जी, कोलकाता विश्वविद्यालय और डॉ0 नार्मन अलेक्जेन्डर हिन्डसन, अदालती मनोचिकित्सक और डॉ0 चन्द्रा घोष भूतपूर्व मनोचिकित्सक सलाहकार, ब्रोडमॉन हॉस्पीटल। इस कार्यक्रम में वक्ता थे। ये अपना विचार रखे। नारी अध्ययन के अनुज्ञाओं, छात्रों और अन्य संसाधन पुरुषों ने उस कार्यक्रम में हिस्सा लिये।

3. नारी अध्ययन केन्द्र के तरफ से डॉ0 तनुश्री पॉल ने एक रेडियो कार्यक्रम (घरेलू अपराध और ग्रामीण औरतें जहाँ एक एनजीओ आधारित प्रबल कार्यान्वयन करने वाले इस क्षेत्र में और एक मेडिकल अभ्यस्त ने घरेलू अपराध से पीड़ितों के साथ अपना अनुभव साझा किया) चलाया।

4. डॉ0 दीपिता चक्रवर्ती ने फिलहाल के वर्षो में सरकारी नीतियों, शैक्षणिक ज्ञान और बालिकाओं पर ऑलइण्डिया रेडिया पर बातचीत की।

शिक्षकगण/विद्वानों या विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक श्रेष्ठता-

अप्रैल 2015 से मार्च 2016 के दौरान प्रकाशन

दीपिता चक्रवर्ती

भारत में नारी, मजूदर और मितव्यय/कमखर्ची : स्थानान्तरित भण्डारी से उखड़ी हुई कन्या (आने वाले 4 अक्टूबर 2015) इशिता चक्रवर्ती के साथ), रूटलेज, लन्दन, यू0के0,

तनुश्री पॉल

2015, एक पाठ शीर्षक ''नारी ब्रह्माण्ड और स्थान'' ई-पाठशाला का एक भाग शिक्षा के आईसीटी के माध्यम से इसके राष्ट्रीय मिशन के अन्तर्गत एक एमएचआरडी परियोजना (एनएमई-आईसीटी) विभाग द्वारा नये कोर्सो का खाका/ अध्ययन सूची या कोई अन्य अध्यापन नई पद्धति की शुरुआत –

एक अलग अध्ययन बोर्ड की स्थापना की गई वाइड आर्डर संख्या रेज0/नोटीफ) 156 तारीख 3 सितम्बर 2014। प्रोफेसर सुशान्त दत्ता गुप्ता, विश्वभारती के वाईस चांसलर बीओएस केन्द्र के समापति हैं इन्स्टिट्यूट बोर्ड का केन्द्र विद्या भवन ही आदेश के अनुसार है।

''लिंग और विकास'' में एक युग्मन ''एम0 फील0 और पीएच0 डी0 कार्यक्रम केन्द्र के द्वारा अगस्त 2015 में शुरु किया गया और एक नया पाठ्यसूची को प्रकाशित किया गया जो कि 3 अन्तर्भाग और 9 वैकल्पिक कोर्सो का अन्तअनुशासित है।

भविष्य के दिशा-निर्देश विकास के लिए भवन / सदन/विभाग के विस्तार का एक संक्षिप्त इतिहास –

नारी शिक्षा अध्ययन केन्द्र की स्थापना 2009 के जुलाई महीने में की गई। इस केन्द्र का मुख्य उद्देश्य विकास मूलक प्रश्न पर सामाजिक विधि के लैंगिग प्रकृति का अन्वेषण करना है। लैगिंक प्रश्नों पर अन्त अनुशासित कार्य पर केन्द्र केन्द्रभूत करता है : विकासशील देश के नारियों की अवस्था विकसित देशों के साथ लिंग आलोकित अंश का विकास, मजदूरों का विभाजन सार्वजनिक तथा असार्वजनिक कार्यक्षेत्र, संस्था तक पहुँच तथा पुरुषत्व, पारिवारिक जीवन संस्था। केन्द्र में किए गए अनुसंधान तथा प्रदान की गई शिक्षा सैद्धान्तिक तथा अभयस्त का सम्मिश्रण है, जो आन्तरिक अनुशासन तथा राष्ट्रीय उपसर्ग के उद्देश्य पर आधारित है। योगदान का प्रधान उद्देश्य प्रगतिशील प्रभुत्व गडित लैगिंग संबंध विकसित प्रसंग की शिक्षा के दौरान सैद्धान्तिक, प्रशैक्षणिक तथा यथा क्रमिक वाद-विवाद है। कार्यक्रम के विस्तार का मुख्य लक्ष्य शान्तिनिकेतन के आसपास की विभिन्न उम्र तथा विभिन्न आर्थिक पृष्ठभूमि से संबंधित महिलाओं को उनके उचित अधिकारों की विस्तृत जानकारी से परिचित कराना है। लक्ष्य की पूर्ति के लिए घरेलू हिंसा, स्त्री अधिकृत सरकारी योजना इत्यादि पहलुओं पर कई संघटित विवेचन, संघ विवेचन तथा बेतार कार्यक्रम प्रारम्भ किए जा चुके हैं। इस तरह के कार्यक्रमों के विषय में तथा निकट भविष्य में कई एनजीओ के साथ मिलकर इन इलाकों में कार्य करने की योजना का हमने उल्लेख किया है।

ग्रामीण स्त्री तथा पुरुषो के स्वास्थ्य शिविर का नियमित संघटन : विश्वविद्यालय अस्पताल तथा बाह्य निपुणज्ञ का भी सम्मिलन।

कम्प्यूटर साक्षरता कार्यक्रम घरेलू हिंसा की शिकार निकट ग्रामीण स्त्रियों के अग्रिम प्रलेख एवं अंशभागी अनुभव तथा सूचना पर आधारित, इन ग्रामीण इलाकों में शिविर संघटन तथ्य को कार्यान्वित करने की योजना जारी है।

दस्तावेज केंद्र विकसित करने का उद्देश्य। प्रधान उद्देश्य वीरभूम की ग्रामीण स्त्रियों का पारंपरिक तरीके से परपरागत औषधि क्षेत्र बाह्य कृषि क्रियाकल्पों द्वारा आदमनी उत्पन्न करना, स्त्रियों द्वारा इस्तेमाल किए गए पारंपरिक कृषि उपकरण, संस्कार पाकक्रिया, पारंपरिक कला, संगीत तथा नृत्य को सम्मिलित करना है। यह ग्रामीण महिलाओं तथा केन्द्रीय शोधार्थियों के समुदाय द्वारा संभव है। हम पहले ही लिंग संबंधित विषय को मुद्दा बनाकर समाचार-पत्र की मदद से दस्तावेज विधि विकसित कर चुके हैं। क्षेत्रीय तथा राष्ट्रीय समाचार पत्रों द्वारा ही यह विकास संभव हुआ है। भविष्य में हम इस कार्य का विस्तार पश्चिम बंगाल के अन्य जिलो में भी करेंगे तथा इस क्षेत्र में कार्य कर चुके अन्य अनुभवी भारतीयों से संबंध बनाने की चेष्टा करेंगे।

भेंट करने आए प्रोफेसर के नाम/अंश-समय/ अधिकृत एड-हॉक (विषयों के आधार पर विशेषज्ञ क्षेत्र) :

1. प्रो0 शैफाली मौइत्रा (निवृत प्रोफेसर, जादवपुर युनिवर्सिटी), एमए, पीएचडी विश्व-भारती (फिलोसॉफी) विशषज्ञों का क्षेत्र-एथिक्स, फिलोसॉफी ऑफ लैंग्वेज, फेमिनिस्ट थौट।
2. प्रो0 सुत्तता भट्टाचार्य (निवृत फ्रोफेसर, विश्व-भारती), एम.डी, पीएच.डी (बंगला लिटरेचर) विशेषज्ञों का क्षेत्र-रवीन्द्रनाथ ओ आधुनिक साहित्य और फेमिनिस्ट क्रिटिसिजमस्।
3. प्रो0 पद्मिनी स्वामीनाथन (प्रोफेसर, टाटा इन्स्टिट्यूट ऑफ सोशल साइन्सेस, हैदराबाद) एम.ए, पीएच.डी, युनिवर्सिटी ऑफ बॉम्बे (इकोनोमिक्स)।' विशेषज्ञों का क्षेत्र-औद्योगिक संस्थाओं की कड़ियों को बाँधने के साथ-साथ नवीन क्षेत्रों के फैलाव को नियन्त्रित करने में उनकी दिलचस्पी, श्रमिक, शिक्षा तथा स्वास्थ्य-समस्त लिंग' की यर्थाथता पर।
4. प्रो0 समिता सेन (प्रो0 वोमेन्स स्टडी के विद्यालय, जादवपुर युनिवर्सिटी, कोलकाता) विशेषज्ञो का क्षेत्र-श्रमिक इतिहास, लिंग तथा श्रमिक।

शैक्षणिक सूची / कार्यक्रम

शैक्षणिक सत्र 16 जून 2015 से 15 मई 2016 तक

कार्यक्रम	**समय**
1. **प्रवेश**	
(ए) विश्व विद्यालय के बेबसाईट के माध्यम से फार्म और प्रॉस्टपेकट्स	1 अप्रैल से 15 जून 2015
(बी) अल्पिकेशन फार्म लेने का अन्तिम तिथि विश्वभारती सामान्य भर्ती परीक्षा ऑनलाइन से प्रकाशित (भीबीसीएटी)	15 जुलाई 2015 विश्वविद्यालय में घोषित वेबसाइट:डब्लूडब्लूडब्लू.विश्वभारती.एसी.इन
(सी) भीबीसीएटी उत्तीर्ण पर परीक्षार्थियों का सम्मति	7 जुलाई 2015 से 31 जुलाई
पहला मेरिट लिस्ट से भर्ती (भीबीसीएटी)	जुलाई में 2015
दूसरा मेरिट लिस्ट से भर्ती	जुलाई में 2015
कक्षाएँ आरम्भ	1 अगस्त 2015
(डी) प्रवेश परीक्षा-पीजी कोर्स और परीक्षा फल	5 जुलाई से 20 जुलाई 2015
(ई) पीजी कोर्स के लिए भर्ती और कक्षाओं की शुरूआत	1 अगस्त, 2015 से 31 अगस्त 2015 तक
2. **कक्षाओं का आरम्भ**	
(ए) पठ भवन और शिक्षा शास्त्र	2 जनवरी 2015
(बी) यूजी-1, III, V, VI, पीजी- III, बी.पेड और बी-फाइन कक्षा कोर्स में डिप्लोमा	5 जुलाई 2014
(सी) यूजी-II, IV, VIII, VI और पीजी- II, IV कोर्स	10 जनवरी 2015
3. **सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/एडवान्स डिप्लोमा कोर्सेस**	
(ए) प्रवेश के लिए विज्ञापन और भर्ती प्रक्रिया पूर्ण और कक्षाओं का आरम्भ (सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/एडवान्स डिप्लोमा/केजुअल कोर्स (विदेशी और भारतीय) फाईन कला में और फाईन कला में ब्रीज कोर्स	10 अगस्त 2015 से 15 दिसम्बर 2015 तक
4. अन्तिम सेमेस्टर परीक्षा के लिए फॉर्म भराई	
(ए) विद्यालय सर्टिफिकेट/प्री-डिग्री	31 जनवरी 2015 से 15 फरवरी 2015 तक
(बी) यूजी- II, IV, VI, VII पीजी- II और पीजी- IV कोर्स / अन्य अन्तिम वर्ष	20 मार्च 2015 से 10 अप्रैल 2015 तक
(सी) यूजी-I, III, V, VII, और पीजी- I कोर्स	10 नवम्बर 2015 से 25 नवम्बर 2015 तक

5. अन्तर्राष्ट्रीय असेसमेन्ट मार्क्स विभाग का सबमिशन	परीक्षा आरम्भ होने के 1 सप्ताह पहले जमा करना
6. परीक्षाएँ	
	पहला सेमेस्टर, 21 दिसम्बर 2015 तक और दूसरा सेमेस्टर 15 जून 2015 तक पूरा होगा
(ए) विद्यालय सर्टिफिकेट/प्री डिग्री	1 मार्च से 30 अप्रैल 2015 तक
(बी) यूजी-I, III, V, VII, और पीजी- I, III, और V कोर्स 2015	20 दिसम्बर तक पूरा
(सी) यूजी-II, IV, VI, VIII और पीजी-II, II, IV कोर्सेस	15 जून 2015 तक पूरा
7. छुट्टियाँ	
(ए) पूजा अवकाश (शरद अवकाश)	17 अक्टूबर से 12 नवम्बर 2015
(बी) मध्य सेमेस्टर अवकाश	26 दिसम्बर 2015 से 1 जनवरी 2016 तक
(सी) ग्रीष्मकालीन अवकाश	16 मई 2015 से 31 मई 2015 तक
8. परीक्षाफल प्रकाशन	
(ए) विद्यालय सटिफिकेट/प्री डिग्री	10 जून 2015 तक
(बी) यूजी-I, III, V, VII और पीजी-I, III, और V कोर्सेस	परीक्षा समाप्त होने के बाद एक माह के अन्दर
(सी) यूजी-II, IV, VI और पीजी-II, IV कोर्सेस	परीक्षा समाप्त होने के बाद एक माह के अन्दर
9. (ए) भीवीआरईटी का होल्डिंग	फरवरी/अगस्त प्रत्येक वर्ष
(बी) पीएच0 डी कोर्स आरम्भ	अप्रैल/अक्टूबर प्रत्येक वर्ष
(सी) पीएच0डी0 कोर्स का परीक्षाफल (सिर्फ एक समेस्टर)	सितम्बर/ अप्रैल प्रत्येक वर्ष

2015-2016 का शैक्षणिक कार्यक्रम

भाषा-भवन (भाषा, साहित्य और संस्कृति संस्थान)

1. संस्कृत, बंगला, अंग्रेजी, हिन्दी, ओडिया, संथाली, प्रतियोगिता मूलक साहित्य : भारतीय-तिब्बतन अध्ययन, चाइनिज, परसियन, जपानी में दो वर्षीय एम0ए0 कोर्स।
2. बंगाली, संस्कृत, हिन्दी, ओडिया, अंग्रेजी, प्रतियोगिता मूलक साहित्य और सांस्कृतिक अध्ययन में दो वर्षीय, एम0फिल कोर्स।
3. संस्कृत संथाली बंगाली,अंग्रेजी, यूरोपीयन अध्ययन, हिन्दी, पारसी, भारतीय-तिब्बतन, जापानी में तीन वर्षीय बी0ए0 (ऑनर्स) कोर्स।
4. पारसी, भारतीय-तिब्बतन, चाइनिज, जापानी में एक वर्ष का तैयारी कोर्स के साथ चार वर्षीय बी0ए0 (ऑनर्स) कोर्स।

विद्या-भवन (ह्यूमैनिटीज और सामाजिक विज्ञान संस्थान)

1. दर्शनशास्त्र, प्रतियोगितामूलक धर्म, अर्थशास्त्र : इतिहास, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व सम्बन्धी, भूगोल, गणित, पत्रकारिता एवं जन संचार साधन और मानव विज्ञान में दो वर्षीय एम0ए0 कोर्स।
2. प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति और पुरातत्व सम्बन्धी अर्थशास्त्र, इतिहास और नारी अध्ययन केन्द्र में दो वर्षीय एम0 फिल कोर्स।
3. दर्शनशास्त्र प्रतियोगिता मूलक धर्म, अर्थशास्त्र, इतिहास, प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति और पुरातत्व भूगोल और गणित विषयों में तीन वर्षीय बी0 ए0 (ऑनर्स)

शिक्षा-भवन (विज्ञान संस्थान)

1. भौतिकी रसायन, गणित, प्राणीविज्ञान, पादप विज्ञान, सांख्यिकी, पर्यावरण, विज्ञान, कम्प्यूटर विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी विषयों में दो वर्षीय एम0 एससी0 कोर्स।
2. भौतिकी, रसायन, गणित, प्राणीविज्ञान, पादप विज्ञान, सांख्यिकी, कम्प्यूटर विज्ञान में एम0एससी0 पाँचवर्षीय कोर्स।
3. युग्मन विज्ञान में एम0एससी0 पाँचवर्षीय कोर्स।

संगीत-भवन (नृत्य, संगीत एवं नाट्य संस्थान)

1. हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत (वोकल) हिन्दूस्तानी शास्त्रीय संगीत, वाद्य यंत्र (सितार, एसराज, तबला, पवाज) रवीन्द्र नृत्य, रवीन्द्र संगीत, कथकली, और मणिपुरी नृत्य में दो वर्षीय एम0मस0 कोर्स।
2. रवीन्द्र संगीत, हिन्दूस्तानी शास्त्रीय संगीत (वोकल), हिन्दूस्तानी शास्त्रीय संगीत : वाद्य यन्त्र (सितार, एसराज, तबला, पखवाज) : रवीन्द्र नृत्य, कथकली नृत्य मणिपुरी नृत्य, नाटक और मंचन कला विषयों में तीन वर्षीय बी0 मस (ऑनर्स) कोर्स।

कला-भवन (फाईन-आर्ट संस्थान)।

1. चित्रकारी चित्रकारी (मुराल) मूर्ति बनाने की विद्या, ग्राफीक आर्ट, डिजाइन (टेक्सटाईल), डिजाईन (सेरामिक और ग्लास), इतिहास कला में दो वर्षीय एमएफए, एडवान्स् डिप्लोमा कोर्स।
2. चित्रकारी चित्रकारी (मुराल), मूर्ति विद्या, ग्राफीक आर्ट (छपाई), डिजाइन (टेक्सटाइल), डिजाइन, (सेरामिक और ग्लास), इतिहास कला विषयों में चार वर्षीय बैचेलर ऑफ फाईन आर्ट (आनर्स) (बी.एफ.ए) डिप्लोमा कोर्स।
3. डिजाईन (टेक्टटाइल) में दो वर्षीय सर्टिफिटेक कोर्स।
4. ब्रीज कोर्स (एमएफए) इतिहास कला कोंस (तीन वर्षीय (एक वर्षीय ब्रीज) कोर्स + 2 वर्षीय रेगुलजर कोर्स)

5. भारतीय/विदेशी राष्ट्रो में चित्रकारी/मूर्ति विद्या/ग्राफीक आर्ट (छपाई)/डिजाईन (टेक्सटाइल/सेरामिक और ग्लास / इतिहास कला में एक वर्षीय केजुअल कोर्स।

पाली संगठन विभाग (ग्रामीण पुनर्निर्माण संस्थान)

1. ग्रामीण अध्ययन का मास्टर दो वर्षीय
2. ग्रामीण प्रबन्धन में दो वर्षीय एम0ए0
3. दो वर्षीय एम0एस0 डब्लू कोर्स।
4. तीन वर्षीय बी0एस0 डब्लू (ऑनर्स) कोर्स।
5. चार वर्षीय बी0 डिजाइन कोर्स (बैचेलर ऑफ डिजाइन)।
6. (i) हाथ द्वारा बनाना (ii) कलात्मक चमडा कारीगरी (iii) बुटिक कार्य (iv) हैण्डलुम बुनाई (v) मिट्टी बर्तन बनाना (vi) लकड़ी कार्य में दो वर्षीय सटिफिकेट कोर्स।
7. कम समय का हस्तकला में केजुअल कोर्स :-
   (i) बुटिक और बन्धनी (ii) कुम्हारी और कुम्हारी विद्या/टेवल वेअर/आर्ट पॉटरी/ वार्निश (iii) टेक्सटाइल (बुनाई/ रंगाई/चित्रकारी) (iv) चमडा हस्त कला (v) लकड़ी कार्य (खिलौना/फर्निचर/लकड़ी नक्काशी (vi) हाथ सेवना कागज नक्काशी। प्रत्येक कोर्स चार माह का एवं युग्मन कोर्स नौ माह का।

पाली-शिक्षा सदन (कृषि संस्थान)

1. ग्रामीण व्यस्था बागवानी, मिट्टी विज्ञान और कृषि सम्बन्धित रसायन, पौधा संरक्षण, कृषि विस्तार और उत्पत्ति और पौधो को बढ़ाना में दो वर्षीय एम0एससी0 (ऐजी) में कोर्स
2. चार वर्षीय बी0एस0सी0 (एजी) ऑनर्स कोर्स

विनय भवन (शिक्षाशास्त्र संस्थान)

1. शिक्षा शास्त्र में दो वर्षीय एम0ए0 कोर्स।
2. शारीरिक शिक्षा में तीन वर्षीय बी0 ए0 / बी0 एससी0 (ऑनर्स) कोर्स।
3. शिक्षाशास्त्र में दो वर्षीय बी0एड/बी0पी0एड कोर्स।
4. शिक्षा शास्त्र में दो वर्षीय एम0 पी0 एड0 कोर्स।

भाषा-भवन

(इंस्टिट्यूट ऑफ लैंग्वेज लिटरेचर ऐण्ड कल्चर)

अध्यक्ष (प्रिंसिपल) प्रो. कैलाश चंद्र पटनायक

नामावली पुष्टता 31.03.2016

बी.ए. (ऑनर्स)

कोर्स	जनरल		एससी		एसटी		पीएच		ओबीसी		अल्पव्यस्क		निवासी छात्र	
	एम	एफ	एम	एप	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
प्रथम वर्ष	56	80	16	5	09	06	03	-	24	26	16	11	-	-
द्वितीय वर्ष	54	88	22	18	10	07	02	01	36	26	17	13	-	-
तृतीय वर्ष	52	78	25	18	15	10	01	-	42	23	23	08	-	-
कुल	**162**	**246**	**63**	**53**	**34**	**23**	**06**	**01**	**102**	**75**	**56**	**32**	**-**	**-**

एम.ए

प्रथम वर्ष	47	70	18	16	09	06	01	-	30	26	04	01	-	-
द्वितीय वर्ष	38	65	15	19	05	10	03	-	20	24	03	09	-	-
कुल	**85**	**135**	**33**	**35**	**14**	**16**	**04**	**-**	**50**	**50**	**07**	**10**	**-**	**-**

एम.फिल

प्रथम वर्ष	16	24	03	06	02	02	02	-	06	07	-	02	-	-
द्वितीय वर्ष	07	20	05	06	03	01	-	-	09	04	01	01	-	-
कुल	**23**	**44**	**08**	**12**	**05**	**03**	**01**	**-**	**15**	**11**	**01**	**03**	**-**	**-**

पीएच. डी

प्रथम वर्ष	25	22	08	05	01	02	-	-	07	09	04	04	-	-
द्वितीय वर्ष	35	29	10	04	10	03	01	-	22	04	07	01	-	-
तृतीय वर्ष	47	13	06	02	02	01	01		08	06	12	02	-	-
चतुर्थ वर्ष	38	35	04	02	01	02			04	03	04	05		
पंचम वर्ष	06	12	10	07	03	02			16	18	10	02	-	-
कुल	**151**	**111**	**38**	**20**	**17**	**10**	**02**	**-**	**57**	**40**	**37**	**14**	**-**	**-**

कोर्स में विषयों के आधार पर छात्रों का विभाजन (डिप्लोमा ऐण्ड सर्टिफिकेट)

	सर्टिफिकेट			डिप्लोमा		
देश	एम	एफ	टी	एम	एफ	टी
जर्मन	20	06	26	-	-	-
फ्रेंच	14	10	24	-	-	-
हिन्दी	08	02	10	02	02	04
रशियन	03	03	06	01	-	04
इटालियन	-	-	-	-	1	1
सन्थाली	09	05	14	03	04	07
आसामिज़	-	-	-	1	-	1
पाली	01	-	01	-	-	-
प्राकृत	01	-	01	-	-	-
ऐरेबिक	-	-	-	02	01	03

विदेशी छात्रों का विभाजन

देश	एम	एफ	टी
बंगाली	05	02	07
इंग्लिश	02	-	02
हिन्दी	02	03	05
संस्कृत	03	-	03
इण्डो-तिब्बतन	01	02	03
फ्रेंच	01	-	01
इटालियन	01	-	01
जर्मन	01	-	01

विभिन्न कोर्सो में विषयों के आधार पर छात्रो का विघटन

कोर्स (2013-14)

	बी. ए (ऑनर्स)			एम.ए			पीएच.डी		
	एम	एफ	टी	एम	एफ	टी	एम	एफ	टी
बंगाली	10	30	40	19	27	46	05	07	12
इंग्लिश	12	27	39	20	26	46	08	05	13
यूरोपियन स्टडीज	06	06	12	-	-	-	-	-	-
चाइनिज	23	15	38	10	08	18	-	01	01
संस्कृत	20	21	41	20	26	46	04	09	13
हिन्दी	11	08	19	06	06	12	04	03	07
जापानीज़	16	10	26	03	03	06	-	-	-
पर्सियन	01	05	06	-	01	01	04	03	07
इण्डो-तिब्बतन	04	02	06	-	01	01	01	04	05
सन्थाली	05	03	08	12	11	23	-	-	-
ओड़िया	-	-	-	05	08	13	05	02	07
कल्चर स्टडीज	-	-	-	-	-	-	02	04	06
तुलनात्मक लिटरेचर	-	-	-	-	01	01	04	01	05
आसामिज़	-	-	-	-	-	-	01	-	01

विद्या-भवन

(इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइन्स)
अध्यक्ष (प्रिंसिपल) प्रो. भी. सी. झा
नामावली पुष्टता 31.03.2016 की

बी.ए. (ऑनर्स)

कोर्स	जनरल		एससी		एसटी		ओबीसी		पीएच		अल्पव्यस्क	
	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
प्रथम वर्ष	34	55	28	21	08	08	39	33	03	01	15	17
द्वितीय वर्ष	32	52	26	20	09	09	20	16	02	-	16	10
तृतीय वर्ष	39	54	31	25	13	07	19	16	00	02	13	09
कुल	**105**	**161**	**85**	**66**	**30**	**24**	**78**	**65**	**05**	**03**	**44**	**36**

एम.ए

कोर्स	जनरल		एससी		एसटी		ओबीसी		पीएच		अल्पव्यस्क	
	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
प्रथम वर्ष	64	70	32	12	08	07	-	-	39	15	14	06
द्वितीय वर्ष	42	73	28	19	08	08	03	01	24	18	13	03
कुल	**106**	**143**	**60**	**31**	**16**	**15**	**03**	**01**	**63**	**33**	**27**	**09**

एम.फिल/पीएच.डी

कोर्स	जनरल		एससी		एसटी		ओबीसी		पीएच		अल्पव्यस्क	
	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
एम.फिल	03	05	02	-	-	01	02	01	-	-	-	-
पीएच.डी	16	17	07	01	02	-	08	-	01	-	04	02

नवीन प्रवेश

बी.ए. (ऑनर्स)

	जनरल		एससी		एसटी		ओबीसी		पीएच		अल्पव्यस्क	
	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
स्वीकृत	34	55	28	21	08	08	39	33	02	-	15	17

	जनरल		एससी		एसटी		ओबीसी		पीएच		अल्पव्यस्क	
	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
स्वीकृत	64	70	32	12	08	07	39	15	11	-	14	06

राज्य के आधार पर छात्रों का विघटन

देश	एम	एफ	टी
असम	02	01	03
झारखण्ड	01	01	02
बिहार	01	-	01
सिक्किम	-	02	02
ओड़िसा	03	-	03
पश्चिम बंगाल	246	212	458

विदेशी छात्रों का विभाजन

देश	एम	एफ	टी
बंगला देश	03	01	04
बेलग्विम	-	01	01

विभिन्न कोर्सो में विषयों के आधार पर छात्रो का विघटन

कोर्स

विषय	बी. ए (ऑनर्स)			एम.ए			पीएच.डी		
	एम	एफ	टी	एम	एफ	टी	एम	एफ	टी
इतिहास	23	16	39	26	09	35	11	05	16
इकोनॉमिक्स	12	12	24	19	17	36	06	02	08
एआईएचसी ऐन्ड ए	22	18	40	26	12	38	-	03	03
गणित	02	01	03	-	01	01	-	-	-
भूगोल	18	28	46	25	18	43	01	03	04
दर्शनशास्त्र	14	25	39	24	18	42	10	05	15
तुलनात्मक धर्म	18	18	36	03	02	05	03	01	04
सीजेएमसी	-	-	-	16	25	41	01	01	02
एन्थ्रोपोलॉजी	-	-	-	05	8	13	01	04	05

शिक्षा-भवन

(इंस्टिट्यूट ऑफ साइन्स)

अध्यक्ष (प्रिंसिपल) प्रो. दुलाल पाल

नामावली पुष्टता 31.03.2016 की

बी.ए. (ऑनर्स)

कोर्स	जनरल		एससी		एसटी		ओबीसी		पीएच		अल्पव्यस्क	
	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
प्रथम वर्ष	61	48	24	16	09	08	03	01	39	20	06	08
द्वितीय वर्ष	67	40	21	13	10	05	05	01	43	17	16	06
तृतीय वर्ष	82	40	25	09	11	07	03	-	39	17	15	07
कुल	**210**	**128**	**70**	**38**	**30**	**20**	**11**	**02**	**121**	**54**	**37**	**21**

एम.एससी

कोर्स	जनरल		एससी		एसटी		पीएच		ओबीसी		अल्पव्यस्क	
	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
कुल	**187**	**129**	**91**	**34**	**18**	**17**	**-**	**03**	**125**	**58**	**34**	**16**

पीएच.डी

कोर्स	जनरल		एससी		एसटी		पीएच		ओबीसी		अल्पव्यस्क	
	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
	33	**23**	**10**	**01**	**05**	**-**	**-**	**-**	**19**	**04**	**06**	**03**

नवीन प्रवेश

(अंडर ग्रेजुएट)

जनरल		एससी		एसटी		ओबीसी		पीएच		अल्पव्यस्क	
एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
61	48	24	16	09	08	03	01	39	20	06	08

(पोस्ट ग्रेजुएट)

जनरल		एससी		एसटी		ओबीसी		पीएच		अल्पव्यस्क	
एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
101	48	40	14	05	10	-	-	57	28	15	05

विभिन्न कोर्सो में विषयों के आधार पर छात्रो का विघटन

विषय	बी. ए (ऑनर्स)			एम.ए			पीएच.डी		
	एम	एफ	टी	एम	एफ	टी	एम	एफ	टी
फिजिक्स	29	14	43	37	13	50	07	03	10
कैमिस्ट्री	23	16	39	33	12	45	20	08	28
मैथेमैटिक्स	23	15	38	40	11	51	10	02	12
बोटेनी	13	22	35	25	18	43	05	02	07
जूलोजी	16	19	35	25	20	45	06	08	14
बायोटेक्नोलॉजी	-	-	-	05	02	07	03	03	06
स्टैटिस्टिक्स	14	14	28	08	03	11	01	01	02
कम्प्यूटर साइन्स	17	03	20	09	-	09	05	01	06
इन्व. साइन्स	-	-	-	04	14	18	04	01	05
इंटिग्रेटेड साइन्स	-	-	-	14	07	21	06	02	08
कुल	135	93	228	200	100	300	67	31	98

विदेशी छात्रों का विभाजन

देश	एम	एफ	टी
बंगला देश	3	-	3

राज्य के आधार पर छात्रों का विघटन
(पश्चिम बंगाल के बाहर के)

देश	एम	एफ	टी
पश्चिम बंगाल	378	214	592
झारखण्ड	3	4	7
उत्तर प्रदेश	4	2	6
हरियाणा	-	1	1
सिक्किम	-	1	1
ओड़िसा	2	1	3
राजस्थान	1	-	1
केरल	1	-	1
उत्तराखण्ड	-	1	1
त्रिपुरा	-	1	1
तमिलनाडु	2	-	2
बिहार	4	1	5
आन्द्रप्रदेश	1	-	1
महाराष्ट्र	-	1	1

कला-भवन

(इंस्टिट्यूट ऑफ फाइन आर्ट्स ऐण्ड क्राफ्ट)
अध्यक्ष (प्रिंसिपल) प्रो. दिलिप मित्रा
नामावली पुष्टता 31.03.2016 की

बी.एफ. ए.

कोर्स	जनरल		एससी		एसटी		पीएच		ओबीसी	
	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
प्रथम वर्ष	13	08	04	03	02	01	-	-	09	03
द्वितीय वर्ष	08	17	05	02	04	-	-	-	14	08
तृतीय वर्ष	16	15	07	01	03	01	-	-	10	04
कुल	**12**	**19**	**05**	**03**	**04**	**-**	-	-	**8**	**05**

एम. एफ. ए

कोर्स	जनरल		एससी		एसटी		पीएच		ओबीसी	
	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
प्रथम वर्ष	10	06	04	01	04	01	-	02	10	08
द्वितीय वर्ष	13	11	03	04	02	-	-	-	11	03
कुल	**23**	**17**	**07**	**05**	**06**	**01**	-	02	**21**	**11**

पीएच.डी

जनरल	एससी		एससी		एसटी		पीएच		ओबीसी		निवासी छात्र	
	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
	10	11	01	02	01	-	-	-	-	1	-	-

विदेशी छात्रों का विभाजन

देश	एम	एफ	टी
बंगला देश	11	16	27
चाइना	2	-	2
साइप्रस	-	1	1
फ्रेंच	-	1	1
इजराइल	-	1	1
जापान	-	1	1
कोरिया	-	1	1
मॉरीशस	1	1	2
रशिया	-	1	1
श्रीलंका	-	2	2
थाइलैंड	7	5	12
कुल	**21**	**30**	**51**

कोर्स	**सर्टिफिकेट**		
	एम	एफ	टी
डिजाइन	10	16	26
आर्ट हिस्ट्री (ब्रिज कोर्स)	2	2	4
फौरन कैजवल	2	2	4
इंडियन कैजवल	3	3	6
	डिप्लोमा		
डीएफए	3	-	3
एडीएफए	2	1	3

विभिन्न कोर्सो में विषयों के आधार पर छात्रो का विघटन (ग्रेजुएट)

विषय	**एम**	**एफ**	**टी**
पैटिंग	30	18	48
ग्रफिक आर्ट	12	11	23
स्क्ल्पचर	25	1	26
आर्ट हिस्ट्री	01	07	08
डिजाइन	07	14	21

विभिन्न कोर्सो में विषयों के आधार पर छात्रो का विघटन (पोस्ट ग्रेजुएट)

विषय	**एम**	**एफ**	**टी**
पैटिंग	14	12	26
ग्रफिक आर्ट	22	13	35
स्क्ल्पचर	21	4	25
आर्ट हिस्ट्री	07	09	16

संगीत-भवन

(इंस्टिट्यूट ऑफ म्यूज़िक, डांस ऐण्ड ड्रामा)

अध्यक्ष (प्रिंसिपल) प्रो. माधबी रूज (घोष)

नामावली पुष्टता 31.03.2016 की

बी.मस. (ऑनर्स)

कोर्स	जनरल		एससी		एसटी		पीएच		ओबीसी	
	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
प्रथम वर्ष	14	72	04	17	-	04	-	-	01	06
द्वितीय वर्ष	15	52	04	18	-	02	-	-	04	08
तृतीय वर्ष	17	61	05	11	01	01	-	-	03	06
कुल	**46**	**185**	**13**	**48**	**01**	**07**	-	-	**08**	**20**

एम. मस

कोर्स	जनरल		एससी		एसटी		पीएच		ओबीसी	
	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
प्रथम वर्ष	07	50	04	06	-	01	-	-	-	06
द्वितीय वर्ष	15	18	-	04	01	-	-	-	02	01
कुल	**22**	**68**	**04**	**10**	**01**	**01**	-	-	**02**	**07**

पीएच.डी

कोर्स	जनरल		एससी		एसटी		पीएच		ओबीसी	
	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
	27	56	05	06	01	01	01	-	06	04

विदेशी छात्रों का विभाजन

देश	**एम**	**एफ**	**टी**
बंगला देश	04	13	17
श्रीलंका	03	02	05
साउथ कोरिया	-	01	01
नॉर्वे	01	-	1
मॉरीशस	01	-	1
ग्रैंड टोटल	09	16	25

राज्य के आधार पर छात्रों का विघटन

देश	एम	एफ	टी
पश्चिम बंगाल	75	333	108
त्रिपुरा	-	03	03
असम	01	03	04
बिहार	04	-	04
मणिपुर	02	07	09
झारखण्ड	01	01	02
सिक्किम	01	01	02
महाराष्ट्र	-	01	01
देहरादून	-	01	01
ओड़िसा	-	01	01
कुल	84	351	435

दो वर्ष का सर्टिफिकेट कोर्स

कोर्स	जनरल		एससी		एसटी		पीएच		ओबीसी	
	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
प्रथम वर्ष	06	47	01	05	-	01	-	-	04	07
द्वितीय वर्ष	11	37	-	07	-	22	-	-	03	07

नवीन प्रवेश

बी. मस

जनरल		एससी		एसटी		ओबीसी		पीएच	
एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
14	72	04	17	-	04	01	06	-	-

एम.मस

जनरल		एससी		एसटी		ओबीसी		पीएच	
एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
07	50	04	06	-	-	02	01	-	-

सर्टिफिकेट कोर्स

जनरल		एससी		एसटी		ओबीसी		पीएच	
एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
06	47	01	05	-	01	04	07	-	-

एम.फिल

जनरल		एससी		एसटी		ओबीसी		पीएच	
एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
03	04	01	01	-	-	-	01	-	-

पीएच.डी

जनरल		एससी		एसटी		ओबीसी		पीएच	
एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
03	08	-	-	-	-	01	04	-	01

विदेशी कैजुअल कोर्स

एम	एफ	टी
01	-	01

विनय-भवन

(इंस्टिट्यूट ऑफ एडूकेशन)
अध्यक्ष (प्रिंसिपल) प्रो. सबूज कोली सेन
नामावली पुष्टता 31.03.2016 की

बी.एड

कोर्स
बी.एड सेम-II

जनरल		एससी		एसटी		ओबीसी		पीएच	
एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
12	24	09	10	03	05	12	25	01	-

एम.एड

कोर्स
बी.एड सेम-II

जनरल		एससी		एसटी		ओबीसी		पीएच	
एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
06	09	03	07	02	02	14	05	02	-

एम.ए (ईडीएन.)

कोर्स
बी.एड सेम-II

	जनरल		एससी		एसटी		ओबीसी		पीएच	
	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
	04	03	02	05	-	04	18	13	-	-
सेम-IV	04	04	07	03	-	-	10	02	-	-

पीएच.डी

जनरल		एससी		एसटी		ओबीसी		पीएच	
एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
07	12	10	02	03	16	08	09	01	-

डेस्कॉलर तथा निवासी छात्रों का विभाजन

	एम	एफ	टी
डेस्कॉलर	68	42	110
निवासी	60	50	110
कुल	**128**	**92**	**220**

नवीन प्रवेश

कोर्स	जनरल		एससी		एसटी		ओबीसी		पीएच		अल्पव्यस्क	
	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
बी.एड	12	24	09	10	03	05	01	-	12	25	02	02
एम.एड	06	09	03	07	02	02	02	-	14	05	07	02
एम.ए(ईडीएन)	04	03	02	05	-	04	-	-	18	13	08	01
पीएच.डी	-	04	03	-	-	02	01	-	03	05	02	-

राज्य के आधार पर छात्रों का विघटन (पीएच.डी के लिए)

राज्य	एम	एफ	टी
पश्चिम बंगाल	04	11	15
मिजोरम	-	01	01
ओड़िसा	01	-	01

विषय के आधार पर छात्रों का विघटन (पीएच.डी में)

एम	एफ	टी
28	39	67

फिजिकल-एडूकेशन

छात्र पुष्टता 31.03.2016 की

नवीन प्रवेश

कोर्स	जनरल		एससी		एसटी		पीएच		ओबीसी		अल्पव्यस्क	
	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
बी.ए/बी.एससी सेम I-II	12	-	12	-	03	-	-	-	10	03	05	02
बी.ए (बी.एससी) सेम III-IV	12	02	07	-	06	-	-	-	10	-	05	-
बी.ए (बी.एससी) सेम V-VI	08	02	09	01	05	-	-	-	14	02	06	03
बी.पी.एड	08	02	09	02	06	01	-	-	13	02	11	02
एम.पी.एड सेम I-II	11	01	05	01	02	-	-	-	09	01	04	01
एम.पी.एड सेम III-IV	04	04	07	01	-	02	-	-	08	02	04	01
पी.एच.डी	03	-	04	-	1	-	-	-	02	02	-	01

डेस्कॉलर तथा निवासी छात्रों का विभाजन

	एम	एफ	टी
डेस्कॉलर	162	15	177
निवासी	71	12	83
कुल	**233**	**27**	**260**

राज्य के आधार पर छात्रों का विघटन (पश्चिम बंगाल के बाहर के)

राज्य	एम	एफ	टी
असम	03	01	04
पश्चिम बंगाल	225	25	250
झारखण्ड	01	01	02
मणिपुर	01	-	01
यू.पी.	01	-	01
मेघालय	01	-	01
त्रिपुरा	01	-	01

नवीन प्रवेश

कोर्स	जनरल		एससी		एसटी		पीएच		ओबीसी		अल्पव्यस्क	
	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
बी.ए/बी.एससी सेम I-II	17	03	06	-	05	-	-	-	08	02	07	03
बी.ए (बी.एससी) सेम III-IV	14	-	12	-	04	01	-	-	10	03	05	02
बी.ए (बी.एससी) सेम V-VI	08	02	08	-	04	-	-	-	11	-	04	-
बी.पी.एड	20	06	07	-	04	-	-	-	13	-	08	03
एम.पी.एड सेम I-II	17	03	06	-	03	-	-	-	10	01	11	-
एम.पी.एड सेम III-IV	11	01	05	01	02	-	-	-	09	01	05	01
पी.एच.डी	09	02	03	-	02	-	-	-	05	01	02	01

पल्ली समगठन विभाग

अध्यक्ष (प्रिंसिपल) : प्रो. अमित हाजरा

डिपार्टमेंट ऑफ सोशल वर्क

नामावली पुष्टता 31.03.2016

बी.ए. (ऑनर्स)

कोर्स	जनरल		एससी		एसटी		पीएच		ओबीसी		अल्पव्यक		निवासी	
	एम	एफ	एम	एप	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
प्रथम वर्ष	07	10	03	02	01	02	01	-	06	08	01	03	05	09
द्वितीय वर्ष	04	10	03	04	01	03	-	-	06	04	03	05	03	12
तृतीय वर्ष	08	14	08	03	02	04	04	-	04	05	01	04	09	09
कुल	**19**	**34**	**14**	**09**	**04**	**09**	**05**	**-**	**16**	**17**	**05**	**12**	**17**	**30**

एम.एस.डब्लू

कोर्स	जनरल		एससी		एसटी		पीएच		ओबीसी		अल्पव्यक		निवासी	
	एम	एफ	एम	एप	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
प्रथम वर्ष	11	09	03	01	-	02	-	-	07	02	01	-	12	04
द्वितीय वर्ष	08	11	04	01	-	01	-	-	06	04	03	-	05	05
कुल	**19**	**20**	**07**	**02**	**-**	**03**	**-**	**-**	**13**	**06**	**04**	**-**	**17**	**09**

पीएच.डी

कोर्स	जनरल		एससी		एसटी		पीएच		ओबीसी		निवासी छात्र	
	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
	06	12	01	02	-	02	-	01	01	01	-	-

नवीन प्रवेश

बी.एस. डब्लू (ऑनर्स)

जनरल		एससी		एसटी		ओबीसी		पीएच		अल्पव्यस्क	
एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
07	10	03	02	01	06	08	01	01	-	01	13

एमएसडब्लू

ओबीसी

जनरल		एससी		एसटी		ओबीसी		पीएच		अल्पव्यस्क	
एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
11	09	03	01	-	02	07	02	-	-	01	-

पीएच.डी (नवीन प्रवेश)

ओबीसी

जनरल		एससी		एसटी		ओबीसी		पीएच		अल्पव्यस्क	
एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
18	19	06	03	01	04	13	10	01	-	02	03

डेस्कॉलर तथा निवासी छात्रों का विभाजन

	एम	एफ	टी
डेस्कॉलर	60	63	123
निवासी	34	39	73
कुल	**94**	**102**	**196**

राज्य के आधार पर छात्रों का विघटन

देश	एम	एफ	टी
असम	-	01	01
बिहार	01	01	03
झारखण्ड	01	03	04
सिक्किम	-	02	02
न्यू दिल्ली	-	01	01
ओड़िसा	01	-	01

विदेशी छात्रों का विभाजन

देश	एम	एफ	टी
बंगला देश	01	02	03
साउथ कोरिया	-	01	01
वियेतनाम	01	-	01

विभिन्न कोर्सो में विषयों के आधार पर छात्रो का विघटन

कोर्स

	विषय			ग्रेजुएट			पोस्ट ग्रेजुएट		पीएच.डी
	एम	एफ	टी	एम	एफ	टी	एम	एफ	टी
सोशल वर्क	54	70	124	33	19	52	11	22	23

शिल्पा-सदन

नामावली पुष्टता 31.03.2016

बैचलर इन डिजाइन

कोर्स	जनरल		एससी		एसटी		पीएच		ओबीसी		निवासी छात्र	
	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
प्रथम वर्ष	06	11	04	01	03	-	-	-	08	02	-	01
द्वितीय वर्ष	06	06	07	-	01	-	01	-	06	04	02	03
तृतीय वर्ष	13	07	04	01	03	-	-	-	02	04	01	-
कुल	**17**	**06**	**04**	**01**	**-**	**-**	**-**	-	**04**	**04**	**03**	**02**

सर्टिफिकेट कोर्सेस
(कोर्स (सर्टिफिकेट)

	एम	एफ	कुल
बटीक	03	02	05
पॉटेरी	06	-	06
लेदर	01	-	01
वेविंग	-	03	03
वुड-वर्क	07	-	07

नवीन प्रवेश
बी.डिजाइन

कोर्स	जनरल		एससी		एसटी		पीएच		ओबीसी		अल्पव्यस्क	
	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
	06	11	04	01	03	-	-	-	08	02	-	10

विदेशी छात्रों का विभाजन

देश	एम	एफ	टी
बांगला देश	03	02	05

निवासी छात्रों का विभाजन

	एम	एफ	टी
निवासी	25	21	46

विभिन्न कोर्सो में विषयों के आधार पर छात्रो का विघटन

विषय		ग्रेजुएट	
	एम	एफ	टी
फाउन्डेशन (बी.डेस) फस्ट ऐंड सेकेन्ड इयर	44	28	72
ग्लास ऐण्ड केरामिक (थर्ड ऐंण्ड फोर्थ इयर)	16	02	18
फर्नियर ऐंड इंटिरियर (थर्ड ऐंड फोर्थ इयर)	10	06	16
टैक्स्टाइल ऐंड क्लोथिंग (थर्ड ऐंड फोर्थ इयर)	08	11	19

पाली चर्चा केन्द्र

(इंस्टिट्यूट ऑफ रूदल डेवेल पमेंट)

नामावली पुष्टता 31.03.2016 की

बी.आर.एस (अंडर ग्रेजुएट)

कोर्स	जनरल		एससी		एसटी		पीएच		ओबीसी		अल्पव्यस्क		निवासी	
	एम	एफ	एम	एप	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
प्रथम वर्ष	10	06	05	02	03	01	-	-	06	02	04	02	05	02

पोस्ट-ग्रेजुएट (आर.एस)

कोर्स	जनरल		एससी		एसटी		पीएच		ओबीसी		अल्पव्यस्क		निवासी	
	एम	एफ	एम	एप	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
प्रथम वर्ष	01	01	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
द्वितीय वर्ष	05	01	-	-	01	01	-	-	-	01	03	-	03	03

पीएच.डी

पीएच.डी कोर्स वर्क	10	03	01	01	-	-	-	-	-	01	-	-	-	01

नवीन प्रेश

बी.आर.एस. (अंडर ग्रेजुएट)

कोर्स	जनरल		एससी		एसटी		पीएच		ओबीसी		अल्पव्यस्क		निवासी छात्र	
	एम	एफ	एम	एप	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
प्रथम वर्ष	10	06	05	03	03	01	-	-	06	02	04	02	05	02

नवीन प्रवेश

बी.एस. डब्लू (ऑनर्स)

जनरल		एससी		एसटी		ओबीसी		पीएच		अल्पव्यस्क	
एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
07	10	03	02	01	06	08	01	01	-	01	13

पोस्ट ग्रेजुएट (आर.डी)

कोर्स	जनरल		एससी		एसटी		पीएच		ओबीसी		अल्पव्यस्क	
	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
प्रथम वर्ष	01	02	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

पीएच.डी

02	02	-	01	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

डेस्कॉलर तथा निवासी छात्रों का विभाजन

	एम	एफ	टी
डेस्कॉलर	31	26	57
निवासी	08	06	14
कुल	**39**	**32**	**71**

राज्य के आधार पर छात्रों का विघटन

कोर्स

राज्य	एम	एफ	टी
असम	02	01	03
बिहार	04	-	04
पश्चिम बंगाल	42	20	62

विदेशी छात्रों का विभाजन

देश	एम	एफ	टी
बंगलादेश	20	-	02

विभिन्न कोर्सो में विषयों के आधार पर छात्रो का विघटन

	विषय			ग्रेजुएट			पोस्ट ग्रेजुएट		पीएच.डी
	एम	एफ	टी	एम	एफ	टी	एम	एफ	टी
रूलर स्टडीज	28	13	41	01	01	02	11	05	16
रूलर डेवेलपमेन्ट	-	-	-	09	03	12	-	-	-

डिपार्टमेन्ट ऑफ लाइफ लाँग लर्निंग ऐण्ड ऐक्सटेंशन

(रूरल ऐक्सटेंशन सेन्टर)

नामावली पुष्टता 31.03.2016

एम.ए इन रूरल मैनेजमेंट

कोर्स	जनरल		एससी		एसटी		पीएच		ओबीसी		अल्पव्यस्क		निवासी छात्र	
	एम	एफ	एम	एप	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
प्रथम वर्ष	07	09	05	01	-	01	-	-	01	01	01	-	08	12
पीएच.डी														
	08	03	01	-	-	-	-	-	02	01	-	-	-	-

डेस्कॉलर तथा निवासी छात्रों का विभाजन

	एम	एफ	टी
डेस्कॉलर	06	-	06
निवासी	08	12	20
कुल	**14**	**12**	**26**

पाली शिक्षा भवन

(इंस्टिट्यूट ऑफ एग्रिकल्चरर साइन्स)

अध्यक्ष (प्रिंसिपल) : प्रो. सार्थक चौधरी

नामावली पुष्टता 31.03.2016

बी.ए. (ऑनर्स)

कोर्स	जनरल		सेड्यूल्ड कास्ट		सेड्यूल्ड ट्राइब		फिजिकली हैडींकैप्ड		ओबीसी छात्र		अल्पव्यस्क छात्र		नागरिक भारतीय		निवासी छात्र	
	एम	एफ	एम	एप	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
प्रथम वर्ष	16	11	04	04	02	02	-	-	14	02	02	02	36	18	24	12
द्वितीय वर्ष	14	13	06	03	02	01	01	-	14	02	05	02	37	19	21	10
तृतीय वर्ष	16	07	08	-	01	01	-	-	11	03	06	-	36	11	25	09
चतुर्थ वर्ष	16	09	07	01	01	02	-	-	10	03	03	02	34	15	23	09
कुल	**62**	**40**	**25**	**08**	**06**	**06**	**01**	**-**	**49**	**10**	**16**	**06**	**143**	**63**	**93**	**40**

एम.एससी. (एजी.)

कोर्स	जनरल		सेड्यूल्ड कास्ट		सेड्यूल्ड ट्राइब		फिजिकली हैडींकैप्ड		ओबीसी छात्र		अल्पव्यस्क छात्र		नागरिक भारतीय		निवासी छात्र	
	एम	एफ	एम	एप	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
प्रथम वर्ष	18	07	05	04	02	02	-	-	10	03	02	01	35	16	21	09
द्वितीय वर्ष	16	09	05	03	03	-	-	-	09	01	01	04	33	13	16	04
कुल	**34**	**16**	**10**	**07**	**05**	**02**	**-**	**-**	**19**	**04**	**03**	**05**	**68**	**29**	**37**	**13**

कोर्स	जनरल		सेड्यूल्ड कास्ट		सेड्यूल्ड ट्राइब		फिजिकली हैडींकैप्ड		ओबीसी छात्र		अल्पव्यस्क छात्र		नागरिक भारतीय		निवासी छात्र	
	एम	एफ	एम	एप	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
स्वीकृत	16	11	04	04	02	02	-	-	14	02	02	02	36	18	24	12

एम.एससी (एजी.)

नवीन प्रवेश

कोर्स	जनरल		सेड्यूटड कास्ट		सेड्यूटड ट्राइब		फिजिकली हैडींकैप्ड		ओबीसी छात्र		अल्पव्यस्क छात्र		नागरिक भारतीय		निवासी छात्र	
	एम	एफ	एम	एप	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
स्वीकृत	18	07	05	04	02	02	-	-	10	03	02	01	35	16	21	09

डेस्कॉलर तथा निवासी छात्रों का विभाजन

	एम	एफ	टी
डेस्कॉलर	222	94	316
निवासी	130	51	181
कुल	**352**	**145**	**497**

विभिन्न कोर्सो में विषयों के आधार पर छात्रो का विघटन

राज्य	अंडर ग्रेजुएट			पोस्ट ग्रेजुएट			पीएच.डी		
	एम	एफ	टी	एम	एफ	टी	एम	एफ	टी
आन्ध्रप्रदेश	-	-	-	-	-	-	04	-	04
अरूणांचल प्रदेश	-	-	-	-	-	-	01	01	02
बिहार	03	03	06	3	3	6	8	03	11
छत्तीसगढ़	-	-	-	04	-	04	02	-	02
दिल्ली	-	01	01	-	-	-	-	-	-
गुजरात	-	-	-	-	-	-	01	-	01
झारखण्ड	-	-	-	-	01	01	01	01	02
केरल	01	01	01	-	-	-	02	-	02
महाराष्ट्र	1	-	-	-	-	-	06	-	06
मणिपुर	-	-	-	-	-	-	07	08	15
तमिलनाडु	-	-	-	01	-	01	-	01	01
मेघालय	-	-	-	-	01	01	-	05	05
ओड़िसा	-	01	04	06	08	14	27	10	37
राजस्थान	03	-	01	01	-	01	-	01	01
सिक्किम	01	-	-	-	01	01	02	02	04
त्रिपुरा	-	-	-	-	02	02	06	07	13
उत्तर प्रदेश	-	-	-	-	-	-	05	01	06
पश्चिम बंगाल	-	58	193	52	12	64	69	11	80
कर्नाटक	134	-	-	01	01	02	-	-	-

पाठ-भवन

(स्कूल सैक्शन)

अध्यक्ष (प्रिंसिपल) : श्रीमती बोधिरुपा सिन्हा

नामावली पुष्टता 31.03.2016

कोर्स	जनरल		सेड्यूल्ड कास्ट		सेड्यूल्ड ट्राइब		फिजिकली हैंडीकैप्ड		ओबीसी छात्र		निवासी छात्र	
	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
मेप-**I**	10	08	07	15	03	04	-	01	14	10	-	-
मेप-**II**	15	14	08	07	04	03	-	01	14	11	-	-
I	17	17	06	08	02	03	-	-	04	02	-	-
II	10	13	15	14	05	02	-	-	05	04	05	11
III	03	03	06	08	02	01	-	01	07	10	18	22
IV	26	20	10	07	02	03	01	-	03	01	12	10
V	12	27	08	15	03	01	-	-	03	03	13	17
VI	13	19	07	16	01	04	-	-	03	01	09	19
VII	26	29	09	10	01	06	-	01	07	02	17	22
VIII	17	26	09	13	03	05	-	-	01	03	09	12
IX	24	39	12	12	03	03	-	-	01	-	11	16
V	19	33	09	08	02	01	-	-	03	03	09	13
XI	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
XII	34	42	06	07	01	02	-	-	05	09	34	28
कुल	**226**	**290**	**112**	**140**	**32**	**38**	**1**	**4**	**75**	**58**	**137**	**170**

नवीन प्रवेश

कोर्स	जनरल		सेड्यूल्ड कास्ट		सेड्यूल्ड ट्राइब		फिजिकली हैंडीकैप्ड		ओबीसी छात्र		निवासी छात्र	
	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
Class-II	01	08	01	04	01	01	-	-	03	03	06	16
Class-III	-	04	02	04	01	-	-	-	04	04	05	13
Class-V	-	01										
Class-VI		01	-	-	-	-	-	-	-	-	-	01
Class-VII	-	01	-	-	-	-			-	-	-	01
Class-IX	-	03	-	04	-	-	-	-	11	-	-	19

विदेशी छात्रों का विभाजन

देश	एम	एफ	टी
कोरियन	1	-	1
बांगलादेश	01	07	08
स्पेन	**01**	**-**	**01**

राज्य के आधार पर छात्रों का विघटन

राज्य/देश	एम	एफ	टी
पश्चिम बंगाल	461	516	977
ओडिसा	-	01	01
मणिपुर	**-**	**01**	**01**
फौरन	**03**	**07**	**10**
कुल	464	**525**	**989**

डेस्कॉलर तथा निवासी छात्र

	एम	एफ	टी
डेस्कॉलर	327	355	682
निवासी	137	170	307
कुल	464	**525**	**989**

शिक्षा-सत्र

(इंस्टिट्यूट प्रामेरी, सेकेंड्री ऐंड हायर सेकेंड्री एड्केशन)

अध्यक्ष : (प्रिंसिपल) : डॉ. जयन्त कुमार भट्टाचार्य

नामावली पुष्टता 31.03.2016

कोर्स	जनरल		सेड्यूल्ड कास्ट		सेड्यूल्ड ट्राइब		फिजिकली हैंडीकैप्ड		ओबीसी छात्र		निवासी छात्र	
केजी-XII कक्षा 12वीं तक												
	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ	एम	एफ
केजी-XII	223	270	103	60	38	21	-	-	55	31	25	29

XI अवधि योजना के दौरान शुरु किये गए चल रहे योजनाओं की दशा और स्थूल उन्नति

क्रमांक सख्या	योजना का नाम	सम्पादन	दशा/लक्ष्य जनवरी 2016 तक
1	विद्याभवन कम्प्लेक्स का विस्तार और भाषा भवन का निर्माण	सीपीडब्लूडी	पूरा करके सुपुर्दगी
2	युग्मित विज्ञान कोर्स (शिक्षा भवन) के लिए मकान	सीपीडब्लूडी	पूरा करके सुपुर्दगी
3	ए) कला भवन और संगीत भवन के लिए मकान निर्माण	सीपीडब्लूडी	कार्य जारी है
	बी) संगीत भवन मंच की मरम्मत और सजावट	सीपीडब्लूडी	पूरा करके सुपुर्दगी
4	शिल्प सदन की फिर से बनावट	सीपीडब्लूडी	पूरा करके सुपुर्दगी
5	विद्यालय: ए) पठ भवन के नये निर्मित लड़कियों के हॉस्टल में बने एक तल्ले का विस्तारीकरण	सीपीडब्लूडी	पूरा करके सुपुर्दगी
	बी) पठ भवन की मरम्मत		पूरा
	सी) शिक्षा भवन की मरम्मत	अंग्रेजी विभाग	पूरा
	डी) शिक्षा शास्त्र के मकान का निर्माण	अंग्रेजी विभाग	पूरा
6	पी. सी. के सामाजिक कार्य और आर.ई.सी. के लिए मकान निर्माण	सीपीडब्लूडी	पूरा
7	स्पोर्ट्स कम्प्लेक्स का निर्माण और शिक्षाशास्त्र और शारीरिक शिक्षा के मकान का निर्माण	सीपीडब्लूडी	पूरा करके सुपुर्दगी
8	पीएसबी के लिए मकान का निर्माण	सीपीडब्लूडी	पूरा करके सुपुर्दगी
9	कमरो का निर्माण और मकानों का मरम्मत/नयापन: ए) रसायन		पूरा
	बी) रसायन विभाग में शीतल कमरें का निर्माण		पूरा
	सी) भौतिकी		पूरा
	डी) गणित		पूरा
	ई) प्राणीविज्ञान		पूरा
	एफ) वनस्पति विभाग		पूरा
	जी) पीआरओ		योजना छोड़ दिया गया
	एच) ईईएस		
	आई) मानव विज्ञान	इंजिनियरिंग विभाग	पूरा
	जे) श्रीनिकेतन अस्पताल		
	के) शिक्षाभवन मंच		
10.	रसायन विभाग का पुनरूद्धार (विजली भाग)	सीपीडब्लूडी	पूरा
11.	विद्याभवन विभाग का अ-भाषा विभाग: ए) दर्शनशास्त्र और धार्मिक विभाग का विस्तार	इंजि. विभाग	पूरा
	बी) दीमकमारक उपचार	सीपीडब्लूडी	पूरा
	सी) भाषाभवन और संग्राहलय के एआईएचसी और ए सामाजिक विज्ञान/अभाषा विभाग के मकान का निर्माण	सीपीडब्लूडी	पूरा

क्रमांक सख्या	योजना का नाम			सम्पादन	दशा/लक्ष्य जनवरी 2016 तक
12.	स्वास्थ्य	पी.एम.एच. में मेडिकल फैसिलिटी का अप-ग्रेडशन सम्मिलित		सीपीडब्लूडी	कार्य जारी है
13.	पुस्तकालय	ए	केन्द्रीय पुस्तकालय का पुनर्रूद्धार और दो शौचालयों का निर्माण	सीपीडब्लूडी	पूरा करके सुपुर्दगी
		बी	केन्द्रीय पुस्तकालय का विस्तारीकरण	सीपीडब्लूडी	पूरा करके सुपुर्दगी
		सी	शिक्षा भवन पुस्तकालय के लिए युग्मन विज्ञान कोर्स की सुविधाओं के लिए मकान के अन्य तल्ले का विस्तार	सीपीडब्लूडी	पूरा करके सुपुर्दगी
		डी	पुस्तकें और जर्नल	पुस्तकालय	किया गया
14	छात्रों के सुविधाओं के लिए	ए	नारी छात्रावास का निर्माण	सीपीडब्लूडी	पूरा
		बी	नई सुविधाओं के लिए विश्वभारती के पुराने मकानों का ध्वंश	इंजिनियरिंग विभाग	पूरा
		सी	नारी छात्रावास के पहले तल्ले के छत पर (375+50 सीटवाला) अतिरिक्त 15 कमरों का निर्माण (दूसरे और तीसरे तल्ले)	सीपीडब्लूडी	पूरा
		डी	लड़कों के छात्रावास (एससी) का निर्माण	सीपीडब्लूडी	पूरा
		ई	कैन्टिन और शौचालय	सीपीडब्लूडी	उपलब्ध नहीं
		एफ	साइकिल स्टैण्ड	इंजि. विभाग	पूरा
		जी	खेलकूद के प्रगति के लिए मौलिक सुविधाएँ	खेलकूद बोर्ड	पूरा
		एच	छात्रों के छात्रावास का मरम्मत -सीडी	इंजि. विभाग	पूरा
15	आईसीटी		कम्प्युटर केन्द्र और अन्य श्रीणी	कम्प्यूटर केन्द्र	उपलब्ध नहीं
16	नाट्यघर-सीडी	ए	नाट्यघर में बिजली व्यवस्था	सीपीडब्लूडी	पूरा करके सुपुर्दगी
		बी	नाट्यघर के पेज-IIका पुनरूद्धार (आन्तरिक कार्य)		
17	अतिथि गृह	अतिथि गृह का पुनरूद्धार कार्य		इंजि. विभाग	पूरा
18	X और XI वे योजना अवधि-सीडी के दौरान नये मकानों में बिजली सप्लाई वृद्धि के लिए एलटी कनेकशन के साथ फिडर लगाना			इंजि. विभाग/ सीपीडब्लूडी	पूरा
19	नये मकानों में पम्पहाउस-सीडी के लिए अतिरिक्त सबस्टेशन का निर्माण			इंजि. विभाग	पूरा
20	वॉन्ड्री दीवाल और वेरा-सीडी	कैम्पस के विभिन्न क्षेत्रों में बान्ड्री दिवालों का निर्माण		इंजिनियरिंग विभाग	पूरा
21	विभिन्न क्षेत्र के खराब हुए पानी-टंकियों को हटाकर मरम्मत			इंजि. विभाग	पूरा

क्रमांक सख्या	योजना का नाम			सम्पादन	दशा/लक्ष्य जनवरी 2016 तक
22	.. योजना जल वितरण स्कीम-सीडी	ए बी सी	X और XI वे योजना के अन्तर्गत नये मकानो में पानी टंकी का निर्माण नये मकानों के लिए ट्यूववेल के लिए खुदाई जल वितरण प्रणाली का रीवैम्पिंग (सी. आई. पाईप लगाना)-सीडी	पीएचईडी	कार्य जारी है
23	कैम्पास के अन्दर विकास	ए बी	सड़के सौन्दर्यीकरण/प्रवेशद्वार	सीपीडब्लूडी सीपीडब्लूडी	पूरा कार्य जारी है
24	क्वार्टरों का निमार्ण-सीडी नारी छात्रावास का निमार्ण-XI वें योजना			सीपीडब्लूडी	कार्य जारी है
25	शैक्षणिक मकानों के छतों का मरम्मत-सीडी प्रशासन मकान का विस्तार-सीडी			इंजिनियरिंग विभाग	पूरा
26	केन्द्रीय प्रशासन मकान के विस्तार में बिजली से सम्बन्धित कार्य (दक्षिण पूर्वी कोणा) शान्ति निकेतन (पहला तल्ला और दूसरा तल्ला)			इंजिनियरिंग विभाग	पूरा
27	जल निकासी निर्माण- सीडी			इंजि. विभाग	पूरा
28	दस वीं योजना का जल वितरण योजना पूरित			सीपीडब्लूडी और इंजि. विभाग	कार्य जारी है
29	जल और अन्य पूर्वावस्था में लाना-सीडी			एसटालिक	पूरा
30	साधन	ए बी	विभिन्न विभाग भाषा भवन का आईसीसीयू और भाषा लेबोरेटरी	विभागीय सीपीडब्लूडी	....
31		ए बी सी डी ई एफ जी एच आई	विभिन्न विभाग पठ भवन और अन्य XI योजना मकान आईसीसीयू और भाषा लैव भाषा भवन रवीन्द्र भवन कला भवन आईजीसीएनआई एआईएचसीआई आश्रम	विभागीय सीपीडब्लूडी सीपीडब्लूडी और शिल्पसदन सीपीडब्लूडी विभागीय	 उपलब्ध नहीं उपलब्ध नहीं उपलब्ध नहीं उपलब्ध नहीं उपलब्ध नहीं
32	विस्तारीकरण कार्य	विभिन्न विभागों में		विभागीय	पूर्ण

क्रमांक सख्या	योजना का नाम			सम्पादन	दशा/लक्ष्य जनवरी 2016 तक
33	विरासत आयटम के लिए अन्य	ए	आरबी केबी—संग्रहालय बृद्धि, पूर्वावस्था में लाना, संरक्षण इत्यादि	रवीन्द्रभवन	उपलब्ध नहीं
		बी	जमीन प्राप्ति	एस्टेट	कार्य जारी है
		सी	श्रीनिकेतन क्षेत्र का विकास	इंजि. विभाग	पूर्ण
		डी		सीपीडब्लूडी	पूर्ण
		ई	एएसआई (जमा आधारित पूर्वावस्था में लाने का कार्य)	एएसआई	पूर्ण
34	कर्मचारी एवं अन्य आवर्त खर्च	ए	कर्मचारी वेतन		उपलब्ध नहीं
		बी	विभिन्न विभाग	विभागीय	पूर्ण
		सी	हल्काफुल्का मरम्मत कार्य सम्पादन (सिविल, बिजली, जल वितरण, इन्स्ट्रूमेन्ट, कम्प्यूटर इत्यादि	इंजिनियरिंग विभाग	पूर्ण
		डी	कैम्पस विभिन्न छात्रावासों में शौचालय मरम्मत	सीपीडब्लूडी	पूर्ण
		ई	मरम्मत (सिविल और बिजली सम्मिलित) कार्य रतन कुठी में, अन्तर्राष्ट्रीय, पूर्वपल्ली और श्रीनिकेतन अतिथि गृह	टीएमआई	पूर्ण
		एफ	ग्रंथविभाग में मरम्मत कार्य (प्रकाशन विभाग) बिल्डिंग कोलकाता	सीपीडब्लूडी	जारी
		जी	33 पूर्वापल्ली में प्रों. ए. के. दासगुप्ता के निवास (निराला) का मरम्मत	इंजिनियरिंग विभाग	पूर्ण
		एच	शिक्षाभवन क्षेत्र में मरम्मत कार्य	इंजि. विभाग	पूर्ण
		आई	सभा (ओबीसी पद और अन्य का नियुक्ति)	सभा विभाग	उपलब्ध लहीं
		जे	राष्ट्रीय ज्ञाननेटवर्क और सार्वभौमिक कैम्पस लान की स्थापना	कम्प्यूटर केन्द्र	पूर्ण
		के	नाट्यघर का मरम्मत (सामने और पीछे के खाली जगह में पार्कि की सुविधा के लिए घेरा बनाना, वागवाणी)	इंजिनियरिंग विभाग	पूर्ण
		एल	केन्द्रीय कार्यालय के चारों ओर हल्काफुल्का मरम्मत	इंजि. विभाग	पूर्ण
		एम	नाट्यघर का मरम्मत (आन्तरिक छत, दीवाल प्लास्टर)	सीपीडब्लूडी	पूरा करके सुपुर्दगी
		एन	कैम्पास के विभिन्न मकानों का मरम्मत (छात्रावासों का शौचालय)	सीपीडब्लूडी	पूर्ण
		ओ	इतिहास विभाग के साथ पद्मा भवन का मरम्मत	टीएमआई	पूर्ण

क्रमांक सख्या	योजना का नाम			सम्पादन	दशा/लक्ष्य जनवरी 2016 तक पूरा
35	योजना अनु-दान के अन्तर्गत	ए	कैम्पस के सौन्दर्यीकरण के लिए अधिक साफ और हरियाली (प्रवेशद्वार, सड़क, शौचालय मरम्मत)	सीपीडब्लूडी	कार्य जारी है
	अतिरिक्त	बी	विश्व भारती के प्रशासन विल्डिंग को फिरसे सजाना	सीपीडब्लूडी	कार्य जारी है
	अनुदान	सी	कैम्पस के विभिन्न मकानों का मरम्मत (छात्रावास के शौचालय मरम्मत)	सीपीडब्लूडी	कार्य जारी है
		डी	उपाचार्य के निवास का	इंजि. विभाग	पूर्ण
		ई	वाईस चान्सलर के कार्यालय विल्डिंग का मरम्मत	टीएमआई	पूर्ण
		एफ	कैम्पस में जमीन के अन्दर विजली तार विछाना	डब्लूबीएसईडीसीएल	पूर्ण
36	संचित रूचि (11वें योजना	ए	कार्यालय स्वचालित के लिए आईसीटी का अतिरिक्त फण्ड		उपलब्ध नहीं
	सीडी शुरु से 31-03-2011	बी	एससी छात्रावास (लड़को के लिए) के लिए अतिरिक्त खण्ड		पूर्ण
	तक	सी	नारी छात्रावास निर्माण के लिए अतिरिक्त फण्ड		कार्य जारी है
		डी	चल रहे है और आने वाले योजनाओं के लिए अतिरिक्त फण्ड		पूर्ण
37	संचित रूचि	ए	विनय भवन मैदान को बराबर करना	सीपीडब्लूडी	पूर्ण
	(ओबीसी और 11वें योजना	बी	विश्वविद्यालय के विभिन्न कैम्पस में शौचालय निर्माण	सीपीडब्लूडी	पूर्ण
	सीडी, XI योजना एम.	सी	नए वने सीमान्त दिवालों के सौन्दर्यीकरण का काम और पौधारोपण	टीएमआई	छोड़ दिया गया
	एस.) शुरु से 31-12.2011 तक	डी	सुरक्षा के हित में बगीचों और बाहरी क्षेत्रों में बिजली का प्रवन्ध	डब्लूबीएस-ईडीसीएल	उपलब्ध नहीं

परियोजनाएँ/योजनाएँ XII योजना के अन्तर्गत विश्वविद्यालय द्वारा सम्पादित

सामान्य विकास सहायता (शुरु से 31-03-2016 तक)

क्रमांक	परियोजनाओं/योजनाओं के नाम
ए	**पूँजी परिसम्पत्ति का अनुदान (आवर्त विहीन)**
I	**निर्माण, विस्तारीकरण इत्यादि—**
1.	शिक्षाभवन, शान्तिनिकेतन के कम्प्यूटर और प्रणाली विज्ञान विभाग प्रेमिसेस के अन्दर बालु-सीमेन्ट से बने दो छाताओं का निर्माण
2.	शान्तिनिकेतन के दर्शनशास्त्र और प्रतियोगितामूलक धर्म के विभाग के प्रेमिसेस में शेड और शौचालय निर्माण
3.	शिक्षा भवन, शान्तिनिकेतन के भौतिकी विभाग के लिए बिजली घर का निर्माण
4.	शान्तिनिकेतन में उत्तरायण कम्प्लेक्स के संलग्न मीटर रूम का निर्माण
5.	विश्वभारती, शान्तिनिकेतन में स्वीमिंगपुल का निर्माण
6.	पठ-भवन आश्रम ग्राउण्ड शान्तिनिकेतन के हातिपुकुर के निकट स्नानघर और शौचालय का निमाण
7.	भर्ती समन्वयक सेल और शैक्षणिक और अनुसंधान सेक्शन, शान्तिनिकेतन के पहले तल्ले पर कमरे का निर्माण
II	**मरम्मत और पुनर्रूद्धारीकरण इत्यादि—**
1.	जमा आधारति एएसआई द्वारा सम्पादित ''श्यामली'' का आवश्यक मरम्मत और पुनर्रूद्धार
2.	25 रतनपल्ली, शान्तिनिकेतन के ए-श्रेणी के क्वार्टरों का मरम्मत और पुनर्रूद्धार
3.	शान्तिनिकेतन के प्रशासन भवन के पहले तल्ले पर परीक्षा-सेक्सन का पुनर्रूद्धार
4.	सेवा पल्ली, शान्तिनिकेतन के क्वार्टर संख्या 8 का मरम्मत और पुनर्रूद्धार
5.	शान्तिनिकेतन के एन्ड्रिवपल्ली में क्वार्टर संख्या 18, 19, 25 और 26 जिसमें जैव-प्रौद्योगिक कक्षाएँ चलायी जाती हैं, का मरम्मत
6.	शान्ति निकेतन के फटक का मरम्मत, पुनर्रुद्धार
7.	विनय भवन, शान्तिनिकेतन के नारी छात्रावास का मरम्मत और पुनर्रूद्धार
8.	सीआईटी लड़कों का छात्रावासा (बणाबिथि, दूरेर बालाका, खेलाघर, सोनार तरी, स्नानागार के साथ रसोई घर) का मरम्मत
9.	शान्तिनिकेतन में कला-भवन के लड़कों के छात्रावास में शौचालय का मरम्मत और पुनर्रूद्धारीकरण
10.	शान्तिनिकेतन के लिपिका ऑडिटोरियम का मरम्मत और पुनर्रूद्धारीकरण
11.	शान्तिनिकेतन के मृनालीणि गर्ल्स छात्रावास के छत का मरम्मत

क्रमांक	परियोजनाओं/योजनाओं के नाम
12.	शान्तिनिकेतन के विरला गर्ल्स हॉस्टल के छत का मरम्मत
13.	शान्तिनिकेतन के श्रीपाली के क्वार्टर संख्या 9 का मरम्मत और पुनर्रूद्धारीकरण
14.	सीआईटी गर्ल्स हॉस्टल, पीएसभी, शान्तिनिकेतन का मरम्मत और पुनर्रूद्धारीकरण
15.	कला-भवन, शान्तिनिकेतन के विभिन्न शौचालयों का मरम्मत और पुनर्रूद्धारीकरण
16.	एन्ड्रिव मेमोरियल अस्पताल, शान्तिनिकेतन का पुनर्रूद्धार
17.	पर्यावरण अध्ययन विभाग में अतिरिक्त बिजली भार कम करने के लिए नये बिजली तार लगाना
18.	कर्मीसभा कार्यालय, शान्तिनिकेतन मे बिजली सम्बन्धित कार्य की साथ छत की मरम्मत और फर्श पर टाईल्स् लगाने का कार्य
19.	कुठीबारी भवन, शान्तिनिकेतन में बिजली तार लगाने का कार्य
20.	क्वार्टर संख्या 4, पुर्वाली, शान्तिनिकेतन में पुनरुद्धार के अन्तर्गत नये बिजलीतार लगाने का कार्य
21.	पी. एम. अस्पताल, शान्तिनिकेतन (फेज-1) में पुनर्रूद्धार कार्य
22.	पंचवटी गेस्ट हाउस शान्तिनिकेतन का पुनर्रूद्धार
23.	यूनिट 3 के पंचवटी गेस्टहाउस के पुनर्रूद्धार कार्य के माध्यम से बिजली तार लगाने का कार्य
24.	(i) पीयरसन मेमोरियल अस्पताल, शान्तिनिकेतन (फेज-II) का पुनर्रूद्धार कार्य (ii) पीयरसन मेमोरियल अस्पताल, शान्तिनिकेतन के इन्डोर यूनिट और ओपीडी (डॉक्टरों के चेम्बर में) एयर कन्डिशन लगाने के लिए नये विजली तार लगाने का कार्य
25.	क्वार्टर संख्या 24, रतनपल्ली, शान्तिनिकेतन में बढ़ाने और पुनर्रूद्धार कार्य
26.	चातक, शान्तिनिकेतन में विजली भार बढ़ाने के साथ नये बिजली तार लगाने का कार्य
27.	इन्दिरा गान्धी केन्द्र, शान्तिनिकेतन के एक इकाई फ्लैट (प्रो. गौतम सेन गुप्ता के लिए एलॉरेड) में मरम्मत कार्य
28.	विश्वभारती, शान्तिनिकेतन के कैंटिन में मरम्मत, पुनर्रूद्धार एवं पूर्वावस्था में लाने के लिए कार्य
29.	रवीन्द्र संगीत गन्वेषण केन्द्र (पुराना एम. सेन भवन), शान्तिनिकेतल का पुनर्रूद्धार कार्य
30.	विद्याभवन बॉएज हॉस्टेल, शान्तिनिकेतन के विभिन्न हॉस्टलों के प्रेवशद्वार को ऊँचा करने, एवं रसोई के सामने, कॉमन रूम का पुनर्रूद्धार कार्य
31.	(i) पी. एम. अस्पताल, शान्तिनिकेतन नारी अध्ययन केन्द्र के पहले तल्ले पर स्थित हॉल में पार्टिशन लगाने का कार्य (ii) पी. एम. अस्पताल के पहले तल्ले पर बिजली सम्बंधित कार्य

क्रमांक	परियोजनाओं/योजनाओं के नाम
32.	कम्प्यूटर और शैली विज्ञान विभाग के पहले तल्ले पर छत मरम्मत एवं बिजली सम्बंधित कार्य
33.	इन्दिरा गान्धी केन्द्र, क्वार्टर संख्या 3 (पहले तल्ले) पर बिजली सम्बन्धित कार्य
34.	विश्वविद्यालय के कैम्पस से संलग्न एनएएसी से विश्वभारती की जाने के निकासी द्वारा की ऊचाई बढ़ाने के साथ आवश्यक मरम्मत कार्य सम्पादन
35.	रतनपल्ली के क्वार्टर संख्या 15, शान्तिनिकेतन का मरम्मत
36.	पीएसबी क्षेत्र के क्वार्टर संख्या 1 के छत मरम्मत और पुनर्रूद्धार कार्य के द्वारा क्वार्टर को बढ़िया करने का कार्य
37.	इन्डेन्जर लेंगुएजेज केन्द्र, शान्तिनिकेतन को भवन सुपुर्द के लिए पुनर्रूद्धार कार्य
38.	विश्वविद्यालय के कर्मचारी क्वार्टरों (छत मरम्मत, बिजली सम्बन्धी कार्य, अन्य आवश्यक कार्य) में आवश्यक मरम्मत और पुनर्रूद्धार कार्य
39.	ए–श्रीणी के क्वार्टर संख्या 25, रतनपल्ली, शान्तिनिकेतन (फेज -I) में मरम्मत और पुनर्रूद्धार कार्य
40.	श्रीनिकेतन गर्ल्स् हॉस्टल के रसोईघर के आवश्यक मरम्मत और पुनर्रूद्धार कार्य
41.	सामान्य रसोईघर (पश्चिम दशा), आश्रम क्षेत्र, शान्तिनिकेतन में मरममत और पुनर्रूद्धार कार्य
42.	रवीन्द्र संगीत गवेषण केन्द्र, शान्तिनिकेतन में अतिरिक्त कार्य
43.	उपाचार्य कार्यालय (पहले तल्ले), शान्तिनिकेतन में पुनर्रूद्धार एवं पूर्वावस्था में लाने का कार्य
44.	उपाचार्य कार्यालय जो कि एएओ के कमरे से लगेहुए, में स्नानागार, शौचालय का पूर्वावस्था में लाने और पुनर्रूद्धार कार्य
45.	निर्देशक के निवास (रवीन्द्र भवन) पूर्वापल्ली, शान्तिनिकेतन का पूर्वावस्था में लाने एवं पुनर्रूद्धार कार्य
46.	केन्द्रीय प्रशानस भवन (पहले तल्ले), शान्तिनिकेतन के सम्मेलन हॉल में पुनर्रूद्धार कार्य (बिजली सम्बन्धित कार्य भी सम्मिलित)
47.	डीएसडब्लू, विश्वभारती के कार्यालय (स्नानागार और शौचालय के लिए विस्तारीकरण)/यह शारीरिक शिक्षा के निर्देशक के लिए है।
48.	नन्दन वॉएज हॉस्टल, शान्तिनिकेतन के रसोई घर, डाइनिंग व्लॉक 3, साइकिल शेड, कॉमन रूम में पुनर्रूद्धार कार्य
49.	नन्दन वॉएज हॉस्टेल, शान्तिनिकेतन के (ग्राउण्ड फ्लोर, और दूसरे तल्ले) के कॉमन रूम, रसोईघर और डाइनिंग हॉल का पुनर्रूद्धार कार्य

क्रमांक	परियोजनाओं/योजनाओं के नाम
50.	प्रॉक्टर कायार्लय का पुनर्रूद्धार कार्य और साइकिल शेड का निर्माण
III	**कैम्पस का विकास कार्य (सीमान्त दीवाल, घेरा और सड़क आदि)**
1.	लालबंध के स्कल्पचर पार्क, शान्तिनिकेतन का विकास
2.	विश्वभारती कैम्पस के हॉस्टलों, अस्पतालों एवं कार्यालयों में जल संकट पर काबू पाने का कार्य
3.	शान्तिनिकेतन, श्रीनिकेतन क्षेत्र में स्थित हॉस्टेल में सफाई कार्य और मेला ग्राउण्ड, शान्तिनिकेतन का सौन्दर्यीकरण कार्य
4.	शान्तिनिकेतन और श्रीनिकेतन क्षेत्र (हॉस्टल और मेला मैदान, शान्तिनिकेतन का सौन्दर्यीकरण सम्मिलित) का देखभाल, सफाई और अवलम्बन कार्य
5.	विश्वविद्यालय के खेलकूद के प्रगाति के लिए भौतिक सुविधाओं/क्रिया कलापों का विकास कार्य
6.	विश्वविद्यालय द्वारा प्लॉट संख्या 25, पूर्वापल्ली, शान्तिनिकेतन का लीज पाया गया
7.	कैम्पस के अन्दर स्थिति विभिन्न जल-प्रणाली व्यवस्था का उद्धारीकरण एवं विकास
8.	विकासमूलक उद्देश्य/कार्य सम्पादन (सीमान्त दिवाल, सड़क इत्यादि) कालियागंज और पीयरसन क्षेत्र, शान्तिनिकेतन
9.	विश्वभारती के आश्रम क्षेत्र के निकट के निजी जमीन एवं मकानों की खरीद
10.	श्रीमती सुप्ति रॉय रथीन्द्रपल्ली, श्रीनिकेतन के द्वारा जमीन एवं मकानों (दान किये गए) का रजिस्ट्रेशन
11.	विश्वभारती कैम्पस में घेरे के सड़कों के निर्माण के लिए जमीन खरीद
12.	कालियागंज क्षेत्र, पीयरसन पल्ली, शान्तिनिकेतन में जल प्रणाली के विकासमूलक कार्य सम्पन्न
13.	प्लॉट संख्या 13, पूर्वापल्ली, शान्तिनिकेतन मकान और ढाँचा प्रो. कल्पाती गनपति सुब्रमयन से खरीदी गई
14.	इन्दिरा गांधी केन्द्र, विश्वभारती में सीमान्त दिवाल, घेरा, प्रवेशद्वार और आरसीसी प्रमुख छत पूर्वावस्था में लाने का कार्य
15.	गुरूपल्ली, आश्रम क्षेत्र, शान्तिनिकेतन की सुरक्षा के लिए सीमान्त दिवालों, घेरे, का निर्माण
16.	कालियागंज, शान्तिनिकेतन में कच्ची सड़कों का निर्माण
17.	विश्वभारती कैम्पस के मौलडांगा में नये वृक्षरोपित पौधों के निए 100 गेविअन का निर्माण
18.	लालवाँध, श्यामली और एसएआईएल गेस्टहाउस, शान्तिनिकेतन के विभिन्न जगहों पर घेरा, विकेट गेट और प्रवेशद्वार उपलब्ध कार्य
19.	मोल्लाह सदन हॉस्टल, शान्तिनिकेतन के उत्तर पश्चिम छोर में सीमान्त दिवाल, घेरे का निर्माण
20.	जल-वितरण (आवर्त्त विहीन भाग)

क्रमांक	परियोजनाओं/योजनाओं के नाम
21.	सीमान्त दिवाल/घेरे का निर्माण (i)प्रवेशद्वार से पौष मेला मैदान, निशा होटल के विपरीत पीडब्लूडी (निर्माण) लगभग 400 मीटर लम्बी सड़क (ii) और निशा होटल से भोवोदा की दुकान (पीडब्लूडी सड़क के पश्चिमी साईड) (लगभग 250 मीटर लम्बी सड़क), शान्तिनिकेतन
22.	क्षेत्र के गुजरने वाले लोगों से सुरक्षा के मद्दे नजर पीडब्लूडी सड़क के किनारे मलंचा से शिक्षाभवन तक घेरा, संयुक्त निकासी व्यवस्था, कल्वर्ट और प्रवेश द्वार की व्यवस्था
23.	शान्तिनिकेतन में आईजीसीएनआई के निकट पूर्वापल्ली क्षेत्र में सीमान्त दिवालों गैप को बन्द करने एवं लोहा के प्रवेशद्वार की व्यवस्था
24.	विश्वभारती के विभिन्न हॉस्टलों/कार्यालयों के पी.भी.सी. टैंकों का आपातकालीन स्थानान्तर।
25.	विभिन्न हॉस्टल, क्वार्टर एवं प्रयोगशालाओं के पुराने सेन्ट्रिफगल पम्प को हटाया जाना
26.	मैटर गर्ल्स हॉस्टल, शान्तिनिकेतन में 10,000 ली. क्षमता वाले अण्डर ग्राउण्ड टैंक बनाना जिसे नये पम्प द्वारा जोड़ना
28.	दक्षिणपल्ली एलएसएस और विनय भवन एलएसएस क्वार्टरों शान्तिनिकेतन में वितरण प्रणाली ठीक करने के लिए नष्ट हुए पाइपों को हटाना
29.	(i) रवीन्द्र संगीत गन्वेषण केन्द्र (पुराने बी. एम. सेन भवन) और गुरुपल्ली, शान्तिनिकेतन के एन्डेन्जर भाषा केन्द्र में डब्लूबीएसईडीसीएल द्वारा फीडर के लिए कनेक्शन करना (ii) रवीन्द्र गन्वेषण केन्द्र (पुराने बी. एम. सेन भवन), गुरुपल्ली, शान्तिनिकेतन में बिजली तार लगाना
30.	विनय भवन, शान्तिनिकेतन के परिसंबाद हॉल में डब्लूबीएसईडीसीएल द्वारा बिजली भार अतिश्योक्ति के लिए
31.	बाना नन्दन, कला भवन, शान्तिनिकेतन में डब्लूबीएसईडीसीएल द्वारा बिजली भार अतिश्योक्ति के साथ फीडर के साथ नया कनेक्शन
32.	कालीसायर के निकट बराबन्ध शान्तिनिकेतन में सीमान्त दिवाल निर्माण
33.	उत्तरायन कम्प्लेक्स, शान्तिनिकेतन में बिजली शक्ति विस्तारीकरण के लिए नया स्थापित ट्रान्सफार्मर, मीटर रूम, नाट्य घर के बिजली पैलन रूम, विचित्र भवन, तक अण्डरग्राउण्ड केबल तार बिछाना
34.	शान्तिनिकेतन के पूर्वापल्ली गेस्ट हाउस के सामने घेरे का निर्माण
35.	श्रीनिकेतन-शान्तिनिकेतन जंगल के कोने से नहर तक (लगभग 300 मीटर) साइकिल आने-जाने के लिए घेरे का निर्माण
36.	प्रशानसन भवन, शान्तिनिकेतन के सामने गटर और, क्रॉस ड्रेनेज के साथ आरसीसी सड़क का निर्माण
37.	सिविल पुनरूद्धार कार्य के बाद सामान्य रसोईघर, शान्तिनिकेतन में बिजली वायरिंग कार्य

क्रमांक	परियोजनाओं/योजनाओं के नाम
38.	केन्द्रीय पुस्तकालय, विश्वभारती में डब्लूबीएसईडीसीएल में संचित तथा बिजली कनेक्शन
39.	दिजोबिराम और डीएसडब्लू कार्यालय, शान्तिनिकेतन के निकट ईट का घेरा निर्माण
40.	रतन कुठी गेस्ट हाउस, शान्तिनिकेतन में प्राकृतिक भू-भाग और बागबानी
41.	पूर्वीता भवन (उपाचार्य के कार्यालय निवास), शान्तिनिकेतन में सीमांत दिवाल पूर्वावस्था में लाने का कार्य
42.	डब्लूबीएसईडीसीएल द्वारा बिजली सुधारीकरण के लिए अतिरिक्त राशि (i) चीना भवन मेन ब्लॉक में (ii) कादम्बरी गर्ल्स् हॉस्टेल, शान्तिनिकेतन में
43.	सामान्य रसोई घर भवन और अध्यापक सभा कार्यालय में डब्लूबीएसईडीसीएल द्वारा बिजली भार कम करने के लिए (सुरक्षा संचय सम्मिलित)
44.	दीनेन्द्र कुन्ज, शान्तिनिकेतन में प्रेवशद्वार और पिलर के साथ, कक्षा बेदी और नृत्य बेदी निर्माण
45.	विभिन्न कैम्पस के विभिन्न जगहों पर सुरक्षा मापदण्डो के लिए गतिरोधक स्थापित करना

विश्वविद्यालय आर्थिक व्यवस्था

पाँच वर्षों का तुलनात्मक खर्च वर्णन (योजना-विहीन)

हिसाव का विषय	**वास्तविक 2011-2012 ₹ लाख में**	**वास्तविक 2012-13 ₹ लाख में**	**वास्तविक 2013-14 ₹ लाख में**	**वास्तविक 2014-15 ₹ लाख में**	**वास्तविक 2015-16 ₹ लाख में**
प्राप्ति :					
यूजीसी अनुदान	11724.62	14127.50	16605.33	18913.55	21706.99
स्वयं उपार्जित	682.24	618.12	801.55	823.52	873.41
कुल :	**12406.86**	**14745.62**	**17406.88**	**19737.07**	**22634.40**
भुगतान/भत्ता	8602.36	9511.17	11259.72	12446.99	13248.76
पेंशन और सेवानिवृत्त सुविधा	3193.90	3804.08	5209.36	5590**.47**	6303.98
अ-वेतनीय खर्च	941.29	1531.67	1383.87	1678.89	1953.26
कुल	**12737.55**	**14846.92**	**17852.95**	**19716.35**	**21506.00**

योजनाविहीन संचय (फण्ड) (वित्त सम्बन्धी) वर्ष 2015-2016 के दौरान यूजीसी से प्राप्त अनुरक्षण अनुदान

विशिष्ट विवरण	**राशि ₹ लाख में**
1. पहला किस्त	2653.45
2. दूसरा किस्त	3177.91
3. तीसरा किस्त	6227.17
4. चौथा किस्त	4094.53
5. अंतिम किस्त	5607.93
कुल :	21760.99

दस वर्षों का वित्तीय प्रदर्शन एक नजर में (योजना-विहीन)

	2006-07	**2007-08**	**2008-09**	**2009-10**	**2010-11**	**2011-12**	**2012-13**	**2013-14**	**2014-15**	**2015-16**
आरंभिक	-344.45	-229.37	-59.66	-482.18	-275.28	892.92	562.43	245.37	-200.70	20.72
स्थिरता										
यूजीसी से अनुदान	5657.71	6207.82	8759.82	12794.68	12827.07	11724.62	14127.50	16605.33	19114.25	21760.99
स्वयं उपाजिति	146.48	230.05	157.26	196.74	406.00	682.24	618.12	80135	823.52	852.69
ग्रॉस इनफ्लो	5804.19	6437.87	8917.08	12991.42	13233.07	13299.78		17406.88	19737.07	22634.40
संचय उपलब्धि	5459.74	6308.50	8857.42	12509.24	12957.79	13299.78	15308.05	17652.35	19737.07	22634.40
वास्तविक खर्च	5739.22	5689.11	6268.16	8998.25	12784.52	12064.87	12737.55	14846.92	17852.95	21506.00
अन्तिम स्थिरता	**-344.45**	**-229.37**	**-59.66**	**-140.83**	**-275.28**	**892.92**	**562.23**	**461.13**	**(-)200.70**	**+1128.40**

अध्याय – 7

विधि और संसोधन/शैक्षणिक संशोधन

1. बी. एड. कोर्स मे लिए गए क्षमता का अतिश्योक्तिकरण और संथाली में बी. एड. का प्रस्तावना।
2. विश्वभारती में अक्षमता अध्ययन विभाग की स्थापना हो रही है जो कि शैक्षणिक परिषद द्वारा 20-02-2016 का अनुमोदित हुआ है।
3. शैक्षणिक परिषद ने प्रोफेसर डॉ. जसपाल एस. सन्धु (सचिव) के प्रस्ताव का स्वागत किया है जिसमें यूजीसी से सम्बन्धित विश्वविद्यालय के अनुज्ञा (फैकल्टी) और कॉलेज के कौशल आधारित वोकेशनल कोर्स का गाईडलाइन है।
4. विश्वभारती ने जम्मू कश्मीर के बहु संख्यक छात्रों के लिए 2 सीट बढ़ाने के प्रस्ताव को प्रभावकारी किया है।
5. फोरम तैयार करने एवं सौ वर्ष पुराने शान्तिनिकेतन–जापान के सम्बन्ध कायम रखने के लिए संवारने और शिक्षक के लिए शैक्षणिक परिषद द्वारा 20-02-2016 को अनुमोदन किया।
6. शैक्षणिक परिषद ने संयुक्त प्रोफेसर और प्रोफेसर (सम्बन्धित समीति द्वारा प्रस्तावित) के एप्लिकेशन फॉर्म को स्वीकार किया और अनुमोदित किया।
7. शैक्षणिक परिषद द्वारा 20-02-2016 को विश्वविद्यालय में पत्र ग्रेड परीक्षाओं के नियम में संशोधन किया।
8. बागवानी से कृषि तक के विषयों विद्यालय सर्टिफिकेट कोर विषयों का नामकरण बदलने का अनुमोदन दिया गया है।
9. विश्वविद्यालय के एम. फिल. विद्यार्थियों जो एम. फिल कार्यक्रम जारी रखे है, उनकों युग्मन एम. फिल. पी. एच. डी. के रूप में रजिस्टर कराने का सुअवसर मिला है।
10. शैक्षणिक परिषद ने (i) एसराज, संगीत–भवन और (ii) एम. एड. कोर्स, विनय भवन के फीस स्ट्रक्चर में अनुमोदित किया है।
11. एम. ए. द्वितीय वर्ष में वेदा प्रयोजक का विशिष्टीकरण (तीसरा और चौथा सेमेस्टर) संस्कृत, पाली और प्राकृत विभाग में शैक्षणिक परिषद ने 20-02-2016 को 2015-2016 सत्र से अनुमोदित किया।
12. शैक्षणिक परिषद द्वारा 20-02-2016 को (ए) हॉस्टल भाड़ा प्रतिमाह (बी) हॉस्टल सीट भाड़ा के लिए अवधान राशि का न लेना (सी) रसोई फीस का अग्रगामी राशि के सम्बन्धि ऑफिस ऑडी (नम्बर इस्टेब/डीआर/0.0/96 डेटेड 20-07-2015).
13. बी. ए. (ऑनर्स) इतिहास और प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति, पुरातत्व सम्बन्धी दोनो में अतिरिक्त (I से IV सेमेस्टर के अन्तर्गत (ए.आई.एच.सी ऐण्ड ए) सिलेबस को संसोधित कर शैक्षणिक सत्र 2016 से चलाना गया है।

14. (1) तुलनात्मक साहित्य और भारतीय समुदाय के साथ संस्कृति (आसामी, तमिल, संथाली और मराठी) और यूरोपियन भाषाओं के विभाग की स्थापना (2) संकृति अध्ययन में पी. एच. डी. / एम. फिल कार्यक्रम चलाना

15. (i) 2015-16 शैक्षणिक सत्र से एम. एस. सी. (ए.जी) उत्पत्ति और पौधा वृद्धि का शुरुआत।

16. (ii) बागवानी पद्धति में फूलों से सम्बन्धित और लैण्डस्केप आर्किटेक्चर, मेजर विषय के रूप में संयुक्त

    (iii) एम. एस. सी. (ए.जी) में क्लॉज संख्या 19 का रूपान्तरण सुधार नियम 'प्रत्येक छात्र द्वारा दोनो मेगा और माइनर विस्तृत परीक्षाओं में शामिल होना'' 2015-16 शैक्षणिक सत्र में प्रभावकारी।

    (iv) नौ नये विभाग संचालित करना— (1) ग्रामीण व्यवस्था (2) मिट्टी विज्ञान और कृषि रसायन (3) कृषि इन्जिनियरिंग (4) जन्तु विज्ञान (5) उत्पादन, वृद्धि फसल फिजियोलोजी (6) कृषि अर्थशास्त्र और कृषि सांख्यिकी (9) पौधा संरक्षण।

    (v) पाली शिक्षा भवन में बीज परीक्षण प्रयोगशाला खुलना।

17. डॉ. जसपाल एस. सन्धु, सचिव, यूजीसी (वाइड डी.ओ. नम्बर एफ. 10-6/2011 (पीएस) मिस्क डेटेड 6 जुलाई 2015) के कथनानुसार यूजीसी का अपराध (निम्न कोटि और एम. फील/पी. एच. डी. डिग्री के लिए अवार्ड का रीति) निरीक्षकों के सेवा 2009 रेगुलेशन अनुमोदित हुआ है।

18. सीनियर अनुसंधान फेलो (एसआरएफ) के लिए संशोधित वेतन, जुनिअर अनुसंधान फेलो (जेआरएफ) और अनुसंधान संयुक्त (आरएएस), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अन्तर्गत (आईसीएआर) (वाइड लेटर एफ. एन. ईडीएन/6/27/2004 एचआरडी डेटेड फर्स्ट जुलाई, 2015)।

19. यूजीसी सूचन नम्बर एफ. 21-1/2015 (एसए-III/परिटी) के आधार पर कार्यालय आदेश, संसोधित राशि फेलोशीप/विद्वता, 18 फेलोशीप के लिए डब्लू.ई.एफ 01-12-2014 अनुमोदित हुआ है।

20. आसामी विभाग के अनुसंधान विद्वता के लिए पी. एच. डी. कोर्स कार्य सिलेबस का परीक्षा की सुविधा।

21. रवीन्द्र संगीत, नृत्य और नाट्य और हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत (वोकल और वाद्ययन्त्र) विभाग के एम. फिल सिलेबस और परीक्षा।

22. दो एमओयूएस (i) विश्वभारती और एनआईआईटी दुर्गापुर के वीच और (ii) डियोमेल भाषा-भवन, विश्वभारती और कला के फैकल्टी, युनिवर्सिटी ऑफ सेज्ड, हंग्री अनुमोदित हुआ है।

23. शिक्षा-भवन विभाग के निम्न विधि और ड्राफ्ट सिलेबस/संशोधित सिलेबस अनुमोदित हुआ है—

    (i) सांख्यिकी में एम. एस. सी., बी. एससी. (ऑनर्स) और बी. ए./बी. एससी. (अलाइड) का विधि और संसोधित विस्तार सिलेबस।

    (ii) पाँच वर्षीय युग्मन एम. एससी. कोर्स का विधि और संशोधित सिलेबस विस्तार।

    (iii) भौतिकी (ऑनर्स) कोर्स के बी. एससी. के पाँचवे सेमेस्टर में एक ऐच्छिक पेपर का सिलेबस और

    (iv) कम्प्यूटर और शैली विज्ञान में पीएच. डी. कोर्स कार्य में एक विशेष पेपर का सिलेबस।

24. (i) (इतिहास विभाग का एम. ए. कोर्स) का नया और संशोधित सिलेबस।

(ii) भूगोल विभाग के एम. ए. में (टूरिज्म जियोग्राफी) का विशेष पेपर चलाना।

(iii) युग्मन एम. फिल और पीएच. डी कार्यक्रम (लिंग और विकास) नारी शिक्षा अध्ययन केन्द्र के लिए सिलेबस।

25. (i) शैक्षणिक सत्र 2016 से शिल्प-सदन विभाग के अन्तर्गत पीएच. डी. कार्यक्रम का संचालन।

(ii) शिल्प सदन के अन्तर्गत बी. डेस. कोर्स (अन्तहोरहे) का पुनर्गठन।

(iii) शिल्प सदन के लिए दक्ष और विशेषज्ञों का अनुमोदित तालिका।

(iv) टेक्सटाईल ऐण्ड क्लोथिंग का नाम परिवर्तित कर देक्सटाइल।

(v) (ए) टेक्सटाइल (बी) कुम्हारी विद्या और काँच और (सी) फर्नीचर और आन्तरिक, को 2016-2017 सत्र में शिल्प सदन के अन्तर्गत जिजाईन कोर्स का मास्टर संचालित।

(vi) 2016 से बीएसडब्लू (ऑनर्स) का संशोधित अध्ययन सूची।

(vii) यू.एस और स्वीटजरलैण्ड विश्वविद्यालय के सहयोग से शैक्षणिक कार्यक्रम का आदान-प्रदान (एमओयू के लिए आवश्यक स्टेप)

(viii) बीआरएस और एमआरएस कोर्स के सिलेबस का तकनीकी एस्पेक्ट।

26. दो वर्षीय नये एम. एड. का अध्ययन सूची का नये एनसीटीई में अवलम्वन।

27. अन्डर ग्रेजुएट लेवेल में अंग्रेजी के साथ-साथ हिन्दी माध्यम का कन्स्ट्रक्शन [लेटर नम्बर 16-1/2008 (राज भवन) डेट 28-01-2016], डॉ. श्रीमती पंकज मित्तल (अतिरिक्त सचिव एमएचआरडी नई दिल्ली 110002)।

28. (ए) प्री-डिग्री कोर्स और (बी) विद्यालय सार्टिफिकेट कोर्स के प्रतिरूप (मॉडल) पेपर और नम्वर सिद्धान्त (क्रीटेरिया)

29. रवीन्द्र-संगीत, नृत्य और नाट्य विभाग के अन्तर्गत रवीन्द्र नृत्य (3 वर्ष), बी. म्युजिक (ऑनर्स) का संशोधित सिलेबस।

30. बी. म्युजिक (ऑनर्स) [कोर्स : एच-7(प्रैक्टिकल)] और एम. म्युजिक [कोर्स : IV (प्रैक्टिकल] रवीन्द्र संगीत नृत्य-नाट्य में समावेश।

31. अनुवाद अध्ययन में एम. फिल के लिए प्रयोग सम्बन्धी स्ट्रक्चर।

32. एक कम्युनिटी कॉलेज की स्थापना।

33. भाषा-भवन के विभिन्न विभागों में सीबीएसई आधारित नया संशोधित सिलेबस (ए) डियोमेल (बी) चेल्लेक्स (आधुनिक यूरोपीय भाषा केन्द्र, साहित्य संस्कृति) (सी) बंगाली (डी) ओडिया (ई) हिन्दी (एफ) संस्कृत (जी) जापानी (एच) भारतीय तिब्बतन इत्यादि।

परिशिष्ट – ए

नवीन नियुक्तियाँ

क्र. सं.	सदस्यता की तारीख	अवलम्बी	स्थिति
1.	01.05.2015	डॉ प्रीतम घोष	एसिस्टेंट प्रोफेसर एग्रोनॉमी, पीएसबी
2.	16.05.2015	डॉ अशोक मुखर्जी	एसिस्टेंट प्रोफेसर फिजिकल एडूकेशन पीएसबी
3.	20.08.2015	डॉ कादर अलि सरकार	एसिस्टेंट प्रोफेसर ईईएस, पीएसबी

परिशिष्ट – बी

विश्व-भारती का भवन/विभाग (इंस्टिट्यूट) एवं अध्यक्ष (प्रिंसिपल) के नाम

भवन/विभाग के नाम	**इंस्टिट्यूट के प्रधान**
भाषा भवन	प्रो. कैलाश पट्टनायक
विद्या भवन	प्रो. भी. सी. झा
शिक्षा भवन	प्रो. दुलाल पाल
रवीन्द्र भवन	प्रो. तपती मुखर्जी
कला भवन	प्रो. दिलीप मित्रा
संगीत भवन	प्रो. माधबी रूज घोष
विनय भवन	प्रो. सबुजकोली सेन
पल्ली संगठन विभाग	प्रो. मंजू मोहन मुखर्जी
पल्ली शिक्षा भवन	प्रो. सार्थक चौधरी
ग्रंथन विभाग	डॉ. रामकुमार मुखोपाध्याय
पाठ भवन	श्रीमती बौधिरूपा सिन्हा
शिक्षा सत्र	डॉ. जयंत कुमार भट्टाचार्य

परिशिष्ट – सी

विश्वविद्यालय के अधिकारी

परिदर्शक (विजिटर)	:	श्री प्रणब मुखर्जी, भारत के सम्माननीय राष्ट्रपति
आचार्य (चैंसलर)	:	श्री नरेन्द्र दामोदर मोदी, भारत के सम्माननीय प्रधान मन्त्री
प्रधान (रेक्टर)	:	श्री केशरी नाथ त्रिपाठी, पश्चिम बंगाल के सम्माननीय गवर्नर
उपाचार्य (वाइस चैंसलर)	:	प्रो. स्वपन कुमार दत्ता
डायरेक्टर ऑफ स्टडीज, एडूकेशनल इनोवेशन एण्ड रूरल रिकंस्ट्रक्शन	:	प्रो. सबुजकोली सेन
डायरेक्टर, कल्चर ऐण्ड कल्चरल रिलेशनस्	:	प्रो. तपती मुखर्जी
डायरेक्टर, फिजिकल एडूकेशन, स्पोर्टस, नेशनल सर्विसेस ऐण्ड स्टूडेन्ट वेलफेयर	:	डॉ (कोल) मनि मुकुट मित्रा
डायरेक्टर, इन्दिरा गाँधी सेन्टर	:	प्रो. अरूण मुखोपाध्याय
डायरेक्टर, ग्रंथन विभाग	:	डॉ रामकुमार मुखोपाध्याय
फाइनेंस ऑफिसर	:	श्री अतुल प्रकाश त्रिवेदी
प्रोक्टर	:	प्रो. अमित हाजरा
रेजिस्ट्रार	:	प्रो. अमित हाजरा (एक्टिंग)
कंट्रोलर ऑफ एक्जामिनेशन	:	श्री देवाशीष दत्ता
ज्वाइंट रेजिस्ट्रार	:	श्री अजित मंडल
डेप्यूटी रेजिस्ट्रार (एडमिनिस्ट्रेशन)	:	डॉ संजय घोष
डेप्यूटी रेजिस्ट्रार (एससी/एसटी सेल) इंचार्ज ऑफ एकाडमिक ऐण्ड रेस.)	:	डॉ प्रशान्त मेश्राम
ज्वाइंट रेजिस्ट्रार	:	डॉ. देवाशीष चक्रवर्ती
ज्वाइंट रैजिस्ट्रार	:	श्री देवाशीष दत्ता

ज्वाइंट रेजिस्ट्रार	:	श्री सौमेन्द्र सेन
डेप्यूटी रेजिस्ट्रार	:	श्री गौरांग दत्ता
डेप्यूटी रेजिस्ट्रार ऐण्ड इंचार्ज इस्टेट	:	श्री अशोक कुमार महतो
डेप्यूटी रेजिस्ट्रार	:	डॉ प्रजनलंकार भिक्षु
एसिस्टेंट रेजिस्ट्रार (एकाडमिक ऐण्ड रेस)	:	डॉ सत्यनारायण भट्टाचार्य
एसिस्टेंट रेजिस्ट्रार (एक्जामिनेशन)	:	श्री प्रशान्त कुमार घोष
एसिस्टेंट रेजिस्ट्रार–कम–सी.एस से भी.सी तक	:	श्रीमती श्यामला रॉय
एसिस्टेंट रेजिस्ट्रार	:	श्री तन्मय नाग
एसिस्टेंट रेजिस्ट्रार	:	श्री राज मल्लिक
एसिस्टेंट रेजिस्ट्रार	:	श्री देवकीनंदन दास
एसिस्टेंट रेजिस्ट्रार	:	श्री मलय सूत्रधार
मैनेजर, शांतिनिकेतन प्रेस	:	श्री अभिजीत सेनगुप्ता
एकाउन्टस् ऑफिसर	:	डॉ. प्रशान्त मेश्राम
युनिवर्सिटी लाइब्रेरियन	:	डॉ. भी के थॉमस
डेप्यूटी लाइब्रेरियन	:	डॉ. निमाई चंद साहा
कम्प्यूटर सेन्टर इंचार्ज	:	डॉ. एस. एस दासगुप्ता
युनिवर्सिटी इंजिनियर	:	श्री अमित सेनगुप्ता
चीफ मेडिकल ऑफिसर	:	डॉ. शशांक शेखर देबनाथ

परिशिष्ट – डी

विभागीय प्रधान

बंगला विभाग	:	प्रो. अमल कुमार पाल
अंग्रेजी और अन्य आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग	:	प्रो. सोमदत्ता मण्डल
हिन्दी विभाग	:	प्रो. देवारति बन्दोपाध्याय
संस्कृत, पाली और प्राकृत विभाग	:	प्रो. अरूणा रंजन मिश्रा
ओड़िया विभाग	:	प्रो. मनोरंजन प्रधान
अरबी, फारसी, उर्दू और इस्लामी अध्ययन विभाग	:	प्रो. एन. ए. खान
भारततिब्बत–अध्ययन विभाग	:	डॉ. संजीव कुमार दास
जापानी अध्ययन विभाग	:	कुमारी गीता ए. कीनि
चीनी भाषा और संस्कृति विभाग	:	डॉ अभिजीत बनर्जी
अर्थशास्त्र और राजनीति विभाग	:	प्रो. सुदीप्ता भट्टाचार्य
इतिहास विभाग	:	विपाशा राहा
प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग	:	डॉ. विकास मुखर्जी
भूगोल विभाग	:	प्रो. यू. एस. मालिक
दर्शन और तुलनात्मक धर्म विभाग	:	डॉ कौशिक भट्टाचार्य
मानव विज्ञान विभाग	:	प्रो. मानस रॉय
भौतिकी विभाग	:	प्रो. सोमनाथ चक्रवर्ती
रसायनिकी विभाग	:	प्रो. प्रनेश चौधरी
गणित विभाग	:	प्रो. प्रशान्त चटर्जी
जंतु विज्ञान विभाग	:	प्रो. शांतिप्रसाद सिन्हाबाबू
वनस्पतिविज्ञान विभाग	:	प्रो. रूपकुमार कर
सांख्यिकी विभाग	:	प्रो. एस. एस माइती
कंम्पूटर और प्रणाली विज्ञान विभाग	:	प्रो. डॉ. उत्पल रॉय
गणित शिक्षा केन्द्र	:	प्रो. स्वपन राहा
जैव प्रौद्योगिकी विभाग	:	प्रो. संघमित्रा राहा

एकीकृत विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग केन्द्र	:	डॉ सुब्रत सिन्हा
पर्यावरण अध्ययन विभाग	:	प्रो. प्रताप कुमार पधे
मूर्तिकला विभाग	:	श्री मतिलाल कलाई
लेखाचित्र कला विभाग	:	श्री अजित सील
चित्रकला विभाग	:	श्री राजर्षि विश्वास
डिजाइन विभाग	:	प्रो. गौतम दास
इतिहास कला विभाग	:	प्रो. आर. शिवकुमार
हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत विभाग	:	श्री स्वपन कुमार घोष
रवींद्र संगीत, नृत्य और नाटक विभाग	:	प्रो. स्वस्तिका मुखोपाध्याय
शिक्षा विभाग	:	प्रो. राजर्षि रॉय
शारीरिक शिक्षा विभाग	:	प्रो. समीरन मण्डल
शिल्प सदन विभाग	:	प्रो. पद्मिनी बलराम
पल्ली चर्चा केन्द्र (सामाजिक अध्ययन एवं ग्रामीण विकास केन्द्र)	:	डॉ रथीन्द्रनाथ प्रामाणिक
विस्तार केन्द्र (आजीवन शिक्षा विभाग)	:	डॉ सुजित कुमार पाल
सामाजिक कार्य विभाग	:	प्रो. पी. के घोष
कृषि विज्ञान, मृदा विज्ञान, कृषि रसायन, कृषि अभियंता, पौध भौतिकी एवं पशु विज्ञान विभाग (एएसईपीएएन)	:	प्रो. ए. के. बारिक
फसल सुधार विभाग, बागवानी एवं कृषि वनस्पति विज्ञान (सीआईएचएबी)	:	डॉ. स्नेहाशीष चक्रवर्ती
कृषि विस्तार, कृषि अर्थशास्त्र और कृषि सांख्यिकी विभाग (ईईएस)	:	प्रो. विधान चन्द्र रॉय
पौध संरक्षण विभाग (पीपी)	:	डॉ. रंजन नाथ
पत्रकारिता एवं जनसंचार केन्द्र	:	प्रो. बिप्लब लोहा चौधरी
बौद्ध अध्ययन केन्द्र	:	प्रो. अरूणा रंजन मिश्रा (निदेशक)
स्त्री अध्ययन केन्द्र	:	डॉ. दीपिता चक्रवर्ती
असमिया भाषा यूनिट (प्रभारी शिक्षक)	:	डॉ. संगीता सैकिया

परिशिष्ट-ई

एकाडमिक स्टाफ

भाषा-भवन

बंगाली

नाम	योग्यता	विशेषज्ञ
प्रोफेसर		
मृणालकांति मण्डल	एम.ए., पीएच.डी.	मार्डर्न बंगाली फिक्शन
सुदीप बासु	एम.ए., पीएच.डी.	बंगाली लिटरेरी, क्रिटिसिजम, शरतचंद्र, 20वीं सदी
अमलकुमार पाल	एम.ए., बीएड, पीएच.डी.	बंगाली कविता, रवीन्द्रनाथ
मिस. सुमीता भट्टाचार्य	एम.ए., पीएच.डी.	बंकिमचंद्र, मार्डर्न बंगाली लिचरेचर
श्रीमती अर्पणा रॉय (भट्टाचार्य)	एम.ए., पीएच.डी.	ओल्ड ऐण्ड मिडिएवल लिटरेचर
अभ्रा बोस	एम.ए., पीएच.डी.	टैगोर लिटरेचर लिंग्विस्टिक्स
एसोसिएट प्रोफेसर		
निर्मल कुमार मण्डल	एम.ए., पीएच.डी.	ओल्ड ऐण्ड मिडिएवल लिटरेचर
मनबेन्द्रनाथ साहा	एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी.	मार्डर्न बंगाली कविता, फिल्म स्टडीज
रीता मोदक	एम.ए., पीएच.डी.	बंगाली फिक्शन, वुमेनस् स्टडीज
अतानु सासमाल	एम.ए., पीएच.डी.	मार्डर्न बंगाली फिक्शन, मिडिएवल लिटरेचर
मनबेन्द्र मुखोपाध्याव	एम.ए., पीएच.डी.	मार्डर्न बंगाली लिटरेचर ऐण्ड क्रिटिसिजम, टैगोर लिटरेचर
एसिस्ट्टेन्ट प्रोफेसर		
मिलनकांति बिश्वास	एम.ए., बी.एड., पीएच.डी.	फॉल्क लिटरेचर ऐण्ड फिलोसॉफी
विश्वजीत रे	एम.ए., पीएच.डी.	लिंग्विस्टिक्स 19वीं सदी
पायल मुखर्जी	एम.ए.	सेमियोटिक्स ऐण्ड ड्रामाटोलॉजी
श्रीला बासु	एम.ए., पीएच.डी.	टैगोर लिटरेचर
इंग्लिश ऐण्ड ओल्ड मार्डर्न यूरोपियन लैंग्वेजेज़		
प्रोफेसर		
अभिजीत सेन	एम.ए., पीएच.डी.	रीनेज़ा स्टडीज, थियेटर स्टडीज, टैगोर
श्रीमती शुक्ला बासु (सेन)	एम.ए., पीएच.डी.	रीनेजा स्टडीज, अफ्रिकन अमेरिकन लिटरेचर
गौतम घोषाल	एम.ए., पीएच.डी., डी. लिटरेचर	इंडियन राइटिंग इन इंग्लिश 19वीं सदी अमेरिकन ऐण्ड ब्रिटिश लिटरेचर टैगोर
सोमदत्ता मंडल	एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी.	अमेरिकन/पोस्ट कोलोनियल लिटरेचर

नाम	योग्यता	विशेषज्ञ
अरुणा मुखर्जी	एम.ए., पीएच.डी.	रशियन लिटरेचर
निलंजन चक्रवर्ती	एम.ए., पीएच.डी.	एनलाइटेन्मेन्ट ट्रेवल लिटरेचर
इंद्राणी दास	एम.ए., लोरिया, पीएच.डी.	मिडिएवल हिस्ट्री ऐण्ड इटालियन स्टडीज, ट्रांसलेशन स्टडीज
अमृत सेन	एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी.	18वीं सदी स्टडीज, पोस्ट कोलोनियल स्टडीज, ट्रेवल राइटिंग : टैगोर
देबरति बन्दोपाध्याय	एम.ए., पीएच.डी.	19वीं सदी, न्यू लिटरेचरस् इन इंग्लिश
एसोसिएट प्रोफेसर		
तनुका दास	एम.ए., पीएच.डी.	20वीं सदी, कविता इंडियन राइटिंग इन इंग्लिश
स्वाति गांगुली	एम.ए., पीएच.डी.	रीनेज़ा स्टडीज, थियेटर स्टडीज जेंडर स्टडीज, ट्रांसलेशन ऐण्ड टैगोर
सुदेब प्रतीम बासु	एम.ए., पीएच.डी.	19वीं सदी स्टडीज, पोस्ट कोलेनियल स्टडीज पोपुलर फिक्शन
सिनियर एसिस्टेंट प्रोफेसर		
रोमित रॉय	एम.ए., एम.फिल	जर्मन लिटरेचर, कल्चर ऐण्ड म्यूजिक थियोडोर एडोरनो...
सौरभ दासठाकुर	एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी.	20वीं सदी, लिटरेचर पोस्टकोलोनियल स्टडीज, लिटरेरी थियोरी
दिपांकर रॉय	एम.ए., एम.फिल	पोस्टकोलोनियल लिटरेचर ऐण्ड थियोरी
अनन्या दासगुप्ता	एम.ए., एम.फिल	रिनेज़ा स्टडीज
एसिस्टेंट प्रोफेसर		
तापु बिश्वास	एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी.	20वीं सदी लिटरेचर अमेरिकन लिटरेचर, इंडियन लिटरेचर इन इंग्लिश
निलंजन भट्टाचार्य	एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी.	कम्पेरेटिव लिटरेचर, इंडियन लिटरेचर; एफ्रो–अमेरिकन लिटरेचर, लेटिन अमेरिकन लिटरेचर
सोमा मुखर्जी	एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी.	कम्पेरेटिव लिटरेचर, भाषा लिटरेचर; पोस्टकोलोनियलिजम फेमिनिजम
शाओना बारिक	एम.ए.	लिटरेचर ऑफ दि ब्रिटिश राज
स्तुति ममेन	एम.ए.	माडर्निजम, विजुअल आर्ट ऐण्ड लिटरेचर
एरेबिक, पर्सियन, उर्दू ऐण्ड इस्लामिक स्टडीज		
प्रोफेसर		
नियाज़ अहमद खान	एम.ए., पीएच.डी.	माडर्न पर्सियन लैंग्वेज, लिटरेचर ऐण्ड ट्रांसलेशन

नाम	योग्यता	विशेषज्ञ
एसोसिएट प्रोफेसर		
वसिफ अहमद	एम.ए., पीएच.डी.	पर्सियन शॉर्ट स्टोरिज
मुहम्मद फेख	एम.ए., पीएच.डी.	मार्डन पर्सियन ड्रामा
एसिस्टेंट प्रोफेसर		
मुहम्मद अतिकर रहमान	पीएच.डी.	मार्डन पर्सियन लैंग्वेज, लिटरेचर ऐण्ड ट्रांसलेशन
चाइनिज		
प्रोफेसर		
जयीता गांगुली	एम.ए., पीएच.डी.	चाइनिज बुद्धिज्म
एसोसिएट प्रोफेसर		
अभिजीत मुखर्जी	एम.ए., पीएच.डी.	चाइनिज लैंग्वेज, चाइनिज पोलिटिक्स
श्रीमती तंद्रिमा पात्रा	एम.ए.	चाइनिज लैंग्वेज ऐण्ड लिटरेचर
एसिस्टेंट प्रोफेसर (ग्रुप II)		
श्रीमती हेमकुसुम	एम.ए., एम.फिल	मार्डन स्टैंडर्ड चाइनिज लैंग्वेज
चिरंजीव सिन्हा	एम.ए.	चाइनिज लैंग्वेज
एसिस्टेंट प्रोफेसर		
देवदास कुण्डु	एम.ए.	चाइनिज लैंग्वेज लिटरेचर ऐण्ड हिस्ट्री
श्री अत्रेया भट्ट	एम.ए.	चाइनिज लैंग्वेज
हिन्दी		
प्रोफेसर		
हरिश्चंद्र मिश्रा	एम.ए., पीएच.डी.	फिलोसॉफी ऑफ लिटरेरी हिस्ट्री अथवा क्रिटिसिजम इन मार्डन लिटरेचर
रामेश्वर प्रसाद मिश्रा	एम.ए., पीएच.डी.	मिडिएवल ऐण्ड मार्डन लिटरेचर
श्रीमती मंजू रानी सिंह	एम.ए., पीएच.डी.	मिडिएवल ऐण्ड मार्डन लिटरेचर ऐण्ड पोइटिस
मुक्तेश्वरनाथ तिवारी	एम.ए., पीएच.डी.	मार्डन लिटरेचर ऐण्ड क्रिटिसिजम
चक्रधर त्रिपाठी	एम.ए., पीएच.डी.	मार्डन मिडिएवल ऐण्ड पोइट्री
आर. एन. मिश्रा	एम.ए., पीएच.डी., डी. लिटरेचर	मार्डन पोइट्री
शकुन्तला मिश्रा	एम.ए., पीएच.डी.	मार्डन लिटरेचर ऐण्ड क्रिटिसिजम, ट्रान्सलेशन
शैलेन्द्रकुमार त्रिपाठी	एम.ए., पीएच.डी.	मार्डन लिटरेचर ऐण्ड क्रिटिसिजम
एसिस्टेन्ट प्रोफेसर		
सुभाष चंद्र रॉय	एम.ए., पीएच.डी.	मार्डन लिटरेचर ऐण्ड क्रिटिसिजम
जगदीश भगत	एम.ए., पीएच.डी.	मार्जन लिटरेचर ऐण्ड क्रिटिसिजम
श्री अर्जुन कुमार	एम.ए.	
एस. कुमुद	एम.ए.	

नाम	योग्यता	विशेषज्ञ
इन्डो–तिब्बतन स्टडीज		
एसोसिएट प्रोफेसर		
संजीव कुमार दास	एम.ए., पीएच.डी.	तिब्बतन लैंग्वेज ऐण्ड बुद्धिस्ट फिलोसॉफी
एसिस्टेंट प्रोफेसर		
शेदुप तेन्जीन	एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी.	तिब्बतन बुद्धिज्म
प्रकृति चक्रवर्ती	एम.ए. (डबल), पीएच.डी.	तिब्बतन लैंग्वेज ऐण्ड हिस्ट्री ऑफ तिब्बत
सोनम जंग्पो	आचार्य पीएच.डी.	तिब्बतन (भौतिक)
नोर्बु गायलस्टेन नेगी	एम.ए., पीएच.डी.	तिब्बतन लैंग्वेज ऐण्ड बुद्धिज्म
जापानिज		
एसोसिएट प्रोफेसर		
गीता ए कीनि	एम.ए. (फिलोसॉफी) एम.ए. (जापानिज हिस्ट्री)	फिलोसॉफी जापानिज लिटरेचर (मिवाज़्वा केन्जी), कल्चरल ऐण्ड हिस्ट्री
एसिस्टेंट प्रोफेसर		
अजयकुमार दास	एम.ए.	जापानिज लैंग्वेज ऐण्ड लिटरेचर (होरी तत्स्यू)
सुदिप्त दास	एम.ए. (जापानिज)	
मुहम्मद अतिउल अजिम	एम.ए.	जापानिज लैंग्वेज लिटरेचर ऐण्ड कल्चर
ओड़िया		
प्रोफेसर		
कैलाश चंद्र पट्टनायक	एम.ए., पीएच.डी.	फॉल्कलोर/फिक्शन
सविता प्रधान	एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी.	लिंग्विस्टिक्स फिक्शन
मनोरंजन प्रधान	एम.ए., पीएच.डी.	कॉम्प, लिटरेचर, फिक्शन, एडिटिंग ऐण्ड टेक्सूअल क्रिटिसिजम
एसिस्टेंट प्रोफेसर		
श्रीमती प्रमिला पटुलिया	एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी.	फॉल्क लिटरेचर
शरत् कुमार जेना	एम.ए., एलएलबी, पीएच.डी.	मार्डन लिटरेचर ऐण्ड कल्चरर स्टडी
रवीन्द्रकुमार दास	एम.ए., पीएच.डी.	लिंग्विस्टिक्स ऐण्ड मार्डन लिटरेचर
इन्द्रमणि साहु	एम.ए., एम.फिल	लिंग्विस्टिक्स ऐण्ड फिक्शन
संस्कृत, पाली ऐण्ड पाली		
प्रोफेसर		
नरोत्तम सेनापति	विद्या–वृद्धि (पीएच.डी.)	न्याय, ग्रामर
मृदुला रे	एम.ए., पीएच.डी.	पोइटिस् ग्रामर, लिटरेचर

नाम	योग्यता	विशेषज्ञ
अरुण कुमार मंडल	एम.ए., पीएच.डी.	पोइटिस, ग्रामर, प्राकृत
ललिता चक्रवर्ती	एम.ए., पीएच.डी.	न्याय वैसेसिका
अरुणा रंजन मिश्रा	एम.फिल, पीएच.डी.	लिटरेचर
जे. आर. भट्टाचार्य	एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी.	प्राकृत–संस्कृत, फिलोसॉफी ऐण्ड जेना केननस्
एसेसिएट प्रोफेसर		
निरंजन जेना	एम.ए., पीएच.डी.	वेदा ऐण्ड लिटरेचर
एसिस्ट्टेंट प्रोफेसर		
हरिकृष्णा मिश्रा	एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी.	वेदा, रिलिजियन
संजय कुमार मंडल	एम.ए., पीएच.डी.	इंडियन फिलोसॉफी ऐण्ड पाली
गार्गी भट्टाचार्य	एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी.	वेदान्त/मनु स्क्रिपटोलॉजी
लक्ष्मीधर मलिक	एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी.	पुराण ऐण्ड एपिक्स
प्रीतिलक्ष्मी स्वेन	एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी.	व्याकरण
रामप्रमोल कुमार	एम.फिल, पीएच.डी.	लिटरेचर
सन्थाली		
एसिस्ट्टेन्ट प्रोफेसर		
धानेश्वर माझी	एम.ए., पीएच.डी.	फॉल्क लिटरेचर
रामू हेमब्राम	एम.ए., नेट	सन्थाली
तपन सोरेन	एम.ए., नेट	सन्थाली
दुखिया मुर्मु	एम.ए., नेट, पीएच.डी.	बिबलियोग्राफी
सनत हंसदा	एम.ए., नेट	फॉल्क लिटरेचर
मंसाराम मुर्मु	एम.ए., नेट	पोइट्री
मराठी		
एसिस्ट्टेन्ट प्रोफेसर		
रणवीर सुमेध भगवन	एम.ए.	मराठी
तमिल		
एसिसटेंट प्रोफेसर		
सेंथिल प्रकाश एस.	एम.ए., एम.फिल	तमिल
असामिज़ लैंग्वेज युनिट		
एसिस्ट्टेंट प्रोफेसर		
संगीता सैकिया	एम.ए., पीएच.डी.	असामिज़
विद्या–भवन		
एनसिएन्ट इंडियन हिस्ट्री, कल्चर ऐण्ड आरकियेलॉजी		
प्रोफेसर		
सुब्बेह गणपथि	एम.ए., पीएच.डी.	अरलि इंडियन आर्ट हिस्ट्री ऐण्ड अरलि साउथ इंडियन हिस्ट्री
सुब्रत चक्रवर्ती	एम.ए., पीएच.डी.	प्री ऐण्ड प्रोटो हिस्ट्री

नाम	योग्यता	विशेषज्ञ
अरुण कुमार नाग	एम.ए., पीएच.डी.	प्रोटो–हिस्ट्री
आनंदचंद्र साहु	एम.ए., पीएच.डी.	रिलिजियन ऐण्ड अरलि इंडियन आर्ट हिस्ट्री
एसोसिएट प्रोफेसर		
विकास मुखर्जी	एम.ए., पीएच.डी.	रिलिजियन
श्रीमती सिना पांजा	एम.ए., पीएच.डी.	हिस्टोरिक्ल आरकियोलॉजी
सरिता खेत्री	एम.ए., पीएच.डी.	एपिग्राफी ऐण्ड न्यूमिसमेटिस्ट
एसिस्टेंट प्रोफेसर		
अनिल कुमार	एम.ए., पीएच.डी.	सोशल ऐण्ड इकोनोमिक हिस्ट्री
श्रीमती बीना गाँधी (डियोरी)	एम.ए., पीएच.डी.	एथेनो आरकियोलॉजी
को. मबाली रंजन	एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी.	सोशल ऐण्ड इकोनोमिक हिस्ट्री
इकोनोमिक्स ऐण्ड पोलिटिक्स		
प्रोफेसर		
सरबजीत सेनगुप्ता	एम.ए., पीएच.डी.	इंडस्ट्रीयल इकोनोमिक्स, माइक्रो इको. इन्टरनेशनल ट्रेड, इको ऑफ एडू
मधुसूदन घोष	एम.ए., पीएच.डी. पोस्ट–डॉक्टोरल	एग्री. इको, डेभट इको, मेक्रो इकोनोमिक्स् टाइम सीरीज, इंडियन इकोनोमेट्रिक्स
सुदिप्ता भट्टाचार्य	एम.एससी, एम.फिल, पीएच.डी.	एग्रीकल्चरल इकोनोमिक्स मोनीटेरी इकोनोमिक्स, मार्कसिएन इकोनोमिक्स
प्रणब कांति बासु	एम.ए., पीएच.डी.	इन्टरनेशनल ट्रेड, इकोनोमिक थौट
अपूर्व कुमार चट्टोपाध्याय	एम.एससी., पीएच.डी.	एग्रीकल्चरल इकोनोमिक्स, डेभ. इकोनोमिक्स, इकोनोमिक्स ऑफ प्लैनिंग
प्रणब कुमार चट्टोपाध्याय	एम.ए., पीएच.डी.	हिस्ट्री ऑफ इकोनोमिक्स थौट, एन्वारन्मेन्टल इकोनोमिक्स, इकोनोमेट्रिक्स
ममता रॉय	एम.ए., पीएच.डी.	इंडियन पोलिटिकल थौट
एसोसिएट प्रोफेसर		
जगबन्धु साहा	एम, स्टैट, पीएच.डी.	इकोनोमेट्रिक्स ऐण्ड इन्वेन्टरी थयोरी
सान्तादास घोष	एम.एससी., एम.सीए., पीएच.डी.	इकोनोमेट्रिक्स, इन्भ इकोनोमिक्स
सौग्या चक्रवर्ती	एम.एससी., पीएच.डी. एम.फिल	एडवान्स्ड इकोनोमिक थयोरी, इकोनोमिक्स ऑफ मार्क्स इन्टरनेशनल
एसिस्टेंट प्रोफेसर		
उत्तम सिकदर	एम.एससी., एम.फिल	स्टैटिस्टिक्स ऐण्ड इकोनोमेट्रिक्स डेभ. इकोनोमिक्स मेक्रोइकोनोमिक्स

नाम	योग्यता	विशेषज्ञ
विश्वजीत मंडल	एम.एससी., एम.फिल, पीएच.डी.	इन्टरनेशनल इकोनोमिक्स, डेभ. इकोनोमेट
अमित कुमार विश्वास	एम.ए., पीएच.डी.	इन्टरनेशनल ट्रेड, इकोनोमेट्रिक्स
अचिरंशु आचार्य	एम.एससी.	एन्वारन्मेन्टल ऐण्ड रिसोर्स इकोनोमिक्स ऐण्ड इन्टरनेशनल इकोनोमिक्स
सौम्यदीप चटर्जी	एम.एससी.	इकोनोमेट्रिक्स अरबन इकोनोमिक्स
विश्वजीत हालदार	एम.ए., एम.फिल	इंडियन इकोनोमी, डेवेलपमेंट इकोनोमिक्स
अनामिका मोक्तन	एम.ए.	इन्टरनेशनल ट्रेड; इन्भ इकोनोमिक्स
प्रियब्रता दत्ता	एम.ए., पीएच.डी.	इन्टरनेशनल ट्रेड; ग्रौथ इकोनोमिक्स
जियोग्राफी		
प्रोफेसर		
सुमंत्रो मुखर्जी	एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी.	रीसोर्स जियोग्राफी वॉटर रिसोर्सेस्
देवाशीष दास	एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी.	रुरल डेवेलपमेन्ट रिजनल प्लैनिंग एग्रीकल्चरल जियोग्राफी
विभाष चंद्र झा	एम.एससी., पीएच.डी.	जियोमोरफोलॉजी, रिमोट सेन्सिंग
सुतपा मुखोपाध्याय	एम.ए., पीएच.डी.	जियोमोरफोलॉजी
उमाशंकर मलिक	एम.ए., पीएच.डी.	इंडस्ट्रियल जियोग्राफी
मलय मुखोपाध्याय	एम.ए., पीएच.डी.	फ्लूवियल जियोमोरफोलॉजी, रिजनल प्लैनिंग एन्वारन्मेंटल जियोग्राफी
एसोसिएट प्रोफेसर		
मंजोरी भट्टाचार्जी	एम.ए., पीएच.डी.	जियोमोरफोलॉजी
गोपाल चंद्र देबनाथ	एम.ए., एम.पी.एस. एमबीए, पीएच.डी.	पोपुलेशन जियोग्राफी ऐण्ड जीआईएस
प्रेमांग्शु चक्रवर्ती	एम.ए., पीएच.डी.	कल्चरल जियोग्राफी ऐण्ड टूरिज्म जियोग्राफी
एसिस्र्टेंट प्रोफेसर		
कुष्णेन्दु गुप्ता	एम.ए., पीएच.डी.	एपलाइड जियोमोरफोलॉजी, रिमोट सेन्सिंग ऐण्ड जीआईएस
भैरुलाल यादव	एम.ए., एम.फिल	पोपुलेशन जियोग्राफी ऐण्ड डेमोग्राफी
मिस. सुदिप्ता सरकार	एम.ए., एम.फिल	पोपुलेशन ऐण्ड स्टेट्मेन्ट जियोग्राफी
हिस्ट्री		
प्रोफेसर		
संदीप बासु सर्वाधिकारी	एम.ए., पीएच.डी.	मिडिएवल इंडिया, मेरीटाइम हिस्ट्री, पीजेंट स्टडीज विथ रेफरेन्स टू साउथ

नाम	योग्यता	विशेषज्ञ
छंदा चक्रवर्ती	एम.ए., पीएच.डी.	इकोनोमिक हिस्ट्री ऑफ मार्डर्न इंडिया कम्यूनेलिजम इन दि पंजाब ईस्ट एशिया
भास्करज्योति बासु	एम.ए., पीएच.डी.	इकोनोमिक हिस्ट्री ऐण्ड मेरीटाइम हिस्ट्री
सैयद इजाज हुसैन	एम.ए., पीएच.डी.	मिडिएवल इंडियन हिस्ट्री, नूमिस्मेटिक्स, एपिग्राफी
बिपाशा राहा (दत्त)	एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी.	हिस्ट्री ऑफ मार्डर्न इंडिया, सोशियो–इकोनोमिक हिस्ट्री ऑफ मार्डर्न बंगाल सोशियो–इकोनोमिक आइडियाज़ ऑफ टैगोर
एसोसिएट प्रोफेसर		
डॉ. कौशिक रॉय	एम.ए., पीएच.डी.	
दीपकांता लाहिरी चौधरी	एम.ए., पीएच.डी.	
श्रीमती अर्पिता सेन	एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी.	मार्डर्न इंडियन हिस्ट्री
एसिस्टेन्ट प्रोफेसर		
अरुणावा दास	एम.ए.	इकोनोमिक हिस्ट्री ऑफ मार्डर्न इंडिया, टूरिज्म
सुबयू चट्टोपाध्याय	एम.ए., एम.फिल	इकोनोमिक हिस्ट्री ऑफ मार्डर्न इंडिया
पम खान पउ	एम.ए. पीएच.डी.	
सब्यसाची दासगुप्ता	एम.ए., पीएच.डी.	
अतिग घोष	एम.ए., पीएच.डी.	
सिद्धि मंडली	एम.ए., पीएच.डी.	
अमरेन्द्र कुमार	एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी.	
फिलोसॉफी ऐण्ड कम्पेरेटिव रिलिजियन		
प्रोफेसर		
सबुजकोली सेन (मित्रा)	एम.ए., पीएच.डी.	इंडियन फिलोसॉफी ऐण्ड कम्पेरेटिव रिलिजियन
सोमनाथ चक्रवर्ती	एम.ए.	एनेलाइटिक फिलोसॉफी, एथिक्स
आशा मुखर्जी	एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी.	एथिक्स, लॉजिक एनेलाइटिक फिलोसॉफी फेमिनिस्ट फिलोसॉफी, जेना फिलोसॉफी
विजयकुमार मुखर्जी	एम.ए., पीएच.डी.	लॉजिक, फिलोसॉफी ऑफ साइन्स
मुहम्मद सिराजुल इस्लाम	एम.ए., पीएच.डी.	इस्लाम सूफीज्म
भी. रमन	एम.ए., पीएच.डी.	एनेलाइटिक फिलोसॉफी
एसोसिएट प्रोफेसर		
रंजन मुखोपाध्याय	एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी.	लॉजिक, फिलोसॉफी ऑफ लॉजिक ऐण्ड लैंग्वेज

नाम	योग्यता	विशेषज्ञ
गौर हाजरा	एम.ए., पीएच.डी.	जैनिज्म, बुद्धिज्म, फिलोसॉफी ऑफ रिलिजियन
अनूप बर्मन	एम.ए., पीएच.डी.	इंडियन फिलोसॉफी ऐण्ड थियोरी ऑफ नोलेज
कौशिक भट्टाचार्य	एम.ए., पीएच.डी.	फिलोसॉफी ऑफ साइन्स
मंजरी चक्रवर्ती	एम.ए., पीएच.डी.	फिलोसॉफी ऑफ साइन्स
एसिस्टेन्ट प्रोफेसर		
माया दास	एम.ए., पीएच.डी.	इंडियन फिलोसॉफी
सुभ्रोज्योति दास	एम.ए., एम.फिल	इंडियन फिलोसॉफी ऐण्ड रिलिजियन
मौसमी रॉय	एम.ए., पीएच.डी.	सोशियोलॉजी ऐण्ड एन्थ्रोपोलॉजी ऑफ रिलिजियन
एम. पी. टेरेन्स सेम्यूल	एम.ए., पीएच.डी.	
फरहा नाज	एम.ए., एम.फिल	इस्लाम ऐण्ड मिस्टिसिजम
रेखा ओझा	एम.ए., पीएच.डी.	सोशल फिलोसॉफी, एपलाइड एथिक्स
सुजोय मंडल	एम.ए.	बुद्धिज्म, एथिक्स
एडूकेशन युनिट		
प्रोफेसर		
तारक नाथ पान	एम.ए., पीएच.डी.	साइकोलॉजी ऑफ टीचिंग
सेन्टर फॉर जर्नलिजम		
प्रोफेसर		
बिप्लबलोहा चौधरी	एम.ए., पीएच.डी.	मीडिया मैनेजमेन्ट रिसर्च ऐण्ड रुरल कम्यूनिकेशन
एसोसिएट प्रोफेसर		
श्रीमती मौसमी भट्टाचार्य	एम.ए., पीएच.डी.	ऑडिएन्स रिसर्च, ऑडियो–विजूअल मीडिया (रेडिये, टी.भी. ऐण्ड फिल्म) न्यू मीडिया
एसिस्टेंट प्रोफेसर		
संहिता चटर्जी	एम.ए.	ऑडियो–विजूअल प्रोडक्शन
एन्थ्रोपोलॉजी		
प्रोफेसर		
मानस रे	एम.एमसी., एम.फिल, पीएच.डी., डी. लिट.	एन्थ्रोग्राफी ऑफ कम्यूनिकेशन/रुरल कम्यूनिकेशन
सिनियर एसिस्टेंट प्रोफेसर		
अर्नब घोष	एम.एससी., पीएच.डी.	फिजिकल

नाम	योग्यता	विशेषज्ञ
एसिस्टेंट प्रोफेसर		
ज्योतिरतन घोष	एम.एससी., पीएच.डी.	फिजिकल
रंगया गचुई	एम.ए., पीएच.डी.	सोशल कल्चरल
शिक्षा-भवन		
बायोटेक्नोलॉजी		
प्रोफेसर		
संघमित्रा राहा	रेरफिसियोलॉजी	सेल बायोलॉजी, एनिमल बायो-टेक्नोलॉजी
अमित रॉय	एम.एससी., पीएच.डी.	मोलिक्यूलर बायोलॉजी जेनेटिक इंजिनियरिंग
तथागता चौधरी	एम.एससी., पीएच.डी.	वायरोलॉजी सेल बायोलॉजी
एसिस्टेन्ट प्रोफेसर		
निलंजन दास	एम.एससी., पीएच.डी.	बायोकैमिस्ट्री, बायोएथिक्स, आईपीआर
नरोत्तम दे	एम.एससी., पीएच.डी.	बायोटेक्नोलॉजी
जोली बसक	एम.एससी., पीएच.डी.	बायोकैमिस्ट्री, जेनोमिक्स ऐण्ड प्रोटियोमिक्स
समिरन साहा	एम.एससी., पीएच.डी.	इम्यूनोलॉजी एनिमल बायोटेक
बोटेनी		
प्रोफेसर		
सुधेन्दु मंडल	एम.एससी., पीएच.डी.	प्लांट टेक्सोनॉमी ऐण्ड एरोबायोलॉजी
सुकान्त कुमार सेन	एम.एससी., पीएच.डी.	माइक्रोबायोलॉजी
समित रे	एम.एससी., पीएच.डी.	फिकोलॉजी
काशीनाथ भट्टाचार्य	एम.एससी., पीएच.डी.	पालीनोलॉजी ऐण्ड एन्वारन्मेन्टल बायोलॉजी
निर्मलया बनर्जी	एम.एससी., पीएच.डी.	साइटोजेनेटिक्स
रूपकुमार कर	एम.एससी., पीएच.डी.	प्लांट फिसियोलॉजी ऐण्ड बायोकैमिस्ट्री
नारायण चंद्र मंडल	एम.एससी., पीएच.डी.	माइकोलॉजी ऐण्ड प्लांट पेथोलॉजी
स्वदेश रंजन विश्वास	एम.एससी., पीएच.डी.	मोलिक्यूलर बायोलॉजी
सुब्रत मंडल	एम.एससी., पीएच.डी.	प्लांट टेक्सोनॉमी
एसोसिएट प्रोफेसर		
चौधरी हबीबुर रहमान	एम.एससी., पीएच.डी.	फारमेकोग्नॉसी
एसिस्टेन्ट प्रोफेसर		
श्री बोम्बा दम	एम.एससी. पीएच.डी.	माइक्रोबायोलॉजी
ज्ननेंद्र रथ	एम.एससी., पीएच.डी.	फिकोलॉजी
अदानि लोखो	एम.एससी., पीएच.डी.	एंगियोस्पर्न टेक्सोनॉमी
हेमा गुप्ता (जोशी)	एम.एससी., पीएच.डी.	प्लांट इकोलॉजी

नाम	योग्यता	विशेषज्ञ
सुरेन्द्र कुमार गौंद	एम. एससी., पीएच.डी.	माइकोलॉजी ऐण्ड प्लांट पैथोलॉजी
सतीश कुमार वर्मा	एम.एससी.	बायोकैमिस्ट्री
नंदलाल मंडल	एम.एससी., पीएच.डी.	साइटोजेनेटिक्स
सोमा चुनरी	एम.एससी., पीएच.डी.	प्टेरिडोलॉजी
अंजलका रॉय	एम.एससी., पीएच.डी.	मेडिसिनल प्लांट बायोलॉजी
कैमिस्ट्री		
प्रोफेसर		
असिम कुमार दास	एम.एससी., पीएच.डी., डी.एससी.	इनऑरगेनिक कैमिस्ट्री
प्रनेश चौधरी	एम.एससी., पीएच.डी.	इनऑरगेनिक कैमिस्ट्री
गौतम ब्रह्मचारी	एम.एससी., पीएच.डी.	ऑरगेनिक कैमिस्ट्री
प्रणब सरकार	एम.एससी., पीएच.डी.	फिजिकल कैमिस्ट्री
भवतोष मंडल	एम.एससी., पीएच.डी.	इनऑरगेनिक कैमिस्ट्री
स्वप्न कुमार चंद्र	एम.एससी., पीएच.डी.	इनऑरगेनिक कैमिस्ट्री
एसोसिएट प्रोफेसर		
गौरवकांति दास	एम.एससी., पीएच.डी.	ऑरगेनिक कैमिस्ट्री
विजयकृष्णा दोलुई	एम.एससी., पीएच.डी.	इनऑरगेनिक कैमिस्ट्री
आदिनाथ माजी	एम.एससी., पीएच.डी.	ऑरगेनिक कैमिस्ट्री
एसिस्टेन्ट प्रोफेसर		
बी.सी. बाग	एम.एससी., पीएच.डी.	फिजिकल कैमिस्ट्री
नाजमिन अरा बेगम	एम.एससी., पीएच.डी.	ऑरगेनिक कैमिस्ट्री
मानस घोष	एम.एससी., पीएच.डी.	फिजिकल कैमिस्ट्री
अलकानंदा हाजरा	एम.एससी., पीएच.डी.	ऑरगेनिक कैमिस्ट्री
श्रीमती बुला सिंह	एम.एससी.	फिजिकल कैमिस्ट्री
मुहम्मद मोटिन शेख	एम.एससी., पीएच.डी.	इनऑरगेनिक कैमिस्ट्री
के. सी. भौमिक	एम.एससी., पीएच.डी.	ऑरगेनिक कैमिस्ट्री
श्री विश्वजीत दे	एम.एससी.	इनऑरगेनिक कैमिस्ट्री
डॉ. सुदिप कुमार मंडल	एम.एससी., पीएच.डी.	फिजिकल कैमिस्ट्री
डॉ. पी. साहु	एम.एससी., पीएच.डी.	ऑरगेनिक कैमिस्ट्री
एन्वारन्मेन्टल स्टडीज		
प्रोफेसर		
श्रीमती शिबानी चौधरी	एम.एससी., पीएच.डी.	एन्भ. बायोलॉजी ऐण्ड टोक्सीकोलॉजी
एसोसिएट प्रोफेसर		
प्रताप कुमार पाधे	एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी.	एन्भ. साइंसेस्
एसिस्टेन्ट प्रोफेसर (III)		
पुलक कुमार पात्रा	एम.एससी., पीएच.डी.	अर्थ साइन्सेस्

नाम	योग्यता	विशेषज्ञ
एसिस्टेन्ट प्रोफेसर (II)		
एस. बालाचंद्रन	एम.एससी., एम.फिल, पीएच.डी.	एन्भ. साइंसेस्
श्वेता यादव	एम.एससी., पीएच.डी.	एन्भ. कैमिस्ट्री
मैथेमेटिक्स्		
प्रोफेसर		
श्यामल कुमार सामन्ता	एम.एससी., पीएच.डी.	फंक्श्नल एनालाइसिस ऐण्ड फूजी टोपोलॉजी
दुलाल पाल	एम.एससी., एम.फिल, पीएच.डी.	फ्लूइड मैकेनिक्स, एटमोस्फेरिक साइन्स
संताब्रता चक्रवर्ती	एम.एससी., पीएच.डी.	बायोमैथेमेटिक्स्
स्वप्न राहा	एम.एससी., एम. टेक, पीएच.डी.	एन्भ. कम्प्यूटर साइन्स ऐण्ड साइबरनेटिक्स/बायेइन्फोरमैटिक्स्
प्रशान्त चटर्जी	एम.एससी., पीएच.डी.	प्लाज्मा डाइनामिक्स् नॉनलिनियर मेकेनिक्स्
प्रशान्त कुमार मंडल	एम.एससी., पीएच.डी.	बायोमैथेमेटिक्स्
तापस रॉय महापात्रा	एम.एससी., पीएच.डी.	फ्लूइड डाइनामिक्स
एसेसिएट प्रोफेसर		
मदन मोहन पांजा	एम.एससी., पीएच.डी.	डायनामिक्स सिस्, वेवलेट न्यूमेरिकल एनालाइसिस, थियोरी ऑफ डिफ. इक्वेशन
दिब्येन्दु बनर्जी	एम.एससी., पीएच.डी.	कॉम्प्लेक्स एनालाइसिस
तारापद बाग	एम.एससी., पीएच.डी.	फूजी फंक्शनल एनालाइसिस/फंक्शनल एनालाइसिस
एसिस्टेंट प्रोफेसर		
सुभाशीष रॉय	एम.एससी., पीएच.डी.	रियल एनालाइसिस
ए. के. भुनिया	एम.एससी., पीएच.डी.	एलजेब्रा (थियोरी ऑफ सेमीग्रुप्स्)
अमर प्रसाद मिश्र	एम.एससी., पीएच.डी.	प्लाजमा फिजिक्स
कल्याण हसदा	एम.एससी	एलजेब्रा
लक्ष्मीनारायण गुईन	एम.एससी.	बायोमैथे मेटिक्स
निखिल पॉल	एम.एससी.	कम्प-साइन्स, मॉडेलिंग इन इकोलॉजी
मिजानुर रहमान	एम.एससी.	फंक्शनल एनालाइसिस
फिजिक्स		
प्रोफेसर		
ताराप्रसाद चट्टोपाध्याय	एम.एससी., पीएच.डी.	इलेक्ट्रोनिक्स
सोमनाथ चक्रवर्ती	एम.एससी., पीएच.डी.	एस्ट्रोफिजिक्स ऐण्ड कोसमोलॉजी

नाम	योग्यता	विशेषज्ञ
एम. माइती	एम.एससी., पीएच.डी.	पार्टिकल फिजिक्स
ए. भट्टाचार्य	एम.एससी., पीएच.डी.	कन्ड. मैथ. फिजिक्स
टी. के. कुन्डु	एम.एससी., पीएच.डी.	इलेक्ट्रॉनिक्स
पीयूषकांति घोष	एम.एससी., पीएच.डी.	पार्टिकल फिजिक्स
स्वप्न मंडल	एम.एससी., पीएच.डी.	क्वांटम ऑप्टिक्स्
श्रीमती अस्मिता सेनगुप्ता	एम.एससी., पीएच.डी.	कन्ड. मैथ. फिजिक्स
एसोसिएट प्रोफेसर		
श्रीकांत सिल	एम.एससी., पीएच.डी.	कन्ड. मैथ. फिजिक्स
विकासचंद्र गुप्ता	एम.एससी., पीएच.डी.	कन्ड. मैथ. फिजिक्स
मिस अर्पणा साहा	एम.एससी., पीएच.डी.	एटोमिक फिजिक्स
एसिस्टेन्ट प्रोफेसर		
अरानि चक्रवर्ती	एम.एससी., पीएच.डी.	कन्ड. मैथ. फिजिक्स
एस. के. मंडल	एम.एससी., पीएच.डी.	कन्ड. मैथ. फिजिक्स
बुद्धदेव मुखर्जी	एम.एससी., पीएच.डी.	न्यूक्लियर फिजिक्स
आदित्य साव मंडल	एम.एससी., जेआरसफ	एस्ट्रो फिजिक्स ऐण्ड कोस्मोलॉजी क्यू. एफ. टी.
विश्वजीत पाण्डे	एम.एससी., पीएच.डी.	एस्ट्रो फिजिक्स ऐण्ड कोस्मोलॉजी
अमृता बन्दोपाध्याय	एम.एससी., नेट	एटोमिक ऐण्ड न्यूक्लियर स्पैक्ट्रोस्कॉपी. लेजर
बिप्लब रॉयचौधरी	एम.एससी., पीएच.डी.	रिलेटिविटी कोस्मोलॉजी
सुदिप्ता दास	एम.एससी., पीएच.डी.	एस्ट्रो फिजिक्स ऐण्ड कोस्मोलॉजी
सुभाषचंद्र तुदु	एम.एससी.	एक्स-रे क्रिस्टेलोग्राफी
सुभाशीष रॉय	एम.एससी.	रेडियो फिजिक्स ऐण्ड इलेक्ट्रोनिक्स
आर. के. सिन्हा	एम.एससी., पीएच.डी.	कन्डेन्स्ड मैटर फिजिक्स
स्वरूप कुमार माजी	एम.एससी., पीएच.डी.	—
अनघ चक्रवर्ती	एम.एससी., पीएच.डी.	न्यूक्लियर फिजिक्स स्पेस्लाइजेशन
स्टैटिस्टिक्स		
प्रोफेसर		
काशीनाथ चटर्जी	एम. स्टैट्, पीएच.डी.	डिजाइन ऑफ एक्स्पेरिमेन्ट
सुधांशु एस. माइती	एम.एससी., पीएच.डी.	रिलिएबिलिटी एनालाइसिस
एसिस्टेन्ट प्रोफेसर		
सौमाल्या मुखोपाध्याय	एम.एससी.	बायो स्टैटिस्टिक्स
मिस. सरन इशिका माइती	एम.एससी.	मल्टी वैरियेट ऐण्ड टाइम सीरीज एनालाइसिस
तीर्थंकर घोष	एम.एससी.	मल्टीवैरियेट ऐण्ड टाइम सीरीज एनालाइसिस

नाम	योग्यता	विशेषज्ञ
ए. चक्रवर्ती	एम.एससी., पीएच.डी.	स्टैटिस्टिक्स
एस. राना	एम.एससी.	स्टैटिस्टिक्स
जूलोजी		
प्रोफेसर		
शैली भट्टाचार्य	एम.एससी., पीएच.डी.	एन्वारन्मेन्टेल टोक्सीकोलॉजी
समीर भट्टाचार्य (एमेरिटुस)	एम.एससी., पीएच.डी.	मोलिक्यूलर एन्डोक्रिनोलॉजी ऐण्ड सिगनलिंग
अरुण कुमार रे	एम.एससी., पीएच.डी.	फिश बायोलॉजी ऐण्ड फिस्रिस
पंचानन नाथ	एम.एससी., पीएच.डी.	रिप्रौडक्टिव फिसियोलॉजी ऑफ फिश ऐण्ड फिश एन्डोक्रिनोलॉजी
वादकेपुरम चक्के जॉय	एम.एससी., पीएच.डी.	सोयल इकोलॉजी ऐण्ड इकोटोक्सीकोलॉजी
सोमेन कुमार मैत्रा	एम.एससी., पीएच.डी.	एन्वारन्मेन्टल एन्डोक्रिनोलॉजी
शांतिप्रसाद सिन्हाबाबू	एम.एससी., पीएच.डी.	पैरासिटोलॉजी, नेमाटोलॉजी ऐण्ड न्यूरोबायोलॉजी
शान्तनु रॉय	एम.एससी., पीएच.डी.	इकोलोजिकल मोडेलिंग
दीपक कुमार मंडल	एम.एससी., पीएच.डी.	फिशरिस ऐण्ड फिश बायोलॉजी
समरकुमार साहा	एम.एससी., पीएच.डी.	फिश बायोलॉजी
अंशुमन चट्टोपाध्याय	एम.एससी., एम.फिल, पीएच.डी.	रेडिएशन जेनेटिक्स
एसोसिएट प्रोफेसर		
लरिशा एम. लिनडेन	एम.एससी., पीएच.डी.	पैरासिटोलॉजी
सुदिप्ता मैत्रा	एम.एससी., पीएच.डी.	फिश फिसियोलॉजी
एसिस्टेन्ट प्रोफेसर		
सूर्यकुमार सैकिया	एम.एससी., पीएच.डी.	एक्वाकल्चर
राकेश कुन्डु	एम.एससी., पीएच.डी.	टोक्सिकोलॉजी
सुतपा मुखर्जी	एम.एससी., एम.फिल, पीएच.डी.	बायोकैमिस्ट्री ऐण्ड मोलिक्यूलर एन्डोक्रिनोलॉजी
कम्प्यूटर ऐण्ड सिस्टम साइन्स		
प्रोफेसर		
परमार्थ दत्ता	एम.स्टैट, एम.टेक, पीएच.डी.	सॉफ्ट कम्प्यूटिंग, पैटर्न रिकोगनिशन, मोबाइल एड–हॉक नेटवर्क, इमेज प्रोसेसिंग
बलराम भट्टाचार्य	एम.एससी., पीएच.डी., एम.टेक	डेटा माइनिंग इमेज प्रोसेसिंग, बायो–इन्फ्र.

नाम	योग्यता	विशेषज्ञ
अलोक कुमार दत्ता	एम.एससी., पीएच.डी.	एप्रोक्सिमेशन एलगोरिथमस, भीएलएसआई रुटिंग एलगोरिथ्म्स कम्प्यूटेशनल मॉलिक्यूलर बायोलॉजी
उत्पल रॉय	एम.एससी., पीएच.डी.	क्वांटम कम्प्यूटिंग, इमेज प्रोसेसिंग डोक्यूमेन्ट ऐण्ड कलर
एसोसिएट प्रोफेसर		
तथागतो मुखोपाध्याय	एम.एससी., एम.ई.	मोबाइल कम्यूनिकेशन, इमेज प्रोसेसिंग
एसिस्टेन्ट प्रोफेसर		
काकली दत्ता	बी.एससी., बी.टेक, एम.ई.	क्वांटम सेल्यूलर ऑटोमेटा
सुभाशीष बनर्जी	एम.एससी., एम.टेक.	मोबाइल कम्यूनिकेशन
संचिता पालचौधरी	एम.एससी., एम.टेक.	डिस्क्रीट मैथेमेटिक्स, सॉफ्ट कम्प्यूटिंग
मधुसूदन पॉल	एम.एससी., एम.टेक.	कम्प्यूटेशनल सिस्टम बायोलॉजी
देवादित्य बर्मन	बी.ई., एम.ई.	मशिन लर्निंग ऐण्ड डेटा माइनिंग
इंटिग्रेटेड साइन्स		
प्रोफेसर		
संघमित्रा राहा	एम.एससी., पीएच.डी.	मोलिक्यूलर सेल बायोलॉजी सिग्नल ट्रांसडक्शन
एसोसिएट प्रोफेसर		
सुब्रत सिन्हा	एम.एससी., पीएच.डी.	स्पेक्ट्रोस्कॉपी
सुशांत घोष	एम.एससी., पीएच.डी.	फिजिकल कैमिस्ट्री
एसिस्टेन्ट प्रोफेसर		
महाश्वेता नंदी	एम.एससी., पीएच.डी.	इनऑरगेनिक कैमिस्ट्री मेटेरियल साइन्स
उमेश कुमार सिंह	एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी.	हाइड्रोजियोलॉजी वॉटर ऐण्ड सोयल पौल्यूशन
स्वप्न कुमार पंडित	एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी.	कम्प्यूटेशनल फ्लूइड डायनामिक्स
निलंजन बन्दोपाध्याय	एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी.	मैथेमेटिकल फिजिक्स हाई एनर्जी फिजिक्स
एडूकेशन		
प्रोफेसर		
बेनुधर चिनारा	एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.	पीस ऐण्ड वेल्यू एडूकेशन, एलिमेन्ट्री एडू
शंशुचरण रॉय	पीएच.डी., बी.एड., एम.पीई	फिजिकल एड्न, एनआईएस, पीएच.डी.
राजर्षि रॉय	एम.ए., एम.एड., पीएच.डी.	एडूकेशनल सोशियोलॉजी
खानुचरण साहु	एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.	एडूकेशन

नाम	योग्यता	विशेषज्ञ
एसोसिएट प्रोफेसर		
बिप्लब कुमार चट्टोपाध्याय	एम.एससी., पीएच.डी.	एग्रीकल्चर
आशीष श्रीवास्तव	एम.एससी., एम.एड., पीएच.डी.	मैथेमेटिक्स
नीलरतन रॉय	एम.ए., बी.एड., पीएच.डी.	ई.पी.एम., करिकुलम डेवेलपमेन्ट
श्यामसुंदर वैराग्य	एम.ए., पीएच.डी.	इकोनोमेट्रिक्स ऐण्ड स्टैटिस्टिक्स
एसिस्ट्टेंट प्रोफेसर		
प्रथा प्रतीम सिकदर	एम.फाइन	फाइन आर्ट्स स्कल्प्चर
श्रीमती तृष्णा बनर्जी	एम.मस	रवीन्द्र संगीत, ट्रैडिश्नल बंगाली सॉन्ग
सनत कुमार रथ	एम.ए., एम.एड., पीएच.डी.	एडूकेशन, फिलोसॉफी
प्रह्लाद रे	एम.ए., बी.एड., पीएच.डी.	बंगाली एडूकेशन सोशियोलॉजी ऐण्ड फॉल्क एडू.
चित्रलेखा माइती	एम.एससी.	जियोग्राफी
मिस सरिता आनंद	एम.ए., एम.एड.	एडूकेशन
मुहम्मद शहीद सिद्दिकी	एम.ए., एम.एड.	इंग्लिश/इकोनोमिक्स
प्रसन्नजीत साहा	एम.ए., नेट	जियोग्राफी एडूकेशन वुमेन एम्पावरमेन्ट
शिल्पी घोष	एम.ए., पीएच.डी.	एडूकेशनल साइकोलॉजी
मिस. शर्मिला यादव	एम.एससी., एम.एड., एम.फिल.	एडूकेशन साइकोलॉजी
उमाकांत प्रसाद	एम.ए., एम.एड.	स्पेशल एडूकेशन
फिजिकल एडूकेशन		
प्रोफेसर		
ब्रजनाथ कुन्डु	बी.एससी., एम.पी.एड., पीएच.डी.	एक्सरसाइज़ फिजियोलॉजी
सागरिका बन्दोपाध्याय	बी.एससी., एम.पी.एड., एम.फिल, पीएच.डी.	एक्सर्साइज़ फिजियोलॉजी
सुमन्त कुमार मंडल	एम.पी.ई., एम.फिल., पीएच.डी.	काइनेसियोलॉजी ऐण्ड बायोमैकेनिक्स
समिरन मंडल	एम.एड. (फिजिकल एडूकेशन), पीएच.डी.	फिको–फिसियोलॉजी कर्ट इन हॉकी, योगा
एसोसिएट प्रोफेसर		
अशोक कुमार गून	एम.पी.ई.डीप. इन कोचिंग	एक्सर्साइज फिजियोलॉजी
सुदर्शन विश्वास	एम.पी.ई., पीएच.डी.	एक्सर्साइज फिजियोलॉजी ऐण्ड फुटबॉल
महेशाश्वता खेटमालिस	एम.पी.ई., पीएच.डी.	स्पोर्टस् साइकोलॉजी ऐण्ड जिमनैस्टिक्स
एसिस्ट्टेन्ट प्रोफेसर		
रत्नेश सिंह	एम.पी.ई., एम.फिल., डिप्लोमा इन कोचिंग (क्रिकेट)	बायोमैकेनिक्स ऐण्ड क्रिकेट
सेन्तु मित्रा	एम.पी.ई., पीएच.डी.	एक्स ऐण्ड स्पोर्टस् फिजियोलॉजी

नाम	योग्यता	विशेषज्ञ
कलोल चटर्जी	एम.पी.ई., एम.फिल, पीएच.डी.	वॉलीबॉल
अभिजीत थंदर	बी.ए., बी.पी.एड., एम.फिल.	एक्स ऐण्ड स्पोर्टस् फिजियोलॉजी
संगीत भवन		
प्रोफेसर		
इंद्राणी मुखर्जी	एम.मस., पीएच.डी.	रवीन्द्र संगीत
माधवी रूज (घोष)	एम.मस., पीएच.डी.	रवीन्द्र संगीत
स्वास्तिका मुखर्जी	बी.ए.	रवीन्द्र संगीत
काबेरी कर	एम.ए.	ध्रुपद
बसबी मुखर्जी	एम.फिल.	खायेल ऐण्ड ठुमरी
सुनील कविराज	बी.कॉम	एसराज
बुद्धदेव दास	एम.मस.	एसराज
सब्यसाची सरखेल	एम.ए., पीएच.डी.	सितार
के. सुनीता देवी	बी.ए., डिप इन मणिपुरी	मणिपुरी डांस
स्वप्न घोष	संगीत रत्नाकर (एम.मस.)	तबला, पखवाज
तारक सेनगुप्ता	एम.ए., डिप् इन फोटोग्राफी	ड्रामा ऐण्ड थियेटर आर्ट्स, (एक्टिंग/डायरेक्शन), फोटोग्राफी
टी.एस. वसुनी	प्रोफिसिएन्सी इन आर्ट	कथकली डांस
एसोसिएट प्रोफेसर		
प्रशान्त कुमार घोष	बी.एससी., बी.एड., एम.मस.	रवीन्द्र संगीत
निखिलेश चौधरी	एम.मस., पीएच.डी.	सितार ऐण्ड म्यूजिकोलॉजी
वाई. हेमन्त कुमार	बी.ए., पी.जी.डी. (रस) डिप्लोमा कोरेग्राफी	मणिपुरी डांस
मलय शंकर चटर्जी	एम.मस.	रवीन्द्र संगीत
एसिस्ट्टेंट प्रोफेसर		
मोहन कुमारन पी.	एम.ए., बी.एड.	कथकली डांस
संघमित्रा गुप्ता	पी.जी.डिप. (सोशियोलॉजी) डांस	रवीन्द्र संगीत
सुमीत बासु	एम.ए., पीएच.डी.	मणिपुरी डांस
बसंत मुखर्जी	एम.मस.	कथाकली डांस
मोनोजीत मल्लिक	एम.ए.	क्लासिकल वॉकेल (खेयाल)
निखिल रंजन रॉय	संगीत प्रभाकर ऐण्ड विसारद, गुरुकुल ट्रेनिंग	तबला
संदीप घोष	बी.कॉम, संगीत प्रभाकर संगीत बिवाकर	तबला ऐण्ड पखवाज
मौसमी रॉय	एम.ए., पीएच.डी. एच.सी.एम. (वॉकेल)	खेयाल

नाम	योग्यता	विशेषज्ञ
तापस चटर्जी	एम.मस.	हिन्दुस्तानी क्लासिकल म्यूजिक (एसराज)
श्रीमती छायारानी मंदा	एम.ए., एम.फिल.	ओड़िया ऐण्ड क्लासिकल वोकेल म्यूजिक (एच.सी.वाई)
रंजीत दास	एम.मस.	क्लासिकल म्यूजिक
श्रीमती इशिता चक्रवर्ती	एम.मस., एम.फिल.	क्लासिकल म्यूजिक
राजेश मेनन एन.	एम.मस.	कथकली डांस
अमित कुमार वर्मा	एम.मस.	क्लासिकल म्यूजिक
पी. मुकुन्द कुमार	एम.मस.	कथकली डांस
श्रीमती अर्पिता दत्ता (दास)	एम.मस.	रवीन्द्र संगीत
सुचिन्द्रनाथ पुथन	एम.ए. इन कथकली	
श्री राजेश के. भी.	पीएच.डी.	
नंदिता बासु सर्बाधिकारी	एम.मस.	रवीन्द्र संगीत
माननी मुखोपाध्याय	एम.मस.	रवीन्द्र संगीत
सप्तर्षि रॉय	एम.मस.	रवीन्द्र संगीत
सुरजीत रॉय	एम.ए.	रवीन्द्र संगीत
बिप्लब विश्वास	एम.ए., पीएच.डी.	ड्रामा ऐण्ड थियेटर आर्ट्स
अमर्त्य	एम.ए., पीएच.डी.	ड्रामा ऐण्ड थियेटर आर्ट्स
मृत्युंजय कुमार प्रभाकर	एम.ए.	ड्रामा ऐण्ड थियेटर आर्ट्स
ज्ञानवती देवी	बी.ए.	मणिपुरी डांस स्पेशलाइजेशन
रंजनी रामाचंद्रन	एम.ए., पीएच.डी.	वोकेल
एकम्पनिस्ट		
के. प्रेमजीत सिंह	पी.जी. डिप् इन मृदंग	पंग (खेल)
एन. पी. शंकरनारायणन	प्रोफिसिएन्सी इन आर्ट पी.जी. कथकली	कथकली चंदा
अनिमेष चंद्रा	गुरुकुल ट्रेनिंग	एसराज
आलोक बनर्जी	एम.मस.	एसराज
तपन कुमार रॉय	एच.एस., संगीत प्रवाकर ऐण्ड रत्नाकर	तबला
सीताराम दास	बी. एससी.	तबला
विश्वजीत साहु	एम.ए.	तबला
जोयदेब गोलदेर	एम.ए., एम.मस.	तबला
राजन पी.	डिप् इन मद्दालम	मद्दालम
चंचल नंदी	एम.मस.	तबला
अपूर्वलाल मान्ना	—	तबला
कमलेश रॉय	एम.मस.	तबला

नाम	योग्यता	विशेषज्ञ
कला-भवन		
डिजाइन		
प्रोफेसर		
शिशिर सहाना	बी.एफ.ए., एम.एफ.ए.	ग्लास
अशोक भौमिक	5 इयर्स कोर्स इन डिप्. इन पेन्टिंग	पेन्टिंग
गौतम कुमार दास	बी. फाइन	सेरामिक्स
एसोसिएट प्रोफेसर		
साक्षी गोपाल दास	डिप्. इन फाइन आर्ट्स	टेक्सटाइल डिजाइन
प्रसूनकांति भट्टाचार्य	बी.एससी. (ऑनर्स), डिप्लोमा इन पेन्टिंग	पेन्टिंग ऐण्ड टेक्सटाइल डिजाइन
देवाशीष महालनोबिश	डी.एच./एल. टेक., पी.डी. टेक्सटाइल कैमिस्ट्री, डिप्, एच./एल. को. ऑप् मैनेजमेन्ट	हैंडलूमस् ऐण्ड टेक्सटाइल कैमिस्ट्री
मिस. बनतन्वी दास महापात्रा	एम.एफ.ए.	टेक्सटाइल इन डिजाइन
एसिस्ट्टेंट प्रोफेसर		
कृष्णेन्दु बाग	बी.फाइन, टेक्सटाइल डिजाइन	डिजाइन (टेक्सटाइल)
देवाशीष दास	एम.भी.ए. इन सेरामिक	सेरामिक डिजाइन
मिस. भावना खजूरिया बासुमतरी	एम.एफ.ए.	सेरामिक डिजाइन
अर्चना दास	एम.एफ.ए.	सेरामिक डिजाइन
मदी लिंदा	बी.ए., बी.एफ.ए., एम.एफ.ए.	सेरामिक डिजाइन
ग्राफिक आर्ट		
प्रोफेसर		
निर्मलेन्दु दास	एम.एफ.ए., पीएच.डी.	ग्राफिक आर्ट
एसोसिएट प्रोफेसर		
अजीत सील	पोस्ट डिप्लोमा ग्राफिक आर्ट	ग्राफिक आर्ट
अर्पणा मुखर्जी	एम.एफ.ए.	ग्राफिक आर्ट
एसिस्टेन्ट प्रोफेसर		
सलिल साहनी	एम.एफ.ए.	ग्राफिक आर्ट
उत्तम कुमार बसक	एम.एफ.ए.	ग्राफिक आर्ट
माइरंगथेम थॉमस सिंह	एम.भी.ए.	ग्राफिक आर्ट
प्रशान्त फिरंगी	एम.एफ.ए.	ग्राफिक आर्ट
हिस्ट्री ऑफ आर्ट		
प्रोफेसर		
आर. शिवकुमार	एम. फाइन	कन्टेम्पोरेरी इंडियन आर्ट रिनेजा ऐण्ड पोस्ट रिनेजा आर्ट ऑफ दि वेस्ट
संजय कुमार मल्लिक	एम.एफ.ए., पीएच.डी.	इंडियन आर्ट एन्सिएन्ट ऐण्ड कन्टेम्पोरेरी
एसोसिएट प्रोफेसर		
मेघाली गोस्वामी	एम.एफ.ए., पीएच.डी.	

नाम	योग्यता	विशेषज्ञ
एसिसटेन्ट प्रोफेसर		
अंशुमन दासगुप्ता	एम.एफ.ए.	कन्टेम्पोरेरी आर्ट (इंडियन ऐण्ड वेस्टर्न)
सौमिक नंदी मजूमदार	एम.एफ.ए.	इंडियन आर्ट (टैडिशनल आर्ट ऐण्ड क्राफ्ट)
ऋषभ गंधार नर्जरी	एम.एफ.ए.	माडर्न वेस्टर्न आर्ट
पेन्टिंग		
प्रोफेसर		
नंददुलाल मुखोपाध्याय	बी. फाइन, एम.एफ.ए.	पेन्टिंग ऐण्ड मुरल
दिलिप मित्रा	एम.एफ.ए.	पेन्टिंग
सीनान्शु मुखोपाध्याय	एम.एफ.ए., पीएच.डी.	पेन्टिंग
एसोसिएट प्रोफेसर		
अर्घ्य प्रिया मजूमदार	एम. फाइन	पेन्टिंग
संचायन घोष	एम.एफ.ए.	पेन्टिंग
राजर्षि विश्वास	एम.एफ.ए.	पेन्टिंग
एसिस्टेन्ट प्रोफेसर		
अंबारिश नंदन	एम.भी.ए.	पेन्टिंग
प्रशान्त साहु	—	पेन्टिंग
एसके शाहजहाँ	एड्भ. डिप् इन पेन्टिंग	पेन्टिंग
धारित्री बोरो	एम.एफ.ए.	पेन्टिंग
स्क्लप्चर		
प्रोफेसर		
पंकज पँवार	एम.एफ.ए.	स्क्लप्चर
एसोसिएट प्रोफेसर		
सुतानु चटर्जी	एम.एफ.ए.	स्क्लप्चर
मतिलाल कलाई	एम.एफ.ए.	स्क्लप्चर
एसिस्टेंट प्रोफेसर		
कमल धर	एम.एफ.ए.	स्क्लप्चर
ऋषि बरुआ	एम.एफ.ए.	स्क्लप्चर
अमित कुमार धरा	एम.एफ.ए.	स्क्लप्चर
लवन्शैभा खरमावलोंग	एम.एफ.ए.	स्क्लप्चर
सजद हामदनी	एम.एफ.ए.	स्क्लप्चर
पाली समगठन विभाग		
पाली चर्चा केन्द्र		
प्रोफेसर		
शंकर मजूमदार	एम.एससी., पीएच.डी.	प्लैनिंग ऐण्ड पब्लिफ इकोनोमिक्स

नाम	योग्यता	विशेषज्ञ
एसोसिएट प्रोफेसर		
शान्तनु रक्षित	एम.एससी., पीएच.डी.	अग्रेरियन इकोनॉमी, इन्टरनेशनल ट्रेड, सोशियो–इकोनोमिक डिफरेनसिएशन
एम. अलंकार मस्सिलमनी	एम.ए., एम.ए., पीएच.डी.	रुरल डेवेलपमेन्ट
रथीन्द्रनाथ प्रामाणिक	एम.ए., पीएच.डी.	एग्रीकल्चरल इकोनॉमी/लेवर इकोनॉमी
रुरल एक्सटेन्शन केन्द्र		
प्रोफेसर		
अमित कुमार हाजरा	एम.एससी. (एग.), पीएच.डी.	रुरल इकोनोमिक्स ऐण्ड रुरल डेवेलपमेन्ट
एसोसिएट प्रोफेसर		
रफीकुल इस्लाम	एम.ए. (एस.डब्लू.), पीएच.डी.	एलिमेन्ट्री ऐण्ड नॉनफोरमल एडूकेशन पोपुलेशन एडूकेशन
सुजीत कुमार पाल	एम.ए., पीएच.डी.	रुरल डेवेलपमेन्ट
एसिस्र्टेंट प्रोफेसर		
शुभ्रांशु सन्त्र	एम.ए., पीएच.डी.	रुरल डेवेलपमेन्ट
शिल्प–सदन		
प्रोफेसर		
राजकुमार कुमार कोनार	बी.आर्च, एम. डेस.	आर्किटेक्चर, फर्नीचर इंटिरियर ऐण्ड प्रौडक्स डिजाइन
श्रीमती पद्मिनी बलराम	पीएच.डी.	टेक्सटाइल
एसोसिएट प्रोफेसर		
विशाल सी. भन्द	बी.एफ.ए., एम.एससी. (टेक्सटाइल्स)	डिजाइन थियोरी, प्रोसेस् ऐण्ड पेन्टिंग
अरूप मुखर्जी	बी.एससी. (टेक्)	टेक्सटाइल कैमिस्ट्री
सुमिनाभ पाल	एम.एफ.ए.	स्क्ल्प्चर
शान्तनु कुमार जेना	बी.एफ.ए. ऐण्ड एम.एफ.ए. इन पोटेरी ऐण्ड सेरामिक एड्भ कोर्स इन सेरामिक, चाइना	सेरामिक ऐण्ड ग्लास
अरविन्द मंडल	बी. टेक, एम. टेक, पीएच.डी. (टेक)	सेरामिक
एसिस्र्टेन्ट प्रोफेसर		
अमृत कुमार दास	डिप्. इन वुड वर्क	वुड वर्क
मधुसूदन हाजरा	डिप्. इन हैंडलूम वेविंग	हैंडलूम वेविंग
संजय कुमार गोस्वामी	बी.एस.सी., पेपर टेक्	पेपर मेकिंग
श्रीमती श्यामली सेनगुप्ता	बी.एससी. (ऑनर्स) डिप. इन वुड वर्क	वुड वर्क
अरुण कुमार शर्मा	बी.एफ.ए. ऐण्ड एम.एफ.ए. पोट ऐण्ड सेर	पोटेरी सेरामिक

नाम	योग्यता	विशेषज्ञ
प्रबीर कुमार चौधरी	एम.एससी. (टेक)	मैकेनिकल प्रोसेसिंग टैक्सटाइल
आशीष मित्रा	बी.एससी. (टेक) एम.एससी. (टेक)	मैकेनिकल प्रोसेसिंग
शंकर रॉय मल्लिक	एम. टेक, पीएच.डी.	टेक्सटाइल कैमिस्ट्री
आशीष घोष	एम.एफ.ए.	वुड वर्क
नवकुमार माझी	बी.एफ.ए., एम.एफ.ए.	इंटिरियर एसेसरिस
देवकुमार दास	बी.कॉम डिप. इन वुर्ड वर्क	वुर्ड वर्क
मृणालकांति सरकार	बी.एफ.ए. (डिजाइन)	टेक्सटाइल डिजाइन
श्रीमती सुकन्या चटर्जी	बी.एससी., एम.एससी. (वुड एससी.)	वुड एससी. ऐण्ड टेक.
श्रीमती जया बोरो	एम.एफ.ए.	पेन्टिंग, पोटेरी, सेरामिक
मनोज कुमार प्रजापति	एम.एफ.ए.	डिजाइन, पोटेरी ऐण्ड सेरामिक
सोशल वर्क		
प्रोफेसर		
कुमकुम भट्टाचार्य	एम.ए. (साइकोलॉजी), पीएच.डी.	कल्चर परसोनैलिटी
अशोक कुमार सरकार	एम.ए. (एस.डब्लू.), पीएच.डी.	एनजीओस्, हेल्थ केयर ऐण्ड डेवेलपमेन्ट
प्रशान्त कुमार घोष	एम.ए. (एस.डब्लू.), पीएच.डी.	एच.आर.डी., एच.आर.एम., ए.आई.डी./ एच.आई.भी हिस्ट्री फिलोसॉफी, कोन्सेप्ट ऑफ सोशलवर्क
देबोतोष सिन्हा	एम.ए. (एस.डब्लू.), एम.फिल., पीएच.डी.	फैमिली ऐण्ड चाइल्ड वेलफेयर
मंजू मोहन मुखर्जी	एम.ए. (एस.डब्लू.), पीएच.डी.	हेल्थ ऐण्ड मैन्टल हेल्थ
एसोसिएट प्रोफेसर		
स्वप्न हाजरा	एम.ए. (एस.डब्लू.)	एच.आर.डी., वेलफेयर एडमिनिशट्रेशन
संजय रॉय	एम.ए. (एस.डब्लू.), एम.फिल, पीएच.डी.	कम्यूनिटी डेवेलपमेन्ट
रामप्रसाद दास	एम.ए. (एस.डब्लू.), एम.फिल	क्राइम ऐण्ड करेक्शनल एडमिनिशट्रेशन
पारोमिता रॉय	एम. एससी. (इकोनोमिक्स)	डेवेलपमेन्ट इकोनोमिक्स, सोशल डेवेलपमेन्ट
एसिस्र्टेंट प्रोफेसर		
सुदेशना साहा	एम.ए. (एस.डब्लू.)	मेडिकल ऐण्ड एस.डब्लू. साइकियाट्रिक सोशल वर्क कम्यूनिटी ऑरगनाइजेशन
जोसेफ वर्गेस	एम.ए., एम.फिल	कम्यूनिटी डेवेलपमेन्ट
सुकुमार पाल	एम.ए., पीएच.डी.	वीकर सेक्शन, सोशल डिफेन्स ऐण्ड करेक्शन
मिस शुभश्री सान्याल	एम.ए. (सोशल वर्क)	मेडिकल ऐण्ड साइकियाट्रिक सोशल वर्क

नाम	योग्यता	विशेषज्ञ
सुस्मिता पटेल	एम.एस.डब्लू., एम.फिल.	वुर्मन एम्पावरमेन्ट
अनुपम हाजरा	एम.एस.डब्लू., पीएच.डी.	कम्यूनिटी डेवेलपमेन्ट
मिस मौमिता लाहा	एम.एस.डब्लू.	सोशल पॉलिसी ऐण्ड प्लैनिंग
पाली शिक्षा भवन		
क्रॉप इम्प्रूव्मेन्ट हॉर्टिकल्चर ऐण्ड एग्रीकल्चरल बोटेनी		
प्रोफेसर		
परेशचन्द्र कोले	एम.एससी. (एजी), पीएच.डी.	प्लान्ट ब्रीडिंग
एसोसिएट प्रोफेसर		
अमिताभ पॉल	एम.एससी. (एजी), पीएच.डी.	जेनेटिक्स ऐण्ड प्लान्ट ब्रीडिंग
गौतम मंडल	एम.एससी., पीएच.डी.	पोमोलॉजी
स्नेहाशीष चक्रवर्ती	एम.एससी. (एजी), पीएच.डी.	ओलेरीकल्चर ऐण्ड फलोरीकल्चर
एसिस्र्टेंट प्रोफेसर		
जयदीप मंडल	एम.एससी. (एजी), पीएच.डी.	ओलेरीकल्चर
एन. आर. चक्रवर्ती	एम.एससी. (एजी), पीएच.डी.	जेनेटिक्स ऐण्ड प्लांट ब्रीडिंग
प्रहलाद देब	एम.एससी. (हॉर्ट), पीएच.डी.	पोमोलॉजी ऐण्ड पोस्ट–हारवेस्ट टेक्नोलॉजी
प्लान्ट प्रोटेक्शन		
प्रोफेसर		
नकुल चन्द्र मंडल	एम.एससी. (एजी), पीएच.डी.	पोस्ट हारवेस्ट पैथोलॉजी, रुट पैथोलॉजी ऐण्ड मशरुम ऐण्ड फंगल प्लान्ट पैथोलॉजी
कंचन बरल	एम.एससी. (एजी), पीएच.डी.	इकोनोमिक एन्टोमोलॉजी
हीरक चटर्जी	एम.एससी. (एजी), पीएच.डी.	इकोनोमिक एन्टोमोलॉजी
एसोसिएट प्रोफेसर		
आर. नाथ	एम.एससी. (एजी), पीएच.डी.	प्लान्ट वाइरोलॉजी
एसिस्टेन्ट प्रोफेसर		
पलाश मंडल	एम.एससी. (एजी), पीएच.डी.	इकोनोमिक एनटोमोलॉजी
मोहन कुमार विश्वास	एम.एससी. (एजी), पीएच.डी.	मशरुम ऐण्ड फंगल प्लांट पैथोलॉजी
भोलानाथ मंडल	एम.एससी. (एजी), पीएच.डी.	प्लान्ट बैक्टेरियोलॉजी
स्वर्णली भट्टाचार्य	एम.एससी. (एजी), पीएच.डी.	इकोनोमिक एनटोमोलॉजी
एग्रीकल्चरल एक्सटेन्शन एग्रीकल्चरल इकोनोमिक्स, ऐण्ड एग्रीकल्चरल स्टैटिस्टिक्स		
प्रोफेसर		
देबाशीष भट्टाचार्य	एम.एससी. (एजी), पीएच.डी.	स्टैटिस्टिक्स

नाम	योग्यता	विशेषज्ञ
सार्थक चौधरी	एम.एससी. (एजी), पीएच.डी.	एग्रील. एक्सटेंशन
एस. घोष	एम.एससी. (एजी), पीएच.डी.	एग्रील. एक्सटेंशन
एसोसिएट प्रोफेसर		
देवाशीष सरकार	एम.एससी. (एजी), पीएच.डी.	एग्रील. इकोनोमिक्स
एसिस्टेन्ट प्रोफेसर		
सिद्धार्थ देब मुखोपाध्याय	एम.एससी. (एजी), पीएच.डी.	एग्रील. एक्सटेंशन
अनिंदिता साहा	एम.एससी. (डेयरी एक्स्ट. एडू)	डेयरी एक्सटेंशन एडूकेशन
दिग्विजय सिंह धाकरे	एम.एससी., पीएच.डी.	स्टैटिस्टिक्स
बितान मंडल	एम.एससी.	डेयरी इकोनोमिक्स
कादर अली सरकार	एम.एससी. एग्रीकल्चर	—
एग्रोनॉमी, सोयल साइन्स, एग्रीकल्चरल इन्जिनियरिंग, प्लान्ट फिसियोलॉजी ऐण्ड एनिमल साइन्स		
प्रोफेसर		
आशीष कुमार चटर्जी	एम.एससी. (एजी), पीएच.डी.	सोयल कैमिस्ट्री
शान्ति रंजन मित्रा	एम.एससी. (एजी), पीएच.डी.	एग्री. कैमिस्ट्री
सरज कुमार पाइन	एम.भी.एससी., पीएच.डी.	वेट. एनाटॉमी ऐण्ड रिप्रोडक्शन टेराटोलॉजी
अरुण कुमार बारिक	एम.एससी. (एजी), पीएच.डी.	क्रॉप्स ऐण्ड क्रॉपिंग सिस्टम
विनय कुमार सरेन	एम.एससी. (एजी), पीएच.डी.	वॉटर मैनेजमेन्ट
गौतम कुमार घोष	एम.एससी. (एजी), पीएच.डी.	सोयल कैमिस्ट्री ऐण्ड सोयल फर्टिलिटी
एसोसिएट प्रोफेसर		
जयन्त कुमार चटर्जी	एम.भी.एससी., पीएच.डी.	एनिमल प्रोडक्शन ऐण्ड मैनेजमेन्ट
बुद्धदेव दुआरी	एम.एससी. (एजी), पीएच.डी.	वीड मैनेजमेन्ट
गणेश चन्द्र मलिक	एम.एससी. (एजी), पीएच.डी.	क्रॉप हसबंडरी ऐण्ड वॉटर मैनेजमेन्ट
रीडर		
पी. के. विश्वास	एम.एससी., पीएच.डी.	एग्रीकल्चर कैमिस्ट्री
एसिस्टेन्ट प्रोफेसर		
स्वप्न कुमार माइती	एम.एससी. (एजी), पीएच.डी.	क्रॉप हसबंडरी
सुछंदा मंडल	एम.एससी. (एजी), पीएच.डी.	सोयल साइन्स ऐण्ड एग्रील. कैमिस्ट्री
देवाशीष पान्डा	एम.एससी. (एजी)	प्लान्ट फिसियोलॉजी
पी. कन्डास्वामी	एम.ई. (एग्रील)	एग्रीकल्चरल प्रोसेसिंग
कालिपदा प्रामाणिक	एम.एससी. (एजी), पीएच.डी.	ड्राईलैंड एग्रोनॉमी
महुआ बनर्जी	एम.एससी. (एजी), पीएच.डी.	क्रॉप हसबंडरी
वाई. वासुदेव राव	एम.एस.सी., पीएच.डी.	बायो-कैमिस्ट्री

नाम	योग्यता	विशेषज्ञ
के. सी. स्वेन	एम.एससी., पीएच.डी.	एग्रीकल्चर इन्जिनियरिंग
एन. सी. सरकार	एम.एससी., पीएच.डी.	प्लान्ट फिसियोलॉजी
एम. सी. कुन्डु	एम.एससी., पीएच.डी.	सोयल साइन्स
मिस. सानंदा मण्डल	एम.एससी., पीएच.डी.	प्लान्ट फिसियोलॉजी
प्रीतम घोष	एम.एससी., पीएच.डी.	क्रॉप हसबंडरी
स्कूल		
पठ-भवन		
बोधिरूपा सिन्हा (प्रिंसिपल)	एम.ए. (इको), बी.एड.	—
इंग्लिश		
अमिताभ मुखर्जी	एम.ए., बी.एड., पीएच.डी.	इंग्लिश लैंग्वेज टीचिंग
अभिजीत सेनगुप्ता	एम.ए. एम.फिल, पी.जी.डीटी.ई.	—
सुरजीत सेन	एम.ए., बी.एड.	क्लासिकेल ट्रेजेडी
सारदा बासु मुखोपाध्याय	एम.ए.	अमेरिकन लिट.
श्रीमोई घोष	एम.ए., बी.एड.	—
संगीता हेमब्रोम	एम.ए.	—
सुरंजिमा साहा	एम.ए., बी.एड.	अमेरिकन लिट.
उमा चटर्जी	एम.ए., बी.एड.	क्लासिकल लिटरेचर
देवमाल्या दास	एम.ए., बी.एड.	इंग्लिश
बंगाली		
तारिक रॉयचौधुरी	एम.ए.	—
निलय रे	एम.ए., एम.फिल., बीटी, पीजीडीएई	लिंग्विस्टिक्स
श्यामाप्रसाद चटर्जी	एम.ए., पीएच.डी.	—
चन्द्राणी मुखर्जी	एम.ए., एम.एड.	म्यूजिक (एच. सी. ऐण्ड आर. एस.) 19 इंथ सेन्चूरी, बंकिम चंद्र
सोनाली चक्रबर्ती (मजूमदार)	एम.ए., बी.एड.	म्यूजिक (एच. सी. ऐण्ड आर. एस.) 19 इंथ सेन्चूरी, बंकिम चंद्र
राखी सरकार	एम.ए., बी.एड.	प्राचीन साहित्य
हरधन सोरेन	एम.ए.	—
निबिर कुमार घोष	एम.ए., बी.एड.	—
अनुराधा साहा	एम.ए., बी.एड.	—
देबोलिना दलाल	एम.ए., बी.एड.	—
समीर देबनाथ	एम.ए., बी.एड.	—
मैथेमेटिक्स		
शुभांग्शु सेन	एम.एससी., बी.एड.	क्वान्टम मैकेनिक्स ऐण्ड एटोमिक कोलिसियन थयोरी

नाम	योग्यता	विशेषज्ञ
तारक नाथ साहा	एम.एससी., बी.एड., पीएच.डी.	—
पत्रलेखा दत्ता सरकार	एम.एससी., बी.एड.	—
मधुसूदन मण्डल	एम.एससी., बी.एड.	—
सुतपा साहा	एम.एससी., बी.एड.	—
नम्रता भट्टाचार्य	एम.ए., बी.एड.	—
ज्योतिर्मय राउल	एम.एससी., बी.एड.	—
म्यूजिक		
चंदन मुंशी	एम. म्यूजिक	—
मौसमी दास	एम. म्यूजिक, बी.एड.	—
करुणामोयी मजूमदार	एम. म्यूजिक	—
दुलालप्रसाद मुखर्जी	बी.मस. (तबला)	—
डांस		
सुजाता मित्रा	बी.मस. (मणिपुरी)	
देवव्रत मुखर्जी	नृत्य ऐण्ड संगीत विशारद	—
आर्ट ऐण्ड क्रॉफ्टस्		
रति बासु	बी. फाइन (पेन्टिंग), एम. फाइन (ग्राफिक)	—
कालिचरण हेमब्रम	एम.एफ.ए. (पेन्टिंग)	—
श्रवणी भट्टाचार्य	बी. फाइन (टेक्सटाइल)	—
जयन्त मंडल	बी.एफ.ए., एम.एफ.ए. (पेन्टिंग)	—
प्रीति सी नर्तियांग	एम.एफ.ए.	टेक्सस्टाइल डिजाइन
फिजिक्स		
बुलबुल कोनर	एम.एससी., पी.एड.	कन्डेन्स्ड मैटर फिजिक्स
सुचित चक्रवर्ती	एम.एससी., एम.एड.	एटोमिक फिजिक्स
कुमार विक्रान्त बसक	एम.एससी., बी.एड.	एटोमिक ऐण्ड मॉलिक्यूलर फिजिक्स
क्रैमिस्ट्री		
रुही दास	एम.एससी., बी.एड., पीएच.डी.	—
ससाधर माझी	एम.एससी., बी.एड., एम.फिल	—
अनिमेश घोष	एम.एससी., बी.एड. नेट	ओरगेनिक कैमिस्ट्री
लाइफ साइन्स		
छत्रपति मुर्मु	एम.एससी. (बोटेनी), बी.एड.	—
सुनील कुमार मंडल	एम.एससी., पीएच.डी.	—
इप्सा बन्दोपाध्याय	एम.एससी., पीएच.डी.	—
लोपामुद्रा सेन	एम.एससी., बी.एड.	लाइफ साइन्स (जूलॉजी)

नाम	योग्यता	विशेषज्ञ
जियोग्राफी		
सुस्मिता गुहा रॉय	एम.एससी. (जियो), पीएच.डी.	एन्वारन्मेन्टल जियोग्राफी
किशोर भट्टाचार्य	एम.ए., बी.एड.	—
हिस्ट्री		
निलंजना सेन	एम.ए.	—
शिल्पी मुखोपाध्याय	एम.ए., एम.फिल., बी.एड.	—
निर्मल कुमार महतो	एम.ए., बी.एड., पीएच.डी.	—
संस्कृत/हिन्दी		
देवेन्द्र पांडे	एम.ए. (डबल), पीएच.डी.	प्रेमचन्द्र ऐण्ड इंडियन फिलोसॉफी
सोनाली गांगुली	एम.ए., बी.एड., पीएच.डी.	—
अनिन्दिता अग्रवाल	एम.ए., बी.एड.	—
मिस. अल्पना धिबर	एम.ए., बी.एड.	—
इकोनोमिक्स		
सरबारी दत्ता	एम.एससी., एम.फिल.	—
होम साइन्स		
चैताली घोषाल	एम.एससी., डिप्लोमा (डाइट)	—
मृणाली आनंद पाठशाला		
छायारंजनी चक्रवर्ती	बी.एस.डब्लू., एम.एस.डब्लू.	—
श्रीलेखा चट्टोपाध्याय	एम.ए.	—
श्रीमती बानी विश्वास	एम.मस., पी.पी. ऐण्ड पीपीटी	—
प्रिया हालदार	—	—
सुतपा प्रामाणिक मजूमदार	—	—
स्टडी सुपरवाइज़र		
निमाइ शंकर चक्रवर्ती	एम.एससी., बी.एड.	—
परथा प्रतीम रॉय	एम.ए., बी.एड.	—
गृहाध्यक्ष		
परथा चक्रवर्ती	एम.ए., बी.एड.	—
मैटल क्राफ्ट		
चित्रा भानु गिरि (इन्स्ट्रक्टर)	डिप्लोमा इन इंजिनियरिंग	—
फिजिकल एडूकेशन		
विश्वजीत बीर	बी.पी.ई., एम.पी.ई.	—
फिलोसॉफी		
रुमा दास हाजरा	एम.ए., बी.एड.	—
स्टैटिस्टिक्स		
अनिल बारन मंडल	एम.एससी, पीएच.डी., एम.सी.ए.	ऑपरेशनस् रिसर्च ऐण्ड एप्रौक्सिमेशन एलगोरिदमस्

नाम	योग्यता	विशेषज्ञ
पौलिटिकल साइन्स		
दिपाली घोष	एम.ए., एम.फिल.	कन्टेम्पोरेरी इंडिया, सोसाइटी ऐण्ड पौलिटिक्स
शिक्षा सत्र		
जयन्त कुमार भट्टाचार्य	एम.एससी., पीएच.डी., बी.एड.	एक्स-रे ऐण्ड क्रिस्टेलोग्राफी
बंगाली		
श्रीनिवास घोष	एम.ए., बी.एड.	—
श्रीमती सिउली सिन्हा	एम.ए., पीएच.डी.	19इंथ सेन्चूरी बंगला लिट.
मुहम्मद मोजहरुल हामिद	एम.ए., बी.एड.	प्राचीन बंगला साहित्य
श्रीमती निवेदिता सारा	एम.ए., बी.एड.	19इंथ सेन्चूरी बंगला लिट.
इकबाल जहाँगीर	एम.ए., बी.एड., एम.एड.	टीचर एडूकेशन
इंग्लिश		
श्रीमती गार्गी घोष	एम.ए., बी.एड., पीएच.डी.	शॉर्ट स्टोरिज ऐण्ड कम्पेरेटिव लिट.
असिम कुमार मजूमदार	एम.ए., बी.एड., पी.जी.डी.टी.ई.	ईएलटी
श्रीमती मिताली दे सरकार	एम.ए., बी.एड.	ईएलटी
श्रमती अचिना मजूमदार	एम.ए., बी.एड., सेर इन क्रेंच	इंग्लिश
श्रीमती तामाली मजूमदार	एम.ए., पी.जी.डी.सी.ई. (हैदराबाद)	इंग्लिश
दिव्येन्दु मंडल	एम.ए., बी.एड.	ईएलटी ऐण्ड लिंग्विस्टिक्स
गिरिश चंद्र देहूरी	एम.ए., बी.एड.	ईएलटी ऐण्ड लिंग्विस्टिक्स
श्रीमती तृप्ति घोष	एम.ए., बी.एड.	ईएलटी ऐम्ड लिंग्विस्टिक्स
जियोग्राफी		
श्रीमती तृप्ति घोष	एम.ए., बी.एड.	डायनामिक जियोमोरफोलॉजी
श्रीमती गार्गी घोष	एम.ए., बी.एड.	पोपुलेशन जियोग्राफी
सोमेन सेनगुप्ता	एम.ए., बी.एड.	18इंथ सेन्चूरी इन इंडियन हिस्ट्री
देवव्रत बरत	एम.ए., बी.एड., एम.एड.	18इंथ संन्चूरी इंडियन हिस्ट्री ऐण्ड क्रिएटिविटी हिस्ट्री ऑफ आर्ट
लाइफ साइन्स		
रितुपर्णा चर	एम.एससी., बी.एड.	प्लांट एन्टोनॉमी
कुष्णेन्दु दे	एम.एससी., बी.एड.	पोलिनेशन बायोलॉजी
गौतम साहा	एम.एससी., बी.एड., एम.ए.	एन्वारन्मेन्ट साइन्स ऐण्ड टीचर एडू.
मैथेमेटिक्स		
संदिप कुमार भकत	एम.एससी., पीएच.डी.	हिस्ट्री ऑफ मैथेमेटिक्स ऐण्ड मैथ. एडू
गोपीनाथ मंडल	एम. एससी., पीएच.डी.	प्योर मैथेमेटिक्स
गणेश मंडल	एम.एससी., बी.एड.	एपलाइड मैथेमेटिक्स
श्रीमती जयाश्री साहा	एम.एससी., बी.एड.	बायो मैथेमेटिक्स

नाम	योग्यता	विशेषज्ञ
स्टैटिस्टिक्स		
रुद्र प्रसाद सिन्हा	एम.एससी., बी.एड., एम.ए.	स्टैटिस्टिक्स
फिजिक्स		
श्रीमती शम्पा भुट्टी (रॉय)	एम.एससी., बी.एड.	सॉलिड स्टेट फिजिक्स
परथासारथी चटर्जी	एम.एससी., एम.एड.	मल्टीमीडिया
तीर्थसलिल दे	एम.एससी.	एक्स-रे ऐण्ड क्रिस्टैलोग्राफी
कैमिस्ट्री		
अरूप भट्टाचार्य	एम.एससी., बी.एड., पीएच.डी.	फिजिकल कैमिस्ट्री
प्रदीप सोरेन	एम.एससी., बी.एड.	इनऔरगेनिक कैमिस्ट्री
इकोनोमिक्स		
सुब्रत सिन्हा	एम.एससी., एम.फिल.	एडवान्स इकोनोमिक्स थियोरी
संस्कृत		
श्रीमती आनंदमोई मंडल	एम.ए., बी.एड., पीएच.डी.	काव्य
श्रीमती कंचन दासगुप्ता	एम.ए., बी.एड.	काव्य
डांस		
श्रीमती माधुरी सिन्हा	डिप. इन म्यूरिक ऐण्ड डांस	डांस
इलेक्ट्रिक		
श्यामलेन्दु बनर्जी	डिप. इन इलेक्. इंग्.	पावर स्टेशन ऐण्ड सब-स्टेशन
म्यूजिक		
रमेन्द्रनारावण सिन्हा	बी.एससी.	संगीत प्रभाकर
दुर्गाचरण मजूमदार	एम.मस.	क्लासिकल ऐण्ड रवीन्द्र संगीत
रजतमोय चट्टोपाध्याय	एम.ए.	रवीन्द्र संगीत
फिलोसॉफी		
श्रीमती संगीता सरकार	एम.ए., एम.फिल.	डेवेलपमेन्ट एथिक्स
तबला		
रनेन्द्रनारायण सिन्हा	बी.एससी., संगीत प्रभाकर, संगीत विशारद	बनारस ऐण्ड लखनऊ घराना
हिन्दी/संस्कृत		
श्रमती सुधा गुप्ता	एम.ए., बी.एड., पीएच.डी.	पोइटिक लैंग्वेज
प्रिया पाठक	एम.ए., बी.एड., नेट	—
वेविंग		
श्रीमती पूरनलक्ष्मी घोष	बी.ए. सर्टिफिकेट कोर्स इन वेविंग	वेविंग
पेन्टिंग		
विश्वदीप दास	एम.एफ.ए.	पेन्टिंग
सुद्धि रंजन मुखर्जी	एम.ए.	पेन्टिंग

नाम	योग्यता	विशेषज्ञ
फिजिकल एड्डूकेशन		
श्रीमती वन्दना हाजरा	एम.पी.ई.	एथेलेटिक्स
सोमनाथ मेहाना	बी.पी.एड.	फुटबॉल
पोलिटिकल साइन्स		
सुमन्त दास	एम.ए., बी.एड.	—
संतोष पाठशाला		
सुब्रज्योति दत्ता	एम.एससी.	—
सुदीपा सेन	एम.ए., बी.एड.	—
श्रीनिबास	एम.ए., बी.एड.	—
अंजली रॉय	एम.एससी., बी.एड.	—
गोपीनाथ मंडल	एम.एससी., एड.	—
सुमन चक्रवर्ती	एम.ए., बी.एड.	—

संसद (कोर्ट) के सदस्य

क्र.सं.	नाम
1.	श्री नरेन्द्र मोदी ऑनरेबल प्राइममिनिस्टर ऑफ इंडिया ऐण्ड आचार्य (चैंसलर), विश्व–भारती साउथ, ब्लौक–II ऑफिस, 7, रेस कोर्स रोड नई दिल्ली–110011
2.	प्रो. स्वप्न कुमार दत्ता उपाचार्य (ऑफिंग.) विश्व–भारती फ्रॉम–16-02-2016
3.	प्रो. सबुजकोलि सेन डायरेक्टर ऑफ स्टडीज एडूकेशनल इनोवेशन्स ऐण्ड रुरल रिकन्स्ट्रक्शन विश्व–भारती
4.	प्रो. ताप्ति मुखर्जी डायरेक्टर ऑफ कल्चर ऐण्ड कल्चरल रिलेशन्स् विश्व–भारती
5.	डॉ (कोल) एम.एम. मित्रा डायरेक्टर ऑफ फिजिकल एडूकेशन, स्पोर्टस, नेशनल सर्विस ऐण्ड स्टूडेन्ट वेलफेयर विश्व–भारती
6.	अध्यक्ष भाषा–भवन विश्व–भारती

क्र.सं.	नाम
7.	अध्यक्ष विद्या–भयन विश्व–भारती
8.	अध्यक्ष शिक्षा–भवन विश्व–भारती
9.	अध्यक्ष कला–भवन विश्व–भारती
10.	अध्यक्ष संगीत–भवन विश्व–भारती
11.	अध्यक्ष पठ–भवन विश्व–भारती
12.	अध्यक्ष पाली शिक्षा–भवन विश्व–भारती
13.	अध्यक्ष पाली समगठन बिभाग विश्व–भारती
14.	अध्यक्ष विनय–भवन विश्व–भारती

परिशिष्ट - एफ

संसद (कोर्ट) के सदस्य

1. श्री नरेन्द्र दामोदर मोदी
   भारत के सम्माननीय प्रधान मन्त्री
   आचार्य (चैंसरल), विश्वभारती
   साउथ ब्लॉक-11 ऑफिस
   7, रेस कोर्स रोड
   नई दिल्ली - 110011
2. प्रो. स्पपन कुमार दत्ता
   उपाचार्य (ऑफिग.)
   विश्वभारती
   फ्रॉम - 16-02-2016
3. प्रो. सबुजकोलि सेन
   निदेशक, शैक्षिक नवाचार और ग्रामीण
   पुनर्निमाण, विश्वभारती
4. प्रो. तापि मुखर्जी
   निदेशक, संस्कृति एवं सांस्कृतिक संबंध
   विश्वभारती
5. डॉ (कोल) एम. एम. मित्रा
   निदेशक, शारीरिक शिक्षा, खेल, राष्ट्र सेवा
   एवं छात्र कल्याण
   विश्वभारती
6. अध्यक्ष
   भाषा-भवन
   विश्वभारती
7. अध्यक्ष
   विद्या-भवन
   विश्वभारती
8. अध्यक्ष
   शिक्षा-भवन
   विश्वभारती
9. अध्यक्ष
   कला-भवन
   विश्वभारती
10. अध्यक्ष
    संगीत-भवन
    विश्वभारती
11. अध्यक्ष
    पाठ-भवन
    विश्वभारती
12. अध्यक्ष
    पल्लीशिक्षा-भवन
    विश्वभारती
13. अध्यक्ष
    पल्ली संगठन विभाग
    विश्वभारती
14. अध्यक्ष
    विनय-भवन
    विश्वभारती
15. अध्यक्ष
    शिक्षा-सत्र
    विश्वभारती
16. डॉ. भी. के थॉमस
    लाइब्रेरियन, सेन्ट्रल लाइब्रेरी
    विश्वभारती
17. प्रो. अमित हाजरा
    छात्र परिचालक (प्रॉक्टर)
    विश्वभारती
18. अध्यक्ष
    ग्रंथन विभाग
    विश्वभारती, 6, ए. जे. सी बोस रोड
    कोलकाता-100 017

भाषा भवन

19. विभागीय प्रधान
    बंगला विभाग
    विश्वभारती
20. विभागीय प्रधान
    अंग्रेजी विभाग
    विश्वभारती
21. विभागीय प्रधान
    संस्कृत विभाग
    विश्वभारती
22. विभागीय प्रधान
    हिन्दी विभाग
    विश्वभारती
23. विभागीय प्रधान
    ओड़िया विभाग
    विश्वभारती
24. विभागीय प्रधान
    अरबी, फारसी, उर्दू एवं
    इस्लामिक अध्ययन विभाग
    विश्वभारती
25. विभागीय प्रधान
    भारततिब्बतीय अध्ययन विभाग
    विश्वभारती
26. विभागीय प्रधान
    जापानी विभाग
    विश्वभारती
27. विभागीय प्रधान
    चीनी विभाग
    विश्वभारती
28. विभागीय प्रधान
    संथाली विभाग
    विश्वभारती
29. विभागीय प्रधान
    अर्थशास्त्र एवं राजनीति विभाग
    विश्वभारती
30. विभागीय प्रधान
    इतिहास विभाग
    विश्वभारती
31. विभागीय प्रधान
    ए. आई. एच. सी. एवं ए विभाग
    विश्वभारती
32. विभागीय प्रधान
    भूगोल विभाग
    विश्वभारती
33. विभागीय प्रधान
    दर्शशशास्त्र एवं धर्म विभाग
    विश्वभारती
34. प्रभारी
    पत्रकारिता एवं जन संचार
    विश्वभारती
35. विभागीय प्रधान
    मानव विज्ञान विभाग
    विश्वभारती

शिक्षा-भवन

36. विभागीय प्रधान
    भौतिकी विज्ञान विभाग
    विश्वभारती
37. विभागीय प्रधान
    रसायन विज्ञान विभाग
    विश्वभारती
38. विभागीय प्रधान
    गणित विभाग
    विश्वभारती
39. विभागीय प्रधान
    जंतु विज्ञान विभाग
    विश्वभारती
40. विभागीय प्रधान
    वनस्पति विज्ञान विभाग
    विश्वभारती

41. विभागीय प्रधान
सांख्यिकी विभाग
विश्वभारती

42. विभागीय प्रधान
कम्प्यूटर एवं प्रणाली विज्ञान
विश्वभारती

43. विभागीय प्रधान
जैव प्रौद्योगिकी विभाग
विश्वभारती

44. विभागीय प्रधान
पर्यावरण अध्ययन केन्द्र
कलाभवन, विश्वभारती

45. विभागीय प्रधान
मूर्ति विभाग
विश्वभारती

46. विभागीय प्रधान
पेंटिंग विभाग
विश्वभारती

47. विभागीय प्रधान
डिजाइन विभाग
विश्वभारती

48. विभागीय प्रधान
ग्राफिक आर्ट विभाग
विश्वभारती

49. विभागीय प्रधान
कला का इतिहास विभाग
विश्वभारती

संगीत-भवन

50. विभागीय प्रधान
रवींद्र संगीत, नृत्य एवं नाटक विभाग
विश्वभारती

51. विभागीय प्रधान
शास्त्रीय संगीत विभाग
विश्वभारती
विनय-भवन

52. विभागीय प्रधान
शिक्षा विभाग
विश्वभारती

53. विभागीय प्रधान
शारीरिक शिक्षा विभाग
विश्वभारती

54. विभागीय प्रधान
कृषि विज्ञान विभाग
विश्वभारती

55. विभागीय प्रधान
फसल सुधार, बागवानी एवं
कृषि वनस्पति विभाग
विश्वभारती

56. विभागीय प्रधान
पादप संरक्षण विभाग
विश्वभारती

57. विभागीय प्रधान
कृषि विस्तार एवं सांख्यिकी विभाग
विश्वभारती

पल्ली संगठन विभाग

58. विभागीय प्रधान
सामाजिक कार्य विभाग
विश्वभारती

59. विभागीय प्रधान
पल्ली चर्चा केन्द्र
विश्वभारती

60. विभागीय प्रधान
शिल्प सदन विभाग
विश्वभारती

61. विभागीय प्रधान
आजीवन शिक्षा एवं विस्तार विभाग
विश्वभारती

भाषा-भवन

62. प्रो. रामेश्वर प्रसाद मिश्रा
    हिन्दी विभाग
    विद्या-भवन, विश्वभारती

63. प्रो. सुमन्त्रो मुखर्जी
    भूगोल विभाग
    विश्वभारती

शिक्षा-भवन

64. प्रो. अरूण रॉय
    जंतु विज्ञान विभाग
    विश्वभारती

कला-भवन

65. प्रो. आर. शिवकुमार
    कला का इतिहास विभाग
    कला-भवन
    विश्वभारती

संगीत-भवन

66. प्रो. स्वपन कुमार घोष
    हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत विभाग
    विश्वभारती
    विनय-भवन

67. डॉ अशोक कुमार गून
    शारीरिक शिक्षा विभाग
    विश्वभारती
    विनय-भवन

पल्ली शिक्षा विभाग

68. प्रो. नकुल चंद्र मंडल
    पादप संरक्षण विभाग
    पी. एस. बी.
    विश्वभारती

पल्ली संगठन विभाग

69. डॉ. रफीकुल इस्लाम
    आजीवन शिक्षा एवं विस्तार विभाग
    (आरईसी)
    विश्वभारती

पाठ-भवन

70. श्री देवेन्द्र पाण्डे
    पठ भवन
    विश्वभारती
    शिक्षा सत्र

71. श्री रनेन्द्र नारायण सिन्हा
    शिक्षा सत्र
    विश्वभारती

72. श्री शांति रॉय
    ग्राउन्डस् मैन, शारीरिक शिक्षा
    विश्वभारती

73. श्री बिरोकिशोर पाल
    पियोन-कम-लाइब्रेरी क्लीनर, पी. एस. बी
    विश्वभारती

74. श्री अमिय हाजरा
    प्रॉफेशनाल एसिस्टेंट, सेन्ट्रल लाइब्रेरी
    विश्वभारती

75. श्रीमती निर्मला देबनाथ
    मेड सर्वेन्ट
    श्री सदन
    विश्वभारती

76. श्रीमती कनिका देबनाथ
    एसिस्टेन्ट लाइब्रेरियन
    सेन्ट्रल लाइब्रेरी
    विश्वभारती

77. श्रीमती सहेली मिश्रा
    विद्यार्थी, एम. एससी,
    वनस्पति विज्ञान विभाग
    शिक्षा-भवन
    विश्वभारती

78. श्री उपासना छेत्री
विद्यार्थी, एम.ए.,
एआईएचसी एवं ए विभाग
विद्या-भवन
विश्वभारती

79. शेख. एयसान तनबीर
वनस्पति विज्ञान विभाग
शिक्षा-भवन
विश्वभारती

80. श्री अर्नब रॉय
भौतिकी विज्ञान विभाग
शिक्षा-भवन
विश्वभारती

81. श्रीमती इशिता दास
गणित विभाग
शिक्षा-भवन
विश्वभारती

82. डॉ. अनुपम हाजरा
स्वप्न पुरी, विनय पल्ली,
पो. ओ. - शांतिनिकेतन
जिला-बीरभूम, पिन-731234
पश्चिम बंगाल

83. श्री एस एस अहलुवालिया
417बी, अशोक नगर रोड
नम्बर 5बी
राँची - 834002

84. डॉ. भोला सिंह
अशोक नगर
पोखारिया, वार्ड नम्बर 36
बेगूसराय, बिहार - 851101

85. श्री पवन कुमार वर्मा
बी-61, पश्चिमी मार्ग,
वसन्त विहार, नई दिल्ली - 110057

86. श्री दिग्विजय सिंह
64, लोधी इस्टेट
नई दिल्ली-110003

87. श्री संजय बुधिया
प्रबन्ध निर्देशक, पैटोन ग्रुप,
3सी, कैमेक स्ट्रीट, 8वाँ तल्ला,
कोलकाता-700016

88. डॉ. सुशोवन बनर्जी
जनरल प्रैक्टिसियोनर (मेडिसिन)
हरगौरीतला
बोलपुर, बीरभूम

89. प्रो. (कुमारी) संयुक्ता दासगुप्ता
7सी, कॉर्नफील्ड रोड
कोलकाता-700 019

90. श्री न्यायधीश साखाराम सिंह
पूर्व न्यायाधीश, इलाहाबाद उच्च न्यायालय
303, सी. के. दफ्तरी
लॉयर्स चैम्बर
भारत के सर्वोच्च न्यायालय
तिलक लेन, नई दिल्ली-110001

91. प्रो. शैली भट्टाचार्य, एफएनएएस
पूर्व अध्यापिका
जंतु विज्ञान विभाग
विश्वभारती

92. प्रो. राकेश के. त्यागी, एफएनएएस
आणविक औषधि का विशेष केन्द्र
जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय
नई दिल्ली-110067

93. श्री मधुसूदन हाजरा
सहायक अध्यापक
शिल्प सदन
पल्ली संगठन विभाग
विश्वभारती

परिशिष्ट – जी

कर्म-समिति के सदस्य

(एक्जीक्यूटीव कांउसिल)

1. प्रो. स्वपन कुमार दत्ता
उपाचार्य (ऑफिग.)
विश्वभारती
फ्रॉम – 16-02-2016

2. प्रो. सबुजकोलि सेन
निदेशक, शैक्षिक नवाचार और ग्रामीण पुनर्निमाण, विश्वभारती

3. प्रो. तापि मुखर्जी
निदेशक, संस्कृति एवं सांस्कृतिक संबंध
विश्वभारती

4. डॉ (कोल) एम. एम. मित्रा
निदेशक, शारीरिक शिक्षा, खेल, राष्ट्र सेवा एवं छात्र कल्याण
विश्वभारती

5. श्रीमती बौधिरूपा सिन्हा
अध्यक्ष
पाठ-भवन
विश्वभारती

6. प्रो. दुलाल पाल
अध्यक्ष
शिक्षा-भवन
फ्रॉम – 01-03-2016

7. प्रो. विभास चंद्र झा
अध्यक्ष
विद्या-भवन
विश्वभारती

8. प्रो. कैलाश चन्द्र पट्टनायक
अध्यक्ष
भाषा-भवन
विश्वभारती

9. श्री मधुसूदन हाजरा
पल्ली संगठन विभाग
शिल्प सदन
प्रो. सुमन्त्रो मुखर्जी
भूगोल विभाग
विद्या-भवन

10. प्रो. (कुमारी) संजुक्ता दासगुप्ता
7सी, कॉर्नफील्ड रोड
कोलकाता-700 019

11. डॉ. सुशोवन बनर्जी
जनरल प्रैक्टिसियोनर (मेडिसिन)
हरगौरीतला
बोलपुर, बीरभूम

12. श्री न्यायाधीश साखाराम सिंह
पूर्व न्यायाधीश, इलाहाबाद उच्च विचारालय
303, सी. के. दफ्तरी
लॉयर्स चैम्बर
भारत के सर्वोच्च न्यायालय
तिलक लेन, नई दिल्ली-110001

13. प्रो. राकेश के. त्यागी, एफएनएएस
आणविक औषधि का विशेष केन्द्र
जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय
नई दिल्ली-110067

14. 92. प्रो. शैली भट्टाचार्य, एफएनएएस
पूर्व अध्यापिका
जंतु विज्ञान विभाग
विश्वभारती

वार्षिक प्रतिवेदन
विश्वभारती

सम्पादकीय समिति

प्रो. सबुजकोलि सेन (चेयर परसन)
प्रो. काशीनाथ भट्टाचार्य, सदस्य
प्रो. देवारति बन्दोपाध्याय, सदस्य
श्री रोमित रॉय, सदस्य
सौम्येन्द्र सेन, सचिव सदस्य

डाक-सम्बन्धी पता

शान्तिनिकेतन, बीरभूम
पश्चिम बंगाल, भारत-731235

वेबसाइट

डब्लूडब्लूडब्लू.विश्व-भारती.एसी.इन

ई-मेल

विश्व-भारती@विश्व-भारती. एसी. इन

फैक्स

+91 (03463) 262-672

दूरभाष

(03463) 262751-6 (6 लाइन्स)